मत्तय

1 येशु ख्रिस्त जो दावीद राजाना पोऱ्या, जो अब्राहामना पोऱ्या ह्याना वंशावळीनं पुस्तक. **2** अब्राहामले इसहाक नावना पोऱ्या व्हयना; इसहाकले याकोब; याकोबले यहुदा; अनं त्याना भाऊ व्हयनात; **3** यहुदाले तामारेपाईन पेरेस अनं जेरह व्हयनात; पेरेसले हेस्रोन व्हयना; हेस्रोनले अराम व्हयना; **4** अरामले अम्मीनादाब; अम्मीनादाबले नहशोन; नहशोनले सल्मोन; **5** सल्मोनले रहाबेपाईन बवाज; बवाजाले स्थपाईन ओबेद; ओबेदाले इशाय; **6** अनं इशायले; दावीद राजा व्हयना; जी पहिले उरीयानी बायको व्हती; तिनापाईन दावीदले शलमोन व्हयना; **7** शलमोनले रहाबाम; रहबामले अबीया; अबीयाले आसा; **8** आसाले यहोशाफाट; यहोशाफाटले योराम; योरामले उज्जीया; **9** उज्जीयाले योथाम; योथामले आहाज; आहाजले हिज्कीया; **10** हिज्कीयाले मन्नशे; मन्नशेला आमोन; आमोनले योशीया; **11** अनी बाबेलले देशांतर व्हयनं तवय योशीयाले यखन्या अनं त्याना भाऊ व्हयनात. **12** बाबेलले देशांतर व्हयनं तवय यखन्याले शल्तीएल व्हयना; शल्तीएलले जरूब्बाबेल; **13** जरूब्बाबेलले अबीहूद; अबीहूदले एल्याकीम; एल्याकीमले अज्जुर; **14** अज्जुरले सादोक; सादोकले याखीम; याखीमले एलीहुद; **15** एलीहुदले एलाजार; एलाजारले मत्तान; मत्तानले याकोब; **16** अनी याकोबले योसेफ व्हयना. जो मरीयाना नवरा व्हता, अनी मरीयाले येशु व्हयना ज्याले ख्रिस्त म्हणतस. **17** याप्रमाणे अब्राहामपाईन दावीदपावत सर्व मिळीसन चौदा पिढ्या; दावीदपाईन बाबेलले देशांतर करं तोपावत चौदा पिढ्या; अनी बाबेलले देशांतर व्हवनं तवयपाईन ख्रिस्तपावत चौदा पिढ्या. **18** येशुना जन्म असा व्हयना की, त्यानी माय मरीया हिनी योसेफसंगे मांगनी व्हयेल व्हती, त्यासनं लगीन व्हवाना पहिले पवित्र आत्माकडतीन तिले दिवस राही गयात. अस दखायी वनं **19** तिना नवरा योसेफ हाऊ एक धार्मीक माणुस व्हता अनं तिनी बदनामी व्हवाले नको म्हणीसन तिले चुपचाप सोडी देवानी त्यानी ईच्छा व्हती. **20** जवय तो हाऊ ईचार करीच राहीता ईतलामा एक प्रभुना स्वर्गदूतनी त्याले सपनमा दर्शन दिसन सांगं, हे, "योसेफ दावीदना पोऱ्या, तु मरीयाले बायको बनाडाले घाबरू नको, कारण तिना पोटमा जो गर्भ शे, तो पवित्र आत्माकडतीन शे. **21** ती पोऱ्याले जन्म दि त्यानं नाव तु येशु ठेव, कारण तोच आपला लोकसले पापपाईन वाचाडी." **22** हाई सर्व यानाकरता व्हयनं, की, प्रभुनी संदेष्टासनाद्वारा जे सांगेल व्हतं ते पुर्ण व्हवाले पाहिजे ते अस. **23** दखा, "कुमारी गर्भवती व्हई अनं तिले पोऱ्या व्हई, अनी त्याले इम्मानुएल हाई नाव देतीन." ह्या नावना अर्थ "आमनासंगे देव असा शे." **24** तवय झोपमाईन ऊठानंतर प्रभुना दूतनी जशी आज्ञा करी, तसं योसेफनी करं त्यानी आपली बायकोना स्विकार करा. **25** जोपावत तिनी पोऱ्याले जन्म दिधा नही, तोपावत मरीयाना जोडे तो निजना नही, जवय पोऱ्या व्हयना तवय त्यानी त्यानं नाव येशु ठेवं.

2 जवय हेरोद राजा व्हता. तवय यहूदीयातील प्रांतमा बेथलहेम गावमा येशुना जन्मनंतर, दखा पुर्व दिशाकडतीन ज्योतिषी येरूशलेमले ईसन ईचार-पुस करू लागनात. **2** "यहूदीसना राजा जन्मना तो कोठे शे? कारण आम्हीन पुर्व दिशाले तारा दखीसन त्याले नमन कराले येल शेतस." **3** हेरोद राजानी जवय हाई ऐकं तवय तो अनं पुरं यरूशलेम घाबरी गयं. **4** तवय त्यानी लोकसना मुख्य याजक, अनी शास्त्रीसले बलाईसन ईचारं की, ख्रिस्तना जन्म कोठे व्हणार शे? **5** त्यासनी त्याले सांगं, "यहूदीयाना बेथलहेम गावमा" कारण संदेष्टासनाद्वारा असच लिखेल शे, की. **6** "हे यहूदाना प्रदेश बेथलहेम? तु यहुदाना सर्व सरदारसमा कनिष्ठ शे; अस अजिबात नही? कारण मना इस्त्राएल लोकसले संभाळी असा सरदार तुनामातीन निंघी." **7** तवय ज्योतिषीसले हेरोद राजानी गुपचुप बलाईसन तारा दखावानी येळ नीट ईचारी लिधी. **8** त्यासले बेथलहेमले धाडतांना सांगं, "तुम्हीन जाईसन त्या बाळबद्दल नीट ईचारपुस करा, शोध लागी तवय माले बी निरोप घा, म्हणजे मी पण ईसन त्याले नमन करसु." **9** राजानं बोलनं ऐकीसन त्या तठेन निंघनात त्यासनी जो तारा पुर्व दिशाले दखेल व्हता, जठे ते बाळ व्हतं. त्या जागावर जाईसन पोहचत नही तोपावत त्यासनापुढे चालना. **10** त्या ताराले दखीसन त्या भलताच खूश व्हयनात. **11** जवय त्या घरमा गयात, तवय बाळले त्यानी माय मरीया जोडे त्यासनी दखं. अनं त्यासनी त्याना पाया पडीसन त्याले नमन करं, त्यासनी त्यासन्या थैल्या सोडीसन त्यानामाईन सोनं, ऊद, गंधरस, हाई त्याले अर्पण करं. **12** मंग सपनमा परमेश्वर कडतीन त्यासले सूचना भेटनी की, हेरोद राजाकडे परत जावानं नही, म्हणीसन त्या दूसरी वाटतीन त्यासना देशमा निंघी गयात. **13** ज्योतिषी लोके जावानंतर प्रभुना दूतनी योसेफले सपनमा दर्शन दिसन सांगं, "ऊठ, बाळले अनी त्यानी मायले लिसन मिसर देशमा पळी जाय, मी तुले सांगस नही तोपावत तु तठेच र्‍हाय." कारण बाळले मारासाठे हेरोद त्याना शोध कराव शे? **14** मंग तो ऊठना अनं रातमाच बाळले अनी त्यानी मायले लिसन मिसर देशमा पळी गया. **15** अनी हेरोद मरस पावत त्या तठेच र्‍हायनात, "मी मना पोऱ्याले मिसर देशमातीन बलायेल शे." जे प्रभुने संदेष्टासनाद्वारा सांगेल व्हतं, ते पुरं व्हवाले पाहिजे म्हणीसन अस व्हयनं. **16** ज्योतिषीसनी आपले फसाडं म्हणीसन हेरोद भलता संतापना अनं जी माहिती ज्योतिषीसपाईन नीट ईचारी लेयल व्हती, तिना प्रमाणे बेथलहेम अनी आस-पासना सर्व गावसमा ज्या दोन वरीसना अनी त्यानापेक्षा कमी वयना पोऱ्या व्हतात, त्या सर्वासले त्यानी शिपाई धाडीसन मारी टाकं. **17** यिर्मया संदेष्टानाद्वारे जे सांगेल व्हतं; त्या येळले ते पुर्ण व्हयनं ते अस; **18** रामा गावमा रडानं अनं आक्रोशसना शब्द ऐकाले वनात. राहेल तिना पोऱ्यास करता भलती रडी र्‍हायनी शे, त्या र्‍हायनात नहीत म्हणीसन तिनं समाधान व्हई नही र्‍हायनं. **19** मंग हेरोद राजा मरानंतर, प्रभुना दूत मिसर देशमा योसेफले सपनमा दर्शन दिसन बोलना. **20** ऊठ, बाळले अनी त्याना मायले लिसन इस्त्राएल देशमा निंघी जाय, कारण ज्या बाळले माराले दखी राहीता, त्या मरी जायेल शेतस. **21** तवय तो झोपमाईन ऊठना बाळले अनी त्यानी मायले लिसन इस्त्राएल देशमा वना; **22** पण अर्खेलाव हाऊ त्याना बाप हेरोदना जागावर यहूदीयामा राज्य

ማቶስ እንጂለ

1 መሲህ ኢሰ ደዉዴለከ እብራሂም ደቦች ከለቀሙሰ ህት ከተበሞኡ። 2 እብራሂም ኢሳቀ እሎ፤ ኢሳቀ ያቁበ እሎ፤ ያቁብ ይሁደለከ እመስ ኦሱተ እሎ፤ 3 ይሁድ ትማሪች ቀሬሰለከ ዛረ እሎ፤ ቀሬሰ ሄሰሮነ እሎ፤ ሄሰሮንን እራሜ እሎ፤ 4 እራም እምናደበ እሎ፤ እምናደብ ነኣሶነ እሎ፤ ነኣሶንን ሱልማነ እሎ፤ 5 ሰልሞን ራኣቤች ቦኤዘ እሎ፤ ቦኤዝ ሩቴች ኢዮቤደ እሎ፤ ኢዮቤድን እሴዬ እሎ፤ 6 እሴይን ዋመ ደዉዴ እሎ፤ ደዉድን ኦርዮ ጫች ሱላይማነ እሎ፤ 7 ሱላይማንን ሮብኣመ እሎ፤ ሮብኣምን አብየ እሎ፤ አብየን አሳፈ እሎ፤ 8 አሳፍን ኢዮሳፈጠ እሎ፤ ኢዮሳፈጥን ኢዮራመ እሎ፤ ኢዮራምን ኦዝየ እሎ፤ 9 ኦዝየን ኢዮኣታመ እሎ፤ ኢዮኣታምን እካዘ እሎ፤ እካዝን ሕዝቅያሰ እሎ፤ 10 ሕዝቅያሰን ምናሴ እሎ፤ ምናሰን እሞጼ እሎ፤ እሞጽን ኢዮሰያሰ እሎ፤ 11 ኢዮሰያሰ እሰራኤል ኤመቱ ባብሎነ አገንት መርቶ ወክት እኮንያኔለከ እመስ ኦሱተ እሎ። 12 ባብሎናን አገንት መርቶች ኤተሮን እኮንያን ሰላቴለ እሎ፤ ሰላቴልን ዘሩባቤሌ እሎ፤ 13 ዘሩባቤልን አብዮደ እሎ፤ አብዮድን ኤልያቄመ እሎ፤ ኤልያቄምን ኣዞረ እሎ፤ 14 ኣዞርን ሳዶቀ እሎ፤ ሳዶቅን እኪመ እሎ፤ እኪምን ኤልዮደ እሎ፤ 15 ኤልዮድን አልዓዛረ እሎ፤ አልዓዛርን ማታነ እሎ፤ ማታንን ያቁበ እሎ፤ 16 ያቁብን ዩሱፈ እሎ፤ ዩሱፍን «መሲህ» ዬኖ ኢሰ እልቶ መርየመ ምኒ እነ እኮ። 17 ህካን እኮቤቺሃ እብራሂሚች ደዉዴ ኢለ ቶነ ሾሎ እለንሽ፤ ህትን ደዉዴች ባብሎነ እግተእ መርቶኢሃ ኢለ ቶነ ሾሎ እለንሽ እኮ፤ ህትን ባብሎነ እግቶች መሲህ ኢለ ቶነ ሾሎ እለንሽ። 18 መሲህ ኢሰ እለንሹ ህትነታን፤ እመስ መርየመ ዩሱፍሃ ኣሰንት ዮሃኔን ደቀንቱዕናን ጠሊለ እያን ወልቃን ላፈተ እካን መኑ ጉዕሙንኩ ደኅ። 19 ጠዕሜ ዩሱፍ ፈየ መንቹ እኮቤቺሃ መናን ፍሹዕነ ጠወሰ እጉሮተ ሰውዬእ። 20 ህካን ሰውየንን ቀርች መላይኬቹ ሀቂነ ለልሰ «ዩሱፋ ደዉዴ ቤቶ! ኣሴመሂ መርየመ ላፈተ እኮኢሁ ጠሊለ እያኒነ እኮቤቺሃ እሴተ ኣእቶተ ዋጅቶት። 21 እሴን ለቤ ጩል እልታእ፤ እሰን ኤመትሰ ጩበችሰ ጡምሰናቤቺሃ ሱዕመሰ ‹ኢሰ› ይታንት» ዬሰ። 22 ሁኩን ጉዕሙንኩ እኮሁ ቀርቹ ነብዬቾን 23 «ሀፍቱት ላፈተ እክ ለበ ጩል እልታእ፤ ህትን ሱዕመሰ ‹እማኑኤለ› ይት ገእታእ» እማኑኤለ ዩ «መገኑ ኒንት» ዩሃን። 24 ህካን እኮቤቺሃ ዩሱፍ ግሰኖች በቅዬ ወክት ቀርች መላይኬቹ እዘዙገን መርየመ ኣኤሴ። 25 ጠዉ እኮጎሬ መርየመ ዎኔሴ ጩል እልቶተ ኢለ እሴን ደቀሞበእ እቅ፤ ዩሱፍን እለሞ ጩል «ኢሰ» ይ ሱዕመ ፉሼሰ።

2 ሄርድሰ ዋመ እኮ ዘማነ ኢሰ ይሁድ ባዶን ቤተሌም ከተማነ እለሞ ወክት ቤዜተ ዎለኣ ኤነኬዕናሙ መኑ ሸርቂች ዬሩሳሌመ እሜቶኡ። 2 እሰን «እይሁድ ዎመ እሀኖ ጩሉ እለሞሁ ሀከነቤቾንት? ሸርቂነ ቤዜተ ለዕን እሲሃ ሰገንዶተ እሜንቶም» ይት ጠዕሞቶኡ። 3 ዎሙ ሄሮድሰ ህካን ሞጮጩ ወክት አበ ህልቆ፤ ህትን ዬሩሳሌም መኑ ጉዕሙንኩ ህልቆኡ። 4 እሰን ኤመትሰ ቂሰ አዎንሳኑተለከ ሕግ አሰተማረተ ጉዕመነከ ጭሞአዕይ «ቡረሞ መሲህ እለመናሁ ሀከቤቹ» እሁሰ ጠዕሜሰ። 5 እሰን «ይሁድ ባዶን ቤተሌም ከተማን እለመና፤ መሰንትሰ ነብዬቹ 6 «ቤተሌም ከተመ! እት ይሁድ ባድ አዎንሳናች ጉዕሚችን ሆፈኣንትበእ፤ ህካን እኮቤቺሃ ኪች ኢ መነ እሰራኤለ አገረናለከ አዎንሰናሁ እለመና ይ ከተቦኡ» ይቶኡ። 7 ህከኒች ኤተሮን ሄሮድሰ ህከ ኤነኬዕናሙ መነ ማጭ ገእ ጠወሰ ፎፎጅ ቤዜት ለልቶ ወክት ጠዕሞ ደኅ። 8 እሰን እሰንተ «መርቴን ህከን ጩልተኔሃ ጡመገ እጥረመቼ፤ ደጌንተኅሬ እሜቴን ኩልቴነንተኡ፤ እኒሁ ሰገዶተ መራም» ይ ቤተሌመ ሶኮ። 9 እሰን ሄሮድሴች ሞጮጭት ፉልቶ ወክት ሸርቂነ ለኦ ቤዜት አዎንስተንሰ ለኦ ወክት አበ ሙንይኦኡ፤ ሁኩ ሸርቃን ለኦ ቤዜንት ጩሉ ዮ ምኒ ቡዕላን ኡርታኢሃ ኢለ አዎንሰቶሰ። 11 እሰን ህከ ምኒ ኣጎ ወክት ጩሉ አማንተሰ መርየማን ሜጡበ ዮኢሃ ለእ ብሬሰ ጉሉጽት ሰገዶኡ፤ ህከኒች ኤተሮን ሳጥነ ፈንት ዎርቀ፥ ህጣነለከ ከርቤተ ዬኖ ህጣነ ፋሸት ኣቶኡ። 12 ሁኩ ኤነኬዕናሙ መኑ ሄሮድሴበ ፈንቀልት መርታበእገ መገኑ ህቄነ ኩላነ ዎሎ ዎቄነ ባዲሰ ፈንቀልቶኡ። 13 እሰን መርቶች ኤተሮን ቀርች መላይኬቹ ህቄነ ዩሱፊሃ ለልሰ «ሄሮድሰ ጩል ሾተ ሀሰኖቤቺሃ ጩልልለከ እመተ ኣእት ግብጽ ባዲ ሁኒ፤ እነ ኩሎሄተ ኢለ ህከኔ እቆዕል» ዬሰ። 14 ዩሱፍ ሀነከዕሬን ኬዕይ ጩልለከ እመተ ኣእ ግብጽ ባዲ ኦሮዕዮ። 15 ህከኔን ሄሮድሰ ሬሆተ ኢለ እቆዕሌእ፤ ሁኩን እኮሁ ቀርቹ ነብዬቾን «ቤቱኤ ግብጺች ገኤም» ዬ ላገት ዊንቶታት እቅ። 16 ሄሮድሰ ቤዜተ ለኦ መኑ ጣንሱሰ ደጎ ወክት እበ ኤሙዕሬእ፤ ቤተሌማንለከ ህከን አዳን ጉዕማንን ዮ ለሞ ዘማንለከ ለሞ ዘማኒች ዎርን ዮ ለቤ ኦሱተ ጉዕመንከ ሾኖተ አዘጉ፤ ህከ ወክትንከ ደኅሁ ኤነኬዕናሙ መኑ ኩልቶሰጋት እቅ። 17 ሁኩን እኮሁ ነብዬቹ ኤርምያሰ 18 «ራሄል እላተሴ ኦእን ያርትለከ ጩንጩነት ራማ ዬኖቤቾን ሞጮጩንቶኡ፤ እለሴ ሬቶቤቺሃ ሰብር አቶበእ» ዬኢሁ ዊሞታት። 19 ሄሮድሰ ሬዮች ኤተሮን ግብጽ ባዶን ቀርች መላይኬቹ ዩሱፍበ ሀቄነ እሜች 20 «ጩል ሸቶተ ሀሶ መኑ ሬቶቤቺሃ ኬእ እት ጩልለከ እመተ ኣእት እሰራኤል ባዲ ፈንቀል» ይ ኩሎ። 21 ህከ ወክት ዩሱፍ ጩልለከ እመተ ኣእ እሰራኤል ባዲ ፈንቀሎ። 22 ይሁድ ባዶን እርኬላዎስ እኒሰ ሄሮድሴ ቤቾን ዎመ እክ ሄዕዮገ ዩሱፍ ሞጮጭ ይሁድ ባዲ ኦሮኤ ዋጂእ፤ መገኑ ዩሱፍሃ ሀቄነ ኩላነሰ ገሊል ባዲ ኦሮዕዮ። 23 ህከቤቾንከ ኢሌ ወክት ናዝሬት ከተማን ሄዕዮ፤ ሁኩን እኮሁ ነብያኖን « ‹ናዝሬት መንቾ› ዬን ገኤኖ» ዬማሁ ዊሞታት።

3 ህከ ወክት ጠመቃንቾ ያህይ ይሁድ ባድ ኤድማን አዋጀን እሜቾ። 2 «ሁኩዕኑን! ሰማ ዎምነቱ ሆንጠኮቤቺሃ ጩብክዕኔ ቶበቴን ፈንቀሌ» የኖ እቅ። 3 ነብዬቹ እሰያሰ «መቱ መንቹ ኤለ ኤድማን ‹ቀርቹ ህገናቤቹ ብዝ አዕዬ ህትን ዎቃሰ ጌጥ አዕዬ› ይ ያርተን ሄኦ ላገተ» ዬኢሁ ያህይተኔሃት። 4 ያህይ ኦድኑት ጋሜል ኦርዛች ደዬመተ እቅ፤ ረመዙሰ ጠፍሪን ቆዕረኖ እቅ፤ ህትን ዳመ መለቡለከ ከንቸፈሩሃ አተኖ እቅ። 5 ህከ ወክት ዬሩሳሌም ከተሚች፥ ይሁድ ባዲች ጉዕሚችለከ ዮርዳኖሰ ዊ አዳን ዮ ባዲች ጉዕሚችን መኑ ያህይበ አሜተኖ እቅ። 6 ጩብሰ ቶበተን ዮርዳኖሰ ዛዘኖ ዊን ያህይ ጠመቀኖሳት እቅ። 7 ያህይ ልግቡ ፈርሳዊትለከ ሰዱቃውት እስበ ጠመቀንቶተ አሜተን ለዕዮ ወክት እስንተ «እዕኑ ዎሪች እለት! መገኒች አሜታ ኡሙዕሬች ጡሞቶኖተ ኩሎህዕኔሁ እዬት? 8 ቴሱንገ ጩብክዕኔ ቶበቴን ፈንቀሉክዕኔ ለሊሳ ጡመ ሆጉተ እዕዬ። 9 ህትን ነኤ ‹አብራሂምተ እለ› ይቴነን ጡሞቴነንታሃ አጉዱንከህዕኔ፤ መገኑ ከን ክነች እብራሂም እለተ እዕይ ኬሶተ አታለኖገ እነ ኩላነክዕኔ። 10 ከልቱ ሀቅ ፎቃነ እቆዕልዮኡ፤ ጡመ ላልቾ ላልበ ሀቀ ጉዕመንከ ሙሬነ ጊራነ ዎሬኖ። 11 ጩብክዕኔ

Matiyu

1 Inyerte tisa kuwunun Yisa Kristi, usaun in
Dauda, usaun Ibrahim. **2** Ibrahim wadi uchifin
Ishaku, a Ishaku uchifi Yakubu, a Yakubu uchifin
Yahuda nin nuanamẹ. **3** uchifin Parez nin Zaraha
unuzun kumantin Tamar, Parez uchifin Hasruna,
Hasruna uchifin Arama. **4** Arama wa maru
Aminadaba ku, Aminadaba mara Nahashuna ku,
Nahashuna mara. **5** Salmuna ku, Saalmuna mara
Bu'az ku unuzu kumantin Rahab, Bu'az mara
Ubida ku, unuzu kumantin Ruth, Ubida mara
Jesẹ ku. **6** Jesẹ wadi uchif ngoh Dauda, Dauda
mara Solomon ku, unuzun kitin wanin Uriya. **7**
Solomon wadi uchifin Rehoboam, Rehoboam
mara Abija ku, Abija mara Asa ku. **8** Asa mara
Jehoshapat, Jehoshapat mara Joram ku, Joram
wa maru Uzaya ku. **9** Uzaya mara Jotham ku,
Jotham wa di uchifin Ahaz, Ahaz mara Hizikiya
ku. **10** Hizikiya mara Manasa ku, Manasa mara
Amon ku, Amon mara Josaya ku. **11** Josaya mara
Jikoniya ku nin nuanẹ kubin kifuzun nonon
Israila udumun u Babila. **12** Kimalin kifuzu udu
u Babilẹ, Jikoniya mara Shealtiel ku, Shealtiel
mara Zarubabel ku. **13** Zarubabel mara Abiud
ku, Abiud mara ilayikum ku, Ilayakum mara
Azor ku. **14** Azor mara Zadok ku, Zadok wadi
uchifin Achim, Achim wadi uchifin Eliud. **15**
Eliud wadi uchifin Ileza, Ileza mara Mattana
ku, Mattana mara Yakub ku. **16** Yakub mara
Yusufu ku, ulessin Maremu ulenge na awa maru
Yisa ku unuzu kitene, ulenge na idin yicighe
Kristi. **17** Vat naji aji uyiru kitin Ibrahim udak
kubin Dauda aji likure nin na nassari, uyiru
kubin Dauda udu kubi ko na iwa yiru nani udu u
Babila aji likure nin na nassari. **18** Kumanti Yisa
Kristi wadi nafo nengenari. Unene Maremu wa
yiinnin aba su ilugma nin Yusufu, a na isa su
ilugma ba iseghe nin liburin in Fip Kutellẹ. **19**
Ulesse Yusufu wadi unan fiu Kutellẹ, na awa
di nin su a nighe ncin nan nya nanit ba. Bara
nani awa di nin su asughe likire. **20** Na awa di
kpilizu ni leli imone, unan kadura Kutellẹ da
kitime nan nya namoro, aworo, YUsufu, uusaun
Dauda, na uwa lanza fiu in woru uyiru Maremu
ku a so uwanife ba, bara fisudu fo na fidi nanya
liburi me unuzu kitin Ruhu ulauwari. **21** Ama
maru gono, uma yichu lisame Yisa, bara amma
tuchu anit me nanya nalapi mine." **22** Vat nilele
wase bara inan kulo imon ile na Cikilari wa
belli nnu nanan liru nin nu me, a woro. **23**
"Yenen kubura ma ti liburi kumaru gono, ima
yicu lisame immanuel, uninare Kutellẹ ligowe
nan ghirik." **24** Yusufu fita nanyan moro me asu
nafo na unan kaduran Cikilare na bellinghe,
ayira Maremmu ku aso uwanime. **25** Nanya nani
iwa so lisosin nless nin wanii, na izuro ba udu
kubi kongo na awa maru. A na lisan gone Yisa.

2 kubẹ na iwa maru Yisa ku in Baitalami
un Yahudiya nayiri tigoh in Hiridus, amon
anitt anan yiru yenju niyini kusari kitene nin
Urushalima da ida woro, **2** Adin weri ulenge
na ina marughe ugoh na Yahudawe? Tina yene
fiyini mere kusari kitene unnare ti da tida
zazinghe." **3** Na ugoh Hiridus in lanza nani,
ayi me nin na nitin Urushalima fita vat. **4**
Hiridus pitirino a didya na Priest nin na nan
ninyerte nanit vat kiti kirum, anin tirino nani,
"Nweri ima Kristi ku?" **5** I woro ghe nenge, "In
Baitalamin Yahudiya, bara imon ile na nyan
lirun nuu Kutullẹ na nyertin nari ine, **6** 'A fe,
ubaitalami, in myin Yahudiya, na fere ubene
nan nya na nan bun Yahudiya, nani nan nya
fere unan tigo ba nuzukuulenge na ama su libya
nanit nig Israila.'" **7** Hiridus tunna ayicila anan
yiru vat likire a tirino nani in dert kubi kongo
na fiyine na nuzu. **8** A to nani udu ubaitalahmi,
a woro, "Can idi piziru ubeleng gono seng.
Asa i se ghe, dan ida belli, bara meng wang
nan do in di zazinghe." **9** Na i lanza ugowe
ku, i kiffo libau i nya, fiyine na ini yene kusari
kitene tunna ncin nbun mine fidi duru fiyisina
kiti kirum dert kiti kanga na gọnọ diku. **10** Na
iyene fiyinie, isu ayi abo nin liburi libo kang.
11 Itunna ipira nan nya kilare iyene gone nin
nene Maryamue. Itumuno izazin ghe. Itunna i
puzuno tika mine i nakpaghe imon ile na i ming
mun, izinariya, lubban a kwul. **12** Na ise uwannu
nataf kiti Kutellẹ nan nya namorona iwa kpilin
kitin Hiridus ba, ifita i yira nlong libau ugang
ukpillu kipin mine. **13** Na inung nna nya, Gono
kadura Kutellẹ tun na a da kitin Yusufu nan nya
namoro, a woroghe, "Fita uyiru gono, kinesse
nin nene urum udu uMasar, udi so kikane se
kubi kongo na mbellin fi uliru bara na Hiridus
ma pizuru gone a molu kining." **14** A tunna
nin kitik ka ne afita a yauna ggono kinesse nin
nene inya mun ucindu umasar. **15** Awa di so
kikane udi duru kubin nkul in Hiridus, ulire
nan kulo na cikilare wa bellin kitin nnan liru

Matiu

1 Jisasɨ Kɨlaisɨ dɨ iauacagalinu iamɨlɨhalinu
agɨladɨ lugɨlavɨmi agadɨ ciaŋ nɨbu nameŋ.
Jisasɨ agaŋ Devitɨ dɨ hɨdɨlɨ hɨvɨ iahami. Devitɨ
nɨbu Ebɨlam dɨ hɨdɨlɨ hɨvɨ iahami. **2** Ebɨlam
ninanu Aisakɨ. Aisakɨ ninanu Jekopɨ. Jekopɨ
ninanu Juda. Jekopɨ agaŋ ninadinu limu hɨhɨle
agɨladɨ avi havami. **3** Juda ninadinu ahica. Mu
Pelesɨ. Mu Cela. Nulɨdɨ iamɨnɨlu Tamalɨ. Pelesɨ
ninanu Hesɨlon. Hesɨlon ninanu Lam. **4** Lam
ninanu Aminadapɨ. Aminadapɨ ninanu Nason.
Nason ninanu Salɨmon. **5** Salɨmon ninanu Boasɨ.
Boasɨ iamɨnu Lehapɨ. Boasɨ ninanu Obetɨ. Obetɨ
iamɨnu Lutɨ. Obetɨ ninanu Jesi. **6** Jesi ninanu
Devitɨ. Devitɨ nɨbu manɨgali hɨniadami. Manɨgali
hɨnɨhɨni Ulia dɨ cido agadɨ sabimi. Sabici nɨbu
hula hɨniavɨla Solomon dɨ huhɨlami. **7** Solomon
ninanu Lehaboam. Lehaboam ninanu Abia.
Abia ninanu Asa. **8** Asa ninanu Jehosafatɨ.
Jehosafatɨ ninanu Jeholam. Jeholam ninanu
Usia. **9** Usia ninanu Jotam. Jotam ninanu
Ahasɨ. Ahasɨ ninanu Hesekia. **10** Hesekia ninanu
Manase. Manase ninanu Amon. Amon ninanu
Josaia. **11** Josaia ninanu Jehoiakin. Josaia agaŋ
ninadinu limu hɨhɨle agɨladɨ avi havami. Nɨbɨlaŋ
iaha hɨniavɨdaci Babilonia fɨli tɨbɨ hɨsɨŋ agɨlaŋ
ve nɨbɨlaŋ hula sagaŋ lɨbavɨmi. Sagaŋ lɨba
nulɨdɨ lɨvalavɨla nulɨdɨdaŋ Isɨlaelɨ hɨdɨlɨ limu
hɨhɨle agɨladɨdaŋ Babilonia fɨli tɨbɨ via uavɨmi.
Via uavɨci lɨmɨn sɨbɨlɨ ulaŋ hɨvɨ me hɨnɨhɨni
sɨbɨla havɨ havɨ vihavɨhadami. **12** Lɨhavɨdaci
Jehoiakin agaŋ Sealɨtielɨ dɨ havami. Sealɨtielɨ
ninanu Selubabelɨ. **13** Selubabelɨ ninanu Abiutɨ.
Abiutɨ ninanu Eliakim. Eliakim ninanu Ajolɨ.
14 Ajolɨ ninanu Sadokɨ. Sadokɨ ninanu Akim.
Akim ninanu Eliutɨ. **15** Eliutɨ ninanu Eleasalɨ.
Eleasalɨ ninanu Matan. Matan ninanu Jekopɨ.
16 Jekopɨ ninanu Josepɨ. Josepɨ agaŋ Malia dɨ
sabimi. Malia nɨbu Jisasɨ dɨ huhɨlami. Nudɨ ala
Jisasɨ Kɨlaisɨ uavɨhadami. **17** Ebɨlam dɨ ninadinu
ajihalinu iamɨlɨhalinu agɨladɨ tɨbɨtɨbi lugɨlavɨmi.
Lugɨla lugɨla vavehavɨci human limu limu fɨhala
hɨcɨ limu ahica pam cɨjɨŋ iahami. Lɨci cɨhu
Devitɨ agaŋ iahami. Devitɨ dɨ ninadinu ajihalinu
iamɨlɨhalinu agɨladɨ avi tɨbɨtɨbi lugɨlavɨmi. Lugɨla
lugɨla vavehavɨci human limu limu fɨhala hɨcɨ
limu ahica pam cɨjɨŋ iahami. Lɨci Josaia dɨ
ninadinu agɨlaŋ iaha hɨniavɨdaci Babilonia fɨli
tɨbɨ hɨsɨŋ agɨlaŋ ve nɨbɨlaŋ hula sagaŋ lɨbavɨmi.
La nulɨdɨ lɨvalavɨla Isɨlaelɨ hɨdɨlɨ agɨladɨ viavɨla
Babilonia fɨli tɨbɨ heŋ via uavɨmi. Via uavɨci lɨmɨn
sɨbɨlɨ ulaŋ hɨvɨ me hɨnɨhɨni cɨhu hɨdɨlɨ maha Jehoiakin dɨ ninadinu ajihalinu
iamɨlɨhalinu agɨladɨ avi tɨbɨtɨbi lugɨlavɨmi. Lugɨla
lugɨla vavehavɨci human limu limu fɨhala
hɨcɨ limu ahica pam cɨjɨŋ iahami. Lɨci cɨhu
Jisasɨ Kɨlaisɨ iahami. **18** Jisasɨ Kɨlaisɨ iahami
agadɨ ciaŋ nɨbu nameŋ. Jisasɨ iamɨnu Malia
Josepɨ dɨ iahuiahu saŋ lɨbɨmɨŋavɨmi. Agadɨ
ala ahica ma hɨnɨmaŋ lɨhavɨdaci Malia agaŋ
humɨgaŋ ahɨlami. Asɨ dɨ Amɨŋ agadɨ vɨdɨvɨdɨŋ
hɨvɨ humɨgaŋ ahɨlami. **19** Josepɨ nɨbu Asɨ dɨ
ciaŋ sɨhɨvɨa lubɨahɨladami. Hameŋ sadaŋ Malia
humɨgaŋ ahɨlami agadɨ ciaŋ hɨjɨ igahɨlavɨla
nudɨ valɨben aba lɨmi. La hulaŋ iamɨgali Malia
dɨ mɨŋavɨhavɨdaci Malia sɨhumahɨlɨmɨdɨ aba
nudɨ nɨfɨlɨ cɨki valɨben aba lɨmi. **20** Hɨji hameŋ
lamalama hɨnɨdaci hɨfɨlɨ heŋ ala nulɨdɨ Hekɨlɨ
dɨ ciaŋ hali hɨsɨŋ agaŋ anɨsɨhu hɨvɨ iahavɨla
Josepɨ dɨ abami. Josepɨ uami. Nama Devitɨ dɨ
iamɨlɨnu uami. Ci igɨnaŋ uami. Asɨ dɨ Amɨŋ
agaŋ Malia dɨ ahɨliahuci humɨgaŋ ahɨlalɨ uami.
Hameŋ sadaŋ nama nudɨ sabisabi saŋ lɨdɨmɨnaŋ
uami. **21** Nɨbu ninaŋ huhɨlɨbali uami. Lɨci ninaŋ
agaŋ hekɨlɨ lavɨla Asɨ dɨ hulaŋ iamɨgali Isɨlaelɨ
hɨdɨlɨ agɨladɨ hugɨ hivɨbali uami. Hugɨ hivahiva
nulɨdɨ ahɨliahudaci huaci hameŋ laci hameŋ laci
hɨniavɨbali uami. Hameŋ sadaŋ nudɨ ibi Jisasɨ
aba abɨha uami. **22** Lɨci Josepɨ agaŋ ani hɨsɨva
iahavɨla nulɨdɨ Hekɨlɨ dɨ ciaŋ hali hɨsɨŋ agaŋ
nudɨ abami hameŋ laci ala lɨmi. Malia dɨ sabimi.
Agadɨ ala ahica ma hɨnɨmaŋ lɨhavɨdaci Malia
agaŋ ninaŋ agadɨ huhɨlami. Huhɨlɨci Josepɨ agaŋ
ninaŋ agadɨ ibi lamavɨla abami. Jisasɨ uami.
Akuaba akuaba hadɨhu iahavɨmi agɨlasaŋ ala
vaka nulɨdɨ Hekɨlɨ agaŋ nudɨ ciaŋ igalahalaha
hɨsɨŋ hulaŋ agasaŋ hɨji igudaci nameŋ abami.
Ci igɨlaŋ uami. Iamɨgali mɨnɨbɨlɨ mu hulaŋ mu
hula ma hɨnɨmaŋ lɨdɨŋ humɨgaŋ ahɨlɨbali uami.
Lavɨla ninaŋ mu huhɨlɨbali uami. Huhɨlɨci nudɨ
ibi Emanuelɨ aba abavɨbali uami. Lɨci Asɨ dɨ ciaŋ
igalahalaha hɨsɨŋ hulaŋ abami hameŋ laci ala
lɨmi. Asɨ alaŋ hula hɨnɨlalɨ aba abavɨhadami
agasaŋ Ibɨlu ciaŋ hɨvɨ Emanuelɨ uavɨhadami.

2 Helotɨ agaŋ nɨbu manɨgali hɨnɨhɨni Judia fɨli
tɨbɨ agadɨ mɨgɨladami. Betɨlehem haiabɨla
agaŋ Judia fɨli tɨbɨ heŋ hɨniadami. Betɨlehem
haiabɨla heŋ ala Malia agaŋ Jisasɨ dɨ huhɨlami.
Huhɨlavɨla via hɨnɨdaci hulaŋ hekɨlɨ hekɨlɨ

مَتَّى

١ كِتَابُ مِيلَادِ يَسُوعَ ٱلْمَسِيحِ ٱبْنِ دَاوُدَ ٱبْنِ إِبْرَاهِيمَ: ٢ إِبْرَاهِيمُ وَلَدَ إِسْحَاقَ. وَإِسْحَاقُ وَلَدَ يَعْقُوبَ. وَيَعْقُوبُ وَلَدَ يَهُوذَا وَإِخْوَتَهُ. ٣ وَيَهُوذَا وَلَدَ فَارِصَ وَزَارَحَ مِنْ ثَامَارَ. وَفَارِصُ وَلَدَ حَصْرُونَ. وَحَصْرُونُ وَلَدَ أَرَامَ. ٤ وَأَرَامُ وَلَدَ عَمِّينَادَابَ. وَعَمِّينَادَابُ وَلَدَ نَحْشُونَ. وَنَحْشُونُ وَلَدَ سَلْمُونَ. ٥ وَسَلْمُونُ وَلَدَ بُوعَزَ مِنْ رَاحَابَ. وَبُوعَزُ وَلَدَ عُوبِيدَ مِنْ رَاعُوثَ. وَعُوبِيدُ وَلَدَ يَسَّى. ٦ وَيَسَّى وَلَدَ دَاوُدَ ٱلْمَلِكَ. وَدَاوُدُ ٱلْمَلِكُ وَلَدَ سُلَيْمَانَ مِنَ ٱلَّتِي لِأُورِيَّا. ٧ وَسُلَيْمَانُ وَلَدَ رَحَبْعَامَ. وَرَحَبْعَامُ وَلَدَ أَبِيَّا. وَأَبِيَّا وَلَدَ آسَا. ٨ وَآسَا وَلَدَ يَهُوشَافَاطَ. وَيَهُوشَافَاطُ وَلَدَ يُورَامَ. وَيُورَامُ وَلَدَ عُزِّيَّا. ٩ وَعُزِّيَّا وَلَدَ يُوثَامَ. وَيُوثَامُ وَلَدَ أَحَازَ. وَأَحَازُ وَلَدَ حِزْقِيَّا. ١٠ وَحِزْقِيَّا وَلَدَ مَنَسَّى. وَمَنَسَّى وَلَدَ آمُونَ. وَآمُونُ وَلَدَ يُوشِيَّا. ١١ وَيُوشِيَّا وَلَدَ يَكُنْيَا وَإِخْوَتَهُ عِنْدَ سَبْيِ بَابِلَ. ١٢ وَبَعْدَ سَبْيِ بَابِلَ يَكُنْيَا وَلَدَ شَأَلْتِيئِيلَ. وَشَأَلْتِيئِيلُ وَلَدَ زَرُبَّابِلَ. ١٣ وَزَرُبَّابِلُ وَلَدَ أَبِيهُودَ. وَأَبِيهُودُ وَلَدَ أَلِيَاقِيمَ. وَأَلِيَاقِيمُ وَلَدَ عَازُورَ. ١٤ وَعَازُورُ وَلَدَ صَادُوقَ. وَصَادُوقُ وَلَدَ أَخِيمَ. وَأَخِيمُ وَلَدَ أَلِيُودَ. ١٥ وَأَلِيُودُ وَلَدَ أَلِيعَازَرَ. وَأَلِيعَازَرُ وَلَدَ مَتَّانَ. وَمَتَّانُ وَلَدَ يَعْقُوبَ. ١٦ وَيَعْقُوبُ وَلَدَ يُوسُفَ رَجُلَ مَرْيَمَ ٱلَّتِي وُلِدَ مِنْهَا يَسُوعُ ٱلَّذِي يُدْعَى ٱلْمَسِيحَ. ١٧ فَجَمِيعُ ٱلْأَجْيَالِ مِنْ إِبْرَاهِيمَ إِلَى دَاوُدَ أَرْبَعَةَ عَشَرَ جِيلًا، وَمِنْ دَاوُدَ إِلَى سَبْيِ بَابِلَ أَرْبَعَةَ عَشَرَ جِيلًا، وَمِنْ سَبْيِ بَابِلَ إِلَى ٱلْمَسِيحِ أَرْبَعَةَ عَشَرَ جِيلًا. ١٨ أَمَّا وِلَادَةُ يَسُوعَ ٱلْمَسِيحِ فَكَانَتْ هٰكَذَا: لَمَّا كَانَتْ مَرْيَمُ أُمُّهُ مَخْطُوبَةً لِيُوسُفَ، قَبْلَ أَنْ يَجْتَمِعَا، وُجِدَتْ حُبْلَى مِنَ ٱلرُّوحِ ٱلْقُدُسِ. ١٩ فَيُوسُفُ رَجُلُهَا إِذْ كَانَ بَارًّا، وَلَمْ يَشَأْ أَنْ يُشْهِرَهَا، أَرَادَ تَخْلِيَتَهَا سِرًّا. ٢٠ وَلٰكِنْ فِيمَا هُوَ مُتَفَكِّرٌ فِي هٰذِهِ ٱلْأُمُورِ، إِذَا مَلَاكُ ٱلرَّبِّ قَدْ ظَهَرَ لَهُ فِي حُلْمٍ قَائِلًا: «يَا يُوسُفُ ٱبْنَ دَاوُدَ، لَا تَخَفْ أَنْ تَأْخُذَ مَرْيَمَ ٱمْرَأَتَكَ. لِأَنَّ ٱلَّذِي حُبِلَ بِهِ فِيهَا هُوَ مِنَ ٱلرُّوحِ ٱلْقُدُسِ. ٢١ فَسَتَلِدُ ٱبْنًا وَتَدْعُو ٱسْمَهُ يَسُوعَ. لِأَنَّهُ يُخَلِّصُ شَعْبَهُ مِنْ خَطَايَاهُمْ». ٢٢ وَهٰذَا كُلُّهُ كَانَ لِكَيْ يَتِمَّ مَا قِيلَ مِنَ ٱلرَّبِّ بِٱلنَّبِيِّ ٱلْقَائِلِ: ٢٣ «هُوَذَا ٱلْعَذْرَاءُ تَحْبَلُ وَتَلِدُ ٱبْنًا، وَيَدْعُونَ ٱسْمَهُ عِمَّانُوئِيلَ» ٱلَّذِي تَفْسِيرُهُ: ٱللّٰهُ مَعَنَا. ٢٤ فَلَمَّا ٱسْتَيْقَظَ يُوسُفُ مِنَ ٱلنَّوْمِ فَعَلَ كَمَا أَمَرَهُ مَلَاكُ ٱلرَّبِّ، وَأَخَذَ ٱمْرَأَتَهُ. ٢٥ وَلَمْ يَعْرِفْهَا حَتَّى وَلَدَتِ ٱبْنَهَا ٱلْبِكْرَ. وَدَعَا ٱسْمَهُ يَسُوعَ.

٢ وَلَمَّا وُلِدَ يَسُوعُ فِي بَيْتِ لَحْمِ ٱلْيَهُودِيَّةِ، فِي أَيَّامِ هِيرُودُسَ ٱلْمَلِكِ، إِذَا مَجُوسٌ مِنَ ٱلْمَشْرِقِ قَدْ جَاءُوا إِلَى أُورُشَلِيمَ ٢ قَائِلِينَ: «أَيْنَ هُوَ ٱلْمَوْلُودُ مَلِكُ ٱلْيَهُودِ؟ فَإِنَّنَا رَأَيْنَا نَجْمَهُ فِي ٱلْمَشْرِقِ وَأَتَيْنَا لِنَسْجُدَ لَهُ». ٣ فَلَمَّا سَمِعَ هِيرُودُسُ ٱلْمَلِكُ ٱضْطَرَبَ وَجَمِيعُ أُورُشَلِيمَ مَعَهُ. ٤ فَجَمَعَ كُلَّ رُؤَسَاءِ ٱلْكَهَنَةِ وَكَتَبَةِ ٱلشَّعْبِ، وَسَأَلَهُمْ: «أَيْنَ يُولَدُ ٱلْمَسِيحُ؟». ٥ فَقَالُوا لَهُ: «فِي بَيْتِ لَحْمِ ٱلْيَهُودِيَّةِ. لِأَنَّهُ هٰكَذَا مَكْتُوبٌ بِٱلنَّبِيِّ: ٦ وَأَنْتِ يَا بَيْتَ لَحْمٍ، أَرْضَ يَهُوذَا، لَسْتِ ٱلصُّغْرَى بَيْنَ رُؤَسَاءِ يَهُوذَا، لِأَنْ مِنْكِ يَخْرُجُ مُدَبِّرٌ يَرْعَى شَعْبِي إِسْرَائِيلَ». ٧ حِينَئِذٍ دَعَا هِيرُودُسُ ٱلْمَجُوسَ سِرًّا، وَتَحَقَّقَ مِنْهُمْ زَمَانَ ٱلنَّجْمِ ٱلَّذِي ظَهَرَ. ٨ ثُمَّ أَرْسَلَهُمْ إِلَى بَيْتِ لَحْمٍ، وَقَالَ: «ٱذْهَبُوا وَٱفْحَصُوا بِٱلتَّدْقِيقِ عَنِ ٱلصَّبِيِّ. وَمَتَى وَجَدْتُمُوهُ فَأَخْبِرُونِي، لِكَيْ آتِيَ أَنَا أَيْضًا وَأَسْجُدَ لَهُ». ٩ فَلَمَّا سَمِعُوا مِنَ ٱلْمَلِكِ ذَهَبُوا. وَإِذَا ٱلنَّجْمُ ٱلَّذِي رَأَوْهُ فِي ٱلْمَشْرِقِ يَتَقَدَّمُهُمْ حَتَّى جَاءَ وَوَقَفَ فَوْقُ، حَيْثُ كَانَ ٱلصَّبِيُّ. ١٠ فَلَمَّا رَأَوُا ٱلنَّجْمَ فَرِحُوا فَرَحًا عَظِيمًا جِدًّا. ١١ وَأَتَوْا إِلَى ٱلْبَيْتِ، وَرَأَوُا ٱلصَّبِيَّ مَعَ مَرْيَمَ أُمِّهِ. فَخَرُّوا وَسَجَدُوا لَهُ. ثُمَّ فَتَحُوا كُنُوزَهُمْ وَقَدَّمُوا لَهُ هَدَايَا: ذَهَبًا وَلُبَانًا وَمُرًّا. ١٢ ثُمَّ إِذْ أُوحِيَ إِلَيْهِمْ فِي حُلْمٍ أَنْ لَا يَرْجِعُوا إِلَى هِيرُودُسَ، ٱنْصَرَفُوا فِي طَرِيقٍ أُخْرَى إِلَى كُورَتِهِمْ. ١٣ وَبَعْدَمَا ٱنْصَرَفُوا، إِذَا مَلَاكُ ٱلرَّبِّ قَدْ ظَهَرَ لِيُوسُفَ فِي حُلْمٍ قَائِلًا: «قُمْ وَخُذِ ٱلصَّبِيَّ وَأُمَّهُ وَٱهْرُبْ إِلَى مِصْرَ، وَكُنْ هُنَاكَ حَتَّى أَقُولَ لَكَ. لِأَنَّ هِيرُودُسَ مُزْمِعٌ أَنْ يَطْلُبَ ٱلصَّبِيَّ لِيُهْلِكَهُ». ١٤ فَقَامَ وَأَخَذَ ٱلصَّبِيَّ وَأُمَّهُ لَيْلًا وَٱنْصَرَفَ إِلَى مِصْرَ. ١٥ وَكَانَ هُنَاكَ إِلَى وَفَاةِ هِيرُودُسَ. لِكَيْ يَتِمَّ مَا قِيلَ مِنَ ٱلرَّبِّ بِٱلنَّبِيِّ ٱلْقَائِلِ: «مِنْ مِصْرَ دَعَوْتُ ٱبْنِي». ١٦ حِينَئِذٍ لَمَّا رَأَى هِيرُودُسُ أَنَّ ٱلْمَجُوسَ سَخِرُوا بِهِ غَضِبَ جِدًّا. فَأَرْسَلَ وَقَتَلَ جَمِيعَ ٱلصِّبْيَانِ ٱلَّذِينَ فِي بَيْتِ لَحْمٍ وَفِي كُلِّ تُخُومِهَا، مِنِ ٱبْنِ سَنَتَيْنِ فَمَا دُونُ، بِحَسَبِ ٱلزَّمَانِ ٱلَّذِي تَحَقَّقَهُ مِنَ ٱلْمَجُوسِ. ١٧ حِينَئِذٍ تَمَّ مَا قِيلَ بِإِرْمِيَا ٱلنَّبِيِّ ٱلْقَائِلِ: ١٨ «صَوْتٌ سُمِعَ فِي ٱلرَّامَةِ، نَوْحٌ وَبُكَاءٌ وَعَوِيلٌ كَثِيرٌ. رَاحِيلُ تَبْكِي عَلَى أَوْلَادِهَا وَلَا تُرِيدُ أَنْ تَتَعَزَّى، لِأَنَّهُمْ لَيْسُوا بِمَوْجُودِينَ». ١٩ فَلَمَّا مَاتَ هِيرُودُسُ، إِذَا مَلَاكُ ٱلرَّبِّ قَدْ ظَهَرَ فِي حُلْمٍ لِيُوسُفَ فِي مِصْرَ ٢٠ قَائِلًا: «قُمْ وَخُذِ ٱلصَّبِيَّ وَأُمَّهُ وَٱذْهَبْ إِلَى أَرْضِ إِسْرَائِيلَ، لِأَنَّهُ قَدْ مَاتَ ٱلَّذِينَ كَانُوا يَطْلُبُونَ نَفْسَ ٱلصَّبِيِّ». ٢١ فَقَامَ وَأَخَذَ ٱلصَّبِيَّ وَأُمَّهُ وَجَاءَ إِلَى أَرْضِ إِسْرَائِيلَ. ٢٢ وَلٰكِنْ لَمَّا سَمِعَ أَنَّ أَرْخِيلَاوُسَ يَمْلِكُ عَلَى ٱلْيَهُودِيَّةِ

مَتَّى

١ هَذَا سِجِلُّ نَسَبِ يَسُوعَ الْمَسِيحِ ابْنِ دَاوُدَ ابْنِ إِبْرَاهِيمَ: ٢ إِبْرَاهِيمُ
أَنْجَبَ إِسْحَاقَ. وَإِسْحَاقُ أَنْجَبَ يَعْقُوبَ. وَيَعْقُوبُ أَنْجَبَ يَهُوذَا وَإِخْوَتَهُ.
٣ وَيَهُوذَا أَنْجَبَ فَارِصَ وَزَارَحَ مِنْ ثَامَارَ. وَفَارِصُ أَنْجَبَ حَصْرُونَ.
وَحَصْرُونُ أَنْجَبَ أَرَامَ. ٤ وَأَرَامُ أَنْجَبَ عَمِّينَادَابَ. وَعَمِّينَادَابُ أَنْجَبَ
نَحْشُونَ. وَنَحْشُونُ أَنْجَبَ سَلْمُونَ. ٥ وَسَلْمُونُ أَنْجَبَ بُوعَزَ مِنْ رَاحَابَ.
وَبُوعَزُ أَنْجَبَ عُوبِيدَ مِنْ رَاعُوثَ. وَعُوبِيدُ أَنْجَبَ يَسَّى. ٦ وَيَسَّى أَنْجَبَ
دَاوُدَ الْمَلِكَ. وَدَاوُدُ أَنْجَبَ سُلَيْمَانَ مِنَ الَّتِي كَانَتْ زَوْجَةً لأُورِيَّا.
٧ وَسُلَيْمَانُ أَنْجَبَ رَحَبْعَامَ. وَرَحَبْعَامُ أَنْجَبَ أَبِيَّا. وَأَبِيَّا أَنْجَبَ آسَا.
٨ وَآسَا أَنْجَبَ يَهُوشَافَاطَ. وَيَهُوشَافَاطُ أَنْجَبَ يُورَامَ. وَيُورَامُ أَنْجَبَ
عُزِّيَّا. ٩ وَعُزِّيَّا أَنْجَبَ يُوثَامَ. وَيُوثَامُ أَنْجَبَ آحَازَ. وَآحَازُ أَنْجَبَ حِزْقِيَّا.
١٠ وَحِزْقِيَّا أَنْجَبَ مَنَسَّى. وَمَنَسَّى أَنْجَبَ آمُونَ. وَآمُونُ أَنْجَبَ يُوشِيَّا.
١١ وَيُوشِيَّا أَنْجَبَ يَكُنْيَا وَإِخْوَتَهُ فِي أَثْنَاءِ السَّبْيِ إِلَى بَابِلَ. ١٢ وَبَعْدَ السَّبْيِ
إِلَى بَابِلَ، يَكُنْيَا أَنْجَبَ شَأَلْتِئِيلَ. وَشَأَلْتِئِيلُ أَنْجَبَ زَرُبَّابِلَ. ١٣ وَزَرُبَّابِلُ
أَنْجَبَ أَبِيهُودَ. وَأَبِيهُودُ أَنْجَبَ أَلِيَاقِيمَ. وَأَلِيَاقِيمُ أَنْجَبَ عَازُورَ. ١٤ وَعَازُورُ
أَنْجَبَ صَادُوقَ. وَصَادُوقُ أَنْجَبَ أَخِيمَ. وَأَخِيمُ أَنْجَبَ أَلِيُودَ. ١٥ وَأَلِيُودُ
أَنْجَبَ أَلِيعَازَرَ. وَأَلِيعَازَرُ أَنْجَبَ مَتَّانَ. وَمَتَّانُ أَنْجَبَ يَعْقُوبَ. ١٦ وَيَعْقُوبُ
أَنْجَبَ يُوسُفَ رَجُلَ مَرْيَمَ الَّتِي وُلِدَ مِنْهَا يَسُوعُ الَّذِي يُدْعَى الْمَسِيحَ.
١٧ فَجُمْلَةُ الأَجْيَالِ مِنْ إِبْرَاهِيمَ إِلَى دَاوُدَ أَرْبَعَةَ عَشَرَ جِيلاً، وَمِنْ دَاوُدَ إِلَى
السَّبْيِ الْبَابِلِيِّ أَرْبَعَةَ عَشَرَ جِيلاً، وَمِنَ السَّبْيِ الْبَابِلِيِّ إِلَى الْمَسِيحِ أَرْبَعَةَ عَشَرَ
جِيلاً. ١٨ أَمَّا يَسُوعُ الْمَسِيحُ فَقَدْ تَمَّتْ وِلادَتُهُ هٰكَذَا: كَانَتْ أُمُّهُ مَرْيَمُ
مَخْطُوبَةً لِيُوسُفَ؛ وَقَبْلَ أَنْ يَجْتَمِعَا مَعاً، وُجِدَتْ حُبْلَى مِنَ الرُّوحِ الْقُدُسِ.
١٩ وَإِذْ كَانَ يُوسُفُ خَطِيبُهَا رَجُلاً صَالِحاً، وَلَمْ يُرِدْ أَنْ يُشْهِرَ بِهَا، قَرَّرَ أَنْ
يَتْرُكَهَا سِرّاً. ٢٠ وَبَيْنَمَا كَانَ يُفَكِّرُ فِي الأَمْرِ، إِذَا مَلاكٌ مِنَ الرَّبِّ قَدْ ظَهَرَ
لَهُ فِي حُلْمٍ يَقُولُ: «يَا يُوسُفُ ابْنَ دَاوُدَ! لاَ تَخَفْ أَنْ تَأْتِيَ بِمَرْيَمَ عَرُوسِكَ
إِلَى بَيْتِكَ، لأَنَّ الَّذِي هِيَ حُبْلَى بِهِ إِنَّمَا هُوَ مِنَ الرُّوحِ الْقُدُسِ. ٢١ فَسَتَلِدُ
ابْناً، وَأَنْتَ تُسَمِّيهِ يَسُوعَ، لأَنَّهُ هُوَ الَّذِي يُخَلِّصُ شَعْبَهُ مِنْ خَطَايَاهُمْ».
٢٢ حَدَثَ هٰذَا كُلُّهُ لِيَتِمَّ مَا قَالَهُ الرَّبُّ بِلِسَانِ النَّبِيِّ الْقَائِلِ: ٢٣ «هَا إِنَّ
الْعَذْرَاءَ تَحْبَلُ، وَتَلِدُ ابْناً، وَيُدْعَى عِمَّانُوئِيلَ!» أَيِ «اللهُ مَعَنَا». ٢٤ وَلَمَّا
نَهَضَ يُوسُفُ مِنْ نَوْمِهِ، فَعَلَ مَا أَمَرَهُ بِهِ مَلاكُ الرَّبِّ، فَأَتَى بِعَرُوسِهِ إِلَى
بَيْتِهِ. ٢٥ وَلٰكِنَّهُ لَمْ يَدْخُلْ بِهَا حَتَّى وَلَدَتِ ابْناً، فَسَمَّاهُ يَسُوعَ.

٢ وَبَعْدَمَا وُلِدَ يَسُوعُ فِي بَيْتِ لَحْمِ الْوَاقِعَةِ فِي مِنْطَقَةِ الْيَهُودِيَّةِ فِي
عَهْدِ الْمَلِكِ هِيرُودُسَ، جَاءَ إِلَى أُورُشَلِيمَ بَعْضُ الْمَجُوسِ الْقَادِمِينَ مِنَ
الشَّرْقِ، ٢ يَسْأَلُونَ: «أَيْنَ هُوَ الْمَوْلُودُ مَلِكُ الْيَهُودِ؟ فَقَدْ رَأَيْنَا نَجْمَهُ طَالِعاً فِي
الشَّرْقِ، فَجِئْنَا لِنَسْجُدَ لَهُ». ٣ وَلَمَّا سَمِعَ الْمَلِكُ هِيرُودُسُ بِذٰلِكَ، اضْطَرَبَ
وَاضْطَرَبَتْ مَعَهُ أُورُشَلِيمُ كُلُّهَا. ٤ فَجَمَعَ إِلَيْهِ رُؤَسَاءَ كَهَنَةِ الْيَهُودِ وَكَتَبَتَهُمْ
جَمِيعاً، وَسَأَلَهُمْ: «أَيْنَ يُولَدُ الْمَسِيحُ». ٥ فَأَجَابُوهُ: «فِي بَيْتِ لَحْمِ بِالْيَهُودِيَّةِ،
فَقَدْ جَاءَ فِي الْكِتَابِ عَلَى لِسَانِ النَّبِيِّ: ٦ وَأَنْتِ يَا بَيْتَ لَحْمِ بِأَرْضِ
يَهُوذَا، لَسْتِ صَغِيرَةَ الشَّأْنِ أَبَداً بَيْنَ حُكَّامِ يَهُوذَا، لأَنَّهُ مِنْكِ يَطْلُعُ الْحَاكِمُ
الَّذِي يَرْعَى شَعْبِي إِسْرَائِيلَ!» ٧ فَاسْتَدْعَى هِيرُودُسُ الْمَجُوسَ سِرّاً،
وَتَحَقَّقَ مِنْهُمْ زَمَنَ ظُهُورِ النَّجْمِ. ٨ ثُمَّ أَرْسَلَهُمْ إِلَى بَيْتِ لَحْمِ، وَقَالَ:
«اذْهَبُوا وَابْحَثُوا جَيِّداً عَنِ الصَّبِيِّ. وَعِنْدَمَا تَجِدُونَهُ أَخْبِرُونِي، لأَذْهَبَ أَنَا
أَيْضاً وَأَسْجُدَ لَهُ». ٩ فَلَمَّا سَمِعُوا مَا قَالَهُ الْمَلِكُ، مَضَوْا فِي سَبِيلِهِمْ. وَإِذَا
النَّجْمُ، الَّذِي سَبَقَ أَنْ رَأَوْهُ فِي الشَّرْقِ، يَتَقَدَّمُهُمْ حَتَّى جَاءَ وَتَوَقَّفَ فَوْقَ
الْمَكَانِ الَّذِي كَانَ الصَّبِيُّ فِيهِ. ١٠ فَلَمَّا رَأَوُا النَّجْمَ فَرِحُوا فَرَحاً عَظِيماً
جِدّاً، ١١ وَدَخَلُوا الْبَيْتَ فَوَجَدُوا الصَّبِيَّ مَعَ أُمِّهِ مَرْيَمَ. فَخَرُّوا وَسَجَدُوا
لَهُ، ثُمَّ فَتَحُوا كُنُوزَهُمْ وَقَدَّمُوا لَهُ هَدَايَا، ذَهَباً وَبَخُوراً وَمُرّاً. ١٢ ثُمَّ
أُوحِيَ إِلَيْهِمْ فِي حُلْمٍ أَلاَّ يَرْجِعُوا إِلَى هِيرُودُسَ، فَانْصَرَفُوا إِلَى بِلادِهِمْ فِي
طَرِيقٍ أُخْرَى. ١٣ وَبَعْدَمَا انْصَرَفَ الْمَجُوسُ، إِذَا مَلاكٌ مِنَ الرَّبِّ قَدْ
ظَهَرَ لِيُوسُفَ فِي حُلْمٍ، وَقَالَ لَهُ: «قُمْ وَاهْرُبْ بِالصَّبِيِّ وَأُمِّهِ إِلَى مِصْرَ،
وَابْقَ فِيهَا إِلَى أَنْ آمُرَكَ بِالرُّجُوعِ، فَإِنَّ هِيرُودُسَ سَيَبْحَثُ عَنِ الصَّبِيِّ
لِيَقْتُلَهُ». ١٤ فَقَامَ يُوسُفُ فِي تِلْكَ اللَّيْلَةِ، وَهَرَبَ بِالصَّبِيِّ وَأُمِّهِ مُنْطَلِقاً إِلَى
مِصْرَ، ١٥ وَبَقِيَ فِيهَا إِلَى أَنْ مَاتَ هِيرُودُسُ، لِيَتِمَّ مَا قَالَهُ الرَّبُّ بِلِسَانِ
النَّبِيِّ الْقَائِلِ: «مِنْ مِصْرَ دَعَوْتُ ابْنِي». ١٦ وَعِنْدَمَا أَدْرَكَ هِيرُودُسُ أَنَّ
الْمَجُوسَ سَخِرُوا مِنْهُ، اسْتَوْلَى عَلَيْهِ الْغَضَبُ الشَّدِيدُ، فَأَرْسَلَ وَقَتَلَ جَمِيعَ
الصِّبْيَانِ فِي بَيْتِ لَحْمِ وَجَوَارِهَا، مِنِ ابْنِ سَنَتَيْنِ فَمَا دُونَ، بِحَسَبِ زَمَنِ
ظُهُورِ النَّجْمِ كَمَا تَحَقَّقَهُ مِنَ الْمَجُوسِ. ١٧ عِنْدَئِذٍ تَمَّ مَا قِيلَ بِلِسَانِ النَّبِيِّ
إِرْمِيَا الْقَائِلِ: ١٨ «صُرَاخٌ سُمِعَ مِنَ الرَّامَةِ: بُكَاءٌ وَنَحِيبٌ شَدِيدٌ! رَاحِيلُ
تَبْكِي عَلَى أَوْلادِهَا، وَلاَ تُرِيدُ أَنْ تَتَعَزَّى، لأَنَّهُمْ قَدْ رَحَلُوا!» ١٩ لَمَّا

هجر

1 هجر ومرر سوء سمسم تعجب مطمئن هجرة
سوء ومرر سوء سمسم تعجب مطمئن هجرة
علم سمسم سمسم علم ضمير 2 ضمير
علم ومرر 3 مستدير ومرر علم تحجب تحجب
علم عاء سي عاء سي علم جاء بطء كم سوء جاء
سمسم علم تحجب تحجب تحجب علم ضوء 4 ضوء
تحجب علم تحجب تحجب تحجب علم ضوء
تحت كم ابتدا علم تحطيم 5 تحطيم تطلب علم سمسم
علم، عمر 6 عمر، عمل علم تحجب هجرة كم تحجب علم حد
مطهر كم تحطيم تطلب علم ومرر هجرة ومرر علم
هجرة علم تحجب تحجب علم تحطيم 7 مزهر
كم تعويض كم تعويض علم هجم 8 هجرة علم هجم
كم ضوء علم مزهر 9 مزهر علم ضوء علم ضوء
ومرر 10 ومرر تسلم علم سمع سمع علم ضوء
مزهر علم تحطيم تحطيم علم مزهر مزهر
تحجب تحجب، مسمسم هجرة علم مزهر 11
علم مزهر علم هجرة تحجب كم مزهر، بطء كم 12
تسمم علم مزهر تحجب كم مزهر علم مزهر
تحجب علم تحجب 13 تحجب ضوء علم تسمم
بطء 14 بطء كم تسمم تسمم تسمم علم تحجب
تحطيم علم تحجب تحجب علم ومرر ومرر علم
تحطيم علم هجم تحطيم علم ومرر ومرر علم
ضوء مزهر تحجب 16 تحجب علم
تحجب مزهر، تحطيم تحجب كم مطهر
مزهر تحطيم تحجب هجرة كم مطهر
مزهر تحطيم تحجب مزهر تحجب تحجب كم
مزهر تحطيم تحجب مزهر تحجب تحجب كم
مزهر تحطيم تحجب مزهر تحجب تحجب كم 18 ضوء
مزهر تحطيم تحجب مزهر تحجب تحجب كم مزهر

Luke

1 Hanau waunauthathee hadnedanuu hejadenenau hadjenanuu hauthase vavesee hauthedau hena hayauhuhau nanāe hājavaānethauwuthajauthaunin, **2** Hasevenānauau nanaa hehethee jasesee vasesā hāenuu nau nejaanuu hanadedaunau; **3** Hasethajaunau hethadee heee nananenau jea, vavesethaugudenau vahee hayauhuhau hehetheejasesee hadnewauthaunauwunathane nedānee, javaānethadee Theauthenus, **4** Hadeaenauwu hethauwuu hena hayauhuhau nesechauhauthehane. **5** Hena hese Herod, naja Judea, jasaa vevethahehe Zacharias haseede, hadauchunanede Abia: nau henene hedaunāhene Aarauneau, nau heneseedaunin Elisabeth. **6** Nau haenesauuthāhenauau hathaāhenith Hejavaneauthu, thaunaugudethee vahee nanavaavedaunau nau hauchuwudaunau Vahadāde dejauthauwuvade. **7** Nau hehauwunesaunenauau, hanau henee hehauwunesaune Elisabeth; nau wauwu haenesauu vaehahenenauau. **8** Nau hethauwuu, henee daunausuvadanedaude hathaāhenith Hejavaneauthu hāenauauchaude, **9** Nesedaunethe vevethahehehau, nesedaude hadnejaāde yehauthe hevadannauauwunene Vahadāhenith. **10** Nau haunauude henanedanede haevevethahedaune jathee nauauchuu jaa. **11** Nau haenauhauva hautheaune Vahadāde haetheaugune hejavese jaanaa. **12** Nau hāenauhauwaude Zacharias, haejanethajau, nau nāthajaude haeedasaa. **13** Hau nuu hautheaune, jevanāthajau hathāhuk, Zacharias: havevethahede nanedauwuhuu; nau hadasea Elisabeth hadjanesewaude hāau, nau Jaun hadeseau. **14** Nau nananin hadaunauwuthajau nau hadeneethajau; nau hadnewauthathee neethajauthee hāejanesee. **15** Hanau haudvasāthaa hathaāhenith Vahadāhenith, nau haudnehauwuvane daudause dadajevenenaje, wauāthe neauthunaje; nau haudnechauchaunaudede Hevadanauwauthauwunene Hejavaneauthu, haa hehethee hāejanesee. **16** Nau haudnewauthaa dāeyaunenede Israel hadjaechuwauyāaunaude hesee Vahadāhenith Henesaunaunenau. **17** Nau haudnedauwaunaude nauguu Vadanauwauthauwu nau neesenaudāhenith Elias hadjaechuwauyāauau vadauhau henesaunaunenau hesee dāeyaunauauau nau nejenedauvathee gaugauuthajaudenau hadauethadee; hadnesaanudede henanedanede hesanaa hesee Vahadāhenith. **18** Nau Zacharias naudedusaene nuu? wauwu vanaehahenenau nau nadasea wauwu vadavehahenede, hathauhuk hautheaune. **19** Nau hautheaune hanaāauchuhananadethāde, Nananenau Gabriel henee theaugudaunauau hathaāhede Hejavaneauthau; nau janeautheavānau haudnāedauwunathana, nau hadnauhauthehathana nuu neethajaude waunauyauau. **20** Nau, naune, nananin haudnejanadene nau haudnehauwuneanade, haunaude hese nuu hayauhuhau nauauchaugu hethauwuu, hanau nananin daujethauwaudauwu nadanadede, nuu hadnethauwunauauchuu nauauchaugaune. **21** Nau henanedanede haedauyauhauvanauau Zacharias, nau haegaugauanadauwu henee dauguthetheaugude vadannauauwuu. **22** Nau hāejenauāhede, haejeneanadetha: nau haeaenauwu daunauhauthāde vadannauauwuu: haevathasauwuna nau haejanade. **23** Nau hethauwuu, henee, chauchaunu hese hāesevadanedaude haeyehau hesee nehayau hedauauwuu. **24** Nau heee hena hese henene Elisabeth hanaāenesaunenith, nau haegauduse nehayau hayauthaunenethe hesese heee, hanaāenehede, **25** Hesau Vahadāde naasehānau hesee hāedaugauhauvānau hadgudanauwunānau nāedayāhede henanedaa. **26** Nau nanedaudauchuauwaude hesese hautheaun Gabriel haejeautheawau hehethee Hejavaneauthu hesee hedan Gananee haseenaugu Nazareth, **27** Hesāhedāeyaun haeenenehauwaune henanin Joseph haenaneeseenith, hehethee hedauauwuu David; nau hesāhedāeyaun Mare haenaaseede. **28** Nau hautheaun haeedasaa, nau hanaāenehethāde, Haunauwuthajau, nananin vechauthane, Vahadāde hanedaudaunāne: hauwunaunane hesānaa. **29** Nau hāenauhauwaude, haejanethajaude hedanadedaunin, nau haegaugauanade daun hadnesenaunenechuhude nuu hadnesauau. **30** Nau hautheaun, Jevanāthajau, hathāhuk, Mare: hanau nananin vechauthāne Hejavaneauthau. **31** Nau, naune, nananin hadnenesaunin, nau hadneahene, nau JESUS hadeseau. **32** Hadvasāthaa, nau Vāā Hejavaa hadethauva: nau Vahadāde Hejavaneauthau hadvenaude naja theaugudau henesaunaune David: **33** Nau hadnajawaudauau hededanin Jacob jethauujenee; nau henajanede hadnehauwuthauuvadauaune. **(aiōn g165)** **34** Hanaāenehethaude Mare nuu hautheaune, Haddusenesau nuu hanau nāhauwāenaunau henane? **35** Nau hautheaun hanaāauchuhananadethāde, Hejavaneauthau

ՄԱՏԹԷՈՍ

1 Գիրք ազգաբանութեան Յիսուս Քրիստոսի՝ Դաւթի որդու, Աբրահամի որդու: **2** Աբրահամը ծնեց Իսահակին. Իսահակը՝ Յակոբին. Յակոբը ծնեց Յուդային եւ նրա եղբայրներին. **3** Յուդան ծնեց Փարեսին եւ Զարային՝ Թամարից. Փարեսը ծնեց Եզրոնին. Եզրոնը ծնեց Արամին. **4** Արամը ծնեց Ամինադաբին. Ամինադաբը ծնեց Նաասոնին. Նաասոնը ծնեց Սաղմոնին. **5** Սաղմոնը ծնեց Բոոսին՝ Ռաքաբից. Բոոսը ծնեց Օբէդին՝ Հռութից. Օբէդը ծնեց Յեսսէին. **6** Յեսսէն ծնեց Դաւիթ արքային: Դաւիթը ծնեց Սողոմոնին՝ Ուրիայի կնոջից. **7** Սողոմոնը՝ Րոբովամին. **8** Րոբովամը ծնեց Աբիային. Աբիան ծնեց Ասափին. Ասափը ծնեց Յոսափատին. Յոսափատը ծնեց Յորամին. Յորամը ծնեց Օզիային. **9** Օզիան ծնեց Յովաթամին. Յովաթամը ծնեց Աքազին. Աքազը ծնեց Եզեկիային. **10** Եզեկիան ծնեց Մանասէին. Մանասէն ծնեց Ամոսին. **11** Ամոսը ծնեց Յոսիային. Յոսիան ծնեց Յեքոնիային եւ նրա եղբայրներին՝ Բաբելոնում գերութեան ժամանակ: **12** Բաբելոնում գերութիւնից յետոյ Յեքոնիան ծնեց Սաղաթիէլին. Սաղաթիէլը ծնեց Զորոբաբէլին. **13** Զորոբաբէլը ծնեց Աբիուդին. Աբիուդը ծնեց Եղիակիմին. **14** Եղիակիմը ծնեց Ազորին. Ազորը ծնեց Սադոկին. Սադոկը ծնեց Աքինին. Աքինը ծնեց Եղիուդին. **15** Եղիուդը ծնեց Եղիազարին. Եղիազարը ծնեց Մատթանին. **16** Մատթանը ծնեց Յակոբին. Յակոբը ծնեց Յովսէփին՝ Մարիամի մարդուն, որի նշանածն էր կոյս Մարիամը, որից ծնուեց Յիսուս, որ անուանուեց Քրիստոս: **17** Արդ, Աբրահամից մինչեւ Դաւիթը բոլոր սերունդները՝ տասնչորս սերունդ. եւ Դաւթից մինչեւ Բաբելոնի մէջ գերութիւնը՝ տասնչորս սերունդ. Բաբելոնի մէջ գերութիւնից մինչեւ Քրիստոս՝ տասնչորս սերունդ: **18** Յիսուս Քրիստոսի ծնունդը այսպէս եղաւ. նրա մայրը՝ Մարիամը, որ Յովսէփի նշանածն էր, նախքան նրանց՝ իրար մօտենալը, Սուրբ Հոգուց յղիացած գտնուեց: **19** Եւ Յովսէփը՝ նրա մարդը, քանի որ արդար էր եւ չէր կամենում նրան խայտառակել, մտածեց առանց աղմուկի արձակել նրան: **20** Եւ մինչ նա այս բանի մասին էր մտածում, ահա Տիրոջ հրեշտակը երազի մէջ երեւաց նրան եւ ասաց. «Յովսէփ, Դաւթի որդի, մի՛ վախեցիր քեզ մօտ առնելու Մարիամին՝ քո կնոջը, որովհետեւ նրա մէջ ծնուածը Սուրբ Հոգուց է: **21** Նա մի որդի պիտի ծնի, եւ նրա անունը Յիսուս պիտի դնես, քանի որ նա պիտի փրկի իր ժողովրդին՝ իր մեղքերից»: **22** Սակայն այս ամէնը եղաւ, որպէսզի կատարուի, ինչ որ Տիրոջ կողմից ասուել էր Եսայի մարգարէի բերանով. **23** «Ահա կոյսը պիտի յղիանայ եւ մի որդի պիտի ծնի, եւ նրան պիտի կոչեն Էմմանուէլ, որ նշանակում է Աստուած մեզ հետ»: **24** Եւ Յովսէփը քնից արթնանալով՝ արեց, ինչպէս հրամայել էր իրեն Տիրոջ հրեշտակը, եւ իր կնոջն առաւ իր մօտ: **25** Բայց նրա հետ չյարաբերուեց, մինչեւ Մարիամը ծնեց իր անդրանիկ որդուն եւ նրա անունը դրեց Յիսուս:

2 Երբ Յիսուս ծնուեց Հրէաստանի Բեթղեհէմ քաղաքում, Հերովդէս արքայի օրով, ահա արեւելքից մոգեր եկան Երուսաղէմ եւ ասացին. **2** «Ո՞ւր է հրեաների արքան, որ ծնուեց, որովհետեւ նրա աստղը տեսանք արեւելքում եւ եկանք նրան երկրպագելու»: **3** Եւ երբ Հերովդէս արքան լսեց այս, խռովուեց, նրա հետ՝ եւ Երուսաղէմի ամբողջ ժողովուրդը: **4** Եւ հաւաքելով բոլոր քահանայապետներին ու ժողովրդի օրէնսգէտներին՝ հարցրեց նրանց, թէ ո՞ւր պիտի ծնուի Քրիստոսը: **5** Եւ նրանք ասացին նրան. «Հրէաստանի Բեթղեհէմ քաղաքում, որովհետեւ մարգարէի միջոցով այսպէս է գրուած. **6** «Եւ դու, Բեթղեհէ՛մ, Յուդայի՛ երկիր, Յուդայի քաղաքների մէջ փոքրագոյնը չես. քեզնից մի իշխան պիտի ելնի ինձ համար, որ պիտի հովուի իմ ժողովրդին՝ Իսրայէլին»: **7** Այն ժամանակ Հերովդէսը գաղտնի կանչեց մոգերին եւ նրանցից ստուգեց աստղի երեւալու ժամանակը: **8** Եւ նրանց Բեթղեհէմ ուղարկելով՝ ասաց. «Գնացէ՛ք ստոյգ իմացէ՛ք մանկան մասին եւ երբ գտնէք, տեղեկացրէ՛ք ինձ, որպէսզի ես էլ

ՄԱՏԹԷՈՍ

1 Յիսուս Քրիստոսի՝ Դաւիթի որդիին,
Աբրահամի որդիին ծնունդի գիրքը:
2 Աբրահամ ծնաւ Իսահակը. Իսահակ
ծնաւ Յակոբը. Յակոբ ծնաւ Յուդան ու
անոր եղբայրները. **3** Յուդա ծնաւ Փարէսն
ու Զարան՝ Թամարէն. Փարէս ծնաւ
Եսրոնը. Եսրոն ծնաւ Արամը. **4** Արամ
ծնաւ Ամինադաբը. Ամինադաբ ծնաւ
Նաասոնը. Նաասոն ծնաւ Սաղմոնը.
5 Սաղմոն ծնաւ Բոոսը՝ Ռախաբէն.
Բոոս ծնաւ Ովբէդը՝ Հռութէն. Ովբէդ
ծնաւ Յեսսէն. **6** Յեսսէ ծնաւ Դաւիթ
թագաւորը. Դաւիթ թագաւորը ծնաւ
Սողոմոնը՝ Ուրիայի կնոջմէն. **7** Սողոմոն
ծնաւ Ռոբովամը. **8** Ռոբովամ ծնաւ
Աբիան. Աբիա ծնաւ Ասան. Ասա
ծնաւ Յովսափատը. Յովսափատ ծնաւ
Յովրամը. Յովրամ ծնաւ Ոզիան. **9**
Ոզիա ծնաւ Յովաթամը. Յովաթամ
ծնաւ Աքազը, Աքազ ծնաւ Եզեկիան. **10**
Եզեկիա ծնաւ Մանասէն. Մանասէ ծնաւ
Ամոնը. **11** Ամոն ծնաւ Յովսիան. Յովսիա
ծնաւ Յեքոնիան ու անոր եղբայրները՝
Բաբելոնի տարագրութեան ատենները.
12 Բաբելոնի տարագրութենէն ետք՝
Յեքոնիա ծնաւ Սաղաթիէլը. **13** Սաղաթիէլ
ծնաւ Զօրաբաբէլը. Զօրաբաբէլ ծնաւ
Աբիուդը. Աբիուդ ծնաւ Եղիակիմը.
14 Եղիակիմ ծնաւ Ազովրը. Ազովր
ծնաւ Սադովկը. Սադովկ ծնաւ Աքինը.
Աքին ծնաւ Եղիուդը. **15** Եղիուդ ծնաւ
Եղիազարը. Եղիազար ծնաւ Մատթանը.
16 Մատթան ծնաւ Յակոբը. Յակոբ ծնաւ
Յովսէփը՝ ամուսինը Մարիամի, որմէ
ծնաւ Յիսուս, որ կոչուեցաւ Քրիստոս: **17**
Ուրեմն բոլոր սերունդները Աբրահամէն
մինչեւ Դաւիթ՝ տասնչորս սերունդ
են, եւ Դաւիթէն մինչեւ Բաբելոնի
տարագրութիւնը՝ տասնչորս սերունդ,
ու Բաբելոնի տարագրութենէն մինչեւ
Քրիստոս՝ տասնչորս սերունդ: **18**
Յիսուս Քրիստոսի ծնունդը եղաւ սա՛
կերպով: Անոր մայրը՝ Մարիամ, Յովսէփի
նշանուած, Սուրբ Հոգիէն յղացած
գտնուեցաւ՝ դեռ իրարու քով չեկած: **19**
Յովսէփ՝ անոր ամուսինը, արդար մարդ
ըլլալով, ու չուզելով որ խայտառակէ
զայն, կը ծրագրէր ծածկաբար արձակել
զայն: **20** Մինչ ան այդպէս կը մտածէր, ահա՛
Տէրոջ հրեշտակը երեւցաւ անոր՝ երազի
մէջ, եւ ըսաւ. «Յովսէփ, Դաւիթի՛ որդի, մի՛
վախնար քովդ առնել կինդ՝ Մարիամը,
որովհետեւ անոր մէջ յղացուածը Սուրբ
Հոգիէն է: **21** Ան պիտի ծնանի որդի մը, եւ
անոր անունը Յիսուս պիտի կոչես, քանի
որ ա՛ն պիտի փրկէ իր ժողովուրդը իրենց
մեղքերէն»: **22** Այս ամէնը կատարուեցաւ,
որպէսզի իրագործուի մարգարէին
միջոցով ըսուած Տէրոջ խօսքը. **23** «Ահա՛
կոյսը պիտի յղանայ ու որդի պիտի ծնանի,
եւ անոր անունը Էմմանուէլ պիտի կոչեն»,
որ կը թարգմանուի՝ Աստուած մեզի հետ:
24 Յովսէփ քունէն արթննալով՝ ըրաւ ինչ
որ Տէրոջ հրեշտակը հրամայեց իրեն, եւ
քովը առաւ իր կինը: **25** Ու չգիտցաւ զայն՝
մինչեւ որ ան ծնաւ իր անդրանիկ որդին.
եւ անոր անունը Յիսուս կոչեց:

2 Երբ Յիսուս ծնաւ Հրէաստանի
Բեթլեհէմին մէջ՝ Հերովդէս թագաւորին
օրերը, ահա՛ արեւելքէն մոգեր եկան
Երուսաղէմ, **2** եւ ըսին. «Ո՞ւր է ա՛ն՝
որ ծնաւ իբր Հրեաներուն թագաւորը.
որովհետեւ մենք տեսանք անոր աստղը՝
արեւելքի մէջ, ու եկանք երկրպագելու
անոր»: **3** Երբ Հերովդէս թագաւորը
լսեց՝ վրդովեցաւ, եւ իրեն հետ՝ ամբողջ
Երուսաղէմը: **4** Ապա, հաւաքելով բոլոր
քահանայապետներն ու ժողովուրդին
դպիրները, հարցափորձեց զանոնք թէ
ո՛ւր պիտի ծնէր Քրիստոսը: **5** Անոնք ալ
ըսին իրեն. «Հրէաստանի Բեթլեհէմին մէջ:
Որովհետեւ սա՛ գրուած է մարգարէին
միջոցով. **6** “Դո՛ւն, Բեթլեհէ՛մ, Յուդայի՛
երկիր, Յուդայի կառավարիչներուն մէջ
բնա՛ւ ամենափոքրը չես. որովհետեւ
Կառավարիչ մը պիտի ելլէ քեզմէ, որ
պիտի հովուէ իմ ժողովուրդս՝ Իսրայէլը”»:
7 Այն ատեն Հերովդէս ծածկաբար
կանչեց մոգերը, ստուգեց անոնցմէ
աստղին երեւցած ժամանակը, **8** եւ ղրկեց
զանոնք Բեթլեհէմ՝ ըսելով. «Գացէ՛ք,
ճշգրտութեա՛մբ տեղեկացէ՛ք մանուկին
մասին, ու երբ գտնէք զայն՝ լո՛ւր բերէ՛ք
ինծի, որպէսզի ե՛ս ալ երթա՛մ՝ երկրպագեմ
անոր»: **9** Երբ անոնք թագաւորէն
լսեցին այս խօսքը, մեկնեցան. եւ ահա՛
այն աստղը՝ որ տեսեր էին արեւելքի
մէջ, կ’երթար անոնց առջեւէն՝ մինչեւ

মথি

১ যীচু খ্ৰীষ্ট দায়ুদৰ বংশৰ আৰু দায়ুদ অব্ৰাহামৰ বংশৰ লোক। যীচু খ্ৰীষ্টৰ বংশৰ তালিকা এই: - ২ অব্ৰাহামৰ পুত্ৰ ইচহাক; ইচহাকৰ পুত্ৰ যাকোব; যাকোবৰ পুত্ৰ যিহূদা আৰু তেওঁৰ ভায়েক-ককায়েক সকল; ৩ যিহূদাৰ পুত্ৰ পেৰচ আৰু চেৰহৰ, তেওঁলোকৰ মাক আছিল তামাৰ৷ পেৰচৰ পুত্ৰ হিষ্ৰোণ; হিষ্ৰোণৰ পুত্ৰ ৰাম৷ ৪ ৰামৰ পুত্ৰ অম্মীনাদব; অম্মীনাদবৰ পুত্ৰ নহচোন; নহচোনৰ পুত্ৰ চলমোন৷ ৫ চলমোনৰ পুত্ৰ বোৱজ - তেওঁৰ মাক আছিল ৰাহব৷ বোৱজৰ পুত্ৰ ওবেদ তেওঁৰ মাক আছিল ৰূথ৷ ওবেদৰ পুত্ৰ যিচয়; ৬ যিচয়ৰ পুত্ৰ দায়ুদ ৰজা। দায়ুদৰ পুত্ৰ চলোমন, তেওঁৰ মাক আছিল উৰিয়াৰ ভাৰ্যা। ৭ চলোমনৰ পুত্ৰ ৰহবিয়াম; ৰহবিয়ামৰ পুত্ৰ অবিয়৷ অবিয়ৰ পুত্ৰ আচা; ৮ আচাৰ পুত্ৰ যিহোচাফট৷ যিহোচাফটৰ পুত্ৰ যোৰাম; যোৰামৰ পুত্ৰ উচিয়৷ ৯ উচিয়ৰ পুত্ৰ যোথম; যোথমৰ পুত্ৰ আহচ; আহচৰ পুত্ৰ হিস্কিয়া৷ ১০ হিস্কিয়াৰ পুত্ৰ মনচি; মনচিৰ পুত্ৰ আমোন; আমোনৰ পুত্ৰ যোচিয়া৷ ১১ যোচিয়াৰ পুত্ৰ যেখনীয়া আৰু তেওঁৰ ভায়েক সকল। ইস্ৰায়েল জাতিক বাবিল দেশলৈ বন্দী হিচাপে লৈ যোৱাৰ সময়ত এওঁলোক আছিল। ১২ বাবিল দেশলৈ নিয়াৰ পাছত যেখনীয়াৰ পুত্ৰ চল্টীয়েলৰ জন্ম হ'ল৷ চল্টীয়েলৰ পুত্ৰ জৰুব্বাবিল; ১৩ জৰুব্বাবিলৰ পুত্ৰ আবীহূদ৷ আবীহূদৰ পুত্ৰ ইলীয়াকীম; ইলীয়াকীমৰ পুত্ৰ আচোৰ৷ ১৪ আচোৰৰ পুত্ৰ চাদোক; চাদোকৰ পুত্ৰ আখীম৷ আখীমৰ পুত্ৰ ইলীহূদ; ১৫ ইলীহূদৰ পুত্ৰ ইলিয়াচৰ৷ ইলিয়াচৰৰ পুত্ৰ মত্তন; মত্তনৰ পুত্ৰ যাকোব৷ ১৬ যাকোবৰ পুত্ৰ যোচেফ; তেওঁ মৰিয়মৰ স্বামী আৰু এই মৰিয়মৰ গৰ্ভত যীচুৰ জন্ম হয়, যি জনক খ্ৰীষ্ট বোলা হয়। ১৭ এইদৰে অব্ৰাহামৰ পৰা দায়ুদ লৈ মুঠ চৌদ্ধ পুৰুষ; দায়ুদৰ পৰা বাবিল দেশলৈ বন্দী কৰি নিয়া পৰ্যন্ত মুঠ চৌদ্ধ পুৰুষ; পুণৰ বাবিললৈ বন্দী কৰি নিয়াৰ পাছৰ পৰা খ্ৰীষ্টলৈ মুঠ চৌদ্ধ পুৰুষ। ১৮ যীচু খ্ৰীষ্টৰ জন্ম এইদৰে হৈছিল৷ যীচুৰ মাক মৰিয়মক যোচেফলৈ বাগ্দান কৰা হৈছিল, কিন্তু তেওঁলোক একেলগ হোৱাৰ পূৰ্বেই মৰিয়মে পবিত্ৰ আত্মাৰ শক্তিত গৰ্ভৱতী হোৱা অনুভৱ কৰিলে। ১৯ তেওঁৰ স্বামী যোচেফ এজন ধাৰ্মিক লোক হোৱাত মৰিয়মক মানুহৰ আগত নিন্দাৰ পাত্ৰ কৰিবলৈ ইচ্ছা নকৰি, গুপুতে ত্যাগ কৰিবলৈ মন কৰিলে। ২০ কিন্তু তেওঁ যেতিয়া এইবোৰ কথা চিন্তা কৰিলে, তেতিয়া প্ৰভুৰ এজন দূত আহি সপোনত তেওঁক দৰ্শন দি ক'লে, "হে দায়ুদৰ বংশৰ সন্তান যোচেফ, তোমাৰ ভাৰ্যা মৰিয়মক গ্ৰহণ কৰিবলৈ ভয় নকৰিবা; কিয়নো তেওঁৰ গৰ্ভৰ সন্তান পবিত্ৰ আত্মাৰ পৰা হৈছে। ২১ তেওঁ এটি পুত্ৰ প্ৰসৱ কৰিব আৰু তুমি তেওঁৰ নাম যীচু থবা। কাৰণ তেৱেঁই নিজৰ লোকক তেওঁলোকৰ পাপ সমূহৰ পৰা মুক্ত কৰিব।" ২২ এই সকলো ঘটিছিল যাতে ভাৱবাদীৰ দ্বাৰাই প্ৰভুৱে এই যি বচন কোৱাইছিল সেয়া পূৰ্ণ হয়: ২৩ "চোৱা, সেই কুমাৰী গৰ্ভৱতী হৈ এটি পুত্ৰ প্ৰসৱ কৰিব, আৰু তেওঁলোকে তেওঁৰ নাম ইম্মানূৱেল থব;" এই নামৰ অৰ্থ আমাৰ লগত ঈশ্বৰ। ২৪ পাছত যোচেফে টোপনিৰ পৰা সাৰ পাই উঠি, প্ৰভুৰ দূতে তেওঁক আজ্ঞা দিয়াৰ দৰে নিজৰ ভাৰ্য্যাৰূপে মৰিয়মক গ্ৰহণ কৰিলে। ২৫ কিন্তু পুত্ৰ প্ৰসৱ নকৰা পৰ্যন্ত যোচেফে তেওঁৰ সৈতে সহবাস নকৰিলে। পাছত যোচেফে সেই সন্তানৰ নাম যীচু থলে।

২ হেৰোদ যেতিয়া যিহুদীয়াৰ ৰজা আছিল, তেতিয়া যিহুদীয়াৰ বৈৎলেহম নামৰ ঠাইত যীচুৰ জন্ম হ'ল৷ সেই সময়ত পূব দেশৰ পৰা কেইজনমান জ্যোতিষী পণ্ডিতে যিৰূচালেমলৈ আহি সুধিলে, ২ "যিহুদী সকলৰ যি জন ৰজা জন্মিছে, তেওঁ ক'ত? কিয়নো পূব দিশত আমি তেওঁৰ তৰা দেখা পালোঁ, আৰু তেওঁক প্ৰণিপাত কৰিবলৈ আহিছোঁ।" ৩ এই কথা শুনাত হেৰোদ ৰজাৰ লগতে গোটেই যিৰূচালেমত উগুল-থুগুল লাগিল। ৪ তেতিয়া হেৰোদে সকলো প্ৰধান পুৰোহিত আৰু বিধানৰ অধ্যাপক সকলক মাতি একগোট কৰিলে আৰু তেওঁলোকক সুধিলে, "খ্ৰীষ্টই ক'ত জন্ম গ্ৰহণ কৰিব?" ৫ তেওঁলোকে তেওঁক ক'লে, "যিহুদীয়া প্ৰদেশৰ বৈৎলেহম নামৰ ঠাইত; কিয়নো ভাৱবাদীৰ দ্বাৰাই এইদৰে লিখা আছে, ৬ 'আৰু তুমি, যিহূদা প্ৰদেশৰ বৈৎলেহম, তুমি যিহুদাৰ অধিপতি সকলৰ মাজত কোনোমতে নগণ্য নহয়। কিয়নো তোমাৰ মাজৰ পৰাই এজন শাসনকৰ্তা ওলাব, তেৱেঁ মোৰ লোক ইস্ৰায়েলক চৰাব।'" ৭ তেতিয়া হেৰোদে সেই জ্যোতিষী পণ্ডিত কেইজনক গুপুতে মাতি সেই তৰা সঠিকৰূপে কোন সময়ত আবিৰ্ভুত হৈছিল, সেই বিষয়ে তেওঁলোকৰ পৰা জানিবৰ বাবে সুধিলে। ৮ তাৰ পাছত তেওঁলোকক বৈৎলেহমলৈ পঠিয়াই দি ক'লে, "আপোনালোক যাওক আৰু সেই শিশুটোৰ বিষয়ে ভালদৰে বিচাৰ লওঁক; আৰু বিচাৰি পালে, তেওঁৰ সম্বাদ আহি মোক দিব, তেতিয়া ময়ো গৈ তেওঁক প্ৰণিপাত কৰিব পাৰিম।" ৯ ৰজাৰ এই কথা শুনি তেওঁলোক গুচি গ'ল; তাতে যি তৰা তেওঁলোকে পূব দিশত দেখিছিল, সেই তৰা তেওঁলোকৰ আগে আগে গৈ শিশুটি থকা ঠাই পালে, আৰু সেই ঠাইৰ ওপৰত ৰৈ থাকিল। ১০ তাতে সেই তৰা দেখি, তেওঁলোক আনন্দত অতি আত্মহাৰা হ'ল। ১১ তাৰ পাছত তেওঁলোকে ঘৰৰ ভিতৰলৈ সোমাই গৈ মাক মৰিয়মে সৈতে শিশুটিক দেখি নতশিৰে প্ৰণিপাত কৰি তেওঁৰ আৰাধনা কৰিলে। তাৰ পাছত নিজৰ নিজৰ বহুমূলীয়া বস্তুৰ টোপোলা মেলি, সোণ, ধূনাএঁঠা আৰু গন্ধৰস উপহাৰ দিলে। ১২ পাছত হেৰোদৰ ওচৰলৈ উলটি নাযাবৰ বাবে তেওঁলোকে সপোনত ঈশ্বৰৰ পৰা সাৱধান বাণী পোৱাত, তেওঁলোকে বেলেগ বাটেৰে নিজৰ নিজৰ দেশলৈ উভটি গ'ল। ১৩ তেওঁলোক যোৱাৰ পাছত, প্ৰভুৰ এজন দূতে সপোনত আবিৰ্ভুত হৈ যোচেফক ক'লে, "উঠা, শিশু আৰু তেওঁৰ মাকক লৈ, মিচৰ দেশলৈ পলাই যোৱা আৰু মই তোমাক নোকোৱা পৰ্যন্ত সেই ঠাইতে থাকিবা, উলটি নাহিবা; কিয়নো ল'ৰা জনক বিনাশ কৰিবৰ কাৰণে হেৰোদে তেওঁক বিচাৰি আছে।" ১৪ সেই নিশাই যোচেফে উঠি, শিশু আৰু তেওঁৰ মাকক লৈ মিচৰ দেশলৈ গ'ল, ১৫ আৰু হেৰোদৰ মৃত্যুলৈকে তেওঁলোক সেই ঠাইতে থাকিল। "মিচৰ দেশৰ পৰা মই মোৰ পুত্ৰক মাতিলো" এই যি বচন ভাৱবাদীৰ দ্বাৰাই প্ৰভুৱে কোৱাইছিল, এই বচন সিদ্ধ হবলৈ এইদৰে ঘটিল। ১৬ তেতিয়া জ্যোতিষী পণ্ডিত কেইজনৰ দ্বাৰাই নিজকে প্ৰবঞ্চিত হোৱা দেখি হেৰোদ অতিশয় ক্ৰুদ্ধ হ'ল। তেওঁ জ্যোতিষী পণ্ডিত কেইজনৰ পৰা যি সময়ৰ কথা জানিছিল, সেই কাল অনুসাৰে দুবছৰ আৰু তাতকৈ কম বয়সৰ যিমান ল'ৰা শিশু বৈৎলেহম আৰু ইয়াৰ আশে-পাশে থকা অঞ্চল সমূহত আছিল, সেই সকলোকে বধ কৰিবলৈ আদেশ দি পঠিয়াই দিলে। ১৭ তেতিয়া যিৰিমিয়া ভাৱবাদীৰ দ্বাৰাই যি কথা কোৱা হৈছিল, সেয়া সিদ্ধ হ'ল: ১৮ "ৰামাত এটা মাত শুনা গ'ল, বিলাপৰ ৰোল আৰু মহা-শোক, ৰাহেলে নিজৰ সন্তান সকলৰ কাৰণে ক্ৰন্দন কৰিছে আৰু তেওঁ সান্ত্বনা পাবলৈও ইচ্ছা কৰা নাই, কাৰণ তেওঁলোকৰ কোনো জীয়াই থকা নাই।" ১৯ পাছত যেতিয়া হেৰোদৰ মৃত্যু হ'ল, তেতিয়া প্ৰভুৰ এজন দূতে মিচৰ দেশত থাকোতেই সপোনত আবিৰ্ভুত হৈ যোচেফক ক'লে, ২০ "উঠা, ল'ৰাটি আৰু তেওঁৰ মাকক লৈ ইস্ৰায়েল দেশলৈ উলটি যোৱা; কিয়নো যি সকলে এই শিশুটোৰ প্ৰাণ নাশ কৰিবলৈ বিচাৰি আছিল, তেওঁলোকৰ মৃত্যু হ'ল।" ২১ তেতিয়া যোচেফে উঠি, শিশু আৰু তেওঁৰ মাকক লৈ ইস্ৰায়েল দেশলৈ আহিল। ২২ কিন্তু যেতিয়া যোচেফে শুনিলে যে যিহুদীয়াত পিতৃ হেৰোদৰ স্থানত তেওঁৰ পুত্ৰ আৰ্খিলায়ে ৰাজ্য শাসন কৰিছে, তেতিয়া তেওঁ তালৈ উলটি যাবৰ বাবে ভয় কৰিলে;

Matta

1 Davudun Oğlu, İbrahimin də Oğlu olan İsa
Məsihin nəsil şəcərəsi: **2** İbrahimdən İshaq
törədi. İshaqdan Yaqub törədi. Yaqubdan Yəhuda
və onun qardaşları törədi. **3** Yəhudadan Tamarın
doğduğu Peres və Zerah törədi. Peresdən Xesron
törədi. Xesrondan Ram törədi. **4** Ramdan
Amminadav törədi. Amminadavdan Naxşon
törədi. Naxşondan Salmon törədi. **5** Salmondan
Raxavın doğduğu Boaz törədi. Boazdan Rutun
doğduğu Oved törədi. Oveddən Yessey törədi.
6 Yesseydən padşah Davud törədi. Davuddan
Uriyanın arvadının doğduğu Süleyman törədi.
7 Süleymandan Rexavam törədi. Rexavamdan
Aviya törədi. Aviyadan Asa törədi. **8** Asadan
Yehoşafat törədi. Yehoşafatdan Yehoram törədi.
Yehoramdan Uzziya törədi. **9** Uzziyadan Yotam
törədi. Yotamdan Axaz törədi. Axazdan Xizqiya
törədi. **10** Xizqiyadan Menaşşe törədi. Menaşşedən
Amon törədi. Amondan Yoşiya törədi. **11** Babil
sürgünü zamanı Yoşiyadan Yekonya və onun
qardaşları törədi. **12** Babil sürgünündən sonra
Yekonyadan Şealtiel törədi. Şealtieldən Zerubbabil
törədi. **13** Zerubbabildən Avihud törədi. Avihuddan
Elyaqim törədi. Elyaqimdən Azur törədi. **14**
Azurdan Sadoq törədi. Sadoqdan Yaxin törədi.
Yaxindən Elihud törədi. **15** Elihuddan Eleazar
törədi. Eleazardan Mattan törədi. Mattandan
Yaqub törədi. **16** Yaqubdan Məryəmin əri
Yusif törədi. Məryəmdən də Məsih adlanan
İsa doğuldu. **17** Beləliklə, İbrahimdən Davuda
qədər olan bütün nəsillər on dörd nəsildir,
Davuddan Babil sürgününə qədər on dörd nəsildir,
Babil sürgünündən Məsihə qədər də on dörd
nəsildir. **18** İsa Məsihin doğulması belə oldu.
Anası Məryəm Yusifə nişanlanmışdı. Amma
birlikdə olmalarından əvvəl Məryəmin Müqəddəs
Ruhdan hamilə olduğu aşkar oldu. **19** Onun
nişanlısı Yusif saleh bir adam idi və Məryəmi
camaat arasında rüsvay etmək istəməyərək
gizlicə boşamaq niyyətinə düşdü. **20** Amma belə
düşündüyü halda Rəbbin bir mələyi röyada ona
görünüb dedi: «Davud oğlu Yusif! Məryəmi özünə
arvad etməkdən qorxma, çünki onun bətnindəki
körpə Müqəddəs Ruhdandır. **21** Məryəm bir Oğul
doğacaq və Onun adını İsa qoy, çünki O Öz xalqını
günahlarından xilas edəcək». **22** Bütün bunlar
Rəbbin peyğəmbər vasitəsilə söylədiyi bu söz
yerinə yetsin deyə baş verdi: **23** «Budur, bakirə
qız hamilə olub Oğlan doğacaq, adını İmmanuel
qoyacaqlar». «İmmanuel» «Allah bizimlədir»
deməkdir. **24** Yusif yuxudan oyananda Rəbbin
mələyinin buyurduğu kimi etdi və arvadını qəbul
etdi. **25** Amma Məryəm bir Oğul doğana qədər
Yusif onunla yaxınlıq etmədi. Doğulan Körpənin
adını İsa qoydu.

2 İsa padşah Hirodun dövründə Yəhudeyanın
Bet-Lexem şəhərində anadan olduqda müdrik
adamlar şərqdən Yerusəlimə gəlib **2** dedilər:
«Yəhudilərin anadan olmuş Padşahı haradadır?
Şərqdə Onun ulduzunu gördük və Ona səcdə
qılmağa gəldik». **3** Padşah Hirod bunu eşitdikdə
özü və bütün Yerusəlim xalqı təlaşa düşdü. **4** Hirod
xalqın bütün başçı kahinlərini və ilahiyyatçılarını
toplayaraq onlardan Məsihin harada doğulduğunu
soruşdu. **5** «Yəhudeyanın Bet-Lexem şəhərində»
dedilər. «Çünki peyğəmbər vasitəsilə belə yazılıb:
6 "Ey Yəhuda torpağındakı Bet-Lexem, sən Yəhuda
hökmdarları arasında ən kiçik deyilsən, Çünki
xalqım İsrailə çoban olan Hökmdar səndən
çıxacaq"». **7** Onda Hirod müdrik adamları gizlicə
çağırıb onlardan ulduzun göründüyü dəqiq vaxtı
öyrəndi. **8** «Gedin, Körpəni diqqətlə axtarın,
tapan kimi mənə xəbər verin ki, mən də gedib
Ona səcdə qılım» deyərək onları Bet-Lexemə
göndərdi. **9** Onlar padşahı dinlədikdən sonra yola
düşdülər. O vaxt şərqdə gördükləri ulduz onlara
yol göstərirdi. O, Körpənin olduğu yerin üzərinə
çatdıqda dayandı. **10** Onlar ulduzu gördükləri vaxt
çox sevindilər. **11** Evə girib Körpəni anası Məryəmlə
birlikdə gördülər və yerə qapanaraq Ona səcdə
qıldılar. Xəzinələrini açıb Ona hədiyyələri – qızıl,
kündür və mirranı təqdim etdilər. **12** Sonra röyada
Hirodun yanına qayıtmamaq üçün xəbərdarlıq
aldıqlarına görə başqa yolla öz ölkələrinə getdilər.
13 Müdrik adamlar yola düşəndən sonra Rəbbin
bir mələyi Yusifə röyada görünərək dedi: «Qalx,
Körpə ilə anasını götür, Misirə qaç. Mən sənə
xəbər verənə qədər orada qal. Çünki Hirod
Körpəni öldürmək üçün axtarmağa başlayır».
14 Beləliklə, Yusif qalxdı, həmin gecə Körpə
ilə anasını götürüb Misirə yollandı. **15** Hirod
ölənə qədər orada qaldı. Bu, Rəbbin peyğəmbər
vasitəsilə söylədiyi söz yerinə yetsin deyə baş
verdi: «Öz Oğlumu Misirdən çağırdım». **16**
Hirod müdrik adamlar tərəfindən axmaq yerinə
qoyulduğunu görəndə çox hiddətləndi. O, müdrik
adamlardan öyrəndiyi vaxta görə Bet-Lexem və
onun ətrafında yaşayan iki və iki yaşdan aşağı
körpə oğlan uşaqlarını öldürtdü. **17** Beləliklə,
Yeremya peyğəmbər vasitəsilə söylənən bu söz
yerinə yetdi: **18** «Ramada bir səs eşidildi, Ağlaşma
və böyük fəryad səsləri! Rəhilə uşaqları üçün
ağlayır, Təsəlli istəmir. Çünki onlar daha yoxdur».
19 Hirod öləndən sonra Rəbbin bir mələyi Misirdə

ማቶሳ

1 ታዳዉተና ካእብራመ ሳኒ ካሌሮ ካየሱሳ ክርሰቶሳ አላታንኮክ ህዲድ ሃያ፤ 2 አብራመ ይሳቃ ኤሙለ፥ ይሳቃ ያይቆባ ኤሙለ፥ ያይቆባ ይሁዳና አቢላል ኤሙለ፥ 3 ይሁዳና ትኢማርኮ ቆረሰና ዛራ ኤሙለ፥ ቆረሰ ኤሰርም ኤሙለ፥ ኤሰርምና አራም ኤሙለ፥ 4 አራምና አምናዳብ ኤሙለ፥ አምናዳብና ነአሶን ኤሙለ፥ ነአሶንና ሰለሞን ኤሙለ፥ 5 ሰልሞንና ረአብኮ ቦኤዝ ኤሙለ፥ ቦኤዝና ሩትኮ ኢዮበድ ኤሙለ፥ ኢዮብድና እሰይ ኤሙለ፥ 6 እሰይ ዋሮ ዳዉተ ኤሙለ፥ ዳዉተና ታኦርዮ ኦርኮ ሶሎሞን ኤሙለ፥ 7 ሶሎሞንና ሮብአም ኤሙለ፥ ሮብአምና አብያ ኤሙለ፥ አብያና አሳፍ ኤሙለ፥ 8 አሳፍና ኢዮሳፍጢ ኤሙለ፥ ኢዮሳፍጢና ኢዮሆራም ኤሙለ፥ ኢዮሆራምና ኦዝያን ኤሙለ፥ 9 ኦዝያንና ኢዮአታም ኤሙለ፥ ኢዮአታምና አካዝ ኤሙለ፥ አካዝ ሕዝቅያሳ ኤሙለ፥ 10 ሕዝቅያሳ ምናሰ ኤሙለ፥ ምናሰ አሞጽ ኤሙለ፥ አሞጽና እዮስያስ ኤሙለ፥ 11 እዮስያስ ጎሳ ካእሰራኤል ባብሎነ ቶሰ ካኮቦጃመረ ጎራታ እኮንያንና አቢላል ኤሙለ። 12 ካባብሎን ቦጃማኖኮ አባባተረ እኮንያን ሰላትያል ኤሙለ፥ ሰላትያንና ዙርባቤላ ኤሙለ፥ 13 ዙርባቤላ አብዩድ ኤሙለ፥ አብዩድና ኤልያቀም ኤሙለ፥ ኤልያቀምና አዛር ኤሙለ፥ 14 አዛር ሳደቅ ኤሙለ፥ ሳደቅ አኪም ኤሙለ፥ አኪምና ኤልዩድ ኤሙለ፥ 15 ኤልዩድ አላዛር ኤሙለ፥ አላዛር ማታን ኤሙለ፥ ማታን ያይቆባ ኤሙለ፥ 16 ያይቆባ ዮሴፋ ኤሙለ፥ ዮሴፋና ካፋይሳሮ ክርሰቶሳ የሱሳኮት እዬ ማይራመ ካኤራተሮየ። 17 ጎርታ አብራመኮ ታ ዳዉተ ጌሮን አላታን ቶሞንኮ አፋርታ፥ ዳዉተኮ ታ ካባብሎን ቦጃማኖ ጌሮን አላታን ቶሞንኮ አፋርታ፤ ካባብሎን ቦጃኖኮ ታ ታክርሰቶሳ አላታን ጌግን ቶሞንኮ አፋር አላታንታ። 18 ታየሱሳ ክርሰቶሳ አላታንኮት ጅርት ሂካማሌታ፥ አየቴሳ ማይራመ ዮሴፋን ኤራንተጉደ ሀኤሰሎን አያና ቁሉክ ፋቶ ቶታተ ሙተ። 19 ኤሰ ካኤራተራ ዮሴፋ ቃጁላክ እባዶት ማንኮሌሮ ማራን ማይራመ እባዶ ሆረ ፋንቾይሲን ማንኮዶቶን ማራን ሀእዴሰሶን እሰን ሙርቴሰ። 20 ኡሱ ጎእመን ሂካ ቆፓ ግራን ካጎታ ኤርግቻ ሀሰሎይ ኡሱን ሙተ፥ ሃና እመ፥ “ሳኒ ታዳዉተ ካሌተታ ዮሴፋ፥ ታኤራተቶ ማይራመ አታይ ኦር የላዪን እርእብሳተ ላላንቲና ኤሰ ካኮቶታተታ ቁሉክ እያናኮያ። 21 ባባርትትና ኤሙልናታ፥ መገኬሳና የሱሳ እም ኤምናታ፤ ላላንቲና ኡሱ ጎሳኬሳ ጨቦክሶኮ ማንኮሃሰናሮ ማራንያ።” 22 ጎታ ጋራ ካሄገሮነ ሃ እመ ካእዬሰራ ፈሎይ ጎጎሀይሮን እመጉረ ሂክ ዱባ ሌ። 23 “ህክና፥ ዴለልትቲ ፋቶ ቶታይናታ ባባርትትና ኤሙልናታ መገኬሳና እማኑኤል እማምናራ፥” ቆረንና “ዋ ኖኔ ዋታ ግራ እማኖያ።” 24 ዮሴፋና ሁዱሮኮ ናባደ፥ ኤሰኮና ካጎታ ኤርግቻ ጎጎሰጌሮይ ማይራመ ኦር የላዪን ምንኬሳ ቶሰ አታተ ሴተ። 25 ሀሌዎ ኳሬ ኤረክሴ ታኤሙልቶይ ኤሰነ ዋታ ላኮሁዱረሮ ካእላተሮ ይትትና የሱሳ እመ ኤሙ።

2 ዋኖ ሄሮዶሳ ሬደ ካኮግሬ ገሰ የሱሳ ታቤተሌም ካታማይ ካይሁዳ ኡሊ ካኮእላታረ ጎራታ ባራጀ ኦቆቆራሬን ምና ታብያንኮ እያሩሳለም ቶስ ኤመተንጉረን፥ 2 ካይሁዳ ዋኖ ሊን ካእላተራ ይትት ሀጌ ግራ? ምና ታብያንነ ባካላ ዴነጉነ ኡሱን ሳጋድን ኤሜነና እመነ ሆሳተን። 3 ዋኖ ሄሮዶሳ ሂካ እየሰ ካኮማላረ ጎራታ ኔ። ኡሱማለና ካእየሩሳለም እባዶ ዱባ ኔ። 4 ኡሱ ካቱቃሞል ዋይቻልና ሴራ ካእይሁድ ኦአጋልሰሳራን ዱባ ኩኩይሰረ ክርሰቶሳ ሀጌ አላይናሮ ሆሳተ። 5 እሶና፥ “ካይሁዳ ኡሊ ታግቶ ታቤተሌም ካታማይያ፤” ካሄገሮይ ሃ አማመ ጸፏመራ፤ 6 “‘ኤል ካይሁዳይ ታግታ አት ቤተሌም! ካካላ ታይሁዳ ካታማልኮ ዱዶ ላኮየራታቶ፥ ጎሳኬ እሰራኤል ካፎፍናራ ሞቲ ኩኮ ብናራ አመገ።’” 7 ኤሰኮና ሄሮዶሳ ባራጀ ኦቆቆራሬን ጎልሰ ኤምሰጉረ እዬሰሳ ባካላ ካኮሙተሮ ልክኪ ጎራታ ሆሳተ ማለ። 8 ባራጀ ኦቆቆራሬና ቤተሌም ቶሰ ፋረጉረ “ሴየንጉዴን ይትት ማላ ዶታ፥ አንና አድ ሴይጉረ ኡሱን ጎጎሳጋድሮን ኡሱ ጎጎሄልቴን እነ ቶሰ አባባይዴን ኤቲ ግሮ እነ ሰጋ” አመ። 9 ባራጀ ኦቆቆራሬና ዋኖ ካእመሮ ማለን አባባቴንጉረን ሰሴታን ሆረዴን። ህክና ምና ታብያንነ ካዴራን ባካላ ራ ቃጁልሳ ይትት ማንኮግሮ ባንኤ ጌረ አሌ። 10 ባካላና ካኮድያረን ጎራታ ላሎ ገጌላተን። 11 ምን ኦሮ ካኮታባሬን ጎራታ ይትትና ኣየቴሳ ማይራመነ ዋታ ካግሮ ዴን፥ ግልቢሰንጉራን ሳጋደን። ሳጢነክሶና ባናተንጉረን ዋርቂ፥ ኢጣናነ፥ ኡርት ታኢዳን ካእቦ ቅባት ሰሰን። 12 እሶና ሄሮዶሳ ቶሰ ጎጎአባባኖንኮ ዋ ሀሰሎይ አታይሰ እሶን ማንኮሰጌሮ ማራን ራ ኢግልሳቴን ኤልክሶ ቶሰ አባባተን። 13 ባራጀ ኦቆቆራሬን ሴተን ካኮቡዋረን ጎራታ ኤርግቻ ካዋ ዮሴፋን ሙተጉረ ክ እት ታኮአባባቶ እሪ አነ ኩን ታ ሰግሮን ይትት ኣየቴሳነ ዋታ ኣት ግብጽ ቶሰ ባቃጉደ ኤሰ ግር። “ሄሮዶሳ ይትት ላጋዲን ዶታራ” አመ። 14 ሃንሱን ኡሱና ኬጉረ ይትትና ኣየቴሳና ኣተጉረ ሄመን ግብጽ ቶሰ ሴተ። 15 ኤሴና ሄሮዶሳ ታጎሮ አዳላተ። ሂካኒና “ኤረኬና ኤል ካግብጽኮ ኤማየ” እማ ጎታ ካሄገርኮት ህኢ ካእዬሰራ ሃቆራ ፈሎ ሀየ። 16 ሄሮዶሳ ባራጀ ኦቆቆራሬን ኡሱ ሶባኖ እዴሰጉረ ኣሎ እማራተ፥ ባራጀ ኦቆቆራሬን ባራጀ ካኮሙተሮ ጎራታ ጎጎሰጌራንክ ማለ ጌሰ ላማና ኤሰኮ ሄገልባን ካሌሮ ቤተሌምና ኡሱ ጎቦቢ ካግሮ ማማንጀልኮክ ባባር ይሰ ዱባ ኩኩይሰረ ቆረ ላጋዲሰሰ። 17 ሀሱ ጎራታ ካሄገሮ ኤርማሳ ሃ አማመ ካሰጋመራ ፈሎ ሀየ። 18 ካእታኔና ካእቲ ኢያኮት ያየ ራማይ ማልሳንተ፥ “ራሄልና ይሰክሴ ማራን ኦተ፥ ጎጎእና የላዪን ላኮዳንዴተ፥ ኣላንቲና ይሰክሴ ማንኮጎየ ማራንያ።” 19 ጎይ ካሄሮዶሳኮ አባባተረ ካጎታ ኤርግቻ ዮሴፋን ሀሰሎይ ሙተጉረ፥ 20 “ክንጉዴ ይትትና ኣየቴሳ ኣትጉደ ኤል ካእሰራኤል አባባ፥ ይትት ላጋዲን ኦዶታሬን ጎዬራን” አመ። 21 ዮሴፋና ኬጉረ ይትትና ኣየቴሳ ኣተጉረ ኤል ካእሰራኤል ቶሰ አባባተ። 22 አየሱን ጎእመን አርክሎሳ ኣቦኬሳ ሄሮዶሳኮት ባንኤ ኤል ካይሁዳ ዋኖ ሌ ሬዳኖ ካኮማላረ ጎራታ ዮሴፋ ኤሰራ ሴይን አብሳተ። ሀሰሎይ ኡሱን ካኮሰጋማረ ጎራታ ታጋሊላ አዉራጀ ቶሰ ሴተ። 23 ናዝረት ታእማማቶ ካታማ ቶሰ ሴተጉረ ሀማጹ። ሂካኒና ካሄገርል፥ “ካናዝረት አማምናራ” አማሜን ኦሰጋመራን ሄገሮ ፈሎይ ሀዬን።

3 ኡሱ ጎራታ ካጣማቃራ ያንሳ ካይሁዳ ቃሉላቶክ ኡሊ ላላባ ኤመተ። 2 ላላባኖኬሳና፥ “ዎኖናት ካዳሩረ ጋባላመራ ጨቦኮ ጉላ ጋላ” ካእማርያ። 3 ካሄገሮ እሰያሳይ ሃ አማመ ካሰጋመራ ኡሱያ፥ “ቃሉላቶክ ኡሊ ‘ራ ካዋና ኤካሳ ቦባና ቱኩል ኡምሳ’ አማ ታኦካቶ ያየ።” 4 ካያንሳ ሳርሰና ኦጎሮ ኦጋላኮ ካፈላመሮ ጎሌሮ ሞኦቴሳይና ጊ ሞዋታረ። ባቦኬሳና ከንተፋሮና ካጋዶ ማላብየ። 5 ኢየሩሳለምኮ፥ ካይሁዳ ኡል ዱባኮና ላጋ ካዮርዳኖስ ጎቦቢ ካግሮ ኡልኮ እባዶ ዱባ ያንሳ ቶስ ጉሪማረ። 6 ጨቦክሶኮና ጉላ ጋላ ላጋ ካዮርዳኖስ ገነቴሳይ ጣማቃማ ግረን። 7 ፋራሳውልኮና ሶዶቃውልኮ ካሞጋን እባዶ ኡሱ ታኮጣማቃረ ባንኤ ካኤሜታሮ

Matta

1 Bifimer naniya Yecu Kiritti bibwe Dauda, bibwe Abrahame. **2** Abram co te Icaku, Icaku te Yakub, Yakub te Yahuda kange Yitub ceb. **3** Yahuda co te Farica Kange Jera fiye Tamar wiye, Farica nyori te Hacruna. Hacarua co te Arame. **4** Aram co te Aminadabe, Aminadab co te Nacone, Nacon co te Calmone. **5** Calmon co te Buaja fiye Rahab wiye, Boaja co te Obida fiye Rut nine. Obida co te Yeece. **6** Yecce co te Liya Dauda, Liya Dauda co te Culemanu fiye wii Yuriya wiye. **7** Culemanu co te Rehobwame, Rehobwam co te Abija, Abija co te Aca. **8** Aca co te Yehocafa. Yehocafa co te Yorame, Yorame cote Uziya. **9** Uziya co te Yotame, Yotam co te Ahaze, Ahaz co te Hezekiya. **10** Hezekiya co te Manacca. Manacca co te Amone, nyori Amon co te Yociya. **11** Yociya co te Yekoniya kange yitub cebo, dong-dong fiya cuwo ci yem ci, ci yaaken kici biten Babila. **12** Bwiko ci yem ci, ci yaken ci biten Babila. Yekoniya co te Ceyaltiyele. Ceyaltiyele co te Zarubabele. **13** Zarubabel co te Abihudu. Abihudu co te Eliyakime, nimre Eliyakim co te Azuru. **14** Azuru co te Caduku. Caduku co te Akimu, nire Akimu co te Aliyudu. **15** Aliyudu co te Ali'azara, Ali'azara co te Matana. Nimre Matana co te Yakube. **16** Yakubu co te Yucubu bwe Maryamu wo fiye ci wiye ci bo Yecu wo ci cuwo ti ki Almaciu. **17** Core tau Ibrahim nin yaken ciko Dauda nineu kaltito kwob culombo naar, kange wo tau fiye yeka ciko ci yaken ki ci Babilau yaken ciko Kiritti nin, kaldo kwob culombo naar. **18** Bor Yecu Kiritti ko bwi nyo wo. Nece Maryamu ciya an nam Yucufu, naci nakangiri Maryamu kweri tum fer yuwa tangbe wucake. **19** Yucufu bwece nii cakcake, cuibo ci neco kwenduwe nuwe nobe, nyori cuiti naci nyangum kang cinen daar. **20** La ci kwa diker buro tiri, bibwe tomange kwama wucake cerkangu cinen mor dukume. yi coti “Yucufu bi bwe Dauda nuware tai, tum Maryamu wimwe, wori dike ci tum ciko fwereu ca fiya yuwa tangbe wucake nen. **21** can do bwe, mwa cuwo dencere ki Yecu, co ca fulo nubo ti fiye bwiran ker ciye. **22** Gwam wo an bwi na dim diker teluwe be toke nyii nii tomange, tokti ki, **23** “To bubya an tu fwer, naci bo bwe ciya cuwo den cero ki Imanuel” Dike dendo nungeu “Kwama wi kange bo”. **24** Yucufu kwenu dumbo nineu, maani na wo bwe tomange kwama yiceu, cin kuni con tu wice. **25** Yucufu Nyomombo wice wi co bom bwe La con co dendo Yecu.

2 Bwikako ci bo Yecu Baitalami biten Yahudiya ki core wo Hirudu Liyau, Kangem nob nyomka bifumer kwama bo Urcalima. Tokti ki. **2** “Fee wo ci bo Liya Yahudawa? nyon to bitiren cero twar, nya bo na nyi wabka. **3** La Liya Hiridu nuwa nyori, kwom co kambo ken kange hwam nubo Urcalima. **4** Hiridu mwer Liyab wabe kwama gwam kange nob mulankab nibe. me ci “kiriti a bo fe?” Cin yi co. **5** “Mor Baitalami Yahudiya nyo won co dike bibei tomange kwama mulange”. **6** “Mo Baitalami mor biten Yahudiya mo kebo wo duwal-duwali tiber Liyab yahudiya. more mwe an fiya nii a ca Liyar tiye wo a yila nii biyuwar nobo Lomi Iciraila”. **7** La Hiridu cwo nob nyomka bifumer reu, yurangum Yurange, me ci “Fiyang bitiren do cerkanguwe?”. **8** Con twom ci Baitalami, yiciti, “Kom ya ki fuwa bwe biduware ki Lima ki Lima, no kom fiya ri, ko bou kom yiye, na mo ken nan ya nan wabco.” **9** Bwikako ci nuwa diker Liya yi ciye ri cin kwen ci ta nure, bitiren do wo ci to twareu yakenti ka ci ya yan titi dor luwe bwe bi duware wiye. **10** La ci to bitirndo ri cin bilangi ki bilankako dur. **11** Cin do mor luwe, nen cin to bwe bi duwareu kange nece Maryamu. cin cung bitine cin wabco. cin kwim cwaye ciye neco Lima nerek, mwinek kange lubban kange mor. **12** Kwama yi ci mor dukume, ciya yilare fiye Hiridu nine. yori cin yilaken bitine ciye nure kange. **13** Bwikako ci kweneu cin to nii tomange teluwe cerkangu Yucufu nin yi co, “Kwen tu bwe bi duwae wo kange bece cwa cu ciko biten Masare. **14** Kume cuwo Yucufu tu bweu kange nece u Masar. yi ken firen yinen di na nimre, wori Huridu cuiti na twalum bweu. **15** Cin yike fire Hiridu Bwiyati. Wo na dim diker teluwe be tokeu nyi nii tomange, “Min cuwou bi bwemi Masar”. **16** Hiridu to nob nyomka Bifumereu bwanten bo ker cero ri mam funer ducce, cin twomi a twalangum bi bei nabarubbe bi duwartini gwam, wo Baitalami kange buro bi dom kange ce tati coro yob yirau ciko bitine. **17** Fiya cuwo la dike nii tomange Irimiya toke dimme. **18** Cin nuwa diro kange Rama ci wiye ti kinero fir cilong-cilonge, Rahila ci wiye dor bi beiyo locer. Mani ca fiya birum nere ti wo mani. **19** Fiya cuwo Hiridu bwiyame, nii tomange teluwe

मत्ती

1 ईसु मसी ना आड़ा-बुडा नी नाम नी लीखली सुची नी कीताप,
जे अब्राहम नी अवल्यात, अने दावुद नी अवल्यात हता। **2**
अब्राहम ईसाक नो सोरो हतो, अने ईसाक याकुब नो बाह हतो, अने
याकुब यहुदा नो बाह हतो अने तीना भाय। **3** अने यहुदा फीरीस अने
जोरह नो बाह हतो, तीमनी आय्ह तामार हती, फीरीस हीस्रोन नो
बाह हतो, अने हीस्रोन एराम नो बाह हतो। **4** एराम अम्मीनादाब नो
बाह हतो, अने अम्मीनादाब नहसोन नो बाह हतो, नहसोन सलमोन
नो बाह हतो। **5** अने सलमोन बोवाज नो बाह हतो, अने बोवज नी
आय्ह राहब हती, बोवाज ओबेद नो बाह हतो, अने ओबेद नी आय्ह
रूत हती, अने ओबेद यीसे नो बाह हतो। **6** यीसे राजा दावुद नो बाह
हतो। अने राजा दावुद सुलेमान नो बाह हतो, सुलेमान नी आय्ह
उरीय्याह नी लाडी हती। **7** अने सुलेमान रहबाम नो बाह हतो। अने
रहबाम अबीयाह नो बाह हतो, अने अबीयाह, आसा नो बाह हतो।
8 आसा यहोसाफात नो बाह हतो, यहोसाफात योराम नो बाह हतो,
अने योराम उज्जीयाह नो बाह हतो, **9** उज्जीयाह योताम नो बाह
हतो, योताम आहज नो बाह हतो, अने आहज हीजकीयाह नो बाह
हतो, **10** हीजकीयाह मनसीह नो बाह हतो, मनसीह आमोन नो बाह
हतो, अने आमोन योसीयाह नो बाह हतो; **11** अने ईस्रायल ना
माणहु ने धरीन बेबीलोन मे लीजवा नी टेमे, योसीयाह यकुन्याह
अने तीना भायु नो बाह हतो। **12** अने ईस्रायल ना माणहु ने धरीन
बेबीलोन मे लीजवान बाद, यकुन्याह सलतीयेल नो बाह हतो, अने
सलतीयेल जरूबाबील नो बाह हतो, **13** जरूबाबील अबीहुद नो बाह
हतो, अबीहुद ईल्याकीम नो बाह हतो, अने ईल्याकीम अजोर नो
बाह हतो, **14** अजोर सदोक नो बाह हतो, सदोक अखीम नो बाह
हतो, अने अखीम ईलीहुद नो बाह हतो, **15** ईलीहुद एलीयाजार नो
बाह हतो, एलीयाजार मत्तान नो बाह हतो, अने मत्तान याकुब नो
बाह हतो। **16** याकुब युसुफ नो बाह हतो, जे मरीयम नो घोरवाळो
हतो, अने आहयी मरीयम सी ईसु पयदा हयो, जे मसी केवाये। **17**
आनी रीते आखी मेळीन अब्राहम गेथी दावुद लग चोवदे पीड़ी
हयी, दावुद गेथी बेबीलोन मे धराय जवा नी टेमे लग चोवदे पीड़ी
हयी, अने बेबीलोन मे धरीन लीजवा नी अळतेण लग गेथी ईसु मसी
लग चोवदे पीड़ी हयी। **18** ईसु मसी नी पयदावारी आसम हयी;
जत्यार तीनी आय्ह मरीयम नी जोड़ावणी युसुफ हाते हय जेली
हती, अने अळतेण तीमना वेवा हय्न भेळा हयवा नी पेलेत मरीयम
चोखली आत्मा नी लारे भारेपोगे हय जी। **19** मरीयम नो घोरवाळो
युसुफ धरमी माणेह हतो अने माणहु अगळ मरीयम नु नामबद्दी नी
करवा हींडतो हतो, एतरे होगोत तीने सोड़ देवा नो वीच्यार करवा
बाज रेलो। **20** युसुफ आसम वीच्यार करीन हुय ज्यो, तत्यास्त
तीने हपना मे भगवान नो हरगदुत देखाव पड़ीन केदो, "ए युसुफ
दावुद नी अवल्यात, मरीयम ने तारी लाडी बणावीन लाव्वा सी ना
बीहे। काहाके तीहयी चोखली आत्मा नी लारे भारेपोगे हयली से।
21 अने तीहयी सोरू ने पयदा करहे अने तु तीनु नाम ईसु राखजे,
काहाके तीहयो आपणा माणहु ने तीमना पापु सी सोड़ावहे।" **22**
आहयु आखु आनीन करते हयु के जे बोल मालीक, भगवान वगे
गेथी वात केण्या नी लारे केदलो, पुरो हये: **23** "हमळो एक कुवारी
भारेपोगे हयहे अने तीहयी एक सोरू पयदा करहे, अने तीनु नाम
ईम्मानुएल्ल पाड़हे तीहयु नाम नु मतलब से; भगवान आपणी हाते
से।" **24** जत्यार युसुफ हुवीन उठ्यो, तत्यार हपना मे भगवान नो
हरगदुत केदो तेमेत कर्यो अने मरीयम हाते वेवा करीन आहफा ना
घोर ली आयो; **25** बाखीन युसुफ तत्यार लग मरीयम नी हाते नी
ज्यो, जत्यार लग तीनु सोरू पयदा नी हयु। युसुफ सोरू नु नाम ईसु
पड़्यो।

2 ईसु यहुदा देस ना बेतलहम गाम मे पयदा हयो। तत्यार हेरोद
राजा राज करवा बाज र्यो हतो। तत्यार उगवणा गेथा तारा ने
जाणवा वाळा जानकारू यरूसलेम हेर मे आया। **2** अने माणहु ने
पुसवा बाज ज्या, "युहदी माणहु नो राजा जे पयदा हयलो से तीहयो
कां से? काहाके उगवणो गेथो तीनी सेलाणी नो तारो उगत्लो देखला
से। अने आमु तीने वांदवा आवला से।" **3** आहयी वात हमळीन
हेरोद राजा अने यरूसलेम हेर मे रेण्या आखा माणहु घबराय ज्या।
4 एतरे हेरोद राजा युहदी ना डायला पुंजारा अने चोखली सास्तर
हीकाड़न्या ने अने आखा ने भेळा करीन आहयु पुछ्यो, मसी कां
पयदा हयवा जोवे? **5** तीहया केदा, "यहुदा परदेस ना बेतलहम गाम
मे; काहाके भगवान भणी गेथो केवा वाळो आना बारा मे केदलो
से।" **6** "ए बेतलहम, तु यहुदा देस मे वाळा, काना बी मोट्ला हेर मे
गेथु नानु नी हय; काहाके तारी मे एवो राज करन्यो अदीकार्यो
पयदा हय्न उजन्तो हयहे। जे मारा ईस्रायल ना माणहु नी देख-भाळ
करहे।" **7** अळतेण तारा ने जाणवा वाळा जानकारू ने हेरोद राजा
होगोत बोलायो अने तीमने पुसीन मालम कर लेदो के तारो कानी टेमे
देखावा पड़लो। **8** अळतेण हेरोद राजा तीमने बेतलहम मोकल्यो
अने हुकम आप्यो, "जावो, अने जाय्न सोरू ने होदो अने तीहयु सोरू
जड़ जाय, ता मने खबर करजो, एतरे मे बी जाय्न तीना पोगे पड़ीन
वांदही।" **9** तीहया राजा नी वात मानीन चाल पड़्या। अने जे तारा
ने तीहया देखला हता, तीहयो तारो बी तीमनी अगळ-अगळ चाल
पड़्यो, अने जां सोरू हतु तीहयात जागे जाय्न उबो री ज्यो। **10**
तीहया तारा ने देख्या ता घण-जबर खुस हय ज्या। **11** घोर मे मोय
ज्या अने तीहयु, सोरू ने तीनी आय्ह मरीयम हाते देख्या अने तीना
पोगे पड़ीन वांद्या, अने तीहया आहफा-आहफा नी पेटारी मे गेथा
नीकाळीन ईसु ने होनु, लोबान अने गंदायण्यु ईतत्र भेट कर्या। **12**
काहाके भगवान तीहया जानकारू ने हपना मे चेताय देदलो के तमु
हेरोद राजान तां नी जजो। एतरे तीहया बीजी वाट्ये पडीन आहफाम
ना देस जत र्या। **13** तीहया जानकारू ने जवादीन मालीक नो दुत
युसुफ ने हपना मे देखाव पड़्यो अने हुकम आपीन केदो, "उठ!
सोरू अने तीनी आय्ह ने लीन मीसर देस नाह जा। जत्यार लग मे
पासो चाल नी केम तत्यार लग तांत रेजे। काहाके हेरोद राजा मराय
नाखवा करीन सोरू ने होदाड़वा वाळो से।" **14** आहयु हमळीन
तीहयीत राते उठीन सोरू अने तीनी आय्ह ने लीन मीसर देस भणी

Mateo

1 IESVS CHRIST Dauid-en semearen, Abrahamen semearen generationeco Liburuä. **2** Abrahamec engendra ceçan Isaac. Eta Isaac-ec engendra ceçan Iacob. Eta Iacob-ec engendra citzan Iuda eta haren anayeac. **3** Eta Iudac engendra citzan Phares eta Zara Thamarganic. Eta Pharesec engendra ceçan Esrom. Eta Esromec engendra ceçan Aram. **4** Eta Aramec engendra ceçan Aminadab. Eta Aminadab-ec engendra ceçan Naasson. Eta Naassonec engendra ceçan Salmon. **5** Eta Salmonec engendra ceçan Booz Rachabganic. Eta Boozec engendra ceçan Obed Ruthganic. Eta Obed-ec engendra ceçan Iesse. **6** Eta Iessec engendra ceçan Dauid reguea. Eta Dauid regueac engendra ceçan Salomon Vriasen emazte içanaganic. **7** Eta Salomonec engendra ceçan Roboam. Eta Roboamec engendra ceçan Abia. Eta Abiac engendra ceçan Asa. **8** Eta Asac engendra ceçan Iosaphat. Eta Iosaphatec engendra ceçan Ioram. Eta Ioramec engendra ceçan Ozias. **9** Eta Oziasec engendra ceçan Ioatham. Eta Ioathamec engendra ceçan Achaz. Eta Achazec engendra ceçan Ezechias. **10** Eta Ezechiasec engendra ceçan Manasse. Eta Manassec engendra ceçan Amon. Eta Amonec engendra ceçan Iosias. **11** Eta Iosiasec engendra ceçan Iacim. Eta Iacimec engrendra citzan Iechonias eta haren anayeac, Babylonerat eraman içan ciradenean. **12** Eta Babylonerát eraman içan ciraden ondoan, Iechoniasec engendra ceçan Salathiel. Eta Salathielec engendra ceçan Zorobabel. **13** Eta Zorobabelec engendra ceçan Abiud. Eta Abiud-ec engendra ceçan Eliacim. Eta Eliacimec engendra ceçan Azor. **14** Eta Azorec engendra ceçan Sadoc. Eta Sadoc-ec engendra ceçan Achim. Eta Achimec engendra ceçan Eliud. **15** Eta Eliud-ec engendra ceçan Eleazar. Eta Eleazarec engendra ceçan Mathan. Eta Mathanec engendra ceçan Iacob. **16** Eta Iacob-ec engendra ceçan Ioseph Mariaren senharra, ceinaganic iayo içan baita Iesus, cein erraiten baita Christ. **17** Bada Abrahamganic Dauidgananoco generatione guciac, dirade hamalaur generatione. Eta Dauidganic Babylonerat eraman içan ciraden arteranocoac, hamalaur generatione. Eta Babylonerat eraman içan ciradenetic Christgananocoac, hamalaur generatione. **18** Bada Iesus Christen sortzea hunela içan da. Ecen Maria haren ama Iosephequin fedatua cela, hec elkargana gabe, içorra eriden cedin Spiritu sainduaganic. **19** Orduan bere senhar Iosephec, ceren iusto baitzen eta ezpaitzuen hura diffamatu nahi, secretuqui vtzi nahi vkan çuen. **20** Baina gauça hauc gogoan cerabiltzala, huná, Iaunaren Aingueruä aguer cequion ametsetaric, cioela, Ioseph Dauid-en semeá, ezaicela beldur eure emazte Mariaren hartzera: ecen hartan concebitu dena, Spiritu sainduaganic duc. **21** Eta erdiren duc seme batez eta deithuren duc haren icena Iesus. Ecen harc saluaturen dic bere populua hayen bekatuetaric. **22** Bada haur gucia eguin içan da, Iaunac Prophetáz erran vkan çuena compli ledinçát, cioela, **23** Huná, virginabat içorra içanen da, eta erdiren da seme batez, eta deithuren duté haren icena Emmanuel, cein erran nahi baita hambat nola, Iaincoa gurequin. **24** Lotaric iratzarturic bada Iosephec eguin ceçan Aingueruäc manatu ceraucan beçala, eta har ceçan bere emaztea. **25** Eta etzeçan hura eçagut, bere lehen semeaz erdi cedino: eta deiceçan haren icena Iesus.

2 Iayo cenean bada Iesus Bethlehem Iudeacoan regue Herodesen demborán, huná, Çuhurrac Orientetic ethor citecen Ierusalemera, **2** Cioitela, Non da Iuduén regue iayo dena? ecen ikussi dugu haren içarra Orientean, eta ethorri gara hura adora deçagunçat. **3** Bada regue Herodesençunic hori trubla cedin, eta Ierusaleme gucia harequin. **4** Eta bilduric Sacrificadore principal guciac eta populuaren Scribác, informa cedin hetaric non Christ sortzeco cen. **5** Eta hec erran cieçoten, Bethlehem Iudeacoan, ecen hunela scribatua duc Prophetáz, **6** Eta hi Bethlehem Iudaco Iurrá, ezaiz Iudaco gobernadorén arteco chipiena, ecen hireganic ilkiren duc, Israel ene populua bazcaturen duen gobernadorea. **7** Orduan Herodes secretuqui Çuhurrac deithuric informa cedin hetaric diligentqui, içarra aguertu içan çayen demboráz: **8** Eta hec Bethlehemerat igorriric, erran cieçén, Ioanic informa çaitezte diligentqui haourtchoaz: eta eriden duqueçuenean, iaquin eraci ieçadacue, nic-ere ethorriric adora deçadan hura. **9** Hec bada regueaençunic parti citecen: eta huná, Orientean ikussi vkan çuten içarra hayén aitzinean ioaiten cen, haourtchoa cen lekuaren gainera ethorriric gueldi cedino. **10** Eta içarra ikussiric bozcario handiz boz citecen haguitz. **11** Eta etchera sarthuric eriden ceçaten haourtchoa bere ama Mariarequin: eta ahozpez adora ceçaten hura, eta bere thesaurac desplegaturic presenta cietzoten estrenác, vrrhe, encensu, eta myrrha. **12** Eta diuinoqui ametsetan aduertitu içanic ezlitecen Herodesgana itzul, berce bidez retira citecen bere comarcarát. **13** Bada hec retiratu eta, huná, Iaunaren Aingueruä aguertzen çayó Iosephi, dioela, Iaiquiric har itzac haourtchoa eta haren ama, eta ihes eguic Egyptera:

Ma:diu

1 Yesu Gelesu Ea osobo bagade aowalalia fi da hagudu dedei diala. E da Da: ibidi egaga fi dunu amola Da: ibidi da A: ibalaha: me egaga fi dunu. **2** A: ibalaha: me ea fi hamoi ilia dio hagudu dedei diala. A: ibalaha: me, Aisage, Ya: igobe, Yuda amola ea eya huluane. Amalalu, Bilese, Sela (elea eme da Da: ima), Heselone, La: me, Aminida: be, Nasione, Sa: lamone, Boua: se (ea eme da La: iha: be), Oubede (ea: me da Ludi), Yesi, Da: ibidi (Isala: ili hina bagade dunu). **6** Da: ibidi ea fi fa: no lalelegei da agoane diala. Da: ibidi, Soloumane (ea eme da Iulaia idua), Lihouboua: me, Abaidia, A:isa, Yehosiefa: de, Yehoula: me, Asaia, Youda: me, A:iha: se, Hesigaia, Ma: na: se, A:imone, Yousaia, Yehoiagini amola yolalali. Amalalu, Ba: bilone dunu fi da Isala: ili dunu fi amo Ba: bilone sogega mugululi asi. **12** Fa: no agoane, Isala: ili dunu ilia sogega bu fimusa: doaga: le, fi agoane hamoi; - Yehoiagini, Sia: ladiele, Selababele, Abaiade, Ilaiagime, A:iso, Sa: idoge, A:igime, Ilaiade, Elia: isa, Ma: da: ne, Ya: igobe, Yousefe (Meli egoa). Amalalu, Yesu (Ema da Mesaia Dio asuli dagoi) E da lalelegei. **17** Amaiba: le, A:ibalaha: me ea fi ganodini mano lalelegei, amogainini Da: ibidi lalelegeloba, fi 14 hamoi. Da: ibidi ea mano lalelegele, amogainini Isala: ili dunu ilia Ba: bilone sogega mugululi asi fi, 14 eno ba: i. Amalalu, fi 14 eno hamone, Gode Ea Manodafa da lalelegei. **18** Yesu Gelesu Ea lalelegesu eso da agoane dialusu. Ea: me Meli da Yousefe ea mae lale, sia: si esalu. E da dunuma hame fi. Be Gode Ea A: silibu Hadigidafa da ea hagomo ganodini mano hamoiba: le, Meli da abula agui ba: i. **19** Egoa Yousefe da ema asigiba: le, e da Melima, dunu huluane ba: ma: ne, gogosiasu imunu hihi galu. Amaiba: le, e da ea uda wamowane fisidigimusa: dawa: i galu. **20** Be e simasia, Gode Ea a: igele dunu da ema misini, amane sia: i, "Yousefe! Da: ibidi ea mano! Di mae beda: ma! Dia sia: si Meli amo lale, dia diasuga oule masunu da defea. Mano dududusa ea hagomo ganodini diala da Gode Ea A: silibu amoga hamoi dagoi. **21** E da dunu mano lalelegemu galebe. E da Ea dunu fi ilia wadela: i hou se iasu dabe hamone, ili gaga: mu. Amaiba: le, di Ema Yesu (Gaga: su Dunu) Dio asulima. **22** Amo hou huluane da balofede dunu (Gode Sia: alofesu dunu) ilia musa: sia: i defele hamoi dagoi ba: i. **23** Ilia amane sia: i, "A: fini hame lai da abula agui ba: mu. Amalalu, dunu mano da lalelegemu. Ilia da Ema Ima: niuele (dawa: loma: ne da 'Gode nini gilisili esala') amo dio asulimu." **24** Amalalu, Yousefe da nedigili, a:igele ea sia: nababeba: le, mae hihini, ea uda lai dagole ea diasuga oule asi. **25** Be udigili esalu, ea mano lalelegeiba: le fawane gilisili golai. E da amo manoma Yesu Dio asuli.

2 Yesu E da Bedeleheme moilaiga Yudia soge ganodini lalelegeloba, hina bagade Helode da Yuda dunu ilia Gamane ouligisu dunu esalu. Bagade dawa: su dunu, gusu soge sedagaga misini, Yelusaleme moilai bai bagadega doaga: i. **2** Ilia da amane sia: i, "Yu dunu Hina Bagade lalelegei da habila: ? Ninia da eso maba gusudili muagado Ea gasumuni lelebe ba: beba: le, Ema nodone sia: musa: misi." **3** Amo sia: nababeba: le, Helode da mi hanai galu. Yelusaleme dunu huluane ilia da fofogadigi. **4** Helode da gobele salasu dunu amola sema olelesu dunu huluane gilisili, ilima amane adole ba: i., "Mesaia Ea lalelegemu soge da habila?" **5** Ilia da ema bu adole i, "E da Bedeleheme moilaiga, Yudia soge ganodini lalelegemu. Balofede dunu da Gode Sia: Dedei Buga ganodini agoane dedei diala. **6** 'Bedeleheme moilai Yuda soge ganodini da moilai fonobahadi hame. Amo moilaiga Ouligisu Dunu da misunu galebe. E da Gode Ea fi (Isala: ili) ilima Logodafa olelemu,'" **7** Amaiba: le, Helode da wamowane bagade dawa: su dununa gasumuni gaheabolo ea heda: i eso hogoi helei. **8** E da ili Bedeleheme moilaiga asunasi. E amane sia: i, "Mano lalelegei amo ba: sea, nama bu adodola misa. Na amola da Ema nodone sia: mu." **9** Ilia da Helode ea sia: nabalu, asili, gasumuni amo ilia da musa: gusudili sogega ba: i, amo ilima bisili asili, mano ea dialebe diasu gadodili mu da: iya lelebe ba: i. **10** Ilia da gasumuni ba: beba: le, hahawane bagade ba: i. **11** Ilia da diasu ganodini golili sa: ili, mano amola eme Meli ba: i. Ilia da osoba muguni bugili, nodone sia: ne gadoi. Amalalu, ilia da liligi ida: iwane Ema i, amo da gouli, fala: gise amola me. **12** Ilia simasia, Gode da Helodema bu mae masa: ne ilima sia: i. Amaiba: le, ilia da logo enoga asili, ilila: sogega doaga: i. **13** Ilia da asili, Yousefe e da simasia ba: i. Gode Ea a: igele dunu da ema doaga: le, amane sia: i, "Wa: legadoma! Dia mano amola ea: me oule asili, Idibidi sogega hobeale masa. Na sia: be nabima: ne ouesaloma! Helode da dia mano fuga: musa: , logo hogolala!," **14** Amaiba: le, Yousefe da gasia hedolowane wa: legadole, ea mano amola mano ea: me, Idibidi sogega oule asi. **15** Helode da fa: no bogobeba: le, ilia da bu sinidigi. Balofede dunu ea sia: i, "Na da Idibidi sogega Na mano misa: ne wele sia: mu," amo da defele hamoi ba: i. **16** Helode da bagade dawa: su dunu ilia ogogoi dawa: beba: le, mi hanai galu. E da bagade dawa: su dunu ilia eso ilegei dawa: beba: le, dunu mano huluane ode aduna lalelegei amola fa: no lalelegei, amo mano huluane Helode da ea dadi gagui dunu ilia fufuga: ma: ne sia: i. **17** Amaiba: le musa: balofede dunu Yelemaia ea sia: i amo defele hamoi ba: i. **18** E hemonega amane sia: i "La: ima moilai ganodini didigia: be bagade ilia naba. La: isiele ea mano huluane bogobeba: le, e mae yolele bagadewane dinana. Amola enoga ea dogo denesimu da hamedei." Idibidi Sogega Bu Misi **19** Helode da bogobe galu, Yousefe da bu simasia, Gode Ea a: igele dunu ba: i. **20** Amo a: igele da amane sia: i, "Wa: legadoma! Mano fufuga: su dunu huluane bogogia: iba: le, dia mano amola ea: me, Isala: ili sogega oule masa." **21** Amaiba: le, Yousefe da wa: legadole, ea mano amola eme, Isala: ili sogega oule asi. **22** Agela: iase da ea ada Helode bagia, Yudia ouligisu hou lai dagoi. Amo sia: nababeba: le, Yousefe da bu beda: i galu. E da simasia, Gode Ea sia: nababeba: le, Ga: lili sogega asi. **23** E da Na: salede moilaiga fi esalu. Amaiba: le, musa: balofede dunu ilia sia: i, "E da Na: salini dunu esalumu," amo sia: da defele hamoi ba: i.

3 Amo esoga, Yone Ba: bodaise da misini, Yudia hafoga: i soge ganodini, Gode Ea sia: olelesu. **2** E amane sia: i, "Wadela: i hou yolesili, Godema sinidigima! Gode Ea Hinadafa Hou da doaga: mu gadenei galebe!" **3** Amo dunu ea hou, musa: balofede dunu Aisaia da agoane olelei, "Dunu afae da wadela: i hafoga: i soge ganodini agoane wele sia: nana, 'Hinadafa misa: ne, dilia hou logo agoane hahamoma! Dilia Ea logo huluane molole fodoma!' **4** Yone ea abula da ga: mele ea hinaboga amuni. E da bulamagau gadofo banene idiniginisi. Ea ha: i manu da sage amola agime hano nasu. **5** Yelusaleme fi, Yudia fi amola Yodane Hano soge fi huluane da ea sia: nabimusa: , ema doaga: i. **6** Ilia da ilia wadela: i hou fofada: i dagoi. Amalalu, Yone da ili Yodane hanoga fane salasu. **7** Be Fa: lisi amola Sa: diusi dunu bagohame da ea hanoga fane salasu lamusa: doaga: loba, Yone da ilima amane sia: i,

ST MARK

1 Hatseto mawotich oochu Jesus Christ, Tikeaootli ma chue; **2** Takeh nichatinkles akehe koonachatya kehe, Oosooasi sakewotihche nachatyea atghuni oochu naaootle. **3** Hligi otyesta tike kemweh toowe ooli, Atghuni oochu ahasoonesun, aghahati tsiwoeseh kwetooyakehe. **4** John tane tukeghingklit kemweh, hatse tane tatilon tunaghakeooskliti ahtilon otlwechi keochehlalon kehe aghametseli oneochetolel asilon. **5** Kahchu yinkhadeshalon tike okehe otsi Judaea, kahchu aghatane yateh otsi Jerusalem, kuihe sahke Jordan aghanetye tukukeghinklilon, koometselihi kooatuoochatihi. **6** John ghatai manatsunne ghigheze gha eghayulon natun atyetlalon atazi syeh kahchu atazi syeh ihe nanihklulon: oohchu yaskesi yu achalinoo yu ayilai yetsetlon; **7** Oochu toowe ooli yehtilon, yetsi ootelon, Hligi sooniya sataihchi anati, nakyeklule aghoo atu enasoo machi chunoostyeli mamakeoosut. **8** Suni la tu ihe naghakyeihklit: ahwole atai tu ihe naghakyeihlili Atsinde Oochu ihe. **9** Occhu gheise wazeluh ayi dzine, Jesus otsidesha lon Nazareth Galilee otsi, John tuyakeghinklilon Jesus Jordan otsi. **10** Kwete tu tsi tghatyeza tsiwohzon, wailon yake kwa matahatsataghiolon, yakeotine yetsi natezalon oietli etye: **11** Oochu otech yake otsi atitsuklon, toowela ooli oti ihe, Nila otaihchi nwasti Sachue. **12** Kwete atsinde achu tike tsi yatehalon kemwehchi. **13** Koochi kemwehchi atu tane nuklechi tioketi dzineke kooali, yakaotehun Metseli aghaghatai; kahchu ghatai metseli ihkyateslon; kahchu oochu woei oochu yetsinatilon. **14** Kootoo John kwechaghinhtyilon tane kwechaghinhtyinti, Jesus yuhchidesha Galilee, koohootyeh otech oochu Nagha Tgha makaoonadzutti otsi, **15** Kahchu toowela ooli, Tyeneti Nagha Tgha kyeyi: naghametselihi kyechahli, oochu otech oochu aha kootahti. **16** Ihtyezon tu chok Galilee tghamweh klontyesha, yailon Simon yu Andrew yu mekye yu tyemil tayesklu tu chok: atai tane taesklu tane eli. **17** Oochu Jesus toowela ooli yehti, Sakyetahtyel, kooh hanahooslihi oohchu hluge kehchi enahooslihi tane niyutooleli chon otsi. **18** Kwete taghatyemile echaghanelelon kikyehtyeshalon. **19** Oohchu oontsutli tontyo tyesha, yaih James Zebedee machue, kahchu John mekye, atilon tachin ela ehkye atyi tyemil keyatinklulon. **20** Kwete tyechi yehtilon: kwa taghata echughanelilon tachin ela ehkye atyi Zebedee oochu keotihche yu, oohchu kikyetyesklit. **21** Oohchu kochi ghatyestyetl Capernaum; kahchu kwete taneghaotatyech kwa kwiya menejitti dzineneh tane chehotyeh. **22** Oneghanintyellon yaotihche: kooatinti yaotatiheh otech oochu tatihi natsuti kehchi ayihoo mawoochuli, atu adeskles tane kehchi. **23** Oohchu iehti kweh atiih hligi teze ta kwa taneghaotatyech yaghati metseli ayiih; kahchu ootyestalon, **24** Toowe ooli, Atu aghaititaniah; atu ooli nagha assitli iyo aoohti, nuni Jesus Nazareth otsi? Yuhchitiyala aghayaonila? Atanasti nelesi Nagha Tgha Maatsinde Oochu ooih. **25** Jesus toowela ooli yehti, yachioote, Atu oonatih yehti, setseghatiyah yetsun tsi. **26** Kootoo aghaghatai tsunale too yayaghinchil, oohtye ootyestalo, yetsi hadesha. **27** Aghanetye ooghatesta, aghanetye chu koohtaghoati, tiyeohtye, yetike aloontye? ye tane tsi oochatihi koonte? Aha kootesti otech oochu gha saghatai mayis atu natset. **28** Koohchu oonthe atyeh meghoyuh yito kwa Galilee. **29** Ayite otsi, ghaghatestyetlon taneghaotatyechi kwa otsi, kweghaghintyetl Simon yu Andrew yu kwa, James chu John chu. **30** Simon tsiyue ma tyelasatyi teskoone ayila, oohchu koohoohati. **31** Yechidesha yila inchut, kahchu tahyatinti; kwete ayi teskoone ayila yecheli, ayi oota yakeotihch. **32** Hatse kahkachi, naghioo, kiya nanila yatitine, yaghi chu mazichi yaghatai metselihi. **33** Kahchu atghe ehlaititi tane natihti tyechiklaghatati tusklahti. **34** Kahchu atghazi tatihi akooyilalon ayeeah natlone yehtanintyelon, kooyaghatai metselihi natlon oonteslalon; kahchu atu ketselihoo wahti iyao-ohti, achi atayatilon ayiwooh ayehti. **35** Kahchu hatlindo, setsehto tsitike satalon, hadesha, kahchu koondeshalon aghasuchalechi, kahchu iehti yachutatyeheh. **36** Kahchu Simon yehkyatehchi kikyehtestyetllon. **37** Kikihtitsi, toowela ooli kiyehtilon, Atghe tane ninkhaghanatgha. **38** Towehchu yehti, Tane natehtsi otsidooshai kooche oohoostihi oochu, kootatooshigha lasasta aoontye. **39** Kahchu tane tsiwoghintalon taneghaotatyech kwa kwe Galilee, kahchu atsinde metseli ghayatehalon. **40** Kahchu machitatestyel tane tsusachi yaghoone yatsi nioonunisit, kahchu machi nachustachaklih, kahchu toowela ooli yehtilon Kooh koodinti ate oochu asaghoonlehassi. **41** Kahchu Jesus, atyetastihtoo madzye tatilon nati gha tiesunni ihe, yetsi tahtatitichlon, kahchu yakatehtich lon, kahchu toowela ooli yehtilon, Kooh koosti; kwakoola oochu anatyeh. **42** Tsiwohzon otatyech otye, susuchi yetselilon, kahchu oochu oohtyelon. **43** Kahchu yatatilon tsiwohzon itintiah, kahchu oochu tyehalon; **44** Kahchu toowela ooli yehtilon, Atu kahchu ooli ataoonti niwotine: kahchu achutiya, nazi yueh taneghaotatyech metihi, kahchu khaniah naoochu oohtyi ihe yaghi Moses za kyehchi, ata kiyutihi. **45** Kahchu hadesha, oohtye awonetye

Matye

1 Beeka dhaad ɛ Yezu Klisto, dha ɛ Abalaam, dha ɛ Dhavid e: **2** Ye é Abalaam ɛ nabya Izak, Izak ɛ nabya Zakɔɔb, Zakɔɔb kabya yɛ ɛ Yuda nɛ bɔn nyɛɛg. **3** Tin, Yuda ɛ nabya Pɛlɛɛz bɛ nɛ Zeedas. Din ɛ nyɛɛg'ɔɔ nabɛ é Tamaad. Pɛlɛɛz kabya ɛ Eslɔm, Eslɔm kabya yɛ ɛ Alam. **4** Mɔn Alam kadi é Aminadaab, Aminadaab nakabya yɛ ɛ Naasɔn. Naasɔn kabya ɛ Salman. **5** Salman naazɛbya Bhoaaz bɛ nɛ myɛl Layaab. Bhoaaz bɛ nɛ ngbɛ myɛl Luth nakabya ɛ Obɛɛd. Obɛɛd nakabya ɛ Yese, **6** Yese é nabya mɛkoozi Dhavid. Mɛkoozi Dhavid naabya Salomɔŋ, nyɛ nabya Salomɔŋ ɛ bɛ nɛ mwaa Wyiili. **7** Salomɔŋ nabɛ é sɛɛg ɛ Loboam, Loboam nakabya yɛ ɛ Abiya, Abiya kazɛbya yɛ ɛ Asaf. **8** Asaf nazɛbya é Yozafat, Yozafat kabya yɛ é Yolam, mɔn Yolam nabɛ é Ozias. **9** Ozias nadi é sɛɛg ɛ Yotam, Yotam kabya é Akaaz, Akaaz eezɛbya Ezekias. **10** Ezekias kabya é Manase. Manase kabya yɛ é Amɔn, Amɔn nakabya yɛ é Yosias. **11** Yosias kadi é sɛɛg ɛ Yekonia nɛ bɔn nyɛɛg. Tin ɛ bɛ nazɛtɔ é ekwom pɛ kyee dik Bhabhilɔn. **12** Bhii bɔn Yisalaɛl natɔ é ekwom pɛ kyee dik Bhabhilɔn ɛ, Yekonya nakabya é Salatyɛl, bhii tak Salatyɛl eezɛbya Zolobabɛl, **13** Zolobabɛl kabya yɛ é Abyuud, Abiyuud nabɛ é sɛɛg ɛ Elyakim, Eliyakim kadi é sɛɛg ɛ Azɔɔd; **14** Azɔɔd eezɛbya Sadɔk, Sadɔk kabya é Akim, mɔn Akim kadi é Eliyuud. **15** Eliyuud kadi é sɛɛg ɛ Eleazaad, Eleazaad kabya é Matan. Matan eezɛbya Zakɔɔb, **16** Zakɔɔb kadi é sɛɛg ɛ Zozɛf ngom ɛ Maali. Ye é Maali tak ɛ nabya Yezu bot di edjóo Mɛsia ɔ. **17** Tinaak, kana kɔkɔ mɛbyel ɛ Abalaam, kɛyaka nɛ yɛ Dhavid, ye nabɛ é, ye naasa tyee ekɔkɔ e mɛbyel kam nɛ ená. Ye naabaasa tyee ekɔkɔ e mɛbyel kam nɛ ená kana ɛbyel ɛ Dhavid, kɛyaka nɛ membu mɛ bɔn Yisalaɛl natɔ é ekwom pɛ Bhabhilɔn ɛ. Kana membu mɛ bɔn Yisalaɛl natɔ é ekwom pɛ Bhabhilɔn ɛ kɛyaka nɛ ɛbyel ɛ Mɛsia, ye naasa tyee ekɔkɔ e mɛbyel kam nɛ ená. **18** Gwakeka ɛsuk ɛ ɛbyel ɛ Yezu Klisto. Maali nyɛɛg nabɛ é ghɔɔd ɛ Zozɛf. Ɛsok nɛ bɛ nɛ di moma nɛ motom, ye nabɛ é, Maali eezɛbela ɛbum nɛ ghwyil ɛ Sisim na Dɛɛ. **19** Zozɛf, mwaaz'ɛ nabɛ é mot epiki, nyɛ nabɛ é ààkwyɛl ɛdhusal nyɛ é mis mɛ bot. Nyɛ é boozɛke náá, emwaaz bɛ nɛ Maali si tɔ syaab. **20** Dáa nyɛ nadi esiiza deenek ɛ, dhiiti fofop ɛ Ghɛŋ ngɔt eezɛtuula nyɛ tɔ dhyam, nyɛ eezɛke nɛ nɛ náá: «Zozɛf, dha ɛ Dhavid, nàbem ba étɛp ɛba Maali, etɛɛ náá, ye é nɛ ghwyil Sisim na Dɛɛ ɛ, nyɛ bela ɛbum. **21** Nyɛ waabya mɔn mɔɔ motom, bi aaget nyɛ ɛ Yezu, etɛɛ náá, nyɛy é kwaatsik bot ɛ mbyak'ɛ tɔ mesyem mɔɔ.» **22** Esesɛɛ binek djas aasael ɛ, etɛɛ náá, etɛp djas Ghɛŋ nalɛɛ tɔ nuub ɛ ngoolel-mɛkpa ɛ Zɛɛb neebela ɛsuk. Ye nabɛ é náá: **23** «Mɔn ɛsyes ɛ moma di ààgu botom ɔ waabela ɛbum. Bhii tak, nyɛ waabya mɔn mɔɔ motom, nyɛ aaget nyɛ é Emanuɛl.» Ye kwyɛl ɛlɛɛ é: «Zɛɛb é nɛ nena.» **24** Dáa Zozɛf kadjem é gɔ ɛ, nyɛ zokasa é dáa fofop ɛ Ghɛŋ nalɛɛ nyɛ ɛ, nyɛ é boozɛbeeb myɛl Maali. **25** Tin, nyɛ nabɛ é ààsɛɛga goŋ bɛ nɛ myɛl kɛkum dwoo myɛl nabya mɔn motom, Zozɛf naget Yezu ɛ.

2 Yezu nabyel é pɛ dɛl ɛ Bheteleɛm pɛ kyee dik Yude é ghɛŋ Elood nadi mɛkoozi ɛ. É ghɛŋ tak, ye nabɛ é, bɛtsoŋ ɛ bot naadus pɛ kyee ɛdjem ɛ dwoo, kum pɛ Yeluzalɛm. **2** Tin, bɛ moo zɛdji náá: «Mɛkoozi mɛ eYuda, mɔn di náá, nyɛ ààloo nɛ ɛbyel ɔ, nyɛ é wo? Bis eebee kwyikwyen yɛ edus pɛ ɛdjem ɛ dwoo, bis é bookazyɛ zɛduwal nyɛ.» **3** Dáa mɛkoozi Elood nagwak deenek ɛ, ye nabɛ é, ye naakpaa nyɛ lyem ɛbuɛpe dɔɔ nɛ bot ɛdi kɔ ghaada Yeluzalɛm ɔ. **4** Wɔ gwaa nyɛ zɛdjóo bot ɛ nadi kɔ elo eboo bɛghaa-Zɛɛb ɔ djas, nɛ bɛghaŋ ɛ mɛkana mɛ etsi djas, nyɛ needji bɛ di Mɛsia di esiŋa nɛ ɛbyel ɔ. **5** Bɛ eezɛbɔɔza nɛ nɛ náá: «Pɛ Bheteleɛm, pɛ kyee dik Yude etɛɛ náá, ngoolel-mɛkpa ɛ Zɛɛb nakwyal ɛ náá: **6** "Wɔy Bheteleɛm, kyee dik Yude Nɛ tsɛɛtsɛ wɔ tok nɛ ghwyil ɛbyaselaa pɛ kɔ mɛl mɛ di kɔ kyee dik Yude ɛ, etɛɛ náá, kɔ lɔ'ɛ aapaawyis boo kukuma mot aadjɛɛd mbyak'am Yisalaɛl ɔ."» **7** Deenek, wɔ gwaa, mɛkoozi Elood zɛdjóo bɛtsoŋ ɛ bot binɔk tɔ syaab. Tin, bɛ eezɛlɛɛ nyɛ sum di nɛ ɛwala ɛ kwyikwyen tak nanyen tɔ gwoo ɛ. **8** Bhii tak, nyɛ eezɛlwom bɛ pɛ Bheteleɛm. Nyɛy nɛ nɔɔ náá: «Tɔ́ka kɛsaa, da bi é gu etɛp djas dum nɛ mɔn tak, dɔɔ nɛ zeza nɛ di nyɛ di ɔ. Bi é bela ɔɔ, da bi é lɛɛ mɛ, etɛɛ náá, mam pe neezyɛ, zɛduwal nyɛ.» **9** Bhii bɛ nazegwak dáa mɛkoozi nalii nɛ nɔɔ ɛ, bɛ eezɛnɔɔ mɛnyel dhaa yɔɔ. Tin, kwyikwyen bɛ nadi ebee pɛ ɛdjem ɛ dwoo ɛ, moo kɛ pɛ sok bhwoob'ɔɔ pɛ ɛko, é sok bɛ nakum zeza nɛ di mɔn tak nadi é, Wɔ gwaa kwyikwyen zɛtyaa piki, é di wat, ààkabaakɛ. **10** Dáa bɛ nabee kwyikwyen ɛ, bɛ nabɛ é, bɛ

মথি

১ যীশু খ্রীষ্টের বংশ তালিকা, তিনি দায়ূদের সন্তান, অব্রাহামের
সন্তান। ২ অব্রাহামের ছেলে ইসহাক; ইসহাকের ছেলে
যাকোব; যাকোবের ছেলে যিহূদা ও তাঁর ভাইয়েরা; ৩ যিহূদার
ছেলে পেরস ও সেরহ, তামরের গর্ভের সন্তান; পেরসের ছেলে
হিষ্রোণ; হিষ্রোনের ছেলে রাম; ৪ রামের ছেলে অম্মীনাদব;
অম্মীনাদবের ছেলে, নহশোন, নহশোনের ছেলে সলমোন; ৫
সলমোনের ছেলে বোয়স; রাহবের গর্ভের সন্তান; বোয়সের ছেলে
ওবেদ, রুতের গর্ভের ছেলে; ওবেদের ছেলে যিশয়; ৬ যিশয়ের
ছেলে দায়ূদ রাজা। দায়ূদের ছেলে শলোমন; ঊরিয়ের বিধবার
গর্ভের সন্তান; ৭ শলোমনের ছেলে রহবিয়াম; রহবিয়ামের ছেলে
অবিয়; অবিয়ের ছেলে আসা; ৮ আসার ছেলে যিহোশাফট;
যিহোশাফটের ছেলে যোরাম; যোরামের ছেলে উষিয়; ৯ উষিয়ের
ছেলে যোথাম; যোথামের ছেলে আহস; আহসের ছেলে হিষ্কিয়;
১০ হিষ্কিয়ের ছেলে মনঃশি; মনঃশি ছেলে আমোন; আমোনের
ছেলে যোশিয়; ১১ যোশিয়ের সন্তান যিকনিয় ও তাঁর ভাইয়েরা,
ব্যাবিলনে নির্ব্বাসনের দিনের এদের জন্ম হয়। ১২ যিকনিয়ের
ছেলে শলটীয়েল, ব্যাবিলনে নির্ব্বাসনের পরে জাত; শলটীয়েলের
ছেলে সরুব্বাবিল; ১৩ সরুব্বাবিলের ছেলে অবীহূদ; অবীহূদের
ছেলে ইলীয়াকীম; ইলীয়াকীমের ছেলে আসোর; ১৪ আসোরের
ছেলে সাদোক; সাদোকের ছেলে আখীম; আখীমের ছেলে ইলীহূদ;
১৫ ইলীহূদের ছেলে ইলীয়াসর; ইলীয়াসরের ছেলে মত্তন; মত্তনের
ছেলে যাকোব; ১৬ যাকোবের ছেলে যোষেফ; ইনি মরিয়মের
স্বামী; এই মরিয়মের গর্ভে যীশুর জন্ম হয়, যাকে খ্রীষ্ট [অভিষিক্ত]
বলে। ১৭ এই ভাবে অব্রাহাম থেকে দায়ূদ পর্যন্ত সবমিলিয়ে চোদ্দ
পুরুষ; এবং দাউদ থেকে বাবিলে নির্ব্বাসন থেকে খ্রীষ্ট পর্যন্ত
চোদ্দ পুরুষ। ১৮ যীশু খ্রীষ্টের জন্ম এই ভাবে হয়েছিল। যখন
তাঁর মা মরিয়ম যোষেফের প্রতি বাগদত্তা হলে, তাঁদের সহবাসের
আগে জানা গেল, তিনি গর্ভবতী হয়েছেন পবিত্র আত্মার মাধ্যমে।
১৯ আর তাঁর স্বামী যোষেফ ধার্মিক হওয়াতে তিনি চাননি যে
জনসাধারণের কাছে তাঁর স্ত্রীর নিন্দা হয়, তাই তাঁকে গোপনে
ছেড়ে দেবেন বলে ঠিক করলেন। ২০ তিনি এই সব ভাবছেন,
এমন দিন দেখ, প্রভুর এক দূত স্বপ্নে তাঁকে দর্শন দিয়ে বললেন,
যোষেফ, দায়ূদ-সন্তান তোমার স্ত্রী মরিয়মকে গ্রহণ করতে ভয়
করো না, কারণ তাঁর গর্ভে যা জন্মেছে, তা পবিত্র আত্মা থেকে
হয়েছে; আর তিনি ছেলের জন্ম দেবেন। ২১ এবং তুমি তাঁর নাম
যীশু [উদ্ধারকর্তা] রাখবে; কারণ তিনিই নিজের প্রজাদের তাদের
পাপ থেকে উদ্ধার করবেন। ২২ এই সব ঘটল, যেন ভাববাদীর
মাধ্যমে বলা প্রভুর এই কথা পূর্ণ হয়, ২৩ "দেখ, সেই কুমারী
গর্ভবতী হবে এবং একটি ছেলের জন্ম দেবে, আর তাঁর নাম রাখা
যাবে ইম্মানুয়েল অনুবাদ করলে এর অর্থ, আমাদের সাথে ঈশ্বর।"
২৪ পরে যোষেফ ঘুম থেকে উঠে প্রভুর দূত তাঁকে যেরকম আদেশ
করেছিলেন, সেরকম করলেন, ২৫ নিজের স্ত্রীকে গ্রহণ করলেন;
আর যে পর্যন্ত ইনি ছেলে জন্ম না দিলেন, সেই পর্যন্ত যোষেফ
তাঁর পরিচয় নিলেন না, আর তিনি ছেলের নাম যীশু রাখলেন।

২ হেরোদ রাজার দিনের যিহূদিয়ার বৈৎলেহমে যীশুর জন্ম হলে
পর, দেখ, পূর্ব্বদেশ থেকে কয়েক জন পণ্ডিত, ২ যিরূশালেমে
এসে বললেন, "ইহূদিদের যে রাজা জন্মেছেন, তিনি কোথায়?"
কারণ আমরা পূর্ব্বদেশে তাঁর তারা দেখেছি ও তাঁকে প্রণাম
করতে এসেছি। ৩ এই কথা শুনে হেরোদ রাজা অস্থির হলেন ও
তাঁর সাথে সমস্ত যিরূশালেমও অস্থির হল। ৪ আর তিনি সমস্ত
প্রধান যাজক ও লোক সাধারণের শিক্ষা গুরুদেরকে একসাথে
করে তাদের জিজ্ঞাসা করলেন, "খ্রীষ্ট কোথায় জন্মাবেন?" ৫
তারা তাঁকে বললেন, "যিহূদিয়ার বৈৎলেহমে," কারণ ভাববাদীর
মাধ্যমে এই ভাবে লেখা হয়েছে, ৬ "আর তুমি, হে যিহূদা
দেশের বৈৎলেহম, তুমি যিহূদার শাসনকর্ত্তাদের মধ্যে কোন মতে
একেবারে ছোট নও, কারণ তোমার থেকে সেই অধ্যক্ষ উৎপন্ন
হবেন, যিনি আমার প্রজা ইস্রায়েলকে পালন করবেন।" ৭ তখন
হেরোদ সেই পণ্ডিতদের গোপনে ডেকে, ঐ তারা কোন দিনের
দেখা গিয়েছিল, তা তাঁদের কাছে বিশেষভাবে জেনে নিলেন। ৮
পরে তিনি তাদের বৈৎলেহমে পাঠিয়ে দিয়ে বললেন, "তোমরা
গিয়ে বিশেষভাবে সেই শিশুর খোঁজ কর; দেখা পেলে আমাকে
খবর দিও, যেন আমিও গিয়ে তাঁকে প্রণাম করতে পারি।" ৯
রাজার কথা শুনে তাঁরা চলে গেলেন, আর দেখ, পূর্ব্বদেশে তাঁরা
যে তারা দেখেছিলেন, তা তাদের আগে আগে চলল, শেষে
যেখানে শিশুটি ছিলেন, তাঁর উপরে এসে থেমে গেল। ১০ তারাটি
দেখতে পেয়ে তারা মহানন্দে খুব উল্লাসিত হলেন। ১১ পরে তাঁরা
ঘরের মধ্যে গিয়ে শিশুটিকে তাঁর মা মরিয়মের সাথে দেখতে
পেলেন ও উপুড় হয়ে তাঁকে প্রণাম করলেন এবং নিজেদের বাক্স
খুলে তাঁকে সোনা, ধুনো ও গন্ধরস উপহার দিলেন। ১২ পরে
তাঁরা যেন হেরোদের কাছে ফিরে না যান, স্বপ্নে এই আদেশ
পেয়ে, অন্য পথ দিয়ে নিজেদের দেশে চলে গেলেন। ১৩ তাঁরা
চলে গেলে পর, দেখ, প্রভুর এক দূত স্বপ্নে যোষেফকে দর্শন দিয়ে
বললেন, ওঠ, শিশুটিকে ও তাঁর মাকে নিয়ে মিশরে পালিয়ে যাও;
আর আমি যত দিন তোমাকে না বলি, ততদিন সেখানে থাক;
কারণ হেরোদ শিশুটিকে হত্যা করার জন্য তাঁর খোঁজ করবে। ১৪
তখন যোষেফ উঠে রাত্রিবেলায় শিশুটিকে ও তাঁর মাকে নিয়ে
মিশরে চলে গেলেন, ১৫ এবং হেরোদের মৃত্যু পর্যন্ত সেখানে
থাকলেন, যেন ভাববাদীর মাধ্যমে বলা প্রভুর এই কথা পূর্ণ হয়,
"আমি মিশর থেকে নিজের ছেলেকে ডেকে আনলাম।" ১৬ পরে
হেরোদ যখন দেখলেন যে, তিনি পণ্ডিতদের মাধ্যমে প্রতারিত
হয়েছেন, তখন খুব রেগে গেলেন এবং সেই পণ্ডিতদের কাছে
বিশেষভাবে যে দিন জেনে নিয়েছিলেন, সেই অনুসারে দুবছর ও
তার অল্প বয়সের যত বালক বৈৎলেহম ও তার সমস্ত পরিসীমার
মধ্যে ছিল, লোক পাঠিয়ে তিনি সবাইকে হত্যা করালেন। ১৭
তখন যিরমিয় ভাববাদী মাধ্যমে বলা এই কথা পূর্ণ হল, ১৮
"রামায় শব্দ শোনা যাচ্ছে, হাহাকার ও খুব কান্নাকাটি; রাহেল
নিজের সন্তানদের জন্য কান্নাকাটি করছেন, সান্ত্বনা পেতে চান
না, কারণ তারা নেই।" ১৯ হেরোদের মৃত্যু হলে পর, দেখ,
প্রভুর এক দূত মিশরে যোষেফকে স্বপ্নে দর্শন দিয়ে বললেন, ২০
ওঠ, শিশুটিকে ও তাঁর মাকে নিয়ে ইস্রায়েল দেশে যাও; কারণ
যারা শিশুটিকে প্রাণে মেরে ফেলার চেষ্টা করেছিল, তারা মারা
গিয়েছে। ২১ তাতে তিনি উঠে শিশুটিকে ও তাঁর মাকে নিয়ে
ইস্রায়েল দেশে এলেন। ২২ কিন্তু যখন তিনি শুনতে পেলেন যে,
আর্খিলায়ের বাবা হেরোদের পদে যিহূদিয়াতে রাজত্ব করছেন,
তখন সেখান যেতে ভয় পেলেন; পরে স্বপ্নে আদেশ পেয়ে গালীল
প্রদেশে চলে গেলেন, ২৩ এবং নাসরৎ নামে শহরে গিয়ে বসবাস
করলেন; যেন ভাববাদীর মাধ্যমে বলা এই কথা পূর্ণ হয় যে, তিনি
নাসরতীয় বলে পরিচিত হবেন।

মথি

1 প্রভু যীশু খ্রীষ্টের বংশতালিকা, তিনি ছিলেন দাউদের বংশধর ও
অব্রাহামের বংশধর। **2** অব্রাহামের পুত্র ইস্হাক, ইস্হাকের পুত্র
যাকোব, যাকোবের পুত্র যিহূদা ও তাঁর ভাইয়েরা, **3** যিহূদার পুত্র
পেরস ও সেরহ, যাঁদের মা ছিলেন তামর, পেরসের পুত্র হিষ্রোণ,
হিষ্রোণের পুত্র রাম। **4** রামের পুত্র অম্মীনাদব, অম্মীনাদবের পুত্র
নহশোন, নহশোনের পুত্র সলমন। **5** সলমনের পুত্র বোয়স, তাঁর
মা ছিলেন রাহব, বোয়সের পুত্র ওবেদ, তাঁর মা ছিলেন রূত।
ওবেদের পুত্র যিশয়, **6** ও যিশয়ের পুত্র রাজা দাউদ। দাউদের পুত্র
শলোমন, তাঁর মা ছিলেন ঊরিয়ের বিধবা স্ত্রী। **7** শলোমনের পুত্র
রহবিয়াম, রহবিয়ামের পুত্র অবিয়, অবিয়ের পুত্র আসা। **8** আসার
পুত্র যিহোশাফট, যিহোশাফটের পুত্র যিহোরাম, যিহোরামের পুত্র
উষিয়। **9** উষিয়ের পুত্র যোথম, যোথমের পুত্র আহস, আহসের
পুত্র হিষ্কিয়। **10** হিষ্কিয়ের পুত্র মনঃশি, মনঃশির পুত্র আমোন,
আমোনের পুত্র যোশিয়, **11** আর যোশিয়ের পুত্র যিকনিয় ও তাঁর
ভাইয়েরা, ব্যাবিলনে নির্বাসনকালে এঁদের জন্ম হয়। **12** ব্যাবিলনে
নির্বাসনের পরে জাত: যিকনিয়ের পুত্র শল্টীয়েল, শল্টীয়েলের
পুত্র সরুব্বাবিল। **13** সরুব্বাবিলের পুত্র অবীহূদ, অবীহূদের
পুত্র ইলিয়াকীম, ইলিয়াকীমের পুত্র আসোর। **14** আসোরের পুত্র
সাদোক, সাদোকের পুত্র আখীম, আখীমের পুত্র ইলিহূদ। **15**
ইলিহূদের পুত্র ইলিয়াসর, ইলিয়াসরের পুত্র মত্তন, মত্তনের পুত্র
যাকোব, **16** যাকোবের পুত্র যোষেফ যিনি মরিয়মের স্বামী, এই
মরিয়মের গর্ভে যীশুর জন্ম হয়, যাঁকে খ্রীষ্ট বলে। **17** এভাবে
অব্রাহাম থেকে দাউদ পর্যন্ত মোট চোদ্দো পুরুষ; দাউদ থেকে
ব্যাবিলনে নির্বাসন যাওয়া পর্যন্ত চোদ্দো পুরুষ এবং ব্যাবিলনে
নির্বাসন থেকে খ্রীষ্ট পর্যন্ত চোদ্দো পুরুষ। **18** যীশু খ্রীষ্টের জন্ম
এভাবে হয়েছিল। তাঁর মা মরিয়ম যোষেফের সঙ্গে বিবাহের জন্য
বাগদত্তা হলে, তাঁদের সহবাসের পূর্বে জানা গেল, তিনি পবিত্র
আত্মার মাধ্যমে অন্তঃসত্ত্বা হয়েছেন। **19** যেহেতু তাঁর স্বামী যোষেফ
একজন ধার্মিক ব্যক্তি ছিলেন এবং প্রকাশ্যে তাঁকে কলঙ্কের পাত্র
করতে না চাওয়াতে, তিনি গোপনে বাগদান ভেঙে দেওয়া স্থির
করলেন। **20** কিন্তু একথা বিবেচনার পরে, স্বপ্নে প্রভুর এক
দূত তাঁর কাছে আবির্ভূত হয়ে বললেন, "দাউদ-সন্তান যোষেফ,
মরিয়মকে তোমার স্ত্রীরূপে ঘরে নিতে ভয় পেয়ো না, কারণ তাঁর
গর্ভধারণ পবিত্র আত্মা থেকে হয়েছে। **21** তিনি এক পুত্রের জন্ম
দেবেন ও তুমি তাঁর নাম যীশু রাখবে, কারণ তিনিই তাঁর প্রজাদের
তাদের সব পাপ থেকে পরিত্রাণ দেবেন।" **22** এই সমস্ত ঘটনা
ঘটল, যেন ভাববাদীর মুখ দিয়ে প্রভু যা বলেছিলেন, তা পূর্ণ হয়:
23 "সেই কুমারী-কন্যা গর্ভবতী হবে ও এক পুত্রসন্তানের জন্ম
দেবে, এবং তারা তাঁকে ইম্মানুয়েল" বলে ডাকবে, যার অর্থ, "ঈশ্বর
আমাদের সঙ্গে আছেন।" **24** প্রভুর দূত যেমন আদেশ দিয়েছিলেন,
ঘুম থেকে উঠে যোষেফ সেইমতো মরিয়মকে ঘরে তাঁর স্ত্রীরূপে
গ্রহণ করলেন। **25** কিন্তু পুত্র প্রসব না করা পর্যন্ত তিনি মরিয়মের
সঙ্গে মিলিত হলেন না। আর তিনি পুত্রের নাম রাখলেন যীশু।

2 হেরোদ রাজার সময় যিহূদিয়া প্রদেশের বেথলেহেমে যীশুর
জন্ম হলে পর, পূর্বদেশ থেকে কয়েকজন পণ্ডিত ব্যক্তি
জেরুশালেমে এসে জিজ্ঞাসা করলেন, **2** "ইহুদিদের যে রাজা
জন্মগ্রহণ করেছেন তিনি কোথায়? আমরা পূর্বদেশে তাঁর তারা
দেখতে পেয়ে তাঁকে প্রণাম করতে এসেছি।" **3** একথা শুনে রাজা
হেরোদ সন্ত্রস্ত হয়ে উঠলেন ও তাঁর সঙ্গে সমস্ত জেরুশালেমের
মানুষেরাও উদ্বিগ্ন হয়ে উঠল। **4** তিনি সমগ্র জনসাধারণের প্রধান
যাজকবৃন্দ ও শাস্ত্রবিদদের একত্রে ডেকে তাঁদের কাছে জানতে
চাইলেন, খ্রীষ্ট কোথায় জন্মগ্রহণ করবেন? **5** তাঁরা উত্তর দিলেন,
"যিহূদিয়ার বেথলেহেমে, কারণ ভাববাদী এরকম লিখেছেন: **6**
"কিন্তু তুমি, যিহূদা দেশের বেথলেহেম, যিহূদার শাসকদের মধ্যে
তুমি কোনো অংশে ক্ষুদ্র নও; কারণ তোমার মধ্য থেকেই আসবেন
এক শাসক, যিনি হবেন আমার প্রজা ইস্রায়েলের পালক।" **7**
এরপর হেরোদ সেই পণ্ডিতদের গোপনে ডেকে, সেই তারাটি
সঠিক কখন উদিত হয়েছিল, তা তাঁদের কাছ থেকে জেনে নিলেন।
8 তিনি তাঁদের এই বলে বেথলেহেমে পাঠিয়ে দিলেন, "যাও, গিয়ে
সযত্নে শিশুটির অনুসন্ধান করো। তাঁর সন্ধান পাওয়া মাত্র আমাকে
সংবাদ দিয়ো, যেন আমিও গিয়ে তাঁকে প্রণাম করতে পারি।" **9**
রাজার এই কথা শুনে তাঁরা তাঁদের পথে চলে গেলেন। আর তাঁরা
যে তারাটিকে পূর্বদেশে দেখেছিলেন, সেটি তাঁদের আগে আগে
চলতে লাগল এবং শিশুটি যেখানে ছিলেন, সেই স্থানের উপরে
স্থির হয়ে রইল। **10** তারাটি দেখতে পেয়ে তাঁরা মহা আনন্দে
উল্লসিত হলেন। **11** ঘরের মধ্যে প্রবেশ করে তাঁরা শিশুটিকে
তাঁর মা মরিয়মের সঙ্গে দেখতে পেলেন। তাঁরা সকলে ভূমিষ্ঠ
হয়ে শিশুটিকে প্রণাম করলেন ও তাঁর উপাসনা করলেন। তারপর
তাঁরা তাদের রত্নপেটিকা খুলে তাঁকে সোনা, কুন্দুরু ও গন্ধরস
উপহার দিলেন। **12** তাঁরা যেন হেরোদের কাছে ফিরে না যান,
স্বপ্নে এই সতর্কবাণী পেয়ে তাঁরা অন্য এক পথ ধরে তাঁদের দেশে
ফিরে গেলেন। **13** তাঁরা চলে যাওয়ার পরে প্রভুর এক দূত স্বপ্নে
যোষেফের কাছে আবির্ভূত হয়ে বললেন, "ওঠো, শিশুটি ও তাঁর
মাকে নিয়ে মিশরে পালিয়ে যাও। আমি যতক্ষণ না বলি, সেখানেই
থেকো, কারণ শিশুটিকে হত্যা করার জন্য হেরোদ তাঁর অনুসন্ধান
করবে।" **14** অতএব, যোষেফ উঠে শিশুটি ও তাঁর মাকে নিয়ে
সেই রাত্রিতেই মিশরের উদ্দেশে রওনা হলেন। **15** হেরোদের
মৃত্যু পর্যন্ত তিনি সেখানেই থাকলেন। আর এভাবেই, ভাববাদীর
মাধ্যমে প্রভু যা ব্যক্ত করেছিলেন, তা পূর্ণ হল: "মিশর থেকে আমি
আমার পুত্রকে ডেকে আনলাম।" **16** পণ্ডিতেরা তাঁর সঙ্গে প্রতারণা
করেছেন উপলব্ধি করে হেরোদ ক্রোধে উন্মত্ত হলেন। পণ্ডিতদের
কাছে জেনে নেওয়া সময় হিসেব করে, তিনি বেথলেহেম ও তার
সন্নিহিত অঞ্চলের দু-বছর ও তার কমবয়সি সমস্ত শিশুকে হত্যা
করার আদেশ দিলেন। **17** তখন ভাববাদী যিরমিয়ের দ্বারা কথিত
এই বচন পূর্ণ হল। **18** "রামা-নগরে এক স্বর শোনা যাচ্ছে, এক
ক্রন্দন ও মহাবিলাপের রব, রাহেল তাঁর সন্তানদের জন্য কাঁদছেন,
তিনি সান্ত্বনা পেতে চান না, কারণ তারা আর বেঁচে নেই।" **19**
হেরোদের মৃত্যুর পর, মিশরে প্রভুর এক দূত স্বপ্নে যোষেফের
কাছে আবির্ভূত হয়ে বললেন, **20** "ওঠো, শিশুটি ও তাঁর মাকে
নিয়ে তুমি ইস্রায়েল দেশে ফিরে যাও। কারণ, যারা শিশুটির প্রাণ
নিতে চাইছিল, তাদের মৃত্যু হয়েছে।" **21** তাই তিনি উঠে শিশুটি
ও তাঁর মা মরিয়মকে নিয়ে ইস্রায়েল দেশে গেলেন। **22** কিন্তু যখন
তিনি শুনলেন, আর্খিলায় তাঁর পিতা হেরোদের পদে যিহূদিয়ায়
রাজত্ব করছেন, তিনি সেখানে যেতে ভয় পেলেন। তিনি স্বপ্নে
এক সতর্কবাণী পেয়ে গালীল প্রদেশে চলে গেলেন। **23** তিনি
বসবাস করার জন্য নাসরৎ নামের এক নগরে গেলেন। এভাবেই
ভাববাদীদের দ্বারা কথিত বাণী পূর্ণ হল, "তিনি নাসরতীয় বলে
আখ্যাত হবেন।"

मत्ती

1 अब्राहमेरी औलादी मरां दाऊद राज़ो थियो, दाऊद राज़ेरे
औलादी मरां यीशु मसीह थियो। यीशु मसीहेरे दादे-पड़दादां
केरां नंव्वां इना आन। **2** अब्राहमेरू मट्ठू इसहाक थियूं, इसहाकेरू
याकूब, याकूबेरां मट्ठां यहूदा ते तैसेरे ढ़ला थिये। **3** यहूदा ते
तामारेरां मट्ठां पेरेस ते जेरह थियां, पेरेसेरू मट्ठू हेस्रोन, हेस्रोनेरू
एराम, **4** ते एरामेरू अम्मीनादाब, अम्मीनादाबेरू नहशोन,
नहशोनेरू सलमोन, **5** ते सलमोन ते तैसेरी कुआन्श राहाबेरू
मट्ठू बोआज थियूं, ते बोआज ते तैसेरी कुआन्श रूतरू ओबेद,
ओबेदेरू यिशै, **6** ते यिशैरू मट्ठू दाऊद राज़ो थियो, दाऊद राज़ेरू
मट्ठू सुलैमान तैस कुआन्शी सेइं पैदा भोव, ज़ै पेइली ऊरिय्याहरी
कुआन्श थी। **7** सुलैमानेरू रहबाम, रहबामेरू अबिय्याह,
अबिय्याहेरू आसा, **8** ते आसारू यहोशाफात, यहोशाफातेरू
योराम, ते योरामेरे खानदानेरे मरां उज्जियाह पैदा भोव। **9**
उज्जियाहरू योताम, योतामेरू आहाज, आहाजेरू हिजकिय्याह,
10 ते हिजकिय्याहेरू मनश्शे, मनश्शेरू आमोन, आमोनेरू मट्ठू
योशिय्याह थियूं **11** ते योशिय्याहेरां पोट्लड़ां यकुन्याह ते तैसेरे
ढ़ला थिये, ज़ैना गिरफ्तार भोइतां बाबेलेरी गुलैमी मां गानेरे वक्ते
मां ज़र्मोरां थियां। **12** गिरफ्तार भोइतां बाबेलेरी गुलैमी मां गानेरे
पत्ती यकुन्याहेरू शालतियेल ते शालतियेलेरू जरुब्बाबेल, **13**
ते जरुब्बाबेलेरू अबीहूद, अबीहूदेरू एलयाकीम, एलयाकीमेरू
अजोर, **14** ते अजोरेरू सादोक, सादोकेरू अखीम, अखीमेरू
एलीहूद **15** ते एलीहूदेरू एलीआजर, एलीआजारेरू मत्तान,
मत्तानेरू याकूब, **16** ते याकूबेरू यूसुफ, ते यूसुफ मरियमरो
मुन्श थियो, ते मरियमरू मट्ठू यीशु आए, ज़ैस जो मसीह ज़ोतन।
17 एन्ज़रे अब्राहमे करां दाऊद राज़े तगर ज़ेवधे पीड़ी भोइ, ते
दाऊद राज़े करां यहूदी केरे गिरफ्तार भोइतां बाबेलेरी गुलैमी मां
गाने तगर ज़ेवधे पीड़ी भोइ, ते गिरफ्तार भोइतां बाबेले मां गाने
करां देइतां यीशु मसीह तगर ज़ेवधे पीड़ी भोइ। **18** यीशु मसीहेरू
ज़र्म एन्ज़रे सेइं भोवं, कि ज़ैखन तैसेरी अम्मा मरियमरी कुड़माइ
यूसुफ नंव्वे एक्की मैन्हु सेइं भोरी थी, त तैन केरे ड्ला भोने
करां पेइले मरियम पवित्र आत्मारे शेक्ति सेइं दोज़ींती भोइ। **19**
तैसारो मुन्श यूसुफ ज़ै धर्मी मैन्हु थियो, तै तैस बदनाम केरनि न
थियो चातो। तैनी चुपज़ारे इन सोचू, कि मीं एस सेइं ड्ला नईं
बनानो। **20** हेजू तै एन सोचने लोरो थियो, त प्रभुएरे एक्की
स्वर्गदूते तैस सेइं सुपने मां एइतां ज़ोवं, "हे यूसुफ! तू ज़ै दाऊदेरे
खानदाने मरां आस, तू मरियम अपनि कुआन्श बनाने करां न
डर, किजोकि ज़ैन तैसारे पेटे मां आए तैन पवित्र आत्मारे तरफां
आए। **21** तैस मट्ठू भोनूए, ते तू तैसेरू नवं 'यीशु' रेखां, किजोकि
तैए अपने लोकन तैन केरे पापन करां मुक्ति देलो।" **22** एन
सब किछ एल्हेरेलेइ भोवं, कि ज़ैना वचन प्रभुए यशायाह नेबेरे
ज़िरिये ज़ोरे थिये पूरे भोए कि, **23** "हेरा, अक अड्लाई कुई पेटे
भारी भोली, ते तैस अक मट्ठू भोलू, ते लोक तैस जो इम्मानुएल
ज़ोले" ज़ेसेरो मतलब ई आए, परमेशर असन सेइं साथी आए।
24 तैखन यूसुफ निड्लारां बींझो त तैनी परमेशरेरे स्वर्गदूतेरू
ज़ोनू मन्नू, ते मरियमी सेइं ड्ला बनाव ते अपने घरे आनी। **25**
पन ज़ांतगर तैस मट्ठू न भोवं तांतगर तै तैस सेइं साथी न झुल्लो
ते ज़ैखन तैस मट्ठू भोवं त यूसुफे तैस मट्ठेरू नवं यीशु रख्खू।

2 हेरोदेस राज़ेरे ज़माने मां ज़ेइस यहूदिया इलाकेरे बैतलहम
नगरे मां यीशु पैदा भोव, त पूर्बेरां किछ जोष्टी लोक यरूशलेम
नगरे मां आए। **2** ते तैना लोकन पुच्छने लग्गे, "यहूदी लोकां
केरो राज़ो ज़ै ज़र्मोरोए तै कोड़ि आए? किजोकि असेईं पूरबे
मां तैसेरो तारो लोरोए, ते आस तैस कां मथ्थो टेकने ओरेम।"
3 ज़ैखन हेरोदेस राज़े ए गल शुनी, त हेरोदेस राज़ो ते कने
यरूशलेम नगरेरे सारे लोक घबराए। **4** ते हेरोदेस, यहूदी लोकां
केरे प्रधान याजक ते शास्त्री लोक अकोट्ठे केरतां तैन पुच्छने
लगो, "मसीह कोड़ि पैदा भोरो लोड़े?" **5** तैनेईं तैस सेइं ज़ोवं,
"यहूदिया इलाकेरे बैतलहम नगरे मां," किजोकि (बड़े पेइले)
मीका नेबे एन्ज़रे लिखोरूए, कि परमेशरे ज़ोवं, **6** "हे बैतलहम
नगर, तू ज़ैन यहूदिया इलाके मां आस, यहूदियारे इलाकन मां
तू बड़ू खास नगर आस, किजोकि तीं मरां अक एरो हाकिम
निसेलो ज़ै मेरे लोक इस्राएलेरी रखवाली केरेलो" **7** ज़ैखन
हेरोदेस राज़े एन शुनू, त तैनी जोष्टी चुपज़ारे कुजेइतां तैन करां
तारो निसनेरे ठीक वक्तेरे बारे मां पतो कियो। **8** ते तैनी जोष्टी
एन ज़ोइतां बैतलहम नगरे जो भेज़े, कि "गाथ, ते तैस बच्चेरे
बारे मां रोड़ेज़ारे पतो केरा ते ज़ैखन तुसन पतो लग्गे, त (वापस
एइतां) मीं भी पतो देइयथ ताके अवं भी तैस कां गेइतां मथ्थो
टेकी।" **9** तैना जोष्टी (हेरोदेस) राज़ेरी गल शुन्तां (यरूशलेम
नगरेरां) च़ले जे। ते अकदम तै तारो, ज़ै तैनेईं पूरबे मां लोरो
थियो, तैन अग्गी-अग्गी च़लो ते तैस घरेरे बा रुको ज़ैड़ी तैन मट्ठू
थियूं। **10** ज़ैखन तैनेईं तै तारो लव, त तैना बड़े खुश भोए।
11 तैखन तैना घरे अन्तर जे ते तैन मट्ठू तैसेरी अम्मा मरियमी
कां लाव ते तैस मट्ठे कां मथ्थो टेको। तैखन तैनेईं अपने-अपने
खज़ानेरे झोले खोलतां सोन्नू, लोबान ते मुर्र तैस कां च़ाढ़ू। **12**
जोष्टी केरे तैट्ठां निसनेरां पत्ती, तैन सुपने मां ए बिस्तार मैल्लो
कि वापस हेरोदेसे कां न गेइयथ। एल्हेरेलेइ तैना वापस कोन्ची
होरि बत्तां अपने मुलखे जो च़ले जे। **13** जोष्टी केरे गानेरां पत्ती,
अचानक प्रभुएरो अक स्वर्गदूत यूसुफे सुपने मां मैल्लो ते ज़ोने
लगो, "उठ, बच्चो ते तैसेरी अम्मा नेइतां मिस्र मुलखे जो नश्श।
ते मेरे ज़ोने तगर तैड़ी रेइयां, किजोकि हेरोदेस राज़ो बच्चे तोप्तां
मारने चाते।" **14** यूसुफ निड्लारां उठो ते मट्ठू ते तैसेरी अम्मा
साथी नेइतां रातो-रात मिस्र मुलखे जो च़लो जेव। **15** हेरोदेसेरे
मरने तगर यूसुफ तैड़ी राव, ताके प्रभुएरू तैन वचन पूरू भोए,
ज़ैन होशे नेबे लिखोरू थियूं, "मीं मिस्र मुलखे मरां अपनू मट्ठू
कुजाव।" **16** ज़ैखन हेरोदेसे जोष्टी केरे धोखे बैज़रो पतो लगो, त
तैस बड़ी सरक आई। तैनी अपने मैन्हु भेज़तां, ज़ैन गल्लां केरो
पतो तैस जोष्टन करां मैल्लोरो थियो, तैनी बैतलहम नगरे ते

मत्ती

1 ऐ यीशु मसीह दे पूर्वजां दे ना दी सूची है, सै राजा दाऊद दा बंशज था, जड़ा अब्राहम दा बंशज था। **2** अब्राहम ला इसहाक पैदा होया, इसहाक ला याकूब पैदा होया, कने याकूब ला यहूदा कने उदे भाई पैदा होये। **3** यहूदा कने तामार ला पेरेस कने जेरह पैदा होया, कने पेरेस ला हिस्रोन पैदा होया, कने हिस्रोने ला एराम पैदा होया। **4** एराम ला अम्मीनादाब पैदा होया, कने अम्मीनादाब ला नहशोन, कने नहशोन ला सलमोन पैदा होया। **5** सलमोन कने राहब ला बोअज पैदा होया, कने बोअज कने रूत ला ओबेद पैदा होया, कने ओबेद ला यिशै पैदा होया। **6** कने यिशै ला दाऊद राजा पैदा होया। कने दाऊदे ला सुलैमान, सै उसा जनानिया ला पैदा होया जड़ी पेहले ऊरिय्याह दी घरे बाली थी। **7** सुलैमान ला रहबाम पैदा होया, कने रहबाम ला अबिय्याह पैदा होया, कने अबिय्याह ला आसा पैदा होया। **8** आसा ला यहोशाफात पैदा होया, कने यहोशाफात ला योराम पैदा होया, कने योराम ला उज्जियाह पैदा होया। **9** उज्जियाह ला योताम पैदा होया, योताम ला आहाज पैदा होया, कने आहाज ला हिजकिय्याह पैदा होया। **10** हिजकिय्याह ला मनश्शे पैदा होया, मनश्शे ला आमोन पैदा होया, कने आमोने ला योशिय्याह पैदा होया। **11** योशिय्याह ला यकुन्याह, कने उदे भाई पैदा होये। यकुन्याह कने उदे भाई इस्राएलियां जो कैदी बणाई करी बाबेल देशे जो लेई जाणे ला पेहले पैदा होये थे। **12** कैदी होईकरी बाबेल पुजाणे बाद यकुन्याहे ला शालतियल पैदा होया, कने शालतियेल ला जरूब्बाबेल पैदा होया। **13** जरूब्बाबेल ला अबीहूद पैदा होया, अबीहूद ला एलयाकीम पैदा होया, एलयाकीम ला अजोर पैदा होया। **14** अजोर ला सादोक पैदा होया, सादोके ला अखीम पैदा होया, कने अखीम ला एलीहूद पैदा होया। **15** एलीहूद ला एलीआजार पैदा होया, एलीआजार ला मत्तान पैदा होया, कने मत्ताने ला याकूब पैदा होया। **16** याकूब ला यूसुफ पैदा होया, जड़ा मरियमा दा घरेबाला था, कने मरियम ला यीशु पैदा होया जिसयो मसीह बोलदे न। **17** अब्राहम ला लेईकरी दाऊदे दीकर सारियां चौदा पीढ़ियां होईयां, राजा दाऊदे ला बेबीलोन जो कैदी बणाई करी पुजाणे दीकर चौदा पीड़ियां, कने कैदी बणी करी बाबेल पुजाणे दे बकते ला लेईकरी मसीह दीकर चौदा पीढ़ियां होईयां। **18** यीशु मसीह दा जन्म होणे ला पेहले इयां होया, कि जालू उदी माता मरियम दी मंगणी यूसुफे सोगी होई गेई, तां उना दा बियाह होणे ला पेहले ही सै पबित्र आत्मा दिया शक्तिया ला गर्भबती होई गेई। **19** उसा दा होणेबाला घरेबाला यूसुफ बड़ा ही धर्मी था, कने उसा जो बदनाम नी करणा चांदा था, इस तांई उनी उसा जो डोल करी छडी देणे दे बारे च मने च सोचया। **20** जालू सै इना गल्लां दे बारे च सोचा दा था, तालू प्रभु दे स्वर्गदूते उदे सुपने च आई करी बोलया, "हे यूसुफ! राजा दाऊदे दे बंशज, तू मरियम जो अपणी घरे बाली बणाणे ला मत डर क्योंकि जड़ा उसा दे पेटे च है, सै पबित्र आत्मा दिया शक्तिया ने है। **21** कने उना इक जागत जमणा है, कने तू उदा ना यीशु रखयां, क्योंकि उनी अपणे लोकां जो उना दे पापां ला छुटकारा देणा है।" **22** ऐ सारा कुछ इस तांई होया कि जड़ा बचन परमेश्वरे दा संदेश देणेबाले यशायाह बोलया था, सै पूरा होऐ, **23** "दिख, इकी कुआरिया गर्भबती होंणा कने उना इक जागत जमणा है, कने उदा ना इम्मानुएल रखणा है," जिसदा मतलब ऐ है, की परमेश्वर साडे सोगी है। **24** तालू यूसुफ निंद्रा ला उठया, कने जियां स्वर्गदूते उसयो बोलया था, उनी मरियम ने बियाह किता, कने उसा जो अपणे घरे लेई आया। **25** जालू दीकर उना पुत्र नी जमया तालू दीकर उनी उसा ने कोई वैवाहिक संबंध नी रखया: कने यूसुफे उदा ना यीशु रखया।

2 जालू राजा हेरोदेस यहूदिया प्रदेश च शासन करा दा था, तालू यीशु दा जन्म उस प्रदेश दे बैतलहम शेहरे च होया। तालू तारयां दा ज्ञान रखणेबाले केई ज्योतिषी पूर्व दिशा ला यरूशलेम शेहरे च आई करी पूछणा लग्गे, **2** "कि सै बच्चा कुथु है? जड़ा यहूदियां दा राजा बणने तांई पैदा होया है। क्योंकि असां पूर्व दिशा च उदे जन्म दे बारे च दसणे बाला तारा दिखया है, कने उसयो नमस्ते करणा आयो न।" **3** हेरोदेस राजा यहूदियां दे राजे दे जन्म दे बारे च सुणीकरी डरी गिया। कने मते सारे यरूशलेम शेहर दे बासी भी डरी गे। **4** कने तालू उनी लोकां दे सारे बड्डे याजकां कने व्यवस्था जो सिखाणे बालयां जो सदया कने उना ला पुछया, कि मसीह दा जन्म कुथु होंणा है? **5** उना राजा हेरोदेस जो बोलया, कि मसीह दा जन्म यहूदिया प्रदेश दे बैतलहम शेहरे च होणा है। क्योंकि परमेश्वरे दा संदेश देणेबालयां इयां ही लिखया है: **6** "हे यहूदिया प्रदेश दे बैतलहम शेहरे दे लोको, तू कुसी भी तरीके ला यहूदा दे अधिकारियां चे सबते छोटा नी है; क्योंकि तिजो चे इक माणु निकलना है, जिनी मेरी प्रजा इस्राएले दी रखबाली करणी है।" **7** तालू राजा हेरोदेसे ज्योतिषियां जो डोल करी सदीकरी उना ला पुछया, कि तारा कुस बेले दिखया था, क्योंकि राजा उस बच्चे दी उम्र जाणना चांदा था। **8** कने उनी उना जो ऐ बोली करी बैतलहम शेहर च भेजया, "जा" कने उस बच्चे दे बारे च ठीक ढंगे ने पता करा, कने जालू सै मिली जांगा तां मिंजो खबर भेजनयो ताकि मैं भी उसयो नमस्ते करे। **9** सै राजे दी गल्ल सुणीकरी चली गे, कने जड़ा तारा उना पूर्व दिशा च दिखया था, सै तारा उना दे अग्गे-अग्गे चलया, कने उस घरे उपर रूकी गिया, जिथू सै बच्चा था। **10** कने सै उस तारे जो दिखीकरी बड़े खुश होये। **11** कने उस घरे जाई करी उस बच्चे जो कने उदिया माता मरियम जो सोगी दिखया, कने झुकी करी बच्चे जो नमस्ते किता, कने अपणा-अपणा थैला खोली करी उसयो सोना, कने लोबान, कने गंधरस दी भेंट चढ़ाई। **12** कने उना जो सुपने च परमेश्वरे ला चेतावनी मिल्ली कि राजा हेरोदेस बाल मुड़ी करी मत जांदे, कने ज्योतिषियां हेरोदेस जो खबर नी दिती कने होर रस्ते ला होईकरी अपणे देशे जो चली गे। **13** उना दे जाणे बाद दिखा, प्रभु दे इकी स्वर्गदूते यूसुफे दे सुपने च आई करी बोलया, "उठ! कने उस बच्चे जो कने उदिया माता जो लेईकरी मिस्र देशे जो चली जा; कने जालू दिकर मैं तिजो नी बोलगा तालू दीकर ओथु ही रियां, क्योंकि राजा हेरोदेस इस बच्चे जो तोपा दा है, ताकि उसयो मारी दे।" **14** कने सै तालू ही राती उठी करी बच्चे जो कने उदिया माता जो लेईकरी मिस्र देशे जो चली

मत्ती

1 अब्राहमेन अवल्यात दावुदेन अवल्यात, ने ईसु मसीन खानदानी असी छे। **2** अब्राहम सी इसाक पयदा हयु, इसाक सी याकुप पयदा हयु, याकुप सी यहुदा ने तेरा भायस पयदा हया। **3** अळतेन यहुदा ने तामार सी फीरीस ने जेरह पयदा हया, फीरीस सी हेसर्यान पयदा हयु, ने हेसर्यान सी एराम, **4** अळतेन एराम सी अम्मीनादाब पयदा हयु, अम्मीनादाब सी नहसोन, ने नहसोन सी सलमन पयदा हयु। **5** सलमन ने राहाब सी बोआज पयदा हयु। बोआज ने रुत सी ओबेद पयदा हयु, ने ओबेद सी यीसे पयदा हयु। **6** ने यीसे सी दावुद राजु पयदा हयु। दावुद सी सुलेमान पयदा हयु जी पेहेल उरीय्याहन घरवाळी हतली। **7** सुलेमान सी रहबाम पयदा हयु, ने रहबाम सी अबीय्याह पयदा हयु ने अळतेन अबीय्याह सी आसा पयदा हयु। **8** आसा सी यहोसाफात पयदा हयु, यहोसाफात सी योराम पयदा हयु, ने योराम सी उज्जीयाह पयदा हयु। **9** उज्जीयाह सी योताम पयदा हयु, योताम सी आहाज पयदा हयु, आहाज सी हीजकीय्याह पयदा हयु। **10** हीजकीय्याह सी मनस्सीह पयदा हयु, मनस्सीह सी आमन पयदा हयु, ने आमन सी योसीय्याह पयदा हयु, **11** ने ईस्रायली जातीन माणसे काजे धरीन बेबीलोन ईलाका मां जाणेन टेमे, योसीय्याह सी यकुन्याह ने तेरु सगु भायस पयदा हया। **12** ने ईस्रायली जातीन माणसे काजे धरीन बेबीलोन जाणेन पछेन यकुन्याह सी सालतीयेल पयदा हयु, ने सालतीयेल सी जरुबाबील पयदा हयु, **13** जरुबाबील सी अबीहुद पयदा हयु, अबीहुद सी ईल्याकीम पयदा हयु, ने ईल्याकीम सी अजोर पयदा हयु, **14** अजोर सी सदोक पयदा हयु, सदोक सी अखीम पयदा हयु, ने अखीम सी ईलीहुद पयदा हयु, **15** ईलीहुद सी ईलीयाजर पयदा हयु, ईलीयाजर सी मतान पयदा हयु, ने मतान सी याकुप पयदा हयु, **16** याकुप सी युसुफ पयदा हयु, चु मरीयमेन अदमी हतलु, ने मरीयम सी ईसु पयदा हयु चु मसी कहवाये। **17** एरेन तसी अब्राहम सी दावुद लग चवदा पीड़ी हवी, ने दावुद सी बेबीलोन ईलाका मां धराय जाणेन टेमे लग चवदा पीड़ी हवी, ने बेबीलोन ईलाका मां धरायन ली जाती रया तत्यार तीनी टेम सी लीन मसी लग चोवदा पीड़ी हवी। **18** ईसु मसी असु पयदा हयु की तत्यार तेरी माय मरीयमेन मांगणी युसुफ साते हय गुयली, ने तींद्रे भेळा हवणेन सी पेहलुत चुखली-आत्मा सी भारीस हतली। **19** तत्यार तेरु अदमी युसुफ चु धरमी हतलु, ने तीनी काजे नाव-बद्दी करने नी चाहतेलु, तीनीक कळेत छुड़नेन वीच्यार करने बाजी गुयलु। **20** जत्यार चु हीनी वातेन वीच्यार मां पड़ रवलु ती मालीक भगवानेन सरग वाळु काहवाळ्यु तीना काजे सपनाम देखायन कह्वणे लाग्यु, "ए युसुफ! दावुदेन अवल्यात, तु बायर मरीयम काजे तारेन चां लावणे सी मां बीहे, काहाकी ज तेरा पेट मां छे, च चुखली-आत्मान भीणी सी छे। **21** तेरु एक पुर्यु हवसे ने तु हेरो नाव ईसु पाड़जी, काहाकी हयु आखा माणसेन तींद्रा पाप सी छुटकारु आपसे।" **22** ज आखो असो करीन हयो की ज बुल मालीक भगवानेन अघी सी आवणे वाळी वात देखान्यान साहरे कह्लो, च पुरो हवे, **23** "देखु, एक कुवारली पुरे भारीस हवसे, ने तेरु एक पुर्यु पयदा हवसे, ने हेरो नाव ईम्मानुएल पाड़जी," तेरो मतलब छे "भगवानुत हामरे पुठ्ये छे।" **24** तत्यार युसुफ नीद मां सी जागीन मालीक सरग वाळा काहवाळ्यान हुकुम सामळीन तेरी बायर काजे ली आयु, **25** ने जत्यार लग पुर्यु पयदा नी हयु तत्यार लग युसुफ तेरे धड़े नी गुयु, ने चु तेरो नाव ईसु पाड्यु।

2 जत्यार हेरोदेसेन राजान राज चाल रह्लो, तीनुत दाहड़ा मां यहुदीया जीलान बेतलहम गांव मां ईसु पयदा हयु, ती उगेवणा सी तारा देखीन रासी देखण्या यरुसलेम सहर मां आया। **2** ने पुछ्या की, "यहुदी माणसेन पुर्यु राजु पयदा हयु, चु कां छे? काहाकी हामु उपर उगवणु सी तारु उंगलु देख्या तेरेमां हामु पुछ रया ने तीना काजे हामु पांये पड़ीन आंधणे आवला छे।" **3** जत्यार हेरोदेस राजु जी वात सामळीन घाबराय गुयु, ने तेरे पुठ्ये यरुसलेम सहर मां रहणे वाळा बी आखा घाबराय गुया। **4** तेरेमां हेरोदेस राजु आखा मुख्या पुजारा ने यहुदी नीयम सीकाड़न्या मास्तर्याक भेळा करीन तीनुक पुछ्यु, "की मसी कां पयदा हवसे?" **5** चे कह्या की "यहुदीया जीलान बेतलहम सहर मां हवसे, काहाकी भगवानेन अघी सी आवणे वाळी वात बताड़न्या माणसेन साहरे असो लिखलो छे। **6** "ए बेतलहम सहर, तु यहुदीया देस वाळा, काहना बी मटला सहर नानु नी हय, काहाकी तारे सीत एक असलु राज करन्यु पयदा हवसे, चु मारा ईस्रायेली जातीन माणसेन गुवाळी करसे।" **7** तत्यार हेरोदेस राजु तारा देखीन रासी देखण्याक कळेन बुलायन तीनुक पुछ्यु की तारु तुहुंक काहनी टेमे देखाव पड़लु, **8** अळतेन चु असो कय्न तीनुक बेतलहम सहर मां मकल्यु, "जावु, तीना पुर्यान बारामां पतु करु, ने जत्यार जड़ जाय तत्यार मेसे खबर करु काहाकी मे बी आवीन तेरा पाये पड़ीस।" **9** ने चे राजान वात काजे मानीन चाल पड़्या, ने तीना तारा काजे चे उंगतेलु देखला चु तारु बी तींद्रे अगळ-अगळ चाल पड़्यु, ने चां पुर्यु हतलु, तीनी जागा पर जाय्न चु तारु उबु रय गुयु। **10** ने तीना तारा काजे देखीन चे बेसका खुस हय गुया। **11** चे तीना घर मां जाय्न तीना पुर्या काजे हेरी माय मरीयम साते देख्या, ने उबडा पड़ीन पुर्या काजे आंध्या, ने आपणा-आपणा थयलाम सी तीना काजे सनो, लुभान, ने मंहगलो ईत्तर भेट चड़ाया। **12** बाकुन भगवान सी सपना मां असी खबर जड़ी की, हेरोदेस धड़े पछा घुण जावु, तत्यार चे दीसरे वाट्ये सी आपसान देस मां पछा जाती रया। **13** अळतेन चे तारा देखीन रासी देखण्या चां सी जाती रया ने पछेन मालीक भगवानेन सरग वाळु काहवाळ्यु सपना मां ईसुन बास युसुफ काजे देखायन कह्यु, "उठ, ईना पुर्या काजे ने हेरी माय काजे लीन मीसर देस मां जाती रव; ने

Matthew

1 SIN AK'SIN Jesus Christ David okkuai' Abraham okkuai' un'ix o sĭnaks' oaiĕxĕsts. **2** Abraham ikuyiu' Isaac; ki Isaac ikuyiu' Jacob; ki Jacob ikuyiau' Judas ki omu' pappiipix; **3** Ki Judas ikuyiu' Phares ki Zara, Thamar ipau'kaiĭmmiuax; ki Phares ikuyiu' Esrom; ki Esrom ikuyiu' Aram; **4** Ki Aram ikuyiu' Aminadab; ki Aminadab ikuyiu' Naasson; ki Naasson ikuyiu' Salmon; **5** Ki Salmon ikuyiu' Booz, Rachab ipau'kaiĭmmiuaie; ki Booz ikuyiu' Obed, Ruth ipau'kaiĭmmiuaie; ki Obed ikuyiu' Jesse; **6** Ki Jesse ikuyiu' David omŭx'nin'a; ki David omŭx'ina ikuyiu' Solomon, annŏk' ake'uŏk itom'itomiuŏk Urias man'itotsipokaiĭmmiuaie; **7** Ki Solomon ikuyiu'. Roboam; ki Roboam ikuyiu' Abia; ki Abia ikuyiu' Asa; **8** Ki Asa ikuyiu' Josaphat; ki Josaphat ikuyiu' Joram; ki Joram ikuyiu' Ozias; **9** Ki Ozias ikuyiu' Joatham; ki Joatham ikuyiu' Achaz; ki Achaz ikuyiu' Ezekias; **10** Ki Ezekias ikuyiu' Manasses; ki Manasses ikuyiu' Amon; ki Amon ikuyiu' Josias; **11** Ki Josias ikuyiu' Jechonias ki o mu' pap piipix, annik' ito'toŏpikau Babylon; **12** Ki ot'sitotos au Babylon, Jechonias ikuyiu' Salathiel; ki Salathiel ikuyiu' Zorobabel; **13** Ki Zorobabel ikuyiu' Abiud; ki Abiud ikuyiu' Eliakim; ki Eliakim ikuyiu' Azor; **14** Ki Azor ikuyiu' Sadoc; ki Sadoc ikuyiu' Achim; ki Achim ikuyiu' Eliud; **15** Ki Eliud ikuyi u' Eleazar; ki Eleazar ikuyiu' Matthan; ki Matthan ikuyiu' Jacob; **16** Ki Jacob ikuyiu' Joseph, Mary om'i, annok ipau'kaiĭmmiuŏk Jesus, anĭstau Christ. **17** David otsĭs'tsits'unoauai Abraham itsipuk' sŭpokosĭnimotseiiau ke'pitappiiau nĭssekoputtsi; ki ot'sitotosau Babylon omats'ĭstsits'unoauai David mats'itsipuksŭpokosĭmmotseiiau, matsĭsse'koputtsi; Christ omats'ĭstsits'unoauai ot'sitotosau Babylon mats'itsipuksŭpkosĭmmotseiiau matsĭsse'koputtsi. **18** Jesus Christ, otsipokai'isĭnni ŭn'niniitsiu: Annik' Mary, Jesus oksĭs'tsi, Joseph otak'okemattŏsaie itop itappi'inai, otse'kosatsok Atsĭm'istaaw. **19** Joseph om'i mokŏm'motsitappiu, ki matsitsitau'ats mŏk'aiitsĭnnikŏttŏsaie; osĭme'tsitan mŏksisĭm'ianĭstŭpskoŏsaie. **20** Ki otai'ksĭmstatosaie, Satsit, Ap'ĭstotokiuăoto'tokatatsĭs otsipopŏk'toakaie ki otan'ikaie, Joseph, David okku'i, pinstŭnnos Mary kŏk'okemattosi, otse'kosatsok Atsĭm'iStaaw. **21** Ki ai'aksipokaiĭmmiuaie okku'yi, ki kitak'anĭstsĭnnikŏttau Jesus: tŭkkă, otsitappim'ix otsauum'itsitappi'isuauĕsts aiakitaikŏmotse'piuax. **22** Itŭn'nitsiuaie mŏk'itsenŭpanĭstŏsi Ap'ĭstotokiuă otse'poawsĭsts, otsipropheti itotse'poawsĭnĕsts, ki an'ĭmai, **23** Satsik, mokŏk'iake ai'akopitappiiu, ki ai'aksipokaiĭmmiuaie okku'yi, ki ak'anĭstsĭnnikŏttsiauaie Emmanuel, ito'kĭsasattop Ap'ĭstotokiuă ipokai'tappiĭmmau. **24** Joseph otsipuawk'si otso'kani, ŭn'niitsitappiiu Ap'ĭstotokiuă oto'tokatatsĭs otan'iipiaie, ki ito'tuyiuaie otokem'an: **25** Ki ototom'okkuyi otsauomai'pokaiĭsaie matpoksokamiu'atsaie: kinitsĭn'nikŏttsiuaie JESUS.

2 JESUS otai'pokaiisi Bethlehem, auŏsĭn'ĭm Judæa, annists'ĭsk ksĭstsiku'ĭstsk, Herod otsĭtsĭnaiipi, Satsik, mokŏk'ietappix umut'autstsipi apinŏk'kuyi itsipuk'sipuiau Jerusalem, **2** An'iau, ŭnan'ŏk manipok'auŏk Jews otsĭn'aimoaiauaie? Tŭkkă, annim' apinŏk'kuyi stai'tappiosi nitsĭno'ŭnan okŏkatosim, ki nimut'otopĭnan nŏk'itauatsĭmmimmŏsĭnan. **3** Herod omŭx'ina otokh'tsĭsaie, otap'itsitanaie, ki Jerusalem ĭstokŏnai'tappix ikŏnonokap'aitsitamiuax. **4** Ikŏnaumoi'piŭsax omŭk'atoiapiekuax ki ai'sĭnakix, sŭppoŏttsesattsiuax Christ mŏk'itsipokaiipiaie. **5** Ki an'ĭstsiauaie, Bethlehem, Judæa ĭstauŏsĭn'im, ŭn'nimaie; ŭn'anĭstappi prophet osĭn'aksĭn; **6** Ki ksĕsto'a Bethlehem, Judæa ĭstauŏsĭn'im, kimats'inŭkstsipuaua, Judah ĭstsĭn'ax; Nin'auŏk, ksesto'a ak'itsĭstauasiu ki osto'i ai'akaukŏkitsĭmau nitsitappim'ĭx Israel. **7** Herod, sĭmi'nikŏtŭssax mokŏk'ietappix, sokap'sŭppoŏtsesattsiuax otsokap'ĭnŏkuyisaie kŏkatosi. **8** Ki itŭpŭt'okŏttsiuax Bethlehem; kian'iu, kŭkko' sokap'apsŭmmok pokau'ŏk; ki ikonoainoeniki, itŭm'ŭtskĭtsĭnikokĭk nŏk'itsitotosi nŏk'it a tsĭm mĭm mosi. **9** Otokh'tsĭsau omŭxina otan'iipiaie, itsĭs'tapuiau; ki satĭsk, anni'isk kŏk'atosiĭsk otsitsinoauaiĭsk umut'autstsipi apinŏk'uyi otsitom'akoaiauaie, ki otai'totosi inŭk'sipokai ot'sitaupipiaie itots'iketsipuyiuaie. **10** Otsĭnno'ŏssauaie kŏk'atosi, eks'kamŭk otse'tametŭksuaii. **11** Ki otaitsipĭs'sau nap'ioyĭs, Mary oksis'tsi

ମାତିଉ

1 ଇ ଲେକା ଅଃଉଁଲି ଜିସୁ କ୍ରିସ୍ତର୍ ହୁର୍ବାର୍ କୁଲ୍‌ବଃଉଁସ୍‌ମଃନାର୍ ନାଉଁମଃନ୍ । ସେ ଦାଉଦ୍ ବଃଉଁସାର୍ ରିଲା, ଆର୍ ସେ ଅବ୍ରାହାମାର୍ କୁଲ୍‌ବଃଉଁସାର୍ ଲେକାହଃଡାର୍ । **2** ଅବ୍ରାହାମାର୍ ହୟ୍‌ସି ଇସାକ୍; ଇସାକାର୍ ହୟ୍‌ସି ଜାକୁବ; ଜାକୁବର୍ ହୟ୍‌ସି ଜିଉଦା ଆର୍ ତାର୍ ବାୟ୍‌ସିମଃନ୍‌କେ ଜଃଲମ୍ ଦିଲା, **3** ପେରସ୍ ଆର୍ ଜେରହର୍ ଉବାସି ଜିଉଦା ଆର୍ ଆୟ୍‌ସି ତାମର୍; ପେରସାର୍ ହୟ୍‌ସି ହିସ୍ରଣ୍; ହିସ୍ରଣାର୍ ହୟ୍‌ସି ଆରାମ୍, **4** ଆରାମାର୍ ହୟ୍‌ସି ଅମିନାଦବ୍, ଅମିନାଦବାର୍ ହୟ୍‌ସି ନହସନ୍, ନହସନାର୍ ହୟ୍‌ସି ସଲମନ୍, **5** ସଲ୍‌ମନାର୍ ହୟ୍‌ସିର୍ ନାଉଁ ବୟାଜ, ବୟାଜାର୍ ଆୟ୍‌ସିର୍ ନାଉଁ ରାହାବ, ବୟାଜାର୍ ହୟ୍‌ସିର୍ ନାଉଁ ଅବେଦ, ଅବେଦର୍ ଆୟ୍‌ସିର୍ ନାଉଁ ରୁତ୍, ଅବେଦର୍ ହୟ୍‌ସି ଜିସି । **6** ଜିସିର୍ ହୟ୍‌ସି ଦାଉଦ୍ ରଃଜା, ଦାଉଦାର୍ ହୟ୍‌ସି ସଲ୍‌ମନ୍, ସଲ୍‌ମନାର୍ ଆୟ୍‌ସି ଆଗେ ଉରିୟର୍ ଡକୁର୍ସି ରିଲି, **7** ସଲ୍‌ମନାର୍ ହୟ୍‌ସି ରିହବିୟାମ୍, ରିହବିୟାମାର୍ ହୟ୍‌ସି ଅବିୟ, **8** ଅବିୟର୍ ହୟ୍‌ସି ଆସା, ଆସାର୍ ହୟ୍‌ସି ଜିହସାପଟ୍, ଜିହସାପଟାର୍ ହୟ୍‌ସି ଜରାମ, ଜରାମାର୍ ହୟ୍‌ସି ଉଜିୟ, **9** ଉଜିୟର୍ ହୟ୍‌ସି ଜତାମ୍, ଜତାମାର୍ ହୟ୍‌ସି ଆହାସ୍, ଆହାସାର୍ ହୟ୍‌ସି ହିଜକିଅ, **10** ହିଜକିଅ ମନସିକେ ଜଃଲମ୍ ଦିଲା ମନସି ଆମନ୍‌କେ ଜଃଲମ୍ ଦିଲା ଆମନ୍ ଜସିଅକେ ଜଃଲମ୍ ଦିଲା, **11** ଆମନାର୍ ହୟ୍‌ସି ଜସିଅ, ଜସିୟର୍ ହୟ୍‌ସି ଜିକନିୟ ଆର୍ ତାର୍ ବାୟ୍‌ସିମଃନ୍; ଇସ୍ରାଇଲ୍‌ମଃନ୍‌କେ ବାବିଲନ୍ ଦେସେ ବାନ୍ଦି ନେତାବଃଲ୍ ଜିକନିୟ ଜଃଲମ୍ ଅୟ୍‌ରିଲା । **12** ବାବିଲନ୍ ଦେସେ ଇସ୍ରାଏଲ୍‌ମଃନ୍‌କେ ବାନ୍ଦି ନିଆ ଅୟ୍‌ଲା ହଃଚେ ଜିକନିୟର୍ ହୟ୍‌ସି ସଲ୍‌ଟିଏଲ୍ ଜଃଲମ୍ ଅୟ୍‌ଲା । ସଲ୍‌ଟିଏଲାର୍ ହୟ୍‌ସି ଜିରୁବାବେଲ୍, **13** ଜିରୁବାବେଲାର୍ ହୟ୍‌ସି ଅବିହୁଦ୍, ଅବିହୁଦାର୍ ହୟ୍‌ସି ଏଲିୟାକିମ୍, ଏଲିଆକିମାର୍ ହୟ୍‌ସି ଆସର୍, **14** ଆସର୍ ତାର୍ ହୟ୍‌ସି ସାଦକ୍, ସାଦକାର୍ ହୟ୍‌ସି ଆକିମ୍, ଆକିମାର୍ ହୟ୍‌ସି ଏଲିହୁଦ୍, **15** ବାବିଲନ୍ ବଃନ୍‌ବାସ୍ ଅୟ୍‌ଲା ହଃଚେ ଜିସୁର୍ ଜଃଲମ୍ ହଃଡେକ୍, ଇସଃବୁ ହୁର୍ବାର୍ ଦାଦିବାବୁମଃନାର୍ ବିସୟେ ଲେକା ଜାୟ୍ ଆଚେ, ଜେହାକିନ୍, ସଲ୍‌ଟେଲ୍, ଜେରୁବାବେଲ୍, ଏଲିହୁଦ୍, ଏଲିଆକିମ୍ ଆଜର୍, ଜାଦକ୍, ଆକିମ୍, ଏଲିଉଦ୍, ଏଲିଆଜର୍, ମତାନ୍, ଜାକୁବ, ଆର୍ ଜସେପ୍, ଜେକି ଜିସୁ ଜାକେକି ମଃସିଆ ବଃଲ୍‌ତି ତାର୍ ଆୟ୍‌ସି ମିୟମ୍‌କେ ବିବା ଅୟ୍‌ଲା, **16** ମତାନାର୍ ହୟ୍‌ସି ଜାକୁବକ୍, ଜାବୁବର୍ ହୟ୍‌ସି ଜସେପ୍, ଇ ଜସେପ୍ ମରିୟମ୍‌କେ ବିବା ଅୟ୍‌ରିଲା, ଇ ମରିୟମାର୍ ହେଟେ ହୁଣି ଜିସୁ ଜଃଲମ୍ ଅୟ୍‌ଲା, ଲକ୍‌ମଃନ୍ ତାକ୍ କ୍ରିସ୍ତ ଆର୍ ମଃସିଆ ବଃଲି କଃଉତି । **17** ଇବାନ୍ୟା ଅବ୍ରାହାମାର୍ ତଃୟ୍‌ହୁଣି ଦାଉଦ୍ ହଃଡେକ୍ ଚଃଉଦ କୁଲ୍‌ବଃଉଁସ୍, ଆର୍ ଦାଉଦାର୍ ତଃୟ୍‌ହୁଣି ବାବିଲନ୍ ବାନ୍ଦାୟ୍‌ଅୟ୍ ଜାତାହଃଡେକ୍ ଚଃଉଦ କୁଲ୍‌ବଃଉଁସ୍, ଆରେକ୍ ବାବିଲନ୍ ବାନ୍ଦାୟ୍‌ଅୟ୍ ଗଃଲା ତଃୟ୍‌ହୁଣି କ୍ରିସ୍ତର୍ ଜଃଲମ୍ ହଃଡେକ୍ ଚଃଉଦ କୁଲ୍‌ବଃଉଁସ୍ । **18** ଜିସୁ କ୍ରିସ୍ତର୍ ଜଃଲମ୍ ଇବାନ୍ୟା ଅୟ୍‌ଲି । ତାର୍ ଆୟ୍‌ସି ମରିୟମ୍‌କେ ଜସେପ୍ ସଃଙ୍ଗ ବିବା ଅଃଉଁକେ ମାଗ୍‌ଣି ହଃଚେ, ସେମଃନ୍ ବିବା ନଃଉତା ଆଗ୍‌ତୁ ପବିତ୍ର ଆତ୍ମା ତଃୟ୍‌ହୁଣି ସେ ଆଙ୍ଗେ ଅୟ୍‌ଆଚେ ବଃଲି ଜାଣାହଃଲ୍‌ଲି । **19** ମରିୟମାର୍ ଡକ୍ରାସି ଜସେପ୍ ଦଃମିଁ ଲକ୍ ରିଲା, ତଃବାର୍‌ଗିନେ ସେ ମରିୟମ୍‌କ୍ ସଃବୁଲକାର୍ ମୁଏଁ ଲାଜ୍ କଃରାଉଁକ୍ ମଃନ୍ ନଃକେଲା, ଆର୍ ସେ ଲୁକ୍‌ଣେ ତାକ୍ ଚାଡୁକ୍ ମଃନ୍‌କଃଲା । **20** ମଃତର୍ ସେ ଇରି ମଃନେ ହାଟ୍‌ଲା ହଃଚେ, ଦଃକା, ମାପୁର୍ ଗଟେକ୍ ଦୁତ୍ ତାକ୍ ଚଃହ୍ନେ ଦଃକାୟ୍ ଅୟ୍ କୟ୍‌ଲା, "ଏ ଦାଉଦ୍ ବଃଉଁସାର୍ ଜସେପ୍! ମରିୟମ୍‌କେ ବିବା ଅଃଉଁକେ ଡିର୍ନାୟ୍, କାୟ୍‌ତାକ୍‌ବଃଲେକ୍ ସେ ପବିତ୍ର ଆତ୍ମାୟ୍ ଆଙ୍ଗେ ଅୟ୍‌ଆଚେ । **21** ସେ ଗଟେକ୍ ହିଲା ଜଃଲମ୍ କଃରେଦ୍, ଆର୍ ତୁମି ତାର୍ ନାଉଁ ଜିସୁ ସଃଙ୍ଗାଉଆସ୍, କାୟ୍‌ତାକ୍‌ବଃଲେକ୍ ସେ ତାର୍ ଲକ୍‌ମଃନ୍‌କେ ସେମଃନାର୍ ହାହେ ହୁଣି ମୁକ୍ଲାୟ୍‌ଦ୍ ।" **22** ବାବ୍‌ବାଦିର୍ ତଃୟ୍‌ହୁଣି ଇସ୍ୱରାର୍ ଇ ଜୁୟ୍ କଃତା ଜଃନ୍‌କଃରି ହୁରୁଣ୍ ଅୟ୍‌ଦ୍, ଇତାର୍ ଗିନେ ଇ ସଃବୁ ଗଃଟ୍‌ଲି । **23** ସେ ବାବ୍‌ବାଣି ଅଃଉଁଲି, "ଗଟେକ୍ ଦଃଙ୍ଗଲି ଟକି ଆଙ୍ଗେ ଅୟ୍‌ଦ୍ ଆର୍ ସେ ଗଟେକ୍ ହିଲା ଜଃଲମ୍ କଃରେଦ୍, ଆର୍ ଲକ୍‌ମଃନ୍ ତାର୍ ନାଉଁ ଇମାନୁଏଲ୍ ବଃଲି ସଃଙ୍ଗାଉତି ।" ଇ ନାଉଁଆର୍ ଅଃର୍ଥ୍, ଅଃମାର୍ ସଃଙ୍ଗ ଇସ୍ୱର୍ ଆଚେ । **24** ଇତାର୍‌ହଃଚେ ଜସେପ୍ ନିଦେହୁଣି ଉଟ୍‌ଲା ଆର୍ ଇସ୍ୱରାର୍ ଦୁତ୍ ତାକ୍ ଜୁୟ୍‌ରଃକମ୍ କୟ୍‌ରିଲା, ସେବାନ୍ୟା କଃଲା ଆର୍ ମରିୟମ୍‌କେ ବିବା ଅୟ୍‌ଲା । **25** ମଃତର୍ ମରିୟମ୍ ତାର୍ ହିଲା ଜଃଲମ୍ ନଃକେର୍ତା ହଃଡେକ୍ ଜସେପ୍ ତାର୍ ସଃଙ୍ଗ ସୟ୍‌ନଃକେଲା, ଆର୍ ସେ ହିଲା ଜଃଲମ୍ ଅୟ୍‌ଲାକ୍, ଜସେପ୍ ସେ ହିଲାର୍ ନାଉଁ ଜିସୁ ବଃଲି ଦିଲା ।

2 ହେରଦ୍ ରଃଜା ରାଇଜ୍ କଃର୍ତାବଃଲ୍ ଜିଉଦା ରାଜିର୍ ବେତ୍‌ଲିହିମ୍ ଗଃଳେ ଜିସୁ ଜଃଲମ୍ ଅୟ୍‌ଲା ହଃଚେ, ଦଃକା, ହୁର୍ବ ଦେସାର୍ କଃତିଗଟ୍ ହଃଣ୍ଡିତ୍‌ମଃନ୍ ଜିରୁସାଲମ୍ ଆୟ୍‌ଲାୟ୍, **2** ଆର୍ ହଃଚାର୍ଲାୟ୍, "ଜୁୟ୍ ହିଲା ଜିଉଦିମଃନାର୍ ରଃଜା ଅଃଉଁକେ ଜଃଲମ୍ ଅୟ୍‌ଆଚେ, ସେ କୁୟ୍‌ତି ଆଚେ? କାୟ୍‌ତାକ୍‌ବଃଲେକ୍ ଅଃମିମଃନ୍ ହୁର୍ବ ଦେସାର୍ ଅଃଗାସେ ତାର୍ ତାରା ଦଃକି ତାକ୍ ଜୁଆର୍ କଃରୁକେ ଆସିଆଚୁ ।" **3** ଇରି ସୁଣି ହେରଦ୍ ରଃଜା ଆର୍ ତାର୍ ସଃଙ୍ଗ ଜିରୁସାଲମାର୍ ସଃବୁ ଲକ୍‌ମଃନ୍ କାବା ଅୟ୍‌ଲାୟ୍ । **4** ସେତାକ୍ ହେରଦ୍ ରଃଜା ଲକ୍‌ମଃନାର୍ ସଃବୁ ବଃଡ୍ ଜାଜକ୍ ଆର୍ ହଃଣ୍ଡିତ୍ ମଃନ୍‌କେ କୁଦି ସେମଃନ୍‌କେ ହଃଚାର୍ଲା, "ମଃସିଆ ଜେ କି କ୍ରିସ୍ତ, ସେ କୁୟ୍‌ତି ଜଃଲମ୍ ଅୟ୍‌ଦ୍?" **5** ସେମଃନ୍ ଉତୁର୍ ଦିଲାୟ୍, "ଜିଉଦା ରାଜିର୍ ବେତ୍‌ଲିହିମ୍," କାୟ୍‌ତାକ୍‌ବଃଲେକ୍ ଇ କଃତା ଗଟେକ୍ ବାବ୍‌ବାଦି ଲେକିଆଚେ- **6** "ଏଗା ଜିଉଦା ରାଜିର୍ ବେତ୍‌ଲିହିମ୍, ତୁୟ୍ ଜିଉଦା ରାଜିର୍ ବଃଡ୍ ଗଃଳ୍‌ମଃନାର୍ ବିତ୍ରେ କୁୟ୍ ଗୁଣେ ହେଁ ସାନ୍ ନାୟ୍, କାୟ୍‌ତାକ୍‌ବଃଲେକ୍ ଅଃମାର୍

Matiwos Dooshishiyo

1 Dawitnat Abrahamn naar wottso Iyesus
Krstos shuweyi s'ap'o haniye. **2** Abraham
Yisak'i ƀshuwi, Yisak' Yak'obi ƀshuwi, Yak'ob
Yihudnat bí'eshwotsi ƀshuwi, **3** Yihudwere
Faresnat Zaran Timari eteef máátswatse
ƀshuwi, Fares Hesroni ƀshwi, Hesronwere Arami
ƀshuwi, **4** Aramu Aminadabi ƀshuwi, Aminadabu
Ne'asoni ƀshuwi, Ne'asonu Selmoni ƀshuwi,
5 Selmon Boezn Reaabi eteets máátswatse
ƀshuwi, Boez Iyobedn Ruuti eteef máátswatse
ƀshuwi, Iyobed Iseyi ƀshuwi, **6** Isey Nugúso
Dawiti ƀshuwi. Nugúso Dawit Oriyo mááts
teshtswatse Selemoni ƀshuwi, **7** Selemon
Rob'ami ƀshuwi, Rob'am Abiyayi ƀshuwi,
Abiyawere Asafi ƀshuwi, **8** Asaf Iyosaft'i ƀshuwi,
Iyosaft' Iyorami ƀshuwi, Iyoram Oziyani ƀshuwi,
9 Oziyanwere Iyo'atami ƀshuwi, Iyo'atam Akazi
ƀshuwi, Akaz Hzk'iyasi ƀshuwi, **10** Hzk'iyas
Mnaseyi ƀ shuwi, Mnaase Amos'i ƀshuwi, Amos'
Iyosyasi ƀshuwi, **11** Iyosyas Israe'el ashaasho
Babilon maants bo kishodek't damets dúr
Ikoniyannat bí'eshwotsi ƀshuwi. **12** Bokisho
dek't Babiloni dameyakon Ikoniyan Salatiyal ƀ
shuwi Selatyal Zerubabeli ƀ shuwi, **13** Zerubabel
Abiyodi ƀshuwi, Abiyodu Eelyak'emi ƀshwi,
Eelyak'em Azori ƀ shuwi, **14** Azor Sadok'i
ƀshuwi, Sadok' Akimi ƀshuwi, Akim Eelyudi
ƀshuwi, **15** Eeliyud Alazari ƀshuwi, Alazar
Matani ƀshuwi, Matan Yak'obi ƀshuwi, **16**
Yak'ob Krstosi eteefo Iyesusi shuwtsu Mariyami
wid'tso Yosefi ƀshuwi. **17** Eshe Abrahamatse
tuut Dawitats ƀborfetso tatse awd gubra,
Dawitatse tuut kisho dek't Babilonits dameetsok
ƀborfetso tatse awd gubra, kisho dek't Babiloni
dametsatse tuut waa Krstosok ƀborfetso tatse
awd gubree. **18** Iyesus Krstos ƀshwetsok'o
hank'oyi ƀtesh, ƀ índ Mariyam Yosefsh wid'eyat
bbefere, bogonkerawon bi S'ayin shayiron
maac'at' bdatseyi. **19** Bin wid'tso Yosef ash
kááw ƀteshtsotse Maryami ash shinatse kish
kitso geeratse, mansh áátson k'azk'ro ƀgaw.
20 Ernmó keewan jango shiyanoke ƀbefere
doonzo melakiyo gúmon bí'ats be'eyat hank'o
bíet, «Dawit naaro Yosefo! Nwid'tsu Mariyam
bmaac'tso S'ayin shayiron ƀwottsotse bin nmoo
maants dek'osh shatk'aye. **21** Biye nungush
na'o shwitwaniye, bí ashuwotsi morrotse
ƀkashitwotse ƀshútso Iyesusi etetune.» **22**
Jaman ƀwottsonwere doonzo nebiyiyo weeron
ƀkeewtso ƀs'eenetwok'owe, **23** «Hambe, baar
na'a s'eenu mac'itwanee, nungush na'onowere
shuwitwane, ƀ shútsonwere ‹Amanu'eli›
err s'eegetwe.» Amanu'eli etonwere «Ik'o
nontoniye» etee. **24** Yosef tokrotse ƀ
tuwor, doonzo melakiyo bísh ƀkeewtsok'on ƀ
wid'tsu Mariyami ƀmoomants dek'tbíami. **25**
Wotowa eree bna'o bshuufetsosh bin danatse.
ƀshútsonowere Iyesusi et ƀs'eeg.

2 Nugúso Herodis dúr, Yihud datsatse
daatseyiru Betelihem kitutse Iyesus
ƀshuweyiye hakon, k'eeni jango danfwots aaw
keshomande Iyerusalem maants boweyi. **2**
Hank'o etnwere bo aati, «Shuwets Ayhudi
nugúso aawoke? ƀ k'eeno aawkeshon
bek'aat bísh sagadosh waarone.» **3** Nugúso
man ƀshishtsok'on tek' ƀwtsi, Iyerusalem
ashjamonwere bínton tek'bowtsi, **4** Kahni
naash jamwotsntonat ashuwotsitse nemo
danifwotsi kakudek't, Krstos ƀshuwetwo
aawk'on ƀwottsok'o boon bí aati. **5** Bowere
hank'o ett bísh bo aaniyi «Nebiyiyon hank'o
etts bek'o guut'etsotse, Krstos ƀshuwet
Yihud datsatse Betelem kitotsnee, **6** ‹Yihud
dats kayotse daatseyiru Betelemee! Ti ash
asho Isra'eli korde'er jishitwo n datsatse
ƀkeshetwotse, Yhuditsi kit een eenwotsiyere
eegonoru dasheratsne.› » **7** Maniyere il Herodis
k'eeni jango danfmanotsi ááshon s'eegidek't,
k'eenman awr ƀ be'etsok'o arikon aatt
danbdek'i. **8** Hank'o ettnwere Betelem maants
boon woshƀk'ri «Amr na'o jango t'iwintsde
danere, bín itdatstsok'onowere taawere amr
bísh tsagaditwok'o waar taash keewwere.» **9**
Bowere Nugúso aap'o booshishihakon kesht
boami, eshe! aawkeshon bobek'ts k'eeno
na'i marmat'o ƀbeyirwok ƀned'efetsosh
bo shinshinatse sha'efetst boon ƀjishi. **10**
K'eenman bobek'tsok'on ayidek't gene'ubowtsi,
11 Mootsowere kindt na'i marmat'o bí'ind
Mariyamnton ƀbefere bobek'i, ƀshinats gúp
gúp'at bosagadi, bo sat'nonowere k'eshdek't
aawntso, it'anonat kerbeya etef shak' shaawo
bísh bot'intsi. **12** Herodis maantsowere bo
aanerawok'o Ik'o gúmon boosh ƀkeewtsotse
k'osh weerindon bodatsomand aanat k'azboami.
13 K'eeni jango danfwots boamiyakon, doonzo

Matthieu

1 Levr lignez Jezuz-Krist, Mab David, Mab Abraham. **2** Abraham a voe tad da Izaak. Izaak a voe tad da Jakob. Jakob a voe tad da Juda ha d'e vreudeur. **3** Juda, eus Tamar, a voe tad da Farez ha Zara. Farez a voe tad da Ezrom. Ezrom a voe tad da Aram. **4** Aram a voe tad da Aminadab. Aminadab a voe tad da Naason. Naason a voe tad da Salmon. **5** Salmon, eus Rahab, a voe tad da Vooz. Booz, eus Rut, a voe tad da Obed. Obed a voe tad da Jese. **6** Jese a voe tad d'ar roue David. Ar roue David a voe tad da Salomon, eus an hini a oa bet gwreg da Uri. **7** Salomon a voe tad da Roboam. Roboam a voe tad da Abia. Abia a voe tad da Asa. **8** Asa a voe tad da Jozafat. Jozafat a voe tad da Joram. Joram a voe tad da Ozia. **9** Ozia a voe tad da Joatam. Joatam a voe tad da Achaz. Achaz a voe tad da Ezekia. **10** Ezekia a voe tad da Vanase. Manase a voe tad da Amon. Amon a voe tad da Jozia. **11** Jozia a voe tad da Jekonia ha d'e vreudeur, da vare an ermaeziadeg e Babilon. **12** Ha goude ma voent bet kaset da Vabilon, Jekonia a voe tad da Salatiel. Salatiel a voe tad da Zorobabel. **13** Zorobabel a voe tad da Abiud. Abiud a voe tad da Eliakim. Eliakim a voe tad da Azor. **14** Azor a voe tad da Sadok. Sadok a voe tad da Achim. Achim a voe tad da Eliud. **15** Eliud a voe tad da Eleazar. Eleazar a voe tad da Vatan. Vatan a voe tad da Jakob. **16** Jakob a voe tad da Jozef, pried Mari, ma'z eo bet ganet anezhi Jezuz, galvet Krist. **17** Bez' ez eus eta en holl: eus Abraham betek David, pevarzek rummad; eus David betek an ermaeziadeg e Babilon, pevarzek rummad; hag eus an ermaeziadeg e Babilon betek ar C'hrist, pevarzek rummad. **18** Setu, ganedigezh Jezuz-Krist a c'hoarvezas evel-henn. Goude ma oa prometet Mari, e vamm, da Jozef, a-raok ma oant asambles, hi en em gavas brazez dre ar Spered-Santel. **19** Jozef, he fried, a oa un den reizh ha ne felle ket dezhañ he mezhekaat; c'hoantaat a reas he c'has kuit e-kuzh. **20** Evel ma soñje kement-se, setu, un ael eus an Aotrou en em ziskouezas dezhañ, dre e gousk, o lavarout: Jozef, mab David, na'z pez ket aon da gemer ganit Mari, da wreg, rak ar pezh a zo koñsevet enni a zo eus ar Spered-Santel, **21** hag e c'hano ur mab, hag e roi dezhañ Jezuz da anv, rak eñ a saveteo e bobl eus e bec'hedoù. **22** Kement-se holl a c'hoarvezas, evit ma vije peurc'hraet ar pezh a oa bet lavaret gant an Aotrou dre gomz ar profed: **23** Setu, ar werc'hez a vo brazez, hag a c'hano ur mab a vo galvet Emmanuel, da lavarout eo: Doue ganeomp. **24** Jozef, o vezañ dihunet eus e gousk, a reas ar pezh en devoa ael an Aotrou gourc'hemennet dezhañ, hag e kemeras e wreg gantañ. **25** Hogen n'anavezas ket anezhi betek ma voe gwilioudet eus he mab [kentañ-ganet], hag e roas dezhañ Jezuz da anv.

2 Jezuz o vezañ bet ganet e Betlehem Judea, en amzer ar roue Herodez, setu e teuas majed eus ar sav-heol da Jeruzalem, en ur lavarout: **2** Pelec'h emañ an hini a zo ganet da roue d'ar Yuzevien? Rak gwelet hon eus e steredenn er sav-heol, ha deuet omp d'e azeuliñ. **3** Pa glevas ar roue Herodez kement-se, e voe trubuilhet, hag holl Jeruzalem gantañ. **4** O vezañ dastumet an holl veleien vras ha skribed ar bobl, e c'houlennas diganto pelec'h e tlee bezañ ganet ar C'hrist. **5** Int a lavaras dezhañ: E Betlehem Judea; rak evel-henn eo bet skrivet gant ar profed: **6** Ha te, Betlehem, douar Judea, n'out ket an disterañ e-touez kêrioù pennañ Judea; rak ac'hanout eo, e teuio ur penn a reno va fobl Israel. **7** Neuze Herodez, o vezañ galvet ar majed e-kuzh, a c'houlennas gant preder diganto e pe amzer e oa en em ziskouezet ar steredenn dezho. **8** Hag, o kas anezho da Vetlehem, e lavaras: It, ha goulennit gant preder pelec'h emañ ar bugel bihan-se; ha pa ho po e gavet, roit din da anavezout, evit ma'z in me ivez d'e azeuliñ. **9** Ar re-mañ, goude bezañ klevet ar roue, a yeas kuit; ha setu, ar steredenn o devoa gwelet er sav-heol, a yae en o raok, betek ma teuas ha ma chomas a-us d'ul lec'h ma oa ar bugel bihan. **10** Pa weljont ar steredenn, e voe karget o c'halonoù gant levenez. **11** O vezañ aet en ti, e kavjont ar bugel gant Mari e vamm, hag, oc'h en em stouiñ d'an douar, ec'h azeuljont anezhañ; ha goude bezañ digoret o zeñzorioù, e kinnigjont dezhañ profoù: aour, ezañs ha mir. **12** O vezañ bet aliet gant Doue, dre un huñvre, ne zistrojont ket da gavout Herodez; mont a rejont d'o bro dre un hent all. **13** Goude ma oant aet kuit, setu, un ael eus an Aotrou en em ziskouezas da Jozef, dre un huñvre, en ur lavarout: Sav, kemer ar bugel hag e vamm, tec'h en Ejipt, ha chom eno betek e lavarin dit; rak Herodez a glasko ar bugel evit e lakaat d'ar marv. **14** Eñ, o vezañ savet, a gemeras ar bugel bihan hag e vamm e-pad an noz, hag en em dennas en Ejipt. **15** Hag e chomas eno betek ma varvas Herodez, evit ma vije peurc'hraet ar pezh en devoa an Aotrou lavaret dre ar profed: Galvet em eus va mab eus Ejipt. **16** Neuze Herodez, o welout o devoa ar majed graet goap anezhañ, a voe en ur gounnar vras, hag a gasas da lazhañ an holl vugale a zaou vloaz ha yaouankoc'h, e Betlehem hag en e vro

Matiyu

1 Vuvu u Yesu Kristi ivren Dauda, ivren u Ibrahim. **2** Ibrahim a ngrji Ishaku, Ishaku ka ngrji Yakubu, u Yakubu a ngrji Yahuda ni ba mrli vayi ma. **3** Yahuda a ngrji Perez mba Zerah ngrji u Tamar, Perez ngrji Hezron, u Hezron ngrji Ram. **4** Ram ngrji Amminadah, Amminadah ngrji Nahshon, u Nahshon ngrji Salmon. **5** Salmon ngrji Boaz ngrji Rahab, Baoz ngrji Obadiya ngrji u Rautha, Obadiya ngrji Jesse. **6** U Jesse ngrji ichu Dauda. Ichu Dauda ngrji Suleman wa iyima ana wa Uraya **7** Suleman a nu ngrji Rehoboam, Rehoboam a ngrji Abijah u Abijah ngrji Asa. **8** Asa ngrji Jehoshafat, Jehoshafat ngrji Joram, Joram ngrji Uzziya. **9** Uzziya ngrji Jotham, Jotham ngrji Ahaz u Ahaz ngrji Hezekaya. **10** Hazekaya a ngrji Manaseh, Manaseh a ngrji Amon u Amon ngrji Yosiya. **11** Yosiya ngrji Yekoniya ni mrli vayi ma wiere me ni nton wa ba vu ba hi ni Babila. **12** U wa ba nji ye Babila, Yekoniya ngrji Shealtiel u Shealtiel ngrji Yerubabel. **13** Yerubabel ngrji Abuid, Abuid ngrji Eliakim, u Eliakim ngrji Azor. **14** Azor ngrji Zadok, Zadok ngrji Achim u Achim ngrji Eliud. **15** Eliud ngrji Eleazer, Eleazer **16** ngrji Matthan, u Matthan ngrji Yakubu. U Yakubu ngrji Yusufu illon Maryamu wa a ngrji Yesu wa ba yo'u din Kristi. **17** To inzan ba wawu rji ni Ibrahim hi Dauda ba wlon don zia, rji ni Dauda hi ntton wa ba vu hi ni Babila bahi izan zia, u rji ni ni ntton u wa bahe ni Babila hi ni ye Kristi ba nzan wlon don zia. **18** Ingrji Yesu Kristi ahe towa: wa ba nna yima Maryamu ni Yusufu gben ntton wa baka gran kpa, u nne Ruhu tsatsar ye riwu. **19** U Yusufu illon ma indi u klu Rji, nda na son nno shan na, a cu sron ma rju ni gran nda kama ni wu niyay'bi (aboye) **20** Amma, asi tamre towa, u malaika Baci ka ye niwu ni rah nda tre, “Yusufu, ivren Dauda, na klu sisri ban wame Maryamu na, don ikpie a wrji anne ma, a u Ruhu tsatsar. **21** Ani ngrji vrenlon wa u yowu ndi Yesu, don ani kpa ndi ma cuwo ni gbugbu latre mba. **22** To, ahe to yi don ndu tre Baci he na wa a hla din. **23** “To mba, vivren wa ri wa ana to lillona ani ye he nne nda ngrji vrenlon wa ba yo wa ndi Imanuwal” wa hi riri ni “Irji he nita” **24** U Yusufu, gbla sh'me ni nah tie ikpie wa Malaika hla niwu nda hi ka ban wa-a hi ni kpama. **25** Ana rlihe toh wa-a sai wa a ngrji vren ma u mumla. Ayo nde ma di Yesu.

2 Da ba ngrji Yesu ni Betalahim u Yahudiya ni ntton wu chu Fero, indi bi toh bari baa ye rji ni Urushalima, **2** Ba tre ichu Yahudawa wa ba ngrji wu'a he mame? Kie toh Tsitsen ma ni ko Nzan u kie ye chi. **3** Niwo tre yi, Fero ka katie gbododo (wieme) me ni indi bi Urushalima wawu mba wu. **4** Da ayo firist bi ni nkon ni bi nha u ndi mba a mye ba ka bandi toh wrji wa ba ngrji Kristi a? **5** U baka hla wu Ni Batakami u Yahudiya a na ki anabawa ba nha, **6** Iwu me' Batalami, igbu Yahudiya ana hi wuyi u nkle ni mi ba chu bi gbu Yahuda na: to gona wa ani nji ndimu Israila ani rji niwu. **7** Hirudus ka yo shehuna ba ni yaybi nda mla wo inton wa to tsintsen'a. **8** A tonba hi Baitalami nda tre, Hi yi', hu sren me di mla wo tre' u vrenyi, biti tou bika ye hlamu, ndu me ngame ye ciwu. **9** Da ba wo tre chua kle, ba ka wlu hi nda to, tsitsen wa bana tou ni ki nzan, azren guci sihi ni ko shishi mba, nda zren hito ki me aka kukrli gyame ni bubu wa ivren he'a. **10** Da ba to vren baka ngri nda briku. **11** Ba ri nimi koha nda to kpran vrena mba yi ma Maryamu nda ti gbru kukru nda ciu nda bwu ikpi wa ba nji'a nda nno; Zinariya mba Lubban u jawul. **12** U Irji ka ti ba rah ndu bana lahi zu ni Hiridus ngana ba wlu zu nkon ri nka hi gbumba. **13** Niwa ba wlu hu, u malaika Rji kaye ni Isuwu ni rah nda hla wu, “Wlu, ban vren'a mba yima, ndi tsutsu hi ni Masar, son niki me di la ka wo ni me rli: Hiridus niwa wu kpran vren'a. **14** Wa aye wlu'a a bari kpran vren'a ba yima ni cuu nda tsutsu hi ni Masar; **15** Nda he niki me ye mla niqu Hiridus: wa aku gyre me ni tre Baci wa a hla ni ngu Anabi, din nimi Masar mi yo' vren mu. **16** Hiridus a ye to di shehuna ba yau hlega ni tre ma, nda tie vrafu nda ndu ba wu mrli nlon bi Batalami, ni bi gbu wa ba he nha niwu'a bi wa ise mba a mla harli kima krji; bla rji ni nton wa a wo trea ni shehuna ba. **17** Rli kuko u ikpie wa ba hla ni nyu anabi Irimiya kaye ku tsra, **18** Ba wo lan nimi Rama, iyi mba jequ, Rahila aniyi ni tu mrli ma, nda na wo wiere na wa mrli ba ba qu'a **19** Hiridus ye qu u malaika Baci ka ye ni Isuwa ni rah ni mi Masar, nda hla, **20** Wu ban kpran vren'a mba yima di hi ni meme Israila: e bi wa bazi wa wu kpran vrenia ba qu ye. **21** A ye wlu nda ba kpranvren'a ni yima nda ye ni mi

Methiu

1 Hì ne Isu Masi pha blangthek, Dawid ro riingthek, hanyie yi Abraham ro riingthek, ithek ro sasab ro boh phabi. **2** Abraham re-è yie dang ne Dawid Saja khama blangthek um pha ne ichiih luii shii zey muii ro: Abraham, Ishak, Jakhob, Juda chiih-è airo khuiinothek, ji pha idoh Pherez nane Zera (ithek amuii ne Thamar ro), Hezron, Ram, Aminadab, Nasa, Salmon, Boaz (ai amuii ne Rahab ro), Obed (Ithek ro amuii ne Ruth ro), Jese nane Dawid Saja. **6** Dawid Saja sieng pha ishak re-è yie dang ne Israel pha bran shii Babylon hà zum ne noh dun pha blangthek de ichiih luii shii zey muii ro: Dawid, Solomon (airo amuii ne Uria yiy ne raijong noh pha bimi ji ro), Rehoboam, Abija, Asa, Zehoshaphath, Zehoram, Uzia, Zotham, Ahaz, Hezekhia, Manase, Amon, Josia nane Jehoiachin nane airo khuiinothek. **12** Babylon hà zum ne rai marui pha ishak è yie dang ne Isu giak pha ishak thogdang pha blangthek ne ichiih luii shii zey muii ro: Jehoiachin, Shealhthiel, Zerubabel, Abiud, Eliakhim, Azor, Zadokh. Achim, Eluid, Eliazer, Muthan, Jakhob nane Joseph, hanyie è Isu giak pha amuii Mery shii yiy pha bufuii ji ro. Hanyie shii Masaiya rone ho muii pha ji ro. **17** Ji-è, chiihphado Abraham è Dawid Saja thogdang pha blang ne snawi um ro, chiih-è, Dawid pha ishak è Babylon hà zum ne raidun pha ishak thogdang pha blangthek ne snawi um ro. Babylon è yie dang ne Isu Masi giak pha blangthek de snawi um ro. **18** Hì ne Isu Masi khi-èrek ne giak pha ji ro. Ai amuii Mery ne Joseph è shadiiegang rekjong ne ruii pha bimi ro. Jishii, ai ne ayiy-agey ba pha ibi shii ai ne Ragung So è ani wiig yi pha doh. **19** Joseph ne idang giang sieng ne rai pha bran ro, jiè ai ne Mery shii ug ne che pha saro, nyieliieshii ai è Mery shii hong ne biwo rek yi pha ayang ro. **20** Ai è ji è now ramuii shii, Ithong pha hamangkhliie jia ai ibang shii dongkhlei ruii ne aishii yao, “Dawid riing è giak pha Joseph, Mery shii na yiy rek ne noh pha arum chid rabo, ai ani ji ne Ragung So re-è wiig yi ro. **21** Ai è ani bufuii jia giak ruii phro, na ne ji pha ani shii Isu beng bo, nyieliieshii, ai è awai branthek shii awaithek layog è ragia rek phi ruii phro.” **22** Thuh hìthek rey ruii pha ji è Ithong è awai chaigthek è khi-èrek ne yao yi pha jithek zab rey sharuii pha ji ro. **23** “Ayiy-agey ba pha miliao bimi jia è ani wiig ne dufuii jia giak ruii phro, ai ibeng ne Imanuel beng ruii phro” (Jipha miyaosiu ne, Hamangkhung-aphuii ne gethek rog shii um ro). **24** Ji-è Joseph sieng srane Ithong pha hamangkhliie è khi-èrek ne yao pha duiine Mery shii awai yiy rek noh. **25** Jishii, ji pha ani agiak sapho ne ai è ji pha Mery rog shii ò amen ro. Chiih-è Joseph è aishii Isu rone beng.

2 Isu ne Juda pha Bethlehem thawun shii Herod è saja khoh ne rai ramuii shii giak. Khthiie ji pha idoh shii, giak branthek hanyie yi dadiangthek gayiig rek pho, bichiu è Jerusalem hà wuii thog **2** ne sai, “Jewthek pha saja rek ruii pha ani giak pha ji ne khi hà lei? Gathek è airo dadiang ne bichiu è ichiih shii chuang thog pha doh dun ro, jiè gathek de aishii misiasia pha ichiih shii wuii ro.” **3** Herod saja è ji pha chiang yoi mage shii duhug rey dun, chiih-è Jerusalem hà rai pho de zab duhug rey dun. **4** Herod è khama jia pha boh phabithek nane Iphey yua pha masdothek um pho shii male ho srane sai, “Masi ne khi hà giak pha um ga?” **5** “Ji ne Juda pha thawun Bethlehem hà giak ruii phro,” Ithek è chang. Hì ne nyieliieshii chaigthek è zey ro: **6** Juda pha soh Bethlehem, hà chiih-è Juda hà khama boh rajan um pha ji re-è chiih-è ìu rey sapho nyie chiang oi ro; nyieliieshii na è dumuii jia wuii ruii phro hanyie è guro branthek Israel pho shii gayiig rek ruii phro. **7** Ji-è, Herod saja ne bichiu è wuii pho shii ug srane male ho srane ne dadiang dong pha isbang ishak ji nathek è thieg. **8** Jipha idoh ai è nathek bichiu è wuii pho shii hì pha muyuathek rog shii Bethlehem thoh ge: “Wuii srane ji pha ani shii gayiig ne sow bo, nathek è aishii doh mage shii, gu shii de thieg yi bo, jiè gu de aishii wuii srane misiasia mua.” **9** Chiih-è ithek ne dun dun. Din ne nathek bichiu hà doh pha dadiang ji ne dinne doh din. Ithek ji doh mage shii, ithek ne khama sang dun, ithek ne bajo lised dun! Ji ne ithek è ibi wuii ne ani um pha lakhung shii thung dun. **11** Ithek è ji pha ani giak pha hò bucho khud ne ani yi awai amuii Mery rog shii iang pha doh mage shii, ithek ne lagiung niing srane aishii misiasia. Ithek è awaithek ro san, bisikho nane remnow pha mana chiih-è lasen yi ji pha ani shii phi marui. **12** Jipha idoh ithek ne gai lumuii è dong ne awaithek soh hà dun dun. Nyieliieshii, Hamangkhung-aphuii è ithek shii Herod shii idoh adun rabo ne ibang shii bang ne phriie. **13** Ithek dun ched pha idoh shii, Ithong pha hamangkhliie è Joseph ibang shii yao, “Herod ne ani ji ua pha sow ramuii ro, ani nane ai amuii shii noh ne Egyph thiig hà yo ne rai mage bo, nashii aho sbo ne thiisa rai bo.” **14** Joseph sieng srane ji pha ani nane ai amuii shii noh srane habiu dang shii Egyph thiig hà yodun. **15** Ai è thiichiih shii Herod a-iy ba sapho thogdang pha rai marui. Hìthek rey pha ji è Ithong è khi-èrek ne chaig pho è yaojong pha ji izai

Матей

1 Родословието на Исуса Христа, син на Давида, син на Авраама. **2** Авраам роди Исаак; Исаак роди Якова; Яков роди Юда и братята му; **3** Юда роди Фареса и Зара от Тамар; Фарес роди Есрона; Есрон роди Арама; **4** Арам роди Аминадава; Аминадав **5** Салмон роди Вооза от Рахав; Вооз роди Овида от Рут; Овид роди Есея; **6** а Есей роди цар Давида; цар Давид роди Соломона от Уриевата жена; **7** Соломон роди Ровоама; Ровоам роди Авия; Авия роди Аса; **8** Аса роди Йосафата; Йосафат роди Йорама; Йорам роди Озия; **9** Озия роди Йотама; Йотам роди Ахаза; Ахаз роди Езекия; **10** Езекия роди Манасия; Манасия роди Амона; Амон роди Йосия; **11** а Йосия роди Ехония и братята му във времето на преселението във Вавилон. **12** А след преселението във Вавилон, Ехония роди Салатиила; Салатиил роди Зоровавела; **13** Зоровавел роди Авиуда; Авиуд роди Елиаким; Елиаким роди Азора; **14** Азор роди Садока; Садок роди Ахима; Ахим роди Елиуда; **15** Елиуд роди Елеазара; Елеазар роди Матана; Матан роди Якова; **16** а Яков роди Йосифа, мъжа на Мария, от която се роди Исус, Който се нарича Христос(Помазаник или Месия.) **17** И така, всичките родове от Авраама до Давида са четиринадесет; от Давида до преселението във Вавилон, четиринадесет рода; и от преселението във Вавилон до Христа, четиринадесет рода. **18** А рождението на Исуса Христа(Помазаника) беше така: след като бе сгодена майка Му Мария за Йосифа, преди да бяха се съединили тя се намери непразна от Святия Дух. **19** А мъжът й Йосиф, понеже беше праведен, а пък не искаше да я изложи, намисли да я напусне тайно. **20** Но, когато мислеше това, ето, ангел от Господа му се яви насъне и каза: Йосифе, сине Давидов, не бой се да вземеш жена си Мария; защото зачнатото в нея е от Святия Дух. **21** Тя ще роди син, и ще Му наречеш името Исус(Спасител); защото Той ще спаси людете Си от греховете им. **22** А всичко това стана за да се сбъдне реченото от Господа чрез пророка, който казва: **23** "Ето девицата ще зачне и ще роди син; и ще му нарекат името Емануил" (което значи, Бог с нас). **24** И тъй, Йосиф, като стана от сън, стори както му заповяда ангелът от Господа и взе жена си; **25** но не я познаваше докато тя роди [първородния си] син; и нарече Му името Исус.

2 А когато се роди Исус във Витлеем Юдейски, в дните на цар Ирода, ето, мъдреци от изток пристигнаха в Ерусалим. **2** И казаха: Къде е Юдейският цар, който се е родил? Защото видяхме звездата Му на изток, и дойдохме да Му се поклоним. **3** Като чу това Ирод, смути се, и цял Ерусалим се него. **4** Затова събра всички народни главни свещеници и книжници и ги разпитваше, къде трябваше да се роди Христос. **5** А те му казаха: Във Витлеем Юдейски, защото така е писано чрез пророка: **6** "И ти, Витлееме, земьо Юдова, никак не си най-малък между Юдовите началства, защото от тебе ще произлезе Вожд; Който ще бъде пастир на Моя народ Израил". **7** Тогава Ирод повика тайно мъдреците и внимателно научи от тях времето, когато се е явила звездата. **8** И като ги изпрати във Витлеем, каза им: Идете, разпитайте внимателно за детето; и като Го намерите, известете ми, за да ида и аз да Му се поклоня. **9** А те, като изслушаха царя, тръгнаха си; и, ето, звездата, която бяха видели на изток, вървеше пред тях, докато дойде и спря над мястото където беше детето. **10** Като видяха звездата, зарадваха се твърде много. **11** И като влязоха в къщата, видяха детето с майка Му Мария, паднаха и Му се поклониха; и отваряйки съкровищата си принесоха Му дарове, **12** И понеже им се откри от Бог насъне да се не връщат при Ирода, те си отидоха през друг път в своята страна. **13** А след отиването им, ето, ангел от Господа се явява насъне на Йосифа и казва: Стани, вземи детето и майка Му, и бягай в Египет, и остани там докато ти река, защото Ирод ще потърси детето за да Го погуби. **14** И тъй, той стана, взе детето и майка Му през нощта и отиде в Египет, **15** където остана до Иродовата смърт; за да се сбъдне реченото от Господа чрез пророка, който казва: "От Египет повиках Сина Си". **16** Тогава Ирод, като видя, че беше подигран от мъдреците, разяри се твърде много, и прати да погубят всичките мъжки младенци във Витлеем и във всичките му околности, от две години и по-долу, според времето, което внимателно бе изучил от мъдреците. **17** Тогава се изпълни реченото от пророк Еремия, който казва: **18** "Глас се чу в Рама, плач и писък и голямо ридание; Рахил оплакваше чадата си, и не искаше да се утеши, защото ги няма вече". **19** А като умря Ирод, ето ангел от Господа се явява насъне на Йосифа в Египет и казва: **20** Стани, вземи детето и майка Му, и иди в Израелевата земя; защото измряха ония, които искаха живота на детето. **21** И тъй той стана, взе детето и майка Му, и дойде в Израелевата земя. **22** Но като чу, че над Юдея царувал Архелай, наместо баща си Ирода, страхуваше се да иде там; и, понеже му бе открито от Бога насъне, оттегли се в Галилейските страни, **23** дойде и се засели в един град наречен Назарет; за да се сбъдне реченото чрез пророците, че ще се нарече Назарей.

Lucas

1 Á cána que sares han penchabado chibar de pacuaró a narracion es buchías que andré amángue han sinado quereladas. **2** Sásta junos as penáron á amángue sos desde o principio as diqueláron sa' desquerias aquías, y sináron ministres e varda. **3** Pre o matéjo ha parecido lachó á mángue, despues de orotar mistós sasta se las quereláron desde o principio, libanartelas de pacuaró, ó baro Theophilo. **4** Somia que pincharéles a chachipen de ocolas buchías andré que has sinado instruido. **5** Sinaba andré os chibéses de Herodes, Crállis de Judea; yeque erajai, sos se hetó Zacharias, e baji de Abías, y desqueri romi es dugidas de Aaron, y o nao de ocóna Elisabeth. **6** Y sinaban os dui lachés anglal de Debél, pirando bi grecos andré os sares mandamientos y eschastras e Erañoró. **7** Y na terelaban chaboro, presas Elisabeth sinaba estéril, y os dui chalados dur andré sus chibéses. **8** Y anacó que querelando Zacharias desquero ministerio anglal de Debél andré o orden de desqueri begai, **9** Segun o costumbre es erajais, sicabó por desquerí baji á chibar o incienso, chalando andré a cangri e Erañoró. **10** Y os hambés catanés sinaban abrí manguelando á Un-debél á la ocana e incienso. **11** Y dicó al Manfariel e Erañoró, sinando en pindré á la bastarí e altar e incienso. **12** Y Zacharias al dicarle cangueló, y peró dal opré ó. **13** Tami o Manfariel le penó: Na darañeles Zacharias, presas tirias ocanagimias han sinado juneladas: y tiri romi Elisabeth chindará á tucue yeque chaboro, y araquelarás desquero nao Juan. **14** Y terelarás pesquital y alegría, y se asaselarán baribustres manuces andré desquero nacimiento. **15** Presas sinará haro anglal o Erañoró; y na piyará mol ni peñacoró, y sinará perelaló e Peniche desde as poriás de sun dai. **16** Y á baribústres es chabores de Israel querelará limbidiar al Erañó, o Debél de junós. **17** Presas ó chalará anglal de ó sa' la suncai y sila de Elias, somia querelar limbidiar os carlochines es batuces á os chabores, y os sos na pachibélan al drun es majarés, somia preparar al Erañó una sueti perfecta. **18** Y penó Zacharias al Manfariel: ¿en que pincharé ocóno? presas menda sinelo puró, y minri romí sinela dur andré desqueres chibéses. **19** Y rudeló o Manfariel y penó: sinelo Gabriel, sos asisto anglal de Debél: y sinelo bichabado á penarte, y á lanarte ocóna nueva lachi. **20** Y tucue sinarás musilé, y no astisararás chamuliar disde o chibés andré sos ocóno sinará querelado, presas na pachibelaste á minrias vardas, sos se cumplirán á sun chiros. **21** Y os manuces sinaban ujarando á Zacharias: y os sares zibaban de que tasiabase ó andré a cangri. **22** Y pur se sicobó abrí, na les astisaraba chamuliar; y chaneláron que habia dicado buchí andré a cangri, y ó lo penó por simaches, y sinaba musilé. **23** Y pur sináron cumplidos os chibéses de desquero ministerio, se chaló á su quer. **24** Y á la anda de ocónos chibéses se dicó cambri Elisabeth a romi de ó, y sinaba escondida pansch chonos, penando: **25** Presas o Erañó me ha querelado ocono andré os chibéses, en que penchabó á nicabar minrio oprobio de enré os manuces. **26** Y al zobio chonos o Manfariel Gabriel sinaba bichabado de Debél á yeque foros de Galiléa, sos se hetó Nazareth, **27** A yeque bedori romandiñada sat manu, sos se hetó Joseph, e quer de David, y o nao e bedori sinaba Maria. **28** Y pur chaló o Manfariel andré, anduque sinaba, penó: Un-debél te diñele golipén, perelali de gracia: O Erañó con tucue: Majari tucue enré as cadchiás. **29** Y pur siró juneló ocono, se darañó sat as vardas de ó, y penchababa, que salutacion sinaba ocola. **30** Y o Manfariel le penó: na cangueles Maria, presas has alachado gracia anglal de Debél. **31** He acoi concebirás andré tiro chepo, y chindarás chaboro, y araquerarás desquero nao Jesus. **32** Ocóla sinará baro, y sinará araquerado chaboro e Udscho, y le diñará Un-debél Erañó o throno de David desquero batu; **33** y sinará Crallis deltó andré o quer de Jacob. Y desquero chim na terelará anda. **(aiōn g165)** **34** Y penó Maria al Manfariel: ¿Sasta sinará, ocono? y menda na pincharelo manu. **35** Y rudelando o Manfariel, penó: se bestelará opré tucue, y te querelará sombra a sila e Udscho. Y por ocono o Majaro, sos se chindará de tucue, sinará araquerado Chaboro de Debél. **36** Y Elisabeth tiri cachicálli siró tambien sinela cambri de yeque chaboro, sinando puri: y ocono sinela o zobio chonos de siró, sos sinela araquerada a esteril. **37** Presas na sinela chi n'astis para Un-debél. **38** Y penó Maria: Menda a lacrí e Erañoró, querelese andré mangue segun tiri varda. Y se chaló o Manfariel. **39** Y andré ocolas chibéses se ardiñó Maria y chaló al bur, á yeque foros e chim de Judá. **40** Y chaló andré o quer de Zacharias, y saludisaró á Elisabeth. **41** Y pur Elisabeth juneló a salutacion de Maria, o chinoró diñó saltos andré desquero trupo: y sinaba Elisabeth perelalí e Peniche. **42** Y diñó yeque gole y penó: Majari tucue andré as cadchiás, y majaró o mibao e tiro trupo. **43** De duque sinela ocono á mangue, que a Dai e minrio Erañó abillela á mangue? **44** Presas yescotria que bigoreó a varda de tiri salutacion á

Mateo

1 Ang basahon sa talaan sa kaliwatan ni Jesu-Cristo nga
anak ni David nga anak ni Abraham. **2** Si Abraham ang
amahan ni Isaac, ug si Isaac ang amahan ni Jacob, ug si
Jacob ang amahan ni Juda ug sa iyang mga igsoon. **3** Si
Juda ang amahan ni Perez ug ni Zerah pinaagi kang Tamar, si
Perez ang amahan ni Hezron, ug si Hezron ang amahan ni
Ram. **4** Si Ram ang amahan ni Amminadab, ug si Amminadab
ang amahan ni Nahshon, ug si Nahshon ang amahan ni
Salmon. **5** Si Salmon ang amahan ni Boaz pinaagi kang
Rahab, ug si Boaz ang amahan ni Obed pinaagi kang Ruth, si
Obed ang amahan ni Jesse, **6** si Jesse mao ang amahan
ni David ang hari. Si David mao ang amahan ni Solomon
pinaagi sa asawa ni Uriah. **7** Si Solomon ang amahan ni
Rehoboam, ug si Rehoboam ang amahan ni Abijah, si Abijah
ang amahan ni Asa. **8** Si Asa ang amahan ni Jehoshafat, si
Jehoshafat ang amahan ni Joram, ug si Joram ang amahan ni
Uzziah. **9** Si Uzziah ang amahan ni Jotham, si Jotham ang
amahan ni Ahaz, ug si Ahaz ang amahan ni Hezekiah. **10**
Si Hezekiah ang amahan ni Manasseh, si Manasseh ang
amahan ni Amon, ug si Amon ang amahan ni Josiah. **11** Si
Josiah ang amahan ni Jechoniah ug sa iyang mga igsoon sa
panahon sa pagbiya ngadto sa Babilonia. **12** Ug human sa
pagbiya ngadto sa Babilonia, si Jechoniah ang amahan ni
Shealtiel, si Shealtiel mao ang kaliwat ni Zerubbabel. **13** Si
Zerubbabel ang amahan ni Abiud, si Abiud ang amahan ni
Eliakim, ug si Eliakim ang amahan ni Azor. **14** Si Azor ang
amahan ni Zadok, si Zadok ang amahan ni Achim, si Achim
ang amahan ni Eliud. **15** Si Eliud ang amahan ni Eleazar, si
Eleazar ang amahan ni Matthan, ug si Matthan ang amahan ni
Jacob. **16** Si Jacob ang amahan ni Jose nga bana ni Maria,
pinaagi kaniya natawo si Jesus, nga gitawag ug Cristo. **17**
Ang tanang kaliwatan gikan kang Abraham ngadto kang David
kay napulo ug upat ka kaliwatan, gikan kang David hangtod sa
pagbiya ngadto sa Babilonia napulo ug upat ka kaliwatan, ug
gikan sa pagbiya ngadto sa Babilonia hangtod kang Cristo
napulo ug upat ka kaliwatan. **18** Ang pagkatawo ni Jesu-
Cristo nahitabo niining mosunod nga paagi. Ang iyang inahan,
si Maria, kaslonon ngadto kang Jose, apan sa wala pa sila
nagkahiusa, nakaplagan nga siya buntis pinaagi sa Balaang
Espiritu. **19** Ang iyang bana, si Jose, usa ka matarong nga
tawo, apan dili niya buot nga pakaulawan siya sa kadaghanan.
Mao nga nakahukom siya nga taposon sa hilom ang iyang
pagpakasal kaniya. **20** Samtang naghunahuna siya niining
mga butanga, ang anghel sa Ginoo nagpakita kaniya sa
damgo, nga nag-ingon, "Jose, anak ni David, ayaw kahadlok
sa pagpangasawa kang Maria, kay ang gipanamkon niya
gipanamkon pinaagi sa Balaang Espiritu. **21** Manganak siya
ug usa ka anak nga lalaki, ug tawgon nimo ang iyang ngalan
nga Jesus, kay iyang luwason ang iyang katawhan gikan sa
ilang mga sala." **22** Kining tanan nahitabo aron matuman kung
unsa ang gisulti sa Ginoo pinaagi sa propeta, nga nag-ingon,
23 "Tan-awa, ang ulay manamkon ug manganak ug anak nga
lalaki, ug tawgon nila ang iyang ngalan nga Immanuel"—nga
ang buot ipasabot, "Ang Dios uban kanato." **24** Si Jose nimata
gikan sa iyang pagkatulog ug gibuhat ang gimando sa anghel
sa Ginoo kaniya ug gikuha niya siya ingon nga iyang asawa.
25 Bisan pa niini, wala siya natulog uban kaniya hangtod nga
nanganak siya ug usa ka anak nga lalaki. Ug iyang gitawag
ang iyang ngalan nga Jesus.

2 Human matawo si Jesus sa Betlehem sa Judea sa panahon
ni Herodes nga hari, ang maalamon nga mga tawo gikan
sa sidlakan nangabot sa Jerusalem nga nag-ingon, **2** "Diin
man siya nga natawo nga Hari sa mga Judio? Kami nakakita
sa iyang bituon sa sidlakan ug mianhi aron sa pagsimba
kaniya." **3** Sa dihang si Herodes nga hari nakadungog niini,
siya nabalaka, ug ang tibuok Jerusalem uban kaniya. **4** Si
Herodes nagpatawag sa tanan nga mga pangulong pari ug
mga eskriba sa katawhan, ug siya nangutana kanila, "Diin man
ang Cristo matawo?" **5** Sila miingon kaniya, "Sa Betlehem
sa Judea, tungod kay mao kini ang gisulat sa propeta, **6**
'Ug ikaw, Betlehem, sa yuta sa Juda, dili labing ubos taliwala
sa mga pangulo sa Juda, kay gikan kanimo moabot ang
usa ka magmamando nga maoy magbalantay sa akong mga
katawhan nga Israel.'" **7** Unya si Herodes sa hilom gipatawag
ang maalamon nga mga tawo aron sa pagpangutana kanila sa
tukma kung unsa nga takna ang bituon nagpakita. **8** Siya
nagpadala kanila sa Betlehem, nga nag-ingon, "Lakaw ug
pangitaa ug maayo ang bata. Sa dihang inyo na siyang makita,
padad-i ako ug pulong, aron ako usab moadto ug mosimba
kaniya." **9** Human nila madungog ang hari, miadto sila sa ilang
dalan, ug ang bituon nga ilang nakita sa sidlakan miuna kanila
hangtod miabot kini ug nagpatungod kung asa dapit ang bata.
10 Sa dihang nakita nila ang bituon, nagmaya sila uban sa
dakong kalipay. **11** Sila miadto sa balay ug nakita ang bata
uban ni Maria nga iyang inahan. Sila miyukbo ug nagsimba
kaniya. Giablihan nila ang ilang mga bahandi ug naghalad
kaniya ug mga gasa nga bulawan, insenso, ug mira. **12** Ang
Dios nagpahimangno kanila diha sa damgo nga dili mobalik
kang Herodes, busa mibiya sila ngadto sa ilang kaugalingong
nasod agi sa lahi nga dalan. **13** Human sila mibiya, ang
anghel sa Ginoo nagpakita kang Jose diha sa damgo ug
miingon, "Bangon, dad-a ang bata ug ang iyang inahan, ug
ikyas paingon sa Ehipto. Pabilin didto hangtod nga mosulti ako
kanimo, tungod kay pangitaon ni Herodes ang bata aron sa
paglaglag kaniya." **14** Nianang gabhi-ona si Jose mibangon
ug gikuha ang bata ug ang iyang inahan ug mibiya padulong
sa Ehipto. **15** Siya nagpabilin didto hangtod sa kamatayon
ni Herodes. Kini katumanan kung unsa ang gisulti sa Ginoo
pinaagi sa propeta, "Gikan sa Ehipto gitawag ko ang akong
anak nga lalaki." **16** Unya si Herodes, sa dihang nakita niya
nga gibinuangan siya sa maalamon nga mga tawo, nasuko
pag-ayo. Siya nagpadala ug gipapatay ang tanang batang
lalaki nga anaa sa Betlehem ug sa tibuok niana nga rehiyon
nga nagpanuigon ug duha ka tuig paubos, sumala sa takna
nga iyang nahibaloan gikan sa maalamon nga mga tawo.
17 Unya katumanan kini kung unsa ang gisulti pinaagi kang
propeta Jeremias, **18** "Ang tingog nadungog sa Rama, ang
paghilak ug hilabihan nga pagbangotan, si Raquel naghilak sa
iyang mga anak, ug nagdumili siya nga hupayon, tungod kay
wala naman sila." **19** Sa dihang si Herodes namatay na, tan-
awa, ang anghel sa Ginoo nagpakita sa usa ka damgo kang
Jose didto sa Ehipto ug miingon, **20** "Bangon ug kuhaa ang
bata ug ang iyang inahan ug adto sa yuta sa Israel tungod kay
kadtong nangita sa kinabuhi sa bata patay na." **21** Si Jose
mibangon, gikuha ang bata ug ang iyang inahan, ug miadto
sa yuta sa Israel. **22** Apan sa dihang nadungog niya nga si
Archelus na ang naghari sa Judea sa lugar sa iyang amahan
nga si Herodes, siya nahadlok nga moadto didto. Human ang
Dios nagpahimangno kaniya sa usa ka damgo, ug mibiya siya
paingon sa rehiyon sa Galilea **23** ug miadto ug nagpuyo sa
usa ka siyudad nga gitawag ug Nazaret. Kini katumanan kung

Mateo

1 Mao kini ang listahan sa mga kagikan ni Jesus, ang Mesiyas nga kaliwat ni David. Si David kaliwat ni Abraham.
2 Si Abraham amahan ni Isaac, si Isaac amahan ni Jacob, si
Jacob amahan ni Juda ug sa mga igsoon niya nga lalaki. **3** Si
Juda ang amahan ni Perez ug ni Zera, ug anak niya sila kang
Tamar. Si Perez amahan ni Hezron, si Hezron amahan ni
Aram, **4** si Aram amahan ni Aminadab, si Aminadab amahan
ni Naason, si Naason amahan ni Salmone. **5** Si Salmone
nakapangasawa kang Rahab ug ang ilang anak mao si Boaz.
Si Boaz amahan ni Obed ug ang inahan niini mao si Ruth.
Si Obed amahan ni Jesse, **6** si Jesse amahan ni Haring
David. Si Haring David amahan ni Solomon ug ang iyang
inahan naasawa kaniadto ni Urias. **7** Si Solomon amahan ni
Rehoboam, si Rehoboam amahan ni Abias, si Abias amahan
ni Asa, **8** si Asa amahan ni Jehosafat, si Jehosafat amahan
ni Joram, si Joram amahan ni Uzias, **9** si Uzias amahan
ni Jotam, si Jotam amahan ni Ahaz, si Ahaz amahan ni
Ezequias, **10** si Ezequias amahan ni Manases, si Manases
amahan ni Amos, si Amos amahan ni Josias, **11** ug si
Josias amahan ni Jeconias ug sa mga igsoon niya nga lalaki.
Niadtong panahona nga nabihag ang mga taga-Israel ngadto
sa Babilonia. **12** Human nabihag ang mga taga-Israel ngadto
sa Babilonia, mao kini ang kagikanan ni Jesus: si Jeconias
amahan ni Sealtiel, si Sealtiel amahan ni Zerubabel, **13** si
Zerubabel amahan ni Abiud, si Abiud amahan ni Eliakim,
si Eliakim amahan ni Azor, **14** si Azor amahan ni Sadok,
si Sadok amahan ni Akim, si Akim amahan ni Eliud, **15** si
Eliud amahan ni Eleazar, si Eleazar amahan ni Matan, si
Matan amahan ni Jacob, **16** ug si Jacob amahan ni Jose
nga bana ni Maria. Si Maria mao ang inahan ni Jesus nga
gitawag nga Mesiyas. **17** Busa adunay napulo ug upat nga
mga henerasyon ang tanan nga nalista sukad kang Abraham
hangtud kang David. Ug adunay lain nga napulo ug upat nga
mga henerasyon gikan kang David hangtud sa panahon sa
pagkabihag sa mga taga-Israel ngadto sa Babilonia. Gikan
sa pagkabihag nila adunay napulo ug upat pa gayod ka
mga henerasyon hangtud sa Mesiyas. **18** Ingon niini ang
sugilanon sa pagkatawo ni Jesus, ang Mesiyas: Si Maria nga
iyang inahan kaslonon na kang Jose. Apan sa wala pa sila
mahiusa namatikdan ni Maria nga mabdos na siya pinaagi sa
gahom sa Espiritu Santo. **19** Si Jose nga iyang pamanhonon
usa ka matarong nga tawo ug dili siya buot nga maulawan
si Maria. Busa nakahuna-huna siya sa pagpakibulag kang
Maria sa hilom. **20** Apan samtang namalandong si Jose
niini, mitungha kaniya pinaagi sa damgo ang anghel sa
Ginoo ug miingon, "Jose, kaliwat ni David, ayaw kahadlok sa
pagpangasawa kang Maria, kay nagmabdos siya pinaagi sa
Espiritu Santo. **21** Manganak siyag lalaki ug nganlan mo
siyag Jesus, kay luwason niya ang iyang katawhan gikan sa
ilang mga sala." **22** Nahitabo kini aron matuman ang giingon
sa Ginoo pinaagi sa propeta nga nag-ingon, **23** "Magmabdos
ang usa ka dalagang putli, ug manganak siyag usa ka bata
nga lalaki. Ug ang maong bata pagatawgon nga Emmanuel"
(nga ang buot ipasabot, "Ang Dios uban kanato"). **24** Busa
sa pagmata ni Jose gituman niya ang giingon kaniya sa
anghel sa Ginoo, ug gipangasawa niya si Maria. **25** Apan
wala siya makighilawas kang Maria hangtud wala pa kini
manganak. Sa dihang nanganak na si Maria, ginganlan ni
Jose ang bata ug Jesus.

2 Natawo si Jesus sa Betlehem nga sakop sa Judea sa panahon nga si Herodes mao ang hari. Adunay miabot
nga mga tawong maalamon sa Jerusalem gikan sa sidlakan.
2 Nangutana sila, "Asa ba natawo ang hari sa mga Judio?
Nakita namo ang iyang bitoon didto sa sidlakan, busa mianhi
kami dinhi aron sa pagsimba kaniya." **3** Sa pagkadungog
niini ni Haring Herodes, nakulbaan siya, ingon man ang
tanang mga tawo sa Jerusalem. **4** Busa gipatawag niya
ang tanan nga kadagkoan sa mga pari ug mga magtutudlo
sa Kasugoan, ug nangutana siya kanila kon asa matawo
ang Mesiyas. **5** Ug sila miingon kaniya, "Didto sa Betlehem
nga sakop sa Judea, kay mao man kini ang gisulat sa
usa ka propeta: **6** "'Ikaw, Betlehem, sa yuta sa Juda, dili
ikaw ang importante sa mga lungsod sa Juda; kay diha
kanimo maggikan ang pangulo nga mahimong magbalantay
sa akong mga katawhan nga mao ang Israelinhon.'" **7** Sa
dihang nadungog kini ni Herodes, gipatawag niya sa hilom
ang mga maalamon nga gikan sa sidlakan ug gipangutana
niya sila kon kanus-a mipakita ang bitoon nga ilang nakita.
8 Unya gitugotan niya sila nga moadto sa Betlehem. Ug
miingon, "Lakaw kamo ug pangitaa ninyo ang bata. Ug kon
makita na ninyo siya, pahibaloa ninyo ako, aron makaadto
usab ako ug makasimba kaniya." **9** Human nila madungog
ang giingon sa hari, nanglakaw sila. Samtang naglakaw sila
nakita nila pag-usab ang bitoon nga nakita nila sa sidlakan
ug nalipay gayod sila. Nag-una kanila ang bitoon hangtod sa
dapit nga nahimutangan sa bata. **11** Unya nakaplagan nila
ang balay. Pagsulod nila sa balay, nakita nila ang bata uban
ang inahan niini nga si Maria. Nangluhod sila ug misimba sa
bata. Giablihan nila ang ilang bililhon nga mga gasa nga
bulawan, insenso, ug mira ug gihalad ngadto sa bata. **12** Sa
pagpauli nila nangagi sila sa laing dalan kay gipahimangnoan
man sila sa Dios pinaagi sa damgo nga dili na sila mobalik
kang Herodes. **13** Sa dihang nanglakaw na ang mga tawo
nga gikan sa sidlakan, nagpakita ang anghel sa Ginoo kang
Jose pinaagi sa damgo ug miingon, "Bangon, dad-a ang bata
ug ang iyang inahan ug pag-ikyas kamo sa Ehipto. Didto lang
una kamo hangtod nga moingon ako nga makabalik na kamo,
kay pangitaon ni Herodes ang bata aron patyon." **14** Busa
niadto dayong gabhiona, mibangon si Jose ug gidala niya
ang bata ug ang inahan niini ngadto sa Ehipto. **15** Mipuyo
sila didto hangtod nga namatay si Herodes. Nahitabo kini
aron matuman ang giingon sa Ginoo pinaagi sa propeta nga
nag-ingon, "Gitawag ko ang akong anak gikan sa Ehipto." **16**
Sa dihang nahibaloan ni Herodes nga gilimbongan siya sa
mga tawo nga gikan sa sidlakan, napungot siya pag-ayo.
Busa mimando siya nga pamatyon ang tanang bata nga
lalaki sa Betlehem ug sa palibot niini, nga nag-edad ug duha
ka tuig paubos. Kay sumala sa iyang nahibaloan gikan sa
mga tawo nga naggikan sa sidlakan, mga duha na ka tuig
ang nakalabay sukad sa ilang pagkakita sa bitoon. **17** Sa
maong hitabo natuman ang panagna ni Propeta Jeremias
nga nag-ingon: **18** "Madungog ang paghilak ug pagminatay
sa lungsod sa Rama. Gahilak si Raquel tungod sa iyang
mga anak, ug wala gayoy makahupay sa iyang kasubo kay
nangamatay ang iyang kabataan." **19** Unya, sa dihang patay
na si Herodes, nagpakita ang anghel sa Ginoo kang Jose

Mateo

1 Ang basahon sa kagikanan ni Jesu-Cristo, nga anak ni
David, nga anak ni Abraham. **2** Si Abraham mao ang
amahan ni Isaac, ug si Isaac ang amahan ni Jacob, ug si Jacob
ang amahan nila ni Juda ug sa iyang mga igsoong lalaki, **3** ug
si Juda ang amahan nila ni Fares ug ni Zara nga gianak ni
Tamar, ug si Fares ang amahan ni Esrom, ug si Esrom ang
amahan ni Ram, **4** ug si Ram ang amahan ni Aminadab, ug si
Aminadab ang amahan ni Naason, ug si Naason ang amahan
ni Salmon, **5** ug si Salmon ang amahan ni Boez nga gianak ni
Racab, ug si Boez ang amahan ni Obed nga gianak ni Rut, ug
si Obed ang amahan ni Jese, **6** ug si Jese ang amahan ni
David nga hari. **7** ug si Salomon ang amahan ni Roboam, ug si
Roboam ang amahan ni Abias, ug si Abias ang amahan ni Asa,
8 ug si Asa ang amahan ni Josafat, ug si Josafat ang amahan
ni Joram, ug si Joram ang amahan ni Ozias, **9** ug si Ozias
ang amahan ni Joatam, ug si Joatam ang amahan ni Acaz,
ug si Acaz ang amahan ni Ezequias, **10** ug si Ezequias ang
amahan ni Manases, ug si Manases ang amahan ni Amos, ug
si Amos ang amahan ni Josias, **11** ug si Josias ang amahan
nila ni Jeconias ug sa iyang mga igsoong lalaki, sa panahon sa
paglalin kanila ngadto sa Babilonia **12** Ug tapus sa paglalin
kanila ngadto sa Babilonia: si Jeconias mao ang amahan ni
Salatiel, ug si Salatiel ang amahan ni Zorobabel, **13** ug si
Zorobabel ang amahan ni Abiud, ug si Abiud ang amahan ni
Eliaquim, ug si Eliaquim ang amahan ni Azor, **14** ug si Azor
ang amahan ni Sadoc, ug si Sadoc ang amahan ni Aquim, ug
si Aquim ang amahan ni Eliud, **15** ug si Eliud ang amahan
ni Eleazar, ug si Eleazar ang amahan ni Matan, ug si Matan
ang amahan ni Jacob, **16** ug si Jacob ang amahan ni Jose,
nga bana ni Maria nga mao ang nanganak kang Jesus nga
ginatawag ug Cristo. **17** Busa ang tanang kaliwatan sukad
kang Abraham hangtud kang David, napulog-upat ka kaliwatan;
ug sukad kang David hangtud sa paglalin kanila ngadto sa
Babilonia, napulog-upat ka kaliwatan; ug sukad sa paglalin
kanila ngadto sa Babilonia hangtud kang Cristo, napulog-upat
ka kaliwatan. **18** Ug ang pag-anak kang Jesu-Cristo nahitabo
sa ingon niini nga kaagi: Sa diha nga ang iyang inahan nga si
Maria kaslonon pa kang Jose, sa wala pa sila mag-usa, siya
hingkaplagan nga nagsamkon pinaagi sa Espiritu Santo; **19** ug
si Jose nga iyang bana, sanglit tawo man siyang matarung ug
dili buot magpakaulaw kaniya, nakahunahuna sa pagpakigbulag
kaniya sa hilum. **20** Apan sa nagpalandong siya sa pagbuhat
niini, tan-awa, usa ka manolunda sa Ginoo mitungha kaniya
pinaagi sa damgo ug miingon, "Jose, anak ni David, ayaw
pagpanuko sa pagpangasawa kang Maria, kay kanang iyang
gisamkon gikan sa Espiritu Santo. **21** Ug igaanak niya ang usa
ka bata nga lalaki, ug siya imong paganganlan si Jesus, kay
siya mao man ang magaluwas sa iyang katawhan gikan sa
ilang mga sala." **22** Kining tanan nahitabo tuman sa gisulti sa
Ginoo pinaagi sa profeta, nga nag-ingon: **23** "Tan-awa, usa ka
birhin magasamkon ug magaanak sa usa ka bata nga lalaki, ug
ang iyang ngalan pagatawgon Emanuel" (nga ang kahulogan
mao kini: Ang Dios uban kanato). **24** Ug sa pagbangon ni Jose
gikan sa pagkatulog, nagbuhat siya sumala sa gisugo kaniya
sa manolunda sa Ginoo; nangasawa siya kaniya, **25** apan wala
siya makigduol kaniya hangtud gikaanak niya ang usa ka bata
nga lalaki, nga iyang ginganlan si Jesus.

2 Ug sa gikaanak na si Jesus didto sa Betlehem sa Judea
sa mga adlaw ni Herodes nga hari, tan-awa, dihay mga
mago gikan sa Sidlakan nga miabut sa Jerusalem, nga nanag-
ingon, **2** "Hain ba ang gianak nga hari sa mga Judio? Kay
nakita namo ang iyang bitoon didto sa Sidlakan, ug nanganhi
kami aron sa pagsimba kaniya." **3** Sa pagkadungog niini ni
Herodes nga hari, siya nakulbaan ug ang tibuok Jerusalem
uban kaniya; **4** ug sa natigum niya ang tanang mga sacerdote
nga punoan ug mga escriba sa katawhan, siya nangutana
kanila kon asa igaanak ang Cristo. **5** "Ug sila miingon kaniya,
" Sa Betlehem sa Judea, kay mao man kini ang nahisulat
pinaagi sa profeta, nga nag-ingon: **6** `Ug ikaw, O Betlehem,
sa yuta sa Juda, sa pagkatinuod dili mao ang labing diyutay
sa mga punoan sa Juda; kay gikan kanimo mogula ang usa
ka punoan nga mao ang magabuot sa akong katawhan nga
Israel.' **7** Ug sa tago gipatawag ni Herodes ang mga mago, ug
gikan kanila iyang nasayran ang panahon kanus-a mipakita
ang bitoon. **8** Ug gisugo niya sila sa pag-adto sa Betlehem,
nga nag-ingon, "Adtoa ug pangitaa ninyo pag-ayo ang bata,
ug sa makaplagan na ninyo siya, balitai ako ninyo aron ako
usab moadto sa pagsimba kaniya." **9** Sa pagkadungog nila
sa hari, sila nanglakaw; ug tan-awa, ang bitoon nga ilang
nakita didto sa Sidlakan nag-una kanila hangtud sa pag-abut
niini nga mihunong sa ibabaw sa dapit nga nahimutangan sa
bata. **10** Ug sa pagkakita nila sa bitoon, sila nangalipay sa
hilabihan gayud. **11** Ug sa paghisulod na nila sa balay, ilang
nakita ang bata uban kang Maria nga iyang inahan, ug sila
mihapa ug ilang gisimba ang bata. Ug sa naukban nila ang
ilang mga bahandi, ilang gihalaran siyag mga gasa, bulawan
ug incienso ug mirra. **12** Ug sa gikapahimangnoan sila pinaagi
sa damgo sa dili pagbalik kang Herodes, namauli sila nga
nanag-agig laing dalan padulong sa ilang kaugalingong yuta.
13 Ug sa nakalakaw na sila, tan-awa, usa ka manolunda sa
Ginoo mitungha kang Jose pinaagi sa damgo ug miingon
kaniya, "Bumangon ka, dad-a ang bata ug ang iyang inahan,
ug kumalagiw ka ngadto sa Egipto, ug pabilin didto hangtud
ingnon ko ikaw; kay si Herodes mangita na sa bata aron sa
pagpatay kaniya." **14** Ug siya mibangon, ug sa kagabhion
gidala niya ang bata ug ang inahan niini, ug miadto sa Egipto,
15 ug didto nagpabilin hangtud sa pagkamatay ni Herodes.
Kini nahitabo tuman sa giingon sa Ginoo pinaagi sa profeta,
"Gikan sa Egipto gitawag ko ang akong anak." **16** Unya sa
pagkakita ni Herodes nga gilansisan lang diay siya sa mga
mago, siya nasuko sa hilabihan gayud, ug iyang gipaadtoan
ug gipapatay ang tanang mga bata nga lalaki sa Betlehem
ug sa tanang kasikbit niini, nga may kagulangon nga duha
ka tuig ngadto sa ubos, sumala sa gitas-on sa panahon nga
tukma sa iyang nasayran gikan sa mga mago. **17** Ug niadtong
panahona natuman ang gisulti sa profeta nga si Jeremias, nga
nag-ingon: **18** "Usa ka tingog nabati didto sa Rama, hilak ug
makusog nga pagminatay; si Raquel nagdangoyngoy alang
sa iyang mga anak; ug siya dili buot palipay, kay sila wala na
man." **19** Apan sa pagkamatay na ni Herodes, tan-awa, usa
ka manolunda sa Ginoo mitungha kang Jose didto sa Egipto
pinaagi sa damgo, ug miingon kaniya, **20** "Bumangon ka, dad-
a ang bata ug ang iyang inahan uban kanimo, ug umadto ka sa
yuta sa Israel, kay patay na ang mga nanagpangita sa kinabuhi
sa bata." **21** Ug siya mibangon ug iyang gidala ang bata ug
ang inahan niini, ug miadto sa yuta sa Israel. **22** Apan sa
pagkadungog niya nga si Arquelao naghari sa Juda puli sa
iyang amahan nga si Herodes, siya nahadlok sa pagbalik didto,
ug sa napahimangnoan siya pinaagi sa damgo, siya mipahilit
ngadto sa kayutaan sa Galilea. **23** Ug siya miabut ug mipuyo

San Mateo

1 LEBLON y rasan Jesucristo lajin David, lajin Abraham. **2** Si Abraham jalilis si Ysaac; ya si Ysaac jalilis si Jacob; ya si Jacob jalilis si Judas yan y mañeluña. **3** Ya si Judas jalilis, gui as Tamar, si Fares yan si Sara; ya si Fares jalilis si Esrom; ya si Esrom jalilis si Aram; **4** Ya si Aram jalilis si Aminadab; ya si Aminadab jalilis si Naason; ya si Naason jalilis si Salmon; **5** Ya si Salmon jalilis, gui as Rahab, si Boos; ya si Boos jalilis, gui as Rut, si Obed; ya si Obed jalilis si Isai; **6** Ya si Isai jalilis si ray David; ya si ray David jalilis si Salomon ni guinin güiya nii ampmam palaoan Urias; **7** Ya si Salomon jalilis si Roboam; ya si Roboam jalilis si Abias; ya si Abias jalilis si Asa; **8** Ya si Asa jalilis si Josafat; ya si Josafat jalilis si Joram; ya si Joram jalilis si Osias; **9** Ya si Osias jalilis si Joatam; ya si Joatam jalilis si Acas; ya si Acas jalilis si Esequias; **10** Ya si Esequias jalilis si Manases; si Manases jalilis si Amon; ya si Amon jalilis si Josias; **11** Ya si Josias jalilis si Joaquim; si Joaquim jalilis si Jeconias, yan y mañeluña anae manmacone guiya Babilonia. **12** Ya mapos y manmacone guiya Babilonia, si Jeconias jalilis si Salatiel; si Salatiel jalilis si Sorobabel; **13** Ya si Sorobabel jalilis si Abiud; si Abiud jalilis si Eliaquim; si Eliaquim jalilis si Asor; **14** Si Asor jalilis si Sadog; si Sadog jalilis si Achim; si Achim si Eliud; **15** Si Eliud jalilis si Eleasar; si Eleasar jalilis si Matan; si Matan jalilis si Jacob; **16** Si Jacob jalilis si José, asaguan Maria, na finañago si Jesus na mafanaan si Cristo. **17** Enao mina todo y generasion desde as Abraham asta as David, catotse sija na generasion; ya desde as David asta manmacone guiya Babilonia, catotse na generasion; ya desde qui manmacone guiya Babilonia asta as Cristo, catotse na generasion. **18** Y mafañagon Jesucristo taegüine: Y nanaña as Maria, nobian José, antes de ujadaña, güiya esta masoda mapotgue pot y Espiritu Santo. **19** Ya si José asaguaña, sa mauleg na taotao, ti malago pinelo güe gui ninamamajlao, lao malagoña upinelo güe gui secreto. **20** Ya anae jajajaso este, mato para güiya y angjet Señot, anae jagüife gui minaegoña, na ilegña: José, lajin David, chamo maañao na unresibe si Maria asaguamo, sa y gaegue guiya güiya y linilis Espiritu Santo. **21** Ya ufañago un laje ya ufanaan si Jesus; sa güiya unafanlibre y taotaoña nu y isaoñija. **22** Todo sija masusede para umacumple y esta jasangan y Señot pot y profeta, ni ilegña: **23** Estagüe, un vitgen na umapotgue, ya ufañago un laje ya ufanaan si Emanuel, na comoqueilegña na si Yuus gaegue guiya jita. **24** Anae magmata si José gui minaegoña, jafatinas taegüije y tinago y angjet, ya jaresibe y asaguaña. **25** Ya ti matungo asta qui mañago ni lajiña finenana; ya nae y naanña si Jesus.

2 YA mafañago si Jesus guiya Betlehem Judea gui jaanin ray Herodes, estagüe y manfaye na manmato guinin y sancatan para Jerusalem, **2** Ylegñija: mangue y ray Judios, ni mafañago? Sa y estreyasña inlie gui sancatan ya manmatojam para inadoragüe. **3** Ya anae jajungog este, si ray Herodes, inistotba yan todo y taotao Jerusalem locue. **4** Ya anae maagange todo y prinsipen mamale yan y escriba sija güije na tano, manfinaesen mano nae mafañago si Cristo. **5** Sija ilegñija: Iya Betlehem Judea; sa taegüine y munjayan matugue pot y profeta: **6** Ya jago Betlehem, tano Juda, ada ti sendiquique jao gui entalo y prinsipen Juda, sa iya jago nae ujuyong y magalaje, para upasto y taotaojo, Israel. **7** Entonses si Herodes, anae jaagang y manfaye gui secreto, jaquequetungo guiya sija, ngaean y estreyas nae malie. **8** Ya Jatago sija para Betlehem, ilegña: Janao fanmalag ayo guato ya inalula manmamaesen pot y patgon; yaguin esta inseda, insangane yo; ya jufato locue ya juadora güe. **9** Ya anae munjayan jajungog y sinangan ray, manmapos; ya estagüe y estreyas ni y jalie gui sancatan, na mofona gui menañija asta qui mato ya sumaga gui anae estaba y patgon. **10** Anae malie y estreyas, gosdangculo minagofñija. **11** Anae manjalom gui guima, jasoda y patgon yan y nanaña, as Maria, ya mandimo ya maadora; ya mababa y güinajañija ya manae güe: oro, insenso, yan mira. **12** Ya manmasangane pot si Yuus gui güinife, na ti ufanmalag as Herodes, manjanao para y tanoñija gui otro chalan. **13** Ya anae manmapos sija, y angjet y Señot mato gui as José gui güinife, ya ilegña: Cajulo ya uncone y patgon yan si nanaña, ya infanjanao para Egipto, ya infañaga güije, asta qui guajojao sumangane; sa si Herodes jaaligao y patgon para umapuno. **14** Ya cajulo güe, ya jacone y patgon yan si nanaña gui puenge ya manjanao para Egipto; **15** Ya sumaga güije asta que matae si Herodes, sa para umacumple y sinangan y Señot pot y profeta, na ilegña: Iya Egipto nae, juagang y Lajijo. **16** Si Herodes, anae jalie na mamofea güe ni manfaye, gueflalalo ya manago na ufanmapuno todo y famaguon ni guaja guiya Betlehem yan gui todo oriyaña ni dos años sacanñija para papa, jaftaemanoja y tiempo anae ninatungo ni y manfaye. **17** Ayo nae macumple esta, ni y guinin masangan pot y profeta Jeremias,

ꝺꝋꝏ ꝏZʔꝏ ᵲS ꝍꝏꝛW ꝍ ꝺ

1 ꝺD Aꝛꝛᑭ ꝏZʔᵽ ძᐱPWꝍR ʞᑌ SGᐱꝏ, SΘ ꝍꝛʞ, RIᵽH ꝍꝛʞ. **2** RIᵽH RᏏᎽ ꝍSᐱძT; RᏏᎽZ ᐯSᖴ ꝍSᐱძT, ᐯSᖴZძᏏ Dძ ΘꝋᎽ DΘᏏꝍCEGSᐱძT; **3** ძᏏZ ᏩᑭᏏ Dძ 4W EGSᐱძT Ꮟᵴ SΘ٩AΘ4T; ᏩᑭᏏZ TᏏWH ꝍSᐱძT; TᏏWHZ RᑭH ꝍSᐱძT; **4** RᑭHZ RHhᏏᖴ ꝍSᐱძT; RHhᏏᖴZ Θᵻh ꝍSᐱძT; Θᵻh Z ᑌᑭᵴ ꝍSᐱძT; **5** ᑌᑭᵴZ ᐯᏏ ꝍSᐱძT ძᵽΘ ꝍΘ٩AΘ4T; ᐯᏏZ ᔑᏩJ ꝍSᐱძT MᏏ ꝍΘ٩AΘ4T; ᔑᏩJZ ᐯᏏ ꝍSᐱძT; **6** ᐯᏏZSΘ ꝍEΘGᐃ ꝍSᐱძT; SΘZ ꝍEΘGᐃ ᵻᑭᵴꝍ ꝍSᐱძT GWᏫ ꝍᏞBᖴ ꝍΘ٩AΘ4T; **7** ᵻᑭᵴꝍZGᐯᵴ ꝍSᐱძT; GᐯᵴZ RIᏫ ꝍSᐱძT; RIᏫZRᏏ ꝍSᐱძT; **8** RᏏZKᏏI ꝍSᐱძT. KᏏIZKWH ꝍSᐱძT; KWHZ ᔑᑌᏫ ꝍSᐱძT; **9** ᔑᑌᏫZKᏞH ꝍSᐱძT; KᏞHZRᵽᏏ ꝍSᐱძT; RᵽᏏZʔᏏSᏫ ꝍSᐱძT; **10** ʔᏏSᏫZ ᵴΘᏏ ꝍSᐱძT; ᵴΘᏏZ Dϑh ꝍSᐱძT; Dϑh Z KᑌᏫ ꝍSᐱძT; **11** KᑌᏫZ ᐯAΘᏫ Dძ DΘᏞꝍCEGSᐱძT; ΘᐃGᏞJGh ʞΘJᵻSJꝍᏫWᐱT; **12** ᏞJGhZ ΘJᵻSJZꝷ ᐯAΘᏫ ᑌWᏞᔑᑭ ꝍSᐱძT; ᑌWᏞᔑᑭZ ʞWᏫᑭ ꝍSᐱძT; **13** ʞWᏫᑭZ DIᏫJ ꝍSᐱძT, DIᏫJZTWᏫᔑH ꝍSᐱძT; TWᏫᔑHZRᵻ ꝍSᐱძT; **14** RᵻZ 4Vᔑ ꝍSᐱძT; 4VᔑZRᔑH ꝍSᐱძT; RᔑHZTWᏫJ ꝍSᐱძT; **15** TWᏫJZ TᑭRᑌ ꝍSᐱძT; TᑭRᑌZ ᵴᏞh ꝍSᐱძT; ᵴᏞhZ ᐯSᖴ ꝍSᐱძT; **16** ᐯSᖴZKG ꝍSᐱძT, ΘꝋᎽ ᐁᑭ ꝍᑌᏫ ძᵽΘ٩AΘ4 ʞᑌ SGᐱꝏ CZᵽᵻT. **17** ΘꝋᎽZhSꝏ ꝷΘᏞᐱCBR RIᵽH ᐯʔ ΘᐃGᏞᏞძꝍᑌꝏ SΘZ ᐯʔ ꝍꝏᏫJ hSS ꝷΘᏞᐱCB4T; SΘZ ᐯʔ ΘᐃGᏞᑭEGᏞძꝍᑌꝏ ᏞJGhZ ʞΘJᵻSJꝍᏫWᐱ ΘᐃGᏞꝍꝏᏫJ hSS ꝷΘᏞᐱCB4T; ᏞJGhZ ΘᐃGᏞ ʞΘJᵻSJꝍᏫWᐱ ᏞᏞGᏞძꝍᑌꝏ ʞᑌZძSᐱ ΘᐃGᏞ ꝍꝏᏫJ hSS ꝷΘᏞᐱCB4T. **18** ΘꝋᎽZ ᐃD ꝷᑭᏫWhVძ ꝍSꝍ ʞᑌ SGᐱꝏ. ΘꝋᎽ ᔑᑭ ʞᑌ ꝍʞ KG ᏞᏖBᏫJ, DᏖᐯ ʰᏞΘᐯEΘ ᵲ4T, ꝍᐱᑭᐯ SꝷᐯᎫG DᏞꝍV ꝍᏞꝍ ᏏꝷᎽ. **19** KG ΘꝋᎽ Θ ძΘᑦᏫJ ꝍᏞꝍJG ᵲR TGᏫJ, Dძ ᑌSᑭᏫEΘ ᵲR TGᏫJ EhᵲR ꝍSᵻᐃᏫVJᔑ, ꝍSᑭᔑᐯ TBᖴ 6ᏞʞᏫΘh, ꝍᏫᑭ4T. **20** D4Z DᏖᐯ ᐃD ΘꝋᎽ ᑌᏫSDᏞꝍᏏᏫT, EhGᐯ JΘᏎᵽGJᐯᐃ ᔑᵻG ꝍꝍbᖴ EhᵲR ᑌᔑᐱძ DᏫᎽᏞᏫET, ᐃDhSᏫᏫᵲT; KG, SΘ ꝍᏫʞ, LᏫJ CᏫSᑌ ᐃᏫꝍJᔑ Ꮻᑭ CᏞBᏫJ, ΘꝋᎽBZΘ ʞSᐱᑭ SᑌᐯJG DᏞꝍV ꝍᏞꝍbᑌᐃ; **21** Dძ ᏞSΘᑌAΘb DძC, ΘꝋᎽZ ʞᑌ SᐃᏲiᵽ, ძᐯᑭBZ BΘ VᖴᏫSᑌᐃ VᏞJᏞძb ꝍhᏫSꝍCT. **22** ΘꝋᎽZ ᐃDhSJG ᑌᑭᏫWhVძ ꝍVᐃGJᔑ DBᑌRT ᐃD ʞᑌᏫ4 ᔑᵻG DVძᵲᏫᎽ DEJᏫET; **23** EhGᐯ Dᖴ ΘʞBᐃΘ Sᐱᑭᖴ ᵲ4ᏫJ, Dძ ᏞSΘᑌAΘb DძC, ΘꝋᎽZ TᵴᑌRᑭ DZ4ʔᏫJ, ΘꝋᎽ DᐱPWꝍᐃ ᵲR ᐃD ᑌᏫJ SᖴS, ꝍᐱWꝍᐃ TᵲWJVᵽ. **24** KGZ ꝍBC ꝍᑌꝍT JΘᏎᵽGJᐯᐃ ᔑᵻG ꝍᏞGꝍbᖴ ᑌᏫᏫᑌ ᑌᏫ4ᑌ ᑌᖴᐱძT, ꝍᏫꝍᵲᐯ ꝍᏞBᏫJ. **25** Dძ iL GSVi4T Eh ΘΘᑌAΘR TE ᔑ Rᐃ ΘᏫʞ DძC, ʞHZ ϑᴏRT.

2 ʞHZ ꝍSꝍ SSᔑ SSᴌ ძJᔑ, ΘᐃGᏞ ᐯʔ RGᖴ ꝍEΘGᐃ, EhGᐯ ꝍhMᐯ ʞMbᑭH DhSWᎿᵽT ꝍV JΘᑌE TJP ძhG4T, **2** ᐃD ᑌhᏫ4T; ᵽP Θ ძSꝍ ꝍEΘGᐃ DhძbꝍΘᐯᎡS, ᔑᎽAᴌBZ ꝍᐯᑭ ZᖴbJΘᑌE TJP, Dძ ᔑCᏞᐯᑭᏏᏞᐱᎡS. **3** RGᖴZ ꝍEΘGᐃ ꝍᖴSꝍ ΘꝋᎽ, ꝍᏫᑭᐃᏫJ ꝍᏞꝍᏞST, Dძ hSᖴ ʞMbᑭH Dᐱᐃ. **4** SWΘᖴZhSᖴ ᑌhEΘGR DʞᑌDJGᐃ, Dძ BΘ JZᏫWᐱᐃ, SᖴᖴᐱT, ΘᎿᵽꝍSJ ᵲR SGᐱᖴ. **5** ᐃDZ hEGᏫ4ძT; ძJᔑ SSᔑ SSᴌT; ᐃDBZ ᑌGꝍ ꝍᎽᏫW DVძᵲᏫᎽ; **6** Dძ hᐃ SSᔑ SSᴌ ძJᔑ, iLᏫᎽh CᏫJᏫh ᔑᎽ, ʞGᏞϑᏫ ᑌhEΘGR ძJᔑ, hᐃBZ ᏞCᑌAʞ JIᐯᑭ BΘ TbᑭJΘᐱᐯᐃ. **7** ᎿᵽᐯZ RGᖴ ꝍSᑭᖴ ΘSᏫꝍᴌ ΘꝋᎽ DhSWᎿᵽT, ꝏᏫᖴ SᖴJHᐱ TGᐯ ΘꝋᎽ Zᖴb ꝍΘᑌACT. **8** Dძ SꝍᔭS SSᔑ, ᐃD ᑌᏫᏫ4T; TᐯΘ ꝏᏫᖴ ᏫʞᏲS ΘꝋᎽ ꝍᏫJ DᏲᑭ, TGZ

Mateyu

1 Buku lofotokoza za m'bado wa Yesu Khristu mwana wa
Davide, mwana wa Abrahamu: **2** Abrahamu anabereka
Isake, Isake anabereka Yakobo, Yakobo anabereka Yuda
ndi abale ake. **3** Yuda anabereka Perezi ndi Zara,
amene amayi awo anali Tamara. Perezi anabereka
Hezironi, Hezironi anabereka Aramu. **4** Aramu anabereka
Aminadabu, Aminadabu anabereka Naasoni, Naasoni
anabereka Salimoni. **5** Salimoni anabereka Bowazi
amene amayi ake anali Rahabe, Bowazi anabereka Obedi
amene amayi ake anali Rute, Obedi anabereka Yese. **6**
Yese anabereka Mfumu Davide. Ndipo Davide anabereka
Solomoni, amene amayi ake anali mkazi wa Uriya. **7**
Solomoni anabereka Rehabiamu, Rehabiamu anabereka
Abiya, Abiya anabereka Asa, **8** Asa anabereka Yehosafati,
Yehosafati anabereka Yoramu, Yoramu anabereka Uziya.
9 Uziya anabereka Yotamu, Yotamu anabereka Ahazi,
Ahazi anabereka Hezekiya. **10** Hezekiya anabereka
Manase, Manase anabereka Amoni, Amoni anabereka
Yosiya. **11** Yosiya anali atabala Yekoniya ndi abale
ake pamene Ayuda anatengedwa ukapolo kupita ku
Babuloni. **12** Ali ku ukapolo ku Babuloni, Yekoniya
anabereka Salatieli, Salatieli anabereka Zerubabeli. **13**
Zerubabeli anabereka Abiudi, Abiudi anabereka Eliakimu,
Eliakimu anabereka Azoro. **14** Azoro anabereka Zadoki,
Zadoki anabereka Akimu, Akimu anabereka Eliudi. **15**
Eliudi anabereka Eliezara, Eliezara anabereka Matani,
Matani anabereka Yakobo. **16** Yakobo anabereka Yosefe,
mwamuna wa Mariya. Mariyayu ndiye anabereka Yesu
wotchedwa Khristu. **17** Kuyambira pa Abrahamu mpaka
pa Davide, pali mibado khumi ndi inayi. Ndipo kuyambira
pa Davide mpaka pamene Ayuda anatengedwa kupita
ku ukapolo ku Babuloni, pali mibado khumi ndi inayi.
Ndiponso kuyambira nthawi ya ukapolo ku Babuloni
mpaka pamene Khristu anabadwa, palinso mibado
khumi ndi inayi. **18** Kubadwa kwa Yesu Khristu kunali
motere: Amayi ake, Mariya, anapalidwa ubwenzi ndi
Yosefe, koma asanagone malo amodzi, anapezeka ali
woyembekezera mwana mwa mphamvu ya Mzimu
Woyera. **19** Popeza Yosefe mwamuna wake anali munthu
wolungama, sanafune kumuchititsa manyazi pomuleka
poyera. Choncho anaganiza zomuleka mosaonetsera. **20**
Koma akuganiza zimenezi, taonani, mngelo wa Ambuye
anamuonekera m'maloto nati, "Yosefe mwana wa
Davide, usaope kumutenga Mariya kukhala mkazi wako,
chifukwa mwana akuyembekezerayo ndi wochokera kwa
Mzimu Woyera. **21** Ndipo adzabala mwana wamwamuna,
udzamutcha dzina lake Yesu; pakuti Iyeyo adzapulumutsa
anthu ake ku machimo awo." **22** Zonsezi zinachitika
kukwaniritsa zimene Ambuye ananena mwa mneneri
kuti, **23** "Onani namwali adzakhala woyembekezera
ndipo adzabala mwana wamwamuna, ndipo mwanayo
adzamutcha Imanueli," kutanthauza kuti, "Mulungu ali
nafe." **24** Yosefe atadzuka, anachita zomwe mngelo wa
Ambuye uja anamulamulira. Iye anamutenga Mariya
kukhala mkazi wake. **25** Koma sanagone malo amodzi
mpaka mwanayo atabadwa ndipo anamutcha dzina lake
Yesu.

2 Atabadwa Yesu m'Betelehemu wa ku Yudeya,
m'nthawi ya mfumu Herode, Anzeru a kummawa
anabwera ku Yerusalemu **2** nafunsa kuti, "Ali
kuti amene wabadwa kukhala mfumu ya Ayuda?
Chifukwa tinaona nyenyezi yake kummawa ndipo
tabwera kudzamupembedza." **3** Mfumu Herode
atamva zimenezi, anavutika mu mtima kwambiri
pamodzi ndi anthu onse a mu Yerusalemu. **4**
Ndipo anayitanitsa anthu onse, akulu ansembe ndi
aphunzitsi amalamulo nawafunsa kuti, "Kodi Khristu
adzabadwira kuti?" **5** Ndipo anamuyankha kuti, "Ku
Betelehemu wa ku Yudeya chifukwa izi ndi zimene
mneneri analemba kuti, **6** "'Koma iwe Betelehemu,
chigawo cha Yudeya, sindiwe wamng'onong'ono mwa
olamulira a Yudeya; pakuti otsogolera adzachokera
mwa iwe, amene adzaweta anthu anga Aisraeli.'"
7 Pomwepo Herode anawayitanira mseri Anzeruwo
nawafunsitsa nthawi yeniyeni yomwe nyenyeziyo
inaoneka. **8** Ndipo anawatumiza ku Betelehemu
nawawuza kuti, "Pitani mukafufuze za mwanayo
mosamalitsa. Ndipo mukamupeza mudzandiwuze kuti
inenso ndikamupembedze." **9** Atamva mawu a mfumu,
ananyamuka ulendo wawo, ndipo taonani nyenyezi
anayiona kummawa ija, inawatsogolera mpaka inayima
pamwamba pa nyumba yomwe munali mwanayo. **10**
Pamene iwo anaona nyenyeziyo, anasangalala kwambiri.
11 Pofika ku nyumbayo, anaona mwanayo pamodzi
ndi amayi ake Mariya, ndipo anagwada namulambira
Iye. Pomwepo anamasula chuma chawo ndi kupereka
mphatso zawo za ndalama zagolide, lubani ndi mure.
12 Ndipo atachenjezedwa m'maloto kuti asapitenso
kwa Herode, anabwerera ku dziko la kwawo podzera
njira ina. **13** Atachoka, taonani mngelo wa Ambuye
anaonekera kwa Yosefe m'maloto nati, "Tadzuka, tenga
mwanayo pamodzi ndi amayi ake ndipo muthawire
ku Igupto. Mukakhale kumeneko mpaka nditakuwuza
pakuti Herode adzafunafuna mwanayo kuti amuphe." **14**
Atadzuka, Yosefe anatenga mwanayo ndi amayi ake usiku
omwewo napita ku Igupto, **15** nakhala kumeneko mpaka
Herode atamwalira. Ndipo zinakwaniritsidwa zomwe
ananena Ambuye mwa mneneri kuti, "Ndinayitana
mwana wanga kuti atuluke mu Igupto." **16** Herode
atazindikira kuti Anzeruwo anamupusitsa, anakwiya
kwambiri. Ndipo anatumiza anthu kukapha ana onse
aamuna a m'Betelehemu ndi midzi yozungulira amene
anali a zaka ziwiri kapena zocheperapo, molingana ndi
nthawi imene Anzeruwo anamuwuza. **17** Pamenepo,
zimene ananena mneneri Yeremiya zinakwaniritsidwa:
18 "Kulira kukumveka ku Rama, kubuma ndi kulira
kwakukulu, Rakele akulirira ana ake; sakutonthozeka,
chifukwa ana akewo palibe." **19** Atamwalira Herode,
mngelo wa Ambuye anaonekera kwa Yosefe m'maloto
ku Igupto **20** nanena kuti, "Nyamuka, tenga mwanayo
ndi amayi ake ndipo mupite ku dziko la Israeli, popeza
amene anafuna moyo wa mwanayo anamwalira." **21**
Tsono Yosefe atadzuka anatenga mwanayo ndi amayi ake
kupita ku dziko la Israeli. **22** Koma atamva kuti Arikelao
akulamulira mu Yudeya m'malo mwa abambo ake,
Herode, anaopa kupitako. Atachenjezedwa m'maloto,
anapita ku Galileya, **23** ndipo anakakhazikika mu mzinda

Mahte

1 Hin cun Davita capa, Abrahama capa, Jesuh Khritawa ksawn tähnak cajina kyaki. **2** Abrahama ca Isak, Isaka ca Jakop, acunüng Jakop naw Judah ja a bena he a jah canak. **3** Judah naw Tamari am Pereh ja Sherah a jah canak, Pereh naw Heron ca na lü, acunüng Heron naw Ram a canak. **4** Rama ca Aminadap, Aminadapa ca Nashon, Nashona ca Salmon. **5** Salmon naw Rahap am Bozah a canak, Bozah naw Rutah am Obet a canak, Obet naw Jise a canak. **6** Jise naw Sangpuxang Davit a canak. Sangpuxang Davit naw Sangpuxang Solamon a canak, a nu cun Urijaa khyu Davit naw a khämbea kyaki. **7** Solamona ca Rehobawm, Rehobawma ca Abijah, Abijaha ca Asa. **8** Asaa ca Jehosaphat, Jehosaphata ca Jehoram, Jehoram naw Usia a canak. **9** Usiaa ca Jotham, Jothama ca Ahaz, Ahaza ca Hezakiha kyaki. **10** Hezakiha ca Manaseh, Manaseha ca Amon, Amona ca Josiah. **11** Isarel he jah man u lü Babalunga ami jah cehpüi, acun k'um üng Josiah naw Jekhonih ja a bena he a jah canak. **12** Babalunga ami jah cehpüi käna Jekhoniha ca Shaltilah, Shaltilaha ca Zerubabel. **13** Zerubabela ca Abiud, Abiuda ca Eliakim, Eliakima ca Azora kyaki. **14** Azora ca Zadok, Zadoka ca Achim, Achima ca Eliud. **15** Eliuda ca Elezar, Elezara ca Matthan, Matthana ca Jakopa kyaki. **16** Acunüng Jakopa ca cun Josep, Mariha ceia kyaki, Marih cun Khritaw Mesijah ti Jesuha nua kyaki. **17** Abraham üngka naw Davit cäpa ksawn xaleikphyü lawki. Davit üngka naw Babalung mpya vaia ami jah cehpüi cäpa ksawn xaleikphyü lawki. Acunüng Babalung mpya üngka naw Messijah hmi law cäpa ksawn xaleikphyü lawki. **18** Jesuh Khritaw a hmi lawa mawng cun hikbaa kyaki. A nu Marih cun Josepa khyu vaia ami mkhyäp käna, atänga am ani awm ham üng, Marih cun Ngmüimkhya Ngcim naw a mpyaisak. **19** A cei vaia Josep cun khyang ngsungpyuna kya lü, khyang he maa Marih cun am luthui hmaiset hlüsak lü, ampyua hawih be khaia büki. **20** Acunüngpi, acukba a ngaih k'um üng, a ngmang üng Bawipaa khankhawngsä ngdang vai lü, "Davita capa Josep, Marih na khyunak vai käh cäia. Isetiakyaküng a mpyai hin ta Ngmüimkhya Ngcima mpyaisak ni. **21** Ani cun kpamicaa ca khai, a khyang he ami mkhyekatnak üngkhyüh jah küikyan khaia kyase a ngming cun Jesuha na sui khai," a ti. **22** Ahina mawng cun Bawipa naw Sahma he üngkhyüh a pyen khawi a kümnak vaia kyaki. **23** Pamhnama ngthu ta, "Teng ua, nglamica mpyai law lü, cangpyang ca na law khai, a ngming cun Imanuelaha sui law khai he," ti hlü ta, "Pamhnam cun mi hlawnga awmki," tinaka kyaki. **24** Josep cun ip lü a let law üng, Bawipa khankhawngsä naw a pyena kba Marih a khyunak. **25** Acunüngpi, Josep ja Marih cun Marih a camah veia alanga am ip khawi ni. Josep naw hnasena ngming cun Jesuha a sui.

2 Sangpuxang Herod a Bawi kcün üng Jesuh cun Judah khaw Bethlehem mlüha hmi lawki. Acunüng nghngilawa ka khyang kthem he Jerusalem da lawki he. **2** "Hawia ni Judahea Sangpuxang vai hmi lawki hnasen cun. Ania aisi nghngilaw da lut lawki hmu u lü sawkhah khaia kami lawki he ni" ami ti. **3** Sangpuxang Herod naw acun ngja üng cäicing pyangmaki. Jerusalem mlüha awmkia khyang he naküt pi cäicing hngaki he. **4** Sangpuxang Herod naw, ktaiyü ngvai he ja thum mthei he jah mkhäm lü, "Khritaw hawia hmi khai ni?" ti lü a jah kthäh. **5** Amimi naw, "Judah khaw, Bethlehema hmi khaia Sahma naw a yuk ni" ti lü ami pyen. **6** "Judah hne Bethlehem mlüh, Nang hin Judah mlühe üng na ngming ngthang khai ni. Nang üngka naw Bawi ngtüi law khai, ani naw ka khyang Isarel he lam jah msüm khai." **7** Acunüng, Herod naw khyang kthem he cun angmpyua jah khü lü, aisi angdang lawa kcün cun angsinga a jah kthäh. **8** Acunüng, Herod naw Bethlehema jah tüih lü, "Cit u lü hnasen cun akdawa va sui ua. Nami hmuh üng na mtheh law be uki se, kei pi cit lü ka va sawkhah hnga khai" a ti. **9** Acunüng cit u lü, nghngilaw da ami hmuh kunga aisi cun hmu betüki he. Ami hmuh üng jekyai tawngki he. Aisi cun ami maa cit lü hnasena awmnaka ngdang a pha üng ngdüiki. **11** Im k'uma va lut u lü hnasen ja a nu Marih ami jah hmuh üng ngdäng u lü, hnasen kpamica cun sawkhahki he. Acunkäna ami lawpüia khawhthem he jah nghmawng u lü xüi, Frankisen ja Mura ng'ui he jah peki he. **12** Acunkäna Sangpuxang Heroda awmnak lam da käh ami ceh be vaia, Pamhnam naw ami ngmang üng jah mtheh se, lam kce üng ami khyawngpe da cu cit beki he. **13** Acun he ami ceh be käna, Bawipaa khankhawngsä mat law lü, Josepa ngmang üng, "Tho law lü, hnasen ja a nu Egypt pea jah cenpüia, ka ning jah mtheh law be vei cäpa acuia awm u, isetiüng ta Herod naw hnasen hnim khaia sui hüki ni" ti lü a jah mtheh. **14** Acuna mthan üng Josep cun tho law lü, naca ja a nu jah cehpüi lü Egypt pea dawngki. **15** Sangpuxang Herod a thih vei cäpa acuia awmki he. Ahlana Bawipa naw sahma üng a pyen "Egypt pea ka ca ka khü be ni" ti lü awmki cen kümcei lawnak vaia phäh ni. **16** Nghngilaw khyang kthem he naw mhleiki

Mathai

1 Abraham capa David, David capa Jesu Kri angzohhaih kawng Cabu loe hae tiah oh. **2** Abraham mah Isak to sak; Isak mah Jakob to sak; Jakob mah Judah hoi nawkamyanawk to sak; **3** Judah mah Tamar khae hoiah Perez hoi Zerah to sak; Perez mah Hezron to sak; Hezron mah Ram to sak. **4** Ram mah Aminadab to sak; Aminadab mah Nashon to sak; Nashon mah Salmon to sak. **5** Salmon mah Rahab khae hoiah Boaz to sak; Boaz mah Ruth khae hoiah Obed to sak; Obed mah Jesse to sak. **6** Jesse mah David siangpahrang to sak; David siangpahrang mah Uriah ih zu khae hoiah Solomon to sak. **7** Solomon mah Rehoboam to sak; Rehoboam mah Abijah to sak; Abijah mah Asa to sak. **8** Asa mah Jehoshaphat to sak; Jehoshaphat mah Jehoram to sak; Jehoram mah Uzziah to sak; **9** Uzziah mah Jotham to sak; Jotham mah Ahaz to sak; Ahaz mah Hezekiah to sak; **10** Hezekiah mah Manasseh to sak; Manasseh mah Amon to sak; Amon mah Josiah to sak; **11** Babylon ah misong ah hoih o nathuem ah, Josiah mah Jekoniah hoi anih ih nawkamyanawk to sak: **12** Babylon ah misong ah hoih o pacoengah Jekoniah mah Shealtiel to sak; Shealtiel mah Zerubbabel to sak; **13** Zerubbabel mah Abiud to sak; Abiud mah Eliakim to sak; Eliakim mah Azor to sak; **14** Azor mah Zadok to sak; Zadok mah Akim to sak; Akim mah Eliud to sak; **15** Eliud mah Eleazar to sak; Eliazar mah Matthan to sak; Matthan mah Jakob to sak; **16** Jakob mah Meri sava Joseph to sak; Meri mah Kri, tiah kawk ih, Jesu to tapen. **17** Abraham hoi David karoek to dung hatlai palito oh moe, David hoi Babylon ah misongah hoih o karoek to, dung hatlai palito oh; Babylon misong ah laemh o haih hoi kamtong Kri karoek to dung hatlai palito oh. **18** Jesu Kri tapenhaih loe hae tiah oh: Anih ih amno Meri loe Joseph mah zu ah hamh, nihnik zu sava ah om hoi ai naah, Meri loe Kacai Muithla ih caa to pomh boeh. **19** A sava Joseph loe katoeng kami ah oh, to pongah minawk panoeksak han koeh ai, a zu to tamquta hoi pahnawt sut hanah a poek. **20** To tiah a poek li naah, khenah, Angraeng ih van kami mah amang ah anih khaeah amtueng thuih, David capa Joseph, na zu Meri to zu ah lak han zii hmah: anih loe Kacai Muithla rang hoiah ni zokpomh. **21** Meri mah Caa nongpa to sah tih, Anih ih ahmin loe JESU, tiah sak han oh, Anih loe angmah ih kaminawk to zaehaih thung hoiah pahlong tih, tiah a naa. **22** Tahmaa patohhaih rang hoiah Angraeng mah thuih ih lok akoep hanah hae hmuen hae sak ah oh, **23** khenah, kacuem tangla loe zokpom tih, capa maeto sah ueloe, anih ih ahmin to Emmanuel, tiah kawk o tih; thuih koehhaih loe Sithaw aicae hoi nawnto oh, tih haih ih ni. **24** Joseph iih anglawt pacoengah loe, Angraeng ih van kami mah thuih pae ih lok baktih toengah Meri to zu ah lak, **25** a zu mah Calu nongpa tapen ai karoek to a zu to iip haih ai. Anih ih ahmin to JESU, tiah a sak.

2 Herod siangpahrang ah oh nathuem ah, Jesu loe Judea prae Bethlehem vangpui ah tapenh, khenah, ni angyae bang hoiah palungha kaminawk Jerusalem ah angzoh o moe, **2** vaihiah tapen Judea kaminawk ih siangpahrang loe naa ah maw oh? Ni angyae bangah anih ih cakaeh to ka hnuk o pongah, anih bok hanah kang zoh o, tiah a thuih o. **3** To lok to Herod siangpahrang mah thaih naah, dawnrai, Jerusalem vangpui ih kaminawk boih dawnrai o. **4** To naah anih mah kalen koek qaimanawk hoi ca tarikkungnawk to nawnto kawk cuu moe, Kri loe naa ah maw tapen tih, tiah a dueng. **5** Nihcae mah anih khaeah, Judea prae Bethlehem vangpui ah tapen tih: tahmaa mah, **6** Judea prae thung ih, Bethlehem, nang loe Judea prae ukkungnawk thungah kathoeng koek na ai ni; nang thung hoiah Ukkung to angzo ueloe, anih mah Kai ih Israel kaminawk to uk tih, tiah tarik ih oh, tiah a naa o. **7** To pacoengah Herod mah palungha kaminawk to kawk duem moe, natuek naah maw nihcae khaeah cakaeh amtueng pae, tito kahoihah dueng. **8** To pacoengah nihcae to Bethlehem ah patoeh, Caeh oh loe nawkta to kahoihah pakrong oh; anih to na hnuk o naah tamthang na thaih o sak ah, kang zoh moe, anih to ka bok toeng han, tiah a naa. **9** Siangpahrang ih lok thaih pacoengah nihcae loe caeh o; khenah, ni angyae bangah a hnuk o ih cakaeh loe, nawkta ohhaih ahmuen to phak moe, anghak o ai karoek to nihcae hmaa ah caeh. **10** Nihcae mah cakaeh to hnuk o naah, paroeai anghoehaih hoiah oh o. **11** Imthug ah akun o naah loe, nawkta hoi Anih ih amno Meri to a hnuk o, khokkhu cangkrawn o moe, anih to a bok o: tangqum tabunawk to paongh o moe, sui, hmuihoih Frankinsin hoi myrrth to anih hanah paek o. **12** Nihcae Herod khaeah amlaem let han ai ah Sithaw mah amang ah acoehaih paek pongah, loklam kalah bang hoiah angmacae prae ah amlaem o ving. **13** Nihcae amlaem o pacoengah, khenah, Angraeng ih van kami maeto Joseph ih amang ah amtueng pae, Angthawk ah, nawkta hoi Anih ih amno to lah loe, Izip prae ah cawn haih ah, to ah lok kang thui ai karoek to om ah; Herod mah nawkta hum hanah pakrong tih, tiah a naa. **14** Anih loe angthawk moe, nawkta hoi Anih ih amno to lak pacoengah, khoving ah Izip prae ah caeh haih: **15** Anih loe to ah Herod dueh ai karoek to oh: Izip prae hoiah ka Capa to ka kawk, tiah tahmaa patohhaih rang hoiah Angraeng mah thuih ih lok akoep han ih ni to tiah oh. **16** Palungha kaminawk mah ang ling boeh, tiah Herod mah panoek naah, paroeai palungphui; palungha kaminawk khaeah lokduenghaih atue pakoep pacoengah, kami patoeh moe, Bethlehem vangpui hoi a taengah kaom saning hnetto hoi atlim bang nawktanawk to humsak boih. **17** To naah Ramah vangpui thungah oihaih, qahhaih hoi palungsethaih lok to oh, Rachel mah a caanawk to qah haih, a caanawk om o ai boeh pongah, monghaih om ai boeh, tiah tahmaa Jeremiah mah thuih ih lok to akoep boeh. **19** Toe khenah, Herod duek pacoeng, Izip prae ah oh naah, Angraeng ih van kami maeto Joseph ih amang ah amtueng pae, **20** anih khaeah, Angthawk ah, nawkta hoi Anih ih amno to lah loe, Israel prae ah caeh haih ah; nawkta hinghaih lak han pakrong kaminawk loe duek o boeh, tiah a naa. **21** Anih loe angthawk moe, nawkta hoi Anih ih amno lak pacoengah, Israel prae ah amlaem haih. **22** Toe anih mah Arkhelaus loe ampa Herod zuengah Judea prae to uk, tiah thaih naah to ah caeh hanah zit: Sithaw mah amang ah acoehaih paek baktih toengah, anih loe Kalili prae thungah caeh. **23** Anih loe Nazareth vangpui ah caeh moe, to ah khosak: Anih loe Nazareth kami, tiah kawk o tih, tiah tahmaanawk mah thuih o ih lok akoep han ih ni to tiah oh.

马太福音

1 本书为亚伯拉罕和大卫的后代弥赛亚的记录。首先在此回述其家谱： **2** 亚伯拉罕为以撒之父；以撒为雅各之父；雅各为犹大及其兄弟之父； **3** 犹大（妻为塔玛）为法勒斯和谢拉之父；法勒斯为希斯仑之父；希斯仑为亚兰之父； **4** 亚兰为亚米拿达之父；亚米拿达为拿顺之父，拿顺为撒门之父； **5** 撒门（妻为拉哈德）为波阿斯之父；波阿斯（妻为路得）为俄备得之父；俄备得为耶西之父； **6** 耶西为大卫王之父；大卫（娶乌利亚之妻）为所罗门之父； **7** 所罗门为罗波安之父；罗波安为亚比雅之父；亚比雅为亚撒之父； **8** 亚撒为约沙法之父；约沙法为约兰之父；约兰为乌西亚之父； **9** 乌西亚为约坦之父；约坦为亚哈斯之父；亚哈斯为希西加之父； **10** 希西加为玛拿西之父；玛拿西为亚门之父；亚门为约西亚之父； **11** 被流放巴比伦期间，约西亚诞下耶哥尼雅及其兄弟。 **12** 结束巴比伦流放之后，耶哥尼雅诞下撒拉铁，撒拉铁为所罗巴伯之父； **13** 所罗巴伯为亚比玉之父，亚比玉为以利亚敬之父，以利亚敬为亚所之父； **14** 亚所为撒多之父；撒多为亚金之父；亚金为以律之父； **15** 以律为以利亚撒之父，以利亚撒为马但之父；马但为雅各之父。 **16** 雅各为约瑟之父，即玛利亚的丈夫。玛利亚所诞之子被称为弥赛亚，即耶稣。 **17** 从亚伯拉罕到大卫共十四代人；从大卫到巴比伦流放之时亦为十四代人，从巴比伦流放到基督又为十四代人。 **18** 以下为弥赛亚——即耶稣基督降生的过程：他的母亲玛利亚被许配给约瑟，但在同房之前，玛利亚就因圣灵受孕。 **19** 她的丈夫约瑟生性善良，不愿张扬此事让她受尽羞辱，于是打算暗地将她休掉。 **20** 就在他思量此事之时，主派来天使进入他的梦境，对他说：“大卫之子约瑟，不要担心，迎娶你的妻子玛利亚，因她所孕育乃源于圣灵。 **21** 她将诞下一子，请为其起名耶稣，他将会把苍生从罪恶之中拯救出来。” **22** （这一切印证了主通过先知给出的预言： **23** 将有处女怀孕生子，世人将称他为马内利 即 “上帝与我们同在”之意）。 **24** 约瑟醒来后，便遵从天使的嘱托，**25** 迎娶妻子过门，但在孩子出生前并未与她同房。玛利亚生下男婴后，约瑟为他起名耶稣。

2 耶稣诞生在犹太的伯利恒，当时正是希律王执政时期。耶稣诞生后，几位智者从东方来到耶路撒冷。 **2** 他们说：“犹太之王已经诞生，他在哪里？我们看到他的明星显现于东方的夜空，特来拜访。” **3** 希律王听闻此言颇感紧张，整个耶路撒冷城的民众也内心惴惴。 **4** 希律召集所有的祭司长和民间的宗教老师，询问他们弥赛亚可能会诞生在何处。 **5** 众人回答：“在犹太的伯利恒。因为先知曾写道： **6** 犹大的伯利恒啊，你在犹大诸城中并非渺小，因为未来你们中将诞生一位领袖，他将带领以色列人。” **7** 听闻此言，希律私下叫来几位智者，仔细询问那颗星具体出现的时间。 **8** 然后他派他们去伯利恒，还说：“你们到了那里后，仔细寻找那个孩子，找到后就来向我报告，我也会去拜见他。” **9** 智者于是听从国王的旨意出发，他们之前看到的那颗星位于东方，一路指引着他们，最终停在孩子所在之处的上空。 **10** 看到这颗星，智者们分外欢喜！ **11** 他们随即走进房屋，看见孩子与其母亲玛利亚。于是他们伏拜在孩子面前，打开宝袋，将里面的黄金、乳香、没药作为礼物送给他。 **12** 由于主曾托梦警告他们，不要将眼前所见禀报希律王，于是他们便从另外一条道路回到了自己的国家。 **13** 智者离开后，主的天使出现在约瑟的梦中，告诉他：“快起来！带着孩子和他的母亲逃到埃及并住下，等候我的指示。因为希律一定会想方设法找到这孩子并将他除掉。” **14** 约瑟醒来后，立刻连夜带着孩子和妻子向埃及逃去。 **15** 此后便一直住在那里，直到希律王驾崩。这件事应验了主借先知所传达的预言：“我从埃及唤出我儿。” **16** 希律发现智者欺骗了他，非常生气。根据从智者处打听的信息，他推测这个男孩应该不到两岁，于是立刻下令杀掉伯利恒城内及周边地区所有两岁以下男孩。 **17** 这正应了先知耶利米的预言： **18** 在拉玛传来可怕的痛哭与哀嚎，拉结为其子女哭泣，白发人

馬太福音

1 亞巴郎之子，達味之子耶穌基督的祖譜：
2 亞巴郎生依撒各，依撒各生雅各伯，雅各伯生猶大和他的兄弟們；
3 猶由塔瑪爾生培勒茲和則辣黑，培勒茲生赫茲龍，赫茲龍生阿蘭，
4 阿蘭生阿米納達布，阿米納達布生納赫雄，納赫雄生撒爾孟，
5 撒爾孟由辣哈布生波阿次，波阿次由盧德生敖貝得，敖貝得生葉瑟，
6 葉瑟生達味王。達味由烏黎雅的妻子生撒羅滿，
7 撒羅滿生勒哈貝罕，勒哈貝罕生阿彼雅，阿彼雅生阿撒，
8 阿撒生約沙法特，約沙法特生約蘭，約蘭生烏齊雅，
9 烏齊雅生約當，約當生阿哈次，阿哈次生希則克雅，
10 希則克雅生默納舍，默納舍生阿孟，阿孟生約史雅，
11 約史雅在巴比倫流徙期間生耶苛尼雅和他的兄弟們，
12 流徙巴比倫以後，耶苛尼雅生沙耳提耳，沙耳提耳生則魯巴比耳，
13 則魯巴比耳生阿彼烏得，阿彼烏得生厄里雅金，厄里雅金生阿左耳。
14 阿左耳生匝多克，匝多克生阿歆，阿歆生厄里烏得，
15 厄里烏得生厄肋阿匝爾，厄肋阿匝爾生瑪堂，瑪堂生雅各伯，
16 雅各伯生若瑟、瑪利亞的丈夫，瑪利亞生耶穌，祂稱為基督。
17 所以從亞巴郎到達味共十四代，從達味到流徙巴比倫共十四代，從流徙巴比倫到基督共十四代。
18 耶穌基督的誕生是這樣的：祂的母親許配於若瑟後，在同居前，她因聖神有孕的事已顯示出來。
19 她的丈夫若瑟，因是義人，不願公開羞她，有意暗暗地休退她。
20 當他在思慮這事時，看，在夢人上主的天使顯現給他說：「達味之子若瑟，不要怕娶你的妻子瑪利亞，因為那在她內受生的，是出於聖神。
21 她要生一個兒子，妳要給祂起名叫耶穌，因為祂要把自己的民族，由他們的罪惡中拯救出來。」
22 這一切事的發生，是為應驗上主藉先知所說的話：
23 「看，一位貞女，將懷孕生子，人將稱祂的名字為厄瑪奴耳，意思是：天主與我們同在。
24 若瑟從睡夢中醒來，就照上主的天使所囑咐的辦了，娶了他的妻子；
25 若瑟雖然沒認識她，她就生了一個兒子，給祂起名叫耶穌。

2 當黑落德為王時，耶穌誕生在猶大的白冷；看，有賢士從東方來到耶路撒冷，
2 說：「才誕生的猶太人君王在哪裏?我們在東方見了祂的星，特來朝拜祂。」
3 黑落德王一聽說，就驚慌起來，全耶路撒冷也同他一起驚慌。
4 他便召集了眾司祭和民間的經師，仔細考問他們：默西亞應當生在哪裏。
5 他們對他說：「在猶太的白冷，因為先知曾這樣記載：
6 『你猶大的白冷啊！你在猶大的群邑中，決不是最小的，因為將由你出來一位領袖，祂將牧養我的百姓以色列。』
7 於是黑落德暗暗把賢士叫來，你細詢問他們那星出現的時間；
8 然後打發他們往白冷去，說：你們去仔細尋訪嬰孩，幾時找到了給我報信，好讓我也去朝拜祂。」
9 他們聽了王的話，就走了。看，他們在東方所見的那星，走在他們前面，直至來到嬰所在的地方，就停在面。
10 他們一見到那星，極其高興喜歡。
11 他們走進屋內，看見嬰兒和他的母親瑪利亞，遂俯伏朝拜了祂，打開自己的寶匣，給祂奉獻了禮物，即黃金、乳香和歿藥。
12 他們在夢中得到啟示，不要回到黑落德那裏，就由另一條路返回自己的地方去了。
13 他們離去後，看，上主的天使顯於若瑟說：「起來，帶著嬰孩和祂的母親，逃往埃及去，住在那裏，直到我再通知你，因為黑落德即將尋找這嬰孩，要把祂殺掉。」
14 若瑟便起來，星夜帶口嬰孩姓祂的母親，退避到屐及去口
15 留在那裏，直到黑落德死去。這就應驗了上主藉先知所說的話：「我從埃及召回了我失兒子。」
16 那時，黑落德見了自己受了士們的愚弄，就大發忿怒，依照他由賢士們所探得的時期，差人將白冷及其周圍境內所有兩歲及兩歲以下的嬰兒殺死，
17 於是應驗了耶肋米亞先知所說的話：
18 「在辣瑪聽到了聲音，痛哭哀號不止；辣黑爾痛哭她的子女，不願受人安慰，因為他們不在了。」
19 黑落德死後，看，上主的天使在埃及托夢顯於若瑟說：
20 「起來，帶著孩子和祂的母親，往以色列地去，因為那些謀殺孩子性命的人死了。」
21 他便起來，帶著孩子和祂的母親，進了以色列地域；
22 但是一聽說阿爾赫勞繼他父親黑落德作了

马太福音

1 亚伯拉罕的后裔，大卫的子孙，耶稣基督的家谱： **2** 亚伯拉罕生以撒；以撒生雅各；雅各生犹大和他的弟兄； **3** 犹大从她玛氏生法勒斯和谢拉；法勒斯生希斯；希斯生亚兰； **4** 亚兰生亚米拿达；亚米拿达生拿顺；拿顺生撒门； **5** 撒门从喇合氏生波阿斯；波阿斯从路得氏生俄备得；俄备得生耶西； **6** 耶西生大卫王。大卫从乌利亚的妻子生所罗门； **7** 所罗门生罗波安；罗波安生亚比雅；亚比雅生亚撒； **8** 亚撒生约沙法；约沙法生约兰；约兰生乌西雅； **9** 乌西雅生约坦；约坦生亚哈斯；亚哈斯生希西家； **10** 希西家生玛拿西；玛拿西生亚们；亚们生约西亚； **11** 百姓被迁到巴比伦的时候，约西亚生耶哥尼雅和他的弟兄。 **12** 迁到巴比伦之后，耶哥尼雅生撒拉铁；撒拉铁生所罗巴伯； **13** 所罗巴伯生亚比玉；亚比玉生以利亚敬；以利亚敬生亚所； **14** 亚所生撒督；撒督生亚金；亚金生以律； **15** 以律生以利亚撒；以利亚撒生马但；马但生雅各； **16** 雅各生约瑟，就是马利亚的丈夫。那称为基督的耶稣是从马利亚生的。 **17** 这样，从亚伯拉罕到大卫共有十四代；从大卫到迁至巴比伦的时候也有十四代；从迁至巴比伦的时候到基督又有十四代。 **18** 耶稣基督降生的事记在下面：他母亲马利亚已经许配了约瑟，还没有迎娶，马利亚就从圣灵怀了孕。 **19** 她丈夫约瑟是个义人，不愿意明明地羞辱她，想要暗暗地把她休了。 **20** 正思念这事的时候，有主的使者向他梦中显现，说：“大卫的子孙约瑟，不要怕！只管娶过你的妻子马利亚来，因她所怀的孕是从圣灵来的。 **21** 她将要生一个儿子，你要给他起名叫耶稣，因他要将自己的百姓从罪恶里救出来。” **22** 这一切的事成就是要应验主借先知所说的话， **23** 说：必有童女怀孕生子；人要称他的名为以马内利。（以马内利翻出来就是“神与我们同在”。） **24** 约瑟醒了，起来，就遵着主使者的吩咐把妻子娶过来； **25** 只是没有和她同房，等她生了儿子，就给他起名叫耶稣。

2 当希律王的时候，耶稣生在犹太的伯利恒。有几个博士从东方来到耶路撒冷，说： **2** “那生下来作犹太人之王的在哪里？我们在东方看见他的星，特来拜他。” **3** 希律王听见了，就心里不安；耶路撒冷合城的人也都不安。 **4** 他就召齐了祭司长和民间的文士，问他们说：“基督当生在何处？” **5** 他们回答说：“在犹太的伯利恒。因为有先知记着，说： **6** 犹大地的伯利恒啊，你在犹大诸城中并不是最小的；因为将来有一位君王要从你那里出来，牧养我以色列民。” **7** 当下，希律暗暗地召了博士来，细问那星是什么时候出现的， **8** 就差他们往伯利恒去，说：“你们去仔细寻访那小孩子，寻到了就来报信，我也好去拜他。” **9** 他们听见王的话就去了。在东方所看见的那星忽然在他们前头行，直行到小孩子的地方，就在上头停住了。 **10** 他们看见那星，就大大地欢喜； **11** 进了房子，看见小孩子和他母亲马利亚，就俯伏拜那小孩子，揭开宝盒，拿黄金、乳香、没药为礼物献给他。 **12** 博士因为在梦中被主指示不要回去见希律，就从别的路回本地去了。 **13** 他们去后，有主的使者向约瑟梦中显现，说：“起来！带着小孩子同他母亲逃往埃及，住在那里，等我吩咐你；因为希律必寻找小孩子，要除灭他。” **14** 约瑟就起来，夜间带着小孩子和他母亲往埃及去， **15** 住在那里，直到希律死了。这是要应验主借先知所说的话，说：“我从埃及召出我的儿子来。” **16** 希律见自己被博士愚弄，就大大发怒，差人将伯利恒城里并四境所有的男孩，照着他向博士仔细查问的时候，凡两岁以里的，都杀尽了。 **17** 这就应了先知耶利米的话，说： **18** 在拉玛听见号咷大哭的声音，是拉结哭她儿女，不肯受安慰，因为他们都不在了。 **19** 希律死了以后，有主的使者在埃及向约瑟梦中显现，说： **20** “起来！带着小孩子和他母亲往以色列地去，因为要害小孩子性命的人已经死了。” **21** 约瑟就起来，把小孩子和他母亲带到以色列地去； **22** 只因听见亚基老接着他父亲希律作了犹太王，就怕往那里去，又在梦中被主指示，便往加利利境内去了， **23** 到了一座城，名叫拿撒

馬太福音

1 亞伯拉罕的後裔，大衛的子孫，耶穌基督的家譜：
2 亞伯拉罕生以撒；以撒生雅各；雅各生猶大和他的弟兄；
3 猶大從她瑪氏生法勒斯和謝拉；法勒斯生希斯崙；希斯崙生亞蘭；
4 亞蘭生亞米拿達；亞米拿達生拿順；拿順生撒門；
5 撒門從喇合氏生波阿斯；波阿斯從路得氏生俄備得；俄備得生耶西；
6 耶西生大衛王。大衛從烏利亞的妻子生所羅門；
7 所羅門生羅波安；羅波安生亞比雅；亞比雅生亞撒；
8 亞撒生約沙法；約沙法生約蘭；約蘭生烏西雅；
9 烏西雅生約坦；約坦生亞哈斯；亞哈斯生希西家；
10 希西家生瑪拿西；瑪拿西生亞們；亞們生約西亞；
11 百姓被遷到巴比倫的時候，約西亞生耶哥尼雅和他的弟兄。
12 遷到巴比倫之後，耶哥尼雅生撒拉鐵；撒拉鐵生所羅巴伯；
13 所羅巴伯生亞比玉；亞比玉生以利亞敬；以利亞敬生亞所；
14 亞所生撒督；撒督生亞金；亞金生以律；
15 以律生以利亞撒；以利亞撒生馬但；馬但生雅各；
16 雅各生約瑟，就是馬利亞的丈夫。那稱為基督的耶穌是從馬利亞生的。
17 這樣，從亞伯拉罕到大衛共有十四代；從大衛到遷至巴比倫的時候也有十四代；從遷至巴比倫的時候到基督又有十四代。
18 耶穌基督降生的事記在下面：他母親馬利亞已經許配了約瑟，還沒有迎娶，馬利亞就從聖靈懷了孕。
19 她丈夫約瑟是個義人，不願意明明地羞辱她，想要暗暗地把她休了。
20 正思念這事的時候，有主的使者向他夢中顯現，說：「大衛的子孫約瑟，不要怕！只管娶過你的妻子馬利亞來，因她所懷的孕是從聖靈來的。
21 她將要生一個兒子，你要給他起名叫耶穌，因他要將自己的百姓從罪惡裏救出來。」
22 這一切的事成就是要應驗主藉先知所說的話，
23 說：
必有童女懷孕生子；
人要稱他的名為以馬內利。
（以馬內利翻出來就是「上帝與我們同在」。）
24 約瑟醒了，起來，就遵着主使者的吩咐把妻子娶過來；
25 只是沒有和她同房，等她生了兒子，就給他起名叫耶穌。

2 當希律王的時候，耶穌生在猶太的伯利恆。有幾個博士從東方來到耶路撒冷，
2 說：「那生下來作猶太人之王的在哪裏？我們在東方看見他的星，特來拜他。」
3 希律王聽見了，就心裏不安；耶路撒冷合城的人也都不安。
4 他就召齊了祭司長和民間的文士，問他們說：「基督當生在何處？」
5 他們回答說：「在猶太的伯利恆。因為有先知記着，說：
6 猶大地的伯利恆啊，
你在猶大諸城中並不是最小的；
因為將來有一位君王要從你那裏出來，
牧養我以色列民。」
7 當下，希律暗暗地召了博士來，細問那星是甚麼時候出現的，
8 就差他們往伯利恆去，說：「你們去仔細尋訪那小孩子，尋到了就來報信，我也好去拜他。」
9 他們聽見王的話就去了。在東方所看見的那星忽然在他們前頭行，直行到小孩子的地方，就在上頭停住了。
10 他們看見那星，就大大地歡喜；
11 進了房子，看見小孩子和他母親馬利亞，就俯伏拜那小孩子，揭開寶盒，拿黃金、乳香、沒藥為禮物獻給他。
12 博士因為在夢中被主指示不要回去見希律，就從別的路回本地去了。
13 他們去後，有主的使者向約瑟夢中顯現，說：「起來！帶着小孩子同他母親逃往埃及，住在那裏，等我吩咐你；因為希律必尋找小孩子，要除滅他。」
14 約瑟就起來，夜間帶着小孩子和他母親往埃及去，
15 住在那裏，直到希律死了。這是要應驗主藉先知所說的話，說：「我從埃及召出我的兒子來。」
16 希律見自己被博士愚弄，就大大發怒，差人將伯利恆城裏並四境所有的男孩，照着他向博士仔細查問的時候，凡兩歲以裏的，都殺盡了。
17 這就應了先知耶利米的話，說：
18 在拉瑪聽見號咷大哭的聲音，
是拉結哭她兒女，
不肯受安慰，
因為他們都不在了。
19 希律死了以後，有主的使者在埃及向約瑟夢中顯現，說：
20 「起來！帶着小孩子和他母親往以色列地去，因為要害小孩子性命的人已經死了。」
21 約瑟就起來，把小孩子和他母親帶到以色列地去；
22 只因聽見亞基老接着他父親希律作了猶太王，就怕往那裏去，又在夢中被主指示，便往加利利境內去了，
23 到了一座城，名叫拿撒

Matthai

1 He tah Abraham kah cadil, David kah cadil, Jesuh Khrih kah rhuirhong cabu ni. **2** Abraham loh Isaak a sak tih, Isaak loh Jakob a sak, Jakob loh Judah boeinaphung a sak. **3** Judah neh Tamar loh Perez neh Zerah a sak tih, Perez loh Herezon a sak, Hezron loh Aram a sak. **4** Aram loh Amminadab a sak tih, Aminadab loh Nahshon a sak. Nahshon loh Salmon a sak. **5** Salmon neh Rahab loh Boaz a sak rhoi, Boaz neh Ruth loh Obed a sak, Obed loh Jesse a sak. **6** Jesse loh manghai David a sak tih, David neh Uriah kah yurho loh Solomon a sak. **7** Solomon loh Rehoboam a sak tih, Rehoboam loh Abijah a sak, Abijah loh Asa a sak **8** Asa loh Jehoshaphat a sak tih, Jehoshaphat loh Joram a sak, Joram loh Uzziah a sak **9** Uzziah loh Jotham a sak tih, Jotham loh Ahaz a sak, Ahaz loh Hezekiah a sak, **10** Hezekiah loh Manasseh a sak tih, Manasseh loh Amos a sak, Amos loh Josiah a sak. **11** Josiah he Babylon la a puennah kungah Jekhoniah neh a manuca rhoek te a sak **12** Babylon la a puennah hnukah, Jekhoniah loh Shealtiel a sak, Shealtiel loh Zerubbabel a sak, **13** Zerubbabel loh Abiud a sak tih, Abiud loh Eliakim a sak, Eliakim loh Azor a sak, **14** Azor loh Zadok a sak tih, Zadok loh Achim a sak, Achim loh Eliud a sak, **15** Eliud loh Eleazar a sak tih, Eleazar loh Matthan a sak, Matthan loh Jakob a sak, **16** Jakob loh Mary kah a va Joseph a sak. Anih lamloh Khrih la a khue Jesuh a sak. **17** Te dongah Abraham lamloh David duela a khong la khong hlaili tih, David lamloh Babylon la a puennah duela khong hlaili, Babylon la a puennah lamloh Khrih duela boeih ah khong hlaili lo. **18** Jesuh Khrih kah rhuirhong khaw ana om tangloeng. A manu Mary he Joseph hamla a bae dae a om rhoi hlan ah Mueihla Cim loh bungvawn la a om sak te a ming. **19** A va Joseph tah aka dueng la om tih anih te yan ham a ngaih pawt dongah toeng hamla duem cai. **20** He a poek vaengah, boeipa kah puencawn loh anih taengla a mang ah pakcak a phoe pah tih, "David capa Joseph Mary te na yuu la loh ham rhih boeh, anih a vawn he Mueihla Cim rhangnen ni,". **21** Capa a cun vaengah a ming te Jesuh na sui ni. Anih long tah a pilnam te a tholh khui lamloh a khang ni. **22** Boeipa kah a thui te soep sak hamla he he boeih thoeng coeng. **23** Tonghma lamlong khaw, "Oila te bungvawn la om vetih capa a cun ni, a ming tah Emmanuel la a khue uh ni he. Te tah mamih taengah aka om Pathen ni a thuingaih," a ti nah. **24** Joseph tah a ih kung lamkah a thoh vaengah Boeipa kah puencawn loh anih a uen bangla a ngai tih a yuu te a loh. **25** Tedae capa a cun hil Mary te ming pawh. A ming te khaw Jesuh a sui.

2 Manghai Herod tue vaengah Jesuh tah Judah ram Bethlehem ah thang, te vaengah khothoeng ben lamkah kholo hlangcueih rhoek Jerusalem la ha pawk uh. **2** "Judah manghai aka thaang te melam a om? Anih kah aisi te khothoeng ben ah ka hmuh uh tih, anih bawk hamla ka pawk uh coeng," a ti uh. **3** Manghai Herod loh a yaak vaengah amah khaw, Jerusalem khaw boeih a hinghuen. **4** Khosoihham rhoek neh pilnam khuikah cadaek rhoek te boeih a coi tih me kah Khrih nim aka thaang," a ti nah. **5** "Judea Bethlehem ah," tila tonghma rhoek loh a daek te a a thui pa uh. **6** "Judah ram kah Bethlehem nang ngawn tah Judah khoboei rhoek khuiah a yit la na om moenih. Nang lamloh hlang aka mawt ha thoeng ni. Anih loh ka pilnam Israel te a dawndah ni. **7** Herod loh kholo hlangcueih rhoek te a huep la a khue tih aisi a phoe tue te amih taengah a cae. **8** Te phoeiah Bethlehem la a tueih tih, "Cet uh lamtah camoe kawng te khaeh khaeh dawt uh, na hmuh uh vaengah kai taengla, ha puen uh, te daengah ni ka lo vetih anih te ka bawk eh," a ti nah. **9** Manghai ol te a yaak uh nen tah vik cet uh. Te daengah khothoeng ah aisi te lawt a hmuh uh. Te dongah amih te camoe om nah a pha hil a lamhma pah tih a soah a pai pah. **10** Aisi te a hmuh uh vaengah omngaihnah neha nah la bahoeng omngaih uh. **11** Im la a pha uh vaengah camoe neh a manu Mary te a hmuh uh dongah bakop doe ah a bawk uh. Te phoeiah a khohrhang te a ong uh tih a kutdoe la sui, hmueihtui neh myrrh te a paek uh. **12** Tedae Herod taengah bal pawt ham a mang ah a mangthui pa tih a kho la a tloe longpuei longah bal uh. **13** Amih a caeh uh phoeiah Boeipa kah puencawn loh Joseph mang ah pakcak phoe tih, "Thoo, camoe neh a manu te lo, Egypt la rhaelrham laeh, nang taengah kan thui hlan duela pahoi om laeh. Herod loh camoe te poci sak hamla cai tih a toem coeng," a ti nah. **14** Te dongah thoo tih camoe neh a manu te khoyin ah a loh tih, Egypt la cet. **15** Te dongah Herod kah a dueknah rhi hil pahoi om. Te nen ni BOEIPA kah tonghma lamloh a thui tih, "Ka capa te Egypt lamkah ka khue," a ti te a soep. **16** Te vaengah Herod loh kholo hlangcueih kah a tamdaeng te a ming tih bahoeng a thinhul. A tue te kholo hlangcueih taeng lamloh a cae vanbangla Bethlehem khui neh a vaang pum khuikah hlang a tueih tih camoe kum nit hmui te boeih a ngawn. **17** Te vaengah tonghma Jeremiah lamloh a thui tih, **18** Rhama ah ol a yaak. Rhahnah neh nguekcoinah loh yet. Rakhel loh a ca rhoek te a rhah. Tedae a om uh voel pawt dongah a hloep te ngaih pawh," a ti te soep. **19** Herod a duek phoeiah, Boeipa kah puencawn tah Egypt kah Joseph mang ah pakcak phoe tih, **20** "Thoo, camoe neh a manu te lo lamtah Israel kho la cet laeh, camoe kah hinglu aka mae rhoek tah duek uh coeng," a ti nah. **21** Te dongah thoo tih camoe neh a manu te a khuen tih, Israel kho la a kun puei. **22** Tedae Arkhelas loh a napa Herod yueng la Judea te a uk tila a yaak tih tela caeh ham a rhih. Te cakhaw mang ah a mangthui pah bangla Galilee pingpang la cet. **23** Te phoeiah Nazareth la a khue khopuei la cet tih kho a sak. Te tlam ni tonghma rhoek lamloh, "Nazaren la a khue ni," a ti te a soep eh.

Matthai

1 He tah Abraham kah cadil, David kah cadil, Jesuh Khrih kah rhuirhong cabu ni. **2** Abraham loh Isaak a sak tih, Isaak loh Jakob a sak, Jakob loh Judah boeinaphung a sak. **3** Judah neh Tamar loh Perez neh Zerah a sak tih, Perez loh Herezon a sak, Hezron loh Aram a sak. **4** Aram loh Amminadab a sak tih, Aminadab loh Nahshon a sak. Nahshon loh Salmon a sak. **5** Salmon neh Rahab loh Boaz a sak rhoi, Boaz neh Ruth loh Obed a sak, Obed loh Jesse a sak. **6** Jesse loh manghai David a sak tih, David neh Uriah kah yurho loh Solomon a sak. **7** Solomon loh Rehoboam a sak tih, Rehoboam loh Abijah a sak, Abijah loh Asa a sak **8** Asa loh Jehoshaphat a sak tih, Jehoshaphat loh Joram a sak, Joram loh Uzziah a sak **9** Uzziah loh Jotham a sak tih, Jotham loh Ahaz a sak, Ahaz loh Hezekiah a sak, **10** Hezekiah loh Manasseh a sak tih, Manasseh loh Amos a sak, Amos loh Josiah a sak. **11** Josiah he Babylonla a puennah kungah Jekhoniah neh a manuca rhoek te a sak **12** Babylon la a puennah hnukah, Jekhoniah loh Shealtiel a sak, Shealtiel loh Zerubbabel a sak, **13** Zerubbabel loh Abiud a sak tih, Abiud loh Eliakim a sak, Eliakim loh Azor a sak, **14** Azor loh Zadok a sak tih, Zadok loh Achim a sak, Achim loh Eliud a sak, **15** Eliud loh Eleazar a sak tih, Eleazar loh Matthan a sak, Matthan loh Jakob a sak, **16** Jakob loh Mary kah a va Joseph a sak. Anih lamloh Khrih la a khue Jesuh a sak. **17** Te dongah Abraham lamloh David duela a khongla khong hlaili tih, David lamloh Babylonla a puennah duela khong hlaili, Babylonla a puennah lamloh Khrih duela boeih ah khong hlaili lo. **18** Jesuh Khrih kah rhuirhong khaw ana om tangloeng. A manu Mary he Joseph hamla a bae dae a om rhoi hlan ah Mueihla Cim loh bungvawn la a om sak te a ming. **19** A va Joseph tah aka duengla om tih anih te yan ham a ngaih pawt dongah toeng hamla duem cai. **20** He a poek vaengah, boeipa kah puencawn loh anih taengla a mang ah pakcak a phoe pah tih, "David capa Joseph Mary te na yuula loh ham rhih boeh, anih a vawn he Mueihla Cim rhangnen ni,". **21** Capa a cun vaengah a ming te Jesuh na sui ni. Anih long tah a pilnam te a tholh khui lamloh a khang ni. **22** Boeipa kah a thui te soep sak hamla he he boeih thoeng coeng. **23** Tonghma lamlong khaw, "Oila te bungvawn la om vetih capa a cun ni, a ming tah Emmanuel la a khue uh ni he. Te tah mamih taengah aka om Pathen ni a thuingaih," a ti nah. **24** Joseph tah a ih kung lamkah a thoh vaengah Boeipa kah puencawn loh anih a uen bangla a ngai tih a yuu te a loh. **25** Tedae capa a cun hil Mary te ming pawh. A ming te khaw Jesuh a sui.

2 Manghai Herod tue vaengah Jesuh tah Judah ram Bethlehem ah thang, te vaengah khothoeng ben lamkah kholo hlangcueih rhoek Jerusalem la ha pawk uh. **2** "Judah manghai aka thaang te melam a om? Anih kah aisi te khothoeng ben ah ka hmuh uh tih, anih bawk hamla ka pawk uh coeng," a ti uh. **3** Manghai Herod loh a yaak vaengah amah khaw, Jerusalem khaw boeih a hinghuen. **4** Khosoihham rhoek neh pilnam khuikah cadaek rhoek te boeih a coi tih me kah Khrih nim aka thaang," a ti nah. **5** "Judea Bethlehem ah," tila tonghma rhoek loh a daek te a a thui pa uh. **6** "Judah ram kah Bethlehem nang ngawn tah Judah khoboei rhoek khuiah a yit la na om moenih. Nang lamloh hlang aka mawt ha thoeng ni. Anih loh ka pilnam Israel te a dawndah ni. **7** Herod loh kholo hlangcueih rhoek te a huep la a khue tih aisi a phoe tue te amih taengah a cae. **8** Te phoeiah Bethlehem la a tueih tih, "Cet uh lamtah camoe kawng te khaeh khaeh dawt uh, na hmuh uh vaengah kai taengla, ha puen uh, te daengah ni ka lo vetih anih te ka bawk eh," a ti nah. **9** Manghai ol te a yaak uh nen tah vik cet uh. Te daengah khothoeng ah aisi te lawt a hmuh uh. Te dongah amih te camoe om nah a pha hil a lamhma pah tih a soah a pai pah. **10** Aisi te a hmuh uh vaengah omngaihnah neh a nahla bahoeng omngaih uh. **11** Im la a pha uh vaengah camoe neh a manu Mary te a hmuh uh dongah bakop doe ah a bawk uh. Te phoeiah a khohrhang te a ong uh tih a kutdoe la sui, hmueihtui neh myrrh te a paek uh. **12** Tedae Herod taengah bal pawt ham a mang ah a mangthui pa tih a kho la a tloe longpuei longah bal uh. **13** Amih a caeh uh phoeiah Boeipa kah puencawn loh Joseph mang ah pakcak phoe tih, "Thoo, camoe neh a manu te lo, Egypt la rhaelrham laeh, nang taengah kan thui hlan duela pahoi om laeh. Herod loh camoe te poci sak hamla cai tih a toem coeng," a ti nah. **14** Te dongah thoo tih camoe neh a manu te khoyin ah a loh tih, Egypt la cet. **15** Te dongah Herod kah a dueknah rhi hil pahoi om. Te nen ni BOEIPA kah tonghma lamloh a thui tih, "Ka capa te Egypt lamkah ka khue," a ti te a soep. **16** Te vaengah Herod loh kholo hlangcueih kah a tamdaeng te a ming tih bahoeng a thinhul. A tue te kholo hlangcueih taeng lamloh a cae vanbangla Bethlehem khui neh a vaang pum khuikah hlang a tueih tih camoe kum nit hmui te boeih a ngawn. **17** Te vaengah tonghma Jeremiah lamloh a thui tih, **18** Rhama ah ol a yaak. Rhahnah neh nguekcoinah loh yet. Rakhel loh a ca rhoek te a rhah. Tedae a om uh voel pawt dongah a hloep te ngaih pawh," a ti te soep. **19** Herod a duek phoeiah, Boeipa kah puencawn tah Egypt kah Joseph mang ah pakcak phoe tih, **20** "Thoo, camoe neh a manu te lo lamtah Israel kho la cet laeh, camoe kah hinglu aka mae rhoek tah duek uh coeng," a ti nah. **21** Te dongah thoo tih camoe neh a manu te a khuen tih, Israel kho la a kun puei. **22** Tedae Arkhelas loh a napa Herod yueng la Judea te a uk tila a yaak tih tela caeh ham a rhih. Te cakhaw mang ah a mangthui pah bangla Galilee pingpang la cet. **23** Te phoeiah Nazareth la a khue khopuei la cet tih kho a sak. Te tlam ni tonghma rhoek lamloh, "Nazaren la a khue ni," a ti te a soep eh.

Matthai

1 Abraham capa David, David capa Jesu Khrih a lawnaak cadil thuihnaak cauk taw vemyihna awm hy. **2** Abraham ing Isaak ca na nawh; Isaak ing Jakob ca na hy; Jakob ing Judah cingnahqui ca na hy. **3** Judah ingkaw Tamar a ven awhkawng Perez ingkaw Zerah cana nawh; Perez ing Herezon cana hy, Herezon ing Qam cana hy. **4** Qam ing Amminadab ca na nawh, Aminadab ing Nahshon ca na hy; Nahshon ing Salmon ca na hy. **5** Salmon ingkaw Rahab a ven awhkawng Boaz ca na hy, Boaz ing Ruth a ven awhkawng Obed ca na hy; Obed ing Jesee ca na hy. **6** Jesee ing David sangpahrang ca na nawh; David sangpahrang ing Uria a zu ven awhkawng solomon ca na hy; **7** Solomon ing Rehoboam ca na hy; Rehobam ing Abijah ca na hy; Abijah ing Asa ca na hy; **8** Asa ing Jehoshaphat ca na hy; Jehoshaphat ing Uzziah ca na hy; **9** Uzziah ing Jotham ca na hy; Jotham ing Ahaz ca na hy; Ahaz ing Hezekiah ca na hy; **10** Hezekiah ing Manasseh ca na hy; Manasseh ing Amon ca na hy; Amon ing Josiah ca na hy; **11** Babylon khaw awh tamnaa na ami khyn tloek awh, Josiah ing Jekoniah ingkaw a mik cingnakhqi ca na hy; **12** Babylon awh tamnaa na ami khyn coengawh; Jekoniah ing shealtiel ca na hy; Shealtel ing Zerubbabel ca na hy; **13** Zerubbabel ing Abiud ca na hy; A biud ing Azor ca na hy; **14** Azor ing Zadok ca na hy; Akim ing Eliud ca na hy; **15** Eliud ing Eleazar ca na hy; Eleazar ing Matthan ca na hy; **16** Jakob ing Meri va Joseph ca na hy; cawhkawng khrih ami ti uh, Jesu ce thang hy. **17** Abraham awhkawng David dy khuk hlaihphli law hy; David awhkawng Babylon awh tamnaa na ami khyn dy khuk hlaihphli law hy; Babylon na ami khyn coeng awhkawng Khrih dy khuk hlaihphli law bai hy. **18** Jesu Khrih a thangnaak taw ve myihna awm hy: anu Meri ce Joseph ing a zu na kang nawh, kut oet na ani awm haih hlanawh, Meri ing Ciim Myihla ak caming naasen syn hawh hy. **19** Ava Joseph taw thlak dyng na a awm dawngawh, thlang ing a sim hlanawh, ang hyp na nawn dym aham cai hy. **20** Cemyihna ak poek huili awh, Bawipa ak khan ceityih ce ang mang awh dang pe nawh, a venawh, “David capa Joseph na zu Meri ce lawh aham koeh kqih: a phyihsu taw Ciim Myihla ak caming ni tina hy. **21** Anih ing cakpa ta kawmsaw, ak thlangkhqi ce thawlhnaak khui awhkawng hul aham a awm dawngawh, ang ming taw JESU tinawh sui kawp ti, tina hy. **22** Bawipa ing a tawngha hawnaak ing anak kqawn ce a soepnaak aham ve myihkhqi boeih ve ana hang awm hy. **23** Ngai lah, nulak cym ce phyihsu kawmsaw, cakpa ta kaw, ang ming taw Emmanuel tinawh khy kawm uh, ningnih a venawh Khawsa awm hy tinaak ni”. **24** Joseph ing ang hqyng law awh Bawipa a ceityih ing awi a peek amyihna, Meri ce zu na hy: **25** a ca a cuun hlan dy taw am heei hy; cekcoengawh a cakcyk ce cuun nawh JESU tinawh ming sui hy.

2 Herod ce sangpahrang na a awm awh Judah qam Bethlehem awh Jesu taw thang hy, cawh Khawlaw ben nakaw thlakcyikhqi ce Jerusalem na law uhy, **2** Judah thlangkhqi a sangpahrang ak thang ce hana a awm? Anih a aihchi ce khawlaw benna ka mi huh a dawngawh, anih bawk aham ka mik law ni” tina uhy. **3** Ce ak awi ce Herod sangpahrang ing ang zaak awh ak kawpoek kyi hy, Jerusalem awh amik awm thlangkhqi boeih awm amik kawpoek kyi hy. **4** Khawsoeih boeikhqi ingkaw ca qeekungkhqi boeih ce khy khqi nawh Khrih a thangnaak kawi hyn ce sui sak khqi hy. **5** Cekkhqi ing a venawh, “Judah qam Bethlehem khaw awh thang kaw: kawtih tawngha ing vemyihna ana qee hyt hawh hy; **6** Nang Bethlehem, Judah qam khuiawh Judah ukkungkhqi anglakawh ak zawi soeih na am awm hyk ti. Ikawtih nak khui awhkawng ukkung law kawmsaw, anih ing kak thlang Israelkhqi ce uk kaw, tinawh qee hy,” tina uhy. **7** Cekcoengawh Herod ing thlakcyikhqi ce ang hyp na khy nawh aihchi dang pehy tice ak nep caana doet hy. **8** Cekcoengawh cekkhqi ce Bethlehem na tyi khqi hy; “Cet unawh naasen ce ak nep na sui law uh; nami huh awhtaw ning zaak law sak uh, kai ingawm cet nyng saw anih bawk lawt vang.” tina khi hy. **9** Sangpahrang awi ce aming zaak coengawh cet uhy; cawh, khawlaw ben nakaw aihchi ce hu tlaih uhy, naasen a awmnaak hyn pha nawh ang dym hlan dy cekkhqi haiawh aihchi ce cet hy. **10** A mingmih ing aihchi ami huh awh zeel soeih uhy. **11** Ipkhui na lut unawh naasen ingkaw anu Meri ce ami huh awh koep unawh bawk uhy. Ami a khawhbawm ce awng unawh; sui, frankinsen bawktui ingkaw mura ce pe uhy. **12** Herod a venna a maming hlatnaak voel aham Khawsa ing a ming mang awh awi ak kqawn peek khqi a dawngawh ak chang lam ben nakawng voei uhy. **13** A mingmih ami ceh coengawh Bawipa ak khan ceityih ing Joseph ang mang awh dang pe nawh, “Tho nawhtaw, naasen ingkaw anu ce Egypt qam na cen pyi hlah, awi kak kqawn law hlan dy taw cawh ana awm uh; Herod ing naasen ce him aham sui li hawh hy” tina hy. **14** Cawh anih ing tho nawh naasen ingkaw anu ce thawh nawh

Matthew

1 Abraham le David i suan ahi, Jesus Christ i khang
thu sia hibang a hihi. **2** Abraham tapa Isaac;
Isaac tapa Jacob; Jacob tapa Judah le a suapuite;
3 Judah le Tamar tapa te Perez le Zerah, Perez ta
Hezron; Hezron tapa Aram, **4** Aram tapa Amminadab;
Amminadab tapa Nahshon; Nahshon tapa Salmon;
5 Salmon tapa Boaz hi; Boaz i nu Rahab; Boaz
tapa Obed; Obed nu Ruth; Obed tapa Jesse; **6**
Jesse tapa David Kumpipa; David kumpipa tapa
Solomon; a nu sia Uriah i zi hi ngei hi. **7** Solomon
tapa Roboam; Roboam tapa Abijah; Abijah tapa Asa;
8 Asa tapa Jehoshaphat; Jehoshaphat tapa Jehoram;
Jehoram ta Uzziah; **9** Uzziah ta Jotham; Jotham ta
Ahaz; Ahaz ta Hezekiah; **10** Hezekiah ta Manasseh;
Manasseh ta Amon; Amon tapa Josiah; **11** Josiah ta
Jechoniah, Jechoniah in Babylon khua ah a ki khin
ma a nei a suapui te; **12** Babylon a ki khin zawkciang
Jechoniah tapa Shealtiel; Shealtiel tapa Zerubbabel;
13 Zerubbabel ta Abiud; Abiud ta Eliakim; Eliakim
ta Azor; **14** Azor ta Zadok; Zadok ta Achim; Achim
ta Elihud; **15** Elihud ta Eleazar; Eleazar ta Matthan;
Matthan ta Jacob; **16** Jacob ta Joseph; Joseph sia
Mary i pasal hi a, Mary sung pan Christ a kici Jesus
hong suak hi. **17** Tua ahikom Abraham pan in David
dong khang sawm le khang li hi a; David pan in
Babylon ah a ki khin dong khang sawm le khang li;
Babylon a ki khin pan in Christ ciang dong khang
sawm le khang li a hihi. **18** Jesus Christ sua na thu
sia hibang a hihi: A nu Mary sia Joseph in dokzu a
piak sa hi a, a ki ngawm khop ma in Thaa Thiangtho
taw nau ngil om hi. **19** Joseph sia thutang khat hi
a, Mary mindaisak nuam ngawl ahikom, nol ku tu in
ngaisun hi. **20** Tabang a ngaisut laitak in, a mang
sung ah vantungmi khat hong ki lang a, David suan
Joseph awng, Mary na zi tu in teenpui tu lau heak in:
banghangziam cile a naungil sia Tha Thiangtho taw a
hihi. **21** Tapa nei tu a, tua tapa in a mite mawna pan
ngum tu ahi man in, Jesus ci in a min na phuak tu hi:
ci in vangtungmi in son hi. **22** Hi te theampo Pathian
in kamsang te tungtawn in a sonkholsa a tangtun
na hi, kamsang i sonkhol na ah, **23** En vun, ngaknu
thiangtho khat naungil om tu a, tapa khat nei tu hi, a
min Immanuel kiphuak tu hi, Emmanuel a khiakna
sia, Pathian eite taw hong om hi, ci nopna a hihi. **24**
Joseph a khanlaw ciang, Topa vantungmi i sawl bang
in, Mary tenpui hi. **25** Ahihang taciil a nei dong luppui
ngawl a, a min Jesus ci in phuak hi.

2 Herod Kumpi a sep lai in, Judah ngam Bethlehem
khua ah Jesus a sua ciang in, nisuana sang pan
mipil te Jerusalem ah hong theng uh a; **2** Hong suak
Judah te Kumpipa koisung ah om ziam? Nisuana
sang panin ama i aksi hong suak ka mu uh a, ama
bia tu in hong theng khu hi, ci uh hi. **3** Herod kumpipa
in hi thu a zak ciang in ama le Jerusalem ah a om
theampo linglawng ngawp uh hi. **4** Herod in mipi
te sung pan thiampi lian te le thukhamhil sya te
kaikhawm in, Christ koisung a suak tu ziam? ci in
dong hi. **5** Taciang amate in, Judah ngam Bethlehem
khua ah hi tu hi: banghangziam cile kamsang khat
i atkhol na ah, **6** Judah ngam sung a om, nang
Bethlehem awng, Judah ngam uk te sung ah a nobel
na hi bua hi: banghangziam cile ka mi Israel te a uk
tu nang sung pan hong piang tu hi, ci hi. **7** Tasiaciang
Herod kumpipa in mipil te samku a, banghun in aksi
suak ziam ci thiangtak in dong hi. **8** Taciang amate
Bethlehem ah paisak a, tua nauno phatak hong zong
tavun; Ama na mu uh ciang in hong sonkik tavun,
keizong pai in bia tu khi hi, ci hi. **9** Amate in kumpipa
son teng a zak zawk uh ciang pai uh hi; Taciang, en
vun, nisuana sang pan a mu uh aksi sia nausen omna
tungsan ah theng in a tawlngak dong amate mai ah
pai hi. **10** Amate in tua aksi a mu uh ciang in, nasiatak
in lungdam uh hi. **11** Innsung a tum uh ciang in, a nu
Mary le nausen mu uh a, kun in bia tek uh hi: taciang
a ken uh na manpha te sua in, kham, frankincense le
myrh te pia uh hi. **12** Tua zawkciang Herod kumpipa
kung ah heakkik nawnngawl tu in Pathian in amate i
mang sung ah kidop natu a piak hu in lamdang pan
in amate ngam ah cia uh hi. **13** Amate cia zawkciang,
Joseph mang sung ah Topa vantungmi hong kilang a,
tho in, nausen le a nu keng in, Egypt ngam ah tai
vun, thu kong puak kik dong tua ngam ah om nginge
vun: banghangziam cile Herod in hi nausen that tu in
zong tu hi, ci hi. **14** Joseph a khanlaw ciang, nausen
le a nu keng in, a zan a zan in Egypt ngam ah taipui
hi. **15** Herod kumpipa a thi dong tua ngam ah om
uh hi: hi thu sia, ka tapa Egypt ngam pan samkik zo
khi hi, ci Topa in kamsang tungtawn in a sonkhol
thu a tangtun na a hihi. **16** Herod kumpipa in, mipil
te i theam hunlam a heak ciang, a thin-uk mama a,
mihing sawl in, mipil te in ama kung ah phatak in a
dok thu taw kisai in Bethlehem khua pan kipan a kim
a pam a om patang kum ni le a nuai sia theampo that
siat hi. **17** Kamsang Jeremiah i sonkhol na ah, **18**
Ramah ngam pan in kaana aw te le nasiatak in tau na
aw ki za hi, a tate a om ngawl hu in Rachel i kaana
sia kuama in heneam zo ngawl hi, ci thu a tangtun na
a hihi. **19** Herod thi zawkciang, Egypt ngam a om

Matthew

1 Hiche hi Abraham le David a kona hung kikhai lha, Messiah Yeshua khanggui thu kisun doh chu ahi. **2** Abraham chapa chu Isaac, chule Isaac chapa chu Jacob, Jacob chapa chu Judah le asopite ahiuve. **3** Judah chapa chu Perez le Zerah ahilhon in (Anu lhon chu Tamar ahi), chule Perez chapa chu Hezron, chule Hezron chapa chu Ram ahi. **4** Ram chapa chu Amminadab, chule Amminadab chapa chu Nahshon chule Nahshon chapa chu Salmon ahi. **5** Salmon chapa chu Boaz (Anu min Rahab) ahin, Boaz chapa chu Obed (Anu chu Ruth) chule Obed chapa chu Jesse ahi. **6** Jesse chapa chu Leng David, chule David chapa chu Solomon (Anu chu Uriah jinu Bathsheba) ahi. **7** Solomon chapa chu Rehoboam ahin Rehoboam chapa chu Abijah chule Abijah chapa chu Asaph ahi. **8** Asaph chapa chu Jehoshaphat ahin, Jehoshaphat chapa chu Jehoram ahin chule Jehoram chapa chu Uzziah ahi. **9** Uzziah chapa chu Jotham ahin, Jotham chapa chu Ahaz chule Ahaz chapa chu Hezekiah ahi. **10** Hezekiah chapa chu Manasseh ahin, Manasseh chapa chu Amon ahin, chule Amon chapa chu Josiah ahi. **11** Josiah chapa chu Jehoiachin le asopi pasal ho ahiuve (Babylon a apuimang laiyuva peng ahiuve). **12** Babylon a puimang ahi jouvin: Jehoiachin chapa chu Shealtiel ahin, chule Shealtiel chapa chu Zerubbabel ahi. **13** Zerubbabel chapa chu Abiud ahin, Abiud chapa chu Eliakim ahin, chule Eliakim chapa chu Azor ahi. **14** Azor chapa chu Zadok ahin, Zadok chapa chu Akim ahin, chule Achim chapa chu Eliud ahi. **15** Eliud chapa chu Eleazar ahin, Eleazar chapa chu Matthan ahin, chule Matthan chapa chu Jacob ahi. **16** Jacob chapa chu Mary jipa Joseph ahi. Hiche Mary a kona hi Yeshua kiti Messiah chu ana peng ahi. **17** Achunga ki jihdoh ho hi—Abraham apat David chan gei khang som le li sung ahin, David apat Babylon a puimanga aum gei chu khang som le li sung ahin, chule Babylon a puimanga aum uva pat Messiah hung chan gei chu khang som le li ahi. **18** Hiche hi Yeshua Messiah hungpen thudol ahi. Anu Mary hi, Joseph to kicheng dinga kitepna neisa ahi. Ahinlah aum khom masang lhon in, Lhagao Theng thilbol theina a nungah theng ahipet in, amanu hi naovop ahi akihedoh tai. **19** Chutah in, aji dingpa Joseph chu mipha ahijeh'in, japi het in jumna ape nom pon, hijeh chun guhthim'a kikhenpi din lunggel aneitai. **20** Hitia lung angaito lai hin Pakai vantil khat ahenga ahung kilah in ajah a "Joseph, David chapa, Mary chu ji dia nakipui ding kicha hih in, ajeh chu naocha asunga umkhu Lhagao Thenga kona kijil ahi. **21** Chule amanu hin chapa khat ahin nei ding, nangman amin Yeshua tia nasah ding ahi, ajeh chu Ama hin Amite achonset nauva kon'a ahuhhing ding ahi," ati. **22** Hiche ho jouse hi Pakai thupo, athemgao thusei gui lhunna dinga sohdoh ahitai: **23** "Vetem un! Nungah theng khat in nao ahinvop ding ahi! Amanu hin chapa khat ahin ding chule amin Emmanuel asah dingu hichu 'Pathen in eium piuve,'" tina ahi. **24** Chujouvin Joseph ahung khahdoh phat in, Pakai vantil thupeh bang in abol in, chule Mary chu ajidin akipui tai. **25** Ahinlah achapa pen masang sen amanu hi kitoh khah pilou hel in aum in, chuin Joseph chun amin Yeshua asahtai.

2 Leng Herod vaipoh laiyin, Judea gam Bethlehem a Yeshua ana peng in ahi. Hiche pet chun solam gamkai hoa kon in miching phabep Jerusalem khopia ahung un, amaho chun adong un, **2** "Juda nam mite lengthah hungpeng chu hoilaiya umham? Kei hon Ama ahsi hung sohdoh chu solam a kamu uvin chule Ama chu, hou dinga hunga kahiuve," atiuvin ahi. **3** Leng Herod chun hiche thu ajah phat in ama le Jerusalem a cheng jouse alung kham lheh jeng un ahi. **4** Aman thempu pipui ho leh hou dan thuhil ho akhom in "Messiah hoilai muna peng ding ham?" tin amaho chu adong tai. **5** Amahon adonbut un, "Judea gam Bethlehem a atiuve, ajeh chu themgao vin hiti hin ajih e: **6** 'Chule nangma, vo Bethlehem Judah gam'a um, Judah khopia vaipo holah a aneopen nahi poi, ijeh inem itileh nangma a kona vaipo khat, kami Israelte ching dingpa chu hung ding ahi,'" atiuve. **7** Chutah in Herod chun miching ho chu guhthim in aki houpin, amahoa kon in ahsi akimu masat phat chu ahedoh tai. **8** Chutah in aman amaho chu aseipeh in, "Bethlehem a che uvin chule naosen chu ching thei tah in gahol un, ama chu namu teng uleh, hungkit un chule keima neiseipeh un, chutia keima jong kaga chea Ama chu kaga hou theina ding in," ati. **9** Lengpa thu ajah jou uchun miching ho chu ache uvin ahileh, solam a ahsi amu uchu amasang uva ache peh in, Bethlehem lama apuiyun chule naosen umna mun chunga chun akingan ahi. **10** Amahon ahsi chu amu phat uvin, amaho chu kipanan alungu alodim tai! **11** Amaho insunga alut uva ahileh naosen chu anu Mary toh ana umkhom amu uvin, chuin amaho aboh khup uvin, Ama chu ahou tauve. Chuin amahon agou bom'u chu ahong doh uvin, ama chu Sana, Bego chule Myrrh kipa thilpeh in ape tauvin ahi. **12** Chujouvin amahon adalhah tauvin ahileh, Pathen in amang uva Herod heng lama kile lou dinga agihsal jeh'u chun, lam chom aho uvin agam lam uva akile tauve. **13** Miching ho ache doh jou uvin, Pakai vantil khat Joseph mang'in akilah in, "Kipatdoh in! Egypt gama naosen le anu chutoh jam uvin. Hiche mun achun hung kile kit dinga kaseipeh kahsen umden un, ajeh chu Herod in naosen chu tha dinga ahol ding ahi" tin aseipeh tai. **14** Chuche jan chun naosen chutoh anu Mary chu Joseph in apuiyin Egypt'a din, hiche mun chu adalha tauvin ahi. **15** Chule Herod thi kahsen chua chun aum den tauve. Hiche hi Pakaiyin themgao kam'a ana phondohsa: "Keiman ka Chapa chu Egypt a kakou doh e" ti gui lhunna ahi. **16** Miching hon angol bol'u Herod chun ahet doh phat in alung hang lheh jengtai. Aman chapang pasal jouse, miching hon ahsi so masat phat aseiyu totoh in, kum nia lhah noi-lamse Bethlehem sung le akimvel sea sepai ho asol in agatha sahtai. **17** Herod khansetna hi Pathen in themgao Jeremiah henga ana seisa: **18** "Ramah ah ka awgin akijai-Kana le lunghemna nasatah chu! Rachel in achate akapin, amaho athitah jeh uvin, lhepbi ding anom tapoi," kiti chu gui lhunna ahi. **19** Herod athi phat in, Pakai vantil khat chu Joseph henga amang in, Egypt a aumpet in ahung kilah in, **20** "Kipatdoh in naosen chule anu chu Israel gam'a puikit in, ijeh inem itileh naosen tha ding ana goho chu athi tauve" tin vantil in aseipeh in ahi. **21** Chuin Joseph akipat doh in chule Israel gam lama Yeshua le anutoh ahung kile tauve. **22** Ahinlah aman Judea vaipo thahpa chu Herod chapa Archelaus ahi ti ahetphat in, chuche mun a gache ding

Matthai

1 Abraham hoi Devit e catoun lah kaawm e, Jisuh Khrih a thonae lairui cauk teh, **2** Abraham capa Isak, Isak capa Jakop, Jakop capa Judah hoi a hmaunawngha naw. **3** Judah ni Tamar hoi a khe e capa Perez hoi Zerah, Perez capa Hezron, **4** Hezron capa Aram, Aram capa Amminadab, Amminadab capa Nahshon, Nahshon capa Salmon, **5** Salmon capa Boaz, Rahab hoi a khe e. Boaz capa Obed, Ruth hoi a khe e. Obed capa Jesi, Jesi capa Devit siangpahrang. **6** Devit capa Solomon, Uriah e a yu hoi a khe roi e, **7** Solomon capa Rehoboam, Rehoboam capa Abijah, Abijah capa Asaph, **8** Asaph capa Jehoshaphat, Jehoshaphat capa Joram, Joram capa Uzziah, **9** Uzziah capa Jotham, Jotham capa Ahaz, Ahaz capa Hezekiah, **10** Hezekiah capa Manasseh, Manasseh capa Amon, Amon capa Josiah, **11** Josiah capa Jekhoniah hoi a hmaunawnghanaw, Babilon lah a kampuen tawmlei vah a khe e ca catounnaw doeh. **12** Babilon kho lah a kampuen awh hnukkhu, Jekhoniah capa Shealtiel, Shealtiel capa Zerubbabel, **13** Zerubbabel capa Abiud, Abiud capa Eliakim, Eliakim capa Azor, **14** Azor capa Zadok, Zadok capa Akhim, Akhim capa Eliud, **15** Eliud capa Eleazar, Eleazar capa Matthan, Matthan capa Jakop, **16** Jakop capa, Meri e a vâ Joseph, Khrih tie Jisuh teh Meri koehoi a khe. **17** Abraham koehoi Devit totouh a se hlaipali, Devit koehoi Babilon kho lah a kampuen awh totouh a se hlaipali, Babilon kho lah a kampuen awh hoi Khrih totouh a se hlaipali touh a pha. **18** Jisuh Khrih a khenae teh, hettelah ao. A manu Meri teh Joseph yu lah pacei lah ao navah tak cungtalah a hmawng roi hoehnahlan, **19** Kathoung Muitha e camo teh a vawn toe. A vâ Joseph teh tamikalan lah ao dawkvah, Meri kaya sak hane a ngai hoeh dawkvah, arulahoi ma hanlah a kâcai. **20** Hottelah a kâcai navah, a manglah Bawipa e kalvantami, ahni koe a kamnue pouh teh, Devit capa Joseph, na yu Meri paluen hane hah na lungpuen hanh, atu e a vawn e camo teh Kathoung Muitha lahoi doeh a vawn. **21** Ahni ni Ca tongpa a khe vaiteh, Jisuh telah na phung han. Bangkongtetpawiteh, a taminaw yon thung hoi a rungngang han dawkvah atipouh. **22** Hete akong teh Bawipa ni profetnaw hno lahoi sutdeilawk akuep nahane doeh. **23** Sutdeilawk teh, Khenhaw! tanglakacuem ni vawn vaiteh ca tongpa a khe han. A min teh Emmanuel telah a phung han. Emmanuel tie teh Cathut maimouh koe ao tinae doeh. **24** Joseph a kâhlaw teh, Cathut e kalvantami ni lawk a poe e patetlah a yu teh a paluen. **25** Hatei, camin a khe hoehroukrak tak cungtalah hmawngkhai hoeh. Hote capa hah Jisuh telah a phung.

2 Herod teh siangpahrang lah ao navah, Judah ram Bethlehem kho dawk Jisuh teh a khe. Hatnavah âsikathoumnaw teh Jerusalem vah a pha awh. **2** Ahnimouh ni, kanîtholah amae Âsi ka hmu awh dawkvah, ama bawk hanelah ka pâtam awh. Judah siangpahrang ka khe e teh na maw ao telah a pacei awh. **3** Hote lawk hah a thai awh navah, Herod siangpahrang hoi Jerusalem e tami pueng a tâsue awh. **4** Vaihma bawi kalennaw hoi cakathutkungnaw pueng a pâkhueng teh, Khrih teh na maw a khe han telah a pacei. **5** Hotnaw pueng niyah, Profet buet touh ni sut a thut e teh, **6** Oe, Judah ram Bethlehem kho, nang teh Judah ram khopuinaw hlak vah na thoungca hoeh. Bangkongtetpawiteh, ka tami Isarelnaw kaukkung Bawipa teh nathung hoi a tâco han, ahni ni Isarelnaw teh a khoum han, hettelah Cakathoung dawk ao. Hatdawkvah Judah ram, Bethlehem kho dawkvah Khrih teh a khe han atipouh awh. **7** Hahoi, Herod ni âsikathoumnaw hah a ru lah a kaw teh, Âsi a kamphawngnae atueng hah kahawicalah a pacei hoiyah cet a nateh camo ca hah kahawicalah tawng awh **8** Na hmawt awh pawiteh kai hai ka bawk van nahan, bout na thaisak awh, telah lawk a thui teh Bethlehem lah a patoun. **9** Siangpahrang e a lawk hah a ngai awh teh a cei awh navah, kanîtholah a hmu e âsi teh ahnimae hmalah a cei dawkvah camo ca a onae lathueng a pha teh a kâhat. **10** Hote âsi bout a hmu awh toteh a konawm awh teh puenghoi a lunghawi awh. **11** Im thung a kâen awh navah a manu Meri hoi camo ca teh a hmu awh, a tabo awh teh camo a bawk awh. Amamae hno tabunaw a paawng awh teh sui, frankinsen hoi murah poehnonaw hoi a bawk awh. **12** Herod siangpahrang koe bout ban hoeh nahanlah a manglah Cathut ni kâhruetcuetnae a poe dawkvah, alouke lam lahoi amamouh kho lah a ban awh. **13** Ahnimanaw a cei awh hnukkhu, Cathut e kalvantami teh Joseph e a mang lah a kamnue teh, thaw nateh camo hoi a manu hah Izip ram lah yawngkhai leih. Lawk bout ka dei hoehroukrak hote ram dawk awm awh. Herod siangpahrang ni camo hah thei hanlah a tawng han toe atipouh. **14** Hahoi, Joseph a thaw teh, camo hoi a manu hah a hrawi teh, karum vah Izip ram lah a yawngkhai. **15** Herod siangpahrang a due ditouh hote ram dawkvah ao awh. Het hateh, Ka Capa hah Izip ram hoi ka kaw toe, telah Cathut ni Profetnaw hno lahoi a dei tangcoung e a kuep nahane doeh. **16** Âsikathoumnaw ni na dum awh toe tie Herod ni a panue navah, a lung puenghoi a phuen. Tami lungkaangnaw koe a pacei tangcoung e âsi a kamphawngnae koehoi, Bethlehem hoi a tengpam kho dawk e camo tongpa kum hni touh hoi a rahim pueng hah tami a patoun teh a thei sak. **17** Profet Jeremiah ni a dei e, **18** Ramah kho thungvah khuika hoi hramki e lawk ka thai. A canaw ao hoeh toung dawkvah Rachel ni a khuika e cing thai hoeh, tie lawk hatnavah a kuep. **19** Hatei, Herod a due hnukkhu, Izip ram vah Joseph e a mang lah Bawipa e kalvantami teh bout a kamnue pouh teh, **20** Thaw nateh a manu hoi camo hah Isarel ram lah cetkhai leih, camo thei hanlah katawngnaw teh a due awh toe, atipouh. **21** Joseph a thaw teh a manu hoi camo hah Isarel ram lah a ceikhai. **22** Hatei, Herod yueng lah a capa Akhelaus ni Judah ram dawk bawi lah ao tie a thai dawkvah, hote ram koe lah cet ngam hoeh. A mang lah Cathut ni kâhruetcuetnae bout a poe e patetlah Galilee ram lah a cei. **23** Profetnaw ni sut a dei awh e lawk, Khrih hah Nazareth tami telah a kaw awh han, tie a kuep nahanelah Nazareth kho dawk a pha awh teh hawvah ao awh.

Matayo

1 Achi chili chitabu cha meena ga lukosyo lu Che Yesu Kilisito, Che Yesu Kilisito jwaliji jwa uŵelesi u che Daudi, jwa uŵelesi u che Iblahimu. **2** Che Iblahimu ŵammeleche che Isaka ni che Isaka ŵammeleche che Yakobo ni che Yakobo ŵammeleche che Yuda ni achapwakwe. **3** Che Yuda ŵammeleche che Pelesi ni che Sela, achikulu ŵao ŵaliji che Tamali ni che Pelesi ŵammeleche che Esloni ni che Esloni ŵammeleche che Alamu. **4** Che Alamu ŵammeleche che Aminadabu ni che Aminadabu ŵammeleche che Nashoni ni che Nashoni ŵammeleche che Salumoni ni, **5** Che Salumoni ŵammeleche che Boasi, achikulu ŵao che Boasi ŵaliji che Lahabu. Che Boasi ni che Lusi ŵaliji achaŵelesi ŵa che Obedi ni che Obedi ŵammeleche che Yese, **6** nombe che Yese ŵammeleche Mwenye che Daudi. Che Daudi ŵammeleche che Selemani, achikulu ŵao che Selemani ŵaliji ŵankwawo che Ulia. **7** Che Selemani ŵammeleche che Lehoboamu ni, che Lehoboamu ŵammeleche che Abiya ni che Abiya ŵammeleche che Asa ni, **8** che Asa ŵammeleche che Yehoshafati ni che Yehoshafati ŵammeleche che Yolamu ni che Yolamu ŵammeleche che Usia ni, **9** Che Usia ŵammeleche che Yosamu ni che Yosamu ŵammeleche che Ahasi ni che Ahasi ŵammeleche che Esekiya ni, **10** Che Esekiya ŵammeleche che Manase ni che Manase ŵammeleche che Amoni ni che Amoni ŵammeleche che Yosia ni, **11** Che Yosia ŵammeleche che Yekonia ni achapwakwe. Keleko kaliji katema kakwasamichisya Ŵayahudi ku chilambo cha ku Babeli. **12** Nipele, Ŵayahudi paŵaiche ku chilambo cha Babeli, che Yekonia ŵammeleche che Sealitieli ni che Sealitieli ŵammeleche che Selubabeli ni, **13** Che Selubabeli ŵammeleche che Abiudi ni che Abiudi ŵammeleche che Eliakimu ni che Eliakimu ŵammeleche che Asoli. **14** Che Asoli ŵammeleche che Sadoki ni che Sadoki ŵammeleche che Akimu ni che Akimu ŵammeleche che Eliudi, **15** Che Eliudi ŵammeleche che Eliasali ni che Eliasali ŵammeleche che Matani ni che Matani ŵammeleche che Yakobo, **16** Che Yakobo ŵammeleche che Yusufu, ŵankwawo che Maliamu achikulugwe Che Yesu ŵakuŵilanjikwa Kilisito Jwakuwombola. **17** Pelepo paliji ni iŵelesi kumi na nne kutyochela che Iblahimu kwaichilila che Daudi, iŵelesi kumi na nne kutyochela che Daudi mpaka Ŵayahudi paŵajigalikwe ku usami ku Babeli ni iŵelesi kumi na nne kutyochela kwigalikwa ku usami kuichila katema ka Kilisito. **18** Yelei ni iŵatite pakupagwa Che Yesu Kilisito, che Maliamu, achikulugwe, ŵaliji atomelwe ni che Yusufu. Nambo akanaŵe kuwonegana mpela mundu ni ŵankwakwe, che Maliamu ŵalisimene ali ŵapachiilu kwa ukombole wa Mbumu jwa Akunnungu. **19** Nombe che Yusufu ŵankwakwe pakuŵa ŵaliji mundu jwambone paujo pa Akunnungu nganasaka kwachembulusya che Maliamu pa ŵandu, ŵasachile kwaleka pangaimanyilila ŵandu. **20** Nombewo paŵaliji aninkuganisya yeleyo, katumetume jwa kwinani jwa Ambuje ŵankopochele mu sagamisi, ŵansalile, “Che Yusufu mwana ju che Daudi nkajogopa kwajigala che Maliamu kuŵa ŵankwenu, ligongo ali ŵapachiilu kwa ukombole wa Mbumu jwa Akunnungu. **21** Chaligopole mwanache jwannume nomwe chimwape liina lyakwe Che Yesu, pakuŵa jwelejo ni juchiŵakulupusye ŵandu ŵakwe mu sambi syao.” **22** Nipele yoseyo yakopochele kuti liŵe isyene, liloŵe lya Ambuje liŵaŵechete kwa litala lya jwakulondola jwa Akunnungu achitiji, **23** “Mwalimwalipe chaŵe jwapachiilu, chaligopole mwanache jwannume, nombewo chachaŵilanga Emanueli” malumbo gakwe, “Akunnungu ali pamo ni uwe.” **24** Nombe che Yusufu paŵajimwiche, ŵatesile ilaila iŵatite pakusala katumetume jwa kwinani jwa Ambuje, ŵanjigele che Maliamu ŵankwawo ni kwaulanawo kumangwao. **25** Nambo nganawonegana nawo mpaka che Maliamu paŵaligopwele mwanache jwannume. Nombe che Yusufu ŵampele liina lyakwe Che Yesu.

2 Che Yesu ŵapagwile mmusi wa ku Beselehemu, muchilambo cha ku Yudea, kele katemako che Helode ali mwenye. Napagwa pe, ŵandu ŵaŵaimanyichisye nnope ndondwa kutyochela kungopochelo lyuŵa ŵaiche ku Yelusalemu. **2** Ŵausisye ŵandu, “Ana alikwapi mwanache jwapagwile, kuŵa Mwenye jwa Ŵayahudi? Tujiweni ndondwa jakwe pajikopochele kungopochelo lyuŵa ni weleu tuiche kukwapopelela.” **3** Mwenye che Helode paŵapilikene yeleyo ni ŵapwele ntima, ŵelewo pamo ni ŵandu wose ŵa ku Yelusalemu. **4** Nipele, ŵaaŵilasile pamo achakulungwa wose ŵambopesi ni ŵakwiganya Malajisyo ga Akunnungu gaŵapele che Musa, ŵausisye kuti, “Ana Kilisito Jwakuwombola chapagwe kwapi?” **5** Nombewo ŵajanjile, “Mu musi wa ku Beselehemu, muchilambo cha ku Yudea, pakuŵa yeleyo ni yaitite pakulembekwa ni jwakulondola jwa Akunnungu, **6** ‘Mmwe Beselehemu chilambo cha ku Yudea, mmwe nganimma jwamwana kose pasikati misi ja chilambo cha ku Yudea, pakuŵa kutyochela kukwenu chakopochele chilongola

ⲘⲀⲦⲑⲈⲞⲚ

ⲁ̅ ⲠⲬⲰⲘ ⲘⲘⲒⲤⲒ ⲚⲦⲈⲒⲎⲤⲞⲨⲤ ⲠⲬⲢⲒⲤⲦⲞⲤ ⲠⲰⲎⲢⲒ ⲚⲀⲀⲨⲒⲀ ⲠⲰⲎⲢⲒ ⲚⲀⲂⲢⲀⲀⲘ.
ⲃ̅ ⲀⲂⲢⲀⲀⲘ ⲆⲈ ⲀⲤⲬⲪⲈ ⲒⲤⲀⲀⲔ ⲒⲤⲀⲀⲔ ⲆⲈ ⲀⲤⲬⲪⲈ ⲖⲀⲔⲰⲂ ⲖⲀⲔⲰⲂ ⲆⲈ ⲀⲤⲬⲪⲈ ⲒⲞⲨⲆⲀⲤ ⲚⲈⲘ ⲚⲈⲤⲤⲚⲎⲞⲨ. ⲅ̅ ⲒⲞⲨⲆⲀⲤ ⲆⲈ ⲀⲤⲬⲪⲈ ⲫⲀⲢⲈⲤ ⲚⲈⲘ ⲌⲀⲢⲀ ⲈⲂⲞⲖ ϩⲈⲚⲐⲀⲘⲀⲢ ⲫⲀⲢⲈⲤ ⲆⲈ ⲀⲤⲬⲪⲈ ⲈⲤⲢⲰⲘ. ⲈⲤⲢⲰⲘ ⲆⲈ ⲀⲤⲬⲪⲈ ⲀⲢⲀⲘ. ⲇ̅ ⲀⲢⲀⲘ ⲆⲈ ⲀⲤⲬⲪⲈ ⲀⲘⲒⲚⲀⲆⲀⲂ ⲀⲘⲒⲚⲀⲆⲀⲂ ⲆⲈ ⲀⲤⲬⲪⲈ ⲚⲀⲤⲤⲰⲚ ⲚⲀⲤⲤⲰⲚ ⲆⲈ ⲀⲤⲬⲪⲈ ⲤⲀⲖⲘⲰⲚ. ⲉ̅ ⲤⲀⲖⲘⲰⲚ ⲆⲈ ⲀⲤⲬⲪⲈ ⲂⲞⲈⲤ ⲈⲂⲞⲖ ϩⲈⲚⲢⲪⲬⲀⲂ ⲂⲞⲈⲤ ⲆⲈ ⲀⲤⲬⲪⲈ ⲒⲞⲨⲂⲎⲆ ⲒⲞⲨⲂⲎⲆ ⲆⲈ ⲀⲤⲬⲪⲈ ⲒⲈⲤⲤⲈ. ⲋ̅ ⲒⲈⲤⲤⲈ ⲆⲈ ⲀⲤⲬⲪⲈ ⲆⲀⲨⲒⲆ ⲆⲀⲨⲒⲆ ⲆⲈ ⲀⲤⲬⲪⲈ ⲤⲞⲖⲞⲘⲰⲚ ⲈⲂⲞⲖ ϩⲈⲚⲐⲀ ⲞⲨⲢⲒⲀⲤ. ⲍ̅ ⲤⲞⲖⲞⲘⲰⲚ ⲆⲈ ⲀⲤⲬⲪⲈ ⲢⲞⲂⲞⲀⲘ ⲢⲞⲂⲞⲀⲘ ⲆⲈ ⲀⲤⲬⲪⲈ ⲀⲂⲒⲀ ⲀⲂⲒⲀ ⲆⲈ ⲀⲤⲬⲪⲈ ⲀⲤⲀϥ. ⲏ̅ ⲀⲤⲀϥ ⲆⲈ ⲀⲤⲬⲪⲈ ⲒⲰⲤⲀϥⲀⲦ ⲒⲰⲤⲀϥⲀⲦ ⲆⲈ ⲀⲤⲬⲪⲈ ⲒⲰⲢⲀⲘ ⲒⲰⲢⲀⲘ ⲆⲈ ⲀⲤⲬⲪⲈ ⲞⲌⲒⲀⲤ. ⲑ̅ ⲞⲌⲒⲀⲤ ⲆⲈ ⲀⲤⲬⲪⲈ ⲒⲰⲀⲐⲀⲘ ⲒⲰⲀⲐⲀⲘ ⲆⲈ ⲀⲤⲬⲪⲈ ⲀⲬⲀⲌ ⲀⲬⲀⲌ ⲆⲈ ⲀⲤⲬⲪⲈ ⲈⲌⲈⲔⲒⲀⲤ. ⲓ̅ ⲈⲌⲈⲔⲒⲀⲤ ⲆⲈ ⲀⲤⲬⲪⲈ ⲘⲀⲚⲀⲤⲤⲎ ⲘⲀⲚⲀⲤⲤⲎ ⲆⲈ ⲀⲤⲬⲪⲈ ⲀⲘⲰⲤ ⲀⲘⲰⲤ ⲆⲈ ⲀⲤⲬⲪⲈ ⲒⲰⲤⲒⲀⲤ. ⲓ̅ⲁ ⲒⲰⲤⲒⲀⲤ ⲆⲈ ⲀⲤⲬⲪⲈ ⲒⲈⲬⲞⲚⲒⲀⲤ ⲚⲈⲘ ⲚⲈⲤⲤⲚⲎⲞⲨ ⲤⲒ ⲠⲒⲞⲨⲰⲦⲈⲂ ⲈⲂⲞⲖ ⲚⲦⲈⲂⲀⲂⲨⲖⲰⲚ. ⲓ̅ⲃ ⲘⲈⲚⲈⲚⲤⲀ ⲠⲒⲞⲨⲰⲦⲈⲂ ⲈⲂⲞⲖ ⲚⲦⲈⲂⲀⲂⲨⲖⲰⲚ ⲒⲈⲬⲞⲚⲒⲀⲤ ⲀⲤⲬⲪⲈ ⲤⲀⲖⲀⲐⲒⲎⲖ ⲤⲀⲖⲀⲐⲒⲎⲖ ⲆⲈ ⲀⲤⲬⲪⲈ ⲤⲞⲢⲞⲂⲀⲂⲈⲖ. ⲓ̅ⲅ ⲤⲞⲢⲞⲂⲀⲂⲈⲖ ⲆⲈ ⲀⲤⲬⲪⲈ ⲀⲂⲒⲞⲨⲆ ⲀⲂⲒⲞⲨⲆ ⲆⲈ ⲀⲤⲬⲪⲈ ⲈⲖⲒⲀⲔⲒⲘ ⲈⲖⲒⲀⲔⲒⲘ ⲆⲈ ⲀⲤⲬⲪⲈ ⲀⲤⲰⲢ. ⲓ̅ⲇ ⲀⲤⲰⲢ ⲆⲈ ⲀⲤⲬⲪⲈ ⲤⲀⲆⲰⲔ ⲤⲀⲆⲰⲔ ⲆⲈ ⲀⲤⲬⲪⲈ ⲀⲬⲒⲚ ⲀⲬⲒⲚ ⲆⲈ ⲀⲤⲬⲪⲈ ⲈⲖⲒⲞⲨⲆ. ⲓ̅ⲉ ⲈⲖⲒⲞⲨⲆ ⲆⲈ ⲀⲤⲬⲪⲈ ⲈⲖⲈⲀⲤⲀⲢ ⲈⲖⲈⲀⲤⲀⲢ ⲆⲈ ⲀⲤⲬⲪⲈ ⲘⲀⲦⲐⲀⲚ ⲘⲀⲦⲐⲀⲚ ⲆⲈ ⲀⲤⲬⲪⲈ ⲖⲀⲔⲰⲂ. ⲓ̅ⲋ ⲖⲀⲔⲰⲂ ⲆⲈ ⲀⲤⲬⲪⲈ ⲒⲰⲤⲎⲫ ⲠⲀⲀⲒ ⲘⲘⲀⲢⲒⲀ ⲐⲎ ⲈⲦⲀⲤⲘⲈⲤ ⲒⲎⲤⲞⲨⲤ ⲫⲎ ⲈⲦⲞⲨⲘⲞⲨ† ⲈⲢⲞⲤ ⲬⲈ ⲠⲬⲢⲒⲤⲦⲞⲤ. ⲓ̅ⲍ ⲬⲰⲞⲨ ⲚⲒⲂⲈⲚ ⲒⲤⲬⲈⲚ ⲀⲂⲢⲀⲀⲘ ⲰⲀ ⲆⲀⲨⲒⲆ ⲒⲀ ⲚⲬⲰⲞⲨ ⲞⲨⲞⲤ ⲒⲤⲬⲈⲚ ⲆⲀⲨⲒⲆ ⲰⲀ ⲠⲒⲞⲨⲰⲦⲈⲂ ⲈⲂⲞⲖ ⲚⲦⲈⲂⲀⲂⲨⲖⲰⲚ ⲒⲀ ⲚⲬⲰⲞⲨ ⲞⲨⲞⲤ ⲒⲤⲬⲈⲚ ⲠⲒⲞⲨⲰⲦⲈⲂ ⲈⲂⲞⲖ ⲚⲦⲈⲂⲀⲂⲨⲖⲰⲚ ⲰⲀ ⲠⲬⲢⲒⲤⲦⲞⲤ ⲒⲀ ⲚⲬⲰⲞⲨ. ⲓ̅ϩ ⲠⲬⲒⲚⲘⲒⲤⲒ ⲚⲒϩⲤⲞⲨⲤ ⲠⲬⲢⲒⲤⲦⲞⲤ ⲚⲈⲞⲨ ⲠⲀⲒⲢϩ† ⲈⲦⲀⲨⲰⲠ ⲚⲤⲀⲦⲈⲤⲘⲀⲨ ⲘⲀⲢⲒⲀ ⲚⲒⲰⲤϩⲫ ⲘⲠⲀⲦⲞⲨⲤⲞⲨⲈⲚ ⲚⲞⲨⲈⲢϩⲞⲨ ⲀⲨⲬⲈⲘⲤ ⲈⲤⲘⲂⲞⲔⲒ ⲈⲂⲞⲖ ϩⲈⲚⲞⲨⲠⲚⲈⲨⲘⲀⲈⲤⲞⲨⲀⲂ. ⲓ̅ⲑ ⲒⲰⲤϩⲫ ⲆⲈ ⲠⲈⲤⲤⲀⲒ ⲚⲈⲞⲨⲰⲘϩⲒ ⲠⲈ ⲞⲨⲞⲤ ⲚⲤⲀⲨⲰⲰ ⲀⲚ ⲈⲀⲒⲤ ⲚⲤⲢⲀⲤ ⲀⲤⲤⲞⲘⲚⲒ ⲈⲬⲀⲤ ⲈⲂⲞⲖ ⲚⲬⲰⲠ. ⲕ̅ ⲚⲀⲒ ⲆⲈ ⲈⲦⲀⲤⲘⲞⲔⲘⲈⲔ ⲈⲢⲰⲞⲨ ⲤϩⲠⲠⲈ ⲒⲤ ⲞⲨⲀⲄⲄⲈⲖⲞⲤ ⲚⲦⲈⲠⲘⲞⲒⲤ ⲀⲤⲞⲨⲞⲚⲤⲤ ⲈⲒⲰⲤϩ ⲫϩⲈⲚ ⲞⲨⲢⲀⲤⲞⲨⲒ ⲈⲤⲬⲰ ⲘⲘⲞⲤ ⲬⲈ ⲒⲰⲤϩⲫ ⲠⲰⲎⲢⲒ ⲚⲆⲀⲨⲒⲆ ⲘⲠⲈⲢⲈⲢⲤⲞ† ⲈⲰⲈⲠ ⲘⲀⲢⲒⲀ ⲦⲈⲔⲤⲤⲒⲘⲒ ⲈⲢⲞⲔ ⲫⲎ ⲄⲀⲢ ⲈⲦⲈⲤⲚⲀⲘⲀⲤⲤⲤ ⲞⲨⲈⲂⲞⲖ ϩⲈⲚⲞⲨⲠⲚⲈⲨⲘⲀⲈⲤⲞⲨⲀⲂ ⲠⲈ. ⲕ̅ⲁ ⲈⲤⲈⲘⲒⲤⲒ ⲆⲈ ⲚⲞⲨⲰⲎⲢⲒ ⲈⲔⲈⲘⲞⲨ† ⲈⲠⲈⲤⲢⲀⲚ ⲬⲈ ⲒⲀⲤⲞⲨⲤ ⲚⲞⲞⲤ ⲄⲀⲢ ⲈⲞⲚⲀⲚⲞⲤⲈⲘ ⲘⲠⲈⲤⲖⲀⲞⲤ ⲈⲂⲞⲖ ϩⲈⲚⲚⲞⲨⲚⲞⲂⲒ. ⲕ̅ⲃ ⲫⲀⲒ ⲆⲈ ⲦⲀⲢⲤ ⲀⲤⲰⲰⲠⲒ ⲤⲒⲚⲀ ⲚⲦⲈⲤⲬⲰⲔ ⲈⲂⲞⲖ ⲚⲬⲈⲫⲎ ⲈⲦⲀ ⲠⲆⲞⲒⲤ ⲬⲞⲤ ⲈⲂⲞⲖ ⲤⲒⲦⲞⲦⲤ ⲘⲠⲒⲠⲢⲞⲫⲎⲦⲎⲤ ⲈⲤⲬⲰ ⲘⲘⲞⲤ. ⲕ̅ⲅ ⲬⲈ ⲤϩⲠⲠⲈ ⲒⲤ †ⲠⲀⲢⲐⲈⲚⲞⲤ ⲈⲤⲈⲈⲢⲂⲞⲔⲒ ⲞⲨⲞⲤ ⲈⲤⲈⲘⲒⲤⲒ ⲚⲞⲨⲰⲎⲢⲒ ⲈⲨⲈⲘⲞⲨ† ⲈⲠⲈⲤⲢⲀⲚ ⲬⲈ ⲈⲘⲘⲀⲚⲞⲨϩⲀ ⲫⲎ ⲈⲦⲈⲰⲀⲨⲞⲨⲀⲤⲘⲈⲤ ⲬⲈ ⲫⲚⲞⲨ† ⲚⲈⲘⲀⲚ. ⲕ̅ⲇ ⲈⲦⲀⲤⲨⲦⲰⲚⲤ ⲆⲈ ⲚⲬⲈⲒⲰⲤϩⲫ ⲈⲂⲞⲖ ϩⲈⲚⲠⲒⲚⲔⲞⲦ ⲀⲤⲒⲢⲒ ⲔⲀⲦⲀ ⲫⲢⲎ† ⲈⲦⲀ ⲠⲒⲀⲄⲄⲈⲖⲞⲤ

Ⲙⲁⲧⲑⲉⲟⲛ

ⲁ̅ Ⲡϫⲱⲙ ⲛⲙⲓⲥⲓ ⲛⲧⲉ ⲓ̅ⲏ̅ⲥ̅ ⲡⲭ̅ⲥ̅ ⲡⲱⲛⲣⲓ ⲛⲇⲁⲩⲓⲇ ⲡⲱⲛⲣⲓ ⲛⲁⲃⲣⲁⲁⲙ. ⲃ̅ ⲁⲃⲣⲁⲁⲙ ⲇⲉ ⲁϥ̀ⲭⲫⲉ̀ ⲓⲥⲁⲁⲕ̀ ⲓⲥⲁⲁⲕ ⲇⲉ ⲁϥ̀ⲭⲫⲉ ⲓⲁⲕⲱⲃ ⲓⲁⲕⲱⲃ ⲇⲉ ⲁϥ̀ⲭⲫⲉ ⲓⲟⲩⲇⲁⲥ ⲛⲉⲙ ⲛⲉϥ̀ⲥⲛⲏⲟⲩ. ⲅ̅ ⲓⲟⲩⲇⲁⲥ ⲇⲉ ⲁϥ̀ⲭⲫⲉ ⲫⲁⲣⲉⲥ ⲛⲉⲙ Ⲍⲁⲣⲁϩ ⲉ̀ⲃⲟⲗϩⲓⲛ Ⲑⲁⲙⲁⲣ ⲫⲁⲣⲉⲥ ⲇⲉ ⲁϥ̀ⲭⲫⲉ Ⲉⲥⲣⲱⲙ Ⲉⲥⲣⲱⲙ ⲇⲉ ⲁϥ̀ⲭⲫⲉ ⲁ̀ⲣⲁⲙ. ⲇ̅ ⲁ̀ⲣⲁⲙ ⲇⲉ ⲁϥ̀ⲭⲫⲉ ⲁ̀ⲙⲓⲛⲁⲇⲁⲃ ⲁ̀ⲙⲓⲛⲁⲇⲁⲃ ⲇⲉ ⲁϥ̀ⲭⲫⲉ Ⲛⲁⲥⲥⲱⲛ Ⲛⲁⲥⲥⲱⲛ ⲇⲉ ⲁϥ̀ⲭⲫⲉ Ⲥⲁⲗⲙⲱⲛ. ⲉ̅ Ⲥⲁⲗⲙⲱⲛ ⲇⲉ ⲁϥ̀ⲭⲫⲉ Ⲃⲟⲉⲍ ⲉ̀ⲃⲟⲗϩⲓⲛ Ⲣⲏⲭⲁⲃ Ⲃⲟⲉⲍ ⲇⲉ ⲁϥ̀ⲭⲫⲉ ⲱⲃⲏⲇ ⲉ̀ⲃⲟⲗϩⲓⲛ Ⲣⲟⲩⲑ ⲱⲃⲏⲇ ⲇⲉ ⲁϥ̀ⲭⲫⲉ ⲓⲉⲥⲥⲉ. ⲋ̅ ⲓⲉⲥⲥⲉ ⲇⲉ ⲁϥ̀ⲭⲫⲉ Ⲇⲁⲩⲓⲇ ⲡⲟⲩⲣⲟ Ⲇⲁⲩⲓⲇ ⲇⲉ ⲁϥ̀ⲭⲫⲉ Ⲥⲟⲗⲟⲙⲱⲛ ⲉ̀ⲃⲟⲗϩⲓⲛ Ⲑⲁ Ⲟⲩⲣⲓⲁⲥ. ⲍ̅ Ⲥⲟⲗⲟⲙⲱⲛ ⲇⲉ ⲁϥ̀ⲭⲫⲉ Ⲣⲟⲃⲟⲁⲙ Ⲣⲟⲃⲟⲁⲙ ⲇⲉ ⲁϥ̀ⲭⲫⲉ ⲁ̀ⲃⲓ̀ⲁ ⲁ̀ⲃⲓ̀ⲁ ⲇⲉ ⲁϥ̀ⲭⲫⲉ ⲁ̀ⲥⲁϥ. ⲏ̅ ⲁ̀ⲥⲁϥ ⲇⲉ ⲁϥ̀ⲭⲫⲉ ⲱⲥⲁϥⲁⲧ ⲱⲥⲁϥⲁⲧ ⲇⲉ ⲁϥ̀ⲭⲫⲉ ⲱⲣⲁⲙ ⲱⲣⲁⲙ ⲇⲉ ⲁⲥⲭⲫⲉ Ⲟⲍⲓⲁⲥ. ⲑ̅ Ⲟⲍⲓⲁⲥ ⲇⲉ ⲁϥ̀ⲭⲫⲉ ⲱ̀ⲁⲑⲁⲙ ⲱ̀ⲁⲑⲁⲙ ⲇⲉ ⲁϥ̀ⲭⲫⲉ ⲁ̀ⲭⲁⲍ ⲁ̀ⲭⲁⲍ ⲇⲉ ⲁϥ̀ⲭⲫⲉ Ⲉⲍⲉⲕⲓⲁⲥ. ⲓ̅ Ⲉⲍⲉⲕⲓⲁⲥ ⲇⲉ ⲁϥ̀ⲭⲫⲉ Ⲙⲁⲛⲁⲥⲥⲏ Ⲙⲁⲛⲁⲥⲥⲏ ⲇⲉ ⲁϥ̀ⲭⲫⲉ ⲁ̀ⲙⲱⲥ ⲁ̀ⲙⲱⲥ ⲇⲉ ⲁϥ̀ⲭⲫⲉ ⲓⲱⲥⲓⲁⲥ. ⲓⲁ̅ ⲓⲱⲥⲓⲁⲥ ⲇⲉ ⲁϥ̀ⲭⲫⲉ ⲓⲉⲭⲟⲛⲓⲁⲥ ⲛⲉⲙ ⲛⲉϥ̀ⲥⲛⲏⲟⲩ ⲥⲓ ⲡⲓⲟⲩ̀ⲱⲧⲉⲃ ⲉ̀ⲃⲟⲗ ⲛ̀ⲧⲉ Ⲃⲁⲃⲩⲗⲱⲛ. ⲓⲃ̅ ⲙⲉⲛⲉⲛⲥⲁ ⲡⲓⲟⲩ̀ⲱⲧⲉⲃ ⲉ̀ⲃⲟⲗ ⲛ̀ⲧⲉ Ⲃⲁⲃⲩⲗⲱⲛ ⲓⲉⲭⲟⲛⲓⲁⲥ ⲁϥ̀ⲭⲫⲉ Ⲥⲁⲗⲁⲑⲓⲏⲗ Ⲥⲁⲗⲁⲑⲓⲏⲗ ⲇⲉ ⲁϥ̀ⲭⲫⲉ Ⲍⲟⲣⲟⲃⲁⲃⲉⲗ. ⲓⲅ̅ Ⲍⲟⲣⲟⲃⲁⲃⲉⲗ ⲇⲉ ⲁϥ̀ⲭⲫⲉ ⲁ̀ⲃⲓⲟⲩⲇ ⲁ̀ⲃⲓⲟⲩⲇ ⲇⲉ ⲁϥ̀ⲭⲫⲉ Ⲉⲗⲓ̀ⲁⲕⲓⲙ Ⲉⲗⲓ̀ⲁⲕⲓⲙ ⲇⲉ ⲁϥ̀ⲭⲫⲉ ⲁ̀ⲍⲱⲣ. ⲓⲇ̅ ⲁ̀ⲍⲱⲣ ⲇⲉ ⲁϥ̀ⲭⲫⲉ Ⲥⲁⲇⲱⲕ Ⲥⲁⲇⲱⲕ ⲇⲉ ⲁϥ̀ⲭⲫⲉ ⲁ̀ⲭⲓⲛ ⲁ̀ⲭⲓⲛ ⲇⲉ ⲁϥ̀ⲭⲫⲉ Ⲉⲗⲓⲟⲩⲇ. ⲓⲉ̅ Ⲉⲗⲓⲟⲩⲇ ⲇⲉ ⲁⲥⲭⲫⲉ Ⲉⲗⲉ̀ⲁⲍⲁⲣ Ⲉⲗⲉ̀ⲁⲍⲁⲣ ⲇⲉ ⲁⲥⲭⲫⲉ Ⲙⲁⲧⲑⲁⲛ Ⲙⲁⲧⲑⲁⲛ ⲇⲉ ⲁϥ̀ⲭⲫⲉ ⲓⲁⲕⲱⲃ. ⲓⲋ̅ ⲓⲁⲕⲱⲃ ⲇⲉ ⲁϥ̀ⲭⲫⲉ ⲓⲱⲥⲏϥ ⲡⲣⲱⲓ ⲙⲘⲁⲣⲓ̀ⲁ ⲑⲏ̀ⲉⲧⲁⲥⲙⲁⲥ ⲓ̅ⲏ̅ⲥ̅ ϥⲏ̀ⲉⲧⲟⲩⲙⲟⲩⲧ̀ ⲉ̀ⲣⲟϥ ⲭⲉ Ⲡⲭ̅ⲥ̅. ⲓⲍ̅ ⲭⲱⲟⲩ ⲛⲓⲃⲉⲛ ⲓⲥⲭⲉⲛ ⲁⲃⲣⲁⲁⲙ ϣⲁ Ⲇⲁⲩⲓⲇ ⲓⲏ̅ ⲛ̀ⲭⲱⲟⲩ ⲟⲩⲟⲉ ⲓⲥⲭⲉⲛ Ⲇⲁⲩⲓⲇ ϣⲁ ⲡⲓⲟⲩ̀ⲱⲧⲉⲃ ⲉ̀ⲃⲟⲗ ⲛ̀ⲧⲉ Ⲃⲁⲃⲩⲗⲱⲛ ⲓⲏ̅ ⲛ̀ⲭⲱⲟⲩ ⲟⲩⲟⲉ ⲓⲥⲭⲉⲛ ⲡⲓⲟⲩ̀ⲱⲧⲉⲃ ⲉ̀ⲃⲟⲗ ⲛ̀ⲧⲉ Ⲃⲁⲃⲩⲗⲱⲛ ϣⲁ Ⲡⲭ̅ⲥ̅ ⲓⲏ̅ ⲛ̀ⲭⲱⲟⲩ. ⲓⲏ̅ ⲛ̀ⲡⲭⲓⲛⲙⲓⲥⲓ ⲇⲉ ⲛⲓⲏ̅ⲥ̅ Ⲡⲭ̅ⲥ̅ ⲛⲉ ⲟⲩⲡⲁⲓⲣϩ̀ ⲡⲉ ⲉ̀ⲧⲁⲩⲱⲡ ⲛ̀ⲥⲁ ⲧⲉϥⲙⲁⲩ Ⲙⲁⲣⲓ̀ⲁ ⲛⲓⲱⲥⲛϥ ⲙⲡⲁⲧⲟⲩⲥⲟⲩⲉⲛ ⲛⲟⲩ̀ⲉⲣⲛⲟⲩ ⲁⲩⲭⲉⲙⲥ ⲉⲥ̀ⲙⲃⲟⲕⲓ ⲉ̀ⲃⲟⲗϩⲓⲛ ⲟⲩⲡ̅ⲛ̅ⲁ̅ ⲉⲥⲟⲩⲁⲃ. ⲓⲏ̅ ⲓⲱⲥⲛϥ ⲇⲉ ⲡⲉⲥⲍⲁⲓ ⲛⲉ ⲟⲩ̀ⲟⲙⲏⲓ ⲡⲉ ⲟⲩⲟⲉ ⲛ̀ⲭⲟⲩⲱϣ ⲁⲛ ⲉ̀ⲁⲓⲥ ⲛ̀ⲥⲣⲁⲍ ⲁⲥⲥⲟⲙⲛⲓ ⲉ̀ⲭⲁⲥ ⲉ̀ⲃⲟⲗ ⲛ̀ⲭⲱⲡ. ⲕ̅ ⲛⲁⲓ ⲇⲉ ⲉ̀ⲧⲁⲥⲙⲟⲕⲙⲉⲕ ⲉ̀ⲣⲱⲟⲩ ⲍⲛⲛⲡⲉ ⲓⲥ ⲟⲩⲁⲅⲅⲉⲗⲟⲥ ⲛ̀ⲧⲉ Ⲡⲟⲥ̅ ⲁⲥⲟⲩⲟⲛⲍⲥ ⲉⲓⲱⲥⲛϥ ϩⲉⲛ ⲟⲩⲣⲁⲥⲟⲩ̀ⲓ ⲉⲥⲭⲱ ⲙⲙⲟⲥ ⲭⲉ ⲓⲱⲥⲛϥ ⲡⲱⲛⲣⲓ ⲛⲇⲁⲩⲓⲇ ⲙⲡⲉⲣⲉⲣⲍⲟ† ⲉⲱⲡⲉⲛ Ⲙⲁⲣⲓ̀ⲁ ⲧⲉⲕ̀ⲥⲍⲓⲙⲓ ⲉ̀ⲣⲟⲕ ϥⲛ ⲅⲁⲣ ⲉ̀ⲧⲉⲥⲛⲁⲙⲁⲥⲥⲩ ⲟⲩ ⲉ̀ⲃⲟⲗϩⲓⲛ ⲟⲩⲡ̅ⲛ̅ⲁ̅ ⲉⲥⲟⲩⲁⲃ ⲡⲉ. ⲕⲁ̅ ⲉⲥ̀ⲉⲙⲓⲥⲓ ⲇⲉ ⲛⲟⲩⲱⲛⲣⲓ ⲉⲕ̀ⲉⲙⲟⲩ† ⲉ̀ⲡⲉⲥⲣⲁⲛ ⲭⲉ ⲓ̅ⲏ̅ⲥ̅ ⲛ̀ⲑⲟⲟⲩ ⲅⲁⲣ ⲉⲑⲛⲁⲛⲟⲍⲉⲙ ⲙⲡⲉⲭⲗⲁⲟⲥ ⲉ̀ⲃⲟⲗϩⲓⲛ ⲛⲟⲩⲛⲟⲃⲓ. ⲕⲃ̅ ϥⲁⲓ ⲇⲉ ⲧⲏⲣⲟⲩ ⲁⲧⲱⲱⲛⲥ ⲍⲓⲛⲁ ⲛ̀ⲧⲉⲭⲭⲱⲕ ⲉ̀ⲃⲟⲗ ⲛ̀ⲭⲉ ϥⲛ̀ⲉⲧⲁ Ⲡⲟⲥ̅ ⲭⲟⲩ ⲉ̀ⲃⲟⲗⲍⲓⲧⲟⲧⲟⲩ ⲙⲡⲓ̀ⲡⲣⲟⲫⲏⲧⲏⲥ ⲉⲥⲭⲱ ⲙⲙⲟⲥ. ⲕⲅ̅ ⲭⲉ ⲍⲛⲛⲡⲉ ⲓⲥ ⲧⲡⲁⲣⲑⲉⲛⲟⲥ ⲉⲥⲃⲉⲣⲃⲟⲕⲓ ⲟⲩⲟⲉ ⲉⲥⲃⲉⲙⲓⲥⲓ ⲛⲟⲩⲱⲛⲣⲓ ⲉⲉⲩ̀ⲉⲙⲟⲩ† ⲉⲡⲉⲥⲣⲁⲛ ⲭⲉ ⲉⲙⲙⲁⲛⲟⲩⲏⲗ ϥⲛ̀ⲉⲧⲉ ϣⲁⲩⲟⲩⲁⲣⲙⲉⲥ ⲭⲉ ϥ† ⲛⲉⲙⲁⲛ. ⲕⲇ̅ ⲉ̀ⲧⲁⲥⲧⲱⲛϥ ⲇⲉ ⲛ̀ⲭⲉ ⲱⲥⲛϥ ⲉ̀ⲃⲟⲗϩⲓⲛ ⲡⲓⲉⲛⲕⲟⲧ ⲁϥ̀ⲉⲣⲓ ⲕⲁⲧⲁ ϯⲣⲏ† ⲉ̀ⲧⲁ ⲡⲓⲁⲅⲅⲉⲗⲟⲥ ⲛ̀ⲧⲉ Ⲡⲟⲥ̅ ⲟⲩⲁⲣⲥⲁⲣⲝⲓ ⲛⲁϥ ⲟⲩⲟⲉ ⲁϥⲱⲉⲛ Ⲙⲁⲣⲓ̀ⲁ ⲧⲉϥ̀ⲥⲍⲓⲙⲓ ⲉ̀ⲣⲟϥ. ⲕⲉ̅ ⲟⲩⲟⲉ ⲙⲡⲉϥⲥⲟⲩⲱⲛⲥ ⲱⲁⲧⲉⲥⲙⲓⲥⲓ ⲙⲡⲓⲱⲛⲣⲓ ⲟⲩⲟⲉ ⲁϥⲙⲟⲩ† ⲉⲡⲉⲥⲣⲁⲛ ⲭⲉ ⲓ̅ⲏ̅ⲥ̅

Β ⲓ̅ⲏ̅ⲥ̅ ⲇⲉ ⲉ̀ⲧⲁⲩⲙⲁⲥϥ ϩⲉⲛ Ⲃⲏⲑⲗⲉⲉⲙ ⲛ̀ⲧⲉ †ⲓⲟⲩⲇⲉ̀ⲁ ϩⲉⲛ ⲛⲓ̀ⲉⲍⲟⲟⲩ ⲛ̀ⲧⲉ Ⲏⲣⲱⲇⲏⲥ ⲡⲟⲩⲣⲟ ⲍⲛⲛⲡⲉ ⲓⲥ ⲍⲁⲛⲙⲁⲅⲟⲥ ⲁⲩ̀ⲓ ⲉ̀ⲃⲟⲗ ⲥⲁ ⲡⲉⲓⲉⲃⲧ ⲉⲓⲁ̅ⲏ̅ⲙ̅ ⲉⲩⲭⲱ ⲙⲙⲟⲥ. ⲃ̅ ⲭⲉ ⲁϥⲑⲱⲛ ϥⲏ̀ⲉⲧⲁⲩⲙⲁⲥϥ ⲡⲟⲩⲣⲟ ⲛ̀ⲧⲉ ⲛⲓⲓⲟⲩⲇⲁⲓ ⲁⲛⲛⲁⲩ ⲅⲁⲣ ⲉⲡⲉⲩⲥⲓⲟⲩ ⲥⲁⲡⲉⲓⲉⲃⲧ ⲟⲩⲟⲉ

ⲘⲀⲦⲑⲈⲞⲚ

ⲁ̅ ⲠⲬⲰⲰⲘⲈ ⲘⲠⲈⲬⲢⲞ ⲚⲒⲎⲤ ⲠⲈⲬⲤ ⲠⲰⲎⲢⲈ ⲚⲆⲀⲨⲈⲒⲆ ⲠⲰⲎⲢⲈ ⲚⲀⲂⲢⲀⲀⲘ ⲃ̅ ⲀⲂⲢⲀⲀⲘ ⲀⲈⲬⲢⲞ ⲚⲒⲤⲀⲀⲔ ⲒⲤⲀⲀⲔ ⲆⲈ ⲀⲈⲬⲢⲞ ⲚⲒⲀⲔⲰⲂ ⲖⲀⲔⲰⲂ ⲆⲈ ⲀⲈⲬⲢⲞ ⲚⲒⲞⲨⲆⲀⲤ ⲘⲚ ⲚⲈⲈⲈⲘⲎⲨ ⲅ̅ ⲞⲨⲆⲀⲤ ⲆⲈ ⲀⲈⲬⲢⲞ ⲘⲫⲀⲢⲈⲤ ⲘⲚ ⲌⲀⲢⲀ ⲈⲂⲞⲨ ⲤⲒⲚ ⲞⲀⲘⲀⲢ ⲫⲀⲢⲈⲤ ⲆⲈ ⲀⲈⲬⲢⲞ ⲚⲈⲤⲢⲰⲘ ⲈⲤⲢⲰⲘ ⲆⲈ ⲀⲈⲬⲢⲞ ⲚⲀⲢⲀⲘ ⲇ̅ ⲀⲢⲀⲘ ⲆⲈ ⲀⲈⲬⲢⲞ ⲚⲀⲘⲒⲚⲀⲆⲀⲂ ⲀⲘⲒⲚⲀⲆⲀⲂ ⲆⲈ ⲀⲈⲬⲢⲞ ⲚⲚⲀⲀⲤⲤⲰⲚ ⲚⲀⲀⲤⲤⲰⲚ ⲆⲈ ⲀⲈⲬⲢⲞ ⲚⲤⲀⲖⲘⲰⲚ ⲉ̅ ⲤⲀⲖⲘⲰⲚ ⲆⲈ ⲀⲈⲬⲢⲞ ⲚⲂⲞⲈⲤ ⲈⲂⲞⲨ ⲤⲒⲚ ⲤⲢⲀⲬⲀⲂ ⲂⲞⲈⲤ ⲆⲈ ⲀⲈⲬⲢⲞ ⲚⲒⲰⲂⲒⲀ ⲈⲂⲞⲨ ⲤⲒⲚ ⲤⲢⲞⲨⲞ ⲖⲰⲂⲒⲀ ⲆⲈ ⲀⲈⲬⲢⲞ ⲚⲒⲈⲤⲤⲀⲒ ⲋ̅ ⲒⲈⲤⲤⲀⲒ ⲆⲈ ⲀⲈⲬⲢⲞ ⲚⲆⲀⲨⲈⲒⲆ ⲠⲢⲢⲞ ⲆⲀⲨⲈⲒⲆ ⲆⲈ ⲀⲈⲬⲢⲞ ⲚⲤⲞⲖⲞⲘⲰⲚ ⲈⲂⲞⲨ ⲤⲒⲚ ⲞⲒⲘⲈ ⲚⲞⲨⲢⲒⲀⲤ ⲍ̅ ⲤⲞⲖⲞⲘⲰⲚ ⲆⲈ ⲀⲈⲬⲢⲞ ⲚⲤⲢⲞⲂⲞⲀⲘ ⲤⲢⲞⲂⲞⲀⲘ ⲆⲈ ⲀⲈⲬⲢⲞ ⲚⲀⲂⲒⲀ ⲀⲂⲒⲀⲤ ⲆⲈ ⲀⲈⲬⲢⲞ ⲚⲀⲤⲀⲫ ⲏ̅ ⲀⲤⲀⲫ ⲆⲈ ⲀⲈⲬⲢⲞ ⲚⲒⲰⲤⲀⲫⲀⲦ ⲰⲤⲀⲫⲀⲦ ⲆⲈ ⲀⲈⲬⲢⲞ ⲚⲒⲰⲢⲀⲘ ⲰⲢⲀⲘ ⲆⲈ ⲀⲈⲬⲢⲞ ⲚⲞⲌⲈⲒⲀⲤ ⲑ̅ ⲞⲌⲈⲒⲀⲤ ⲆⲈ ⲀⲈⲬⲢⲞ ⲚⲒⲰⲀⲐⲀⲘ ⲰⲚⲀⲐⲀⲘ ⲆⲈ ⲀⲈⲬⲢⲞ ⲚⲀⲬⲀⲤ ⲀⲬⲀⲤ ⲆⲈ ⲀⲈⲬⲢⲞ ⲚⲈⲤⲈⲔⲈⲒⲀⲤ ⲓ̅ ⲈⲤⲈⲔⲈⲒⲀⲤ ⲆⲈ ⲀⲈⲬⲢⲞ ⲘⲘⲀⲚⲀⲤⲤⲎ ⲘⲀⲚⲀⲤⲤⲎ ⲆⲈ ⲀⲈⲬⲢⲞ ⲚⲤⲀⲘⲰⲤ ⲤⲀⲘⲰⲤ ⲆⲈ ⲀⲈⲬⲢⲞ ⲚⲒⲰⲤⲒⲀⲤ ⲓⲁ̅ ⲰⲤⲒⲀⲤ ⲆⲈ ⲀⲈⲬⲢⲞ ⲚⲒⲈⲬⲞⲚⲒⲀⲤ ⲘⲚ ⲚⲈⲈⲈⲘⲎⲨ ⲤⲒ ⲠⲠⲰⲰⲚⲈ ⲈⲂⲞⲨ ⲚⲦⲂⲀⲂⲨⲖⲰⲚ ⲓⲃ̅ ⲘⲚⲚⲤⲀ ⲠⲠⲰⲰⲚⲈ ⲆⲈ ⲈⲂⲞⲨ ⲚⲦⲂⲀⲂⲨⲖⲰⲚ ⲒⲈⲬⲞⲚⲒⲀⲤ ⲀⲈⲬⲢⲞ ⲚⲤⲀⲖⲀⲞⲒⲎⲖ ⲤⲀⲖⲀⲞⲒⲎⲖ ⲆⲈ ⲀⲈⲬⲢⲞ ⲚⲌⲞⲢⲞⲂⲀⲂⲈⲀ ⲓⲇ̅ ⲌⲞⲢⲞⲂⲀⲂⲈⲀ ⲆⲈ ⲀⲈⲬⲢⲞ ⲚⲀⲂⲒⲞⲨⲆ ⲀⲂⲒⲞⲨⲆ ⲆⲈ ⲀⲈⲬⲢⲞ ⲚⲈⲖⲒⲀⲔⲒⲘ ⲈⲖⲒⲀⲔⲒⲘ ⲆⲈ ⲀⲈⲬⲢⲞ ⲚⲀⲌⲰⲢⲀ ⲓⲍ̅ ⲀⲌⲰⲢⲀⲤ ⲆⲈ ⲀⲈⲬⲢⲞ ⲚⲤⲀⲆⲰⲔ ⲤⲀⲆⲰⲔ ⲆⲈ ⲀⲈⲬⲢⲞ ⲚⲀⲬⲈⲒⲘ ⲀⲬⲈⲒⲘ ⲆⲈ ⲀⲈⲬⲢⲞ ⲚⲈⲖⲒⲞⲨⲀ ⲓⲉ̅ ⲈⲖⲒⲞⲨⲀ ⲆⲈ ⲀⲈⲬⲢⲞ ⲚⲈⲖⲈⲀⲌⲀⲢ ⲈⲖⲈⲀⲌⲀⲢ ⲆⲈ ⲀⲈⲬⲢⲞ ⲘⲘⲀⲦⲑⲀⲘ ⲘⲀⲦⲑⲀⲘ ⲆⲈ ⲀⲈⲬⲢⲞ ⲚⲒⲀⲔⲰⲂ ⲓⲋ̅ ⲖⲀⲔⲰⲂ ⲆⲈ ⲀⲈⲬⲢⲞ ⲚⲒⲰⲤⲒⲪ ⲚⲌⲀⲒ ⲘⲘⲀⲢⲒⲀ ⲦⲀⲒ ⲚⲦⲀⲨⲬⲠⲈ ⲒⲘⲈ ⲈⲂⲞⲨ ⲚⲌⲒⲦⲤ ⲠⲀⲒ ⲚⲰⲀⲨⲘⲞⲨⲦⲈ ⲈⲢⲞⲈ ⲬⲈ ⲠⲈⲬⲤ ⲓⲍ̅ ⲄⲈⲚⲈⲀ ⲯⲈ ⲚⲒⲘ ⲬⲒⲚ ⲀⲂⲢⲀⲀⲘ ⲰⲀ ⲈⲌⲢⲀⲒ ⲈⲆⲀⲨⲈⲒⲆ ⲘⲚ ⲦⲀⲈⲦⲈ ⲚⲄⲈⲚⲈⲀ ⲀⲨⲰ ⲬⲒⲚ ⲆⲀⲨⲈⲒⲆ ⲰⲀⲈⲌⲢⲀⲒ ⲈⲠⲠⲰⲰⲚⲈ ⲈⲂⲞⲨ ⲚⲦⲂⲀⲂⲨⲖⲰⲚ ⲘⲚ ⲦⲀⲈⲦⲈ ⲚⲄⲈⲚⲈⲀ ⲀⲨⲰ ⲬⲒⲚ ⲈⲠⲠⲰⲰⲚⲈ ⲈⲂⲞⲨ ⲚⲦⲂⲀⲂⲨⲖⲰⲚ ⲰⲀⲈⲌⲢⲀⲒ ⲈⲠⲈⲬⲤ ⲘⲚ ⲦⲀⲈⲦⲈ ⲚⲄⲈⲚⲈⲀ ⲓⲏ̅ ⲠⲈⲬⲠⲞ ⲆⲈ ⲚⲒⲎⲤ ⲠⲈⲬⲤ ⲚⲈⲨⲦⲈⲒⲰⲈ ⲠⲈ ⲚⲦⲈⲢⲞⲨⲰⲠ ⲦⲞⲞⲦⲤ ⲚⲦⲈⲤⲘⲀⲀⲨ ⲘⲀⲢⲒⲀ ⲚⲒⲰⲤⲒⲪ ⲈⲘⲠⲀⲦⲞⲨⲂⲰⲔ ⲈⲤⲞⲨⲚ ⲰⲀⲚⲈⲨⲈⲢⲢⲒⲨ ⲀⲨⲰⲈ ⲈⲢⲞⲤ ⲈⲤⲈⲈⲦ ⲈⲂⲞⲨ ⲤⲒⲚ ⲞⲨⲠⲚⲀ ⲈⲤⲞⲨⲀⲀⲂ ⲓⲏ̅ ⲒⲰⲤⲒⲪ ⲆⲈ ⲠⲈⲤⲤⲀⲒ ⲈⲚⲈⲨⲆⲒⲔⲀⲒⲞⲤ ⲠⲈ ⲀⲨⲰ ⲚⲈⲤⲞⲨⲰⲰ ⲀⲚ ⲉ† ⲘⲠⲈⲤⲤⲞⲈⲒⲦ ⲀⲤⲞⲨⲰⲰ ⲈⲚⲞⲬⲤ ⲈⲂⲞⲨ ⲚⲬⲒⲞⲨⲈ ⲕ̅ ⲚⲀⲒ ⲆⲈ ⲚⲦⲈⲢⲈⲤⲘⲈⲈⲨⲈ ⲈⲢⲞⲞⲨ ⲈⲒⲤ ⲠⲀⲖⲖⲈⲖⲞⲤ ⲘⲠⲬⲞⲈⲒⲤ ⲀⲤⲞⲨⲰⲚⲤ ⲚⲀⲤ ⲈⲂⲞⲨ ⲤⲒⲚ ⲞⲨⲢⲀⲤⲞⲨ ⲈⲤⲬⲰ ⲘⲘⲞⲤ ⲬⲈ ⲒⲰⲤⲒⲪ ⲠⲰⲎⲢⲈ ⲚⲆⲀⲨⲈⲒⲆ ⲘⲠⲢⲢⲞ ⲤⲞⲦⲈ ⲈⲬⲒ ⲘⲘⲀⲢⲒⲀ ⲦⲈⲔⲤⲢⲒⲘⲈ ⲞⲨⲈⲂⲞⲨ ⲤⲒⲚ ⲞⲨⲠⲚⲀ ⲈⲤⲞⲨⲀⲀⲂ ⲠⲈ ⲕ̅ⲍ̅ ⲤⲚⲀⲬⲠⲞ ⲆⲈ ⲚⲞⲨⲰⲢⲈ ⲚⲪⲘⲞⲨⲦⲈ ⲈⲠⲈⲤⲢⲀⲚ ⲬⲈ ⲒⲘⲤ ⲚⲦⲞⲤ ⲄⲀⲢ ⲠⲈⲦⲚⲀⲦⲞⲨⲬⲞ ⲘⲠⲈⲤⲀⲀⲞⲤ ⲈⲂⲞⲨ ⲤⲒⲚ ⲚⲈⲨⲚⲞⲂⲈ ⲕⲃ̅ ⲚⲀⲒ ⲆⲈ ⲦⲎⲢⲤ ⲚⲦⲀⲤⲰⲰⲚⲈ ⲬⲈⲔⲀⲤ ⲈⲤⲈⲬⲰⲔ ⲈⲂⲞⲨ ⲚⲘⲒ ⲠⲈⲚⲦⲀⲠⲬⲞⲈⲒⲤ ⲬⲞⲞⲤ ⲤⲒⲦⲘ ⲠⲈⲠⲢⲞⲫⲎⲦⲎⲤ ⲈⲤⲬⲰ ⲘⲘⲞⲤ ⲕⲅ̅ ⲬⲈ ⲈⲒⲤ ⲦⲠⲀⲢⲑⲈⲚⲞⲤ ⲚⲀⲰ ⲚⲤⲬⲠⲞ ⲚⲞⲨⲰⲢⲈ ⲚⲤⲈⲘⲞⲨⲦⲈ ⲈⲠⲈⲤⲢⲀⲚ ⲬⲈ ⲈⲘⲘⲀⲚⲞⲨⲎⲖ ⲈⲦⲈ ⲚⲀⲒ ⲠⲈ ⲚⲰⲀⲨⲞⲨⲀⲤⲘⲈⲤ ⲬⲈ ⲠⲚⲞⲨⲦⲈ ⲚⲘⲘⲀⲚ ⲕⲇ̅ ⲀⲤⲦⲰⲞⲨⲚ ⲆⲈ ⲚⲘⲒ ⲰⲤⲀⲪ ⲈⲤⲚⲀⲞⲦⲔ ⲀⲤⲈⲒⲢⲈ ⲔⲀⲦⲀ ⲐⲈ ⲚⲦⲀⲤⲢⲰⲚ ⲈⲦⲞⲞⲦⲤ ⲚⲘⲒ ⲠⲀⲖⲖⲈⲖⲞⲤ ⲘⲠⲬⲞⲈⲒⲤ ⲀⲤⲬⲒ ⲘⲘⲀⲢⲒⲀ ⲦⲈⲤⲔⲤⲢⲒⲘⲈ ⲕⲋ̅ ⲘⲠⲈⲤⲔⲞⲨⲰⲚⲔ ⲰⲀⲚⲦⲈⲤⲬⲠⲞ ⲘⲠⲈⲤⲰⲢⲈ ⲀⲤⲘⲞⲨⲦⲈ ⲈⲠⲈⲤⲢⲀⲚ ⲬⲈ ⲒⲘⲤ

Ⲃ̅ ⲒⲘⲤ ⲆⲈ ⲚⲦⲈⲢⲞⲨⲬⲠⲞⲤ ⲤⲢⲀⲒ ⲤⲒⲚ ⲂⲒⲐⲀⲈⲈⲘ ⲚⲦⲈ ⲧⲞⲨⲆⲀⲒⲀ ⲤⲒⲚ ⲚⲈⲤⲞⲞⲨ ⲚⲤⲒⲢⲰⲆⲀⲒⲤ ⲠⲢⲢⲞ ⲈⲒⲤ ⲤⲈⲚⲒⲘⲀⲒⲞⲤ ⲀⲨⲈⲒ ⲈⲂⲞⲨ ⲤⲒⲚ ⲚⲈⲘⲀⲚⲰⲀ ⲈⲤⲢⲀⲒ ⲈⲰⲒⲈⲢⲞⲤⲞⲖⲨⲘⲀ ⲈⲨⲬⲰ ⲘⲘⲞⲤ ⲃ̅ ⲬⲈ ⲈⲈⲦⲰⲚ ⲠⲢⲢⲞ ⲚⲚⲒⲞⲨⲆⲀⲒ ⲚⲦⲀⲨⲬⲠⲞⲤ ⲀⲚⲚⲀⲨ ⲄⲀⲢ ⲈⲠⲈⲤⲈⲒⲞⲨ ⲤⲒⲚ ⲚⲈⲘⲀⲚⲰⲀ ⲀⲚⲈⲒ ⲈⲞⲨⲰⲰⲦ ⲚⲀⲨ ⲅ̅ ⲀⲤⲈⲰⲦⲘ ⲆⲈ ⲚⲘⲒ ⲤⲒⲀⲢⲰⲆⲀⲒⲤ ⲠⲢⲢⲞ ⲀⲤⲰⲦⲞⲢⲦⲢ ⲈⲘⲀⲦⲈ ⲘⲚ ⲰⲒⲈⲢⲞⲤⲞⲖⲨⲘⲀ ⲦⲎⲢⲤ

Ⲙⲁⲧⲑⲉⲟⲛ

ⲁ̅ ⲡⲭⲱⲱⲙⲉ ⲙⲡⲉⲭⲡⲟ ⲛ̅ⲓ̅ⲥ̅ ⲡⲉⲭ̅ⲥ̅ ⲡⲱⲏⲣⲉ ⲛⲇⲁⲩⲉⲓⲇ ⲡⲱⲏⲣⲉ ⲛⲁⲃⲣⲁϩⲁⲙ. ⲃ̅ ⲁⲃⲣⲁϩⲁⲙ ⲁⲥⲭⲡⲟ ⲛⲓⲥⲁⲁⲕ. ⲓⲥⲁⲁⲕ ⲇⲉ ⲁⲥⲭⲡⲟ ⲛⲓⲁⲕⲱⲃ. ⲓⲁⲕⲱⲃ ⲇⲉ ⲁⲥⲭⲡⲟ ⲛⲓⲟⲩⲇⲁⲥ ⲙⲛⲛⲉⲥⲥⲛⲏⲩ. ⲅ̅ ⲓⲟⲩⲇⲁⲥ ⲇⲉ ⲁⲥⲭⲡⲟ ⲙⲫⲁⲣⲉⲥ ⲙⲛⲍⲁⲣⲁ ⲉⲃⲟⲗ ⲍⲛⲑⲁⲙⲁⲣ. ⲫⲁⲣⲉⲥ ⲇⲉ ⲁⲥⲭⲡⲟ ⲛⲉⲥⲣⲱⲙ. ⲉⲥⲣⲱⲙ ⲇⲉ ⲁⲥⲭⲡⲟ ⲛⲁⲣⲁⲙ. ⲇ̅ ⲁⲣⲁⲙ ⲇⲉ ⲁⲥⲭⲡⲟ ⲛⲁⲙⲓⲛⲁⲇⲁⲃ. ⲁⲙⲓⲛⲁⲇⲁⲃ ⲇⲉ ⲁⲥⲭⲡⲟ (ⲙ)ⲛⲁⲁⲥⲥⲱⲛ. ⲛⲁⲁⲥⲥⲱⲛ ⲇⲉ ⲁⲥⲭⲡⲟ ⲛⲥⲁⲗⲙⲱⲛ. ⲉ̅ ⲥⲁⲗⲙⲱⲛ ⲇⲉ ⲁⲥⲭⲡⲟ ⲛⲃⲟⲉⲥ ⲉⲃⲟⲗ ⲍⲛⲍⲣⲁϫⲁⲃ. ⲃⲟⲉⲥ ⲇⲉ ⲁⲥⲭⲡⲟ ⲛⲓⲱⲃϩⲇ ⲉⲃⲟⲗ ⲍⲛⲍⲣⲟⲩⲑ. ⲓⲱⲃϩⲇ ⲇⲉ ⲁⲥⲭⲡⲟ ⲛⲓⲉⲥⲥⲁⲓ. ⲋ̅ ⲓⲉⲥⲥⲁⲓ ⲇⲉ ⲁⲥⲭⲡⲟ ⲛⲇⲁⲩⲉⲓⲇ ⲡⲣⲣⲟ. ⲇⲁⲩⲉⲓⲇ ⲇⲉ ⲁⲥⲭⲡⲟ ⲛⲥⲟⲗⲟⲙⲱⲛ ⲉⲃⲟⲗ ⲍⲛⲑⲓⲙⲉ ⲛⲟⲩⲣⲓⲁⲥ. ⲍ̅ ⲥⲟⲗⲟⲙⲱⲛ ⲇⲉ ⲁⲥⲭⲡⲟ ⲛⲍⲣⲟⲃⲟⲁⲙ. ⲍⲣⲟⲃⲟⲁⲙ ⲇⲉ ⲁⲥⲭⲡⲟ ⲛⲁⲃⲓⲁ. ⲁⲃⲓⲁⲥ ⲇⲉ ⲁⲥⲭⲡⲟ ⲛⲁⲥⲁϥ. ⲏ̅ ⲁⲥⲁϥ ⲇⲉ ⲁⲥⲭⲡⲟ ⲛⲓⲱⲥⲁϥⲁⲧ. ⲓⲱⲥⲁϥⲁⲧ ⲇⲉ ⲁⲥⲭⲡⲟ ⲛⲓⲱⲣⲁⲙ. ⲓⲱⲣⲁⲙ ⲇⲉ ⲁⲥⲭⲡⲟ ⲛⲟⲍⲉⲓⲁⲥ. ⲑ̅ ⲟⲍⲉⲓⲁⲥ ⲇⲉ ⲁⲥⲭⲡⲟ ⲛⲓⲱⲁⲑⲁⲙ. ⲓⲱⲛⲁⲑⲁⲙ ⲇⲉ ⲁⲥⲭⲡⲟ ⲛⲁⲭⲁⲍ. ⲁⲭⲁⲍ ⲇⲉ ⲁⲥⲭⲡⲟ ⲛⲉⲍⲉⲕⲉⲓⲁⲥ. ⲓ̅ⲉⲍⲉⲕⲉⲓⲁⲥ ⲇⲉ ⲁⲥⲭⲡⲟ ⲙⲙⲁⲛⲁⲥⲥⲏ. ⲙⲁⲛⲁⲥⲥⲏ ⲇⲉ ⲁⲥⲭⲡⲟ ⲛⲍⲁⲙⲱⲥ. ⲍⲁⲙⲱⲥ ⲇⲉ ⲁⲥⲭⲡⲟ ⲛⲓⲱⲥⲓⲁⲥ. ⲓⲁ̅ ⲓⲱⲥⲓⲁⲥ ⲇⲉ ⲁⲥⲭⲡⲟ ⲛⲓⲉⲭⲟⲛⲓⲁⲥ ⲙⲛⲛⲉⲥⲥⲛⲏⲩ ⲍⲓⲡⲡⲱⲱⲛⲉ ⲉⲃⲟⲗ ⲛⲧⲃⲁⲃⲩⲗⲱⲛ. ⲓⲃ̅ ⲙⲛⲛⲥⲁⲡⲡⲱⲱⲛⲉ ⲇⲉ ⲉⲃⲟⲗ ⲛⲧⲃⲁⲃⲩⲗⲱⲛ ⲓⲉⲭⲟⲛⲓⲁⲥ ⲁⲥⲭⲡⲟ ⲛⲥⲁⲗⲁⲑⲓⲏⲗ. ⲥⲁⲗⲁⲑⲓⲏⲗ ⲇⲉ ⲁⲥⲭⲡⲟ ⲛⲍⲟⲣⲟⲃⲁⲃⲉⲗ. ⲓⲣ̅ ⲍⲟⲣⲟⲃⲁⲃⲉⲗ ⲇⲉ ⲁⲥⲭⲡⲟ ⲛⲁⲃⲓⲟⲩⲇ. ⲁⲃⲓⲟⲩⲇ ⲇⲉ ⲁⲥⲭⲡⲟ ⲛⲉⲗⲓⲁⲕⲓⲙ. ⲉⲗⲓⲁⲕⲓⲙ ⲇⲉ ⲁⲥⲭⲡⲟ ⲛⲁⲍⲱⲣⲁ. ⲓⲋ̅ ⲁⲍⲱⲣⲁⲥ ⲇⲉ ⲁⲥⲭⲡⲟ ⲛⲥⲁⲇⲱⲕ. ⲥⲁⲇⲱⲕ ⲇⲉ ⲁⲥⲭⲡⲟ ⲛⲁⲭⲉⲓⲙ. ⲁⲭⲉⲓⲙ ⲇⲉ ⲁⲥⲭⲡⲟ ⲛⲉⲗⲓⲟⲩⲇ. ⲓⲋ̅ ⲉⲗⲓⲟⲩⲇ ⲇⲉ ⲁⲥⲭⲡⲟ ⲛⲉⲗⲉⲁⲍⲁⲣ. ⲉⲗⲉⲁⲍⲁⲣ ⲇⲉ ⲁⲥⲭⲡⲟ ⲙⲙⲁⲧⲑⲁⲙ. ⲙⲁⲧⲑⲁⲙ ⲇⲉ ⲁⲥⲭⲡⲟ ⲛⲓⲁⲕⲱⲃ. ⲓⲍ̅ ⲓⲁⲕⲱⲃ ⲇⲉ ⲁⲥⲭⲡⲟ ⲛⲓⲱⲥⲏϥ ⲡⲣⲁⲓ ⲙⲙⲁⲣⲓⲁ. ⲧⲁⲓ ⲛⲧⲁⲩⲭⲡⲉⲓⲥ̅ ⲉⲃⲟⲗ ⲛⲍⲏⲧⲥ. ⲡⲁⲓ ⲛⲱⲁⲩⲙⲟⲩⲧⲉ ⲉⲣⲟⲕ ⲭⲉⲡⲉⲭ̅ⲥ̅. ⲓⲍ̅ ⲅⲉⲛⲉⲁ ⲃⲉ ⲛⲓⲙ ⲭⲓⲛⲁⲃⲣⲁϩⲁⲙ ⲱⲁⲉⲣⲣⲁⲓ ⲉⲇⲁⲩⲉⲓⲇ ⲙⲛⲧⲁⲥⲧⲉ ⲛⲅⲉⲛⲉⲁ. ⲁⲩⲱ ⲭⲓⲛⲇⲁⲩⲉⲓⲇ ⲱⲁⲉⲣⲣⲁⲓ ⲉⲡⲡⲱⲱⲛⲉ ⲉⲃⲟⲗ ⲛⲧⲃⲁⲃⲩⲗⲱⲛ ⲙⲛⲧⲁⲥⲧⲉ ⲛⲅⲉⲛⲉⲁ. ⲁⲩⲱ ⲭⲓⲛ ⲉⲡⲡⲱⲱⲛⲉ ⲉⲃⲟⲗ ⲛⲧⲃⲁⲃⲩⲗⲱⲛ ⲱⲁⲉⲣⲣⲁⲓ ⲉⲡⲉⲭ̅ⲥ̅ ⲙⲛⲧⲁⲥⲧⲉ ⲛⲅⲉⲛⲉⲁ. ⲓⲏ̅ ⲡⲉⲭⲡⲟ ⲇⲉ ⲛⲓ̅ⲥ̅ ⲡⲉⲭ̅ⲥ̅ ⲛⲉⲩⲧⲉⲓⲣⲉ ⲡⲉ. ⲛⲧⲉⲣⲟⲩⲱⲡⲧⲟⲟⲧⲥ ⲛⲧⲉⲥⲙⲁⲁⲩ ⲙⲁⲣⲓⲁ ⲛⲓⲱⲥⲏϥ. ⲉⲙⲡⲁⲧⲟⲩⲃⲱⲕ ⲉⲣⲟⲩⲛ ⲱⲁⲛⲉⲩⲉⲣⲏⲩ. ⲁⲩⲍⲉ ⲉⲣⲟⲥ ⲉⲥⲉⲉⲧ ⲉⲃⲟⲗ ⲍⲛⲟⲩⲡⲛⲁ ⲉⲥⲟⲩⲁⲁⲃ. ⲓⲏ̅ ⲓⲱⲥⲏϥ ⲇⲉ ⲡⲉⲥⲍⲁⲓ ⲉⲛⲉⲩⲇⲓⲕⲁⲓⲟⲥ ⲡⲉ. ⲁⲩⲱ ⲛⲉⲥⲟⲩⲱⲱ ⲁⲛ ⲉⲧ ⲙⲡⲉⲥⲥⲟⲉⲓⲧ ⲁⲥⲟⲩⲱⲱ ⲉⲛⲟⲭⲥ ⲉⲃⲟⲗ ⲛⲭⲓⲟⲩⲉ. ⲓ̅ ⲛⲁⲓ ⲇⲉ ⲛⲧⲉⲣⲉⲥⲙⲉⲉⲩⲉ ⲉⲣⲟⲟⲩ ⲉⲓⲥⲡⲁⲅⲅⲉⲗⲟⲥ ⲙⲡⲭⲟⲉⲓⲥ ⲁⲥⲟⲩⲱⲛⲍ ⲛⲁⲥ ⲉⲃⲟⲗ ⲍⲛⲟⲩⲣⲁⲥⲟⲩ ⲉⲥⲭⲱ ⲙⲙⲟⲥ. ⲭⲉ ⲓⲱⲥⲏϥ ⲡⲱⲏⲣⲉ ⲛⲇⲁⲩⲉⲓⲇ ⲙⲡⲣⲣⲍⲟⲧⲉ ⲉⲭⲓ ⲙⲙⲁⲣⲓⲁ ⲧⲉⲕⲥⲍⲓⲙⲉ. ⲡⲉⲧⲟⲩⲛⲁⲭⲡⲟⲩ ⲅⲁⲣ ⲉⲃⲟⲗ ⲛⲍⲏⲧⲥ ⲟⲩⲉⲃⲟⲗ ⲍⲛⲟⲩⲛ̅ⲛ̅ⲁ̅ ⲉⲥⲟⲩⲁⲁⲃ ⲡⲉ. ⲕ̅ⲁ̅ ⲥⲛⲁⲭⲡⲟ ⲇⲉ ⲛⲟⲩⲱⲏⲣⲉ. ⲛⲓⲙⲟⲩⲧⲉ ⲉⲡⲉⲥⲣⲁⲛ ⲭⲉ ⲓ̅ⲥ̅. ⲛⲧⲟⲩ ⲅⲁⲣ ⲡⲉⲧⲛⲁⲧⲟⲩⲭⲟ ⲙⲡⲉⲥⲗⲁⲟⲥ ⲉⲃⲟⲗ ⲍⲛⲛⲉⲩⲛⲟⲃⲉ. ⲕ̅ⲃ̅ ⲡⲁⲓ ⲇⲉ ⲑⲏⲣⲩ ⲛⲧⲁⲥⲱⲱⲛⲉ ⲭⲉⲕⲁⲥ ⲉⲥⲉⲭⲱⲕ ⲉⲃⲟⲗ ⲛⲋⲓⲡⲉⲛⲧⲁⲡⲭⲟⲉⲓⲥ ⲭⲟⲟⲩ ⲍⲓⲧⲙⲡⲉⲡⲣⲟⲫⲏⲧⲏⲥ ⲉⲥⲭⲱ ⲙⲙⲟⲥ. ⲕ̅ⲅ̅ ⲭⲉ ⲉⲓⲥⲧⲡⲁⲣⲑⲉⲛⲟⲥ ⲛⲁⲱ. ⲛⲥⲭⲡⲟ ⲛⲟⲩⲱⲏⲣⲉ. ⲛⲥⲉⲙⲟⲩⲧⲉ ⲉⲡⲉⲥⲣⲁⲛ ⲭⲉ ⲉⲙⲙⲁⲛⲟⲩⲏⲗ. ⲉⲧⲉⲡⲁⲓ ⲡⲉ ⲛⲱⲁⲩⲟⲩⲁⲍⲙⲉⲥ ⲭⲉ ⲡⲛⲟⲩⲧⲉ ⲛⲙⲙⲁⲛ. ⲕ̅ⲇ̅ ⲁⲥⲧⲱⲟⲩⲛ ⲇⲉ ⲛⲋⲓⲱⲥⲏϥ ⲉⲥⲛⲕⲟⲧⲕ ⲁⲥⲉⲓⲣⲉ ⲕⲁⲧⲁⲑⲉ ⲛⲧⲁⲥⲍⲱⲛ ⲉⲧⲟⲟⲧⲥ ⲛⲋⲓⲡⲁⲅⲅⲉⲗⲟⲥ ⲙⲡⲭⲟⲉⲓⲥ. ⲁⲥⲭⲓ ⲙⲙⲁⲣⲓⲁ ⲧⲉⲥⲥⲍⲓⲙⲉ. ⲕ̅ⲉ̅ ⲙⲡⲉⲥⲥⲟⲩⲱⲛⲥ ⲱⲁⲛⲧⲉⲥⲭⲡⲟ ⲙⲡⲉⲥⲱⲏⲣⲉ. ⲁⲥⲙⲟⲩⲧⲉ ⲉⲡⲉⲥⲣⲁⲛ ⲭⲉ ⲓ̅ⲥ̅.

Ⲃ ⲓ̅ⲥ̅ ⲇⲉ ⲛⲧⲉⲣⲟⲩⲭⲡⲟⲩ ⲍⲣⲁⲓ ⲍⲛⲃⲏⲟⲗⲉⲉⲙ ⲛⲧⲉⲧⲟⲩⲇⲁⲓⲁ ⲍⲛⲛⲉⲍⲟⲟⲩ ⲛⲍⲏⲣⲱⲁⲏⲥ ⲡⲣⲣⲟ. ⲉⲓⲥⲍⲉⲛⲙⲁⲅⲟⲥ ⲁⲩⲉⲓ ⲉⲃⲟⲗ ⲍⲛⲛⲉⲙⲁⲛⲱⲁ ⲉⲍⲣⲁⲓ ⲉⲑⲓⲏⲏⲙ ⲉⲩⲭⲱ ⲙⲙⲟⲥ. ⲃ̅ ⲭⲉ ⲉⲥⲧⲱⲛ ⲡⲣⲣⲟ ⲛⲛⲓⲟⲩⲇⲁⲓ ⲛⲧⲁⲩⲭⲡⲟⲩ. ⲁⲛⲛⲁⲩ ⲅⲁⲣ ⲉⲡⲉⲥⲥⲓⲟⲩ ⲍⲛⲛⲉⲙⲁⲛⲱⲁ ⲁⲛⲉⲓ ⲉⲟⲩⲱⲱⲧ ⲛⲁⲥ. ⲅ̅ ⲁⲥⲥⲱⲧⲙ ⲇⲉ ⲛⲋⲓⲍⲏⲣⲱⲁⲏⲥ ⲡⲣⲣⲟ. ⲁⲥⲱⲧⲟⲣⲧⲣ ⲉⲙⲁⲧⲉ ⲙⲛⲑⲓⲉⲣⲟⲥⲟⲗⲩⲙⲁ ⲧⲏⲣⲥ ⲛⲙⲙⲁⲥ. ⲇ̅

Matej

1 Rodoslovlje Isusa Krista, sina Davidova, sina Abrahamova. **2** Abrahamu se rodi Izak. Izaku se rodi Jakov. Jakovu se rodi Juda i njegova braća. **3** Judi Tamara rodi Peresa i Zeraha. Peresu se rodi Hesron. Hesronu se rodi Ram. **4** Ramu se rodi Aminadab. Aminadabu se rodi Nahšon. Nahšonu se rodi Salma. **5** Salmi Rahaba rodi Boaza. Boazu Ruta rodi Obeda. Obedu se rodi Jišaj. **6** Jišaju se rodi David kralj. Davidu bivša žena Urijina rodi Salomona. **7** Salomonu se rodi Roboam. Roboamu se rodi Abija. Abiji se rodi Asa. **8** Asi se rodi Jozafat. Jozafatu se rodi Joram. Joramu se rodi Ahazja. **9** Ahazji se rodi Jotam. Jotamu se rodi Ahaz. Ahazu se rodi Ezekija. **10** Ezekiji se rodi Manaše. Manašeu se rodi Amon. Amonu se rodi Jošija. **11** Jošiji se rodi Jehonija i njegova braća u vrijeme progonstva u Babilon. **12** Poslije progonstva u Babilon Jehoniji se rodi Šealtiel. Šealtielu se rodi Zerubabel. **13** Zerubabelu se rodi Abiud. Abiudu se rodi Elijakim. Elijakimu se rodi Azor. **14** Azoru se rodi Sadok. Sadoku se rodi Akim. Akimu se rodi Elijud. **15** Elijudu se rodi Eleazar. Eleazaru se rodi Matan. Matanu se rodi Jakov. **16** Jakovu se rodi Josip, muž Marije, od koje se rodio Isus koji se zove Krist. **17** U svemu dakle: od Abrahama do Davida četrnaest naraštaja; od Davida do progonstva u Babilon četrnaest naraštaja; poslije progonstva u Babilon do Krista četrnaest naraštaja. **18** A rođenje Isusa Krista zbilo se ovako. Njegova majka Marija, zaručena s Josipom, prije nego se sastadoše, nađe se trudna po Duhu Svetom. **19** A Josip, muž njezin, pravedan, ne htjede je izvrgnuti sramoti, nego naumi da je potajice napusti. **20** Dok je on to snovao, gle, anđeo mu se Gospodnji ukaza u snu i reče: "Josipe, sine Davidov, ne boj se uzeti k sebi Mariju, ženu svoju. Što je u njoj začeto, doista je od Duha Svetoga. **21** Rodit će sina, a ti ćeš mu nadjenuti ime Isus jer će on spasiti narod svoj od grijeha njegovih." **22** Sve se to dogodilo da se ispuni što Gospodin reče po proroku: **23** Evo, Djevica će začeti i roditi sina i nadjenut će mu se ime Emanuel - što znači: S nama Bog! **24** Kad se Josip probudi oda sna, učini kako mu naredi anđeo Gospodnji: uze k sebi svoju ženu. **25** I ne upozna je dok ne rodi sina. I nadjenu mu ime Isus.

2 Kad se Isus rodio u Betlehemu judejskome u dane Heroda kralja, gle, mudraci se s Istoka pojaviše u Jeruzalemu **2** raspitujući se: "Gdje je taj novorođeni kralj židovski? Vidjesmo gdje izlazi zvijezda njegova pa mu se dođosmo pokloniti." **3** Kada to doču kralj Herod, uznemiri se on i sav Jeruzalem s njime. **4** Sazva sve glavare svećeničke i pismoznance narodne pa ih ispitivaše gdje se Krist ima roditi. **5** Oni mu odgovoriše: "U Betlehemu judejskome jer ovako piše prorok: **6** A ti, Betleheme, zemljo Judina! Nipošto nisi najmanji među kneževstvima Judinim jer iz tebe će izaći vladalac koji će pasti narod moj - Izraela! **7** Tada Herod potajno dozva mudrace i razazna od njih vrijeme kad se pojavila zvijezda. **8** Zatim ih posla u Betlehem: "Pođite, reče, i pomno se raspitajte za dijete. Kad ga nađete, javite mi da i ja pođem te mu se poklonim." **9** Oni saslušavši kralja, pođoše. I gle, zvijezda kojoj vidješe izlazak iđaše pred njima sve dok ne stiže i zaustavi se povrh mjesta gdje bijaše dijete. **10** Kad ugledaše zvijezdu, obradovaše se radošću veoma velikom. **11** Uđu u kuću, ugledaju dijete s Marijom, majkom njegovom, padnu ničice i poklone mu se. Otvore zatim svoje blago i prinesu mu darove: zlato, tamjan i smirnu. **12** Upućeni zatim u snu da se ne vraćaju Herodu, otiđoše drugim putem u svoju zemlju. **13** A pošto oni otiđoše, gle, anđeo se Gospodnji u snu javi Josipu: "Ustani, reče, uzmi dijete i majku njegovu te bježi u Egipat i ostani ondje dok ti ne reknem jer će Herod tražiti dijete da ga pogubi. **14** On ustane, uzme noću dijete i majku njegovu te krene u Egipat. **15** I osta ondje do Herodova skončanja - da se ispuni što Gospodin reče po proroku: Iz Egipta dozvah Sina svoga. **16** Vidjevši da su ga mudraci izigrali, Herod se silno rasrdi i posla poubijati sve dječake u Betlehemu i po svoj okolici, od dvije godine naniže - prema vremenu što ga razazna od mudraca. **17** Tada se ispuni što je rečeno po proroku Jeremiji: **18** U Rami se glas čuje, kuknjava i plač gorak: Rahela oplakuje sinove svoje i neće da se utješi jer više ih nema. **19** Nakon Herodova skončanja, gle, anđeo se Gospodnji javi u snu Josipu u Egiptu: **20** "Ustani, reče, uzmi dijete i njegovu majku te pođi u zemlju izraelsku jer su umrli oni koji su djetetu o glavi radili." **21** On ustane, uzme dijete i njegovu majku te uđe u zemlju izraelsku. **22** Ali saznavši da Arhelaj vlada Judejom namjesto svoga oca Heroda, bojao se poći onamo pa, upućen u snu, ode u kraj galilejski. **23** Dođe i nastani se u gradu zvanu Nazaret - da se ispuni što je rečeno po prorocima: Zvat će se Nazarećanin.

3 U one dane pojavi se Ivan Krstitelj propovijedajući u Judejskoj pustinji: **2** "Obratite se jer približilo se kraljevstvo nebesko!" **3** Ovo je uistinu onaj o kom proreče Izaija prorok: Glas viče u pustinji: Pripravite put Gospodinu, poravnite mu staze! **4** Ivan je imao odjeću od devine dlake i kožnat pojas oko

Matouš

1 Kniha rodu Ježíše Krista syna Davidova, syna Abrahamova. **2** Abraham zplodil Izáka. Izák pak zplodil Jákoba. Jákob zplodil Judu a bratří jeho. **3** Judas pak zplodil Fáresa a Záru z Támar. Fáres pak zplodil Ezroma. Ezrom zplodil Arama. **4** Aram pak zplodil Aminadaba. Aminadab pak zplodil Názona. Názon zplodil Salmona. **5** Salmon zplodil Bóza z Raab. A Bóz zplodil Obéda z Rut. Obéd pak zplodil Jesse. **6** Jesse zplodil Davida krále. David pak král zplodil Šalomouna, z té, kteráž byla Uriášova. **7** Šalomoun zplodil Roboáma. Roboám zplodil Abiáše. Abiáš zplodil Azu. **8** Aza zplodil Jozafata. Jozafat zplodil Joráma. Jorám zplodil Oziáše. **9** Oziáš pak zplodil Joátama. Joátam pak zplodil Achasa. Achas zplodil Ezechiáše. **10** Ezechiáš pak zplodil Manassesa. A Manasses zplodil Amona. Amon pak zplodil Joziáše. **11** Joziáš pak zplodil Jekoniáše a bratří jeho v zajetí Babylonském. **12** A po zajetí Babylonském Jekoniáš zplodil Salatiele. Salatiel pak zplodil Zorobábele. **13** A Zorobábel zplodil Abiuda. Abiud pak zplodil Eliakima. Eliakim zplodil Azora. **14** Azor potom zplodil Sádocha. Sádoch zplodil Achima. Achim pak zplodil Eliuda. **15** Eliud zplodil Eleazara. Eleazar zplodil Mátana. Mátan zplodil Jákoba. **16** Jákob pak zplodil Jozefa, muže Marie, z nížto narodil se JEŽÍŠ, kterýž slove Kristus. **17** A tak všech rodů od Abrahama až do Davida bylo rodů čtrnácte, a od Davida až do zajetí Babylonského rodů čtrnácte, a od zajetí Babylonského až do Krista rodů čtrnácte. **18** Jezukristovo pak narození takto se stalo: Když matka jeho Maria zasnoubena byla Jozefovi, prvé než se sešli, nalezena jest těhotná z Ducha svatého. **19** Ale Jozef muž její spravedlivý jsa, a nechtěv jí v lehkost uvésti, chtěl ji tajně propustiti. **20** Když pak on o tom přemýšloval, aj, anděl Páně ve snách ukázal se jemu, řka: Jozefe synu Davidův, neboj se přijíti Marie manželky své; nebo což v ní jest počato, z Ducha svatého jest. **21** Porodíť pak syna, a nazůveš jméno jeho Ježíš; ontť zajisté vysvobodí lid svůj od hříchů jejich. **22** Toto pak všecko stalo se, aby se naplnilo, což povědíno bylo ode Pána skrze proroka, řkoucího: **23** Aj, panna těhotná bude, a porodí syna, a nazůveš jméno jeho Emmanuel, kteréž se vykládá: S námi Bůh. **24** Procítiv pak Jozef ze sna, učinil, jakož mu přikázal anděl Páně, a přijal manželku svou. **25** Ale nepoznal jí, až i porodila Syna svého prvorozeného, a nazvala jméno jeho Ježíš.

2 Když se pak narodil Ježíš v Betlémě Judově za dnů Heródesa krále, aj, mudrci od východu slunce vypravili se do Jeruzaléma, **2** Řkouce: Kde jest ten narozený král Židovský? Nebo viděli jsme hvězdu jeho na východu slunce, a vypravili jsme se, abychom se klaněli jemu. **3** To uslyšev Heródes král, zarmoutil se i všecken Jeruzalém s ním. **4** A protož svolav všecky přední kněží a učitele lidu, tázal se jich, kde by se Kristus měl naroditi. **5** Oni pak řekli jemu: V Betlémě Judově. Nebo tak jest psáno skrze proroka: **6** A ty Betléme, země Judská, nikoli nejsi nejmenší mezi knížaty Judskými; neboť z tebe vyjde vývoda, kterýž pásti bude lid můj Izraelský. **7** Tehdy Heródes tajně povolav mudrců, pilně se jich vyptával, kterého by se jim času hvězda ukázala. **8** A když je propouštěl do Betléma, řekl: Jdouce, vyptejte se pilně na to děťátko, a když naleznete, zvěstujtež mi, ať i já přijda, pokloním se jemu. **9** Oni pak vyslyševše krále, jeli. A aj, hvězda, kterouž byli viděli na východu slunce, předcházela je, až i přišedši, stála nad místem, kdež bylo děťátko. **10** A uzřevše hvězdu, zradovali se radostí velmi velikou. **11** I všedše do domu, nalezli děťátko s Marií matkou jeho, a padše, klaněli se jemu; a otevřevše poklady své, obětovali jemu dary, zlato a kadidlo a mirru. **12** A od Boha napomenuti jsouce ve snách, aby se nenavraceli k Heródesovi, jinou cestou navrátili se do krajiny své. **13** Když pak oni odjeli, aj, anděl Páně ukázal se Jozefovi ve snách, řka: Vstana, vezmi děťátko i matku jeho, a utec do Egypta, a buď tam, dokudž nepovím tobě; neboť bude Heródes hledati děťátka, aby je zahubil. **14** Kterýž vstav v noci, vzal děťátko i matku jeho, a odšel do Egypta. **15** A byl tam až do smrti Heródesovy, aby se naplnilo pověděnípáně skrze proroka, řkoucího: Z Egypta povolal jsem Syna svého. **16** Tehdy Heródes uzřev, že by oklamán byl od mudrců, rozhněval se náramně, a poslav, zmordoval všecky dítky, kteréž byly v Betlémě i ve všech končinách jeho, od dvouletých a níže, podlé času, na kterýž se byl pilně vyptal od mudrců. **17** Tehdy naplněno jest to pověděnípáně Jeremiáše proroka, řkoucího: **18** Hlas v Ráma slyšán jest, naříkání a pláč a kvílení mnohé; Ráchel plačící synů svých, a nedala se potěšiti, proto že jich není. **19** Když pak umřel Heródes, aj, anděl Páně ukázal se Jozefovi ve snách v Egyptě, **20** Řka: Vstana, vezmi dítě i matku jeho, a jdiž do země Izraelské; neboť jsou zemřeli ti, kteříž hledali bezživotí dítěte. **21** Kterýžto vstav, vzal dítě i matku jeho, a přišel do země Izraelské. **22** Ale uslyšev, že by Archelaus kraloval v Judstvu místo Heródesa otce svého, obával se tam jíti; avšak napomenut byv od Boha ve snách, obrátil se do krajin Galilejských. **23** A přišed, bydlil v městě, kteréž slove

Matouš

1 Kniha (o) rodu Ježíše Krista syna Davidova, syna Abrahamova. **2** Abraham zplodil Izáka. Izák pak zplodil Jákoba. Jákob zplodil Judu a bratří jeho. **3** Judas pak zplodil Fáresa a Záru z Támar. Fáres pak zplodil Ezroma. Ezrom zplodil Arama. **4** Aram pak zplodil Aminadaba. Aminadab pak zplodil Názona. **5** Názon zplodil Salmona. Salmon zplodil Bóza z Raab. A Bóz zplodil Obéda z Rut. Obéd pak zplodil Jesse. **6** Jesse zplodil Davida krále. David pak král zplodil Šalomouna, z té, kteráž někdy byla žena Uriášova. **7** Šalomoun zplodil Roboáma. Roboám zplodil Abiáše. Abiáš zplodil Azu. **8** Aza zplodil Jozafata. Jozafat zplodil Joráma. Jorám zplodil Oziáše. **9** Oziáš pak zplodil Joátama. Joátam pak zplodil Achasa. Achas zplodil Ezechiáše. **10** Ezechiáš pak zplodil Manasesa. A Manases zplodil Amona. Amon pak zplodil Joziáše. **11** Joziáš pak zplodil Jekoniáše a bratří jeho v zajetí Babylonském. **12** A po zajetí Babylonském Jekoniáš zplodil Salatiele. Salatiel pak zplodil Zorobábele. **13** A Zorobábel zplodil Abiuda. Abiud pak zplodil Eliachima. Eliachim zplodil Azora. **14** Azor potom zplodil Sádocha. Sádoch zplodil Achima. Achim pak zplodil Eliuda. **15** Eliud zplodil Eleazara. Eleazar zplodil Mátana. Mátan zplodil Jákoba. **16** Jákob pak zplodil Jozefa, muže Marie, z nížto narodil se JEŽÍŠ, jenž slove Kristus. **17** A tak všech rodů od Abrahama až do Davida bylo rodů čtrnácte. A od Davida až do zajetí Babylonského rodů čtrnácte. A od zajetí Babylonského až do Krista rodů čtrnácte. **18** Jezukristovo pak narození takto se stalo: Když matka jeho Maria snoubena byla Jozefovi, prve než se sešli, nalezena jest těhotná z Ducha svatého. **19** Ale Jozef muž její spravedlivý jsa, a nechtěv jí v lehkost uvésti, chtěl ji tajně propustiti. **20** Když pak on o tom přemýšloval, aj, anděl Páně ve snách ukázal se jemu, řka: Jozefe synu Davidův, neboj se přijíti Marie manželky své; nebo což v ní jest počato, z Ducha svatého jest. **21** Porodíť pak syna, a nazůveš jméno jeho Ježíš; ontť zajisté vysvobodí lid svůj od hříchů jejich. **22** Toto pak všecko stalo se, aby se naplnilo, což pověděno bylo ode Pána skrze proroka, řkoucího: **23** Aj, panna těhotná bude, a porodí syna, a nazůveš jméno jeho Emmanuel, jenž se vykládá: S námi Bůh. **24** Procítiv pak Jozef ze sna, učinil, jakož mu přikázal anděl Páně, a přijal manželku svou. **25** Ale nepoznal jí, až i porodila Syna svého prvorozeného, a nazvala jméno jeho Ježíš.

2 Když se pak narodil Ježíš v Betlémě Judově, za dnů Herodesa krále, aj, mudrci od východu slunce přijeli do Jeruzaléma, **2** Řkouce: Kde jest ten, kterýž se narodil Král Židovský? Nebo viděli jsme hvězdu jeho na východu slunce, a přijeli jsme klaněti se jemu. **3** To uslyšev Herodes král, zarmoutil se i všecken Jeruzalém s ním. **4** A svolav všecky přední kněží a učitele lidu, tázal se jich, kde by se Kristus měl naroditi. **5** Oni pak řekli jemu: V Betlémě Judově. Nebo tak jest psáno skrze proroka: **6** A ty Betléme, země Judská, nikoli nejsi nejmenší mezi knížaty Judskými; neboť z tebe vyjde Vývoda, kterýž pásti bude lid můj Izraelský. **7** Tedy Herodes tajně povolav mudrců, pilně se jich ptal, kterého by se jim času hvězda ukázala. **8** A když je propouštěl do Betléma, řekl: Jdouce, ptejte se pilně na to dítě, a když naleznete, zvěstujtež mi, ať i já přijda, pokloním se jemu. **9** Oni pak vyslyševše krále, jeli. A aj, hvězda, kterouž byli viděli na východu slunce, předcházela je, až i přišedši, stála nad domem, kdež bylo dítě. **10** A uzřevše hvězdu, zradovali se radostí velmi velikou. **11** I všedše do domu, nalezli dítě s Marií matkou jeho, a padše, klaněli se jemu; a otevřevše poklady své, obětovali jemu dary, zlato a kadidlo a mirru. **12** A od Boha napomenuti jsouce ve snách, aby se nenavraceli k Herodesovi, jinou cestou navrátili se do krajiny své. **13** Když pak oni odjeli, aj, anděl Páně ukázal se Jozefovi ve snách, řka: Vstana, vezmi dítě i matku jeho, a utec do Egypta, a buď tam, dokavadž nepovím tobě; neboť bude Herodes hledati dítě, aby je zahubil. **14** Kterýžto vstav hned v noci, vzal dítě i matku jeho, a odšel do Egypta. **15** A byl tam až do smrti Herodesovy, aby se naplnilo pověděnío Páně skrze proroka, řkoucího: Z Egypta povolal jsem Syna svého. **16** Tehdy Herodes uzřev, že by oklamán byl od mudrců, rozhněval se náramně, a poslav služebníky své, zmordoval všecky dítky, kteréž byly v Betlémě i ve všech končinách jeho, od dvouletých a níže, podle času, na kterýž se byl pilně vyptal od mudrců. **17** Tehdy naplněno jest to pověděnío Jeremiáše proroka, řkoucího: **18** Hlas v Ráma slyšán jest, naříkání a pláč a kvílení mnohé; Ráchel plačící synů svých, a nedala se potěšiti, protože jich není. **19** Když pak umřel Herodes, aj, anděl Páně ukázal se Jozefovi ve snách v Egyptě, **20** Řka: Vstana, vezmi dítě i matku jeho, a jdiž do země Izraelské; neboť jsou zemřeli ti, jenž hledali bezživotí dítěte. **21** Kterýžto vstav, vzal dítě i matku jeho, a přišel do země Izraelské. **22** A uslyšev, že by Archelaus kraloval v Judstvu místo Herodesa otce svého, obával se tam jíti; a napomenut jsa od Boha ve snách, obrátil se do krajin

Matouš

1 Ježíšův rodokmen sahá přes Davida až k
Abrahamovi. **2** Abraham – Izák Izák – Jákob **3**
Jákob – Juda (a bratři) Juda – Peres a Zerach (matka
Támar) Peres – Chesrón Chesrón – Rám **4** Rám –
Amínadab Amínadab – Nachšón Nachšón – Salmón
5 Salmón – Bóaz (matka: Rachab) Bóaz – Obéd
(matka: Rút) Obéd – Jišaj **6** Jišaj – David (král)
David – Šalomoun (matka: Batšeba). **7** Šalomoun –
Rechabeám Rechabeám – Abijám Abijám – Ása **8**
Ása – Jósafat Jósafat – Jóram Jóram – Uziáš **9** Uziáš
– Jótam Jótam – Achaz Achaz – Chizkijáš **10** Chizkijáš
– Menaše Menaše – Ámon Ámon – Jóšijáš **11** Jóšijáš
– Jechoniáš **12** Jekonjáš a jeho bratři. Babylónské
zajetí – Jekonjáš – Šealtíel Šealtíel – Zerubábel **13**
Zerubábel – Abiud Abiud – Eljakim Eljakim – Azór **14**
Azór – Sádok Sádok – Achim Achim – Eliud **15** Eliud
– Eleazar Eleazar – Mattan Mattan – Jákob **16** Jákob
– Josef Josef (muž Marie) JEŽÍŠ KRISTUS (narozen
z Marie). Rodokmen uzavírá Josef, manžel Marie,
které se narodil Ježíš – Boží Syn. **17** Od praotce
Abrahama k Davidovi je to čtrnáct generací, dále
čtrnáct generací od Davida po babylónské zajetí a
od zajetí v Babylóně až ke Kristu také čtrnáct. **18**
S narozením Ježíše Krista to bylo takto: Ježíšova
matka Marie byla zasnoubena s Josefem. Dříve, než
se vzali, se však ukázalo, že bude matkou. **19** Josef
byl ohleduplný muž a nechtěl Marii vystavit veřejné
hanbě, proto se rozhodl, že se s ní rozejde. **20** Když
o tom uvažoval, ukázal se mu ve snu Boží posel a
řekl: „Josefe, Davidův synu, neboj se vzít si Marii.
Co v ní bylo počato, je z Ducha svatého. **21** Porodí
syna a dáš mu jméno Ježíš. On vysvobodí svůj lid z
moci zla. **22** Těmito událostmi se splní předpověď
proroka Izajáše: **23** ‚Slyšte! Panna bude těhotná a
porodí syna. Budete mu říkat Immanuel, to znamená:
Bůh je s námi.'" **24** Když se Josef probudil, udělal vše
tak, jak mu přikázal Boží posel, a oženil se s Marií. **25**
Ale nežil s ní manželsky až do doby, kdy se jí narodil
syn, kterému dal jméno Ježíš.

2 Ježíš se narodil v Betlémě v Judsku za vlády krále
Heroda. V té době přijeli do Jeruzaléma učenci z
východní země a vyptávali se: **2** „Kde je ten židovský
král, který se právě narodil? Viděli jsme na východě
jeho hvězdu a přišli jsme se mu poklonit." **3** Tato
novina velmi znepokojila krále Heroda, a nejen jeho,
ale i všechny obyvatele Jeruzaléma. **4** Král svolal
všechny přední kněze a učitele zákona a ptal se jich,
kde se má narodit Kristus. **5** Oni mu odpověděli: „V
Betlémě v Judsku. Prorok to předpověděl: **6** ‚Betléme,
nejsi poslední v Judsku, z tebe vyjde vévoda, který se
bude starat o můj lid jako pastýř o ovce.'" **7** Herodes
si učence z východu tajně pozval a podrobně se
jich vyptával, kdy se ta hvězda objevila. Poslal je do
Betléma a pověřil je úkolem: **8** „Jděte a důkladně
zjistěte vše o tom dítěti, a až je najdete, přijďte mi to
oznámit; půjdu se mu také poklonit." **9** Učenci krále
vyslechli a vydali se na cestu. A hle! Hvězda, kterou
viděli na východě, jim ukazovala cestu až k místu, kde
bylo dítě. **10** Měli z toho nevýslovnou radost. **11** Vešli
do domu a našli tam dítě s jeho matkou Marií. Padli
před ním na kolena, klaněli se mu a dali mu vzácné
dary – zlato, kadidlo a drahocenný olej. **12** Ve snu je
však Bůh varoval, aby se nevraceli k Herodovi. Zvolili
tedy jinou zpáteční cestu. **13** Po odchodu učenců
měl Josef sen, ve kterém mu anděl přikázal: „Vstaň,
vezmi dítě a jeho matku a uteč s nimi do Egypta; tam
zůstaň, dokud ti neřeknu. Herodes bude totiž pátrat
po dítěti, aby je připravil o život." **14** Josef hned v noci
vstal, vzal dítě i matku a vydal se s nimi do Egypta.
15 Tam byli až do smrti krále Heroda. Splnila se tím
Boží předpověď vyslovená prorokem: „Z Egypta jsem
povolal svého syna." **16** Když Herodes poznal, že
ho východní učenci zklamali, velmi se rozhněval a
dal pobít v Betlémě a okolí všechny chlapce do stáří
dvou let. Tento věk odhadl podle výpovědi učenců. **17**
Tehdy se vyplnilo Jeremjášovo proroctví: **18** „Slyším
nářek, pláč a bědování. To matka oplakává své syny a
nedá se utěšit, protože jsou mrtví." **19** Když Herodes
zemřel, znovu se ukázal Josefovi ve snu anděl **20**
a vybídl ho: „Vezmi dítě i jeho matku a vrať se do
izraelské země, protože už zemřeli ti, kteří usilovali
o život dítěte." **21** Josef poslechl a vrátili se. **22**
Velmi se však zalekl, když se dověděl, že Herodovým
nástupcem v Judsku je jeho syn Archelaos. Ve snu
dostal od Boha další pokyn, aby šel do Galileje. **23**
Usídlil se v Nazaretu a tím se splnila další proroctví o
Mesiáši, že totiž bude nazýván Nazaretský.

3 V té době vystoupil Jan Křtitel a kázal lidem, kteří
za ním přicházeli na Judskou poušť: **2** „Obraťte
se od svých hříchů k Bohu, protože přichází jeho
vyvolený král." **3** O Janovi prorok Izajáš předpověděl:
„Z pouště zazní hlas: Připravte cestu pro Pána a
odstraňte všechny překážky." **4** Jan měl oděv z
velbloudí srsti přepásaný koženým pásem. Živil se tím,
co poskytovala poušť: kobylkami a medem divokých
včel. **5** Scházeli se k němu lidé z Jeruzaléma, z
celého Judska a ze Zajordání. **6** Dávali se od něho
křtít v řece Jordánu, aby tím veřejně vyznávali svá

Matthæus

1 Jesu Kristi, Davids Søns, Abrahams Søns, Slægtebog. **2** Abraham avlede Isak; og Isak avlede Jakob; og Jakob avlede Juda og hans Brødre; **3** og Juda avlede Fares og Zara med Thamar; og Fares avlede Esrom; og Esrom avlede Aram; **4** og Aram avlede Aminadab; og Aminadab avlede Nasson; og Nasson avlede Salmon; **5** og Salmon avlede Boas med Rakab; og Boas avlede Obed med Ruth; og Obed avlede Isaj; **6** og Isaj avlede Kong David; og David avlede Salomon med Urias's Hustru; **7** og Salomon avlede Roboam; og Roboam avlede Abia; og Abia avlede Asa; **8** og Asa avlede Josafat; og Josafat avlede Joram; og Joram avlede Ozias; **9** og Ozias avlede Joatham; og Joatham avlede Akas; og Akas avlede Ezekias; **10** og Ezekias avlede Manasse; og Manasse avlede Amon; og Amon avlede Josias; **11** og Josias avlede Jekonias og hans Brødre paa den Tid, da Bortførelsen til Babylon fandt Sted. **12** Men efter Bortførelsen til Babylon avlede Jekonias Salathiel; og Salathiel avlede Zorobabel; **13** og Zorobabel avlede Abiud; og Abiud avlede Eliakim; og Eliakim avlede Azor; **14** og Azor avlede Sadok; og Sadok avlede Akim; og Akim avlede Eliud; **15** og Eliud avlede Eleazar; og Eleazar avlede Matthan; og Matthan avlede Jakob; **16** og Jakob avlede Josef, Marias Mand; af hende blev Jesus født, som kaldes Kristus. **17** Altsaa ere alle Slægtledene fra Abraham indtil David fjorten Slægtled, og fra David indtil Bortførelsen til Babylon fjorten Slægtled, og fra Bortførelsen til Babylon indtil Kristus fjorten Slægtled. **18** Men med Jesu Kristi Fødsel gik det saaledes til. Da Maria, hans Moder, var trolovet med Josef, fandtes hun, førend de kom sammen, at være frugtsommelig af den Helligaand. **19** Men da Josef, hendes Mand, var retfærdig og ikke vilde beskæmme hende offentligt, besluttede han hemmeligt at skille sig fra hende. **20** Men idet han tænkte derpaa, se, da viste en Herrens Engel sig for ham i en Drøm og sagde: „Josef, Davids Søn! frygt ikke for at tage din Hustru Maria til dig; thi det, som er avlet i hende, er af den Helligaand. **21** Og hun skal føde en Søn, og du skal kalde hans Navn Jesus; thi han skal frelse sit Folk fra deres Synder." **22** Men dette er alt sammen sket, for at det skulde opfyldes, som er talt af Herren ved Profeten, som siger: **23** „Se, Jomfruen skal blive frugtsommelig og føde en Søn, og man skal kalde hans Navn Immanuel", hvilket er udlagt: Gud med os. **24** Men da Josef vaagnede op af Søvnen, gjorde han, som Herrens Engel havde befalet ham, og han tog sin Hustru til sig. **25** Og han kendte hende ikke, førend hun havde født sin Søn, den førstefødte, og han kaldte hans Navn Jesus.

2 Men da Jesus var født i Bethlehem i Judæa, i Kong Herodes's Dage, se, da kom der vise fra Østerland til Jerusalem og sagde: **2** „Hvor er den Jødernes Konge, som er født? thi vi have set hans Stjerne i Østen og ere komne for at tilbede ham." **3** Men da Kong Herodes hørte det, blev han forfærdet, og hele Jerusalem med ham; **4** og han forsamlede alle Folkets Ypperstepræster og skriftkloge og adspurgte dem, hvor Kristus skulde fødes. **5** Og de sagde til ham: „I Bethlehem i Judæa; thi saaledes er der skrevet ved Profeten: **6** Og du, Bethlehem i Judas Land, er ingenlunde den mindste iblandt Judas Fyrster; thi af dig skal der udgaa en Fyrste, som skal vogte mit Folk Israel." **7** Da kaldte Herodes hemmeligt de vise og fik af dem nøje Besked om Tiden, da Stjernen havde ladet sig til Syne. **8** Og han sendte dem til Bethlehem og sagde: „Gaar hen og forhører eder nøje om Barnet; men naar I have fundet det, da forkynder mig det, for at ogsaa jeg kan komme og tilbede det." **9** Men da de havde hørt Kongen, droge de bort; og se, Stjernen, som de havde set i Østen, gik foran dem, indtil den kom og stod oven over, hvor Barnet var. **10** Men da de saa Stjernen, bleve de saare meget glade. **11** Og de gik ind i Huset og saa Barnet med dets Moder Maria og faldt ned og tilbade det og oplode deres Gemmer og ofrede det Gaver, Guld og Røgelse og Myrra. **12** Og da de vare blevne advarede af Gud i en Drøm, at de ikke skulde vende tilbage til Herodes, droge de ad en anden Vej tilbage til deres Land. **13** Men da de vare dragne bort, se, da viser en Herrens Engel sig i en Drøm for Josef og siger: „Staa op, og tag Barnet og dets Moder med dig og fly til Ægypten og bliv der, indtil jeg siger dig til; thi Herodes vil søge efter Barnet for at dræbe det." **14** Og han stod op og tog Barnet og dets Moder med sig om Natten og drog bort til Ægypten. **15** Og han var der indtil Herodes's Død, for at det skulde opfyldes, som er talt af Herren ved Profeten, der siger: „Fra Ægypten kaldte jeg min Søn." **16** Da Herodes nu saa, at han var bleven skuffet af de vise, blev han saare vred og sendte Folk hen og lod alle Drengebørn ihjelslaa, som vare i Bethlehem og i hele dens Omegn, fra to Aar og derunder, efter den Tid, som han havde faaet Besked om af de vise. **17** Da blev det opfyldt, som er talt ved Profeten Jeremias, som siger: **18** „En Røst blev hørt i Rama, Graad og megen Jamren; Rakel græd over sine Børn og vilde ikke lade sig trøste, thi de ere ikke mere." **19** Men da Herodes var død, se, da viser en Herrens Engel sig i en Drøm for Josef i Ægypten og siger: **20** „Staa op, og tag Barnet og dets Moder med dig, og drag til Israels Land; thi de ere døde, som efterstræbte Barnets Liv." **21** Og han stod op og tog Barnet og dets Moder med sig og kom til Israels Land. **22** Men da han hørte, at Arkelaus var Konge over Judæa i sin Fader

Matthæus

1 Jesu Kristi, Davids Søns, Abrahams Søns, Slægtebog. **2** Abraham avlede Isak; og Isak avlede Jakob; og Jakob avlede Juda og hans Brødre; **3** og Juda avlede Fares og Zara med Thamar; og Fares avlede Esrom; og Esrom avlede Aram; **4** og Aram avlede Aminadab; og Aminadab avlede Nasson; og Nasson avlede Salmon; **5** og Salmon avlede Boas med Rakab; og Boas avlede Obed med Ruth; og Obed avlede Isaj; **6** og Isaj avlede Kong David; og David avlede Salomon med Urias's Hustru; **7** og Salomon avlede Roboam; og Roboam avlede Abia; og Abia avlede Asa; **8** og Asa avlede Josafat; og Josafat avlede Joram; og Joram avlede Ozias; **9** og Ozias avlede Joatham; og Joatham avlede Akas; og Akas avlede Ezekias; **10** og Ezekias avlede Manasse; og Manasse avlede Amon; og Amon avlede Josias; **11** og Josias avlede Jekonias og hans Brødre paa den Tid, da Bortførelsen til Babylon fandt Sted. **12** Men efter Bortførelsen til Babylon avlede Jekonias Salathiel; og Salathiel avlede Zorobabel; **13** og Zorobabel avlede Abiud; og Abiud avlede Eliakim; og Eliakim avlede Azor; **14** og Azor avlede Sadok; og Sadok avlede Akim; og Akim avlede Eliud; **15** og Eliud avlede Eleazar; og Eleazar avlede Matthan; og Matthan avlede Jakob; **16** og Jakob avlede Josef, Marias Mand; af hende blev Jesus født, som kaldes Kristus. **17** Altsaa ere alle Slægtledene fra Abraham indtil David fjorten Slægtled, og fra David indtil Bortførelsen til Babylon fjorten Slægtled, og fra Bortførelsen til Babylon indtil Kristus fjorten Slægtled. **18** Men med Jesu Kristi Fødsel gik det saaledes til. Da Maria, hans Moder, var trolovet med Josef, fandtes hun, førend de kom sammen, at være frugtsommelig af den Helligaand. **19** Men da Josef, hendes Mand, var retfærdig og ikke vilde beskæmme hende offentligt, besluttede han hemmeligt at skille sig fra hende. **20** Men idet han tænkte derpaa, se, da viste en Herrens Engel sig for ham i en Drøm og sagde: „Josef, Davids Søn! frygt ikke for at tage din Hustru Maria til dig; thi det, som er avlet i hende, er af den Helligaand. **21** Og hun skal føde en Søn, og du skal kalde hans Navn Jesus; thi han skal frelse sit Folk fra deres Synder." **22** Men dette er alt sammen sket, for at det skulde opfyldes, som er talt af Herren ved Profeten, som siger: **23** „Se, Jomfruen skal blive frugtsommelig og føde en Søn, og man skal kalde hans Navn Immanuel", hvilket er udlagt: Gud med os. **24** Men da Josef vaagnede op af Søvnen, gjorde han, som Herrens Engel havde befalet ham, og han tog sin Hustru til sig. **25** Og han kendte hende ikke, førend hun havde født sin Søn, den førstefødte, og han kaldte hans Navn Jesus.

2 Men da Jesus var født i Bethlehem i Judæa, i Kong Herodes's Dage, se, da kom der vise fra Østerland til Jerusalem og sagde: **2** „Hvor er den Jødernes Konge, som er født? thi vi have set hans Stjerne i Østen og ere komne for at tilbede ham." **3** Men da Kong Herodes hørte det, blev han forfærdet, og hele Jerusalem med ham; **4** og han forsamlede alle Folkets Ypperstepræster og skriftkloge og adspurgte dem, hvor Kristus skulde fødes. **5** Og de sagde til ham: „I Bethlehem i Judæa; thi saaledes er der skrevet ved Profeten: **6** Og du, Bethlehem i Judas Land, er ingenlunde den mindste iblandt Judas Fyrster; thi af dig skal der udgaa en Fyrste, som skal vogte mit Folk Israel." **7** Da kaldte Herodes hemmeligt de vise og fik af dem nøje Besked om Tiden, da Stjernen havde ladet sig til Syne. **8** Og han sendte dem til Bethlehem og sagde: „Gaar hen og forhører eder nøje om Barnet; men naar I have fundet det, da forkynder mig det, for at ogsaa jeg kan komme og tilbede det." **9** Men da de havde hørt Kongen, droge de bort; og se, Stjernen, som de havde set i Østen, gik foran dem, indtil den kom og stod oven over, hvor Barnet var. **10** Men da de saa Stjernen, bleve de saare meget glade. **11** Og de gik ind i Huset og saa Barnet med dets Moder Maria og faldt ned og tilbade det og oplode deres Gemmer og ofrede det Gaver, Guld og Røgelse og Myrra. **12** Og da de vare blevne advarede af Gud i en Drøm, at de ikke skulde vende tilbage til Herodes, droge de ad en anden Vej tilbage til deres Land. **13** Men da de vare dragne bort, se, da viser en Herrens Engel sig i en Drøm for Josef og siger: „Staa op, og tag Barnet og dets Moder med dig og fly til Ægypten og bliv der, indtil jeg siger dig til; thi Herodes vil søge efter Barnet for at dræbe det." **14** Og han stod op og tog Barnet og dets Moder med sig om Natten og drog bort til Ægypten. **15** Og han var der indtil Herodes's Død, for at det skulde opfyldes, som er talt af Herren ved Profeten, der siger: „Fra Ægypten kaldte jeg min Søn." **16** Da Herodes nu saa, at han var bleven skuffet af de vise, blev han saare vred og sendte Folk hen og lod alle Drengebørn ihjelslaa, som vare i Bethlehem og i hele dens Omegn, fra to Aar og derunder, efter den Tid, som han havde faaet Besked om af de vise. **17** Da blev det opfyldt, som er talt ved Profeten Jeremias, som siger: **18** „En Røst blev hørt i Rama, Graad og

Matthæus

1 Jesu Kristi Davids Søns, Abrahams Søns, Slægtsbog. **2** Abraham avlede Isak; og Isak avlede Jakob; og Jakob avlede Juda og hans Brødre; **3** og Juda avlede Fares og Zara med Thamar; og Fares avlede Esrom; og Esrom avlede Aram; **4** og Aram avlede Aminadab; og Aminadab avlede Nasson; og Nasson avlede Salmon; **5** og Salmon avlede Boas med Rakab; og Boas avlede Obed med Ruth; og Obed avlede Isaj; **6** og Isaj avlede Kong David; og David avlede Salomon med Urias's Hustru; **7** og Salomon avlede Roboam; og Roboam avlede Abia; og Abia avlede Asa; **8** og Asa avlede Josafat; og Josafat avlede Joram; og Joram avlede Ozias; **9** og Ozias avlede Joatham; og Joatham avlede Akas; og Akas avlede Ezekias; **10** og Ezekias avlede Manasse; og Manasse avlede Amon; og Amon avlede Josias; **11** og Josias avlede Jekonias og hans Brødre på den Tid, da Bortførelsen til Babylon fandt Sted. **12** Men efter Bortførelsen til Babylon avlede Jekonias Salathiel; og Salathiel avlede Zorobabel; **13** og Zorobabel avlede Abiud; og Abiud avlede Eliakim: og Eliakim avlede Azor; **14** og Azor avlede Sadok; og Sadok avlede Akim; og Akim avlede Eliud; **15** og Eliud avlede Eleazar; og Eleazar avlede Matthan; og Matthan avlede Jakob; **16** og Jakob avlede Josef, Marias Mand; af hende blev Jesus født, som kaldes Kristus. **17** Altså ere alle Slægtledene fra Abraham indtil David fjorten Slægtled, og fra David indtil Bortførelsen til Babylon fjorten Slægtled, og fra Bortførelsen til Babylon indtil Kristus fjorten Slægtled. **18** Men med Jesu Kristi Fødsel gik det således til. Da Maria, hans Moder, var trolovet med Josef, fandtes hun, førend de kom sammen, at være frugtsommelig af den Helligånd. **19** Men da Josef, hendes Mand, var retfærdig og ikke vilde beskæmme hende offentligt, besluttede han hemmeligt at skille sig fra hende. **20** Men idet han tænkte derpå, se, da viste en Herrens Engel sig for ham i en drøm og sagde: "Josef, Davids Søn! frygt ikke for at tage din Hustru Maria til dig; thi det, som er avlet i hende, er af den Helligånd. **21** Og hun skal føde en Søn, og du skal kalde hans Navn Jesus; thi han skal frelse sit Folk fra deres Synder." **22** Men dette er alt sammen sket, for at det skulde opfyldes, som er talt af Herren ved Profeten, som siger: **23** "Se, Jomfruen skal blive frugtsommelig og føde en Søn, og man skal kalde hans Navn Immanuel", hvilket er udlagt: Gud med os. **24** Men da Josef vågnede op at Søvnen, gjorde han, som Herrens Engel havde befalet ham, og han tog sin Hustru til sig. **25** Og han kendte hende ikke, førend hun havde født sin Søn, den førstefødte, og han kaldte hans Navn Jesus.

2 Men da Jesus var født i Bethlehem i Judæa, i Kong Herodes's Dage, se, da kom der vise fra Østerland til Jerusalem og sagde: **2** "Hvor er den Jødernes Konge, som er født? thi vi have set hans Stjerne i Østen og ere komne for at tilbede ham." **3** Men da Kong Herodes hørte det, blev han forfærdet, og hele Jerusalem med ham; **4** og han forsamlede alle Folkets Ypperstepræster og skriftkloge og adspurgte dem, hvor Kristus skulde fødes. **5** Og de sagde til ham: "I Bethlehem i Judæa; thi således er der skrevet ved Profeten: **6** Og du, Bethlehem i Judas Land, er ingenlunde den mindste iblandt Judas Fyrster; thi af dig skal der udgå en Fyrste, som skal vogte mit Folk Israel." **7** Da kaldte Herodes hemmeligt de vise og fik af dem nøje Besked om Tiden, da Stjernen havde ladet sig til Syne. **8** Og han sendte dem til Bethlehem og sagde: "Går hen og forhører eder nøje om Barnet; men når I have fundet det, da forkynder mig det, for at også jeg kan komme og tilbede det." **9** Men da de havde hørt Kongen, droge de bort; og se, Stjernen, som de havde set i Østen, gik foran dem, indtil den kom og stod oven over, hvor Barnet var. **10** Men da de så Stjernen, bleve de såre meget glade. **11** Og de gik ind i Huset og så Barnet med dets Moder Maria og faldt ned og tilbade det og oplode deres Gemmer og ofrede det Gaver, Guld og Røgelse og Myrra. **12** Og da de vare blevne advarede af Gud i en Drøm, at de ikke skulde vende tilbage til Herodes, droge de ad en anden Vej tilbage til deres Land. **13** Men da de vare dragne bort, se, da viser en Herrens Engel sig i en Drøm for Josef og siger: "Stå op, og tag Barnet og dets Moder med dig og fly til Ægypten og bliv der, indtil jeg siger dig til; thi Herodes vil søge efter Barnet for at dræbe det." **14** Og han stod op og tog Barnet og dets Moder med sig om Natten og drog bort til Ægypten. **15** Og han var der indtil Herodes's Død, for at det skulde opfyldes, som er talt af Herren ved Profeten, der siger: "Fra Ægypten kaldte jeg min Søn." **16** Da Herodes nu så, at han var bleven skuffet af de vise, blev han såre vred og sendte Folk hen og lod alle Drengebørn ihjelslå, som vare i Bethlehem og i hele dens Omegn, fra to År og derunder, efter den Tid, som han havde fået Besked om af de vise. **17** Da blev det opfyldt, som er talt ved Profeten Jeremias, som siger: **18** "En Røst blev hørt i Rama, Gråd og megen Jamren; Rakel græd over sine Børn og vilde

ମାତିଉ

୧ ଏଟା ଅଇଲାନି ଜିସୁକିରିସ୍‌ଟର୍ ଆନିଦାଦିମନର୍ ନାଉଁ ତାଲିକା । ସେ ଦାଉଦ୍ ବଁସର୍ ରଇଲା ଆରି ଦାଉଦ୍ ଅବ୍‌ରାଆମ୍ ବଁସର୍ ରଇଲା । **୨** ଅବ୍‌ରାଅମର୍ ପଅ ଇସାକ୍, ଇସାକର୍ ପଅ ଜାକୁବ୍, ଜାକୁବର୍ ପଅ ଜିଉଦା ଆରି ତାର୍ ବାଇମନ୍ । **୩** ଜିଉଦା ପେରସ୍ ଆରି ଜେରଅର୍ ବାବା ରଇଲା, ତାକର୍ ମାଆ ଅଇଲାନି ତାମର୍ । ପେରସର୍ ପଅ ଏସ୍‌ରନ୍ । **୪** ଏସ୍‌ରନର୍ ପଅ ଆରାମ୍, ଆରାମର୍ ପଅ ଅମିନାଦବ୍ ଅମିନାଦବର୍ ପଅ ନଅସନ୍, ନଅସନର୍ ପିଲା ସଲ୍‌ମନ୍ **୫** ସଲ୍‌ମନର୍ ପଅର୍ ନାଉଁ ବୟଜ୍, ବୟଜର୍ ମାଆ ରାଅବ୍ । ବୟଜର୍ ପଅର୍ ନାଉଁ ଅବେଦ୍ ଆରି ଅବେଦର୍ ମାଆର୍ ନାଉଁ ରୁତ୍ । ଅବେଦର୍ ପଅ ଜସୟ, **୬** ଦାଉଦ୍ ରାଜାର୍ ସାସନ୍ ବେଲେ ଅନି ଜେଡେବଲ୍ ଇସ୍‌ରାଏଲ୍ ଲକ୍‌ମନ୍‌କେ ବାବିଲନ୍ ଦେସେ ବାନ୍ଦି ନେଇରଇଲା ଜାକ ସେତ୍‌କି ଆନିଦାଦିମନର୍ ତାଲିକା ଆଚେ । ଜସୟର୍ ପଅ ଦାଉଦ୍ ରାଜା । ଉରିୟର୍ ମାଇଜିର୍ ପେଟେ ଅନି ସଲ୍‌ମନ୍‌କେ ଜନମ୍ ଦେଲା, **୭** ସଲମନର୍ ପଅ ରିଅବିୟାମ୍ ରିଅବିୟାମର୍ ପଅ ଅବିୟ । **୮** ଅବିୟର୍ ପଅ ଆସା, ଆସାର୍ ପଅ ଜିଅସାପଟ୍, ଜିଅସାପଟର୍ ପଅ ଜରାମ୍, ଜରାମର୍ ପଅ ଉଜିୟ । **୯** ଉଜିୟର୍ ପଅ ଜତାମ୍, ଜତାମର୍ ପଅ ଆଅସ୍, ଆଅସର୍ ପଅ ଇଜକିୟ । **୧୦** ଇଜକିୟର୍ ପଅ ମନସେଅ, ମନସେଅର୍ ପଅ ଆମନ୍, ଆମନର୍ ପଅ ଜସିୟ । **୧୧** ଜସିୟ ବାବିଲନ୍ ନଅରେ ବାସା ଅଇରଇଲା ବେଲେ, ଜିକନିୟ ଆରି ତାର୍ ବାଇମନ୍ ଜନମ୍ ଅଇଲାଇ । **୧୨** ବାବିଲନେ ବନ୍ଦିଅଇ ସାର୍‌ଲା ପଚେଅନି ଜିସୁର୍ ଜନମ୍ ଜାକ ଏତ୍‌କି ଆନିଦାଦିମନର୍ ତାଲିକା ଆଚେ । ଜିକନିୟ ବାବିଲନେ ବାସାଅଇରଇଲା ବେଲେ, ସଲ୍‌ଟିଏଲ୍ ଜନମ୍ ଅଇଲା, ସଲ୍‌ଟିଏଲର୍ ପଅ ଜିରୁବାବେଲ୍, **୧୩** ଜିରୁବାବେଲର୍ ପଅ ଅବିଉଦ୍, ଅବିଉଦର୍ ପଅ ଏଲିୟାକିମ୍, ଏଲିୟାକିମର୍ ପଅ ଅଜୁର୍ । **୧୪** ଅଜୁର୍ ପଅ ସାଦକ୍, ସାଦକର୍ ପଅ ଆକିମ୍, ଜାକିନର୍ ପଅ ଏଲିଉଦ୍, ଏଲିଉଦର୍ ପଅ ଏଲାଜାର୍, ଏଲାଜାରର୍ ପଅ ମତ୍‌ତାନ୍ । **୧୫** ମତ୍‌ତାନର୍ ପଅ ଜାକୁବ୍, ଜାକୁବର୍ ପଅ ଜସେପ୍ । **୧୬** ଏ ଜସେପ୍ ମରିୟମ୍‌କେ ବିବା ଅଇରଇଲା । ମରିୟମର୍ ପେଟେଅନି ଜିସୁ ଜନମ୍ ଅଇରଇଲା । ଜିସୁ କିରିସ୍‌ଟକେ ମସିଅ ବଲି ମିସା ନାଉଁ ଆଚେ । **୧୭** ଏନ୍ତାରି ଅବ୍‌ରାଆମର୍‌ତେଇ ଅନି ଦାଉଦ୍ ରାଜାର୍ ଜାକ ଚଉଦ ଉତାର୍, ଦାଉଦର୍‌ତେଇ ଅନି ବାବିଲନ୍ ବନ୍ଦିରଇଲା ଜାକ ଚଉଦ ଉତାର୍, ଆରି ବାବିଲନେ ବନ୍ଦିଅଇରଇଲା ବେଲେଅନି ଜିସୁକିରିସ୍‌ଟର୍ ଜନମ୍ ଜାକ ଚଉଦ ଉତାର୍ । **୧୮** ଏଟା ଅଇଲାନି ଜିସୁ କିରିସ୍‌ଟର୍ ଜନମ୍ ବିସଇ । ଜିସୁର୍ ମା ମରିୟମର୍ ସଙ୍ଗ ଜସେପ୍ ନାଉଁର୍ ଗଟେକ୍ ଦାଙ୍ଗଡାର୍ ପାଇ ବିବା ମାଙ୍ଗନି ଅଇରଇଲା । ମାତର୍ ସେମନର୍ ବିବା ନ ଅଇତେ ସୁକଲ୍ ଆତ୍‌ମାଇ ଅନି ଗାଗ୍‌ଡେ ଅଇରଇବାଟା ମରିୟମ୍ ଜାନିପାର୍‌ଲା । **୧୯** ଜସେପ୍ ଗଟେକ୍ ଦରମ୍ ଲକ୍ ରଇଲା ଆରି ସବୁବେଲେ ସତ୍ କାମ୍ କର୍‌ତେରଇଲା । ଆରି ମରିୟମ୍‌କେ ଲକ୍‌ମନର୍ ଟାନେ ନିନ୍ଦା କାତା ସୁନାଇବାକେ ମନ୍ ନ କର୍‌ତେ ରଇଲା । ସେଟାର୍‌ପାଇ କେ ନାଜାନ୍‌ତେ ତାର୍ ବିବା ମାଙ୍ଗୁନି ପିଟାଇଦେବାକେ ଉପାଇ ପାଁଚ୍‌ତେ ରଇଲା । **୨୦** ସେ ଏନ୍ତି ଉପାଇ ପାଁଚ୍‌ଲା ବେଲେ, ଜସେପ୍‌କେ ଗଟେକ୍ ପର୍‌ମେସରର୍ ଦୁତ୍ ସପ୍ନେ ଦେକାଇ ଅଇ କଇଲା, ଏ ଦାଉଦର୍ ନାତିର୍ ତିତି ଜସେପ୍, ଡର୍‌ନାଇ । ମରିୟମ୍‌କେ ମାଇଜି କରି ସଙ୍ଗଅ । କାଇକେବଇଲେ ସୁକଲ୍ ଆତ୍‌ମାଇ ଅନି ସେ ଗାଗ୍‌ଡେ ଅଇଲାଆଚେ । **୨୧** ତାର୍‌ଟାନେଅନି ଗଟେକ୍ ପିଲା ଜନମ୍ ଅଇସି, ତମେ ତାକେ ଜିସୁ ବଲି ନାଉଁ ଦିଆସ୍, କାଇକେବଇଲେ ସେ ତାର୍ ଲକ୍‌ମନ୍‌କେ ସେମନର୍ ପାପେଅନି ଉଦାର୍ କର୍‌ସି । **୨୨** ଆଇବା ଦିନ୍‌ମନ୍‌କେ କାଇଟା ଅଇସି ବଲି, ପର୍‌ମେସର୍ ଗଟେକ୍ ବବିସତ୍‌ବକ୍‌ତାକେ ପାଟାଇ ଜନ୍ କାତା ସୁନାଇରଇଲା, ସେଟା ପୁରାପୁରୁନ୍ ଅଇବାକେ ଏ ସବୁ ଅଇଲା । **୨୩** ଗଟେକ୍ ଦାଙ୍ଗୁଡି ଗାଗ୍‌ଡେ ଅଇ ପିଲା ଜନମ୍ କର୍‌ସି, ଆରି ସେ ପିଲା ଲକ୍‌ମନର୍ ଟାନେ ଇମାନୁଏଲ୍ ବଲି ନାମାଇ ଅଇସି, ଏ ନାଉଁର୍ ଅରତ୍ ଅଇଲାନି, ପର୍‌ମେସର୍ ଆମର୍ ସଙ୍ଗ ଆଚେ । **୨୪** ଜସେପ୍ ସଇଲା ଟାନେଅନି ଉଟି, ପର୍‌ମେସରର୍ ଦୁତ୍ ଜେନ୍ତି କଇରଇଲା, ସେନ୍ତି କଲା । ମରିୟମ୍‌କେ ବିବା ଅଇଲା । **୨୫** ମାତର୍ ସେ ପିଲା ଜନମ୍ ନ ଅଇବା ଜାକ ମରିୟମ୍ ସଙ୍ଗ ସୁଆବସା କରେନାଇ । ଜସେପ୍ ସେ ପିଲାକେ ଜିସୁ ବଲି ନାଉଁ ଦେଲା ।

୨ ଏରଦ୍ ରାଜାର୍ ସାସନ୍ ବେଲେ, ଜିଉଦା ରାଇଜର୍ ବେତ୍‌ଲିଇମେ ଜିସୁ ଜନମ୍ ଅଇଲା । ଜନମ୍ ଅଇ ଚନେକ୍ ଜିବାକେ ପୁରୁବ୍ ଦେସର୍ କେତେଟା ତାରାର୍ ବିସଇ ପଡ୍‌ତେ ରଇବା ପଣ୍ଡିତ୍‌ମନ୍ ଜିରୁସାଲାମେ ଆସି ପାତାର୍‌ଲାଇ, **୨** "ଜନ୍ ପିଲା ଜିଉଦିମନର୍ ରାଜା ଅଇବାକେ ଜନମ୍ ଅଇଲାଆଚେ, ସେ କନ୍ତି ଆଚେ? କାଇକେବଇଲେ ଆମେ ପୁରୁବ୍ ଦେସେ ତାର୍ ତାରା ଦେକି ତାକେ ପୁଜା କର୍‌ବାର୍ ଆସିଆଚୁ ।" **୩** ପଣ୍ଡିତ୍‌ମନର୍ କାତା ସୁନି ଏରଦ୍ ରାଜା ଆରି ତାର୍ ସଙ୍ଗ ରଇବା ଜିରୁସାଲାମର୍ ଲକ୍‌ମନ୍ ସବୁ କିଲ୍‌ବିଲ୍ ଅଇଗାଲାଇ । **୪** ଆରି ଏରଦ୍ ସବୁ ମୁକିଅ ପୁଜାରିମନ୍‌କେ ଆରି ସାସ୍‌ତର୍ ସିକାଉମନ୍‌କେ ଡାକାଇ କରି, "ମସିଅ ଜେ କି କିରିସ୍‌ଟ କନ୍ ଜାଗାଇ ଜନମ୍ ଅଇଆଚେ?" ସେଟା ସେମନର୍‌ତେଇ ଅନି ବୁଜ୍‌ବାକେ ଚେସ୍‌ଟା କଲା । **୫** ପଣ୍ଡିତ୍‌ମନ୍ ଏରଦ୍ ରାଜାକେ କଇଲାଇ, ଜିଉଦା ରାଇଜର୍ ବେତ୍‌ଲିଇମ୍ ଗଡେ, ଜନ୍‌ଟାକି ଗଟେକ୍ ବବିସତ୍‌ବକ୍‌ତା ଏନ୍ତାରି ଲେକିଆଚେ । **୬** ଏ ଜିଉଦା ଦେସର୍ ବେତ୍‌ଲିଇମ୍, ତୁଇ ଜିଉଦା ରାଇଜର୍ ମୁକିଅ ଗଡ୍‌ମନର୍‌ତେଇ ଅନି ସାନ୍ ନଉଁସ୍, କାଇକେବଇଲେ ମର୍ ଇସ୍‌ରାଏଲର୍ ଲକ୍‌ମନ୍‌କେ ବାଟ୍ ଦେକାଇସି, ଏନ୍ତାରି ଗଟେକ୍ ସାସନ୍‌କାରିଆ ତର୍‌ତେଇଅନି ଉବଜ୍‌ସି । **୭** ଏଟା ସୁନି କରି ଏରଦ୍ ରାଜା ସେ ପଣ୍ଡିତ୍‌ମନ୍‌କେ ଲୁତ୍‌ତେ ଡାକାଇ, ତାରା

Mathayo

1 Ma e kaka anywola mar Yesu Kristo ma wuod
Daudi kendo wuod Ibrahim chalo: **2** Ibrahim ne
en wuon Isaka, Isaka ne en wuon Jakobo, to Jakobo
ne en wuon Juda gi owetene. **3** Juda ne en wuon
Perez gi Zera, ma min-gi ne en Tamar, Perez ne
en wuon Hezron, Hezron ne en wuon Ram, **4** to
Ram ne en wuon Aminadab. Aminadab ne en wuon
Nashon, Nashon ne en wuon Salmon, **5** Salmon ne
en wuon Boaz, ma min-gi ne en Rahab. Boaz ne
en wuon Obed ma min-gi ne en Ruth, Obed ne en
wuon Jesse, **6** to Jesse ne en wuon Ruoth Daudi.
Daudi ne en wuon Solomon, ma min-gi, kane pok
Daudi okawe, ne en chi Uria, **7** Solomon ne en wuon
Rehoboam, Rehoboam ne en wuon Abija, to Abija
ne en wuon Asa. **8** Asa ne en wuon Jehoshafat,
Jehoshafat ne en wuon Jehoram, Jehoram ne en
wuon Uzia, **9** to Uzia ne en wuon Jotham, Jotham
ne en wuon Ahaz, Ahaz ne en wuon Hezekia, **10** to
Hezekia ne en wuon Manase. Manase ne en wuon
Amon, Amon ne en wuon Josia, **11** kendo Josia ne en
wuon Jekonia gi owetene, e kinde mag twech e piny
Babulon. **12** Bang' twech e Babulon: Jekonia ne en
wuon Shealtiel, Shealtiel ne en wuon Zerubabel,
13 Zerubabel ne en wuon Abihud, to Abihud ne en
wuon Eliakim. Eliakim ne en wuon Azor, **14** Azor ne
en wuon Zadok, Zadok ne en wuon Akim, to Akim ne
en wuon Eliud. **15** Eliud ne en wuon Eleazar, Eleazar
ne en wuon Mathan, Mathan ne en wuon Jakobo,
16 to Jakobo ne en wuon Josef mane chwor Maria
mane onywolo Yesu, miluongo ni Kristo. **17** Kamano
tienge duto mane nitie chakre Ibrahim nyaka Daudi
ne gin apar gang'wen; to chakre Daudi nyaka ndalo
twech e Babulon ne tienge apar gang'wen kendo
chakre ndalo twech nyaka kinde mag Kristo bende
ne tienge apar gang'wen. **18** Kama e kaka nywol
mar Yesu Kristo notimore: Noyudo min mare ma
Maria osesingi ne Josef mondo okende, to kane
pok gibedo kaachiel, noyude ka en gi ich kuom
Roho Maler. **19** Nikech Josef chwore ne en ng'at
makare, kendo ne ok odwar ni okuod wiye e nyim
ji, omiyo nochano e pache mar weye ma ling'-
ling'. **20** To bang' paro mar timo kamano, Malaika
mar Ruoth nofwenyorene e lek mowachone niya,
"Josef wuod Daudi, kik iluor dhi gi Maria dala kaka
chiegi, nikech gima oting'o e iye owuok kuom Roho
Maler. **21** Obiro nywolo wuowi, kendo nyaka imiye
nying ni Yesu, nikech obiro waro joge kogolo e
richo." **22** Magi duto notimore mondo ochop gima
ne Ruoth owacho gi dho janabi niya, **23** "Nyako ngili
biro mako ich minywol wuowi, mi nigiluonge ni
Imanuel" (tiende ni, "Nyasaye ni kodwa"). **24** Kane
Josef ochiewo gokinyi, notimo gima malaika mar
Ruoth nochike mondo otim, kendo nokawo Maria
odhigo dala mobedo chiege. **25** To ne ok oriwore
kode nyaka bang' kane osenywolo nyathi ma wuowi
kendo nomiye nying ni Yesu.

2 Bang' kane osenywol Yesu e dala mar Bethlehem
e piny Judea, e ndalo loch Ruoth Herode, Joma
Riek moko moa yo wuok chieng' nobiro Jerusalem,
2 mi openjo niya, "Ere jal mosenywol mondo obed
ruodh jo-Yahudi? Ne waneno sulwene yo wuok
chieng' kendo wasebiro mondo walame." **3** Kane
Ruoth Herode owinjo wachno, chunye nochandore,
en kaachiel gi ji duto modak Jerusalem. **4** Kane
oseluongo jodolo madongo gi jopuonj chik duto
mane otelo ne ji, nopenjogi kama nowinjore nywolie
Kristo, Mesia. **5** Negidwoke niya, "E Bethlehem
manie piny Judea, nikech janabi nondiko kama: **6**
"'To in, Bethlehem, manie piny Juda, ok itin ngang' e
dier jotelo mag Juda; nikech kuomi ema jatelo mabiro
kwayo joga ma jo-Israel biro ae.'" **7** Eka Herode
noluongo ajuokego ling'-ling', kendo ne ononogi,
mi neginyise kinde nogono mane sulwe onenore.
8 Ne oorogi Bethlehem, kowacho niya, "Dhiuru
kendo umany nyathino maber. E sa ma uyudeno
to duognauru wach mondo an bende adhi alame."
9 Kane gisewinjo wach ruoth, negichako wuodhgi
mi gidhi, kendo sulwe mane oyudo giseneno yo
wuok chieng' notelonigi nyaka nochopo mi ochung'
ewi kama ne nyathi nitie. **10** Kane gineno sulweno,
negibedo moil. **11** To kane gichopo ei ot, negineno
nyathino kod Maria min mare, kendo negikulore
piny ka gilame. Bang'e ne giyawo mwandugi kendo
negimiye mich mag dhahabu, gi ubani gi mane-
mane. **12** To kaka nosesiemgi e lek ni kik gidog ir
Herode, negidok thurgi gi yo machielo. **13** Bang'
kane gisedhi, malaika mar Ruoth nofwenyore ne
Josef e lek. Nowachone niya, "Aa malo ikaw nyathi gi
min mare mondo itony idhi Misri. Dag kuno nyaka
aduogni wach, nikech Herode biro manyo nyathini
mondo onege." **14** Omiyo noa malo gotieno mi okawo
nyathi gi min mare kendo nowuok modhi Misri, **15**
kuma nodakie nyaka chop tho mar Herode. Kamano
gima Ruoth nowacho chon gi dho janabi nochopo
kare niya, "Ne aluongo wuoda ka agolo Misri." **16**
Ka Herode nofwenyo ni Ajuokego nosewuonde, iye
nowang' matek, kendo nogolo chik mondo onegi
nyithindo ma yawuowi duto modak Bethlehem
gi mier molwore, mane hikgi ariyo kadok chien,
kaluwore gi sa mane Ajuokego onyise. **17** Eka gima
Nyasaye nomiyo janabi Jeremia owacho nochopo
kare: **18** "Dwol winjore Rama, en ywak gi nduru
malich, Rael ywago nyithinde kendo odagi ni ok nyal
hoye, nikech gisetho." **19** Bang' ka Herode nosetho,
malaika mar Ruoth nofwenyore ne Josef e lek ka
en Misri kuno, **20** kendo nowachone niya, "Aa malo
ikaw nyathi kod min mare mondo idhi e piny Israel,
nikech joma netemo kawo ngima nyathi osetho."
21 Omiyo noa malo, mokawo nyathi gi min mare,
kendo nodhi e piny Israel. **22** To kane owinjo ni

Mateyo

1 Ibbuku lyabansiku ba Jesu Kkilisito, mwana wakwe
Devidi, mwana wakwe Abbulahamu. **2** Abbulahamu
wakali wisi wa Ayizeki, alakwe Ayizeki wisi wa
Jakobu, alakwe Jakobo wisi wa Juda abakulana
bakwe. **3** Juda wakali wisi wa Pelezi a Zela kuli
Tamala, Pelezi wisi Hezelani alakwe Hezelani wisi
wa Lamu. **4** Lamu wakali wisi wa Aminadabbu,
Aminadabbu wisi wa Nasoni, alakwe Nasoni wisi
wa Salumoni. **5** Salumoni wakali wisi wa Bbowazi
kuli Lahabbu, Bbowazi wisi wa Obbedi kuli Lute,
Obbedi wisi wa Jese. **6** Jese wakali wisi wa Mwami
Devidi Mwami, Devidi wisi wa Solomoni kuli muka
Uliya. **7** Solomoni wakali wisi wa Lehobbowamu,
Lehobbowamu wisi wa Abbija, Abbija wisi wa Asa.
8 Asa wakali wisi wa Jehosiafati, Jehosiafati wisi
wa Jolamu, alakwe Jolamu ngusikale wa Uziya. **9**
Uziya wakali wisi wa Jotamu, Jotamu wisi wa Ahazi,
Ahazi wisi wa Hezekkiya. **10** Hezekkiya wakali wisi
wa Manase, Manase wisi wa Amoni, alakwe Amoni
wisi wa Josiya. **11** Josiya wakali sikale wa Jekoniya
antomwe abakulana bakwe kuchindi chakutolwa
kubuzike ku Bbabbiloni. **12** Musule lyakulonzegwa
kutolwa ku Bbabbiloni, Jekoniya wakali wisi wa
Sialitiyeli, Sialitiyeli wakali sikale wa Zelubbabbeli. **13**
Zelubbabbeli wakali wisi wa Abbiyudi, Abbiyudi wisi
wa Eliyakkimu, alakwe Eliyakkimu wisi wa Azola. **14**
Azola wakali wisi wa Zadoki, Zadoki wisi wa Akkimu,
alakwe Akkimu wisi wa Eliyudi. **15** Eliyudi wakali wisi
wa Eliyazali wisi wa Matani, alakwe Matani wisi wa
Jakobo. **16** Jakobo wakali wisi wa Josefa mulumi wa
Meli, oyo wakazyala Jesu ooyo utegwa Kkilisito. **17**
Woonse mazyalani kuzwa kuli Abbulahamu kusika
kuli Devidi akali mazyalane ali ikkumi aane, kuzwa
kuli Devidi kusika kukulonzegwa kwabo kutolwa ku
Bbabiloni mazyalane ali ikkumi aane, alimwi kuzwa
kukulonzegwa kutolwa ku Bbabbiloni kusikila kuli
Kkilisito mazyalane ali kkumi aane. **18** Kuzyalwa
kwa Jesu Kkilisito kwaka chitika munzila itobela.
Banyina, Meli bakatangilwakuti bakwatwe a Jozefu,
pesi kabatana kuswanana, wakajanika kuti wakali
mintide kumuuya uusalala. **19** Pesi Jozefu, mulumi
wakwe, wakali mwalumi ululeme alimwi tewakayanda
kumufwisya bweeme pe chaantanganana, aboobo
wakayeya kumuleka chuumunizi akusiya chizuminano
chabo. **20** Awo mpakali kuyeeya ezi zintu, mungelo
wa Mwami wakaboneka kulinguwe muchiloto,
waamba kuti, "Jozefu mwana wa Devidi, utayowi pe
kubweza Meli kuti abe mwanakazi wako, nkambo
oyo umintidwe mulinguwe umintidwe a Muuya
Uusalala. **21** Uyozyala mwana mulombe, alimwi
uyomuzika izina lyakuti ngu Jesu, nkambo uyofutula
bantu bakwe kuzwa kuzibi zyabo." **22** Zyonseezi
zyakachitika kuzuzikizya zyakaambwa a Mwami
kwinda kubasinsiimi, wamba wati, **23** "Amubone, ooyo
musimbi uzominta uzotumbuka mwana mulombe,
mpawo izina lyakwe bazomuzika kuti ngu Imanuwele"
- elyo lipandululwa kutegwa, "Leza ulandiswe. **24**
Jozefu wakabuka kuzwa kukoona kwakwe wachita
mbuli mungelo wa Mwami mbakamulayilila, mpawo
wakamubweza waba mwanakazi wakwe. **25** Pesi
takwepe nakamuziba kusika watumbuka mwana
mulombe. Elyo wakamuzika izina kuti ngu Jesu.

2 Nikwakamana kuzyalwa kwa Jesu muBbetelehemu
waku Judiya mumazuba a Mwami Helodi, balumi
bayiide bazwa kujwe bakasika mu Jelusalema
kabamba kuti **2** "ulikuli ooyo wakazyalwa kali
Mwami waba Juda? Twakabona nyenyezi yakwe
kujwe alimwi twaza kuzomukomba." **3** Awo
Helodi Mwami nakamvwa eechi, zyakamukatazya
abantu boonse mbakali abo mu Jelusalemu. **4**
Helodi wakabeta amwi boonse bapaizi bapati
alimwi abalembi babantu, mpawo wakababuzya,
"Nkukuli Kkilisito nkwayozyalilwa?" **5** Bakaamba
kuti kulinguwe, "Mu Bbetelehemu wa Judiya,
nkambo oobu mbubo mbukwakalembwa amusinsiimi,
6 Pesi iwebo, Bbetelehemu, chisi cha Judiya
tamuli banini pe akati kabendelezi baJuda,
nkambo kuzwa kulinduwe kuyozwa uyowendelezya,
uyoyembela bantu bangu Izilayeli." **7** Mpawo
Helodi chakusisikizya wakiita baalumi bayiide kuti
abuzye kuti nchiindinzi loko inyenyezi niyakaboneka.
8 Wakabatuma kuBbetelehemu, wati, "kamuya
mukamulangule chabusongo, mwana munini. kuti
naa mwakumujana, mundetele mazembe ambebo
inga ndilabola kuzomukomba. **9** Nibakamaninsya
kumvwa Mwami, bakeenda anzila yabo, alimwi
inyenyezi njibakalibwene kujwe yakabazulwida kusikila
yayimikila awo mwana munini mpakalibede. **10**
Aboobo nibakabona inyenyezi, bakabotelwa alukondo
lupati. **11** Bakanjila mung'anda bamubona mwana
munini antomwe a Meli banyina. Bakawidaansi
akumukomba. Bakavununa buvubi bwabo mpawo
bamupa izipo zyangolida, tununkilizyo atwa mili.
12 Leza wakabachenjezya kumaloto kuti batajokeli
pe kuli Helodi, aboobo bakajoka kunyika yabo
anzila imbi. **13** Nibakabuka akwenda, mu ngelo wa
Mwami wakalibonia kuli Jozefu muchiloto wamba
wati, "Buka, bweza mwana munini abanyina, uchijile

Mattheüs

1 Geschiedboek van Jesus Christus, zoon van David, zoon van Abraham. **2** Abraham won Isaäk. Isaäk won Jakob. Jakob won Juda en zijn broeders. **3** Juda won Fares en Zara bij Tamar. Fares won Esron. Esron won Aram. **4** Aram won Amminadab. Amminadab won Naässon. Naässon won Salmon. **5** Salmon won Boöz bij Rachab. Boöz won Obed bij Rut. Obed won Jesse. Jesse won koning David. **6** David won Sálomon bij de vrouw van Urias. **7** Sálomon won Róboam. Róboam won Abias. Abias won Asaf. **8** Asaf won Jósafat. Jósafat won Joram. Joram won Ozias. **9** Ozias won Jóatam. Jóatam won Achaz. Achaz won Ezekias. **10** Ezekias won Manasses. Manasses won Amon. Amon won Josias. **11** Josias won Jekonias en zijn broeders omstreeks de tijd der wegvoering naar Babylon. **12** En na de wegvoering naar Babylon won Jekonias Salátiël. Salátiël won Zoróbabel. **13** Zoróbabel won Abióed. Abióed won Eljakim, Eljakim won Azor. **14** Azor won Sadok. Sadok won Achim. Achim won Elióed. **15** Elióed won Eleazar. Eleazar won Matan. Matan won Jakob. **16** Jakob won Josef, den man van Maria, uit wie Jesus geboren is, die Christus genoemd wordt. **17** Tezamen dus zijn er van Abraham tot David veertien geslachten, en van David tot de wegvoering naar Babylon veertien geslachten, en van de wegvoering naar Babylon tot den Christus veertien geslachten. **18** De geboorte van Jesus Christus geschiedde aldus. Toen Maria zijn moeder verloofd was met Josef, werd zij, voordat ze gingen samenwonen, in gezegende toestand bevonden van den Heiligen Geest. **19** Daar Josef, haar man, een rechtvaardige was, en haar niet te schande wilde maken, besloot hij, in stilte van haar te scheiden. **20** Terwijl hij met die gedachte omging, zie, daar verscheen hem in een droom een engel des Heren, en sprak: Josef, zoon van David, vrees niet, Maria, uw vrouw, tot u te nemen; want wat in haar is geboren, is van den Heiligen Geest. **21** Ze zal een zoon baren, en ge zult Hem Jesus noemen; want Hij zal zijn volk verlossen van hun zonden. **22** Dit alles is geschied, opdat vervuld zou worden wat de Heer gesproken heeft door den profeet, die zegt: **23** "Zie, de maagd zal ontvangen, en een zoon baren; en men zal Hem Emmánuel noemen"; dat is vertaald: God met ons. **24** Toen Josef uit de slaap was ontwaakt, deed hij zoals de engel des Heren hem had bevolen; en hij nam zijn vrouw tot zich. **25** Maar hij bekende haar niet, totdat zij een zoon had gebaard; en hij noemde Hem Jesus.

2 Toen Jesus nu geboren was te Bétlehem van Juda in de dagen van koning Herodes, zie, toen kwamen er Wijzen uit het oosten te Jerusalem. **2** Ze zeiden: Waar is de Koning der Joden, die zo juist geboren moet zijn? Want we hebben zijn ster in het oosten gezien, en zijn gekomen, om Hem te aanbidden. **3** Toen koning Herodes dit hoorde, werd hij ontsteld, en heel Jerusalem met hem. **4** Hij riep alle opperpriesters en schriftgeleerden van het volk bijeen, en vroeg ze, waar de Christus zou worden geboren. **5** Ze zeiden hem: In Bétlehem van Juda; want zo is er geschreven door den profeet: **6** "En gij, Bétlehem, land van Juda, zijt zeker de minste niet onder de hoofdplaatsen van Juda; want uit u zal een vorst voortkomen, die mijn volk Israël leiden zal." **7** Toen ontbood Herodes heimelijk de Wijzen, en ondervroeg ze nauwkeurig over de tijd, waarop hun de ster was verschenen. **8** Hij zond ze naar Bétlehem en sprak: Gaat, en doet zorgvuldig navraag naar het Kind; en als gij Het gevonden hebt, meldt het me dan, opdat ook ik Het ga aanbidden. **9** Toen ze den koning hadden aangehoord, gingen ze heen. En zie, de ster, die ze in het oosten hadden gezien, ging voor hen uit, totdat ze kwam boven de plaats, waar het Kind was, en daar bleef staan. **10** Toen ze de ster zagen, waren ze buitengewoon verheugd. **11** En toen ze het huis waren binnengetreden, vonden ze het Kind met zijn moeder Maria; ze vielen ter aarde neer, en aanbaden Het. Ze openden hun schatten, en boden Het geschenken aan: goud, wierook en mirre. **12** En daar ze in een droom waren gewaarschuwd, om niet naar Herodes terug te keren, vertrokken ze langs een andere weg naar hun land. **13** Toen ze waren heengegaan, zie, daar verscheen een engel des Heren in een droom aan Josef, en sprak: Sta op, neem het Kind en zijn moeder, en vlucht naar Egypte; blijf daar, tot ik het u zeggen zal. Want Herodes komt het Kind zoeken, om Het te doden. **14** Hij stond op, nam midden in de nacht het Kind en zijn moeder, en vluchtte naar Egypte. **15** Daar bleef hij tot de dood van Herodes; opdat vervuld zou worden, wat de Heer door den profeet had gezegd: "Uit Egypte heb Ik mijn zoon geroepen" **16** Toen Herodes bemerkte, dat hij door de Wijzen was verschalkt, werd hij zeer toornig. Hij zond zijn lieden uit, en doodde in Bétlehem en heel de omtrek alle knapen van twee jaar en jonger, overeenkomstig de tijd, die hij van de Wijzen was te weten gekomen. **17** Toen werd vervuld, wat door den profeet Jeremias gezegd was: **18** "Een stem is in Rama gehoord, Luid geween en geschrei: Rachel beweent haar kinderen, En wil niet getroost worden, want ze zijn niet meer." **19** Maar toen Herodes was gestorven, zie, daar verscheen in Egypte een engel des Heeren in een droom aan Josef, **20** en sprak: Sta op, neem het Kind en zijn moeder, en ga naar het land van Israël; want zij, die het Kind naar het leven stonden, zijn dood. **21** Hij stond op, nam het Kind en zijn moeder, en ging naar het land van Israël. **22** Toen hij echter vernam, dat in Judea Archelaüs heerschte in plaats van zijn vader Herodes, vreesde hij daarheen te gaan; en nadat hij in een droom een waarschuwing had ontvangen, begaf hij zich naar de landstreek van

Mattheüs

1 Het boek des geslachts van JEZUS CHRISTUS, den Zoon van David, den zoon van Abraham. **2** Abraham gewon Izak, en Izak gewon Jakob, en Jakob gewon Juda, en zijn broeders; **3** En Juda gewon Fares en Zara bij Thamar; en Fares gewon Esrom, en Esrom gewon Aram; **4** En Aram gewon Aminadab, en Aminadab gewon Nahasson, en Nahasson gewon Salmon; **5** En Salmon gewon Booz bij Rachab, en Booz gewon Obed bij Ruth, en Obed gewon Jessai; **6** En Jessai gewon David, den koning; en David, den koning, gewon Salomon bij degene, die Uria's vrouw was geweest; **7** En Salomon gewon Roboam, en Roboam gewon Abia, en Abia gewon Asa; **8** En Asa gewon Josafat, en Josafat gewon Joram, en Joram gewon Ozias; **9** En Ozias gewon Joatham, en Joatham gewon Achaz, en Achaz gewon Ezekias; **10** En Ezekias gewon Manasse, en Manasse gewon Amon, en Amon gewon Josias; **11** En Josias gewon Jechonias, en zijn broeders, omtrent de Babylonische overvoering. **12** En na de Babylonische overvoering gewon Jechonias Salathiel, en Salathiel gewon Zorobabel; **13** En Zorobabel gewon Abiud, en Abiud gewon Eljakim, en Eljakim gewon Azor; **14** En Azor gewon Sadok, en Sadok gewon Achim, en Achim gewon Elihud; **15** En Elihud gewon Eleazar, en Eleazar gewon Matthan, en Matthan gewon Jakob; **16** En Jakob gewon Jozef, den man van Maria, uit welke geboren is JEZUS, gezegd Christus. **17** Al de geslachten dan, van Abraham tot David, zijn veertien geslachten; en van David tot de Babylonische overvoering, zijn veertien geslachten; en van de Babylonische overvoering tot Christus, zijn veertien geslachten. **18** De geboorte van Jezus Christus was nu aldus; want als Maria, zijn moeder, met Jozef ondertrouwd was, eer zij samengekomen waren, werd zij zwanger bevonden uit den Heiligen Geest. **19** Jozef nu, haar man, alzo hij rechtvaardig was, en haar niet wilde openbaarlijk te schande maken, was van wil haar heimelijk te verlaten. **20** En alzo hij deze dingen in den zin had, ziet, de engel des Heeren verscheen hem in den droom, zeggende: Jozef, gij zone Davids! wees niet bevreesd Maria, uw vrouw, tot u te nemen; want hetgeen in haar ontvangen is, dat is uit den Heiligen Geest; **21** En zij zal een Zoon baren, en gij zult Zijn naam heten JEZUS; want Hij zal Zijn volk zalig maken van hun zonden. **22** En dit alles is geschied, opdat vervuld zou worden, hetgeen van den Heere gesproken is, door den profeet, zeggende: **23** Ziet, de maagd zal zwanger worden, en een Zoon baren, en gij zult Zijn naam heten Emmanuel; hetwelk is, overgezet zijnde, God met ons. **24** Jozef dan, opgewekt zijnde van den slaap, deed, gelijk de engel des Heeren hem bevolen had, en heeft zijn vrouw tot zich genomen; **25** En bekende haar niet, totdat zij dezen haar eerstgeboren Zoon gebaard had; en heette Zijn naam JEZUS.

2 Toen nu Jezus geboren was te Bethlehem, gelegen in Judea, in de dagen van den koning Herodes, ziet, enige wijzen van het Oosten zijn te Jeruzalem aangekomen. **2** Zeggende: Waar is de geboren Koning der Joden? want wij hebben gezien Zijn ster in het Oosten, en zijn gekomen om Hem te aanbidden. **3** De koning Herodes nu, dit gehoord hebbende, werd ontroerd, en geheel Jeruzalem, met hem. **4** En bijeenvergaderd hebbende al de overpriesters en Schriftgeleerden des volks, vraagde van hen, waar de Christus zou geboren worden. **5** En zij zeiden tot hem: Te Bethlehem, in Judea gelegen; want alzo is geschreven door den profeet: **6** En gij Bethlehem, gij land Juda! zijt geenszins de minste onder de vorsten van Juda; want uit u zal de Leidsman voortkomen, Die Mijn volk Israel weiden zal. **7** Toen heeft Herodes de wijzen heimelijk geroepen, en vernam naarstiglijk van hen den tijd, wanneer de ster verschenen was; **8** En hen naar Bethlehem zendende, zeide: Reist heen, en onderzoekt naarstiglijk naar dat Kindeken, en als gij Het zult gevonden hebben, boodschapt het mij, opdat ik ook kome en Datzelve aanbidde. **9** En zij, den koning gehoord hebbende, zijn heengereisd; en ziet, de ster, die zij in het oosten gezien hadden, ging hun voor, totdat zij kwam en stond boven de plaats, waar het Kindeken was. **10** Als zij nu de ster zagen, verheugden zij zich met zeer grote vreugde. **11** En in het huis gekomen zijnde, vonden zij het Kindeken met Maria, Zijn moeder, en nedervallende hebben zij Hetzelve aangebeden; en hun schatten opengedaan hebbende, brachten zij Hem geschenken: goud en wierook, en mirre. **12** En door Goddelijke openbaring vermaand zijnde in den droom, dat zij niet zouden wederkeren tot Herodes, vertrokken zij door een anderen weg weder naar hun land. **13** Toen zij nu vertrokken waren, ziet, de engel des Heeren verschijnt Jozef in den droom, zeggende: Sta op, en neem tot u het Kindeken en Zijn moeder, en vlied in Egypte, en wees aldaar, totdat ik het u zeggen zal; want Herodes zal het Kindeken zoeken, om Hetzelve te doden. **14** Hij dan opgestaan zijnde, nam het Kindeken en Zijn moeder tot zich in den nacht, en vertrok naar Egypte; **15** En was aldaar tot den dood van Herodes; opdat vervuld zou worden hetgeen van den Heere gesproken is door den profeet, zeggende: Uit Egypte heb Ik Mijn Zoon geroepen. **16** Als Herodes zag, dat hij van de wijzen bedrogen was, toen werd hij zeer toornig, en enigen afgezonden hebbende, heeft omgebracht al de kinderen, die binnen Bethlehem, en in al deszelfs landpalen waren, van twee jaren oud en daaronder, naar den tijd, dien hij van de wijzen naarstiglijk onderzocht had. **17** Toen is vervuld geworden, hetgeen gesproken is door den profeet Jeremia, zeggende: **18** Een stem is in Rama gehoord, geklag, geween en veel gekerm; Rachel beweende haar kinderen, en wilde niet vertroost wezen, omdat zij niet zijn! **19** Toen Herodes nu gestorven was, ziet, de engel des Heeren verschijnt Jozef in den droom, in Egypte. **20** Zeggende: Sta op, neem het Kindeken en Zijn moeder tot u, en trek in het land Israels; want zij zijn gestorven, die de ziel van het Kindeken zochten. **21** Hij dan, opgestaan zijnde, heeft tot zich genomen het Kindeken en Zijn moeder, en is gekomen

Mattheüs

1 Het boek des geslachts van JEZUS CHRISTUS, den Zoon van David, den zoon van Abraham. **2** Abraham gewon Izak, en Izak gewon Jakob, en Jakob gewon Juda, en zijn broeders; **3** En Juda gewon Fares en Zara bij Thamar; en Fares gewon Esrom, en Esrom gewon Aram; **4** En Aram gewon Aminadab, en Aminadab gewon Nahasson, en Nahasson gewon Salmon; **5** En Salmon gewon Booz bij Rachab, en Booz gewon Obed bij Ruth, en Obed gewon Jessai; **6** En Jessai gewon David, den koning; en David, den koning, gewon Salomon bij degene, die Uria's vrouw was geweest; **7** En Salomon gewon Roboam, en Roboam gewon Abia, en Abia gewon Asa; **8** En Asa gewon Josafat, en Josafat gewon Joram, en Joram gewon Ozias; **9** En Ozias gewon Joatham, en Joatham gewon Achaz, en Achaz gewon Ezekias; **10** En Ezekias gewon Manasse, en Manasse gewon Amon, en Amon gewon Josias; **11** En Josias gewon Jechonias, en zijn broeders, omtrent de Babylonische overvoering. **12** En na de Babylonische overvoering gewon Jechonias Salathiel, en Salathiel gewon Zorobabel; **13** En Zorobabel gewon Abiud, en Abiud gewon Eljakim, en Eljakim gewon Azor; **14** En Azor gewon Sadok, en Sadok gewon Achim, en Achim gewon Eliud; **15** En Eliud gewon Eleazar, en Eleazar gewon Matthan, en Matthan gewon Jakob; **16** En Jakob gewon Jozef, den man van Maria, uit welke geboren is JEZUS, gezegd Christus. **17** Al de geslachten dan, van Abraham tot David, zijn veertien geslachten; en van David tot de Babylonische overvoering, zijn veertien geslachten; en van de Babylonische overvoering tot Christus, zijn veertien geslachten. **18** De geboorte van Jezus Christus was nu aldus; want als Maria, Zijn moeder, met Jozef ondertrouwd was, eer zij samengekomen waren, werd zij zwanger bevonden uit den Heiligen Geest. **19** Jozef nu, haar man, alzo hij rechtvaardig was, en haar niet wilde openbaarlijk te schande maken, was van wil haar heimelijk te verlaten. **20** En alzo hij deze dingen in den zin had, ziet, de engel des Heeren verscheen hem in den droom, zeggende: Jozef, gij zone Davids! wees niet bevreesd Maria, uw vrouw, tot u te nemen; want hetgeen in haar ontvangen is, dat is uit den Heiligen Geest; **21** En zij zal een Zoon baren, en gij zult Zijn naam heten JEZUS; want Hij zal Zijn volk zalig maken van hun zonden. **22** En dit alles is geschied, opdat vervuld zou worden, hetgeen van den Heere gesproken is, door den profeet, zeggende: **23** Ziet, de maagd zal zwanger worden, en een Zoon baren, en gij zult Zijn naam heten Emmanuel; hetwelk is, overgezet zijnde, God met ons. **24** Jozef dan, opgewekt zijnde van den slaap, deed, gelijk de engel des Heeren hem bevolen had, en heeft zijn vrouw tot zich genomen; **25** En bekende haar niet, totdat zij dezen haar eerstgeboren Zoon gebaard had; en heette Zijn naam JEZUS.

2 Toen nu Jezus geboren was te Bethlehem, gelegen in Judea, in de dagen van den koning Herodes, ziet, enige wijzen van het Oosten zijn te Jeruzalem aangekomen. **2** Zeggende: Waar is de geboren Koning der Joden? want wij hebben gezien Zijn ster in het Oosten, en zijn gekomen om Hem te aanbidden. **3** De koning Herodes nu, dit gehoord hebbende, werd ontroerd, en geheel Jeruzalem, met hem. **4** En bijeenvergaderd hebbende al de overpriesters en Schriftgeleerden des volks, vraagde van hen, waar de Christus zou geboren worden. **5** En zij zeiden tot hem: Te Bethlehem, in Judea gelegen; want alzo is geschreven door den profeet: **6** En gij Bethlehem, gij land Juda! zijt geenszins de minste onder de vorsten van Juda; want uit u zal de Leidsman voortkomen, Die Mijn volk Israel weiden zal. **7** Toen heeft Herodes de wijzen heimelijk geroepen, en vernam naarstiglijk van hen den tijd, wanneer de ster verschenen was; **8** En hen naar Bethlehem zendende, zeide: Reist heen, en onderzoekt naarstiglijk naar dat Kindeken, en als gij Het zult gevonden hebben, boodschapt het mij, opdat ik ook kome en Datzelve aanbidde. **9** En zij, den koning gehoord hebbende, zijn heengereisd; en ziet, de ster, die zij in het oosten gezien hadden, ging hun voor, totdat zij kwam en stond boven de plaats, waar het Kindeken was. **10** Als zij nu de ster zagen, verheugden zij zich met zeer grote vreugde. **11** En in het huis gekomen zijnde, vonden zij het Kindeken met Maria, Zijn moeder, en nedervallende hebben zij Hetzelve aangebeden; en hun schatten opengedaan hebbende, brachten zij Hem geschenken: goud en wierook, en mirre. **12** En door Goddelijke openbaring vermaand zijnde in den droom, dat zij niet zouden wederkeren tot Herodes, vertrokken zij door een anderen weg weder naar hun land. **13** Toen zij nu vertrokken waren, ziet, de engel des Heeren verschijnt Jozef in den droom, zeggende: Sta op, en neem tot u het Kindeken en Zijn moeder, en vlied in Egypte, en wees aldaar, totdat ik het u zeggen zal; want Herodes zal het Kindeken zoeken, om Hetzelve te doden. **14** Hij dan opgestaan zijnde, nam het Kindeken en Zijn moeder tot zich in den nacht, en vertrok naar Egypte; **15** En was aldaar tot den dood van Herodes; opdat vervuld zou worden hetgeen van den Heere gesproken is door den profeet, zeggende: Uit Egypte heb Ik Mijn Zoon geroepen. **16** Als Herodes zag, dat hij van de wijzen bedrogen was, toen werd hij zeer toornig, en enigen afgezonden hebbende, heeft omgebracht al de kinderen, die binnen Bethlehem, en in al deszelfs landpalen waren, van twee jaren oud en daaronder, naar den tijd, dien hij van de wijzen naarstiglijk onderzocht had. **17** Toen is vervuld geworden, hetgeen gesproken is door den profeet Jeremia, zeggende: **18** Een stem is in Rama gehoord, geklag, geween en veel gekerm; Rachel beweende haar kinderen, en wilde niet vertroost wezen, omdat zij niet zijn! **19** Toen Herodes nu gestorven was, ziet, de engel des Heeren verschijnt Jozef in den droom, in Egypte. **20** Zeggende: Sta op, neem het Kindeken en Zijn moeder tot u, en trek in het land Israels; want zij zijn gestorven, die de ziel van het Kindeken zochten. **21** Hij dan, opgestaan zijnde, heeft tot zich genomen het Kindeken en Zijn moeder, en is gekomen

Matthew

1 A book of a genealogy of Jesus Christ, the son of David, the son of Abraham. **2** Abraham begot Isaac, and Isaac begot Jacob, and Jacob begot Judah and his brothers, **3** and Judah begot Perez and Zerah from Tamar, and Perez begot Hezron, and Hezron begot Ram, **4** and Ram begot Amminadab, and Amminadab begot Nahshon, and Nahshon begot Salmon, **5** and Salmon begot Boaz from Rahab, and Boaz begot Obed from Ruth, and Obed begot Jesse, **6** and Jesse begot David the king. And David begot Solomon from the widow of Uriah, **7** and Solomon begot Rehoboam, and Rehoboam begot Abijah, and Abijah begot Asa, **8** and Asa begot Jehoshaphat, and Jehoshaphat begot Joram, and Joram begot Uzziah, **9** and Uzziah begot Jotham, and Jotham begot Ahaz, and Ahaz begot Hezekiah, **10** and Hezekiah begot Manasseh, and Manasseh begot Amon, and Amon begot Josiah, **11** and Josiah begot Jechoniah and his brothers during the Babylonian exile. **12** And after the Babylonian exile, Jechoniah begot Shealtiel, and Shealtiel begot Zerubbabel, **13** and Zerubbabel begot Abiud, and Abiud begot Eliakim, and Eliakim begot Azor, **14** and Azor begot Zadoc, and Zadoc begot Achim, and Achim begot Eliud, **15** and Eliud begot Eleazar, and Eleazar begot Matthan, and Matthan begot Jacob, **16** and Jacob begot Joseph the husband of Mary, of whom was born Jesus, who is called Christ. **17** So all the generations from Abraham to David are fourteen generations, and from David to the Babylonian exile fourteen generations, and from the Babylonian exile to the Christ fourteen generations. **18** Now the birth of Jesus Christ was this way. For his mother Mary, who was betrothed to Joseph, before they came together she was found having in her womb from the Holy Spirit. **19** But Joseph her husband, being a righteous man, and not wanting to expose her to public disgrace, intended to dismiss her privately. **20** But while he considered these things, behold, an agent of the Lord appeared to him in a dream, saying, Joseph, thou son of David, fear not to take Mary to be thy wife, for that which was begotten in her is from the Holy Spirit. **21** And she will bring forth a son, and thou shall call his name JESUS, for he will save his people from their sins. **22** Now all this has come to pass, so that what was spoken by the Lord through the prophet might be fulfilled, which says, **23** Behold, the virgin will have in her womb, and will bring forth a son. And they will call his name Immanuel, which is, being interpreted, God with us. **24** And Joseph, being roused from his sleep, did as the agent of the Lord ordered him. And he took his wife, **25** and knew her not until she brought forth her son, the firstborn. And he called his name JESUS.

2 Now Jesus having been born in Bethlehem of Judea in the days of Herod the king, behold, wise men from the east came to Jerusalem, saying, **2** Where is he who is born king of the Jews? For we saw his star in the east, and have come to worship him. **3** And Herod the king having heard it, he was troubled, and all Jerusalem with him. **4** And having gathered together all the chief priests and scholars of the people, he inquired of them where the Christ is born. **5** And they said to him, In Bethlehem of Judea. For thus it is written through the prophet, **6** And thou Bethlehem, land of Judah, are in no way least among the rulers of Judah, for out of thee will come forth a man who rules, who will tend my people Israel. **7** Then Herod having called the wise men privately, ascertained from them what time the star appeared. **8** And having sent them to Bethlehem, he said, After going, search diligently about the child. And when ye find him, report to me, so that I also having come, may worship him. **9** And when they heard the king, they departed. And lo, the star that they saw in the east went before them until, having come, it stood over where the child was. **10** And when they saw the star, they rejoiced with exceedingly great joy. **11** And having come into the house, they saw the child with Mary his mother, and having fallen down, they worshiped him. And having opened their treasures, they brought to him gifts, gold and frankincense and myrrh. **12** And divinely warned in a dream not to return to Herod, they departed into their own country by another way. **13** Now after they departed, behold, an agent of the Lord appears to Joseph in a dream, saying, After rising, take the child and his mother, and flee into Egypt, and thou be there until I tell thee, for Herod is going to seek the child to destroy it. **14** And having awakened, he took the child and his mother by night, and departed into Egypt. **15** And he was there until the end of Herod, so that what was spoken by the Lord through the prophet might be fulfilled, which says, Out of Egypt I called my Son. **16** Then Herod, when he saw that he was scorned by the wise men, was exceedingly angry, and having sent forth, he killed all the boys in Bethlehem, and in all the borders of it, from two years old and under, according to the time that he had ascertained from the wise men. **17** Then that which was spoken through Jeremiah the prophet was fulfilled, which says, **18** A voice was heard in Ramah, lamentation, and weeping, and great mourning, Rachel weeping for her children. And she did not want to be comforted, because they are not. **19** But when Herod perished, behold, an agent of the Lord appears in a dream to Joseph in Egypt, saying, **20** After rising, take the child and his mother, and go into the land of Israel, for those seeking the child's life have died. **21** And having awaken, he took the child and his mother, and came into the land of Israel. **22** But when he heard that Archelaus was reigning over Judea in place of his father

Matthew

1 The book of the genealogy of Jesus Christ, the son of David, the son of Abraham. **2** Abraham became the father of Isaac. Isaac became the father of Jacob. Jacob became the father of Judah and his brothers. **3** Judah became the father of Perez and Zerah by Tamar. Perez became the father of Hezron. Hezron became the father of Ram. **4** Ram became the father of Amminadab. Amminadab became the father of Nahshon. Nahshon became the father of Salmon. **5** Salmon became the father of Boaz by Rahab. Boaz became the father of Obed by Ruth. Obed became the father of Jesse. **6** Jesse became the father of King David. David the king became the father of Solomon by her who had been Uriah's wife. **7** Solomon became the father of Rehoboam. Rehoboam became the father of Abijah. Abijah became the father of Asa. **8** Asa became the father of Jehoshaphat. Jehoshaphat became the father of Joram. Joram became the father of Uzziah. **9** Uzziah became the father of Jotham. Jotham became the father of Ahaz. Ahaz became the father of Hezekiah. **10** Hezekiah became the father of Manasseh. Manasseh became the father of Amon. Amon became the father of Josiah. **11** Josiah became the father of Jechoniah and his brothers at the time of the exile to Babylon. **12** After the exile to Babylon, Jechoniah became the father of Shealtiel. Shealtiel became the father of Zerubbabel. **13** Zerubbabel became the father of Abiud. Abiud became the father of Eliakim. Eliakim became the father of Azor. **14** Azor became the father of Zadok. Zadok became the father of Achim. Achim became the father of Eliud. **15** Eliud became the father of Eleazar. Eleazar became the father of Matthan. Matthan became the father of Jacob. **16** Jacob became the father of Joseph, the husband of Mary, from whom was born Jesus, who is called Christ. **17** So all the generations from Abraham to David are fourteen generations; from David to the exile to Babylon fourteen generations; and from the carrying away to Babylon to the Christ, fourteen generations. **18** Now the birth of Jesus Christ was like this: After his mother, Mary, was engaged to Joseph, before they came together, she was found pregnant by the Holy Spirit. **19** Joseph, her husband, being a righteous man, and not willing to make her a public example, intended to put her away secretly. **20** But when he thought about these things, behold, an angel of the Lord appeared to him in a dream, saying, "Joseph, son of David, do not be afraid to take to yourself Mary as your wife, for that which is conceived in her is of the Holy Spirit. **21** She shall give birth to a son. You shall name him Jesus, for it is he who shall save his people from their sins." **22** Now all this has happened that it might be fulfilled which was spoken by the Lord through the prophet, saying, **23** "Behold, the virgin shall be with child, and shall give birth to a son. They shall call his name Immanuel," which is, being interpreted, "God with us." **24** Joseph arose from his sleep, and did as the angel of the Lord commanded him, and took his wife to himself; **25** and did not know her sexually until she had given birth to her firstborn son. He named him Jesus.

2 Now when Jesus was born in Bethlehem of Judea in the days of King Herod, behold, wise men from the east came to Jerusalem, saying, **2** "Where is he who is born King of the Jews? For we saw his star in the east, and have come to worship him." **3** When King Herod heard it, he was troubled, and all Jerusalem with him. **4** Gathering together all the chief priests and scribes of the people, he asked them where the Christ would be born. **5** They said to him, "In Bethlehem of Judea, for this is written through the prophet, **6** 'You Bethlehem, land of Judah, are in no way least among the princes of Judah; for out of you shall come a governor who shall shepherd my people, Israel.'" **7** Then Herod secretly called the wise men, and learned from them exactly what time the star appeared. **8** He sent them to Bethlehem, and said, "Go and search diligently for the young child. When you have found him, bring me word, so that I also may come and worship him." **9** They, having heard the king, went their way; and behold, the star, which they saw in the east, went before them until it came and stood over where the young child was. **10** When they saw the star, they rejoiced with exceedingly great joy. **11** They came into the house and saw the young child with Mary, his mother, and they fell down and worshiped him. Opening their treasures, they offered to him gifts: gold, frankincense, and myrrh. **12** Being warned in a dream not to return to Herod, they went back to their own country another way. **13** Now when they had departed, behold, an angel of the Lord appeared to Joseph in a dream, saying, "Arise and take the young child and his mother, and flee into Egypt, and stay there until I tell you, for Herod will seek the young child to destroy him." **14** He arose and took the young child and his mother by night and departed into Egypt, **15** and was there until the death of Herod, that it might be fulfilled which was spoken by the Lord through the prophet, saying, "Out of Egypt I called my son." **16** Then Herod, when he saw that he was mocked by the wise men, was exceedingly angry, and sent out and killed all the male children who were in Bethlehem and in all the surrounding countryside, from two years old and under, according to the exact time which he had learned from the wise men. **17** Then that which was spoken by Jeremiah the prophet was fulfilled, saying, **18** "A voice

Matthew

1 The book of the generation of Jesus Christ, the son of David, the son of Abraham. **2** Abraham begat Isaac; and Isaac begat Jacob; and Jacob begat Judah and his brethren; **3** and Judah begat Perez and Zerah of Tamar; and Perez begat Hezron; and Hezron begat Ram; **4** and Ram begat Amminadab; and Amminadab begat Nahshon; and Nahshon begat Salmon; **5** and Salmon begat Boaz of Rahab; and Boaz begat Obed of Ruth; and Obed begat Jesse; **6** and Jesse begat David the king. And David begat Solomon of her [that had been the wife] of Uriah; **7** and Solomon begat Rehoboam; and Rehoboam begat Abijah; and Abijah begat Asa; **8** and Asa begat Jehoshaphat; and Jehoshaphat begat Joram; and Joram begat Uzziah; **9** and Uzziah begat Jotham; and Jotham begat Ahaz; and Ahaz begat Hezekiah; **10** and Hezekiah begat Manasseh; and Manasseh begat Amon; and Amon begat Josiah; **11** and Josiah begat Jechoniah and his brethren, at the time of the carrying away to Babylon. **12** And after the carrying away to Babylon, Jechoniah begat Shealtiel; and Shealtiel begat Zerubbabel; **13** and Zerubbabel begat Abiud; and Abiud begat Eliakim; and Eliakim begat Azor; **14** and Azor begat Sadoc; and Sadoc begat Achim; and Achim begat Eliud; **15** and Eliud begat Eleazar; and Eleazar begat Matthan; and Matthan begat Jacob; **16** and Jacob begat Joseph the husband of Mary, of whom was born Jesus, who is called Christ. **17** So all the generations from Abraham unto David are fourteen generations; and from David unto the carrying away to Babylon fourteen generations; and from the carrying away to Babylon unto the Christ fourteen generations. **18** Now the birth of Jesus Christ was on this wise: When his mother Mary had been betrothed to Joseph, before they came together she was found with child of the Holy Spirit. **19** And Joseph her husband, being a righteous man, and not willing to make her a public example, was minded to put her away privily. **20** But when he thought on these things, behold, an angel of the Lord appeared unto him in a dream, saying, Joseph, thou son of David, fear not to take unto thee Mary thy wife: for that which is conceived in her is of the Holy Spirit. **21** And she shall bring forth a son; and thou shalt call his name JESUS; for it is he that shall save his people from their sins. **22** Now all this is come to pass, that it might be fulfilled which was spoken by the Lord through the prophet, saying, **23** Behold, the virgin shall be with child, and shall bring forth a son, And they shall call his name Immanuel; which is, being interpreted, God with us. **24** And Joseph arose from his sleep, and did as the angel of the Lord commanded him, and took unto him his wife; **25** and knew her not till she had brought forth a son: and he called his name JESUS.

2 Now when Jesus was born in Bethlehem of Judæa in the days of Herod the king, behold, Wise-men from the east came to Jerusalem, saying, **2** Where is he that is born King of the Jews? for we saw his star in the east, and are come to worship him. **3** And when Herod the king heard it, he was troubled, and all Jerusalem with him. **4** And gathering together all the chief priests and scribes of the people, he inquired of them where the Christ should be born. **5** And they said unto him, In Bethlehem of Judæa: for thus it is written through the prophet, **6** And thou Bethlehem, land of Judah, Art in no wise least among the princes of Judah: For out of thee shall come forth a governor, Who shall be shepherd of my people Israel. **7** Then Herod privily called the Wise-men, and learned of them exactly what time the star appeared. **8** And he sent them to Bethlehem, and said, Go and search out exactly concerning the young child; and when ye have found [him], bring me word, that I also may come and worship him. **9** And they, having heard the king, went their way; and lo, the star, which they saw in the east, went before them, till it came and stood over where the young child was. **10** And when they saw the star, they rejoiced with exceeding great joy. **11** And they came into the house and saw the young child with Mary his mother; and they fell down and worshipped him; and opening their treasures they offered unto him gifts, gold and frankincense and myrrh. **12** And being warned [of God] in a dream that they should not return to Herod, they departed into their own country another way. **13** Now when they were departed, behold, an angel of the Lord appeareth to Joseph in a dream, saying, Arise and take the young child and his mother, and flee into Egypt, and be thou there until I tell thee: for Herod will seek the young child to destroy him. **14** And he arose and took the young child and his mother by night, and departed into Egypt; **15** and was there until the death of Herod: that it might be fulfilled which was spoken by the Lord through the prophet, saying, Out of Egypt did I call my son. **16** Then Herod, when he saw that he was mocked of the Wise-men, was exceeding wroth, and sent forth, and slew all the male children that were in Bethlehem, and in all the borders thereof, from two years old and under, according to the time which he had exactly learned of the Wise-men. **17** Then was fulfilled that which was spoken through Jeremiah the prophet, saying, **18** A voice was heard in Ramah, Weeping and great mourning, Rachel weeping for her children; And she would not be comforted, because they are not. **19** But when Herod was dead, behold, an angel of the Lord appeareth in a dream to Joseph in Egypt, saying, **20** Arise and take the young child and his mother, and go into the land of Israel: for they are dead that sought the young child's life. **21** And he arose and took the young child and his mother, and came into the land of Israel. **22**

Matthew

1 The book of the genealogy of Jesus Christ, the son of David, the son of Abraham. **2** Abraham begot Isaac: Isaac begot Jacob: Jacob begot Judah and his brothers: **3** Judah begot Phares and Zarah of Thamar: Phares begot Hezron: Hezron begot Aram: **4** Aram begot Aminidab: Aminidab begot Nahshon: Nahshon begot Salmon: **5** Salmon begot Boa of Rachab: Boaz begot Obed of Ruth: Obed begot Jesse: **6** Jesse begot David the king: David the king begot Solomon of her who had been the wife of Uriah: **7** Solomon begot Rehoboam: Rehoboam begot Abia: Abia begot Asa: **8** Asa begot Jehosaphat: Jehosaphat begot Jehoram: Jehoram begot Uzziah: **9** Uzziah begot Jotham: Jotham begot Ahaz: Ahaz begot Hezekiah: **10** Hezekiah begot Manasseh: Manasseh begot Amon: Amon begot Josiah: **11** Josiah begot Jeconiah and his brothers, about the time of the removal to Babylon. **12** And after the removal to Babylon, Jeconiah begot Shealtiel: Shealtiel begot Zerubbabel: **13** Zerubbabel begot Abiud: Abiud begot Eliakim: Eliakim begot Azor: **14** Azor begot Sadok: Sadok begot Achim: Achim begot Eliud: **15** Eliud begot Eleazar: Eleazar begot Matthan: Matthan begot Jacob: **16** Jacob begot Joseph the husband of Mary, of whom was born Jesus, who is called Christ. **17** So all the generations from Abraham till David are fourteen generations: and from David till the removal to Babylon are fourteen generations: and from the removal to Babylon till the Christ are fourteen generations. **18** But Jesus Christ was begotten thus: After his mother Mary had been betrothed to Joseph, before they had come together, she was found to be with child of the Holy Spirit. **19** Then Joseph her husband, being a just man, and not choosing to make an example of her, intended to put her away privately. **20** But while he was thinking of these things, behold, an angel of the Lord appeared to him in a dream, saying: Joseph, son of David, fear not to take home Mary your wife; for that which is begotten in her is of the Holy Spirit. **21** And she will bear a son, and you shall call his name Jesus; for he will save his people from their sins. **22** Now all this was done, that the word might be fulfilled, which was spoken by the Lord through the prophet, saying: **23** Behold, a virgin shall be with child, and shall bear a son, and his name shall be called Immanuel, which, when translated, is, God with us. **24** And Joseph awoke from his sleep, and did as the angel of the Lord had commanded him; and he took home his wife, **25** and knew her not till she had brought forth her first-born son. And he called his name Jesus.

2 Now after Jesus was born in Bethlehem of Judea, in the days of Herod the king, behold, Magi from the east came to Jerusalem, **2** saying: Where is he that is born king of the Jews? For we have seen his star in the east, and have come to do him homage. **3** When Herod the king heard these things, he was troubled, and all Jerusalem with him. **4** And when he had assembled all the chief priests and scribes of the people, he inquired of them where the Christ should be born. **5** And they said to him: In Bethlehem of Judea; for thus it is written by the prophet: **6** And thou, Bethlehem, city of Judah, art by no means the least among the chiefs of Judah; for out of thee shall come a leader, that shall be a shepherd to my people Israel. **7** Then Herod, when he had secretly called the Magi, inquired of them strictly at what time the star, then visible, first made its appearance: **8** and sending them to Bethlehem, he said: Go, make strict inquiry for the young child: and when you have found him, bring me word, that I also may go and do him homage. **9** When they had heard the king, they departed; and lo, the star, which they had seen in the east, went before them, till it came and stood over the place where the young child was. **10** And when they saw the star, they rejoiced with very great joy. **11** And having come into the house, they saw the young child with Mary his mother; and falling down, they did him homage. And when they had opened their treasures, they offered to him gifts, gold, frankincense, and myrrh. **12** And having been warned in a dream not to return to Herod, they departed into their own country by another way. **13** When they had departed, behold, an angel of the Lord appeared to Joseph in a dream, saying: Arise, and take the young child and his mother, and flee into Egypt, and be there till I bring you word; for Herod is about to seek for the young child, to destroy him. **14** And he arose and took the young child and his mother by night, and departed into Egypt, **15** and was there till the death of Herod; that the word might be fulfilled which was spoken by the Lord through his prophet, saying: Out of Egypt have I called my Son. **16** Then Herod, when he saw that he was deceived by the Magi, was greatly enraged, and sent out and slew all the male children that were in Bethlehem and in all its borders, from the age of two years and under, according to the time which he had strictly inquired of the Magi. **17** Then was fulfilled that which was spoken by Jeremiah

Matthew

1 This is the record of the genealogy of Jesus Christ,
the son of David, the son of Abraham: **2** Abraham
was the father of Isaac, Isaac the father of Jacob, and
Jacob the father of Judah and his brothers. **3** Judah
was the father of Perez and Zerah by Tamar, Perez
the father of Hezron, and Hezron the father of Ram. **4**
Ram was the father of Amminadab, Amminadab the
father of Nahshon, and Nahshon the father of Salmon.
5 Salmon was the father of Boaz by Rahab, Boaz the
father of Obed by Ruth, Obed the father of Jesse, **6**
and Jesse the father of David the king. Next: David was
the father of Solomon by Uriah's wife, **7** Solomon the
father of Rehoboam, Rehoboam the father of Abijah,
and Abijah the father of Asa. **8** Asa was the father of
Jehoshaphat, Jehoshaphat the father of Joram, and
Joram the father of Uzziah. **9** Uzziah was the father of
Jotham, Jotham the father of Ahaz, and Ahaz the father
of Hezekiah. **10** Hezekiah was the father of Manasseh,
Manasseh the father of Amon, Amon the father of
Josiah, **11** and Josiah the father of Jeconiah and his
brothers at the time of the exile to Babylon. **12** After the
exile to Babylon: Jeconiah was the father of Shealtiel,
Shealtiel the father of Zerubbabel, **13** Zerubbabel the
father of Abiud, Abiud the father of Eliakim, and Eliakim
the father of Azor. **14** Azor was the father of Zadok,
Zadok the father of Achim, and Achim the father of
Eliud. **15** Eliud was the father of Eleazar, Eleazar the
father of Matthan, Matthan the father of Jacob, **16** and
Jacob the father of Joseph, the husband of Mary, of
whom was born Jesus, who is called Christ. **17** In all,
then, there were fourteen generations from Abraham to
David, fourteen from David to the exile to Babylon, and
fourteen from the exile to the Christ. **18** This is how
the birth of Jesus Christ came about: His mother Mary
was pledged in marriage to Joseph, but before they
came together, she was found to be with child through
the Holy Spirit. **19** Because Joseph her husband was
a righteous man and was unwilling to disgrace her
publicly, he resolved to divorce her quietly. **20** But after
he had pondered these things, an angel of the Lord
appeared to him in a dream and said, "Joseph, son of
David, do not be afraid to embrace Mary as your wife,
for the One conceived in her is from the Holy Spirit. **21**
She will give birth to a Son, and you are to give Him
the name Jesus, because He will save His people from
their sins." **22** All this took place to fulfill what the Lord
had said through the prophet: **23** "Behold, the virgin will
be with child and will give birth to a son, and they will
call Him Immanuel" (which means, "God with us"). **24**
When Joseph woke up, he did as the angel of the Lord
had commanded him, and embraced Mary as his wife.
25 But he had no union with her until she gave birth to a
Son. And he gave Him the name Jesus.

2 After Jesus was born in Bethlehem in Judea, during
the time of King Herod, Magi from the east arrived
in Jerusalem, **2** asking, "Where is the One who has
been born King of the Jews? We saw His star in the
east and have come to worship Him." **3** When King
Herod heard this, he was disturbed, and all Jerusalem
with him. **4** And when he had assembled all the chief
priests and scribes of the people, he asked them where
the Christ was to be born. **5** "In Bethlehem in Judea,"
they replied, "for this is what the prophet has written:
6 'But you, Bethlehem, in the land of Judah, are by
no means least among the rulers of Judah, for out of
you will come a ruler who will be the shepherd of My
people Israel.'" **7** Then Herod called the Magi secretly
and learned from them the exact time the star had
appeared. **8** And sending them to Bethlehem, he said:
"Go and search carefully for the Child, and when you
find Him, report to me, so that I too may go and worship
Him." **9** After they had heard the king, they went on
their way, and the star they had seen in the east went
ahead of them until it stood over the place where the
Child was. **10** When they saw the star, they rejoiced
with great delight. **11** On coming to the house, they
saw the Child with His mother Mary, and they fell down
and worshiped Him. Then they opened their treasures
and presented Him with gifts of gold and frankincense
and myrrh. **12** And having been warned in a dream not
to return to Herod, they withdrew to their country by
another route. **13** When the Magi had gone, an angel of
the Lord appeared to Joseph in a dream. "Get up!" he
said. "Take the Child and His mother and flee to Egypt.
Stay there until I tell you, for Herod is going to search
for the Child to kill Him." **14** So he got up, took the Child
and His mother by night, and withdrew to Egypt, **15**
where he stayed until the death of Herod. This fulfilled
what the Lord had spoken through the prophet: "Out
of Egypt I called My Son." **16** When Herod saw that
he had been outwitted by the Magi, he was filled with
rage. Sending orders, he put to death all the boys in
Bethlehem and its vicinity who were two years old and
under, according to the time he had learned from the
Magi. **17** Then what was spoken through the prophet
Jeremiah was fulfilled: **18** "A voice is heard in Ramah,
weeping and great mourning, Rachel weeping for her
children, and refusing to be comforted, because they
are no more." **19** After Herod died, an angel of the Lord
appeared in a dream to Joseph in Egypt. **20** "Get up!"
he said. "Take the Child and His mother and go to the
land of Israel, for those seeking the Child's life are now

Matthew

1 The book of the generations of Jesus Christ, the son of David, the son of Abraham. **2** The son of Abraham was Isaac; and the son of Isaac was Jacob; and the sons of Jacob were Judah and his brothers; **3** And the sons of Judah were Perez and Zerah by Tamar; and the son of Perez was Hezron; and the son of Hezron was Ram; **4** And the son of Ram was Amminadab; and the son of Amminadab was Nahshon; and the son of Nahshon was Salmon; **5** And the son of Salmon by Rahab was Boaz; and the son of Boaz by Ruth was Obed; and the son of Obed was Jesse; **6** And the son of Jesse was David the king; and the son of David was Solomon by her who had been the wife of Uriah; **7** And the son of Solomon was Rehoboam; and the son of Rehoboam was Abijah; and the son of Abijah was Asa; **8** And the son of Asa was Jehoshaphat; and the son of Jehoshaphat was Joram; and the son of Joram was Uzziah; **9** And the son of Uzziah was Jotham; and the son of Jotham was Ahaz; and the son of Ahaz was Hezekiah; **10** And the son of Hezekiah was Manasseh; and the son of Manasseh was Amon; and the son of Amon was Josiah; **11** And the sons of Josiah were Jechoniah and his brothers, at the time of the taking away to Babylon. **12** And after the taking away to Babylon, Jechoniah had a son Shealtiel; and Shealtiel had Zerubbabel; **13** And Zerubbabel had Abiud; and Abiud had Eliakim; and Eliakim had Azor; **14** And Azor had Zadok; and Zadok had Achim; and Achim had Eliud; **15** And Eliud had Eleazar; and Eleazar had Matthan; and Matthan had Jacob; **16** And the son of Jacob was Joseph the husband of Mary, who gave birth to Jesus, whose name is Christ. **17** So all the generations from Abraham to David are fourteen generations; and from David to the taking away to Babylon, fourteen generations; and from the taking away to Babylon to the coming of Christ, fourteen generations. **18** Now the birth of Jesus Christ was in this way: when his mother Mary was going to be married to Joseph, before they came together the discovery was made that she was with child by the Holy Spirit. **19** And Joseph, her husband, being an upright man, and not desiring to make her a public example, had a mind to put her away privately. **20** But when he was giving thought to these things, an angel of the Lord came to him in a dream, saying, Joseph, son of David, have no fear of taking Mary as your wife; because that which is in her body is of the Holy Spirit. **21** And she will give birth to a son; and you will give him the name Jesus; for he will give his people salvation from their sins. **22** Now all this took place so that the word of the Lord by the prophet might come true, **23** See, the virgin will be with child, and will give birth to a son, and they will give him the name Immanuel, that is, God with us. **24** And Joseph did as the angel of the Lord had said to him, and took her as his wife; **25** And he had no connection with her till she had given birth to a son; and he gave him the name Jesus.

2 Now when the birth of Jesus took place in Beth-lehem of Judaea, in the days of Herod the king, there came wise men from the east to Jerusalem, **2** Saying, Where is the King of the Jews whose birth has now taken place? We have seen his star in the east and have come to give him worship. **3** And when it came to the ears of Herod the king, he was troubled, and all Jerusalem with him. **4** And he got together all the chief priests and scribes of the people, questioning them as to where the birth-place of the Christ would be. **5** And they said to him, In Beth-lehem of Judaea; for so it is said in the writings of the prophet, **6** You Beth-lehem, in the land of Judah, are not the least among the chiefs of Judah: out of you will come a ruler, who will be the keeper of my people Israel. **7** Then Herod sent for the wise men privately, and put questions to them about what time the star had been seen. **8** And he sent them to Beth-lehem and said, Go and make certain where the young child is; and when you have seen him, let me have news of it, so that I may come and give him worship. **9** And after hearing the king, they went on their way; and the star which they saw in the east went before them, till it came to rest over the place where the young child was. **10** And when they saw the star they were full of joy. **11** And they came into the house, and saw the young child with Mary, his mother; and falling down on their faces they gave him worship; and from their store they gave him offerings of gold, perfume, and spices. **12** And it was made clear to them by God in a dream that they were not to go back to Herod; so they went into their country by another way. **13** And when they had gone, an angel of the Lord came to Joseph in a dream, saying, Get up and take the young child and his mother, and go into Egypt, and do not go from there till I give you word; for Herod will be searching for the young child to put him to death. **14** So he took the young child and his mother by night, and went into Egypt; **15** And was there till the death of Herod; so that the word of the Lord through the prophet might come true, Out of Egypt have I sent for my son. **16** Then Herod, when he saw that he had been tricked by the wise men, was very angry; and he sent out, and put to death all the male children in Beth-lehem and in all the parts round about it, from two years old and under, acting on the knowledge which he had got with care from the wise men. **17** Then the word of Jeremiah the prophet came true, **18** In Ramah there was a sound of weeping and great sorrow, Rachel weeping for her children, and she would not be comforted for their loss. **19** But when Herod was dead, an angel of the Lord came in a dream to Joseph in Egypt, **20** Saying, Get up

Aionian Bible
Proofing page
Intentionally blank

Aionian Bible
Proofing page
Intentionally blank

Matthew

1 The book of the lineage of Jesus Christ, the son of David, the son of Abraham. **2** Abraham conceived Isaac. And Isaac conceived Jacob. And Jacob conceived Judah and his brothers. **3** And Judah conceived Perez and Zerah by Tamar. And Perez conceived Hezron. And Hezron conceived Ram. **4** And Ram conceived Amminadab. And Amminadab conceived Nahshon. And Nahshon conceived Salmon. **5** And Salmon conceived Boaz by Rahab. And Boaz conceived Obed by Ruth. And Obed conceived Jesse. **6** And Jesse conceived king David. And king David conceived Solomon, by her who had been the wife of Uriah. **7** And Solomon conceived Rehoboam. And Rehoboam conceived Abijah. And Abijah conceived Asa. **8** And Asa conceived Jehoshaphat. And Jehoshaphat conceived Joram. And Joram conceived Uzziah. **9** And Uzziah conceived Jotham. And Jotham conceived Ahaz. And Ahaz conceived Hezekiah. **10** And Hezekiah conceived Manasseh. And Manasseh conceived Amos. And Amos conceived Josiah. **11** And Josiah conceived Jechoniah and his brothers in the transmigration of Babylon. **12** And after the transmigration of Babylon, Jechoniah conceived Shealtiel. And Shealtiel conceived Zerubbabel. **13** And Zerubbabel conceived Abiud. And Abiud conceived Eliakim. And Eliakim conceived Azor. **14** And Azor conceived Zadok. And Zadok conceived Achim. And Achim conceived Eliud. **15** And Eliud conceived Eleazar. And Eleazar conceived Matthan. And Matthan conceived Jacob. **16** And Jacob conceived Joseph, the husband of Mary, of whom was born Jesus, who is called Christ. **17** And so, all the generations from Abraham to David are fourteen generations; and from David to the transmigration of Babylon, fourteen generations; and from the transmigration of Babylon to the Christ, fourteen generations. **18** Now the procreation of the Christ occurred in this way. After his mother Mary had been betrothed to Joseph, before they lived together, she was found to have conceived in her womb by the Holy Spirit. **19** Then Joseph, her husband, since he was just and was not willing to hand her over, preferred to send her away secretly. **20** But while thinking over these things, behold, an Angel of the Lord appeared to him in his sleep, saying: "Joseph, son of David, do not be afraid to accept Mary as your wife. For what has been formed in her is of the Holy Spirit. **21** And she shall give birth to a son. And you shall call his name JESUS. For he shall accomplish the salvation of his people from their sins." **22** Now all this occurred in order to fulfill what was spoken by the Lord through the prophet, saying: **23** "Behold, a virgin shall conceive in her womb, and she shall give birth to a son. And they shall call his name Emmanuel, which means: God is with us." **24** Then Joseph, arising from sleep, did just as the Angel of the Lord had instructed him, and he accepted her as his wife. **25** And he knew her not, yet she bore her son, the firstborn. And he called his name JESUS.

2 And so, when Jesus had been born in Bethlehem of Judah, in the days of king Herod, behold, Magi from the east arrived in Jerusalem, **2** saying: "Where is he who was born king of the Jews? For we have seen his star in the east, and we have come to adore him." **3** Now king Herod, hearing this, was disturbed, and all Jerusalem with him. **4** And gathering together all the leaders of the priests, and the scribes of the people, he consulted with them as to where the Christ would be born. **5** And they said to him: "In Bethlehem of Judea. For so it has been written by the prophet: **6** 'And you, Bethlehem, the land of Judah, are by no means least among the leaders of Judah. For from you shall go forth the ruler who shall guide my people Israel.'" **7** Then Herod, quietly calling the Magi, diligently learned from them the time when the star appeared to them. **8** And sending them into Bethlehem, he said: "Go and diligently ask questions about the boy. And when you have found him, report back to me, so that I, too, may come and adore him." **9** And when they had heard the king, they went away. And behold, the star that they had seen in the east went before them, even until, arriving, it stood still above the place where the child was. **10** Then, seeing the star, they were gladdened by a very great joy. **11** And entering the home, they found the boy with his mother Mary. And so, falling prostrate, they adored him. And opening their treasures, they offered him gifts: gold, frankincense, and myrrh. **12** And having received a response in sleep that they should not return to Herod, they went back by another way to their own region. **13** And after they had gone away, behold, an Angel of the Lord appeared in sleep to Joseph, saying: "Rise up, and take the boy and his mother, and flee into Egypt. And remain there until I tell you. For it will happen that Herod will seek the boy to destroy him." **14** And getting up, he took the boy and his mother by night, and withdrew into Egypt. **15** And he remained there, until the death of Herod, in order to fulfill what was spoken by the Lord through the prophet, saying: "Out of Egypt, I called my son." **16** Then Herod, seeing that he had been fooled by the Magi, was very angry. And so he sent to kill all the boys who were in Bethlehem, and in all its borders, from two years of age and under, according to the time that he had learned by questioning the Magi. **17** Then what was spoken through the prophet Jeremiah was fulfilled, saying: **18** "A voice has been heard in Ramah, great weeping and wailing: Rachel crying for her sons. And she was not willing to be consoled, because they were no more." **19** Then, when Herod had passed away, behold, an Angel of the Lord appeared in sleep to Joseph in Egypt, **20** saying: "Rise up, and take the boy and his mother, and go into the land of Israel. For those who were seeking the life of the boy have passed away." **21** And rising up, he took the boy and his mother, and he went into the land of Israel. **22**

Matthew

1 Book of the generation of Jesus Christ, Son of David, Son of Abraham. **2** Abraham begat Isaac; and Isaac begat Jacob, and Jacob begat Juda and his brethren; **3** and Juda begat Phares and Zara of Thamar; and Phares begat Esrom, and Esrom begat Aram, **4** and Aram begat Aminadab, and Aminadab begat Naasson, and Naasson begat Salmon, **5** and Salmon begat Booz of Rachab; and Booz begat Obed of Ruth; and Obed begat Jesse, **6** and Jesse begat David the king. And David begat Solomon, of her [that had been the wife] of Urias; **7** and Solomon begat Roboam, and Roboam begat Abia, and Abia begat Asa, **8** and Asa begat Josaphat, and Josaphat begat Joram, and Joram begat Ozias, **9** and Ozias begat Joatham, and Joatham begat Achaz, and Achaz begat Ezekias, **10** and Ezekias begat Manasses, and Manasses begat Amon, and Amon begat Josias, **11** and Josias begat Jechonias and his brethren, at the time of the carrying away of Babylon. **12** And after the carrying away of Babylon, Jechonias begat Salathiel, and Salathiel begat Zorobabel, **13** and Zorobabel begat Abiud, and Abiud begat Eliakim, and Eliakim begat Azor, **14** and Azor begat Sadoc, and Sadoc begat Achim, and Achim begat Eliud, **15** and Eliud begat Eliazar, and Eliazar begat Matthan, and Matthan begat Jacob, **16** and Jacob begat Joseph, the husband of Mary, of whom was born Jesus, who is called Christ. **17** All the generations, therefore, from Abraham to David [were] fourteen generations; and from David until the carrying away of Babylon, fourteen generations; and from the carrying away of Babylon unto the Christ, fourteen generations. **18** Now the birth of Jesus Christ was thus: His mother, Mary, that is, having been betrothed to Joseph, before they came together, she was found to be with child of [the] Holy Spirit. **19** But Joseph, her husband, being [a] righteous [man], and unwilling to expose her publicly, purposed to have put her away secretly; **20** but while he pondered on these things, behold, an angel of [the] Lord appeared to him in a dream, saying, Joseph, son of David, fear not to take to [thee] Mary, thy wife, for that which is begotten in her is of [the] Holy Spirit. **21** And she shall bring forth a son, and thou shalt call his name Jesus, for he shall save his people from their sins. **22** Now all this came to pass that that might be fulfilled which was spoken by [the] Lord, through the prophet, saying, **23** Behold, the virgin shall be with child, and shall bring forth a son, and they shall call his name Emmanuel, which is, being interpreted, 'God with us.' **24** But Joseph, having awoke up from his sleep, did as the angel of [the] Lord had enjoined him, and took to [him] his wife, **25** and knew her not until she had brought forth her firstborn son: and he called his name Jesus.

2 Now Jesus having been born in Bethlehem of Judaea, in the days of Herod the king, behold magi from the east arrived at Jerusalem, saying, **2** Where is the king of the Jews that has been born? for we have seen his star in the east, and have come to do him homage. **3** But Herod the king having heard [of it], was troubled, and all Jerusalem with him; **4** and, assembling all the chief priests and scribes of the people, he inquired of them where the Christ should be born. **5** And they said to him, In Bethlehem of Judaea; for thus it is written through the prophet: **6** And thou Bethlehem, land of Juda, art in no wise the least among the governors of Juda; for out of thee shall go forth a leader who shall shepherd my people Israel. **7** Then Herod, having secretly called the magi, inquired of them accurately the time of the star that was appearing; **8** and having sent them to Bethlehem, said, Go, search out accurately concerning the child, and when ye shall have found [him] bring me back word, so that I also may come and do him homage. **9** And they having heard the king went their way; and lo, the star, which they had seen in the east, went before them until it came and stood over the place where the little child was. **10** And when they saw the star they rejoiced with exceeding great joy. **11** And having come into the house they saw the little child with Mary his mother, and falling down did him homage. And having opened their treasures, they offered to him gifts, gold, and frankincense, and myrrh. **12** And being divinely instructed in a dream not to return to Herod, they departed into their own country another way. **13** Now, they having departed, behold, an angel of [the] Lord appears in a dream to Joseph, saying, Arise, take to [thee] the little child and his mother, and flee into Egypt, and be there until I shall tell thee; for Herod will seek the little child to destroy it. **14** And, having arisen, he took to [him] the little child and his mother by night, and departed into Egypt. **15** And he was there until the death of Herod, that that might be fulfilled which was spoken by [the] Lord through the prophet, saying, Out of Egypt have I called my son. **16** Then Herod, seeing that he had been mocked by the magi, was greatly enraged; and sent and slew all the boys which [were] in Bethlehem, and in all its borders, from two years and under, according to the time which he had accurately inquired from the magi. **17** Then was fulfilled that which was spoken through Jeremias the prophet, saying, **18** A voice has been heard in Rama, weeping, and great lamentation: Rachel weeping [for] her children, and would not be comforted, because they are not. **19** But Herod having died, behold, an angel of [the] Lord appears in a dream to Joseph in Egypt, saying, **20** Arise, take to [thee] the little child and its mother, and go into the land of Israel: for they who sought the life of the little child are dead. **21** And he arose and took to [him] the little child and its mother, and came into the land of

Matthew

1 The book of the generation of Jesus Christ, the son of David, the son of Abraham: **2** Abraham begot Isaac. And Isaac begot Jacob. And Jacob begot Judas and his brethren. **3** And Judas begot Phares and Zara of Thamar. And Phares begot Esron. And Esron begot Aram. **4** And Aram begot Aminadab. And Aminadab begot Naasson. And Naasson begot Salmon. **5** And Salmon begot Booz of Rahab. And Booz begot Obed of Ruth. And Obed begot Jesse. **6** And Jesse begot David the king. And David the king begot Solomon, of her that had been the wife of Urias. **7** And Solomon begot Roboam. And Roboam begot Abia. And Abia begot Asa. **8** And Asa begot Josaphat. And Josaphat begot Joram. And Joram begot Ozias. **9** And Ozias begot Joatham. And Joatham begot Achaz. And Achaz begot Ezechias. **10** And Ezechias begot Manasses. And Manesses begot Amon. And Amon begot Josias. **11** And Josias begot Jechonias and his brethren in the transmigration of Babylon. **12** And after the transmigration of Babylon, Jechonias begot Salathiel. And Salathiel begot Zorobabel. **13** And Zorobabel begot Abiud. And Abiud begot Eliacim. And Eliacim begot Azor. **14** And Azor begot Sadoc. And Sadoc begot Achim. And Achim begot Eliud. **15** And Eliud begot Eleazar. And Eleazar begot Mathan. And Mathan begot Jacob. **16** And Jacob begot Joseph the husband of Mary, of whom was born Jesus, who is called Christ. **17** So all the generations, from Abraham to David, are fourteen generations. And from David to the transmigration of Babylon, are fourteen generations: and from the transmigration of Babylon to Christ are fourteen generations. **18** Now the generation of Christ was in this wise. When as his mother Mary was espoused to Joseph, before they came together, she was found with child, of the Holy Ghost. **19** Whereupon Joseph her husband, being a just man, and not willing publicly to expose her, was minded to put her away privately. **20** But while he thought on these things, behold the angel of the Lord appeared to him in his sleep, saying: Joseph, son of David, fear not to take unto thee Mary thy wife, for that which is conceived in her, is of the Holy Ghost. **21** And she shall bring forth a son: and thou shalt call his name JESUS. For he shall save his people from their sins. **22** Now all this was done that it might be fulfilled which the Lord spoke by the prophet, saying: **23** Behold a virgin shall be with child, and bring forth a son, and they shall call his name Emmanuel, which being interpreted is, God with us. **24** And Joseph rising up from sleep, did as the angel of the Lord had commanded him, and took unto him his wife. **25** And he knew her not till she brought forth her firstborn son: and he called his name JESUS.

2 When Jesus therefore was born in Bethlehem of Juda, in the days of king Herod, behold, there came wise men from the east to Jerusalem. **2** Saying, Where is he that is born king of the Jews? For we have seen his star in the east, and are come to adore him. **3** And king Herod hearing this, was troubled, and all Jerusalem with him. **4** And assembling together all the chief priests and the scribes of the people, he inquired of them where Christ should be born. **5** But they said to him: In Bethlehem of Juda. For so it is written by the prophet: **6** And thou Bethlehem the land of Juda art not the least among the princes of Juda: for out of thee shall come forth the captain that shall rule my people Israel. **7** Then Herod, privately calling the wise men, learned diligently of them the time of the star which appeared to them; **8** And sending them into Bethlehem, said: Go and diligently inquire after the child, and when you have found him, bring me word again, that I also may come to adore him. **9** Who having heard the king, went their way; and behold the star which they had seen in the east, went before them, until it came and stood over where the child was. **10** And seeing the star they rejoiced with exceeding great joy. **11** And entering into the house, they found the child with Mary his mother, and falling down they adored him; and opening their treasures, they offered him gifts; gold, frankincense, and myrrh. **12** And having received an answer in sleep that they should not return to Herod, they went back another way into their country. **13** And after they were departed, behold an angel of the Lord appeared in sleep to Joseph, saying: Arise, and take the child and his mother, and fly into Egypt: and be there until I shall tell thee. For it will come to pass that Herod will seek the child to destroy him. **14** Who arose, and took the child and his mother by night, and retired into Egypt: and he was there until the death of Herod: **15** That it might be fulfilled which the Lord spoke by the prophet, saying: Out of Egypt have I called my son. **16** Then Herod perceiving that he was deluded by the wise men, was exceeding angry; and sending killed all the men children that were in Bethlehem, and in all the borders thereof, from two years old and under, according to the time which he had diligently inquired of the wise men. **17** Then was fulfilled that which was spoken by Jeremias the prophet, saying: **18** A voice in Rama was heard, lamentation and great mourning; Rachel bewailing her children, and would not be comforted, because they are not. **19** But when Herod was dead, behold an angel of the Lord appeared in sleep to Joseph in Egypt, **20** Saying: Arise, and take the child and his mother, and go into the land of Israel. For they are dead that sought the

Matthew

1 A genealogy of Jesus Christ, son of David, son of Abraham: **2** Abraham begot Isaac, then Isaac begot Jacob, then Jacob begot Judah and his brothers; **3** then Judah begot Perez and Zerah by Tamar, then Perez begot Hezron, then Hezron begot Ram; **4** then Ram begot Amminadab, then Amminadab begot Nahshon, then Nahshon begot Salmon; **5** then Salmon begot Boaz by Rahab, then Boaz begot Obed by Ruth, then Obed begot Jesse, **6** then Jesse begot David the king. Then King David begot Solomon by her who was of Uriah, **7** then Solomon begot Rehoboam, then Rehoboam begot Abijah, then Abijah begot Asa; **8** then Asa begot Jehoshaphat, then Jehoshaphat begot Joram, then Joram begot Uzziah; **9** then Uzziah begot Jotham, then Jotham begot Ahaz, then Ahaz begot Hezekiah; **10** then Hezekiah begot Manasseh, then Manasseh begot Amon, then Amon begot Josiah; **11** then Josiah begot Jeconiah and his brothers about the time of the Babylonian captivity. **12** After the Babylonian captivity Jeconiah begot Shealtiel, then Shealtiel begot Zerubbabel; **13** then Zerubbabel begot Abiud, then Abiud begot Eliakim, then Eliakim begot Azor; **14** then Azor begot Zadok, then Zadok begot Achim, then Achim begot Eliud; **15** then Eliud begot Eleazar, then Eleazar begot Matthan, then Matthan begot Jacob; **16** then Jacob begot Joseph the husband of Mary, by whom was begotten Jesus, who is called Christ. **17** So all the generations from Abraham to David are fourteen generations, and from David until the Babylonian captivity are fourteen generations, and from the Babylonian captivity until the Christ are fourteen generations. **18** Now the birth of Jesus Christ was like this: After His mother Mary was betrothed to Joseph, before they joined together, she was found to be pregnant by the Holy Spirit. **19** Then Joseph her husband, being a just man and not wanting to humiliate her publicly, decided to repudiate her secretly. **20** But while he pondered these things, wow, an angel of the Lord appeared to him in a dream saying: “Joseph, son of David, do not be afraid to receive Mary as your wife, because that which has been conceived in her is of the Holy Spirit. **21** And she will give birth to a Son and you will call His name Jesus, because He will save His people from their sins.” **22** Now all this happened so that what was spoken by the Lord through the prophet should be fulfilled, namely: **23** “Behold, the virgin will become pregnant and bear a Son, and they shall call His name Emmanuel”, which being translated is, ‘God with us’. **24** Then Joseph, being aroused from sleep, did as that angel of the Lord commanded him and received his wife, **25** but did not know her until she had given birth to her son, the firstborn. And he called His name JESUS.

2 Now after Jesus was born in Bethlehem of Judea, in the days of Herod the king, behold, wise men [magi] from the East came into Jerusalem, **2** saying: “Where is he who has been born King of the Jews? For we saw his star in the East and have come to worship him.” **3** When Herod the king heard it he became agitated, and all Jerusalem with him. **4** And gathering all the chief priests and scribes of the people, he inquired of them where the Christ was to be born. **5** So they said to him: “In Bethlehem of Judea, for thus it stands written by the prophet: **6** ‘And you, Bethlehem, land of Judah, are not at all the least among the rulers of Judah, for out of you will come a Ruler who will shepherd my people Israel.’” **7** Then Herod, calling the wise men secretly, determined from them the time when the star appeared. **8** And directing them to Bethlehem he said, “When you get there, search carefully for the young child; and should you find him, bring back word to me, so that I also may go and worship him.” **9** So having heard the king they departed, and there was the star that they had seen in the East! It went before them until it arrived and stopped above where the young Child was. **10** Now when they saw the star they rejoiced with exceedingly great joy! **11** And coming into the house they saw the young Child with Mary His mother, and falling down they worshiped Him; and opening their treasures they presented gifts to Him: gold, frankincense and myrrh. **12** Then, having been warned in a dream not to return to Herod, they departed for their own country by a different road. **13** Now when they had departed, again, an angel of the Lord appeared to Joseph in a dream saying: “Get up, take the young Child and His mother, flee to Egypt and stay there until I tell you; because Herod is about to seek the young Child to destroy Him!” **14** So he got up and took the young Child and His mother by night and departed for Egypt. **15** And he was there until the death of Herod, so that what was spoken by the Lord through the prophet should be fulfilled, namely: “Out of Egypt I called my Son.” **16** Then Herod, when he saw that he had been deceived by the wise men, became very angry, and he sent out and killed all the boys who were in Bethlehem

Matthew

1 This book is the record of Jesus the Messiah, the
son of David, the son of Abraham, beginning with
the family line: **2** Abraham was the father of Isaac; and
Isaac the father of Jacob; and Jacob the father of Judah
and his brothers; **3** and Judah the father of Perez and
Zerah (their mother was Tamar); and Perez the father
of Hezron; and Hezron the father of Ram; **4** and Ram
the father of Amminadab; and Amminadab the father of
Nahshon; and Nahshon the father of Salmon; **5** and
Salmon the father of Boaz (his mother was Rahab);
and Boaz the father of Obed (his mother was Ruth);
and Obed the father of Jesse; **6** and Jesse the father
of King David. David was the father of Solomon (his
mother had been Uriah's wife); **7** and Solomon the father
of Rehoboam; and Rehoboam the father of Abijah;
and Abijah the father of Asa; **8** and Asa the father of
Jehoshaphat; and Jehoshaphat the father of Jehoram;
and Jehoram the father of Uzziah; **9** and Uzziah the
father of Jotham; and Jotham the father of Ahaz; and
Ahaz the father of Hezekiah; **10** and Hezekiah the father
of Manasseh; and Manasseh the father of Amon; and
Amon the father of Josiah; **11** and Josiah the father
of Jehoiachin and his brothers, at the time of the exile
to Babylon. **12** After the exile to Babylon, Jehoiachin
was the father of Shealtiel; and Shealtiel the father of
Zerubbabel; **13** and Zerubbabel the father of Abiud; and
Abiud the father of Eliakim; and Eliakim the father of
Azor; **14** and Azor the father of Zadok; and Zadok the
father of Akim; and Akim the father of Eliud; **15** and
Eliud the father of Eleazar; and Eleazar the father of
Matthan; and Matthan the father of Jacob; **16** and Jacob
was the father of Joseph, who was the husband of Mary,
to whom Jesus was born, the one who is called the
Messiah. **17** So all the generations from Abraham to
David add up to fourteen; from David to the Babylonian
exile, fourteen; and from the Babylonian exile to the
Messiah, fourteen. **18** This is how the birth of Jesus the
Messiah happened. His mother, Mary, was engaged
to Joseph, but before they slept together she became
pregnant by the Holy Spirit. **19** Joseph, her fiancé, was
a good man and didn't want to shame her publicly, so he
decided to break the engagement discreetly. **20** While
he was thinking about all of this, an angel of the Lord
appeared to him in a dream and told him, “Joseph, son
of David, don't be afraid to marry Mary because she is
pregnant by the Holy Spirit. **21** She will give birth to
a son and you shall call him Jesus, for he will save
people from their sins.” **22** (Now this all happened to
fulfill what the Lord said through the prophet: **23** “A
virgin will become pregnant, and will give birth to a son.
They will call him Immanuel,” which means “God with
us.”) **24** Joseph woke up and did what the angel of the
Lord told him to do. **25** Joseph married Mary, but did not
sleep with her until after she had given birth to a son,
whom he named Jesus.

2 After Jesus was born in Bethlehem in Judea during
the reign of King Herod, wise men came from the
east to Jerusalem. **2** “Where is the King of the Jews
who has been born?” they asked. “We saw his star in
the east and we've come to worship him.” **3** When King
Herod heard about it, he was very disturbed, and the
whole of Jerusalem with him. **4** Herod summoned all
the chief priests and religious teachers of the people,
and asked them where the Messiah was supposed to
be born. **5** “Bethlehem in Judea,” they told him, “for
that's what the prophet wrote: **6** ‘Bethlehem in the land
of Judea, you are certainly not the least important of
Judah's leading cities, for a leader will come from you
who will be the shepherd for my people Israel.’” **7**
Then Herod called the wise men and met with them in
private and found out from them exactly when the star
appeared. **8** He sent them to Bethlehem, telling them,
“When you get there, search for the child. Once you find
him let me know so that I can come and worship him
too.” **9** After they had heard what the king had to say
they went on their way, and the star which they had
seen in the east led them until it stopped right above
the place where the child was. **10** When they saw the
star they couldn't contain their happiness! **11** They went
into the house and saw the child with Mary his mother.
They bowed and worshiped him. Then they opened
their bags of treasure and presented him with gifts of
gold, frankincense, and myrrh. **12** Warned by a dream
not to return to Herod, they left for their own country by
a different route. **13** After they'd left, an angel of the
Lord appeared to Joseph in a dream, and told him, “Get
up, and take the child and his mother, and flee to Egypt.
Remain there until I tell you, because Herod is going to
search for the child to kill him.” **14** So Joseph got up and
took the boy and his mother, and left during the night for
Egypt. **15** They stayed there until Herod's death. This
fulfilled what the Lord said through the prophet, “I called
my son out of Egypt.” **16** When Herod realized he'd been
fooled by the wise men, he got very angry. He sent men
to kill all the young boys in Bethlehem and the regions
nearby who were two years old and under. This was
based on the time frame he'd discovered from the wise
men. **17** In this way Jeremiah's prophecy was fulfilled:
18 “The sound of terrible weeping and mourning was
heard in Rama, Rachel crying for her children. They are
dead, and she can't be comforted.” **19** After Herod died
the angel of the Lord appeared in a dream to Joseph in
Egypt, and told him, **20** “Get up! Take the child and his
mother, and return to the land of Israel, because those

Matthew

1 The booke of the generation of Jesus Christ the sonne of Dauid, the sonne of Abraham. **2** Abraham begate Isaac. And Isaac begate Iacob. And Iacob begat Iudas and his brethren. **3** And Iudas begate Phares, and Zara of Thamar. And Phares begate Esrom. And Esrom begate Aram. **4** And Aram begate Aminadab. And Aminadab begate Naasson. And Naasson begat Salmon. **5** And Salmon begate Booz of Rachab. And Booz begat Obed of Ruth. and Obed begat Iesse. **6** And Iesse begate Dauid the King. And Dauid the King begate Salomon of her that was the wife of Vrias. **7** And Salomon begate Roboam. And Roboam begate Abia. And Abia begate Asa. **8** And Asa begate Iosaphat. And Iosaphat begate Ioram. And Ioram begate Hozias. **9** And Hozias begat Ioatham. And Ioatham begate Achaz. And Achaz begate Ezekias. **10** And Ezekias begate Manasses. And Manasses begate Amon. And Amon begate Iosias. **11** And Iosias begate Iakim. And Iakim begate Iechonias and his brethren about the time they were caried away to Babylon. **12** And after they were caried away into Babylon, Iechonias begate Salathiel. And Salathiel begate Zorobabel. **13** And Zorobabel begate Abiud. And Abiud begate Eliacim. And Eliacim begate Azor. **14** And Azor begate Sadoc. And Sadoc begate Achim. And Achim begate Eliud. **15** And Eliud begate Eleazar. And Eleazar begate Matthan. And Matthan begate Iacob. **16** And Iacob begat Ioseph ye husband of Mary, of whom was borne Jesus, that is called Christ. **17** So all the generations from Abraham to Dauid, are fourtene generations. And from Dauid vntil they were caried away into Babylon, fourtene generations: and after they were caried away into Babylon vntill Christ, fourteene generations. **18** Nowe the birth of Jesus Christ was thus, When as his mother Mary was betrothed to Ioseph, before they came together, shee was found with childe of the holy Ghost. **19** Then Ioseph her husband being a iust man, and not willing to make her a publike example, was minded to put her away secretly. **20** But whiles he thought these things, behold, the Angel of the Lord appeared vnto him in a dreame, saying, Ioseph, the sonne of Dauid, feare not to take Mary thy wife: for that which is conceiued in her, is of the holy Ghost. **21** And she shall bring foorth a sonne, and thou shalt call his name JESUS: for hee shall saue his people from their sinnes. **22** And al this was done that it might be fulfilled, which is spoken of the Lord by ye Prophet, saying, **23** Behold, a virgine shalbe with childe, and shall beare a sonne, and they shall call his name Emmanuel, which is by interpretation, God with vs. **24** Then Ioseph, being raised from sleepe, did as the Angel of the Lord had inioyned him, and tooke his wife. **25** But he knew her not, til she had broght forth her first borne sonne, and he called his name JESUS.

2 When Jesus then was borne at Bethleem in Iudea, in the dayes of Herod the King, beholde, there came Wisemen from the East to Hierusalem, **2** Saying, Where is that King of the Iewes that is borne? for wee haue seene his starre in the East, and are come to worship him. **3** When King Herod heard this, he was troubled, and all Hierusalem with him. **4** And gathering together all the chiefe Priestes and Scribes of the people, hee asked of them, where Christ should be borne. **5** And they saide vnto him, At Beth-leem in Iudea: for so it is written by the Prophet, **6** And thou Beth-leem in the lande of Iuda, art not the least among the Princes of Iuda: For out of thee shall come the gouernour that shall feede that my people Israel. **7** Then Herod priuily called the Wisemen, and diligently inquired of them the time of the starre that appeared, **8** And sent them to Beth-leem, saying, Goe, and searche diligently for the babe: and when ye haue founde him, bring mee worde againe, that I may come also, and worship him. **9** So when they had heard the King, they departed: and loe, the starre which they had seene in the East, went before them, till it came and stoode ouer the place where the babe was. **10** And when they sawe the starre, they reioyced with an exceeding great ioy, **11** And went into the house, and founde the babe with Mary his mother, and fell downe, and worshipped him, and opened their treasures, and presented vnto him giftes, euen golde, and frankincense, and myrrhe. **12** And after they were warned of God in a dreame, that they should not go againe to Herod, they returned into their countrey another way. **13** After their departure, behold, the Angel of the Lord appeareth to Ioseph in a dreame, saying, Arise, and take the babe and his mother, and flee into Egypt, and be there til I bring thee word: for Herod will seeke the babe, to destroy him. **14** So he arose and tooke the babe and his mother by night, and departed into Egypt, **15** And was there vnto the death of Herod, that that might be fulfilled, which is spoken of the Lord by the Prophet, saying, Out of Egypt haue I called my sonne. **16** Then Herod, seeing that he was mocked of the Wisemen, was exceeding wroth, and sent foorth, and slew all the male children that were in Beth-leem, and in all the coasts thereof, from two yeere old and vnder, according to the time which he had diligently searched out of the Wisemen. **17** Then was that fulfilled which is spoken by the Prophet Ieremias, saying, **18** In Rhama was a voyce heard, mourning, and weeping, and great howling: Rachel weeping for her children, and would not be comforted, because they were not. **19** And whe Herod was dead, behold, an Angel of the Lord appeareth in a dreame to Ioseph in Egypt, **20** Saying, Arise, and take the babe and his mother, and goe into the land of Israel: for they are dead which

Matthew

1 The book of the generation of Jesus Christ, the son of David, the son of Abraham. **2** Abraham begat Isaac; and Isaac begat Jacob; and Jacob begat Judah and his brothers; **3** And Judah begat Phares and Zara from Thamar; and Phares begat Esrom; and Esrom begat Aram; **4** and Aram begat Aminadab; and Aminadab begat Naasson; and Naasson begat Salmon; **5** and Salmon begat Booz of Rachab; and Booz begat Obed of Ruth; and Obed begat Jesse; **6** and Jesse begat David the king; and David the king begat Solomon of her who was the wife of Uriah; **7** and Solomon begat Roboam; and Roboam begat Abia; and Abia begat Asa; **8** and Asa begat Josaphat; and Josaphat begat Joram; Joram begat Hozias; **9** Hozias begat Joatham; and Joatham begat Achaz; Achaz begat Hezekiah; **10** and Hezekiah begat Manasses; and Manasses begat Amon; and Amon begat Josiah; **11** and Josiah begat Jechonias and his brothers in the captivity of Babylon. **12** And after the captivity of Babylon, Jechonias begat Salathiel; and Salathiel begat Zorababbel; **13** Zorababbel begat Abiud; and Abiud begat Eliakim; and Eliakim begat Azor; **14** and Azor begat Sadoc; and Sadoc begat Acheim; Acheim begat Eliud; **15** and Eliud begat Eleazar; and Eleazar begat Matthan; and Matthan begat Jacob; **16** and Jacob begat Joseph the husband of Mary, from whom Jesus, who is called Christ, was born. **17** Therefore all the generations from Abraham unto David are fourteen generations; from David unto the captivity of Babylon are fourteen generations; and from the captivity of Babylon unto Christ are fourteen generations. **18** The birth of Jesus Christ was thus: His mother Mary, having been betrothed to Joseph, before they came together, was found having gestation from the Holy Ghost. **19** And Joseph her husband, being righteous and not wishing to expose her publicly, determined to send her away secretly. **20** And he meditating on these things, behold an angel of the Lord appeared unto him in a dream, saying; Joseph, son of David, do not fear to receive Mary thy wife; for that which is begotten in her is of the Holy Spirit; **21** she shall bring forth a son; and thou shalt call his name Jesus; for He will save His people from their sins. **22** And all this took place in order that the Word, having been spoken by the Lord through the prophet, might be fulfilled, saying; **23** Behold, the virgin shall have gestation and bring forth a son, and they will call his name Emmanuel, which is interpreted, God is with us. **24** And Joseph rising from sleep did as the angel of the Lord commanded him; **25** and he took his wife to himself, and did not know her until she brought forth a son, and called his name Jesus.

2 Jesus having been born in Bethlehem of Judea in the days of Herod the king, behold, wise men from the east came into Jerusalem saying; **2** Where is He that is born King of the Jews? for we have seen His star in the east, and have come to worship Him- **3** And Herod the king having heard, was troubled, and all Jerusalem with him, **4** and gathering together all the chief priests and scribes, inquired with them where Christ should be born. **5** And they said unto him, In Bethlehem of Judea; for thus it has been written by the prophet; **6** And thou, Bethlehem, the land of Judea, art by no means the least among the princes of Judah; for out of thee shall come a leader, who will shepherd my people, Israel. **7** Then Herod secretly calling the wise men, inquired with them the time of the appearing of the star, **8** and sending them to Bethlehem he said; Having gone search diligently for the young child; and when you may find Him, notify me, in order that I, having gone, may worship Him also. **9** And hearing the king they departed, and, behold, the star which they saw in the east went before them, until having come, it stood above where the young child was. **10** And seeing the star they rejoiced with exceedingly great joy. **11** And having come into the house they saw the young child with Mary His mother, and having fallen down they worshiped Him, and opening their treasures they offered Him gifts, gold and frankincense and myrrh. **12** And having been warned in a dream not to return to Herod, they departed into their own country by another way. **13** And they having gone away, behold, the angel of the Lord appears in a dream to Joseph, saying; Having arisen, take the young child and His mother, and fly into Egypt; and be thou there until I may speak to thee; for Herod is about to seek the young child in order to destroy Him. **14** And having arisen, he took with him the young child and His mother by night and departed into Egypt; **15** and was there until the death of Herod: in order that the Word, having been spoken by the Lord through the prophet, might be fulfilled, saying; Out of Egypt have I called my son. **16** Then Herod, seeing that he was mocked by the wise men, became exceedingly angry; and having sent forth, he slew all the boys in Bethlehem and in all its boundaries, from two years old and

John

1 In the beginning was the Word, and the Word was with God, and the Word was God. **2** He was in the beginning with God. **3** Everything was made through Him, and without Him nothing was made that was made. **4** In Him was life, and that life was the light of mankind. **5** The light shines in the darkness, but the darkness hasn't overcome it. **6** There was a man sent from God, whose name was John. **7** This man came as a witness, to testify about the light, that all through him might believe. **8** He wasn't that light, but was sent as a witness of that light. **9** The true light that enlightens everyone was coming into the world. **10** The Word was in the world, and though the world was made through Him, the world didn't recognize Him. **11** He came to His own, and those who were His own didn't receive Him. **12** But as many as received Him, to them He gave the right to become God's children, to those who believe in His name: **13** who were born, not of blood, nor of the will of the flesh, nor of the will of man, but of God. **14** The Word became flesh and lived among us, and we saw His glory, the glory as of the only Son of the Father, full of grace and truth. **15** John testified about Him. He cried out, saying, "This was He who I told you about when I said, 'He who comes after me has surpassed me because He was before me.'" **16** From His fullness we have all received grace upon grace. **17** The Law was given through Moses, but grace and truth came through Jesus Christ. **18** No one has ever seen God, but God's only born Son, who is near to the heart of His Father, has made Him known. **19** Now this is the testimony of John, when the Jews sent priests and Levites from Jerusalem to ask him, "Who are you?" **20** He confessed, and didn't deny, but confessed, "I'm not the Christ." **21** They asked him, "Then who are you? Are you Elijah?" He said, "I am not." "Are you the Prophet?" He answered, "No." **22** Then they asked him, "Who are you? Give us an answer to take back to those who sent us. What do you say about yourself?" **23** John replied in the words of Isaiah the prophet, "I am the voice of one calling in the desert, 'Make straight the way for the Lord.'" **24** Now those who were sent were Pharisees. **25** They asked him, saying, "Why then do you baptize if you aren't the Christ, nor Elijah, nor the Prophet?" **26** John answered them, saying, "I baptize with water, but One stands among you that you don't know. **27** It is He who, coming after me, is preferred before me, whose sandal strap I'm not worthy to untie." **28** This all happened at Bethany on the other side of the Jordan, where John was baptizing. **29** The next day, John saw Jesus coming toward him, and said, "Look! God's Lamb who takes away the sin of the world! **30** This is the One I meant when I said, 'A man who comes after me is preferred before me because He existed before me.' **31** I didn't know Him, but the reason I came baptizing with water was that He might be revealed to Israel." **32** John testified, saying, "I saw the Spirit descending from Heaven like a dove, and He remained upon Him. **33** I wouldn't have known Him, but He who sent me to baptize with water told me, 'Whoever you see the Spirit descending upon, and remaining on Him, this is He who baptizes with the Holy Spirit.' **34** I have seen and I testify that this is God's Son." **35** The next day, John again stood with two of His disciples. **36** When he saw Jesus passing by, he said, "Look, God's Lamb!" **37** The two disciples heard him say this, and they followed Jesus. **38** Jesus turned, and seeing them following, asked them, "What are you looking for?" They said to Him, "Rabbi" (which, when translated, means Teacher), "Where are You staying?" **39** He told them, "Come and see." They came and saw where He was staying, and spent that day with Him. It was about the tenth hour. **40** Andrew, Simon Peter's brother, was one of the two who heard what John had said and who had followed Jesus. **41** The first thing Andrew did was to find his brother, Simon, and tell him, "We have found the Messiah" (that is, translated, the Christ). **42** Andrew brought Simon to Jesus. Jesus looked at him, and said, "You are Simon the son of Jonah. You will be called Cephas" (which is translated Peter). **43** The next day Jesus decided to leave for Galilee. Finding Philip, he told him, "Follow me." **44** Philip was from Bethsaida, the city of Andrew and Peter. **45** Philip found Nathanael and told him, "We have found Him who Moses in the Law, and also the prophets, wrote about — Jesus of Nazareth, the son of Joseph." **46** Nathanael asked Philip, "Can anything good come out of Nazareth?" Philip told Nathanael, "Come and see." **47** Jesus saw Nathanael coming toward Him, and said of Nathanael, "Look! An Israelite indeed, who has no deceit in him!" **48** Nathanael asked Him, "How do You know me?" Jesus answered, "Before Philip called you, when you were under the fig tree, I saw you." **49** Nathanael answered, "Rabbi, You are God's Son. You are the King of Israel." **50** Jesus said to him, "Because I told you that I saw you under the fig tree, do you believe? You will see greater things than

Matthew

1 THE book of the genealogy of Jesus Christ, the son of David, the son of Abraham. **2** Abraham begat Isaac, and Isaac begat Jacob, and Jacob begat Judas and his brethren, **3** and Judas begat Phares, and Zara of Thamar, and Phares begat Esrom, and Esrom begat Aram; **4** and Aram begat Amminadab, and Amminadab begat Naasson, and Naasson begat Salmon, **5** and Salmon begat Boaz of Rachab, and Boaz begat Obed of Ruth, and Obed begat Jesse, **6** and Jesse begat David the king, and David the king begat Solomon of her that had been the wife of Urias, **7** and Solomon begat Roboam, and Roboam begat Abia, and Abia begat Asa, **8** and Asa begat Josaphat, and Josaphat begat Joram, and Joram begat Ozias, **9** and Ozias begat Joatham, and Joatham begat Ahaz, and Ahaz begat Hezekias, **10** and Hezekias begat Manasses, and Manasses begat Amon, and Amon begat Josias, **11** and Josias begat Jechonias and his brethren, about the time they were carried away to Babylon, **12** and after they were brought to Babylon, Jechonias begat Salathiel, and Salathiel begat Zorobabel, **13** and Zorobabel begat Abiud, and Abiud begat Eliakim, and Eliakim begat Azor, **14** and Azor begat Sadoc, and Sadoc begat Achim, and Achim begat Eliud, **15** and Eliud begat Eleazar, and Eleazar begat Matthan, and Matthan begat Jacob, **16** and Jacob begat Joseph, the husband of Mary, of whom is born Jesus, who is called Christ. **17** So all the generations from Abraham to David are fourteen generations, and from David to the carrying away into Babylon fourteen generations, and from the carrying away into Babylon unto Christ fourteen generations. **18** Now the generation of Jesus Christ was attended with these circumstances: His mother Mary being betrothed to Joseph, before they cohabited together, she was found with child from the Holy Spirit. **19** Then Joseph her husband being a just man, and not willing to expose her publicly, designed to put her away privately. **20** And as he was revolving the matter in his mind, behold, an angel of the Lord in a dream appeared unto him, saying, Joseph, son of David, fear not to take Mary for thy wife, for that which is conceived in her is from the Holy Spirit. **21** And she shall bring forth a son, and thou shalt call his name Jesus, for he shall save his people from their sins. **22** Now the whole of this was done, that what was spoken of the Lord, by the prophet, might be fulfilled, saying, **23** "A virgin shall be with child and shall bring forth a son, and they shall call his name Immanuel," which is being interpreted, God with us. **24** Then Joseph when arisen from sleep, did as the angel of the Lord commanded him, and took his wife; **25** and he knew her not, until she had brought forth her son, the first begotten, and he called his name Jesus.

2 NOW when Jesus was born in Bethlehem of Judea in the days of Herod the king, lo! Magians from the East came to Jerusalem, **2** saying, Where is he that is born king of the Jews? for we have seen his star in the East, and are come to pay him homage. **3** Now when Herod the king heard this, he was much agitated, and all Jerusalem with him. **4** And assembling all the chief priests and scribes of the people, he enquired of them, where the Messiah should be born. **5** Then they answered him, In Bethlehem of Judea, for so it is written by the prophet, **6** "And thou Bethlehem, land of Judah, art in no respect the least amongst the princes of Judah, for from thee shall go forth the Ruler, who shall conduct my people Israel." **7** Thereupon Herod secretly calling to him the Magians, enquired very particularly of them the time of the star's appearing, **8** and sending them to Bethlehem said, Go, and procure the most exact information respecting this child; and when you have found him, bring me intelligence, that I may come, and pay him homage also. **9** So having heard the king, they went on; and lo, the star, which they had seen in the East, had gone before them, till it came and stood over the place where the infant was. **10** And when they saw the star, they were exceedingly transported with joy. **11** And coming into the house, they found the infant with Mary his mother, and falling prostrate, they paid their homage to him. And opening their treasures, they made their offerings to him, gold, and frankincense, and myrrh. **12** And having received warning in a dream not to go back to Herod, they departed into their own country by another road. **13** Now when they were gone, behold an angel of the Lord appeared unto Joseph in a dream, saying, Arise, and take the infant and his mother by night, and flee into Egypt, and stay there, till I speak to thee, for Herod will search for the infant to destroy it. **14** So rising up, he took the babe and his mother by night, and retired into Egypt, **15** and was there till the death of Herod; that what was spoken of the Lord by the prophet, might be fulfilled, saying, "Out of Egypt have I called my son." **16** Then Herod, perceiving that he was treated delusively by the Magians, was greatly exasperated, and he sent and slew all the

Aionian Bible
Proofing page
Intentionally blank

Matthew

1 THE book of the generation of Jesus Christ, the son of David, the son of Abraham. **2** Abraham begat Isaac; and Isaac begat Jacob; and Jacob begat Judas and his brethren; **3** And Judas begat Phares and Zara of Thamar; and Phares begat Esrom; and Esrom begat Aram; **4** And Aram begat Aminadab; and Aminadab begat Naasson; and Naasson begat Salmon; **5** And Salmon begat Booz of Rachab; and Booz begat Obed of Ruth; and Obed begat Jesse; **6** And Jesse begat David the king; and David the king begat Solomon of her that had been the wife of Urias; **7** And Solomon begat Roboam; and Roboam begat Abia; and Abia begat Asa; **8** And Asa begat Josaphat; and Josaphat begat Joram; and Joram begat Ozias; **9** And Ozias begat Joatham; and Joatham begat Achaz; and Achaz begat Ezekias; **10** And Ezekias begat Manasses; and Manasses begat Amon; and Amon begat Josias; **11** And Josias begat Jechonias and his brethren, about the time they were carried away to Babylon: **12** And after they were brought to Babylon, Jechonias begat Salathiel; and Salathiel begat Zorobabel; **13** And Zorobabel begat Abiud; and Abiud begat Eliakim; and Eliakim begat Azor; **14** And Azor begat Sadoc; and Sadoc begat Achim; and Achim begat Eliud; **15** And Eliud begat Eleazar; and Eleazar begat Matthan; and Matthan begat Jacob; **16** And Jacob begat Joseph the husband of Mary, of whom was born Jesus, who is called Christ. **17** So all the generations from Abraham to David are fourteen generations; and from David until the carrying away into Babylon are fourteen generations; and from the carrying away into Babylon unto Christ are fourteen generations. **18** Now the birth of Jesus Christ was on this wise: When as his mother Mary was espoused to Joseph, before they came together, she was found with child of the Holy Ghost. **19** Then Joseph her husband, being a just man, and not willing to make her a publick example, was minded to put her away privily. **20** But while he thought on these things, behold, the angel of the Lord appeared unto him in a dream, saying, Joseph, thou son of David, fear not to take unto thee Mary thy wife: for that which is conceived in her is of the Holy Ghost. **21** And she shall bring forth a son, and thou shalt call his name JESUS: for he shall save his people from their sins. **22** Now all this was done, that it might be fulfilled which was spoken of the Lord by the prophet, saying, **23** Behold, a virgin shall be with child, and shall bring forth a son, and they shall call his name Emmanuel, which being interpreted is, God with us. **24** Then Joseph being raised from sleep did as the angel of the Lord had bidden him, and took unto him his wife: **25** And knew her not till she had brought forth her firstborn son: and he called his name JESUS.

2 NOW when Jesus was born in Bethlehem of Judæa in the days of Herod the king, behold, there came wise men from the east to Jerusalem, **2** Saying, Where is he that is born King of the Jews? for we have seen his star in the east, and are come to worship him. **3** When Herod the king had heard these things, he was troubled, and all Jerusalem with him. **4** And when he had gathered all the chief priests and scribes of the people together, he demanded of them where Christ should be born. **5** And they said unto him, In Bethlehem of Judæa: for thus it is written by the prophet, **6** And thou Bethlehem, in the land of Juda, art not the least among the princes of Juda: for out of thee shall come a Governor, that shall rule my people Israel. **7** Then Herod, when he had privily called the wise men, inquired of them diligently what time the star appeared. **8** And he sent them to Bethlehem, and said, Go and search diligently for the young child; and when ye have found him, bring me word again, that I may come and worship him also. **9** When they had heard the king, they departed; and, lo, the star, which they saw in the east, went before them, till it came and stood over where the young child was. **10** When they saw the star, they rejoiced with exceeding great joy. **11** And when they were come into the house, they saw the young child with Mary his mother, and fell down, and worshipped him: and when they had opened their treasures, they presented unto him gifts; gold, and frankincense, and myrrh. **12** And being warned of God in a dream that they should not return to Herod, they departed into their own country another way. **13** And when they were departed, behold, the angel of the Lord appeareth to Joseph in a dream, saying, Arise, and take the young child and his mother, and flee into Egypt, and be thou there until I bring thee word: for Herod will seek the young child to destroy him. **14** When he arose, he took the young child and his mother by night, and departed into Egypt: **15** And was there until the death of Herod: that it might be fulfilled which was spoken of the Lord by the prophet, saying, Out of Egypt have I called my son. **16** Then Herod, when he saw that he was mocked of the wise men, was exceeding wroth, and sent forth, and slew all the children that were in Bethlehem, and in all the coasts thereof, from two years old and under, according to the time which he had diligently inquired of the wise men. **17** Then was fulfilled that which was spoken by Jeremy the prophet, saying, **18** In Rama was there a voice heard, lamentation, and weeping, and great mourning, Rachel weeping for her children, and would not be comforted, because they are not. **19** But when Herod was dead, behold, an angel of the Lord appeareth in a dream to Joseph in Egypt, **20** Saying, Arise, and take the young child and his mother, and go into the land of Israel: for they are dead which sought the young child's life. **21** And he arose, and took the young child and his mother, and

Matthew

1 The book of the generation of Jesus Christ, the son of David, the son of Abraham. **2** Abraham begat Isaac; and Isaac begat Jacob; and Jacob begat Judas and his brethren; **3** And Judas begat Phares and Zara of Thamar; and Phares begat Esrom; and Esrom begat Aram; **4** And Aram begat Aminadab; and Aminadab begat Naasson; and Naasson begat Salmon; **5** And Salmon begat Booz of Rachab; and Booz begat Obed of Ruth; and Obed begat Jesse; **6** And Jesse begat David the king; and David the king begat Solomon of her [that had been the wife] of Urias; **7** And Solomon begat Roboam; and Roboam begat Abia; and Abia begat Asa; **8** And Asa begat Josaphat; and Josaphat begat Joram; and Joram begat Ozias; **9** And Ozias begat Joatham; and Joatham begat Achaz; and Achaz begat Ezekias; **10** And Ezekias begat Manasses; and Manasses begat Amon; and Amon begat Josias; **11** And Josias begat Jechonias and his brethren, about the time they were carried away to Babylon: **12** And after they were brought to Babylon, Jechonias begat Salathiel; and Salathiel begat Zorobabel; **13** And Zorobabel begat Abiud; and Abiud begat Eliakim; and Eliakim begat Azor; **14** And Azor begat Sadoc; and Sadoc begat Achim; and Achim begat Eliud; **15** And Eliud begat Eleazar; and Eleazar begat Matthan; and Matthan begat Jacob; **16** And Jacob begat Joseph the husband of Mary, of whom was born Jesus, who is called Christ. **17** So all the generations from Abraham to David [are] fourteen generations; and from David until the carrying away into Babylon [are] fourteen generations; and from the carrying away into Babylon unto Christ [are] fourteen generations. **18** Now the birth of Jesus Christ was on this wise: When as his mother Mary was espoused to Joseph, before they came together, she was found with child of the Holy Ghost. **19** Then Joseph her husband, being a just [man], and not willing to make her a publick example, was minded to put her away privily. **20** But while he thought on these things, behold, the angel of the Lord appeared unto him in a dream, saying, Joseph, thou son of David, fear not to take unto thee Mary thy wife: for that which is conceived in her is of the Holy Ghost. **21** And she shall bring forth a son, and thou shalt call his name JESUS: for he shall save his people from their sins. **22** Now all this was done, that it might be fulfilled which was spoken of the Lord by the prophet, saying, **23** Behold, a virgin shall be with child, and shall bring forth a son, and they shall call his name Emmanuel, which being interpreted is, God with us. **24** Then Joseph being raised from sleep did as the angel of the Lord had bidden him, and took unto him his wife: **25** And knew her not till she had brought forth her firstborn son: and he called his name JESUS.

2 Now when Jesus was born in Bethlehem of Judaea in the days of Herod the king, behold, there came wise men from the east to Jerusalem, **2** Saying, Where is he that is born King of the Jews? for we have seen his star in the east, and are come to worship him. **3** When Herod the king had heard [these things], he was troubled, and all Jerusalem with him. **4** And when he had gathered all the chief priests and scribes of the people together, he demanded of them where Christ should be born. **5** And they said unto him, In Bethlehem of Judaea: for thus it is written by the prophet, **6** And thou Bethlehem, [in] the land of Juda, art not the least among the princes of Juda: for out of thee shall come a Governor, that shall rule my people Israel. **7** Then Herod, when he had privily called the wise men, enquired of them diligently what time the star appeared. **8** And he sent them to Bethlehem, and said, Go and search diligently for the young child; and when ye have found [him], bring me word again, that I may come and worship him also. **9** When they had heard the king, they departed; and, lo, the star, which they saw in the east, went before them, till it came and stood over where the young child was. **10** When they saw the star, they rejoiced with exceeding great joy. **11** And when they were come into the house, they saw the young child with Mary his mother, and fell down, and worshipped him: and when they had opened their treasures, they presented unto him gifts; gold, and frankincense, and myrrh. **12** And being warned of God in a dream that they should not return to Herod, they departed into their own country another way. **13** And when they were departed, behold, the angel of the Lord appeareth to Joseph in a dream, saying, Arise, and take the young child and his mother, and flee into Egypt, and be thou there until I bring thee word: for Herod will seek the young child to destroy him. **14** When he arose, he took the young child and his mother by night, and departed into Egypt: **15** And was there until the death of Herod: that it might be fulfilled which was spoken of the Lord by the prophet, saying, Out of Egypt have I called my son. **16** Then Herod, when he saw that he was mocked of the wise men, was exceeding wroth, and sent forth, and slew all the children that were in Bethlehem, and in all the coasts thereof, from two years old and under, according to the time which he had diligently enquired of the wise men. **17** Then was fulfilled that which was spoken by Jeremy the prophet, saying, **18** In Rama was there a voice heard, lamentation, and weeping, and great mourning, Rachel weeping [for] her children, and would not be comforted, because they are not. **19** But when Herod was dead, behold, an angel of the Lord appeareth in a dream to Joseph in Egypt, **20** Saying, Arise, and take the young child and his mother, and go into the land of Israel: for they are dead which sought the young child's life. **21** And he arose, and took the young child and his mother, and

Matthew

1 The book of the generation of Yahushua the Messiah, the son of David, the son of Abraham. **2** Abraham begat Isaac; and Isaac begat Jacob; and Jacob begat Judas and his brethren; **3** And Judas begat Phares and Zara of Thamar; and Phares begat Esrom; and Esrom begat Aram; **4** And Aram begat Aminadab; and Aminadab begat Naasson; and Naasson begat Salmon; **5** And Salmon begat Booz of Rachab; and Booz begat Obed of Ruth; and Obed begat Jesse; **6** And Jesse begat David the king; and David the king begat Solomon of her that had been the wife of Urias; **7** And Solomon begat Roboam; and Roboam begat Abia; and Abia begat Asa; **8** And Asa begat Josaphat; and Josaphat begat Joram; and Joram begat Ozias; **9** And Ozias begat Joatham; and Joatham begat Achaz; and Achaz begat Ezekias; **10** And Ezekias begat Manasses; and Manasses begat Amon; and Amon begat Josias; **11** And Josias begat Jechonias and his brethren, about the time they were carried away to Babylon: **12** And after they were brought to Babylon, Jechonias begat Salathiel; and Salathiel begat Zorobabel; **13** And Zorobabel begat Abiud; and Abiud begat Eliakim; and Eliakim begat Azor; **14** And Azor begat Sadoc; and Sadoc begat Achim; and Achim begat Eliud; **15** And Eliud begat Eleazar; and Eleazar begat Matthan; and Matthan begat Jacob; **16** And Jacob begat Joseph the husband of Mary, of whom was born Yahushua, who is called the Messiah. **17** So all the generations from Abraham to David are fourteen generations; and from David until the carrying away into Babylon are fourteen generations; and from the carrying away into Babylon unto the Messiah are fourteen generations. **18** Now the birth of Yahushua the Messiah was on this wise: When as his mother Mary was espoused to Joseph, before they came together, she was found with child of the Holy Spirit. **19** Then Joseph her husband, being a just man, and not willing to make her a publick example, was minded to put her away privily. **20** But while he thought on these things, behold, the angel of YHWH appeared unto him in a dream, saying, Joseph, thou son of David, fear not to take unto thee Mary thy wife: for that which is conceived in her is of the Holy Spirit. **21** And she shall bring forth a son, and thou shalt call his name Yahushua: for he shall save his people from their sins. **22** Now all this was done, that it might be fulfilled which was spoken of YHWH by the prophet, saying, **23** Behold, a virgin shall be with child, and shall bring forth a son, and they shall call his name Emmanuel, which being interpreted is, Elohim with us. **24** Then Joseph being raised from sleep did as the angel of YHWH had bidden him, and took unto him his wife: **25** And knew her not till she had brought forth her firstborn son: and he called his name Yahushua.

2 Now when Yahushua was born in Bethlehem of Judaea in the days of Herod the king, behold, there came wise men from the east to Jerusalem, **2** Saying, Where is he that is born King of the Jews? for we have seen his star in the east, and are come to worship him. **3** When Herod the king had heard these things, he was troubled, and all Jerusalem with him. **4** And when he had gathered all the chief priests and scribes of the people together, he demanded of them where the Messiah should be born. **5** And they said unto him, In Bethlehem of Judaea: for thus it is written by the prophet, **6** And thou Bethlehem, in the land of Juda, art not the least among the princes of Juda: for out of thee shall come a Governor, that shall rule my people Israel. **7** Then Herod, when he had privily called the wise men, inquired of them diligently what time the star appeared. **8** And he sent them to Bethlehem, and said, Go and search diligently for the young child; and when ye have found him, bring me word again, that I may come and worship him also. **9** When they had heard the king, they departed; and, lo, the star, which they saw in the east, went before them, till it came and stood over where the young child was. **10** When they saw the star, they rejoiced with exceeding great joy. **11** And when they were come into the house, they saw the young child with Mary his mother, and fell down, and worshipped him: and when they had opened their treasures, they presented unto him gifts; gold, and frankincense, and myrrh. **12** And being warned in a dream that they should not return to Herod, they departed into their own country another way. **13** And when they were departed, behold, the angel of YHWH appeareth to Joseph in a dream, saying, Arise, and take the young child and his mother, and flee into Egypt, and be thou there until I bring thee word: for Herod will seek the young child to destroy him. **14** When he arose, he took the young child and his mother by night, and departed into Egypt: **15** And was there until the death of Herod: that it might be fulfilled which was spoken of YHWH by the prophet, saying, Out of Egypt have I called my son. **16** Then Herod, when he saw that he was mocked of the wise men, was exceeding wroth, and sent forth, and slew all the children that were in Bethlehem, and in all the coasts thereof, from two years old and under, according to the time which he had diligently inquired of the wise men. **17** Then was fulfilled that which was spoken by Jeremy the prophet, saying, **18** In Rama was there a voice heard, lamentation, and weeping, and great mourning, Rachel weeping for her children, and would not be comforted, because they are not. **19** But when Herod was dead, behold, an angel of YHWH appeareth in a dream to Joseph in Egypt, **20** Saying, Arise, and take the young child and his mother, and go into the land of Israel: for they are dead which sought the young child's life. **21** And he arose, and took

Matthew

1 The book of the generation of Jesus Christ, the son of David, the son of Abraham. **2** Abraham begat Isaac; and Isaac begat Jacob; and Jacob begat Judah and his brethren; **3** And Judah begat Perez and Zerah of Tamar; and Perez begat Hezron; and Hezron begat Ram; **4** And Ram begat Amminadab; and Amminadab begat Nahshon; and Nahshon begat Salmon; **5** And Salmon begat Boaz of Rahab; and Boaz begat Obed of Ruth; and Obed begat Jesse; **6** And Jesse begat David the king; and David the king begat Solomon of her that had been the wife of Uriah; **7** And Solomon begat Rehoboam; and Rehoboam begat Abijah; and Abjah begat Asa; **8** And Asa begat Jehoshaphat; and Jehoshaphat begat Joram; and Joram begat Uzziah; **9** And Uzziah begat Jotham; and Jotham begat Ahaz; and Ahaz begat Hezekiah; **10** And Hezekiah begat Manasseh; and Manasseh begat Amon; and Amon begat Josiah; **11** And Josiah begat Jechoniah and his brethren, about the time they were carried away to Babylon: **12** And after they were brought to Babylon, Jechoniah begat Sheatiel; and Sheatiel begat Zerubbabel; **13** And Zerubbabel begat Abiud; and Abiud begat Eliakim; and Eliakim begat Azor; **14** And Azor begat Sadoc; and Sadoc begat Achim; and Achim begat Eliud; **15** And Eliud begat Eleazar; and Eleazar begat Matthan; and Matthan begat Jacob; **16** And Jacob begat Joseph the husband of Mary, of whom was born Jesus, who is called Christ. **17** So all the generations from Abraham to David are fourteen generations; and from David until the carrying away into Babylon are fourteen generations; and from the carrying away into Babylon unto Christ are fourteen generations. **18** Now the birth of Jesus Christ was on this wise: When as his mother Mary was espoused to Joseph, before they came together, she was found with child of the Holy Ghost. **19** Then Joseph her husband, being a just man, and not willing to make her a publick example, was minded to put her away privily. **20** But while he thought on these things, behold, the angel of the Lord appeared unto him in a dream, saying, Joseph, thou son of David, fear not to take unto thee Mary thy wife: for that which is conceived in her is of the Holy Ghost. **21** And she shall bring forth a son, and thou shalt call his name JESUS: for he shall save his people from their sins. **22** Now all this was done, that it might be fulfilled which was spoken of the Lord by the prophet, saying, **23** Behold, a virgin shall be with child, and shall bring forth a son, and they shall call his name Emmanuel, which being interpreted is, God with us. **24** Then Joseph being raised from sleep did as the angel of the Lord had bidden him, and took unto him his wife: **25** And knew her not till she had brought forth her firstborn son: and he called his name JESUS.

2 Now when Jesus was born in Bethlehem of Judaea in the days of Herod the king, behold, there came wise men from the east to Jerusalem, **2** Saying, Where is he that is born King of the Jews? for we have seen his star in the east, and are come to worship him. **3** When Herod the king had heard these things, he was troubled, and all Jerusalem with him. **4** And when he had gathered all the chief priests and scribes of the people together, he demanded of them where Christ should be born. **5** And they said unto him, In Bethlehem of Judaea: for thus it is written by the prophet, **6** And thou Bethlehem, in the land of Judah, art not the least among the princes of Judah: for out of thee shall come a Governor, that shall rule my people Israel. **7** Then Herod, when he had privily called the wise men, enquired of them diligently what time the star appeared. **8** And he sent them to Bethlehem, and said, Go and search diligently for the young child; and when ye have found him, bring me word again, that I may come and worship him also. **9** When they had heard the king, they departed; and, lo, the star, which they saw in the east, went before them, till it came and stood over where the young child was. **10** When they saw the star, they rejoiced with exceeding great joy. **11** And when they were come into the house, they saw the young child with Mary his mother, and fell down, and worshipped him: and when they had opened their treasures, they presented unto him gifts; gold, and frankincense, and myrrh. **12** And being warned of God in a dream that they should not return to Herod, they departed into their own country another way. **13** And when they were departed, behold, the angel of the Lord appeareth to Joseph in a dream, saying, Arise, and take the young child and his mother, and flee into Egypt, and be thou there until I bring thee word: for Herod will seek the young child to destroy him. **14** When he arose, he took the young child and his mother by night, and departed into Egypt: **15** And was there until the death of Herod: that it might be fulfilled which was spoken of the Lord by the prophet, saying, Out of Egypt have I called my son. **16** Then Herod, when he saw that he was mocked of the wise men, was exceeding wroth, and sent forth, and slew all the children that were in Bethlehem, and in all the coasts thereof, from two years old and under, according to the time which he had diligently enquired of the wise men. **17** Then was fulfilled that which was spoken by Jeremiah the prophet, saying, **18** In Ramah was there a voice heard, lamentation, and weeping, and great mourning, Rachel weeping for her children, and would not be comforted, because they are not. **19** But when Herod was dead, behold, an angel of the Lord appeareth in a dream to Joseph in Egypt, **20** Saying, Arise, and take the young child and his mother, and go into the land of Israel: for they are dead which sought the young child's life. **21** And he arose, and took

Matthew

1 The book of the generation of Jesus Christ, the son of David, the son of Abraham. **2** Abraham brings forth Isaac; and Isaac brings forth Jacob; and Jacob brings forth Judas and his brethren; **3** And Judas brings forth Phares and Zara of Thamar; and Phares brings forth Esrom; and Esrom brings forth Aram; **4** And Aram brings forth Aminadab; and Aminadab brings forth Naasson; and Naasson brings forth Salmon; **5** And Salmon brings forth Booz of Rachab; and Booz brings forth Obed of Ruth; and Obed brings forth Jesse; **6** And Jesse brings forth David the king; and David the king brings forth Solomon of her that had been the wife of Urias; **7** And Solomon brings forth Roboam; and Roboam brings forth Abia; and Abia brings forth Asa; **8** And Asa brings forth Josaphat; and Josaphat brings forth Joram; and Joram brings forth Ozias; **9** And Ozias brings forth Joatham; and Joatham brings forth Achaz; and Achaz brings forth Ezekias; **10** And Ezekias brings forth Manasses; and Manasses brings forth Amon; and Amon brings forth Josias; **11** And Josias brings forth Jechonias and his brethren, about the time they were carried away to Babylon: **12** And after they were brought to Babylon, Jechonias brings forth Salathiel; and Salathiel brings forth Zorobabel; **13** And Zorobabel brings forth Abiud; and Abiud brings forth Eliakim; and Eliakim brings forth Azor; **14** And Azor brings forth Sadoc; and Sadoc brings forth Achim; and Achim brings forth Eliud; **15** And Eliud brings forth Eleazar; and Eleazar brings forth Matthan; and Matthan brings forth Jacob; **16** And Jacob brings forth Joseph the husband of Mary, of whom was born Jesus, who is called Christ. **17** So all the generations from Abraham to David are fourteen generations; and from David until the carrying away into Babylon are fourteen generations; and from the carrying away into Babylon unto Christ are fourteen generations. **18** Now the birth of Jesus Christ was likewise: When as his mother Mary was espoused to Joseph, before they came together, she was found with child of the Holy Spirit. (pneuma) **19** Then Joseph her husband, being a just man, and not willing to make her a public example, was minded to put her away privately. **20** But while he thought on these things, behold, the angel of the LORD appeared unto him in a dream, saying, Joseph, you son of David, fear not to take unto you Mary your wife: for that which is conceived in her is of the Holy Spirit. (pneuma) **21** And she shall bring forth a son, and you shall call his name JESUS: for he shall save his people from their sins. **22** Now all this was done, that it might be fulfilled which was spoken of the Lord by the prophet, saying, **23** Behold, a virgin shall be with child, and shall bring forth a son, and they shall call his name Emmanuel, which being interpreted is, God with us. **24** Then Joseph being raised from sleep did as the angel of the Lord had bidden him, and took unto him his wife: **25** And had sexual contact with her not till she had brought forth her firstborn son: and he called his name JESUS.

2 Now when Jesus was born in Bethlehem of Judaea in the days of Herod the king, behold, there came wise men from the east to Jerusalem, **2** Saying, Where is he that is born King of the Jews? for we have seen his star in the east, and are come to worship him. **3** When Herod the king had heard these things, he was troubled, and all Jerusalem with him. **4** And when he had gathered all the chief priests and scribes of the people together, he demanded of them where Christ should be born. **5** And they said unto him, In Bethlehem of Judaea: for thus it is written by the prophet, **6** And you Bethlehem, in the land of Juda, are not the least among the princes of Juda: for out of you shall come a Governor, that shall rule my people Israel. **7** Then Herod, when he had privately called the wise men, enquired of them diligently what time the star appeared. **8** And he sent them to Bethlehem, and said, Go and search diligently for the young child; and when all of you have found him, bring me word again, that I may come and worship him also. **9** When they had heard the king, they departed; and, lo, the star, which they saw in the east, went before them, till it came and stood over where the young child was. **10** When they saw the star, they rejoiced with exceeding great joy. **11** And when they were come into the house, they saw the young child with Mary his mother, and fell down, and worshipped him: and when they had opened their treasures, they presented unto him gifts; gold, and frankincense and myrrh. **12** And being warned of God in a dream that they should not return to Herod, they departed into their own country another way. **13** And when they were departed, behold, the angel of the Lord appears to Joseph in a dream, saying, Arise, and take the young child and his mother, and flee into Egypt, and be you there until I bring you word: for Herod will seek the young child to destroy him. **14** When he arose, he took the young child and his mother by night, and departed into Egypt: **15** And was there until the death of Herod: that it might be fulfilled which was spoken of the Lord by the prophet, saying, Out of Egypt have I called my son. **16** Then Herod, when he saw that he was mocked of the wise men, was exceeding angry, and sent forth, and slew all the children that were in Bethlehem, and in all the coasts thereof, from two years old and under, according to the time which he had diligently enquired of the wise men. **17** Then was fulfilled that which was spoken by Jeremy the prophet, saying, **18** In Rama was there a voice heard, lamentation, and weeping, and great mourning, Rachel weeping for her children, and would not be comforted, because they are not. **19** But when Herod was dead, behold, an angel of

Aionian Bible
Proofing page
Intentionally blank

Matthew

1 [The] scroll of the birth of Jesus Christ, Son of David, Son of Abraham. **2** Abraham begot Isaac, and Isaac begot Jacob, and Jacob begot Judah and his brothers, **3** and Judah begot Perez and Zerah of Tamar, and Perez begot Hezron, and Hezron begot Ram, **4** and Ram begot Amminadab, and Amminadab begot Nahshon, and Nahshon begot Salmon, **5** and Salmon begot Boaz of Rahab, and Boaz begot Obed of Ruth, and Obed begot Jesse, **6** and Jesse begot David the king. And David the king begot Solomon, of her [who had been] Uriah's, **7** and Solomon begot Rehoboam, and Rehoboam begot Abijah, and Abijah begot Asa, **8** and Asa begot Jehoshaphat, and Jehoshaphat begot Joram, and Joram begot Uzziah, **9** and Uzziah begot Jotham, and Jotham begot Ahaz, and Ahaz begot Hezekiah, **10** and Hezekiah begot Manasseh, and Manasseh begot Amon, and Amon begot Josiah, **11** and Josiah begot Jeconiah and his brothers, at the Babylonian removal. **12** And after the Babylonian removal, Jeconiah begot Shealtiel, and Shealtiel begot Zerubbabel, **13** and Zerubbabel begot Abiud, and Abiud begot Eliakim, and Eliakim begot Azor, **14** and Azor begot Sadok, and Sadok begot Achim, and Achim begot Eliud, **15** and Eliud begot Eleazar, and Eleazar begot Matthan, and Matthan begot Jacob, **16** and Jacob begot Joseph, the husband of Mary, of whom was begotten Jesus, who is named Christ. **17** All the generations, therefore, from Abraham to David [are] fourteen generations, and from David to the Babylonian removal fourteen generations, and from the Babylonian removal to the Christ, fourteen generations. **18** And of Jesus Christ, the birth was thus: for His mother Mary having been betrothed to Joseph, before their coming together she was found to have conceived from the Holy Spirit, **19** and her husband Joseph being righteous, and not willing to make her an example, resolved to send her away privately. **20** And on his thinking of these things, behold, a messenger of the LORD appeared to him in a dream, saying, "Joseph, son of David, you may not fear to receive your wife Mary, for that which was begotten in her is of [the] Holy Spirit, **21** and she will bring forth a Son, and you will call His Name Jesus, for He will save His people from their sins." **22** And all this has come to pass, that it may be fulfilled that was spoken by the LORD through the prophet, saying, **23** "Behold, the virgin will conceive, and she will bring forth a Son, and they will call His Name Emmanuel," which is, being interpreted, "God with us." **24** And Joseph, having risen from sleep, did as the messenger of the LORD directed him, and received his wife, **25** and did not know her until she brought forth her Son—the firstborn, and he called His Name Jesus.

2 And Jesus having been born in Beth-Lehem of Judea, in the days of Herod the king, behold, magi from the east came to Jerusalem, **2** saying, "Where is He who was born King of the Jews? For we saw His star in the east, and we came to worship Him." **3** And Herod the king having heard, was stirred, and all Jerusalem with him, **4** and having gathered all the chief priests and scribes of the people, he was inquiring from them where the Christ is born. **5** And they said to him, "In Beth-Lehem of Judea, for thus it has been written through the prophet: **6** And you, Beth-Lehem, the land of Judah, you are by no means the least among the leaders of Judah, for out of you will come One leading, who will feed My people Israel." **7** Then Herod, having called the magi privately, inquired exactly from them the time of the appearing star, **8** and having sent them to Beth-Lehem, he said, "Having gone—inquire exactly for the Child, and whenever you may have found, bring me back word, that I also having come may worship Him." **9** And they, having heard the king, departed, and behold, the star, that they saw in the east, went before them, until, having come, it stood over where the Child was. **10** And having seen the star, they rejoiced with exceedingly great joy, **11** and having come into the house, they found the Child with His mother Mary, and having fallen down they worshiped Him, and having opened their treasures, they presented to Him gifts, gold, and frankincense, and myrrh, **12** and having been divinely warned in a dream not to return to Herod, through another way they withdrew to their own region. **13** And on their having withdrawn, behold, a messenger of the LORD appears in a dream to Joseph, saying, "Having risen, take the Child and His mother, and flee to Egypt, and be there until I may speak to you, for Herod is about to seek the Child to destroy Him." **14** And he, having risen, took the Child and His mother by night, and withdrew to Egypt, **15** and he was there until the death of Herod, that it might be fulfilled that was spoken by the LORD through the prophet, saying, "Out of Egypt I called My Son." **16** Then Herod, having seen that he was deceived by the magi, was very angry, and having sent forth, he slew all the male children in Beth-Lehem, and in all its borders, from two years and under, according to the time that he inquired exactly from the magi. **17** Then was fulfilled that which was spoken by Jeremiah the prophet, saying, **18** "A voice in Ramah was heard—weeping and much mourning—Rachel weeping [for] her children, and she would not be comforted because they are not." **19** And Herod having died, behold, a messenger of the LORD appears in a dream to Joseph in Egypt, **20** saying, "Having risen, take the Child and His mother, and be going to the land of Israel, for they have died—those seeking the life of the Child." **21** And he, having risen, took the Child and His mother, and came to the land of

Matthew

1 The History of Jesus Christ, Son of David, Son of Abraham. **2** Abraham begot Isaac. Isaac begot Jacob. Jacob begot Judah and his brothers. **3** Judah had Pharez and Zarah by Tamar. Pharez begot Ezrom. Ezrom begot Aram. **4** Aram begot Aminidab. Aminidab begot Nashon. Nashon begot Salmon. **5** Salmon had Boaz by Rahab. Boaz had Obed by Ruth. Obed begot Jesse. **6** Jesse begot David the king. David the king had Solomon, by her who had been the wife of Uriah. **7** Solomon begot Rehoboam. Rehoboam begot Abia. Abia begot Asa. **8** Asa begot Jehoshaphat. Jehoshaphat begot Joram. Joram begot Uzziah. **9** Uzziah begot Jotham. Jotham begot Ahaz. Ahaz begot Hezekiah. **10** Hezekiah begot Manasseh. Manasseh begot Amon. Amon begot Josiah. **11** Josiah had Jeconiah and his brothers, about the time of the migration into Babylon. **12** After the migration into Babylon, Jeconiah begot Salathiel. Salathiel begot Zerubbabel. **13** Zerubbabel begot Abiud. Abiud begot Eliakim. Eliakim begot Azor. **14** Azor begot Zadoc. Zadoc begot Achim. Achim begot Eliud. **15** Eliud begot Eleazar. Eleazar begot Matthan. Matthan begot Jacob. **16** Jacob begot Joseph, the husband of Mary, of whom was born Jesus, who is called Christ. **17** So all the generations from Abraham to David are fourteen; from David till the migration into Babylon, fourteen; from David till the migration into Babylon to the Messiah, fourteen. **18** Now the birth of Jesus Christ happened thus: Mary his mother had been espoused to Joseph; but before they came together, she proved to be with child by the Holy Spirit. **19** Joseph her husband being a virtuous man, and unwilling to expose her, intended to divorce her privately. **20** But while he was thinking upon this, an angel of the Lord appearing to him in a dream, said, Joseph, son of David, scruple not to take home Mary your wife; for her pregnancy is from the Holy Spirit. **21** And she shall bear a son, whom you shall call Jesus, for he will save his people from their sins. **22** In all this what the Lord had spoken by the Prophet was verified, **23** "Behold the virgin shall conceive and bear a son, who shall be called Immanuel;" which signifies, God with us. **24** When Joseph awoke, he did as the messenger of the Lord had commanded him, and took home his wife; **25** but knew her not, until she had brought forth her first born son, whom he named Jesus.

2 After the birth of Jesus, at Bethlehem of Judea, in the reign of King Herod, certain eastern magians came to Jerusalem, and inquired, **2** Where is the new-born King of the Jews; for we have seen his star in the east country, and are coming to do him homage? **3** King Herod hearing this, was alarmed, and all Jerusalem with him. **4** And having assembled all the chief priests and the scribes of the people, he demanded of them where the Messiah should be born. **5** They answered, at Bethlehem of Judea, for thus it is written by the Prophet, **6** "And thou Bethlehem, in the canton of Judah, are not the least illustrious among the cities of Judah; for out of thee shall come a ruler, who will govern my people Israel." **7** Then Herod having secretly called the magians, procured from them exact information concerning the time of the star's appearing. **8** And sending them to Bethlehem, he said, Go, make an exact inquiry about the child; and when you have found him bring me word, that I may go also, and pay him homage. **9** Having heard the King, they departed; and lo! the star which had appeared to them in the east country, moved before them, till it came, and stood over the place, where the child was. **10** When they again saw the star, they rejoiced exceedingly. **11** And being come into the house, they found the child with Mary his mother; and, prostrating themselves, did him homage. Then opening their caskets, they offered, as presents to him, gold, frankincense, and myrrh. **12** And being warned in a dream not to return to Herod, they went home another way. **13** When they were gone, lo! a messenger of the Lord appearing to Joseph in a dream, said, Arise, take the child with his mother, and flee into Egypt; and remain there till I order you; for Herod will seek the child to destroy him. **14** Accordingly he arose, took the child with his mother, and withdrew by night into Egypt, **15** where he continued until the death of Herod; so that, what the Lord had spoken by the Prophet, was verified, "Out of Egypt I called my Son." **16** Then Herod, finding that he had been deceived by the magians, was highly incensed and dispatched emissaries who slew, by his order, all the male children in Bethlehem, and in all its territory, from those entering the second year, down to the time of which he had procured exact information from the magians. **17** Then was the word of Jeremiah the Prophet verified, **18** "A cry was heard in Ramah, lamentation, and weeping, and bitter complaint: Rachel bewailing her children, and refusing to be comforted, because they are no more." **19** When Herod was dead, an angel of the Lord appearing in a

Aionian Bible
Proofing page
Intentionally blank

Matthew

1 The book of the generation of Jesus Christ, the son of David, the son of Abraham. **2** Abraham was the father of Isaac; Isaac was the father of Jacob; Jacob, of Judah and his brethren; **3** Judah (by Tamar), of Perez and Zerah; Perez, of Hezron; Hezron, of Ram; **4** Ram, of Amminadab; Amminadab, of Nahshon; Nahshon, of Salmon; **5** Salmon (by Rahab), of Boaz; Boaz (by Ruth), of Obed; Obed, of Jesse; **6** And Jesse, of David the king. David (by Uriah's widow), was the father of Solomon; **7** Solomon, of Rehoboam; Rehoboam, of Abijah; Abijah, of Asa; **8** Asa, of Jehoshaphat; Jehoshaphat, of Joram; Joram, of Uzziah; **9** Uzziah, of Jotham; Jotham, of Ahaz; Ahaz, of Hezekiah; **10** Hezekiah, of Manasseh; Manasseh, of Amon; Amon, of Josiah; **11** Josiah, of Jechoniah and his brethren, at the time of the carrying away to Babylon. **12** And after the carrying away into Babylon, Jechoniah became the father of Shealtiel; Shealtiel, of Zerubbabel; **13** Zerubbabel, of Abiud; Abiud, of Eliakim; Eliakim, of Azor; **14** Azor, of Sadoc; Sadoc, of Achim; Achim, of Eliud; **15** Eliud, of Eleazar; Eleazar, of Matthan; Matthan, of Jacob; **16** And Jacob, of Joseph, the husband of Mary, of whom was born Jesus, who is called Christ. **17** So the whole number of generations from Abraham to David is fourteen; from David to the exile to Babylon is fourteen; and from the exile to Babylon to Christ is fourteen. **18** The birth of Jesus Christ took place in this way. After his mother, Mary, had been betrothed to Joseph, before they came together, she was found to be with child by the Holy Spirit. **19** But Joseph her husband, because he was just a man and unwilling to disgrace her, was minded to put her away secretly. **20** And while he was having this in mind, behold! an angel of the Lord appeared to him in a dream, saying. **21** "Joseph, son of David, do not be afraid to take Mary your wife home, for what is begotten in her is by the Holy Spirit; and she will bear a son, and you are to call him Jesus, for he will save his people from their sins." **22** All this happened that the word of the Lord spoken through the prophet might be fulfilled. **23** Behold! the virgin shall be with child, and shall bear a son; and they shall call his name Immanuel, a word which means "God with us." **24** Now when Joseph awoke from his sleep he did as the angel of the Lord had directed him, and took his wife home, **25** but did not live with her until after the birth of her son, whom he called Jesus.

2 After the birth of Jesus, which took place at Bethlehem in Judea, during the reign of King Herod, lo! certain Magi arrived in Jerusalem, saying. **2** "Where is the new-born King of the Jews? For we have seen his star in the East, and are come to worship him." **3** When King Herod heard this he was troubled, and all Jerusalem with him. **4** So when he had gathered together all the chief priests and rabbis of the people, he began to inquire of them where the Christ was to be born. **5** And they told him. "At Bethlehem in Judea, as it is written in the prophet. **6** "And thou Bethlehem in the land of Judah, Thou are not least among the princes of Judah, For out of thee shall come a ruler Who shall shepherd my people, Israel." **7** Thereupon Herod sent secretly for the Magi, and found out from them the time when the star appeared. **8** Then he sent them to Bethlehem, saying, "Go and make careful inquiry about the child, and as soon as you have found him bring me word, that I, too, may go and worship him." **9** The Magi listened to the king, and went on their way, and lo! the star which they had seen in the east led them until it came and stood over the place where the young child was. **10** And when they saw the star, they rejoiced with great gladness. **11** When they had entered the house, they saw the child with Mary, his mother, and opening their treasure-chests they gave him gifts, gold and frankincense and myrrh. **12** But because they were forbidden by God in a dream to go back to Herod, they returned to their own country by another route. **13** When they were gone an angel of the Lord appeared to Joseph in a dream, saying; "Rise! Take the young child and his mother and flee into Egypt, and there remain until I bring you word; for Herod intends to make a search for the child, in order to put him to death." **14** So Joseph arose, took the child and his mother, by night, and departed to Egypt. **15** There he remained until the death of Herod, in order that the word of the Lord through the prophet might be fulfilled, which says, Out of Egypt I called my son. **16** As soon as Herod saw that he had been mocked by the Magi, he was furious. He sent and put to death all the boys in Bethlehem and all the neighborhood who were two years old or under, in accordance with the date which he had ascertained from the Magi. **17** Then were fulfilled the words spoken through Jeremiah, the prophet, saying, **18** A voice was heard in Ramah, Weeping and lamentation- Rachel weeping for her children, Inconsolable, because they were no more! **19** But after Herod's death an angel of the Lord appeared in a dream to Joseph in Egypt, **20** saying,

Matthew

1 A record of the genealogy of Yeshua Meshikha, the
son of Dawid, the son of Avraham. **2** Avraham was
the father of Iskhaq, and Iskhaq the father of Yaquv, and
Yaquv the father of Yehudah and his brothers, **3** and
Yehudah was the father of Partz and Zarakh by Taymar,
and Partz was the father of Khesrun, and Khesrun the
father of Aram, **4** and Aram the father of Aminadav, and
Aminadav the father of Nakhshun, and Nakhshun the
father of Salmun, **5** and Salmun the father of Baaz by
Rakhav, and Baaz was the father of Euvid by Reuth, and
Euvid was the father of Ishai, **6** and Ishai the father of
Dawid the king. And Dawid was the father of Shelemun
by her who had been the wife of Auriya; **7** and Shelemun
was the father of Rekhavam, and Rekhavam the father
of Aviya, and Aviya the father of Aysa; **8** and Aysa the
father of Yahushaphat, and Yahushaphat the father of
Yuram, and Yuram the father of Euziya, **9** and Euziya
the father of Yutham, and Yutham the father of Akhaz,
and Akhaz the father of Khizaqiya; **10** and Khizaqiya the
father of Menashe, and Menashe the father of Ahmun,
and Ahmun the father of Yushiya, **11** and Yushiya the
father of Yukanya and his brothers, at the time of the
exile to Babylon. **12** And after the exile to Babylon,
Yukanya was the father of Shelatheil, and Shelatheil
the father of Zurbabel, **13** and Zurbabel the father of
Aviud, and Aviud the father of Eliyaqim, and Eliyaqim
the father of Ahzur, **14** and Ahzur the father of Zaduq,
and Zaduq the father of Akin, and Akin the father of
Eliyud, **15** and Eliyud the father of Eliazar, and Eliazar
the father of Mathan, and Mathan the father of Yaquv,
16 and Yaquv the father of Yauseph, the husband of
Maryam, from whom was born Yeshua, who is called
the Meshikha. **17** So all the generations from Avraham
to Dawid are fourteen generations; and from Dawid to
the exile to Babylon fourteen generations; and from the
exile to Babylon to the Meshikha, fourteen generations.
18 Now the birth of Yeshua Meshikha happened like this.
His mother Maryam had been engaged to Yauseph,
and before they came together, she was found to be
with child from the Rukha d'Qudsha. **19** And Yauseph,
her husband, being a righteous man, and not willing to
make her a public example, intended to put her away
secretly. **20** But when he thought about these things,
look, an angel of the Lord appeared to him in a dream,
saying, "Yauseph, son of Dawid, do not be afraid to
take to yourself Maryam, your wife, for that which is
conceived in her is of the Rukha d'Qudsha. **21** And she
will bring forth a son, and you are to name him Yeshua,
for he will save his people from their sins." **22** Now all
this has happened, that it might be fulfilled which was
spoken by the Lord through the prophet, saying, **23**
"Look, the virgin will conceive and bear a son, and they
will call his name Amanuil;" which is translated, "God
with us." **24** And Yauseph arose from his sleep, and did
as the angel of the Lord commanded him, and took his
wife to himself; **25** and had no marital relations with her
until she had brought forth a son; and he named him
Yeshua.

2 Now when Yeshua was born in Beth-Lekhem of
Yehuda in the days of Herod the king, look, Magushe
from the east came to Urishlim, saying, **2** "Where is he
who is born King of the Jews? For we saw his star in
the east, and have come to worship him." **3** And when
King Herod heard it, he was troubled, and all Urishlim
with him. **4** And gathering together all the chief priests
and scribes of the people, he asked them where the
Meshikha would be born. **5** And they said to him, "In
Beth-Lekhem of Yehuda, for thus it is written through the
prophet, **6** 'And you, Beth-Lekhem, land of Yehuda, are
in no way least among the rulers of Yehuda; for out of
you will come forth a ruler who will shepherd my people,
Israyel.'" **7** Then Herod secretly called the Magushe, and
learned from them exactly what time the star appeared.
8 And he sent them to Beth-Lekhem, and said, "Go and
search diligently for the young child, and when you have
found him, bring me word, so that I also may come
and worship him." **9** And they, having heard the king,
went their way; and look, the star, which they saw in the
east, went before them, until it came and stood over
where the young child was. **10** And when they saw the
star, they rejoiced with exceedingly great joy. **11** And
they came into the house and saw the young child with
Maryam, his mother, and they fell down and worshiped
him. Then, opening their treasures, they offered to him
gifts: gold, frankincense, and myrrh. **12** Being warned in
a dream that they should not return to Herod, they went
back to their own country another way. **13** Now when
they had departed, look, an angel of the Lord appeared
to Yauseph in a dream, saying, "Arise and take the
young child and his mother, and flee into Egypt, and
stay there until I tell you, for Herod will seek the young
child to destroy him." **14** And he arose and took the
young child and his mother by night, and departed into
Egypt, **15** and was there until the death of Herod; that it
might be fulfilled which was spoken by the Lord through
the prophet, saying, "Out of Egypt I called my son." **16**
Then Herod, when he saw that he was mocked by the
Magushe, was exceedingly angry, and sent out, and
killed all the male children who were in Beth-Lekhem
and in all the surrounding countryside, from two years
old and under, according to the exact time which he had
learned from the Magushe. **17** Then that which was
spoken by Aramiyah the prophet was fulfilled, saying,
18 "A voice was heard in Ramtha, lamentation and

Matthew

1 A record of the genealogy of Jesus Christ, the son of David, the son of Abraham. **2** Abraham was the father of Isaac, and Isaac the father of Jacob, and Jacob the father of Judah and his brothers, **3** and Judah was the father of Perez and Zerah by Tamar, and Perez was the father of Hezron, and Hezron the father of Ram, **4** and Ram the father of Amminadab, and Amminadab the father of Nahshon, and Nahshon the father of Salmon, **5** and Salmon the father of Boaz by Rahab, and Boaz was the father of Obed by Ruth, and Obed was the father of Jesse, **6** and Jesse the father of David the king. And David was the father of Solomon by her who had been the wife of Uriah; **7** and Solomon was the father of Rehoboam, and Rehoboam the father of Abijah, and Abijah the father of Asa; **8** and Asa the father of Jehoshaphat, and Jehoshaphat the father of Joram, and Joram the father of Uzziah, **9** and Uzziah the father of Jotham, and Jotham the father of Ahaz, and Ahaz the father of Hezekiah; **10** and Hezekiah the father of Manasseh, and Manasseh the father of Amon, and Amon the father of Josiah, **11** and Josiah the father of Jechoniah and his brothers, at the time of the exile to Babylon. **12** And after the exile to Babylon, Jechoniah was the father of Shealtiel, and Shealtiel the father of Zerubbabel, **13** and Zerubbabel the father of Abihud, and Abihud the father of Eliakim, and Eliakim the father of Azzur, **14** and Azzur the father of Zadok, and Zadok the father of Ahiam, and Ahiam the father of Elihud, **15** and Elihud the father of Eleazar, and Eleazar the father of Matthan, and Matthan the father of Jacob, **16** and Jacob the father of Joseph, the husband of Mary, from whom was born Jesus, who is called the Christ. **17** So all the generations from Abraham to David are fourteen generations; and from David to the exile to Babylon fourteen generations; and from the exile to Babylon to the Christ, fourteen generations. **18** Now the birth of Jesus Christ happened like this. His mother Mary had been engaged to Joseph, and before they came together, she was found to be with child from the Holy Spirit. **19** And Joseph, her husband, being a righteous man, and not willing to make her a public example, intended to put her away secretly. **20** But when he thought about these things, look, an angel of the Lord appeared to him in a dream, saying, "Joseph, son of David, do not be afraid to take to yourself Mary, your wife, for that which is conceived in her is of the Holy Spirit. **21** And she will bring forth a son, and you are to name him Jesus, for he will save his people from their sins." **22** Now all this has happened, that it might be fulfilled which was spoken by the Lord through the prophet, saying, **23** "Look, the virgin will conceive and bear a son, and they will call his name Immanuel;" which is translated, "God with us." **24** And Joseph arose from his sleep, and did as the angel of the Lord commanded him, and took his wife to himself; **25** and had no marital relations with her until she had brought forth a son; and he named him Jesus.

2 Now when Jesus was born in Bethlehem of Judea in the days of Herod the king, look, Magi from the east came to Jerusalem, saying, **2** "Where is he who is born King of the Jews? For we saw his star in the east, and have come to worship him." **3** And when King Herod heard it, he was troubled, and all Jerusalem with him. **4** And gathering together all the chief priests and scribes of the people, he asked them where the Christ would be born. **5** And they said to him, "In Bethlehem of Judea, for thus it is written through the prophet, **6** 'And you, Bethlehem, land of Judah, are in no way least among the rulers of Judah; for out of you will come forth a ruler who will shepherd my people, Israel.'" **7** Then Herod secretly called the Magi, and learned from them exactly what time the star appeared. **8** And he sent them to Bethlehem, and said, "Go and search diligently for the young child, and when you have found him, bring me word, so that I also may come and worship him." **9** And they, having heard the king, went their way; and look, the star which they saw in the east went before them, until it came and stood over where the young child was. **10** And when they saw the star, they rejoiced with exceedingly great joy. **11** And they came into the house and saw the young child with Mary, his mother, and they fell down and worshiped him. Then, opening their treasures, they offered to him gifts: gold, frankincense, and myrrh. **12** Being warned in a dream that they should not return to Herod, they went back to their own country another way. **13** Now when they had departed, look, an angel of the Lord appeared to Joseph in a dream, saying, "Arise and take the young child and his mother, and flee into Egypt, and stay there until I tell you, for Herod will seek the young child to destroy him." **14** And he arose and took the young child and his mother by night, and departed into Egypt, **15** and was there until the death of Herod; that it might be fulfilled which was spoken by the Lord through the prophet, saying, "Out of Egypt I called my son." **16** Then Herod, when he saw that he was mocked by the Magi, was exceedingly angry, and sent out, and killed all the male children who were in Bethlehem and in all the surrounding countryside, from two years old and under, according to the exact time which he had learned from the Magi. **17** Then that which was spoken by Jeremiah the prophet was fulfilled, saying, **18** "A voice was heard in Ramah, lamentation and weeping and great mourning, Rachel weeping for her children; and she would not be comforted, because

Matthew

1 A record of the genealogy of Jesus (the) Messiah, the son of David, the son of Abraham. **2** Abraham was the father of Isaac, and Isaac the father of Jacob, and Jacob the father of Judah and his brothers, **3** and Judah was the father of Perez and Zerah by Tamar, and Perez was the father of Hezron, and Hezron the father of Ram, **4** and Ram the father of Amminadab, and Amminadab the father of Nahshon, and Nahshon the father of Salmon, **5** and Salmon the father of Boaz by Rahab, and Boaz was the father of Obed by Ruth, and Obed was the father of Jesse, **6** and Jesse the father of David the king. And David was the father of Solomon by her who had been the wife of Uriah; **7** and Solomon was the father of Rehoboam, and Rehoboam the father of Abijah, and Abijah the father of Asa; **8** and Asa the father of Jehoshaphat, and Jehoshaphat the father of Joram, and Joram the father of Uzziah, **9** and Uzziah the father of Jotham, and Jotham the father of Ahaz, and Ahaz the father of Hezekiah; **10** and Hezekiah the father of Manasseh, and Manasseh the father of Amon, and Amon the father of Josiah, **11** and Josiah the father of Jechoniah and his brothers, at the time of the exile to Babylon. **12** And after the exile to Babylon, Jechoniah was the father of Shealtiel, and Shealtiel the father of Zerubbabel, **13** and Zerubbabel the father of Abihud, and Abihud the father of Eliakim, and Eliakim the father of Azzur, **14** and Azzur the father of Zadok, and Zadok the father of Ahiam, and Ahiam the father of Elihud, **15** and Elihud the father of Eleazar, and Eleazar the father of Matthan, and Matthan the father of Jacob, **16** and Jacob the father of Joseph, the husband of Mary, from whom was born Jesus, who is called the Messiah. **17** So all the generations from Abraham to David are fourteen generations; and from David to the exile to Babylon fourteen generations; and from the exile to Babylon to the Messiah, fourteen generations. **18** Now the birth of Jesus (the) Messiah happened like this. His mother Mary had been engaged to Joseph, and before they came together, she was found to be with child from the Holy Spirit. **19** And Joseph, her husband, being a righteous man, and not willing to make her a public example, intended to put her away secretly. **20** But when he thought about these things, look, an angel of the Lord appeared to him in a dream, saying, "Joseph, son of David, do not be afraid to take to yourself Mary, your wife, for that which is conceived in her is of the Holy Spirit. **21** And she will bring forth a son, and you are to name him Jesus, for he will save his people from their sins." **22** Now all this has happened, that it might be fulfilled which was spoken by the Lord through the prophet, saying, **23** "Look, the virgin will conceive and bear a son, and they will call his name Immanuel;" which is translated, "God with us." **24** And Joseph arose from his sleep, and did as the angel of the Lord commanded him, and took his wife to himself; **25** and had no marital relations with her until she had brought forth a son; and he named him Jesus.

2 Now when Jesus was born in Bethlehem of Judea in the days of Herod the king, look, Magi from the east came to Jerusalem, saying, **2** "Where is he who is born King of the Jews? For we saw his star in the east, and have come to worship him." **3** And when King Herod heard it, he was troubled, and all Jerusalem with him. **4** And gathering together all the chief priests and scribes of the people, he asked them where the Messiah would be born. **5** And they said to him, "In Bethlehem of Judea, for thus it is written through the prophet, **6** 'And you, Bethlehem, land of Judah, are in no way least among the rulers of Judah; for out of you will come forth a ruler who will shepherd my people, Israel.'" **7** Then Herod secretly called the Magi, and learned from them exactly what time the star appeared. **8** And he sent them to Bethlehem, and said, "Go and search diligently for the young child, and when you have found him, bring me word, so that I also may come and worship him." **9** And they, having heard the king, went their way; and look, the star which they saw in the east went before them, until it came and stood over where the young child was. **10** And when they saw the star, they rejoiced with exceedingly great joy. **11** And they came into the house and saw the young child with Mary, his mother, and they fell down and worshiped him. Then, opening their treasures, they offered to him gifts: gold, frankincense, and myrrh. **12** Being warned in a dream that they should not return to Herod, they went back to their own country another way. **13** Now when they had departed, look, an angel of the Lord appeared to Joseph in a dream, saying, "Arise and take the young child and his mother, and flee into Egypt, and stay there until I tell you, for Herod will seek the young child to destroy him." **14** And he arose and took the young child and his mother by night, and departed into Egypt, **15** and was there until the death of Herod; that it might be fulfilled which was spoken by the Lord through the prophet, saying, "Out of Egypt I called my son." **16** Then Herod, when he saw that he was mocked by the Magi, was exceedingly angry, and sent out, and killed all the male children who were in Bethlehem and in all the surrounding countryside, from two years old and under, according to the exact time which he had learned from the Magi. **17** Then that which was spoken by Jeremiah the prophet was fulfilled, saying, **18** "A voice was heard in Ramah, lamentation and weeping and great mourning, Rachel weeping for her children;

Matthew

1 A record of the genealogy of Yeshua the Messiah, the son of David, the son of Abraham. **2** Abraham was the father of Isaac, and Isaac the father of Jacob, and Jacob the father of Judah and his brothers, **3** and Judah was the father of Perez and Zerah by Tamar, and Perez was the father of Hezron, and Hezron the father of Ram, **4** and Ram the father of Amminadab, and Amminadab the father of Nahshon, and Nahshon the father of Salmon, **5** and Salmon the father of Boaz by Rahab, and Boaz was the father of Obed by Ruth, and Obed was the father of Jesse, **6** and Jesse the father of David the king. And David was the father of Solomon by her who had been the wife of Uriah; **7** and Solomon was the father of Rehoboam, and Rehoboam the father of Abijah, and Abijah the father of Asa; **8** and Asa the father of Jehoshaphat, and Jehoshaphat the father of Joram, and Joram the father of Uzziah, **9** and Uzziah the father of Jotham, and Jotham the father of Ahaz, and Ahaz the father of Hezekiah; **10** and Hezekiah the father of Manasseh, and Manasseh the father of Amon, and Amon the father of Josiah, **11** and Josiah the father of Jechoniah and his brothers, at the time of the exile to Babylon. **12** And after the exile to Babylon, Jechoniah was the father of Shealtiel, and Shealtiel the father of Zerubbabel, **13** and Zerubbabel the father of Abihud, and Abihud the father of Eliakim, and Eliakim the father of Azzur, **14** and Azzur the father of Zadok, and Zadok the father of Ahiam, and Ahiam the father of Elihud, **15** and Elihud the father of Eleazar, and Eleazar the father of Matthan, and Matthan the father of Jacob, **16** and Jacob the father of Joseph, the husband of Miriam, from whom was born Yeshua, who is called the Messiah. **17** So all the generations from Abraham to David are fourteen generations; and from David to the exile to Babylon fourteen generations; and from the exile to Babylon to the Messiah, fourteen generations. **18** Now the birth of Yeshua the Messiah happened like this. His mother Miriam had been engaged to Joseph, and before they came together, she was found to be with child from the Ruach ha-Kodesh. **19** And Joseph, her husband, being a righteous man, and not willing to make her a public example, intended to put her away secretly. **20** But when he thought about these things, look, an angel of the Lord appeared to him in a dream, saying, "Joseph, son of David, do not be afraid to take to yourself Miriam, your wife, for that which is conceived in her is of the Ruach ha-Kodesh. **21** And she will bring forth a son, and you are to name him Yeshua, for he will save his people from their sins." **22** Now all this has happened, that it might be fulfilled which was spoken by the Lord through the prophet, saying, **23** "Look, the virgin will conceive and bear a son, and they will call his name Immanuel;" which is translated, "God with us." **24** And Joseph arose from his sleep, and did as the angel of the Lord commanded him, and took his wife to himself; **25** and had no marital relations with her until she had brought forth a son; and he named him Yeshua.

2 Now when Yeshua was born in Bethlehem of Judea in the days of Herod the king, look, Magi from the east came to Jerusalem, saying, **2** "Where is he who is born King of the Jews? For we saw his star in the east, and have come to worship him." **3** And when King Herod heard it, he was troubled, and all Jerusalem with him. **4** And gathering together all the chief cohanim and scribes of the people, he asked them where the Messiah would be born. **5** And they said to him, "In Bethlehem of Judea, for thus it is written through the prophet, **6** 'And you, Bethlehem, land of Judah, are in no way least among the rulers of Judah; for out of you will come forth a ruler who will shepherd my people, Israel.'" **7** Then Herod secretly called the Magi, and learned from them exactly what time the star appeared. **8** And he sent them to Bethlehem, and said, "Go and search diligently for the young child, and when you have found him, bring me word, so that I also may come and worship him." **9** And they, having heard the king, went their way; and look, the star which they saw in the east went before them, until it came and stood over where the young child was. **10** And when they saw the star, they rejoiced with exceedingly great joy. **11** And they came into the house and saw the young child with Miriam, his mother, and they fell down and worshiped him. Then, opening their treasures, they offered to him gifts: gold, frankincense, and myrrh. **12** Being warned in a dream that they should not return to Herod, they went back to their own country another way. **13** Now when they had departed, look, an angel of the Lord appeared to Joseph in a dream, saying, "Herod will seek the young child to destroy him." **14** And he arose and took the young child and his mother by night, and departed into Egypt, **15** and was there until the death of Herod; that it might be fulfilled which was spoken by the Lord through the prophet, saying, "Out of Egypt I called my son." **16** Then Herod, when he saw that he was mocked by the Magi, was exceedingly angry, and sent out, and killed all the male children who were in Bethlehem and in all the surrounding countryside, from two years old and under, according to the exact time which he had learned from the Magi. **17** Then that which was spoken by Jeremiah the prophet was fulfilled, saying, **18** "A voice was heard in Ramah, lamentation and weeping and great mourning, Rachel weeping for her children; and she would not be comforted, because

Matthew

1 A record of the genealogy of Jesus Christ, the son of David, the son of Abraham. **2** Abraham was the father of Isaac, and Isaac the father of Jacob, and Jacob the father of Judah and his brothers, **3** and Judah was the father of Perez and Zerah by Tamar, and Perez was the father of Hezron, and Hezron the father of Ram, **4** and Ram the father of Amminadab, and Amminadab the father of Nahshon, and Nahshon the father of Salmon, **5** and Salmon the father of Boaz by Rahab, and Boaz was the father of Obed by Ruth, and Obed was the father of Jesse, **6** and Jesse the father of David the king. And David was the father of Solomon by her who had been the wife of Uriah; **7** and Solomon was the father of Rehoboam, and Rehoboam the father of Abijah, and Abijah the father of Asa; **8** and Asa the father of Jehoshaphat, and Jehoshaphat the father of Joram, and Joram the father of Uzziah, **9** and Uzziah the father of Jotham, and Jotham the father of Ahaz, and Ahaz the father of Hezekiah; **10** and Hezekiah the father of Manasseh, and Manasseh the father of Amon, and Amon the father of Josiah, **11** and Josiah the father of Jechoniah and his brothers, at the time of the exile to Babylon. **12** And after the exile to Babylon, Jechoniah was the father of Shealtiel, and Shealtiel the father of Zerubbabel, **13** and Zerubbabel the father of Abihud, and Abihud the father of Eliakim, and Eliakim the father of Azzur, **14** and Azzur the father of Zadok, and Zadok the father of Ahiam, and Ahiam the father of Elihud, **15** and Elihud the father of Eleazar, and Eleazar the father of Matthan, and Matthan the father of Jacob, **16** and Jacob the father of Joseph, the husband of Mary, from whom was born Jesus, who is called the Christ. **17** So all the generations from Abraham to David are fourteen generations; and from David to the exile to Babylon fourteen generations; and from the exile to Babylon to the Christ, fourteen generations. **18** Now the birth of Jesus Christ happened like this. His mother Mary had been engaged to Joseph, and before they came together, she was found to be with child from the Holy Spirit. **19** And Joseph, her husband, being a righteous man, and not willing to make her a public example, intended to put her away secretly. **20** But when he thought about these things, look, an angel of the Lord appeared to him in a dream, saying, "Joseph, son of David, do not be afraid to take to yourself Mary, your wife, for that which is conceived in her is of the Holy Spirit. **21** And she will bring forth a son, and you are to name him Jesus, for he will save his people from their sins." **22** Now all this has happened, that it might be fulfilled which was spoken by the Lord through the prophet, saying, **23** "Look, the virgin will conceive and bear a son, and they will call his name Immanuel;" which is translated, "God with us." **24** And Joseph arose from his sleep, and did as the angel of the Lord commanded him, and took his wife to himself; **25** and had no marital relations with her until she had brought forth a son; and he named him Jesus.

2 Now when Jesus was born in Bethlehem of Judea in the days of Herod the king, look, Magi from the east came to Jerusalem, saying, **2** "Where is he who is born King of the Jews? For we saw his star in the east, and have come to worship him." **3** And when King Herod heard it, he was troubled, and all Jerusalem with him. **4** And gathering together all the chief priests and scribes of the people, he asked them where the Christ would be born. **5** And they said to him, "In Bethlehem of Judea, for thus it is written through the prophet, **6** 'And you, Bethlehem, land of Judah, are in no way least among the rulers of Judah; for out of you will come forth a ruler who will shepherd my people, Israel.'" **7** Then Herod secretly called the Magi, and learned from them exactly what time the star appeared. **8** And he sent them to Bethlehem, and said, "Go and search diligently for the young child, and when you have found him, bring me word, so that I also may come and worship him." **9** And they, having heard the king, went their way; and look, the star which they saw in the east went before them, until it came and stood over where the young child was. **10** And when they saw the star, they rejoiced with exceedingly great joy. **11** And they came into the house and saw the young child with Mary, his mother, and they fell down and worshiped him. Then, opening their treasures, they offered to him gifts: gold, frankincense, and myrrh. **12** Being warned in a dream that they should not return to Herod, they went back to their own country another way. **13** Now when they had departed, look, an angel of the Lord appeared to Joseph in a dream, saying, "Arise and take the young child and his mother, and flee into Egypt, and stay there until I tell you, for Herod will seek the young child to destroy him." **14** And he arose and took the young child and his mother by night, and departed into Egypt, **15** and was there until the death of Herod; that it might be fulfilled which was spoken by the Lord through the prophet, saying, "Out of Egypt I called my son." **16** Then Herod, when he saw that he was mocked by the Magi, was exceedingly angry, and sent out, and killed all the male children who were in Bethlehem and in all the surrounding countryside, from two years old and under, according to the exact time which he had learned from the Magi. **17** Then that which was spoken by Jeremiah the prophet was fulfilled, saying, **18** "A voice was heard in Ramah, lamentation and weeping and great mourning, Rachel weeping for her children; and she would not be comforted, because

Matthew

1 A record of the genealogy of Jesus Christ, the son of David, the son of Abraham. **2** Abraham was the father of Isaac, and Isaac the father of Jacob, and Jacob the father of Judah and his brothers, **3** and Judah was the father of Perez and Zerah by Tamar, and Perez was the father of Hezron, and Hezron the father of Ram, **4** and Ram the father of Amminadab, and Amminadab the father of Nahshon, and Nahshon the father of Salmon, **5** and Salmon the father of Boaz by Rahab, and Boaz was the father of Obed by Ruth, and Obed was the father of Jesse, **6** and Jesse the father of David the king. And David was the father of Solomon by her who had been the wife of Uriah; **7** and Solomon was the father of Rehoboam, and Rehoboam the father of Abijah, and Abijah the father of Asa; **8** and Asa the father of Jehoshaphat, and Jehoshaphat the father of Joram, and Joram the father of Uzziah, **9** and Uzziah the father of Jotham, and Jotham the father of Ahaz, and Ahaz the father of Hezekiah; **10** and Hezekiah the father of Manasseh, and Manasseh the father of Amon, and Amon the father of Josiah, **11** and Josiah the father of Jechoniah and his brothers, at the time of the exile to Babylon. **12** And after the exile to Babylon, Jechoniah was the father of Shealtiel, and Shealtiel the father of Zerubbabel, **13** and Zerubbabel the father of Abihud, and Abihud the father of Eliakim, and Eliakim the father of Azzur, **14** and Azzur the father of Zadok, and Zadok the father of Ahiam, and Ahiam the father of Elihud, **15** and Elihud the father of Eleazar, and Eleazar the father of Matthan, and Matthan the father of Jacob, **16** and Jacob the father of Joseph, the husband of Mary, from whom was born Jesus, who is called the Christ. **17** So all the generations from Abraham to David are fourteen generations; and from David to the exile to Babylon fourteen generations; and from the exile to Babylon to the Christ, fourteen generations. **18** Now the birth of Jesus Christ happened like this. His mother Mary had been engaged to Joseph, and before they came together, she was found to be with child from the Holy Spirit. **19** And Joseph, her husband, being a righteous man, and not willing to make her a public example, intended to put her away secretly. **20** But when he thought about these things, look, an angel of the Lord appeared to him in a dream, saying, "Joseph, son of David, do not be afraid to take to yourself Mary, your wife, for that which is conceived in her is of the Holy Spirit. **21** And she will bring forth a son, and you are to name him Jesus, for he will save his people from their sins." **22** Now all this has happened, that it might be fulfilled which was spoken by the Lord through the prophet, saying, **23** "Look, the virgin will conceive and bear a son, and they will call his name Immanuel;" which is translated, "God with us." **24** And Joseph arose from his sleep, and did as the angel of the Lord commanded him, and took his wife to himself; **25** and had no marital relations with her until she had brought forth a son; and he named him Jesus.

2 Now when Jesus was born in Bethlehem of Judea in the days of Herod the king, look, Magi from the east came to Jerusalem, saying, **2** "Where is he who is born King of the Jews? For we saw his star in the east, and have come to worship him." **3** And when King Herod heard it, he was troubled, and all Jerusalem with him. **4** And gathering together all the chief priests and scribes of the people, he asked them where the Christ would be born. **5** And they said to him, "In Bethlehem of Judea, for thus it is written through the prophet, **6** 'And you, Bethlehem, land of Judah, are in no way least among the rulers of Judah; for out of you will come forth a ruler who will shepherd my people, Israel.'" **7** Then Herod secretly called the Magi, and learned from them exactly what time the star appeared. **8** And he sent them to Bethlehem, and said, "Go and search diligently for the young child, and when you have found him, bring me word, so that I also may come and worship him." **9** And they, having heard the king, went their way; and look, the star which they saw in the east went before them, until it came and stood over where the young child was. **10** And when they saw the star, they rejoiced with exceedingly great joy. **11** And they came into the house and saw the young child with Mary, his mother, and they fell down and worshiped him. Then, opening their treasures, they offered to him gifts: gold, frankincense, and myrrh. **12** Being warned in a dream that they should not return to Herod, they went back to their own country another way. **13** Now when they had departed, look, an angel of the Lord appeared to Joseph in a dream, saying, "Arise and take the young child and his mother, and flee into Egypt, and stay there until I tell you, for Herod will seek the young child to destroy him." **14** And he arose and took the young child and his mother by night, and departed into Egypt, **15** and was there until the death of Herod; that it might be fulfilled which was spoken by the Lord through the prophet, saying, "Out of Egypt I called my son." **16** Then Herod, when he saw that he was mocked by the Magi, was exceedingly angry, and sent out, and killed all the male children who were in Bethlehem and in all the surrounding countryside, from two years old and under, according to the exact time which he had learned from the Magi. **17** Then that which was spoken by Jeremiah the prophet was fulfilled, saying, **18** "A voice was heard in Ramah, lamentation and weeping and great mourning, Rachel weeping for her children; and she would not be comforted, because

Matthew

1 The genealogy of Jesus Christ, son of David, son of Abraham. **2** Abraham begat Isaac; and Isaac begat Jacob; and Jacob begat Judah and his brothers. **3** And Judah begat Pharez and Zarah, by Tamar. And Pharez begat Hezron; and Hezron begat Ram; **4** and Ram begat Amminadab; and Amminadab begat Nahshon; and Nahshon begat Salmon; **5** and Salmon begat Boaz by Rahab. And Boaz begat Obed by Ruth. And Obed begat Jesse; **6** and Jesse begat David the king. And David begat Solomon by the wife of Uriah. **7** And Solomon begat Rehoboam; and Rehoboam begat Abijah; and Abijah begat Asa; **8** and Asa begat Jehoshaphat; and Jehoshaphat begat Joram; and Joram begat Uzziah; **9** and Uzziah begat Jotham; and Jotham begat Ahaz; and Ahaz begat Hezekiah; **10** and Hezekiah begat Manasseh; and Manasseh begat Amon; and Amon begat Josiah; **11** and Josiah begat Jeconiah and his brothers, at the time of the removal to Babylon. **12** And after the removal to Babylon, Jeconiah begat Shealtiel; and Shealtiel begat Zerubbabel; **13** and Zerubbabel begat Abiud; and Abiud begat Eliakim; and Eliakim begat Azor; **14** and Azor begat Zadok; and Zadok begat Achim; and Achim begat Eliud; **15** and Eliud begat Eleazar; and Eleazar begat Matthan; and Matthan begat Jacob; **16** and Jacob begat Joseph the husband of Mary, of whom was born Jesus, who is called Christ. **17** So all the generations from Abraham to David are fourteen generations; and from David to the removal to Babylon are fourteen generations; and from the removal to Babylon unto Christ are fourteen generations. **18** Now the birth of Jesus Christ was in this manner. When his mother Mary had been betrothed to Joseph, before they came together, she was found to be with child by the Holy Spirit. **19** Then Joseph her husband, being righteous, and not willing to expose her to shame, purposed to put her away privately. **20** But while he thought on these things, lo! an angel of the Lord appeared to him in a dream, saying, Joseph, son of David, fear not to take to thee Mary thy wife; for that which is conceived in her is by the Holy Spirit. **21** And she will bear a son, and thou shalt call his name Jesus; for he will save his people from their sins. **22** Now all this took place, that it might be fulfilled which was spoken by the Lord through the prophet, saying, **23** "Behold, the virgin shall be with child, and shall bear a son, and they shall call his name Immanuel;" that is, when interpreted, God-is with-us. **24** Then Joseph, on waking up from sleep, did as the angel of the Lord had bidden him, and took to him his wife; **25** and he knew her not till she had brought forth a son: and he called his name Jesus.

2 Now when Jesus had been born in Bethlehem of Judaea, in the days of Herod the king, lo! there came magians from the East to Jerusalem, **2** saying, Where is the king of the Jews that hath been born? for we saw his star in the East, and came to do him homage. **3** But when Herod the king heard of these things, he was troubled, and all Jerusalem with him; **4** and assembling all the chief priests and scribes of the people, he inquired of them where the Christ was to be born. **5** And they said to him, In Bethlehem of Judaea; for thus it is written by the prophet: **6** "And thou Bethlehem, land of Judah, art by no means least among the princes of Judah; for out of thee shall come a ruler, who shall feed my people Israel." **7** Then Herod, having privately called the magians ascertained from them exactly the time when the star appeared. **8** And he sent them to Bethlehem, and said, Go and search carefully for the child; and when ye have found him, bring me word, that I also may go and do him homage. **9** When they had heard the king, they departed. And lo! the star, which they had seen in the East, went before them, till it came and stood over where the child was. **10** When they saw the star, they rejoiced with exceeding great joy; **11** and when they had come into the house, they saw the child with Mary his mother, and fell down, and did homage to him; and opening their treasures, they presented him gifts, gold and frankincense and myrrh. **12** And having been warned by God in a dream not to return to Herod, they went back to their own country another way. **13** And when they had gone, lo! an angel of the Lord appeareth to Joseph in a dream, saying, Arise, and take the child and his mother, and flee into Egypt, and remain there until I speak to thee; for Herod will seek the child, to destroy him. **14** And he arose, and took the child and his mother by night, and went to Egypt; **15** and was there until the death of Herod; that it might be fulfilled which was spoken by the Lord through the prophet, saying, "I called my son out of Egypt." **16** Then Herod, when he saw that he had been deceived by the magians, was greatly enraged; and sent forth, and slew all the male children that were in Bethlehem, and in all its borders, from two years old and under, according to the time which he had ascertained from the magians. **17** Then was fulfilled that which was spoken through Jeremiah the

Matthew

1 The book of the genealogy of Yeshua Messiah [Anointed one], the son of David [Beloved], the son of Abraham [Father of a multitude]. **2** Abraham [Father of a multitude] became the father of Isaac [Laughter]. Isaac [Laughter] became the father of Jacob [Supplanter]. Jacob [Supplanter] became the father of Judah [Praised] and his brothers. **3** Judah [Praised] became the father of Perez and Zerah by Tamar [Palm tree]. Perez became the father of Hezron. Hezron became the father of Ram. **4** Ram became the father of Amminadab. Amminadab became the father of Nahshon. Nahshon became the father of Salmon. **5** Salmon became the father of Boaz [In majesty, in strength] by Rahab. Boaz [In majesty, in strength] became the father of Obed by Ruth [Friend]. Obed became the father of Jesse [My husband]. **6** Jesse [My husband] became the father of King David [Beloved]. David [Beloved] became the father of Solomon [Peaceable, Recompense] by her who had been Uriah [My light Yah]'s wife. **7** Solomon [Peaceable, Recompense] became the father of Rehoboam. Rehoboam became the father of Abijah [My father Yah]. Abijah [My father Yah] became the father of Asa. **8** Asa became the father of Jehoshaphat. Jehoshaphat became the father of Joram. Joram became the father of Uzziah. **9** Uzziah became the father of Jotham. Jotham became the father of Ahaz. Ahaz became the father of Hezekiah. **10** Hezekiah became the father of Manasseh [Causing to forget]. Manasseh [Causing to forget] became the father of Amon. Amon became the father of Josiah. **11** Josiah became the father of Jechoniah and his brothers, at the time of the exile to Babylon [Confusion]. **12** After the exile to Babylon [Confusion], Jechoniah became the father of Shealtiel. Shealtiel became the father of Zerubbabel. **13** Zerubbabel became the father of Abiud. Abiud became the father of Eliakim. Eliakim became the father of Azor. **14** Azor became the father of Zadok. Zadok became the father of Achim. Achim became the father of Eliud. **15** Eliud became the father of Eleazar [Help of God]. Eleazar [Help of God] became the father of Matthan. Matthan became the father of Jacob [Supplanter]. **16** Jacob [Supplanter] became the father of Joseph [May he add], the husband of Mary [Rebellion], from whom was born Yeshua [Salvation], who is called Messiah [Anointed one]. **17** So all the generations from Abraham [Father of a multitude] to David [Beloved] are fourteen generations; from David [Beloved] to the exile to Babylon [Confusion] fourteen generations; and from the carrying away to Babylon [Confusion] to the Messiah [Anointed one], fourteen generations. **18** Now the birth of Yeshua Messiah [Salvation Anointed one] was like this; for after his mother, Mary [Rebellion], was engaged to Joseph [May he add], before they came together, she was found pregnant by Ruach haKodesh [Spirit, Breath of the Holiness]. **19** Joseph [May he add], her husband, being a upright man, and not willing to make her a public example, intended to divorce her secretly. **20** But when he thought about these things, behold, an angel of MarYah [Master Yahweh] appeared to him in a dream, saying, "Joseph [May he add], son of David [Beloved], don't be afraid to take to yourself Mary [Rebellion], your wife, for that which is conceived in her is of Ruach haKodesh [Spirit, Breath of the Holiness]. **21** She shall give birth to a son. You shall call his name Yeshua [Salvation], for it is he who shall save his people from their abstract sins ·miss the marks·." **22** Now all this has happened, that it might be fulfilled which was spoken by MarYah [Master Yahweh] through the prophet, saying, **23** "Behold, the virgin shall be with child, and shall give birth to a son. They shall call his name 'Immanu El [God is with us];" which is, being interpreted, "God with us." **24** Joseph [May he add] arose from his sleep, and did as the angel of MarYah [Master Yahweh] commanded him, and took his wife to himself; **25** and didn't know her sexually until she had given birth to her firstborn son. He named him Yeshua [Salvation].

2 Now when Yeshua [Salvation] was born in Bethlehem [House of Bread] of Judea [Praise] in the days of King Herod [Heroic], behold, Magi [Conjurer] (Persian King makers, Astrologers) from the east came to Jerusalem [City of peace], saying, **2** "Where is he who is born King of the Jews [Praisers]? For we saw his star in the east, and have come to worship him." **3** When King Herod [Heroic] heard it, he was troubled, and all Jerusalem [City of peace] with him. **4** Gathering together all the chief priests and Torah-Teachers of the people, he asked them where the Messiah [Anointed one] would be born. **5** They said to him, "In Bethlehem [House of Bread] of Judea [Praise], for this is written through the prophet, **6** 'You Bethlehem [House of Bread], land of Judah [Praised], are in no way least among the princes of Judah [Praised]: for out of you shall come a governor, who shall shepherd my people, Israel [God

Matthew

1 A genealogy of Jesus Christ, a descendant of
David and Abraham. **2** Abraham was the father
of Isaac, Isaac of Jacob, Jacob of Judah and his
brothers, **3** Judah of Perez and Zerah, whose mother
was Tamar, Perez of Hezron, Hezron of Aram, **4**
Aram of Aminadab, Aminadab of Nahshon, Nahshon
of Salmon, **5** Salmon of Boaz, whose mother was
Rahab, Boaz of Obed, whose mother was Ruth, Obed
of Jesse, **6** Jesse of David the King. David was the
father of Solomon, whose mother was Uriah's widow,
7 Solomon of Rehoboam, Rehoboam of Abijah, Abijah
of Asa, **8** Asa of Jehoshaphat, Jehoshaphat of Joram,
Joram of Uzziah, **9** Uzziah of Jotham, Jotham of
Ahaz, Ahaz of Hezekiah, **10** Hezekiah of Manasseh,
Manasseh of Amon, Amon of Josiah, **11** Josiah of
Jechoniah and his brothers, at the time of the Exile to
Babylon. **12** After the Exile to Babylon – Jechoniah
was the father of Salathiel, Salathiel of Zerubbabel,
13 Zerubbabel of Abiud, Abiud of Eliakim, Eliakim
of Azor, **14** Azor of Zadok, Zadok of Achim, Achim
of Eliud, **15** Eliud of Eleazar, Eleazar of Matthan,
Matthan of Jacob, **16** Jacob of Joseph, the husband
of Mary, who was the mother of Jesus, who is called
"Christ". **17** So the whole number of generations from
Abraham to David is fourteen; from David to the Exile
to Babylon fourteen; and from the Exile to Babylon to
the Christ fourteen. **18** This is how Jesus Christ was
born: His mother Mary was engaged to Joseph, but,
before the marriage took place, she found herself
to be pregnant by the power of the Holy Spirit. **19**
Her husband, Joseph, was a just man and, since he
did not want to disgrace her publicly, he resolved
to put an end to their engagement privately. **20** He
had been thinking this over, when an angel of the
Lord appeared to him in a dream. 'Joseph, son of
David,' the angel said, 'do not be afraid to take Mary
for your wife, for her child has been conceived by the
power of the Holy Spirit. **21** She will give birth to a
son; name him Jesus, for he will save his people from
their sins.' **22** All this happened in fulfilment of these
words of the Lord through the prophet, where he says
– **23** "The virgin will conceive and will give birth to a
son, and they will give him the name Immanuel" – a
word which means "God is with us." **24** When Joseph
woke up, he did as the angel of the Lord had directed
him. **25** He made Mary his wife, but they did not sleep
together before the birth of her son; and to this son
he gave the name Jesus.

2 After the birth of Jesus at Bethlehem in Judea,
in the reign of King Herod, some astrologers from
the East arrived in Jerusalem, asking, **2** 'Where is the
newborn king of the Jews? For we saw his star in
the east, and have come to worship him.' **3** When
King Herod heard of this, he was much troubled,
and so too was all Jerusalem. **4** He called together
all the chief priests and teachers of the Law in the
nation, and questioned them as to where the Christ
was to be born. **5** 'At Bethlehem in Judea,' was their
answer, 'for it is said in the prophet – **6** "And you,
Bethlehem in Judah's land, are in no way least among
the chief cities of Judah, for out of you will come a
ruler – who will shepherd my people Israel."' **7** Then
Herod secretly sent for the astrologers. He found out
from them the time of the appearance of the star. **8**
Sending them to Bethlehem he said, 'Go and make a
careful search for the child. When you have found
him, bring word back to me, so that I, too, can go and
worship him.' **9** The astrologers heard what the king
had to say, and then continued their journey. The star
which they had seen in the east led them on, until it
reached and stood over the place where the child
was. **10** At the sight of the star they were filled with
joy. **11** Entering the house, they saw the child with
his mother, Mary, and fell at his feet and worshipped
him. Then they opened their treasure chests, and
offered to the child presents of gold, frankincense,
and myrrh. **12** But afterwards, having been warned
in a dream not to go back to Herod, they returned
to their own country by another road. **13** After they
had left, an angel of the Lord appeared to Joseph in
a dream, and said, 'Get up, take the child and his
mother, and seek refuge in Egypt; and stay there
until I tell you to return, for Herod is about to search
for the child, to put him to death.' **14** Joseph woke
up, and taking the child and his mother by night,
went into Egypt, **15** and there he stayed until Herod's
death. This was in fulfilment of these words of the
Lord in the prophet, where he says – "Out of Egypt I
called my Son." **16** When Herod found out that the
astrologers had tricked him, he flew into a rage. He
sent and put to death all the boys in Bethlehem and
the whole of that region, who were two years old or
under, guided by the time which he had learned from
the astrologers. **17** Then were fulfilled these words
spoken in the prophet Jeremiah, where he says – **18**
"A voice was heard in Ramah, weeping and mourning
loudly; Rachel, weeping for her children, refusing all
comfort for they were dead." **19** But, on the death of
Herod, an angel of the Lord appeared in a dream to

Matthew

1 A genealogy of Jesus Christ, a descendant of David and Abraham. **2** Abraham was the father of Isaac, Isaac of Jacob, Jacob of Judah and his brothers, **3** Judah of Perez and Zerah, whose mother was Tamar, Perez of Hezron, Hezron of Aram, **4** Aram of Aminadab, Aminadab of Nahshon, Nahshon of Salmon, **5** Salmon of Boaz, whose mother was Rahab, Boaz of Obed, whose mother was Ruth, Obed of Jesse, **6** Jesse of David the King. David was the father of Solomon, whose mother was Uriah's widow, **7** Solomon of Rehoboam, Rehoboam of Abijah, Abijah of Asa, **8** Asa of Jehoshaphat, Jehoshaphat of Joram, Joram of Uzziah, **9** Uzziah of Jotham, Jotham of Ahaz, Ahaz of Hezekiah, **10** Hezekiah of Manasseh, Manasseh of Amon, Amon of Josiah, **11** Josiah of Jechoniah and his brothers, at the time of the Exile to Babylon. **12** After the Exile to Babylon – Jechoniah was the father of Salathiel, Salathiel of Zerubbabel, **13** Zerubbabel of Abiud, Abiud of Eliakim, Eliakim of Azor, **14** Azor of Zadok, Zadok of Achim, Achim of Eliud, **15** Eliud of Eleazar, Eleazar of Matthan, Matthan of Jacob, **16** Jacob of Joseph, the husband of Mary, who was the mother of Jesus, who is called 'Christ'. **17** So the whole number of generations from Abraham to David is fourteen; from David to the Exile to Babylon fourteen; and from the Exile to Babylon to the Christ fourteen. **18** This is how Jesus Christ was born: His mother Mary was engaged to Joseph, but, before the marriage took place, she found herself to be pregnant by the power of the Holy Spirit. **19** Her husband, Joseph, was a just man and, since he did not want to disgrace her publicly, he resolved to put an end to their engagement privately. **20** He had been thinking this over, when an angel of the Lord appeared to him in a dream. "Joseph, son of David," the angel said, "do not be afraid to take Mary for your wife, for her child has been conceived by the power of the Holy Spirit. **21** She will give birth to a son; name him Jesus, for he will save his people from their sins." **22** All this happened in fulfillment of these words of the Lord through the prophet, where he says – **23** 'The virgin will conceive and will give birth to a son, and they will give him the name Immanuel' – a word which means 'God is with us.' **24** When Joseph woke up, he did as the angel of the Lord had directed him. **25** He made Mary his wife, but they did not sleep together before the birth of her son; and to this son he gave the name Jesus.

2 After the birth of Jesus at Bethlehem in Judea, in the reign of King Herod, some astrologers from the East arrived in Jerusalem, asking, **2** "Where is the newborn king of the Jews? For we saw his star in the east, and have come to worship him." **3** When King Herod heard of this, he was much troubled, and so too was all Jerusalem. **4** He called together all the chief priests and teachers of the Law in the nation, and questioned them as to where the Christ was to be born. **5** "At Bethlehem in Judea," was their answer, "for it is said in the prophet – **6** 'And you, Bethlehem in Judah's land, are in no way least among the chief cities of Judah, for out of you will come a ruler – who will shepherd my people Israel.'" **7** Then Herod secretly sent for the astrologers. He found out from them the time of the appearance of the star. **8** Sending them to Bethlehem he said, "Go and make a careful search for the child. When you have found him, bring word back to me, so that I, too, can go and worship him." **9** The astrologers heard what the king had to say, and then continued their journey. The star which they had seen in the east led them on, until it reached and stood over the place where the child was. **10** At the sight of the star they were filled with joy. **11** Entering the house, they saw the child with his mother, Mary, and fell at his feet and worshiped him. Then they opened their treasure chests, and offered to the child presents of gold, frankincense, and myrrh. **12** But afterward, having been warned in a dream not to go back to Herod, they returned to their own country by another road. **13** After they had left, an angel of the Lord appeared to Joseph in a dream, and said, "Get up, take the child and his mother, and seek refuge in Egypt; and stay there until I tell you to return, for Herod is about to search for the child, to put him to death." **14** Joseph woke up, and taking the child and his mother by night, went into Egypt, **15** and there he stayed until Herod's death. This was in fulfillment of these words of the Lord in the prophet, where he says – 'Out of Egypt I called my Son.' **16** When Herod found out that the astrologers had tricked him, he flew into a rage. He sent and put to death all the boys in Bethlehem and the whole of that region, who were two years old or under, guided by the time which he had learned from the astrologers. **17** Then were fulfilled these words spoken in the prophet Jeremiah, where he says – **18** 'A voice was heard in Ramah, weeping and mourning loudly; Rachel, weeping for her children, refusing all comfort for they were dead.' **19** But, on the death of Herod, an angel of the Lord appeared in

Matthew

1 The book of the generation of Jesus Christ, the son of David, the son of Abraham. **2** Abraham begat Isaac; and Isaac begat Jacob; and Jacob begat Judah and his brethren; **3** and Judah begat Perez and Zerah of Tamar; and Perez begat Hezron; and Hezron begat Ram; **4** and Ram begat Amminadab; and Amminadab begat Nahshon; and Nahshon begat Salmon; **5** and Salmon begat Boaz of Rahab; and Boaz begat Obed of Ruth; and Obed begat Jesse; **6** and Jesse begat David the king. And David begat Solomon of her [that had been the wife] of Uriah; **7** and Solomon begat Rehoboam; and Rehoboam begat Abijah; and Abijah begat Asa; **8** and Asa begat Jehoshaphat; and Jehoshaphat begat Joram; and Joram begat Uzziah; **9** and Uzziah begat Jotham; and Jotham begat Ahaz; and Ahaz begat Hezekiah; **10** and Hezekiah begat Manasseh; and Manasseh begat Amon; and Amon begat Josiah; **11** and Josiah begat Jechoniah and his brethren, at the time of the carrying away to Babylon. **12** And after the carrying away to Babylon, Jechoniah begat Shealtiel; and Shealtiel begat Zerubbabel; **13** and Zerubbabel begat Abiud; and Abiud begat Eliakim; and Eliakim begat Azor; **14** and Azor begat Sadoc; and Sadoc begat Achim; and Achim begat Eliud; **15** and Eliud begat Eleazar; and Eleazar begat Matthan; and Matthan begat Jacob; **16** and Jacob begat Joseph the husband of Mary, of whom was born Jesus, who is called Christ. **17** So all the generations from Abraham unto David are fourteen generations; and from David unto the carrying away to Babylon fourteen generations; and from the carrying away to Babylon unto the Christ fourteen generations. **18** Now the birth of Jesus Christ was on this wise: When his mother Mary had been betrothed to Joseph, before they came together she was found with child of the Holy Ghost. **19** And Joseph her husband, being a righteous man, and not willing to make her a public example, was minded to put her away privily. **20** But when he thought on these things, behold, an angel of the Lord appeared unto him in a dream, saying, Joseph, thou son of David, fear not to take unto thee Mary thy wife: for that which is conceived in her is of the Holy Ghost. **21** And she shall bring forth a son; and thou shalt call his name JESUS; for it is he that shall save his people from their sins. **22** Now all this is come to pass, that it might be fulfilled which was spoken by the Lord through the prophet, saying, **23** Behold, the virgin shall be with child, and shall bring forth a son, And they shall call his name Immanuel; which is, being interpreted, God with us. **24** And Joseph arose from his sleep, and did as the angel of the Lord commanded him, and took unto him his wife; **25** and knew her not till she had brought forth a son: and he called his name JESUS.

2 Now when Jesus was born in Bethlehem of Judaea in the days of Herod the king, behold, wise men from the east came to Jerusalem, **2** saying, Where is he that is born King of the Jews? for we saw his star in the east, and are come to worship him. **3** And when Herod the king heard it, he was troubled, and all Jerusalem with him. **4** And gathering together all the chief priests and scribes of the people, he inquired of them where the Christ should be born. **5** And they said unto him, In Bethlehem of Judaea: for thus it is written by the prophet, **6** And thou Bethlehem, land of Judah, Art in no wise least among the princes of Judah: For out of thee shall come forth a governor, Which shall be shepherd of my people Israel. **7** Then Herod privily called the wise men, and learned of them carefully what time the star appeared. **8** And he sent them to Bethlehem, and said, Go and search out carefully concerning the young child; and when ye have found [him], bring me word, that I also may come and worship him. **9** And they, having heard the king, went their way; and lo, the star, which they saw in the east, went before them, till it came and stood over where the young child was. **10** And when they saw the star, they rejoiced with exceeding great joy. **11** And they came into the house and saw the young child with Mary his mother; and they fell down and worshipped him; and opening their treasures they offered unto him gifts, gold and frankincense and myrrh. **12** And being warned [of God] in a dream that they should not return to Herod, they departed into their own country another way. **13** Now when they were departed, behold, an angel of the Lord appeareth to Joseph in a dream, saying, Arise and take the young child and his mother, and flee into Egypt, and be thou there until I tell thee: for Herod will seek the young child to destroy him. **14** And he arose and took the young child and his mother by night, and departed into Egypt; **15** and was there until the death of Herod: that it might be fulfilled which was spoken by the Lord through the prophet, saying, Out of Egypt did I call my son. **16** Then Herod, when he saw that he was mocked of the wise men, was exceeding wroth, and sent forth, and slew all the male children that were in Bethlehem, and in all the borders thereof, from two years old and under, according to the time which he had carefully learned of the wise men. **17** Then was fulfilled that which was spoken by Jeremiah the prophet, saying, **18** A voice was heard in Ramah, Weeping and great mourning, Rachel weeping for her children; And she would not be comforted, because they are not. **19** But when Herod was dead, behold, an angel of the Lord appeareth in a dream to Joseph in Egypt, **20** saying, Arise and take the young child and his mother, and go into the land of Israel: for they are dead that sought the young child's life. **21** And he arose and took the young child and his mother, and came into the land of Israel. **22** But when he

Matthew

1 The Lineage Roll of Jesus Christ, —Son of David, Son of Abraham. **2** Abraham begat Isaac, and Isaac begat Jacob, and Jacob, begat Judah and his brethren; **3** And Judah begat Perez and Zarah of Tamah, and Perez begat Hezron, and Hezron begat Ram; **4** And Ram begat Amminadab, and Amminadab begat Nashon, and Nashon begat Salmon; **5** And Salmon begat Boaz of Rahab, and Boaz begat Obed of Ruth, and Obed begat Jesse; **6** And Jesse begat David the King. And David begat Solomon of her [that had been the wife] of Uriah; **7** And Solomon begat Rehoboam, and Rehoboam begat Abijah, and Abijah begat Asa; **8** And Asa begat Jehoshaphat, and Jehoshaphat begat Joram, and Joram begat Uzziah; **9** And Uzziah begat Jotham, and Jotham begat Ahaz, and Ahaz begat Hezekiah: **10** And Hezekiah begat Manasseh, and Manasseh begat Amon, and Amon begat Josiah; **11** And Josiah begat Jechoniah, and his brethren, —upon the removal to Babylon. **12** And, after the removal to Babylon, Jechoniah begat Shealtiel, and Shealtiel begat Zerubbabel; **13** And Zerubbabel begat Abiud, and Abiud begat Eliakim, and Eliakim begat Azor; **14** And Azor begat Sadoc, and Sadoc begat Achim, and Achim begat Eliud; **15** And Eliud begat Eleazar, and Eleazar begat Matthan, and Matthan begat Jacob; — **16** And Jacob begat Joseph, the husband of Mary, of whom was born Jesus, —who is called Christ. **17** So then, all the generations from Abraham unto David, are, fourteen, generations, and, from David unto the removal to Babylon, fourteen, generations; and, from the removal to Babylon unto the Christ, fourteen, generations. **18** Now the birth, of [Jesus] Christ, was, thus: His mother Mary having been betrothed to Joseph, —before they came together, she was found with child by [the] Holy Spirit. **19** Moreover, Joseph her husband, being, righteous, and yet unwilling to expose her, —intended, privately, to divorce her. **20** But, when, these things, he had pondered, lo! a messenger of the Lord, by dream, appeared to him, saying, —Joseph, son of David! do not fear to take unto thee Mary thy wife, for, that which, in her, hath been begotten, is of [the], Holy, Spirit. **21** Moreover she shall bring forth a son, and thou shalt call his name Jesus, —for, he, will save his people from their sins. **22** But, all this, hath come to pass, that it might be fulfilled which was spoken by the Lord, through the prophet, saying: **23** Lo! a Virgin, shall be with child, and shall bring forth a son, —and they shall call his name Emmanuel; which is, being translated, God with us. **24** And Joseph, awaking, from his sleep, did as the messenger of the Lord directed him, —and took unto him his wife; **25** and knew her not, until she had brought forth a son, —and he called his name Jesus.

2 Now, when, Jesus, was born in Bethlehem of Judaea, in the days of Herod the king, lo! wise men from eastern parts, came into Jerusalem: **2** saying—Where is he that hath been born king of the Jews? for we saw his star in the east, and have come to bow down to him. **3** But, when King Herod heard, he was troubled, and all Jerusalem with him; **4** and, assembling all the high-priests and scribes of the people, he was enquiring of them—Where is, the Christ, to be born? **5** And, they, said to him, In Bethlehem of Judaea, —for, so, is it written through the prophet: **6** And, thou, Bethlehem, land of Judah, by no means least, art thou, among the governors of Judah, —For, out of thee, shall one come forth to govern, Who shall shepherd my people Israel. **7** Then Herod, privately, calling the wise men, ascertained from them the time of the appearing star; **8** and sending them to Bethlehem, said—Go search out accurately concerning the child, —and, as soon as ye find it, bring report unto me, that, I also, may come and bow myself down to it. **9** Now, they, hearing the king, went, and lo! the star which they had seen in the east, was going before them, until it went and stood over where the child was; **10** and, seeing the star, they rejoiced with exceeding great joy; **11** and, coming into the house, they saw the child, with Mary its mother, —and, falling down, prostrated themselves unto it, and, opening their treasures, offered unto it gifts—gold and frankincense and myrrh; **12** and, being instructed by dream, not to return unto Herod, by another way, retired they unto their own country. **13** Now, when they had retired, lo! a messenger of the Lord, appeareth by dream unto Joseph, saying, Arise, take unto thee the child and its mother, and flee into Egypt, and be there, until I tell thee, —for Herod is about to seek the child, to destroy it. **14** And, he, arising, took unto him the child and its mother, by night, and retired into Egypt; **15** and was there, until the death of Herod, —that it might be fulfilled which was spoken by the Lord through the prophet, saying, Out of Egypt, called I my son. **16** Then Herod, seeing that he had been mocked by the wise men, was exceedingly enraged, —and sent and slew all the male children that were in Bethlehem, and in all its bounds, from two years old and under, according to the time which he had ascertained from the wise men. **17** Then was fulfilled, that which was spoken through Jeremiah the prophet, saying: **18** A voice, in Ramah, was heard, weeping and great mourning, —Rachel weeping for her children, and would not be comforted, —because they are not. **19** But, when Herod was, dead, lo! a messenger of the Lord, appeareth by dream unto Joseph in Egypt; **20** saying—Arise! and take unto thee the child and its mother, and be journeying into the land of Israel, —for they are dead, who were seeking the life of the child. **21** And, he, arising, took unto him the child and its mother, and entered into the land of Israel. **22** Hearing, however, that, Archelaus, was reigning over Judaea instead of his father Herod, he was afraid, thither, to go, —and so, being instructed by dream, he retired into the parts of Galilee; **23** and came and fixed his dwelling in a city called Nazareth, —that it might be fulfilled which was spoken through the prophets—A Nazarene, shall he be called.

Matthew

1 [The] book of [the] genealogy of Jesus Christ son of David son of Abraham. **2** Abraham begat Isaac; Isaac then begat Jacob; Jacob then begat Judah and the brothers of him; **3** Judah then begat Perez and Zerah out of Tamar; Perez then begat Hezron; Hezron then begat Ram; **4** Ram then begat Amminadab; Amminadab then begat Nahshon; Nahshon then begat Salmon; **5** Salmon then begat Boaz out of Rahab; Boaz then begat Obed out of Ruth; Obed then begat Jesse; **6** Jesse then begat David the king; David then (the king *k*) begat Solomon out of the [wife] of Uriah; **7** Solomon then begat Rehoboam; Rehoboam then begat Abijah; Abijah then begat Asaph; **8** Asaph then begat Jehoshaphat; Jehoshaphat then begat Joram; Joram then begat Uzziah; **9** Uzziah then begat Jotham; Jotham then begat Ahaz; Ahaz then begat Hezekiah; **10** Hezekiah then begat Manasseh; Manasseh then begat (Amos; Amos *N(k)O*) then begat Josiah; **11** Josiah then begat Jeconiah and the brothers of him at [the time] of the carrying away to Babylon. **12** After then the carrying away to Babylon Jeconiah begat Shealtiel; Shealtiel then begat Zerubbabel; **13** Zerubbabel then begat Abiud; Abiud then begat Eliakim; Eliakim then begat Azor; **14** Azor then begat Zadok; Zadok then begat Achim; Achim then begat Eliud; **15** Eliud then begat Eleazar; Eleazar then begat Matthan; Matthan then begat Jacob; **16** Jacob then begat Joseph the husband of Mary out of whom was born Jesus who is being named Christ. **17** All therefore the generations from Abraham to David [were] generations fourteen and from David until the carrying away to Babylon generations fourteen and from the carrying away to Babylon until the Christ generations fourteen. **18** Now of Jesus Christ the (origin *N(k)O*) thus was happening: At the pledging (for *k*) of the mother of Him Mary to Joseph, before than to come together by them she was found in womb [pregnancy] having out of [the] Spirit Holy. **19** Joseph now the husband of her, righteous being and not willing her (to disgrace, *N(k)O*) he purposed secretly to send away her. **20** These things now when he was pondering behold an angel of [the] Lord in a dream appeared to him saying; Joseph son of David, not may you fear to receive Mary [as] the wife of you; that for in her having been conceived from [the] Spirit [which] is Holy. **21** She will bear then a son, and you will call the name of Him Jesus; He himself for will save the people of Him from the sins of them. **22** This then all has come to pass that may be fulfilled that [which] having been spoken by (the *k*) Lord through the prophet saying; **23** Behold the virgin in womb [pregnancy] will have and she will bear a son, and they will call the name of Him Immanuel, which is being translated; With us God. **24** (Having been awoken *N(k)O*) then Joseph from the sleep he did as he commanded him the angel of [the] Lord; and received the wife of him **25** and not he was knowing her until that she had brought forth (the *k*) a son (of her firstborn, *K*) and (s)he called the name of Him Jesus.

2 Now Jesus having been born in Bethlehem of Judea in [the] days of Herod the king behold Magi from [the] east arrived in Jerusalem **2** saying; Where is the [One] having been born King of the Jews? We saw for His star in the east and are come to worship Him. **3** Having heard then King Herod he was troubled and all Jerusalem with him, **4** And having gathered together all the chief priests and scribes of the people he was inquiring of them where the Christ is born. **5** And they said to him; In Bethlehem of Judea. thus for it has been written through the prophet: **6** And you yourself Bethlehem land of Judah, by no means least are among the rulers of Judah; out of you for will go forth [One] leading who will shepherd the people of Mine Israel.' **7** Then Herod secretly having called the Magi inquired exactly of them the time of the appearing star, **8** And having sent them to Bethlehem he said; Having gone do search carefully for the Child. when then You may have found [Him], do bring word back to me so that I myself also I myself also having come may worship Him. **9** And having heard the king they went away. and behold the star which they saw in the east was going before them until having arrived (it was stood *N(k)O*) over where was the Child. **10** Having seen now the star they rejoiced [with] joy great exceedingly, **11** And having come into the house (they saw *NK(o)*) the Child with Mary the mother of Him, and having fallen down they worshiped Him, and having opened the treasures of them they offered to Him gifts, gold and frankincense and myrrh. **12** And having been divinely warned in a dream not to return to Herod, through another route they withdrew into the country of them. **13** When were withdrawing then they behold an angel of [the] Lord appears in a dream to Joseph saying; Having arisen do take the Child and the mother of Him and do flee into Egypt and do remain there until when I may tell you; is about for Herod is to seek the Child to destroy Him. **14** And having arisen he took the Child and the mother of Him by night and withdrew into Egypt, **15** and he was remaining there until the death of Herod, so that it may be fulfilled that having been spoken by (the *k*) Lord through the prophet saying; Out of Egypt I called the Son of mine. **16** Then Herod having seen that he had been outwitted by the Magi was enraged intensely, and having sent forth he executed all the boys that [were] in Bethlehem and in all the vicinity of it from two years old and under according to the time which he had ascertained from the Magi. **17** Then was fulfilled that having been spoken (through *N(k)O*) Jeremiah the prophet saying; **18** A voice in Ramah was heard, (lamentation and *K*) weeping and mourning great, Rachel weeping [for] the children of her, and not was willing to be comforted because no more they are. **19** When was dying now Herod behold an angel of [the] Lord appears in a dream to Joseph in Egypt **20** saying; Having arisen do take the Child and the mother of Him and do go into [the] land of Israel; they have died for those seeking the life of the Child. **21** And having arisen he took the Child and the mother of Him and (entered *N(k)O*) into [the] land of

Matthew

1 book origin Jesus Christ son David son Abraham **2** Abraham to beget the/this/who Isaac Isaac then to beget the/this/who Jacob Jacob then to beget the/this/who Judah and the/this/who brother it/s/he **3** Judah then to beget the/this/who Perez and the/this/who Zerah out from the/this/who Tamar Perez then to beget the/this/who Hezron Hezron then to beget the/this/who Ram **4** Ram then to beget the/this/who Amminadab Amminadab then to beget the/this/who Nahshon Nahshon then to beget the/this/who Salmon **5** Salmon then to beget the/this/who Boaz out from the/this/who Rahab Boaz then to beget the/this/who Obed out from the/this/who Ruth Obed then to beget the/this/who Jesse **6** Jesse then to beget the/this/who David the/this/who king David then (the/this/who king *k*) to beget the/this/who Solomon out from the/this/who the/this/who Uriah **7** Solomon then to beget the/this/who Rehoboam Rehoboam then to beget the/this/who Abijah Abijah then to beget the/this/who Asaph **8** Asaph then to beget the/this/who Jehoshaphat Jehoshaphat then to beget the/this/who Joram Joram then to beget the/this/who Uzziah **9** Uzziah then to beget the/this/who Jotham Jotham then to beget the/this/who Ahaz Ahaz then to beget the/this/who Hezekiah **10** Hezekiah then to beget the/this/who Manasseh Manasseh then to beget the/this/who (Amos Amos *N(k)O*) then to beget the/this/who Josiah **11** Josiah then to beget the/this/who Jechoniah and the/this/who brother it/s/he upon/to/against the/this/who deportation Babylon **12** with/after then the/this/who deportation Babylon Jechoniah to beget the/this/who Shealtiel Shealtiel then to beget the/this/who Zerubbabel **13** Zerubbabel then to beget the/this/who Abiud Abiud then to beget the/this/who Eliakim Eliakim then to beget the/this/who Azor **14** Azor then to beget the/this/who Zadok Zadok then to beget the/this/who Achim Achim then to beget the/this/who Eliud **15** Eliud then to beget the/this/who Eleazar Eleazar then to beget the/this/who Matthan Matthan then to beget the/this/who Jacob **16** Jacob then to beget the/this/who Joseph the/this/who man: husband Mary out from which to beget Jesus the/this/who to say: call Christ **17** all therefore/then the/this/who generation away from Abraham until David generation fourteen and away from David until the/this/who deportation Babylon generation fourteen and away from the/this/who deportation Babylon until the/this/who Christ generation fourteen **18** the/this/who then Jesus Christ the/this/who (origin *N(k)O*) thus(-ly) to be to betroth (for *k*) the/this/who mother it/s/he Mary the/this/who Joseph before or to assemble it/s/he to find/meet in/on/among belly to have/be out from spirit/breath: spirit holy **19** Joseph then the/this/who man: husband it/s/he just to be and not to will/desire it/s/he (to disgrace *N(k)O*) to plan quietly to release: divorce it/s/he **20** this/he/she/it then it/s/he to reflect on look! angel lord: God according to dream to shine/appear it/s/he to say Joseph son David not to fear to take Mary the/this/who woman: wife you the/this/who for in/on/among it/s/he to beget out from spirit/breath: spirit to be holy **21** to give birth to then son and to call: call the/this/who name it/s/he Jesus it/s/he for to save the/this/who a people it/s/he away from the/this/who sin it/s/he **22** this/he/she/it then all to be in order that/to to fulfill the/this/who to say by/under: by (the/this/who *k*) lord: God through/because of the/this/who prophet to say **23** look! the/this/who virgin in/on/among belly to have/be and to give birth to son and to call: call the/this/who name it/s/he Immanuel which to be to mean with/after me the/this/who God **24** (to arise *N(k)O*) then the/this/who Joseph away from the/this/who sleep to do/make: do as/when to order it/s/he the/this/who angel lord: God and to take the/this/who woman: wife it/s/he **25** and no to know it/s/he until which to give birth to (the/this/who *k*) son (it/s/he the/this/who firstborn *K*) and to call: call the/this/who name it/s/he Jesus

2 the/this/who then Jesus to beget in/on/among Bethlehem the/this/who Judea in/on/among day Herod the/this/who king look! sage away from east to come toward Jerusalem **2** to say where? to be the/this/who to give birth to king the/this/who Jew to perceive: see for it/s/he the/this/who star in/on/among the/this/who east and to come/go to worship it/s/he **3** to hear then the/this/who king Herod to trouble and all Jerusalem with/after it/s/he **4** and to assemble all the/this/who high-priest and scribe the/this/who a people to inquire from/with/beside it/s/he where? the/this/who Christ to beget **5** the/this/who then to say it/s/he in/on/among Bethlehem the/this/who Judea thus(-ly) for to write through/because of the/this/who prophet **6** and you Bethlehem earth: country Judah by no means least to be in/on/among the/this/who ruler Judah out from you for to go out to govern who/which to shepherd the/this/who a people me the/this/who Israel **7** then Herod quietly to call: call the/this/who sage be exactly from/with/beside it/s/he the/this/who time the/this/who to shine/appear star **8** and to send it/s/he toward Bethlehem to say to travel to find out exactly about the/this/who child when/as soon as then to find/meet to announce me that I/we and to come/go to worship it/s/he **9** the/this/who then to hear the/this/who king to travel and look! the/this/who star which to perceive: see in/on/among the/this/who east to go/bring before it/s/he until to come/go (to stand *N(k)O*) above whither to be the/this/who child **10** to perceive: see then the/this/who star to rejoice joy great very **11** and to come/go toward the/this/who home (to perceive: see *NK(o)*) the/this/who child with/after Mary the/this/who mother it/s/he and to collapse to worship it/s/he and to open the/this/who treasure it/s/he to bring to it/s/he gift gold and frankincense and myrrh **12** and to announce according to dream not to return to/with Herod through/because of another road to leave toward the/this/who country it/s/he **13** to leave then it/s/he look! angel lord: God to shine/appear according to dream the/this/who Joseph to say to arise to take the/this/who child and the/this/who mother it/s/he and to flee toward Egypt and to be there until if to say you to ensue for Herod to seek the/this/who child the/this/who to destroy it/s/he **14** the/this/who then to arise to take the/this/who child and the/this/who mother it/s/he night and to leave toward Egypt **15** and to be there until the/this/who death Herod in order that/to to fulfill the/this/who to say by/under: by (the/this/who *k*) lord: God through/because of the/this/who

Matthew

1 THE RECORD of the generation of Jeshu the Meshicha, the son of David, son of Abraham. **2** Abraham begat Ishok, Ishok begat Jakub, Jakub begat Jehuda and his brethren, **3** Jehuda begat Pharets and Zoroch from Thomar. Pharets begat Hetsron, Hetsron begat Arom, **4** Arom begat Aminodob, Aminodob begat Nachshun, Nachshun begat Salmun, **5** Salmun begat Booz from Rochab, Booz begat Ubid from Ruth, Ubid begat Ishai, **6** Ishai begat David the king; David begat Shelemun from the wife of Uria; **7** Shelemun begat Rehebaam, Rehebaam begat Abia, Abia begat Asa, **8** Asa begat Johushaphat, Johushaphat begat Jurom, Jurom begat Uzia, **9** Uzia begat Juthom, Juthom begat Ahaz, Ahaz begat Hezakia, **10** Hezakia begat Menasha, Menasha begat Amun, Amun begat Jushia, **11** Jushia begat Jukania and his brethren at the exile of Bobel. **12** And after the exile of Bobel Jukania begat Shalathiel, Shalathiel begat Zurbobel, **13** Zurbobel begat Abiud, Abiud begat Aliakim, Aliakim begat Ozur, **14** Ozur begat Zoduk, Zoduk begat Akin, Akin begat Aliud, **15** Aliud begat Aliozar, Aliozar begat Mathan, Mathan begat Jakub, **16** Jakub begat Jauseph, husband of Mariam, of whom was born JESHU who is called the Meshicha. **17** Thus all the generations from Abraham to David (were) fourteen generations; and from David to the exile of Bobel, fourteen generations; and from the exile of Bobel to the Meshicha, fourteen generations. **18** NOW the nativity of Jeshu the Meshicha was thus: While Mariam his mother was betrothed to Jauseph, before they could be consociated, she was found to be with child from the Spirit of Holiness. **19** But Jauseph her husband was just, and, not willing to defame her, meditated privately to release her. **20** But while (on) these (things) he reflected, an angel of the Lord appeared to him in a dream, and said to him, Jauseph, son of David, fear not to take Mariam thy wife; for that which is conceived in her is from the Spirit of Holiness. **21** She shall give birth to a son, and thou shalt call his name JESHU; for he shall save his people from their sins. **22** Now all this was done, that what was spoken from the Lord by the prophet might be fulfilled: **23** Behold, a virgin shall be with child, and shall bring forth the son, and they shall call his name Amanuel; which is interpreted, With us (is) our Aloha. **24** Then Jauseph, when he had arisen from his sleep, did as the angel of the Lord commanded him, and took unto him his wife; **25** and knew her not until she had given birth to her son, the firstborn; and she called his name Jeshu.

2 NOW when Jeshu was born in Beth-lechem of Jehuda, in the days of Herodes the king, there came Magians from the East to Urishlem: **2** and they said, Where is the king of the Jews who is born? for we have seen his star in the east, and have come to worship him. **3** But Herodes the king heard, and was troubled, and all Urishlem with him. **4** And he assembled all the chief priests and scribes of the people, and anxiously inquired of them where the Meshicha should be born. **5** But they said, In Beth-lechem of Jehuda; for so it is written in the prophet: **6** Also thou, Beth-lechem of Jehuda, wast not the least among the kings of Jehuda; for from thee shall come forth the king who shall be as a shepherd to my people Isroel. **7** Then Herodes privately called the Magians, and learned from them at what time the star appeared to them: **8** and he sent them to Beth-lechem, and said to them, Go and inquire diligently concerning the child; and when you have found him, come, show me, and I also will go and will worship him. **9** But they, when they had heard the king, went forth; and, lo, the star, which they had seen in the east, proceeded before them, until it came and stood over against where the child was. **10** Now when they saw the star, they rejoiced with very great joy. **11** And they entered the house, and beheld the child with Mariam his mother; and they fell down, and worshipped him. And they opened their treasures, and offered unto him oblations; gold, and myrrh, and frankincense. **12** And it was shown to them in a dream, that they should not return unto Herodes; so, by another way, they went unto their place. **13** AND when they were gone, the angel of the Lord appeared in a dream unto Jauseph, and said to him, Arise, take the child and his mother, and flee into Metsreen, and there be until I tell thee; for it will be that Herodes will seek the child, that he may destroy him. **14** Then Jauseph arose, took up the child and his mother, and fled by night into Metsreen, **15** and was there until the death of Herodes. That it might be fulfilled which was spoken from the Lord by the prophet, saying, Out of Metsreen have I called my son. **16** Then Herodes, when he saw that he had been deluded by the Magians, was greatly wroth, and sent (and) killed all the children of Beth-lechem, and all its limits, from two years and under, according to the time which he had inquired from the Magians. **17** Then was fulfilled what was spoken by Eramio the

Matthew

1 THE book of the nativity of Jesus the Messiah, the son of David, son of Abraham. **2** Abraham begat Isaac: Isaac begat Jacob: Jacob begat Judah and his brothers: **3** Judah begat Pharez and Zara of Tamar: Pharez begat Hezron: Hezron begat Ram: **4** Ram begat Aminadab: Aminadab begat Nahshon: Nahshon begat Salmon: **5** Salmon begat Boaz of Rahab: Boaz begat Obed of Ruth: Obed begat Jesse: **6** Jesse begat David the king: David begat Solomon of the wife of Uriah: **7** Solomon begat Rehoboam: Rehoboam begat Abia: Abia begat Asa: **8** Asa begat Jehoshaphat: Jehoshaphat begat Joram: Joram begat Uzziah: **9** Uzziah begat Jotham: Jotham begat Ahaz: Ahaz begat Hezekiah: **10** Hezekiah begat Manasseh: Manasseh begat Amon: Amon begat Josiah: **11** Josiah begat Jeconiah and his brothers, in the captivity of Babylon. **12** And after the captivity of Babylon, Jeconiah begat Salathiel: Salathiel begat Zerubbabel: **13** Zerubbabel begat Abiud: Abiud begat Eliakim: Eliakim begat Azor: **14** Azor begat Zadok: Zadok begat Achim: Achim begat Eliud: **15** Eliud begat Eleazar: Eleazar begat Matthan: Matthan begat Jacob: **16** Jacob begat Joseph, the husband of Mary, of whom was born Jesus who is called the Messiah. **17** All the generations, therefore, are, from Abraham to David fourteen generations, and from David to the captivity of Babylon fourteen generations, and from the captivity of Babylon to the Messiah fourteen generations. **18** And the birth of Jesus the Messiah was thus. While his mother Mary was betrothed to Joseph, before they had cohabited, she was found to be with child by the Holy Spirit. **19** And Joseph her husband was a righteous man, and unwilling to expose her: and he thought of putting her away privately. **20** And while he contemplated these things, an angel of the Lord appeared to him in a dream, and said to him: Joseph, son of David, fear not to take Mary thy wife; for that which is conceived in her, is from the Holy Spirit: **21** and she will bear a son; and thou shalt call his name Jesus, for he will resuscitate his people from their sins. **22** Now all this that occurred, was to fulfill what was spoken of the Lord by the prophet: **23** Behold, a virgin will conceive, and will bear a son, and thou shalt call his name Emmanuel, which is interpreted, Our God with us. **24** And when Joseph rose from his sleep, he did as the angel of the Lord commanded him, and took his wife. **25** And he knew her not, until she had borne her firstborn son, and called is name Jesus.

2 Now when Jesus was born in Bethlehem of Judaea, in the days of Herod the king, there came Magi from the east unto Jerusalem, **2** saying: Where is the king of the Jews that is born? For we have seen his star in the east, and have come to worship him. **3** And Herod the king heard, and he was disturbed; and all Jerusalem with him. **4** And he assembled all the chiefs of the priests and the scribes of the people, and inquired of them, Where is the birthplace of the Messiah? **5** And they said: In Bethlehem of Judaea; for thus it is written in the prophet: **6** Thou also, Bethlehem of Judaea, art not the little among the kings of Judaea, for a king shall come from thee who shall rule my people Israel. **7** Then Herod privately called the Magi, and learned from them at what time the star appeared to them. **8** And he sent them to Bethlehem, and said to them, Go, search diligently for the child; and when ye have found him, come and tell me, that I also may go and worship him. **9** And they, when they had heard from the king, went forward: and lo, the star they had seen in the east went before them, until it came and stood over where the child was. **10** And when they saw the star, they rejoiced much, with great joy. **11** And they entered the house; and they saw the child, with Mary his mother; and they fell down and worshipped him: and they opened their treasures, and presented to him gifts, gold, and myrrh, and frankincense. **12** And it was shown them in a dream, that they should not return to Herod. And by another way, they returned to their country. **13** And when they were gone, an angel of the Lord appeared to Joseph in a dream, and said to him, Arise, take the child and his mother, and flee into Egypt; and be thou there, until I tell thee: for Herod will seek for the child, to destroy it. **14** Then Joseph arose, took the child and his mother, by night, and fled to Egypt. **15** And he was there, until the death of Herod; that so might be fulfilled that which was spoken of the Lord by the prophet, saying, From Egypt have I called my son. **16** Then Herod, when he saw that he had been deluded by the Magi, was very angry. And he sent and slew all the children in Bethlehem, and in all its confines, from a child of two years and under, according to the time that he had carefully learned from the Magi. **17** Then was that fulfilled, which was spoken by Jeremiah the prophet, saying: **18** A voice was heard in Rama, weeping and great lamentation; Rachel bemoaning her children, and unwilling to be

Matthew

1 The book of the genealogy of Jesus Christ,
the son of David, the son of Abraham. **2**
Abraham was the father of Isaac, Isaac was the
father of Jacob, Jacob was the father of Judah
and his brothers, **3** Judah was the father of
Perez and Zerah by Tamar, Perez was the father
of Hezron, Hezron was the father of Ram, **4**
Ram was the father of Amminadab, Amminadab
was the father of Nahshon, Nahshon was the
father of Salmon, **5** Salmon was the father of
Boaz by Rahab, Boaz was the father of Obed
by Ruth, Obed was the father of Jesse, **6** and
Jesse was the father of David the king. David
the king was the father of Solomon by the
wife of Uriah, **7** Solomon was the father of
Rehoboam, Rehoboam was the father of Abijah,
Abijah was the father of Asa, **8** Asa was the
father of Jehoshaphat, Jehoshaphat was the
father of Joram, Joram was the father of Uzziah,
9 Uzziah was the father of Jotham, Jotham
was the father of Ahaz, Ahaz was the father
of Hezekiah, **10** Hezekiah was the father of
Manasseh, Manasseh was the father of Amon,
Amon was the father of Josiah, **11** and Josiah was
the father of Jechoniah and his brothers, at the
time of the Babylonian resettlement. **12** After
the Babylonian resettlement, Jechoniah was
the father of Shealtiel, Shealtiel was the father
of Zerubbabel, **13** Zerubbabel was the father of
Abiud, Abiud was the father of Eliakim, Eliakim
was the father of Azor, **14** Azor was the father of
Zadok, Zadok was the father of Achim, Achim
was the father of Eliud, **15** Eliud was the father
of Eleazar, Eleazar was the father of Matthan,
Matthan was the father of Jacob, **16** and Jacob
was the father of Joseph the husband of Mary,
of whom was born Jesus, who is called Christ.
17 So in all there were fourteen generations
from Abraham to David, fourteen generations
from David to the Babylonian resettlement,
and fourteen generations from the Babylonian
resettlement to the Christ. **18** Now the birth of
Jesus Christ took place in this way. When his
mother Mary had been betrothed to Joseph,
before they came together, she was found to be
with child from the Holy Spirit. **19** Because her
husband Joseph was a righteous man and did
not want to shame her publicly, he intended to
send her away privately. **20** But as he thought
about these things, behold, an angel of the Lord
appeared to him in a dream and said, "Joseph,
Son of David, do not be afraid to receive Mary
as your wife, for the child that is conceived in
her is from the Holy Spirit. **21** She will give
birth to a son, and you shall name him Jesus,
for he will save his people from their sins." **22**
All this took place to fulfill what the Lord had
spoken through the prophet: **23** "Behold, the
virgin will conceive and give birth to a son,
and they will name him Immanuel" (which
means, "God with us"). **24** When Joseph woke
from his sleep, he did as the angel of the Lord
had commanded him. He took his wife **25** but
had no marital relations with her until she had
given birth to her firstborn son. And he named
him Jesus.

2 After Jesus was born in Bethlehem of Judea,
in the days of Herod the king, behold, wise
men from the east arrived in Jerusalem, **2**
saying, "Where is the child who has been born
king of the Jews? For we saw his star in the
east and have come to worship him." **3** When
Herod the king heard this, he was troubled,
and all Jerusalem with him. **4** So he assembled
all the chief priests and scribes of the people,
and inquired of them where the Christ was to
be born. **5** They told him, "In Bethlehem of
Judea, for so it is written by the prophet, **6** 'But
you Bethlehem, in the land of Judah, are by
no means least among the rulers of Judah; for
from you will come a ruler who will shepherd
my people Israel.'" **7** Then Herod secretly called
the wise men and ascertained from them what
time the star had appeared. **8** He sent them to
Bethlehem and said, "Go search diligently for
the child, and when you have found him, bring
me word so that I too may go and worship
him." **9** They listened to the king and went on
their way, and behold, the star they had seen in
the east went before them until it came and
stopped over the place where the child was.
10 When they saw the star, they rejoiced with
exceedingly great joy. **11** As they came into the
house and saw the child with his mother Mary,
they fell down and worshiped him. Then they
opened their treasures and offered him gifts:
gold, frankincense, and myrrh. **12** And being
warned in a dream not to return to Herod, they

Matthew

1 [This is] the record of the ancestors of Jesus the Messiah, the descendant of [King] David and of Abraham, [from whom all we Jews have descended]. **2** Abraham was the father of Isaac. Isaac was the father of Jacob. Jacob was the father of Judah and Judah's [older and younger] brothers. **3** Judah was the father of Perez and Zerah, [and their mother] was Tamar. Perez was the father of Hezron. Hezron was the father of Ram. **4** Ram was the father of Amminadab. Amminadab was the father of Nahshon. Nahshon was the father of Salmon. **5** Salmon and his wife Rahab, [a non-Jewish woman], were the parents of Boaz. Boaz was the father of Obed. [Obed's mother was] Ruth, [another non-Jewish woman]. Obed was the father of Jesse. **6** Jesse was the father of King David. David was the father of Solomon. [Solomon's mother was previously married to] Uriah. **7** Solomon was the father of Rehoboam. Rehoboam was the father of Abijah. Abijah was the father of Asaph. **8** Asaph was the father of Jehoshaphat. Jehoshaphat was the father of Jehoram. Jehoram was an ancestor of Uzziah. **9** Uzziah was the father of Jotham. Jotham was the father of Ahaz. Ahaz was the father of Hezekiah. **10** Hezekiah was the father of Manasseh. Manasseh was the father of Amon. Amon was the father of Josiah. **11** Josiah was the grandfather of Jeconiah and Jeconiah's brothers. [They lived] at the time when the [Babylonian army] took the Israelites as captives to the [country of] Babylon. **12** After the Babylonians took the Israelites to Babylon, Jeconiah became the father of Shealtiel. Shealtiel was the grandfather of Zerubbabel. **13** Zerubbabel was the father of Abiud. Abiud was the father of Eliakim. **14** Eliakim was the father of Azor. Azor was the father of Zadok. Zadok was the father of Akim. **15** Akim was the father of Eliud. Eliud was the father of Eleazar. Eleazar was the father of Matthan. Matthan was the father of Jacob. **16** Jacob was the father of Joseph. Joseph was Mary's husband, and Mary was Jesus' mother. Jesus is the one who is called {whom we call} the Messiah. **17** [As you can calculate, I have grouped Jesus'] ancestors [as follows:] There was [a succession of] 14 of them from [the time when] Abraham [lived] to [the time when King] David [lived]. There was [a succession of] 14 of them from [the time when] David [lived] to [the time when] the [Israelites were taken] {[the Babylonian army took the Israelites]} away to Babylon. There was [a succession of] 14 of them from [the time when the Israelites were taken] {[the Babylonian army took the Israelites]} away to Babylon until [the time when] the Messiah [was born]. **18** This is [the account of what happened just before] Jesus Christ was born. Mary, his mother, {had publicly promised Joseph that she would marry him} had been publicly promised to marry Joseph. Before they began to sleep together, [Mary] realized that she was pregnant. [It was the power of] the Holy Spirit that had caused her to become pregnant. **19** Joseph, her [future] husband, was a man who obeyed God's commands. [One of those commands was that men must divorce women who had acted immorally. So when Joseph learned that Mary was pregnant, he assumed that she was pregnant as a result of her acting immorally]. So he decided to break the engagement. But because he did not want to shame her publicly, he decided to do it privately. **20** While he was seriously considering this, much to his surprise, in a dream he saw an angel whom the Lord [had sent]. The angel said, "Joseph, descendant of [King] David, do not be afraid that [you(sg) would be doing wrong if you(sg) would marry] Mary. Instead, [begin to treat her] as your wife, because the Holy Spirit, [not a man], has caused her to be pregnant. **21** She will give birth to a son. Since it is he who will cause that his people will be saved from [the guilt of] their having sinned, name [the baby] Jesus, [which means 'the Lord saves people']." **22** All this happened as a result of what the Lord told the prophet [Isaiah to write long ago about what was going to happen]. This is what Isaiah wrote: **23** "Listen, a virgin will become pregnant and will give birth to a son. They will call him Emmanuel." Emmanuel means 'God is with us'. **24** When Joseph got up from sleep, he did what the angel whom the Lord [had sent] commanded him to do. He took [Mary] home to be his wife. **25** But he did not have sexual relations with her until she had given birth to a son. And [Joseph] named him Jesus.

2 Jesus was born in Bethlehem [town] in Judea [province] during the time [MTY] that King Herod [the Great ruled there. Some time] after Jesus was born, some men who studied the stars and who lived in a [country] east [of Judea] came to Jerusalem. **2** They asked [people], "Where is the one who has been born [in order that he might be] the king of [you] Jews? [We believe that your new king] has been born, because we have seen the star [that we believe indicated that] he has been [born]. [We saw it while we were in our country] east [of here]. So we have come to worship him." **3** When King Herod heard [what those men were asking], he became worried [that someone else might be proclaimed] {[people might proclaim someone else]} [king of the Jews to replace him]. Many [of the people] of Jerusalem [MTY, HYP] [also] became worried [because they were afraid of what King Herod might do]. **4** Then Herod gathered together all the ruling priests and men who taught the people the [Jewish] laws and he asked them where [the prophets had predicted that] the Messiah was to be born. **5** They said to him, "[He will be born] in Bethlehem, [here] in Judea [province], because it was written by the prophet [Micah] {the prophet [Micah] wrote} [long ago what God said]: **6** 'You [who live in] Bethlehem [APO], in Judea [province], your town is certainly very important [LIT], because a man from your [town] will become a ruler. He will guide my people [who live in] Israel.'" **7** Then [King] Herod secretly summoned those men who studied the stars. He asked them exactly when the star [first] appeared. [By what they told him, he was able to know the approximate age of the baby]. **8** Then he [concealed what he really planned to do and] said to them, "Go to Bethlehem and inquire thoroughly [where] the infant is. When you have found him, [come back and] report to me so that I, myself, can go [there and] worship him, too." **9** After the men heard what the king [told them], they went [toward Bethlehem]. To their surprise, the star that they had seen while they were in the eastern [country] went ahead of them [again] until it stood above [the house] where the child was. **10** When they saw the star, they rejoiced greatly [and followed it]. **11** They [found] the house and entered it and saw the child and his mother, Mary. They bowed down and worshipped him. Then they opened their treasure [boxes] [MTY] and they gave gold, [costly] frankincense, and myrrh to him. **12** [Because] God [knew that King Herod planned to kill Jesus], in a dream the men who studied the stars were warned {he warned the men who studied the stars} that they should not return to [King] Herod. So they returned to their country, [but instead of traveling back on the same road, they] went on a different road. **13** After the men who studied the stars left [Bethlehem], an angel [from] the Lord appeared to Joseph in a dream. He said, "Get up, take the child and his mother, and flee to Egypt. Stay there until I tell you [(sg) that you should leave], because [King] Herod is about [to send soldiers] to look for the child so that they can kill him." **14** So Joseph got up, he took the child and his mother [that] night, and they fled to Egypt.

Matthew

1 A genealogy of Jesus Christ, a descendant of David and Abraham. **2** Abraham was the father of Isaac, Isaac of Jacob, Jacob of Judah and his brothers, **3** Judah of Perez and Zerah, whose mother was Tamar, Perez of Hezron, Hezron of Ram, **4** Ram of Amminadab, Amminadab of Nashon, Nashon of Salmon, **5** Salmon of Boaz, whose mother was Rahab, Boaz of Obed, whose mother was Ruth, Obed of Jesse, **6** Jesse of David the King. David was the father of Solomon, whose mother was Uriah's widow, **7** Solomon of Rehoboam, Rehoboam of Abijah, Abijah of Asa, **8** Asa of Jehoshaphat, Jehoshaphat of Jehoram, Jehoram of Uzziah, **9** Uzziah of Jotham, Jotham of Ahaz, Ahaz of Hezekiah, **10** Hezekiah of Manasseh, Manasseh of Ammon, Ammon of Josiah, **11** Josiah of Jeconiah and his brothers, at the time of the Exile to Babylon. **12** After the Exile to Babylon — Jeconiah was the father of Shealtiel, Shealtiel of Zerubbabel, **13** Zerubbabel of Abiud, Abiud of Eliakim, Eliakim of Azor, **14** Azor of Zadok, Zadok of Achim, Achim of Eliud, **15** Eliud of Eleazar, Eleazar of Matthan, Matthan of Jacob, **16** Jacob of Joseph, the husband of Mary, who was the mother of Jesus, who is called 'Christ'. **17** So the whole number of generations from Abraham to David is fourteen; from David to the Exile to Babylon fourteen; and from the Exile to Babylon to the Christ fourteen. **18** The birth of Jesus Christ took place as follows: His mother Mary was betrothed to Joseph, but, before the marriage took place, she found herself to be with child by the power of the Holy Spirit. **19** Her husband, Joseph, was a religious man and, being unwilling to expose her to contempt, resolved to put an end to their betrothal privately. **20** He had been dwelling upon this, when an angel of the Lord appeared to him in a dream. "Joseph, son of David," the angel said, "do not be afraid to take Mary for your wife, for her child has been conceived by the power of the Holy Spirit. **21** She shall give birth to a son; and you shall give him the name Jesus, for it is he who shall save his people from their sins." **22** All this happened in fulfilment of these words of the Lord in the Prophet, where he says — **23** 'Behold! the virgin shall be with child and shall give birth to a son, and they will give him the name Immanuel' — a word which means 'God is with us.' **24** When Joseph awoke from his sleep, he did as the angel of the Lord had directed him. **25** He made Mary his wife, but did not live with her as her husband until after the birth of her son; and to this son he gave the name Jesus.

2 After the birth of Jesus at Bethlehem in Judea, in the reign of King Herod, some Astrologers from the East arrived in Jerusalem, asking: **2** "Where is the new-born King of the Jews? for we saw his star in the east, and have come to do homage to him." **3** When King Herod heard of this, he was much troubled, and so, too, was all Jerusalem. **4** He called together all the Chief Priests and Teachers of the Law in the nation, and questioned them as to where the Christ was to be born. **5** "At Bethlehem in Judea," was their answer; "for it is said in the Prophet — **6** 'And thou, Bethlehem in Judah's land, art in no way least among the chief cities of Judah; for out of thee will come a Chieftain — one who will shepherd my people Israel.'" **7** Then Herod secretly sent for the Astrologers, and ascertained from them the date of the appearance of the star; **8** and, sending them to Bethlehem, he said: "Go and make careful inquiries about the child, and, as soon as you have found him, bring me word, that I, too, may go and do homage to him." **9** The Astrologers heard what the King had to say, and then continued their journey. And the star which they had seen in the east led them on, until it reached, and stood over, the place where the child was. **10** At the sight of the star they were filled with joy. **11** Entering the house, they saw the child with his mother, Mary, and fell at his feet and did homage to him. Then they unpacked their treasures, and offered to the child presents of gold, frankincense, and myrrh. **12** But afterwards, having been warned in a dream not to go back to Herod, they returned to their own country by another road. **13** After they had left, an angel of the Lord appeared to Joseph in a dream, and said: "Awake, take the child and his mother, and seek refuge in Egypt; and stay there until I bid you return, for Herod is about to search for the child, to put him to death." **14** Joseph awoke, and taking the child and his mother by night, went into Egypt, **15** and there he stayed until Herod's death; in fulfilment of these words of the Lord in the Prophet, where he says — 'Out of Egypt I called my Son.' **16** When Herod found that he had been trifled with by the Astrologers, he was very angry. He sent and put to death all the boys in Bethlehem and the whole of that neighbourhood, who were two years old or under, guided by the date which he had ascertained from the Astrologers. **17** Then were fulfilled these words spoken in the Prophet Jeremiah, where he says — **18** 'A voice was heard

Matthew

1 This is the boke of the generacion of Iesus Christ the sonne of Dauid the sonne also of Abraham. **2** Abraham begat Isaac: Isaac begat Iacob: Iacob begat Iudas and his brethren: **3** Iudas begat Phares and zaram of Thamar: Phares begat Hesrom: Hesrom begat Aram: **4** Aram begat Aminadab: Aminadab begat Naasson: Naasson begat Salmon: **5** Salmon begat Boos of Rahab: Boos begat Obed of Ruth: Obed begat Iesse: **6** Iesse begat Dauid the kynge: Dauid the kynge begat Salomon of her that was the wyfe of Vry: **7** Salomon begat Roboam: Roboam begat Abia: Abia begat Asa: **8** Asa begat Iosaphat: Iosaphat begat Ioram: Ioram begat Osias: **9** Osias begat Ioatham: Ioatham begat Achas: Achas begat Ezechias: **10** Ezechias begat Manasses: Manasses begat Amon: Amon begat Iosias: **11** Iosias begat Iechonias and his brethren aboute ye tyme they were caryed awaye to Babylon. **12** And after they were brought to Babylon Iechonias begat Salathiel: Salathiel begat Zorobabel: **13** Zorobabel begat Abiud: Abiud begat Eliachim: Eliachim begat Azor: **14** Azor begat Sadoc: Sadoc begat Achin: Achin begat Eliud: **15** Eliud begat Eleasar: Eleasar begat Matthan: Matthan begat Iacob: **16** Iacob begat Ioseph the husbande of Mary of which was boren that Iesus that is called Christ. **17** All the generacions from Abraham to David are fowretene generacios. And fro David vnto the captivite of Babylon are fowretene generacions. And from the captivite of Babylon vnto Christ are also fowrtene generacios. **18** The byrthe of Iesus Christ was on thys wyse. When hys mother Mary was betrouthed to Ioseph before they came to dwell to gedder she was foude with chylde by ye holy goost. **19** The Ioseph her husbande beinge a perfect ma and loth to make an ensample of hir was mynded to put her awaye secretely. **20** Whill he thus thought behold ye angell of ye Lorde appered vnto him in a dreame saynge: Ioseph ye sonne of David feare not to take vnto ye Mary thy wyfe. For that which is coceaved in her is of the holy goost. **21** She shall brynge forthe a sonne and thou shalt call his name Iesus. For he shall save his peple from their synnes. **22** All this was done to fulfill yt which was spoken of the Lorde by the Prophet saynge: **23** Beholde a mayde shall be with chylde and shall brynge forthe a sonne and they shall call his name Emanuel which is by interpretacion God with vs. **24** And Ioseph assone as he awoke out of slepe did as the angell of the Lorde bade hym and toke hys wyfe vnto hym **25** and knewe her not tyll she had brought forth hir fyrst sonne and called hys name Iesus.

2 When Iesus was borne at Bethleem in Iury in the tyme of Herode the kynge. Beholde there came wyse me from the eest to Ierusalem **2** saynge: Where is he yt is borne kynge of ye Iues? We have sene his starre in ye eest and are come to worship him. **3** When Herode ye kynge had herde thys he was troubled and all Ierusalem with hym **4** and he gathered all ye chefe Prestes and Scribes of the people and axed of them where Christ shulde be borne. **5** And they sayde vnto hym: at Bethlee in Iury. For thus it is written by the Prophet. **6** And thou Bethleem in the londe of Iury art not the leest concernynge the Princes of Iuda. For out of the shall come the captayne that shall govern my people Israhel. **7** Then Herod prevely called the wyse men and dyligetly enquyred of them ye tyme of the starre that appered **8** and sent the to Bethleem saynge: Goo and searche dyligetly for ye chylde. And when ye have founde hym bringe me worde yt I maye come and worshippe hym also. **9** When they had heard the kynge they departed: and lo the starre which they sawe in ye eeste went before them tyll it came and stode over the place where the chylde was. **10** When they sawe the starre they were marvelously glad: **11** and went into the house and found the chylde with Mary hys mother and kneled doune and worshipped hym and opened their treasures and offred vnto hym gyftes gold frackynsence and myrre. **12** And after they were warned of God in a dreame that they shuld not go ageyne to Herod they retourned into their awne countre another waye. **13** When they were departed: beholde the angell of the Lorde appered to Ioseph in dreame sayinge: aryse and take the chylde and his mother and flye into Egypte and abyde there tyll I brynge the worde. For Herod will seke the chylde to destroye hym. **14** The he arose and toke the chylde and his mother by night and departed into Egypte **15** and was there vnto ye deeth of Herod to fulfill that which was spoken of the Lorde by ye Prophet which sayeth out of Egypte haue I called my sonne. **16** Then Herod perceavynge yt he was moocked of the wyse men was excedynge wroth and sent forth and slue all the chyldren that were in Bethleem and in all the costes there of as many as were two yere olde and vnder accordynge to the tyme which he had diligetly searched oute of the wyse men. **17** Then was fulfilled yt which was spoken by the Prophet

Matthew

1 The book of the genealogy of Jesus Christ, son of
David, son of Abraham. **2** Abraham was the father of
Isaac, and Isaac the father of Jacob, and Jacob the
father of Judah and his brothers. **3** Judah was the
father of Perez and Zerah by Tamar, Perez the father
of Hezron, and Hezron the father of Ram. **4** Ram was
the father of Amminadab, Amminadab the father of
Nahshon, and Nahshon the father of Salmon. **5** Salmon
was the father of Boaz by Rahab, Boaz the father of
Obed by Ruth, Obed the father of Jesse. **6** Jesse
was the father of David the king, David the father of
Solomon by the wife of Uriah. **7** Solomon was the father
of Rehoboam, Rehoboam the father of Abijah, Abijah
the father of Asa. **8** Asa was the father of Jehoshaphat,
Jehoshaphat the father of Joram, and Joram an ancestor
of Uzziah. **9** Uzziah was the father of Jotham, Jotham
the father of Ahaz, Ahaz the father of Hezekiah. **10**
Hezekiah was the father of Manasseh, Manasseh the
father of Amon, and Amon the father of Josiah. **11**
Josiah was an ancestor of Jechoniah and his brothers
at the time of the deportation to Babylon. **12** After the
deportation to Babylon, Jechoniah was the father of
Shealtiel, Shealtiel was an ancestor of Zerubbabel. **13**
Zerubbabel was the father of Abiud, Abiud the father of
Eliakim, and Eliakim the father of Azor. **14** Azor was the
father of Zadok, Zadok the father of Achim, and Achim
the father of Eliud. **15** Eliud was the father of Eleazar,
Eleazar the father of Matthan, and Matthan the father of
Jacob. **16** Jacob was the father of Joseph the husband
of Mary, by whom Jesus was born, who is called Christ.
17 All the generations from Abraham to David were
fourteen generations, from David to the deportation to
Babylon fourteen generations, and from the deportation
to Babylon to the Christ fourteen generations. **18** The
birth of Jesus Christ happened in the following way. His
mother, Mary, was engaged to marry Joseph, but before
they came together, she was found to be pregnant by
the Holy Spirit. **19** Her husband, Joseph, was a righteous
man, and he did not want to disgrace her publicly. So he
decided to secretly end his engagement with her. **20**
As he thought about these things, an angel of the Lord
appeared to him in a dream, saying, “Joseph, son of
David, do not fear to take Mary as your wife, because
the one who is conceived in her is conceived by the Holy
Spirit. **21** She will give birth to a son, and you will call his
name Jesus, for he will save his people from their sins.”
22 All this happened to fulfill what was spoken by the
Lord through the prophet, saying, **23** “Behold, the virgin
will conceive and give birth to a son, and they will call
his name Immanuel”—which means, “God with us.” **24**
Joseph woke up from his sleep and did as the angel of
the Lord commanded him and he took her as his wife.
25 But he did not have sexual relations with her until she
gave birth to a son. Then he called his name Jesus.

2 After Jesus was born in Bethlehem of Judea in the
days of Herod the king, learned men from the east
arrived in Jerusalem saying, **2** “Where is he who was
born King of the Jews? We saw his star in the east
and have come to worship him.” **3** When Herod the
king heard this, he was troubled, and all Jerusalem with
him. **4** Herod brought together all the chief priests and
scribes of the people, and he asked them, “Where is the
Christ to be born?” **5** They said to him, “In Bethlehem
of Judea, for this is what was written by the prophet,
6 'But you, Bethlehem, in the land of Judah, are not
the least among the leaders of Judah, for from you will
come a ruler who will shepherd my people Israel.'” **7**
Then Herod secretly called the learned men to ask them
exactly what time the star had appeared. **8** He sent
them to Bethlehem, saying, “Go and search carefully
for the young child. When you have found him, bring
me word, so that I also may come and worship him.” **9**
After they had heard the king, they went on their way,
and the star that they had seen in the east went before
them until it came and stood still over where the young
child was. **10** When they saw the star, they rejoiced with
very great joy. **11** They went into the house and saw
the young child with Mary his mother. They fell down
and worshiped him. They opened their treasures and
offered him gifts of gold, frankincense, and myrrh. **12**
God warned them in a dream not to return to Herod, so
they departed to their own country by another way. **13**
After they had departed, an angel of the Lord appeared
to Joseph in a dream and said, “Get up, take the young
child and his mother, and flee to Egypt. Remain there
until I tell you, for Herod will seek the young child to
destroy him.” **14** That night Joseph rose and took the
young child and his mother and departed into Egypt. **15**
He remained there until the death of Herod. This fulfilled
what the Lord had spoken through the prophet, “Out
of Egypt I have called my son.” **16** Then Herod, when
he saw that he had been mocked by the learned men,
was very angry. He sent and killed all the male children
that were in Bethlehem and in all that region who were
two years old and under, according to the time that he
had determined exactly from the learned men. **17** Then
was fulfilled what had been spoken through Jeremiah
the prophet, **18** “A voice was heard in Ramah, weeping
and great mourning, Rachel weeping for her children,
and she refused to be comforted, because they were
no more.” **19** When Herod died, behold, an angel of
the Lord appeared in a dream to Joseph in Egypt and
said, **20** “Get up and take the child and his mother

Matthew

1 The book of the generation of Jesus Christ, the son of David, the son of Abraham. **2** Abraham begat Isaac; and Isaac begat Jacob; and Jacob begat Judah and his brethren; **3** And Judah begat Phares and Zara of Thamar; and Phares begat Esrom; and Esrom begat Aram; **4** And Aram begat Aminadab; and Aminadab begat Naasson; and Naasson begat Salmon; **5** And Salmon begat Booz of Rachab; and Booz begat Obed of Ruth; and Obed begat Jesse; **6** And Jesse begat David the king; and David the king begat Solomon of her [that had been the wife] of Uriah; **7** And Solomon begat Roboam; and Roboam begat Abia; and Abia begat Asa; **8** And Asa begat Josaphat; and Josaphat begat Joram; and Joram begat Ozias; **9** And Ozias begat Joatham; and Joatham begat Achaz; and Achaz begat Ezekias; **10** And Ezekias begat Manasses; and Manasses begat Amon; and Amon begat Josias; **11** And Josias begat Jechonias and his brethren, about the time they were carried away to Babylon: **12** And after they were brought to Babylon, Jechonias begat Salathiel; and Salathiel begat Zorobabel; **13** And Zorobabel begat Abiud; and Abiud begat Eliakim; and Eliakim begat Azor; **14** And Azor begat Sadoc; and Sadoc begat Achim; and Achim begat Eliud; **15** And Eliud begat Eleazar; and Eleazar begat Matthan; and Matthan begat Jacob; **16** And Jacob begat Joseph the husband of Mary, of whom was born Jesus, who is called Christ. **17** So all the generations from Abraham to David [are] fourteen generations; and from David until the carrying away into Babylon [are] fourteen generations; and from the carrying away into Babylon to Christ [are] fourteen generations. **18** Now the birth of Jesus Christ was in this manner: When his mother Mary was espoused to Joseph, before they came together, she was found with child by the Holy Spirit. **19** Then Joseph her husband, being a just [man], and not willing to make her a public example, purposed to put her away privately. **20** But while he thought on these things, the angel of the Lord appeared to him in a dream, saying, Joseph, thou son of David, fear not to take to thee Mary thy wife: for that which is conceived in her is by the Holy Spirit. **21** And she shall bring forth a son, and thou shalt call his name JESUS: for he shall save his people from their sins. **22** Now all this was done, that it might be fulfilled which was spoken from the Lord by the prophet, saying, **23** Behold, a virgin shall be with child, and shall bring forth a son, and they shall call his name Emmanuel, which being interpreted is, God with us. **24** Then Joseph, being raised from sleep, did as the angel of the Lord had bidden him, and took to him his wife: **25** And knew her not till she had brought forth her first-born son: and he called his name JESUS.

2 Now, after Jesus was born in Bethlehem of Judea in the days of Herod the king, behold, there came wise men from the east to Jerusalem, **2** Saying, Where is he that is born king of the Jews? for we have seen his star in the east, and have come to worship him. **3** When Herod the king had heard [these things], he was troubled, and all Jerusalem with him. **4** And when he had assembled all the chief priests and scribes of the people, he inquired of them where Christ should be born. **5** And they said to him, In Bethlehem of Judea: for thus it is written by the prophet, **6** And thou Bethlehem, [in] the land of Judah, art not the least among the princes of Judah: for out of thee shall come a Governor, that shall rule my people Israel. **7** Then Herod, when he had privately called the wise men, inquired of them diligently what time the star appeared. **8** And he sent them to Bethlehem, and said, Go, and search diligently for the young child; and when ye have found [him], bring me word again, that I may come and worship him also. **9** When they had heard the king, they departed; and lo, the star, which they saw in the east, went before them, till it came and stood over where the young child was. **10** When they saw the star, they rejoiced with exceeding great joy. **11** And when they had come into the house, they saw the young child with Mary his mother, and fell down, and worshiped him: and when they had opened their treasures, they presented to him gifts; gold, and frankincense, and myrrh. **12** And being warned by God in a dream that they should not return to Herod, they departed into their own country another way. **13** And when they had departed, behold, the angel of the Lord appeareth to Joseph in a dream, saying, Arise, and take the young child and his mother, and flee into Egypt, and be thou there until I bring thee word: for Herod will seek the young child to destroy him. **14** When he arose, he took the young child and his mother by night, and departed into Egypt: **15** And was there until the death of Herod: that it might be fulfilled which was spoken from the Lord by the prophet, saying, Out of Egypt have I called my son. **16** Then Herod, when he saw that he was mocked by the wise men, was exceeding wroth, and sent forth, and slew all the children that were in Bethlehem, and in all its borders, from two years old and under, according to the time which he had diligently inquired of the wise men. **17** Then was fulfilled that which was spoken by Jeremiah the prophet, saying, **18** In Rama was there a voice heard, lamentation, and weeping, and great mourning, Rachel weeping [for] her children, and would not be comforted, because they are not. **19** But when Herod was dead, behold, an angel of the Lord appeareth in a dream to Joseph in Egypt, **20** Saying, Arise, and take the young child and his mother, and go into the land of Israel: for they are dead who sought the young child's life. **21** And he arose, and took the

Matthew

1 The book of the genealogy of Jesus Christ, the son of David, the son of Abraham. **2** Abraham begat Isaac; and Isaac begat Jacob; and Jacob begat Judah and his brethren; **3** And Judah begat Pharez and Zarah of Tamar; and Pharez begat Hezron; and Hezron begat Ram; **4** And Ram begat Amminadab; and Amminadab begat Nahshon; and Nahshon begat Salmon; **5** And Salmon begat Boaz of Rahab; and Boaz begat Obed of Ruth; and Obed begat Jesse; **6** And Jesse begat David the king; and David the king begat Solomon of her that had been the wife of Uriah; **7** And Solomon begat Rehoboam; and Rehoboam begat Abijah; and Abijah begat Asa; **8** And Asa begat Jehoshaphat; and Jehoshaphat begat Joram; and Joram begat Uzziah; **9** And Uzziah begat Jotham; and Jotham begat Ahaz; and Ahaz begat Hezekiah; **10** And Hezekiah begat Manasseh; and Manasseh begat Amon; and Amon begat Josiah; **11** And Josiah begat Jeconiah and his brethren, about the time they were carried away to Babylon: **12** And after they were brought to Babylon, Jeconiah begat Shealtiel; and Shealtiel begat Zerubbabel; **13** And Zerubbabel begat Abiud; and Abiud begat Eliakim; and Eliakim begat Azor; **14** And Azor begat Sadoc; and Sadoc begat Achim; and Achim begat Eliud; **15** And Eliud begat Eleazar; and Eleazar begat Matthan; and Matthan begat Jacob; **16** And Jacob begat Joseph the husband of Mary, of whom was born Jesus, who is called Christ. **17** So all the generations from Abraham to David are fourteen generations; and from David until the carrying away into Babylon are fourteen generations; and from the carrying away into Babylon to Christ are fourteen generations. **18** Now the birth of Jesus Christ was in this manner: When his mother Mary was espoused to Joseph, before they came together, she was found with child by the Holy Spirit. **19** Then Joseph her husband, being a just man, and not willing to make her a public example, purposed to put her away secretly. **20** But while he thought on these things, behold, the angel of the Lord appeared to him in a dream, saying, Joseph, thou son of David, fear not to take to thee Mary thy wife: for that which is conceived in her is by the Holy Spirit. **21** And she shall bring forth a son, and thou shalt call his name JESUS: for he shall save his people from their sins. **22** Now all this was done, that it might be fulfilled which was spoken from the Lord by the prophet, saying, **23** Behold, a virgin shall be with child, and shall bring forth a son, and they shall call his name Emmanuel, which being interpreted is, God with us. **24** Then Joseph being raised from sleep did as the angel of the Lord had bidden him, and took to him his wife: **25** And knew her not till she had brought forth her firstborn son: and he called his name JESUS.

2 Now after Jesus was born in Bethlehem of Judaea in the days of Herod the king, behold, there came wise men from the east to Jerusalem, **2** Saying, Where is he that is born King of the Jews? for we have seen his star in the east, and have come to worship him. **3** When Herod the king had heard these things, he was troubled, and all Jerusalem with him. **4** And when he had gathered all the chief priests and scribes of the people together, he enquired of them where the Christ should be born. **5** And they said to him, In Bethlehem of Judaea: for thus it is written by the prophet, **6** And thou Bethlehem, in the land of Judah, art not the least among the princes of Judah: for out of thee shall come a Governor, that shall rule my people Israel. **7** Then Herod, when he had secretly called the wise men, enquired of them diligently what time the star appeared. **8** And he sent them to Bethlehem, and said, Go and search diligently for the young child; and when ye have found him, bring me word again, that I may come and worship him also. **9** When they had heard the king, they departed; and, lo, the star, which they saw in the east, went before them, till it came and stood over where the young child was. **10** When they saw the star, they rejoiced with exceeding great joy. **11** And when they had come into the house, they saw the young child with Mary his mother, and fell down, and worshipped him: and when they had opened their treasures, they presented to him gifts; gold, and frankincense, and myrrh. **12** And being warned by God in a dream that they should not return to Herod, they departed into their own country another way. **13** And when they had departed, behold, the angel of the Lord appeareth to Joseph in a dream, saying, Arise, and take the young child and his mother, and flee into Egypt, and be thou there until I bring thee word: for Herod will seek the young child to destroy him. **14** When he arose, he took the young child and his mother by night, and departed into Egypt: **15** And was there until the death of Herod: that it might be fulfilled which was spoken from the Lord by the prophet, saying, Out of Egypt have I called my son. **16** Then Herod, when he saw that he was mocked by the wise men, was exceeding angry, and sent forth, and slew all the children that were in Bethlehem, and in all its surrounding lands, from two years old and under, according to the time which he had diligently enquired of the wise men. **17** Then was fulfilled that which was spoken by Jeremiah the prophet, saying, **18** In Ramah was there a voice heard, lamentation, and weeping, and great mourning, Rachel weeping for her children, and would not be comforted, because they are not. **19** But when Herod was dead, behold, an angel of the Lord appeareth in a dream to Joseph in Egypt, **20** Saying, Arise, and take the young child and his mother, and go into the land of Israel: for they are dead who sought the young child's life. **21** And he arose, and took

Matthew

1 The Genealogy of Jesus Christ, the son of David, the son of Abraham. **2** Abraham was the father of Isaac; Isaac of Jacob; Jacob of Judah and his brothers. **3** Judah was the father (by Tamar) of Perez and Zerah; Perez of Hezron; Hezron of Ram; **4** Ram of Amminadab; Amminadab of Nahshon; Nahshon of Salmon; **5** Salmon (by Rahab) of Boaz; Boaz (by Ruth) of Obed; Obed of Jesse; **6** Jesse of David--the King. David (by Uriah's widow) was the father of Solomon; **7** Solomon of Rehoboam; Rehoboam of Abijah; Abijah of Asa; **8** Asa of Jehoshaphat; Jehoshaphat of Jehoram; Jehoram of Uzziah; **9** Uzziah of Jotham; Jotham of Ahaz; Ahaz of Hezekiah; **10** Hezekiah of Manasseh; Manasseh of Amon; Amon of Josiah; **11** Josiah of Jeconiah and his brothers at the period of the Removal to Babylon. **12** After the Removal to Babylon Jeconiah had a son Shealtiel; Shealtiel was the father of Zerubbabel; **13** Zerubbabel of Abiud; Abiud of Eliakim; Eliakim of Azor; **14** Azor of Zadok; Zadok of Achim; Achim of Eliud; **15** Eliud of Eleazar; Eleazar of Matthan; Matthan of Jacob; **16** and Jacob of Joseph the husband of Mary, who was the mother of JESUS who is called CHRIST. **17** There are therefore, in all, fourteen generations from Abraham to David; fourteen from David to the Removal to Babylon; and fourteen from the Removal to Babylon to the Christ. **18** The circumstances of the birth of Jesus Christ were these. After his mother Mary was betrothed to Joseph, before they were united in marriage, she was found to be with child through the Holy Spirit. **19** But Joseph her husband, being a kind-hearted man and unwilling publicly to disgrace her, had determined to release her privately from the betrothal. **20** But while he was contemplating this step, an angel of the Lord appeared to him in a dream and said, "Joseph, son of David, do not be afraid to bring home your wife Mary, for she is with child through the Holy Spirit. **21** She will give birth to a Son, and you are to call His name JESUS for He it is who will save His People from their sins." **22** All this took place in fulfilment of what the Lord had spoken through the Prophet, **23** "Mark! The maiden will be with child and will give birth to a son, and they will call His name Immanuel" --a word which signifies 'God with us'. **24** When Joseph awoke, he did as the angel of the Lord had commanded, and brought home his wife, **25** but did not live with her until she had given birth to a son. The child's name he called JESUS.

2 Now after the birth of Jesus, which took place at Bethlehem in Judaea in the reign of King Herod, excitement was produced in Jerusalem by the arrival of certain Magi from the east, **2** inquiring, "Where is the newly born king of the Jews? For we have seen his Star in the east, and have come here to do him homage." **3** Reports of this soon reached the king, and greatly agitated not only him but all the people of Jerusalem. **4** So he assembled all the High Priests and Scribes of the people, and anxiously asked them where the Christ was to be born. **5** "At Bethlehem in Judaea," they replied; "for so it stands written in the words of the Prophet, **6** '"And thou, Bethlehem in the land of Judah, by no means the least honorable art thou among princely places in Judah! For from thee shall come a prince--one who shall be the Shepherd of My People Israel."' **7** Thereupon Herod sent privately for the Magi and ascertained from them the exact time of the star's appearing. **8** He then directed them to go to Bethlehem, adding, "Go and make careful inquiry about the child, and when you have found him, bring me word, that I too may come and do him homage." **9** After hearing what the king said, they went to Bethlehem, while, strange to say, the star they had seen in the east led them on until it came and stood over the place where the babe was. **10** When they saw the star, the sight filled them with intense joy. **11** So they entered the house; and when they saw the babe with His mother Mary, they prostrated themselves and did Him homage, and opening their treasure-chests offered gifts to Him--gold, frankincense, and myrrh. **12** But being forbidden by God in a dream to return to Herod, they went back to their own country by a different route. **13** When they were gone, and angel of the Lord appeared to Joseph in a dream and said, "Rise: take the babe and His mother and escape to Egypt, and remain there till I bring you word. For Herod is about to make search for the child in order to destroy Him." **14** So Joseph roused himself and took the babe and His mother by night and departed into Egypt. **15** There he remained till Herod's death, that what the Lord had said through the Prophet might be fulfilled, "Out of Egypt I called My Son." **16** Then Herod, finding that the Magi had trifled with him, was furious, and sent and massacred all the boys under two years of age, in Bethlehem and all its neighbourhood, according to the date he had so carefully ascertained from the Magi. **17** Then were these words, spoken by the Prophet Jeremiah, fulfilled, **18** "A voice was heard in Ramah, wailing and bitter lamentation: It was Rachel bewailing her

Matthew

1 The book of the genealogy of Jesus Christ, the son of David, the son of Abraham. **2** Abraham became the father of Isaac. Isaac became the father of Jacob. Jacob became the father of Judah and his brothers. **3** Judah became the father of Perez and Zerah by Tamar. Perez became the father of Hezron. Hezron became the father of Ram. **4** Ram became the father of Amminadab. Amminadab became the father of Nahshon. Nahshon became the father of Salmon. **5** Salmon became the father of Boaz by Rahab. Boaz became the father of Obed by Ruth. Obed became the father of Jesse. **6** Jesse became the father of King David. David the king became the father of Solomon by her who had been Uriah's wife. **7** Solomon became the father of Rehoboam. Rehoboam became the father of Abijah. Abijah became the father of Asa. **8** Asa became the father of Jehoshaphat. Jehoshaphat became the father of Joram. Joram became the father of Uzziah. **9** Uzziah became the father of Jotham. Jotham became the father of Ahaz. Ahaz became the father of Hezekiah. **10** Hezekiah became the father of Manasseh. Manasseh became the father of Amon. Amon became the father of Josiah. **11** Josiah became the father of Jechoniah and his brothers at the time of the exile to Babylon. **12** After the exile to Babylon, Jechoniah became the father of Shealtiel. Shealtiel became the father of Zerubbabel. **13** Zerubbabel became the father of Abiud. Abiud became the father of Eliakim. Eliakim became the father of Azor. **14** Azor became the father of Zadok. Zadok became the father of Achim. Achim became the father of Eliud. **15** Eliud became the father of Eleazar. Eleazar became the father of Matthan. Matthan became the father of Jacob. **16** Jacob became the father of Joseph, the husband of Mary, from whom was born Jesus, who is called Christ. **17** So all the generations from Abraham to David are fourteen generations; from David to the exile to Babylon fourteen generations; and from the carrying away to Babylon to the Christ, fourteen generations. **18** Now the birth of Jesus Christ was like this: After his mother, Mary, was engaged to Joseph, before they came together, she was found pregnant by the Holy Spirit. **19** Joseph, her husband, being a righteous man, and not willing to make her a public example, intended to put her away secretly. **20** But when he thought about these things, behold, an angel of the Lord appeared to him in a dream, saying, "Joseph, son of David, don't be afraid to take to yourself Mary as your wife, for that which is conceived in her is of the Holy Spirit. **21** She shall give birth to a son. You shall name him Jesus, for it is he who shall save his people from their sins." **22** Now all this has happened that it might be fulfilled which was spoken by the Lord through the prophet, saying, **23** "Behold, the virgin shall be with child, and shall give birth to a son. They shall call his name Immanuel," which is, being interpreted, "God with us." **24** Joseph arose from his sleep, and did as the angel of the Lord commanded him, and took his wife to himself; **25** and didn't know her sexually until she had given birth to her firstborn son. He named him Jesus.

2 Now when Jesus was born in Bethlehem of Judea in the days of King Herod, behold, wise men from the east came to Jerusalem, saying, **2** "Where is he who is born King of the Jews? For we saw his star in the east, and have come to worship him." **3** When King Herod heard it, he was troubled, and all Jerusalem with him. **4** Gathering together all the chief priests and scribes of the people, he asked them where the Christ would be born. **5** They said to him, "In Bethlehem of Judea, for this is written through the prophet, **6** 'You Bethlehem, land of Judah, are in no way least amongst the princes of Judah; for out of you shall come a governor who shall shepherd my people, Israel.'" **7** Then Herod secretly called the wise men, and learnt from them exactly what time the star appeared. **8** He sent them to Bethlehem, and said, "Go and search diligently for the young child. When you have found him, bring me word, so that I also may come and worship him." **9** They, having heard the king, went their way; and behold, the star, which they saw in the east, went before them until it came and stood over where the young child was. **10** When they saw the star, they rejoiced with exceedingly great joy. **11** They came into the house and saw the young child with Mary, his mother, and they fell down and worshipped him. Opening their treasures, they offered to him gifts: gold, frankincense, and myrrh. **12** Being warned in a dream not to return to Herod, they went back to their own country another way. **13** Now when they had departed, behold, an angel of the Lord appeared to Joseph in a dream, saying, "Arise and take the young child and his mother, and flee into Egypt, and stay there until I tell you, for Herod will seek the young child to destroy him." **14** He arose and took the young child and his mother by night and departed into Egypt, **15** and was there until the death of Herod, that it might be fulfilled which was spoken by the Lord through the prophet, saying, "Out of Egypt I called my son." **16** Then Herod, when he saw that he was mocked by the wise men, was exceedingly angry, and sent out and killed all the male children who were in Bethlehem and in all the surrounding countryside, from two years old and under, according to the exact time which he had learnt from the wise men. **17** Then that which was spoken by Jeremiah the prophet was fulfilled, saying, **18** "A voice

Matthew

1 The book of the genealogy of Jesus Christ, the son of David, the son of Abraham. **2** Abraham became the father of Isaac. Isaac became the father of Jacob. Jacob became the father of Judah and his brothers. **3** Judah became the father of Perez and Zerah by Tamar. Perez became the father of Hezron. Hezron became the father of Ram. **4** Ram became the father of Amminadab. Amminadab became the father of Nahshon. Nahshon became the father of Salmon. **5** Salmon became the father of Boaz by Rahab. Boaz became the father of Obed by Ruth. Obed became the father of Jesse. **6** Jesse became the father of King David. David the king became the father of Solomon by her who had been Uriah's wife. **7** Solomon became the father of Rehoboam. Rehoboam became the father of Abijah. Abijah became the father of Asa. **8** Asa became the father of Jehoshaphat. Jehoshaphat became the father of Joram. Joram became the father of Uzziah. **9** Uzziah became the father of Jotham. Jotham became the father of Ahaz. Ahaz became the father of Hezekiah. **10** Hezekiah became the father of Manasseh. Manasseh became the father of Amon. Amon became the father of Josiah. **11** Josiah became the father of Jechoniah and his brothers at the time of the exile to Babylon. **12** After the exile to Babylon, Jechoniah became the father of Shealtiel. Shealtiel became the father of Zerubbabel. **13** Zerubbabel became the father of Abiud. Abiud became the father of Eliakim. Eliakim became the father of Azor. **14** Azor became the father of Zadok. Zadok became the father of Achim. Achim became the father of Eliud. **15** Eliud became the father of Eleazar. Eleazar became the father of Matthan. Matthan became the father of Jacob. **16** Jacob became the father of Joseph, the husband of Mary, from whom was born Jesus, who is called Christ. **17** So all the generations from Abraham to David are fourteen generations; from David to the exile to Babylon fourteen generations; and from the carrying away to Babylon to the Christ, fourteen generations. **18** Now the birth of Jesus Christ was like this: After his mother, Mary, was engaged to Joseph, before they came together, she was found pregnant by the Holy Spirit. **19** Joseph, her husband, being a righteous man, and not willing to make her a public example, intended to put her away secretly. **20** But when he thought about these things, behold, an angel of the Lord appeared to him in a dream, saying, "Joseph, son of David, don't be afraid to take to yourself Mary as your wife, for that which is conceived in her is of the Holy Spirit. **21** She shall give birth to a son. You shall name him Jesus, for it is he who shall save his people from their sins." **22** Now all this has happened that it might be fulfilled which was spoken by the Lord through the prophet, saying, **23** "Behold, the virgin shall be with child, and shall give birth to a son. They shall call his name Immanuel," which is, being interpreted, "God with us." **24** Joseph arose from his sleep, and did as the angel of the Lord commanded him, and took his wife to himself; **25** and didn't know her sexually until she had given birth to her firstborn son. He named him Jesus.

2 Now when Jesus was born in Bethlehem of Judea in the days of King Herod, behold, wise men from the east came to Jerusalem, saying, **2** "Where is he who is born King of the Jews? For we saw his star in the east, and have come to worship him." **3** When King Herod heard it, he was troubled, and all Jerusalem with him. **4** Gathering together all the chief priests and scribes of the people, he asked them where the Christ would be born. **5** They said to him, "In Bethlehem of Judea, for this is written through the prophet, **6** 'You Bethlehem, land of Judah, are in no way least among the princes of Judah; for out of you shall come a governor who shall shepherd my people, Israel.'" **7** Then Herod secretly called the wise men, and learned from them exactly what time the star appeared. **8** He sent them to Bethlehem, and said, "Go and search diligently for the young child. When you have found him, bring me word, so that I also may come and worship him." **9** They, having heard the king, went their way; and behold, the star, which they saw in the east, went before them until it came and stood over where the young child was. **10** When they saw the star, they rejoiced with exceedingly great joy. **11** They came into the house and saw the young child with Mary, his mother, and they fell down and worshiped him. Opening their treasures, they offered to him gifts: gold, frankincense, and myrrh. **12** Being warned in a dream not to return to Herod, they went back to their own country another way. **13** Now when they had departed, behold, an angel of the Lord appeared to Joseph in a dream, saying, "Arise and take the young child and his mother, and flee into Egypt, and stay there until I tell you, for Herod will seek the young child to destroy him." **14** He arose and took the young child and his mother by night and departed into Egypt, **15** and was there until the death of Herod, that it might be fulfilled which was spoken by the Lord through the prophet, saying, "Out of Egypt I called my son." **16** Then Herod, when he saw that he was mocked by the wise men, was exceedingly angry, and sent out and killed all the male children who were in Bethlehem and in all the surrounding countryside, from two years old and under, according to the exact time which he had learned from the wise men. **17** Then that which was spoken by Jeremiah the prophet was fulfilled, saying, **18** "A voice

Matthew

1 The book of the genealogy of Jesus Christ, the son of David, the son of Abraham. **2** Abraham became the father of Isaac. Isaac became the father of Jacob. Jacob became the father of Judah and his brothers. **3** Judah became the father of Perez and Zerah by Tamar. Perez became the father of Hezron. Hezron became the father of Ram. **4** Ram became the father of Amminadab. Amminadab became the father of Nahshon. Nahshon became the father of Salmon. **5** Salmon became the father of Boaz by Rahab. Boaz became the father of Obed by Ruth. Obed became the father of Jesse. **6** Jesse became the father of King David. David the king became the father of Solomon by her who had been Uriah's wife. **7** Solomon became the father of Rehoboam. Rehoboam became the father of Abijah. Abijah became the father of Asa. **8** Asa became the father of Jehoshaphat. Jehoshaphat became the father of Joram. Joram became the father of Uzziah. **9** Uzziah became the father of Jotham. Jotham became the father of Ahaz. Ahaz became the father of Hezekiah. **10** Hezekiah became the father of Manasseh. Manasseh became the father of Amon. Amon became the father of Josiah. **11** Josiah became the father of Jechoniah and his brothers at the time of the exile to Babylon. **12** After the exile to Babylon, Jechoniah became the father of Shealtiel. Shealtiel became the father of Zerubbabel. **13** Zerubbabel became the father of Abiud. Abiud became the father of Eliakim. Eliakim became the father of Azor. **14** Azor became the father of Zadok. Zadok became the father of Achim. Achim became the father of Eliud. **15** Eliud became the father of Eleazar. Eleazar became the father of Matthan. Matthan became the father of Jacob. **16** Jacob became the father of Joseph, the husband of Mary, from whom was born Jesus, who is called Christ. **17** So all the generations from Abraham to David are fourteen generations; from David to the exile to Babylon fourteen generations; and from the carrying away to Babylon to the Christ, fourteen generations. **18** Now the birth of Jesus Christ was like this: After his mother, Mary, was engaged to Joseph, before they came together, she was found pregnant by the Holy Spirit. **19** Joseph, her husband, being a righteous man, and not willing to make her a public example, intended to put her away secretly. **20** But when he thought about these things, behold, an angel of the Lord appeared to him in a dream, saying, "Joseph, son of David, don't be afraid to take to yourself Mary as your wife, for that which is conceived in her is of the Holy Spirit. **21** She shall give birth to a son. You shall name him Jesus, for it is he who shall save his people from their sins." **22** Now all this has happened that it might be fulfilled which was spoken by the Lord through the prophet, saying, **23** "Behold, the virgin shall be with child, and shall give birth to a son. They shall call his name Immanuel," which is, being interpreted, "God with us." **24** Joseph arose from his sleep, and did as the angel of the Lord commanded him, and took his wife to himself; **25** and didn't know her sexually until she had given birth to her firstborn son. He named him Jesus.

2 Now when Jesus was born in Bethlehem of Judea in the days of King Herod, behold, wise men from the east came to Jerusalem, saying, **2** "Where is he who is born King of the Jews? For we saw his star in the east, and have come to worship him." **3** When King Herod heard it, he was troubled, and all Jerusalem with him. **4** Gathering together all the chief priests and scribes of the people, he asked them where the Christ would be born. **5** They said to him, "In Bethlehem of Judea, for this is written through the prophet, **6** 'You Bethlehem, land of Judah, are in no way least among the princes of Judah; for out of you shall come a governor who shall shepherd my people, Israel.'" **7** Then Herod secretly called the wise men, and learned from them exactly what time the star appeared. **8** He sent them to Bethlehem, and said, "Go and search diligently for the young child. When you have found him, bring me word, so that I also may come and worship him." **9** They, having heard the king, went their way; and behold, the star, which they saw in the east, went before them until it came and stood over where the young child was. **10** When they saw the star, they rejoiced with exceedingly great joy. **11** They came into the house and saw the young child with Mary, his mother, and they fell down and worshiped him. Opening their treasures, they offered to him gifts: gold, frankincense, and myrrh. **12** Being warned in a dream not to return to Herod, they went back to their own country another way. **13** Now when they had departed, behold, an angel of the Lord appeared to Joseph in a dream, saying, "Arise and take the young child and his mother, and flee into Egypt, and stay there until I tell you, for Herod will seek the young child to destroy him." **14** He arose and took the young child and his mother by night and departed into Egypt, **15** and was there until the death of Herod, that it might be fulfilled which was spoken by the Lord through the prophet, saying, "Out of Egypt I called my son." **16** Then Herod, when he saw that he was mocked by the wise men, was exceedingly angry, and sent out and killed all the male children who were in Bethlehem and in all the surrounding countryside, from two years old and under, according to the exact time which he had learned from the wise men. **17** Then that which was spoken by Jeremiah the prophet was fulfilled, saying, **18** "A voice

Matthew

1 A record of the genealogy of Yeshua the Messiah, the son of David, the son of Abraham. **2** Abraham became the father of Isaac. Isaac became the father of Jacob. Jacob became the father of Judah and his brothers. **3** Judah became the father of Perez and Zerah by Tamar. Perez became the father of Hezron. Hezron became the father of Ram. **4** Ram became the father of Amminadab. Amminadab became the father of Nahshon. Nahshon became the father of Salmon. **5** Salmon became the father of Boaz by Rahab. Boaz became the father of Obed by Ruth. Obed became the father of Jesse. **6** Jesse became the father of King David. David the king became the father of Solomon by her who had been Uriah's wife. **7** Solomon became the father of Rehoboam. Rehoboam became the father of Abijah. Abijah became the father of Asa. **8** Asa became the father of Jehoshaphat. Jehoshaphat became the father of Joram. Joram became the father of Uzziah. **9** Uzziah became the father of Jotham. Jotham became the father of Ahaz. Ahaz became the father of Hezekiah. **10** Hezekiah became the father of Manasseh. Manasseh became the father of Amon. Amon became the father of Josiah. **11** Josiah became the father of Jechoniah and his brothers at the time of the exile to Babylon. **12** After the exile to Babylon, Jechoniah became the father of Shealtiel. Shealtiel became the father of Zerubbabel. **13** Zerubbabel became the father of Abiud. Abiud became the father of Eliakim. Eliakim became the father of Azor. **14** Azor became the father of Zadok. Zadok became the father of Achim. Achim became the father of Eliud. **15** Eliud became the father of Eleazar. Eleazar became the father of Matthan. Matthan became the father of Jacob. **16** Jacob became the father of Joseph, the husband of Miriam, from whom was born Yeshua, who is called Messiah. **17** So all the generations from Abraham to David are fourteen generations; from David to the exile to Babylon fourteen generations; and from the carrying away to Babylon to the Messiah, fourteen generations. **18** Now the birth of Yeshua the Messiah was like this: After his mother, Miriam, was engaged to Joseph, before they came together, she was found pregnant by the Holy Spirit. **19** Joseph, her husband, being a righteous man, and not willing to make her a public example, intended to put her away secretly. **20** But when he thought about these things, behold, an angel of the Lord appeared to him in a dream, saying, "Joseph, son of David, don't be afraid to take to yourself Miriam as your wife, for that which is conceived in her is of the Holy Spirit. **21** She shall give birth to a son. You shall name him Yeshua, for it is he who shall save his people from their sins." **22** Now all this has happened that it might be fulfilled which was spoken by the Lord through the prophet, saying, **23** "Behold, the virgin shall be with child, and shall give birth to a son. They shall call his name Immanuel," which is, being interpreted, "God with us." **24** Joseph arose from his sleep, and did as the angel of the Lord commanded him, and took his wife to himself; **25** and didn't know her sexually until she had given birth to her firstborn son. He named him Yeshua.

2 Now when Yeshua was born in Bethlehem of Judea in the days of King Herod, behold, wise men from the east came to Jerusalem, saying, **2** "Where is he who is born King of the Jews? For we saw his star in the east, and have come to worship him." **3** When King Herod heard it, he was troubled, and all Jerusalem with him. **4** Gathering together all the chief priests and scribes of the people, he asked them where the Messiah would be born. **5** They said to him, "In Bethlehem of Judea, for this is written through the prophet, **6** 'You Bethlehem, land of Judah, are in no way least amongst the princes of Judah; for out of you shall come a governor who shall shepherd my people, Israel.'" **7** Then Herod secretly called the wise men, and learnt from them exactly what time the star appeared. **8** He sent them to Bethlehem, and said, "Go and search diligently for the young child. When you have found him, bring me word, so that I also may come and worship him." **9** They, having heard the king, went their way; and behold, the star, which they saw in the east, went before them until it came and stood over where the young child was. **10** When they saw the star, they rejoiced with exceedingly great joy. **11** They came into the house and saw the young child with Miriam, his mother, and they fell down and worshipped him. Opening their treasures, they offered to him gifts: gold, frankincense, and myrrh. **12** Being warned in a dream not to return to Herod, they went back to their own country another way. **13** Now when they had departed, behold, an angel of the Lord appeared to Joseph in a dream, saying, "Arise and take the young child and his mother, and flee into Egypt, and stay there until I tell you, for Herod will seek the young child to destroy him." **14** He arose and took the young child and his mother by night and departed into Egypt, **15** and was there until the death of Herod, that it might be fulfilled which was spoken by the Lord through the prophet, saying, "Out of Egypt I called my son." **16** Then Herod, when he saw that he was mocked by the wise men, was exceedingly angry, and sent out and killed all the male children who were in Bethlehem and in all the surrounding countryside, from two years old and under, according to the exact time which he had learnt from the wise men. **17** Then that which was spoken by Jeremiah the prophet was fulfilled, saying, **18** "A

Matthew

1 A record of the genealogy of Yeshua the Messiah, the son of David, the son of Abraham. **2** Abraham became the father of Isaac. Isaac became the father of Jacob. Jacob became the father of Judah and his brothers. **3** Judah became the father of Perez and Zerah by Tamar. Perez became the father of Hezron. Hezron became the father of Ram. **4** Ram became the father of Amminadab. Amminadab became the father of Nahshon. Nahshon became the father of Salmon. **5** Salmon became the father of Boaz by Rahab. Boaz became the father of Obed by Ruth. Obed became the father of Jesse. **6** Jesse became the father of King David. David the king became the father of Solomon by her who had been Uriah's wife. **7** Solomon became the father of Rehoboam. Rehoboam became the father of Abijah. Abijah became the father of Asa. **8** Asa became the father of Jehoshaphat. Jehoshaphat became the father of Joram. Joram became the father of Uzziah. **9** Uzziah became the father of Jotham. Jotham became the father of Ahaz. Ahaz became the father of Hezekiah. **10** Hezekiah became the father of Manasseh. Manasseh became the father of Amon. Amon became the father of Josiah. **11** Josiah became the father of Jechoniah and his brothers at the time of the exile to Babylon. **12** After the exile to Babylon, Jechoniah became the father of Shealtiel. Shealtiel became the father of Zerubbabel. **13** Zerubbabel became the father of Abiud. Abiud became the father of Eliakim. Eliakim became the father of Azor. **14** Azor became the father of Zadok. Zadok became the father of Achim. Achim became the father of Eliud. **15** Eliud became the father of Eleazar. Eleazar became the father of Matthan. Matthan became the father of Jacob. **16** Jacob became the father of Joseph, the husband of Miriam, from whom was born Yeshua, who is called Messiah. **17** So all the generations from Abraham to David are fourteen generations; from David to the exile to Babylon fourteen generations; and from the carrying away to Babylon to the Messiah, fourteen generations. **18** Now the birth of Yeshua the Messiah was like this: After his mother, Miriam, was engaged to Joseph, before they came together, she was found pregnant by the Holy Spirit. **19** Joseph, her husband, being a righteous man, and not willing to make her a public example, intended to put her away secretly. **20** But when he thought about these things, behold, an angel of the Lord appeared to him in a dream, saying, "Joseph, son of David, don't be afraid to take to yourself Miriam as your wife, for that which is conceived in her is of the Holy Spirit. **21** She shall give birth to a son. You shall name him Yeshua, for it is he who shall save his people from their sins." **22** Now all this has happened that it might be fulfilled which was spoken by the Lord through the prophet, saying, **23** "Behold, the virgin shall be with child, and shall give birth to a son. They shall call his name Immanuel," which is, being interpreted, "God with us." **24** Joseph arose from his sleep, and did as the angel of the Lord commanded him, and took his wife to himself; **25** and didn't know her sexually until she had given birth to her firstborn son. He named him Yeshua.

2 Now when Yeshua was born in Bethlehem of Judea in the days of King Herod, behold, wise men from the east came to Jerusalem, saying, **2** "Where is he who is born King of the Jews? For we saw his star in the east, and have come to worship him." **3** When King Herod heard it, he was troubled, and all Jerusalem with him. **4** Gathering together all the chief priests and scribes of the people, he asked them where the Messiah would be born. **5** They said to him, "In Bethlehem of Judea, for this is written through the prophet, **6** 'You Bethlehem, land of Judah, are in no way least among the princes of Judah; for out of you shall come a governor who shall shepherd my people, Israel.'" **7** Then Herod secretly called the wise men, and learned from them exactly what time the star appeared. **8** He sent them to Bethlehem, and said, "Go and search diligently for the young child. When you have found him, bring me word, so that I also may come and worship him." **9** They, having heard the king, went their way; and behold, the star, which they saw in the east, went before them until it came and stood over where the young child was. **10** When they saw the star, they rejoiced with exceedingly great joy. **11** They came into the house and saw the young child with Miriam, his mother, and they fell down and worshiped him. Opening their treasures, they offered to him gifts: gold, frankincense, and myrrh. **12** Being warned in a dream not to return to Herod, they went back to their own country another way. **13** Now when they had departed, behold, an angel of the Lord appeared to Joseph in a dream, saying, "Arise and take the young child and his mother, and flee into Egypt, and stay there until I tell you, for Herod will seek the young child to destroy him." **14** He arose and took the young child and his mother by night and departed into Egypt, **15** and was there until the death of Herod, that it might be fulfilled which was spoken by the Lord through the prophet, saying, "Out of Egypt I called my son." **16** Then Herod, when he saw that he was mocked by the wise men, was exceedingly angry, and sent out and killed all the male children who were in Bethlehem and in all the surrounding countryside, from two years old and under, according to the exact time which he had learned from the wise men. **17** Then that which was spoken by Jeremiah the prophet was fulfilled, saying,

Matthew

1 The book of the genealogy of Jesus Christ, the
son of David, the son of Abraham. **2** Abraham
begat Isaac, and Isaac begat Jacob, and Jacob begat
Judah and his brethren; **3** and Judah had Phares
and Zara by Thamar; and Phares begat Esrom, **4**
and Esrom begat Aram, and Aram begat Aminadab,
and Aminadab begat Naasson, and Naasson begat
Salmon, **5** and Salmon had Booz by Rahab, and
Booz had Obed by Ruth, **6** and Obed begat Jesse,
and Jesse begat David the king, and David had
Solomon by her who had been the wife of Uriah. **7**
And Solomon begat Roboam, and Roboam begat
Abia, **8** and Abia begat Asa, and Asa begat Josaphat,
and Josaphat begat Joram, **9** and Joram begat Ozias,
and Ozias begat Joatham, and Joatham begat Ahaz,
and Ahaz begat Ezechias, **10** and Ezechias begat
Manasses, and Manasses begat Amon, **11** and Amon
begat Josias, and Josias begat Jakim, and Jakim
begat Jechonias and his brethren, about the time of
their being carried away to Babylon. **12** And after the
captivity of Babylon, Jechonias begat Salathiel, **13**
and Salathiel begat Zorobabel, and Zorobabel begat
Abiud, and Abiud begat Eliakim, and Eliakim begat
Azor, **14** and Azor begat Sadok, and Sadok begat
Achim, **15** and Achim begat Eliud, and Eliud begat
Eleazar, and Eleazar begat Matthan, and Matthan
begat Jacob, **16** and Jacob begat Joseph the husband
of Mary, of whom was born Jesus who is called Christ.
17 All the generations therefore from Abraham to
David are fourteen generations: and from David until
the captivity of Babylon fourteen generations: and
from the Babylonish captivity unto Christ, fourteen
generations. **18** Now the birth of Jesus Christ was
in wise: when Mary his mother was promised in
marriage to Joseph, before they came together, she
was found with child by the Holy Ghost: **19** but Joseph
her husband, being a just man, and not willing publicly
to expose her, was inclined to break off the contract
with her privately; **20** and when he was thinking on
these things, behold an angel of the Lord appeared to
him in a dream, saying, Joseph thou Son of David,
scruple not to take unto thee Mary thy wife; for that
which is conceived in her is from the Holy Spirit. **21**
And she shall bring forth a son, and thou shalt call his
name Jesus, for he shall save his people from their
sins. **22** (Now all this came to pass, that it might be
fulfilled, which the Lord spake by the prophet, saying,
23 "Behold a virgin shall conceive and bear a son,
and they shall call his name Emmanuel," which is
God with us.) **24** So Joseph, when he awoke from his
sleep, did as the angel of the Lord directed him, and
took home his wife: **25** and he knew her not, till she
brought forth her Son the first-born, and he called his
name Jesus.

2 Now when Jesus was born in Bethlehem of Judea,
in the days of king Herod, behold, there came
certain wise men from the east to Jerusalem, **2**
saying, Where is the king of the Jews that is born
here? for we have seen his star in the east and are
come to worship Him. **3** And when Herod the king
heard it, he was troubled, and all Jerusalem with him:
4 and having summoned together all the chief priests
and scribes of the people, he enquired of them where
the Messiah was to be born: and they told him, at
Bethlehem in Judea; **5** for thus it is written by the
prophet, **6** "And thou Bethlehem in the land of Juda
art not the meanest among the cities of the princes of
Juda; for out of thee shall come forth a ruler, that shall
feed my people Israel." **7** Then Herod called the wise
men to him privately, and inquired of them exactly the
time of the star's appearing: **8** and sending them to
Bethlehem, he said, Go and make diligent search for
the child, and when ye have found Him, let me know,
that I also may come and worship Him. **9** When they
had heard the king, they went: and lo, the star, which
they saw in the east, went on before them, till it came
and stood over the place where the child was. **10** And
when they saw the star, they rejoiced with exceeding
great joy; **11** and coming into the house, they found
the child with Mary his mother, and they fell down
and worshipped Him: and when they had opened
their treasures, they brought Him presents, of gold,
frankincense, and myrrh. **12** And being warned of God
in a dream not to return to Herod, they went back into
their own country another way. **13** And when they
were departed, behold an angel of the Lord appeareth
to Joseph in a dream, saying, Rise and take the child
and his mother, and flee into Egypt, and continue
there, untill I tell thee to return: for Herod will seek the
child to destroy Him. **14** And he arose and took the
child and his mother by night, and went away into
Egypt: **15** and stayed there till the death of Herod:
that it might be fulfilled which the Lord spake by the
prophet, saying, " Out of Egypt have I called my Son."
16 Then Herod, when he saw that he was baffled
by the wise-men, was very much enraged; and he
sent and slew all the male-children in Bethlehem,
and in all its borders, from two years old and under,

Matthew

1 The book of the generacioun of Jhesu Crist, the sone of Dauid, the sone of Abraham. **2** Abraham bigat Isaac. Isaac bigat Jacob. Jacob bigat Judas and hise britheren. **3** Judas bigat Fares and Zaram, of Tamar. Fares bigat Esrom. **4** Esrom bigat Aram. Aram bigat Amynadab. Amynadab bigat Naason. Naason bigat Salmon. **5** Salmon bigat Booz, of Raab. Booz bigat Obeth, of Ruth. Obeth bigat Jesse. Jesse bigat Dauid the king. **6** Dauid the king bigat Salamon, of hir that was Vries wijf. **7** Salomon bigat Roboam. Roboam bigat Abias. **8** Abias bigat Asa. Asa bigat Josaphath. Josaphath bigat Joram. Joram bigat **9** Osias. Osias bigat Joathan. Joathan bigat Achaz. Achaz bigat Ezechie. **10** Ezechie bigat Manasses. Manasses bigat Amon. **11** Amon bigat Josias. Josias bigat Jeconyas and his britheren, in to the transmygracioun of Babiloyne. **12** And aftir the transmygracioun of Babiloyne, Jeconyas bigat Salatiel. Salatiel bigat Zorobabel. **13** Zorobabel bigat Abyut. Abyut bigat Eliachym. Eliachym bigat Asor. **14** Asor bigat Sadoc. Sadoc bigat Achym. **15** Achym bigat Elyut. Elyut bigat Eleasar. Eleasar bigat Mathan. **16** Mathan bigat Jacob. Jacob bigat Joseph, the hosebonde of Marye, of whom Jhesus was borun, that is clepid Christ. **17** And so alle generaciouns fro Abraham to Dauid ben fourtene generacions, and fro Dauid to the transmygracioun of Babiloyne ben fourtene generaciouns, and fro the transmygracioun of Babiloyne to Crist ben fourtene generaciouns. **18** But the generacioun of Crist was thus. Whanne Marie, the modir of Jhesu, was spousid to Joseph, bifore thei camen togidere, she was foundun hauynge of the Hooli Goost in the wombe. **19** And Joseph, hir hosebonde, for he was riytful, and wolde not puplische hir, he wolde priueli haue left hir. **20** But while he thouyte thes thingis, lo! the aungel of the Lord apperide `in sleep to hym, and seide, Joseph, the sone of Dauid, nyle thou drede to take Marie, thi wijf; for that thing that is borun in hir is of the Hooli Goost. **21** And she shal bere a sone, and thou shalt clepe his name Jhesus; for he schal make his puple saaf fro her synnes. **22** For al this thing was don, that it schulde be fulfillid, that was seid of the Lord bi a prophete, seiynge, Lo! **23** a virgyn shal haue in wombe, and she schal bere a sone, and thei schulen clepe his name Emanuel, that is to seie, God with vs. **24** And Joseph roos fro sleepe, and dide as the aungel of the Lord comaundide hym, and took Marie, his wijf; **25** and he knew her not, til she hadde borun her firste bigete sone, and clepide his name Jhesus.

2 Therfor whanne Jhesus was borun in Bethleem of Juda, in the daies of king Eroude, lo! astromyenes camen fro the eest to Jerusalem, **2** and seiden, Where is he, that is borun king of Jewis? for we han seyn his sterre in the eest, and we comen to worschipe him. **3** But king Eroude herde, and was trublid, and al Jerusalem with hym. **4** And he gaderide to gidre alle the prynces of prestis, and scribis of the puple, and enqueride of hem, where Crist shulde be borun. **5** And thei seiden to hym, In Bethleem of Juda; for so it is writun bi a profete, **6** And thou, Bethleem, the lond of Juda, art not the leest among the prynces of Juda; for of thee a duyk schal go out, that schal gouerne my puple of Israel. **7** Thanne Eroude clepide pryueli the astromyens, and lernyde bisili of hem the tyme of the sterre that apperide to hem. **8** And he sente hem in to Bethleem, and seide, Go ye, and axe ye bisili of the child, and whanne yee han foundun, telle ye it to me, that Y also come, and worschipe hym. **9** And whanne thei hadden herd the kyng, thei wenten forth. And lo! the sterre, that thei siyen in the eest, wente bifore hem, til it cam, and stood aboue, where the child was. **10** And thei siyen the sterre, and ioyeden with a ful greet ioye. **11** And thei entriden in to the hous, and founden the child with Marie, his modir; and thei felden doun, and worschipiden him. And whanne thei hadden openyd her tresouris, thei offryden to hym yiftis, gold, encense, and myrre. **12** And whanne thei hadden take an aunswere in sleep, that thei schulden not turne ayen to Eroude, thei turneden ayen bi anothir weie in to her cuntrey. **13** And whanne thei weren goon, lo! the aungel of the Lord apperide to Joseph in sleep, and seide, Rise vp, and take the child and his modir, and fle in to Egipt, and be thou there, til that I seie to thee; for it is to come, that Eroude seke the child, to destrie hym. **14** And Joseph roos, and took the child and his modir bi nyyt, and wente in to Egipt, **15** and he was there to the deeth of Eroude; that it schulde be fulfillid, that was seid of the Lord bi the profete, seiynge, Fro Egipt Y haue clepid my sone. **16** Thanne Eroude seynge that he was disseyued of the astromyens, was ful wrooth; and he sente, and slowe alle the children, that weren in Bethleem, and in alle the coostis therof, fro two yeer age and with inne, aftir the tyme that he had enquerid of the astromyens. **17** Thanne `it was fulfillid, that was seid bi Jeremye, the profete, **18** seiynge, A vois was herd an hiy, wepynge and moche weilyng, Rachel biwepynge hir sones, and she wolde not be coumfortid, for thei ben noyt. **19** But whanne Eroude was deed, loo! the aungel of the Lord apperide to Joseph in sleep in Egipt, **20** and seide, Ryse vp, and take the child and his modir, and go in to the lond of Israel; for thei that souyten the lijf of the chijld ben deed. **21** Joseph roos, and took the child and his modir, and cam in to the loond of Israel. **22** And he herde that Archilaus regnede in Judee for Eroude, his fadir, and dredde to go thidir. And he was warned in sleep, and wente in to the parties of Galilee; **23** and cam, and dwelte in a citee, that ys clepid Nazareth, that it shulde be fulfillid, that was seid bi profetis, For he shal be clepid a Nazarey.

Matthew

1 A roll of the birth of Jesus Christ, son of David, son of Abraham. **2** Abraham begat Isaac, and Isaac begat Jacob, and Jacob begat Judah and his brethren, **3** and Judah begat Pharez and Zarah of Tamar, and Pharez begat Hezron, and Hezron begat Ram, **4** and Ram begat Amminadab, and Amminadab begat Nahshon, and Nahshon begat Salmon, **5** and Salmon begat Boaz of Rahab, and Boaz begat Obed of Ruth, and Obed begat Jesse, **6** and Jesse begat David the king. And David the king begat Solomon, of her [who had been] Uriah's, **7** and Solomon begat Rehoboam, and Rehoboam begat Abijah, and Abijah begat Asa, **8** and Asa begat Jehoshaphat, and Jehoshaphat begat Joram, and Joram begat Uzziah, **9** and Uzziah begat Jotham, and Jotham begat Ahaz, and Ahaz begat Hezekiah, **10** and Hezekiah begat Manasseh, and Manasseh begat Amon, and Amon begat Josiah, **11** and Josiah begat Jeconiah and his brethren, at the Babylonian removal. **12** And after the Babylonian removal, Jeconiah begat Shealtiel, and Shealtiel begat Zerubbabel, **13** and Zerubbabel begat Abiud, and Abiud begat Eliakim, and Eliakim begat Azor, **14** and Azor begat Sadok, and Sadok begat Achim, and Achim begat Eliud, **15** and Eliud begat Eleazar, and Eleazar begat Matthan, and Matthan begat Jacob, **16** and Jacob begat Joseph, the husband of Mary, of whom was begotten Jesus, who is named Christ. **17** All the generations, therefore, from Abraham unto David [are] fourteen generations, and from David unto the Babylonian removal fourteen generations, and from the Babylonian removal unto the Christ, fourteen generations. **18** And of Jesus Christ, the birth was thus: For his mother Mary having been betrothed to Joseph, before their coming together she was found to have conceived from the Holy Spirit, **19** and Joseph her husband being righteous, and not willing to make her an example, did wish privately to send her away. **20** And on his thinking of these things, lo, a messenger of the Lord in a dream appeared to him, saying, 'Joseph, son of David, thou mayest not fear to receive Mary thy wife, for that which in her was begotten [is] of the Holy Spirit, **21** and she shall bring forth a son, and thou shalt call his name Jesus, for he shall save his people from their sins.' **22** And all this hath come to pass, that it may be fulfilled that was spoken by the Lord through the prophet, saying, **23** 'Lo, the virgin shall conceive, and she shall bring forth a son, and they shall call his name Emmanuel,' which is, being interpreted 'With us [he is] God.' **24** And Joseph, having risen from the sleep, did as the messenger of the Lord directed him, and received his wife, **25** and did not know her till she brought forth her son — the first-born, and he called his name Jesus.

2 And Jesus having been born in Beth-Lehem of Judea, in the days of Herod the king, lo, mages from the east came to Jerusalem, **2** saying, 'Where is he who was born king of the Jews? for we saw his star in the east, and we came to bow to him.' **3** And Herod the king having heard, was stirred, and all Jerusalem with him, **4** and having gathered all the chief priests and scribes of the people, he was inquiring from them where the Christ is born. **5** And they said to him, 'In Beth-Lehem of Judea, for thus it hath been written through the prophet, **6** And thou, Beth-Lehem, the land of Judah, thou art by no means the least among the leaders of Judah, for out of thee shall come one leading, who shall feed My people Israel.' **7** Then Herod, privately having called the mages, did inquire exactly from them the time of the appearing star, **8** and having sent them to Beth-Lehem, he said, 'Having gone — inquire ye exactly for the child, and whenever ye may have found, bring me back word, that I also having come may bow to him.' **9** And they, having heard the king, departed, and lo, the star, that they did see in the east, did go before them, till, having come, it stood over where the child was. **10** And having seen the star, they rejoiced with exceeding great joy, **11** and having come to the house, they found the child with Mary his mother, and having fallen down they bowed to him, and having opened their treasures, they presented to him gifts, gold, and frankincense, and myrrh, **12** and having been divinely warned in a dream not to turn back unto Herod, through another way they withdrew to their own region. **13** And on their having withdrawn, lo, a messenger of the Lord doth appear in a dream to Joseph, saying, 'Having risen, take the child and his mother, and flee to Egypt, and be thou there till I may speak to thee, for Herod is about to seek the child to destroy him.' **14** And he, having risen, took the child and his mother by night, and withdrew to Egypt, **15** and he was there till the death of Herod, that it might be fulfilled that was spoken by the Lord through the prophet, saying, 'Out of Egypt I did call My Son.' **16** Then Herod, having seen that he was deceived by the mages, was very wroth, and having sent forth, he slew all the male children in Beth-Lehem, and in all its borders, from two years and under, according to the time that he inquired exactly from the mages. **17** Then was fulfilled that which was spoken by Jeremiah the prophet, saying, **18** 'A voice in Ramah was heard — lamentation and weeping and much mourning — Rachel weeping [for] her children, and she would not be comforted because they are not.' **19** And Herod having died, lo, a messenger of the Lord in a dream doth appear to Joseph in Egypt, **20** saying, 'Having risen, take the child and his mother, and be going to the land of Israel, for they have died — those seeking the life of the child.' **21** And he, having risen, took the child and his mother, and came to the land of

Mateo

1 La genealogia registro de Jesuo Kristo, filo de David, filo de Abraham. **2** Al Abraham naskiĝis Isaak, kaj al Isaak naskiĝis Jakob, kaj al Jakob naskiĝis Jehuda kaj liaj fratoj, **3** kaj al Jehuda naskiĝis Perec kaj Zeraĥ el Tamar, kaj al Perec naskiĝis Ĥecron, kaj al Ĥecron naskiĝis Ram, **4** kaj al Ram naskiĝis Aminadab, kaj al Aminadab naskiĝis Naĥŝon, kaj al Naĥŝon naskiĝis Salma, **5** kaj al Salma naskiĝis Boaz el Raĥab, kaj al Boaz naskiĝis Obed el Rut, kaj al Obed naskiĝis Jiŝaj, **6** kaj al Jiŝaj naskiĝis David, la reĝo. Kaj al David naskiĝis Salomono el la edzino de Urija, **7** kaj al Salomono naskiĝis Reĥabeam, kaj al Reĥabeam naskiĝis Abija, kaj al Abija naskiĝis Asa, **8** kaj al Asa naskiĝis Jehoŝafat, kaj al Jehoŝafat naskiĝis Joram, kaj al Joram naskiĝis Uzija, **9** kaj al Uzija naskiĝis Jotam, kaj al Jotam naskiĝis Aĥaz, kaj al Aĥaz naskiĝis Ĥizkija, **10** kaj al Ĥizkija naskiĝis Manase, kaj al Manase naskiĝis Amon, kaj al Amon naskiĝis Joŝija, **11** kaj al Joŝija naskiĝis Jeĥonja kaj liaj fratoj, je la tempo de la transloĝiĝo en Babelon. **12** Kaj post la transloĝiĝo en Babelon, al Jeĥonja naskiĝis Ŝealtiel, kaj al Ŝealtiel naskiĝis Zerubabel, **13** kaj al Zerubabel naskiĝis Abiud, kaj al Abiud naskiĝis Eljakim, kaj al Eljakim naskiĝis Azor, **14** kaj al Azor naskiĝis Cadok, kaj al Cadok naskiĝis Aĥim, kaj al Aĥim naskiĝis Eliud, **15** kaj al Eliud naskiĝis Eleazar, kaj al Eleazar naskiĝis Mattan, kaj al Mattan naskiĝis Jakob, **16** kaj al Jakob naskiĝis Jozef, edzo de Maria, el kiu estis naskita Jesuo, kiu estas nomata Kristo. **17** Tial ĉiuj generacioj de Abraham ĝis David estas dek kvar generacioj, kaj de David ĝis la transloĝiĝo en Babelon dek kvar generacioj, kaj de la transloĝiĝo en Babelon ĝis la Kristo dek kvar generacioj. **18** Kaj la naskiĝo de Jesuo Kristo estis tiamaniere: kiam lia patrino Maria estis fianĉinigita al Jozef, antaŭ ol ili kunvenis, ŝi troviĝis graveda per la Sankta Spirito. **19** Kaj ŝia edzo Jozef, estante justulo, kaj ne volante meti ŝin al publika malhonoro, volis ŝin sekrete forsendi. **20** Sed kiam li pripensis tion, jen anĝelo de la Eternulo aperis al li en sonĝo, dirante: Jozef, filo de David, ne timu preni al vi vian edzinon Maria; ĉar tio, kio naskiĝos de ŝi, estas per la Sankta Spirito. **21** Kaj ŝi naskos filon; kaj vi nomos lin JESUO; ĉar li savos sian popolon de ĝiaj pekoj. **22** Kaj ĉio tio okazis, por ke plenumiĝu tio, kion la Eternulo parolis per la profeto, dirante: **23** Jen virgulino gravediĝos kaj naskos filon, Kaj oni donos al li la nomon Emanuel; tio estas, Dio kun ni. **24** Kaj Jozef, leviĝinte el sia dormo, faris, kiel ordonis al li la anĝelo de la Eternulo, kaj prenis al si sian edzinon; **25** kaj li ne ekkonis ŝin, ĝis ŝi naskis filon; kaj li donis al li la nomon JESUO.

2 Kaj kiam Jesuo estis naskita en Bet-Leĥem de Judujo en la tempo de la reĝo Herodo, jen saĝuloj el la oriento venis al Jerusalem, dirante: **2** Kie estas tiu, kiu estas naskita Reĝo de la Judoj? ĉar ni vidis lian stelon en la oriento, kaj venis, por adorkliniĝi al li. **3** Kaj kiam la reĝo Herodo tion aŭdis, li maltrankviliĝis, kaj la tuta Jerusalem kun li. **4** Kaj kunveniginte ĉiujn ĉefpastrojn kaj skribistojn de la popolo, li demandis al ili, kie la Kristo devas naskiĝi. **5** Kaj ili diris al li: En Bet-Leĥem de Judujo, ĉar per la profeto estas skribite jene: **6** Kaj vi, ho Bet-Leĥem, lando de Judujo, Neniel estas plej malgranda inter la regantoj de Judujo; Ĉar el vi venos reganto, Kiu paŝtos Mian popolon Izrael. **7** Tiam Herodo sekrete venigis la saĝulojn, kaj precize sciiĝis de ili pri la tempo, kiam aperis la stelo. **8** Kaj li sendis ilin al Bet-Leĥem, dirante: Iru kaj elserĉu zorge pri la knabeto; kaj kiam vi lin trovos, sciigu al mi, por ke mi ankaŭ venu kaj adorkliniĝu al li. **9** Kaj aŭdinte la reĝon, ili ekvojiris; kaj jen la stelo, kiun ili vidis en la oriento, antaŭiris ilin, ĝis ĝi venis kaj staris super la loko, kie estis la juna knabeto. **10** Kaj vidante la stelon, ili ĝojis kun tre granda ĝojo. **11** Kaj veninte en la domon, ili vidis la knabeton kun lia patrino Maria, kaj adorkliniĝis al li; kaj malferminte siajn trezorojn, ili faligis sin kaj prezentis al li donacojn: oron kaj olibanon kaj mirhon. **12** Kaj avertite de Dio en sonĝo, ke ili ne iru returne al Herodo, ili foriris per alia vojo al sia lando. **13** Kaj post ilia foriro jen anĝelo de la Eternulo aperis en sonĝo al Jozef, dirante: Leviĝu, kaj prenu la knabeton kaj lian patrinon, kaj forrapidu en Egiptujon, kaj restu tie, ĝis mi parolos al vi; ĉar Herodo serĉos la knabeton, por lin pereigi. **14** Kaj li leviĝis, kaj prenis la knabeton kaj lian patrinon nokte, kaj migris en Egiptujon, **15** kaj restis tie ĝis la morto de Herodo; por ke plenumiĝu tio, kion la Eternulo parolis per la profeto, dirante: El Egiptujo Mi vokis Mian filon. **16** Tiam Herodo, ekvidinte, ke li estas trompita de la saĝuloj, tre koleris; kaj sendinte, li mortigis ĉiujn knabojn en Bet-Leĥem kaj en ĉiuj ĝiaj ĉirkaŭaĵoj, havantajn du jarojn aŭ malpli, laŭ la tempo, pri kiu li precize sciiĝis de la saĝuloj. **17** Tiam plenumiĝis tio, kio estis dirita per la profeto Jeremia, nome: **18** Voĉo estas aŭdita en Rama, Ĝemado kaj maldolĉa plorado, Raĥel priploras siajn infanojn, Kaj ŝi ne volas konsoliĝi,

Matteuse

1 Jeesuse Messia, Aabrahami poja, Taaveti poja sugupuu: **2** Aabrahamile sündis Iisak, Iisakile sündis Jaakob, Jaakobile sündisid Juuda ja tema vennad. **3** Juudale sündisid Taamariga Perets ja Serah, Peretsile sündis Hesron, Hesronile sündis Aram, **4** Aramile sündis Amminadab, Amminadabile sündis Nahson, Nahsonile sündis Salma, **5** Salmale sündis Raahabiga Boas, Boasele sündis Rutiga Oobed, Oobedile sündis Iisai, **6** Iisaile sündis kuningas Taavet. Taavetile sündis Uurija naisega Saalomon, **7** Saalomonile sündis Rehabeam, Rehabeamile sündis Abija, Abijale sündis Aasa, **8** Aasale sündis Joosafat, Joosafatile sündis Jooram, Jooramile sündis Ussija, **9** Ussijale sündis Jootam, Jootamile sündis Aahas, Aahasele sündis Hiskija, **10** Hiskijale sündis Manasse, Manassele sündis Aamon, Aamonile sündis Joosija, **11** Joosijale sündisid Jekonja ja tema vennad Paabeli vangipõlve ajal. **12** Pärast Paabeli vangipõlve sündis Jekonjale Sealtiel, Sealtielile sündis Serubbaabel, **13** Serubbaabelile sündis Abihuud, Abihuudile sündis Eljakim, Eljakimile sündis Assur, **14** Assurile sündis Saadok, Saadokile sündis Ahhim, Ahhimile sündis Elihuud, **15** Elihuudile sündis Eleasar, Eleasarile sündis Mattan, Mattanile sündis Jaakob. **16** Jaakobile sündis Maarja mees Joosep ja Maarjast sündis Jeesus, keda hüütakse Messiaks. **17** Seega on Aabrahamist Taavetini kokku neliteist sugupõlve, Taavetist Paabeli vangipõlveni neliteist sugupõlve ja Paabeli vangipõlvest Messiani neliteist sugupõlve. **18** Ent Jeesuse, Messia, sündimisega oli nõnda. Tema ema Maarja oli kihlatud Joosepiga, kuid enne abiellumist ja kokkusaamist selgus, et ta on lapseootel Pühast Vaimust. **19** Joosep oli õiglane mees ega tahtnud Maarjat avalikult häbistada, seepärast otsustas ta temast vaikselt lahutada. **20** Aga kui ta seda mõtet kaalus, ilmus talle unenäos Issanda ingel, kes ütles: „Joosep, Taaveti poeg, ära karda Maarjat naiseks võtta! Laps tema ihus on eostunud Pühast Vaimust. **21** Maarja sünnitab poja, kellele sina paned nimeks Jeesus, sest tema päästab oma rahva nende pattudest.“ **22** See kõik sündis, et läheks täide, mis Issand oli öelnud prohveti suu läbi: **23** „Pange tähele, neitsi jääb lapseootele ja sünnitab poja, ning talle pannakse nimeks Immanuel“– mis tähendab „Jumal on meiega“. **24** Kui Joosep unest ärkas, tegi ta nii, nagu Issanda ingel oli käskinud. Ta võttis Maarja endale naiseks ja viis ta koju, **25** kuid ei puutunud temasse, kuni poeg oli sündinud. Ja ta pani temale nimeks Jeesus.

2 Pärast Jeesuse sündimist Petlemmas Juudamaal, kuningas Heroodese valitsusajal, saabusid hommikumaalt pärit tähetargad Jeruusalemma. **2** „Kus on see laps, kes sündis juutide kuningaks?“küsisid nad. „Me nägime ta tähte tõusmas ja tulime teda kummardama.“ **3** Seda kuuldes läks kuningas Heroodes ärevile ja kogu Jeruusalemm koos temaga. **4** Ta kutsus kokku kõik juutide ülempreestrid ja kirjatundjad ning päris nende käest, kus Messias pidi sündima. **5** Need vastasid talle: „Juudamaa linnas Petlemmas, sest nõnda on prohvet kirjutanud: **6** „Sina, Petlemm Juudamaal, ei ole vähim Juuda valitsejate seas, sest sinust võrsub Valitseja, kes mu rahvast Iisraeli karjatseb.““ **7** Siis kutsus Heroodes tähetargad salaja enda juurde ja uuris neilt välja aja, millal täht oli paistma hakanud. **8** Seejärel läkitas ta nad Petlemma, öeldes: „Minge ja otsige last. Kui te ta leiate, siis teatage mulle, et minagi võiksin minna teda kummardama!“ **9** Tähetargad kuulasid kuninga ära ja asusid teele. Ja ennäe, täht, mille tõusu nad olid jälginud, juhatas neid, kuni jäi seisma selle paiga kohal, kus asus laps. **10** Seda nähes rõõmustasid tähetargad väga. **11** Nad astusid majja ja nägid last koos tema ema Maarjaga ning kummardusid ta ette maha. Siis avasid nad oma varalaekad ja andsid talle kinke: kulda, viirukit ja mürri. **12** Ja saanud unenäos Jumalalt hoiatuse, et nad ei läheks enam Heroodese juurde, pöördusid nad teist teed pidi tagasi oma maale. **13** Kui tähetargad olid lahkunud, ilmus Issanda ingel unenäos Joosepile ja ütles: „Tõuse üles, võta kaasa laps ja tema ema! Põgene Egiptusesse ja ole seal, kuni ma sulle ütlen; sest Heroodes hakkab otsima last, et teda hukata.“ **14** Joosep tõusis, võttis kaasa lapse ja tema ema ning põgenes öösel Egiptusesse. **15** Seal viibis ta Heroodese surmani, et läheks täide, mida Issand oli öelnud prohveti kaudu: „Ma kutsusin oma poja Egiptusest.“ **16** Kui Heroodes nägi, et tähetargad olid teda petnud, sattus ta suurde raevu. Ta andis käsu hukata kõik poisslapsed Petlemmas ja kogu selle ümbruses: kaheaastased ja alla selle, vastavalt ajale, mille ta oli tähetarkadelt välja uurinud. **17** Nii läks täide, mis oli öeldud prohvet Jeremija suu läbi: **18** „Raamas on kuulda häält, rohket nuttu ja hala. Raahel nutab taga lapsi ega lase end lohutada, sest neid ei ole enam.“ **19** Ent pärast Heroodese surma ilmus Issanda ingel Egiptuses viibivale Joosepile unenäos **20** ja ütles: „Tõuse üles, võta kaasa laps ja tema ema

Matteus

1 See raamat on Jeesuse, Messia, Taaveti poja ja Aabrahami poja elu üleskirjutus, alustades sugupuust: **2** Aabraham oli Iisaki isa; ja Iisak oli Jaakobi isa; ja Jaakob Juuda ja tema vendade isa; **3** ja Juuda Peretsi ja Serahi isa (nende ema oli Taamar); ja Perets oli Hesroni isa; ja Hesron Arami isa; **4** ja Aram oli Amminadabi isa; ja Amminadab Nahsoni isa; ja Nahson Salma isa; **5** ja Salma oli Boase isa (tema ema oli Raahab); ja Boas oli Oobedi isa (tema ema oli Rutt); ja Oobed oli Iisai isa; **6** ja Iisai kuningas Taaveti isa. Taavet oli Saalomoni isa (tema ema oli Uurija naine); **7** ja Saalomon oli Rehabeami isa; ja Rehabeam Abija isa; ja Abija Aasa isa; **8** ja Aasa oli Joosafati isa; ja Joosafat Joorami isa; ja Jooram Ussija isa; **9** ja Ussija oli Jootami isa; ja Jootam Aahase isa; ja Aahas Hiskija isa; **10** ja Hiskija oli Manasse isa; ja Manasse Aamoni isa; ja Aamon Joosija isa; **11** ja Joosija oli Jekonja ja tema vendade isa, Paabeli vangipõlve ajal. **12** Pärast Paabeli vangipõlve oli Jekonja Sealtieli isa; ja Sealtiel Serubbaabeli isa; **13** ja Serubbaabel oli Abihuudi isa; ja Abihuud Eljakimi isa; ja Eljakim Assuri isa; **14** ja Assur oli Saadoki isa; ja Saadok Ahhimi isa; ja Ahhim Elihuudi isa; **15** ja Elihuud oli Eleasari isa; ja Eleasar Mattani isa; ja Mattan Jaakobi isa; **16** ja Jaakob oli Joosepi isa; Joosep oli selle Maarja mees, kellest sündis Jeesus, keda nimetatakse Messiaks. **17** Nõnda on kõiki põlvkondi Aabrahmist Taavetini kokku neliteist, Taavetist Paabeli vangipõlveni neliteist põlvkonda ja Paabeli vangipõlvest Messiani neliteist põlvkonda. **18** Messia Jeesuse sündimise lugu oli selline. Tema ema Maarja oli kihlatud Joosepiga, kuid enne, kui nad koos magamiseni jõudsid, jäi Maarja Pühast Vaimust lapseootele. **19** Tema kihlatu Joosep oli hea mees ega tahtnud Maarjat avalikult häbistada, seega otsustas ta kihluse diskreetselt katkestada. **20** Kui Joosep kõige selle peale mõtles, ilmus talle unes Issanda ingel ja ütles talle: „Joosep, Taaveti poeg, ära karda Maarjaga abielluda, sest ta on lapseootel Pühast Vaimust. **21** Talle sünnib poeg ja sa pead talle nimeks panema Jeesus, sest ta päästab rahva nende pattudest.“ **22** (See kõik toimus, et täituks see, mida Issand oli prohveti kaudu öelnud: **23** „Neitsi jääb lapseootele ja toob ilmale poja. Teda hüütakse Immaanueliks, “mis tähendab „Jumal meiega“.) **24** Joosep ärkas ja tegi nii, nagu Issanda ingel oli teda käskinud. **25** Joosep abiellus Maarjaga, kuid ei maganud temaga enne, kui ta oli sünnitanud poja, kellele ta pani nimeks Jeesus.

2 Pärast seda kui Jeesus oli sündinud Petlemmas Juudamaal kuningas Heroodese valitsemisajal, tulid targad mehed idast Jeruusalemma. **2** „Kus on juutide kuningas, kes sündis?“küsisid nad. „Me nägime tema tähte idas ja tulime teda kummardama.“ **3** Kui kuningas Heroodes sellest kuulis, muutus ta väga rahutuks ja kogu Jeruusalemm koos temaga. **4** Heroodes kutsus kokku kõik ülempreestrid ja rahva vaimulikud õpetajad ning küsis neilt, kus Messias pidi sündima. **5** „Petlemmas Juudamaal, “vastasid nad talle, „sest nii kirjutas prohvet: **6** „Petlemm Juudamaal, sa ei ole kindlasti Juuda linnadest kõige tähtsusetum, sest sinust tuleb juht, kellest saab mu rahva Iisraeli karjane.““ **7** Siis kutsus Heroodes targad mehed, rääkis nendega omaette ja uuris neilt täpselt, millal täht oli ilmunud. **8** Ta saatis nad Petlemma sõnadega: „Kui te sinna jõuate, otsige laps üles. Kui te ta leiate, andke mulle teada, et ka mina saaksin minna teda kummardama.“ **9** Pärast seda, kui nad olid ära kuulanud, mis kuningal öelda oli, läksid nad oma teed, ning täht, mida nad olid idas näinud, juhtis neid, kuni peatus täpselt selle paiga kohal, kus laps oli. **10** Kui nad nägid tähte, ei suutnud nad oma rõõmu tagasi hoida! **11** Nad läksid majja ja nägid last koos tema ema Maarjaga. Nad põlvitasid ja kummardasid teda. Seejärel avasid nad oma aardekotid ning andsid talle kingiks kulda, viirukit ja mürri. **12** Kui neid oli unenäos hoiatatud, et nad ei läheks Heroodese juurde tagasi, suundusid nad oma kodumaale teist teed mööda. **13** Pärast nende lahkumist ilmus Issanda ingel unes Joosepile ja ütles talle: „Tõuse üles, võta laps ja tema ema ning põgene Egiptusesse. Jää sinna, kuni ma sulle ütlen, sest Heroodes hakkab last otsima, et teda tappa.“ **14** Nõnda tõusis Joosep üles, võttis poisi ja tema ema ning hakkas öösel Egiptuse poole minema. **15** Sinna jäid nad kuni Heroodese surmani. Nii täitus see, mida Issand oli prohveti kaudu öelnud: „Ma kutsusin oma poja Egiptusest.“ **16** Kui Heroodes mõistis, et targad olid teda petnud, sai ta väga vihaseks. Ta saatis mehed tapma kõiki Petlemma ja ümberkaudsete piirkondade väikseid poisse, kes olid kaheaastased ja nooremad. See tugines ajavahemikule, mille ta oli tarkadelt teada saanud. **17** Nii läks täide Jeremija prohvetikuulutus: **18** „Raamas kuuldakse kohutavat nutmist ja leinamist, Raahel nutab oma lapsi taga. Nad on surnud ja ta on lohutamatu.“ **19** Pärast seda kui Heroodes suri, ilmus Issanda ingel unenäos Joosepile Egiptuses ja ütles

Mateo

1 Yesu Kristo ŋye Abraham kple Fia David ƒe
dzidzimevi; efe dzidzimegbalẽ lae nye esi: **2**
Abraham dzi Isak, Isak dzi Yakob, eye Yakob dzi
Yuda kple nɔviawo, **3** Yuda dzi Perez kple Zera, ame
siwo dadae nye Temar, Perez dzi Hezron, Hezron
hã dzi Ram, **4** Ram dzi Aminadab, Aminadab dzi
Naheson, Nahson dzi Salmon, **5** Salmon hã dzi Boaz,
ame si dadae nye Rahab. Boaz dzi Obed, ame si dadae
nye Rut. Obed dzi Yese. **6** Yese dzi Fia David, David
dzi Solomo, ame si dadae nye Uria srɔ̃ kpɔ. **7** Solomo
dzi Rehoboam, Rehoboam dzi Abiya, eye Abiya hã
dzi Asa. **8** Asa dzi Yehosafat, Yehosafat dzi Yoram,
Yoram dzi Uzia, **9** Uzia dzi Yotam, Yotam dzi Ahaz,
Ahaz dzi Hezekia, **10** Hezekia dzi Manase, Manase
dzi Amon, Amon dzi Yosia. **11** Yosia dzi Yekonia
kple nɔviawo le esime woɖe aboyo Israel dukɔa yi
Babilonia. **12** Le aboyomenɔnɔ le Babilonia megbe
la, Yekonia dzi Sealtiel, Sealtiel dzi Zerubabel, **13**
Zerubabel hã dzi Abihud, Abihud dzi Eliakim, eye
Eliakim dzi Azɔ. **14** Azɔ dzi Zadok, Zadok dzi Akim,
Akim dzi Elihud, **15** Elihud dzi Eleaza, Eleaza dzi
Matan, Matan hã dzi Yakob, **16** eye Yakob dzi Yosef,
ame si nye Maria, Yesu Kristo dada srɔ̃. **17** Ale tso
Abraham dzi va se ɖe Fia David dzi la, dzidzimeawo
katã le wuiene, eye tso Fia David ŋɔli va se ɖe esime
woɖe aboyo Israel yi Babilonia la, dzidzimeawo le
wuiene, nenema ke tso aboyomenɔɣi va se ɖe Kristo
dzi hã le dzidzime wuiene. **18** Yesu Kristo dzidzi
va yi ale: Wodo Maria, Yesu dada ŋugbe na Yosef
be wòaɖe, gake hafi woava kpe la, wokpɔ be Maria
fɔ fu to Gbɔgbɔ Kɔkɔe la me. **19** Azɔ Yosef, ame si
wodo efe ŋugbe na la nye nutefewɔla, eya ta medi
be yeado ŋukpe Maria le dutofo o; eɖoe be yeagbee
le adzame. **20** Ke esi wònɔ nu siawo ŋu bum la,
mawudɔla aɖe ɖe eɖokui fiae le drɔ̃efe, yɔe gblɔ nɛ
be, "Yosef, David ƒe vi, mègavɔ̃ srɔ̃wò Maria kpɔkplɔ
be wòava nɔ gbɔwò o, elabena fu si wòfɔ la, Gbɔgbɔ
Kɔkɔe la mee wòtso. **21** Adzi ŋutsuvi, eye nàna ŋkɔe
be Yesu, elabena eyae aɖe efe amewo tso wofe nu
vɔ̃wo me." **22** Esiawo katã va eme be, woawu Afetɔ
ƒe nya si wògblɔ ɖi to Nyagblɔɖila dzi la nu be, **23**
"Ðetugbi si menya ŋutsu o la afɔ fu, eye wòadzi
ŋutsuvi, eye woayɔ efe ŋkɔ be, Imanuel" (si gɔmee
nye, "Mawu li kpli mí"). **24** Esi Yosef nyɔ la, ewɔ ɖe
mawudɔla la ƒe gbe dzi, eye wòyi ɖakplɔ Maria va
efe afe mee abe srɔ̃a ene. **25** Ke Yosef mede asi eŋu
o, va se ɖe esime wòdzi viŋutsuvi la, eye wòna ŋkɔe
be Yesu.

2 Esi wodzi Yesu le Betlehem le Yudea, le Fia
Herod ŋɔli la, ɣletivimenunyalawo tso ɣedzefe
va Yerusalem, eye wonɔ amewo biam be, **2** "Afi
ka Yudatɔwo ƒe fia yeye si wodzi la le? Míekpɔ efe
ɣletivi le ɣedzefe ke, ale míeva be míasubɔe." **3** Esi
Fia Herod se nya sia la, dzika tso eya kple Yerusalem
dua me nɔlawo katã ƒo. **4** Esia ta Fia Herod yɔ
Yudatɔwo ƒe nunɔlagãwo kple agbalẽfialawo katã ƒo
ƒu, eye wòbia du si me woadzi Kristo le la wo. **5**
Woɖo eŋu nɛ be, "Woadzi Kristo la le Betlehem le
Yudea, elabena nenema woŋlɔe ɖi to nyagblɔɖila la
dzi bena, **6** "'O, wò Betlehem, le Yudaŋyigba dzi,
menye Yudatɔwo ƒe du sue maxɔŋkɔ aɖe ko nènye
o, elabena wò mee fia si le nye dukɔ Israel dzi ɖu
ge la ado atso.'" **7** Esia megbe la, Herod dɔ ame ɖo
ɖe ɣletivimenunyala siawo dzaa, eye wòbia wo be
woagblɔ ɣeyiɣi si tututu wokpɔ ɣletivi la zi gbãtɔ la
na ye, eye wogblɔe nɛ. Ale wòdɔ wo kple gbedeasi
sia be, **8** "Miyi Betlehem ne miadi ɖevi la, eye ne
mieke ɖe eŋu la, mitrɔ va gblɔe nam bena ŋye hã
mayi aɖasubɔe!" **9** Esi wose fia la ƒe nya la, wogayi
wofe mɔzɔzɔ dzi, eye ɣletivi si wokpɔ le ɣedzefe la
gadze wo ŋgɔ heyi ɖatɔ ɖe afe si me ɖevi la le la
tame. **10** Ke esi wokpɔ ɣletivia la, dzi dzɔ wo ŋutɔ.
11 Esi woge ɖe afea me la, wokpɔ ɖevi la kple dadaa
Maria, eye woyi ɖadze klo ɖe egbɔ enumake hede ta
agu nɛ. Woʋu nu le wofe nunanawo nu, eye wotsɔ
sika, kotoklobo kple lifi nɛ. **12** Eye esi Mawu xlɔ̃ nu
wo le drɔ̃efe bena womagatrɔ ayi Herod gbɔ o la,
woto mɔ bubu yi wo de. **13** Esi ɣletivimenunyalawo
dzo vɔ la, mawudɔla aɖe ɖe eɖokui fia Yosef le
drɔ̃efe. Egblɔ nɛ be, "Tso kpla nàkplɔ ɖevi la kple
dadaa, eye nàsi ayi Egipte, eye nànɔ afi ma va se ɖe
esime magblɔe na wò, elabena Fia Herod le ɖevi la
di ge be yeawu." **14** Esia ta Yosef fɔ enumake, eye
wòkplɔ ɖevi la kple dadaa le zã ma me ke hesi dzo yi
Egipte, **15** eye wonɔ afi ma va se ɖe esime Fia Herod
ku. Ale wowu nya si Afetɔ la gblɔ ɖi to nyagblɔɖila
dzi la nu be, "Egipte meyɔ vinye la tsoe." **16** Esi
Herod kpɔe be ɣletivimenunyalawo flu ye la, dɔ me
vee ale gbegbe be wòdɔ asrafowo ɖo ɖe Betlehem
kple efe nutowo me, be woaɖawu ŋutsuvi siwo katã
xɔ ƒe eve kple esiwo mexɔ nenema haɖe o, ɖe ɣeyiɣi
si ɣletivimenunyalawo gblɔ nɛ be yewokpɔ ɣletivia
la nu. **17** Ale wowu nya si wogblɔ ɖi to Nyagblɔɖila
Yeremia dzi la nu be, **18** "Wose ɣlidodo le Rama,
avifafa kple nublanuiɣli ɖi bobobo; Rahel nɔ avi
dzi le viawo ta, eye naneke mate ŋu afa akɔ nɛ
o, elabena viawo megali o." **19** Esi Herod ku la,
mawudɔla aɖe va ɖe eɖokui fia Yosef le drɔ̃efe le
Egipte. Egblɔ nɛ be, **20** "Tso nàkplɔ ɖevi la kple
dadaa atrɔ ayi Israelnyigba dzi, elabena ame siwo
le ɖevi la ƒe agbe yome tim la ku!" **21** Ale Yosef
tso enumake, eye wòkplɔ Yesu kple dadaa trɔ yi
Israelnyigba dzi. **22** Ke esi wòse be Arkelao nɔ dzi
ɖum le Yudea ɖe fofoa Herod tefe la, evɔ̃ na afi ma
yiyi. Ke esi wogbe nya nɛ le drɔ̃efe ta la, eyi Galilea
nutowo me, **23** eye wòyi ɖanɔ Nazaret. Esia wu nya
si wogblɔ ɖi to nyagblɔɖilawo dzi la nu be, "Woayɔe
be Nazaretitɔ."

Matteuksen

1 Jesuksen Kristuksen syntymäkirja, Davidin pojan, Abrahamin pojan. **2** Abraham siitti Isaakin. Mutta Isaak siitti Jakobin. Jakob siitti Juudan, ja hänen veljensä, **3** Juuda siitti Phareksen ja Saramin Tamarista. Phares siitti Hetsronin. Hetsron siitti Aramin. **4** Aram siitti Aminadabin. Aminadab siitti Nahassonin. Nahasson siitti Salmonin. **5** Salmon siitti Boaksen Rahabista. Boas siitti Obedin Ruutista. Obed siitti Jessen. **6** Jesse siitti kuningas Davidin. Kuningas David siitti Salomonin Urian emännästä. **7** Salomon siitti Rehabeamin. Rehabeam siitti Abian. Abia siitti Assan. **8** Assa siitti Josaphatin. Josaphat siitti Joramin. Joram siitti Ussian. **9** Ussia siitti Jotamin. Jotam siitti Akaksen. Akas siitti Etsekian. **10** Etsekia siitti Manassen. Manasse siitti Amonin. Amon siitti Josian. **11** Josia siitti (Jojakimin. Jojakim siitti) Jekonian ja hänen veljensä, Babelin vankiudessa. **12** Mutta Babelin vankiuden jälkeen siitti Jekonia Sealtielin. Sealtiel siitti Zorobabelin. **13** Zorobabel siitti Abiudin. Abiud siitti Eliakimin. Eliakim siitti Asorin. **14** Asor siitti Sadokin. Sadok siitti Akimin. Akim siitti Eliudin. **15** Eliud siitti Eleatsarin. Eleatsar siitti Matanin. Matan siitti Jakobin. **16** Jakob siitti Josephin, Marian miehen, josta (Mariasta) on syntynyt Jesus, joka kutsutaan Kristus. **17** Niin ovat kaikki polvet Abrahamista Davidiin asti neljätoistakymmentä polvea; Davidista Babelin vankiuteen myös neljätoistakymmentä polvea, ja Babelin vankiudesta Kristukseen asti neljätoistakymmentä polvea. **18** Jesuksen Kristuksen syntymys oli näin: koska Maria hänen äitinsä oli Josephiin kihlattu, ennen kuin he yhteen tulivat, löyttiin hän raskaaksi Pyhästä Hengestä. **19** Mutta että Joseph hänen miehensä oli hurskas ja ei tahtonut häntä huutoon saattaa, ajatteli hän salaisesti hyljätä hänen. **20** Kuin hän näitä ajatteli, katso, niin Herran enkeli ilmestyi hänelle unessa ja sanoi: Joseph, Davidin poika! älä pelkää ottaakses Mariaa puolisoas tykös; sillä se, mikä hänessä on siinnyt, on Pyhästä Hengestä. **21** Ja hänen pitää synnyttämän Pojan, jonka nimen sinun pitää kutsuman Jesus; sillä hän on vapahtava kansansa heidän synneistänsä. **22** Mutta tämä on kaikki tapahtunut, että täytettäisiin, mitä Herralta on sanottu prophetan kautta, joka sanoo: **23** Katso, neitseen pitää raskaaksi tuleman ja synnyttämän Pojan, ja hänen nimensä pitää kutsuttaman Emmanuel; se on niin paljo sanottu: Jumala meidän kanssamme. **24** Kuin Joseph unesta heräsi, niin hän teki kuin Herran enkeli hänen käski, ja otti puolisonsa tykönsä, **25** Ja ei tuntenut häntä, siihenasti kuin hän poikansa esikoisensa synnytti, ja kutsui hänen nimensä Jesus.

2 Koska siis Jesus syntynyt oli Betlehemissä Juudan maalla, kuningas Herodeksen aikaan, katso, tietäjät tulivat idästä Jerusalemiin ja sanoivat: **2** Kussa on se syntynyt Juudalaisten kuningas? sillä me näimme hänen tähtensä idässä, ja tulimme häntä kumartaen rukoilemaan. **3** Kuin kuningas Herodes sen kuuli, hämmästyi hän ja kaikki Jerusalem hänen kanssansa, **4** Ja kokosi kaikki ylimmät papit ja kirjanoppineet kansan seassa, ja kyseli heiltä, kussa Kristuksen syntymän piti. **5** Ja he sanoivat hänelle: Betlehemissä Juudan maalla; sillä niin on prophetan kautta kirjoitettu: **6** Ja sinä Betlehem Juudan maassa, et sinä ole suinkaan vähin Juudan pääruhtinasten seassa; sillä sinusta on tuleva se Ruhtinas, jonka minun kansaani Israelia pitää hallitseman. **7** Silloin kutsui Herodes tietäjät salaa, ja tutkisteli visusti heiltä, millä ajalla tähti ilmestyi, **8** Ja lähetti heidät Betlehemiin, ja sanoi: menkäät ja kysykäät visusti lapsesta, ja kuin te löydätte, niin ilmoittakaat minulle, että minäkin tulisin ja kumartaisin häntä. **9** Kuin he olivat kuninkaan kuulleet, menivät he matkaansa, ja katso, tähti, jonka he olivat nähneet idässä, kävi heidän edellänsä, niinkauvan kuin hän edellä käyden seisahti sen paikan päälle, jossa lapsi oli. **10** Kuin he tähden näkivät, ihastuivat he sangen suurella ilolla, **11** Ja menivät huoneeseen, löysivät lapsen äitinsä Marian kanssa, maahan lankesivat ja rukoilivat häntä, ja avasivat tavaransa, ja lahjoittivat hänelle kultaa ja pyhää savua ja mirhamia. **12** Ja Jumala kielsi heitä unessa Herodeksen tykö palajamasta; ja he menivät toista tietä omalle maallensa. **13** Mutta kuin he olivat menneet pois, katso, niin Herran enkeli ilmestyi Josephille unessa, sanoen: nouse ja ota lapsi äitinensä tykös, ja pakene Egyptiin, ja ole siellä siihen asti kuin minä sinulle sanon; sillä Herodes on etsivä lasta, hukuttaaksensa häntä. **14** Niin hän nousi ja otti lapsen äitinensä yöllä tykönsä, ja pakeni Egyptiin, **15** Ja oli siellä Herodeksen kuolemaan asti: että täytettäisiin mitä sanottu oli Herralta prophetan kautta, joka sanoo: Egyptistä kutsuin minä poikani. **16** Kuin Herodes näki itsensä tietäjiltä vietellyksi, vihastui hän sangen kovin, ja lähetti tappamaan kaikki poikalapset Betlehemissä ja kaikissa sen äärissä, jotka kaksivuotiset olivat taikka nuoremmat, sen ajan jälkeen, jonka hän oli tarkasti tietäjiltä tutkinut. **17** Silloin se täytettiin, mitä Jeremialta prophetalta sanottu oli, joka sanoo: **18** Ramassa on ääni kuulunut, suuri valitus, itku ja iso parku: Rakel itkee lapsiansa, ja ei tahtonut itsiänsä antaa lohdutettaa, ettei he ole. **19** Mutta kuin Herodes oli kuollut, katso, niin Herran enkeli ilmestyi Josephille unessa Egyptissä ja sanoi: **20** Nouse ja ota lapsi äitinensä, ja mene Israelin maalle; sillä ne ovat kuolleet, jotka lapsen henkeä väijyivät. **21** Niin hän nousi ja otti lapsen äitinensä, ja meni Israelin maalle. **22** Mutta kuin hän kuuli, että Arkelaus oli kuningas Juudeassa, isänsä Herodeksen siassa, pelkäsi hän sinne mennä. Ja hän sai Jumalalta käskyn unessa, ja poikkesi Galilean

Matteuksen

1 Jeesuksen Kristuksen, Daavidin pojan, Aabrahamin pojan, syntykirja. **2** Aabrahamille syntyi Iisak, Iisakille syntyi Jaakob, Jaakobille syntyi Juuda ja tämän veljet; **3** Juudalle syntyi Faares ja Sera Taamarista, Faareelle syntyi Esrom, Esromille syntyi Aram; **4** Aramille syntyi Aminadab, Aminadabille syntyi Nahasson, Nahassonille syntyi Salmon; **5** Salmonille syntyi Booas Raahabista, Booaalle syntyi Oobed Ruutista, Oobedille syntyi Iisai; **6** Iisaille syntyi Daavid, kuningas. Daavidille syntyi Salomo Uurian vaimosta; **7** Salomolle syntyi Rehabeam, Rehabeamille syntyi Abia, Abialle syntyi Aasa; **8** Aasalle syntyi Joosafat, Joosafatille syntyi Jooram, Jooramille syntyi Ussia; **9** Ussialle syntyi Jootam, Jootamille syntyi Aahas, Aahaalle syntyi Hiskia; **10** Hiskialle syntyi Manasse, Manasselle syntyi Aamon, Aamonille syntyi Joosia; **11** Joosialle syntyi Jekonja ja tämän veljet Babyloniin siirtämisen aikoina. **12** Babyloniin siirtämisen jälkeen Jekonjalle syntyi Sealtiel, Sealtielille syntyi Serubbaabel; **13** Serubbaabelille syntyi Abiud, Abiudille syntyi Eljakim, Eljakimille syntyi Asor; **14** Asorille syntyi Saadok, Saadokille syntyi Akim, Akimille syntyi Eliud; **15** Eliudille syntyi Eleasar, Eleasarille syntyi Mattan, Mattanille syntyi Jaakob; **16** Jaakobille syntyi Joosef, Marian mies, hänen, josta syntyi Jeesus, jota kutsutaan Kristukseksi. **17** Näin on sukupolvia Aabrahamista Daavidiin kaikkiaan neljätoista polvea, ja Daavidista Babyloniin siirtämiseen neljätoista polvea, ja Babyloniin siirtämisestä Kristukseen asti neljätoista polvea. **18** Jeesuksen Kristuksen syntyminen oli näin. Kun hänen äitinsä Maria oli kihlattu Joosefille, huomattiin hänen ennen heidän yhteenmenoaan olevan raskaana Pyhästä Hengestä. **19** Mutta kun Joosef, hänen miehensä, oli hurskas, ja koska hän ei tahtonut saattaa häntä häpeään, aikoi hän salaisesti hyljätä hänet. **20** Mutta kun hän tätä ajatteli, niin katso, hänelle ilmestyi unessa Herran enkeli, joka sanoi: "Joosef, Daavidin poika, älä pelkää ottaa tykösi Mariaa, vaimoasi; sillä se, mikä hänessä on siinnyt, on Pyhästä Hengestä. **21** Ja hän on synnyttävä pojan, ja sinun on annettava hänelle nimi Jeesus, sillä hän on vapahtava kansansa heidän synneistänsä." **22** Tämä kaikki on tapahtunut, että kävisi toteen, minkä Herra on puhunut profeetan kautta, joka sanoo: **23** "Katso, neitsyt tulee raskaaksi ja synnyttää pojan, ja tälle on annettava nimi Immanuel", mikä käännettynä on: Jumala meidän kanssamme. **24** Herättyään unesta Joosef teki, niinkuin Herran enkeli oli käskenyt hänen tehdä, ja otti vaimonsa tykönsä **25** eikä yhtynyt häneen, ennenkuin hän oli synnyttänyt pojan. Ja hän antoi hänelle nimen Jeesus.

2 Kun Jeesus oli syntynyt Juudean Beetlehemissä kuningas Herodeksen aikana, niin katso, tietäjiä tuli itäisiltä mailta Jerusalemiin, **2** ja he sanoivat: "Missä on se äsken syntynyt juutalaisten kuningas? Sillä me näimme hänen tähtensä itäisillä mailla ja olemme tulleet häntä kumartamaan." **3** Kun kuningas Herodes sen kuuli, hämmästyi hän ja koko Jerusalem hänen kanssaan. **4** Ja hän kokosi kaikki kansan ylipapit ja kirjanoppineet ja kyseli heiltä, missä Kristus oli syntyvä. **5** He sanoivat hänelle: "Juudean Beetlehemissä; sillä näin on kirjoitettu profeetan kautta: **6** 'Ja sinä Beetlehem, sinä Juudan seutu, et suinkaan ole vähäisin Juudan ruhtinasten joukossa, sillä sinusta on lähtevä hallitsija, joka kaitsee minun kansaani Israelia'." **7** Silloin Herodes kutsui salaa tietäjät tykönsä ja tutkiskeli heiltä tarkoin, mihin aikaan tähti oli ilmestynyt. **8** Ja hän lähetti heidät Beetlehemiin sanoen: "Menkää ja tiedustelkaa tarkasti lasta; ja kun sen löydätte, niin ilmoittakaa minulle, että minäkin tulisin häntä kumartamaan". **9** Kuultuaan kuninkaan sanat he lähtivät matkalle; ja katso, tähti, jonka he olivat itäisillä mailla nähneet, kulki heidän edellään, kunnes se tuli sen paikan päälle, jossa lapsi oli, ja pysähtyi siihen. **10** Nähdessään tähden he ihastuivat ylen suuresti. **11** Niin he menivät huoneeseen ja näkivät lapsen ynnä Marian, hänen äitinsä. Ja he lankesivat maahan ja kumarsivat häntä, avasivat aarteensa ja antoivat hänelle lahjoja: kultaa ja suitsuketta ja mirhaa. **12** Ja Jumala kielsi heitä unessa Herodeksen tykö palaamasta, ja he menivät toista tietä takaisin omaan maahansa. **13** Mutta kun he olivat menneet, niin katso, Herran enkeli ilmestyi Joosefille unessa ja sanoi: "Nouse, ota lapsi ja hänen äitinsä ja pakene Egyptiin, ja ole siellä siihen asti, kuin minä sinulle sanon; sillä Herodes on etsivä lasta surmatakseen hänet". **14** Niin hän nousi, otti yöllä lapsen ja hänen äitinsä ja lähti Egyptiin. **15** Ja hän oli siellä Herodeksen kuolemaan asti; että kävisi toteen, minkä Herra on puhunut profeetan kautta, joka sanoo: "Egyptistä minä kutsuin poikani". **16** Silloin Herodes, nähtyään, että tietäjät olivat hänet pettäneet, vihastui kovin ja lähetti tappamaan kaikki poikalapset Beetlehemistä ja koko sen ympäristöstä, kaksivuotiaat ja nuoremmat, sen mukaan kuin hän oli aikaa tietäjiltä tarkoin tiedustellut. **17** Silloin kävi toteen, mikä on puhuttu profeetta Jeremiaan kautta, joka sanoo: **18** "Ääni kuuluu Raamasta, itku ja iso parku; Raakel itkee lapsiansa eikä lohdutuksesta huoli, kun heitä ei enää ole". **19** Mutta kun Herodes oli kuollut, niin katso, Herran enkeli ilmestyi unessa Joosefille Egyptissä **20** ja sanoi: "Nouse, ota lapsi ja hänen äitinsä ja mene Israelin maahan, sillä ne ovat kuolleet, jotka väijyivät lapsen henkeä". **21** Niin hän nousi, otti lapsen ja hänen äitinsä ja meni Israelin maahan. **22** Mutta kun hän kuuli, että Arkelaus hallitsi Juudeaa isänsä Herodeksen jälkeen,

Matteus

1 Jeesus Kristus oli kuningas Daavidin ja Aabrahamin jälkeläinen. Nämä ovat hänen esi-isänsä: **2** Aabraham oli Iisakin isä. Iisak oli Jaakobin isä, Jaakob oli Juudan ja tämän veljien isä. **3** Juuda oli Pereksen ja Serahin isä (heidän äitinsä oli Taamar). Peres oli Hesronin isä. Hesron oli Raamin isä. **4** Raam oli Amminadabin isä. Amminadab oli Nahsonin isä. Nahson oli Salman isä. **5** Salma oli Booaan isä (hänen äitinsä oli Raahab). Booas oli Oobedin isä (hänen äitinsä oli Ruut). Oobed oli Iisain **6** ja Iisai kuningas Daavidin isä. Daavid oli Salomon isä – hänen äitinsä oli Uurian vaimo. **7** Salomo oli Rehabeamin isä. Rehabeam oli Abiamin isä. Abiam oli Aasan isä. **8** Aasa oli Joosafatin isä. Joosafat oli Jooramin isä. Jooram oli Ussian isä. **9** Ussia oli Jootamin isä. Jootam oli Aahaan isä. Aahas oli Hiskian isä. **10** Hiskia oli Manassen isä. Manasse oli Aamonin isä. Aamon oli Joosian isä. **11** Joosia oli Jekonjan ja hänen veljiensä isä – pojat syntyivät niihin aikoihin, kun kansa karkotettiin Babyloniin. **12** Karkotuksen jälkeen Jekonjalle syntyi Sealtiel, Sealtielille Serubbaabel, **13** Serubbaabelille Abiud, Abiudille Eljakim, Eljakimille Asor, **14** Asorille Saadok, Saadokille Akim, Akimille Eliud, **15** Eliudille Eleasar, Eleasarille Mattan, Mattanille Jaakob ja **16** Jaakobille Joosef, joka meni naimisiin Marian, Jeesuksen Kristuksen äidin, kanssa. **17** Aabrahamista Daavidiin on siis neljätoista sukupolvea, Daavidista Babyloniin karkottamiseen toiset neljätoista ja siitä Kristukseen taas neljätoista. **18** Jeesuksen Kristuksen syntymää edelsivät seuraavat tapahtumat: Jeesuksen äiti Maria oli kihloissa Joosefin kanssa. Mutta kun Maria vielä oli neitsyt, hän alkoi odottaa lasta Pyhän Hengen vaikutuksesta. **19** Silloin Joosef katsoi, että hänen oli purettava kihlaus, mutta hän ei halunnut häpäistä Mariaa muiden silmissä, vaan päätti erota kaikessa hiljaisuudessa. **20** Miettiessään asiaa Joosef nukahti. Unessa hän näki enkelin seisovan vieressään. Enkeli sanoi: »Joosef, Daavidin poika, älä epäröi mennä Marian kanssa naimisiin. Hän odottaa lasta, joka on saanut alkunsa Pyhästä Hengestä. **21** Maria saa pojan. Sinun on annettava lapselle nimeksi Jeesus, joka merkitsee pelastajaa, sillä hän pelastaa kansansa sen synneistä. **22** Näin toteutuu Jumalan lupaus, jonka hän antoi profeetan välityksellä: **23** 'Kuulkaa! Neitsyt alkaa odottaa lasta! Hän synnyttää pojan, jota sanotaan Immanueliksi.' Nimi merkitsee:'Jumala on meidän kanssamme'.» **24** Silloin Joosef haki Marian kotiinsa ja otti hänet vaimokseen, niin kuin enkeli oli käskenyt. **25** Maria säilyi kuitenkin neitsyenä lapsen syntymään asti. Joosef antoi pojalle nimen Jeesus.

2 Jeesus syntyi Juudeassa, Betlehemin kaupungissa, kuningas Herodeksen hallituskaudella. Idästä tuli silloin Jerusalemiin muutamia tähtientutkijoita. He kysyivät: **2** »Missä se äskettäin syntynyt juutalaisten kuningas on? Näimme kaukana idässä hänen tähtensä ja olemme tulleet osoittamaan hänelle kunnioitusta.» **3** Kuningas Herodes hämmästyi kovasti kuullessaan tämän. Huhut alkoivat levitä Jerusalemissa. **4** Herodes kutsui koolle juutalaisten hengelliset johtajat. »Ennustivatko profeetat, missä Messias syntyy?» hän kysyi. **5** »Kyllä, Betlehemissä», he vastasivat. »Profeetta Miika kirjoitti: **6** 'Pieni Betlehemin kaupunki, et ole Juudan kaupunkien joukossa ollenkaan vähäpätöinen, sillä sinusta nousee kansani Israelin hallitsija.'» **7** Herodes kutsui tähtientutkijat salaa luokseen ja uteli heiltä tähden ilmestymisen tarkkaa ajankohtaa. **8** Hän käski miesten lähteä Betlehemiin etsimään lasta. »Kun olette löytäneet hänet, tulkaa kertomaan, missä hän on. Minäkin haluaisin mennä osoittamaan hänelle kunnioitusta», Herodes sanoi. **9** Vieraat lähtivät heti matkaan. Silloin he taas näkivät tähden. Se kulki heidän edellään, kunnes pysähtyi sen paikan yläpuolelle, jossa lapsi oli. **10** Miesten riemulla ei ollut rajoja! **11** He menivät sisälle taloon, jossa lapsi ja hänen äitinsä Maria olivat, ja kumarsivat lapselle kunnioittavasti. Sitten he ottivat esiin Jeesukselle tuomansa lahjat: kultaa, suitsutusainetta ja mirhaa. **12** Ennen kuin tähtientutkijat lähtivät kotimatkalle, he saivat unessa Jumalalta varoituksen olla menemättä enää Herodeksen luo. Niinpä he palasivat toista kautta kotiin. **13** Heidän lähtönsä jälkeen Herran enkeli ilmestyi unessa Joosefille. »Lähde kiireesti lapsen ja hänen äitinsä kanssa Egyptiin», enkeli sanoi. »Pysy siellä, kunnes käsken sinun palata. Kuningas Herodes yrittää nimittäin tappaa lapsen.» **14** Joosef heräsi ja lähti heti yöllä Marian ja lapsen kanssa Egyptiä kohti. **15** Hän asui siellä kuningas Herodeksen kuolemaan asti. Näin toteutui profeetan ennustus: »Olen kutsunut poikani Egyptistä.» **16** Herodes oli raivoissaan, kun tajusi, että idän tähtientutkijat olivat pettäneet hänet. Hän lähetti Betlehemiin sotilaita tappamaan kaupungista ja sen ympäristöstä kaikki kaksivuotiaat ja sitä nuoremmat pojat. Vieraat olivat nimittäin kertoneet hänelle, että tähti oli näkynyt ensi kertaa jo kaksi vuotta aikaisemmin. **17** Herodeksen raa'assa teossa

Mattheüs

1 Geslachtboek van Jezus Christus, den zoon van David, den zoon van Abraham. **2** Abraham gewon Isaäk, en Isaäk gewon Jakob, en Jakob gewon Juda en zijn broeders. **3** Juda gewon Phares en Zara bij Thamar, en Phares gewon Esron, en Esron gewon Aram. **4** En Aram gewon Aminadab, en Aminadab gewon Naässon, en Naässon gewon Salmon. **5** En Salmon gewon Boas bij Rachab, en Boas gewon Obed bij Rutli, en Obed gewon Jesse. **6** En Jesse gewon David, den koning. David nu gewon Salomo bij de vrouw van Uria. **7** En Salomo gewon Rehabeam, en Rehabeam gewon Abia, en Abia gewon Asa. **8** En Asa gewon Josafat, en Josafat gewon Joram, en Joram gewon Ozias. **9** En Ozias gewon Joatham, en Joatham gewon Achaz, en Achaz gewon Hiskia. **10** En Hiskia gewon Manasse, en Manasse gewon Amon, en Amon gewon Josias. **11** En Josias gewon Jechonias en zijn broeders, ten tijde der wegvoering naar Babylon. **12** En na de wegvoering naar Babyion, gewon Jechonias Salathiël, en Salathiël gewon Zorobabel. **13** En Zorobabel gewon Abiud, en Abiud gewon Eliakim, en Eliakim gewon Azor. **14** En Azor gewon Sadok, en Sadok gewon Achim, en Achim gewon Eliud. **15** En Eliud gewon Eleazar, en Eleazar gewon Mathan, en Mathan gewon Jakob. **16** En Jakob gewon Jozef, den man van Maria, uit wie geboren is Jezus, genaamd Christus. **17** Al de geslachten dus van Abraham tot David zijn veertien geslachten; en van David tot de wegvoering naar Babylon, veertien geslachten; en van de wegvoering naar Babylon tot Christus, veertien geslachten. **18** De geboorte van Jezus Christus nu was aldus. Terwijl zijn moeder Maria ondertrouwd was met Jozef, werd zij zwanger bevonden uit den Heiligen Geest, éér zij samengekomen waren. **19** Jozef nu, haar man, die rechtvaardig was en haar niet wilde te schande maken, was van zin haar heimelijk te verlaten. **20** Maar ziet, toen hij dit in den zin had, verscheen een engel des Heeren hem in een droom, zeggende: Jozef, zoon van David! Vrees niet Maria uw vrouw tot u te nemen, want hetgeen in haar is verwekt, is uit den Heiligen Geest; **21** En zij zal een zoon baren, en gij zult zijn naam Jezus noemen, want Hij zal zijn volk verlossen van hun zonden. **22** Dit alles nu is geschied, opdat zou vervuld worden hetgeen de Heere gesproken heeft door den profeet, die zegt: **23** Ziet, de maagd zal zwanger worden en een zoon baren en men zal zijn naam Emmanuël noemen, dat is overgezet: God met ons. **24** En Jozef uit den slaap ontwaakt zijnde, deed gelijk de engel des Heeren hem geboden had, en nam zijn vrouw tot zich. **25** En hij bekende haar niet, totdat zij haar eerstgeboren zoon gebaard had. En hij noemde zijn naam Jezus.

2 Toen nu Jezus geboren was te Bethlehem in Judea, in de dagen van den koning Herodes, ziet, daar kwamen wijzen uit het Oosten naar Jerusalem, **2** zeggende: Waar is de koning der Joden, die geboren is? want wij hebben zijn ster in het opgaan gezien, en zijn gekomen om Hem te aanbidden. **3** De koning Herodes nu, dit hoorende, werd ontroerd en geheel Jerusalem met hem. **4** En al de overpriesters en schriftgeleerden des volks samengeroepen hebbende, vroeg hij aan dezen waar de Christus zou worden geboren. **5** En zij zeiden tot hem: Te Bethlehem in Judea, want zoo is er geschreven door den profeet: **6** Gij Bethlehem, land van Juda, zijt geenszins de minste onder de prinsen van Juda; uit u toch zal een Vorst voortkomen, die mijn volk Israël zal besturen. **7** Toen riep Herodes de wijzen in 't geheim en vroeg hun nauwkeurig naar den tijd dat de ster hun verschenen was. **8** En hij zond hen naar Bethlehem en zeide: Gaat heen en doet nauwkeurig onderzoek naar het kind, en als gij het gevonden hebt, boodschapt het mij dan, opdat ik ook kome en het aanbidde. **9** Zij nu den koning gehoord hebbende, reisden heen. En ziet, de ster die zij in het opgaan gezien hadden, ging hun voor, totdat zij kwam en stilstond boven de plaats waar het kind was. **10** Toen zij nu de ster zagen, verheugden zij zich met zeer groote vreugde. **11** En in het huis gekomen zijnde, zagen zij het kind met Maria, zijn moeder; en nedervallende, aanbaden zij het. En zij openden hun schatten en brachten het geschenken, goud, en wierook en mirre. **12** En nadat zij in een droom van Godswege vermaand waren om niet weder te keeren naar Herodes, vertrokken zij langs een anderen weg terug naar hun land. **13** Toen zij nu vertrokken waren, ziet, een engel des Heeren verscheen in een droom aan Jozef, zeggende: Sta op, neem het kind en zijn moeder mede, en vlucht naar Egypte, en blijf daar totdat Ik het u zal zeggen; want Herodes zal het kind zoeken, om het te dooden. **14** En hij stond op en nam des nachts het kind en zijn moeder mede en vertrok naar Egypte. **15** En hij was daar tot den dood van Herodes; opdat vervuld zou worden hetgeen de Heere gesproken heeft door den profeet, die zegt: Uit Egypte heb Ik mijn Zoon geroepen. **16** Toen Herodes dan zag dat hij door de wijzen bedrogen was, werd hij zeer toornig; en

Matthieu

1 Livre de la généalogie de Jésus-Christ, fils de David, fils d'Abraham. **2** Abraham est devenu le père d'Isaac. Isaac est devenu le père de Jacob. Jacob est le père de Juda et de ses frères. **3** Juda engendra Pérez et Zérach par Tamar. Pérez est le père de Hezron. Hetsron engendra Ram. **4** Ram engendra Amminadab. Amminadab engendre Nahshon. Nachschon engendre Salmon. **5** Salmon engendra Boaz par Rahab. Boaz engendra Obed de Ruth. Obed est le père de Jessé. **6** Jessé engendra le roi David. Le roi David engendra Salomon par celle qui avait été la femme d'Urie. **7** Salomon engendra Roboam. Roboam engendra Abija. Abija engendra Asa. **8** Asa devint le père de Josaphat. Josaphat est le père de Joram. Joram engendre Ozias. **9** Ozias est le père de Jotham. Jotham est le père d'Achaz. Achaz engendre Ézéchias. **10** Ézéchias est le père de Manassé. Manassé est le père d'Amon. Amon engendre Josias. **11** Josias est le père de Jéchonias et de ses frères au moment de l'exil à Babylone. **12** Après l'exil à Babylone, Jéchonias devint le père de Shealtiel. Shealtiel engendra Zerubbabel. **13** Zorobabel est devenu le père d'Abiud. Abiud est le père d'Eliakim. Éliakim est père d'Azor. **14** Azor engendra Zadok. Zadok engendra Achim. Achim engendre Éliud. **15** Éliud est père d'Éléazar. Éléazar engendra Matthan. Matthan engendra Jacob. **16** Jacob engendra Joseph, époux de Marie, de laquelle est né Jésus, appelé Christ. **17** Ainsi, toutes les générations depuis Abraham jusqu'à David sont de quatorze générations; depuis David jusqu'à l'exil à Babylone, quatorze générations; et depuis la déportation à Babylone jusqu'au Christ, quatorze générations. **18** Voici comment s'est déroulée la naissance de Jésus-Christ: Après les fiançailles de Marie, sa mère, avec Joseph, avant qu'ils ne se rencontrent, elle fut trouvée enceinte par l'Esprit Saint. **19** Joseph, son mari, étant un homme juste, et ne voulant pas en faire un exemple public, avait l'intention de la répudier secrètement. **20** Mais comme il pensait à ces choses, voici qu'un ange du Seigneur lui apparut en songe, et dit: « Joseph, fils de David, ne crains pas de prendre pour femme Marie, car ce qui a été conçu en elle vient de l'Esprit Saint. **21** Elle donnera naissance à un fils. Tu lui donneras le nom de Jésus, car c'est lui qui sauvera son peuple de ses péchés. » **22** Or, tout cela est arrivé afin que s'accomplisse ce qui a été annoncé par le Seigneur par le prophète, en disant, **23** « Voici, la vierge sera enceinte, et donnera naissance à un fils. On lui donnera le nom d'Emmanuel, » qui est, selon l'interprétation, « Dieu avec nous ». **24** Joseph se leva de son sommeil, fit ce que l'ange du Seigneur lui avait ordonné, et prit sa femme pour lui; **25** et il ne la connut sexuellement que lorsqu'elle eut donné naissance à son fils premier-né. Il lui donna le nom de Jésus.

2 Or, lorsque Jésus naquit à Bethléem de Judée, du temps du roi Hérode, voici que des mages venus d'Orient se rendirent à Jérusalem, en disant: **2** « Où est celui qui est né roi des Juifs? Car nous avons vu son étoile en Orient, et nous sommes venus nous prosterner devant lui. » **3** Lorsque le roi Hérode entendit cela, il fut troublé, et tout Jérusalem avec lui. **4** Rassemblant tous les chefs des prêtres et les scribes du peuple, il leur demanda où le Christ devait naître. **5** Ils lui répondirent: A Bethléhem de Judée, car ceci est écrit par le prophète, **6** « Toi, Bethléem, terre de Judée. ne sont en rien les moindres parmi les princes de Juda; car de toi sortira un gouverneur qui sera le berger de mon peuple, Israël. » **7** Alors Hérode appela secrètement les sages, et il apprit d'eux à quelle heure exactement l'étoile était apparue. **8** Il les envoya à Bethléem et leur dit: « Allez chercher le petit enfant. Quand vous l'aurez trouvé, faites-moi signe, afin que je vienne moi aussi l'adorer. » **9** Après avoir entendu le roi, ils s'en allèrent. Et voici, l'étoile qu'ils avaient vue à l'orient les précédait, jusqu'à ce qu'elle vienne se placer au-dessus du lieu où était le petit enfant. **10** Quand ils virent l'étoile, ils se réjouirent d'une très grande joie. **11** Ils entrèrent dans la maison et virent le petit enfant avec Marie, sa mère; ils se prosternèrent et l'adorèrent. Ouvrant leurs trésors, ils lui offrirent des présents: de l'or, de l'encens et de la myrrhe. **12** Ayant été avertis en songe de ne pas retourner auprès d'Hérode, ils s'en retournèrent dans leur pays par un autre chemin. **13** Or, quand ils furent partis, voici qu'un ange du Seigneur apparut en songe à Joseph, en disant: « Lève-toi, prends le petit enfant et sa mère, fuis en Égypte, et restes-y jusqu'à ce que je te le dise, car Hérode cherchera le petit enfant pour le faire périr. » **14** Il se leva, prit de nuit le petit enfant et sa mère, et s'en alla en Égypte, **15** où il resta jusqu'à la mort d'Hérode, afin que s'accomplît ce que le Seigneur avait annoncé par le prophète: « J'ai appelé mon fils hors d'Égypte. » **16** Alors Hérode, voyant qu'on se moquait de lui par les sages, fut extrêmement irrité, et il envoya tuer tous les enfants mâles qui étaient à Bethléem et dans toute la campagne environnante, depuis l'âge de deux ans et au-dessous, selon le temps exact qu'il avait appris des sages. **17** Alors s'accomplit ce qui avait été annoncé par Jérémie, le prophète, en ces termes, **18** « Une voix se fit entendre à Rama, des lamentations, des pleurs et un grand deuil, Rachel pleurant ses enfants; elle ne serait pas réconfortée, car ils ne sont plus. » **19** Mais lorsque Hérode fut mort, voici qu'un ange du Seigneur apparut en songe à Joseph en Égypte, et dit: **20** « Lève-toi, prends le petit enfant et sa mère, et va dans le pays d'Israël, car ceux qui en

Matthieu

1 Généalogie de Jésus-Christ, fils de David, fils d'Abraham. **2** Abraham engendra Isaac; Isaac engendra Jacob; Jacob engendra Juda et ses frères; **3** Juda, de Thamar, engendra Pharès et Zara; Pharès engendra Esron; Esron engendra Aram; **4** Aram engendra Aminadab; Aminadab engendra Naasson; Naasson engendra Salmon; **5** Salmon, de Rahab, engendra Booz; Booz, de Ruth, engendra Obed; Obed engendra Jessé; Jessé engendra le roi David. **6** David engendra Salomon, de celle qui fut la femme d'Urie; **7** Salomon engendra Roboam; Roboam engendra Abias; Abias engendra Asa; **8** Asa engendra Josaphat; Josaphat engendra Joram; Joram engendra Ozias; **9** Ozias engendra Joathan; Joathan engendra Achaz; Achaz engendra Ezéchias; **10** Ezéchias engendra Manassé; Manassé engendra Amon; Amon engendra Josias; **11** Josias engendra Jéchonias et ses frères, au temps de la déportation à Babylone. **12** Et après la déportation à Babylone, Jéchonias engendra Salathiel; Salathiel engendra Zorobabel; **13** Zorobabel engendra Abiud; Abiud engendra Éliacim; Éliacim engendra Azor; **14** Azor engendra Sadoc; Sadoc engendra Achim; Achim engendra Éliud; **15** Éliud engendra Eléazar; Eléazar engendra Mathan; Mathan engendra Jacob; **16** Et Jacob engendra Joseph, l'époux de Marie, de laquelle est né Jésus, qu'on appelle Christ. **17** Il y a donc en tout quatorze générations depuis Abraham jusqu'à David, quatorze générations depuis David jusqu'à la déportation à Babylone, quatorze générations depuis la déportation à Babylone jusqu'au Christ. **18** Or la naissance de Jésus-Christ arriva ainsi. Marie, sa mère, étant fiancée à Joseph, il se trouva, avant qu'ils eussent habité ensemble, qu'elle avait conçu par la vertu du Saint-Esprit. **19** Joseph, son mari, qui était un homme juste, ne voulant pas la diffamer, résolut de la renvoyer secrètement. **20** Comme il était dans cette pensée, voici qu'un ange du Seigneur lui apparut en songe, et lui dit: « Joseph, fils de David, ne craint point de prendre avec toi Marie ton épouse, car ce qui est formé en elle est l'ouvrage du Saint-Esprit. **21** Et elle enfantera un fils, et tu lui donneras le nom de Jésus; car il sauvera son peuple de ses péchés. » **22** Or tout cela arriva afin que fût accompli ce qu'avait dit le Seigneur par le prophète: **23** « Voici que la Vierge concevra et enfantera un fils; et on le nommera Emmanuel, » c'est à dire Dieu avec nous. **24** Réveillé de son sommeil, Joseph fit ce que l'ange du Seigneur lui avait commandé: il prit avec lui Marie son épouse. **25** Mais il ne la connut point jusqu'à ce qu'elle enfantât son fils premier-né, à qui il donna le nom de Jésus.

2 Jésus étant né à Bethléem de Judée, aux jours du roi Hérode, voici que des Mages arrivèrent d'Orient à Jérusalem, **2** disant: « Où est le roi des Juifs qui vient de naître? Car nous avons vu son étoile en Orient, et nous sommes venus l'adorer. » **3** Ce que le roi Hérode ayant appris, il fut troublé, et tout Jérusalem avec lui. **4** Il assembla tous les Princes des prêtres et les Scribes du peuple, et s'enquit auprès d'eux où devait naître le Christ. **5** Ils lui dirent: « À Bethléem de Judée, selon ce qui a été écrit par le prophète: **6** Et toi, Bethléem, terre de Juda, tu n'es pas la moindre parmi les principales villes de Juda, car de toi sortira un Chef qui doit paître Israël, mon peuple. » **7** Alors Hérode, ayant fait venir secrètement les Mages, apprit d'eux la date précise à laquelle l'étoile était apparue. **8** Et il les envoya à Bethléem en disant: « Allez, informez-vous exactement de l'Enfant, et lorsque vous l'aurez trouvé, faites-le-moi savoir, afin que moi aussi j'aille l'adorer. » **9** Ayant entendu les paroles du roi, ils partirent. Et voilà que l'étoile qu'ils avaient vue en Orient allait devant eux, jusqu'à ce que, venant au-dessus du lieu où était l'Enfant, elle s'arrêta. **10** À la vue de l'étoile, ils se réjouirent d'une grande joie. **11** Ils entrèrent dans la maison, trouvèrent l'Enfant avec Marie, sa mère, et, se prosternant, ils l'adorèrent; puis, ouvrant leurs trésors, ils lui offrirent en présent de l'or, de l'encens et de la myrrhe. **12** Mais ayant été avertis en songe de ne point retourner vers Hérode, ils regagnèrent leur pays par un autre chemin. **13** Après leur départ, voici qu'un ange du Seigneur apparut à Joseph pendant son sommeil, et lui dit: « Lève-toi, prends l'Enfant et sa mère, fuis en Égypte et restes-y jusqu'à ce que je t'avertisse; car Hérode va rechercher l'Enfant pour le faire périr. » **14** Joseph se leva, et la nuit même, prenant l'Enfant avec sa mère, il se retira en Égypte. **15** Et il y resta jusqu'à la mort d'Hérode, afin que s'accomplît ce qu'avait dit le Seigneur par le Prophète: « J'ai rappelé mon fils d'Égypte. » **16** Alors Hérode, voyant que les Mages s'étaient joués de lui, entra dans une grande colère, et envoya tuer tous les enfants qui étaient dans Bethléem et dans les environs, depuis l'âge de deux ans et au-dessous, d'après la date qu'il connaissait exactement par les Mages. **17** Alors fut accompli l'oracle du prophète Jérémie disant: **18** Une voix a été entendue dans Rama, des plaintes et des cris lamentables: Rachel pleure ses enfants; et elle n'a pas voulu être consolée, parce qu'ils ne sont plus. **19** Hérode étant mort, voici qu'un ange du Seigneur apparut en songe à Joseph dans la terre d'Égypte, **20** et lui dit: « Lève-toi, prends l'Enfant et sa mère, et va dans la terre d'Israël, car ceux qui en voulaient à la vie de l'Enfant sont morts. » **21** Joseph s'étant levé, prit l'Enfant et sa mère, et vint dans la terre d'Israël. **22** Mais, apprenant qu'Archélaüs régnait en Judée à la place d'Hérode, son père, il n'osa y aller, et, ayant été averti en songe, il se retira dans la Galilée

Matthieu

1 Généalogie de Jésus-Christ, fils de David, fils d'Abraham. **2** Abraham engendra Isaac; Isaac engendra Jacob; Jacob engendra Juda et ses frères; **3** Juda, de Thamar, engendra Pharès et Zara; Pharès engendra Esron; Esron engendra Aram; **4** Aram engendra Aminadab; Aminadab engendra Naasson; Naasson engendra Salmon; **5** Salmon, de Rahab, engendra Booz; Booz, de Ruth, engendra Obed; Obed engendra Jessé; Jessé engendra le roi David. **6** David engendra Salomon, de celle qui fut la femme d'Urie; **7** Salomon engendra Roboam; Roboam engendra Abias; Abias engendra Asa; **8** Asa engendra Josaphat; Josaphat engendra Joram; Joram engendra Ozias; **9** Ozias engendra Joathan; Joathan engendra Achaz; Achaz engendra Ezéchias; **10** Ezéchias engendra Manassé; Manassé engendra Amon; Amon engendra Josias; **11** Josias engendra Jéchonias et ses frères, au temps de la déportation à Babylone. **12** Et après la déportation à Babylone, Jéchonias engendra Salathiel; Salathiel engendra Zorobabel; **13** Zorobabel engendra Abiud; Abiud engendra Éliacim; Éliacim engendra Azor; **14** Azor engendra Sadoc; Sadoc engendra Achim; Achim engendra Éliud; **15** Éliud engendra Eléazar; Eléazar engendra Mathan; Mathan engendra Jacob; **16** Et Jacob engendra Joseph, l'époux de Marie, de laquelle est né Jésus, qu'on appelle Christ. **17** Il y a donc en tout quatorze générations depuis Abraham jusqu'à David, quatorze générations depuis David jusqu'à la déportation à Babylone, quatorze générations depuis la déportation à Babylone jusqu'au Christ. **18** Or la naissance de Jésus-Christ arriva ainsi. Marie, sa mère, étant fiancée à Joseph, il se trouva, avant qu'ils eussent habité ensemble, qu'elle avait conçu par la vertu du Saint-Esprit. **19** Joseph, son mari, qui était un homme juste, ne voulant pas la diffamer, résolut de la renvoyer secrètement. **20** Comme il était dans cette pensée, voici qu'un ange du Seigneur lui apparut en songe, et lui dit: « Joseph, fils de David, ne craint pas de prendre avec toi Marie ton épouse, car ce qui est formé en elle est l'ouvrage du Saint-Esprit. **21** Et elle enfantera un fils, et tu lui donneras le nom de Jésus; car il sauvera son peuple de ses péchés. » **22** Or tout cela arriva afin que fût accompli ce qu'avait dit le Seigneur par le prophète: **23** « Voici que la Vierge concevra et enfantera un fils; et on le nommera Emmanuel, » c'est à dire Dieu avec nous. **24** Réveillé de son sommeil, Joseph fit ce que l'ange du Seigneur lui avait commandé: il prit avec lui [Marie] son épouse. **25** Mais il ne la connut pas jusqu'à ce qu'elle enfantât son fils premier-né, à qui il donna le nom de Jésus.

2 Jésus étant né à Bethléem de Judée, aux jours du roi Hérode, voici que des Mages arrivèrent d'Orient à Jérusalem, **2** disant: « Où est le roi des Juifs qui vient de naître? Car nous avons vu son étoile en Orient, et nous sommes venus l'adorer. » **3** Ce que le roi Hérode ayant appris, il fut troublé, et tout Jérusalem avec lui. **4** Il assembla tous les Princes des prêtres et les Scribes du peuple, et s'enquit auprès d'eux où devait naître le Christ. **5** Ils lui dirent: « À Bethléem de Judée, selon ce qui a été écrit par le prophète: **6** Et toi, Bethléem, terre de Juda, tu n'es pas la moindre parmi les principales villes de Juda, car de toi sortira un Chef qui doit paître Israël, mon peuple. » **7** Alors Hérode, ayant fait venir secrètement les Mages, apprit d'eux la date précise à laquelle l'étoile était apparue. **8** Et il les envoya à Bethléem en disant: « Allez, informez-vous exactement de l'Enfant, et lorsque vous l'aurez trouvé, faites-le-moi savoir, afin que moi aussi j'aille l'adorer. » **9** Ayant entendu les paroles du roi, ils partirent. Et voilà que l'étoile qu'ils avaient vue en Orient allait devant eux, jusqu'à ce que, venant au-dessus du lieu où était l'Enfant, elle s'arrêta. **10** À la vue de l'étoile, ils se réjouirent d'une grande joie. **11** Ils entrèrent dans la maison, trouvèrent l'Enfant avec Marie, sa mère, et, se prosternant, ils l'adorèrent; puis, ouvrant leurs trésors, ils lui offrirent en présent de l'or, de l'encens et de la myrrhe. **12** Mais ayant été avertis en songe de ne pas retourner vers Hérode, ils regagnèrent leur pays par un autre chemin. **13** Après leur départ, voici qu'un ange du Seigneur apparut à Joseph pendant son sommeil, et lui dit: « Lève-toi, prends l'Enfant et sa mère, fuis en Égypte et restes-y jusqu'à ce que je t'avertisse; car Hérode va rechercher l'Enfant pour le faire périr. » **14** Joseph se leva, et la nuit même, prenant l'Enfant avec sa mère, il se retira en Égypte. **15** Et il y resta jusqu'à la mort d'Hérode, afin que s'accomplît ce qu'avait dit le Seigneur par le Prophète: « J'ai rappelé mon fils d'Égypte. » **16** Alors Hérode, voyant que les Mages s'étaient joués de lui, entra dans une grande colère, et envoya tuer tous les enfants qui étaient dans Bethléem et dans les environs, depuis l'âge de deux ans et au-dessous, d'après la date qu'il connaissait exactement par les Mages. **17** Alors fut accompli l'oracle du prophète Jérémie disant: **18** Une voix a été entendue dans Rama, des plaintes et des cris lamentables: Rachel pleure ses enfants; et elle n'a pas voulu être consolée, parce qu'ils ne sont plus. **19** Hérode étant mort, voici qu'un ange du Seigneur apparut en songe à Joseph dans la terre d'Égypte, **20** et lui dit: « Lève-toi, prends l'Enfant et sa mère, et va dans la terre d'Israël, car ceux qui en voulaient à la vie de l'Enfant sont morts. » **21** Joseph s'étant levé, prit l'Enfant et sa mère, et vint dans la terre d'Israël. **22** Mais, apprenant qu'Archélaüs régnait en Judée à la place d'Hérode, son père, il n'osa y aller, et, ayant été averti en songe, il se retira dans la Galilée

Matthieu

1 Livre de la généalogie de Jésus Christ, fils de David, fils d'Abraham: **2** Abraham engendra Isaac; et Isaac engendra Jacob; et Jacob engendra Juda et ses frères; **3** et Juda engendra Pharès et Zara, de Thamar; et Pharès engendra Esrom; et Esrom engendra Aram; **4** et Aram engendra Aminadab; et Aminadab engendra Naasson; et Naasson engendra Salmon; **5** et Salmon engendra Booz, de Rachab; et Booz engendra Obed, de Ruth; et Obed engendra Jessé; **6** et Jessé engendra David le roi; et David le roi engendra Salomon, de celle [qui avait été femme] d'Urie; **7** et Salomon engendra Roboam; et Roboam engendra Abia; et Abia engendra Asa; **8** et Asa engendra Josaphat; et Josaphat engendra Joram; et Joram engendra Ozias; **9** et Ozias engendra Joatham; et Joatham engendra Achaz; et Achaz engendra Ézéchias; **10** et Ézéchias engendra Manassé; et Manassé engendra Amon; et Amon engendra Josias; **11** et Josias engendra Jéchonias et ses frères, au temps de la transportation de Babylone; **12** et après la transportation de Babylone, Jéchonias engendra Salathiel; et Salathiel engendra Zorobabel; **13** et Zorobabel engendra Abiud; et Abiud engendra Éliakim; et Éliakim engendra Azor; **14** et Azor engendra Sadok; et Sadok engendra Achim; et Achim engendra Éliud; **15** et Éliud engendra Éléazar; et Éléazar engendra Matthan; et Matthan engendra Jacob; **16** et Jacob engendra Joseph, le mari de Marie, de laquelle est né Jésus, qui est appelé Christ. **17** Toutes les générations, depuis Abraham jusqu'à David, sont donc 14 générations; et depuis David jusqu'à la transportation de Babylone, 14 générations; et depuis la transportation de Babylone jusqu'au Christ, 14 générations. **18** Or la naissance de Jésus Christ arriva ainsi: sa mère, Marie, étant fiancée à Joseph, avant qu'ils soient ensemble, se trouva enceinte par l'Esprit Saint. **19** Mais Joseph, son mari, étant juste, et ne voulant pas faire d'elle un exemple, se proposa de la répudier secrètement. **20** Mais comme il méditait sur ces choses, voici, un ange du Seigneur lui apparut en songe, disant: Joseph, fils de David, ne crains pas de prendre auprès de toi Marie ta femme, car ce qui a été conçu en elle est de l'Esprit Saint; **21** et elle enfantera un fils, et tu appelleras son nom Jésus, car c'est lui qui sauvera son peuple de leurs péchés. **22** Or tout cela arriva, afin que fût accompli ce que le Seigneur a dit par le prophète, disant: **23** « Voici, la vierge sera enceinte et enfantera un fils, et on appellera son nom Emmanuel », ce qui, interprété, est: Dieu avec nous. **24** Or Joseph, étant réveillé de son sommeil, fit comme l'ange du Seigneur le lui avait ordonné, et prit sa femme auprès de lui; **25** et il ne la connut point jusqu'à ce qu'elle ait enfanté son fils premier-né; et il appela son nom Jésus.

2 Or, après que Jésus fut né à Bethléhem de Judée, aux jours du roi Hérode, voici, des mages de l'orient arrivèrent à Jérusalem, **2** disant: Où est le roi des Juifs qui a été mis au monde? car nous avons vu son étoile dans l'orient, et nous sommes venus lui rendre hommage. **3** Mais le roi Hérode, l'ayant entendu dire, en fut troublé, et tout Jérusalem avec lui; **4** et ayant assemblé tous les principaux sacrificateurs et scribes du peuple, il s'enquit d'eux où le Christ devait naître. **5** Et ils lui dirent: À Bethléhem de Judée; car il est ainsi écrit par le prophète: **6** « Et toi, Bethléhem, terre de Juda, tu n'es nullement la plus petite parmi les gouverneurs de Juda, car de toi sortira un conducteur qui paîtra mon peuple Israël ». **7** Alors Hérode, ayant appelé secrètement les mages, s'informa exactement auprès d'eux du temps de l'étoile qui apparaissait; **8** et les ayant envoyés à Bethléhem, il dit: Allez et enquérez-vous exactement touchant le petit enfant; et quand vous l'aurez trouvé, faites-le-moi savoir, en sorte que moi aussi j'aille lui rendre hommage. **9** Et eux, ayant entendu le roi, s'en allèrent; et voici, l'étoile qu'ils avaient vue dans l'orient allait devant eux, jusqu'à ce qu'elle vint et se tint au-dessus du lieu où était le petit enfant. **10** Et quand ils virent l'étoile, ils se réjouirent d'une fort grande joie. **11** Et étant entrés dans la maison, ils virent le petit enfant avec Marie sa mère; et, se prosternant, ils lui rendirent hommage; et ayant ouvert leurs trésors, ils lui offrirent des dons, de l'or, et de l'encens, et de la myrrhe. **12** Et étant avertis divinement, en songe, de ne pas retourner vers Hérode, ils se retirèrent dans leur pays par un autre chemin. **13** Or, après qu'ils se furent retirés, voici, un ange du Seigneur apparut en songe à Joseph, disant: Lève-toi, prends le petit enfant et sa mère, et fuis en Égypte, et demeure là jusqu'à ce que je te le dise; car Hérode cherchera le petit enfant pour le faire périr. **14** Et lui, s'étant levé, prit de nuit le petit enfant et sa mère, et se retira en Égypte. **15** Et il fut là jusqu'à la mort d'Hérode, afin que fût accompli ce que le Seigneur avait dit par le prophète, disant: « J'ai appelé mon fils hors d'Égypte ». **16** Alors Hérode, voyant que les mages s'étaient joués de lui, fut fort en colère; et il envoya, et fit tuer tous les enfants qui étaient dans Bethléhem et dans tout son territoire, depuis l'âge de deux ans et au-dessous, selon le temps dont il s'était enquis exactement auprès des mages. **17** Alors fut accompli ce qui a été dit par Jérémie le prophète, disant: **18** « Une voix a été entendue à Rama, [des lamentations, et] des pleurs, et de grands gémissements, Rachel pleurant ses enfants; et elle n'a pas voulu être consolée, parce qu'ils ne sont pas ». **19** Or, Hérode étant mort, voici, un ange du Seigneur apparaît en songe à Joseph en Égypte, **20** disant: Lève-toi et prends le petit enfant et sa mère, et va dans la terre d'Israël; car ceux qui cherchaient la vie du petit enfant sont morts. **21** Et lui, s'étant levé, prit le

Aionian Bible
Proofing page
Intentionally blank

Matthieu

1 Généalogie de Jésus-Christ, fils de David, fils d'Abraham. **2** Abraham engendra Isaac; Isaac engendra Jacob; Jacob engendra Juda et ses frères; **3** Juda engendra de Thamar Pharès et Zara; Pharès engendra Esrom; Esrom engendra Aram; **4** Aram engendra Aminadab; Aminadab engendra Naasson; Naasson engendra Salmon; **5** Salmon engendra Boaz de Rahab; Boaz engendra Obed de Ruth; **6** Obed engendra Isaï; Isaï engendra David. Le roi David engendra Salomon de la femme d'Urie; **7** Salomon engendra Roboam; Roboam engendra Abia; Abia engendra Asa; **8** Asa engendra Josaphat; Josaphat engendra Joram; Joram engendra Ozias; **9** Ozias engendra Joatham; Joatham engendra Achaz; Achaz engendra Ézéchias; **10** Ézéchias engendra Manassé; Manassé engendra Amon; Amon engendra Josias; **11** Josias engendra Jéchonias et ses frères, au temps de la déportation à Babylone. **12** Après la déportation à Babylone, Jéchonias engendra Salathiel; Salathiel engendra Zorobabel; **13** Zorobabel engendra Abiud; Abiud engendra Éliakim; Éliakim engendra Azor; **14** Azor engendra Sadok; Sadok engendra Achim; Achim engendra Éliud; **15** Éliud engendra Éléazar; Éléazar engendra Matthan; Matthan engendra Jacob; **16** Jacob engendra Joseph, l'époux de Marie, de laquelle est né Jésus, qui est appelé Christ. **17** Il y a donc en tout quatorze générations depuis Abraham jusqu'à David, quatorze générations depuis David jusqu'à la déportation à Babylone, et quatorze générations depuis la déportation à Babylone jusqu'au Christ. **18** Voici de quelle manière arriva la naissance de Jésus-Christ. Marie, sa mère, ayant été fiancée à Joseph, se trouva enceinte, par la vertu du Saint-Esprit, avant qu'ils eussent habité ensemble. **19** Joseph, son époux, qui était un homme de bien et qui ne voulait pas la diffamer, se proposa de rompre secrètement avec elle. **20** Comme il y pensait, voici, un ange du Seigneur lui apparut en songe, et dit: Joseph, fils de David, ne crains pas de prendre avec toi Marie, ta femme, car l'enfant qu'elle a conçu vient du Saint-Esprit; **21** elle enfantera un fils, et tu lui donneras le nom de Jésus; c'est lui qui sauvera son peuple de ses péchés. **22** Tout cela arriva afin que s'accomplît ce que le Seigneur avait annoncé par le prophète: **23** Voici, la vierge sera enceinte, elle enfantera un fils, Et on lui donnera le nom d'Emmanuel, ce qui signifie Dieu avec nous. **24** Joseph s'étant réveillé fit ce que l'ange du Seigneur lui avait ordonné, et il prit sa femme avec lui. **25** Mais il ne la connut point jusqu'à ce qu'elle eût enfanté un fils, auquel il donna le nom de Jésus.

2 Jésus étant né à Bethléhem en Judée, au temps du roi Hérode, voici des mages d'Orient arrivèrent à Jérusalem, **2** et dirent: Où est le roi des Juifs qui vient de naître? Car nous avons vu son étoile en Orient, et nous sommes venus pour l'adorer. **3** Le roi Hérode, ayant appris cela, fut troublé, et tout Jérusalem avec lui. **4** Il assembla tous les principaux sacrificateurs et les scribes du peuple, et il s'informa auprès d'eux où devait naître le Christ. **5** Ils lui dirent: A Bethléhem en Judée; car voici ce qui a été écrit par le prophète: **6** Et toi, Bethléhem, terre de Juda, Tu n'es certes pas la moindre entre les principales villes de Juda, Car de toi sortira un chef Qui paîtra Israël, mon peuple. **7** Alors Hérode fit appeler en secret les mages, et s'enquit soigneusement auprès d'eux depuis combien de temps l'étoile brillait. **8** Puis il les envoya à Bethléhem, en disant: Allez, et prenez des informations exactes sur le petit enfant; quand vous l'aurez trouvé, faites-le-moi savoir, afin que j'aille aussi moi-même l'adorer. **9** Après avoir entendu le roi, ils partirent. Et voici, l'étoile qu'ils avaient vue en Orient marchait devant eux jusqu'à ce qu'étant arrivée au-dessus du lieu où était le petit enfant, elle s'arrêta. **10** Quand ils aperçurent l'étoile, ils furent saisis d'une très grande joie. **11** Ils entrèrent dans la maison, virent le petit enfant avec Marie, sa mère, se prosternèrent et l'adorèrent; ils ouvrirent ensuite leurs trésors, et lui offrirent en présent de l'or, de l'encens et de la myrrhe. **12** Puis, divinement avertis en songe de ne pas retourner vers Hérode, ils regagnèrent leur pays par un autre chemin. **13** Lorsqu'ils furent partis, voici, un ange du Seigneur apparut en songe à Joseph, et dit: Lève-toi, prends le petit enfant et sa mère, fuis en Égypte, et restes-y jusqu'à ce que je te parle; car Hérode cherchera le petit enfant pour le faire périr. **14** Joseph se leva, prit de nuit le petit enfant et sa mère, et se retira en Égypte. **15** Il y resta jusqu'à la mort d'Hérode, afin que s'accomplît ce que le Seigneur avait annoncé par le prophète: J'ai appelé mon fils hors d'Égypte. **16** Alors Hérode, voyant qu'il avait été joué par les mages, se mit dans une grande colère, et il envoya tuer tous les enfants de deux ans et au-dessous qui étaient à Bethléhem et dans tout son territoire, selon la date dont il s'était soigneusement enquis auprès des mages. **17** Alors s'accomplit ce qui avait été annoncé par Jérémie, le prophète: **18** On a entendu des cris à Rama, Des pleurs et de grandes lamentations: Rachel pleure ses enfants, Et n'a pas voulu être consolée, Parce qu'ils ne sont plus. **19** Quand Hérode fut mort, voici, un ange du Seigneur apparut en songe à Joseph, en Égypte, **20** et dit: Lève-toi, prends le petit enfant et sa mère, et va dans le pays d'Israël, car ceux qui en voulaient à la vie du petit enfant sont morts. **21** Joseph se leva, prit le petit enfant et sa mère, et alla dans le pays d'Israël. **22**

Aionian Bible
Proofing page
Intentionally blank

Aionian Bible
Proofing page
Intentionally blank

Matthieu

1 Le Livre de la Généalogie de Jésus-Christ, fils de David, fils d'Abraham. **2** Abraham engendra Isaac; et Isaac engendra Jacob; et Jacob engendra Juda, et ses frères; **3** Et Juda engendra Pharès et Zara, de Thamar; et Pharès engendra Esrom; et Esrom engendra Aram; **4** Et Aram engendra Aminadab; et Aminadab engendra Naasson; et Naasson engendra Salmon; **5** Et Salmon engendra Booz, de Rachab; et Booz engendra Obed, de Ruth; et Obed engendra Jessé; **6** Et Jessé engendra le Roi David; et le Roi David engendra Salomon, de celle [qui avait été femme] d'Urie; **7** Et Salomon engendra Roboam; et Roboam engendra Abia; et Abia engendra Asa; **8** Et Asa engendra Josaphat; et Josaphat engendra Joram; et Joram engendra Hozias; **9** Et Hozias engendra Joatham; et Joatham engendra Achaz; et Achaz engendra Ezéchias; **10** Et Ezéchias engendra Manassé; et Manassé engendra Amon; et Amon engendra Josias; **11** Et Josias engendra Jakim; et Jakim engendra Jéchonias, et ses frères, vers le temps qu'ils furent transportés en Babylone. **12** Et après qu'ils eurent été transportés en Babylone, Jéchonias engendra Salathiël; et Salathiël engendra Zorobabel; **13** Et Zorobabel engendra Abiud; et Abiud engendra Eliakim; et Eliakim engendra Azor; **14** Et Azor engendra Sadoc; et Sadoc engendra Achim; et Achim engendra Eliud; **15** Et Eliud engendra Eléazar; et Eléazar engendra Matthan; et Matthan engendra Jacob; **16** Et Jacob engendra Joseph, le mari de Marie, de laquelle est né Jésus, qui est appelé Christ. **17** Ainsi toutes les générations depuis Abraham jusqu'à David, sont quatorze générations; et depuis David jusqu'au temps qu'ils furent transportés en Babylone, quatorze générations; et depuis qu'ils eurent été transportés en Babylone jusqu'à Christ, quatorze générations. **18** Or la naissance de Jésus-Christ arriva en cette manière. Comme Marie sa mère eut été fiancée à Joseph, avant qu'ils fussent ensemble, elle se trouva enceinte [par l'opération] du Saint-Esprit. **19** Et Joseph son mari, parce qu'il était juste, et qu'il ne la voulait point diffamer, la voulut renvoyer secrètement. **20** Mais comme il pensait à ces choses, voici, l'Ange du Seigneur lui apparut dans un songe, et lui dit: Joseph, fils de David, ne crains point de recevoir Marie ta femme; car ce qui a été conçu en elle est du Saint-Esprit. **21** Et elle enfantera un fils, et tu appelleras son nom Jésus; car il sauvera son peuple de leurs péchés. **22** Or tout ceci est arrivé afin que fût accompli ce dont le Seigneur avait parlé par le Prophète, en disant: **23** Voici, la Vierge sera enceinte, et elle enfantera un fils; et on appellera son nom Emmanuël, ce qui signifie, DIEU AVEC NOUS. **24** Joseph étant donc réveillé de son sommeil, fit comme l'Ange du Seigneur lui avait commandé, et reçut sa femme. **25** Mais il ne la connut point jusqu'à ce qu'elle eût enfanté son fils premier-né; et il appela son nom Jésus.

2 Or Jésus étant né à Bethléhem, [ville] de Juda, au temps du Roi Hérode, voici arriver des Sages d'Orient à Jérusalem. **2** En disant: où est le Roi des Juifs qui est né? car nous avons vu son étoile en Orient, et nous sommes venus l'adorer. **3** Ce que le Roi Hérode ayant entendu, il en fut troublé, et tout Jérusalem avec lui. **4** Et ayant assemblé tous les principaux Sacrificateurs, et les Scribes du peuple, il s'informa d'eux où le Christ devait naître. **5** Et ils lui dirent: à Bethléhem, [ville] de Judée; car il est ainsi écrit par un Prophète: **6** Et toi, Bethléhem, terre de Juda, tu n'es nullement la plus petite entre les Gouverneurs de Juda, car de toi sortira le Conducteur qui paîtra mon peuple d'Israël. **7** Alors Hérode ayant appelé en secret les Sages, s'informa d'eux soigneusement du temps que l'étoile leur était apparue. **8** Et les envoyant à Bethléhem, il leur dit: Allez, et vous informez soigneusement touchant le petit enfant; et quand vous l'aurez trouvé, faites-le-moi savoir, afin que j'y aille aussi, et que je l'adore. **9** Eux donc ayant ouï le Roi, s'en allèrent, et voici, l'étoile qu'ils avaient vue en Orient allait devant eux, jusqu'à ce qu'elle vint et s'arrêta sur le lieu où était le petit enfant. **10** Et quand ils virent l'étoile, ils se réjouirent d'une fort grande joie. **11** Et entrés dans la maison, ils trouvèrent le petit enfant avec Marie sa mère, lequel ils adorèrent, en se prosternant en terre; et après avoir déployé leurs trésors, ils lui offrirent des présents, [savoir], de l'or, de l'encens et de la myrrhe. **12** Puis étant divinement avertis dans un songe, de ne retourner point vers Hérode, ils se retirèrent en leur pays par un autre chemin. **13** Or après qu'ils se furent retirés, voici, l'Ange du Seigneur apparut dans un songe à Joseph, et lui dit: lève-toi, et prends le petit enfant, et sa mère, et t'enfuis en Egypte, et demeure là, jusqu'à ce que je te le dise; car Hérode cherchera le petit enfant pour le faire mourir. **14** Joseph donc étant réveillé, prit de nuit le petit enfant, et sa mère, et se retira en Egypte. **15** Et il demeura là jusques à la mort d'Hérode; afin que fût accompli ce dont le Seigneur avait parlé par un Prophète, disant: J'ai appelé mon Fils hors d'Egypte. **16** Alors Hérode voyant que les Sages s'étaient moqués de lui, fut fort en colère, et il envoya tuer tous les enfants qui étaient à Bethléhem, et dans tout son territoire; depuis l'âge de deux ans, et au-dessous, selon le temps dont il s'était exactement informé des Sages. **17** Alors fut accompli ce dont avait parlé Jérémie le Prophète, en disant: **18** On a ouï à Rama un cri, une lamentation, des plaintes, et un grand gémissement: Rachel pleurant ses enfants, et n'ayant point voulu être consolée de ce qu'ils ne sont plus. **19** Mais après qu'Hérode fut mort, voici, l'Ange du Seigneur apparut dans un songe à Joseph, en Egypte, **20** Et [lui] dit: lève-toi, et prends le petit enfant, et sa mère, et t'en va au pays d'Israël; car ceux qui cherchaient à ôter la vie au petit enfant sont morts. **21** Joseph donc s'étant réveillé, prit le petit enfant et sa mère, et s'en vint au pays d'Israël. **22** Mais quand il eut appris qu'Archélaüs régnait

Matthieu

1 Généalogie de Jésus-Christ, fils de David, fils d'Abraham. **2** Abraham engendra Isaac; Isaac, Jacob; Jacob, Juda et ses frères; **3** Juda, Phares et Zara, qu'il eut de Thamar; Phares, Esrom; Esrom, Aram; **4** Aram, Aminabad; Aminabad, Naasson; Naasson, Salmon; **5** Salmon, Booz, qu'il eut de Rahab; Booz, Jobed, qu'il eut de Ruth; **6** Jobed, Issaï; Issaï, le roi David. David engendra Salomon qu'il eut de la femme d'Urie; **7** Salomon, Roboam; Roboam, Abia; Abia, Asa; **8** Asa, Josaphat; - Josaphat, Joram; Joram, Ozias; **9** Ozias, Joatham; Joatham, Achez; Achez, Ezéchias; **10** Ezéchias, Manassé; Manassé, Amos; Amos, Josias; **11** Josias, Jéchonias et ses frères, lors de l'émigration à Babylone. **12** Après l'émigration à Babylone, Jéchonias engendra Salathiel; Salathiél, Zorobabel; **13** Zorobabel, Abioud; Abioud, Eliacim; Eliacim, Azor; **14** Azor, Sadoc; Sadoc, Achim; Achim, Elioud; **15** Elioud, Eléazar; Eléazar, Matthan; Matthan, Jacob; **16** Jacob, Joseph, le mari de Marie, de laquelle naquit Jésus, qu'on appelle Christ. **17** Il y a donc, en tout, quatorze générations d'Abraham à David; quatorze, de David à l'émigration à Babylone, et quatorze, de l'émigration jusqu'à Christ. **18** Or, voici de quelle manière Jésus-Christ vint au monde. Marie, sa mère, ayant été fiancée à Joseph, se trouva enceinte par l'effet du Saint-Esprit, avant qu'ils eussent habité ensemble. **19** Joseph, son mari, étant un homme de bien, et ne voulant pas l'exposer à la honte, résolut de la répudier secrètement. **20** Il y pensait, lorsqu'un ange du Seigneur lui apparut en songe, et lui dit: «Joseph, fils de David, ne crains point de prendre chez toi Marie, ta femme; car l'enfant qu'elle a conçu est du Saint-Esprit. **21** Elle mettra au monde un fils, et tu lui donneras le nom de Jésus, parce que c'est lui qui sauvera son peuple de ses péchés.» **22** Tout cela arriva, afin que s'accomplît ce qu'avait dit le Seigneur par le prophète: **23** «Voici, la vierge sera enceinte; elle mettra au monde un fils à qui l'on donnera le nom d'Emmanuel, » ce qui signifie «Dieu avec nous.» **24** A son réveil, Joseph fit comme l'ange du Seigneur le lui avait commandé: il prit sa femme chez lui. **25** Et il ne la connut point, jusqu'à ce qu'elle eût mis au monde un fils, et il lui donna le nom de Jésus.

2 Jésus étant né à Bethléhem en Judée, au temps du roi Hérode, des mages d'Orient arrivèrent à Jérusalem, et dirent: **2** «Où est le roi des Juifs qui vient de naître? car nous avons vu son étoile en Orient, et nous sommes venus lui rendre hommage.» **3** Le roi Hérode l'ayant appris, en fut troublé, et tout Jérusalem avec lui. **4** Il fit assembler tous les principaux sacrificateurs et les scribes du peuple, et s'informa d'eux où devait naître le Messie. **5** Ils lui dirent: «C'est à Bethléhem en Judée; car voici ce qui a été écrit par le prophète: **6** «Et toi, Bethléhem, terre de Juda, tu n'es pas la moindre entre les principales villes de Juda, car c'est de toi que sortira un chef qui gouvernera Israël, mon peuple.» **7** Alors Hérode ayant fait venir secrètement les mages, sut d'eux la date précise à laquelle l'étoile était apparue, **8** et leur dit, en les envoyant à Bethléhem: «Allez, recherchez soigneusement cet enfant, et, quand vous l'aurez trouvé, faites-le-moi savoir, afin que j'aille aussi lui rendre hommage.» **9** Après avoir entendu le Roi, les mages partirent; et voici, l'étoile qu'ils avaient vue en Orient, marchait devant eux, jusqu'à ce qu'elle s'arrêta au-dessus du lieu où était l'enfant. **10** La vue de l'étoile leur causa une grande joie; **11** et, étant entrés dans la maison, ils virent l'enfant avec Marie sa mère. Ils lui rendirent hommage en se prosternant, et ayant ouvert leurs trésors, ils lui offrirent en présent de l'or, de l'encens et de la myrrhe. **12** Puis, ayant été avertis en songe de ne point retourner vers Hérode, ils se retirèrent dans leur pays par un autre chemin. **13** Lorsqu'ils furent partis, un ange du Seigneur apparut en songe à Joseph, et lui dit: «Lève- toi, prends l'enfant et sa mère, et fuis en Egypte. Restes-y jusqu'à ce que je te dise de revenir; car Hérode doit chercher l'enfant pour le faire périr.» **14** Joseph s'étant levé, prit l'enfant et sa mère pendant la nuit, et se retira en Egypte. **15** Il y resta jusqu'à la mort d'Hérode, afin que s'accomplît cette parole que le Seigneur avait prononcée par le prophète: «J'ai appelé mon Fils d'Egypte.» **16** Hérode, voyant qu'il avait été joué par les mages, entra dans une violente colère, et fit tuer tous les enfants qui étaient à Bethléhem et dans tout son territoire, depuis l'âge de deux ans et au-dessous, d'après la date qu'il connaissait exactement par les mages. **17** Alors s'accomplit cette parole prononcée par Jérémie, le prophète: **18** «Un cri a été entendu à Rama, des pleurs et de grandes lamentations: Rachel pleure ses enfants, et n'a pas voulu être consolée, parce qu'ils ne sont plus.» **19** Hérode étant mort, un ange du Seigneur apparut en songe à Joseph en Egypte, et lui dit: **20** «Lève-toi, prends l'enfant et sa mère, et va dans le pays d'Israël, car ceux qui en voulaient à la vie de l'enfant sont morts.» **21** Joseph se leva, prit l'enfant et sa mère, et rentra dans le pays d'Israël. **22** Mais, ayant appris qu'Archelaüs régnait sur la Judée à la place d'Hérode, son père, il

Matthieu

1 Livre généalogique de JÉSUS-CHRIST, fils de David, fils d'Abraham. **2** Abraham fut père d'Isaac. Isaac fut père de Jacob. Jacob fut père de Juda et de ses frères. **3** Juda eut de Thamar Pharez et Zara. Pharez fut père d'Esrom. Esrom fut père d'Aram. **4** Aram fut père d'Aminadab. Aminadab fut père de Naasson. Naasson fut père de Salmon. **5** Salmon eut Booz, de Rahab. Booz eut Obed, de Ruth. Obed fut père de Jessé. **6** Jessé fut père du roi David. Le roi David eut Salomon, de celle qui avait été la femme d'Urie. **7** Salomon fut père de Roboam. Roboam fut père d'Abia. Abia fut père d'Asa. **8** Asa fut père de Josaphat. Josaphat fut père de Joram. Joram fut père d'Hosias. **9** Hosias fut père de Joatham. Joatham fut père d'Achas. Achas fut père d'Ézéchias. **10** Ézéchias fut père de Manassé. Manassé fut père d'Amon. Amon fut père de Josias. **11** Josias fut père de Joakim. Joakim fut père de Jéchonias et de ses frères, vers le temps de la captivité de Babylone. **12** Et après la captivité de Babylone, Jéchonias fut père de Salathiel. Salathiel fut père de Zorobabel. **13** Zorobabel fut père d'Abiud. Abiud fut père d'Éliakim. Éliakim fut père d'Azor. **14** Azor fut père de Sadoc. Sadoc fut père d'Achim. Achim fut père d'Éliud. **15** Éliud fut père d'Éléazar. Éléazar fut père de Matthan. Matthan fut père de Jacob; **16** Et Jacob fut père de Joseph, l'époux de Marie, de laquelle est né JÉSUS, appelé CHRIST. **17** Ainsi toutes les générations depuis Abraham jusqu'à David sont en tout quatorze générations; et depuis David jusqu'à la captivité de Babylone, quatorze générations; et depuis la captivité de Babylone jusqu'au Christ, quatorze générations. **18** Or, la naissance de Jésus-Christ arriva ainsi: Marie, sa mère, ayant été fiancée à Joseph, se trouva enceinte par la vertu du Saint-Esprit, avant qu'ils eussent été ensemble. **19** Alors Joseph, son époux, étant un homme de bien, et ne voulant pas la diffamer, voulut la renvoyer secrètement. **20** Mais comme il y pensait, voici, un ange du Seigneur lui apparut en songe, et lui dit: Joseph, fils de David, ne crains point de prendre Marie pour ta femme; car ce qui a été conçu en elle est du Saint-Esprit; **21** Et elle enfantera un fils, et tu lui donneras le nom de JÉSUS (Sauveur); car c'est lui qui sauvera son peuple de leurs péchés. **22** Or, tout cela arriva, afin que s'accomplît ce que le Seigneur avait dit en ces termes par le prophète: **23** Voici, la vierge sera enceinte, et elle enfantera un fils, et on le nommera EMMANUEL, ce qui signifie: DIEU AVEC NOUS. **24** Quand Joseph fut réveillé de son sommeil, il fit comme l'ange du Seigneur lui avait commandé, et il prit sa femme. **25** Mais il ne la connut point jusqu'à ce qu'elle eût enfanté son fils premier-né, et il lui donna le nom de JÉSUS.

2 Jésus étant né à Bethléhem, de Judée, au temps du roi Hérode, des mages d'Orient arrivèrent à Jérusalem, **2** Et dirent: Où est le roi des Juifs qui est né? car nous avons vu son étoile en Orient, et nous sommes venus l'adorer. **3** Le roi Hérode, l'ayant appris, en fut troublé, et tout Jérusalem avec lui. **4** Et ayant assemblé tous les principaux sacrificateurs et les scribes du peuple, il s'informa d'eux où le Christ devait naître. **5** Et ils lui dirent: C'est à Bethléhem, de Judée; car il a été écrit ainsi par le prophète: **6** Et toi, Bethléhem, terre de Juda, tu n'es pas la moindre entre les principales villes de Juda; car c'est de toi que sortira le Conducteur qui paîtra Israël mon peuple. **7** Alors Hérode, ayant appelé en secret les mages, s'informa d'eux exactement du temps auquel avait paru l'étoile. **8** Et les envoyant à Bethléhem, il leur dit: Allez, et informez-vous exactement du petit enfant, et quand vous l'aurez trouvé, faites-le-moi savoir, afin que j'y aille aussi, et que je l'adore. **9** Eux donc, ayant entendu le roi, s'en allèrent; et voici, l'étoile qu'ils avaient vue en Orient allait devant eux, jusqu'à ce qu'étant arrivée sur le lieu où était le petit enfant, elle s'y arrêta. **10** Or à la vue de l'étoile ils furent remplis d'une très grande joie. **11** Et étant entrés dans la maison, ils trouvèrent le petit enfant, avec Marie sa mère, et se prosternant devant lui ils l'adorèrent; et ouvrant leurs trésors, ils lui présentèrent des dons, de l'or, de l'encens et de la myrrhe. **12** Puis, ayant été divinement avertis par un songe de ne pas retourner vers Hérode, ils se retirèrent en leur pays par un autre chemin. **13** Après qu'ils furent partis, un ange du Seigneur apparut en songe à Joseph, et lui dit: Lève-toi; prends le petit enfant et sa mère, et t'enfuis en Égypte, et te tiens là jusqu'à ce que je te le dise; car Hérode cherchera le petit enfant pour le faire mourir. **14** Joseph s'étant levé, prit de nuit le petit enfant et sa mère, et se retira en Égypte. **15** Et il y demeura jusqu'à la mort d'Hérode. C'est ainsi que s'accomplit ce que le Seigneur avait dit par le prophète en ces termes: J'ai appelé mon Fils hors d'Égypte. **16** Alors Hérode, voyant que les mages s'étaient moqués de lui, fut fort en colère; et envoya tuer tous les enfants de deux ans et au-dessous qui étaient dans Bethléhem et dans tout son territoire, selon le temps dont il s'était exactement informé auprès des mages. **17** Alors s'accomplit ce qui avait été dit par Jérémie le prophète: **18** On a entendu dans Rama des cris, des lamentations, des pleurs et de grands gémissements: Rachel pleurait ses enfants; et elle n'a pas voulu être consolée, parce qu'ils ne sont plus. **19** Mais après qu'Hérode fut mort, voici un ange du Seigneur apparut en songe à Joseph, en Égypte, **20** Et lui dit: Lève-toi, prends le petit enfant et sa mère, et retourne au pays d'Israël; car ceux qui en voulaient à la vie du petit enfant sont morts. **21** Joseph donc, s'étant levé, prit le petit enfant et sa mère, et s'en vint au pays d'Israël.

Matthieu

1 Table généalogique de Jésus-Christ, fils de David, fils d'Abraham: **2** Abraham engendra Isaac; Isaac engendra Jacob; Jacob engendra Juda et ses frères; **3** Juda engendra de Thamar Pharès et Zaré; Pharès engendra Esrom; Esrom engendra Aram; **4** Aram engendra Aminadab; Aminadab engendra Naasson; Naasson engendra Salmon; **5** Salmon engendra Boes de Rachab; Boes engendra Jobed de Ruth; Jobed engendra Jessé; **6** Jessé engendra le roi David. David engendra Salomon de la femme d'Urie; **7** Salomon engendra Roboam; Roboam engendra Abia; **8** Abia engendra Asaph; Asaph engendra Josaphat; Josaphat engendra Joram; Joram engendra Ozias; **9** Ozias engendra Joatham; Joatham engendra Achaz; Achaz engendra Ézéchias; **10** Ézéchias engendra Manassé; Manassé engendra Amos; Amos engendra Josias; **11** Josias engendra Jéchonias et ses frères, lors de la déportation de Babylone. **12** Après la déportation de Babylone Jéchonias engendre Sélathiel; Sélathiel engendre Zorobabel; **13** Zorobabel engendre Abioud; Abioud engendra Éliacim; Éliacim engendra Azor; **14** Azor engendra Sadoc; Sadoc engendra Achim; Achim engendra Élioud; **15** Élioud engendra Éléazar; Éléazar engendra Matthan; Matthan engendra Jacob; **16** Jacob engendra Joseph, le mari de Marie, de laquelle naquit Jésus qui est appelé Christ. **17** Toutes les générations forment donc d'Abraham jusques à David, quatorze générations, et de David jusques à la déportation de Babylone, quatorze générations, et de la déportation de Babylone jusques au Christ, quatorze générations. **18** Or, voici quelle fut la naissance du Christ Jésus: Sa mère Marie ayant été fiancée à Joseph, avant qu'ils eussent vécu ensemble elle se trouva enceinte par l'action de l'Esprit Saint. **19** Mais, comme Joseph son mari était un homme juste et qui ne voulait pas la déceler, il se résolut à la répudier secrètement. **20** Or, après qu'il eut formé ce projet, voici, un ange du Seigneur lui apparut en songe, disant: « Joseph, fils de David, ne crains point de garder Marie pour ta femme, car ce qui a été engendré en elle vient de l'Esprit Saint; **21** or elle mettra au monde un fils, et tu lui donneras le nom de Jésus, car c'est lui qui sauvera son peuple de leurs péchés. » — **22** Or tout cela est advenu afin que fût accompli ce dont le Seigneur a parlé par l'entremise du prophète lorsqu'il dit: **23** « Voici, la vierge sera enceinte, et elle mettra au monde un fils, et ils lui donneront le nom d'Emmanouel; » ce qui signifie, étant traduit: Avec nous Dieu. — **24** Or Joseph s'étant éveillé de son sommeil agit comme le lui avait prescrit l'ange du Seigneur, et il garda sa femme; **25** et il ne la connaissait point jusqu'à ce qu'elle eût mis au monde un fils, et il lui donna le nom de Jésus.

2 Or, après que Jésus fut né à Bethléem de Judée, au temps du roi Hérode, voici, des mages d'Orient arrivèrent à Jérusalem, **2** disant: « Où est le roi des Juifs qui vient d'être mis au monde? Car nous avons vu son astre en Orient, et nous sommes venus pour l'adorer. » **3** Mais le roi Hérode l'ayant appris, fut troublé et tout Jérusalem avec lui; **4** et, après avoir rassemblé tous les grands prêtres et les scribes du peuple, il s'informait d'eux où devait naître le Christ. **5** Et ils lui dirent: « A Bethléem de Judée; c'est ainsi en effet qu'il a été écrit par l'entremise du prophète: **6** Et toi Bethléem, terre de Juda, tu n'es certes point la moindre parmi les chefs de Juda, car c'est de toi que sortira un souverain qui paîtra mon peuple d'Israël. » **7** Alors Hérode, ayant secrètement mandé les mages, s'enquit avec soin auprès d'eux du temps depuis lequel l'astre se montrait, **8** et les envoyant à Bethléem, il dit: « Allez, et prenez d'exactes informations sur le petit enfant; mais, quand vous l'aurez découvert, faites-le-moi savoir, afin que moi aussi j'aille l'adorer. » **9** Pour eux, après avoir ouï le roi, ils se mirent en route; et voici, l'astre qu'ils avaient vu en Orient les précédait, jusqu'à ce qu'il s'arrêta dans sa marche au-dessus du lieu où était le petit enfant. **10** Or à la vue de l'astre ils furent remplis d'une très grande joie; **11** et, étant entrés dans la maison, ils virent le petit enfant avec Marie sa mère, et s'étant prosternés ils l'adorèrent, et ayant ouvert leurs trésors ils lui offrirent en présent de l'or, et de l'encens et de la myrrhe. **12** Et ayant été avertis dans un songe de ne point retourner vers Hérode, ils regagnèrent leur pays par un autre chemin. **13** Or, après qu'ils eurent regagné leur pays, voici, un ange du Seigneur apparut en songe à Joseph, disant: Éveille-toi, prends avec toi le petit enfant et sa mère, et fuis en Egypte, et demeures-y jusques à ce que je te le dise; car Hérode va se mettre en quête du petit enfant pour le faire périr. » **14** Or, s'étant éveillé, il prit avec lui le petit enfant et sa mère pendant la nuit, et il gagna l'Egypte, **15** et il y séjourna jusqu'au trépas d'Hérode; — afin que fût accompli ce dont le Seigneur a parlé par l'entremise du prophète lorsqu'il dit: « De l'Egypte j'ai rappelé Mon fils. » — **16** Alors Hérode, voyant qu'il avait été joué par les mages, entra dans un grand courroux, et il envoya mettre à mort tous les enfants qui étaient à Bethléem et dans tout son territoire, âgés de deux ans et au-dessous, conformément à la date dont il s'était enquis avec soin auprès des mages. — **17** Alors fut accompli ce dont il a été parlé par l'entremise de Jérémie le prophète, lorsqu'il dit: **18** « Une voix a été entendue dans Rama, des pleurs et de nombreux gémissements; c'est Rachel qui pleure ses enfants, et elle ne voulait pas être consolée, parce qu'ils ne sont plus. » **19** Or, après qu'Hérode fut trépassé, voici, un ange du Seigneur apparaît en songe à Joseph en Egypte, **20** disant: « Éveille-toi, prends avec toi le petit enfant et sa mère, et mets-toi en route pour le

Matthieu

1 Table généalogique de Jésus-Christ, fils de David, fils d'Abraham **2** Abraham engendra Isaac; Isaac engendra Jacob; Jacob engendra Juda et ses frères; **3** Juda engendra Pharès et Zara qu'il eut de Thamar; Pharès engendra Esrôm; Esrôm engendra Aram; **4** Aram engendra Aminadab; Aminadab engendra Naasson; Naasson engendra Salmon; **5** Salmon engendra Boès, qu'il eut de Rachab; Boès engendra Jobed, qu'il eut de Ruth; Jobed engendra Jessaï; **6** Jessaï engendra David, le roi David engendra Salomon, qu'il eut de la femme d'Urie; **7** Salomon engendra Roboam; Roboam engendra Abia; Abia engendra Asaph; **8** Asaph engendra Josaphat; Josaphat engendra Joram; Joram engendra Ozeia; **9** Ozeia engendra Joatham; Joatham engendra Achaz; Achaz engendra Ezéchias; **10** Ezéchias engendra Manassé; Manassé engendra Amon; Amon engendra Josias; **11** Josias engendra Jéchonias et ses frères (c'était au temps de la déportation à Babylone). **12** Après la déportation à Babylone: Jéchonias engendra Salathiel; Salathiel engendra Zorobabel; **13** Zorobabel engendra Abioud; Abioud engendra Eliakeïm; Eliakeïm engendra Azôr; **14** Azôr engendra Sadok; Sadok engendra Acheïm; Acheïm engendra Elioud; **15** Elioud engendra Eléazar; Eléazar engendra Matthan; Matthan engendra Jacob; **16** Jacob engendra Joseph, l'époux de Marie, de laquelle est né Jésus, dit le Christ. **17** En tout donc, d'Abraham jusqu'à David: quatorze générations. — De David jusqu'à la déportation à Babylone: quatorze générations. — De la déportation à Babylone jusqu'au Christ: quatorze générations. **18** Voici comment Jésus-Christ vint au monde: Marie, sa mère, après avoir été fiancée à Joseph et avant qu'ils eussent vécu ensemble, se trouva enceinte par l'Esprit saint. **19** Or Joseph, son mari, était un juste. Ne voulant pas lui faire affront, il résolut de rompre avec elle sans bruits. **20** Comme il était en cette pensée, un ange du Seigneur lui apparut en songe et lui dit: «Joseph, fils de David, n'hésite pas à recevoir chez toi, ta femme, Marie, car ce qu'elle a conçu est de l'Esprit saint. **21** Elle mettra un fils au monde et tu lui donneras le nom de Jésus; c'est lui, en effet, qui sauvera son peuple de ses péchés.» **22** (Or tout cela arriva afin que fût accompli ce que le Seigneur avait dit par le prophète en ces mots: **23** «Voici la vierge sera enceinte; elle mettra un fils au monde; Et on lui donnera le nom d'Emmanuel» ce qui signifie: Dieu avec nous.) **24** Joseph, à son réveil, agit d'après les ordres de l'ange du Seigneur: il reçut sa femme chez lui; **25** et il ne la connut point avant qu'elle eût mis au monde un fils auquel il donna le nom de Jésus.

2 Jésus étant né à Bethléem, dans la Judée, aux jours du roi Hérode, des mages arrivèrent d'Orient à Jérusalem. **2** «Où est, demandèrent-ils, le nouveau-né, roi des Juifs? Nous avons vu son étoile en Orient et nous sommes venus pour l'adorer.» **3** En entendant de telles paroles, le roi Hérode fut troublé et, avec lui, toute la ville de Jérusalem; **4** il convoqua tous les chefs des prêtres et scribes du peuple et s'informa d'eux où devait naître le Christ. **5** Ils lui répondirent: «A Bethléem dans la Judée.» (Voici, en effet, ce qui a été écrit par le prophète: **6** «Et toi, Bethléem, terre de Juda, Tu n'es certainement pas le plus petit des chefs-lieux de Juda, Car de toi sortira un conducteur Qui paîtra mon peuple, Israël.») **7** Là dessus, Hérode fit appeler les mages en secret et s'informa auprès d'eux de l'époque où l'étoile avait paru. **8** Puis il les envoya à Bethléem. «Allez, leur dit-il, prenez des informations exactes sur cet enfant et, quand vous l'aurez trouvé, faites-le moi savoir, pour que, moi aussi, j'aille l'adorer.» **9** Sur ces paroles du roi, ils partirent; et l'étoile qu'ils avaient vue en Orient les précédait jusqu'à ce que, parvenue au-dessus du lieu où était l'enfant, elle s'arrêta. **10** A la vue de l'étoile, ils se réjouirent d'une grande joie. **11** Ils entrèrent dans la maison, ils virent l'enfant avec Marie sa mère; et, se prosternant, ils l'adorèrent. Ensuite, ouvrant leurs trésors, ils lui offrirent en présent de l'or, de l'encens et de la myrrhe. **12** Ayant été miraculeusement avertis en songe de ne pas revenir vers Hérode, ils regagnèrent leur pays par un autre chemin. **13** Après leur départ, un ange du Seigneur apparut en songe à Joseph et lui dit: «Lève-toi! prends l'enfant et sa mère, et fuis en Égypte où tu resteras jusqu'à ce que je te reparle; car Hérode va rechercher l'enfant afin de le faire périr.» **14** Cette nuit même, Joseph se leva, prit l'enfant et sa mère et partit pour l'Égypte. **15** Il y resta jusqu'à la mort d'Hérode. (C'était afin que fût accompli ce que le Seigneur avait dit par le prophète en ces mots: «J'ai rappelé mon fils d'Égypte».) **16** Quant à Hérode, se voyant joué par les mages, il se mit fort en colère, et envoya tuer tous les enfants de Bethléem et de ses environs âgés de deux ans et au-dessous suivant l'époque dont il s'était informé auprès des mages. **17** (C'est alors que fut accompli ce qui avait été dit par le prophète Jérémie en ces mots: **18** «Une voix a été entendue dans Rama, Des

Matthieu

1 Généalogie de Jésus-Christ, fils de David, fils d'Abraham: **2** Abraham fut père d'Isaac; Isaac, de Jacob; Jacob, de Juda et de ses frères. **3** Juda eut de Thamar Pharez et Zara. Pharez fut père d'Esrom; Esrom, d'Aram; **4** Aram, d'Aminadab; Aminadab, de Naasson; Naasson, de Salmon. **5** Salmon eut de Rahab Booz. Booz eut de Ruth Obed. **6** Obed fut père de Jessé; Jessé, du roi David. David fut père de Salomon, qu'il eut de la femme d'Urie. **7** Salomon fut père de Roboam; Roboam, d'Abia; Abia, d'Asa; **8** Asa, de Josaphat; Josaphat, de Joram; Joram, d'Ozias. **9** Ozias fut père de Joatham; Joatham, d'Achaz; Achaz, d'Ézéchias. **10** Ezéchias fut père de Manassé; Manassé, d'Amos; Amos, de Josias. **11** Josias fut père de Jéchonias et de ses frères, au temps de la déportation à Babylone. **12** Après la déportation à Babylone, Jéchonias fut père de Salathiel; Salathiel, de Zorobabel; **13** Zorobabel, d'Abiud; Abiud, d'Éliakim; Éliakim, d'Azor. **14** Azor fut père de Sadoc; Sadoc, d'Achim; Achini, d'Éliud; **15** Éliud, d'Éléazar; Éléazar, de Matthan; Matthan, de Jacob. **16** Jacob fut père de Joseph, l'époux de Marie, de laquelle est né Jésus, qui est appelé Christ. **17** Il y a donc en tout, depuis Abraham jusqu'à David, quatorze générations; depuis David jusqu'à la déportation à Babylone, quatorze générations; et de la déportation à Babylone jusqu'au Christ, quatorze générations. **18** Voici comment arriva la naissance de Jésus-Christ: Marie, sa mère, ayant été fiancée à Joseph, se trouva avoir conçu par la vertu de l'Esprit saint, avant qu'ils eussent habité ensemble. **19** Alors Joseph, son époux, qui était homme de bien et ne voulait pas l'exposer à la honte, résolut de la répudier sans bruit. **20** Mais, comme il y pensait, voici qu'un ange du Seigneur lui apparut en songe et lui dit: Joseph, fils de David, ne crains point de prendre Marie pour ta femme; car l'enfant qu'elle a conçu vient de l'Esprit saint. **21** Elle enfantera un fils, et tu lui donneras le nom de Jésus; car c'est lui qui sauvera son peuple de ses péchés. **22** Tout cela arriva afin que s'accomplît ce que le Seigneur avait dit par la bouche du prophète: **23** «La vierge enfantera et mettra au monde un fils, qu'on nommera Emmanuel» — ce qui signifie: Dieu avec nous. — **24** Joseph, s'étant réveillé de son sommeil, fit comme l'ange du Seigneur lui avait commandé, et il prit sa femme avec lui. **25** Mais il ne la connut point, jusqu'à ce qu'elle eût enfanté un fils, auquel il donna le nom de Jésus.

2 Jésus étant né à Bethléhem, en Judée, aux jours du roi Hérode, des mages d'Orient arrivèrent à Jérusalem, **2** et ils dirent: Où est le roi des Juifs qui vient de naître? Car nous avons vu son étoile en Orient, et nous sommes venus l'adorer. **3** A cette nouvelle, le roi Hérode fut troublé, et tout Jérusalem avec lui. **4** Ayant rassemblé tous les principaux sacrificateurs et les scribes du peuple, il s'informa auprès d'eux du lieu où le Christ devait naître. **5** Ils lui dirent: C'est à Bethléhem, en Judée; car voici ce qui a été écrit par le prophète: **6** «Et toi, Bethléhem, terre de Juda, tu n'es certainement pas la moindre entre les principales villes de Juda; car c'est de toi que sortira le chef qui paîtra Israël, mon peuple». **7** Alors Hérode, ayant appelé les mages en secret, s'enquit exactement auprès d'eux du temps où l'étoile était apparue; **8** et, les envoyant à Bethléhem, il leur dit: Allez, prenez des informations exactes sur ce petit enfant; et, quand vous l'aurez trouvé, faites-le-moi savoir, afin que j'aille, moi aussi, l'adorer. **9** Après avoir entendu le roi, les mages partirent. Et voici que l'étoile, qu'ils avaient vue en Orient, allait devant eux, jusqu'au moment où, arrivée au-dessus du lieu où se trouvait le petit enfant, elle s'arrêta. **10** A la vue de l'étoile, ils eurent une fort grande joie. **11** Etant entrés dans la maison, ils virent le petit enfant avec Marie, sa mère; et, se prosternant devant lui, ils l'adorèrent. Puis ils ouvrirent leurs trésors, et ils lui présentèrent des dons, de l'or, de l'encens et de la myrrhe. **12** Ensuite, ayant été divinement avertis par un songe de ne pas retourner auprès d'Hérode, ils revinrent dans leur pays par un autre chemin. **13** Après qu'ils furent partis, voici qu'un ange du Seigneur apparut en songe à Joseph et lui dit: Lève-toi! Prends le petit enfant et sa mère, fuis en Egypte, et tu y resteras jusqu'à ce que je te parle; car Hérode cherchera le petit enfant pour le faire mourir. **14** Alors Joseph, s'étant levé, prit pendant la nuit le petit enfant et sa mère; et il se retira en Egypte. **15** Il y demeura jusqu'à la mort d'Hérode; ainsi fut accompli ce que le Seigneur avait dit par le prophète: «J'ai appelé mon fils hors d'Egypte». **16** Quand Hérode vit qu'il avait été joué par les mages, il fut fort en colère; et il envoya tuer tous les enfants qui étaient dans Bethléhem et dans tout son territoire, depuis l'âge de deux ans et au-dessous, d'après la date exacte que les mages lui avaient fait connaître. **17** Alors s'accomplit ce qui avait été dit par Jérémie, le prophète: **18** «Un cri a été entendu dans Rama, des lamentations et de grands gémissements: c'est Rachel qui pleure ses enfants, et elle ne veut pas être consolée, parce qu'ils ne sont

Matthieu

1 Livre de la généalogie de Jésus-Christ, fils de David, fils d'Abraham. **2** Abraham engendra Isaac. Isaac engendra Jacob. Jacob engendra Juda et ses frères. **3** Juda engendra de Thamar, Pharès et Zara. Pharès engendra Esron. Esron engendra Aram. **4** Aram engendra Aminadab. Aminadab engendra Naasson. Naasson engendra Salmon. **5** Salmon engendra de Rahab, Booz. Booz engendra de Ruth, Obed. Obed engendra Jessé. Et Jessé engendra David, roi. **6** David, roi, engendra Salomon, de celle qui fut femme d'Urie. **7** Salomon engendra Roboam. Roboam engendra Abias. Abias engendra Asa. **8** Asa engendra Josaphat. Josaphat engendra Joram. Joram engendra Ozias. **9** Ozias engendra Joatham. Joatham engendra Achaz. Achaz engendra Ezéchias. **10** Ezéchias engendra Manassé. Manassé engendra Amon. Amon engendra Josias. **11** Josias engendra Jéchonias et ses frères vers la transmigration de Babylone. **12** Et après la transmigration de Babylone, Jéchonias engendra Salathiel. Salathiel engendra Zorobabel. **13** Zorobabel engendra Ahiud. Ahiud engendra Eliacim. Eliacim engendra Azor. **14** Azor engendra Sadoc. Sadoc engendra Achim. Achim engendra Eliud. **15** Eliud engendra Eléazar. Eléazar engendra Mathan. Mathan engendra Jacob. **16** Et Jacob engendra Joseph, époux de Marie, de laquelle est né Jésus, qui est appelé Christ. **17** Il y a donc en tout, d'Abraham jusqu'à David, quatorze générations; de David jusqu'à la transmigration de Babylone, quatorze générations; et de la transmigration de Babylone jusqu'au Christ, quatorze générations. **18** Or telle fut la naissance du Christ: Marie, sa mère, étant fiancée à Joseph, avant qu'ils vinssent ensemble, il se trouva qu'elle avait conçu de l'Esprit-Saint. **19** Mais Joseph, son mari, qui était un homme juste, ne voulant pas la diffamer, résolut de la renvoyer secrètement. **20** Et comme il pensait à ces choses, voici qu'un ange du Seigneur lui apparut en songe, disant: Joseph, fils de David, ne crains point de prendre avec toi Marie, ta femme; car ce qui a été engendré en elle est du Saint-Esprit; **21** Elle enfantera un fils auquel tu donneras le nom de Jésus; car c'est lui qui sauvera son peuple de ses péchés. **22** Or tout cela se fit pour que fût accomplie cette parole que le Seigneur a dite par le prophète: **23** Voilà que la Vierge concevra, et enfantera un fils, et on le nommera Emmanuel, ce que l'on interprète par: Dieu avec nous. **24** Ainsi réveillé de son sommeil, Joseph fit comme l'ange du Seigneur lui avait ordonné, et prit sa femme avec lui. **25** Or il ne l'avait point connue, quand elle enfanta son fils premier-né, à qui il donna le nom de Jésus.

2 Lors donc que Jésus fut né en Bethléem de Juda, aux jours du roi Hérode, voilà que des mages vinrent de l'Orient à Jérusalem, **2** Disant: Où est celui qui est né roi des Juifs? car nous avons vu son étoile en Orient, et nous sommes venus l'adorer. **3** Ayant appris cela, le roi Hérode se troubla, et tout Jérusalem avec lui. **4** Et assemblant tous les princes des prêtres et les scribes du peuple, il s'enquit d'eux où naîtrait le Christ. **5** Or eux lui dirent: À Bethléem de Juda; car il a été ainsi écrit par le prophète: **6** Et toi, Bethléem, terre de Juda, tu n'es pas la moindre parmi les principales villes de Juda; car c'est de toi que sortira, le chef qui doit régir Israël mon peuple. **7** Alors Hérode, les mages secrètement appelés, s'enquit d'eux avec soin du temps où l'étoile leur était apparue; **8** Et, les envoyant à Bethléem, il dit: Allez, informez-vous exactement de l'enfant; et lorsque vous l'aurez trouvé, faites-le-moi savoir, afin que moi aussi j'aille l'adorer. **9** Ceux-ci donc, après avoir entendu le roi, s'en allèrent; et voilà que l'étoile qu'ils avaient vue en Orient les précédait jusqu'à ce qu'elle vint et s'arrêta au-dessus du lieu où était l'enfant. **10** Or, voyant l'étoile, il se réjouirent d'une grande joie. **11** Et, entrant dans la maison, ils trouvèrent l'enfant avec Marie, sa mère, et, se prosternant, ils l'adorèrent; puis, leurs trésors ouverts, ils lui offrirent des présents, de l'or, de l'encens et de la myrrhe. **12** Mais ayant été avertis en songe de ne point retourner vers Hérode, ils revinrent dans leur pays par un autre chemin. **13** Après qu'ils furent partis, voilà qu'un ange du Seigneur apparut à Joseph pendant son sommeil, et dit: Lève-toi, prends l'enfant et sa mère, fuis en Egypte et restes-y, jusqu'à ce que je te parle; car il arrivera qu'Hérode cherchera l'enfant pour le faire mourir. **14** Joseph, s'étant levé, prit l'enfant et sa mère pendant la nuit et se retira en Egypte; **15** Et il s'y tint jusqu'à la mort d'Hérode, afin que fût accomplie cette parole que le Seigneur a dite par le prophète: J'ai rappelé mon fils de l'Egypte. **16** Alors Hérode, voyant qu'il avait été trompé par les mages, entra en une grande colère, et il envoya tuer tous les enfants qui étaient dans Bethléem et dans tous ses environs, depuis deux ans et au-dessous, selon le temps dont il s'était enquis des mages. **17** Ce fut alors que s'accomplit la parole du prophète Jérémie, disant: **18** Une voix a été entendue dans Rama, des pleurs et des cris déchirants souvent répétés: c'était Rachel pleurant ses fils et ne voulant point se consoler, parce qu'ils ne sont plus. **19** Hérode étant mort, voilà qu'un ange du Seigneur apparut à Joseph pendant son sommeil en Egypte, **20** Disant: Lève-toi, prends l'enfant et sa mère, et va dans la terre d'Israël; car ils sont morts, ceux qui recherchaient la vie de l'enfant. **21** Joseph s'étant levé, prit l'enfant et sa mère et vint dans la terre d'Israël. **22** Mais ayant appris qu'Archélaüs régnait en Judée à la place d'Hérode, son père, il appréhenda d'y aller; et, averti pendant son sommeil, il se retira dans le pays de Galilée. **23** Etant donc venu, il habita une ville

Maatosa

1 Dawite na, Abrame na gidida Yesus Kristosa yeletetha zarkey hayssappe kaalizayssa **2** Abiramey Yisaqa yelides. Yisaqay Yaqoobe yelides. Yaqobey Yudane iza ishata yelides. **3** Yuday Timarippe Faresane Zara yelides. Faresy Asrome yelides. Asromey Arame yelides. **4** Aramey Aminadabe yelides. Aminadabey Ne7asone Yelides. Ne7asoney Selimone yelides. **5** Selimoney Bo7eze Ere7abippe yelides. Bo7ezey Urutippe Iyobede yelides. Iyobedey Iseye yelides. **6** Iseyey kawo Dawite yelides. Dawitey Oriyo machcheyfe Solomone yelides. **7** Solomoney Robi7ame yelides. Robi7amey Aabbiya yelides. Aabbiyaykka Aasafe yelides. **8** Asafey Yosafaxxe yelides. Yosafaxxey Iyorame yelides. Iyoramey Oziyane yelides. **9** Oziyaney Iyoatamme yelides, Iyoatamey Akaze yelides, Akazey Hizqassa yelides. **10** Hizqassay Minasse yelides, Minassey Ammoxe yelides, Amoxxeykka Yosiyasa yelides. **11** Yosiyasay Babiloone di7o layth Ikoniyanene iza ishata yelides. **12** Babiloone di7oppe guye Ikkoniyaney Salatiyale yelides, Salatiyaleykka Zarubabele yelides, **13** Zerubabeley Abiyodde yelides, Abiyodey Eliyaqqemme yelides, Eliyaqqemmey Azare yelides. **14** Azarey Sadeqqe yelides, Sadoqqey Akimme yelides, Akimeykka Eliyodde yelides, **15** Eliyodey Alazare Yelidess, Alazarey Matane yelides, Mataney Yaqqobbe yelides. **16** Yaqoobeykka Kirstosa getetidaysa Yesusa yelida Maramo ekana gigisida Yosefo yelides. **17** Hesa gish Abirameppe yidi Dawite gakanas tamane oydu yeleteth, qasse Dawiteppe Babiloone di7o wode gakanas taammane oydu yeleteth, Babiloone di7oppe Kirstossa yeleteth gakanas tamane oydu yeleteth gidana. **18** Yesus Kirstosa yeletetha tarikey hessa mala; iza ayeya Marama Yosefos gigista utada dishin izi izira gagonta dishin Xillo Ayanan qanthatada bistadus. **19** Izo gigisida Yosefoy xillo asa gidida gish Maramo asa sinthan qonce kesonta qotara aganas ba wozinara qachidess. **20** Haysa izi qopishin Xossa kitanchay agumora izas qoncidi "Dawite na Yossefo ne gigisida Marama qanthatiday Xillo Ayanan gidida gish izo ne so efanas baboppa, **21** Iza adde na yelana, izi asa nagarappe ashanade gidida gish iza sunth ne Yesusa ga sunthana" gidess. **22** Godday nabe Isayasa dunan "hekko gela7oya qanthatana, atumanakka yelana, naza sunthaykka Amanu7ele getistana, hessa birshechikka (Xossi nunara) gusa getetidi xafetidaysi polistana mala haysi wurikka hanidess." **24** Yossefoykka dhiskkoppe begidi Goodda kitanchay iza azazida mala Maramo ba so efidess. **25** Gido atin bada iza koyro naza yelana gakanas izo ekibeyna. Yeletida gutha naza suntha Yesusa gidess.

2 Kawo Herodosa wode Yesusay Bistaleme Yihudan yelettidappe guye away mokiza bagappe erata/eranchati Yerusalame yidi **2** "Yeletida Ayhude kawoy awan dize? away mokiza bagara iza xolinteza beyidi izas goynana yidos" gidi oychida. **3** kawo Herodosay hessa siyidi dagamidess, Yerusalamen diza asay wuri izara dagamidess. **4** izika qesista halaqatane woga tamarsizayta kumeth shishidi "Kirstosay awan yeletane" gidi oychidess. **5** istikka izas "nabey 'Yuda bitan dizare hane Bistaleme ta dere Isra7eele nagizadey neppe kezana gish hanko Yuda harizaytappe azanikka guxakka' gidi xafida gish izi Bistaleme Yudan yeletana" gidi yotida. **7** Hesafe guye Herodosay he erata/ eranchata/era asata geemara xeygisidine ista hasa7isidi xolintezi istas betida likke wode eridess. **8** Erata Bistaleme yedidi "bidi gutha naza koyte takka bada izas goynana mala demida mala ha taakko simidi izi awan dizakkon tas yotite" gidess. **9** Eratikka/eranchatikka kawoy istas gidaysa siydappe guye bida. Away mokida bagara istas betida xolintey ista kalethidi gutha nazi dizaso gathidess. **10** isti xolinteza be7ida wode daro ufa7etida. **11** Keth gelidi gutha naza iza ayeyra Maramira demidine gulbatidi izas goynida. Be saxine saxine doyidi worqqa, ixanene, karbe giza miish izas imida. **12** Isti Herodosakko simononta mala agumon kehi nagistana mala getetida gish hara ogera ba dere simida. Gibxe gango **13** Era asati/erati/eranchati/ bidappe guye Goda kitanchay Yosefos agumora betidi "Herodosay gutha naza wodhana koyiza gish ne simana wode ta nena erisana gakanas dendada gutha naza ayeyra ekada duge Gibxe biitta baqatada hen dasha" gidess. **14** Hesa gish Yosefoy dendidi ayiyo nazara ekidi gidothara duge Gibxe bidess. **15** Herodosay hayqana gakanas hen de7idess. "Ta naza ta Gibxe bitappe xeygadis" gidi Goday kasse nabe dunan hasa7idays hayssan poletidess. **16** Eranchati/erati/ era asati iza balethidaysa erida wode Herodosay kehi hanqetidess. Eranchati izas kasse yotida wode mala ba assi kitidi namm7u laythane namm7u laythappe garsata Bistalemenine Bistaleme yushon diza gutha atuma nayta wursi wodhisidess. **17** Hesan "Yeehoyne gita waaso girthay Raman siyetidess, Era7ela ba naytas yekadus, nayti wuri wurida gish minanas danda7onta ixadus" getetidi nabe Ermasan yotetidaysi poletidess. Gibxeppe Nazrete

ମାତିଉ

1 ଅବ୍ରାହାମ୍‌ନେ ଉଂଡେ ଆରି ଦାଉଦନେ ଉଂଡେ ଜିସୁ କିସ୍‌ଟନେ ବଂସ୍‌କୁଲ୍‌ଇଂ । **2** ଅବ୍ରାହାମ୍‌ନେ ଉଂଡେ ଯିସହାକ; ଇସ୍‌ହାକ୍‌ନେ ଉଂଡେ ଜାକୁବ୍; ଜାକୁବ୍‌ନେ ଉଂଡେ ଜିଉଦା ଆରି ମୌଁନେ ବୟାଁଣ୍ଟେଇଂକେ ଜନମ୍ ବିକେ **3** ଜିଉଦା ଆରି ତାମରନେ ଉଂଡେ ଫେରସ ଆରି ଜେରହ; ଫେରସନେ ଉଂଡେ ହେସ୍ରୋଣ; ହେସ୍ରୋଣନେ ଉଂଡେ ଆରାମ; **4** ଆରାମ୍‌ନେ ଉଂଡେ ଅମିନାଦାବ; ଅମିନାଦାବନେ ଉଂଡେ ନହଶୋନ; ନହଶୋନନେ ଉଂଡେ ସଲ୍ମୋନ; **5** ସଲମନ୍ ଆରି ରାହାବନେ ଉଂଡେ ବୋୟଜ୍; ବୋୟଜ୍ ଆରି ରୁତନେ ଉଂଡେ ଓବେଦ୍; ଓବେଦନେ ଉଂଡେ ଯେଶି । **6** ଯିଶୀନେ ଉଂଡେ ଦାଉଦ ଇଃସାଙ୍କ । ଦାଉଦ ଉରିୟନେ କୁନୁଏଃଡ଼େନେ ଗର୍‌ବେବାନ୍ ଶଲୋମନ୍‌କେ ଜନମ୍ ବିଃକେ; **7** ଶଲୋମନ୍‌ନେ ଉଂଡେ ରହବୟାମ; ରହବୟାମନେ ଉଂଡେ ଅବିୟ; ଅବିୟନେ ଉଂଡେ ଆସା । **8** ଅବିୟନେ ଉଂଡେ ଆସା; ଆସାନେ ଉଂଡେ ଯିହୋଶାଫଟ୍; ଯିହୋଶାଫାଟ୍‌ନେ ଉଂଡେ ଯୋରାମ; ଯୋରାମନେ ଉଂଡେ ଉଜ୍ଜିୟ; **9** ଉଜ୍ଜିୟନେ ଉଂଡେ ଯୋଥାମ୍; ଯୋଥାମ୍‌ନେ ଉଂଡେ ଆହାଜ; ଆହାଜନେ ଉଂଡେ ହିଜକିୟ; **10** ହିଜକିୟନେ ଉଂଡେ ମନଶେହ; ମନଶେହନେ ଉଂଡେ ଆମୋନ; ଆମୋନ ଯୋଶିୟକେ ଜନମ୍ ବିକେ **11** ବାବିଲୋନ୍ ଦେସ୍‌ନ୍ଦିଆ ଗାଗ୍‌ଚେ ଡୁଙ୍ଗୱେନେ ବେଲା ଆମୋନନେ ଗଡ଼େଅ ଯୋଶିୟ; ଯୋଶିୟନେ ଉଂଡେ ଯିଖନିୟ ଆରି ମୌଁନେ ବୟାଁଇଂ ଜନମ୍ ଡିଂକେ । **12** ଯିଖନିୟନେ ଉଂଡେ ଶଅଲ୍‌ଥୀୟେଲ ବାବିଲୋନ୍‌ନ୍ଦିଆ ଜନମ୍ ଡିଂକେ । ଶଅଲ୍‌ଥୀୟେଲନେ ଉଂଡେ ଜିରୁବାବେଲ; **13** ଜିରୁବାବେଲନେ ଉଂଡେ ଅବୀହୁଦ୍; ଅବୀହୁଦ୍‌ନେ ଉଂଡେ ଏଲିୟାକିମ; ଏଲିୟାକିମନେ ଉଂଡେ ଅଜ୍‌ଜୂର; **14** ଅଜ୍‌ଜୂରନେ ଉଂଡେ ସାଦୋକ; ସାଦୋକନେ ଉଂଡେ ଯାଖୀନ; ଯାଖୀନନେ ଉଂଡେ ଏଲୀହୁଦ; ଏଲୀହୁଦନେ ଉଂଡେ ଏଲାଜାର; ଏଲାଜାରନେ ଉଂଡେ ମତ୍‌ଥାନ; **15** ଏଲୀହୁଦ ଏଲୀୟାଜର୍‌କେ ଜନମ୍ ବିକେ ଏଲୀୟାଜରନେ ଉଂଡେ ମତ୍‌ଥାନ; ମତ୍‌ଥାନ୍‌ନେ ଉଙ୍ଗଡେ ଜାକୁବ୍; ଜାକୁବ୍‌ନେ ଉଙ୍ଗଡେ ଯୋସେଫ୍ । **16** ମତ୍ତାନ ଜାକୁବ୍‌କେ ଜନମ୍ ବିକେ ଜାକୁବ ମରିୟମ୍‌ନେ ଆଣ୍ଟା ଯୋସେଫ୍‌କେ ଜନମ୍ ବିକେ ଏନ୍ ଯୋସେଫ୍ ମରିୟମ୍‌କେ ବିହେ ଡିଙ୍ଗଲେଃଗେ । ମରିୟମ୍‌ନେ ସୁଲୁଏ ବାନ୍ ଜିସୁ ଜନମ୍ ଡିଙ୍ଗକେ । ଜିସୁ କିସ୍‌ଟ ମସୀହ ମ୍ନିରେ ଡିଗ୍ ସ୍ୱାମୁଆଁ । **17** ଦେକ୍‌ରକମ୍ ଅବ୍ରାହାମ୍‌ନେ ବାନ୍ ଦାଉଦନେ ଜାକ ଚଉଦ ପୁରୁସ୍; ଦାଉଦନେ ବାନ୍ ବାବିଲୋନ୍‌କେ ଗାଗ୍‌ଚେ ଡୁଙ୍ଗୱେନେ ଜାକ ଚଉଦ ପୁରୁସ୍ ବାରି ବାବିଲୋନ୍ ବାସାନେ ଜାକ କିସ୍‌ଟନେ ଜନମ୍ ଜାକ ଚଉଦ ପୁରୁସ୍ । **18** ଏନ୍ ଡିଂକେ ଜିସୁ କିସ୍‌ଟନେ ଜନମ୍ ବିସୟ୍ । ମୌଁନେ ଇୟାଙ୍ଗ ମରିୟମ୍‌ନେ ଯୋସେଫ୍‌ନେ ଏତେ ମାଗ୍‌ନି ଡିଙ୍ଗଲେଃଗେ । ମାତର୍ ମୌଇଂନେ ବିହେ ମାତାନେ ସେନୁଗ୍ ମରିୟମ୍ ମ୍ୟାକେ ଜେ ପବିତ୍ର ଆତ୍ମାନେ ବାନ୍ ମୌଁ ଗାଗ୍‌ଡ଼େ ଲେଃକେ । **19** ଯୋସେଫ୍ ଦରମ୍ ରେମୁଆଁ ଲେଃଗେସାଃ କାଲାଆଃ ନିମାଣ୍ଟା କାମ୍ ଡିଂଡିଙ୍ଗେ । ଏଲେଡିଗ୍ ମରିୟମ୍‌କେ ରେମୁଆଁନେ ନିନ୍ଦା ବାନ୍ ରକ୍ୟା ଡିଙ୍ଗନ୍‌ସା କଲେନା ମାଗ୍‌ନିକେ ମନା ଡିଙ୍ଗନ୍‌ସା ଉପାୟ୍ ତୁର୍‌କେ । **20** ମୌଁ ଏନ୍ ବାବେକେଲା ମୁଇଂ କିତଂ ଦୁତ୍ ଆମେକେ ମୁସୁଡ଼ିଙ୍ଗନ୍ନିଆ ଆତ୍ମାଚେ ବାସଙ୍ଗକେ "ଅ ଦାଉଦ କୁଲ୍‌ନେ ଯୋସେଫ୍ । ମରିୟମ୍‌କେ ସେଲାମ୍ଲୁଏ ଡାଗ୍‌ଚେ ଗ୍ରଅନ୍ ଡିଙ୍ଗନ୍‌ସା ଆବ୍‌ଟଗେ ନାମଃ, ଡାଗ୍ଲା ପବିତ୍ର ଆତ୍ମା ବାନ୍ ମରିୟମ୍ ଗାଗ୍‌ଡ଼େ ଲେଃକେ । **21** ମୌଁନେ ମୁଇଂ ଗଡ଼େଅ ଜନମ୍ ଡିଙ୍ଗଏ । ମୌଁନେ ମ୍ନି ଜିସୁ ନାବିଏ, ଡାଗ୍ଲା ମୌଁ ନିଜର୍ ରେମୁଆଁଇଂକେ ପାପ୍‌ବାନ୍ ରକ୍ୟା ଡିଙ୍ଗଏ ।" **22** ଇସ୍‌ପର୍ ମୁଇଂ ବାବବାଦିନେ ବାନ୍ ମୁଡ଼ିନେ ବବିସତ୍ ସାମୁଆଁ ଆଃଅଁ ବକେ ଆତାନ୍ ସତ୍ ଡିଙ୍ଗନ୍‌ସା ଏନ୍ ସାପା ଗଟେଲେଃକେ । **23** ଆତେନ୍ ବବିସତ୍ ସାମୁଆଁ ଡିଂଡିଂକେ, "ମୁଇଂ ସେଲା ଗାଗ୍‌ଡ଼େଚେ ଗଡ଼େଅ ମୁଇଂ ଜନମ୍ ବିଃଏ । ଆତେନ୍ ଗଡ଼େଅ ଇମ୍ମାନୁୟେଲ" ମ୍ନିରେ ୱାଆର୍‌ଏ । ଇମ୍ମାନୁୟେଲ ଅର୍‌ତ "ଇସ୍‌ପର୍ ନେଁ ଏତେ ଲେଃକେ ।" **24** ଯୋସେଫ୍ ତୁଲେଗ୍‌ଚେ ତଡ଼ିଆକ୍ନେ ଇଡ଼ିଙ୍ଗ ମୌଁ କିତଂ ଦୁତ୍‌ନେ ଆଦେସ୍ ଅନୁସାରେ ସ୍ନେ ଡିଙ୍ଗକେ । ମୌଁ ମରିୟମ୍‌କେ ବିହେ ଡିଙ୍ଗକେ । **25** ମାତର୍ ମୌଁନେ ଆତାନ୍ ଉଙ୍ଗଡେ ଜନମ୍ ଡିଙ୍ଗ ଜାକ ମରିୟମ୍ ଏତେ ଆକୁଡ଼େଃ ଆମାଡ଼େଃକେ ଣ୍ଡୁ । ଯୋସେଫ୍ ଆତେନ୍ ଉଙ୍ଗଡେକେ ଜିସୁ ମ୍ନି ବିକେ ।

2 ହେରୋଦ ଇଃସାଙ୍କନେ ସାସନ୍ ବେଲା ଜିଉଦା ପ୍ରଦେସ୍‌ନେ ବେଥ୍‌ଲେହିମ ଇନିନ୍ନିଆ ଜିସୁ ଜନମ୍ ଡିଙ୍ଗକେ । କ୍ଲେନେ ଇକୁଡ଼ା ବେଲା ଇଡ଼ିଙ୍ଗ ପୁର୍ବ ଦେସ୍‌ନେ ଉଡ଼ିରୁଆ ପଣ୍ଡିତ୍ ଯିରୂଶାଲମନ୍ନିଆ ପାଙ୍ଗଚେ ସାଲ୍ୟାକୁଆର୍‌କେ **2** "ଆଣ୍ଡିନେ ଗଡ଼େଅ ଜିଉଦିଇଂନେ ଇଃସାଙ୍କ ଡିଙ୍ଗ ନ୍‌ସା ଜନମ୍ ଡିଙ୍ଗଲେକେ ମୌଁ ଆଣ୍ଡିକା? ପୁର୍ବ କିତଂନ୍ନିଆ ମୌଁନେ ଚାଙ୍ଗୁଆ କେଚେ ଆମେକେ ସାର୍ଲ ନ୍‌ସା ପାଙ୍ଗେନଲେଃକେ ।" **3** ମୌଇଂନେ ଆକେନ୍ ସାମୁଆଁ ଅଁଚେ ଇଃସାଙ୍କ ହେରୋଦ ଆରି ଯିରୂଶାଲମନ୍ନିଆ ବାସା ଲେଃଗ୍ନେ ରେମୁଆଁଇଂ ତେରେପେତେ ଡିଙ୍ଗୁଆର୍କେ । **4** ହେରୋଦ ସାପା ମ୍ନା ଜାଜକ ଆରି ଦରମ୍ ଗୁରୁଇଂକେ ୱାଚେ ଆମେଇଂକେ ସାଲ୍ୟାକୁକେ "ମସିହ ବା କିସ୍‌ଟ ଆଣ୍ଡିଅରିଆ ଜନମ୍ ଡିଙ୍ଗଏ ଆତେନ୍ ମେଇଂନେବାନ୍ ବିଜେନ୍‌ସା ଚେସ୍‌ଟା ଡିଙ୍ଗକେ?" **5** ମେଇଂ ଉତର୍ ବିକେ "ଜିଉଦା ପ୍ରଦେସ୍‌ନେ ବେଥ୍‌ଲେହିମ ଡାଗ୍ରା । ଏନ୍ ବିସୟ୍‌ରେ ମୁଇଙ୍ଗ ବାବବାଦି ଗୁଆର୍ ବକେ **6** ଅ ଜିଉଦା ପ୍ରଦେସ୍‌ନେ ବେଥ୍‌ଲେହିମ ନାନେ ଜିଉଦାନେ ମ୍ନା ଇନିଇଂନେ ବିତ୍ରେ ତିରକମ୍ ଡିଗ୍ ଡାଆଁ ଣ୍ଡୁ ଡାଗ୍ଲା ଜା ନେନେ ଇଶ୍ରାୟେଲୀୟ ରେମୁଆଁଇଂକେ ଲାଲନ୍ ପାଲନ୍ ଡିଙ୍ଗଏ ଦେକ୍‌ରକମ୍ ମୁଇଂଜା ସାସନ୍ ଡିଙ୍ଗଣ୍ଟେ ନେତା ନାନେ ବାନ୍ ପୁଏତାର୍‌ଏ ।" **7** ଏନ୍ ଅଁଚେ ହେରୋଦ ମାମ୍ୟାଚେ ପୁରୁବ୍ ଦେସ୍‌ନେ ଆତେନ୍ ପଣ୍ଡିତ୍‌ଇଂକେ

Matthaeus

1 Dies ist das Buch der Geschichte Jesu Christi, des Sohnes Davids, des Sohnes Abrahams. **2** Abraham war der Vater Isaaks. Isaak war der Vater Jakobs. Jakob war der Vater Judas und seiner Brüder. **3** Juda war — durch Thamar — der Vater des Perez und Serah. Perez war der Vater Hezrons. Hezron war der Vater Rams. **4** Ram war der Vater Aminadabs. Aminadab war der Vater Nahessons. Nahesson war der Vater Salmas. **5** Salma war — durch Rahab — der Vater des Boas. Boas war — durch Ruth — der Vater Obeds. Obed war der Vater Isais. **6** Isai war der Vater des Königs David. David war — durch Urias Witwe — der Vater Salomos. **7** Salomo war der Vater Rehabeams. Rehabeam war der Vater Abias. Abia war der Vater Asas. **8** Asa war der Vater Josafats. Josafat war der Vater Jorams. Joram war der Vater Usias. **9** Usia war der Vater Jotams. Jotam war der Vater des Ahas. Ahas war der Vater Hiskias. **10** Hiskia war der Vater Manasses. Manasse war der Vater Amons. Amon war der Vater Josias. **11** Josia wurde der Vater Jechonjas und seiner Brüder zur Zeit der Wegführung nach Babylon. **12** Nach der Wegführung nach Babylon wurde Jechonja der Vater Sealthiels. Sealthiel war der Vater Serubabels. **13** Serubabel war der Vater Abiuds. Abiud war der Vater Eljakims. Eljakim war der Vater Asors. **14** Asor war der Vater Zadoks. Zadoks war der Vater Achims. Achim war der Vater Eliuds. **15** Eliud war der Vater Eleasars. Eleasar war der Vater Matthans. Matthan war der Vater Jakobs. **16** Jakob war der Vater Josefs, des Mannes der Maria. Maria aber ist die Mutter jenes Jesus, der den Namen Christus trägt. **17** Alle Geschlechter von Abraham bis David betragen vierzehn. Auch von David bis zu der Wegfnhrung nach Babylon sind vierzehn Geschlechter. Ebenso sind vierzehn Geschlechter von der Wegfnhrung nach Babylon bis auf den Messias. **18** Mit Christi Geburt verhielt es sich so: Als seine Mutter Maria mit Josef verlobt war, da zeigte sich's, noch ehe sie zusammenzogen, daß sie vom Heiligen Geist empfangen hatte. **19** Josef aber, ihr Verlobter, der ein frommer Mann war und sie nicht bloßstellen wollte, ging schon damit um, sich in aller Stille von ihr zu trennen. **20** Als er dies erwog, da erschien ihm im Traume ein Engel des Herrn und sprach zu ihm: "Josef, du Sohn Davids, scheue dich nicht, Maria, deine Verlobte, zu deiner Ehefrau zu machen! Denn was in ihr erzeugt ist, das stammt von dem Heiligen Geiste. **21** Und sie wird einen Sohn gebären, dem sollst du den Namen Jesus geben; denn er wird sein Volk erretten von ihren Sünden." **22** Dies alles ist geschehen, damit sich jenes Wort erfülle, das der Herr durch den Mund des Propheten gesprochen hat: **23** Siehe, die Jungfrau wird empfangen und einen Sohn gebären, und seinen Namen wird man nennen Immanuel, das heißt: mit uns ist Gott. **24** Als Josef von seinem Schlaf erwachte, tat er, wie ihm der Engel des Herrn befohlen hatte, und führte seine Verlobte als Eheweib heim. **25** Aber er verkehrte nicht mit ihr, bis sie einen Sohn geboren hatte. Dem gab er den Namen Jesus.

2 Als Jesus in den Tagen des Königs Herodes zu Bethlehem in Judäa geboren war, da trafen Sterndeuter aus dem Morgenlande in Jerusalem ein und fragten: **2** "Wo ist der König der Juden? Er ist geboren; denn wir haben in den Strahlen der Morgendämmerung seinen Stern erscheinen sehn und sind hierher gekommen, um ihm zu huldigen." **3** Als dies dem König Herodes zu Ohren kam, erschrak er, und mit ihm entsetzte sich auch ganz Jerusalem. **4** Da berief er alle Hohenpriester und Schriftgelehrten des Volkes und legte ihnen die Frage vor: "Wo soll der Messias geboren werden?" **5** Sie antworteten ihm: "Zu Bethlehem in Judäa. Denn so steht geschrieben in den Worten des Propheten: **6** Und du, Bethlehem im Lande Juda, du bist durchaus nicht die geringste unter den Führerstädten. Denn aus dir soll mir ein Herrscher kommen, der wird als Hirte weiden mein Volk Israel." **7** Hierauf ließ Herodes die Sterndeuter in aller Stille zu sich rufen und sich von ihnen genau die Zeit angeben, wann der Stern zuerst erschienen sei. **8** Dann wies er sie nach Bethlehem und sprach: "Zieht hin und forscht mit Sorgfalt nach dem Kinde; und habt ihr es gefunden, so gebt mir Nachricht, damit ich auch komme und ihm huldige." **9** Als sie dies von dem Könige vernommen hatten, machten sie sich auf den Weg. Und sieh, der Stern, den sie im Frühaufgang gesehn, zog vor ihnen her, bis er stillstand über dem Hause, wo das Kindlein war. **10** Bei dem Anblick des Sternes wurden sie mit großer Freude erfüllt. **11** Sie traten in das Haus und sahen das Kind bei Maria, seiner Mutter. Da fielen sie vor ihm nieder und huldigten ihm. Dann öffneten sie ihre Schatzbehälter und brachten ihm Gold, Weihrauch und Myrrhen als Geschenke dar. **12** Im Traum erhielten sie die Weisung, nicht wieder zu Herodes zu gehn. Deshalb zogen sie auf einem andern Wege in ihr Heimatland zurück. **13** Als sie weggezogen waren, da erschien ein Engel des Herrn dem Josef im Träume und sprach zu

Matthaeus

1 Buch des Geschlechts Jesu Christi, des Sohnes Davids, des Sohnes Abrahams. **2** Abraham zeugte Isaak; Isaak aber zeugte Jakob, Jakob aber zeugte Juda und seine Brüder; **3** Juda aber zeugte Phares und Zara von der Thamar; Phares aber zeugte Esrom, Esrom aber zeugte Aram, **4** Aram aber zeugte Aminadab, Aminadab aber zeugte Nahasson, Nahasson aber zeugte Salmon, **5** Salmon aber zeugte Boas von der Rahab; Boas aber zeugte Obed von der Ruth; Obed aber zeugte Jesse, **6** Jesse aber zeugte David, den König. David aber zeugte Salomon von der, die Urias Weib gewesen; **7** Salomon aber zeugte Roboam, Roboam aber zeugte Abia, Abia aber zeugte Asa, **8** Asa aber zeugte Josaphat, Josaphat aber zeugte Joram, Joram aber zeugte Osia, **9** Osia aber zeugte Joatham, Joatham aber zeugte Achas, Achas aber zeugte Ezekia, **10** Ezekia aber zeugte Manasse, Manasse aber zeugte Amon, Amon aber zeugte Josia, **11** Josia aber zeugte Jechonia und seine Brüder um die Zeit der Wegführung nach Babylon. **12** Nach der Wegführung nach Babylon aber zeugte Jechonia Salathiel, Salathiel aber zeugte Zorobabel, **13** Zorobabel aber zeugte Abiud, Abiud aber zeugte Eliakim, Eliakim aber zeugte Asor, **14** Asor aber zeugte Zadok, Zadok aber zeugte Achim, Achim aber zeugte Eliud, **15** Eliud aber zeugte Eleasar, Eleasar aber zeugte Matthan, Matthan aber zeugte Jakob, **16** Jakob aber zeugte Joseph, den Mann der Maria, von welcher Jesus geboren wurde, der Christus genannt wird. **17** So sind nun alle Geschlechter von Abraham bis auf David vierzehn Geschlechter, und von David bis zur Wegführung nach Babylon vierzehn Geschlechter, und von der Wegführung nach Babylon bis auf den Christus vierzehn Geschlechter. **18** Die Geburt Jesu Christi war aber also: Als nämlich Maria, seine Mutter, dem Joseph verlobt war, wurde sie, ehe sie zusammengekommen waren, schwanger erfunden von dem Heiligen Geiste. **19** Joseph aber, ihr Mann, indem er gerecht war und sie nicht öffentlich zur Schau stellen wollte, gedachte sie heimlich zu entlassen. **20** Indem er aber solches bei sich überlegte, siehe, da erschien ihm ein Engel des Herrn ["Herr", ohne Artikel, bezeichnet hier und an vielen anderen Stellen den Namen "Jehova"] im Traum und sprach: Joseph, Sohn Davids, fürchte dich nicht, Maria, dein Weib, zu dir zu nehmen; denn das in ihr Gezeugte ist von dem Heiligen Geiste. **21** Und sie wird einen Sohn gebären, und du sollst seinen Namen Jesus heißen; denn er wird sein Volk erretten von ihren Sünden. **22** Dies alles geschah aber, auf daß erfüllt würde, was von dem Herrn ["Herr", ohne Artikel bezeichnet hier und an vielen anderen Stellen den Namen: "Jehova"] geredet ist durch den Propheten, welcher spricht: **23** "Siehe, die Jungfrau wird schwanger sein und einen Sohn gebären, und sie werden seinen Namen Emmanuel heißen", [Jes. 7,14] was verdolmetscht ist: Gott mit uns. **24** Joseph aber, vom Schlafe erwacht, tat, wie ihm der Engel des Herrn befohlen hatte, und nahm sein Weib zu sich; **25** und er erkannte sie nicht, bis sie ihren erstgeborenen Sohn geboren hatte; und er hieß seinen Namen Jesus.

2 Als aber Jesus zu Bethlehem in Judäa geboren war, in den Tagen Herodes, des Königs, siehe, da kamen Magier [Morgenländische Priester und Sternkundige] vom Morgenlande nach Jerusalem, welche sprachen: **2** Wo ist der König der Juden, der geboren worden ist? Denn wir haben seinen Stern im Morgenlande gesehen und sind gekommen, ihm zu huldigen. **3** Als aber der König Herodes es hörte, wurde er bestürzt, und ganz Jerusalem mit ihm; **4** und er versammelte alle Hohenpriester und Schriftgelehrten des Volkes und erkundigte sich bei ihnen, wo der Christus geboren werden solle. **5** Sie aber sagten ihm: Zu Bethlehem in Judäa; denn also steht durch den Propheten geschrieben: **6** "Und du, Bethlehem, Land Juda, bist keineswegs die geringste unter den Fürsten Judas; denn aus dir wird ein Führer hervorkommen, der mein Volk Israel weiden wird". [Micha 5,1] **7** Dann berief Herodes die Magier heimlich und erforschte [O. erfuhr] genau von ihnen die Zeit der Erscheinung des Sternes; [O. des Sternes, welcher erschien; W. des erscheinenden Sternes] **8** und er sandte sie nach Bethlehem und sprach: Ziehet hin und forschet genau nach dem Kindlein; wenn ihr es aber gefunden habt, so berichtet es mir, damit auch ich komme und ihm huldige. **9** Sie aber, als sie den König gehört hatten, zogen hin. Und siehe, der Stern, den sie im Morgenlande gesehen hatten, ging vor ihnen her, bis er kam und oben über dem Orte stand, wo das Kindlein war. **10** Als sie aber den Stern sahen, freuten sie sich mit sehr großer Freude. **11** Und als sie in das Haus gekommen waren, sahen sie das Kindlein mit Maria, seiner Mutter, und sie fielen nieder und huldigten ihm; und sie taten ihre Schätze auf und opferten ihm Gaben: Gold und Weihrauch und Myrrhe. **12** Und als sie im Traum eine göttliche Weisung empfangen hatten, nicht wieder zu Herodes zurückzukehren, zogen sie auf einem anderen Wege hin in ihr Land. **13** Als sie aber hingezogen waren, siehe, da erscheint ein Engel des Herrn dem Joseph im Traum und spricht: Stehe auf, nimm das Kindlein und seine Mutter zu dir und fliehe nach Ägypten, und sei daselbst, bis ich es dir sage; denn Herodes wird das Kindlein suchen, um es umzubringen. **14** Er aber stand auf, nahm das Kindlein und seine Mutter des Nachts zu sich und zog hin nach Ägypten. **15** Und er war daselbst bis zum Tode Herodes, auf daß erfüllt würde, was von dem Herrn geredet ist durch den Propheten, welcher spricht: "Aus Ägypten habe ich meinen Sohn gerufen." [Hos. 11,1] **16** Da ergrimmte Herodes sehr, als er sah, daß er von den Magiern hintergangen worden war; und er sandte hin und ließ alle Knaben töten, die in Bethlehem und in allen seinen Grenzen waren, von zwei Jahren und darunter, nach der Zeit, die er von den Magiern genau erforscht [O. erfahren] hatte. **17** Da wurde erfüllt, was durch den Propheten Jeremias geredet ist, welcher spricht: **18** "Eine Stimme ist in Rama gehört worden, Weinen und viel Wehklagen: Rahel beweint ihre Kinder, und sie wollte sich nicht trösten lassen, weil sie nicht mehr sind." [Jer. 31,15] **19** Als aber Herodes gestorben war, siehe, da erscheint ein Engel des Herrn dem Joseph im Traum in Ägypten **20** und spricht: Stehe auf, nimm das Kindlein und seine Mutter zu dir und ziehe in das Land Israel; denn sie sind gestorben, die dem Kindlein nach dem Leben trachteten. **21**

Matthaeus

1 Buch des Geschlechts Jesu Christi, des Sohnes Davids, des Sohnes Abrahams. **2** Abraham zeugte Isaak; Isaak aber zeugte Jakob, Jakob aber zeugte Juda und seine Brüder; **3** Juda aber zeugte Phares und Zara von der Thamar; Phares aber zeugte Esrom, Esrom aber zeugte Aram, **4** Aram aber zeugte Aminadab, Aminadab aber zeugte Nahasson, Nahasson aber zeugte Salmon, **5** Salmon aber zeugte Boas von der Rahab; Boas aber zeugte Obed von der Ruth; Obed aber zeugte Isai, **6** Isai aber zeugte David, den König. David aber zeugte Salomon von der, die Urias Weib gewesen; **7** Salomon aber zeugte Roboam, Roboam aber zeugte Abia, Abia aber zeugte Asa, **8** Asa aber zeugte Josaphat, Josaphat aber zeugte Joram, Joram aber zeugte Osia, **9** Osia aber zeugte Joatham, Joatham aber zeugte Achas, Achas aber zeugte Ezekia, **10** Ezekia aber zeugte Manasse, Manasse aber zeugte Amon, Amon aber zeugte Josia, **11** Josia aber zeugte Jechonia und seine Brüder um die Zeit der Wegführung nach Babylon. **12** Nach der Wegführung nach Babylon aber zeugte Jechonia Salathiel, Salathiel aber zeugte Zorobabel, **13** Zorobabel aber zeugte Abiud, Abiud aber zeugte Eliakim, Eliakim aber zeugte Asor, **14** Asor aber zeugte Zadok, Zadok aber zeugte Achim, Achim aber zeugte Eliud, **15** Eliud aber zeugte Eleasar, Eleasar aber zeugte Matthan, Matthan aber zeugte Jakob, **16** Jakob aber zeugte Joseph, den Mann der Maria, von welcher Jesus geboren wurde, der Christus genannt wird. **17** So sind nun alle Geschlechter von Abraham bis auf David vierzehn Geschlechter, und von David bis zur Wegführung nach Babylon vierzehn Geschlechter, und von der Wegführung nach Babylon bis auf den Christus vierzehn Geschlechter. **18** Die Geburt Jesu Christi war aber also: Als nämlich Maria, seine Mutter, dem Joseph verlobt war, wurde sie, ehe sie zusammengekommen waren, schwanger erfunden von dem Heiligen Geiste. **19** Joseph aber, ihr Mann, indem er gerecht war und sie nicht öffentlich zur Schau stellen wollte, gedachte sie heimlich zu entlassen. **20** Indem er aber solches bei sich überlegte, siehe, da erschien ihm ein Engel des Herrn im Traum und sprach: Joseph, Sohn Davids, fürchte dich nicht, Maria, dein Weib, zu dir zu nehmen; denn das in ihr Gezeugte ist von dem Heiligen Geiste. **21** Und sie wird einen Sohn gebären, und du sollst seinen Namen Jesus heißen; denn er wird sein Volk erretten von ihren Sünden. **22** Dies alles geschah aber, auf daß erfüllt würde, was von dem Herrn geredet ist durch den Propheten, welcher spricht: **23** "Siehe, die Jungfrau wird schwanger sein und einen Sohn gebären, und sie werden seinen Namen Emmanuel heißen", was verdolmetscht ist: Gott mit uns. **24** Joseph aber, vom Schlafe erwacht, tat, wie ihm der Engel des Herrn befohlen hatte, und nahm sein Weib zu sich; **25** und er erkannte sie nicht, bis sie ihren erstgeborenen Sohn geboren hatte; und er hieß seinen Namen Jesus.

2 Als aber Jesus zu Bethlehem in Judäa geboren war, in den Tagen Herodes', des Königs, siehe, da kamen Magier vom Morgenlande nach Jerusalem, welche sprachen: **2** Wo ist der König der Juden, der geboren worden ist? Denn wir haben seinen Stern im Morgenlande gesehen und sind gekommen, ihm zu huldigen. **3** Als aber der König Herodes es hörte, wurde er bestürzt, und ganz Jerusalem mit ihm; **4** und er versammelte alle Hohenpriester und Schriftgelehrten des Volkes und erkundigte sich bei ihnen, wo der Christus geboren werden solle. **5** Sie aber sagten ihm: Zu Bethlehem in Judäa; denn also steht durch den Propheten geschrieben: **6** "Und du, Bethlehem, Land Juda, bist keineswegs die geringste unter den Fürsten Judas; denn aus dir wird ein Führer hervorkommen, der mein Volk Israel weiden wird". **7** Dann berief Herodes die Magier heimlich und erforschte genau von ihnen die Zeit der Erscheinung des Sternes; **8** und er sandte sie nach Bethlehem und sprach: Ziehet hin und forschet genau nach dem Kindlein; wenn ihr es aber gefunden habt, so berichtet es mir, damit auch ich komme und ihm huldige. **9** Sie aber, als sie den König gehört hatten, zogen hin. Und siehe, der Stern, den sie im Morgenlande gesehen hatten, ging vor ihnen her, bis er kam und oben über dem Orte stand, wo das Kindlein war. **10** Als sie aber den Stern sahen, freuten sie sich mit sehr großer Freude. **11** Und als sie in das Haus gekommen waren, sahen sie das Kindlein mit Maria, seiner Mutter, und sie fielen nieder und huldigten ihm; und sie taten ihre Schätze auf und opferten ihm Gaben: Gold und Weihrauch und Myrrhe. **12** Und als sie im Traum eine göttliche Weisung empfangen hatten, nicht wieder zu Herodes zurückzukehren, zogen sie auf einem anderen Wege hin in ihr Land. **13** Als sie aber hingezogen waren, siehe, da erscheint ein Engel des Herrn dem Joseph im Traum und spricht: Stehe auf, nimm das Kindlein und seine Mutter zu dir und fliehe nach Ägypten, und sei daselbst, bis ich es dir sage; denn Herodes wird das Kindlein suchen, um es umzubringen. **14** Er aber stand auf, nahm das Kindlein und seine Mutter des Nachts zu sich und zog hin nach Ägypten. **15** Und er war daselbst bis zum Tode Herodes', auf daß erfüllt würde, was von dem Herrn geredet ist durch den Propheten, welcher spricht: "Aus Ägypten habe ich meinen Sohn gerufen." **16** Da ergrimmte Herodes sehr, als er sah, daß er von den Magiern hintergangen worden war; und er sandte hin und ließ alle Knaben töten, die in Bethlehem und in allen seinen Grenzen waren, von zwei Jahren und darunter, nach der Zeit, die er von den Magiern genau erforscht hatte. **17** Da wurde erfüllt, was durch den Propheten Jeremias geredet ist, welcher spricht: **18** "Eine Stimme ist in Rama gehört worden, Weinen und viel Wehklagen: Rahel beweint ihre Kinder, und sie wollte sich nicht trösten lassen, weil sie nicht mehr sind." **19** Als aber Herodes gestorben war, siehe, da erscheint ein Engel des Herrn dem Joseph im Traum in Ägypten und spricht: **20** Stehe auf, nimm das Kindlein und seine Mutter zu dir und ziehe in das Land Israel; denn sie sind gestorben,

Matthaeus

1 Stammbaum Jesu Christi, des Sohnes Davids, des Sohnes Abrahams. **2** Von Abraham stammt Isaak ab, von Isaak Jakob, von Jakob Juda und dessen Brüder, **3** von Juda und der Thamar Phares und Zara, von Phares Esron, von Esron Aram, **4** von Aram Aminadab, von Aminadab Naasson, von Naasson Salmon, **5** von Salmon und der Rachab Booz, von Booz und der Ruth Obed, von Obed Jesse, **6** von Jesse David, der König. Von David und des Urias Weib stammt Salomon, **7** von Salomon Roboam, von Roboam Abias, von Abias Asa, **8** von Asa Josaphat, von Josaphat Joram, von Joram Ozias, **9** von Ozias Joatham, von Joatham Achas, von Achas Ezechias, **10** von Ezechias Manasses, von Manasses Amon, von Amon Josias, **11** von Josias Jechonias und dessen Brüder zur Zeit der babylonischen Gefangenschaft. **12** Nach der babylonischen Gefangenschaft ward Jechonias der Vater des Salathiel; von Salathiel stammt Zorobabel, **13** von Zorobabel Abiud, von Abiud Eliakim, von Eliakim Azor, **14** von Azor Sadok, von Sadok Achim, von Achim Eliud, **15** von Eliud Eleazar, von Eleazar Matthan, von Matthan Jakob, **16** von Jakob Joseph, der Mann Marias. Aus dieser ward Jesus geboren, der Christus genannt wird. **17** Es sind demnach im ganzen von Abraham bis David 14 Geschlechter, von David bis zur babylonischen Gefangenschaft vierzehn Geschlechter, von der babylonischen Gefangenschaft bis auf Christus vierzehn Geschlechter. **18** Mit der Geburt Jesu Christi verhielt es sich also: Maria, seine Mutter, war mit Joseph verlobt. Da fand es sich, noch ehe sie zusammenwohnten, daß sie durch den Heiligen Geist empfangen hatte. **19** Indes Joseph, ihr Mann, war rechtlich denkend und wollte sie nicht bloßstellen, und so gedachte er, sie im stillen zu entlassen. **20** Noch trug er sich mit diesen Gedanken, siehe, da erschien ihm im Traum ein Engel des Herrn. Er sprach: "Joseph, Sohn Davids, trage kein Bedenken, Maria, dein Weib, zu dir ins Haus zu nehmen; denn, was in ihr erzeugt ist, stammt vom Heiligen Geist. **21** Sie wird einen Sohn gebären, dem du den Namen Jesus geben sollst; denn dieser wird sein Volk von seinen Sünden retten". **22** Dies alles aber ist geschehen, damit erfüllt werde, was von dem Herrn durch den Propheten gesprochen ward, wenn er sagt: **23** "Siehe, die Jungfrau wird empfangen und einen Sohn gebären, und man wird ihn Emmanuel - d. h. 'Gott mit uns' - heißen". **24** Joseph stand auf vom Schlaf und tat, wie ihm der Engel des Herrn geboten hatte; er nahm sein Weib zu sich ins Haus. **25** Jedoch erkannte er sie nicht, bis sie ein Kind (das Erstgeborene) geboren hatte; und er gab ihm den Namen Jesus.

2 Als Jesus in Bethlehem in Judäa geboren war in den Tagen des Königs Herodes, siehe, da erschienen Weise aus dem Morgenland in Jerusalem. **2** Sie fragten: "Wo ist der neugeborene König der Juden? Wir haben seinen Stern aufleuchten sehen und sind gekommen, um ihm zu huldigen." **3** Als der König Herodes dies hörte, geriet er in Erregung und ganz Jerusalem mit ihm. **4** Er ließ alle Oberpriester und Schriftgelehrten des Volkes zusammenkommen und fragte sie aus, wo der Christus geboren werden solle. **5** Sie gaben ihm zur Antwort: "Zu Bethlehem in Judäa. Denn also steht beim Propheten geschrieben: **6** 'Und du, Bethlehem im Lande Juda, bist keineswegs die geringste unter den Fürstenstädten Judas; denn aus dir wird der Fürst hervorgehen, der mein Volk Israel regieren soll'". **7** Hiernach beschied Herodes die Weisen heimlich zu sich und suchte von ihnen genau die Zeit der Sternenerscheinung zu erfahren. **8** Darauf wies er sie nach Bethlehem und sprach: "Geht, suchet eifrig nach dem Kinde. Und sobald ihr es gefunden habt, sagt es mir, damit auch ich ihm dort huldige." **9** Als sie dies vom König vernommen hatten, machten sie sich auf den Weg. Und siehe, der Stern, den sie bei seinem Aufleuchten gesehen hatten, ging vor ihnen her, bis er über dem Orte stillstand, wo das Kind war. **10** Als sie den Stern erblickten, ward ihre Freude übergroß. **11** Sie traten in das Haus, sahen das Kind mit Maria, seiner Mutter, fielen nieder und huldigten ihm. Dann öffneten sie ihre Truhen und brachten ihm Geschenke dar: Gold, Weihrauch und Myrrhe. **12** In einem Traumgesicht angewiesen, nicht mehr zu Herodes zu gehen, kehrten sie auf einem anderen Weg in ihre Heimat zurück. **13** Als sie weggegangen waren, da erschien ein Engel des Herrn im Traum dem Joseph. Er sprach: "Auf! Nimm das Kind und seine Mutter und fliehe nach Ägypten. Bleibe dort, bis ich es dir sage. Herodes fahndet nämlich nach dem Kind, um es zu töten." **14** Er stand auf; nahm das Kind und seine Mutter noch bei Nacht und zog nach Ägypten fort. **15** Dort blieb er bis nach dem Tode des Herodes. So sollte sich erfüllen, was von dem Herrn durch den Propheten gesprochen ward, wenn er sagt: "Aus Ägypten habe ich meinen Sohn berufen.". **16** Herodes hatte indessen erkannt, daß er von den Weisen hintergangen worden sei. Er geriet in großen Zorn und ließ in Bethlehem und dessen ganzem Umkreis alle Knäblein töten, die zwei Jahre und jünger waren, genau der Zeit entsprechend, die er von den Weisen erforscht hatte. **17** So wurde damals erfüllt, was durch Jeremias, den Propheten, gesprochen ward, wenn er sagt: **18** "Zu Rama ward eine Stimme vernommen, ein Weinen und ein lautes Klagen: Rachel weint um ihre Kinder, sie will sich nicht trösten lassen, weil sie nicht mehr sind". **19** Als Herodes tot war, siehe, da erschien ein Engel des Herrn im Traum dem Joseph in Ägypten **20** und sprach: "Auf! Nimm das Kind und seine Mutter und zieh

Matthaeus

1 Stammbaum Jesus Christus', des Sohnes Davids, des Sohnes Abrahams: **2** Abraham zeugte den Isaak, Isaak aber zeugte den Jakob, Jakob aber zeugte den Juda und seine Brüder, **3** Juda aber zeugte den Pares und den Zarah von der Thamar, Pares aber zeugte den Hesron, Hesron aber zeugte den Aram, **4** Aram aber zeugte den Aminadab, Aminadab aber zeugte den Nahesson, Nahesson aber zeugte den Salmon, **5** Salmon aber zeugte den Boas von der Rahab, Boas aber zeugte den Obed von der Ruth, Obed aber zeugte den Isai, **6** Isai aber zeugte den David, den König. David aber zeugte den Salomo von der Frau des Uria, **7** Salomo aber zeugte den Rehabeam, Rehabeam aber zeugte den Abia, Abia aber zeugte den Assa, **8** Assa aber zeugte den Josaphat, Josaphat aber zeugte den Joram, Joram aber zeugte den Usia, **9** Usia aber zeugte den Jotham, Jotham aber zeugte den Ahas, Ahas aber zeugte den Hiskia, **10** Hiskia aber zeugte den Manasse, Manasse aber zeugte den Amos, Amos aber zeugte den Josia, **11** Josia aber zeugte den Jechonia und seine Brüder im babylonischen Exil. **12** Nach dem babylonischen Exil aber zeugte Jechonia den Selathiel, Selathiel aber zeugte den Serubabel, **13** Serubabel aber zeugte den Abiud, Abiud aber zeugte den Eliakim, Eliakim aber zeugte den Asor, **14** Asor aber zeugte den Zadok, Zadok aber zeugte den Achim, Achim aber zeugte den Eliud, **15** Eliud aber zeugte den Eleasar, Eleasar aber zeugte den Mattan, Mattan aber zeugte den Jakob, **16** Jakob aber zeugte den Joseph, den Mann der Maria, von welcher Jesus, welchen man Christus heißt, geboren ist. **17** So sind es nun im ganzen von Abraham bis David zusammen vierzehn Geschlechter, und von David bis zum babylonischen Exil vierzehn Geschlechter, und vom babylonischen Exil bis zum Christus vierzehn Geschlechter. **18** Mit der Geburt des Jesus Christus aber verhält es sich so: Da seine Mutter Maria dem Joseph verlobt war, fand es sich, ehe sie zusammenkamen, daß sie schwanger war vom heiligen Geist. **19** Joseph aber, ihr Gatte, der ein rechtschaffener Mann war, und der sie doch nicht an den Pranger stellen wollte, gedachte sie in der Stille aufzugeben. **20** Wie er aber damit umgieng, siehe, da erschien ihm ein Engel des Herrn im Traum und sprach: Joseph, Sohn Davids, scheue dich nicht, Maria, dein Weib, zu dir zu nehmen; denn ihre Leibesfrucht ist vom heiligen Geiste. **21** Sie wird aber einen Sohn gebären, dem sollst du den Namen Jesus geben; denn er wird sein Volk erretten von ihren Sünden. **22** Das alles aber ist geschehen, damit in Erfüllung gehe, was der Herr durch das Wort des Propheten gesprochen hat: **23** Siehe, die Jungfrau wird schwanger sein und einen Sohn gebären, und sie werden ihm den Namen Immanuel geben, was in der Übersetzung heißt: Gott mit uns. **24** Als aber Joseph vom Schlafe erwachte, that er, wie ihn der Engel des Herrn angewiesen hatte, und nahm seine Frau zu sich, **25** und er erkannte sie nicht, bis sie einen Sohn geboren hatte, und gab demselben den Namen Jesus.

2 Als aber Jesus geboren war in Bethlehem in Judäa in den Tagen des Königs Herodes, siehe da erschienen Magier vom Morgenland in Jerusalem **2** und sagten: wo ist der neugeborene König der Juden? wir haben nämlich seinen Stern gesehen im Osten, und sind gekommen, ihm zu huldigen. **3** Da es aber der König Herodes hörte, ward er bestürzt, und ganz Jerusalem mit ihm; **4** und er versammelte die sämtlichen Hohenpriester und Schriftgelehrten des Volkes und forschte von ihnen, wo der Christus geboren werde. **5** Sie aber sagten ihm: in Bethlehem in Judäa; denn so steht geschrieben durch den Propheten: **6** Und du, Bethlehem, Land Juda's, bist mit nichten zu klein für die Fürsten Juda's: denn aus dir wird ein Herrscher hervorgehen, der mein Volk Israel weiden wird. **7** Hierauf berief Herodes die Magier heimlich, und erkundete von ihnen die Zeit der Erscheinung des Sternes, **8** und sandte sie nach Bethlehem mit dem Auftrag: ziehet hin und stellt genaue Nachforschungen wegen des Kindes an; habt ihr es gefunden, so meldet es mir, damit ich auch hingehe und ihm huldige. **9** Sie aber, nachdem sie den König gehört, zogen dahin; und siehe, der Stern, den sie im Osten gesehen hatten, zog vor ihnen her, bis er an die Wohnung des Kindes kam, da stand er stille. **10** Da sie aber den Stern sahen, freuten sie sich gar sehr. **11** Und sie traten in das Haus, und sahen das Kind mit seiner Mutter Maria, fielen nieder und huldigten ihm, öffneten ihre Schätze und brachten ihm Geschenke dar, Gold, Weihrauch und Myrrhe. **12** Und da sie im Traum beschieden wurden, nicht zu Herodes zurückzugehen, kehrten sie auf einem andern Wege zurück in ihr Land. **13** Als sie aber abgezogen waren, siehe da erscheint ein Engel des Herrn dem Joseph im Traum und spricht: stehe auf, nimm das Kind und seine Mutter, und fliehe nach Aegypten, und weile dort, bis ich dir sage; denn Herodes schickt sich an, das Kind zu suchen, um es zu verderben. **14** Er aber stand auf, und nahm das Kind und seine Mutter bei Nacht, und zog sich zurück nach Aegypten, **15** und blieb daselbst bis zum Tode des Herodes, auf daß erfüllt würde, was der Herr gesagt durch das Prophetenwort: Aus Aegypten habe ich meinen Sohn gerufen. **16** Hierauf, da Herodes sah, daß ihn die Magier zum besten gehabt, ward er sehr zornig, sandte aus und ließ alle Kinder in Bethlehem und dessen ganzem Gebiet von zwei Jahren und darunter töten, der Zeit gemäß, welche er von den Magiern erkundet hatte. **17** Hierauf wurde erfüllt, was gesagt ist in dem Wort des Propheten Jeremias: **18** Ein Ruf ward gehört in Rama, großes Weinen und Klagen, Rahel, die ihre Kinder beweint, und will sich nicht trösten lassen; denn sie sind nicht mehr. **19** Als aber Herodes gestorben war, siehe, da erscheint ein Engel des Herrn im Traum dem Joseph in Aegypten **20** und spricht: stehe auf, nimm das Kind und seine Mutter, und ziehe in das Land Israel; denn sie sind gestorben, die dem Kind nach dem Leben trachteten. **21** Er aber stand auf, nahm das Kind

Matthaeus

1 Dies ist das Buch von der Geburt Jesu Christi, der da ist ein Sohn Davids, des Sohnes Abrahams. **2** Abraham zeugete Isaak. Isaak zeugete Jakob. Jakob zeugete Juda und seine Brüder. **3** Juda zeugete Pharez und Saram von der Thamar. Pharez zeugete Hezron. Hezron zeugete Ram. **4** Ram zeugete Aminadab. Aminadab zeugete Nahasson. Nahasson zeugete Salma. **5** Salma zeugete Boas von der Rahab. Boas zeugete Obed von der Ruth. Obed zeugete Jesse. **6** Jesse zeugete den König David. Der König David zeugete Salomo von dem Weibe des Uria. **7** Salomo zeugete Roboam. Roboam zeugete Abia. Abia zeugete Assa. **8** Assa zeugete Josaphat. Josaphat zeugete Joram. Joram zeugte Osia. **9** Osia zeugete Jotham. Jotham zeugete Achas. Achas zeugete Ezechia. **10** Ezechia zeugete Manasse. Manasse zeugete Amon. Amon zeugete Josia. **11** Josia zeugete Jechonia und seine Brüder um die Zeit der babylonischen Gefangenschaft. **12** Nach der babylonischen Gefangenschaft zeugete Jechonia Sealthiel. Sealthiel zeugete Zorobabel. **13** Zorobabel zeugete Abiud. Abiud zeugete Eliachim. Eliachim zeugete Asor. **14** Asor zeugete Zadoch. Zadoch zeugete Achin. Achin zeugete Eliud. **15** Eliud zeugete Eleasar. Eleasar zeugete Matthan. Matthan zeugete Jakob. **16** Jakob zeugete Joseph, den Mann Marias, von welcher ist geboren Jesus, der da heißet Christus. **17** Alle Glieder von Abraham bis auf David sind vierzehn Glieder. Von David bis auf die babylonische Gefangenschaft sind vierzehn Glieder. Von der babylonischen Gefangenschaft bis auf Christum sind vierzehn Glieder. **18** Die Geburt Christi war aber also getan. Als Maria, seine Mutter, dem Joseph vertrauet war, ehe er sie heimholete, erfand sich's, daß sie schwanger war von dem Heiligen Geist. **19** Joseph aber, ihr Mann, war fromm und wollte sie nicht rügen, gedachte aber sie heimlich zu verlassen. **20** Indem er aber also gedachte, siehe, da erschien ihm ein Engel des HERRN im Traum und sprach: Joseph, du Sohn Davids fürchte dich nicht, Maria, dein Gemahl, zu dir zu nehmen; denn das in ihr geboren ist, das ist von dem Heiligen Geist. **21** Und sie wird einen Sohn gebären, des Namen sollst du Jesus heißen; denn er wird sein Volk selig machen von ihren Sünden. **22** Das ist aber alles geschehen, auf daß erfüllet würde, was der HERR durch den Propheten gesagt hat, der da spricht: **23** Siehe, eine Jungfrau wird schwanger sein und einen Sohn gebären, und sie werden seinen Namen Emanuel heißen, das ist verdolmetschet, Gott mit uns. **24** Da nun Joseph vom Schlaf erwachte, tat er, wie ihm des HERRN Engel befohlen hatte, und nahm sein Gemahl zu sich. **25** Und erkannte sie nicht, bis sie ihren ersten Sohn gebar, und hieß seinen Namen Jesus.

2 Da Jesus geboren war zu Bethlehem im jüdischen Lande, zur Zeit des Königs Herodes; siehe, da kamen die Weisen vom Morgenland gen Jerusalem und sprachen: **2** Wo ist der neugeborne König der Juden? Wir haben seinen Stern gesehen im Morgenland und sind kommen, ihn anzubeten. **3** Da das der König Herodes hörete, erschrak er und mit ihm das ganze Jerusalem. **4** Und ließ versammeln alle Hohenpriester und Schriftgelehrten unter dem Volk und erforschete von ihnen, wo Christus sollte geboren werden. **5** Und sie sagten ihm: Zu Bethlehem im jüdischen Lande. Denn also stehet geschrieben durch den Propheten: **6** Und du Bethlehem im jüdischen Lande bist mitnichten die kleinste unter den Fürsten Judas; denn aus dir soll mir kommen der Herzog, der über mein Volk Israel ein HERR sei. **7** Da berief Herodes die Weisen heimlich und erlernete mit Fleiß von ihnen, wann der Stern erschienen wäre, **8** und weisete sie gen Bethlehem und sprach: Ziehet hin und forschet fleißig nach dem Kindlein; und wenn ihr's findet, so saget mir's wieder, daß ich auch komme und es anbete. **9** Als sie nun den König gehört hatten, zogen sie hin. Und siehe, der Stern, den sie im Morgenland gesehen hatten, ging vor ihnen hin, bis daß er kam und stund oben über, da das Kindlein war. **10** Da sie den Stern sahen, wurden sie hocherfreut **11** und gingen in das Haus und fanden das Kindlein mit Maria, seiner Mutter, und fielen nieder und beteten es an und taten ihre Schätze auf und schenkten ihm Gold, Weihrauch und Myrrhen. **12** Und Gott befahl ihnen im Traum, daß sie sich nicht sollten wieder zu Herodes lenken. Und zogen durch einen andern Weg wieder in ihr Land. **13** Da sie aber hinweggezogen waren, siehe, da erschien der Engel des HERRN dem Joseph im Traum und sprach: Stehe auf und nimm das Kindlein und seine Mutter zu dir und flieh nach Ägyptenland und bleibe allda, bis ich dir sage; denn es ist vorhanden, daß Herodes das Kindlein suche, dasselbe umzubringen. **14** Und er stund auf und nahm das Kindlein und seine Mutter zu sich bei der Nacht und entwich nach Ägyptenland. **15** Und blieb allda bis nach dem Tod des Herodes, auf daß erfüllet würde, das der HERR durch den Propheten gesagt hat, der da spricht: Aus Ägypten habe ich meinen Sohn gerufen. **16** Da Herodes nun sah, daß er von den Weisen betrogen war, ward er sehr zornig und schickte aus und ließ alle Kinder zu Bethlehem töten und an ihren ganzen Grenzen, die da zweijährig und drunter waren, nach der Zeit, die er mit Fleiß von den Weisen erlernet hatte. **17** Da ist erfüllet, was gesagt ist von dem Propheten Jeremia, der da spricht: **18** Auf dem Gebirge hat man ein Geschrei gehöret, viel Klagens, Weinens und Heulens; Rahel beweinete ihre Kinder und wollte sich nicht trösten lassen denn es war aus mit ihnen. **19** Da aber Herodes gestorben war, siehe, da erschien der Engel des HERRN Joseph im Traum in Ägyptenland **20**

Matthaeus

1 Dies ist das Buch von der Geburt Jesu Christi, der da ist ein Sohn Davids, des Sohnes Abrahams. **2** Abraham zeugte Isaak. Isaak zeugte Jakob. Jakob zeugte Juda und seine Brüder. **3** Juda zeugte Perez und Serah von Thamar. Perez zeugte Hezron. Hezron zeugte Ram. **4** Ram zeugte Amminadab. Amminadab zeugte Nahesson. Nahesson zeugte Salma. **5** Salma zeugte Boas von der Rahab. Boas zeugte Obed von der Ruth. Obed zeugte Jesse. **6** Jesse zeugte den König David. Der König David zeugte Salomo von dem Weib des Uria. **7** Salomo zeugte Rehabeam. Rehabeam zeugte Abia. Abia zeugte Asa. **8** Asa zeugte Josaphat. Josaphat zeugte Joram. Joram zeugte Usia. **9** Usia zeugte Jotham. Jotham zeugte Ahas. Ahas zeugte Hiskia. **10** Hiskia zeugte Manasse. Manasse zeugte Amon. Amon zeugte Josia. **11** Josia zeugte Jechonja und seine Brüder um die Zeit der babylonischen Gefangenschaft. **12** Nach der babylonischen Gefangenschaft zeugte Jechonja Sealthiel. Sealthiel zeugte Serubabel. **13** Serubabel zeugte Abiud. Abiud zeugte Eliakim. Eliakim zeugte Asor. **14** Asor zeugte Zadok. Zadok zeugte Achim. Achim zeugte Eliud. **15** Eliud zeugte Eleasar. Eleasar zeugte Matthan. Matthan zeugte Jakob. **16** Jakob zeugte Joseph, den Mann Marias, von welcher ist geboren Jesus, der da heißt Christus. **17** Alle Glieder von Abraham bis auf David sind vierzehn Glieder. Von David bis auf die Gefangenschaft sind vierzehn Glieder. Von der babylonischen Gefangenschaft bis auf Christus sind vierzehn Glieder. **18** Die Geburt Christi war aber also getan. Als Maria, seine Mutter, dem Joseph vertraut war, fand sich's ehe er sie heimholte, daß sie schwanger war von dem heiligen Geist. **19** Joseph aber, ihr Mann, war fromm und wollte sie nicht in Schande bringen, gedachte aber, sie heimlich zu verlassen. **20** Indem er aber also gedachte, siehe, da erschien ihm ein Engel des HERRN im Traum und sprach: Joseph, du Sohn Davids, fürchte dich nicht, Maria, dein Gemahl, zu dir zu nehmen; denn das in ihr geboren ist, das ist von dem heiligen Geist. **21** Und sie wird einen Sohn gebären, des Namen sollst du Jesus heißen; denn er wird sein Volk selig machen von ihren Sünden. **22** Das ist aber alles geschehen, auf daß erfüllt würde, was der HERR durch den Propheten gesagt hat, der da spricht: **23** "Siehe, eine Jungfrau wird schwanger sein und einen Sohn gebären, und sie werden seinen Namen Immanuel heißen", das ist verdolmetscht: Gott mit uns. **24** Da nun Joseph vom Schlaf erwachte, tat er, wie ihm des HERRN Engel befohlen hatte, und nahm sein Gemahl zu sich. **25** Und er erkannte sie nicht, bis sie ihren ersten Sohn gebar; und hieß seinen Namen Jesus.

2 Da Jesus geboren war zu Bethlehem im jüdischen Lande, zur Zeit des Königs Herodes, siehe, da kamen die Weisen vom Morgenland nach Jerusalem und sprachen: **2** Wo ist der neugeborene König der Juden? Wir haben seinen Stern gesehen im Morgenland und sind gekommen, ihn anzubeten. **3** Da das der König Herodes hörte, erschrak er und mit ihm das ganze Jerusalem. **4** Und ließ versammeln alle Hohenpriester und Schriftgelehrten unter dem Volk und erforschte von ihnen, wo Christus sollte geboren werden. **5** Und sie sagten ihm: Zu Bethlehem im jüdischen Lande; denn also steht geschrieben durch den Propheten: **6** "Und du Bethlehem im jüdischen Lande bist mitnichten die kleinste unter den Fürsten Juda's; denn aus dir soll mir kommen der Herzog, der über mein Volk Israel ein HERR sei." **7** Da berief Herodes die Weisen heimlich und erlernte mit Fleiß von ihnen, wann der Stern erschienen wäre, **8** und wies sie gen Bethlehem und sprach: Ziehet hin und forschet fleißig nach dem Kindlein; wenn ihr's findet, so sagt mir's wieder, daß ich auch komme und es anbete. **9** Als sie nun den König gehört hatten, zogen sie hin. Und siehe, der Stern, den sie im Morgenland gesehen hatten, ging vor ihnen hin, bis daß er kam und stand oben über, da das Kindlein war. **10** Da sie den Stern sahen, wurden sie hoch erfreut **11** und gingen in das Haus und fanden das Kindlein mit Maria, seiner Mutter, und fielen nieder und beteten es an und taten ihre Schätze auf und schenkten ihm Gold, Weihrauch und Myrrhe. **12** Und Gott befahl ihnen im Traum, daß sie sich nicht sollten wieder zu Herodes lenken; und sie zogen durch einen anderen Weg wieder in ihr Land. **13** Da sie aber hinweggezogen waren, siehe, da erschien der Engel des HERRN dem Joseph im Traum und sprach: Stehe auf und nimm das Kindlein und seine Mutter zu dir und flieh nach Ägyptenland und bleib allda, bis ich dir sage; denn es ist vorhanden, daß Herodes das Kindlein suche, dasselbe umzubringen. **14** Und er stand auf und nahm das Kindlein und seine Mutter zu sich bei der Nacht und entwich nach Ägyptenland. **15** Und blieb allda bis nach dem Tod des Herodes, auf daß erfüllet würde, was der HERR durch den Propheten gesagt hat, der da spricht: "Aus Ägypten habe ich meinen Sohn gerufen." **16** Da Herodes nun sah, daß er von den Weisen betrogen war, ward er sehr zornig und schickte aus und ließ alle Kinder zu Bethlehem töten und an seinen ganzen Grenzen, die da zweijährig und darunter waren, nach der Zeit, die er mit Fleiß von den Weisen erlernt hatte. **17** Da ist erfüllt, was gesagt ist von dem Propheten Jeremia, der da spricht: **18** "Auf dem Gebirge hat man ein Geschrei gehört, viel Klagens, Weinens und Heulens; Rahel beweinte ihre Kinder und wollte sich nicht trösten lassen, denn es war aus mit ihnen." **19** Da aber Herodes gestorben war, siehe, da erschien der Engel des HERRN dem Joseph im Traum in Ägyptenland

Matthaeus

1 Stammbaum Jesu Christi, des Sohnes Davids, des Sohnes Abrahams: **2** Abraham war der Vater Isaaks; Isaak der Vater Jakobs; Jakob der Vater Judas und seiner Brüder; **3** Juda war der Vater des Phares und des Zara, deren Mutter Thamar war; Phares war der Vater Esroms; Esrom der Vater Arams; **4** Aram der Vater Aminadabs; Aminadab der Vater Naassons; Naasson der Vater Salmons; **5** Salmon der Vater des Boas, dessen Mutter Rahab war; Boas der Vater Obeds, dessen Mutter Ruth war; Obed war der Vater Isais; **6** Isai war der Vater des Königs David. David war der Vater Salomos, dessen Mutter (Bathseba) die Frau Urias gewesen war; **7** Salomo war der Vater Rehabeams; Rehabeam der Vater Abias; Abia der Vater Asas; **8** Asa der Vater Josaphats; Josaphat der Vater Jorams; Joram der Vater Ussias; **9** Ussia der Vater Jothams; Jotham der Vater des Ahas; Ahas der Vater Hiskias; **10** Hiskia der Vater Manasses; Manasse der Vater des Amon; Amon der Vater Josias; **11** Josia der Vater Jechonjas und seiner Brüder zur Zeit der Wegführung nach Babylon. **12** Nach der babylonischen Gefangenschaft war Jechonja der Vater Salathiels; Salathiel der Vater Serubabels; **13** Serubabel der Vater Abihuds; Abihud der Vater Eljakims; Eljakim der Vater Azors; **14** Azor der Vater Sadoks; Sadok der Vater Achims; Achim der Vater Elihuds; **15** Elihud der Vater Eleasars; Eleasar der Vater Matthans; Matthan der Vater Jakobs; **16** Jakob der Vater Josephs, des Ehemannes der Maria, von welcher Jesus geboren ward, der da Christus genannt wird. **17** Man sieht: von Abraham bis David sind es im ganzen vierzehn Geschlechter, von David bis zur babylonischen Gefangenschaft ebenfalls vierzehn Geschlechter, endlich von der babylonischen Gefangenschaft bis auf Christus nochmals vierzehn Geschlechter. **18** Mit der Geburt Jesu Christi aber verhielt es sich so: Als seine Mutter Maria mit Joseph verlobt war, stellte es sich heraus, noch ehe sie zusammengekommen waren, daß sie vom heiligen Geist guter Hoffnung war. **19** Da faßte Joseph, ihr Verlobter, der ein rechtschaffener Mann war und sie nicht in üblen Ruf bringen wollte, den Entschluß, sich ohne Aufsehen zu erregen von ihr loszusagen. **20** Doch als er sich mit solchen Gedanken trug, siehe, da erschien ihm ein Engel des Herrn im Traum und sagte zu ihm: »Joseph, Sohn Davids, trage keinerlei Bedenken, Maria, deine Verlobte, als Ehefrau zu dir zu nehmen! Denn das von ihr zu erwartende Kind stammt vom heiligen Geist. **21** Sie wird Mutter eines Sohnes werden, dem du den Namen Jesus geben sollst; denn er ist es, der sein Volk von ihren Sünden erretten wird.« **22** Dies alles ist aber geschehen, damit das Wort erfüllt würde, das der Herr durch den Propheten gesprochen hat, der da sagt: **23** »Siehe, die Jungfrau wird guter Hoffnung und Mutter eines Sohnes werden, dem man den Namen Immanuel geben wird«, das heißt übersetzt: ›Mit uns ist Gott.‹ – **24** Als Joseph dann aus dem Schlaf erwacht war, tat er, wie der Engel des Herrn ihm geboten hatte: er nahm seine Verlobte (als Gattin) zu sich, **25** verkehrte aber nicht ehelich mit ihr, bis sie einen Sohn geboren hatte; dem gab er den Namen Jesus.

2 Als nun Jesus zu Bethlehem in Judäa in den Tagen des Königs Herodes geboren war, da kamen Weise aus dem Osten nach Jerusalem **2** und fragten: »Wo ist der neugeborene König der Juden? Wir haben nämlich seinen Stern im Aufgehen gesehen und sind hergekommen, um ihm unsere Huldigung darzubringen.« **3** Als der König Herodes das vernahm, erschrak er sehr und ganz Jerusalem mit ihm; **4** und er ließ alle Hohenpriester und Schriftgelehrten des Volks zusammenkommen und erkundigte sich bei ihnen, wo Christus geboren werden sollte. **5** Sie antworteten ihm: »Zu Bethlehem in Judäa; denn so steht bei dem Propheten geschrieben: **6** ›Du, Bethlehem im Lande Judas, du bist durchaus nicht die unbedeutendste unter den Fürstenstädten Judas; denn aus dir wird ein Führer hervorgehen, der mein Volk Israel weiden wird.‹« **7** Daraufhin berief Herodes die Weisen heimlich zu sich und ließ sich von ihnen genau die Zeit angeben, wann der Stern erschienen wäre; **8** dann wies er sie nach Bethlehem und sagte: »Zieht hin und stellt genaue Nachforschungen nach dem Kindlein an; und wenn ihr es gefunden habt, so teilt es mir mit, damit auch ich hingehe und ihm meine Huldigung darbringe.« **9** Als sie das vom Könige gehört hatten, machten sie sich auf den Weg; und siehe da, der Stern, den sie im Osten gesehen hatten, ging vor ihnen her, bis er endlich über dem Ort stehen blieb, wo das Kindlein sich befand. **10** Als sie den Stern erblickten, wurden sie hoch erfreut. **11** Sie traten in das Haus ein und sahen das Kindlein bei seiner Mutter Maria, warfen sich vor ihm nieder und huldigten ihm; alsdann taten sie ihre Schatzbeutel auf und brachten ihm Geschenke dar: Gold, Weihrauch und Myrrhe. **12** Weil sie hierauf im Traume die göttliche Weisung erhielten, nicht wieder zu Herodes zurückzukehren, zogen sie auf einem anderen Wege in ihr Heimatland zurück. **13** Als sie nun weggezogen waren, da erschien ein Engel des Herrn dem Joseph im Traume und gebot ihm: »Steh auf, nimm das Kindlein und seine Mutter mit dir und fliehe nach Ägypten und bleibe so lange dort, bis ich's dir sage! Denn Herodes geht damit um, nach dem Kindlein suchen zu lassen, um es umzubringen.« **14** Da stand Joseph auf, nahm in der Nacht das Kindlein und seine Mutter mit sich und entwich nach Ägypten; **15** dort blieb er bis zum Tode des Herodes. So sollte sich das Wort erfüllen, das der Herr durch den Propheten gesprochen hat, der da sagt: »Aus Ägypten habe ich meinen Sohn gerufen.« **16** Als Herodes sich nun von den Weisen hintergangen sah, geriet er in heftigen Zorn; er sandte (Diener) hin und ließ in Bethlehem und dem ganzen Umkreis des Ortes sämtliche Knaben im Alter von zwei und weniger Jahren töten, entsprechend der Zeit, die er sich von den Weisen genau hatte angeben lassen. **17** Damals erfüllte sich, was durch den Propheten Jeremia gesagt ist, der spricht: **18** »Ein Geschrei hat man in Rama vernommen, lautes Weinen und viel Wehklagen: Rahel weint um ihre Kinder und will sich nicht trösten lassen, daß sie nicht mehr da sind.« **19** Als Herodes aber gestorben war, da erschien ein Engel des Herrn dem Joseph in Ägypten im Traum **20** und gebot ihm: »Steh auf, nimm das Kindlein und seine Mutter mit dir und ziehe heim ins Land Israel; denn die sind gestorben, die dem Kindlein nach dem Leben getrachtet haben.« **21** Da stand Joseph auf, nahm das Kindlein und seine Mutter mit sich und kehrte in das Land

Matthaeus

1 Geschlechtsregister Jesu, des Messias, des Sohnes Davids, des Sohnes Abrahams. **2** Abraham zeugte Isaak zeugte Jakob; Jakob zeugte Juda und seine Brüder; **3** Juda zeugte Pharesz und Zara von der Thamar; Pharez zeugte Ersoff; Ersoff zeugte Arm; **4** Arm zeugte Aminadob; Aminadab zeugte Nahasson; Nahasson zeugte Salmon; **5** Salmon zeugte Boas von der Rahab; Boas zeugte den Obed von der Ruth; Obed zeugte Jesse; **6** Jesse zeugte David, den König; David, der König, zeugte Salomon von dem Weibe Urias; **7** Salomon zeugte Roboan; Roboan zeugte Abia; Abia zeugte Asa; **8** Asa zeugte Josaphat; Josaphat zeugte Joram; Joram zeugte Osias; **9** Osias zeugte Joatham; Joatham zeugte Achas; Achas zeugte Ezechias; **10** Ezechias zeugte Manasse; Manasse zeugte Amon; Amon zeugte Josias; **11** Josias zeugte Jechonias und seine Brüder, zur Zeit der babylonischen Wegführung. **12** Nach der babylonischen Wegführung zeugte Jechonias Saalthiel; Saalthiel zeugte Zorobabel; **13** Zorobabel zeugte Abiud; Abiud zeugte Eliakim zeugte Azor; **14** Azor zeugte Zadok; Zadok zeugte Achim; Achim zeugte Elim; **15** Elim zeugte Eleazar; Eleazar zeugte Matthan; Matthan zeugte Jakob; **16** Jakob zeugte Joseph, dem Mann der Maria, von welcher Jesus, genannt der Messias, geboren wurde. **17** Alle Geschlechter von Abraham bis auf David sind vierzehn Geschlechter; und von David bis zur babylonischen Wegführung vierzehn Geschlechter; und von der babylonischen Wegführung bis auf den Messias vierzehn Geschlechter. **18** Jesu, des Messias Geburt war aber also: Als nämlich seine Mutter Maria dem Joseph vertraut war, ehe sie zusammen kamen, ward sie schwanger erfunden von heiligem Geist. **19** Joseph aber, ihr Mann war gerecht, und wollte sie nicht bloßstellen, sondern gedachte sie heimlich zu entlassen. **20** Als er dieses im Sinne hatte, siehe, da erschien ihm der Engel des Herrn im Traum, und sprach: Joseph, Sohn Davids, fürchte dich nicht, Maria, dein Weib, zu dir zu nehmen; denn das in ihr Erzeugt ist von heiligem Geiste. **21** Und sie wird einen Sohn gebären, dess´ Namen sollst du Jesus heißen, denn er wird seinem Volk helfen von ihren Sünden. **22** Das alles geschah aber, damit erfüllt würde, das der Herr durch den Propheten gesagt hat, der da spricht: **23** "Siehe, die Jungfrau wird schwanger werden, und einen Sohn gebären, und sie werden seinen Namen Emmanuel heißen;" das ist übersetzt: Gott mit uns. **24** Da nun Joseph vom Schlafe erwacht war, tat er, wie ihm der Engel des Herrn befohlen hatte, und nahm sein Weib zu sich; **25** Und erkannt sie nicht, bis sie ihren erstgeborenen Sohn geboren hatte, und nannte seinen Namen Jesus.

2 Da aber Jesus geboren war zu Bethlehem in Judäa, in den Tagen des Königs Herodes, siehe, da kamen Magier vom Osten nach Jerusalem, und sprachen: **2** Wo ist der neugeborene König der Juden? Denn wir haben seinen Stern im Osten gesehen und sind gekommen ihm zu huldigen. **3** Da das der König Herodes hörte, erschrak er, und ganz Jerusalem mit ihm. **4** Und er versammelte alle hohen Priester und Schriftgelehrten des Volkes, und erforschte von ihnen, wo der Messias geboren werden soll. **5** Die aber sagten ihm: Zu Bethlehem in Judäa; denn also stehet geschrieben durch den Propheten: **6** "Und du Bethlehem, im Lande Juda, bist mit nichten die kleinste unter den Herrschaften Judas, denn aus dir soll hervorgehen der Herrscher, welcher mein Volk Israel weiden wird." **7** Da berief Herodes die Magier heimlich, und erforschte genau von ihnen die Zeit, wann der Stern erschienen wäre; **8** Und sandte sie nach Bethlehem, und sprach: Ziehet hin, und forschet genau nach dem Kindlein; und wenn ihr es gefunden habt, so berichtet mir´s, damit auch ich komme, und ihm huldige. **9** Als sie aber den König gehört hatten, zogen sie hin. Und siehe, der Stern, den sie im Osten gesehen, ging vor ihnen hin, bis daß er kam, und stand oben über, da das Kindlein war. **10** Da sie aber den Stern sahen, hatten sie eine gar große Freude, **11** Und kamen in das Haus, sahen das Kindlein, mit Maria, seiner Mutter, fielen nieder, und huldigten ihm. Und sie taten ihre Schätze auf, und brachten ihm Geschenke dar: Gold, und Weihrauch, und Myrrhen. **12** Und da sie im Traum göttlichen Befehl empfingen, daß sie sich nicht zu Herodes zurückwenden sollten, zogen sie auf einem anderen Weg zurück in ihr Land. **13** Als sie aber hinweggezogen waren, siehe da erschien der Engel des Herrn dem Joseph im Traum und sprach: Stehe auf, nimm das Kindlein und seine Mutter, und fliehe nach Ägypten, und bleibe daselbst, bis ich dir´s sage; denn Herodes wird das Kindlein suchen, es umzubringen. **14** Er aber stand auf, nahm das Kindlein und seine Mutter des Nachts, und entwich nach Ägypten, **15** Und blieb daselbst bis zum Tode Herodis, auf daß erfüllt würde, das gesagt ist vom Herrn durch den Propheten, der da spricht: "Aus Ägypten habe ich meinen Sohn gerufen". **16** Als nun Herodes sah, daß

Matthaeus

1 Geschlechtsregister Jesu Christi, des Sohnes Davids, des Sohnes Abrahams. **2** Abraham zeugte den Isaak, Isaak zeugte den Jakob, Jakob zeugte den Juda und seine Brüder, **3** Juda zeugte den Phares und den Zara mit der Tamar, Phares zeugte den Esrom, Esrom zeugte den Aram, **4** Aram zeugte den Aminadab, Aminadab zeugte den Nahasson, Nahasson zeugte den Salmon, **5** Salmon zeugte den Boas mit der Rahab, Boas zeugte den Obed mit der Ruth, Obed zeugte den Jesse, **6** Jesse zeugte den König David. Der König David zeugte den Salomo mit dem Weibe Urias, **7** Salomo zeugte den Rehabeam, Rehabeam zeugte den Abia, Abia zeugte den Asa, **8** Asa zeugte den Josaphat, Josaphat zeugte den Joram, Joram zeugte den Usia, **9** Usia zeugte den Jotam, Jotam zeugte den Ahas, Ahas zeugte den Hiskia, **10** Hiskia zeugte den Manasse, Manasse zeugte den Amon, Amon zeugte den Josia, **11** Josia zeugte den Jechonja und dessen Brüder, zur Zeit der Übersiedelung nach Babylon. **12** Nach der Übersiedelung nach Babylon zeugte Jechonia den Salatiel. Salatiel zeugte den Serubbabel, **13** Serubbabel zeugte den Abiud, Abiud zeugte den Eliakim, Eliakim zeugte den Azor, **14** Azor zeugte den Sadok, Sadok zeugte den Achim, Achim zeugte den Eliud, **15** Eliud zeugte den Eleazar, Eleazar zeugte den Mattan, Mattan zeugte den Jakob, **16** Jakob zeugte den Joseph, den Mann der Maria, von welcher geboren ist Jesus, der genannt wird Christus. **17** So sind es nun von Abraham bis auf David insgesamt vierzehn Glieder; und von David bis zur Übersiedelung nach Babylon vierzehn Glieder; und von der Übersiedelung nach Babylon bis auf Christus vierzehn Glieder. **18** Die Geburt Jesu Christi aber war also: Als seine Mutter Maria mit Joseph verlobt war, noch ehe sie zusammenkamen, erfand sich's, daß sie empfangen hatte vom heiligen Geist. **19** Aber Joseph, ihr Mann, der gerecht war und sie doch nicht an den Pranger stellen wollte, gedachte sie heimlich zu entlassen. **20** Während er aber solches im Sinne hatte, siehe, da erschien ihm ein Engel des Herrn im Traum, der sprach: Joseph, Sohn Davids, scheue dich nicht, Maria, dein Weib, zu dir zu nehmen; denn was in ihr erzeugt ist, das ist vom heiligen Geist. **21** Sie wird aber einen Sohn gebären, und du sollst ihm den Namen Jesus geben; denn er wird sein Volk retten von ihren Sünden. **22** Dieses alles aber ist geschehen, auf daß erfüllt würde, was von dem Herrn gesagt ist durch den Propheten, der da spricht: **23** «Siehe, die Jungfrau wird empfangen und einen Sohn gebären, und man wird ihm den Namen Emmanuel geben; das heißt übersetzt: Gott mit uns.» **24** Als nun Joseph vom Schlaf erwachte, tat er, wie ihm der Engel des Herrn befohlen, und nahm sein Weib zu sich **25** und erkannte sie nicht, bis sie den Sohn geboren hatte; und er gab ihm den Namen Jesus.

2 Als nun Jesus geboren war zu Bethlehem im jüdischen Lande, in den Tagen des Königs Herodes, siehe, da kamen Weise aus dem Morgenland nach Jerusalem, die sprachen: **2** Wo ist der neugeborene König der Juden? Denn wir haben seinen Stern gesehen im Morgenlande und sind gekommen, ihn anzubeten. **3** Da das der König Herodes hörte, erschrak er und ganz Jerusalem mit ihm. **4** Und er berief alle Hohenpriester und Schriftgelehrten des Volkes zusammen und erfragte von ihnen, wo der Christus geboren werden sollte. **5** Sie aber sagten ihm: Zu Bethlehem im jüdischen Lande; denn also steht geschrieben durch den Propheten: **6** «Und du, Bethlehem im Lande Juda, bist keineswegs die geringste unter den Fürsten Judas; denn aus dir wird ein Herrscher hervorgehen, der mein Volk Israel weiden soll!» **7** Da berief Herodes die Weisen heimlich und erkundigte sich bei ihnen genau nach der Zeit, wann der Stern erschienen wäre, **8** und sandte sie nach Bethlehem und sprach: Ziehet hin und forschet genau nach dem Kindlein. Und wenn ihr es gefunden habt, so tut mir's kund, auf daß auch ich komme und es anbete. **9** Und als sie den König gehört, zogen sie hin. Und siehe, der Stern, den sie im Morgenlande gesehen, ging vor ihnen her, bis er kam und über dem Orte stillstand, wo das Kindlein war. **10** Da sie nun den Stern sahen, wurden sie sehr hoch erfreut **11** und gingen in das Haus hinein und fanden das Kindlein samt Maria, seiner Mutter. Und sie fielen nieder, beteten es an, taten ihre Schätze auf und brachten ihm Gaben, Gold, Weihrauch und Myrrhen. **12** Und da sie im Traum angewiesen wurden, nicht wieder zu Herodes zurückzukehren, entwichen sie auf einem andern Wege in ihr Land. **13** Als sie aber entwichen waren, siehe, da erscheint ein Engel des Herrn dem Joseph im Traum und spricht: Steh auf, nimm das Kindlein und seine Mutter und fliehe nach Ägypten und bleibe dort, bis ich es dir sage; denn Herodes will das Kindlein aufsuchen, um es umzubringen. **14** Da stand er auf, nahm das Kindlein und seine Mutter des Nachts und entwich nach Ägypten. **15** Und er blieb dort bis zum Tode des Herodes, auf daß erfüllt würde, was vom Herrn durch den Propheten gesagt ist, der da spricht: «Aus Ägypten habe ich meinen Sohn gerufen.» **16** Da sich nun Herodes von den Weisen betrogen sah, ward er sehr zornig, sandte hin und ließ alle Knäblein töten, die zu Bethlehem und in allen ihren Grenzen waren, von zwei Jahren und darunter, nach der Zeit, die er von den Weisen genau erkundigt hatte. **17** Da ward erfüllt, was durch Jeremia gesagt ist, den Propheten, der da spricht: **18** «Eine Stimme ist zu Rama gehört worden, viel Weinen und Klagen; Rahel beweint ihre Kinder und will sich nicht trösten lassen, weil sie nicht mehr sind.» **19** Als aber Herodes gestorben war, siehe, da erscheint ein Engel des Herrn dem Joseph in Ägypten im Traum **20** und spricht: Steh auf, nimm das Kindlein und seine Mutter zu dir und ziehe in das Land Israel; denn sie sind gestorben, die dem Kindlein nach dem Leben

Matthaeus

1 Das Buch von der Geburt Jesu Christi, des Sohnes Davids, des Sohnes Abrahams. **2** Abraham zeugte Isaak. Isaak aber zeugte Jakob. Jakob aber zeugte Judas und seine Brüder. **3** Judas aber zeugte Phares und Zara von der Thamar. Phares aber zeugte Esrom. Esrom aber zeugte Aram. **4** Aram aber zeugte Aminadab. Aminadab aber zeugte Naasson, Naasson aber zeugte Salmon. **5** Salmon aber zeugte Boas von der Rachab. Boas aber zeugte Obed von der Ruth, Obed aber zeugte den Jesse. **6** Jesse aber zeugte den König David. Aber der König David zeugte Salomoh von dem Weibe des Uriah. **7** Salomoh aber zeugte Roboam. Roboam aber zeugte Abia. Abia aber zeugte Asa. **8** Asa aber zeugte Josaphat. Josaphat aber zeugte Joram. Joram aber zeugte Osiah. **9** Osiah aber zeugte Joatham. Joatham aber zeugte Achas. Achas aber zeugte Ezechias. **10** Ezechias aber zeugte Manasseh. Manasseh aber zeugte Amon. Amon aber zeugte Josias. **11** Josias aber zeugte Jechonjas und seine Brüder zur Zeit der Umsiedelung nach Babylon. **12** Nach der Umsiedelung nach Babylon aber zeugte Jechonjas den Salathiel, Salathiel aber zeugte Zorobabel. **13** Zorobabel aber zeugte Abiud. Abiud aber zeugte Eliakim. Eliakim aber zeugte Azor. **14** Azor aber zeugte Zadok. Zadok aber zeugte Achim. Achim aber zeugte Eliud. **15** Eliud aber zeugte Eleasar. Eleasar aber zeugte Matthan. Matthan aber zeugte Jakob. **16** Jakob aber zeugte Joseph, den Mann der Maria, von welcher Jesus, Der da heißt Christus, geboren ward. **17** Alle die Geschlechter nun von Abraham bis David sind vierzehn Geschlechter; und von David bis zur Umsiedelung nach Babylon vierzehn Geschlechter; und von der Umsiedelung nach Babylon bis auf Christus sind es vierzehn Geschlechter. **18** Die Geburt Jesu Christi aber war also. Als nämlich Maria, Seine Mutter, dem Joseph verlobt war, fand sich, ehe sie zusammen kamen, daß sie vom Heiligen Geist empfangen hatte. **19** Joseph aber, ihr Mann, da er gerecht war, und sie nicht beschimpfen wollte, war willens, sie insgeheim zu entlassen. **20** Während er aber also gedachte, siehe, da erschien ihm der Engel des Herrn im Traum und sprach: Joseph, Sohn Davids, fürchte dich nicht, Maria, dein Weib zu dir zu nehmen; denn das in ihr Gezeugte ist von dem Heiligen Geist. **21** Sie aber wird einen Sohn gebären, und Seinen Namen sollst du Jesus heißen; denn Er wird Sein Volk von seinen Sünden retten. **22** Dies alles ist aber geschehen, auf daß erfüllt würde, was vom Herrn durch den Propheten gesprochen worden, welcher sagt: **23** Siehe, die Jungfrau wird empfangen und einen Sohn gebären; und sie sollen Seinen Namen heißen Emmanuel, welches ist verdolmetscht: Gott mit uns. **24** Vom Schlafe erwacht aber tat Joseph, wie ihm der Engel des Herrn verordnet hatte, und nahm sein Weib zu sich; **25** Und er erkannte sie nicht bis sie ihren erstgeborenen Sohn geboren hatte, und hieß Seinen Namen Jesus.

2 Als aber Jesus zu Bethlehem in Judäa geboren ward in den Tagen des Königs Herodes, siehe, da kamen Weise aus dem Morgenland nach Jerusalem, und sagten: **2** Wo ist der zum König der Juden Geborene? Denn wir haben seinen Stern gesehen im Morgenlande und sind gekommen, ihn anzubeten. **3** Da aber der König Herodes das hörte, erbebte er und ganz Jerusalem mit ihm. **4** Und er versammelte alle Hohepriester und Schriftgelehrte des Volkes und erfragte von ihnen, wo der Christus sollte geboren werden. **5** Sie aber sagten ihm: Zu Bethlehem in Judäa; denn also ist geschrieben durch den Propheten: **6** Und du, Bethlehem, im Lande Juda, bist mitnichten die kleinste unter den Fürsten Judas; denn aus dir wird ausgehen der Fürst, der Mein Volk Israel weiden wird. **7** Da ließ Herodes die Weisen insgeheim rufen und erkundete von ihnen genau die Zeit, da der Stern erschien; **8** Und schickte sie nach Bethlehem und sprach: Ziehet hin und erforschet genau wegen dem Kindlein, wenn ihr es aber gefunden habt, so saget es mir an, daß auch ich komme und es anbete. **9** Als sie aber den König gehört hatten, zogen sie hin; und siehe, der Stern, den sie im Morgenland gesehen, ging vor ihnen her, bis er kam und stand oben über der Stelle, da das Kindlein war. **10** Da sie aber den Stern sahen, freuten sie sich mit sehr großer Freude. **11** Und sie gingen in das Haus und fanden das Kindlein mit Seiner Mutter Maria, und fielen nieder und beteten Es an und taten ihre Schätze auf und brachten Ihm Gaben dar, Gold und Weihrauch und Myrrhen. **12** Und da sie im Traume angewiesen wurden, sich nicht wieder zu Herodes zu wenden, zogen sie auf einem anderen Wege in ihr Land zurück. **13** Nachdem sie aber fortgezogen waren, siehe, da erscheint der Engel des Herrn dem Joseph im Traum und sagt: Mache dich auf, nimm das Kindlein und Seine Mutter zu dir und fliehe nach Ägypten und sei dort, bis Ich es dir sage: denn Herodes wird nach dem Kindlein suchen, um Es umzubringen. **14** Er aber machte sich auf, nahm das Kindlein und Seine Mutter zu sich bei

Mathayo

1 Maya nĩ maandĩko makoniĩ rũciaro rũrĩa Jesũ Kristũ, mũrũ wa Daudi, mũrũ wa Iburahĩmu oimire: **2** Iburahĩmu aarĩ ithe wa Isaaka, nake Isaaka aarĩ ithe wa Jakubu, nake Jakubu aarĩ ithe wa Juda na ariũ a ithe, **3** nake Juda aarĩ ithe wa Perezu na Zera, arĩa nyina wao aarĩ Tamaru, nake Perezu aarĩ ithe wa Hezironi, nake Hezironi aarĩ ithe wa Ramu, **4** nake Ramu aarĩ ithe wa Aminadabu, nake Aminadabu aarĩ ithe wa Nahashoni, nake Nahashoni aarĩ ithe wa Salimoni, **5** nake Salimoni aarĩ ithe wa Boazu, ũrĩa nyina aarĩ Rahabu, nake Boazu aarĩ ithe wa Obedi, ũrĩa nyina aarĩ Ruthu, nake Obedi aarĩ ithe wa Jesii, **6** nake Jesii aarĩ ithe wa Mũthamaki Daudi. Daudi aarĩ ithe wa Solomoni, ũrĩa nyina aarĩ mũtumia wa Uria, **7** nake Solomoni aarĩ ithe wa Rehoboamu, nake Rehoboamu aarĩ ithe wa Abija, nake Abija aarĩ ithe wa Asa, **8** nake Asa aarĩ ithe wa Jehoshafatu, nake Jehoshafatu aarĩ ithe wa Joramu, nake Joramu aarĩ ithe wa Uzia, **9** nake Uzia aarĩ ithe wa Jothamu, nake Jothamu aarĩ ithe wa Ahazu, nake Ahazu aarĩ ithe wa Hezekia, **10** nake Hezekia aarĩ ithe wa Manase, nake Manase aarĩ ithe wa Amoni, nake Amoni aarĩ ithe wa Josia, **11** nake Josia aarĩ ithe wa Jekonia na ariũ a ithe, hĩndĩ ĩrĩa andũ maatahirwo, magĩtwarwo Babuloni. **12** Thuutha wa gũtahwo, magĩtwarwo kũu Babuloni: Jekonia aarĩ ithe wa Shealitieli, nake Shealitieli aarĩ ithe wa Zerubabeli, **13** nake Zerubabeli aarĩ ithe wa Abihudu, nake Abihudu aarĩ ithe wa Eliakimu, nake Eliakimu aarĩ ithe wa Azoro, **14** nake Azoro aarĩ ithe wa Zadoku, nake Zadoku aarĩ ithe wa Akimu, nake Akimu aarĩ ithe wa Eliudi, **15** nake Eliudi aarĩ ithe wa Eleazaru, nake Eleazaru aarĩ ithe wa Maathani, nake Maathani aarĩ ithe wa Jakubu, **16** nake Jakubu aarĩ ithe wa Jusufu, mũthuuri wa Mariamu, ũrĩa waciarire Jesũ, ũrĩa wĩtagwo Kristũ. **17** Ũguo nĩ kuuga njiaro ciothe ciarĩ ikũmi na inya kuuma Iburahĩmu nginya Daudi, na njiaro ikũmi na inya kuuma Daudi nginya hĩndĩ ĩrĩa andũ maatahirwo magĩtwarwo kũu Babuloni, na ningĩ njiaro ikũmi na inya kuuma hĩndĩ ĩrĩa andũ maatahirwo nginya hĩndĩ ya Kristũ. **18** Ũhoro wa gũciarwo kwa Jesũ Kristũ watariĩ ũũ: Nyina Mariamu nĩ oorĩtio nĩ Jusufu atuĩke mũtumia wake, no matanaikarania-rĩ, nĩamenyekire atĩ arĩ na nda ya Roho Mũtheru. **19** Nake Jusufu mũthuuri wake tondũ aarĩ mũndũ mũthingu na ndangĩendire kũmũconorithia kũrĩ andũ, agĩĩciiria amũtige na hitho. **20** No thuutha wa gwĩciiria ũndũ ũcio, mũraika wa Mwathani akĩmuumĩrĩra kĩroto-inĩ, akĩmwĩra atĩrĩ, "Jusufu, mũrũ wa Daudi, ndũkae gwĩtigĩra kũhikia Mariamu atuĩke mũtumia waku, tondũ nda ĩyo arĩ nayo nĩ ya Roho Mũtheru. **21** Nĩagaciara kahĩĩ, nawe nĩũgagatua Jesũ, tondũ nĩwe ũkaahonokia andũ ake kuuma mehia-inĩ mao." **22** Na rĩrĩ, maũndũ macio mothe meekĩkire nĩguo ũrĩa Mwathani aarĩtie na kanua ka mũnabii ũhinge, rĩrĩa oigire atĩrĩ, **23** "Mũirĩtu gathirange nĩakagĩa nda na nĩagaciara kahĩĩ, nao magaagatua Imanueli" ũguo naguo ũgĩtaũrwo nĩ kuuga, "Ngai hamwe na ithuĩ." **24** Rĩrĩa Jusufu ookĩrire, agĩĩka o ta ũrĩa mũraika wa Mwathani aamwathĩte, nake akĩĩnũkia Mariamu gwake mũciĩ, agĩtuĩka mũtumia wake. **25** No matiigana kũmenyana nginya rĩrĩa aaciarire mwana ũcio wa kahĩĩ. Nake Jusufu agĩtua mwana ũcio Jesũ.

2 Na rĩrĩ, thuutha wa Jesũ gũciarwo kũu itũũra-inĩ rĩa Bethilehemu bũrũri wa Judea, hĩndĩ ya mũthamaki wetagwo Herode, andũ Oogĩ-a-Njata moimĩte irathĩro magĩũka Jerusalemu, **2** makĩũria atĩrĩ, "Ũrĩa ũciarĩtwo arĩ mũthamaki wa Ayahudi-rĩ, arĩ ha? Nĩtuonire njata yake mwena wa irathĩro, na nĩtũũkĩte kũmũhooya." **3** Rĩrĩa Mũthamaki Herode aiguire ũguo, agĩtangĩka ngoro, o hamwe na andũ Jerusalemu othe. **4** Na aarĩkia gwĩta athĩnjĩri-Ngai arĩa anene othe, na arutani a watho hamwe, akĩmooria kũrĩa Kristũ aarĩ aciarĩrwo. **5** Makĩmũcookeria atĩrĩ, "Nĩ Bethilehemu, bũrũri wa Judea, nĩgũkorwo nĩ kwandĩkĩtwo nĩ mũnabii, akoiga atĩrĩ: **6** "'Nawe Bethilehemu, kũu bũrũri wa Juda, tiwe ũrĩa mũnini mũno wa aathani a Juda; tondũ thĩĩnĩ waku nĩgũkoima ũrĩa ũgaathanaga, ũrĩa ũgaatuĩka mũrĩithi wa andũ akwa a Isiraeli.'" **7** Nake Herode agĩĩta andũ acio Oogĩ-a-Njata na hitho, na agĩtuĩria kuuma kũrĩ o ihinda rĩrĩa njata ĩyo yoonekete. **8** Akĩmatũma Bethilehemu akĩmeera atĩrĩ, "Thiĩi mũgatuĩrie wega ũhoro wa kaana kau. Mwarĩkia gũkoona mũũke mũũmenyithie, nĩgeetha o na niĩ thiĩ ngagaturĩrie ndu ndĩkahooe." **9** Nao maarĩkia kũigua ciugo cia mũthamaki magĩthiĩ, nayo njata ĩrĩa moonete irathĩro ĩkĩmatongoria nginya ĩkĩrũgama igũrũ rĩa harĩa kaana kau kaarĩ. **10** Rĩrĩa moonire njata ĩyo, magĩkena gĩkeno kĩnene mũno. **11** Nao magĩtoonya nyũmba, na makĩona kaana karĩ na nyina Mariamu, magĩkainamĩrĩra, magĩkahooya. Magĩcooka makĩohora indo ciao cia goro, magĩkahe iheo cia thahabu, na ũbumba, na manemane. **12** Na nĩ ũndũ wa gũkaanio na kĩroto matigacookere kwa Herode, magĩcooka bũrũri wao magereire njĩra ĩngĩ. **13** Maarĩkia gũthiĩ-rĩ, mũraika wa Mwathani akiumĩrĩra Jusufu kĩroto-inĩ, akĩmwĩra atĩrĩ, "Ũkĩra woe kaana gaka na nyina mũũrĩre Misiri. Ikarai kũu nginya rĩrĩa ngaakwĩra, nĩgũkorwo Herode nĩegũcaria kaana kau akoorage." **14** Nĩ ũndũ ũcio-rĩ, agĩũkĩra, akĩoya kaana na nyina ũtukũ, magĩthiĩ Misiri, **15** kũrĩa maikarire nginya rĩrĩa Herode aakuire. Na nĩ ũndũ ũcio, ũhoro ũrĩa Mwathani oigĩte na kanua ka mũnabii ũkĩhinga, rĩrĩa oigire atĩrĩ, "Ndeetire mũrũ wakwa oime bũrũri wa Misiri." **16** Hĩndĩ ĩrĩa Herode aamenyire atĩ nĩaheenirio nĩ Oogĩ-a-Njata, akĩrakara mũno, akĩruta watho wa kũũraga tũhĩĩ tuothe kũu Bethilehemu na kũrĩa gũkuhĩ nakuo, tũrĩa twarĩ na ũkũrũ wa mĩaka ĩĩrĩ gũcooka na thĩ, kũringana na ihinda rĩrĩa eerĩtwo nĩ Oogĩ-a-Njata. **17** Hĩndĩ ĩyo ũhoro ũrĩa waarĩtio na kanua ka mũnabii Jeremia ũkĩhinga, rĩrĩa oigire atĩrĩ: **18** "Mũgambo nĩwaiguirwo kũu Rama, kĩrĩro na gũcakaya kũnene, Rakeli akĩrĩrĩra ciana ciake, na akarega kũhoorerio, tondũ itirĩ ho." **19** Na rĩrĩ, Herode akua-rĩ, mũraika wa Mwathani akiumĩrĩra Jusufu kĩroto-inĩ kũu Misiri, **20** akĩmwĩra atĩrĩ, "Ũkĩra, woe kaana gaka na nyina, mũthiĩ bũrũri wa Isiraeli, nĩgũkorwo arĩa maageragia gũkooraga nĩmakuĩte." **21** Nĩ ũndũ ũcio, agĩũkĩra, akĩoya kaana na nyina, magĩthiĩ bũrũri wa Isiraeli. **22** Rĩrĩa

Maatoosa

1 Hayssafe kaallidi xaafettidayssi Dawite na7a Abrahaame na7a gidida Yesuus Kiristtoosa yeletethaa. **2** Abrahamey Yisaaqa yelis; Yisaaqi Yayqooba yelis; Yayqoobi Yihudanne iya ishata yelis; **3** Yihudi Ti7imaarippe Faaresenne Zaara yelis; Faaresi Esiroome yelis; Esiroomey Raame yelis; **4** Raamey Aminaadabe yelis; Aminaadabey Na7asoone yelis; Na7asooney Salmoona yelis; **5** Salmooney Ra7abippe Boo7eze yelis; Boo7ezi Urutippe Iyobeede yelis; Iyobeedi Isseyye yelis; **6** Isseyyey kawuwa Dawite yelis; Dawitey koyro Ooriyo machcheefe Solomone yelis; **7** Solomoney Robi7aame yelis; Robi7aamey Abiya yelis; Abiyey Asaafe yelis; **8** Asaafi Iyosaafexe yelis; Iyosaafixey Iyoraame yelis; Iyoraamey Ooziyane yelis; **9** Ooziyaney Iyo7atame yelis; Iyo7atamey Akkaza yelis; Akkazi Hiziqiyasa yelis; **10** Hiziqiyasi Minaase yelis; Minaasey Amoona yelis; Amooni Iyosiyaasa yelis; **11** Isra7eele asay di7ettidi Babiloone biittaa bida wode Iyosiyaasi Ikoniyananne iya ishata yelis. **12** Babiloone biitta Isra7eele asay di7ettidi bidaappe guye Ikoniyaani Selaatiyale yelis. Selaatiyaley Zerubaabela yelis; **13** Zerubaabeli Abdiyu yelis; Abdiyuy Eliyaaqeme yelis; Eliyaaqemey Azaara yelis; **14** Azaari Sadooqe yelis; Sadooqey Akiime yelis; Akiimey Eliyuuda yelis; **15** Eliyuudi Alaazara yelis; Alaazari Maatane yelis; Maataney Yayqooba yelis; **16** Yayqoobi Yoosefa yelis; Yoosefi Kiristtoosa giya Yesuusa yelida Mayraami azina. **17** Hiza, yeletethay Abrahameppe Dawite gakkanaw tammanne oydda. Dawiteppe bidi Babiloone di7uwa gakkanaw tammanne oydda. Babiloone di7uwappe bidi Kiristtoosa gakkanaw tammanne oyddu yeletethi gidees. **18** Yesuus Kiristtoosa yeletethaa taarikey hayssafe kaalleyssa. Iya aaya Mayraama Yoosefas oyshetta de7ashe Yoosefara gahettonna Geeshsha Ayyaanaappe qanthatasu. **19** Yoosefi Xillo asi gidida gisho iyo asan kessanaw koyibeenna. Yaaniya gisho qosan iyo agganaw qoppis. **20** I he qofan de7ishin Xoossaa kiitanchchoy amuhon qonccidi, "Dawite na7aw, Yoosefa, Mayraama qanthatiday Geeshsha Ayyaanaappe gidiya gisho iyo ekkanaw yayyofa" yaagis. **21** Iya adde na7a yelana, I ba deriya entta nagaraappe ashshiya gisho iya sunthaa ne Yesuusa gada xeegana. **22** Goday nabiya Isayaasa doonan, **23** "Hekko geela7iya qanthatana; adde na7akka yelana; iya sunthay Ammanu7eela geetettana" goyssi polettana mela ha ubbay hanis. Ammanu7eela geyssas birshshethay "Xoossay nuura de7ees" guussu. **24** Yoosefi dhiskkofe barkkidi Godaa kiitanchchoy kiittidayssa mela Mayraamo ba soo efis. **25** Shin ba bayra na7a yelana gakkanaw iyo bochchibeenna; yelettida na7akka Yesuusa gidi xeegis.

2 Kawuwa Heroodisa woden Yesuusi Yihuda biittan Beeteleme kataman yelettidayssafe guye xoolintto taybiya asati dolohappe Yerusalaame yidi, **2** "Yelettida Ayhude kawoy awun de7ii? Nuuni doloha baggara keyida iya xoolinttuwa be7idi iyaw goynnanaw yida" yaagidi oychchidosona. **3** Kawoy Heroodisi hessa si7ida wode dagammis. Yerusalaamen de7iya asay ubbayka dagammidosona. **4** Heroodisi kahine halaqatanne higge asttamaareta baakko xeegidi, "Kiristtoosi awun yelettanddeshsha?" yaagidi entta oychchis. **5** Enttika, "Yihuda Beetelemena; nabey, **6** 'Yihudan de7iya Beeteleme, Yihudan de7iya gooba katamatappe, neeni aybinkka guuxaka. Ta deriya Isra7eele aysanayssi, neeppe keyana' gidi xaafis" yaagidosona. **7** Hessafe guye, Heroodisi dolohappe yida asata geeman xeegidi, xoolinttuwa entti be7ida wodiya enttafe geeshshidi eris. **8** I enttana Beeteleme yeddishe, "Bidi yelettida na7aa minthidi koyite; iya hintte demmida wode takka bada iyaw goynnana mela simmidi yishe taw odite" yaagis. **9** Enttika kawoy Heroodisi gidayssa si7idi bidosona. Entti doloha baggara be7ida xoolinttoy enttana kaalethishe na7ay de7iyasuwa gakkanaw efis. **10** Entti he xoolinttuwa be7ida wode gita ufayssi ufayttidosona. **11** Soo gelidi na7aa ba aaye Mayraamira de7eyssa be7idosona. Iyaw gulbbatidi goynnidosona. Bantta saaxiniya dooyidi worqqa, ixaanenne karbbe iyaw immidosona. **12** Entti Heerodisakko guye simmona mela Xoossay amuhon enttaw odin, hara ogera bantta biittaa simmidosona. **13** Doloha baggafe yida asati bidaappe guye, Godaa kiitanchchoy Yoosefas amuhon qonccidi, "Heroodisi na7aa wodhanaw koyaa gisho dendda; ellesada na7aanne na7aa aayiw ekkada Gibxe biittaa ba. Ne simmana wodiya ta new odana gakkanaw yan gam77a" yaagis. **14** Hessa gisho, Yoosefi he qamman denddidi, na7aanne na7aa aayiw ekkidi Gibxe bis. **15** Nabiya doonan Xoossay, "Taani, ta na7aa, Gibxe biittafe xeegas" geetettida qaalay polettana mela Heroodisi hayqqana gakkanaw I yan de7is. **16** Hessafe guye, doloha baggafe yida asati iya cimmidayssa erida wode daro yilotis. I kase enttafe si7idayssada Beetelemeninne he heeran de7iya nam77u laythi kumidayssatanne nam77u laythafe garssan de7iya adde nayta ubbaa ba wotaddareta yeddidi wodhisis. **17** Nabiya Ermmiyasa doonan,

Matio

1 Matiyu Jesu Kilisiti yaajanba yela togida ye ne. Jesu Kilisiti den tie Dafidi bijua, leni Abalahama bijua. **2** Abalahama den mali isaaka, Isaaka n maa Jakoabo, Jokoabo n maa Juda len o cianba leni o waamu. **3** Juda den taa Tamala ki mali Peletisa leni Sela, Peletisa n maa Etilona, Etilona n maa Alama, **4** Alama n maa Abinadabi, Abinadabi n maa Nasona, Nasona n maa Salimono, **5** Salimono den taa Lahaba ki mali Boasa. Boasa den taa Luta ki mali Obedi, **6** Obedi n maa Isayi, Isayi n maa o bado Dafidi. Dafidi den taa Uli pua ki mali Salomono, **7** Salomono n maa Loboami, Loboami n maa Abia, Abia n maa Asa, **8** Asa n maa Josafati, Josafati n maa Yolami, Yolami n maa Osiasi, **9** Osiasi n maa Yotami, Yotami n maa Akasi, Akasi n maa Esekiasi, **10** Esekiasi n maa Manase, Manase n maa Amoni, Amoni n maa Josiasi, **11** Josiasi n maa Jekonia leni o waamu, Babilona yaaba n den paadi Isalele yaaba ya yogunu, ki cuo ba ki gedini ti yonbidi bi diema nni **12** Isalele yaaba yonbidi Babilona diema nni n pendi, Jekonia den mali Salitieli, Salitieli n maa Solobabeli, **13** Solobabeli n maa Abiyudi, Abiyudi n maa Eliakimi, Eliakimi n maa Asolo, **14** Asolo n maa Sodaka, Sodaka n maa Akimi, Akimi n maa Eliyudi, **15** Eliyudi n maa Eleyasala, Eleyasala n maa Matana, Matana n maa Jakobo, **16** Jakobo n maa Josefi, Maliyama calo, yua n den mali Jesu ke bi yini o Kilisiti. **17** A ya coadi ki cili Abalahama ki ya caa hali Dafidi, li pia piiga n nifiima naa. Ki cili Dafidi ki ya caa hali Babilona cuonu mo, piiga n nifiima naa. Ki cili Isalele yaaba yonbidi Babilina diema nni ki ya caa hali U Tienu n Gandi cuama mo tie piiga n nifiima naa. **18** Diidi Jesu Kilisiti madi n den tua maama. o naa Maliyama n da den tie Josefi toginaa hali ke bi daa den taani leni biyaba, Maliyama den ti sua ke o punba kelima U Tienu Fuoma Yua paalu po. **19** O togiba Josefi yua n den tie niteginkoa naa den bua ki fiagi o a sala nni. Lani yaa po o den jagi ke o baa paadi leni o hasiili nni. **20** Wan den kpaagi yeni ya yogunu, o Diedo maleki den doagidi o kani ti dangidi nni ki yedi o: Josefi, Dafidi bijua, han da jie ki taa Maliyama wan tua o pua. Kelima wan punbi ya biga, o punbi ga kelima U Tienu Fuoma Yua yaa paali po. **21** O baa maa bonjaga, han yini o Jesu, kelima wani n baa faabi o niba leni bi tuonbiadi. **22** Lankuli den tieni ke o Diedo n den tuodi ki teni ke o sawalipualo pua yaa sawalo n tieni: **23** Diidi, li ppowondiali baa punbi ki maa bonjaga. Bi baa yini o Emanuweli. Laa yeli bundima n tie U Tienu ye leni ti. **24** Josefi n den fundi, o den tieni o Diedo maleki n waani o yaala. O den taa o pua. **25** Ama waa den taani leni o hali wan ban mali o biga. Josefi den yini o Jesu.

2 Jesu den mali Betelema, Jude diema nni, Elodo n den ka li bali po yaa yogunu. O madi puoli, yaa banda n diidi a hmabila den ñani hali puoli ki cua Jelusalema. **2** Bi den buali: Ban mali Jufinba bado yua moala na ye le? Ti laa ke o hmabiga pudi puoli ke ti cua ki baa kpiagi o. **3** O bado Elodo n den gbadi laa laabaalo, o yama den yagi, Jelusalema yaaba kuli moko yaa yama den yagi. **4** O den taani bi kopadicianba badiba leni li balimaama bangikaaba yudanba ki buali ba: U Tienu n Gandi yua n baa maa naankani. **5** Bi den goa ki yedi o: Betelama dogu yu n ye Jude diema nni, nani o saawalipualo n den diani maama. **6** Fini Betelema yaa dogu n ye Jude nni, haa tie Jude dociami kuli siiga yaa dogu yaa jigidi n wa ki cie, kelima o bado, yua n baa gobidi n niba Isalele yaaba baa ña fini yaa niinne **7** Lane Elodo den yini a banda yeni hasiili nni ki buali ki bandi cain ban den laa ke ki hmabiga yeni pudi ya yogunu. **8** Li yaa puoli o den soani ba Betelema ki yedi: Gedi mani ki ban buali ki bandi cain ki biga yeni laabaalo. Yi yaa la o, yin teni min bandi ke mini nba moko n gedi ki ban kpiagi o. **9** Ban den gbadi o bado n yedi yaala, bi den fii ki gedi. Ban den laa yaa hmabiga puoli po yeni den kua bi liiga hali ki ban pundi ki biga n ye yaa dieli yuli po ki sedi. **10** Ban den laa ki hmabiga, bi pala den mangi hali boncianla. **11** Bi den kua li dieli nni ki laa ki biga leni o naa Maliyama. Bi den gbaani ki kpiagi ki biga, ki lodi bi halimani-boaga ki ñani yaa paabu n tie na ki puni o: Wula leni a dugibila leni Mili. **12** U Tienu den waani ba ti dangidi nni ke ban da guani Elodo kani. Lani, bi den tagini santo ki kuni bi denpo. **13** Ban den fii, o Diedo maleki den doagidi Josefi kani ti dangidi nni ki yedi o: Fii ki taa ki biga leni o naa ki gedi Ejipiti. Yin ban yaa ye lanpo hali min baa waani yi ya yogunu kelima Elodo baa lingi kibiga ki bua ki kpa o. **14** Josefi den fii ki ñiagu ki taa ki biga leni o naa ki gedi Ejipiti. **15** O den

Matiewo

1 Abalahama biga, jakobo biga, JESU kiristu yajanba yela n ne: **2** Abalahama mali Isaka; Isaka ń mali Jakobo; Jakobo ń mali Juda yeni o ninjaba; **3** Juda bo taa Tamaar, ki mali Fares yeni Saara; Fares ń mali Esrom; Esrom ń mali Aram; **4** Aram ń mali Aminadab; Aminadab ń mali Naasɔn; Naasɔn ń mali Salmɔn; **5** Salmɔn ń taa Rahab, ki mali Bɔas; Bɔas ń taa Rut ki mali Obed; **6** Obed ń mali Isayi; Isayi ń mali Dafid; O badciamo Dafid ń taa Uri denpua, ki mali Salomɔn; **7** Salomɔn ń mali Robuam; Robuam ń mali Abia; Abiya ń mali Asa; **8** Asa ń mali Josafat; Josafat ń mali Joram; Joram ń mali Osiyas; **9** Osiyas ń mali Juatam; Juatam ń mali Ahas; Ahas ń mali Esekihas; **10** Esekihas ń mali Manase; Manase ń mali Amɔn; Amɔn ń mali Josias; **11** Josias ń mali Jekonias yeni o ninjaba, ban cuo ba ya yogu ki gede yeni ba Babilɔni, ti yonbidi. **12** Babiloni yonbdi ń pendi, ke Jekonias mali Salatiel; Salatiel ń mali Sorobabel; **13** Sorobabel ń mali Abiyud; Abiyud ń mali Eliakim; Eliakim ń mali Asɔar; **14** Asɔar ń mali Sadɔk; Sadɔk ń mali Akim; Akim ń mali Eliyud. **15** Eliyud ń mali Eleyasaar; Eleyasaar ń mali Matan; Matan ń mali Jakob; **16** Jakob ń mali Josef, Maari calo, Maari, yua n mali Jesu, ban yi yua kiristu. **17** Lan wani, lan cili Abalahama, ki tuoni Dafiid, li tie piiga n nifiima na, lan taa Dafiid ki tuoni Babiloni yonbidi, li mo tie piiga n nifiima na, ki taa Babiloni yonbdi hali kiristu li mo tie piiga n nifiima na. **18** Jesu kiristu ń mali maama n ne. Maari, o naá bo tie Josef cikpenga i, ki punbi U Tienu Foŋanma paalu po, ke bi dá ki taani yeni bi yaba (ki dá ki kuni ti cikpendi) **19** O calo, Josef ń bo tie nitegnka, kaa bua ke o fiagi o yeni, o den jagi ke wan wuoni, ki yie o ŋasiili nni. **20** Wan taa lan ya maalma yeni, O Diedo maleki ń legdi o po ti dangdi nni, ki maadi o: Dafiid bijua Josef, da jie yeni ŋan kuani a denpua Maari kelima, wan punbi ya biga ne ñani U Tienu Foŋanma kani i. **21** O ba mali bonjaga, ŋan yini o Jesu; wani n ba faabi o buolu u tuonbiidi po. **22** Ne kuli tieni ke O Diedo ń bo cedi ke bi sawalpuaba tuodi ki waani yaali ń tieni ki dudi: **23** I ba la powandiali (ya jifaano dá ki bani ja) ba punbi, ki mali bonjaga, ban yini o Emanuyel, li niima nni tie U Tienu ye yeni ti. **24** Josef ń den findi, o den tieni nani O Diedo maleki ń waani o yaala, o den ga o denpua ke bi taani ki ye. **25** Ama, o den ki taani yeni o hali ke o ban mali bonjaga ke o yini o Jesu.

2 Jesu den mali Betelema, Jude dogu nni, ya yogu ke Herodi den tie badciamo; lanyogu ke ya badtieba n bani i ŋmaali cogma ñani puoli, ki cua Jerusalema, **2** yedi: Jufinba badciamo, ban mali yua mɔlane ye le? Kelima, ti la ke o ŋmaabiga pudi puoli, ke ti cua ki ba pugi o. **3** O badciamo Herodi ń gbadi lanya maama, o yama ń ŋmadi lan mugi Jerusalema yaaba kuli. **4** O badciamo ń taani salga yidkaacianba yeni u dogu nn gbanbanda, ki buali ki bandi ban ba mali Kiristu naana. **5** Ban maadi o: li tie Betelema, Jude dogu nni; kelima o sawalpualo ń diani yaali n ne: **6** Fini, Betelema, Juda tinga, fini ka ñidi ki cie, Juda dogciami siiga, kelima bado ba ña a niini, ki ya kpaa n buolu Isirayeli. **7** Lanyapo, Herodi ń wuoni, ki yini a ŋmaabila banda yeni, ki buali ki bandi ya yogu ke ki ŋmaabiga yeni den pudi ki ñigdi. **8** Ki waani ba ke ban gedi Betelema, ki maadi ba: "Gedi mani ki ban ga ki bigi yeni laabaali bonŋanla, I ya la o, yin guani ki maadi nni, mini mo ń gedi ki pugi o. **9** Ban cengi o badciamo ki gbeni, ban ña ki paani u sani. Ban den la ya ŋmaabiga puoli yeni ń go legdi bi liiga, ki ya cuoni, ki ban pundi ki biga ń ye naani, ki sedi. **10** Ban la ki ŋmaabiga, bi pala ń mangi boncianla. **11** Ban kua li dieli nni, ki la ki biga yeni o naá Maari, ki gbaani ki pugi o, ki fiidi bi ligbɔga, ki ñani wula, li ŋubli yeni ya tolade n yi miiri ki teni o bi paabu. **12** Bi den la ti dangdi nni, ke li ki buali ke ban guani ki tɔgni Herodi po, ke bi kogni santianu, ki lebdi ki kuni. **13** Puoli banda yeni ń kuni, ke maleki legdi ti dangdi nni, ki maadi Jesefi: "Fii, ki taa ki biga yeni o naá, ki sani ki gedi Ejipti, ki ya ye lanpo hali min ba waani a ya yogu; kelima Herodi ba kpaani ya sani ke o ba biani ki biga ne miali. **14** Josefi ń fii ku ñiagu ki taa ki biga yeni o naá, ki sani ki gedi Ejipti **15** Bi den ye Ejipti hali ke Herodi ti kpe. Li tieni yeni ke O Diedo ń bo cedi ke sawalualo waani yaali yeni ń tieni ki dudi: "N yini n bijua, ki ñani o Ejipti tinga nni." **16** Herodi ń diidi ki sua ke puoli ŋmaabanda yeni bɔndi o, ke o pali beni boncianla, ke sɔni ke ban kpa Betelema dogu nni yeni li tinkundogi kuli, ya bonjabila pia bina lie yeni yaaba n nagi bina lie nani wan den buali ki bi waani o ya yogu yeni, ke o jia ki

Κατα Ματθαιον

1 Βίβλος γενέσεως Ἰησοῦ Χριστοῦ, υἱοῦ Δαυὶδ υἱοῦ Ἀβραάμ. **2** Ἀβραὰμ ἐγέννησε τὸν Ἰσαάκ, Ἰσαὰκ δὲ ἐγέννησε τὸν Ἰακώβ, Ἰακὼβ δὲ ἐγέννησε τὸν Ἰούδαν καὶ τοὺς ἀδελφοὺς αὐτοῦ, **3** Ἰούδας δὲ ἐγέννησε τὸν Φαρὲς καὶ τὸν Ζαρὰ ἐκ τῆς Θάμαρ, Φαρὲς δὲ ἐγέννησε τὸν Ἐσρώμ, Ἐσρὼμ δὲ ἐγέννησε τὸν Ἀράμ, **4** Ἀρὰμ δὲ ἐγέννησε τὸν Ἀμιναδάβ, Ἀμιναδὰβ δὲ ἐγέννησε τὸν Ναασσών, Ναασσὼν δὲ ἐγέννησε τὸν Σαλμών, **5** Σαλμὼν δὲ ἐγέννησε τὸν Βοὸζ ἐκ τῆς Ῥαχάβ, Βοὸζ δὲ ἐγέννησε τὸν Ὼβὴδ ἐκ τῆς Ῥούθ, Ὼβὴδ δὲ ἐγέννησε τὸν Ἰεσσαί, **6** Ἰεσσαὶ δὲ ἐγέννησε τὸν Δαυὶδ τὸν βασιλέα. Δαυὶδ δὲ ὁ βασιλεὺς ἐγέννησε τὸν Σολομῶνα ἐκ τῆς τοῦ Οὐρίου, **7** Σολομὼν δὲ ἐγέννησε τὸν Ῥοβοάμ, Ῥοβοὰμ δὲ ἐγέννησε τὸν Ἀβιά, Ἀβιὰ δὲ ἐγέννησε τὸν Ἀσά, **8** Ἀσὰ δὲ ἐγέννησε τὸν Ἰωσαφάτ, Ἰωσαφὰτ δὲ ἐγέννησε τὸν Ἰωράμ, Ἰωρὰμ δὲ ἐγέννησε τὸν Ὀζίαν, **9** Ὀζίας δὲ ἐγέννησε τὸν Ἰωάθαμ, Ἰωάθαμ δὲ ἐγέννησε τὸν Ἄχαζ, Ἄχαζ δὲ ἐγέννησε τὸν Ἐζεκίαν, **10** Ἐζεκίας δὲ ἐγέννησε τὸν Μανασσῆ, Μανασσῆς δὲ ἐγέννησε τὸν Ἀμών, Ἀμὼν δὲ ἐγέννησε τὸν Ἰωσίαν, **11** Ἰωσίας δὲ ἐγέννησε τὸν Ἰεχονίαν καὶ τοὺς ἀδελφοὺς αὐτοῦ ἐπὶ τῆς μετοικεσίας Βαβυλῶνος. **12** Μετὰ δὲ τὴν μετοικεσίαν Βαβυλῶνος Ἰεχονίας ἐγέννησε τὸν Σαλαθιήλ, Σαλαθιὴλ δὲ ἐγέννησε τὸν Ζοροβάβελ, **13** Ζοροβάβελ δὲ ἐγέννησε τὸν Ἀβιούδ, Ἀβιοὺδ δὲ ἐγέννησε τὸν Ἐλιακείμ, Ἐλιακεὶμ δὲ ἐγέννησε τὸν Ἄζώρ, **14** Ἄζὼρ δὲ ἐγέννησε τὸν Σαδώκ, Σαδὼκ δὲ ἐγέννησε τὸν Ἀχείμ, Ἀχεὶμ δὲ ἐγέννησε τὸν Ἐλιούδ, **15** Ἐλιοὺδ δὲ ἐγέννησε τὸν Ἐλεάζαρ, Ἐλεάζαρ δὲ ἐγέννησε τὸν Ματθάν, Ματθὰν δὲ ἐγέννησε τὸν Ἰακώβ, **16** Ἰακὼβ δὲ ἐγέννησε τὸν Ἰωσὴφ τὸν ἄνδρα Μαρίας, ἐξ ἧς ἐγεννήθη Ἰησοῦς ὁ λεγόμενος Χριστός. **17** Πᾶσαι οὖν αἱ γενεαὶ ἀπὸ Ἀβραὰμ ἕως Δαυὶδ γενεαὶ δεκατέσσαρες, καὶ ἀπὸ Δαυὶδ ἕως τῆς μετοικεσίας Βαβυλῶνος γενεαὶ δεκατέσσαρες, καὶ ἀπὸ τῆς μετοικεσίας Βαβυλῶνος ἕως τοῦ Χριστοῦ γενεαὶ δεκατέσσαρες. **18** Τοῦ δὲ Ἰησοῦ Χριστοῦ ἡ γέννησις οὕτως ἦν. μνηστευθείσης γὰρ τῆς μητρὸς αὐτοῦ Μαρίας τῷ Ἰωσήφ, πρὶν ἢ συνελθεῖν αὐτοὺς εὑρέθη ἐν γαστρὶ ἔχουσα ἐκ Πνεύματος Ἁγίου. **19** Ἰωσὴφ δὲ ὁ ἀνὴρ αὐτῆς, δίκαιος ὢν καὶ μὴ θέλων αὐτὴν παραδειγματίσαι, ἐβουλήθη λάθρα ἀπολῦσαι αὐτήν. **20** ταῦτα δὲ αὐτοῦ ἐνθυμηθέντος ἰδοὺ ἄγγελος Κυρίου κατ᾽ ὄναρ ἐφάνη αὐτῷ λέγων· Ἰωσὴφ υἱὸς Δαυίδ, μὴ φοβηθῇς παραλαβεῖν Μαριὰμ τὴν γυναῖκά σου· τὸ γὰρ ἐν αὐτῇ γεννηθὲν ἐκ Πνεύματός ἐστιν Ἁγίου. **21** τέξεται δὲ υἱὸν καὶ καλέσεις τὸ ὄνομα αὐτοῦ Ἰησοῦν· αὐτὸς γὰρ σώσει τὸν λαὸν αὐτοῦ ἀπὸ τῶν ἁμαρτιῶν αὐτῶν. **22** Τοῦτο δὲ ὅλον γέγονεν ἵνα πληρωθῇ τὸ ῥηθὲν ὑπὸ τοῦ Κυρίου διὰ τοῦ προφήτου λέγοντος· **23** ἰδοὺ ἡ παρθένος ἐν γαστρὶ ἕξει καὶ τέξεται υἱόν, καὶ καλέσουσι τὸ ὄνομα αὐτοῦ Ἐμμανουήλ, ὅ ἐστι μεθερμηνευόμενον μεθ᾽ ἡμῶν ὁ Θεός. **24** Διεγερθεὶς δὲ ὁ Ἰωσὴφ ἀπὸ τοῦ ὕπνου ἐποίησεν ὡς προσέταξεν αὐτῷ ὁ ἄγγελος Κυρίου καὶ παρέλαβε τὴν γυναῖκα αὐτοῦ, **25** καὶ οὐκ ἐγίνωσκεν αὐτὴν ἕως οὗ

Κατα Ματθαιον

1 βιβλοσ γενεσεωσ ιησου χριστου υιου δαυιδ υιου αβρααμ **2** αβρααμ εγεννησεν τον ισαακ ισαακ δε εγεννησεν τον ιακωβ ιακωβ δε εγεννησεν τον ιουδαν και τουσ αδελφουσ αυτου **3** ιουδασ δε εγεννησεν τον φαρεσ και τον ζαρα εκ τησ θαμαρ φαρεσ δε εγεννησεν τον εσρωμ εσρωμ δε εγεννησεν τον αραμ **4** αραμ δε εγεννησεν τον αμιναδαβ αμιναδαβ δε εγεννησεν τον ναασσων ναασσων δε εγεννησεν τον σαλμων **5** σαλμων δε εγεννησεν τον βοοζ εκ τησ ραχαβ βοοζ δε εγεννησεν τον ωβηδ εκ τησ ρουθ ωβηδ δε εγεννησεν τον ιεσσαι **6** ιεσσαι δε εγεννησεν τον δαυιδ τον βασιλεα δαυιδ δε ο βασιλευσ εγεννησεν τον σολομωνα εκ τησ του ουριου **7** σολομων δε εγεννησεν τον ροβοαμ ροβοαμ δε εγεννησεν τον αβια αβια δε εγεννησεν τον ασα **8** ασα δε εγεννησεν τον ιωσαφατ ιωσαφατ δε εγεννησεν τον ιωραμ ιωραμ δε εγεννησεν τον οζιαν **9** οζιασ δε εγεννησεν τον ιωαθαμ ιωαθαμ δε εγεννησεν τον αχαζ αχαζ δε εγεννησεν τον εζεκιαν **10** εζεκιασ δε εγεννησεν τον μανασση μανασσησ δε εγεννησεν τον αμων αμων δε εγεννησεν τον ιωσιαν **11** ιωσιασ δε εγεννησεν τον ιεχονιαν και τουσ αδελφουσ αυτου επι τησ μετοικεσιασ βαβυλωνοσ **12** μετα δε την μετοικεσιαν βαβυλωνοσ ιεχονιασ εγεννησεν τον σαλαθιηλ σαλαθιηλ δε εγεννησεν τον ζοροβαβελ **13** ζοροβαβελ δε εγεννησεν τον αβιουδ αβιουδ δε εγεννησεν τον ελιακειμ ελιακειμ δε εγεννησεν τον αζωρ **14** αζωρ δε εγεννησεν τον σαδωκ σαδωκ δε εγεννησεν τον αχειμ αχειμ δε εγεννησεν τον ελιουδ **15** ελιουδ δε εγεννησεν τον ελεαζαρ ελεαζαρ δε εγεννησεν τον ματθαν ματθαν δε εγεννησεν τον ιακωβ **16** ιακωβ δε εγεννησεν τον ιωσηφ τον ανδρα μαριασ εξ ησ εγεννηθη ιησουσ ο λεγομενοσ χριστοσ **17** πασαι ουν αι γενεαι απο αβρααμ εωσ δαυιδ γενεαι δεκατεσσαρεσ και απο δαυιδ εωσ τησ μετοικεσιασ βαβυλωνοσ γενεαι δεκατεσσαρεσ και απο τησ μετοικεσιασ βαβυλωνοσ εωσ του χριστου γενεαι δεκατεσσαρεσ **18** του δε ιησου χριστου η γεννησισ ουτωσ ην μνηστευθεισησ γαρ τησ μητροσ αυτου μαριασ τω ιωσηφ πριν η συνελθειν αυτουσ ευρεθη εν γαστρι εχουσα εκ πνευματοσ αγιου **19** ιωσηφ δε ο ανηρ αυτησ δικαιοσ ων και μη θελων αυτην παραδειγματισαι εβουληθη λαθρα απολυσαι αυτην **20** ταυτα δε αυτου ενθυμηθεντοσ ιδου αγγελοσ κυριου κατ οναρ εφανη αυτω λεγων ιωσηφ υιοσ δαυιδ μη φοβηθησ παραλαβειν μαριαμ την γυναικα σου το γαρ εν αυτη γεννηθεν εκ πνευματοσ εστιν αγιου **21** τεξεται δε υιον και καλεσεισ το ονομα αυτου ιησουν αυτοσ γαρ σωσει τον λαον αυτου απο των αμαρτιων αυτων **22** τουτο δε ολον γεγονεν ινα πληρωθη το ρηθεν υπο του κυριου δια του προφητου λεγοντοσ **23** ιδου η παρθενοσ εν γαστρι εξει και τεξεται υιον και καλεσουσιν το ονομα αυτου εμμανουηλ ο εστιν μεθερμηνευομενον μεθ ημων ο θεοσ **24** διεγερθεισ δε ο ιωσηφ απο του υπνου εποιησεν ωσ προσεταξεν αυτω ο αγγελοσ κυριου και παρελαβεν την γυναικα αυτου **25** και ουκ εγινωσκεν αυτην εωσ ου

Κατα Ματθαιον

1 Βίβλος της γενεαλογίας του Ιησού Χριστού, υιού του Δαβίδ, υιού του Αβραάμ. **2** Ο Αβραάμ εγέννησε τον Ισαάκ, Ισαάκ δε εγέννησε τον Ιακώβ, Ιακώβ δε εγέννησε τον Ιούδαν και τους αδελφούς αυτού, **3** Ιούδας δε εγέννησε τον Φαρές και τον Ζαρά εκ της Θάμαρ, Φαρές δε εγέννησε τον Εσρώμ, Εσρώμ δε εγέννησε τον Αράμ, **4** Αράμ δε εγέννησε τον Αμιναδάβ, Αμιναδάβ δε εγέννησε τον Ναασσών, Ναασσών δε εγέννησε τον Σαλμών, **5** Σαλμών δε εγέννησε τον Βοόζ εκ της Ραχάβ, Βοόζ δε εγέννησε τον Ωβήδ εκ της Ρούθ, Ωβήδ δε εγέννησε τον Ιεσσαί, **6** Ιεσσαί δε εγέννησε τον Δαβίδ τον βασιλέα. Δαβίδ δε ο βασιλεύς εγέννησε τον Σολομώντα εκ της γυναικός του Ουρίου, **7** Σολομών δε εγέννησε τον Ροβοάμ, Ροβοάμ δε εγέννησε τον Αβιά, Αβιά δε εγέννησε τον Ασά, **8** Ασά δε εγέννησε τον Ιωσαφάτ, Ιωσαφάτ δε εγέννησε τον Ιωράμ, Ιωράμ δε εγέννησε τον Οζίαν, **9** Οζίας δε εγέννησε τον Ιωάθαμ, Ιωάθαμ δε εγέννησε τον Άχαζ, Άχαζ δε εγέννησε τον Εζεκίαν, **10** Εζεκίας δε εγέννησε τον Μανασσή, Μανασσής δε εγέννησε τον Αμών, Αμών δε εγέννησε τον Ιωσίαν, **11** Ιωσίας δε εγέννησε τον Ιεχονίαν και τους αδελφούς αυτού επί της μετοικεσίας Βαβυλώνος. **12** Μετά δε την μετοικεσίαν Βαβυλώνος Ιεχονίας εγέννησε τον Σαλαθιήλ, Σαλαθιήλ δε εγέννησε τον Ζοροβάβελ, **13** Ζοροβάβελ δε εγέννησε τον Αβιούδ, Αβιούδ δε εγέννησε τον Ελιακείμ, Ελιακείμ δε εγέννησε τον Αζώρ, **14** Αζώρ δε εγέννησε τον Σαδώκ, Σαδώκ δε εγέννησε τον Αχείμ, Αχείμ δε εγέννησε τον Ελιούδ, **15** Ελιούδ δε εγέννησε τον Ελεάζαρ, Ελεάζαρ δε εγέννησε τον Ματθάν, Ματθάν δε εγέννησε τον Ιακώβ, **16** Ιακώβ δε εγέννησε τον Ιωσήφ τον άνδρα της Μαρίας, εξ ης εγεννήθη Ιησούς ο λεγόμενος Χριστός. **17** Πάσαι λοιπόν αι γενεαί από Αβραάμ έως Δαβίδ είναι γενεαί δεκατέσσαρες, και από Δαβίδ έως της μετοικεσίας Βαβυλώνος γενεαί δεκατέσσαρες, και από της μετοικεσίας Βαβυλώνος έως του Χριστού γενεαί δεκατέσσαρες. **18** Του δε Ιησού Χριστού η γέννησις ούτως ήτο. Αφού ηρραβωνίσθη η μήτηρ αυτού Μαρία μετά του Ιωσήφ, πριν συνέλθωσιν, ευρέθη εν γαστρί έχουσα εκ Πνεύματος Αγίου. **19** Ιωσήφ δε ο ανήρ αυτής, δίκαιος ων και μη θέλων να θεατρίση αυτήν, ηθέλησε να απολύση αυτήν κρυφίως. **20** Ενώ δε αυτός διελογίσθη ταύτα, ιδού, άγγελος Κυρίου εφάνη κατ' όναρ εις αυτόν, λέγων· Ιωσήφ, υιέ του Δαβίδ, μη φοβηθής να παραλάβης Μαριάμ την γυναίκα σου· διότι το εν αυτή γεννηθέν είναι εκ Πνεύματος Αγίου. **21** Θέλει δε γεννήσει υιόν και θέλεις καλέσει το όνομα αυτού Ιησούν· διότι αυτός θέλει σώσει τον λαόν αυτού από των αμαρτιών αυτών. **22** Τούτο δε όλον έγεινε διά να πληρωθή το ρηθέν υπό του Κυρίου διά του προφήτου, λέγοντος· **23** Ιδού, η παρθένος θέλει συλλάβει και θέλει γεννήσει υιόν, και θέλουσι καλέσει το όνομα αυτού Εμμανουήλ, το οποίον μεθερμηνευόμενον είναι, Μεθ' ημών ο Θεός. **24** Εξεγερθείς δε ο Ιωσήφ από του ύπνου έκαμεν ως προσέταξεν αυτόν ο άγγελος Κυρίου και παρέλαβε την γυναίκα αυτού, **25** και δεν εγνώριζεν αυτήν, εωσού εγέννησε τον υιόν αυτής τον πρωτότοκον και εκάλεσε το όνομα αυτού Ιησούν.

2 Αφού δε εγεννήθη ο Ιησούς εν Βηθλεέμ της Ιουδαίας επί των ημερών Ηρώδου του βασιλέως, ιδού, μάγοι από ανατολών ήλθον εις Ιεροσόλυμα, λέγοντες· **2** Που είναι ο γεννηθείς βασιλεύς των Ιουδαίων; διότι είδομεν τον αστέρα αυτού εν τη ανατολή και ήλθομεν διά να προσκυνήσωμεν αυτόν. **3** Ακούσας δε Ηρώδης ο βασιλεύς, εταράχθη και πάσα η Ιεροσόλυμα μετ' αυτού, **4** και συνάξας πάντας τους αρχιερείς και γραμματείς του λαού, ηρώτα να μάθη παρ' αυτών που ο Χριστός γεννάται. **5** Εκείνοι δε είπον προς αυτόν· Εν Βηθλεέμ της Ιουδαίας· διότι ούτως είναι γεγραμμένον διά του προφήτου· **6** Και συ, Βηθλεέμ, γη Ιούδα, δεν είσαι ουδόλως ελαχίστη μεταξύ των ηγεμόνων του Ιούδα· διότι εκ σου θέλει εξέλθει ηγούμενος, όστις θέλει ποιμάνει τον λαόν μου τον Ισραήλ. **7** Τότε ο Ηρώδης καλέσας κρυφίως τους μάγους εξηκρίβωσε παρ' αυτών τον καιρόν του φαινομένου αστέρος, **8** και πέμψας αυτούς εις Βηθλεέμ, είπε· Πορευθέντες ακριβώς εξετάσατε περί του παιδίου, αφού δε εύρητε, απαγγείλατέ μοι, διά να έλθω και εγώ να προσκυνήσω αυτό. **9** Εκείνοι δε ακούσαντες του βασιλέως ανεχώρησαν· και ιδού, ο αστήρ τον οποίον είδον εν τη ανατολή προεπορεύετο αυτών, εωσού ελθών εστάθη επάνω όπου ήτο το παιδίον. **10** Ιδόντες δε τον αστέρα εχάρησαν χαράν μεγάλην σφόδρα, **11** και ελθόντες εις την οικίαν εύρον το παιδίον μετά Μαρίας της μητρός αυτού, και πεσόντες προσεκύνησαν αυτό, και ανοίξαντες τους θησαυρούς αυτών προσέφεραν εις αυτό δώρα, χρυσόν και λίβανον και σμύρναν· **12** και αποκαλυφθέντες θεόθεν κατ' όναρ να μη επιστρέψωσι προς τον Ηρώδην, δι' άλλης οδού ανεχώρησαν εις την χώραν αυτών. **13** Αφού δε αυτοί ανεχώρησαν, ιδού, άγγελος Κυρίου φαίνεται κατ' όναρ εις τον Ιωσήφ, λέγων· Εγερθείς παράλαβε το παιδίον και την μητέρα αυτού και φεύγε εις Αίγυπτον, και έσο εκεί εωσού είπω σοι· διότι μέλλει ο Ηρώδης να ζητήση το παιδίον, διά να απολέση αυτό. **14** Ο δε εγερθείς παρέλαβε το παιδίον και την μητέρα αυτού διά νυκτός και ανεχώρησεν εις Αίγυπτον, **15** και ήτο εκεί έως της τελευτής του Ηρώδου, διά να πληρωθή το ρηθέν υπό του Κυρίου διά του προφήτου λέγοντος· Εξ Αιγύπτου εκάλεσα τον υιόν μου. **16** Τότε ο Ηρώδης, ιδών ότι ενεπαίχθη υπό των μάγων, εθυμώθη σφόδρα και αποστείλας εφόνευσε πάντας τους παίδας τους εν Βηθλεέμ και εν πάσι τοις ορίοις αυτής από δύο ετών και κατωτέρω κατά τον καιρόν, τον οποίον εξηκρίβωσε παρά των μάγων. **17** Τότε επληρώθη το ρηθέν υπό Ιερεμίου του προφήτου, λέγοντος· **18** Φωνή ηκούσθη εν Ραμά, θρήνος και κλαυθμός και οδυρμός πολύς· η Ραχήλ έκλαιε τα τέκνα αυτής, και δεν ήθελε να παρηγορηθή, διότι δεν υπάρχουσι. **19** Τελευτήσαντος δε του Ηρώδου ιδού, άγγελος Κυρίου φαίνεται κατ' όναρ εις τον Ιωσήφ εν Αιγύπτω, **20** λέγων· Εγερθείς παράλαβε το παιδίον και την μητέρα αυτού και ύπαγε εις γην Ισραήλ· διότι απέθανον οι ζητούντες την ψυχήν του παιδίου. **21** Ο δε εγερθείς παρέλαβε το παιδίον και την μητέρα αυτού και ήλθεν εις γην Ισραήλ. **22** Ακούσας δε ότι ο Αρχέλαος

Κατα Ματθαιον

1 Βίβλος γενέσεως Ἰησοῦ Χριστοῦ υἱοῦ Δαυεὶδ υἱοῦ Ἀβραάμ. **2** Ἀβραὰμ ἐγέννησεν τὸν Ἰσαάκ, Ἰσαὰκ δὲ ἐγέννησεν τὸν Ἰακώβ, Ἰακὼβ δὲ ἐγέννησεν τὸν Ἰούδαν καὶ τοὺς ἀδελφοὺς αὐτοῦ, **3** Ἰούδας δὲ ἐγέννησεν τὸν Φαρὲς καὶ τὸν Ζαρὰ ἐκ τῆς Θάμαρ, Φαρὲς δὲ ἐγέννησεν τὸν Ἐσρώμ, Ἐσρὼμ δὲ ἐγέννησεν τὸν Ἀράμ, **4** Ἀρὰμ δὲ ἐγέννησεν τὸν Ἀμιναδάβ, Ἀμιναδὰβ δὲ ἐγέννησεν τὸν Ναασσών, Ναασσὼν δὲ ἐγέννησεν τὸν Σαλμών, **5** Σαλμὼν δὲ ἐγέννησεν τὸν Βόες ἐκ τῆς Ῥαχάβ, Βόες δὲ ἐγέννησεν τὸν Ἰωβὴδ ἐκ τῆς Ῥούθ, Ἰωβὴδ δὲ ἐγέννησεν τὸν Ἰεσσαί, **6** Ἰεσσαὶ δὲ ἐγέννησεν τὸν Δαυεὶδ τὸν βασιλέα. Δαυεὶδ δὲ ἐγέννησεν τὸν Σολομῶνα ἐκ τῆς τοῦ Οὐρίου, **7** Σολομὼν δὲ ἐγέννησεν τὸν Ῥοβοάμ, Ῥοβοὰμ δὲ ἐγέννησεν τὸν Ἀβιά, Ἀβιὰ δὲ ἐγέννησεν τὸν Ἀσάφ, **8** Ἀσὰφ δὲ ἐγέννησεν τὸν Ἰωσαφάτ, Ἰωσαφὰτ δὲ ἐγέννησεν τὸν Ἰωράμ, Ἰωρὰμ δὲ ἐγέννησεν τὸν Ὀζείαν, **9** Ὀζείας δὲ ἐγέννησεν τὸν Ἰωαθάμ, Ἰωαθὰμ δὲ ἐγέννησεν τὸν Ἄχαζ, Ἄχαζ δὲ ἐγέννησεν τὸν Ἐζεκίαν, **10** Ἐζεκίας δὲ ἐγέννησεν τὸν Μανασσῆ, Μανασσῆς δὲ ἐγέννησεν τὸν Ἀμώς, Ἀμὼς δὲ ἐγέννησεν τὸν Ἰωσείαν, **11** Ἰωσείας δὲ ἐγέννησεν τὸν Ἰεχονίαν καὶ τοὺς ἀδελφοὺς αὐτοῦ ἐπὶ τῆς μετοικεσίας Βαβυλῶνος. **12** Μετὰ δὲ τὴν μετοικεσίαν Βαβυλῶνος Ἰεχονίας ἐγέννησεν τὸν Σαλαθιήλ, Σαλαθιὴλ δὲ ἐγέννησεν τὸν Ζοροβαβέλ, **13** Ζοροβαβὲλ δὲ ἐγέννησεν τὸν Ἀβιούδ, Ἀβιοὺδ δὲ ἐγέννησεν τὸν Ἐλιακείμ, Ἐλιακεὶμ δὲ ἐγέννησεν τὸν Ἀζώρ, **14** Ἀζὼρ δὲ ἐγέννησεν τὸν Σαδώκ, Σαδὼκ δὲ ἐγέννησεν τὸν Ἀχείμ, Ἀχεὶμ δὲ ἐγέννησεν τὸν Ἐλιούδ, **15** Ἐλιοὺδ δὲ ἐγέννησεν τὸν Ἐλεάζαρ, Ἐλεάζαρ δὲ ἐγέννησεν τὸν Ματθάν, Ματθὰν δὲ ἐγέννησεν τὸν Ἰακώβ, **16** Ἰακὼβ δὲ ἐγέννησεν τὸν Ἰωσὴφ τὸν ἄνδρα Μαρίας, ἐξ ἧς ἐγεννήθη Ἰησοῦς ὁ λεγόμενος Χριστός. **17** Πᾶσαι οὖν αἱ γενεαὶ ἀπὸ Ἀβραὰμ ἕως Δαυεὶδ γενεαὶ δεκατέσσαρες, καὶ ἀπὸ Δαυεὶδ ἕως τῆς μετοικεσίας Βαβυλῶνος γενεαὶ δεκατέσσαρες, καὶ ἀπὸ τῆς μετοικεσίας Βαβυλῶνος ἕως τοῦ Χριστοῦ γενεαὶ δεκατέσσαρες. **18** Τοῦ δὲ Ἰησοῦ Χριστοῦ ἡ γένεσις οὕτως ἦν. μνηστευθείσης τῆς μητρὸς αὐτοῦ Μαρίας τῷ Ἰωσήφ, πρὶν ἢ συνελθεῖν αὐτοὺς εὑρέθη ἐν γαστρὶ ἔχουσα ἐκ Πνεύματος Ἁγίου. **19** Ἰωσὴφ δὲ ὁ ἀνὴρ αὐτῆς, δίκαιος ὢν καὶ μὴ θέλων αὐτὴν δειγματίσαι, ἐβουλήθη λάθρᾳ ἀπολῦσαι αὐτήν. **20** ταῦτα δὲ αὐτοῦ ἐνθυμηθέντος ἰδοὺ ἄγγελος Κυρίου κατ’ ὄναρ ἐφάνη αὐτῷ λέγων Ἰωσὴφ υἱὸς Δαυείδ, μὴ φοβηθῇς παραλαβεῖν Μαρίαν τὴν γυναῖκά σου, τὸ γὰρ ἐν αὐτῇ γεννηθὲν ἐκ Πνεύματός ἐστιν Ἁγίου· **21** τέξεται δὲ υἱὸν καὶ καλέσεις τὸ ὄνομα αὐτοῦ Ἰησοῦν· αὐτὸς γὰρ σώσει τὸν λαὸν αὐτοῦ ἀπὸ τῶν ἁμαρτιῶν αὐτῶν. **22** Τοῦτο δὲ ὅλον γέγονεν ἵνα πληρωθῇ τὸ ῥηθὲν ὑπὸ Κυρίου διὰ τοῦ προφήτου λέγοντος **23** Ἰδοὺ ἡ παρθένος ἐν γαστρὶ ἕξει καὶ τέξεται υἱόν, καὶ καλέσουσιν τὸ ὄνομα αὐτοῦ Ἐμμανουήλ, ὅ ἐστιν μεθερμηνευόμενον Μεθ’ ἡμῶν ὁ Θεός. **24** ἐγερθεὶς δὲ ὁ Ἰωσὴφ ἀπὸ τοῦ ὕπνου ἐποίησεν ὡς προσέταξεν

Κατα Ματθαιον

1 Βίβλος γενέσεως Ἰησοῦ χριστοῦ υἱοῦ Δαυὶδ υἱοῦ Ἀβραάμ. **2** Ἀβραὰμ ἐγέννησεν τὸν Ἰσαάκ, Ἰσαὰκ δὲ ἐγέννησεν τὸν Ἰακώβ, Ἰακὼβ δὲ ἐγέννησεν τὸν Ἰούδαν καὶ τοὺς ἀδελφοὺς αὐτοῦ, **3** Ἰούδας δὲ ἐγέννησεν τὸν Φαρὲς καὶ τὸν Ζάρα ἐκ τῆς Θαμάρ, Φαρὲς δὲ ἐγέννησεν τὸν Ἑσρώμ, Ἑσρὼμ δὲ ἐγέννησεν τὸν Ἀράμ, **4** Ἀρὰμ δὲ ἐγέννησεν τὸν Ἀμιναδάβ, Ἀμιναδὰβ δὲ ἐγέννησεν τὸν Ναασσών, Ναασσὼν δὲ ἐγέννησεν τὸν Σαλμών, **5** Σαλμὼν δὲ ἐγέννησεν τὸν ῾Βόες ἐκ τῆς Ῥαχάβ, Βόες δὲ ἐγέννησεν τὸν ῾Ἰωβὴδ ἐκ τῆς Ῥούθ, Ἰωβὴδ δὲ ἐγέννησεν τὸν Ἰεσσαί, **6** Ἰεσσαὶ δὲἐγέννησεν τὸν Δαυὶδ τὸν βασιλέα. Δαυὶδ ⸀δὲ ἐγέννησεν τὸν Σολομῶνα ἐκ τῆς τοῦ Οὐρίου, **7** Σολομὼν δὲ ἐγέννησεν τὸν Ῥοβοάμ, Ῥοβοὰμ δὲ ἐγέννησεν τὸν Ἀβιά, Ἀβιὰ δὲ ἐγέννησεν τὸν ῾Ἀσάφ, **8** Ἀσὰφ᾽ δὲ ἐγέννησεν τὸν Ἰωσαφάτ, Ἰωσαφὰτ δὲ ἐγέννησεν τὸν Ἰωράμ, Ἰωρὰμ δὲ ἐγέννησεν τὸν Ὀζίαν, **9** Ὀζίας δὲ ἐγέννησεν τὸν Ἰωαθάμ, Ἰωαθὰμ δὲ ἐγέννησεν τὸν Ἀχάζ, Ἀχὰζ δὲ ἐγέννησεν τὸν Ἑζεκίαν, **10** Ἑζεκίας δὲ ἐγέννησεν τὸν Μανασσῆ, Μανασσῆς δὲ ἐγέννησεν τὸν ῾Ἀμώς, Ἀμὼς᾽ δὲ ἐγέννησεν τὸν Ἰωσίαν, **11** Ἰωσίας δὲ ἐγέννησεν τὸν Ἰεχονίαν καὶ τοὺς ἀδελφοὺς αὐτοῦ ἐπὶ τῆς μετοικεσίας Βαβυλῶνος. **12** Μετὰ δὲ τὴν μετοικεσίαν Βαβυλῶνος Ἰεχονίας ἐγέννησεν τὸν Σαλαθιήλ, Σαλαθιὴλ δὲ ἐγέννησεν τὸν Ζοροβαβέλ, **13** Ζοροβαβὲλ δὲ ἐγέννησεν τὸν Ἀβιούδ, Ἀβιοὺδ δὲ ἐγέννησεν τὸν Ἐλιακίμ, Ἐλιακὶμ δὲ ἐγέννησεν τὸν Ἀζώρ, **14** Ἀζὼρ δὲ ἐγέννησεν τὸν Σαδώκ, Σαδὼκ δὲ ἐγέννησεν τὸν Ἀχίμ, Ἀχὶμ δὲ ἐγέννησεν τὸν Ἐλιούδ, **15** Ἐλιοὺδ δὲ ἐγέννησεν τὸν Ἐλεάζαρ, Ἐλεάζαρ δὲ ἐγέννησεν τὸν Ματθάν, Ματθὰν δὲ ἐγέννησεν τὸν Ἰακώβ, **16** Ἰακὼβ δὲ ἐγέννησεν τὸν Ἰωσὴφ τὸν ἄνδρα Μαρίας, ἐξ ἧς ἐγεννήθη Ἰησοῦς ὁ λεγόμενος χριστός. **17** Πᾶσαι οὖν αἱ γενεαὶ ἀπὸ Ἀβραὰμ ἕως Δαυὶδ γενεαὶ δεκατέσσαρες, καὶ ἀπὸ Δαυὶδ ἕως τῆς μετοικεσίας Βαβυλῶνος γενεαὶ δεκατέσσαρες, καὶ ἀπὸ τῆς μετοικεσίας Βαβυλῶνος ἕως τοῦ χριστοῦ γενεαὶ δεκατέσσαρες. **18** Τοῦ δὲ ⸀Ἰησοῦχριστοῦ ἡ ⸀γένεσιςοὕτως ἦν. ⸀μνηστευθείσηςτῆς μητρὸς αὐτοῦ Μαρίας τῷ Ἰωσήφ, πρὶν ἢ συνελθεῖν αὐτοὺς εὑρέθη ἐν γαστρὶ ἔχουσα ἐκ πνεύματος ἁγίου. **19** Ἰωσὴφ δὲ ὁ ἀνὴρ αὐτῆς, δίκαιος ὢν καὶ μὴ θέλων αὐτὴν ⸀δειγματίσαι ἐβουλήθη λάθρᾳ ἀπολῦσαι αὐτήν. **20** ταῦτα δὲ αὐτοῦ ἐνθυμηθέντος ἰδοὺ ἄγγελος κυρίου κατ᾽ ὄναρ ἐφάνη αὐτῷ λέγων· Ἰωσὴφ υἱὸς Δαυίδ, μὴ φοβηθῇς παραλαβεῖν ⸀Μαρίαντὴν γυναῖκά σου, τὸ γὰρ ἐν αὐτῇ γεννηθὲν ἐκ πνεύματός ἐστιν ἁγίου· **21** τέξεται δὲ υἱὸν καὶ καλέσεις τὸ ὄνομα αὐτοῦ Ἰησοῦν, αὐτὸς γὰρ σώσει τὸν λαὸν αὐτοῦ ἀπὸ τῶν ἁμαρτιῶν αὐτῶν. **22** τοῦτο δὲ ὅλον γέγονεν ἵνα πληρωθῇ τὸ ῥηθὲν ⸀ὑπὸκυρίου διὰ τοῦ προφήτου λέγοντος· **23** Ἰδοὺ ἡ παρθένος ἐν γαστρὶ ἕξει καὶ τέξεται υἱόν, καὶ καλέσουσιν τὸ ὄνομα αὐτοῦ Ἐμμανουήλ· ὅ ἐστιν μεθερμηνευόμενον Μεθ᾽ ἡμῶν ὁ θεός. **24** ⸀ἐγερθεὶςδὲ ὁ Ἰωσὴφ ἀπὸ τοῦ ὕπνου ἐποίησεν ὡς προσέταξεν αὐτῷ ὁ ἄγγελος

Κατα Ματθαιον

1 βιβλος γενεσεως ιησου χριστου υιου δαβιδ υιου αβρααμ **2** αβρααμ εγεννησεν τον ισαακ ισαακ δε εγεννησεν τον ιακωβ ιακωβ δε εγεννησεν τον ιουδαν και τους αδελφους αυτου **3** ιουδας δε εγεννησεν τον φαρες και τον ζαρα εκ της θαμαρ φαρες δε εγεννησεν τον εσρωμ εσρωμ δε εγεννησεν τον αραμ **4** αραμ δε εγεννησεν τον αμιναδαβ αμιναδαβ δε εγεννησεν τον ναασσων ναασσων δε εγεννησεν τον σαλμων **5** σαλμων δε εγεννησεν τον βοοζ εκ της ραχαβ βοοζ δε εγεννησεν τον ωβηδ εκ της ρουθ ωβηδ δε εγεννησεν τον ιεσσαι **6** ιεσσαι δε εγεννησεν τον δαβιδ τον βασιλεα δαβιδ δε ο βασιλευς εγεννησεν τον σολομωντα εκ της του ουριου **7** σολομων δε εγεννησεν τον ροβοαμ ροβοαμ δε εγεννησεν τον αβια αβια δε εγεννησεν τον ασα **8** ασα δε εγεννησεν τον ιωσαφατ ιωσαφατ δε εγεννησεν τον ιωραμ ιωραμ δε εγεννησεν τον οζιαν **9** οζιας δε εγεννησεν τον ιωαθαμ ιωαθαμ δε εγεννησεν τον αχαζ αχαζ δε εγεννησεν τον εζεκιαν **10** εζεκιας δε εγεννησεν τον μανασση μανασσης δε εγεννησεν τον αμων αμων δε εγεννησεν τον ιωσιαν **11** ιωσιας δε εγεννησεν τον ιεχονιαν και τους αδελφους αυτου επι της μετοικεσιας βαβυλωνος **12** μετα δε την μετοικεσιαν βαβυλωνος ιεχονιας εγεννησεν τον σαλαθιηλ σαλαθιηλ δε εγεννησεν τον ζοροβαβελ **13** ζοροβαβελ δε εγεννησεν τον αβιουδ αβιουδ δε εγεννησεν τον ελιακειμ ελιακειμ δε εγεννησεν τον αζωρ **14** αζωρ δε εγεννησεν τον σαδωκ σαδωκ δε εγεννησεν τον αχειμ αχειμ δε εγεννησεν τον ελιουδ **15** ελιουδ δε εγεννησεν τον ελεαζαρ ελεαζαρ δε εγεννησεν τον ματθαν ματθαν δε εγεννησεν τον ιακωβ **16** ιακωβ δε εγεννησεν τον ιωσηφ τον ανδρα μαριας εξ ης εγεννηθη ιησους ο λεγομενος χριστος **17** πασαι ουν αι γενεαι απο αβρααμ εως δαβιδ γενεαι δεκατεσσαρες και απο δαβιδ εως της μετοικεσιας βαβυλωνος γενεαι δεκατεσσαρες και απο της μετοικεσιας βαβυλωνος εως του χριστου γενεαι δεκατεσσαρες **18** του δε ιησου χριστου η γεννησις ουτως ην μνηστευθεισης γαρ της μητρος αυτου μαριας τω ιωσηφ πριν η συνελθειν αυτους ευρεθη εν γαστρι εχουσα εκ πνευματος αγιου **19** ιωσηφ δε ο ανηρ αυτης δικαιος ων και μη θελων αυτην παραδειγματισαι εβουληθη λαθρα απολυσαι αυτην **20** ταυτα δε αυτου ενθυμηθεντος ιδου αγγελος κυριου κατ οναρ εφανη αυτω λεγων ιωσηφ υιος δαβιδ μη φοβηθης παραλαβειν μαριαμ την γυναικα σου το γαρ εν αυτη γεννηθεν εκ πνευματος εστιν αγιου **21** τεξεται δε υιον και καλεσεις το ονομα αυτου ιησουν αυτος γαρ σωσει τον λαον αυτου απο των αμαρτιων αυτων **22** τουτο δε ολον γεγονεν ινα πληρωθη το ρηθεν υπο του κυριου δια του προφητου λεγοντος **23** ιδου η παρθενος εν γαστρι εξει και τεξεται υιον και καλεσουσιν το ονομα αυτου εμμανουηλ ο εστιν μεθερμηνευομενον μεθ ημων ο θεος **24** διεγερθεις δε ο ιωσηφ απο του υπνου εποιησεν ως προσεταξεν αυτω ο αγγελος κυριου και παρελαβεν την γυναικα αυτου **25** και ουκ εγινωσκεν αυτην εως ου

Κατα Ματθαιον

1 Βίβλος γενέσεως ᾿Ιησοῦ ˚Χριστοῦ, υἱοῦ Δαυὶδ, υἱοῦ Ἀβραάμ: **2** Ἀβραὰμ ἐγέννησεν τὸν Ἰσαάκ, Ἰσαὰκ δὲ ἐγέννησεν τὸν Ἰακώβ, Ἰακὼβ δὲ ἐγέννησεν τὸν Ἰούδαν καὶ τοὺς ἀδελφοὺς αὐτοῦ, **3** Ἰούδας δὲ ἐγέννησεν τὸν Φαρὲς καὶ τὸν Ζάρα ἐκ τῆς Θαμάρ, Φαρὲς δὲ ἐγέννησεν τὸν Ἑσρώμ, Ἑσρὼμ δὲ ἐγέννησεν τὸν Ἀράμ, **4** Ἀρὰμ δὲ ἐγέννησεν τὸν Ἀμιναδάβ, Ἀμιναδὰβ δὲ ἐγέννησεν τὸν Ναασσών, Ναασσὼν δὲ ἐγέννησεν τὸν Σαλμών, **5** Σαλμὼν δὲ ἐγέννησεν τὸν Βόες ἐκ τῆς Ῥαχάβ, Βόες δὲ ἐγέννησεν τὸν Ἰωβὴδ ἐκ τῆς Ῥούθ, Ἰωβὴδ δὲ ἐγέννησεν τὸν Ἰεσσαί, **6** Ἰεσσαὶ δὲ ἐγέννησεν τὸν Δαυὶδ τὸν βασιλέα. Δαυὶδ δὲ ἐγέννησεν τὸν Σολομῶνα ἐκ τῆς τοῦ Οὐρίου, **7** Σολομὼν δὲ ἐγέννησεν τὸν Ῥοβοάμ, Ῥοβοὰμ δὲ ἐγέννησεν τὸν Ἀβιά, Ἀβιὰ δὲ ἐγέννησεν τὸν Ἀσάφ, **8** Ἀσὰφ δὲ ἐγέννησεν τὸν Ἰωσαφάτ, Ἰωσαφὰτ δὲ ἐγέννησεν τὸν Ἰωράμ, Ἰωρὰμ δὲ ἐγέννησεν τὸν Ὀζίαν, **9** Ὀζίας δὲ ἐγέννησεν τὸν Ἰωαθάμ, Ἰωαθὰμ δὲ ἐγέννησεν τὸν Ἀχάζ, Ἀχὰζ δὲ ἐγέννησεν τὸν Ἑζεκίαν, **10** Ἑζεκίας δὲ ἐγέννησεν τὸν Μανασσῆ, Μανασσῆς δὲ ἐγέννησεν τὸν Ἀμώς, Ἀμὼς δὲ ἐγέννησεν τὸν Ἰωσίαν, **11** Ἰωσίας δὲ ἐγέννησεν τὸν Ἰεχονίαν καὶ τοὺς ἀδελφοὺς αὐτοῦ ἐπὶ τῆς μετοικεσίας Βαβυλῶνος. **12** Μετὰ δὲ τὴν μετοικεσίαν Βαβυλῶνος, Ἰεχονίας ἐγέννησεν τὸν Σαλαθιήλ, Σαλαθιὴλ δὲ ἐγέννησεν τὸν Ζοροβαβέλ, **13** Ζοροβαβὲλ δὲ ἐγέννησεν τὸν Ἀβιούδ, Ἀβιοὺδ δὲ ἐγέννησεν τὸν Ἐλιακείμ, Ἐλιακεὶμ δὲ ἐγέννησεν τὸν Ἄζώρ, **14** Ἄζὼρ δὲ ἐγέννησεν τὸν Σαδώκ, Σαδὼκ δὲ ἐγέννησεν τὸν Ἀχείμ, Ἀχεὶμ δὲ ἐγέννησεν τὸν Ἐλιούδ, **15** Ἐλιοὺδ δὲ ἐγέννησεν τὸν Ἐλεάζαρ, Ἐλεάζαρ δὲ ἐγέννησεν τὸν Ματθάν, Ματθὰν δὲ ἐγέννησεν τὸν Ἰακώβ, **16** Ἰακὼβ δὲ ἐγέννησεν τὸν Ἰωσὴφ τὸν ἄνδρα Μαρίας, ἐξ ἧς ἐγεννήθη ᾿Ιησοῦς, ὁ λεγόμενος ˚Χριστός. **17** Πᾶσαι οὖν αἱ γενεαὶ ἀπὸ Ἀβραὰμ ἕως Δαυὶδ γενεαὶ δεκατέσσαρες, καὶ ἀπὸ Δαυὶδ ἕως τῆς μετοικεσίας Βαβυλῶνος γενεαὶ δεκατέσσαρες, καὶ ἀπὸ τῆς μετοικεσίας Βαβυλῶνος ἕως τοῦ ˚Χριστοῦ γενεαὶ δεκατέσσαρες. **18** Τοῦ δὲ ᾿Ιησοῦ ˚Χριστοῦ ἡ γένεσις οὕτως ἦν: μνηστευθείσης τῆς μητρὸς αὐτοῦ Μαρίας τῷ Ἰωσήφ, πρὶν ἢ συνελθεῖν αὐτοὺς, εὑρέθη ἐν γαστρὶ ἔχουσα ἐκ ˚Πνεύματος Ἁγίου. **19** Ἰωσὴφ δὲ ὁ ἀνὴρ αὐτῆς, δίκαιος ὢν καὶ μὴ θέλων αὐτὴν δειγματίσαι, ἐβουλήθη λάθρᾳ ἀπολῦσαι αὐτήν. **20** Ταῦτα δὲ αὐτοῦ ἐνθυμηθέντος, ἰδοὺ, ἄγγελος ˚Κυρίου κατ᾽ ὄναρ ἐφάνη αὐτῷ λέγων, “᾿Ιωσὴφ, υἱὸς Δαυίδ, μὴ φοβηθῇς παραλαβεῖν Μαριὰμ τὴν γυναῖκά σου, τὸ γὰρ ἐν αὐτῇ γεννηθὲν ἐκ ˚Πνεύματός ἐστιν Ἁγίου. **21** Τέξεται δὲ υἱὸν, καὶ καλέσεις τὸ ὄνομα αὐτοῦ ᾿Ιησοῦν, αὐτὸς γὰρ σώσει τὸν λαὸν αὐτοῦ ἀπὸ τῶν ἁμαρτιῶν αὐτῶν.” **22** Τοῦτο δὲ ὅλον γέγονεν, ἵνα πληρωθῇ τὸ ῥηθὲν ὑπὸ ˚Κυρίου διὰ τοῦ προφήτου λέγοντος, **23** “᾿Ιδοὺ, ἡ παρθένος ἐν γαστρὶ ἕξει καὶ τέξεται υἱόν, καὶ καλέσουσιν τὸ ὄνομα αὐτοῦ Ἐμμανουήλ”, ὅ ἐστιν μεθερμηνευόμενον, “Μεθ᾽ ἡμῶν ὁ ˚Θεός”. **24** Ἐγερθεὶς δὲ ὁ Ἰωσὴφ ἀπὸ τοῦ ὕπνου, ἐποίησεν ὡς

Κατα Ματθαιον

1 Βίβλος γενέσεως Ἰησοῦ Χριστοῦ υἱοῦ Δαυὶδ υἱοῦ Ἀβραάμ. **2** Ἀβραὰμ ἐγέννησεν τὸν Ἰσαάκ· Ἰσαὰκ δὲ ἐγέννησεν τὸν Ἰακώβ· Ἰακὼβ δὲ ἐγέννησεν τὸν Ἰούδαν καὶ τοὺς ἀδελφοὺς αὐτοῦ· **3** Ἰούδας δὲ ἐγέννησεν τὸν Φάρες καὶ τὸν Ζάρα ἐκ τῆς Θαμάρ· Φάρες δὲ ἐγέννησεν τὸν Ἑσρώμ· Ἑσρὼμ δὲ ἐγέννησεν τὸν Ἀράμ· **4** Ἀρὰμ δὲ ἐγέννησεν τὸν Ἀμιναδάβ· Ἀμιναδὰβ δὲ ἐγέννησεν τὸν Ναασσών· Ναασσὼν δὲ ἐγέννησεν τὸν Σαλμών· **5** Σαλμὼν δὲ ἐγέννησεν τὸν Βόες ἐκ τῆς Ῥαχάβ· Βόες δὲ ἐγέννησεν τὸν Ἰωβὴδ ἐκ τῆς Ῥούθ· Ἰωβὴδ δὲ ἐγέννησεν τὸν Ἰεσσαί· **6** Ἰεσσαὶ δὲ ἐγέννησεν τὸν Δαυὶδ τὸν βασιλέα· Δαυὶδ δὲ (ὁ βασιλεὺς *k*) ἐγέννησεν τὸν Σολομῶνα ἐκ τῆς τοῦ Οὐρίου· **7** Σολομὼν δὲ ἐγέννησεν τὸν Ῥοβοάμ· Ῥοβοὰμ δὲ ἐγέννησεν τὸν Ἀβιά· Ἀβιὰ δὲ ἐγέννησεν τὸν Ἀσάφ· **8** Ἀσὰφ δὲ ἐγέννησεν τὸν Ἰωσαφάτ· Ἰωσαφὰτ δὲ ἐγέννησεν τὸν Ἰωράμ· Ἰωρὰμ δὲ ἐγέννησεν τὸν Ὀζίαν· **9** Ὀζίας δὲ ἐγέννησεν τὸν Ἰωαθάμ· Ἰωαθὰμ δὲ ἐγέννησεν τὸν Ἀχάζ· Ἀχὰζ δὲ ἐγέννησεν τὸν Ἑζεκίαν· **10** Ἑζεκίας δὲ ἐγέννησεν τὸν Μανασσῆ· Μανασσῆς δὲ ἐγέννησεν τὸν (Ἀμώς· Ἀμὼς *N(k)O*) δὲ ἐγέννησεν τὸν Ἰωσίαν· **11** Ἰωσίας δὲ ἐγέννησεν τὸν Ἰεχονίαν καὶ τοὺς ἀδελφοὺς αὐτοῦ ἐπὶ τῆς μετοικεσίας Βαβυλῶνος. **12** Μετὰ δὲ τὴν μετοικεσίαν Βαβυλῶνος Ἰεχονίας ἐγέννησεν τὸν Σαλαθιήλ· Σαλαθιὴλ δὲ ἐγέννησεν τὸν Ζοροβαβέλ· **13** Ζοροβαβὲλ δὲ ἐγέννησεν τὸν Ἀβιούδ· Ἀβιοὺδ δὲ ἐγέννησεν τὸν Ἐλιακίμ· Ἐλιακὶμ δὲ ἐγέννησεν τὸν Ἄζώρ· **14** Ἄζὼρ δὲ ἐγέννησεν τὸν Σαδώκ· Σαδὼκ δὲ ἐγέννησεν τὸν Ἀχίμ· Ἀχὶμ δὲ ἐγέννησεν τὸν Ἐλιούδ· **15** Ἐλιοὺδ δὲ ἐγέννησεν τὸν Ἐλεάζαρ· Ἐλεάζαρ δὲ ἐγέννησεν τὸν Ματθάν· Ματθὰν δὲ ἐγέννησεν τὸν Ἰακώβ· **16** Ἰακὼβ δὲ ἐγέννησεν τὸν Ἰωσὴφ τὸν ἄνδρα Μαρίας ἐξ ἧς ἐγεννήθη Ἰησοῦς ὁ λεγόμενος Χριστός. **17** Πᾶσαι οὖν αἱ γενεαὶ ἀπὸ Ἀβραὰμ ἕως Δαυὶδ γενεαὶ δεκατέσσαρες καὶ ἀπὸ Δαυὶδ ἕως τῆς μετοικεσίας Βαβυλῶνος γενεαὶ δεκατέσσαρες καὶ ἀπὸ τῆς μετοικεσίας Βαβυλῶνος ἕως τοῦ Χριστοῦ γενεαὶ δεκατέσσαρες. **18** Τοῦ δὲ Ἰησοῦ Χριστοῦ ἡ (γένεσις *N(k)O*) οὕτως ἦν· μνηστευθείσης (γὰρ *k*) τῆς μητρὸς αὐτοῦ Μαρίας τῷ Ἰωσήφ, πρὶν ἢ συνελθεῖν αὐτοὺς εὑρέθη ἐν γαστρὶ ἔχουσα ἐκ πνεύματος ἁγίου. **19** Ἰωσὴφ δὲ ὁ ἀνὴρ αὐτῆς, δίκαιος ὢν καὶ μὴ θέλων αὐτὴν (δειγματίσαι, *N(k)O*) ἐβουλήθη λάθρᾳ ἀπολῦσαι αὐτήν. **20** Ταῦτα δὲ αὐτοῦ ἐνθυμηθέντος ἰδοὺ ἄγγελος κυρίου κατ᾽ ὄναρ ἐφάνη αὐτῷ λέγων· Ἰωσὴφ υἱὸς Δαυίδ, μὴ φοβηθῇς παραλαβεῖν Μαρίαν τὴν γυναῖκά σου· τὸ γὰρ ἐν αὐτῇ γεννηθὲν ἐκ πνεύματός ἐστιν ἁγίου. **21** τέξεται δὲ υἱόν, καὶ καλέσεις τὸ ὄνομα αὐτοῦ Ἰησοῦν· αὐτὸς γὰρ σώσει τὸν λαὸν αὐτοῦ ἀπὸ τῶν ἁμαρτιῶν αὐτῶν. **22** Τοῦτο δὲ ὅλον γέγονεν ἵνα πληρωθῇ τὸ ῥηθὲν ὑπὸ (τοῦ *k*) κυρίου διὰ τοῦ προφήτου λέγοντος· **23** ἰδοὺ ἡ παρθένος ἐν γαστρὶ ἕξει καὶ τέξεται υἱόν, καὶ καλέσουσιν τὸ ὄνομα αὐτοῦ Ἐμμανουήλ, ὅ ἐστιν μεθερμηνευόμενον· μεθ᾽ ἡμῶν ὁ θεός.

Κατα Ματθαιον

1 βιβλος γενεσεως ιησου χριστου υιου δαβιδ υιου αβρααμ **2** αβρααμ εγεννησεν τον ισαακ ισαακ δε εγεννησεν τον ιακωβ ιακωβ δε εγεννησεν τον ιουδαν και τους αδελφους αυτου **3** ιουδας δε εγεννησεν τον φαρες και τον ζαρα εκ της θαμαρ φαρες δε εγεννησεν τον εσρωμ εσρωμ δε εγεννησεν τον αραμ **4** αραμ δε εγεννησεν τον αμιναδαβ αμιναδαβ δε εγεννησεν τον ναασσων ναασσων δε εγεννησεν τον σαλμων **5** σαλμων δε εγεννησεν τον βοοζ εκ της ραχαβ βοοζ δε εγεννησεν τον ωβηδ εκ της ρουθ ωβηδ δε εγεννησεν τον ιεσσαι **6** ιεσσαι δε εγεννησεν τον δαβιδ τον βασιλεα δαβιδ δε ο βασιλευς εγεννησεν τον σολομωντα εκ της του ουριου **7** σολομων δε εγεννησεν τον ροβοαμ ροβοαμ δε εγεννησεν τον αβια αβια δε εγεννησεν τον ασα **8** ασα δε εγεννησεν τον ιωσαφατ ιωσαφατ δε εγεννησεν τον ιωραμ ιωραμ δε εγεννησεν τον οζιαν **9** οζιας δε εγεννησεν τον ιωαθαμ ιωαθαμ δε εγεννησεν τον αχαζ αχαζ δε εγεννησεν τον εζεκιαν **10** εζεκιας δε εγεννησεν τον μανασση μανασσης δε εγεννησεν τον αμων αμων δε εγεννησεν τον ιωσιαν **11** ιωσιας δε εγεννησεν τον ιεχονιαν και τους αδελφους αυτου επι της μετοικεσιας βαβυλωνος **12** μετα δε την μετοικεσιαν βαβυλωνος ιεχονιας εγεννησεν τον σαλαθιηλ σαλαθιηλ δε εγεννησεν τον ζοροβαβελ **13** ζοροβαβελ δε εγεννησεν τον αβιουδ αβιουδ δε εγεννησεν τον ελιακειμ ελιακειμ δε εγεννησεν τον αζωρ **14** αζωρ δε εγεννησεν τον σαδωκ σαδωκ δε εγεννησεν τον αχειμ αχειμ δε εγεννησεν τον ελιουδ **15** ελιουδ δε εγεννησεν τον ελεαζαρ ελεαζαρ δε εγεννησεν τον ματθαν ματθαν δε εγεννησεν τον ιακωβ **16** ιακωβ δε εγεννησεν τον ιωσηφ τον ανδρα μαριας εξ ης εγεννηθη ιησους ο λεγομενος χριστος **17** πασαι ουν αι γενεαι απο αβρααμ εως δαβιδ γενεαι δεκατεσσαρες και απο δαβιδ εως της μετοικεσιας βαβυλωνος γενεαι δεκατεσσαρες και απο της μετοικεσιας βαβυλωνος εως του χριστου γενεαι δεκατεσσαρες **18** του δε ιησου χριστου η γεννησις ουτως ην μνηστευθεισης γαρ της μητρος αυτου μαριας τω ιωσηφ πριν η συνελθειν αυτους ευρεθη εν γαστρι εχουσα εκ πνευματος αγιου **19** ιωσηφ δε ο ανηρ αυτης δικαιος ων και μη θελων αυτην παραδειγματισαι εβουληθη λαθρα απολυσαι αυτην **20** ταυτα δε αυτου ενθυμηθεντος ιδου αγγελος κυριου κατ οναρ εφανη αυτω λεγων ιωσηφ υιος δαβιδ μη φοβηθης παραλαβειν μαριαμ την γυναικα σου το γαρ εν αυτη γεννηθεν εκ πνευματος εστιν αγιου **21** τεξεται δε υιον και καλεσεις το ονομα αυτου ιησουν αυτος γαρ σωσει τον λαον αυτου απο των αμαρτιων αυτων **22** τουτο δε ολον γεγονεν ινα πληρωθη το ρηθεν υπο του κυριου δια του προφητου λεγοντος **23** ιδου η παρθενος εν γαστρι εξει και τεξεται υιον και καλεσουσιν το ονομα αυτου εμμανουηλ ο εστιν μεθερμηνευομενον μεθ ημων ο θεος **24** διεγερθεις δε ο ιωσηφ απο του υπνου εποιησεν ως προσεταξεν αυτω ο αγγελος κυριου και παρελαβεν την γυναικα αυτου **25** και ουκ εγινωσκεν αυτην εως ου

Κατα Ματθαιον

1 Βίβλος γενέσεως Ἰησοῦ Χριστοῦ, υἱοῦ Δαβίδ, υἱοῦ Ἀβραάμ. **2** Ἀβραὰμ ἐγέννησε τὸν Ἰσαάκ· Ἰσαὰκ δὲ ἐγέννησε τὸν Ἰακώβ· Ἰακὼβ δὲ ἐγέννησε τὸν Ἰούδαν καὶ τοὺς ἀδελφοὺς αὐτοῦ· **3** Ἰούδας δὲ ἐγέννησε τὸν Φαρὲς καὶ τὸν Ζαρὰ ἐκ τῆς Θάμαρ· Φαρὲς δὲ ἐγέννησε τὸν Ἑσρώμ· Ἑσρὼμ δὲ ἐγέννησε τὸν Ἀράμ· **4** Ἀρὰμ δὲ ἐγέννησε τὸν Ἀμιναδάβ· Ἀμιναδὰβ δὲ ἐγέννησε τὸν Ναασσών· Ναασσὼν δὲ ἐγέννησε τὸν Σαλμών· **5** Σαλμὼν δὲ ἐγέννησε τὸν Βοὸζ ἐκ τῆς Ῥαχάβ· Βοὸζ δὲ ἐγέννησε τὸν Ὼβὴδ ἐκ τῆς Ῥούθ· Ὼβὴδ δὲ ἐγέννησε τὸν Ἰεσσαί· **6** Ἰεσσαὶ δὲ ἐγέννησε τὸν Δαβὶδ τὸν βασιλέα. Δαβὶδ δὲ ὁ βασιλεὺς ἐγέννησε τὸν Σολομῶντα ἐκ τῆς τοῦ Οὐρίου· **7** Σολομὼν δὲ ἐγέννησε τὸν Ῥοβοάμ· Ῥοβοὰμ δὲ ἐγέννησε τὸν Ἀβιά· Ἀβιὰ δὲ ἐγέννησε τὸν Ἀσά· **8** Ἀσὰ δὲ ἐγέννησε τὸν Ἰωσαφάτ· Ἰωσαφὰτ δὲ ἐγέννησε τὸν Ἰωράμ· Ἰωρὰμ δὲ ἐγέννησε τὸν Ὀζίαν· **9** Ὀζίας δὲ ἐγέννησε τὸν Ἰωάθαμ· Ἰωάθαμ δὲ ἐγέννησε τὸν Ἄχαζ· Ἄχαζ δὲ ἐγέννησε τὸν Ἑζεκίαν· **10** Ἑζεκίας δὲ ἐγέννησε τὸν Μανασσῆ· Μανασσῆς δὲ ἐγέννησε τὸν Ἀμών· Ἀμὼν δὲ ἐγέννησε τὸν Ἰωσίαν· **11** Ἰωσίας δὲ ἐγέννησε τὸν Ἰεχονίαν καὶ τοὺς ἀδελφοὺς αὐτοῦ, ἐπὶ τῆς μετοικεσίας Βαβυλῶνος. **12** Μετὰ δὲ τὴν μετοικεσίαν Βαβυλῶνος, Ἰεχονίας ἐγέννησε τὸν Σαλαθιήλ· Σαλαθιὴλ δὲ ἐγέννησε τὸν Ζοροβάβελ· **13** Ζοροβάβελ δὲ ἐγέννησε τὸν Ἀβιούδ· Ἀβιοὺδ δὲ ἐγέννησε τὸν Ἐλιακείμ· Ἐλιακεὶμ δὲ ἐγέννησε τὸν Ἀζώρ· **14** Ἀζὼρ δὲ ἐγέννησε τὸν Σαδώκ· Σαδὼκ δὲ ἐγέννησε τὸν Ἀχείμ· Ἀχεὶμ δὲ ἐγέννησε τὸν Ἐλιούδ· **15** Ἐλιοὺδ δὲ ἐγέννησε τὸν Ἐλεάζαρ· Ἐλεάζαρ δὲ ἐγέννησε τὸν Ματθάν· Ματθὰν δὲ ἐγέννησε τὸν Ἰακώβ· **16** Ἰακὼβ δὲ ἐγέννησε τὸν Ἰωσὴφ τὸν ἄνδρα Μαρίας, ἐξ ἧς ἐγεννήθη Ἰησοῦς, ὁ λεγόμενος Χριστός. **17** Πᾶσαι οὖν αἱ γενεαὶ ἀπὸ Ἀβραὰμ ἕως Δαβὶδ γενεαὶ δεκατέσσαρες· καὶ ἀπὸ Δαβὶδ ἕως τῆς μετοικεσίας Βαβυλῶνος, γενεαὶ δεκατέσσαρες· καὶ ἀπὸ τῆς μετοικεσίας Βαβυλῶνος ἕως τοῦ Χριστοῦ, γενεαὶ δεκατέσσαρες. **18** Τοῦ δὲ Ἰησοῦ Χριστοῦ ἡ γέννησις οὕτως ἦν· μνηστευθείσης γὰρ τῆς μητρὸς αὐτοῦ Μαρίας τῷ Ἰωσήφ, πρὶν ἢ συνελθεῖν αὐτούς, εὑρέθη ἐν γαστρὶ ἔχουσα ἐκ πνεύματος ἁγίου. **19** Ἰωσὴφ δὲ ὁ ἀνὴρ αὐτῆς, δίκαιος ὢν, καὶ μὴ θέλων αὐτὴν παραδειγματίσαι, ἐβουλήθη λάθρᾳ ἀπολῦσαι αὐτήν. **20** Ταῦτα δὲ αὐτοῦ ἐνθυμηθέντος, ἰδού, ἄγγελος Κυρίου κατ᾽ ὄναρ ἐφάνη αὐτῷ, λέγων, Ἰωσήφ, υἱὸς Δαβίδ, μὴ φοβηθῇς παραλαβεῖν Μαριὰμ τὴν γυναῖκά σου· τὸ γὰρ ἐν αὐτῇ γεννηθὲν ἐκ πνεύματός ἐστιν ἁγίου. **21** Τέξεται δὲ υἱόν, καὶ καλέσεις τὸ ὄνομα αὐτοῦ Ἰησοῦν· αὐτὸς γὰρ σώσει τὸν λαὸν αὐτοῦ ἀπὸ τῶν ἁμαρτιῶν αὐτῶν. **22** Τοῦτο δὲ ὅλον γέγονεν, ἵνα πληρωθῇ τὸ ῥηθὲν ὑπὸ τοῦ Κυρίου διὰ τοῦ προφήτου, λέγοντος, **23** Ἰδού, ἡ παρθένος ἐν γαστρὶ ἕξει καὶ τέξεται υἱόν, καὶ καλέσουσι τὸ ὄνομα αὐτοῦ Ἐμμανουήλ, ὅ ἐστι μεθερμηνευόμενον, Μεθ᾽ ἡμῶν ὁ Θεός. **24** Διεγερθεὶς δὲ ὁ Ἰωσὴφ ἀπὸ τοῦ ὕπνου, ἐποίησεν ὡς προσέταξεν αὐτῷ ὁ ἄγγελος Κυρίου· καὶ παρέλαβε τὴν γυναῖκα

Κατα Ματθαιον

1 Βίβλος γενέσεως Ἰησοῦ Χριστοῦ υἱοῦ Δαυεὶδ υἱοῦ Ἀβραάμ. **2** Ἀβραὰμ ἐγέννησεν τὸν Ἰσαάκ, Ἰσαὰκ δὲ ἐγέννησεν τὸν Ἰακώβ, Ἰακὼβ δὲ ἐγέννησεν τὸν Ἰούδαν καὶ τοὺς ἀδελφοὺς αὐτοῦ, **3** Ἰούδας δὲ ἐγέννησεν τὸν Φάρες καὶ τὸν Ζάρα ἐκ τῆς Θαμάρ, Φάρες δὲ ἐγέννησεν τὸν Ἑσρώμ, Ἑσρὼμ δὲ ἐγέννησεν τὸν Ἀράμ, **4** Ἀρὰμ δὲ ἐγέννησεν τὸν Ἀμιναδάβ, Ἀμιναδὰβ δὲ ἐγέννησεν τὸν Ναασσών, Ναασσὼν δὲ ἐγέννησεν τὸν Σαλμών, **5** Σαλμὼν δὲ ἐγέννησεν τὸν Βόες ἐκ τῆς Ῥαχάβ, Βόες δὲ ἐγέννησεν τὸν Ἰωβὴδ ἐκ τῆς Ῥούθ, Ἰωβὴδ δὲ ἐγέννησεν τὸν Ἰεσσαί, **6** Ἰεσσαὶ δὲ ἐγέννησεν τὸν Δαυεὶδ τὸν βασιλέα. Δαυεὶδ δὲ ἐγέννησεν τὸν Σολομῶνα ἐκ τῆς τοῦ Οὐρίου, **7** Σολομὼν δὲ ἐγέννησεν τὸν Ῥοβοάμ, Ῥοβοὰμ δὲ ἐγέννησεν τὸν Ἀβιά, Ἀβιὰ δὲ ἐγέννησεν τὸν Ἀσάφ, **8** Ἀσὰφ δὲ ἐγέννησεν τὸν Ἰωσαφάτ, Ἰωσαφὰτ δὲ ἐγέννησεν τὸν Ἰωράμ, Ἰωρὰμ δὲ ἐγέννησεν τὸν Ὀζείαν, **9** Ὀζείας δὲ ἐγέννησεν τὸν Ἰωαθάμ, Ἰωαθὰμ δὲ ἐγέννησεν τὸν Ἀχάζ, Ἀχὰζ δὲ ἐγέννησεν τὸν Ἑζεκίαν, **10** Ἑζεκίας δὲ ἐγέννησεν τὸν Μανασσῆ, Μανασσῆς δὲ ἐγέννησεν τὸν Ἀμώς, Ἀμὼς δὲ ἐγέννησεν τὸν Ἰωσείαν, **11** Ἰωσείας δὲ ἐγέννησεν τὸν Ἰεχονίαν καὶ τοὺς ἀδελφοὺς αὐτοῦ ἐπὶ τῆς μετοικεσίας Βαβυλῶνος. **12** μετὰ δὲ τὴν μετοικεσίαν Βαβυλῶνος Ἰεχονίας ἐγέννησεν τὸν Σαλαθιήλ, Σαλαθιὴλ δὲ ἐγέννησεν τὸν Ζοροβάβελ, **13** Ζοροβάβελ δὲ ἐγέννησεν τὸν Ἀβιούδ, Ἀβιοὺδ δὲ ἐγέννησεν τὸν Ἐλιακείμ, Ἐλιακεὶμ δὲ ἐγέννησεν τὸν Ἀζώρ, **14** Ἀζὼρ δὲ ἐγέννησεν τὸν Σαδώκ, Σαδὼκ δὲ ἐγέννησεν τὸν Ἀχείμ, Ἀχεὶμ δὲ ἐγέννησεν τὸν Ἐλιούδ, **15** Ἐλιοὺδ δὲ ἐγέννησεν τὸν Ἐλεάζαρ, Ἐλεάζαρ δὲ ἐγέννησεν τὸν Ματθάν, Ματθὰν δὲ ἐγέννησεν τὸν Ἰακώβ, **16** Ἰακὼβ δὲ ἐγέννησεν τὸν Ἰωσὴφ τὸν ἄνδρα Μαρίας, ἐξ ἧς ἐγεννήθη Ἰησοῦς ὁ λεγόμενος Χριστός. **17** Πᾶσαι οὖν αἱ γενεαὶ ἀπὸ Ἀβραὰμ ἕως Δαυεὶδ γενεαὶ δεκατέσσαρες, καὶ ἀπὸ Δαυεὶδ ἕως τῆς μετοικεσίας Βαβυλῶνος γενεαὶ δεκατέσσαρες, καὶ ἀπὸ τῆς μετοικεσίας Βαβυλῶνος ἕως τοῦ Χριστοῦ γενεαὶ δεκατέσσαρες. **18** Τοῦ δὲ Ἰησοῦ Χριστοῦ ἡ γένεσις οὕτως ἦν. μνηστευθείσης τῆς μητρὸς αὐτοῦ Μαρίας τῷ Ἰωσήφ, πρὶν ἢ συνελθεῖν αὐτοὺς εὑρέθη ἐν γαστρὶ ἔχουσα ἐκ πνεύματος ἁγίου. **19** Ἰωσὴφ δὲ ὁ ἀνὴρ αὐτῆς, δίκαιος ὢν καὶ μὴ θέλων αὐτὴν δειγματίσαι, ἐβουλήθη λάθρᾳ ἀπολῦσαι αὐτήν. **20** ταῦτα δὲ αὐτοῦ ἐνθυμηθέντος ἰδοὺ ἄγγελος κυρίου κατ' ὄναρ ἐφάνη αὐτῷ λέγων, Ἰωσὴφ υἱὸς Δαυείδ, μὴ φοβηθῇς παραλαβεῖν Μαρίαμ τὴν γυναῖκά σου, τὸ γὰρ ἐν αὐτῇ γεννηθὲν ἐκ πνεύματός ἐστιν ἁγίου· **21** τέξεται δὲ υἱὸν καὶ καλέσεις τὸ ὄνομα αὐτοῦ Ἰησοῦν, αὐτὸς γὰρ σώσει τὸν λαὸν αὐτοῦ ἀπὸ τῶν ἁμαρτιῶν αὐτῶν. **22** τοῦτο δὲ ὅλον γέγονεν ἵνα πληρωθῇ τὸ ῥηθὲν ὑπὸ κυρίου διὰ τοῦ προφήτου λέγοντος, **23** ἰδοὺ ἡ παρθένος ἐν γαστρὶ ἕξει καὶ τέξεται υἱόν, καὶ καλέσουσιν τὸ ὄνομα αὐτοῦ Ἐμμανουήλ, ὅ ἐστιν μεθερμηνευόμενον μεθ' ἡμῶν ὁ θεός. **24** ἐγερθεὶς δὲ Ἰωσὴφ ἀπὸ τοῦ ὕπνου ἐποίησεν ὡς προσέταξεν

Κατα Ματθαιον

1 Βίβλος γενέσεως Ἰησοῦ Χριστοῦ, υἱοῦ Δαυίδ, υἱοῦ Ἀβραάμ. **2** Ἀβραὰμ ἐγέννησε τὸν Ἰσαάκ· Ἰσαὰκ δὲ ἐγέννησε τὸν Ἰακώβ· Ἰακὼβ δὲ ἐγέννησε τὸν Ἰούδαν καὶ τοὺς ἀδελφοὺς αὐτοῦ· **3** Ἰούδας δὲ ἐγέννησε τὸν Φαρὲς καὶ τὸν Ζαρὰ ἐκ τῆς Θάμαρ· Φαρὲς δὲ ἐγέννησε τὸν Ἑσρώμ· Ἑσρὼμ δὲ ἐγέννησε τὸν Ἀράμ· **4** Ἀρὰμ δὲ ἐγέννησε τὸν Ἀμιναδάβ· Ἀμιναδὰβ δὲ ἐγέννησε τὸν Ναασσών· Ναασσὼν δὲ ἐγέννησε τὸν Σαλμών· **5** Σαλμὼν δὲ ἐγέννησε τὸν Βοὸζ ἐκ τῆς Ῥαχάβ· Βοὸζ δὲ ἐγέννησε τὸν Ὠβὴδ ἐκ τῆς Ῥούθ· Ὠβὴδ δὲ ἐγέννησε τὸν Ἰεσσαί· **6** Ἰεσσαὶ δὲ ἐγέννησε τὸν Δαυὶδ τὸν βασιλέα. Δαυὶδ δὲ ὁ βασιλεὺς ἐγέννησε τὸν Σολομῶνα ἐκ τῆς τοῦ Οὐρίου· **7** Σολομὼν δὲ ἐγέννησε τὸν Ῥοβοάμ· Ῥοβοὰμ δὲ ἐγέννησε τὸν Ἀβιά· Ἀβιὰ δὲ ἐγέννησε τὸν Ἀσά· **8** Ἀσὰ δὲ ἐγέννησε τὸν Ἰωσαφάτ· Ἰωσαφὰτ δὲ ἐγέννησε τὸν Ἰωράμ· Ἰωρὰμ δὲ ἐγέννησε τὸν Ὀζίαν· **9** Ὀζίας δὲ ἐγέννησε τὸν Ἰωάθαμ· Ἰωάθαμ δὲ ἐγέννησε τὸν Ἄχαζ· Ἄχαζ δὲ ἐγέννησε τὸν Ἑζεκίαν· **10** Ἑζεκίας δὲ ἐγέννησε τὸν Μανασσῆ· Μανασσῆς δὲ ἐγέννησε τὸν Ἀμών· Ἀμὼν δὲ ἐγέννησε τὸν Ἰωσίαν· **11** Ἰωσίας δὲ ἐγέννησε τὸν Ἰεχονίαν καὶ τοὺς ἀδελφοὺς αὐτοῦ, ἐπὶ τῆς μετοικεσίας Βαβυλῶνος. **12** Μετὰ δὲ τὴν μετοικεσίαν Βαβυλῶνος, Ἰεχονίας ἐγέννησε τὸν Σαλαθιήλ· Σαλαθιὴλ δὲ ἐγέννησε τὸν Ζοροβάβελ· **13** Ζοροβάβελ δὲ ἐγέννησε τὸν Ἀβιούδ· Ἀβιοὺδ δὲ ἐγέννησε τὸν Ἐλιακείμ· Ἐλιακεὶμ δὲ ἐγέννησε τὸν Ἀζώρ· **14** Ἀζὼρ δὲ ἐγέννησε τὸν Σαδώκ· Σαδὼκ δὲ ἐγέννησε τὸν Ἀχείμ· Ἀχεὶμ δὲ ἐγέννησε τὸν Ἐλιούδ· **15** Ἐλιοὺδ δὲ ἐγέννησε τὸν Ἐλεάζαρ· Ἐλεάζαρ δὲ ἐγέννησε τὸν Ματθάν· Ματθὰν δὲ ἐγέννησε τὸν Ἰακώβ· **16** Ἰακὼβ δὲ ἐγέννησε τὸν Ἰωσὴφ τὸν ἄνδρα Μαρίας, ἐξ ἧς ἐγεννήθη Ἰησοῦς, ὁ λεγόμενος Χριστός. **17** Πᾶσαι οὖν αἱ γενεαὶ ἀπὸ Ἀβραὰμ ἕως Δαυὶδ γενεαὶ δεκατέσσαρες· καὶ ἀπὸ Δαυὶδ ἕως τῆς μετοικεσίας Βαβυλῶνος, γενεαὶ δεκατέσσαρες· καὶ ἀπὸ τῆς μετοικεσίας Βαβυλῶνος ἕως τοῦ Χριστοῦ, γενεαὶ δεκατέσσαρες. **18** Τοῦ δὲ Ἰησοῦ Χριστοῦ ἡ γέννησις οὕτως ἦν· μνηστευθείσης γὰρ τῆς μητρὸς αὐτοῦ Μαρίας τῷ Ἰωσήφ, πρὶν ἢ συνελθεῖν αὐτούς, εὑρέθη ἐν γαστρὶ ἔχουσα ἐκ Πνεύματος Ἁγίου. **19** Ἰωσὴφ δὲ ὁ ἀνὴρ αὐτῆς, δίκαιος ὢν, καὶ μὴ θέλων αὐτὴν παραδειγματίσαι, ἐβουλήθη λάθρᾳ ἀπολῦσαι αὐτήν. **20** Ταῦτα δὲ αὐτοῦ ἐνθυμηθέντος, ἰδού, ἄγγελος Κυρίου κατ᾽ ὄναρ ἐφάνη αὐτῷ, λέγων, Ἰωσήφ, υἱὸς Δαυίδ, μὴ φοβηθῇς παραλαβεῖν Μαριὰμ τὴν γυναῖκά σου· τὸ γὰρ ἐν αὐτῇ γεννηθὲν ἐκ Πνεύματός ἐστιν Ἁγίου. **21** Τέξεται δὲ υἱόν, καὶ καλέσεις τὸ ὄνομα αὐτοῦ Ἰησοῦν· αὐτὸς γὰρ σώσει τὸν λαὸν αὐτοῦ ἀπὸ τῶν ἁμαρτιῶν αὐτῶν. **22** Τοῦτο δὲ ὅλον γέγονεν, ἵνα πληρωθῇ τὸ ῥηθὲν ὑπὸ τοῦ Κυρίου διὰ τοῦ προφήτου, λέγοντος, **23** Ἰδού, ἡ παρθένος ἐν γαστρὶ ἕξει καὶ τέξεται υἱόν, καὶ καλέσουσι τὸ ὄνομα αὐτοῦ Ἐμμανουήλ, ὅ ἐστι μεθερμηνευόμενον, Μεθ᾽ ἡμῶν ὁ Θεός. **24** Διεγερθεὶς δὲ ὁ Ἰωσὴφ ἀπὸ τοῦ ὕπνου, ἐποίησεν ὡς προσέταξεν αὐτῷ ὁ ἄγγελος Κυρίου· καὶ παρέλαβε τὴν γυναῖκα

માથ્થી

૧ ઈસુ ખ્રિસ્ત જે ઇબ્રાહિમનાં દીકરા, જે દાઉદના દીકરા, તેમની
વંશાવળી. **૨** ઇબ્રાહિમ ઇસહાકનો પિતા, ઇસહાક યાકૂબનો
પિતા, યાકૂબ યહૂદા તથા તેના ભાઈઓનો પિતા, **૩** યહૂદા તથા
તામારથી થયેલા પેરેસ અને ઝેરાહ, પેરેસ હેસ્રોનનો પિતા, હેસ્રોન
આરામનો પિતા. **૪** આરામ આમ્મીનાદાબનો પિતા, આમ્મીનાદાબ
નાહશોનનો પિતા, નાહશોન સલ્મોનનો પિતા, **૫** સલ્મોન બોઆઝનો
પિતા અને રાહાબ તેની માતા, બોઆઝ ઓબેદનો પિતા અને
રૂથ તેની માતા, ઓબેદ યિશાઇનો પિતા અને **૬** યિશાઇ દાઉદ
રાજાનો પિતા હતો. દાઉદ સુલેમાનનો પિતા હતો જેની મા પહેલા
ઉરિયાની પત્ની હતી. **૭** સુલેમાન રહાબામનો પિતા, રહાબામ
અબિયાનો પિતા, અબિયા આસાનો પિતા, **૮** આસા યહોશાફાટનો
પિતા, યહોશાફાટ યોરામનો પિતા, યોરામ ઉઝિયાનો પિતા હતો.
૯ ઉઝિયા યોથામનો પિતા, યોથામ આહાઝનો પિતા, આહાઝ
હિઝકિયાનો પિતા, **૧૦** હિઝકિયા મનાશ્શાનો પિતા, મનાશ્શા
આમોનનો પિતા, આમોન યોશિયાનો પિતા, અને **૧૧** બાબિલના
બંદીવાસને સમયે યોશિયા યખોન્યા તથા તેના ભાઈઓનો પિતા હતો.
૧૨ અને બાબિલના બંદીવાસ પછી, યખોન્યા શાલ્તીએલનો પિતા,
શાલ્તીએલ ઝરુબ્બાબેલનો પિતા, **૧૩** ઝરુબ્બાબેલ અબીઉદનો
પિતા, અબીઉદ એલિયાકીમનો પિતા, એલિયાકીમ આઝોરનો પિતા,
૧૪ આઝોર સાદોકનો પિતા, સાદોક આખીમનો પિતા, આખીમ
અલિયુદનો પિતા. **૧૫** અલિયુદ એલાઝારનો પિતા, એલાઝાર
મથ્થાનનો પિતા, મથ્થાન યાકૂબનો પિતા, અને **૧૬** યાકૂબ યૂસફનો
પિતા, યૂસફ જે મરિયમનો પતિ હતો; અને મરિયમથી ઈસુ જે ખ્રિસ્ત
કહેવાય છે તે જનમ્યાં. **૧૭** ઇબ્રાહિમથી દાઉદ સુધી બધી મળીને
ચૌદ પેઢી થઈ, દાઉદથી બાબિલના બંદીવાસ સુધી ચૌદ પેઢી, અને
બાબિલના બંદીવાસથી ખ્રિસ્તનાં સમય સુધી ચૌદ પેઢી થઈ. **૧૮**
ઈસુ ખ્રિસ્તનો જન્મ આ પ્રમાણે થયો. તેમની મા મરિયમની સગાઇ
યૂસફ સાથે થયા પછી, તેઓનો શારીરિક સંબંધ થયા અગાઉ તે
પવિત્ર આત્માથી ગર્ભવતી થયેલી જણાઇ. **૧૯** તેનો પતિ યૂસફ એક
પ્રામાણિક માણસ હતો, પણ તે જાહેરમાં તેનું અપમાન કરવા ન
ચાહતો હતો. તેથી તેણે ગુપ્ત રીતે તેની સાથે સગાઇ તોડી નાખવાનો
નિર્ણય કર્યો. **૨૦** જયારે તે એ બાબત વિશે વિચારતો હતો, ત્યારે
પ્રભુનો દૂત તેને સ્વપ્નમાં દેખાયો અને કહ્યું કે, “યૂસફ, દાઉદના
દીકરા, તું તારી પત્ની મરિયમને તેડી લાવવાને બીશ નહિ; કેમ કે તેના
ગર્ભમાં જે બાળક છે તે પવિત્ર આત્માથી છે. **૨૧** તેને દીકરો થશે અને
તું તેમનું નામ ઈસુ પાડશે, કેમ કે તે પોતાના લોકોને તેઓનાં પાપથી
ઉદ્ધાર કરશે.” **૨૨** હવે એ બધું એ માટે થયું કે, પ્રભુએ પ્રબોધક
દ્વારા જે કહ્યું હતું તે પૂરું થાય, એટલે, **૨૩** “જુઓ, કુંવારી ગર્ભવતી
થશે, તેને દીકરો થશે અને તેનું નામ તેઓ ઇમ્માનુએલ પાડશે, જેનો
અર્થ એ છે કે, ‘ઈશ્વર આપણી સાથે.” **૨૪** ત્યારે યૂસફે ઊંઘમાંથી
ઊઠીને જેમ પ્રભુના સ્વર્ગદૂતે તેને આજ્ઞા આપી હતી તેમ કર્યું; તે
પોતાની પત્નીને તેડી લાવ્યો. **૨૫** મરિયમને દીકરો થયો ત્યાં સુધી
યૂસફે મરિયમની સાથે શારીરિક સંબંધ કર્યો નહિ; અને તેણે તેમનું
નામ ઈસુ પાડ્યું.

૨ હેરોદ રાજાના સમયમાં યહૂદિયાના બેથલેહેમમાં ઈસુ જનમ્યાં
ત્યારે, જ્ઞાની માણસોએ પૂર્વથી યરુશાલેમમાં આવીને પૂછ્યું કે,
૨ “જે બાળક જેનો જન્મ થયો છે, જે યહૂદીઓના રાજા છે, તે ક્યાં
છે? કેમ કે પૂર્વમાં તેમનો તારો જોઈને, અમે તેમનું ભજન કરવાને
આવ્યા છીએ.” **૩** એ સાંભળીને હેરોદ રાજા ગભરાયો અને તેની
સાથે આખું યરુશાલેમ પણ ગભરાયું. **૪** ત્યાર પછી હેરોદ રાજાએ
સર્વ મુખ્ય યાજકોને તથા શાસ્ત્રીઓને એકત્ર કરીને તેઓને પૂછ્યું
કે, “ખ્રિસ્તનો જન્મ ક્યાં થવો જોઈએ?” **૫** તેઓએ તેને જવાબ
આપ્યો કે, “યહૂદિયાના બેથલેહેમમાં, કેમ કે પ્રબોધકે એમ લખ્યું છે
કે, **૬** ‘ઓ યહૂદિયા દેશના બેથલેહેમ, તું યહૂદિયાના સૂબાઓમાં
કોઇ પ્રકારે સર્વથી નાનું નથી, કેમ કે તારામાંથી એક અધિપતિ
નીકળશે, જે મારા ઇઝરાયલી લોકોના પાળક થશે.’” **૭** ત્યારે હેરોદ
રાજાએ તે જ્ઞાનીઓને ગુપ્તમાં બોલાવીને, તારો કયા સમયે દેખાયો,
તે વિષે તેઓ પાસેથી ચોકસાઈથી ખબર મેળવી. **૮** તેણે તેઓને
બેથલેહેમમાં મોકલતાં કહ્યું કે, “તમે જઈને તે બાળક સંબંધી સારી
રીતે શોધ કરો અને જયારે તમને મળશે ત્યાર પછી મને જણાવો, એ
માટે કે હું પણ આવીને તે બાળકનું ભજન કરું.” **૯** તેઓ રાજાનું
કહેવું સાંભળીને ગયા અને જે તારો તેઓએ પૂર્વમાં જોયો હતો તે
તેઓની આગળ ચાલતો ગયો અને જ્યાં બાળક હતો તે જગ્યા
પર આવીને અટકી ગયો. **૧૦** તેઓ તારાને જોઈને ઘણા આનંદથી
હરખાયા. **૧૧** ઘરમાં જઈને તેઓએ બાળકને તેની મા મરિયમની
પાસે જોયું; પગે પડીને તેનું ભજન કર્યું. પછી તેઓએ પોતાની ઝોળી
ખોલીને સોનું, લોબાન તથા બોળનું તેમને નજરાણું કર્યું. **૧૨** હેરોદ
પાસે પાછા જવું નહિ, એવી ચેતવણી સ્વપ્નમાં મળ્યાથી તેઓ બીજે
માર્ગે પોતાના દેશમાં પાછા ગયા. **૧૩** તેઓના પાછા ગયા પછી,
પ્રભુના સ્વર્ગદૂતે સ્વપ્નમાં યૂસફને કહ્યું કે, “ઊઠ, બાળક તથા તેની
માને લઈને મિસરમાં નાસી જા. હું તને કહું ત્યાં સુધી ત્યાં જ રહેજે,
કેમ કે બાળકને મારી નાખવા સારુ હેરોદ તેની શોધ કરવાનો છે.”
૧૪ તે રાત્રે યૂસફ ઊઠીને બાળક તથા તેની માને લઈને મિસરમાં
ગયો. **૧૫** અને હેરોદના મરણ સુધી ત્યાં રહ્યો, એ માટે કે પ્રભુએ
પ્રબોધક દ્વારા જે કહ્યું હતું તે પૂરું થાય કે, “મિસરમાંથી મેં મારા
દીકરાને બોલાવ્યો.” **૧૬** જયારે હેરોદને માલૂમ પડ્યું કે જ્ઞાનીઓએ
તેને છેતર્યો છે, ત્યારે તે ઘણો ગુસ્સે થયો અને માણસો મોકલીને જે
વેળા સંબંધી તેણે જ્ઞાનીઓની પાસેથી ચોકસાઈથી ખબર મેળવી
હતી, તે વેળા પ્રમાણે બે વર્ષનાં તથા તેથી નાનાં સર્વ નર બાળકો
જેઓ બેથલેહેમમાં તથા તેના આસપાસના વિસ્તારમાં હતાં, તેઓને
મારી નંખાવ્યાં. **૧૭** ત્યારે યર્મિયા પ્રબોધકે જે કહ્યું હતું તે પૂરું થયું
કે, **૧૮** “રામાની સ્ત્રીઓ રુદન તથા મોટા વિલાપ કરે છે. એટલે તે
સ્ત્રીઓની પૂર્વજ રાહેલ પોતાનાં બાળકો માટે રડે છે પણ દિલાસો
પામવા ઇચ્છતી નહોતી, કેમ કે તેના સંતાન રહ્યાં ન હતા.” **૧૯**
હેરોદના મરણ પછી, પ્રભુના સ્વર્ગદૂતે મિસરમાં યૂસફને સ્વપ્નમાં
આવીને કહ્યું કે, **૨૦** “ઊઠ, બાળક તથા તેની માને લઈને ઇઝરાયલ
દેશમાં જા કેમ કે જેઓ બાળકનો જીવ લેવા ઇચ્છતા હતા, તેઓ
મૃત્યુ પામ્યા છે.” **૨૧** ત્યારે યૂસફ બાળક તથા તેની માને લઈને
ઇઝરાયલ દેશમાં આવ્યો. **૨૨** પણ આર્ખિલાઉસ પોતાના પિતા
હેરોદને સ્થાને યહૂદિયામાં રાજ કરે છે, એ સાંભળીને તે ત્યાં જતા
ગભરાયો. તોપણ સ્વપ્નમાં ચેતવણી પામીને ગાલીલના પ્રાંત તરફ

Matye

1 Men non zansèt Jezikri ki te pitit pitit David, pitit pitit Abraram. **2** Abraram te papa Izarak; Izarak te papa Jakòb; Jakòb te papa Jida ak lòt frè l' yo. **3** Jida menm te papa Perèz ak Zara. Se Tama ki te manman yo. Perèz te papa Eswòm; Eswòm te papa Aram. **4** Aram te papa Amenadab; Amenadab te papa Naason; Naason te papa Salmon. **5** Salmon te papa Boaz. Se Raab ki te manman Boaz. Boaz te papa Obèd. Se Rit ki te manman Obèd. **6** Obèd te papa Izayi, Izayi te papa wa David. David te papa Salomon. Se Madan Ouri ki te manman Salomon. **7** Salomon te papa Woboram; Woboram te papa Abya; Abya te papa Asa. **8** Asa te papa Jozafa; Jozafa te papa Joram; Joram te papa Ozyas; **9** Ozyas te papa Joatam; Joatam te papa Akaz; Akaz te papa Ezekyas; **10** Ezekyas te papa Manase; Manase te papa Amon; Amon te papa Jozyas; **11** Jozyas te papa Jekonyas ak lòt frè l' yo. Se lè sa a yo te depòte moun pèp Izrayèl yo, yo mennen yo ale lavil Babilòn. **12** Apre yo te fin mennen yo ale lavil Babilòn, Jekonyas te fè Salatyèl. Salatyèl te papa Zowobabèl; **13** Zowobabèl te papa Abiyoud; Abiyoud te papa Elyakim; Elyakim te papa Azò; **14** Azò te papa Sadòk; Sadòk te papa Akim; Akim te papa Eliyoud; **15** Eliyoud te papa Eleaza; Eleaza te papa Matan; Matan te papa Jakòb; **16** Jakòb te papa Jozèf. Se Jozèf sa a ki te marye ak Mari, manman Jezi yo rele Kris la. **17** Konsa, pran depi Abraram jouk nou rive sou David, te gen antou katòz jenerasyon papa ak pitit. Pran depi David jouk nou rive lè yo te depòte pèp Izrayèl la ale lavil Babilòn, te gen antou katòz jenerasyon papa ak pitit. Pran depi lè yo te depòte pèp la jouk nou rive sou Kris la, te gen katòz jenerasyon papa ak pitit tou. **18** Men ki jan Jezikri te fèt. Mari, manman Jezi, te fiyanse avèk Jozèf. Anvan menm yo te antre nan kay ansanm, Mari vin twouve l' ansent pa pouvwa Sentespri. **19** Jozèf, fiyanse l' la, te yon nonm debyen. Li pa t' vle fè eskandal ak sa. Li te vle kase fiyansaj la san bri san kont. **20** Li t'ap kalkile sou jan li tapral fè sa lè li wè yon zanj Bondye parèt devan li nan dòmi. Zanj lan di li: Jozèf, pitit pitit David, ou pa bezwen pè pran Mari pou madanm ou. Paske, pitit l'ap pote a se travay Sentespri. **21** Li pral fè yon pitit gason. Wa rele l' Jezi. Se li menm ki pral delivre pèp li a anba peche l' yo. **22** Tou sa pase konsa pou pawòl Bondye te mete nan bouch pwofèt la te ka rive vre. Men sa l' te di: **23** Men li, jenn fi a pral ansent, li pral fè yon pitit gason. y'a rele l' Emannwèl. (Non sa a vle di: Bondye avèk nou.) **24** Lè Jozèf leve nan dòmi an, li fè tou sa zanj Bondye a te di l' fè: li pran madanm li lakay li. **25** Men, Jozèf pa t' kouche ak Mari, jouk lè li te fin akouche yon ti gason. Jozèf te rele pitit la Jezi.

2 Jezi te fèt lavil Betleyèm nan peyi Jide, sou tan wa Ewòd. Apre li te fèt, kèk nèg save ki konn etidye zetwal yo soti nan peyi solèy leve, yo rive lavil Jerizalèm. **2** Yo t'ap mande: Kote wa jwif ki fenk fèt la? Nou wè zetwal li parèt depi nan peyi nou an, nou vin adore li. **3** Lè wa Ewòd pran nouvèl la, sa te boulvèse tèt li. Sa te boulvèse tout moun lavil Jerizalèm yo tou. **4** Ewòd reyini tout chèf prèt yo ansanm ak direktè lalwa yo ki t'ap dirije pèp jwif la. Li mande yo: Ki kote Kris la gen pou l' fèt? **5** Yo reponn li: Se lavil Betleyèm nan peyi Jide li gen pou l' fèt. Paske, men sa pwofèt la te ekri: **6** Ou menm, Betleyèm, ki bati sou tè Jida a, pawòl sèten: se pa ou ki pi piti nan tout lavil peyi Jida yo. Paske, gen yon chèf ki gen pou soti lakay ou. Se li menm ki va kondi moun Izrayèl yo, pèp mwen an. **7** Se konsa, Ewòd fè nèg save yo vin jwenn li an kachèt. Li mande yo kilè egzakteman zetwal la te parèt. **8** Apre sa, li voye yo ale Betleyèm. Li di yo: Ale non! Chache konnen tout bagay sou ti pitit la. Lè n'a jwenn li, fè m' konnen pou m' sa kapab al adore l', mwen menm tou. **9** Apre wa a te fin di yo sa, nèg save yo pati. Lè sa a, zetwal yo te wè nan peyi solèy leve a parèt devan yo ankò. Li t'ap mache devan yo. Zetwal la kontinye konsa jouk li rive sou tèt kay kote ti pitit la te ye a. Epi l' rete. **10** Lè yo te wè zetwal la, yo pa t' manke kontan. **11** Yo antre nan kay la, yo wè ti pitit la ansanm ak Mari, manman li. Yo mete ajenou devan l', yo adore l'. Apre sa, yo louvri sak yo, yo ba li anpil kado: te gen lò, lansan ak lami. **12** Apre sa, Bondye pale ak nèg save yo nan dòmi, li avèti yo pou yo pa tounen bò kote Ewòd ankò. Se konsa mesye yo fè yon lòt wout pou yo tounen al nan peyi yo. **13** Lè nèg save yo fin ale, yon zanj Bondye parèt devan Jozèf nan dòmi. Zanj lan di l' konsa: Leve non, pran ti pitit la ansanm ak manman l'. Sove ale nan peyi Lejip. Wa rete la jouk lè m'a di ou pou ou tounen. Paske, Ewòd pral chache touye ti pitit la. **14** Jozèf leve nan mitan lannwit lan, li pran ti pitit la ansanm ak manman l'. Li pati, li ale nan peyi Lejip. **15** Jozèf rete la jouk lè Ewòd mouri. Se konsa, pawòl Bondye te mete nan bouch pwofèt la te rive vre. Li te di: Mwen rele pitit mwen, mwen fè l' soti kite peyi Lejip. **16** Lè Ewòd wè nèg save yo te pase l' nan jwèt, li fè yon gwo kòlè. Li bay lòd touye tout ti pitit gason ki te nan lavil Betleyèm ak nan tout vwazinaj la, depi sa ki te fèk fèt jouk sa ki te gen dezan, dapre dat nèg save yo te ba li a. **17** Se konsa, pawòl pwofèt Jeremi te di a rive vre: **18** Yo tande yon rèl nan lavil Rama. Yo tande kriye ak gwo anmwe. Se Rachèl k'ap kriye pou pitit li yo. Li pa vle pesonn ba li kouraj, paske pitit li yo mouri. **19** Apre Ewòd mouri, yon zanj Bondye parèt devan Jozèf nan dòmi, antan l' nan peyi Lejip la. **20** Zanj lan di l': Leve non, pran ti pitit la ansanm ak manman l', tounen nan peyi Izrayèl la. Paske, moun ki te vle touye ti pitit la, yo mouri. **21** Lamenm Jozèf leve, li pran ti pitit la ansanm ak manman l', li tounen nan peyi Izrayèl la. **22** Men, lè Jozèf vin konnen se Akelayis ki t'ap gouvènen peyi Jide a nan plas Ewòd, papa l', Jozèf te pè ale la. Bondye pale avè l' ankò nan dòmi. Lè sa a, li pati, li ale nan peyi Galile. **23** Li vin rete nan yon vil yo rele Nazarèt. Se konsa, pawòl pwofèt yo te di a rive vre: y'a rele l' moun Nazarèt.

Matye

1 Rejis a zansèt Jésus Kris yo, fis a David, fis a Abraham nan. **2** Abraham te papa Isaac. Isaac te fè Jacob. Jacob te papa Juda ak lòt frè l yo. **3** Juda te papa Pharès avèk Zara pa Thamar, Pharès te papa Esrom, epi Esrom te papa a Ram. **4** Ram te papa Aminadab. Aminadab te papa Naasson. Naasson te papa Salmon. **5** Salmon e Rehab te fè Boaz. Boaz te papa Obed pa Ruth; Obed te papa Isaï. **6** Epi Isaï te bay nesans a David, wa a. David te fè Salomon pa Bathshéba ki te madanm a Urie. **7** Salomon te fè Roboam. Roboam fè Abia, e pa Abia, Asa. **8** Asa te fè Josaphat, e pa Josaphat, Joram. Pa Joram, Ozias; **9** Pou Ozias te fèt Jotham; e a Jotham, Achaz; a Achaz, Ézéchias; **10** epi pa Ézéchias te fèt Manassé; e a Manassé, Amon; e pa Amon Josias; **11** Josias te fè Jéchonias ak frè li yo nan tan depòtasyon Babylone nan. **12** Aprè depòtasyon Babylone nan, Jéchonias te fè Salathiel; e pa Salathiel, Zorobabel. **13** A Zorobabel te fèt Abiud; e a Abiud, Eliakim, e a Eliakim, Azor. **14** Pou Azor te vin fèt Sadok, e a Sadok, Achim, e a Achim, Éliud. **15** A Éliud te vin fèt Éléazar. Éléazar te fè Matthan, e pou Matthan, Jacob. **16** Jacob te fè Joseph, mari a Marie a, manman a Jésus ke yo rele Kris la. **17** Konsa, tout jenerasyon yo soti nan Abraham jiska David se katòz jenerasyon epi kite David pou rive nan depòtasyon Babylone nan, se katòz jenerasyon. E poukite depòtasyon Babylone nan pou rive a Kris La, se katòz jenerasyon. **18** Nesans a Jésus, Kris la te fèt konsa: Lè manman Li, Marie, te fiyanse ak Joseph, avan ke yo te vini ansanm, li te twouve ansent pa Lespri Sen an. **19** Konsa, Joseph, mari li, ki te yon nonm dwat, pa t vle fè l wont. Pou sa a, li te pran desizyon pou mete l sou kote an sekrè. **20** Men pandan li t ap anvizaje sa, konsa, yon zanj Bondye te parèt devan li nan yon rèv epi te di l konsa: “Joseph, fis a David la, ou pa bezwen pè pran Marie kon madanm ou; pwiske sa ki gen tan plase nan vant li an, soti nan Lespri Sen an. **21** Li va fè yon fis, epi ou va rele li Jésus paske se Li menm ki va sove pèp li a de peche yo.” **22** Tout sa te fèt pou akonpli sa ki te pale pa Senyè a, atravè pwofèt yo; **23** “Koute byen, vyèj la va vin ansent e l ap fè yon gason. Y ap nonmen li Emmanuel”, ki tradwi vle di “Bondye Avèk Nou”. **24** Konsa, Joseph te leve nan dòmi. Li te fè sa ke zanj Senyè a te mande l fè a, e te pran li pou madanm li. **25** Li te kenbe l kon yon vyèj jiskaske li te fin fè gason an, epi li te rele li Jésus.

2 Aprè Jésus te fin fèt Bethléem nan peyi Judée pandan Hérode te wa, konsa yon ekip mesye saj ki sòti nan lès te rive Jérusalem pou mande; **2** “Kote sila ki fèt Wa a Jwif yo a? Nou gen tan wè zetwal Li nan pati lès la, e nou vini pou adore Li.” **3** Lè Hérode te tande sa, li te vin twouble, e tout Jérusalem avèk li. **4** Li te rasanble tout chèf prèt yo avèk skrib a pèp la, e te kòmanse mande yo kote Kris la t ap fèt la. **5** Yo te di li: “Nan Bethléem a Judée jan li te ekri pa pwofèt la”; **6** “E ou menm, Bethléem, peyi Judée, ou pa manke valè pami chèf Judée yo: paske yon Gran Chèf k ap sòti nan ou menm, Li va vin yon bèje pou pèp Mwen an, Israël”. **7** Konsa, Hérode te rele mesye saj yo an sekrè pou fè yon ankèt egzakt pou konnen kilè zetwal la te parèt la. **8** Li te voye yo Bethléem e li te di yo: “Ale Chèche pou twouve Pitit la, e lè nou jwenn li, voye di m sa, pou m ka ale adore Li tou.” **9** Lè yo fin tande wa a, yo ale fè wout yo, e konsa zetwal la ke yo te wè nan lès la, te ale devan yo jiskaske li te vin kanpe kote menm ke Pitit la te ye a. **10** Lè yo te wè zetwal la, yo te rejwi anpil avèk anpil jwa. **11** Yo te ale nan kay la e te wè Pitit la avèk Marie, manman Li. Yo te pwostène devan Li pou te adore L. Yo te ouvri trezò yo e te prezante L kòm kado, lò, lansan, ak lami. **12** Men akoz ke yo te avèti nan yon rèv ke yo pa t dwe retounen kote Hérode, yo te ale nan peyi yo pa yon lòt wout. **13** Lè yo fin pati, lapoula yon zanj Bondye te vin parèt a Joseph nan yon rèv. Li te di l: “Leve pran Pitit la avèk manman L epi kouri ale an Égypte. Rete la jiskaske mwen di ou, paske Hérode ap chèche Zanfan sila a pou l ka detwi L.” **14** Joseph te leve pran Pitit la avèk manman L pandan nwit lan pou te ale an Égypte. **15** Li te rete la jiskaske Hérode te mouri. Sa te fèt pou akonpli sa Senyè a te pale pa pwofèt la pou li ta kapab akonpli lè l te di: “Pou soti an Égypte, Mwen te rele Fis Mwen an”. **16** Lè Hérode te vin wè ke li te twonpe pa mesye saj yo, li te vin anraje. Konsa, li te voye touye tout ti gason mwens ke de zan nan tout anviwon Bethléem nan, selon tan li te vin konprann pa mesye saj yo. **17** Konsa, sa ki te pale pa pwofèt Jérémie an te vin akonpli lè l te di konsa: **18** “Yon vwa te tande nan Rama; yo te kriye e fè gwo lamantasyon. Rachel ki t ap kriye pou Pitit li yo; li te refize konsole, paske yo pa t la ankò.” **19** Men lè Hérode te vin mouri, yon zanj te parèt an Égypte pou di Joseph nan yon rèv: **20** “Leve, pran Pitit la avèk manman L pou ale nan peyi Israël, paske sila yo ki t ap chèche touye Pitit la gen tan mouri.” **21** Konsa Joseph te leve pran Pitit la avèk manman L, e te ale nan peyi Israël. **22** Men lè li tande ke Archélaüs te gwo chèf nan Judée nan plas papa li, Hérode, li te pè ale la. Lè li te fin avèti pa Bondye nan yon rèv, li te sòti la, e te ale nan anviwon Galilée yo. **23** Li te vin rete nan yon vil yo

मत्ती

1 ये यीशु मसीह के पूर्वजां के नाम सै। वो राजा दाऊद का
वंशज था, अर राजा दाऊद अब्राहम का वंशज था। **2**
अब्राहम का बेट्टा इसहाक था, अर इसहाक का बेट्टा याकूब था,
फेर याकूब तै यहूदा अर उसके भाईयाँ का जन्म होया। **3** यहूदा
के बेट्टे फिरिस अर जोरह थे। (फिरिस अर जोरह की माँ का
नाम तामार था।) फिरिस का बेट्टा हिस्रोन था। हिस्रोन का बेट्टा
एराम था, **4** एराम का बेट्टा अम्मीनादाब था। अम्मीनादाब तै
नहशोन, अर नहशोन तै सलमोन का जन्म होया, **5** सलमोन
का बेट्टा बोआज था। (बोआज की माँ का नाम राहाब था।)
बोआज अर रुत तै ओबेद का जन्म होया, अर ओबेद का बेट्टा
यिशै था। **6** अर यिशै का बेट्टा राजा दाऊद था। (राजा सुलैमान
दाऊद का बेट्टा था।) जो उस बिरबान्नी तै जन्मा था जो पैहले
उरिय्याह की घरआळी थी, **7** सुलैमान का बेट्टा रहबाम था। अर
रहबाम का बेट्टा अबिय्याह था। अर अबिय्याह तै आसा का
जन्म होया। **8** आसा का बेट्टा यहोशाफात था। फेर यहोशाफात
तै योराम अर योराम तै उज्जियाह का जन्म होया। **9** उज्जियाह
का बेट्टा योताम था अर योताम, आहाज का। फेर आहाज तै
हिजकिय्याह का जन्म होया। **10** हिजकिय्याह तै मनश्शिह
का जन्म होया। मनश्शिह का बेट्टा आमोन था, अर आमोन
तै योशिय्याह का जन्म होया।। **11** फेर इस्राएल के माणसां
नै कैदी बणाकै बेबीलोन देश ले जाण के बखत योशिय्याह तै
यकुन्याह, अर उसके भाईयाँ का जन्म होया। **12** बेबीलोन
देश म्ह पोहचाये जाये पाच्छै यकुन्याह तै शालतियेल का जन्म
होया, फेर शालतियेल तै जरुब्बाबिल का जन्म होया। **13**
जरुब्बाबिल तै अबीहूद का जन्म होया, अबीहूद तै एलयाकीम
का अर एलयाकीम तै अजोर का जन्म होया। **14** अजोर का बेट्टा
सदोक था। सदोक तै अखीम अर अखीम तै इलीहूद का जन्म
होया। **15** इलीहूद का बेट्टा इलियाजार था। अर इलियाजार
मत्तान का। मत्तान का बेट्टा याकूब था। **16** अर याकूब तै यूसुफ
का जन्म होया, जो मरियम का धणी था। अर मरियम तै यीशु
जो मसीह कुह्लावै सै, पैदा होया। **17** इस तरियां अब्राहम तै
दाऊद तक चौदहा पीढ़ी होई, अर दाऊद तै लेकै इस्राएलियाँ नै
कैदी बणाकै बेबीलोन देश भेज्जे जाण तक चौदहा पीढ़ी, अर
इस्राएलियाँ कैदी बणाकै बेबीलोन देश म्ह भेज्जे जाण कै बखत
तै मसीह तक चौदहा पीढ़ी और होई। **18** यीशु मसीह का जन्म
इस तरियां होया, कै जिब उसकी माँ मरियम की सगाई यूसुफ
कै गैल होग्यी, तो उनका ब्याह होण तै पैहल्याए बेरा पाट्या
के वा पवित्र आत्मा की शक्ति तै गर्भवती सै। **19** पर उसका
धणी यूसुफ जो एक धर्मी माणस था, उसनै बदनाम न्ही करणा
चाहवै था, इस खात्तर उस ताहीं चुपके तै छोड़ण का विचार
करया। **20** जिब वो इन बात्तां नै सोच्चै ए था तो परमेसवर का
सुर्गदूत उसनै सपनै म्ह आकै कहण लाग्या, "हे यूसुफ! दाऊद
के वंशज, तू अपणी घरआळी मरियम नै अपणे उरै ल्याण तै ना
डरै, क्यूँके जो उसकी कोख म्ह सै, वो पवित्र आत्मा की ओड़ तै
सै। **21** वो बेट्टा जाम्यैगी अर तू उसका नाम यीशु धरिये, क्यूँके
वो अपणे माणसां का उनकै पापां तै उद्धार करैगा।" **22** यो सारा
इस खात्तर होया के जो वचन प्रभु नै यशायाह नबी कै जरिये
कह्या था, वो पूरा हो **23** देक्खो एक कुँवारी गर्भवती होगी अर
एक छोरा जण्येगी, अर उसका नाम इम्मानुएल धरया जावैगा,
जिसका मतलब सै "परमेसवर म्हारै गैल सै।" **24** फेर यूसुफ
नींद तै जाग कै परमेसवर कै सुर्गदूत के हुकम कै मुताबिक
मरियम नै अपणी घरआळी बणाकै अपणे याड़ै ले आया। **25**
अर जिब ताहीं उसनै छोरा ना जण्या जिब तक यूसुफ उसकै
धोरै न्ही गया अर उसनै बाळक का नाम यीशु धरया।

2 हेरोदेस राजा जिब यहूदिया परदेस पै राज करण लागरया
था, तो उस परदेस के बैतलहम नगर म्ह यीशु का जन्म
होया। तो थोड़े बखत बाद कई विद्वान जो तारां का ज्ञान राक्खै
थे, पूरब तै यरुशलेम नगर म्ह आये। **2** वो आकै बुझ्झण
लाग्गे, यहूदियाँ का राजा जिसका जन्म होया सै, वो कित्त सै?
हमनै पूरब दिशा म्ह उसका तारा देख्या सै, जो उसके जन्म
के बारें म्ह बतावै सै, इस करकै हम उसकी आराधना करण
आये सां। **3** यो सुणकै हेरोदेस राजा अर उसकै गैल यरुशलेम
नगर के सारे लोग चिन्ता करण लाग्गै। **4** फेर उसनै माणसां
के सारे प्रधान याजकां अर शास्त्रियाँ ताहीं कठ्ठा करकै उनतै
बुझ्झया, के पवित्र ग्रन्थ के कहवै सै? "मसीह का जन्म कित्त
होणा चाहिये?" **5** उननै उस ताहीं कह्या, "यहूदिया परदेस के
बैतलहम नगर म्ह," क्यूँके नबियाँ कै जरिये योए पवित्र ग्रन्थ म्ह
लिख्या गया सै: **6** "हे बैतलहम नगर, तू जो यहूदा कै परदेस म्ह
सै, तू किसे भी ढाळ तै यहूदा कै अधिकारियां म्ह सारा तै छोट्टा
कोन्या। क्यूँके तेरे म्ह तै एक राजा लिकड़ैगा, जो मेरी प्रजा
इस्राएल की रुखाळी करैगा।" **7** हेरोदेस जाणणा चाहवै था के
उस बाळक की उम्र कितनी सै, इस करकै उसनै तारां का ज्ञान
राक्खण आळा ताहीं लुत्क्मा बुलाकै उनतै बुझ्झया के तारा
ठीक किस बखत दिख्या था। **8** अर राजा नै यो कहकै उन
ताहीं बैतलहम नगर भेज्जा, "जाओ, उस बाळक कै बारें म्ह
ठीक-ठाक बेरा पाड़ो, अर जिब वो मिल ज्या तो मन्नै खबर
द्यो, ताके मै भी आणकै उसकी आराधना करूँ।" **9** वे राजा
की बात सुणकै चले गए, अर जो तारा उननै पूरब दिशा म्ह
देख्या था, वो उनकै आग्गै-आग्गै चाल्या। अर जड़ै बाळक था,
उस घर कै उप्पर जाकै रुक ग्या। **10** उस तारे नै देखकै वे घणे
आनन्दित होए, जो उस घर के उप्पर रुक ग्या था। **11** उननै
उस घर म्ह जाकै उस बाळक ताहीं उसकी माँ मरियम कै गैल
देख्या, अर झुककै बाळक की आराधना करी, अर अपणा-
अपणा झोळा खोल कै उस ताहीं सोन्ना, लोबान, अर गन्धरस
की भेट चढ़ाई। **12** फेर सपनै म्ह परमेसवर नै या चेतावनी दी
के हेरोदेस राजा कै धोरै फेर ना जाइयो, वे राजा ताहीं बिना

Mattiyu

1 Tarihin da aka rubuta game da asalin Yesu
Kiristi ɗan Dawuda, ɗan Ibrahim. **2** Ibrahim ya
haifi Ishaku, Ishaku ya haifi Yaƙub, Yaƙub ya haifi
Yahuda da'yan'uwansa, **3** Yahuda ya haifi Ferez da
Zera, waɗanda Tamar ce mahaifiyarsu; Ferez ya
haifi Hezron, Hezron ya haifi Ram, **4** Ram ya haifi
Amminadab, Amminadab ya haifi Nashon, Nashon ya
haifi Salmon, **5** Salmon ya haifi Bowaz, wanda Rahab
ce mahaifiyarsa, Bowaz ya haifi Obed, wanda Rut
ce mahaifiyarsa, Obed ya haifi Yesse, **6** Yesse kuwa
ya haifi Sarki Dawuda. Dawuda ya haifi Solomon,
wanda matar Uriya ce mahaifiyarsa. **7** Solomon ya
haifi Rehobowam, Rehobowam ya haifi Abiya, Abiya
ya haifi Asa, **8** Asa ya haifi Yehoshafat, Yehoshafat ya
haifi Yehoram, Yehoram ya haifi Azariya, **9** Azariya
ya haifi Yotam, Yotam ya haifi Ahaz, Ahaz ya haifi
Hezekiya, **10** Hezekiya ya haifi Manasse, Manasse
ya haifi Amon, Amon ya haifi Yosiya, **11** Yosiya
kuma ya haifi Yekoniya da'yan'uwansa a lokacin
da aka kwashe su zuwa bauta a Babilon. **12** Bayan
an kwashe su zuwa bauta a Babilon. Yekoniya ya
haifi Sheyaltiyel, Sheyaltiyel ya haifi Zerubbabel, **13**
Zerubbabel ya haifi Abiyud, Abiyud ya haifi Eliyakim,
Eliyakim ya haifi Azor, **14** Azor ya haifi Zadok, Zadok
ya haifi Akim, Akim kuma ya haifi Eliyud, **15** Eliyud
ya haifi Eleyazar, Eleyazar ya haifi Mattan, Mattan ya
haifi Yaƙub, **16** Yaƙub ya haifi Yusuf, mijin Maryamu,
wadda ta haifi Yesu, wanda ake kira Kiristi. **17** Ta
haka akwai zuriya goma sha huɗu ke nan duka-duka
daga lokacin Ibrahim zuwa lokacin Dawuda, goma
sha huɗu kuma daga Dawuda zuwa bauta a Babilon,
goma sha huɗu kuma daga bauta a Babilon zuwa
Kiristi. **18** Ga yadda haihuwar Yesu Kiristi ta kasance.
An yi alkawarin auren mahaifiyarsa Maryamu, ga
Yusuf. Amma tun kafin su zama miji da mata, sai
aka tarar Maryamu tana da ciki, ta wurin Ruhu Mai
Tsarki. **19** Yusuf mijinta, da yake shi mai adalci ne,
bai so yă ba ta kunya, yă tone mata asiri a fili ba,
sai ya yi tunani yă sake ta a ɓoye. **20** Amma yana
cikin wannan tunani, sai wani mala'ikan Ubangiji
ya bayyana masa cikin mafarki ya ce, "Yusuf ɗan
Dawuda, kada ka ji tsoron ɗaukan Maryamu zuwa
gidanka a matsayin matarka, gama cikin nan nata,
daga wurin Ruhu Mai Tsarki ne. **21** Za tă haifi ɗa, za
ka kuma sa masa suna Yesu, gama shi ne zai ceci
mutanensa daga zunubansu." **22** Duk wannan ya
faru ne, don a cika abin da Ubangiji ya faɗi ta bakin
annabin cewa, **23** "Ga shi budurwa za tă yi ciki, za tă
haifi ɗa, kuma za a kira shi Immanuwel" (wanda
yake nufin "Allah tare da mu"). **24** Da Yusuf ya farka
daga barci, sai ya bi umarnin mala'ikan Ubangiji, ya
ɗauki Maryamu zuwa gida a matsayin matarsa. **25**
Amma bai kwana da ita ba, sai bayan da ta haifi ɗan.
Ya kuwa sa masa suna Yesu.

2 Bayan an haifi Yesu a Betlehem, a Yahudiya,
a zamanin Sarki Hiridus, sai waɗansu Masana,
daga gabas suka zo Urushalima **2** suka yi tambaya
suka ce, "Ina shi wanda aka haifa sarkin Yahudawa?
Gama mun ga tauraronsa a gabas mun kuwa zo
ne domin mu yi masa sujada." **3** Da Sarki Hiridus
ya ji wannan, sai hankalinsa ya tashi haka ma na
dukan Urushalima. **4** Bayan ya kira dukan manyan
firistoci da malaman dokoki na mutane wuri ɗaya,
sai ya tambaye su inda za a haifi Kiristi. **5** Suka
amsa suka ce, "A Betlehem ne, cikin Yahudiya, gama
haka annabin ya rubuta. **6** "'Amma ke Betlehem, a
cikin ƙasar Yahuda, ba ke ce mafi ƙanƙanta a cikin
masu mulki a Yahuda ba, gama daga cikinki mai
mulki zai zo, wanda zai zama makiyayin mutanena
Isra'ila.'" **7** Sai Hiridus ya kira Masanan nan a ɓoye,
yă gano daga wurinsu daidai lokacin da tauraron ya
bayyana. **8** Sai ya aike su Betlehem ya ce, "Ku je ku
binciko a hankali game da yaron nan. Da kun same
shi, sai ku kawo mini labari nan da nan, domin ni
ma in je in yi masa sujada." **9** Bayan sun saurari
sarki, sai suka kama hanyarsu, tauraron da suka
gani a gabas kuwa yana tafe a gabansu, sai da ya kai
inda yaron yake. **10** Da suka ga tauraron, sai suka yi
farin ciki ƙwarai. **11** Suka shiga gidan, suka kuwa ga
yaron tare da mahaifiyarsa Maryamu. Suka durƙusa
har ƙasa, suka yi masa sujada. Sa'an nan suka kunce
dukiyarsu, suka miƙa masa kyautai na zinariya da
na turare da na mur. **12** Bayan an gargaɗe su cikin
mafarki kada su koma wurin Hiridus, sai suka koma
ƙasarsu ta wata hanya dabam. **13** Bayan sun tafi, sai
mala'ikan Ubangiji ya bayyana ga Yusuf a mafarki ya
ce, "Tashi, ka ɗauki yaron da mahaifiyarsa, ku gudu
zuwa Masar. Ku zauna a can sai na gaya muku, gama
Hiridus zai nemi yaron don yă kashe." **14** Sai Yusuf
ya tashi, ya ɗauki yaron da mahaifiyarsa da dad dare
suka tafi Masar, **15** inda ya zauna har sai da Hiridus
ya mutu. Ta haka kuwa aka cika abin da Ubangiji
ya faɗa ta bakin annabin cewa, "Daga Masar na
kira ɗana." **16** Da Hiridus ya gane cewa Masanan
nan sun yi masa wayo, sai ya husata ƙwarai, ya yi
umarni cewa a karkashe dukan'yan yara maza da
suke a Betlehem da kewayenta, daga masu shekara
biyu zuwa ƙasa, bisa ga lokacin da ya sami labarin
daga Masanan nan. **17** Sai abin da aka faɗa ta bakin
annabi Irmiya ya cika, cewa, **18** "An ji murya a Rama,
tana kuka da makoki mai tsanani, Rahila ce take
kuka domin'ya'yanta, an kāsa ta'azantar da ita, don
ba su." **19** Bayan Hiridus ya mutu, sai mala'ikan
Ubangiji ya bayyana ga Yusuf a mafarki a Masar, **20**
ya ce, "Tashi, ka ɗauki yaron da mahaifiyarsa ku
tafi ƙasar Isra'ila, domin waɗanda suke neman ran
yaron sun mutu." **21** Sai ya tashi, ya ɗauki yaron da
mahaifiyarsa suka tafi ƙasar Isra'ila. **22** Amma da ya
ji Arkelawus ne yake mulki a Yahudiya a matsayin
wanda ya gāji mahaifinsa Hiridus, sai ya ji tsoron

Mattiyu

1 Littafin asalin Yesu Almasihu Dan Dauda,
Dan Ibrahim. **2** Ibrahim shine mahaifin
Ishaku, Ishaku shine mahaifin Yakubu, Yakubu
shine mahaifin Yahuza da 'yan'uwansa. **3**
Yahuza shine mahaifin Farisa da Zera, ta
wurin Tamar. Farisa kuma shine mahaifin
Hasruna, Hasruna kuma shine mahaifin Aram. **4**
Aram shine mahaifin Amminadab, Amminadab
shine mahaifin Nashon, Nashon shine mahaifin
Salmon. **5** Salmon shine mahaifin Bo'aza ta
wurin Rahab, Bo'aza shine mahaifin Obida
ta wurin Rut. Obida shine mahaifin Yesse, **6**
Yesse shine mahaifin sarki Dauda. Sarki Dauda
shine mahaifin Sulaimanu ta wurin matar
Uriya. **7** Sulaimanu shine mahaifin Rehobo'am,
Rehobo'am shine mahaifin Abija, Abija shine
mahaifin Asa. **8** Asa shine mahaifin Yehoshafat,
Yehoshafat shine mahaifin Yoram, Yoram kuma
shine mahaifin Uziya. **9** Uziya shine mahaifin
Yotam, Yotam shine mahaifin Ahaz, Ahaz
shine mahaifin Hezekiya. **10** Hezekiya shine
mahaifin Manassa, Manassa shine mahaifin
Amon, sannan Amon shine mahaifin Yosiya. **11**
Yosiya shine mahaifin Yekoniya da 'yan'uwansa,
dai dai locacin da aka kwashe su zuwa kasar
Babila. **12** Bayan kwasar su zuwa kasar Babila,
Yekoniya shine mahaifin Sheyaltiyel, Sheyaltiyel
shine mahaifin Zarubabel. **13** Zarubabel shine
mahaifin Abihudu, Abihudu shine mahaifin
Eliyakim, sannan Eliyakim shine mahaifin
Azuru. **14** Azuru shine mahaifin Saduku.
Saduku shine mahaifin Akimu, sannan Akimu
shine mahaifin Aliyudu **15** Aliyudu shine
mahaifin Ali'azara, Ali'azara shine mahaifin
Matana, sannan Matana shine mahaifin Yakubu.
16 Yakubu shine mahaifin Yusufu maigidan
Maryamu, wadda ta wurin ta ne aka haifi Yesu,
wanda ake ce da shi Almasihu. **17** Tun daga
Ibrahim zuwa Dauda, an yi tsara goma sha hudu
ne, daga Dauda zuwa lokacin da aka kwashe su
zuwa Babila, tsara goma sha hudu ne, sannan
daga lokacin da aka kwashe su zuwa Babila
zuwa Almasihu tsara goma sha hudu ne **18**
Ga yadda haihuwar Yesu Almasihu ta kasance.
Mahaifiyarsa, Maryamu, tana tashi da Yusufu,
amma kafin su yi aure, sai aka same ta da juna
biyu ta wurin Ruhu Mai Tsarki. **19** Mijinta,
Yusufu, adalin mutum ne, amma ba ya so ya
kunyatar da ita a sarari. Sai ya yi shawara ya
sake ta a asirce. **20** Yana cikin tunanin wadannan
al'amura, sai mala'ikan Ubangiji ya bayyana
gareshi a mafarki, ya ce masa, “Yusufu, dan
Dauda, kada ka ji tsoron daukar Maryamu a
matsayin matarka. Gama abinda ke cikinta, ta
wurin Ruhu Mai Tsarki aka same shi. **21** Za ta
haifi Da, za ka kira sunansa Yesu, domin za
ya ceci mutanensa daga zunubansu.” **22** Duk
wannan ya faru ne domin a cika abinda aka
fada ta bakin annabin, cewa, **23** “Duba, budurwa
za ta sami juna biyu sannan za ta haifi da, za su
kira sunansa Immanuel”-ma'ana, “Allah tare da
mu.” **24** Yusufu ya farka daga barci, ya yi kamar
yadda mala'ikan Ubangiji ya umarce shi, sai ya
dauke ta a matsayin matarsa. **25** Amma Yusufu
bai sadu da ita ba sai bayan da ta haifi da. Ya
kira sunansa Yesu.

2 Bayanda aka haifi Yesu a Baitalami ta
kasar Yahudiya, a zamanin sarki Hirudus,
sai ga wadansu masana daga gabas suka zo
Urushalima, suna cewa, **2** ''Ina wanda aka
haifa sarkin Yahudawa? Mun ga tauraronsa
a gabas mun kuma zo mu yi masa sujada.''
3 Da sarki Hirudus ya ji haka, sai ya damu
kwarai, haka kuma dukan mutanen Urushalima.
4 Hirudus ya tara dukan manyan firistoci da
marubuta na jama'a, ya tambaye su, “Ina za a
haifi Almasihun?” **5** Suka ce masa, ''A Baitalami
ne ta kasar Yahudiya, domin haka annabin
ya rubuta, **6** 'Ke kuma, Baitalami, ta kasar
Yahudiya, ba ke ce mafi kankanta ba a cikin
shugabanin Yahudiya, domin daga cikin ki mai
mulki zai fito wanda zai zama makiyayin jama'a
ta Isra'ila.''' **7** Sai Hirudus ya kira masanan
a asirce ya tambaye su aininhin lokacin da
tauraron ya bayyana. **8** Ya aike su Baitalami, ya
ce, ''Ku je ku binciko mani dan yaron da kyau.
Idan kun same shi, ku kawo mani labari, don
ni ma in je in yi masa sujada.” **9** Bayan sun ji
maganar sarkin, sai suka yi tafiyar su, ga shi
kuwa, tauraron da suka gani a gabas yana tafe a
gaban su, har ya zo ya tsaya bisa inda dan yaron
nan yake. **10** Da suka ga tauraron, sai suka yi
matukar farin ciki. **11** Sai suka shiga gidan, suka
ga dan yaron tare da mahaifiyarsa Maryamu.
Suka rusuna gabansa suka yi masa sujada. Sa'an
nan suka kwance kayansu, suka mika masa
kyautar su ta zinariya da lubban, da mur. **12**
Allah kuma ya gargade su a mafarki kada su

Mataio

1 O KE kuauhau na ka hanauna o Iesu Kristo, ka mamo a Davida, ka mamo a Aberahama. **2** Na Aberahama o Isaaka; na Isaaka o Iakoba; na Iakoba o Iuda a me kona poe hoahanau; **3** Na Iuda laua me Tamara o Paresa a me Zara; na Paresa o Hezerona; na Hezerona o Arama; **4** Na Arama o Aminadaba; na Aminadaba o Naasona; na Naasona o Salemona; **5** Na Salemona laua me Rahaba o Boaza; na Boaza laua me Ruta o Obeda; na Obeda o Iese; **6** Na Iese o Davida ke alii; na Davida na ke alii laua me ka wahine a Uria o Solomona; **7** Na Solomona o Rehoboama; na Rehoboama o Abia; na Abia o Asa; **8** Na Asa o Iosapata; na Iosapata o Iorama; na Iorama o Ozia; **9** Na Ozia o Iotama, na Iotama o Ahaza; na Ahaza o Hezekia; **10** Na Hezekia o Manase; na Manase o Amona; na Amona o Iosia; **11** Na Iosia o Iekonia a me kona poe hoahanau, i ka manawa o ka lawe ana i Babulona: **12** A mahope mai o ka lawe ana i Babulona, na Iekonia o Saletiela; na Saletiela o Zerubabela; **13** Na Zerubabela o Abiuda; na Abiuda o Eliakima; na Eliakima o Azora; **14** Na Azora o Sadoka; na Sadoka o Akima; na Akima o Eliuda; **15** Na Eliuda o Eleazara; na Eleazara o Mahetana; na Mahetana o Iakoba; **16** Na Iakoba o Iosepa ke kane a Maria nana i hanau o Iesu, i kapaia o Kristo. **17** O na banauna a pau mai ia Aberahama mai a hiki ia Davida, he umi ia hanauna a me kumamaha; a mai ia Davida mai a hiki i ka lawe ana i Babulona, he umi ia hanauna a me kumamaha; a mai ka lawe ana aku i Babulona mai, a hiki ia Kristo he umi ia hanauna a me kumamaha. **18** Penei hoi ka hanau ana o Iesu Kristo: I hoopalau e ia kona makuwahine o Maria na Iosepa, aole nae laua i pili, a ikea oia, ua hapai na ka Uhane Hemolele. **19** Aka, he kanaka pono kana kane o Iosepa, aole ia i makemake e hoino ia ia ma ke akea; manao iho la ia e kipaku malu ia ia. **20** A i kona noonoo ana ma ia mau mea, aia hoi, ikeia'ku ka anela a ka Haku e ia ma ka moe, i mai la, E Iosepa, e ka mamo a Davida, mai makau oe ke lawe ia Maria i wahine nau; no ka mea, ua hapai oia na ka Uhane Hemolele. **21** A e hanau mai oia i keikikane, a e kapa aku oe i kona inoa o IESU; no ka mea, e hoola ia i kona poe kanaka mai ko lakou hewa. **22** Ma ia mau mea i ko ai ka mea a ka Haku i olelo mai ai ma ke kaula, i ka i ana mai, **23** Aia hoi, e hapai ana kekahi wahine puupaa, a e hanau mai ia i keikikane, a e kapaia kona inoa o Emanuela; o ke ano keia, o ke Akua me kakou. **24** A ala ae la o Iosepa mai ka hiamoe ana, hana aku la ia e like me ka ka anela a ka Haku i kauoha mai ai ia ia, a lawe mai la ia i kana wahine; **25** Aole nae i moe aku ia ia, a hiki i ka wa i hanau ai oia i kana makahiapo kane, a kapa aku la ia i kona inoa o IESU.

2 A HANAUIA o Iesu ma Betelehema i Iudea, i ke kau ia Herode ke alii, aia hoi, kele mai la na magoi mai ka aina hikina mai a Ierusalema, **2** I ka i ana mai, Ai la ihea ka mea i hanau iho nei i aliii no ka poe Iudaio? No ka mea, ua ike makou ma ka aina hikina i kona hoku, a ua hele mai nei makou e kukuli hoomaikai ia ia. **3** A lohe ae la o Herode ke alii, apoapo ae la kona oili, oia a me ko Ierusalema a pau. **4** Alaila, houluulu ae la ia i ka poe kahuna nui a me ka poe kakauolelo a na kanaka, ninau mai la oia ia lakou, Ai la ihea kahi e hanau ai o ka Mesia? **5** Hai aku la lakou ia ia, Aia i Betelehema i Indea nei; no ka mea, ua palapalaia e ke kaula penei, **6** O oe, e Betelehema, i ka aina o Iuda, aole no oe ka mea uuku loa iwaena o ko Iuda poe alii; no ka mea, mailoko mai ou e hele mai ana kekahi alii, nana e hoomalu i ko'u poe kanaka o ka Iseraela. **7** Alaila, kii malu aku la o Herode i ua mau magoi la, ninau pono aku la ia lakou i maopopo ai ka manawa i ikea aku ai ua hoku la. **8** Hoouna aku la oia ia lakou i Betelehema, i aku la, Ou haele oukou, e imi pono aku i ua keiki la; a loaa hoi, alaila e hai mai ia'u, i hele aku hoi au e kukuli hoomaikai ia ia. **9** A lohe ae la i ka ke alii, haele aku la lakou; aia hoi, ka hoku a lakou i ike ai ma ka aina hikina, lele e aku la ia imua o lakou, a hele aku la, a kau iho la maluna pono o kahi e noho ana o ua keiki la, **10** A ike aku lakou i ua hoku la, hauoli nui loa ae la lakou. **11** Komo lakou iloko o ka hale, a ike aku la i ua keiki la a me kona makuwahine o Maria, a moe iho la lakou, hoomaikai aku la ia ia; a wehe ae la lakou i ko lakou waihona waiwai, haawi aku la lakou nana i ke gula, a me ka libano, a me ka mura. **12** A ma ka moeuhane, papaia mai lakou, aole e hoi bou aku io Herode la, a ma kekahi alanui e ae i hoi aku ai lakou i ko lakou aina. **13** A hala aku la lakou, aia hoi, ikea aku la ka anela a ka Haku e Iosepa i ka moeuhane, i mai la, E ala, e lawe i ke keiki a me kona makuwahine, a holo aku i Aigupita; malaila e noho ai, a olelo hon aku au ia oe; no ka mea, e imi mai ana o Herode i ke keiki, e pepehi ia ia. **14** Ala ae la ia, lawe ae la i ke keiki a me kona makuwahine i ka po, a holo aku la i Aigupita; **15** Malaila ia i noho ai a make o Herode. Nolaila, ko ae la ka olelo a ka Haku ma ke kaula, i ka i ana mai, Ua kahea aku au i ka'u keiki mai Aigupita mai. **16** Alaila, ike ae la o Herode, ua hoohokaia oia e ka poe magoi, ukiuki loa iho la ia, kena aku la ia, a luku aku la i na keikikane a pau o Betelehema, a o na wahi a puni e kokoke ana, i ka poe elua makahiki a hala ilalo, i ka manawa i ninau pono aku ai ia i ka poe magoi. **17** Alaila, ko ae la ka olelo a ke kaula a Ieretnia, i i mai ai, **18** Ua lohea ka leo ma Rama, he pihe, he uwe ana, a me ke kanikau nui; e uwe ana o Rahela no kana mau keiki, aole loa ia e na, no ka mea, aole ae nei lakou. **19** A make o Herode, alaila ikea aku la kekahi anela a ka Haku e Iosepa ma ka moeuhane i Aigupita; **20** I mai la, E ala oe e lawe i ke keiki a me kona makuwahine, a e hoi aku i ka aina o ka Iseraela; no ka mea, ua make ka poe i imi mai e pepehi i ua keiki nei. **21** Ala'e la ia, lawe ae la i ua keiki la, a me kona makuwahine, a hele aku la i ka aina o ka Iseraela. **22** Aka, lohe ae la ia, o Arekelau ke alii ma ludea i pani no ka hakahaka o kona makuakane o Herode, makau iho la ia i ka hele aku malaila: a aoia mai ai ma ka moeuhane, hoi aku ia i ka moku o Galilaia. **23** A hiki aku la ia i kekahi kulanakauhale o Nazareta ka inoa,

Aionian Bible
Proofing page
Intentionally blank

Aionian Bible
Proofing page
Intentionally blank

Aionian Bible
Proofing page
Intentionally blank

Aionian Bible
Proofing page
Intentionally blank

Aionian Bible
Proofing page
Intentionally blank

Aionian Bible
Proofing page
Intentionally blank

מתיו

1 לפניכם ספר קורות חייו של ישוע המשיח,
אשר מוצאו מיוחס לדוד המלך ולאברהם
אבינו: 2 אברהם היה אביו של יצחק; יצחק
היה אביו של יעקב; יעקב היה אביהם של
יהודה ואֶחָיו; 3 יהודה היה אביהם של פרץ
וזרח (אמם הייתה תמר); פרץ היה אביו של
חצרון; חצרון היה אביו של רם; 4 רם היה
אביו של עמינדב; עמינדב היה אביו של נחשון;
נחשון היה אביו של שלמון; 5 שלמון היה אביו
של בועז (אמו הייתה רחב); בועז היה אביו
של עובד (אמו הייתה רות); עובד היה אביו
של ישי; 6 ישי היה אביו של דוד המלך; דוד
היה אביו של שלמה (אמו הייתה אלמנתו של
אוריה החתי). 7 שלמה היה אביו של רחבעם;
רחבעם היה אביו של אביה; אביה היה אביו
של אסא; 8 אסא היה אביו של יהושפט; יהושפט
היה אביו של יורם; יורם היה אביו של עוזיה;
9 עוזיה היה אביו של יותם; יותם היה אביו
של אחז; אחז היה אביו של חזקיה; 10 חזקיה
היה אביו של מנשה; מנשה היה אביו של אמון;
אמון היה אביו של יאשיה; 11 יאשיה היה
אביהם של יכניה ואחיו (שנולדו בזמן גלות
בבל). 12 לאחר הגלות לבבל: יכניה היה
אביו של שאלתיאל; שאלתיאל היה אביו של
זרובבל; 13 זרובבל היה אביו של אביהוד;
אביהוד היה אביו של אליקים; אליקים היה
אביו של עזור; 14 עזור היה אביו של צדוק;
צדוק היה אביו של יכין; יכין היה אביו של
אליהוד; 15 אליהוד היה אביו של אלעזר;
אלעזר היה אביו של מתן; מתן היה אביו של
יעקב; 16 יעקב היה אביו של יוסף (שהיה
בעלה של מרים, אמו של ישוע המשיח). 17 אם
כן, ארבעה־עשר דורות חלפו מאברהם אבינו
ועד דוד המלך, ארבעה־עשר דורות מאז דוד
המלך ועד גלות בבל וארבעה־עשר דורות
מגלות בבל עד המשיח. 18 זהו סיפור הולדתו
של ישוע המשיח: אמו מרים הייתה מאורסת
ליוסף, אולם עוד כשהייתה בתולה הרתה
מרוח הקודש. 19 יוסף ארוסה, שהיה איש ישר
וערכי, החליט משום כך לבטל את האירוסין,
אולם בחר לעשות זאת בסתר, כי לא רצה
לבייש את מרים בציבור. 20 לאחר שהחליט
יוסף לגרש את מרים נגלה אליו בחלום מלאך
ה׳ ואמר:"יוסף בן־דוד, אל תחסס להתחתן
עם מרים, כי התינוק שבבטנה נוצר מרוח
הקודש! 21 מרים תלד בן, ועליך לקרוא
לו'ישוע'(כלומר, מושיע), כי הוא יושיע את
בני־עמו מחטאיהם." 22 לידתו של ישוע קיימה
את מה שאמר אלוהים באמצאות נביאיו:
23 "הנה העלמה הרה ויולדת בן, וקראת שמו
עמנו אל." 24 כשיוסף התעורר, הוא עשה
מה שציווה עליו המלאך והתחתן עם מרים.
25 אולם מרים נשארה בתולה עד שנולד בנה,
ויוסף קרא לו"ישוע".

2 ישוע נולד בעיר בית־לחם שבאזור יהודה,
בימי המלך הורדוס. זמן קצר לאחר לידתו,
הופיעו בירושלים מספר חוזי־כוכבים שבאו
מארץ רחוקה במזרח, ושאלו: 2 "היכן התינוק
שנועד להיות מלך היהודים? ראינו את כוכבו
במזרח ובאנו להשתחוות לו." 3 הורדוס
נבהל מאוד משאלתם, וכמוהו נבהלו כל אנשי
ירושלים. 4 הוא כינס את מנהיגי היהודים
ושאל אותם:"האם אמרו לנו הנביאים היכן
ייוולד המשיח?" 5 ענו לו:"כן, בבית לחם.
הרי מיכה הנביא אמר: 6 'ואתה, בית־לחם
בארץ יהודה, אינך צעיר באלופי יהודה, כי

מתיו

1 ספר תולדת ישוע המשיח בן דוד בן אברהם׃
2 אברהם הוליד את יצחק ויצחק הוליד את יעקב
ויעקב הוליד את יהודה ואת אחיו׃ 3 ויהודה
הוליד את פרץ ואת זרח מתמר ופרץ הוליד
את חצרון וחצרון הוליד את רם׃ 4 ורם הוליד
את עמינדב ועמינדב הוליד את נחשון ונחשון
הוליד את שלמון׃ 5 ושלמון הוליד את בעז מרחב
ובעז הוליד את עובד מרות ועובד הוליד את
ישי׃ 6 וישי הוליד את דוד המלך ודוד המלך
הוליד את שלמה מאשת אוריה׃ 7 ושלמה הוליד
את רחבעם ורחבעם הוליד את אביה ואביה
הוליד את אסא׃ 8 ואסא הוליד את יהושפט
ויהושפט הוליד את יורם ויורם הוליד את עזיהו׃
9 ועזיהו הוליד את יותם ויותם הוליד את אחז
ואחז הוליד את יחזקיהו׃ 10 ויחזקיהו הוליד
את מנשה ומנשה הוליד את אמון ואמון הוליד
את יאשיהו׃ 11 ויאשיהו הוליד את יכניהו ואת
אחיו לעת גלות בבל׃ 12 ואחרי גלותם בבלה
הוליד יכניה את שאלתיאל ושאלתיאל הוליד את
זרבבל׃ 13 וזרבבל הוליד את אביהוד ואביהוד
הוליד את אליקים ואליקים הוליד את עזור׃
14 ועזור הוליד את צדוק וצדוק הוליד את יכין
ויכין הוליד את אליהוד׃ 15 ואליהוד הוליד את
אלעזר ואלעזר הוליד את מתן ומתן הוליד את
יעקב׃ 16 ויעקב הוליד את יוסף בעל מרים אשר
ממנה נולד ישוע הנקרא משיח׃ 17 והנה כל הדרות
מן אברהם עד דוד ארבעה עשר דרות ומן דוד
עד גלות בבל ארבעה עשר דרות ומעת גלות בבל
עד המשיח ארבעה עשר דרות׃ 18 והלדת ישוע
המשיח כה היתה מרים אמו ארשה ליוסף ובטרם
יבא אליה נמצאת הרה לרוח הקדש׃ 19 ויוסף
בעלה היה איש צדיק ולא אבה לתתה לבוז ויאמר
בלבו לשלחה בסתר׃ 20 הוא חשב כזאת והנה
מלאך יהוה נראה אליו בחלום ויאמר יוסף בן
דוד אל תירא מכנוס אליך את מרים אשתך כי
אשר הרה בה מרוח הקדש הוא׃ 21 והיא ילדת
בן וקראת את שמו ישוע כי הוא יושיע את עמו
מעונותיהם׃ 22 ותהי כל זאת למלאת את אשר
דבר יהוה ביד הנביא לאמר׃ 23 הנה העלמה
הרה וילדת בן וקראו שמו עמנואל אשר פרושו
האל עמנו׃ 24 וייקץ יוסף משנתו ויעש כאשר צוהו
מלאך יהוה ויקח אליו את אשתו׃ 25 ולא ידעה עד
כי ילדה בן את בכורה ויקרא את שמו ישוע׃

2 ויהי כאשר נולד ישוע בבית לחם יהודה
בימי הורדוס המלך ויבאו מגושים מארץ מזרח
ירושלימה לאמר׃ 2 איה מלך היהודים הנולד
כי ראינו את כוכבו במזרח ונבא להשתחות לו׃
3 ויהי כשמע הורדוס המלך את דבריהם ויבהל
הוא וכל ירושלים עמו׃ 4 ויקהל את כל ראשי
הכהנים וסופרי העם וידרש מאתם לאמר איפה
יולד המשיח׃ 5 ויאמרו לו בבית לחם יהודה
כי כן כתוב ביד הנביא׃ 6 ואתה בית לחם ארץ
יהודה אינך צעיר באלפי יהודה כי ממך יצא
מושל אשר ירעה את עמי ישראל׃ 7 אז קרא
הורדוס למגושים בסתר ויחקר אתם לדעת עת
הראות הכוכב׃ 8 וישלחם בית לחם ויאמר לכו
חקרו היטב על דבר הילד והיה כי תמצאון אתו
והגדתם לי ואבאה להשתחות לו גם אני׃ 9 ויהי
כשמעם את דברי המלך וילכו והנה הכוכב אשר
ראו במזרח דרך לפניהם עד באו אל מקום אשר
שם הילד ויעמד ממעל לו׃ 10 ויראו את הכוכב
וישמחו שמחה גדולה עד מאד׃ 11 ויבאו הביתה
וימצאו את הילד עם מרים אמו ויפל על פניהם
וישתחוו לו ויפתחו את אוצרותם ויקריבו לו מנחה
זהב ולבונה ומר׃ 12 ויצוו בחלום לבלתי שוב אל
הורדוס וילכו בדרך אחר אל ארצם׃ 13 הם הלכו
משם והנה מלאך יהוה נראה אל יוסף בחלום
לאמר קום קח את הילד ואת אמו וברח לך
מצרימה והיה שם עד אשר אמר אליך כי הורדוס
צדה את הילד לאבדו׃ 14 ויקם ויקח את הילד ואת
אמו בלילה ויברח מצרימה׃ 15 ויהי שם עד מות
הורדוס למלאת את אשר דבר יהוה ביד הנביא

मत्ती

1 अब्राहाम की संतान, दावीद के वंशज येशु मसीह की वंशावली:
2 अब्राहाम से यित्सहाक, यित्सहाक से याकोब, याकोब से यहूदाह
तथा उनके भाई पैदा हुए, **3** तामार द्वारा यहूदाह से फ़ारेस तथा ज़ारा पैदा
हुए, फ़ारेस से हेज़रोन, हेज़रोन से हाराम, **4** हाराम से अम्मीनादाब,
अम्मीनादाब से नाहश्शोन, नाहश्शोन से सलमोन, **5** सलमोन और
राहाब से बोअज़, बोअज़ और रूथ से ओबेद, ओबेद से यिशै तथा **6**
यिशै से राजा दावीद पैदा हुए. दावीद और ऊरियाह की विधवा से
शलोमोन पैदा हुए, **7** शलोमोन से रोबोआम, रोबोआम से अबीयाह,
अबीयाह से आसफ, **8** आसफ से यहोशाफ़ात, यहोशाफ़ात से येहोराम,
येहोराम से उज्जियाह, **9** उज्जियाह से योथाम, योथाम से आख़ाज़,
आख़ाज़ से हेज़ेकिया, **10** हेज़ेकिया से मनश्शेह, मनश्शेह से अमोन,
अमोन से योशियाह, **11** योशियाह से बाबेल पहुंचने के समय यख़ोनिया
तथा उसके भाई पैदा हुए. **12** बाबेल पहुंचने के बाद: यख़ोनिया से
सलाथिएल पैदा हुए, सलाथिएल से ज़ेरोबाबेल, **13** ज़ेरोबाबेल से
अबीहूद, अबीहूद से एलियाकिम, एलियाकिम से आज़ोर, **14** आज़ोर
से सादोक, सादोक से आख़िम, आख़िम से एलिहूद, **15** एलिहूद से
एलियाज़र, एलियाज़र से मत्थान, मत्थान से याकोब, **16** और याकोब
से योसेफ़ पैदा हुए, जिन्होंने मरियम से विवाह किया, जिनके द्वारा
येशु, जिन्हें मसीह कहा जाता है पैदा हुए. **17** अब्राहाम से लेकर दावीद
तक कुल चौदह पीढ़ियां, दावीद से बाबेल पहुंचने तक चौदह तथा
बाबेल पहुंचने से मसीह तक चौदह पीढ़ियां हुईं. **18** मसीह येशु का
जन्म इस प्रकार हुआ: उनकी माता मरियम का विवाह योसेफ़ से तय
हो चुका था किंतु इससे पहले कि उनमें सहवास होता, यह मालूम हुआ
कि मरियम गर्भवती हैं—यह गर्भ पवित्र आत्मा द्वारा था. **19** उनके
पति योसेफ़ एक धर्मी पुरुष थे. वे नहीं चाहते थे कि मरियम को किसी
प्रकार से लज्जित होना पड़े. इसलिये उन्होंने किसी पर प्रकट किए
बिना मरियम को त्याग देने का निर्णय किया. **20** किंतु जब उन्होंने
यह निश्चय कर लिया, प्रभु के एक दूत ने स्वप्न में प्रकट हो उनसे
कहा, "योसेफ़, दावीद के वंशज! मरियम को अपनी पत्नी के रूप में
स्वीकारने में डरो मत; क्योंकि, जो उनके गर्भ में हैं, वह पवित्र आत्मा
से हैं. **21** वह एक पुत्र को जन्म देंगी. तुम उनका नाम येशु रखना
क्योंकि वह अपने लोगों को उनके पापों से उद्धार देंगे." **22** यह सब
इसलिये घटित हुआ कि भविष्यवक्ता के माध्यम से कहा गया प्रभु का
यह वचन पूरा हो जाए: **23** "एक कुंवारी कन्या गर्भधारण करेगी, पुत्र
को जन्म देगी और उसे इम्मानुएल नाम से पुकारा जायेगा." इम्मानुएल
का अर्थ है परमेश्वर हमारे साथ. **24** जागने पर योसेफ़ ने वैसा ही किया
जैसा प्रभु के दूत ने उन्हें आज्ञा दी थी—उन्होंने मरियम को पत्नी के
रूप में स्वीकार किया, **25** किंतु पुत्र-जन्म तक उनका कौमार्य सुरक्षित
रखा और उन्होंने पुत्र का नाम येशु रखा.

2 जब राजा हेरोदेस के शासनकाल में यहूदिया प्रदेश के बेथलेहेम
नगर में येशु का जन्म हुआ, तब पूर्ववर्ती देशों से ज्योतिष येरूशलेम
नगर आए और पूछताछ करने लगे, **2** "कहां हैं वह—यहूदियों के
राजा, जिन्होंने जन्म लिया है? पूर्ववर्ती देशों में हमने उनका तारा देखा
है और हम उनकी आराधना करने के लिए यहां आए हैं." **3** यह सुन
राजा हेरोदेस व्याकुल हो उठा और उसके साथ सभी येरूशलेम निवासी
भी. **4** राजा हेरोदेस ने प्रधान पुरोहितों और शास्त्रियों को इकट्ठा कर
उनसे पूछताछ की कि वह कौन सा स्थान है जहां मसीह के जन्म लेने
का संकेत है? **5** उन्होंने उत्तर दिया, "यहूदिया प्रदेश के बेथलेहेम नगर
में, क्योंकि भविष्यवक्ता का लेख है: **6** "'और तुम, यहूदिया प्रदेश के
बेथलेहेम नगर, यहूदिया प्रदेश के नायकों के मध्य किसी भी रीति से
छोटे नहीं हो क्योंकि तुममें से ही एक राजा का आगमन होगा, जो मेरी
प्रजा इस्राएल का चरवाहा होगा.'" **7** इसलिये हेरोदेस ने ज्योतिषियों
को अलग ले जाकर उनसे उस तारे के उदय होने का ठीक-ठीक समय
मालूम किया **8** और उन्हें बेथलेहेम नगर भेजते हुए कहा, "आप लोग
जाकर सावधानीपूर्वक उस बालक की खोज कीजिए और जब वह
आपको मिल जाए तो मुझे इसकी सूचना दीजिए कि मैं भी उसकी वंदना
करने जा सकूं." **9** राजा की आज्ञा सुन उन्होंने अपनी यात्रा दोबारा
प्रारंभ की. उन्हें वही तारा दिखाई दिया, जो उन्होंने पूर्ववर्ती देशों में
देखा था. वे उसके दर्शन में आगे बढ़ते चले गए जब तक वह तारा उस
बालक के घर पर जाकर ठहर न गया. **10** उसे देखकर वे बड़े आनंद
से भर गए. **11** घर में प्रवेश करने पर उन्होंने उस बालक को उसकी
माता मरियम के साथ देखा और झुककर उस बालक की आराधना की
और फिर उन्होंने अपने कीमती उपहार सोना, लोबान और गन्धरस
उसे भेंट चढ़ाई. **12** उन्हें स्वप्न में परमेश्वर द्वारा यह चेतावनी दी गई
कि वे राजा हेरोदेस के पास लौटकर न जाएं. इसलिये वे एक अन्य
मार्ग से अपने देश लौट गए. **13** उनके विदा होने के बाद प्रभु का एक
दूत ने योसेफ़ को एक स्वप्न में प्रकट होकर आज्ञा दी, "उठो, बालक
और उसकी माता को लेकर मिस्र देश को भाग जाओ और उस समय
तक वहीं ठहरे रहना जब तक मैं तुम्हें आज्ञा न दूं क्योंकि हेरोदेस हत्या
की मंशा से बालक को खोज रहा है." **14** इसलिये योसेफ़ उठे और
अभी, जबकि रात ही थी, उन्होंने बालक और उसकी माता को लेकर
मिस्र देश को प्रस्थान किया. **15** वे वहां हेरोदेस की मृत्यु तक ठहरे रहे
कि प्रभु का यह वचन पूरा हो, जो उन्होंने एक भविष्यवक्ता के माध्यम
से कहा था: "मिस्र देश से मैंने अपने पुत्र को बुलाया." **16** यह मालूम
होने पर कि ज्योतिष उसे मूर्ख बना गए, हेरोदेस बहुत ही क्रोधित हुआ.
ज्योतिषियों से मिली सूचना के आधार पर उसने बेथलेहेम नगर और
उसके नज़दीकी क्षेत्र में दो वर्ष तथा उससे कम आयु के सभी शिशुओं
के विनाश की आज्ञा दे दी. **17** इससे भविष्यवक्ता येरेमियाह द्वारा
पूर्वघोषित इस वचन की पूर्ति हुई: **18** "रमाह नगर में एक शब्द सुना
गया, रोना तथा घोर विलाप! राहेल अपने बालकों के लिए रो रही है.
धीरज उसे स्वीकार नहीं क्योंकि अब वे हैं ही नहीं." **19** जब राजा
हेरोदेस की मृत्यु हुई, प्रभु के एक दूत ने स्वप्न में प्रकट होकर योसेफ़
को आज्ञा दी, **20** "उठो! बालक और उसकी माता को लेकर इस्राएल
देश लौट जाओ क्योंकि जो बालक के प्राण लेने पर उतारू थे, उनकी
मृत्यु हो चुकी है." **21** इसलिये योसेफ़ उठे और बालक और उसकी
माता को लेकर इस्राएल देश में लौट आए. **22** यह मालूम होने पर कि
हेरोदेस के स्थान पर अब उसका पुत्र आरखेलाओस यहूदिया प्रदेश का
राजा है, भय के कारण वह वहां नहीं गए. तब परमेश्वर की ओर से
स्वप्न में चेतावनी प्राप्त होने पर वह गलील प्रदेश की ओर चल दिए
23 तथा नाज़रेथ नामक नगर में जाकर बस गए कि भविष्यवक्ताओं
द्वारा कहा गया-यह वचन पूरा हो: वह नाज़री कहलाएगा.

मत्ती

१ अब्राहम की सन्तान, दाऊद की सन्तान, यीशु मसीह की
वंशावली। २ अब्राहम से इसहाक उत्पन्न हुआ, इसहाक से याकूब
उत्पन्न हुआ, और याकूब से यहूदा और उसके भाई उत्पन्न हुए।
३ यहूदा और तामार से पेरेस व जेरह उत्पन्न हुए, और पेरेस से
हेस्रोन उत्पन्न हुआ, और हेस्रोन से एराम उत्पन्न हुआ। ४ एराम
से अम्मीनादाब उत्पन्न हुआ, और अम्मीनादाब से नहशोन, और
नहशोन से सलमोन उत्पन्न हुआ। ५ सलमोन और राहाब से बोअज
उत्पन्न हुआ, और बोअज और रूत से ओबेद उत्पन्न हुआ, और
ओबेद से यिशै उत्पन्न हुआ। ६ और यिशै से दाऊद राजा उत्पन्न
हुआ। और दाऊद से सुलैमान उस स्त्री से उत्पन्न हुआ जो पहले
ऊरिय्याह की पत्नी थी। ७ सुलैमान से रहबाम उत्पन्न हुआ, और
रहबाम से अबिय्याह उत्पन्न हुआ, और अबिय्याह से आसा उत्पन्न
हुआ। ८ आसा से यहोशाफात उत्पन्न हुआ, और यहोशाफात से
योराम उत्पन्न हुआ, और योराम से उज्जियाह उत्पन्न हुआ। ९
उज्जियाह से योताम उत्पन्न हुआ, योताम से आहाज उत्पन्न हुआ,
और आहाज से हिजकिय्याह उत्पन्न हुआ। १० हिजकिय्याह से
मनश्शे उत्पन्न हुआ, मनश्शे से आमोन उत्पन्न हुआ, और आमोन से
योशिय्याह उत्पन्न हुआ। ११ और बन्दी होकर बाबेल जाने के समय
में योशिय्याह से यकुन्याह, और उसके भाई उत्पन्न हुए। १२ बन्दी
होकर बाबेल पहुँचाए जाने के बाद यकुन्याह से शालतीएल उत्पन्न
हुआ, और शालतीएल से जरूब्बाबेल उत्पन्न हुआ। १३ जरूब्बाबेल से
अबीहूद उत्पन्न हुआ, अबीहूद से एलयाकीम उत्पन्न हुआ, और
एलयाकीम से अजोर उत्पन्न हुआ। १४ अजोर से सादोक उत्पन्न
हुआ, सादोक से अखीम उत्पन्न हुआ, और अखीम से एलीहूद
उत्पन्न हुआ। १५ एलीहूद से एलीआजर उत्पन्न हुआ, एलीआजर से
मत्तान उत्पन्न हुआ, और मत्तान से याकूब उत्पन्न हुआ। १६ याकूब
से यूसुफ उत्पन्न हुआ, जो मरियम का पति था, और मरियम से
यीशु उत्पन्न हुआ जो मसीह कहलाता है। १७ अब्राहम से दाऊद
तक सब चौदह पीढ़ी हुई, और दाऊद से बाबेल को बन्दी होकर
पहुँचाए जाने तक चौदह पीढ़ी, और बन्दी होकर बाबेल को पहुँचाए
जाने के समय से लेकर मसीह तक चौदह पीढ़ी हुई। १८ अब यीशु
मसीह का जन्म इस प्रकार से हुआ, कि जब उसकी माता मरियम
की मंगनी यूसुफ के साथ हो गई, तो उनके इकट्ठे होने के पहले से
वह पवित्र आत्मा की ओर से गर्भवती पाई गई। १९ अतः उसके
पति यूसुफ ने जो धर्मी था और उसे बदनाम करना नहीं चाहता
था, उसे चुपके से त्याग देने की मनसा की। २० जब वह इन बातों
की सोच ही में था तो परमेश्वर का स्वर्गदूत उसे स्वप्न में दिखाई
देकर कहने लगा, "हे यूसुफ! दाऊद की सन्तान, तू अपनी पत्नी
मरियम को अपने यहाँ ले आने से मत डर, क्योंकि जो उसके गर्भ
में है, वह पवित्र आत्मा की ओर से है। २१ वह पुत्र जनेगी और तू
उसका नाम यीशु रखना, क्योंकि वह अपने लोगों का उनके पापों
से उद्धार करेगा।" २२ यह सब कुछ इसलिए हुआ कि जो वचन प्रभु
ने भविष्यद्वक्ता के द्वारा कहा था, वह पूरा हो २३ "देखो, एक कुँवारी
गर्भवती होगी और एक पुत्र जनेगी, और उसका नाम इम्मानुएल रखा
जाएगा," जिसका अर्थ है - परमेश्वर हमारे साथ। २४ तब यूसुफ
नींद से जागकर परमेश्वर के दूत की आज्ञा अनुसार अपनी पत्नी को
अपने यहाँ ले आया। २५ और जब तक वह पुत्र न जनी तब तक वह
उसके पास न गया: और उसने उसका नाम यीशु रखा।

२ हेरोदेस राजा के दिनों में जब यहूदिया के बैतलहम में यीशु
का जन्म हुआ, तब, पूर्व से कई ज्योतिषी यरूशलेम में आकर
पूछने लगे, २ "यहूदियों का राजा जिसका जन्म हुआ है, कहाँ है?
क्योंकि हमने पूर्व में उसका तारा देखा है और उसको झुककर प्रणाम
करने आए हैं।" ३ यह सुनकर हेरोदेस राजा और उसके साथ सारा
यरूशलेम घबरा गया। ४ और उसने लोगों के सब प्रधान याजकों
और शास्त्रियों को इकट्ठा करके उनसे पूछा, "मसीह का जन्म कहाँ
होना चाहिए?" ५ उन्होंने उससे कहा, "यहूदिया के बैतलहम में;
क्योंकि भविष्यद्वक्ता के द्वारा लिखा गया है: ६ "हे बैतलहम, यहूदा
के प्रदेश, तू किसी भी रीति से यहूदा के अधिकारियों में सबसे छोटा
नहीं; क्योंकि तुझ में से एक अधिपति निकलेगा, जो मेरी प्रजा
इस्राएल का चरवाहा बनेगा।" ७ तब हेरोदेस ने ज्योतिषियों को
चुपके से बुलाकर उनसे पूछा, कि तारा ठीक किस समय दिखाई
दिया था। ८ और उसने यह कहकर उन्हें बैतलहम भेजा, "जाकर
उस बालक के विषय में ठीक-ठीक मालूम करो और जब वह मिल
जाए तो मुझे समाचार दो ताकि मैं भी आकर उसको प्रणाम करूँ।" ९
वे राजा की बात सुनकर चले गए, और जो तारा उन्होंने पूर्व में देखा
था, वह उनके आगे-आगे चला; और जहाँ बालक था, उस जगह के
ऊपर पहुँचकर ठहर गया। १० उस तारे को देखकर वे अति आनन्दित
हुए। ११ और उस घर में पहुँचकर उस बालक को उसकी माता
मरियम के साथ देखा, और दण्डवत् होकर बालक की आराधना
की, और अपना-अपना थैला खोलकर उसे सोना, और लोबान, और
गन्धरस की भेंट चढ़ाई। १२ और स्वप्न में यह चेतावनी पाकर कि
हेरोदेस के पास फिर न जाना, वे दूसरे मार्ग से होकर अपने देश को
चले गए। १३ उनके चले जाने के बाद, परमेश्वर के एक दूत ने स्वप्न
में प्रकट होकर यूसुफ से कहा, "उठ! उस बालक को और उसकी
माता को लेकर मिस्र देश को भाग जा; और जब तक मैं तुझ से न
कहूँ, तब तक वहीं रहना; क्योंकि हेरोदेस इस बालक को ढूँढ़ने पर
है कि इसे मरवा डाले।" १४ तब वह रात ही को उठकर बालक और
उसकी माता को लेकर मिस्र को चल दिया। १५ और हेरोदेस के मरने
तक वहीं रहा। इसलिए कि वह वचन जो प्रभु ने भविष्यद्वक्ता के
द्वारा कहा था पूरा हो "मैंने अपने पुत्र को मिस्र से बुलाया।" १६ जब
हेरोदेस ने यह देखा, कि ज्योतिषियों ने उसके साथ धोखा किया है,
तब वह क्रोध से भर गया, और लोगों को भेजकर ज्योतिषियों से
ठीक-ठीक पूछे हुए समय के अनुसार बैतलहम और उसके आस-
पास के स्थानों के सब लड़कों को जो दो वर्ष के या उससे छोटे
थे, मरवा डाला। १७ तब जो वचन यिर्मयाह भविष्यद्वक्ता के द्वारा
कहा गया था, वह पूरा हुआ १८ "रामाह में एक करुण-नाद सुनाई
दिया, रोना और बड़ा विलाप, राहेल अपने बालकों के लिये रो रही
थी; और शान्त होना न चाहती थी, क्योंकि वे अब नहीं रहे।" १९

Aionian Bible
Proofing page
Intentionally blank

Máté

1 Jézus Krisztusnak, Dávid fiának, Ábrahám fiának nemzetségéről való könyv. **2** Ábrahám nemzé Izsákot; Izsák nemzé Jákóbot; Jákób nemzé Júdát és testvéreit; **3** Júda nemzé Fárest és Zárát Támártól; Fáres nemzé Esromot; Esrom nemzé Arámot; **4** Arám nemzé Aminádábot; Aminádáb nemzé Naássont; Naásson nemzé Sálmónt; **5** Sálmón nemzé Boázt Ráhábtól; Boáz nemzé Obedet Ruthtól; Obed nemzé Isait; **6** Isai nemzé Dávid királyt; Dávid király nemzé Salamont az Uriás feleségétől; **7** Salamon nemzé Roboámot; Roboám nemzé Abiját; Abija nemzé Asát; **8** Asa nemzé Josafátot; Josafát nemzé Jórámot; Jórám nemzé Uzziást; **9** Uzziás nemzé Jóathámot; Joathám nemzé Ákházt; Ákház nemzé Ezékiást; **10** Ezékiás nemzé Manassét; Manassé nemzé Ámont; Ámon nemzé Jósiást; **11** Jósiás nemzé Jekoniást és testvéreit a babilóni fogságra vitelkor. **12** A babilóni fogságravitel után pedig Jekoniás nemzé Saláthielt; Saláthiel nemzé Zorobábelt; **13** Zorobábel nemzé Abiudot; Abiud nemzé Eliákimot; Eliákim nemzé Azort; **14** Azor nemzé Sádokot; Sádok nemzé Akimot; Akim nemzé Eliudot; **15** Eliud nemzé Eleázárt; Eleázár nemzé Matthánt; Matthán nemzé Jákóbot; **16** Jákób nemzé Józsefet, férjét Máriának, a kitől született Jézus, a ki Krisztusnak neveztetik. **17** Az összes nemzetség tehát Ábrahámtól Dávidig tizennégy nemzetség, és Dávidtól a babilóni fogságravitelig tizennégy nemzetség, és a babilóni fogságraviteltől Krisztusig tizennégy nemzetség. **18** A Jézus Krisztus születése pedig így vala: Mária, az ő anyja, eljegyeztetvén Józsefnek, mielőtt egybekeltek volna, viselősnek találtaték a Szent Lélektől. **19** József pedig, az ő férje, mivelhogy igaz ember vala és nem akará őt gyalázatba keverni, el akarta őt titkon bocsátani. **20** Mikor pedig ezeket magában elgondolta: ímé az Úrnak angyala álomban megjelenék néki, mondván: József, Dávidnak fia, ne félj magadhoz venni Máriát, a te feleségedet, mert a mi benne fogantatott, a Szent Lélektől van az. **21** Szül pedig fiat, és nevezd annak nevét Jézusnak, mert ő szabadítja meg az ő népét annak bűneiből. **22** Mindez pedig azért lőn, hogy beteljesedjék, a mit az Úr mondott volt a próféta által, a ki így szól: **23** Ímé a szűz fogan méhében és szül fiat, és annak nevét Immanuelnek nevezik, a mi azt jelenti: Velünk az Isten. **24** József pedig az álomból felserkenvén, úgy tőn, a mint az Úr angyala parancsolta vala néki, és feleségét magához vevé. **25** És nem ismeré őt, míg meg nem szülé az ő elsőszülött fiát; és nevezé annak nevét Jézusnak.

2 A mikor pedig megszületik vala Jézus a júdeai Bethlehemben, Heródes király idejében, ímé napkeletről bölcsek jövének Jeruzsálembe, ezt mondván: **2** Hol van a zsidók királya, a ki megszületett? Mert láttuk az ő csillagát napkeleten, és azért jövénk, hogy tisztességet tegyünk néki. **3** Heródes király pedig ezt hallván, megháborodék, és vele együtt az egész Jeruzsálem. **4** És egybegyűjtve minden főpapot és a nép írástudóit, tudakozódik vala tőlük, hol kell a Krisztusnak megszületnie? **5** Azok pedig mondának néki: A júdeai Bethlehemben; mert így írta vala meg a próféta: **6** És te Bethlehem, Júdának földje, semmiképen sem vagy legkisebb Júda fejedelmi városai között: mert belőled származik a fejedelem, a ki legeltetni fogja az én népemet, az Izráelt. **7** Ekkor Heródes titkon hivatván a bölcseket, szorgalmatosan megtudakolá tőlük a csillag megjelenésének idejét. **8** És elküldvén őket Bethlehembe, monda nékik: Elmenvén, szorgalmatosan kérdezősködjetek a gyermek felől, mihelyt pedig megtaláljátok, adjátok tudtomra, hogy én is elmenjek és tisztességet tegyek néki. **9** Ők pedig a király beszédét meghallván, elindulának. És ímé a csillag, a melyet napkeleten láttak, előttük megy vala mind addig, a míg odaérvén, megálla a hely fölött, a hol a gyermek vala. **10** És mikor meglátták a csillagot, igen nagy örömmel örvendezének. **11** És bemenvén a házba, ott találák a gyermeket anyjával, Máriával; és leborulván, tisztességet tőnek néki; és kincseiket kitárván, ajándékokat adának néki: aranyat, tömjént és mirhát. **12** És mivel álomban meginttettek, hogy Heródeshez vissza ne menjenek, más úton térének vissza hazájokba. **13** Mikor pedig azok visszatérnek vala, ímé megjelenék az Úrnak angyala Józsefnek álomban, és monda: Kelj fel, vedd a gyermeket és annak anyját, és fuss Égyiptomba, és maradj ott, a míg én mondom néked; mert Heródes halálra fogja keresni a gyermeket. **14** Ő pedig fölkelvén, vevé a gyermeket és annak anyját éjjel, és Égyiptomba távozék. **15** És ott vala egész a Heródes haláláig, hogy beteljesedjék, a mit az Úr mondott a próféta által, a ki így szólt: Égyiptomból hívtam ki az én fiamat. **16** Ekkor Heródes látván, hogy a bölcsek megcsúfolták őt, szerfölött felháborodék, és kiküldvén, megölete Bethlehemben és annak egész környékén minden gyermeket, két esztendőstől és azon alól, az idő szerint, a melyet szorgalmasan tudakolt a bölcsektől. **17** Ekkor teljesedék be, a mit Jeremiás próféta mondott, a midőn így szólt: **18** Szó hallatszott Rámában: Sírás-rívás és sok keserves jajgatás. Rákhel siratta az ő fiait és nem akart megvigasztaltatni, mert nincsenek. **19** Mikor pedig Heródes meghalt, ímé az Úrnak angyala megjelenék álomban Józsefnek Égyiptomban. **20** Mondván: Kelj fel, vedd a gyermeket és annak anyját, és eredj az Izráel földére; mert meghaltak, a kik a gyermeket halálra keresik vala. **21** Ő pedig felkelvén, magához vevé a gyermeket és annak anyját, és elméne Izráel földére. **22** Mikor pedig hallá, hogy Júdeában Arkhelaus uralkodik,

Máté

1 Jézus Krisztusnak, Dávid fiának, Ábrahám fiának nemzetségéről szóló könyv. **2** Ábrahám nemzette Izsákot, Izsák nemzette Jákóbot, Jákób nemzette Júdát és testvéreit. **3** Júda nemzette Fáreszt és Zerahot Támártól, Fárész nemzette Heszrónt, Heszrón nemzette Arámot. **4** Arám nemzette Aminádábot, Aminádáb nemzette Nahsont, Nahson nemzette Szalmónt. **5** Szalmón nemzette Boázt Ráhábtól, Boáz nemzette Obédet Ruthtól, Obéd nemzette Isait. **6** Isai nemzette Dávid királyt. Dávid király nemzette Salamont Úriás feleségétől. **7** Salamon nemzette Roboámot, Roboám nemzette Abijját, Abijja nemzette Ászát. **8** Ásza nemzette Jósafátot, Jósafát nemzette Jórámot, Jórám nemzette Uzziást. **9** Uzziás nemzette Jótámot, Jótám nemzette Áházt, Áház nemzette Ezékiást. **10** Ezékiás nemzette Manassét, Manassé nemzette Ámónt, Ámón nemzette Jósiást. **11** Jósiás nemzette Jekonjást és testvéreit a babiloni fogságravitelkor. **12** A babiloni fogságravitel után pedig Jekonjás nemzette Sealtiélt, Sealtiél nemzette Zerubbábelt. **13** Zerubbábel nemzette Abihudot, Abihud nemzette Eljákimot, Eljákim nemzette Azzurt. **14** Azzur nemzette Cádókot, Cádók nemzette Jákint, Jákin nemzette Elihudot. **15** Elihud nemzette Eleázárt, Eleázár nemzette Mattánt, Mattán nemzette Jákóbot. **16** Jákób nemzette Józsefet, férjét Máriának, akitől született Jézus, akit Krisztusnak neveznek. **17** Az összes nemzetség tehát Ábrahámtól Dávidig tizennégy nemzetség, Dávidtól a babiloni fogságravitelig tizennégy nemzetség, a babiloni fogságraviteltől Krisztusig tizennégy nemzetség. **18** Jézus Krisztus születése pedig így történt: Anyja, Mária, aki József jegyese volt, egybekelésük előtt viselős lett a Szentlélektől. **19** József, a férje, igaz ember volt, és nem akarta őt gyalázatba keverni, titokban akarta őt elbocsátani. **20** Mikor pedig ezeket magában elgondolta, íme, az Úr angyala megjelent neki álmában, és ezt mondta: „József, Dávid fia, ne félj magadhoz venni Máriát, a te feleségedet, mert ami benne fogantatott, az a Szentlélektől van. **21** Fiat fog majd szülni, és nevezd őt Jézusnak, mert ő szabadítja meg népét bűneitől.“ **22** Mindez pedig azért történt, hogy beteljesedjék, amit az Úr mondott a próféta által, aki így szólt: **23** „Íme, a szűz méhében fogan, és fiat szül, és Immánuelnek fogják nevezni“– ami azt jelenti: Velünk az Isten. **24** József pedig álmából felserkenve úgy tett, amint az Úr angyala parancsolta neki: magához vette feleségét, **25** és nem érintette addig, amíg meg nem szülte elsőszülött fiát, akit Jézusnak nevezett el.

2 Amikor pedig megszületett Jézus a júdeai Betlehemben, Heródes király idejében, íme, napkeletről bölcsek jöttek Jeruzsálembe, és ezt mondták: **2** „Hol van a zsidók királya, aki megszületett? Mert láttuk csillagát napkeleten, és azért jöttünk, hogy tisztességet tegyünk neki.“ **3** Amikor Heródes király ezt meghallotta, felháborodott, és vele együtt az egész Jeruzsálem. **4** Egybegyűjtött minden főpapot és a nép írástudóit, és tudakozódott tőlük, hogy hol kell Krisztusnak megszületnie. **5** Azok pedig ezt mondták neki: „A júdeai Betlehemben, mert így írta meg a próféta: **6** »És te, Betlehem, Júdának földje, semmiképpen sem vagy legkisebb Júda fejedelmi városai között, mert belőled származik a fejedelem, aki legeltetni fogja népemet, Izraelt.«“ **7** Ekkor Heródes titkon hívatta a bölcseket, szorgalmasan megtudakolta tőlük a csillag megjelenésének idejét. **8** Elküldte őket Betlehembe, és azt mondta nekik: „Menjetek el, szorgalmasan kérdezősködjetek a gyermek felől, mihelyt pedig megtaláljátok, adjátok tudtomra, hogy én is elmenjek, és tisztességet tegyek neki.“ **9** Ők pedig a király beszédét meghallgatták, és elindultak. És íme, a csillag, amelyet napkeleten láttak, előttük ment mindaddig, amíg odaérve megállt a hely fölött, ahol a gyermek volt. **10** Amikor meglátták a csillagot, igen nagy örömmel örvendeztek. **11** Bementek a házba, ott találták a gyermeket anyjával, Máriával, és leborulva tisztességet tettek neki, kincseiket kitárva ajándékot adtak neki: aranyat, tömjént és mirhát. **12** Mivel álmukban intést kaptak, hogy Heródeshez vissza ne menjenek, más úton tértek vissza hazájukba. **13** Mikor pedig elmentek, megjelent Józsefnek az Úr angyala álmában, és mondta neki: „Kelj fel, vedd a gyermeket és anyját, fuss Egyiptomba, és maradj ott, amíg én mondom neked, mert Heródes halálra fogja keresni a gyermeket.“ **14** Ő pedig felkelt, vette a gyermeket és anyját még éjjel, és Egyiptomba ment. **15** És ott volt egészen Heródes haláláig, hogy beteljesedjék, amit az Úr mondott a próféta által, aki így szólt: „Egyiptomból hívtam ki az én fiamat.“ **16** Ekkor Heródes látta, hogy a bölcsek megcsúfolták őt, szerfölött felháborodott, kiküldte embereit, és megöletett Betlehemben és annak egész környékén minden kétesztendős és azon aluli gyermeket a szerint az idő szerint, ahogyan azt pontosan megtudta a bölcsektől. **17** Ekkor teljesedett be, amit Jeremiás próféta mondott, midőn így szólt: **18** „Szó hallatszott Rámában, sírás-rívás és sok keserves jajgatás.

Matteus

1 Þessir eru forfeður Jesú Krists, afkomanda
Davíðs konungs og Abrahams: **2** Abraham
var faðir Ísaks. Ísak var faðir Jakobs. Jakob var
faðir Júda og bræðra hans. **3** Júda var faðir
Peresar og Sera (móðir þeirra hét Tamar). Peres
var faðir Esroms. Esrom var faðir Rams, **4** en
Ram var faðir Ammínadabs og sonur hans var
Nakson. Nakson var faðir Salmons. **5** Salmon var
faðir Bóasar (kona hans var Rut). Óbeð var faðir
Ísaís, **6** en Ísaí faðir Davíðs konungs og Davíð
faðir Salómons (móðir hans var ekkja Úría).
7 Salómon var faðir Róbóams og sonur hans
var Abía. Abía var faðir Asafs. **8** Asaf var faðir
Jósafats. Jósafat var faðir Jórams og Jóram faðir
Ússía. **9** Ússía var faðir Jótams, en sonur hans
var Akas og Esekía var sonur hans. **10** Esekía
var faðir Manasse, en hann var faðir Amoss og
Amos faðir Jósía. **11** Jósía var faðir Jekonja og
bræðra hans (þeir fæddust í herleiðingunni til
Babýlon). **12** Eftir herleiðinguna: Jekonja var
faðir Sealtíels, Sealtíel var faðir Serúbabels, **13**
Serúbabel faðir Abíúds og Abíúd faðir Eljakíms.
Eljakím var faðir Asórs, **14** en sonur hans var
Sadók. Og Sadók var faðir Akíms, Akím faðir
Elíúds **15** og Elíúd faðir Eleasars. Eleasar var faðir
Mattans, Mattan faðir Jakobs og **16** Jakob faðir
Jósefs en hann var eiginmaður Maríu, móður
Jesú Krists. **17** Þetta eru fjórtán ættliðir frá
Abraham til Davíðs konungs, fjórtán ættliðir frá
Davíð fram að herleiðingunni og einnig fjórtán
ættliðir frá herleiðingunni fram til Krists. **18**
Aðdragandinn að fæðingu Jesú var á þessa leið:
María móðir hans var trúlofuð Jósef. Hún varð
þunguð af völdum heilags anda meðan hún var
enn ósnortin mey. **19** Jósef, unnusti hennar,
sem var mjög sómakær maður, ákvað þá að slíta
trúlofuninni í kyrrþey, því að hann vildi ekki
valda henni opinberri smán. **20** Eitt sinn er hann
var að íhuga þetta á andvökunóttu, sofnaði
hann og dreymdi að engill stóð hjá honum og
sagði: „Jósef, sonur Davíðs, hikaðu ekki við að
kvænast Maríu, því að barnið sem hún gengur
með, er getið af heilögum anda. **21** Hún mun
eignast son, og þú skalt láta hann heita Jesú
(sem þýðir Guð frelsar), því að hann mun frelsa
þjóð sína frá syndum hennar. **22** Þannig mun
rætast það sem spámaður Guðs sagði: **23** „Takið
eftir! Meyjan mun þunguð verða! Hún mun fæða
son og hann verða kallaður „Immanúel“(en
það þýðir Guð er með okkur)“.“ **24** Þegar Jósef
vaknaði, ákvað hann að gera eins og engillinn
hafði sagt honum og ganga að eiga Maríu, **25**
þau höfðu þó ekki kynmök fyrr en eftir að
sonurinn var fæddur. Og Jósef gaf drengnum
nafnið Jesús.

2 Jesús fæddist í bænum Betlehem í Júdeu á
valdatímum Heródesar konungs. Um það
leyti komu stjörnufræðingar til Jerúsalem
frá Austurlöndum og spurðu: **2** „Hvar er
nýfæddi Gyðingakonungurinn? Við höfum séð
stjörnu hans austur í löndum og nú erum við
komnir til þess að sýna honum lotningu.“ **3**
Heródes konungur varð óttasleginn er hann
heyrði þetta, og alls kyns sögusagnir komust
á kreik í Jerúsalem. **4** Heródes kallaði því
saman trúarleiðtoga Gyðinga og spurði: „Hafa
spámennirnir sagt hvar Kristur eigi að fæðast?“
5 „Já, “svöruðu leiðtogarnir, „í Betlehem, því að
þannig skrifaði Míka spámaður: **6** „Þú Betlehem
litla, þú ert ekki einhver þýðingarlaus smábær
í Júdeu, því frá þér mun koma höfðingi sem
annast þjóð mína, Ísrael“.“ **7** Heródes sendi þá
stjörnufræðingunum leynileg boð um að finna
sig, og á þeim fundi fékk hann að vita hvenær
þeir hefðu fyrst séð stjörnuna. Síðan sagði
hann: **8** „Farið til Betlehem og leitið að barninu,
og þegar þið hafið fundið það, skuluð þið koma
aftur og láta mig vita hvar það er, svo að ég
geti einnig veitt því lotningu!“ **9** Að þessum
viðræðum loknum héldu stjörnufræðingarnir
aftur af stað. Og sjá! Stjarnan birtist þeim á ný
og fór fyrir þeim uns hún staðnæmdist loks yfir
Betlehem. **10** Gleði þeirra var takmarkalaus!
11 Þeir gengu inn í húsið þar sem María og
barnið voru, krupu á kné frammi fyrir því og
tilbáðu það. Síðan tóku þeir upp farangur sinn
og gáfu barninu gull, reykelsi og myrru. **12** Á
heimleiðinni komu þeir ekki við í Jerúsalem til
þess að hitta Heródes, því að Guð hafði sagt
þeim í draumi að fara aðra leið. **13** Þegar þeir
voru farnir, dreymdi Jósef að hann sæi engil
frá Drottni sem sagði: „Flýðu til Egyptalands
og taktu með þér barnið og móður þess, því
að Heródes konungur sækist eftir lífi barnsins.
Vertu síðan um kyrrt í Egyptalandi þar til ég segi
þér að snúa heim aftur.“ **14** Jósef lagði af stað til
Egyptalands með barnið og Maríu þessa sömu
nótt. **15** Þar dvöldust þau uns Heródes konungur

Matiu

1 Nke a bụ ndekọ usoro ọmụmụ Jisọs onye bụ Kraịst, nwa Devid, nwa Ebraham. **2** Ebraham mụrụ Aịzik, Aịzik amụọ Jekọb, Jekọb amụọ Juda na ụmụnne ya. **3** Juda mụtara Perez na Zera site na Tama, Perez mụrụ Hezrọn, Hezrọn amụọ Aram. **4** Aram mụrụ Aminadab, Aminadab mụrụ Nashọn, Nashọn amụọ Salmọn. **5** Salmọn bụ nna Boaz, site na nwunye ya Rehab, Boaz mụrụ Obed, site na nwunye ya Rut, Obed amụọ Jesi. **6** Jesi amụọ Devid, bụ eze. Devid mụrụ Solomọn site na nwunye ya Ụraya. **7** Solomọn mụrụ Rehoboam, Rehoboam amụọ Abija, Abija amụọ Esa. **8** Esa mụrụ Jehoshafat, Jehoshafat amụọ Joram, Joram amụọ Ụzaịa. **9** Ụzaịa mụrụ Jotam, Jọtam amụọ Ehaz, Ehaz amụọ Hezekaya. **10** Hezekaya mụrụ Manase, Manase amụọ Emọn, Emọn amụọ Josaya. **11** Mgbe e mere ka ha gaa biri n'ala Babilọn ka Josaya mụrụ Jekonaya na ụmụnne ya. **12** Mgbe ha si Babilọn lọta Jekonaya mụrụ Shealtiel, Shealtiel amụọ Zerubabel. **13** Zerubabel mụrụ Abiud, Abiud amụọ Eliakịm, Eliakịm amụọ Azoa. **14** Azoa mụrụ Zadọk, Zadọk amụọ Akịm, Akịm amụọ Eliud. **15** Eliud mụrụ Elieza, Elieza amụọ Matan, Matan amụọ Jekọb. **16** Jekọb mụrụ Josef onye bụ di Meri nne Jisọs, onye a na-akpọ Kraịst. **17** Ya mere, site n'Ebraham ruo na Devid, e nwere ọgbọ iri na anọ. Ma site n'oge Devid ruo mgbe a dọọrọ ha n'agha gaa Babilọn, e nwere ọgbọ iri na anọ. Sitekwanụ n'oge ahụ ruo mgbe a mụrụ Kraịst bụkwa ọgbọ iri na anọ. **18** Otu a ka ọmụmụ Jisọs, onye a na-akpọ Kraịst siri dị: Nne ya Meri bụ onye e kwenyere na ọ ga-alụ Josef, ma tupu ha ebikọọ ọnụ a chọpụtara na Meri di ime site na Mmụọ Nsọ. **19** Ma Josef di ya bụ onye ezi omume, ọ chọghị imenye ya ihere, n'ihi ya, o zubere ịchụ ya na nzuzo. **20** Mgbe Josef nwechara mkpebi a, mmụọ ozi Onyenwe anyị bịakwutere ya na nrọ sị ya, "Josef nwa Devid, atụla egwu ịkpọrọ Meri ka ọ bụrụ nwunye gị, n'ihi na nwa ahụ ọ dị ime ya sitere n'ike Mmụọ Nsọ. **21** Ọ ga-amụkwa nwa nwoke, onye ị ga-akpọ aha ya Jisọs, n'ihi na ọ ga-azọpụta ndị nke ya site na mmehie ha." **22** Ihe ndị a mere iji mezuo ihe ahụ Onyenwe anyị kwuru site n'ọnụ onye amụma ya sị, **23** "Lee, nwaagbọghọ ahụ na-amaghị nwoke ga-atụrụ ime, mụọ nwa nwoke. Ha ga-akpọ aha ya Ịmanụel" (nke bụ ma asụgharịa ya, "Chineke nọnyeere anyị"). **24** Mgbe Josef si n'ụra teta, o mere dịka mmụọ ozi Onyenwe anyị nyere ya n'iwu. Ọ kpọọrọ Meri ka ọ bụrụ nwunye ya. **25** Ma ha abụọ edinakọghị tutu ruo mgbe ọ mụsịrị nwa nwoke, onye ọ kpọrọ aha ya Jisọs.

2 Mgbe a mụchara Jisọs na Betlehem nke Judịa n'oge Herọd bụ eze, ndị amamihe si ọwụwa anyanwụ bịaruru Jerusalem, **2** na-ajụ ajụjụ sị, "Olee ebe ọ nọ, bụ onye a mụrụ ịbụ eze ndị Juu? Anyị hụrụ kpakpando ya n'ọwụwa anyanwụ, ma bịa ịkpọ isiala nye ya." **3** Mgbe eze Herọd nụrụ nke a, obi lọrọ ya mmiri nke ukwuu, ya na ndị niile bi na Jerusalem. **4** Mgbe ọ kpọkọtara ndịisi nchụaja na ndị ozizi iwu niile, ọ jụrụ ha, olee ebe e kwuru na a ga-amụ Kraịst ahụ. **5** Ha zara ya sị, "Na Betlehem nke Judịa. N'ihi na otu a ka onye amụma ahụ dere n'akwụkwọ sị, **6** "'Ma gị onwe gị, Betlehem, dị n'ala Juda, ị dighị nta karịchasịa n'etiti ndị ọchịchị Juda, n'ihi na ọ bụ site na gị ka onye ọchịchị ga-esi pụta, onye ga-achị ndị nke m Izrel.'" **7** Mgbe ahụ Herọd kpọrọ ndị amamihe ahụ na nzuzo jụpụta ha banyere oge kpakpando ahụ ji pụta ìhè. **8** O zipụrụ ha ije Betlehem sị ha, "Gaanụ lee anya nke ọma chọpụta ebe nwantakịrị ahụ nọ. Mgbe unu chọtara ya, bịanụ mee ka m mara, ka m gaakwa kpọọ isiala nye ya." **9** Mgbe ha nụrụ okwu eze, ha pụrụ gawa, ma kpakpando ahụ ha hụrụ n'ọwụwa anyanwụ pụtakwara ọzọ, na-aga n'ihu ha ruo mgbe ọ bịara guzo n'elu ebe nwantakịrị ahụ nọ. **10** Ha ṅụrịrị ọṅụ nke ukwuu mgbe ha hụrụ kpakpando ahụ. **11** Ka ha banyere n'ụlọ ahụ, ha hụrụ nwantakịrị ahụ na nne ya Meri, ha gburu ikpere n'ala ma kpọọrọ ya isiala. Ha meghere akpa akụ ha nye ya onyinye ọlaedo na ọkpụrụkpụ eso osisi na-esi isi ụtọ a na-akpọ frankisens, ya na máá. **12** N'ihi na a dọrọ ha aka na ntị na nrọ ka ha ghara ịlaghachikwuru Herọd, ha sitere n'ụzọ ọzọ laghachi obodo ha. **13** Mgbe ndị amamihe ahụ lasịrị, mmụọ ozi Onyenwe anyị mere ka Josef hụ ya na nrọ, ọ sịrị ya, "Bilie ọsịịsọ kpọrọ nwantakịrị a na nne ya gbalaa Ijipt. Alọghachikwala tutu ruo mgbe m ga-agwa gị, n'ihi na Herọd na-achọ nwantakịrị a ka o gbuo ya." **14** N'oge abalị, Josef biliri kpọrọ Meri na nwantakịrị ahụ gbalaa Ijipt. **15** Ebe ahụ ka ha nọgidere tutu ruo mgbe Herọd nwụrụ. Nke a mere ka okwu ahụ Onyenwe anyị kwuru site n'ọnụ onye amụma mezuo. "Ọ bụkwa site n'Ijipt ka m kpọpụtara nwa m." **16** Iwe were Herọd nke ukwuu mgbe ọ chọpụtara na ndị amamihe ahụ aghọọla ya aghụghọ. N'ihi ya, o nyere iwu banyere Betlehem na obodo nta ndị ọzọ gbara ya gburugburu, ka ha gbuo ụmụntakịrị niile nọ n'obodo ndị a, bụ ndị gbara site n'afọ abụọ gbadaa, dị ka ihe ọ nụtara site n'ọnụ ndị amamihe si dị. **17** E sitekwara otu a mezuo amụma ahụ Jeremaya buru sị, **18** "A nụrụ otu olu na Rema, ịkwa akwa na oke iru ụjụ dị, Rechel na-akwa akwa n'ihi ụmụ ya; ọ dighị nkasiobi ọbụla dịrị ya, n'ihi na ha adighịkwa." **19** Mgbe Herọd nwụrụ, mmụọ ozi Onyenwe anyị bịakwutere Josef na nrọ n'Ijipt **20** sị ya, "Bilie, kpọrọ nwantakịrị ahụ na nne ya laghachi n'ala Izrel n'ihi na ndị na-achọ igbu ya anwụọla." **21** Ya mere, o biliri, kpọọrọ nwantakịrị ahụ na nne ya, laghachi n'ala Izrel. **22** Mgbe ọ nụrụ na eze ọhụrụ gbanwere Herọd na Judịa bụ nwa ya a na-akpọ Akelus, egwu tụrụ Josef ịlaghachi ebe ahụ. Ma n'ihi na adọwo ya aka na ntị na nrọ, ọ wezugara onwe ya gaa n'akụkụ Galili. **23** Ọ gara biri n'obodo a na-akpọ Nazaret. E sitekwara otu a mezuo okwu ọnụ ndị amụma sị na, "A ga-akpọ ya onye Nazaret."

3 N'oge ahụ, Jọn omee baptizim bịara na-ezisa ozi n'ọzara Judịa. Isi okwu ya bụ, **2** "Chegharịanụ, n'ihi na alaeze eluigwe dị nso." **3** N'ihi na nwoke a bụ onye e kwuru okwu banyere ya site n'ọnụ onye

Mateo

1 Daytoy ti libro a nakailistaan ti kapuonan ni Jesu-Cristo
nga anak ni David nga anak ni Abraham. **2** Ni Abraham
ti ama ni Isaac, ken ni Isaac ti ama ni Jacob, ken ni Jacob ti
ama ni Judah ken dagiti kakabsatna a lallaki. **3** Ni Judah ti
ama ni Perez ken Zerah a putotna kenni Tamar, ni Perez ti
ama ni Hezron, ket ni Hezron ti ama ni Ram. **4** Ni Ram ti
ama ni Amminadab, ni Amminadab ti ama ni Nahshon, ket
ni Nahshon ti ama ni Salmon. **5** Anakda Salmon ken Rahab
ni Boaz, ket ni Boaz ken ni Ruth, anakda ni Obed, ni Obed ti
ama ni Jesse, **6** ni Jesse ti ama ni David nga ari. Ni David
putotna ni Solomon iti asawa ni Uriah. **7** Ni Solomon ti ama
ni Rehoboam, ni Rehoboam ti ama ni Abijah, ni Abijah ti
ama ni. **8** Ni Asa ti ama ni Jehoshaphat, ni Jehoshaphat ti
ama ni Joram, ken ni Joram ti ama ni Uzziah. **9** Ni Uzziah ti
ama ni Jotham, ni Jotham ti ama ni Ahaz, ni Ahaz ti ama ni
Hezekiah. **10** Ni Hezekiah ti ama ni Manasseh, ni Manasseh
ti ama ni Ammon, ken ni Ammon ti ama ni Josiah. **11** Ni
Josiah ti ama ni Jechoniah ken dagiti kakabsatna a lallaki idi
tiempo ti pannakaipanda idiay Babilonia. **12** Ket kalpasan
ti pannakaipanda idiay Babilonia, ni Jechoniah ti ama ni
Shealtiel, ni Shealtiel ti kapuonan ni Zerubbabel. **13** Ni
Zerubbabel ti ama ni Abiud, ni Abiud ti ama ni Eliakim, ken ni
Eliakim ti ama ni Azor. **14** Ni Azor ti ama ni Zadok, ni Zadok
ti ama ni Achim, ken ni Achim ti ama ni Eliud. **15** Ni Eliud ti
ama ni Eleazar, ni Eleazar ti ama ni Matthan, ken ni Matthan
ti ama ni Jacob. **16** Ni Jacob ti ama ni Jose nga asawa ni
Maria a nangiyanak kenni Jesus, a naawagan iti Cristo. **17**
Amin dagiti henerasion manipud kenni Abraham iagingga
kenni David ket sangapulo ket uppat a henerasion, manipud
kenni David inggana iti pannakaipanda idiay Babilonia
ket sangapulo ket uppat a henerasion, ken manipud iti
pannakaipanda idiay Babilonia agingga kenni Cristo ket
sangapulo ket uppat a henerasion. **18** Ti pannakaiyanak
ni Jesus ket napasamak kadagiti sumaganad a wagas. Ti
inana a ni Maria ket naikeddengen a makikallaysa kenni
Jose, ngem sakbay iti panagmaymaysada, naammoanda a
masikog isuna babaen ti Espiritu Santo. **19** Ti asawana,
ni Jose ket nalinteg a tao, ngem saanna a kayat nga
ibabain isuna iti publiko. Isunga ingkeddengna a putden a
sililimed ti naikeddengen a panagkallaysada. **20** Kabayatan
ti panangpanpanunotna kadagitoy a banbanag, nagparang
ti maysa nga anghel ti Apo kenkuana iti tagtagainep,
kunana, "Jose, nga anak ni David, saanka nga agbuteng a
mangasawa kenni Maria, gapu ta ti sikogna ket babaen iti
Espiritu Santo. **21** Agipasngayto iti lalaki, ket panaganamto
iti Jesus, ta isalakannanto dagiti tattaona manipud kadagiti
basbasolda." **22** Napasamak amin dagitoy tapno matungpal
no ania ti imbaga ti Apo babaen iti profeta, kunana, **23**
"Kitaenyo, agsikogto ti maysa a birhen ket aganak iti maysa
a lalaki ket awagandanto iti Immanuel, - ti kayatna a sawen
ket, "Ti Dios ket adda kadatayo." **24** Nagriing ni Jose
manipud iti pannaturogna ket inaramidna kas imbilin ti
anghel ti Apo kenkuana ket inasawana ni Maria. **25** Nupay
kasta, saanna a kinaidda agingga iti panangipasngayna iti
ubing a lalaki. Ket pinanagananna iti Jesus.

2 Kalpasan a naiyanak ni Jesus idiay Betlehem a sakop
ti Judea, kadagiti aldaw ni ari Herodes, adda dagiti
nakaadal a lallaki a naggapu iti daya a dimteng idiay
Jerusalem a kunada, **2** "Sadino ti ayan ti naiyanak nga Ari
dagiti Judio? Nakitami ti bituenna iti daya ket immaykami
nga agrukbab kenkuana." **3** Idi nangngeg daytoy ni Herodes
nga ari, nariribukan isuna, kasta met ti entero a Jerusalem.
4 Pinaayaban amin ni Herodes dagiti panguloen a papadi
ken dagiti eskriba dagiti tattao, ket sinaludsodna kadakuada,
"Sadino ti pakaiyanakan ti Cristo?" **5** Imbagada kenkuana,
"Idiay Betlehem ti Judea, ta daytoy ti insurat ti profeta, **6**
'Ket sika, Betlehem, iti daga ti Juda, ket saan a sika ti
kanunomoan kadagiti mangidadaulo iti Juda, ta addanto
mangiturturay nga agtaudto kenka a mangipastor kadagiti
tattaok nga Israel." **7** Ket sililimed nga inayaban ni Herodes
dagiti nakaadal a lallaki tapno saludsodenna kadakuada no
ania ti apag-isu nga oras a nagparang ti bituen. **8** Imbaonna
ida idiay Betlehem, a kunana, "Mapankayo ket birokenyo
a nalaing ti ubing. No mabirokanyo isuna, ipakaammoyo
kaniak, tapno umayak met ket agrukbabak kenkuana." **9**
Kalpasan a nangngegda ti ari, intuloyda ti nagdaliasat,
ket ti bituen a nakitada iti daya indalanna ida agingga a
nagsardeng iti batog ti ayan ti ubing. **10** Idi nakitada ti bituen,
nagragsakda nga addaan iti kasta unay a naindaklan a rag-
o. **11** Simrekda iti balay ket nakitada ti ubing a kaduana
ni Maria nga inana. Nagparintumengda ken nagrukbabda
kenkuana. Linukatanda dagiti ayan ti agkakapateg a banag
a kukuada ket indatonda kenkuana dagiti sagsagut a
balitok, insenso ken mirra. **12** Binallaagan ida ti Dios iti
tagtagainep a saandan nga agsubli kenni Herodes, isu a
pimmanawda nga agturong kadagiti bukodda a pagilian
babaen iti sabali a dalan. **13** Kalpasan a pimmanawda,
adda anghel ti Apo a nagparang kenni Jose iti tagtagainep a
kinunana, "Bumangonka, alaem ti ubing ken ti inana, ket
tumaraykayo idiay Egipto. Agtalinaedkayo idiay agingga
nga ibagak kenka, ta birukento ni Herodes ti ubing tapno
dadaelenna isuna." **14** Iti dayta a rabii, bimmangon ni
Jose ket innalana ti ubing ken ti inana ket napanda idiay
Egipto. **15** Nagtalinaed isuna sadiay agingga iti ipapatay ni
Herodes. Daytoy ti nakatungpalan ti imbaga ti Apo babaen
iti profeta, "Manipud iti Egipto, inawagak ti anakko." **16**
Ket ni Herodes, idi nadlawna nga inallilaw isuna dagiti
nakaadal a lallaki, nakaunget iti kasta unay. Nangibaon
isuna ket impapatayna amin nga ubbing a lallaki nga adda
idiay Betlehem, ken iti amin nga adda iti dayta a rehion nga
agtawen iti dua nga agpababa, sigun iti apag- isu a tiempo
a naammoanna manipud kadagiti nakaadal a lallaki. **17**
Ket natungpal no ania iti naisao babaen kenni Jeremias a
profeta, **18** "Adda timek a nangngeg idiay Rama, sangsangit
ken nakaro a dungdung-aw, agsangsangit ni Raquel para
kadagiti annakna, ket agkedked isuna a maliwliwa, gapu ta
awandan. **19** Idi natayen ni Herodes, pagamoan, ket adda
nagparang nga anghel ti Apo kenni Jose idiay Egipto iti
maysa a tagtagainep ket kinunana, **20** "Bumangonka ket
alaem ti ubing ken ti inana ket mapankayo idiay daga ti
Israel, ta dagiti nagpanggep iti dakes iti biag ti ubing ket
nataydan." **21** Bimmangon ni Jose, ket innalana ti ubing
ken ti inana, ket immay iti daga ti Israel. **22** Ngem idi
nangngeganna a ni Arkelao ti mangiturturay iti Judea a kas
kasukat ti amana a ni Herodes, nagbuteng isuna a mapan
sadiay. Kalpasan a binallaagan ti Dios isuna iti tagtagainep,
pimmanaw iti rehion ti Galilea **23** ket napan ken nagnaed iti

Matius

1 Inilah daftar nenek moyang Yesus Kristus, keturunan
Daud, keturunan Abraham. Dari Abraham sampai Daud,
nama-nama nenek moyang Yesus sebagai berikut: **2**
Abraham, Ishak, Yakub, Yehuda dan saudara-saudaranya,
Peres dan Zerah (ibu mereka bernama Tamar), Hezron,
Ram, Aminadab, Nahason, Salmon, Boas (ibunya adalah
Rahab), Obed (ibunya ialah Rut), Isai, **6** dan Raja Daud. Dari
Daud sampai pada masa bangsa Israel dibuang ke Babel
tercatat nama-nama berikut ini: Salomo (ibunya adalah bekas
istri Uria), **7** Rehabeam, Abia, Asa, Yosafat, Yoram, Uzia,
Yotam, Ahas, Hizkia, Manasye, Amon, Yosia, Yekhonya dan
saudara-saudaranya. **12** Dari masa bangsa Israel dibuang
ke Babel sampai kelahiran Yesus tercatat nama-nama
berikut ini: Yekhonya, Sealtiel, Zerubabel, Abihud, Elyakim,
Azur, Zadok, Akhim, Eliud, Eleazar, Matan, Yakub, Yusuf
suami Maria. Dan dari Maria itulah lahir Yesus yang disebut
Kristus. **17** Jadi dari Abraham sampai Daud, semuanya
ada empat belas generasi. Dari Daud sampai masa bangsa
Israel dibuang ke Babel ada empat belas generasi juga.
Dari masa bangsa Israel dibuang ke Babel sampai kelahiran
Kristus ada pula empat belas generasi. **18** Beginilah
kisah tentang kelahiran Yesus Kristus. Ibu-Nya yaitu Maria,
bertunangan dengan Yusuf. Tetapi sebelum mereka menikah,
ternyata Maria sudah mengandung. Yusuf tidak tahu bahwa
Maria mengandung karena kuasa Roh Allah. **19** Yusuf,
tunangannya itu, adalah seorang yang selalu mentaati
hukum agama. Jadi ia mau memutuskan pertunangannya,
tetapi dengan diam-diam, supaya Maria tidak mendapat
malu di muka umum. **20** Sementara Yusuf menimbang-
nimbang hal itu, ia bermimpi. Dalam mimpinya itu, ia melihat
seorang malaikat Tuhan yang berkata kepadanya, "Yusuf,
keturunan Daud, jangan takut menikah dengan Maria; sebab
anak yang di dalam kandungannya itu terjadi oleh kuasa
Roh Allah. **21** Maria akan melahirkan seorang anak laki-
laki. Anak itu harus engkau beri nama Yesus, karena Ia
akan menyelamatkan umat-Nya dari dosa mereka." **22**
Semuanya itu terjadi demikian supaya terlaksana apa yang
dikatakan Tuhan melalui nabi-Nya, yaitu, **23** "Seorang
perawan akan mengandung dan melahirkan seorang anak
laki-laki. Anak itu akan dinamakan Imanuel." (Imanuel adalah
kata Ibrani yang berarti, "Allah ada bersama kita".) **24**
Sesudah Yusuf bangun, ia melakukan apa yang dikatakan
malaikat Tuhan itu kepadanya. Ia menikah dengan Maria.
25 Tetapi selama Maria belum melahirkan anaknya itu, Yusuf
tidak bercampur dengan Maria. Dan sesudah anak itu lahir,
Yusuf menamakan-Nya Yesus.

2 Yesus dilahirkan di kota Betlehem di negeri Yudea
pada masa pemerintahan Raja Herodes. Pada waktu itu
beberapa ahli ilmu bintang dari Timur datang ke Yerusalem.
2 Mereka bertanya di mana-mana, "Di manakah Anak itu,
yang lahir untuk menjadi raja orang Yahudi? Kami melihat
bintang-Nya terbit di sebelah timur, dan kami datang untuk
menyembah Dia." **3** Ketika Raja Herodes mendengar
hal itu, ia terkejut sekali, begitu juga semua orang di
Yerusalem. **4** Maka ia menyuruh semua imam kepala
dan guru-guru agama bangsa Yahudi datang berkumpul.
Lalu ia bertanya kepada mereka, "Di manakah akan lahir
Raja yang dijanjikan Allah?" **5** Mereka menjawab, "Di kota
Betlehem di negeri Yudea. Sebab beginilah ditulis oleh
seorang nabi, **6** 'Engkau Betlehem, di negeri Yehuda,
engkau sekali-kali bukanlah yang terkecil di antara kota-
kota utama di Yehuda. Karena dari engkau akan datang
seorang pemimpin yang akan memimpin umat-Ku Israel.'" **7**
Sesudah mendapat keterangan itu, Herodes memanggil
ahli-ahli bintang dari Timur itu secara diam-diam. Lalu ia
bertanya kepada mereka kapan tepatnya bintang itu mulai
kelihatan. **8** Sesudah itu ia menyuruh mereka ke Betlehem
dengan pesan ini, "Pergilah, carilah Anak itu dengan teliti.
Dan kalau kalian menemukan Dia, beritahukanlah kepadaku,
supaya aku juga pergi menyembah Dia." **9** Lalu pergilah
mereka. Mereka melihat lagi bintang yang mereka lihat
dahulu di sebelah timur. Alangkah gembiranya mereka
melihat bintang itu! Bintang itu mendahului mereka, lalu
berhenti tepat di atas tempat Anak itu. **11** Mereka masuk ke
dalam rumah itu dan melihat Anak itu dengan Maria, ibu-
Nya. Mereka sujud dan menyembah Anak itu, lalu membuka
tempat harta mereka, dan mempersembahkan kepada-
Nya emas, kemenyan, dan mur. **12** Allah memperingatkan
mereka di dalam mimpi supaya jangan kembali kepada
Herodes. Jadi mereka pulang melalui jalan yang lain. **13**
Setelah ahli-ahli bintang itu berangkat, malaikat Tuhan
menampakkan diri kepada Yusuf di dalam mimpi. Malaikat
itu berkata, "Herodes bermaksud mencari Anak itu untuk
membunuh Dia. Karena itu bangunlah, bawalah Anak itu
dengan ibu-Nya mengungsi ke Mesir. Tinggallah di sana
sampai Aku berbicara lagi kepadamu." **14** Yusuf bangun,
dan malam itu juga ia membawa Anak itu dengan ibu-Nya
mengungsi ke Mesir. **15** Mereka tinggal di sana sampai
Herodes meninggal. Demikian terjadilah apa yang dikatakan
Tuhan melalui nabi-Nya, begini, "Aku memanggil Anak-
Ku dari Mesir." **16** Ketika Herodes tahu bahwa ahli-ahli
bintang dari Timur itu menipunya, ia marah sekali. Lalu ia
memerintahkan untuk membunuh semua anak laki-laki yang
berumur dua tahun ke bawah di Betlehem dan sekitarnya.
Itu cocok dengan keterangan yang didapatnya dari ahli-
ahli bintang itu tentang saatnya bintang itu kelihatan. **17**
Demikianlah terjadi apa yang pernah dikatakan oleh Nabi
Yeremia, yaitu, **18** "Di Rama terdengar suara ratapan,
keluhan serta tangisan. Rahel meratapi anak-anaknya; ia
tak mau dihibur sebab mereka sudah tiada." **19** Sesudah
Herodes meninggal, ketika Yusuf masih di Mesir seorang
malaikat Tuhan menampakkan diri lagi kepada Yusuf di
dalam mimpi. **20** Malaikat itu berkata, "Orang-orang yang
mau membunuh Anak itu sudah meninggal. Karena itu
bangunlah, ambil Anak itu dengan ibu-Nya dan kembalilah
ke Israel." **21** Yusuf pun bangun, lalu membawa Anak
itu dengan Maria kembali ke Israel. **22** Tetapi kemudian
Yusuf mendengar bahwa Arkelaus, putra Herodes sudah
menggantikan ayahnya menjadi raja negeri Yudea. Jadi
Yusuf takut pergi ke sana. Sesudah ia mendapat petunjuk
Tuhan lebih lanjut dalam mimpi, ia pergi ke daerah Galilea.
23 Di situ ia tinggal di kota yang bernama Nazaret. Dengan

Matius

1 Kitab ini mencatat tentang kisah Yesus sang Mesias, keturunan dari Daud, dan Daud adalah keturunan dari Abraham. Inilah permulaan garis keturunan-Nya. **2** Abraham, Ishak, Yakub, **3** Yehuda, Peres (dan Zerah, ibu mereka adalah Tamar), Hezron, **4** Ram, Aminadab, Nahason, **5** Salmon, Boaz (ibunya bernama Rahab), Obed (ibunya adalah Rut), Isai, **6** Raja Daud, Salomo (ibunya adalah mantan istri Uria), **7** Rehoboam, Abia, Asa, **8** Yosafat, Yoram, Uzia, **9** Yotam, Ahaz, Hizkia, **10** Manasye, Amon, Yosia, **11** dan Yosia ayah Yoyakhin dan saudara-saudaranya, pada waktu pembuangan ke Babel. **12** Sesudah bangsa Israel kembali pulang dari penawanan di Babel sampai Yesus dilahirkan, inilah daftar nenek moyang-Nya, yaitu Sealtiel, Zerubabel, **13** Abiud, Eliakim, Azor, **14** Zadok, Akim, Eliud, **15** Eleazar, Matan, Yakub. **16** Dan Yusuf yang adalah suami Maria, ibu Yesus, yang disebut Mesias. **17** Jadi mulai dari Abraham sampai Daud ada 14 generasi, dari Daud sampai bangsa Israel diangkut ke Babel sebagai tawanan ada 14 generasi, dan sesudah kembali dari penawanan sampai lahirnya Mesias, ada 14 generasi.
18 Inilah kisah kelahiran Yesus sang Mesias. Ibu-Nya, Maria bertunangan dengan Yusuf, tetapi sebelum mereka sah menjadi suami dan istri, Maria sudah hamil oleh karena kuasa Roh Kudus. **19** Yusuf, tunangan Maria, adalah seorang pria yang baik dan tidak ingin mempermalukan Maria di depan umum, maka dia bermaksud untuk memutuskan pertunangan mereka dengan diam-diam. **20** Sementara Yusuf sedang memikirkan hal ini, malaikat Tuhan datang kepadanya dalam mimpinya dan berkata, "Yusuf, keturunan Daud, janganlah takut untuk menikahi Maria sebab dia hamil oleh kuasa Roh Kudus. **21** Dia akan melahirkan seorang anak laki-laki dan kamu akan memberi nama Yesus kepada anak itu, sebab anak itu akan menyelamatkan orang-orang dari dosa-dosa mereka." **22** (Semua ini terjadi untuk menepati janji-janji yang Tuhan berikan melalui nabinya: **23** "Seorang perawan akan mengandung, dan akan melahirkan seorang anak laki-laki. Dan mereka akan menyebut anak itu Imanuel," yang artinya "Allah ada bersama kita.") **24** Ketika Yusuf bangun dari tidurnya, dia melakukan apa yang dikatakan oleh malaikat Tuhan itu. **25** Yusuf menikahi Maria, tapi tidak bersetubuh dengannya sampai sesudah Maria melahirkan seorang anak laki-laki, dan memberi-Nya nama Yesus.

2 Sesudah Yesus dilahirkan di kota Betlehem di daerah Yudea di bawah pemerintahan Raja Herodes, beberapa orang bijak datang dari arah timur ke Yerusalem. **2** "Dimanakah Raja orang Yahudi yang baru lahir itu?" tanya mereka. "Kami melihat bintangnya di timur dan kami datang untuk menyembah Dia." **3** Ketika Raja Herodes mendengar berita ini, dia dan seluruh penduduk Yerusalem merasa sangat gelisah. **4** Lalu Herodes memanggil semua imam kepala dan guru-guru agama, dan bertanya di mana Mesias seharusnya dilahirkan. **5** "Di kota Betlehem di daerah Yudea", jawab mereka, "sebab itulah yang ditulis oleh para nabi: **6** 'Betlehem di daerah Yudea, kamu tidak menjadi kota yang paling tidak penting di antara kota-kota besar di Yehuda, sebab seorang pemimpin yang berasal dari padamu akan menggembalakan umat-Ku Israel.'"
7 Lalu Herodes memanggil orang-orang bijak itu dan mengadakan pertemuan dengan mereka secara pribadi. Dalam pertemuan ini Herodes mendapat tahu dari mereka waktu yang tepat tentang kapan bintang itu muncul pertama kali. **8** Dan dikirimnya mereka ke kota Betlehem dengan pesan, "Ketika kalian tiba di sana, carilah tempat anak itu berada. Dan ketika kalian menemukan-Nya, segeralah mengabariku, agar saya juga dapat datang dan menyembah Dia juga." **9** Sesudah mereka mendengar perkataan sang raja, mereka berangkat. Di langit muncul bintang yang mereka lihat di timur yang memimpin mereka selama ini, sampai bintang itu kemudian berhenti tepat di atas tempat di mana anak itu berada. **10** Maka ketika mereka melihat bintang itu, sangat bersukacitalah mereka! **11** Lalu masuklah mereka ke dalam rumah itu dan melihat anak itu bersama dengan Maria, ibunya. Mereka membungkukkan tubuh dan menyembah Dia. Lalu membuka tas-tas mereka yang penuh dengan harta benda, dan memberi kepada-Nya hadiah berupa emas, kemenyan, dan mur. **12** Karena diperingati dalam mimpi untuk tidak kembali kepada Herodes, orang-orang bijak ini kembali ke negeri mereka melalui jalan yang berbeda. **13** Dan sesudah orang-orang bijak itu pulang, malaikat Tuhan muncul kembali kepada Yusuf melalui sebuah mimpi, dan berkata, "Bangunlah, dan bawalah anak itu dengan ibunya, dan larilah ke Mesir. Tinggallah di situ sampai saya memberi kabar lagi kepadamu untuk kembali. Sebab Herodes ingin mencari Anak itu dan membunuh Dia." **14** Maka malam itu juga Yusuf bangun, membawa Maria serta Yesus dan pergi menuju ke Mesir. **15** Dan mereka menetap di sana sampai Herodes meninggal. Kejadian ini memenuhi

Matius

1 Inilah silsilah Yesus Kristus, anak Daud, anak Abraham. **2** Abraham memperanakkan Ishak, Ishak memperanakkan Yakub, Yakub memperanakkan Yehuda dan saudara-saudaranya, **3** Yehuda memperanakkan Peres dan Zerah dari Tamar, Peres memperanakkan Hezron, Hezron memperanakkan Ram, **4** Ram memperanakkan Aminadab, Aminadab memperanakkan Nahason, Nahason memperanakkan Salmon, **5** Salmon memperanakkan Boas dari Rahab, Boas memperanakkan Obed dari Rut, Obed memperanakkan Isai, **6** Isai memperanakkan raja Daud. Daud memperanakkan Salomo dari isteri Uria, **7** Salomo memperanakkan Rehabeam, Rehabeam memperanakkan Abia, Abia memperanakkan Asa, **8** Asa memperanakkan Yosafat, Yosafat memperanakkan Yoram, Yoram memperanakkan Uzia, **9** Uzia memperanakkan Yotam, Yotam memperanakkan Ahas, Ahas memperanakkan Hizkia, **10** Hizkia memperanakkan Manasye, Manasye memperanakkan Amon, Amon memperanakkan Yosia, **11** Yosia memperanakkan Yekhonya dan saudara-saudaranya pada waktu pembuangan ke Babel. **12** Sesudah pembuangan ke Babel, Yekhonya memperanakkan Sealtiel, Sealtiel memperanakkan Zerubabel, **13** Zerubabel memperanakkan Abihud, Abihud memperanakkan Elyakim, Elyakim memperanakkan Azor, **14** Azor memperanakkan Zadok, Zadok memperanakkan Akhim, Akhim memperanakkan Eliud, **15** Eliud memperanakkan Eleazar, Eleazar memperanakkan Matan, Matan memperanakkan Yakub, **16** Yakub memperanakkan Yusuf suami Maria, yang melahirkan Yesus yang disebut Kristus. **17** Jadi seluruhnya ada: empat belas keturunan dari Abraham sampai Daud, empat belas keturunan dari Daud sampai pembuangan ke Babel, dan empat belas keturunan dari pembuangan ke Babel sampai Kristus. **18** Kelahiran Yesus Kristus adalah seperti berikut: Pada waktu Maria, ibu-Nya, bertunangan dengan Yusuf, ternyata ia mengandung dari Roh Kudus, sebelum mereka hidup sebagai suami isteri. **19** Karena Yusuf suaminya, seorang yang tulus hati dan tidak mau mencemarkan nama isterinya di muka umum, ia bermaksud menceraikannya dengan diam-diam. **20** Tetapi ketika ia mempertimbangkan maksud itu, malaikat Tuhan nampak kepadanya dalam mimpi dan berkata: "Yusuf, anak Daud, janganlah engkau takut mengambil Maria sebagai isterimu, sebab anak yang di dalam kandungannya adalah dari Roh Kudus. **21** Ia akan melahirkan anak laki-laki dan engkau akan menamakan Dia Yesus, karena Dialah yang akan menyelamatkan umat-Nya dari dosa mereka." **22** Hal itu terjadi supaya genaplah yang difirmankan Tuhan oleh nabi: **23** "Sesungguhnya, anak dara itu akan mengandung dan melahirkan seorang anak laki-laki, dan mereka akan menamakan Dia Imanuel" --yang berarti: Allah menyertai kita. **24** Sesudah bangun dari tidurnya, Yusuf berbuat seperti yang diperintahkan malaikat Tuhan itu kepadanya. Ia mengambil Maria sebagai isterinya, **25** tetapi tidak bersetubuh dengan dia sampai ia melahirkan anaknya laki-laki dan Yusuf menamakan Dia Yesus.

2 Sesudah Yesus dilahirkan di Betlehem di tanah Yudea pada zaman raja Herodes, datanglah orang-orang majus dari Timur ke Yerusalem **2** dan bertanya-tanya: "Di manakah Dia, raja orang Yahudi yang baru dilahirkan itu? Kami telah melihat bintang-Nya di Timur dan kami datang untuk menyembah Dia." **3** Ketika raja Herodes mendengar hal itu terkejutlah ia beserta seluruh Yerusalem. **4** Maka dikumpulkannya semua imam kepala dan ahli Taurat bangsa Yahudi, lalu dimintanya keterangan dari mereka, di mana Mesias akan dilahirkan. **5** Mereka berkata kepadanya: "Di Betlehem di tanah Yudea, karena demikianlah ada tertulis dalam kitab nabi: **6** Dan engkau Betlehem, tanah Yehuda, engkau sekali-kali bukanlah yang terkecil di antara mereka yang memerintah Yehuda, karena dari padamulah akan bangkit seorang pemimpin, yang akan menggembalakan umat-Ku Israel." **7** Lalu dengan diam-diam Herodes memanggil orang-orang majus itu dan dengan teliti bertanya kepada mereka, bilamana bintang itu nampak. **8** Kemudian ia menyuruh mereka ke Betlehem, katanya: "Pergi dan selidikilah dengan seksama hal-hal mengenai Anak itu dan segera sesudah kamu menemukan Dia, kabarkanlah kepadaku supaya akupun datang menyembah Dia." **9** Setelah mendengar kata-kata raja itu, berangkatlah mereka. Dan lihatlah, bintang yang mereka lihat di Timur itu mendahului mereka hingga tiba dan berhenti di atas tempat, di mana Anak itu berada. **10** Ketika mereka melihat bintang itu, sangat bersukacitalah mereka. **11** Maka masuklah mereka ke dalam rumah itu dan melihat Anak itu bersama Maria, ibu-Nya, lalu sujud menyembah Dia. Merekapun membuka tempat harta bendanya dan mempersembahkan persembahan kepada-Nya, yaitu emas, kemenyan dan mur. **12** Dan karena diperingatkan dalam mimpi, supaya jangan kembali kepada Herodes, maka pulanglah mereka ke negerinya melalui jalan lain. **13** Setelah orang-orang majus itu berangkat, nampaklah malaikat Tuhan kepada Yusuf dalam mimpi dan berkata: "Bangunlah, ambillah Anak itu serta ibu-Nya, larilah ke Mesir dan tinggallah di sana sampai Aku berfirman kepadamu, karena Herodes akan mencari Anak itu untuk membunuh Dia." **14** Maka Yusufpun bangunlah, diambilnya Anak itu serta ibu-Nya malam itu juga, lalu menyingkir ke Mesir, **15** dan tinggal di sana hingga Herodes mati. Hal itu terjadi supaya genaplah yang difirmankan Tuhan oleh nabi: "Dari Mesir Kupanggil Anak-Ku." **16** Ketika Herodes tahu, bahwa ia telah diperdayakan oleh orang-orang majus itu, ia sangat marah. Lalu ia menyuruh membunuh semua anak di Betlehem dan sekitarnya, yaitu anak-anak yang berumur dua tahun ke bawah, sesuai dengan waktu yang dapat diketahuinya dari orang-orang majus itu. **17** Dengan demikian genaplah firman yang disampaikan oleh nabi Yeremia: **18** "Terdengarlah suara di Rama, tangis dan ratap yang amat sedih; Rahel menangisi anak-anaknya dan ia tidak mau dihibur, sebab mereka tidak ada lagi." **19** Setelah Herodes mati, nampaklah malaikat Tuhan kepada Yusuf dalam mimpi di Mesir, katanya: **20** "Bangunlah, ambillah Anak itu serta ibu-Nya dan berangkatlah ke tanah Israel, karena mereka yang hendak membunuh Anak itu, sudah mati." **21** Lalu Yusufpun bangunlah, diambilnya Anak itu serta ibu-Nya dan pergi ke tanah Israel. **22** Tetapi setelah didengarnya, bahwa Arkhelaus menjadi raja di Yudea menggantikan Herodes, ayahnya, ia takut ke sana. Karena dinasihati dalam mimpi, pergilah Yusuf ke daerah Galilea. **23** Setibanya di sana iapun tinggal di sebuah kota yang bernama Nazaret. Hal itu terjadi supaya genaplah firman yang

Matius

1 Inilah daftar nenek moyang Kristus Yesus:
Dia berasal dari keturunan Daud, yang adalah
keturunan Abraham. **2** Inilah nenek moyang-Nya mulai
dari Abraham sampai Raja Daud: Abraham, Isak,
Yakub, Yehuda (dan saudara-saudaranya), Peres
(dan Zerah, ibu mereka bernama Tamar), Hesron,
Ram, Aminadab, Nahason, Salmon, Boas (ibunya
bernama Rahab), Obed (ibunya bernama Rut), Isai,
dan Raja Daud. **7** Kemudian mulai dari Daud sampai
masa pembuangan Israel ke negeri Babel, inilah
nenek moyang Yesus: Daud, Salomo (ibunya adalah
mantan istri Uria), Rehabeam, Abia, Asa, Yosafat,
Yoram, Uzia, Yotam, Ahas, Hiskia, Manasye, Amon,
Yosia, dan Yekonya (bersama saudara-saudaranya).
12 Terakhir, dari masa pembuangan bangsa Israel
ke Babel sampai Yesus dilahirkan, inilah nenek
moyang-Nya: Yekonya, Sealtiel, Zerubabel, Abihud,
Elyakim, Azor, Zadok, Akim, Eliud, Eleazar, Matan,
Yakub, dan Yusuf. Yusuf adalah suami Maria, dan
Maria adalah ibu Yesus, yang disebut Kristus. **17**
Jadi ada empat belas keturunan dari Abraham
sampai Daud, empat belas keturunan dari Daud
sampai waktu bangsa Israel dibawa ke Babel, dan
empat belas keturunan sejak bangsa Israel mulai
tinggal di negeri Babel sampai Kristus dilahirkan. **18**
Inilah kisah kelahiran Kristus Yesus. Seorang gadis
bernama Maria bertunangan dengan Yusuf. Marialah
yang nanti akan menjadi ibu Yesus. Tetapi sebelum
mereka menikah, ternyata Maria mengandung oleh
karena kuasa Roh Kudus. **19** Yusuf, tunangan
Maria, adalah seorang yang jujur dan baik hati.
Ketika Maria memberitahukan kepada Yusuf tentang
kehamilannya, Yusuf tidak mau mempermalukan
Maria di depan umum dengan mengatakan bahwa
Maria sudah melakukan percabulan. Jadi, dia
berencana memutuskan pertunangannya dengan
Maria secara diam-diam. **20** Tetapi waktu Yusuf sedang
memikirkan hal itu, datanglah malaikat kepadanya
dalam mimpi. Malaikat itu berkata, "Yusuf, keturunan
Daud, janganlah takut mengambil Maria sebagai
istrimu, karena anak yang di dalam kandungannya itu
berasal dari Roh Kudus. **21** Maria akan melahirkan
seorang Anak laki-laki. Namailah Anak itu Yesus,
karena Dialah yang akan menyelamatkan umat-Nya
dari dosa-dosa mereka." **22** Allah mengatur semua itu
supaya terjadi tepat sesuai dengan perkataan-Nya
melalui nubuatan nabi-Nya, **23** "Seorang perawan
akan mengandung dan melahirkan seorang Anak
laki-laki, dan Dia akan diberi nama Imanuel." (Imanuel
berarti, "Allah bersama dengan kita.") **24** Lalu Yusuf
bangun dari tidurnya dan melakukan seperti yang
dikatakan malaikat itu kepadanya, yaitu segera
menikahi Maria. **25** Namun, Yusuf tidak bersetubuh
dengan Maria sampai Anak sulung Maria itu lahir.
Kemudian Yusuf menamai Dia 'Yesus'.

2 Yesus lahir di kota Betlehem di wilayah Yudea,
pada zaman pemerintahan Raja Herodes di
bawah kekuasaan kerajaan besar Romawi. Kemudian
datanglah rombongan penafsir bintang dari suatu
negeri yang jauh di sebelah timur. Keahlian mereka
adalah meramalkan hal-hal penting dari perputaran
posisi bintang-bintang di langit. **2** Mereka bertanya-
tanya, "Di manakah Anak yang baru lahir itu, yang
akan menjadi Raja orang Yahudi? Kami sudah
melihat sebuah bintang muncul di sebelah timur,
yang adalah tanda kelahiran-Nya. Jadi kami datang
untuk menyembah Dia." **3** Mendengar berita itu, Raja
Herodes gelisah dan seluruh penduduk Yerusalem
ikut menjadi gempar. **4** Lalu Herodes memanggil
para imam kepala dan ahli Taurat untuk menanyakan
kepada mereka di mana Kristus akan lahir menurut
nubuatan. **5** Jawab mereka, "Di kota Betlehem di
Yudea. Karena ada nabi yang menuliskan perkataan
Allah begini, **6** 'Hai penduduk Betlehem di daerah
Yehuda, sekarang kota kalian tidak lagi dianggap kota
yang tidak penting di daerah itu, karena di Betlehem
akan lahir seorang pemimpin yang akan memimpin
umat-Ku Israel.'" **7** Kemudian Herodes mengadakan
pertemuan tertutup bersama rombongan penafsir
bintang itu sehingga dia mendapatkan keterangan
yang tepat dari mereka tentang kapan bintang itu
muncul pertama kali. **8** Kemudian dia menyuruh
mereka ke Betlehem serta berkata, "Pergi dan carilah
keterangan yang pasti tentang Anak itu. Setelah
kalian menemukan Dia, beritahukanlah kepada saya,
supaya saya juga pergi menyembah-Nya." **9** Sesudah
pertemuan itu, mereka pun berangkat. Saat mereka
melihat lagi bintang itu sedang naik di sebelah timur,
mereka sangat bersukacita. Lalu cahaya bintang itu
mengarahkan mereka dan berhenti di atas rumah
tempat Anak itu berada. **11** Lalu masuklah mereka ke
dalam rumah tersebut dan melihat Anak itu bersama
Maria, ibu-Nya. Mereka berlutut dan menyembah
Anak itu, kemudian membuka tempat barang bawaan
mereka dan memberikan kepada Anak itu berbagai
hadiah dari emas, kemenyan, dan mur. **12** Tidak lama
kemudian, Allah memberitahu mereka melalui mimpi
supaya tidak kembali kepada Herodes. Karena itu

Lúcás

1 Do bhrígh gur ghabhadar mórán do láimh sdair do sgríobhadh air na neithibh agá bhfuil a sáirfhios aguinne, **2** Do réir mar thugadar na dáoine do chonnairc lé na súilibh rein ó thús, agus do bhí ag miniosdrálachd na bréithre, dhúinne íad; **3** Do chonncas damhsa mar an gceudna, a Theophilus ro oirdheirc, ar bhfaghail feasa iomlan gach uile neithe ó na bhfíorthosach dhamh, a sgríobhadh chugadsa a nórdughadh, **4** Do chum go mbía deimhin na mbriathar, do múineadh dhuit agad **5** Re linn Iorúaith, rí thire Iúdaighe, do bhí sagart airighe dár bhainm Sacharías, do sheal Abía: agus a bhean dingheanuibh Aaróin, agus, Elísabet do baimn dhi. **6** Agus do bhádar a ráon nit ndáoinibh fíreanta a bhfíadhnuisi Dé, ag siobhal go neimhchiontach ann uile aitheantuibh agus órduighthibh an Tighearna. **7** Agus ní raíbh, shiochd orrtha, do bhrígh go raibh Elisábet aimrid agus go raibh áois mhór aca ar áon. **8** Agus tárla, an tan do bhí sé ag déanamh oifige an tsagairt a bhfiadhnuisi Déann a sheal fein, **9** Do réir ghnáthuighthe oifige an tsagairt, go ráinic dhó an túis do losgadh tar éis dul a sdeach go teampoll an Tighearna dhó. **10** Agus do bhí coimhthionól an phubail uile ag déanamh úrnuighe a muigh a naimsir na túise. **11** Agus do taidhbhreadh dhó aingeal an Tighearna na sheasamh ar an dtáoibh ndeas daltóir na túise. **12** Agus ar na fhaicsin do Shacharías, do bhí sé ar na bhúaidhreadh, agus do ghlac eagla é. **13** Achd a dubhairt an taingeal ris, Ná bíodh eagla ort, a Shacharías: óir do héisdeadh húrnuighe; agus béaruidh do bhean Elisábet mac dhuit, agus do bhéara tú Eóin mar ainm air. **14** Agus budh gáirdeachus agus lúathghháire dhuit é; agus biaidh lúathghaire ar mhóran fa na bhreith. **15** Oir bíaidh sé na dhuine mhór a bhfíadhnuisi an Tighearna, agus ni íobha sé fíon na deoch láidir; agus fós bíaidh sé lan don Spiorad Náomh, ó bhroinn a mháthar. **16** Agus fillfidh sé mórán do chlannuibh Israél chum an Tighearna a Ndia féin. **17** Oir géubhaidh seisean roimhesan a spioraid agus a shubháilce Elias, dfilleadh chroidheadh na naithreach chum na cloinne, agus na neasmhal chum gliocuis na dáoine gcomhthrom; agus dullmhughadh phobuil dhiongmhálta don Tighearna. **18** Agus a dubhairt Sacharías ris an aingeal, Cionnas bhías a fhios so agamsa? óir a táim um dhuine arsuidh, agus a tá áois mhór ag am mhnáoi. **19** Agus ar bhfreagra don aingeal a dubhairt sé ris, Is misi Gabríel, sheasas a bhfíadhnuisi Dé; agus do cuireadh mé do labhairt riotsa, agus dinnsin na núaidheachd maith so dhuit. **20** Agus, féuch, bíaidh tú gan úrlabhra, agus ní bá héidir leachd labhairt, go soithe an lá an a dtiocfaid na neithe so chum críche, do bhrígh nar chréid tu dom bhríathraibhsi, noch coimhlíonfuighear na nam féin. **21** Agus do bhí an pobal ag fuireach ré Sacharías, agus do biongnadh léo an fad do fhan sé sa teampoll. **22** Agus ar ndul a mach dhó, nír bhéidir leis labhairt ríu: agus do aithnigheadar go bhfacaidh sé taidhbhsi sa teampoll: óir do sméid sé orrtha, agus do fhan sé balbh. **23** Agus tárla dhó, an tan do coimhlionadh laéthe a mhiniosdrálachda, go ndeachaidh sé dhá thigh féin. **24** Agus tar éis na laethesi, do toirrcheadh Elisabet a bheansân, agus do fholaigh si í féin ar feadh chuig mios, ag rádh, **25** Oír is mar so do rinne an Tighearna rium ann sna laethibh an ar fhéuch sé oram, do thógbháil mo neimhcheana dhiom a measg na ndáoine. **26** Agus an sa seisiodh mi, do cuireadh an taingeall Gabríel ó Dhía go cathruigh don Ghalilé, dár bainm Násaret, **27** Dionnsuighe óighe ar a raibh ceart ag fear do thigh Dháibhí, dár aínm Ióseph; agus do bé do bainm do nóigh, Muire. **28** Agus ar ndul a sdeach dit hionnsuighe do naingeal, a dubhairt se, Dia do bheatha a ógh roghrásamhuil: a tá an Tighearna maille riot: is beannuighe thú eidir na mnáibh. **29** Agus an tan do chonnairc sí é, do bhí sí ar na búaidhreadh fá na bhriathraibh, agus do bhí sí ag smúaineadh créd an ghné bheannughteaso. **30** Agus a dubhairt an taineal ria, Ná bíodh eagla ort, a Mhuire: óir fúair tú grása ó Dhía. **31** Agus, féuch, bíaidh tú torrach ad bhruinn, agus béaraidh tú mac, agus do bhéara tú IOSA dainm air. **32** Bíaidh se mór, agus goirfidhear Mac an té is Airde dhe: agus do bhéura an Tighearna Día caithír Dháibhí, athar féin dhó. **33** Agus bíaidh sé na righ ar thigh lácob go bráth; agus ní bhía deireadh ar a ríoghachd. **(aiōn g165)** **34** Agus a dubhairt Muire ris a naingeal, Cionnas bhías so, óir ní bhfuil fios fir agamsa? **35** Agus ar bhfreagra do naingeal a dubhairt se ría, Tuirléonguidh an Spiorad Náomh ort, agus foiléochaidh cumhachda an té as Airde thú: uime sin an ní náomhtha bhéaras tú goirfighear Mac Dé dhe. **36** Agus, féuch, Elisabet do shiur, a tá sisi leis torrach air mhac ann a hárrsuigheachd: agus is sé so an seisiodh mí don mhnáoi úd, dá ngoirthear bean aimrid. **37** Oír ní bhía ní ar bith doidhéunta do Dhia. **38** Agus a dubhairt Muire, Féuch, banóglach an Tighearna; teagmhadh dhamhsa do réir do bhréithrisi. Agus do imthigh an taingeal úaithe. **39** Agus an tan do éirigh Muire ann sna laéthibh sin, do chúaidh sí go dheíthneasach chois sléibhe, go cathraigh Iúda; **40** Agus do chúaidh sí a steach go

Matayo

1 Kitabu ka ukoo wang'wa Yesu Kilisto ng'wana wang'wa Daudi, ng'wana wang'wa Ibrahimu. **2** Ibrahimu ae tata wang'wa Isaka, nu Isaka tata wang'wa Yakobo, nu Yakobo tata wang'wa Yuda nialuna akwe. **3** U Yuda ae tata wang'wa Peresi nu Sera kung'wa Tamari, Peresi tata wang'wa Hezeroni, nu Hezeroni tata wang'wa Ramu. **4** U Ramu ae tata wang'wa Aminadabu, Aminadabu tata wang'wa Nashoni, nu Nashoni tata wang'wa Salimoni. **5** Salimoni ae tata wang'wa Boazi kung'wa Rahabu, u Boazi tata wang'wa Obedi kung'wa Ruthi, u Obedi tata wang'wa Yese, **6** u Yese ae tata wang'wa mtemi Daudi, u Daudi ae tata wang'wa Sulemani kumu sungu wang'wa Uria. **7** Sulemani ae tata wang'wa Rehoboamu, Rehoboamu tata wang'wa Abiya, Abiya tata wang'wa Asa. **8** Asa ae tata wang'wa Yehoshafati, Yehoshafati tata wang'wa Yoramu, nu Yoramu tata wang'wa Uzia. **9** Uzia ae tata wang'wa Yothamu, u Yothamu ae tata wang'wa Ahazi, u Ahazi tata wang'wa Hezekia. **10** Hezekia ae tata wang'wa Manase, u Manase tata wang'wa Amoni nu Amoni tata wang'wa Yosia. **11** U Yosia ae tata wang'wa Yekonia nialuna akwe naiahoilwe kulongola ku Babeli. **12** Nai aholwa kulongola ku Babeli, Yekonia ae tata wang'wa Shetieli, u Shetieli ai sekulu wakwe nu Zerubabeli. **13** Zerubabeli ai tata wang'wa Abiudi, Abiudi tata wang'wa Eliakimu, nu Eliakimu tata wang'wa Azori. **14** Azori ai tata wang'wa Zadoki, nu Zadoki tata wang'wa Akimu, nu Akimu tata wang'wa Eliudi. **15** Eliudi ae tata wang'wa Elieza, Elieza tata wang'wa Matani nu Matani tata wang'wa Yakobo. **16** U Yakobo ai tata wang'wa Yusufu mugoha wang'wa Mariamu, kukeela ng'wenso u Yesu akatugwa, naewitangilwe Kilisto. **17** Wileli wehi puma u Ibrahimu nu Daudi ae wileli wikumi na inne, kupuma u Daudi nukunolwa kulongola ku Babeli ae wileli wi kumi na inne, nu kumakuholwa kulongola ku Babeli kupika kung'wa Yesu ae wileli ikumi na inne. **18** Kutugwa kung'wa Yesu Kilisto aeitwile ite, Mariamu, auligigwe nu Yusufu, akaze akile kutankanya, akigeeleka ukete nda ang'wau ng'welu. **19** Umugoha wakwe u Yusufu, ae muntu wa tai, singa akalowa kumuhumya uminyala u Mariamu. Akahia amuleke kenkunku. **20** Naukusiga ulukani nulanso, umalaika wang'wa Itunda akamizeela kukeela ndoti. Akalunga, "Yusufu ng'wana wang'wa Daudi, leka kugopa kumuhola u Mariamu anga msungu wako, nsoko inda nutite upatile kungulu ya ng'waung'welu. **21** Ukitunguila ng'wana mgoha ni lina lakwe ukumitanga Yesu, kunsoko ukuaguna antu ni milandu ao. **22** Aya ihi aigelekile kukondanilya iko naikiligitigwe ni Tunda kukeela anyakidagu, akalunga. **23** Gozi umunanso ukuhola nda nukitunguela ng'wana mugoha, ilina lakwe ukitangwa Immanueli, nsoko akwe "Itunda palung'wi nu sese." **24** Yusufu akauka kupuma mutulo akituma anga naulagiigwe nu malaika akamuhola akatula msungu wakwe. **25** Palung'wi nayo nanso singa aeihugee, singa akatugwa ung'wana akamitanga lina lakwe Yesu.

2 Nae watugwa u Yesu mkisale ka Bethelehemu a Uyahudi mumahiku ang'wa mutemi Herode, eantu nia manyi kupuma kilya na kuli ikapika ku Yerusalemu ikalunga. **2** Ukolipi uyu nutugilwe umutemi wa Ayahudi? Aza kuina nzota akwe kukilya nusese kapika kumukulya. **3** Matungo nu Herode aewija inkani izi akaambwa masigo makulu, i Yerusalemu ihi palung'wi nung'wenso. **4** Herode akailingiila iakulu ihi nawa neetunza inkani ya antu, akaakolya, "u Kilisto ukutugwa pee?" **5** Akamuila, "ukutugwa ku Bethelehemu a Uyahudi, kunsoko uu aeyandikilwe nianyakidagu, **6** Nue Bethelehemu, ihi ang'wa Yuda, singa wimunino muatongeeli ang'wa Yuda, kunsoko kupuma kitalako uzile mkulu nuziadima iantu ane Israeli." **7** Herode akaitanga iamanyi ankani kenkunku akaakolya ite matungo kelukulu inzota ai ezigela. **8** Akaatuma alongole ku Bethelehemu, akalunga, longoli kiisa uende mumuetume ung'wana nutugilwe. Matungo angamamuona, ulete inkani nunene nihuma kuza kumukulya." **9** Nai amija umtemi, ikalongoleka numuhinzo wao, ni nzota iyo naeamiine kukilya ikaatongeela ikimika migulya apo nung'wana utugiwe. **10** Nai amiona inzota ikalowa ikulu. **11** Ikingila mnyumba ikamuona ung'wana nutugilwe nu Mariamu unyinya wakwe. Ikamiloelya nukumukulya. Ikatungula imaintu nimaza naiatite ikamupa. **12** Itunda akaahugulya kukeela ndoti kusuka kung'wa Herode, kululo, ikahega kusuka kihe ao kukeela nzila ngiza. **13** Nai akondya kuhega, malaika akamuzeela Yusufu kukeela ndoti akalunga, "Uka, muhole ung'wana nu nyinya wakwe mumankeele ku Misri. Musige kuko mpaka ninzemuila kunsoko u Herode wenda ukumupenza amubulage. **14** Utiku wuwo u Yusufu akauka akamuhola ung'wana nu nyinya wakwe ikamankiila ku Misri. **15** Akikie kuko mpaka u Herode ikasha. Iko naikilingiligwe numunyakidagu, "Kupuma ku Misri numitangile ung'waane." **16** Kululo u Herode, akalunga kina iantu awa niahugu antendela ubi, akalaka. Akalagiilya kubulagwa ehi iang'enya niagoha ku Bethelehemu niatite miaka ibiile ni pihe

Matteo

1 Genealogia di Gesù Cristo figlio di Davide, figlio di Abramo. **2** Abramo generò Isacco, Isacco generò Giacobbe, Giacobbe generò Giuda e i suoi fratelli, **3** Giuda generò Fares e Zara da Tamar, Fares generò Esròm, Esròm generò Aram, **4** Aram generò Aminadàb, Aminadàb generò Naassòn, Naassòn generò Salmòn, **5** Salmòn generò Booz da Racab, Booz generò Obed da Rut, Obed generò Iesse, **6** Iesse generò il re Davide. Davide generò Salomone da quella che era stata la moglie di Urìa, **7** Salomone generò Roboamo, Roboamo generò Abìa, Abìa generò Asàf, **8** Asàf generò Giòsafat, Giòsafat generò Ioram, Ioram generò Ozia, **9** Ozia generò Ioatam, Ioatam generò Acaz, Acaz generò Ezechia, **10** Ezechia generò Manasse, Manasse generò Amos, Amos generò Giosia, **11** Giosia generò Ieconia e i suoi fratelli, al tempo della deportazione in Babilonia. **12** Dopo la deportazione in Babilonia, Ieconia generò Salatiel, Salatiel generò Zorobabèle, **13** Zorobabèle generò Abiùd, Abiùd generò Elìacim, Elìacim generò Azor, **14** Azor generò Sadoc, Sadoc generò Achim, Achim generò Eliùd, **15** Eliùd generò Eleàzar, Eleàzar generò Mattan, Mattan generò Giacobbe, **16** Giacobbe generò Giuseppe, lo sposo di Maria, dalla quale è nato Gesù chiamato Cristo. **17** La somma di tutte le generazioni, da Abramo a Davide, è così di quattordici; da Davide fino alla deportazione in Babilonia è ancora di quattordici; dalla deportazione in Babilonia a Cristo è, infine, di quattordici. **18** Ecco come avvenne la nascita di Gesù Cristo: sua madre Maria, essendo promessa sposa di Giuseppe, prima che andassero a vivere insieme si trovò incinta per opera dello Spirito Santo. **19** Giuseppe suo sposo, che era giusto e non voleva ripudiarla, decise di licenziarla in segreto. **20** Mentre però stava pensando a queste cose, ecco che gli apparve in sogno un angelo del Signore e gli disse: «Giuseppe, figlio di Davide, non temere di prendere con te Maria, tua sposa, perché quel che è generato in lei viene dallo Spirito Santo. **21** Essa partorirà un figlio e tu lo chiamerai Gesù: egli infatti salverà il suo popolo dai suoi peccati». **22** Tutto questo avvenne perché si adempisse ciò che era stato detto dal Signore per mezzo del profeta: **23** Ecco, la vergine concepirà e partorirà un figlio che sarà chiamato Emmanuele, Dio con noi. **24** Destatosi dal sonno, Giuseppe fece come gli aveva ordinato l'angelo del Signore e prese con sé la sua sposa, **25** la quale, senza che egli la conoscesse, partorì un figlio, che egli chiamò Gesù.

2 Gesù nacque a Betlemme di Giudea, al tempo del re Erode. Alcuni Magi giunsero da oriente a Gerusalemme e domandavano: **2** «Dov'è il re dei Giudei che è nato? Abbiamo visto sorgere la sua stella, e siamo venuti per adorarlo». **3** All'udire queste parole, il re Erode restò turbato e con lui tutta Gerusalemme. **4** Riuniti tutti i sommi sacerdoti e gli scribi del popolo, s'informava da loro sul luogo in cui doveva nascere il Messia. **5** Gli risposero: «A Betlemme di Giudea, perché così è scritto per mezzo del profeta: **6** E tu, Betlemme, terra di Giuda, non sei davvero il più piccolo capoluogo di Giuda: da te uscirà infatti un capo che pascerà il mio popolo, Israele. **7** Allora Erode, chiamati segretamente i Magi, si fece dire con esattezza da loro il tempo in cui era apparsa la stella **8** e li inviò a Betlemme esortandoli: «Andate e informatevi accuratamente del bambino e, quando l'avrete trovato, fatemelo sapere, perché anch'io venga ad adorarlo». **9** Udite le parole del re, essi partirono. Ed ecco la stella, che avevano visto nel suo sorgere, li precedeva, finché giunse e si fermò sopra il luogo dove si trovava il bambino. **10** Al vedere la stella, essi provarono una grandissima gioia. **11** Entrati nella casa, videro il bambino con Maria sua madre, e prostratisi lo adorarono. Poi aprirono i loro scrigni e gli offrirono in dono oro, incenso e mirra. **12** Avvertiti poi in sogno di non tornare da Erode, per un'altra strada fecero ritorno al loro paese. **13** Essi erano appena partiti, quando un angelo del Signore apparve in sogno a Giuseppe e gli disse: «Alzati, prendi con te il bambino e sua madre e fuggi in Egitto, e resta là finché non ti avvertirò, perché Erode sta cercando il bambino per ucciderlo». **14** Giuseppe, destatosi, prese con sé il bambino e sua madre nella notte e fuggì in Egitto, **15** dove rimase fino alla morte di Erode, perché si adempisse ciò che era stato detto dal Signore per mezzo del profeta: Dall'Egitto ho chiamato il mio figlio. **16** Erode, accortosi che i Magi si erano presi gioco di lui, s'infuriò e mandò ad uccidere tutti i bambini di Betlemme e del suo territorio dai due anni in giù, corrispondenti al tempo su cui era stato informato dai Magi. **17** Allora si adempì quel che era stato detto per mezzo del profeta Geremia: **18** Un grido è stato udito in Rama, un pianto e un lamento grande; Rachele piange i suoi figli e non vuole essere consolata, perché non sono più. **19** Morto Erode, un angelo del Signore apparve in sogno a Giuseppe in Egitto **20** e gli disse: «Alzati, prendi con te il bambino e sua madre e và nel paese d'Israele; perché sono morti coloro che insidiavano la vita del bambino». **21** Egli, alzatosi, prese con sé il bambino e sua madre, ed entrò nel paese d'Israele. **22** Avendo però saputo che era re

Matteo

1 LIBRO della generazione di Gesù Cristo, figliuolo di Davide, figliuolo di Abrahamo. **2** Abrahamo generò Isacco; ed Isacco generò Giacobbe; e Giacobbe generò Giuda, ed i suoi fratelli. **3** E Giuda generò Fares, e Zara, di Tamar; e Fares generò Esrom; ed Esrom generò Aram. **4** Ed Aram generò Aminadab; ed Aminadab generò Naasson; e Naasson generò Salmon. **5** E Salmon generò Booz, di Rahab; e Booz generò Obed, di Rut; ed Obed generò Iesse. **6** E Iesse generò il re Davide. E il re Davide generò Salomone, di quella [ch'era stata] di Uria. **7** E Salomone generò Roboamo; e Roboamo generò Abia; ed Abia generò Asa. **8** Ed Asa generò Giosafat; e Giosafat generò Gioram; e Gioram generò Hozia. **9** E Hozia generò Ioatam; e Ioatam generò Achaz; ed Achaz generò Ezechia. **10** Ed Ezechia generò Manasse; e Manasse generò Amon; ed Amon generò Giosia. **11** E Giosia generò Ieconia, e i suoi fratelli [che furono] al [tempo del]la cattività di Babilonia. **12** E, dopo la cattività di Babilonia, Ieconia generò Salatiel; e Salatiel generò Zorobabel. **13** E Zorobabel generò Abiud; ed Abiud generò Eliachim; ed Eliachim generò Azor. **14** Ed Azor generò Sadoc; e Sadoc generò Achim; ed Achim generò Eliud. **15** Ed Eliud generò Eleazaro; ed Eleazaro generò Mattan; e Mattan generò Giacobbe. **16** E Giacobbe generò Giuseppe, marito di Maria, della quale è nato Gesù, che è nominato Cristo. **17** Così tutte le generazioni, da Abrahamo fino a Davide, [son] quattordici generazioni; e da Davide fino alla cattività di Babilonia, altresì quattordici; e dalla cattività di Babilonia fino a Cristo, altresì quattordici. **18** OR la natività di Gesù Cristo avvenne in questo modo. Maria, sua madre, essendo stata sposata a Giuseppe, avanti che fossero venuti a stare insieme si trovò gravida; [il che era] dello Spirito Santo. **19** E Giuseppe, suo marito, essendo [uomo] giusto, e non volendola pubblicamente infamare, voleva occultamente lasciarla. **20** Ma, avendo queste cose nell'animo, ecco, un angelo del Signore gli apparve in sogno, dicendo: Giuseppe, figliuol di Davide, non temere di ricever Maria, tua moglie; perciocchè, ciò che in essa è generato è dello Spirito Santo. **21** Ed ella partorirà un figliuolo, e tu gli porrai nome Gesù; perciocchè egli salverà il suo popolo da' lor peccati. **22** Or tutto ciò avvenne, acciocchè si adempiesse quello ch'era stato detto dal Signore, per lo profeta, dicendo: **23** Ecco, la Vergine sarà gravida, e partorirà un figliuolo, il qual sarà chiamato Emmanuele; il che, interpretato, vuol dire: Dio con noi. **24** E Giuseppe, destatosi dal sonno, fece secondo che l'angelo del Signore gli avea comandato, e ricevette la sua moglie. **25** Ma egli non la conobbe, finchè ebbe partorito il suo figliuol primogenito. Ed ella gli pose nome Gesù.

2 ORA, essendo Gesù nato in Betleem di Giudea, a' dì del re Erode, ecco, de' magi d'Oriente arrivarono in Gerusalemme, dicendo: **2** Dov'è il Re de' Giudei, che è nato? Poichè noi abbiamo veduta la sua stella in Oriente, e siam venuti per adorarlo. **3** E il re Erode, udito [questo], fu turbato, e tutta Gerusalemme con lui. **4** Ed egli, raunati tutti i principali sacerdoti, e gli scribi del popolo, s'informò da loro dove il Cristo dovea nascere. **5** Ed essi gli dissero: In Betleem di Giudea; perciocchè così è scritto per lo profeta: **6** E tu, Betleem, terra di Giuda, non sei punto la minima fra i capi di Giuda; perciocchè di te uscirà un Capo, il qual pascerà il mio popolo Israele. **7** Allora Erode, chiamati di nascosto i magi, domandò loro del tempo appunto, che la stella era apparita. **8** E, mandandoli in Betleem, disse [loro:] Andate, e domandate diligentemente del fanciullino; e quando l'avrete trovato, rapportatemelo, acciocchè ancora io venga, e l'adori. **9** Ed essi, udito il re, andarono; ed ecco, la stella che aveano veduta in Oriente, andava dinanzi a loro, finchè giunta di sopra al luogo dov'era il fanciullino, vi si fermò. **10** Ed essi, veduta la stella, si rallegrarono di grandissima allegrezza. **11** Ed entrati nella casa, trovarono il fanciullino, con Maria, sua madre; e gettatisi [in terra], adorarono quello; ed aperti i lor tesori, gli offerirono doni: oro, incenso, e mirra. **12** Ed avendo avuta una rivelazione divina in sogno, di non tornare ad Erode, per un'altra strada si ridussero nel lor paese. **13** ORA, dopo che si furono dipartiti, ecco, un angelo del Signore apparve in sogno a Giuseppe, dicendo: Destati, e prendi il fanciullino, e sua madre, e fuggi in Egitto, e sta' quivi finch'io non tel dica; perciocchè Erode cercherà il fanciullino, per farlo morire. **14** Egli adunque, destatosi, prese il fanciullino, e sua madre, di notte, e si ritrasse in Egitto. **15** E stette quivi fino alla morte di Erode; acciocchè si adempiesse quello che fu detto dal Signore per lo profeta, dicendo: Io ho chiamato il mio figliuolo fuori di Egitto. **16** Allora Erode, veggendosi beffato dai magi, si adirò gravemente, e mandò a fare uccidere tutti i fanciulli che [erano] in Betleem, ed in tutti i suoi confini, d'età da due anni in giù, secondo il tempo, del quale egli si era diligentemente informato da' magi. **17** Allora si adempiè quello che fu detto dal profeta Geremia, dicendo: **18** Un grido è stato udito in Rama, un lamento, un pianto, ed un gran rammarichìo; Rachele piange i suoi figliuoli, e non è voluta esser consolata, perciocchè non son [più]. **19** ORA, dopo che Erode fu morto, ecco, un angelo del Signore apparve in sogno a Giuseppe, in Egitto, dicendo: **20** Destati, e prendi il fanciullino, e sua madre, e vattene nel paese d'Israele; perciocchè coloro che cercavano la vita del fanciullino son morti. **21** Ed egli, destatosi, prese il fanciullino, e sua madre, e venne nel paese d'Israele. **22** Ma, avendo udito che Archelao regnava in Giudea, in luogo di Erode, suo padre, temette di andar là; ed avendo avuta una

Matteo

1 Genealogia di Gesù Cristo figliuolo di Davide, figliuolo
d'Abramo. **2** Abramo generò Isacco; Isacco generò
Giacobbe; Giacobbe generò Giuda e i suoi fratelli; **3**
Giuda generò Fares e Zara da Tamar; Fares generò
Esrom; Esrom generò Aram; **4** Aram generò Aminadab;
Aminadab generò Naasson; Naasson generò Salmon;
5 Salmon generò Booz da Rahab; Booz generò Obed
da Ruth; Obed generò Iesse, **6** e Iesse generò Davide,
il re. E Davide generò Salomone da quella ch'era stata
moglie d'Uria; **7** Salomone generò Roboamo; Roboamo
generò Abia; Abia generò Asa; **8** Asa generò Giosafat;
Giosafat generò Ioram; Ioram generò Uzzia; **9** Uzzia
generò Ioatam; Ioatam generò Achaz; Achaz generò
Ezechia; **10** Ezechia generò Manasse; Manasse generò
Amon; Amon generò Giosia; **11** Giosia generò Ieconia e
i suoi fratelli al tempo della deportazione in Babilonia.
12 E dopo la deportazione in Babilonia, Ieconia generò
Salatiel; Salatiel generò Zorobabel; **13** Zorobabel generò
Abiud; Abiud generò Eliachim; Eliachim generò Azor;
14 Azor generò Sadoc; Sadoc generò Achim; Achim
generò Eliud; **15** Eliud generò Eleazaro; Eleazaro
generò Mattan; Mattan generò Giacobbe; **16** Giacobbe
generò Giuseppe, il marito di Maria, dalla quale nacque
Gesù, che è chiamato Cristo. **17** Così da Abramo fino
a Davide sono in tutto quattordici generazioni; e da
Davide fino alla deportazione in Babilonia, quattordici
generazioni; e dalla deportazione in Babilonia fino a
Cristo, quattordici generazioni. **18** Or la nascita di Gesù
Cristo avvenne in questo modo. Maria, sua madre,
era stata promessa sposa a Giuseppe; e prima che
fossero venuti a stare insieme, si trovò incinta per
virtù dello Spirito Santo. **19** E Giuseppe, suo marito,
essendo uomo giusto e non volendo esporla ad infamia,
si propose di lasciarla occultamente. **20** Ma mentre
avea queste cose nell'animo, ecco che un angelo del
Signore gli apparve in sogno, dicendo: Giuseppe, figliuol
di Davide, non temere di prender teco Maria tua moglie;
perché ciò che in lei è generato, è dallo Spirito Santo.
21 Ed ella partorirà un figliuolo, e tu gli porrai nome
Gesù, perché è lui che salverà il suo popolo dai loro
peccati. **22** Or tutto ciò avvenne, affinché si adempiesse
quello che era stato detto dal Signore per mezzo del
profeta: **23** Ecco, la vergine sarà incinta e partorirà un
figliuolo, al quale sarà posto nome Emmanuele, che,
interpretato, vuol dire: "Iddio con noi". **24** E Giuseppe,
destatosi dal sonno, fece come l'angelo del Signore gli
avea comandato, e prese con sé sua moglie; **25** e non
la conobbe finch'ella non ebbe partorito un figlio; e gli
pose nome Gesù.

2 Or essendo Gesù nato in Betleem di Giudea, ai dì
del re Erode, ecco dei magi d'Oriente arrivarono in
Gerusalemme, dicendo: **2** Dov'è il re de' Giudei che è
nato? Poiché noi abbiam veduto la sua stella in Oriente
e siam venuti per adorarlo. **3** Udito questo, il re Erode fu
turbato, e tutta Gerusalemme con lui. **4** E radunati tutti i
capi sacerdoti e gli scribi del popolo, s'informò da loro
dove il Cristo dovea nascere. **5** Ed essi gli dissero: In
Betleem di Giudea; poiché così è scritto per mezzo del
profeta: **6** E tu, Betleem, terra di Giuda, non sei punto
la minima fra le città principali di Giuda; perché da te
uscirà un Principe, che pascerà il mio popolo Israele.
7 Allora Erode, chiamati di nascosto i magi, s'informò
esattamente da loro del tempo in cui la stella era
apparita; **8** e mandandoli a Betleem, disse loro: Andate
e domandate diligentemente del fanciullino; e quando lo
avrete trovato, fatemelo sapere, affinché io pure venga
ad adorarlo. **9** Essi dunque, udito il re, partirono; ed ecco
la stella che aveano veduta in Oriente, andava dinanzi a
loro, finché, giunta al luogo dov'era il fanciullino, vi si
fermò sopra. **10** Ed essi, veduta la stella, si rallegrarono
di grandissima allegrezza. **11** Ed entrati nella casa,
videro il fanciullino con Maria sua madre; e prostratisi,
lo adorarono; ed aperti i loro tesori, gli offrirono dei doni:
oro, incenso e mirra. **12** Poi, essendo stati divinamente
avvertiti in sogno di non ripassare da Erode, per altra
via tornarono al loro paese. **13** Partiti che furono, ecco
un angelo del Signore apparve in sogno a Giuseppe
e gli disse: Lèvati, prendi il fanciullino e sua madre, e
fuggi in Egitto, e sta' quivi finch'io non tel dica; perché
Erode cercherà il fanciullino per farlo morire. **14** Egli
dunque, levatosi, prese di notte il fanciullino e sua
madre, e si ritirò in Egitto; **15** ed ivi stette fino alla morte
di Erode, affinché si adempiesse quello che fu detto dal
Signore per mezzo del profeta: Fuor d'Egitto chiamai il
mio figliuolo. **16** Allora Erode, vedutosi beffato dai magi,
si adirò gravemente, e mandò ad uccidere tutti i maschi
ch'erano in Betleem e in tutto il suo territorio dall'età
di due anni in giù, secondo il tempo del quale s'era
esattamente informato dai magi. **17** Allora si adempié
quello che fu detto per bocca del profeta Geremia:
18 Un grido è stato udito in Rama; un pianto ed un
lamento grande: Rachele piange i suoi figliuoli e ricusa
d'esser consolata, perché non sono più. **19** Ma dopo
che Erode fu morto, ecco un angelo del Signore apparve
in sogno a Giuseppe in Egitto, e gli disse: **20** Lèvati,
prendi il fanciullino e sua madre, e vattene nel paese
d'Israele; perché son morti coloro che cercavano la vita
del fanciullino. **21** Ed egli, levatosi, prese il fanciullino e
sua madre ed entrò nel paese d'Israele. **22** Ma udito che
in Giudea regnava Archelao invece d'Erode, suo padre,
temette d'andar colà; ed essendo stato divinamente
avvertito in sogno, si ritirò nelle parti della Galilea, **23** e

Umatiyu

1 Utuba abanga Yeso, vana Udauda, bi Sana bi Ibrahim Bini. **2** Ibrahim maa yoo Ishaku, Ishaku ma yoo yakubu, Yakubu mayoo Yahuda, nan anu henu umeme. **3** Yahuda me mani maa yoo Larisa nan Zaraha nan Farisa, usuro u Tamar, Farisa ma yoo Hasruna, Hasruna mayoo Aram. **4** Aram ma yoo Aminadab, Aminadab ma yoo Nashon, Nashon ma yoo Salman. **5** Salman mayoo Bo'aza usuro u Rahab. Bo'aza ma yoo Obida usuro u Rut, Obida ma yoo Yesse. **6** Yesse ma yoo Dauda ugomo, Dauda ma yoo Sulemanu desa a ino me mani unee u Uriya. **7** Sulemanu ma yoo Rehoboulam, Rehoboulam ma yoo Abiya, Abiya ma yoo Asa. **8** Asa ma yoo Yehoshafat, Yehoshafat ma yoo yoram, Yoram ma yoo Azariya. **9** A zariya ma yoo Yotam, Yotam ma yoo Ahas ma yoo Hezekiya. **10** Hezekiya ma yoo Manassa, Manassa ma yoo Amon, Amon ma yooYosiya. **11** Yosiya mayoo Yakoniya nan anu henu ume. **12** Uganya sa a ziki we u hana Ubabila, ba Yakoniya ma yoo Sheyaltiyel, sheyeltiyel ma yoo Zarubabel. **13** Zarubabel ma yoo Abihudu, Abihudu ma yoo Eliyakim, Eliyakim ma yoo Azuro. **14** Azuro ma yoo Suduku, Suduku ma yoo Akimu, Akimu ma yoo Aliyidu. **15** Aliyudu ma yoo Ele'azara, Ele'azara ma yoo Matana, Matana mayoo Yakubu. **16** Yakubu ma yoo Isubu uruma' u maryamu desa ma yoo Yeso, sa atisa me unu bura. **17** Vat bisana bi Ibrahim uhana u Dauda bisana kanu kirau in ka nazi. Usuro Udauda u'inta uwe uhani uwe ubabila me, bisana ukirau inkani ka nazi kani, u inta uwe ubabila uhana unu bura bisana ukirau in kani ka nazi. **18** Uyoo u Yeso uzi gusi ana sa Isubu maa zin inti nyari ti Maryamu a i'no a Yeso, adaza sarki uzika ume, a iri me ma tonno u suro ubibe bilau. **19** Uruma ume Isubu unu mani shew si, mada nyara me ma nya mu'i aje anu, ma ziki iriba ime madi harzina nan me in nihunzi. **20** Sa mara anyimo ubasa imum me, bibe bi ka dura kasere bi'e ahira ame atiroo, bigu, “Yusufu vana Dauda katu kun biyau ziki une uwe maryamu, barki apuru a gino bibe bilau bini” **21** Madi yoo vana udi nyame niza Yesu barki me mani madi buri a nu ame amadini. **22** Vat uwuzi ani me, barki a myinca imumbe sa Ugomo Asere ma buka unu kur zoutize. **23** “I ye kubura kudi we puru, ku yoo vana, adi wume ni za Emmanuel” (bi nyo bini zame Asere azi nan haru). **24** Sa Yusufu ma zuma amoro, matar si ti ze ti bibe bi kadura kasere ma ziki une ume. **25** Dama rusi nipum nume mayo ma in kime ni za Yesu.

2 U ganiya sa, aa yoo Yesu u Baitalami a ma nyanga mu yahudiya, Hirudus mani ma Ugomo, a kem ara anu tusa wirau ana za we e a Urushalima wa gu. **2** “Unu sa ayo me maraa Ugomo a Yahudawa? ta ira iwirau inza ta ayee ti nonzo me” **3** Sa Ugomo Hiridus mankunna anime, ma kem ma ayee anyimo iruba imeme nan nanu urushalima. **4** Ma ori ana katuma kasere vat nan nanu dungara ma iki nani adi yo me abani Almasihu. **5** Ba we gun me U Baitalami uni ama nyau ga mu Yahudiya, barki ane yetike in nu guna. **6** Hu Baitalami, u Yahudiya da humani ucici a nyimo atipin pin ti da dang tu Yahuda, barki anyimo awenadi yoo unu bari desa madi tarsin in Isara'ila **7** Hiridus ma titi ma rusa ugino me ni hunzi, ma rusi ati nyo tuwe uganiya sa iwiran iginome adi iri ini. **8** A anime ma tumi we ubaitalami, magu, “Hanani ika igizoni abanga vana me men'meru inki yakemme, i'e inbukinimi barki mima inka nunzome” **9** We sa wa kunna tize tugomo, wadusa we. I ye biwiran me sa wa iran ana za bi haka aje awe, bi'e bitonno ahirame sa vaname maram. **10** Sa wa ira biwiran me wawu afuru aram. **11** Sa wa ribe akurame, wai iri vana me nan ka ino me maryamu, wa rizi aje ame wa nonzome. Wa sopi turunga tuwe, wa nya ni isi nan na dodu ani za. **12** Sa abuka we ati ro kati wa kuri a hira a Hiridus me wadusa wa tarsi uruna sas wa kuri ani pin nuweme. **13** Sa wa hira, wakem bibe bikadura ku goma sere bibuki Yusufu atiro, magunwe, “hira uziki vana me nan ka inomeni ha a manyangamu masar, icikuno abirkome ma buka we Hiridus ma zunu igizo abanga vana me ma hume. **14** Yusufu mahira maziki vaname nan ka inome in niye wa dusa umasar. **15** Ma cukuno abirkome uhana iwono i Hiridus Abang agino me barki a nyincikina imumbe sa Ugomo Asere ma buki a nyo unu kurza zo utize ta sere “u suro u masar matita vana um” **16** Sa Hiridus ma ira unurusa ugino me wakini me bibabana. makuna iriba kan, matumi a huzi ahana acin cin aruma sa wara anyimo babila nan mataraa vat. uzika uti we tire utino, uzika uganiya sa anu rusa wabuki me. **17** Uganiya ugino amying cikkinanubukan

マタイの福音書

1 アブラハムの子、ダビデの子、イエス・キリストの系圖。 **2** アブラハム、イサクを生み、イサク、ヤコブを生み、ヤコブ、ユダとその兄弟らとを生み、 **3** ユダ、タマによりてパレスとザラとを生み、パレス、エスロンを生み、エスロン、アラムを生み、 **4** アラム、アミナダブを生み、アミナダブ、ナアソンを生み、ナアソン、サルモンを生み、 **5** サルモン、ラハブによりてボアズを生み、ボアズ、ルツによりてオベデを生み、オベデ、エツサイを生み、 **6** エツサイ、ダビデ王を生めり。ダビデ、ウリヤの妻たりし女によりてソロモンを生み、 **7** ソロモン、レハベアムを生み、レハベアム、アビヤを生み、アビヤ、アサを生み、 **8** アサ、ヨサパテを生み、ヨサパテ、ヨラムを生み、ヨラム、ウジヤを生み、 **9** ウジヤ、ヨタムを生み、ヨタム、アハズを生み、アハズ、ヒゼキヤを生み、 **10** ヒゼキヤ、マナセを生み、マナセ、アモンを生み、アモン、ヨシヤを生み、 **11** バビロンに移さるる頃、ヨシヤ、エコニヤとその兄弟らとを生めり。 **12** バビロンに移されて後、エコニヤ、サラテルを生み、サラテル、ゾロバベルを生み、 **13** ゾロバベル、アビウデを生み、アビウデ、エリヤキムを生み、エリヤキム、アゾルを生み、 **14** アゾル、サドクを生み、サドク、アキムを生み、アキム、エリウデを生み、 **15** エリウデ、エレアザルを生み、エレアザル、マタンを生み、マタン、ヤコブを生み、 **16** ヤコブ、マリヤの夫ヨセフを生めり。此のマリヤよりキリストと稱ふるイエス生れ給へり。 **17** されば總て世をふる事、アブラハムよりダビデまで十四代、ダビデよりバビロンに移さるるまで十四代、バビロンに移されてよりキリストまで十四代なり。 **18** イエス・キリストの誕生は左のごとし。その母マリヤ、ヨセフと許嫁したるのみにて、未だ偕にならざりしに、聖靈によりて孕り、その孕りたること顯れたり。 **19** 夫ヨセフは正しき人にして、之を公然にするを好まず、私に離縁せんと思ふ。 **20** かくて、これらの事を思ひ回らしをるとき、視よ、主の使、夢に現れて言ふ『ダビデの子ヨセフよ、妻マリヤを納るる事を恐るな。その胎に宿る者は聖靈によるなり。 **21** かれ子を生まん、汝その名をイエスと名づくべし。己が民をその罪より救ひ給ふ故なり』 **22** すべて此の事の起りしは、預言者によりて主の云ひ給ひし言の成就せん爲なり。曰く、 **23** 『視よ、處女みごもりて子を生まん。その名はインマヌエルと稱へられん』之を釋けば、神われらと偕に在すといふ意なり。 **24** ヨセフ寐より起き、主の使の命ぜし如くして妻を納れたり。 **25** されど子の生るるまでは、相知る事なかりき。かくてその子をイエスと名づけたり。

2 イエスはヘロデ王の時、ユダヤのベツレヘムに生れ給ひしが、視よ、東の博士たちエルサレムに來りて言ふ、 **2** 『ユダヤ人の王として生れ給へる者は、何處に在すか。我ら東にてその星を見たれば、拜せんために來れり』 **3** ヘロデ王これを聞きて惱みまどふ、エルサレムも皆然り。 **4** 王、民の祭司長・學者らを皆あつめて、キリストの何處に生るべきを問ひ質す。 **5** かれら言ふ『ユダヤのベツレヘムなり。それは預言者によりて、 **6** 「ユダの地ベツレヘムよ、汝はユダの長たちの中にて最小き者にあらず、汝の中より一人の君いでて、わが民イスラエルを牧せん」と録されたるなり』 **7** ここにヘロデ密に博士たちを招きて、星の現れし時を詳細にし、 **8** 彼らをベツレヘムに遣さんとして言ふ『往きて幼兒のことを細にたづね、之にあはば我に告げよ。我も往きて拜せん』 **9** 彼ら王の言をききて往きしに、視よ、前に東にて見し星、先だちゆきて、幼兒の在すところの上に止る。 **10** かれら星を見て、歡喜に溢れつつ、 **11** 家に入りて、幼兒のその母マリヤと偕に在すを見、平伏して拜し、かつ寶の匣をあけて、黄金・乳香・沒藥など禮物を献げたり。 **12** かくて夢にてヘロデの許に返るなとの御告を蒙り、ほかの路より己が國に去りゆきぬ。 **13** その去り往きしのち、視よ、主の使、夢にてヨセフに現れていふ『起きて、幼兒とその母とを携へ、エジプトに逃れ、わが告ぐるまで彼處に留れ。ヘロデ幼兒を索めて亡さんとするなり』 **14** ヨセフ起きて、夜の間に幼兒とその母とを携へて、エジプトに去りゆき、 **15** ヘロデの死ぬるまで彼處に留りぬ。これ主が預言者によりて『我エジプトより我が子を呼び出せり』と云ひ給ひし言の成就せん爲なり。 **16** ここにヘロデ、博士たちに賺されたりと悟りて、甚だしく憤ほり、人を遣し、博士たちに由りて詳細にせし時を計り、ベツレヘム及び凡てその邊の地方なる、二歳以下の男の兒をことごとく殺せり。 **17** ここに預言者エレミヤによりて云はれたる言は成就したり。曰く、 **18** 『聲ラマにありて聞ゆ、慟哭なり、いとどしき悲哀なり。ラケル己が子らを歎き、子等のなき故に慰められるるを厭ふ』 **19** ヘロデ死にてのち、視よ、主の使、夢にてエジプトなるヨセフに現れて言ふ、 **20** 『起きて、幼兒とその母とを携へ、イ

マタイの福音書

1 アブラハムの子，ダビデの子，イエス・キリストの系図。 **2** アブラハムはイサクの父となり，イサクはヤコブの父となり，ヤコブはユダとその兄弟たちの父となり， **3** ユダはタマルによってペレツとゼラの父となり，ペレツはヘツロンの父となり，ヘツロンはラムの父となり， **4** ラムはアミナダブの父となり，アミナダブはナフションの父となり，ナフションはサルモンの父となり， **5** サルモンはラハブによってボアズの父となり，ボアズはルツによってオベドの父となり，オベドはエッサイの父となり， **6** エッサイはダビデ王の父となり，ダビデはウリヤの妻であった女によってソロモンの父となり， **7** ソロモンはレハブアムの父となり，レハブアムはアビヤの父となり，アビヤはアサの父となり， **8** アサはヨシャファトの父となり，ヨシャファトはヨラムの父となり，ヨラムはウジヤの父となり， **9** ウジヤはヨタムの父となり，ヨタムはアハズの父となり，アハズはヒゼキヤの父となり， **10** ヒゼキヤはマナセの父となり，マナセはアモンの父となり，アモンはヨシヤの父となり， **11** ヨシヤは，バビロンへの流刑のころにエコニヤとその兄弟たちの父となった。 **12** バビロンへの流刑ののち，エコニヤはシャルティエルの父となり，シャルティエルはゼルバベルの父となり， **13** ゼルバベルはアビウドの父となり，アビウドはエリアキムの父となり，エリアキムはアゾルの父となり， **14** アゾルはサドクの父となり，サドクはアキムの父となり，アキムはエリウドの父となり， **15** エリウドはエレアザルの父となり，エレアザルはマタンの父となり，マタンはヤコブの父となり， **16** ヤコブはマリアの夫ヨセフの父となった。このマリアからキリストと呼ばれるイエスが生まれた。 **17** それで，アブラハムからダビデまでの世代は全部で十四代，ダビデからバビロンへの流刑までは十四代，バビロンへの連行からキリストまでは十四代である。 **18** さて，イエス・キリストの誕生は次のようであった。彼の母マリアはヨセフと婚約していたが，二人が一緒になる前に，彼女は聖霊によって妊娠していることが分かった。 **19** 彼女の夫ヨセフは正しい人で，彼女をさらし者にしたくなかったので，ひそかに去らせようとした。 **20** しかし彼がこうした事について考えていると，見よ，主のみ使いが夢の中で彼に現われて，こう言った。「ダビデの子ヨセフよ，あなたの妻マリアを迎え入れることを恐れてはいけない。彼女の内に宿っているのは聖霊によるものだからだ。 **21** 彼女は男の子を産むだろう。あなたはその名をイエスと呼ぶことになる。この者こそ，自分の民をその罪から救うからだ」。 **22** ところで，このことすべてが起こったのは，預言者を通して主によって語られたことが果たされるためであった。こう言われていた。 **23** 「見よ，処女が妊娠し，男の子を産むだろう。彼らはその名をインマヌエルと呼ぶだろう」。この名は，訳せば，「神はわたしたちと共に」という意味である。 **24** ヨセフは眠りから覚め，主のみ使いが彼に命じたとおりに行ない，自分の妻を迎え入れた。 **25** しかし，彼女が初子を産

マタイの福音書

1 アブラハムの子であるダビデの子、イエス・キリストの系図。 **2** アブラハムはイサクの父であり、イサクはヤコブの父、ヤコブはユダとその兄弟たちとの父、 **3** ユダはタマルによるパレスとザラとの父、パレスはエスロンの父、エスロンはアラムの父、 **4** アラムはアミナダブの父、アミナダブはナアソンの父、ナアソンはサルモンの父、 **5** サルモンはラハブによるボアズの父、ボアズはルツによるオベデの父、オベデはエッサイの父、 **6** エッサイはダビデ王の父であった。ダビデはウリヤの妻によるソロモンの父であり、 **7** ソロモンはレハベアムの父、レハベアムはアビヤの父、アビヤはアサの父、 **8** アサはヨサパテの父、ヨサパテはヨラムの父、ヨラムはウジヤの父、 **9** ウジヤはヨタムの父、ヨタムはアハズの父、アハズはヒゼキヤの父、 **10** ヒゼキヤはマナセの父、マナセはアモンの父、アモンはヨシヤの父、 **11** ヨシヤはバビロンへ移されたころ、エコニヤとその兄弟たちとの父となった。 **12** バビロンへ移されたのち、エコニヤはサラテルの父となった。サラテルはゾロバベルの父、 **13** ゾロバベルはアビウデの父、アビウデはエリヤキムの父、エリヤキムはアゾルの父、 **14** アゾルはサドクの父、サドクはアキムの父、アキムはエリウデの父、 **15** エリウデはエレアザルの父、エレアザルはマタンの父、マタンはヤコブの父、 **16** ヤコブはマリヤの夫ヨセフの父であった。このマリヤからキリストといわれるイエスがお生れになった。 **17** だから、アブラハムからダビデまでの代は合わせて十四代、ダビデからバビロンへ移されるまでは十四代、そして、バビロンへ移されてからキリストまでは十四代である。 **18** イエス・キリストの誕生の次第はこうであった。母マリヤはヨセフと婚約していたが、まだ一緒にならない前に、聖霊によって身重になった。 **19** 夫ヨセフは正しい人であったので、彼女のことが公けになることを好まず、ひそかに離縁しようと決心した。 **20** 彼がこのことを思いめぐらしていたとき、主の使が夢に現れて言った、「ダビデの子ヨセフよ、心配しないでマリヤを妻として迎えるがよい。その胎内に宿っているものは聖霊によるのである。 **21** 彼女は男の子を産むであろう。その名をイエスと名づけなさい。彼は、おのれの民をそのもろもろの罪から救う者となるからである」。 **22** すべてこれらのことが起ったのは、主が預言者によって言われたことの成就するためである。すなわち、 **23** 「見よ、おとめがみごもって男の子を産むであろう。その名はインマヌエルと呼ばれるであろう」。これは、「神われらと共にいます」という意味である。 **24** ヨセフは眠りからさめた後に、主の使が命じたとおりに、マリヤを妻に迎えた。 **25** しかし、子が生れるまでは、彼女を知ることはなかった。そして、その子をイエスと名づけた。

2 イエスがヘロデ王の代に、ユダヤのベツレヘムでお生れになったとき、見よ、東からきた博士たちがエルサレムに着いて言った、 **2** 「ユダヤ人の王としてお生れになったかたは、どこにおられますか。わたしたちは東の方でその星を見たので、そのかたを拝みにきました」。 **3** ヘロデ王はこのことを聞いて不安を感じた。エルサレムの人々もみな、同様であった。 **4** そこで王は祭司長たちと民の律法学者たちとを全部集めて、キリストはどこに生れるのかと、彼らに問いただした。 **5** 彼らは王に言った、「それはユダヤのベツレヘムです。預言者がこうしるしています、 **6** 『ユダの地、ベツレヘムよ、おまえはユダの君たちの中で、決して最も小さいものではない。おまえの中からひとりの君が出て、わが民イスラエルの牧者となるであろう』」。 **7** そこで、ヘロデはひそかに博士たちを呼んで、星の現れた時について詳しく聞き、 **8** 彼らをベツレヘムにつかわして言った、「行って、その幼な子のことを詳しく調べ、見つかったらわたしに知らせてくれ。わたしも拝みに行くから」。 **9** 彼らは王の言うことを聞いて出かけると、見よ、彼らが東方で見た星が、彼らより先に進んで、幼な子のいる所まで行き、その上にとどまった。 **10** 彼らはその星を見て、非常な喜びにあふれた。 **11** そして、家にはいって、母マリヤのそばにいる幼な子に会い、ひれ伏して拝み、また、宝の箱をあけて、黄金・乳香・没薬などの贈り物をささげた。 **12** そして、夢でヘロデのところに帰るなとのみ告げを受けたので、他の道をとおって自分の国へ帰って行った。 **13** 彼らが帰って行ったのち、見よ、主の使が夢でヨセフに現れて言った、「立って、幼な子とその母を連れて、エジプトに逃げなさい。そして、あなたに知らせるまで、そこにとどまっていなさい。ヘロデが幼な子を捜し出して、殺そうとしている」。 **14** そこで、ヨセフは立って、夜の間に幼な子とその母とを連れてエジプトへ行き、 **15** ヘロデが死ぬまでそこにとどまっていた。それは、主が預言者によって「エジプトからわが子を呼び出した」と言われたことが、成就するためである。 **16** さて、ヘロデは博士たちにだまされたと知って、非常に立腹した。そして人々をつかわし、博士たちから確かめた時に基いて、ベツレヘムとその附近の地方とにいる二歳以下の男の子を、ことごとく殺した。 **17** こうして、預言者エレミヤによって言われたことが、成就したのである。 **18** 「叫び泣く大いなる悲しみの声がラマで聞えた。ラケルはその子らのためになげいた。子らがもはやいないので、慰められることさえ願わなかった」。 **19** さて、ヘロデが死んだのち、見よ、主の使がエジプトにいるヨセフに夢で現れて言った、 **20** 「立って、幼な子とその母を連れて、イスラエルの地に行け。幼な子の命をねらっていた人々は、死んでしまった」。 **21** そこでヨセフは立って、幼な子とその母とを連れて、イスラエルの地に帰った。 **22** しかし、アケラオがその父ヘロデに代ってユダヤを治めていると聞いたので、そこへ行くことを恐れた。そして夢でみ告げを受けたので、ガリラヤの地方に退き、 **23** ナザレという町に行って住んだ。これは預言者たちに

Aionian Bible
Proofing page
Intentionally blank

マタイの福音書

1 第一項 キリスト人性の系圖 アブラハムの裔なるダヴィドの裔イエズス、キリストの系圖。 **2** アブラハムイザアクを生み、イザアクヤコブを生み、ヤコブユダと其兄弟等とを生み、 **3** ユダタマルによりてファレスとザラとを生み、ファレスエスロンを生み、エスロンアラムを生み、 **4** アラムアミナダブを生み、アミナダブナアソンを生み、ナアソンサルモンを生み、 **5** サルモンラハブによりてボオズを生み、ボオズルトによりてオベドを生み、オベドイエッセを生み、イエッセダヴィド王を生み、 **6** ダヴィド王ウリアの[妻]たりし者によりてサロモンを生み、 **7** サロモンロボアムを生み、ロボアムアビアを生み、アビアアザを生み、 **8** アザヨザファトを生み、ヨザファトヨラムを生み、ヨラムオジアを生み、 **9** オジアヨアタムを生み、ヨアタムアカズを生み、アカズエゼキアを生み、 **10** エゼキアマナッセを生み、マナッセアモンを生み、アモンヨジアを生み、 **11** バビロンに移さるる頃ヨジアイエコニアと其兄弟等とを生み、 **12** バビロンに移されたる後イエコニアサラチエルを生み、サラチエルゾロバベルを生み、 **13** ゾロバベルアビユドを生み、アビユドエリアキムを生み、エリアキムアゾルを生み、 **14** アゾルサドクを生み、サドクアキムを生み、アキムエリユドを生み、 **15** エリユドエレアザルを生み、エレアザルマタンを生み、マタンヤコブを生み、 **16** ヤコブマリアの夫ヨゼフを生み、此マリアよりキリストと稱するイエズス生れ給へり。 **17** 然れば歷代は、総てアブラハムよりダヴィドまで十四代、ダヴィドよりバビロンに移さるるまで十四代、バビロンに移されてよりキリストまで十四代[とす]。 **18** 第二項 ヨゼフとマリアとの婚姻及キリストの誕生 然てキリストの生れ給ひし次第は次の如し。其母マリアヨゼフに聘定せられしに、同居せざる前聖霊によりて懐胎せる事顕れしが、 **19** 夫ヨゼフ義人にして彼を訟ふる事を好まざれば、密に之を離別せんと思へり。 **20** 是等の事を思ひ回らす折しも、主の使彼が夢に現れて云ひけるは、ダヴィドの裔ヨゼフよ、汝の妻マリアを納るる事を懼るる勿れ、蓋彼に胎れるものは聖霊によれり。 **21** 彼一子を生まん、汝其名をイエズスと名くべし、其は自己が民を其罪より救ふべければなり、と。 **22** 総て此事の成りしは、主が曽て預言者を以て曰ひし事の成就せん為なり、 **23** 曰く「看よ童貞女懐胎して一子を生まん、其名はエンマヌエルと稱へられん」と。エンマヌエルとは我等と偕に在す神の義なり。 **24** ヨゼフ睡より起きて、主の使より命ぜられし如くにして其妻を納れしが、 **25** 牀を偕にせずして家子を生むに至れり、而して其子の名をイエズスと名けたり。

2 第三項 博士等の参拝 斯てイエズス、ヘロデ王の時、ユデアのベトレヘムに生れ給ひしかば、折しも博士等東方よりエルザレムに來りて、 **2** 云ひけるは、生れたるユデア人の王は何處に在すぞ、即我等東方にて彼が星を見、之を拝みに來れり、と。 **3** ヘロデ王之を聞きて狼狽へしが、エルザレムも亦挙りて然ありき。 **4** 王は司祭長と民間の律法學士とを悉く集めて、キリスト

マタイの福音書

1 アブラハムの子孫、ダビデの子孫、イエス・キリストの系図。 **2** アブラハムにイサクが生まれ、イサクにヤコブが生まれ、ヤコブにユダとその兄弟たちが生まれ、 **3** ユダに、タマルによってパレスとザラが生まれ、パレスにエスロンが生まれ、エスロンにアラムが生まれ、 **4** アラムにアミナダブが生まれ、アミナダブにナアソンが生まれ、ナアソンにサルモンが生まれ、 **5** サルモンに、ラハブによってボアズが生まれ、ボアズに、ルツによってオベデが生まれ、オベデにエッサイが生まれ、 **6** エッサイにダビデ王が生まれた。ダビデに、ウリヤの妻によってソロモンが生まれ、 **7** ソロモンにレハベアムが生まれ、レハベアムにアビヤが生まれ、アビヤにアサが生まれ、 **8** アサにヨサパテが生まれ、ヨサパテにヨラムが生まれ、ヨラムにウジヤが生まれ、 **9** ウジヤにヨタムが生まれ、ヨタムにアハズが生まれ、アハズにヒゼキヤが生まれ、 **10** ヒゼキヤにマナセが生まれ、マナセにアモンが生まれ、アモンにヨシヤが生まれ、 **11** ヨシヤに、バビロン移住のころエコニヤとその兄弟たちが生まれた。 **12** バビロン移住の後、エコニヤにサラテルが生まれ、サラテルにゾロバベルが生まれ、 **13** ゾロバベルにアビウデが生まれ、アビウデにエリヤキムが生まれ、エリヤキムにアゾルが生まれ、 **14** アゾルにサドクが生まれ、サドクにアキムが生まれ、アキムにエリウデが生まれ、 **15** エリウデにエレアザルが生まれ、エレアザルにマタンが生まれ、マタンにヤコブが生まれ、 **16** ヤコブにマリヤの夫ヨセフが生まれた。キリストと呼ばれるイエスはこのマリヤからお生まれになった。 **17** それで、アブラハムからダビデまでの代が全部で十四代、ダビデからバビロン移住までが十四代、バビロン移住からキリストまでが十四代になる。 **18** イエス・キリストの誕生は次のようであった。その母マリヤはヨセフの妻と決まっていたが、ふたりがまだいっしょにならないうちに、聖霊によって身重になったことがわかった。 **19** 夫のヨセフは正しい人であって、彼女をさらし者にはしたくなかったので、内密に去らせようと決めた。 **20** 彼がこのことを思い巡らしていたとき、主の使いが夢に現われて言った。「ダビデの子ヨセフ。恐れないであなたの妻マリヤを迎えなさい。その胎に宿っているものは聖霊によるのです。 **21** マリヤは男の子を産みます。その名をイエスとつけなさい。この方こそ、ご自分の民をその罪から救ってくださる方です。」 **22** このすべての出来事は、主が預言者を通して言われた事が成就するためであった。 **23** 「見よ、処女がみごもっている。そして男の子を産む。その名はインマヌエルと呼ばれる。」（訳すと、神は私たちとともにおられる、という意味である。） **24** ヨセフは眠りからさめ、主の使いに命じられたとおりにして、その妻を迎え入れ、 **25** そして、子どもが生まれるまで彼女を知ることがなく、その子どもの名をイエスとつけた。

2 イエスが、ヘロデ王の時代に、ユダヤのベツレヘムでお生まれになったとき、見よ、東方の博士たちがエルサレムにやって来て、こう言った。 **2** 「

ମାତିଉ

1 କେନ୍‌ଆଡେ ଜିସୁ କ୍ରିସ୍ଟନ୍ ଆ ପୁର୍ବା ଜୋଜୋଜି ଆ କେଜ୍ଜା
ଆଞ୍ଜୁମ୍‌ଜି ଆଇଡିଡ୍ । ଜିସୁନ୍ ଦାଉଦନ୍ ଆ କନୋକ୍କୋଡ୍
ଆରି ଦାଉଦନ୍ ଅବ୍ରାମନ୍ ଆ କନୋକ୍କୋଡ୍ । **2** ଅବ୍ରାମନ୍ ଆ
ଡାଙ୍ଗଡ଼ାଅନ୍ ଇସାକ, ଇସାକନ୍ ଆ ଡାଙ୍ଗଡ଼ାଅନ୍ ଜାକୁବ, ଜାକୁବନ୍
ଆ ଡାଙ୍ଗଡ଼ାଅନ୍ ଜିଉଦା, ଆରି ଆ ବୋଞ୍ଜାଙ୍ଗଞ୍ଜି; **3** ଜିଉଦାନ୍
ଆ ଡାଙ୍ଗଡ଼ାଅନ୍‌ଜି ପେରସନ୍ ଡ ସେରଅନ୍, କେନ୍ ଆୟୋଙ୍ଗଞ୍ଜି
ଆଞ୍ଜୁମ୍ ତାମର, ପେରସନ୍ ଆ ଡାଙ୍ଗଡ଼ାଅନ୍ ଇସ୍ରୋଣ, ଇସ୍ରୋଣନ୍
ଆ ଡାଙ୍ଗଡ଼ାଅନ୍ ଅରାମ, **4** ଅରାମନ୍ ଆ ଡାଙ୍ଗଡ଼ାଅନ୍ ଅମିନାଦବ,
ଅମିନାଦବନ୍ ଆ ଡାଙ୍ଗଡ଼ାଅନ୍ ନଅସୋନ, ନଅସୋନନ୍ ଆ
ଡାଙ୍ଗଡ଼ାଅନ୍ ସଲମୋନ, **5** ସଲମୋନନ୍ ଆ ଡାଙ୍ଗଡ଼ାଅନ୍
ବୋୟାଜନ୍, କେନ୍ ଆ ନନନ୍ ଆଞ୍ଜୁମ୍ ରାଆବ, ବୋୟାଜନ୍ ଆ
ଡାଙ୍ଗଡ଼ାଅନ୍ ଓବେଦ, କେନ୍ ଆ ନନନ୍ ଆଞ୍ଜୁମ୍ ରୁତ, ଓବେଦନ୍
ଆ ଡାଙ୍ଗଡ଼ାଅନ୍ ଜିସୟ, **6** ଜିସୟନ୍ ଆ ଡାଙ୍ଗଡ଼ାଅନ୍ ଦାଉଦ ରାଜା
। ଦାଉଦନ୍ ଆ ଡାଙ୍ଗଡ଼ାଅନ୍ ସୋଲମନ୍, ସୋଲମନନ୍ ଆୟୋଙ୍
ଆମୁଙ୍ ଉରିୟନ୍ ଆ ଡୁକ୍କି ଡକୋଏନ୍, **7** ସୋଲମନନ୍ ଆ
ଡାଙ୍ଗଡ଼ାଅନ୍ ରିଅବିଆମ, ରିଅବିଆମନ୍ ଆ ଡାଙ୍ଗଡ଼ାଅନ୍ ଅବିଅ,
ଅବିଅନ୍ ଆ ଡାଙ୍ଗଡ଼ାଅନ୍ ଆସା, **8** ଆସାନ୍ ଆ ଡାଙ୍ଗଡ଼ାଅନ୍
ଜିଓସାପଟ, ଜିଓସାପଟନ୍ ଆ ଡାଙ୍ଗଡ଼ାଅନ୍ ଜୋରାମ, ଜୋରାମନ୍
ଆ ଡାଙ୍ଗଡ଼ାଅନ୍ ଉଜିଅ, **9** ଉଜିଅନ୍ ଆ ଡାଙ୍ଗଡ଼ାଅନ୍
ଜୋତମ, ଜୋତମନ୍ ଆ ଡାଙ୍ଗଡ଼ାଅନ୍ ଆଅସ, ଆଅସନ୍
ଆ ଡାଙ୍ଗଡ଼ାଅନ୍ ଇଜକିୟ, **10** ଇଜକିୟନ୍ ଆ ଡାଙ୍ଗଡ଼ାଅନ୍
ମନସି, ମନସିନ୍ ଆ ଡାଙ୍ଗଡ଼ାଅନ୍ ଆମୋନ, ଆମୋନନ୍ ଆ
ଡାଙ୍ଗଡ଼ାଅନ୍ ଜୋସିଅ, **11** ଜୋସିଅନ୍ ଆ ଡାଙ୍ଗଡ଼ାଅନ୍‌ଜି
ଜିକନିୟନ୍ ଡ ଆ ବୋଞ୍ଜାଙ୍ଗଞ୍ଜି, ଇସ୍ରାଏଲ୍‌ମରଞ୍ଜିଆଡଙ୍ ବଣ୍ଟିଲେ
ବାବିଲୋନନ୍ ଆପ୍ରାଙ୍ଗେଞ୍ଜି ଆଡିଡ୍ ଜିକନିୟନ୍ କୋଡେଞ୍ଜି । **12**
ଜିକନିୟନ୍ ଆ ଡାଙ୍ଗଡ଼ାଅନ୍ ସଲ୍‌ଟିୟେଲ, ଇସ୍ରାଏଲ୍‌ମରଞ୍ଜିଆଡଙ୍
ବଣ୍ଟିଲେ ବାବିଲୋନନ୍ ଆପ୍ରାଙ୍ଗେଞ୍ଜି ସିଲଡ୍‌ଲୁନ୍ ସଲ୍‌ଟିୟେଲନ୍
କୋଡେଞ୍ଜି, ସଲ୍‌ଟିୟେଲନ୍ ଆ ଡାଙ୍ଗଡ଼ାଅନ୍ ଜିରୁବାବିଲ,
13 ଜିରୁବାବେଲନ୍ ଆ ଡାଙ୍ଗଡ଼ାଅନ୍ ଅବିଉଦ, ଅବିଉଦନ୍
ଆ ଡାଙ୍ଗଡ଼ାଅନ୍ ଏଲିଆକିମ, ଏଲିଆକିମନ୍ ଆ ଡାଙ୍ଗଡ଼ାଅନ୍
ଆସୋର, **14** ଆସୋରନ୍ ଆ ଡାଙ୍ଗଡ଼ାଅନ୍ ସାଦୋକ, ସାଦୋକନ୍
ଆ ଡାଙ୍ଗଡ଼ାଅନ୍ ଆକିମ, ଆକିମନ୍ ଆ ଡାଙ୍ଗଡ଼ାଅନ୍ ଏଲିଉଦ,
15 ଏଲିଉଦନ୍ ଆ ଡାଙ୍ଗଡ଼ାଅନ୍ ଏଲିଆଜର, ଏଲିଆଜରନ୍ ଆ
ଡାଙ୍ଗଡ଼ାଅନ୍ ମତ୍ତାନ, ମତ୍ତାନନ୍ ଆ ଡାଙ୍ଗଡ଼ାଅନ୍ ଜାକୁବ, **16**
ଜାକୁବନ୍ ଆ ଡାଙ୍ଗଡ଼ାଅନ୍ ଜୋସେପ, ଜୋସେପନ୍ ମରିଅମନ୍
ଆ ଅୟ୍‌ତବ୍, କେନ୍ ଆ ମରିଅମ ଆ କିମ୍ବୋଙ୍‌ଲୋଙ୍ ସିଲଡ୍
ଜିସୁନ୍ କରୋକ୍କୋଡନ୍ ଡେଏନ୍, ଆନିନ୍‌ଆଡଙ୍ କ୍ରିସ୍ଟ ଗନାମନ୍
ଡେଡେ । **17** ଏନ୍ନେଲେ ଅବ୍ରାମନ୍ ସିଲଡ୍ ଦାଉଦନ୍ ଜାୟ୍ ଚଉଦ
କନୋକ୍କୋଡ୍, ଆରି ଦାଉଦନ୍ ସିଲଡ୍ ଇସ୍ରାଏଲ୍‌ମରଞ୍ଜିଆଡଙ୍
ବଣ୍ଟିଲେ ବାବିଲୋନନ୍ ଆପ୍ରାଙ୍ଗେଞ୍ଜି ଜାୟ୍ ଚଉଦ କନୋକ୍କୋଡ୍,
ଆରି ଇସ୍ରାଏଲ୍‌ମରଞ୍ଜିଆଡଙ୍ ବଣ୍ଟିଲେ ବାବିଲୋନନ୍ ଆପ୍ରାଙ୍ଗେଞ୍ଜି
ସିଲଡ୍ କ୍ରିସ୍ଟନ୍ ଜାୟ୍ ଚଉଦ କନୋକ୍କୋଡ୍ ଡେଏଞ୍ଜି । **18**
ଜିସୁ କ୍ରିସ୍ଟନ୍ ଆ କୋରୋକ୍କୋଡ୍ ଏନ୍ନେଲେ ଡେଲୋ । ଜିସୁନ୍
ଆୟୋଙ୍ ମରିଅମନ୍, ଜୋସେପନ୍ ବୟନ୍ ବିବାନେନ୍ ଆସନ୍
ଆବେଡ୍‌ବେଡନ୍ ସିଲଡ୍‌ଲୁନ୍ ଆନିଞ୍ଜି ବାଗୁଞ୍ଜି ଅଣ୍ଟଙ୍ ମାୟ୍‌ନେଞ୍ଜି
ଆମୁଙ୍ ମଡ଼ିର୍ ପୁରାଡ଼ାନ୍ ବାତ୍ତେ ମରିଅମନ୍ ପାଙ୍ଗ୍ଗରନ୍‌ଲନ୍
ଗାମ୍‌ଲେ ଅଡ଼୍‌କୋ ମନ୍‌ରାନ୍ ଜନାଏଞ୍ଜି । **19** ତିଆସନ୍
ଜୋସେପନ୍ ମରିଅମନ୍ ବୟନ୍ ବିବାନେନ୍ ଆସନ୍ ଅସାଏନ୍,
ଇନିଆସନ୍‌ଗାମେଣ୍ଟେନ୍ ଜୋସେପନ୍ ଅବୟ୍ ଡରମ୍ଗମର୍
ଡକୋଏନ୍ ଆରି ମରିଅମନ୍‌ଆଡଙ୍ ଅଡ଼୍‌କୋ ମନ୍‌ରାନ୍ ଆତେମଡ୍
ଅନବ୍‌ନିଣ୍ଟୁୟନ୍ ଆସନ୍ ଆନିନ୍ ଅଃଲ୍ଲୁଡୟ୍‌ଲୋ । **20** ବନ୍‌ଡ
ଜୋସେପନ୍ ଏନ୍ନେଲେ ଆରିଃୟମେନ୍ ସିଲଡ୍‌ଲୁନ୍, ଗିୟ୍‌ବା,
ପ୍ରବୁନ୍ ଆ ପାଙ୍‌ଲଙ୍‌ବର୍‌ମର୍ ଅବୟ୍‌ନେ ଗନୁମ୍‌ତେଲୋଙ୍‌ଟନ୍
ଜୋସେପନ୍ ଆମଙ୍ ଅବ୍‌ତୁୟ୍‌ଡମ୍‌ଲନ୍ ଇୟ୍‌ଲାୟ୍ ବରେ, "ଏ
ଦାଉଦନ୍ ଆ ଡାଙ୍ଗଡ଼ାଅନ୍ ଜୋସେପ, ମରିଅମନ୍ ବୟନ୍
ବିବାନେନ୍ ଆସନ୍ ବତଙ୍‌ଡଙମ୍, ଇନିଆସନ୍‌ଗାମେଣ୍ଟେନ୍ ଆନିନ୍
ମଡ଼ିର୍ ପୁରାଡ଼ାନ୍ ବାତ୍ତେ ପାଙ୍ଗ୍ଗରନ୍‌ଲନେ । **21** ଆନିନ୍ ଅବୟ୍
ଓବ୍ୱାସିଜନ୍ କୋଡ୍‌ତେ, ଆରି ଆମନ୍ ଆଞ୍ଜୁମନ୍ ଜିସୁ ଅବ୍‌ଞ୍ଜୁମା,
ଇନିଆସନ୍‌ଗାମେଣ୍ଟେନ୍ ଆନିନ୍ ଆ ମନ୍‌ରାଞ୍ଜିଆଡଙ୍ ଆ ଇର୍ସେଞ୍ଜି
ସିଲଡ୍ ଉର୍‌ତଜି ।" **22** ପୁର୍ବାଃତେ ବର୍ନେମରନ୍ ଆ ତଅଡ୍ ଗଡ୍
ପ୍ରବୁନ୍ ଅଙ୍ଗ୍ଗା ପୁର୍ବାଃତେବର୍ ବର୍ରନେ, ତିଆତେ ଏଙ୍ଗ୍ଗାଲ୍‌ଡେନ୍
ଡେଡମ୍‌ତେ ତିଆସନ୍ କେନ୍ ଅଡ଼୍‌କୋନ୍ ଏନ୍ନେଲେ ଡେଏନ୍,
23 "ଗିୟ୍‌ବା, ଅବୟ୍ ପୟ୍‌ଲଙ୍ ଡାଙ୍ଗଡ଼ିସିଜନ୍ ପାଙ୍ଗ୍ଗରନ୍‌ଡାଲନ୍
ଅବୟ୍ ଓବ୍ୱାସିଜନ୍ କୋଡ୍‌ତେ, ଆରି ଆଞ୍ଜୁମନ୍ ଇମ୍ମାନୁୟେଲ୍
ଅନବ୍‌ଞ୍ଜୁମନ୍ ଡେତେ ।" କେନ୍ ଆଞ୍ଜୁମ୍ ଆ ଗରାମ୍‌ଗାମନ୍
"ଇନ୍‌ଲେଞ୍ଜି ସରିନ୍ ଇସ୍ପରନ୍ ଡକୋ ।" **24** ସିଲତ୍ତେ ଜୋସେପନ୍
ମଡ଼େଡାଲେ ଡୋଲନ୍ କି ପ୍ରବୁନ୍ ଆ ପାଙ୍‌ଲଙ୍‌ବର୍‌ମର୍
ଆନିନ୍‌ଆଡଙ୍ ଏଙ୍ଗ୍ଗାଲେ ବରେନ୍, ତିଅନ୍ତୁମ୍ ଆନିନ୍ ଲୁମେନ୍ ଆରି
ଆନିନ୍ ମରିଅମନ୍ ବୟନ୍ ବିବାଲନେ । **25** ବନ୍‌ଡ ମରିଅମନ୍
ଅବୟ୍ ଓବ୍ୱାସିଜନ୍ ଅଣ୍ଟଙ୍ କୋଡେନ୍ ଜାୟ୍ ଆନିନ୍ ବୟନ୍
ଅଃଡ୍ଡକୋଲନେ, ଆରି ଜୋସେପନ୍ ତି ଓବ୍ୱାସିଜନ୍ ଆଞ୍ଜୁମ୍ ଜିସୁ
ଅବ୍‌ଞ୍ଜୁମେନ୍ ।

2 ଏରୋଦ ରାଜାନ୍ ଆଡିଡ୍ ଜିଉଦା ଡେସାନ୍ ବେତଲିମ
ଗଡ଼ାଲୋଙ୍‌ଟନ୍ ଜିସୁନ୍ କରୋକ୍କୋଡନ୍ ଆଡ୍ରେଏନ୍ ସିଲଡ୍‌ଲୁନ୍,
ଗିୟ୍‌ବା, ଡରୁଙ୍‌ୟୋଙ୍ ଡେସାନ୍ ସିଲଡ୍ ପଣ୍ଡିତଞ୍ଜି ଜିରୁସାଲମନ୍
ଇୟ୍‌ଲାଜି, **2** ଆନିଞ୍ଜି ଇୟ୍‌ଲାୟ୍ ଗାମେଜି, "ଜିଉଦିଞ୍ଜି ଆ
ରାଜାନେନ୍ ଆସନ୍ କରୋକ୍କୋଡନ୍ ଆଡ୍ରେଏନ୍ ଆ ପସିୟ୍
ଅଡ଼େଙ୍ଗା? ଇନିଆସନ୍‌ଗାମେଣ୍ଟେନ୍ ଇନ୍‌ଲେଞ୍ଜି ଡରୁଙ୍‌ୟୋଙ୍
ଡେସାଲୋଙ୍‌ଟନ୍ ଆ ତୁତୁଜନ୍ ଗିୟ୍‌ଲେ, ଆନିନ୍‌ଆଡଙ୍ ପୁର୍‌ପୁରନ୍
ଆସନ୍ ଏଇୟ୍‌ଲାୟ୍ ।" **3** କେନ୍‌ଆତେ ଅମ୍‌ଡଙ୍‌ଡାଲେ

Matiu

1 Ama'na avona Jisas Kraisi agigo azankomofo naneke. Agra Deviti nagapinti fore higeno, Deviti'a Abrahamu nagapinti fore hu'ne. **2** Abrahamu'a, Aisaki nefa'e, Aisaki'a Jekopu nefa'e, Jekopu'a, Judane afu'aganahe'ina kasezmante'ne. **3** Juda'a, Perezine, Zerakizni neznafa'e, neznarera'a Tamari kasezanante'ne, Perezi'a, Hezroni nefa'e, higeno Hezroni'a, Rami nefa'e. **4** Rami'a, Aminadabu nefa'e, Aminadabu'a, Nasoni nefa'e, higeno Nasoni'a, Salmoni nefa'e. **5** Salmoni'a Boasi kasente'ne. Hagi Boasi nerera agi'a Rehapu'e. Boasi'a Oveti kasente'ne. Hagi Oveti nerera agi'a Ruti'e. Oveti'a Jesi kasentegeno, **6** Jesi'a, kini ne' Deviti nefa'e. Deviti'a Solomon nefa'e, Betsibama Uria a'ma eri'nea a'mo kasente'ne. **7** Solomoni'a Rehoboam nefa'e, Rehoboamu'a Abija nefa'e, hagi Abija'a Asa nefa'e. **8** Asa'a Jehosafati nefa'e, Jehosafati'a Joramu nefa'e, hagi Joramu'a, Uzia nefa'e. **9** Uzia'a Jotamu nefa'e, Jotamu'a Ahasi nefa'e, Ahasi'a Hezekaia nefa'e. **10** Hezekaia'a Manase nefa'e, Manase'a Amoni nefa'e, hagi Amoni'a Josaia nefa'e. **11** Josaia'a Jekonaia nefakino, afu'aganahe'ine kase zamante'ne. Anama hu'neana kinafima zamavare'za Babiloni vuku haza knafine. **12** Babilon kumate kina ome hutageno Jekonaia'a, Seatieli nefa'za hu'ne, Seatieli'a, Zerubabel nefa'e. **13** Zerubabeli'a, Abihuti nefa'e, Abihuti'a, Eliakim nefa'e, hagi Eliakimi'a, Azori nefa'e. **14** Azori'a, Zadoki nefa'e, Zadoku'a, Akimi nefa'e, hagi Akimi'a, Eliuti nefa'e. **15** Eliuti'a, Eliaza nefa'e, Eliaza'a, Matani nefa'e, hagi Matani'a, Jekopu nefa'e. **16** Jekopu'a, Josefe nefa'za higeno, Josefe'a Mariana neve'e. Hagino Jisasima kasentege'za, agi'a Kraisi'e hu'za antemi'naze. **17** Abrahamunteti vuno Devitinte'ma vahe'ma forehu anante anante hu'nazana 14ni'a naga nofi fore hu'naze. Hagi Devitinteti'ma eno Babiloni kina huzmante'nare'ma e'neana 14ni'a naga nofi fore hunante anante hu'naze. Hagi kinama huzmante'nareti vuno Kraisi knare'ma e'neana 14ni'a naga nofi forehu'nante anante hu'naze. **18** Jisasi Kraisi'ma fore hu'neana amanahu hu'ne, Agri nerera Mariana, Josefente huhampri ante'nageno, nomago hu'ne omani'nakeno, Ruotge Avamu'mo rimpafi emanigeno, amu'ene hu'nege'za kefore hu'naze. **19** Ana hazageno, agri neve Josefe'a fatgo ne' mani'negu, Mariana azeri agaze hu'zanku, oku'a a' atrenaku agu'agesa antahi'ne. **20** Hianagi ana antahintahima retro nehigeno'a, mago Ramofo ankeromo ava'nafi eno anage huno asmi'ne, Josefe, Deviti nemofoge, korera osunka Mariana aka'agi avro, na'ankure agri rimpafima mani'neana, Ruotge Avamu'mofo mofavre mani'ne. **21** Ne'mofavre kasentegahianki, ana mofavremofo agi'a, Jisasi'e hunka agi'a antemio, na'ankure Agra vahe'amokizmi kumi'zmifinti zamaza hugahie. **22** Ama ana maka'zama efore hu'neana, korapa Ra Anumzamo kasnampa ne'te ke hunte'nea zamo nena'a efore hu'ne. **23** Keho vene omani'nea a'mo mofavre amu'ene huno, Ne'mofavre kasentegahie, ana hanige'za zamagra Agri Agi'a Imanueli'e hugahaze, ana agima eri rukrahe haniana, Anumzamo tagrane mani'ne hu'ne. (Ais 7:14) **24** Mase'nefinti Josefe'a otino Ramofo ankeromo asmino hunte'nea kante anteno, Mariana a' avare'ne. **25** Hianagi anteno omaseno amne kegava hu'negeno, ne'mofavre kasentegeno, Josefe'a, Jisasi'e huno agi'a ante'ne.

2 Jisasi'ma Betlehemi Judia kaziga mopare, Heroti'ma kini mani'nea knafi fore'ma hige'za, zage hanatitegati antahi'zane vahe'mo'za Jerusalemi ehanati'za, anage hu'naze, **2** Jiu vahe'motma Kinima manisia nera inantega kasente'ne? Na'ankure tagra Agri ofuna zage hanati kazigati keteta, mono hunteku e'none. **3** Ama ana nanekema Heroti'ma kini ne'mo nentahino'a, agu'agesamo kore nehuno tarerare nehigeno, Jerusalemi kumate vahe'mo'zanena agrama hiaza hu'naze. **4** Heroti'ma pristi vahe'zagane, kasegere'ma ugagota hu'naza vahe'ma magopi zamazeri atru huteno'a, inantega Mesaia'a fore hugahie? huno zamantahige'ne. **5** Hige'za zamagra, agri husmi'za, Judia kaziga Betlehe kumate kasentegahie, na'ankure korapa Anumzamofo kasnampa (profet) ke huama hu'nea ne'mo avon tafepi amanage huno krente'ne, **6** Hagi kagra, Betlehemia, Juda vahe mopafina, kagra Juda vahe'mokizmi ranra kumapintira osasi kumatfana omani'nane, na'ankure kagripinti magora ra nera Israeli vahe ni'ama kegavama hania nera fore hugahie. (Mai 5:2.) **7** Hagi Heroti'a frakino oku'a antahi'zane vahera zamagenoka huno, Nankna ana ofumo'a fore hu'ne huno zamantahige'ne. **8** Heroti'a Betlehemu viho huno hunezmanteno, anage huno zamasmi'ne, Vutma ana Mofavrea ome haketa ketetma, Agri'ma kefore'ma hanutma eme nasminke'na, nagranena anazanke hu'na monora ome hunta'neno. **9** Ana nanekema kini ne'mo'ma hige'za antahite'za, nevu'za ko'ma zage hanati kaziga mani'neza ke'naza ofumo kagota huzmanteno nevige'za keme nevazageno ana Mofavre mani'nea nomofo agofetu eme otige'za ke'naze. **10** Ana ofuma negageno'a tusi'a muse zamo zamagu'afina avite'ne. **11** Ana nompi emareri'za ana Mofavrene nerera Mariane nege'za, zamugosa regati kepri hu'za mono hunte'naze. Eri'zama vu'naza feno'zana anagi'za, musezama ami'nazana, golima, mananentake paurane (frankincense), mere'ne (myrrh) ami'naze. **12** Anumzamo'ma ava'nafi zamasmino Herotintera oviho huno'ma hu'nea kea nentahiza, antahi'zane vahe'mo'za oti'za rugantegati mopa zamirega vu'naze. **13** Antahi'zane vahe'ma vutageno'a, Ra Anumzamofo ankeromo Josefena ava'nafi efore huno asmi'ne, Otio! Mofavrene, nerera'nena znavrenka Isipi frenka vuo, anantega umani'nege'na Nagrama kasmisugenka eno, na'ankure Heroti'a ana Mofavre hakreno ahe friku nehie huno asami'ne. **14** Anage higeno Josefe'a otino ana Mofavrene, nererane ana kenage agu'afi zanavreno Isipi vu'ne. **15** Anantega Isip vuno umani'negeno Heroti'a fri'ne. Ana'ma hu'neana Anumzamo kasnampa ne'mofo asmigeno korapa kre'nea kemofo nena'a efore hu'ne, Isipitira Nagra Ne'mofavre'ni'a agi hugeno e'ne. (Hos 11:1.) **16** Anante Heroti'ma keama, antahi'zane vahe'mo'za revatgama hazageno'a, agra tusi'a rimpa he'ne. Agra vahe huzmanteno, Betlehemi kumapinti ene, ana tva'onte me'nea kumapinti, zagegafu'zmimo tare zagekafureti urami'nea mofavre'zaga ome zamahe friho huno antahi'zane vahe'mo'za ofugu'ma asami'za, e'inahu'zana fore hugahie hazageno antahi'nea knagu anage hunora zamasami'ne. **17** Anante korapa mago kasnampa ne' Jeremaia Anumzamo asmigeno hu'nea kemofo nena'a fore hu'ne, **18** Mago ageru Rama kumateti antahi'naze, zavi neteno tusi'a asuza eri'ne, Reseli'a mofavre rmima'agu zavi ate'ne, higeno agri'ma azeri tagane'zankura ave'osi'ne, na'ankure magore huno omani tfa higeno'e. (Jere 31:15.) **19** Heroti'ma fritegeno, mago Ra Anumzamofo ankeromo Josefena ava'nafi eno Isipi eme asmi'ne, **20** Otinka, Mofavrene nererane zanavarenka Israeli mopare vuo, na'ankure ahe'naku hakre'naza vahera hago fri'naze. **21** Anage higeno Josefe'a otino ana Mofavrene, nererane zanavreno ete Israeli mopare e'ne. **22** Hianagi Heroti nemofo Akelasi, nefa no erino Judia kaziga kegava hie kema nentahino'a, ana kaziga vuzanku koro hu'ne. Anumzamo ava'nafima asmi'nea kante anteno, agra (Josefe) atreno Galili kaziga vu'ne. **23** Agra zanavreno viazamo, Nasareti kumate umani'naze. Anama hu'neana korapa kasnampa vahe'mo'za hunte'naza kemo nena'a efore hiankino Jisasinkura Nazareti Nere hu'za agia hegahaze.

3 Ana knafina mono ti frezmante Joni'a, Judia kaziga ka'ma mopafi ne-eno amanage huno Anumzamofo ke huama huno zamasmi'ne. **2** Kefozantamigu tamasunke huta tamagu'a rukrehe hiho. Na'ankure mona kuma'mo'a hago tava'o nehie. **3** Na'ankure korapa ama'na kegu kasnampa ne' Aisaia'a Joninku anagea hu'ne, Mago ageru'mo ka'ma mopafinti kezatino, Ramofo kana varinenteta, agri kana eri ante fatgo hiho hu'ne! (Ais 40:3) **4** Joni'a kemori azokateti trohunte kena masi'neno, trazama nenaza afu'mofo akruteti amu'nofira nehuno, kenu'ene, afi' tumemofo

ಮತ್ತಾಯನು

೧ ಅಬ್ರಹಾಮನ ಮಗನಾದ ದಾವೀದನ ಕುಮಾರನಾದ ಯೇಸು ಕ್ರಿಸ್ತನ
ವಂಶಾವಳಿ. **೨** ಅಬ್ರಹಾಮನ ಮಗನು ಇಸಾಕನು. ಇಸಾಕನ ಮಗನು
ಯಾಕೋಬನು. ಯಾಕೋಬನ ಮಗನು ಯೆಹೂದನು, ಅವನ ಅಣ್ಣತಮ್ಮಂದಿರು
ಯೆಹೂದನ ಮಕ್ಕಳು. **೩** ಯೆಹೂದನಿಗೆ ತಾಮಾರಳಲ್ಲಿ ಪೆರೆಚನು, ಜೆರಹನು
ಹುಟ್ಟಿದರು. ಪೆರೆಚನ ಮಗನು ಹೆಚ್ರೋನನು. **೪** ಹೆಚ್ರೋನನ ಮಗನು
ಅರಾಮನು. ಅರಾಮನ ಮಗನು ಅಮ್ಮಿನಾದಾಬನು. ಅಮ್ಮಿನಾದಾಬನ ಮಗನು
ನಹಶೋನನು. ನಹಶೋನನ ಮಗನು ಸಲ್ಮೋನನು. **೫** ಸಲ್ಮೋನನ ಮಗನಾದ
ಬೋವಜನು ರಾಹಾಬಳಲ್ಲಿ ಹುಟ್ಟಿದವನು. ಬೋವಜನ ಮಗನು ಓಬೇದನು
ರೂತಳಲ್ಲಿ ಹುಟ್ಟಿದವನು. ಓಬೇದನ ಮಗನು ಇಷಯನು. **೬** ಇಷಯನ
ಮಗನು ಅರಸನಾದ ದಾವೀದನು. ದಾವೀದನ ಮಗನಾದ ಸೊಲೊಮೋನನು
ಊರೀಯನ ಹೆಂಡತಿಯಲ್ಲಿ ಹುಟ್ಟಿದವನು. **೭** ಸೊಲೊಮೋನನ ಮಗನು
ರೆಹಬ್ಬಾಮನು. ರೆಹಬ್ಬಾಮನ ಮಗನು ಅಬೀಯನು. ಅಬೀಯನ ಮಗನು
ಆಸನು. **೮** ಆಸನ ಮಗನು ಯೆಹೋಷಾಫಾಟನು. ಯೆಹೋಷಾಫಾಟನ
ಮಗನು ಯೆಹೋರಾಮನು. ಯೆಹೋರಾಮನ ಮಗನು ಉಜ್ಜೀಯನು. **೯**
ಉಜ್ಜೀಯನ ಮಗನು ಯೋತಾಮನು. ಯೋತಾಮನ ಮಗನು ಆಹಾಜನನು.
ಆಹಾಜನ ಮಗನು ಹಿಜ್ಕೀಯನು. **೧೦** ಹಿಜ್ಕೀಯನ ಮಗನು ಮನಸ್ಸೆಯನು.
ಮನಸ್ಸೆಯ ಮಗನು ಆಮೋನನು. **೧೧** ಆಮೋನ ಮಗನು ಯೋಷೀಯನು.
ಬಾಬಿಲೋನಿಗೆ ಸೆರೆಹೋದ ಸಮಯದಲ್ಲಿ ಯೋಷೀಯನಿಗೆ ಯೆಕೊನ್ಯನು,
ಅವನ ಅಣ್ಣತಮ್ಮಂದಿರು ಹುಟ್ಟಿದರು. **೧೨** ಬಾಬಿಲೋನಿಗೆ ಸೆರೆಹೋದ
ಮೇಲೆ ಯೆಕೊನ್ಯನು ಶೆಯಲ್ತಿಯೇಲನನ್ನು ಪಡೆದನು. ಶೆಯಲ್ತಿಯೇಲನ
ಮಗನು ಜೆರುಬ್ಬಾಬೆಲನು **೧೩** ಜೆರುಬ್ಬಾಬೆಲನ ಮಗನು ಅಬಿಹೂದನು.
ಅಬಿಹೂದನ ಮಗನು ಎಲ್ಯಕೀಮನು. ಎಲ್ಯಕೀಮನ ಮಗನು ಅಜೋರನು. **೧೪**
ಅಜೋರನ ಮಗನು ಸದೋಕನು. ಸದೋಕನ ಮಗನು ಅಖೀಮನು. ಅಖೀಮನ
ಮಗನು ಎಲಿಹೂದನು. **೧೫** ಎಲಿಹೂದನ ಮಗನು ಎಲಿಯಾಜರನು.
ಎಲಿಯಾಜರನ ಮಗನು ಮತ್ತಾನನು. ಮತ್ತಾನನ ಮಗನು ಯಾಕೋಬನು.
೧೬ ಯಾಕೋಬನ ಮಗನು ಯೋಸೇಫನು. ಯೋಸೇಫನು ಮರಿಯಳ
ಗಂಡನು. ಈ ಮರಿಯಳಿಂದಲೇ ಕ್ರಿಸ್ತನೆಂಬ ಯೇಸು ಹುಟ್ಟಿದನು. **೧೭**
ಅಬ್ರಹಾಮನಿಂದ ದಾವೀದನ ವರೆಗೂ ಒಟ್ಟು ಹದಿನಾಲ್ಕು ತಲೆಮಾರುಗಳು,
ದಾವೀದನಿಂದ ಬಾಬಿಲೋನಿನ ದಾಸತ್ವಕ್ಕೆ ಹೋಗುವವರೆಗೂ ಹದಿನಾಲ್ಕು
ತಲೆಮಾರುಗಳು, ಬಾಬಿಲೋನಿನ ದಾಸತ್ವದ ದಿನದಿಂದ ಕ್ರಿಸ್ತನವರೆಗೆ ಹದಿನಾಲ್ಕು
ತಲೆಮಾರುಗಳು. **೧೮** ಯೇಸು ಕ್ರಿಸ್ತನ ಜನನವು ಹೇಗಾಯಿತಂದರೆ,
ಆತನ ತಾಯಿಯಾದ ಮರಿಯಳಿಗೂ ಯೋಸೇಫನಿಗೂ ನಿಶ್ಚಿತಾರ್ಥವಾಗಿತ್ತು.
ಅವರಿಬ್ಬರೂ ಮದುವೆಯಾಗಿ ಕೂಡಿಬಾಳುವುದಕ್ಕಿಂತ ಮೊದಲೇ ಮರಿಯಳು
ಪವಿತ್ರಾತ್ಮನ ಶಕ್ತಿಯಿಂದ ಗರ್ಭಧರಿಸಿದ್ದು ತಿಳಿದುಬಂತು. **೧೯** ಆದರೆ
ಆಕೆಯ ಗಂಡನಾದ ಯೋಸೇಫನು ನೀತಿವಂತನಾಗಿದ್ದ ಕಾರಣ ಮರಿಯಳನ್ನು
ಬಯಲಿಗೆ ತಂದು ಅವಮಾನಕ್ಕೆ ಗುರಿಮಾಡದೆ ನಿಶ್ಚಿತಾರ್ಥವನ್ನು ರಹಸ್ಯವಾಗಿ
ಮುರಿದುಬಿಡಬೇಕೆಂದು ಆಲೋಚಿಸಿದ್ದನು. **೨೦** ಅವನು ಇದನ್ನು
ಕುರಿತು ಆಲೋಚಿಸುತ್ತಿರುವಾಗ, ದೇವದೂತನು ಅವನಿಗೆ ಕನಸಿನಲ್ಲಿ
ಕಾಣಿಸಿಕೊಂಡು, "ದಾವೀದನ ಮಗನಾದ ಯೋಸೇಫನೇ, ನೀನು ಮರಿಯಳನ್ನು
ಹೆಂಡತಿಯಾಗಿ ಸೇರಿಸಿಕೊಳ್ಳುವುದಕ್ಕೆ ಅಂಜಬೇಡ. ಆಕೆ ಗರ್ಭವತಿಯಾದದ್ದು
ಪವಿತ್ರಾತ್ಮನಿಂದಲೇ. **೨೧** ಆಕೆಯು ಒಬ್ಬ ಮಗನನ್ನು ಹೆರುವಳು; ನೀನು
ಆತನಿಗೆ 'ಯೇಸು' ಎಂದು ಹೆಸರಿಡಬೇಕು; ಏಕೆಂದರೆ ಆತನೇ ತನ್ನ ಜನರನ್ನು
ಅವರ ಪಾಪಗಳಿಂದ ಬಿಡಿಸಿ ರಕ್ಷಿಸುವನು," ಅಂದನು. **೨೨** ಕರ್ತನು
ಪ್ರವಾದಿಯ ಮುಖಾಂತರ ಹೇಳಿದ ಮಾತು ನೆರವೇರುವಂತೆ ಇದೆಲ್ಲಾ ನಡೆಯಿತು;
ಆ ಮಾತು ಏನೆಂದರೆ, **೨೩** "ಇಗೋ, ಒಬ್ಬ ಕನ್ನಿಕೆಯು ಗರ್ಭಿಣಿಯಾಗಿ
ಮಗನನ್ನು ಹೆರುವಳು; ಆತನಿಗೆ ಇಮ್ಮಾನುವೇಲ್ ಎಂದು ಹೆಸರಿಡುವರು.
'ದೇವರು ನಮ್ಮ ಕೂಡ ಇದ್ದಾನೆಂದು' ಈ ಹೆಸರಿನ ಅರ್ಥ." **೨೪** ಆಗ
ಯೋಸೇಫನು ಎಚ್ಚೆತ್ತು ದೇವದೂತನು ಅಪ್ಪಣೆಕೊಟ್ಟ ಪ್ರಕಾರ ಮರಿಯಳನ್ನು
ಹೆಂಡತಿಯನ್ನಾಗಿ ಸ್ವೀಕರಿಸಿಕೊಂಡನು. **೨೫** ಆದರೆ ಆಕೆಯು ಗಂಡು ಮಗುವಿಗೆ
ಜನ್ಮನೀಡುವವರೆಗೂ ಆಕೆಯೊಡನೆ ಶರೀರ ಸಂಬಂಧವಿಲ್ಲದೆ ಇದ್ದನು. ಮತ್ತು
ಯೋಸೇಫನು ಆ ಮಗುವಿಗೆ 'ಯೇಸು' ಎಂದು ಹೆಸರಿಟ್ಟನು.

೨ ಅರಸನಾದ ಹೆರೋದನ ಕಾಲದಲ್ಲಿ; ಯೂದಾಯ ಸೀಮೆಯ ಬೇತ್ಲೆಹೇಮ್
ಎಂಬ ಊರಿನಲ್ಲಿ ಯೇಸು ಹುಟ್ಟಿದಾಗ ಪೂರ್ವದೇಶದ ಜ್ಞಾನಿಗಳು
ಯೆರೂಸಲೇಮಿಗೆ ಬಂದು, **೨** "ಯೆಹೂದ್ಯರ ಅರಸನಾಗಿ ಹುಟ್ಟಿದಾತನು
ಎಲ್ಲಿದ್ದಾನೆ? ಆತನನ್ನು ಸೂಚಿಸುವ ನಕ್ಷತ್ರವನ್ನು ನಾವು ಪೂರ್ವದಿಕ್ಕಿನಲ್ಲಿ ಕಂಡು
ಆತನಿಗೆ ಅಡ್ಡಬಿದ್ದು ನಮಸ್ಕರಿಸುವುದಕ್ಕಾಗಿ ಬಂದೆವು" ಎಂದರು. **೩** ಇದನ್ನು
ಕೇಳಿ ಅರಸನಾದ ಹೆರೋದನು ತಳಮಳಪಟ್ಟನು ಮತ್ತು ಅವನೊಂದಿಗೆ
ಯೆರೂಸಲೇಮಿನವರೆಲ್ಲರೂ ಕಳವಳಪಟ್ಟರು. **೪** ಅವನು ಯೆಹೂದ್ಯರ ಎಲ್ಲಾ
ಮುಖ್ಯಯಾಜಕರನ್ನೂ ಶಾಸ್ತ್ರಿಗಳನ್ನೂ ಕೂಡಿಸಿ, "ಕ್ರಿಸ್ತನು ಹುಟ್ಟಬೇಕಾದದ್ದು
ಎಲ್ಲಿ" ಎಂದು ಅವರನ್ನು ಕೇಳಿದನು. **೫** ಅವರು ಅವನಿಗೆ, "ಯೂದಾಯದ
ಬೇತ್ಲೆಹೇಮಿನಲ್ಲಿಯೇ; ಏಕೆಂದರೆ, **೬** "'ಯೆಹೂದ ಸೀಮೆಯ ಬೇತ್ಲೆಹೇಮೇ,
ಯೆಹೂದದ ಮುಖ್ಯಪಟ್ಟಣಗಳಲ್ಲಿ ನೀನು ಎಷ್ಟು ಮಾತ್ರಕ್ಕೂ ಸಣ್ಣದಲ್ಲ. ಏಕೆಂದರೆ
ನನ್ನ ಪ್ರಜೆಯಾದ ಇಸ್ರಾಯೇಲನ್ನು ಆಳತಕ್ಕ ಒಬ್ಬ ಅಧಿಪತಿಯು ನಿನ್ನೊಳಗಿಂದಲೇ
ಉದಯಿಸುವನು.' ಎಂಬುದಾಗಿ ಪ್ರವಾದಿಯ ಮುಖಾಂತರ ಬರೆಯಲ್ಪಟ್ಟಿದೆ"
ಎಂದು ಹೇಳಿದರು. **೭** ಆಗ ಹೆರೋದನು ಯಾರಿಗೂ ತಿಳಿಯದಂತೆ ಆ
ಜ್ಞಾನಿಗಳನ್ನು ಕರೆಯಿಸಿ ಆ ನಕ್ಷತ್ರವು ಕಾಣಿಸಿದ ಗಳಿಗೆಯನ್ನು ಅವರಿಂದ
ನಿಖರವಾಗಿ ತಿಳಿದುಕೊಂಡು, **೮** "ನೀವು ಹೋಗಿ ಆ ಕೂಸಿನ ವಿಷಯದಲ್ಲಿ
ಚೆನ್ನಾಗಿ ವಿಚಾರಣೆ ಮಾಡಿರಿ; ಅದು ಸಿಕ್ಕಿದ ಮೇಲೆ ನನಗೆ ತಿಳಿಸಿರಿ; ನಾನು ಸಹ
ಬಂದು ಆ ಕೂಸಿಗೆ ಅಡ್ಡಬಿದ್ದು ನಮಸ್ಕರಿಸುವೆನು" ಎಂದು ಹೇಳಿ ಜ್ಞಾನಿಗಳನ್ನು
ಬೇತ್ಲೆಹೇಮಿಗೆ ಕಳುಹಿಸಿಕೊಟ್ಟನು. **೯** ಅವರು ಅರಸನ ಮಾತನ್ನು ಕೇಳಿ
ಹೊರಟಾಗ ಪೂರ್ವದಿಕ್ಕಿನಲ್ಲಿ ಕಂಡ ನಕ್ಷತ್ರವು ಪುನಃ ಕಾಣಿಸಿಕೊಂಡು ಆ ಕೂಸು
ಇದ್ದ ಸ್ಥಳದ ಮೇಲೆ ಬಂದು ನಿಲ್ಲುವ ತನಕ ಅವರ ಮುಂದಾಗಿ ಹೋಗುತಿತ್ತು.
೧೦ ಅವರು ನಕ್ಷತ್ರವನ್ನು ಕಂಡು ಪರಮಾನಂದದಿಂದ ಸಂತೋಷಿಸಿದರು. **೧೧**
ಅವರು ಆ ಮನೆಯೊಳಕ್ಕೆ ಹೋಗಿ ಆ ಕೂಸನ್ನು ಅದರ ತಾಯಿಯಾದ ಮರಿಯಳ
ಬಳಿಯಲ್ಲಿ ಕಂಡು ಅದಕ್ಕೆ ಸಾಷ್ಟಾಂಗನಮಸ್ಕಾರ ಮಾಡಿ ತಮ್ಮ ನಿಕ್ಷೇಪದ
ಗಂಟುಗಳನ್ನು ಬಿಚ್ಚಿ ಅದಕ್ಕೆ ಚಿನ್ನ, ಪರಿಮಳದ್ರವ್ಯ ಮತ್ತು ರಕ್ತಬೋಳಗಳನ್ನು
ಮಗುವಿಗೆ ಕಾಣಿಕೆಯಾಗಿ ಅರ್ಪಿಸಿದರು. **೧೨** ದೇವರು ಕನಸಿನಲ್ಲಿ ಅವರಿಗೆ, ನೀವು
ಹೆರೋದನ ಬಳಿಗೆ ಹಿಂದಿರುಗಿ ಹೋಗಬಾರದೆಂದು ಆಜ್ಞೆ ನೀಡಿದ್ದರಿಂದ ಅವರು
ಮತ್ತೊಂದು ದಾರಿಯಿಂದ ತಮ್ಮ ದೇಶಕ್ಕೆ ಹೊರಟುಹೋದರು. **೧೩** ಜ್ಞಾನಿಗಳು
ಹೋದ ಮೇಲೆ ದೇವದೂತನು ಯೋಸೇಫನಿಗೆ ಕನಸಿನಲ್ಲಿ ಕಾಣಿಸಿಕೊಂಡು,
"ನೀನು ಎದ್ದು ಕೂಸನ್ನೂ, ತಾಯಿಯನ್ನೂ ಕರೆದುಕೊಂಡು ಐಗುಪ್ತ ದೇಶಕ್ಕೆ
ಓಡಿಹೋಗು, ನಾನು ನಿನಗೆ ಹೇಳುವ ತನಕ ಅಲ್ಲೇ ಇರು; ಹೆರೋದನು ಈ
ಕೂಸನ್ನು ಕೊಲ್ಲಬೇಕೆಂದು ಅದನ್ನು ಹುಡುಕುತ್ತಿರುವನು" ಎಂದನು. **೧೪** ಅದೇ
ರಾತ್ರಿ ಯೋಸೇಫನು ಎದ್ದು ಕೂಸನ್ನೂ ಅದರ ತಾಯಿಯನ್ನೂ ಕರೆದುಕೊಂಡು
ಐಗುಪ್ತ ದೇಶಕ್ಕೆ ಹೊರಟುಹೋದನು. ಹೆರೋದನು ತೀರಿಹೋಗುವ ತನಕ
ಅವರು ಅಲ್ಲೇ ಇದ್ದರು. **೧೫** ಹೀಗೆ, "ನನ್ನ ಮಗನನ್ನು ಐಗುಪ್ತದೇಶದೊಳಗಿಂದ
ಕರೆದೆನೆಂದು" ಕರ್ತನು ಪ್ರವಾದಿಯ ಮುಖಾಂತರ ಹೇಳಿದ ಮಾತು ನೆರವೇರಿತು.
೧೬ ಆಗ ಹೆರೋದನು ತಾನು ಜ್ಞಾನಿಗಳಿಂದ ವಂಚಿತನಾದೆ ಎಂದು ತಿಳಿದು ಬಹಳ
ಕೋಪಗೊಂಡು ತನ್ನ ಆಳುಗಳನ್ನು ಕಳುಹಿಸಿ ತಾನು ಜ್ಞಾನಿಗಳಿಂದ ಕೂಸು ಹುಟ್ಟಿದ್ದ
ಗಳಿಗೆಯನ್ನು ತಿಳಿದುಕೊಂಡಿದ್ದ ಕಾಲಕ್ಕೆ ಸರಿಯಾಗಿ, ಬೇತ್ಲೆಹೇಮಿನಲ್ಲಿಯೂ ಅದರ
ಎಲ್ಲಾ ನೆರೆಹೊರೆ ಹಳ್ಳಿಗಳಲ್ಲಿಯೂ ಹುಟ್ಟಿದ ಎರಡು ವರ್ಷದೊಳಗಿನ ಗಂಡು
ಕೂಸುಗಳನ್ನೆಲ್ಲಾ ಕೊಲ್ಲಿಸಿದನು. **೧೭** ಯೆರೆಮೀಯನೆಂಬ ಪ್ರವಾದಿಯು ಹೇಳಿದ
ಮಾತು ಹೀಗೆ ನೆರವೇರಿತು; ಅದೇನೆಂದರೆ, **೧೮** "ರಾಮದಲ್ಲಿ ಬೊಬ್ಬೆಯು
ಕೇಳಿಸಿತು; ಆಕ್ರಂದನವೂ ಬಹು ಗೋಳಾಟವೂ ಉಂಟಾದವು; ರಾಹೇಲಳು
ತನ್ನ ಮಕ್ಕಳಿಗೋಸ್ಕರ ಗೋಳಾಡಿ ಅವರು ಇಲ್ಲದೆ ಹೋದದ್ದಕ್ಕಾಗಿ ಸಮಾಧಾನ
ಹೊಂದಲಾರದೆ ಇದ್ದಳು" ಎಂಬುದೇ. **೧೯** ಹೆರೋದನು ತೀರಿಹೋದ ಮೇಲೆ
ಐಗುಪ್ತದೇಶದಲ್ಲಿ ಕರ್ತನ ದೂತನು ಯೋಸೇಫನಿಗೆ ಕನಸಿನಲ್ಲಿ ಕಾಣಿಸಿಕೊಂಡು,
೨೦ "ನೀನು ಎದ್ದು ಕೂಸನ್ನೂ ಅದರ ತಾಯಿಯನ್ನೂ ಕರೆದುಕೊಂಡು

ಮತ್ತಾಯನು

1 ಕ್ರಿಸ್ತ ಯೇಸುವಿನ ವಂಶಾವಳಿಯ ದಾಖಲೆ. ಯೇಸು ದಾವೀದನ
ವಂಶದವರು, ದಾವೀದನು ಅಬ್ರಹಾಮನ ವಂಶದವನು: **2** ಅಬ್ರಹಾಮನು
ಇಸಾಕನ ತಂದೆ, ಇಸಾಕನು ಯಾಕೋಬನ ತಂದೆ, ಯಾಕೋಬನು ಯೂದ
ಮತ್ತು ಅವನ ಅಣ್ಣ ತಮ್ಮಂದಿರ ತಂದೆ, **3** ಯೂದನು ಪೆರೆಸ ಮತ್ತು
ಜೆರಹನ ತಂದೆ, ತಾಮಾರಳು ಇವರ ತಾಯಿ, ಪೆರೆಸನು ಹೆಚ್ರೋನನ ತಂದೆ,
ಹೆಚ್ರೋನನು ಅರಾಮನ ತಂದೆ, **4** ಅರಾಮನು ಅಮ್ಮಿನಾದಾಬನ ತಂದೆ,
ಅಮ್ಮಿನಾದಾಬನು ನಹಶೋನನ ತಂದೆ, ನಹಶೋನನು ಸಲ್ಮೋನನ ತಂದೆ,
5 ಸಲ್ಮೋನನು ಬೋವಜನ ತಂದೆ, ಬೋವಜನ ತಾಯಿ ರಾಹಾಬಳು,
ಬೋವಜನು ಓಬೇದನ ತಂದೆ, ಓಬೇದನ ತಾಯಿ ರೂತಳು, ಓಬೇದನು
ಇಷಯನ ತಂದೆ, **6** ಇಷಯನು ರಾಜನಾದ ದಾವೀದನ ತಂದೆ. ದಾವೀದನು
ಸೊಲೊಮೋನನ ತಂದೆ, ಇವನ ತಾಯಿ ಊರೀಯನ ಹೆಂಡತಿಯಾಗಿದ್ದವಳು,
7 ಸೊಲೊಮೋನನು ರೆಹಬ್ಬಾಮನ ತಂದೆ, ರೆಹಬ್ಬಾಮನು ಅಬೀಯನ
ತಂದೆ, ಅಬೀಯನು ಆಸನ ತಂದೆ, **8** ಆಸನು ಯೆಹೋಷಾಫಾಟನ ತಂದೆ,
ಯೆಹೋಷಾಫಾಟನು ಯೆಹೋರಾಮನ ತಂದೆ, ಯೆಹೋರಾಮನು ಉಜ್ಜೀಯನ
ತಂದೆ, **9** ಉಜ್ಜೀಯನು ಯೋತಾಮನ ತಂದೆ, ಯೋತಾಮನು ಆಹಾಜನ
ತಂದೆ, ಆಹಾಜನು ಹಿಜ್ಕೀಯನ ತಂದೆ, **10** ಹಿಜ್ಕೀಯನು ಮನಸ್ಸೆಯ ತಂದೆ,
ಮನಸ್ಸೆಯು ಆಮೋನನ ತಂದೆ, ಆಮೋನನು ಯೋಷೀಯನ ತಂದೆ, **11**
ಯೋಷೀಯನಿಗೆ ಯೆಕೊನ್ಯ ಮತ್ತು ಅವನ ಸಹೋದರರು ಹುಟ್ಟಿದರು, ಈ
ಸಮಯದಲ್ಲಿಯೇ ಯೆಹೂದ್ಯರನ್ನು ಬಾಬಿಲೋನಿಗೆ ಸೆರೆ ಒಯ್ದದ್ದು. **12**
ಬಾಬಿಲೋನಿಗೆ ಸೆರೆಹೋದ ಮೇಲೆ: ಯೆಕೊನ್ಯನು ಶೆಯಲ್ತಿಯೇಲನನ್ನು
ಪಡೆದನು, ಶೆಯಲ್ತಿಯೇಲನು ಜೆರುಬ್ಬಾಬೆಲನ ತಂದೆ, **13** ಜೆರುಬ್ಬಾಬೆಲನು
ಅಬಿಹೂದನ ತಂದೆ, ಅಬಿಹೂದನು ಎಲಿಯಕೀಮನ ತಂದೆ, ಎಲಿಯಕೀಮನು
ಅಜೋರನ ತಂದೆ, **14** ಅಜೋರನು ಸದೋಕನ ತಂದೆ, ಸದೋಕನು
ಅಖೀಮನ ತಂದೆ, ಅಖೀಮನು ಎಲಿಹೂದನ ತಂದೆ, **15** ಎಲಿಹೂದನು
ಎಲಿಯಾಜರನ ತಂದೆ, ಎಲಿಯಾಜರನು ಮತ್ತಾನನ ತಂದೆ, ಮತ್ತಾನನು
ಯಾಕೋಬನ ತಂದೆ, **16** ಯಾಕೋಬನು ಯೋಸೇಫನ ತಂದೆ, ಯೋಸೇಫನು
ಮರಿಯಳ ಪತಿ, ಮರಿಯಳು ಕ್ರಿಸ್ತ ಎಂದು ಕರೆಯಲಾದ, ಯೇಸುಸ್ವಾಮಿಯ
ತಾಯಿ. **17** ಈ ರೀತಿಯಲ್ಲಿ ಅಬ್ರಹಾಮನಿಂದ ದಾವೀದನವರೆಗೆ ಹದಿನಾಲ್ಕು
ತಲೆಮಾರುಗಳು, ದಾವೀದನಿಂದ ಬಾಬಿಲೋನಿಗೆ ಸೆರೆ ಹೋಗುವವರೆಗೆ
ಹದಿನಾಲ್ಕು ತಲೆಮಾರುಗಳು, ಬಾಬಿಲೋನಿಗೆ ಸೆರೆಹೋದ ದಿನದಿಂದ ಕ್ರಿಸ್ತರವರೆಗೆ
ಹದಿನಾಲ್ಕು ತಲೆಮಾರುಗಳು. **18** ಕ್ರಿಸ್ತ ಯೇಸುವಿನ ಜನನದ ವಿವರ:
ಯೇಸುವಿನ ತಾಯಿ ಮರಿಯಳನ್ನು ಯೋಸೇಫನಿಗೆ ನಿಶ್ಚಯ ಮಾಡಿದ್ದರು,
ಆದರೆ ಅವರಿಬ್ಬರು ಕೂಡಿಬಾಳುವುದಕ್ಕಿಂತ ಮುಂಚೆಯೇ, ಮರಿಯಳು
ಪವಿತ್ರಾತ್ಮರಿಂದ ಗರ್ಭಧರಿಸಿರುವುದು ತಿಳಿದುಬಂತು. **19** ಯೋಸೇಫನು
ನೀತಿವಂತನಾಗಿದ್ದರಿಂದ, ಆಕೆಯನ್ನು ಬಹಿರಂಗವಾಗಿ ಅವಮಾನ ಮಾಡುವುದಕ್ಕೆ
ಮನಸ್ಸಿಲ್ಲದೆ, ಆಕೆಯನ್ನು ರಹಸ್ಯವಾಗಿ ಬಿಟ್ಟು ಬಿಡಬೇಕೆಂದಿದ್ದನು. **20** ಅವನು
ಹೀಗೆ ಯೋಚಿಸುತ್ತಿದ್ದಾಗ, ಕರ್ತನ ದೂತನು ಕನಸಿನಲ್ಲಿ ಅವನಿಗೆ ಪ್ರತ್ಯಕ್ಷನಾಗಿ,
"ದಾವೀದನ ವಂಶದ ಯೋಸೇಫನೇ, ಮರಿಯಳನ್ನು ನಿನ್ನ ಹೆಂಡತಿಯನ್ನಾಗಿ
ಸ್ವೀಕರಿಸಲು ಅಂಜಬೇಡ. ಆಕೆ ಗರ್ಭವತಿಯಾಗಿರುವುದು ಪವಿತ್ರಾತ್ಮರಿಂದಲೇ.
21 ಅವಳು ಒಬ್ಬ ಮಗನನ್ನು ಹೆರುವಳು, ನೀನು ಆತನಿಗೆ, 'ಯೇಸು' ಎಂದು
ಹೆಸರಿಡಬೇಕು. ಏಕೆಂದರೆ ಅವರೇ ತಮ್ಮ ಜನರನ್ನು ಅವರ ಪಾಪಗಳಿಂದ
ರಕ್ಷಿಸುವರು," ಎಂದು ಹೇಳಿದನು. **22** ದೇವರು ತಮ್ಮ ಪ್ರವಾದಿಯ ಮುಖಾಂತರ
ಹೇಳಿದ ಈ ಮಾತು ನೆರವೇರುವಂತೆ ಇದೆಲ್ಲಾ ನಡೆಯಿತು: **23** "ಇಗೋ
ಒಬ್ಬ ಕನ್ನಿಕೆಯು ಗರ್ಭಿಣಿಯಾಗಿ ಮಗನನ್ನು ಹೆರುವಳು, ಆ ಮಗುವಿಗೆ,
'ಇಮ್ಮಾನುಯೇಲ್' ಎಂದು ಹೆಸರಿಡುವರು." ಈ ಹೆಸರಿನ ಅರ್ಥ, "ದೇವರು
ನಮ್ಮ ಸಂಗಡ ಇದ್ದಾರೆ," ಎಂಬುದು. **24** ಯೋಸೇಫನು ನಿದ್ದೆಯಿಂದ ಎದ್ದ
ಮೇಲೆ, ಕರ್ತನ ದೂತನು ಆಜ್ಞಾಪಿಸಿದಂತೆ ಮರಿಯಳನ್ನು ತನ್ನ ಹೆಂಡತಿಯನ್ನಾಗಿ
ಸ್ವೀಕರಿಸಿಕೊಂಡನು. **25** ಆದರೆ ಅವಳು ಮಗನನ್ನು ಹೆರುವತನಕ ಯೋಸೇಫನು
ಆಕೆಯೊಂದಿಗೆ ದಾಂಪತ್ಯ ಜೀವನ ಮಾಡಲಿಲ್ಲ. ಯೋಸೇಫನು ಆ ಮಗುವಿಗೆ
"ಯೇಸು" ಎಂದು ಹೆಸರಿಟ್ಟನು.

2 ಹೆರೋದ ರಾಜನ ಕಾಲದಲ್ಲಿ, ಯೂದಾಯದ ಬೇತ್ಲೆಹೇಮಿನಲ್ಲಿ ಯೇಸು
ಜನಿಸಿದಾಗ, ಪೂರ್ವ ದೇಶದಿಂದ ಜ್ಞಾನಿಗಳು ಯೆರೂಸಲೇಮಿಗೆ ಬಂದು, **2**
"ಯೆಹೂದ್ಯರ ಅರಸರಾಗಿ ಹುಟ್ಟಿದವರು ಎಲ್ಲಿ? ನಾವು ಅವರನ್ನು ಸೂಚಿಸುವ
ನಕ್ಷತ್ರವನ್ನು ಪೂರ್ವದೇಶದಲ್ಲಿ ಕಂಡು ಅವರನ್ನು ಆರಾಧಿಸಲು ಬಂದಿದ್ದೇವೆ,"
ಎಂದರು. **3** ಇದನ್ನು ಕೇಳಿ ಹೆರೋದ ರಾಜನು ಮತ್ತು ಯೆರೂಸಲೇಮಿನ
ಜನರೆಲ್ಲರು ಕಳವಳಗೊಂಡರು. **4** ರಾಜನು ಯೆಹೂದ್ಯರ ಮುಖ್ಯಯಾಜಕರನ್ನೂ
ನಿಯಮ ಬೋಧಕರನ್ನೂ ಕರೆದು, "ಕ್ರಿಸ್ತನು ಹುಟ್ಟಬೇಕಾದದ್ದು ಎಲ್ಲಿ?"
ಎಂದು ಅವರನ್ನು ವಿಚಾರಿಸಿದನು. **5** ಅದಕ್ಕೆ ಅವರು, "ಯೂದಾಯ
ಪ್ರಾಂತದ ಬೇತ್ಲೆಹೇಮಿನಲ್ಲಿಯೇ," ಏಕೆಂದರೆ, ಪ್ರವಾದಿಯು ಬರೆದಿರುವದು
ಈ ರೀತಿಯಾಗಿದೆ: **6** "'ಯೆಹೂದ ಪ್ರಾಂತದಲ್ಲಿರುವ ಬೇತ್ಲೆಹೇಮೇ,
ಯೆಹೂದದ ಅಧಿಪತಿಗಳಲ್ಲಿ ನೀನು ಎಷ್ಟು ಮಾತ್ರಕ್ಕೂ ಅಲ್ಪವಲ್ಲ. ಏಕೆಂದರೆ
ನನ್ನ ಪ್ರಜೆಗಳಾದ ಇಸ್ರಾಯೇಲನ್ನು ಪರಿಪಾಲಿಸಲು ಒಬ್ಬ ಅಧಿಪತಿಯು
ನಿನ್ನೊಳಗಿಂದಲೇ ಬರುವನು,'" ಎಂದು ಹೇಳಿದರು. **7** ಆಗ ಹೆರೋದನು
ಆ ಜ್ಞಾನಿಗಳನ್ನು ರಹಸ್ಯವಾಗಿ ಕರೆದು, ಆ ನಕ್ಷತ್ರ ಕಾಣಿಸಿಕೊಂಡ ಕಾಲವನ್ನು
ಸೂಕ್ಷ್ಮವಾಗಿ ವಿಚಾರಿಸಿದನು. **8** "ನೀವು ಹೋಗಿ ಆ ಮಗುವಿನ ವಿಷಯ
ಜಾಗರೂಕತೆಯಿಂದ ವಿಚಾರಿಸಿ. ಆ ಮಗು ಸಿಕ್ಕಿದ ಮೇಲೆ ನನಗೆ ತಿಳಿಸಿರಿ,
ಆಗ ನಾನೂ ಬಂದು ಅದನ್ನು ಆರಾಧಿಸುವೆನು," ಎಂದು ಹೇಳಿ ಅವರನ್ನು
ಬೇತ್ಲೆಹೇಮಿಗೆ ಕಳುಹಿಸಿದನು. **9** ರಾಜನ ಮಾತನ್ನು ಕೇಳಿ ಅವರು ಹೊರಟಾಗ,
ಪೂರ್ವದೇಶದಲ್ಲಿ ಅವರು ಕಂಡ ನಕ್ಷತ್ರವು ಪುನಃ ಕಾಣಿಸಿಕೊಂಡು, ಅವರ
ಮುಂದೆ ಮುಂದೆ ಸಾಗುತ್ತಾ, ಆ ಮಗು ಇದ್ದ ಸ್ಥಳದ ಮೇಲೆ ಬಂದು ನಿಂತಿತು.
10 ಅವರು ನಕ್ಷತ್ರವನ್ನು ಕಂಡು, ಬಹಳವಾಗಿ ಸಂತೋಷಪಟ್ಟರು. **11**
ಜ್ಞಾನಿಗಳು ಮನೆಯನ್ನು ಪ್ರವೇಶಿಸಿ, ಮಗುವನ್ನು ತಾಯಿ ಮರಿಯಳ ಬಳಿ ಕಂಡು,
ಮಗುವಿಗೆ ಅಡ್ಡಬಿದ್ದು ಆರಾಧಿಸಿದರು. ತಮ್ಮ ಬೊಕ್ಕಸಗಳನ್ನು ತೆರೆದು ಮಗುವಿಗೆ
ಚಿನ್ನ, ಧೂಪ ಮತ್ತು ರಕ್ತಬೋಳಗಳನ್ನು ಕಾಣಿಕೆಯಾಗಿ ಸಮರ್ಪಿಸಿದರು. **12**
ಅನಂತರ ಅವರು ಕನಸಿನಲ್ಲಿ ಹೆರೋದನ ಬಳಿಗೆ ಹಿಂತಿರುಗಬಾರದೆಂಬ
ಎಚ್ಚರಿಕೆಯನ್ನು ಹೊಂದಿದ್ದರಿಂದ, ಬೇರೆ ದಾರಿಯಿಂದ ತಮ್ಮ ದೇಶಕ್ಕೆ ಹೊರಟು
ಹೋದರು. **13** ಆ ಜ್ಞಾನಿಗಳು ಹೊರಟುಹೋದ ಮೇಲೆ, ಕರ್ತನ ದೂತನು
ಯೋಸೇಫನಿಗೆ ಕನಸಿನಲ್ಲಿ ಪ್ರತ್ಯಕ್ಷನಾಗಿ, "ಎದ್ದೇಳು, ಮಗುವನ್ನೂ ತಾಯಿಯನ್ನೂ
ಕರೆದುಕೊಂಡು ಈಜಿಪ್ಟಿಗೆ ಓಡಿಹೋಗು. ನಾನು ನಿನಗೆ ತಿಳಿಸುವವರೆಗೆ ಅಲ್ಲಿಯೇ
ಇರು, ಏಕೆಂದರೆ ಹೆರೋದನು ಮಗುವನ್ನು ಹುಡುಕಿ ಕೊಲ್ಲಬೇಕೆಂದಿದ್ದಾನೆ,"
ಎಂದನು. **14** ಆಗ ಯೋಸೇಫನು ಎದ್ದು, ಆ ಮಗುವನ್ನೂ ತಾಯಿಯನ್ನೂ
ಕರೆದುಕೊಂಡು ಅದೇ ರಾತ್ರಿ ಈಜಿಪ್ಟಿಗೆ ಹೊರಟುಹೋದನು. **15** ಹೀಗೆ
ಹೆರೋದನು ಸಾಯುವವರೆಗೆ ಯೋಸೇಫನು ಅಲ್ಲೇ ಇದ್ದನು. ಕರ್ತನು ತನ್ನ
ಪ್ರವಾದಿಯ ಮೂಲಕ: "ಈಜಿಪ್ಟಿನಿಂದ ನನ್ನ ಮಗನನ್ನು ನಾನು ಕರೆದೆನು,"
ಎಂದು ಹೇಳಿದ ಮಾತು ಇದರಿಂದ ನೆರವೇರಿತು. **16** ಜ್ಞಾನಿಗಳು ತನಗೆ
ಮೋಸಮಾಡಿದರೆಂದು ತಿಳಿದ ಹೆರೋದನು ಬಹಳ ಕೋಪಗೊಂಡನು,
ಜ್ಞಾನಿಗಳಿಂದ ಸೂಕ್ಷ್ಮವಾಗಿ ವಿಚಾರಿಸಿಕೊಂಡ ಪ್ರಕಾರವೇ, ಬೇತ್ಲೆಹೇಮ್ ಮತ್ತು
ಅದರ ಸುತ್ತಮುತ್ತಲ ಪ್ರದೇಶದಲ್ಲಿದ್ದ ಎರಡು ವರ್ಷದೊಳಗಿನ ಎಲ್ಲಾ ಗಂಡು
ಮಕ್ಕಳನ್ನು ಕೊಂದುಹಾಕಿಸಿದನು. **17** ಪ್ರವಾದಿಯಾದ ಯೆರೆಮೀಯನ ಮೂಲಕ
ಹೇಳಿದ ಮಾತು ನೆರವೇರಿತು: **18** "ರಾಮದಲ್ಲಿ ರೋದನೆಯು ಕೇಳಿಸಿತು,
ಗೋಳಾಟವೂ ಮಹಾ ಪ್ರಲಾಪವೂ ಕೇಳಿಬಂತು. ರಾಹೇಲಳು ತನ್ನ ಮಕ್ಕಳಿಗಾಗಿ
ಗೋಳಾಡುತ್ತಾ, ಆದರಣೆ ಹೊಂದದೆ ಹೋಗಿದ್ದಾಳೆ. ಏಕೆಂದರೆ ಅವಳ ಮಕ್ಕಳು
ಇನ್ನಿಲ್ಲ." **19** ಹೆರೋದನು ಸತ್ತಮೇಲೆ ಈಜಿಪ್ಟಿನಲ್ಲಿದ್ದ ಯೋಸೇಫನಿಗೆ
ಕರ್ತನ ದೂತನು ಕನಸಿನಲ್ಲಿ ಕಾಣಿಸಿಕೊಂಡು, **20** "ಎದ್ದೇಳು, ಮಗುವನ್ನೂ
ತಾಯಿಯನ್ನೂ ಕರೆದುಕೊಂಡು ಇಸ್ರಾಯೇಲ್ ದೇಶಕ್ಕೆ ಹಿಂದಿರುಗು, ಮಗುವಿನ
ಪ್ರಾಣ ತೆಗೆಯಬೇಕೆಂದಿದ್ದವರು ಸತ್ತುಹೋದರು," ಎಂದು ಹೇಳಿದನು. **21**
ಆಗ ಅವನು ಎದ್ದು ಮಗುವನ್ನೂ ತಾಯಿಯನ್ನೂ ಕರೆದುಕೊಂಡು ಇಸ್ರಾಯೇಲ್
ದೇಶಕ್ಕೆ ಬಂದನು. **22** ಆದರೆ ಹೆರೋದನ ಮಗ ಅರ್ಖೆಲಾಯನು, ತಂದೆಯ

Mathayo

1 Echitabho cho luganda lwa Yesu Kristo omwana
wa Daudi omwana wa **2** Ibrahimu; Ibrahimu
aliga esemwene Isaka na Isaka esemwene Yakobo
na Yakobo alisemwene Yuda na bhamula bhabho.
3 Yuda aliga ali esemwene Peresi na Sera
ku Tamari Peresi ali esemwene waHezroni na
Hezroni ali esemwene wa Ramu, **4** Ramu aliga
ali semwene Aminadabu. Aminadabu alisemwene
Nashoni. Nashoni alisemwene Salimoni. **5** Salimoni
alisemwene wa Boazi ku Rahabu, Bohazi alisemwene
wa Obedi ku Ruth, Obedi alisemwene Yese. **6** Yese
alisemwene omkama Daudi. Daudi aliga alisemwene
Selemani ku mugasi wa Huria. **7** . Sulemani aliga
alisemwene Rehoboamu, Rehobohamu alisemwene
wa Abiya, Abiya alisemwene wa Asa. **8** Asa aliga
alisemwene wa Yehoshafati, Yehoshafati alisemwene
wa Yoramu, na Yoramu alisemwene wa Uzia. **9** Uzia
aliga alisemwene wa Yothamu, Yothamu alisemwene
wa Ahazi, Ahazi alisemwene wa Hezekia. **10**
Hezekia aliga alisemwene wa Manase, Manase
alisemwene wa Amoni na Amoni alisemwene Yosia
11 Yosia aligaesemwene Yekonia na bhamula bhabho
omwanya gunu bhagegelwe okusilwa Babeli. **12**
Omwanya gunu bhaliga bhamalile ogegwa okuja
Babeli, Yekonia aliga alisemwene Shatieri, Shatieri
aliga ali jaji wabhona Zelubabeli. **13** Zerubabeli aliga
alisemwene Abiudi, Abiudi alisemwene wa Eliakimu,
na Eliakimu ali semwene wa Azori. **14** Azori aliga
alisemwene Zadoki, Zadoki alisemwene Akimu, na
Akimu alisemwene Eliudi. **15** Eliudi aliga alisemwene
Elieza, Elieza ali esemwene Matani na Matani
alisemwene Yakobo. **16** Yakobo aliga alisemwene
Yusufu omulume wa Mariamu unu kusoka kumwene
Yesu ebhuhye unu katogwa Kristo. **17** Jinyibhulo jona
okusoka ku Ibrahimu okukinga ku Daudi jaliga nyibhulo
ekumi nena, okusoka ku Daudi okukinga okugegwa
okuja Babeli ni nyibhulo ekumi nena, no kusoka
anu bhagegibhwe okuja Babeli okukinga ku Kristo
ni nyibhulo ekumi nena. **18** Okwibhulwa kwa Yesu
Kristo kwaliga kulikutya, nyila wae, Mariamu aliga
nasandwa na Yusufu, akatungu bhachali kubhonana
chi mubhili nabhonekana ati alinainda kubhutulo bhwo
mwoyo mwelu. **19** Omulume wae Yusufu aliga munu
mulengelesi atendele kumuswasha abhwelu. Alamuye
okubhusiga obhuko obhwo kwo bhwitebhe. **20** Anu
aliga acheganilisha ingulu ya magambo ago, Maraika
wa Nyamuanga namubhonekela mu chiloto naika,
Yusufu mwende Daudi utajakubhaya okumugega
Mariamu kuti mugasi wao kulwokubha inda inu alinayo
ni kulwo bhuturo bhwo Mwoyo mweru. **21** Kaja
okwibhula omwana we chilume umubhilikile lisina
lyae Yesu, kulwokubha niwe kaja okubhachungula
abhanu bhae ne bhibhibhi byebwe **22** Gona ganu
gasokana okukumisha jinu jaikilwe na Nyamuanga ku
njila yo mulagi naika, **23** Lola omuyala aligega inda no
kwibhula omwana mulume na bhalimubhilikila lisina
lyae Imanuel insonga yendemo Nyamuanga amwi
neswe. **24** Yusufu emukile okusoka muntilo nakola
kutyo Malaika wa Nyamuanga kutyo amulagilie na
amugegele kuti mugasi wae. **25** Kulwejo nolo jabhee
kutyo atamamile nage katungu kone okukinga ao
ebhulie omwana we chilume namubhilikila lisina lyae
Yesu.

2 Ejile Yesu amala okwibhulwa mu chalo cha
Bethelehemu yo Bhuyahudi mukatungu ko
bhukama bwa Herode, abhanu bhengeso okusoka
ebhutuluka ya kula bhakingile Yerusalemi nibhaika, **2**
Alyaki omwene unu ebhulwa omkama wa Bhayahudi?
Chamailola injota yae ebhutuluka eswe ona chaja
okumlamya. **3** Akatungu kanu omkama Herode
onguhye amagambo ago nasulumbala na Yerusalemu
yona amwi nage. **4** Herode nabhakumanya abhakulu
bha bhagabhisi bhona na bhandiki bha bhanu,
omwene nabhabhusha Kristo kebhulwa aki? **5**
Nibhamubhwila mu Bethelemu yo bhuyahudi,
kulwokubha kutyo nikwo jandikilwe no mulagi, **6** Awe
betelehemu mu chalo cha Yuda utali mutyali amwi mu
bhatangasha bha Yuda kwokubha okusoka kwawe
kaja okuja omutangasha unu kaja okubhatangasha
abhanu bhani Israel." **7** Kulwejo Herode nabhabhilikila
bhalia abhengeso kulwobhwitebhe no kubhabhusha
ni mwanyaki injota yaliga nibhonekana **8** .
Nabhatuma Betelehemu, naika,"Mugende kwo
bhwengeso mujomulonda omwana unu ebhulwa.
Akatungu kanu mulamubhona, mundetele amagambo
koleleki anyona nigende okumulamya." **9** Bhejile
bhamtegelesha omkama, bhagendelee no lugendo
lwebhwe, na injota eyo inu bhaliga bhalolele
ebhutuluka yabhatangatie nikinga niimelegulu ingulu
yo lubhala lunu omwana aligaebhuhye. **10** Omwanya
gunu bhailole injota bhakondelewe ekondelelwa
enene muno. **11** Bhengie munyumba nibhamulola
omwana unu ebhuyhwe na Mariamu nanyila mwene.
Bhamwifukamie no kumulamhya. Bhasulumue
emigemu jebhwe no kumusosisha ebhiyanwa bya
jijaabhu, obhuvumba, na manemane. **12** Nyamuanga
abhaganyishe mu chiloto bhasige osubha ku
Herode, Kulwejo bhemukile okusubha mu chalo

Mateo

1 Are wa' ri kib'i' ri e rati't umam ri Jesús rija'l ri David, rija'l ri Abraham. **2** Ri Abraham are utat ri Isaac, ri Isaac are utat ri Jacob, ri Jacob are utat ri Judá xuquje' are kitat ri e rachalal. **3** Ri Judá are utat ri Fares xuquje' ri Zera (are kinan ri Tamar), ri Fares are utat ri Ezrón, ri Ezrón are utat ri Ram. **4** Ri Ram are utat ri Aminadab, ri Aminadab are utat ri Naasón, ri Naasón are utat ri Salmón. **5** Ri Salmón are utat ri Booz (are unan ri Rahab), ri Booz are utat ri Obed (are unan ri Rut), ri Obed are utat ri Isaí. **6** Ri Isaí are utat ri taqanel David, ri David are utat ri Salomón (are unan ri Betsabé, rixoqil kan ri Urías). **7** Ri Salomón are utat ri Roboám, ri Roboám are utat ri Abdías, ri Abdías are utat ri Asá. **8** Ri Asá are utat ri Josafat, ri Josafat are utat ri Jorán, ri Jorán are utat ri Uzías. **9** Ri Uzías are utat ri Jotán, ri Jotán are utat ri Acaz, ri Acaz are utat ri Ezequías. **10** Ri Ezequías are utat ri Manasés, ri Manasés are utat ri Amón, ri Amón are utat ri Josías. **11** Xuquje' ri Josías are utat ri Jeconías xuquje' are kitat ri e rachalal che taq ri' are xek'am b'ik ri winaq a'j Israel pa ri tinimit Babilonia. **12** Are ik'owinaq chi ri q' otaj are xetzalij ri winaq a'j Israel pa Babilonia, ri Jeconías xutik ri Salatiel, ri Salatiel are utat ri Zorobabel. **13** Ri Zorobabel are utat ri Abiud, ri Abiud are utat ri Eliaquín, ri Eliaquín are utat ri Azor. **14** Ri Azor are utat ri Sadoc, ri Sadoc are utat ri Aquín, ri Aquín are utat ri Eliud. **15** Ri Eliud are utat ri Eleazar, ri Eleazar are utat ri Matán, ri Matán are utat ri Jacob. **16** Xuquje' ri Jacob are utat ri José, rachajil ri María, ri unan ri Jesús, ri kab'ix Mesías che. **17** Xaq jeri' e kajlajuj puq winaq ati't mam kiterene'lom kib' xchaple'taj loq ruk' ri Abraham xultoq'ol ruk' ri David, k'a te ri' e kajlajuj puq winaq chik ati' t mam kiterene'lom kib' xchaple'taj loq ruk' ri David xopan k'a pa ri q'ij are xek'am b'ik ri winaq a'j Israel pa ri tinimit Babilonia, xuquje' kajlajuj puq winaq ati't mam kiterene'lo'm kib' xchaple'taj loq pa ri q'ij ri xek'am b'ik pa ri tinimit Babilonia k'a pa taq ri q'ij are xalax ri Cristo. **18** Are wa' ri xk'ulmatajik are xalax ri Jesús, ri Cristo. Ri María unan ri Jesús jub'iq' karaj kak'uli' ruk' ri José, majo'q k'u kak'uli' k are xkanaj yawab' winaq rumal ri ukwinem ri Tyoxalaj Uxlab'ixel. **19** Ri José ri rachajil ri María, rumal cher suk' ranima', man xraj taj xuya ri rixoqil pa uk'ixib'al, xuchomaj kuq'at rib' che ri rixoqil, maj jachin che xutzijoj wi. **20** Tajin k'u kuchomaj ub'anik we ri' are xuk' ut rib' jun ángel rech ri Ajawxel choch pa ri uwaram, xub'ij che: José, rija'l ri David, man kaxi'j ta awib' kak'am che awixoqil ri María, rumal cher are ri Tyoxalaj Uxlab'ixel xtiko'nij che. **21** Kak'oji' k'u na jun ral ala, kakoj na Jesús che ub'i', rumal cher are' kakolow na ri utinimit che ri kimak. **22** Ronojel we jastaq ri' xb'antajik rech kak'ulmataj ronojel ri ub'im loq ri Ajawxel chuchi' ri q'alajisal rech ri utzij, are xub'ij: **23** Ri q'apoj ali kux na yawab' winaq. Kak'oji' na jun ral ala, ri kab'ix na Emanuel che, ri kel kub'ij: Are ri Dios k'o quk'. **24** Are xk'astaj ri José che ri uwaram, xunimaj ri xb'ix che rumal ri ángel, xuk'am ri María che rixoqil. **25** Man xq'oyi' ta k'u na ruk' ri María k'a xk'oji' na ri nab'yal ral, Jesús xukoj che ub'i'.

2 Alaxinaq chi ri Jesús pa ri tinimit Belén rech Judea, pa taq ri q'ij are kataqan ri taqanel Herodes. Xo'pan pa Jerusalén nik'aj achyab' k'o keta'mab'al, kipetik pa ri relib'al q'ij. **2** Xkitatab' ela' xkib'ij: ¿Jawje' xalax wi ri kirey ri winaq a'j Israel? Xqil ri uch'umil rumal ri' xujpe chuq' ijila'xik. **3** Ri taqanel Herodes are xutab'ej rech we ri', xk'axir ranima', xk'axir xuquje' kanima' ri winaq rech ri tinimit Jerusalén. **4** Xaq jeri' xtaqan che kisik'ixik konojel ri e k'amal taq b'e ke ri ch'awenelab' cho ri Dios pa kiwi' ri winaq, xuquje' ri a'jtijab' rech ri taqanik, xuta chike jas le'aj kalax wi ri Cristo. **5** Pa ri tinimit Belén rech Judea, xecha che, rumal cher jeri' utz'ib'am loq ri q'alajisal utzij ri Dios: **6** Ri at tinimit Belén, ri at k'o pa ri rulew ri Judea, Pune nitz' aq'ij chikiwach ri e nik'aj le'aj chik rech ri Judea, Chawe k'ut kak'iy wi na loq jun q'atal tzij, Ri ku'yuq'uj na ri nutinimit Israel. **7** K'a te ri' ri Herodes cheleq'al xu'sik'ij ri achyab' ri k'o keta' mab'al, xuta chike jampa' xuk'ut rib' ri ch'umil. **8** K'a te ri' xu'taq b'ik pa Belén, xub'ij chike: Jix chitatab'ela' jawje' xalax wi ri ak'al. Are kiriqo, jilib'ij chwe jeri' kine' xuquje' in chuq'ijila'xik. **9** Are xtataj ri xub'ij ri taqanel chike, xkitaqej ri kib'e, k'a te xkilo xnab'ej ri ch'umil chkiwach, te xe'tak'al pu'wi' ri le'aj ri k'o wi ri ak'al. **10** Are xkil ri ch'umil, sib'alaj xeki'kotik. **11** Xo'k b' ik pa ri ja, xkil ri ak'al k'o ruk' ri unan María, xexuki'k xkiq'ijila'j ri Jesús. K'a te ri' xkijaq ri

Matai

1 Ikhitabu eikya khikolo eikya Yeisu Klisiti mwana va Ibrahimu. **2** U Ibrahimu ale vise va Isakha, nu Isakha ale vise va Yakobo, nu Yakobo ale vise va Yuda nu vukolo vake. **3** UYuta ale vise va Pelesi nu Sera khwa Tamali, uPelesi vise va Hezeloni, nu Hezeloni vise va Ramu. **4** U Ramu ale vise va Aminadabu, Aminadabu vise va Nashoni, nu Nashoni vise va Salimoni. **5** U Salimoni vise va Boazi khwa Rahabu, u Boazi vise va Obedi khwa Luti, u Obedi vise va Yese, **6** u Yese ale vise vantwa u Daudi. U Daudi ale vise va Sulemani khu dala va Uria. **7** U Sulemani ale vise va Rehoboamu, Rehoboamu vise va Abiya, Abiya vise va Asa. **8** U Asa ale vise va Yehoshafati, Yehoshafati vise va Yoramu, nu Yoramu vise va Uzia. **9** U Uzia ale vise va Yothamu, u Yothamu vise va Ahazi, Ahazi vise va Hezekia. **10** U Hezekia ale vise va Manase, u Manase vise va Amoni nu Amoni vise va Yosia. **11** U Yosia vise va Yekonia na vavahave useikhi ugwa khutoliwa ukhuluta khu Babeli. **12** Va vile vatoliwe ukhuluta khu Babeli, u Yekonia ale visa va Shatieli, Shatieli ale khukhuye va Zerubabeli. **13** U Zerubabeli ale vise va Abiudi, Abiudi u vise va Eliakimu, u Eliakimu vise va Azori. **14** Azori vise va Zadoki, nu Zadoki vise va Akimu, nu Akimu vise va Eliudi. **15** U Eliudi ale vise va Elieza, nu Elieza vise va Matani nu Matani vise va Yakobo. **16** UYakobo vise va Yosefu ugosi va Maliya uvi umwene UYesu aholiwe, uveikhilangiwa vei Kilisite. **17** Ifivumbukhu fyooni ukhuhuma khwa Ibrahimu impakha khwa Daudi fyale ifivumbukhu kumi ni fine, ukihuhuma khwa Davidi impakha ukhutoliwa ukhuluta khu Babeli ifivu mbukhu kumi ni fine nu khutoliwa ukhuhuma khu Bababeli impakha kwa kilisite ifivumbukhu kumi ni fine. **18** Ukhuholiwa khwa Yeisu khwale nde. Umamaye, UMaliya, UYosefu, vu ahilikhe eindanda sakha, vuva khamale ukhutolana pu UMaliya akhavonekha ukhuta aleinonehigo mumakha ga mepo umbalanche. **19** Ugosi va mwene u Yosefu ale munu golofu sanogwe ukhukoncha isoni pa vanu. Pu akhalamula ukhundekha u ng'eincha va mwene khuvutitu avanu khitaluanya. **20** Pu avile isaga ndavule usuhwa Vantwa akhambonekhela mu njosi, akhata, “Yosefu mwana va Daudi, ulekhe ukhudwaada ukhutola uMaliyamu ndu dala vakho, ulwa khuva unchigo ugwaleinagwo gwa makha gamepo umbalanche. **21** Puyaihola umwana udeemi puyavukhupa eitawa lya mwene vei Yesu, ulwa khuva ayikuvapo kha avanu va mwene.” **22** Aga gooni gahumile ukhuvonesya khila eikhikhyanchoviwe nu Ntwa ukhugendela munya malago vuita, **23** “Lola, ung'enja uvisagonile nu gosi lusikhu pu iva nu chigo nu khuhola umwana udeemi, puvikhumwilangaga eilitawa lya mwene Imanueli”— khukhuta uNguluve paninie nufwe.” **24** U Yosefu akhasisimukha mutulu nukhugaha nduvu usuhwa va Nguluve ambulile ukhuta atole ave idala va mwene. **25** Pu leino sa gone nave impakha avile aholile umwana udeemi pu akhamwilanga eitawa lya mwene vei Yesu.

2 U Yesu avile aholiwe mu Bethelehemu ya vayuta mufigono fya Nkuludeva u Herode, avanu avamanyi va nondwe ukhuhuma khuvuhumo wa linchuva vakhafikha khu Yerusalemu vakhata, **2** “Aleindakhu umwene uviaholiwe unkuludeva vava yuta? Tuvye tuyeiwene einondwe ya mwene khuvuhumo wa linchuva nufwe pu twinchile khukhumwimikha.” **3** Useikhi ugu unkuludeva u Helode aviile apulikhe akhakalala, na yei Yelusalemu yooni paninie na yumwene. **4** U Helode akhavalundania avavaha vava tekhenchi vooni na visimbi va vanu, pu akhavuncha, “U Klisiti ayoiholiwa ndakhu?” **5** Vakhambula, “Mu Bethelehemu yava yuta, ulwa khuva vuyisimbiwe nu nyamalago. **6** Nuve Bethelehemu, mukhilunga eikya va yuta suleideebe muvalongonchi vava Yuta, pakhuva ukhuhuma khulyuve ikhwincha umbaha uviyakhiva ikhuvadeemaga avanu vango Israeli.” **7** Pu leino u Helode akhaviilanga avamanyi va nondwe khuvutitu akhavavuncha gyu seikhi guleikhu ugu einondwe yeivile yeivonikhe. **8** Akhavasuha khu Bethelehemu, akhata, “Mlutage einjila eiyie mkhavunche fincho umwana uvyaholiwe. Pu mungambone mwinche mumbule ukhuta nayune puninche neimwimeekhe.” **9** Puvavile vapuleihinche unkuludeva puva khava vanu va khuluta, pu einondwe yeila uyuvakhayiwene khuvuhumo wa linchuva yeikhavalongolela impakha upu ya eimile pala upu umwana uvyaholiwe upu ale. **10** Useikhi uguvayiewene einondwe va howikhe fincho. **11** Vakhingeila munyumba puvakhambona umwana nu mamaye u Mariamu. Vakhamwinamila nukhumwimekha, vakhavopola ifipakho fyavo vakhambonola uluvonolo ulwa lutalama, uvufumba ni mono inonu. **12** U Nguluve akhavavula munjosi valekhe ukhukilivukha khwa Helode, puvakhahega ukhuluta khumyavoyo puvakhagenda einjila eiyeinge. **13** Puva viile vahegile, usuhwa vantwa akhambonekhela u Yosefu munjosi nu khuta, “Wime, utole umwana nu mamaye pumunyileile khu Misiri. Muve khukhukhwa impakha yakhiva nikhuvavula ulwa khuva u Helode ilonda

Matayo

1 Kitabu kya lukholo lwa Yesu Kristu mwana ghwa Daudi, mwana ghwa Ibrahimu. **2** Ibrahimu aj'hele tata ghwa Isaka, ni Isaka aj'hele tata ghwa Yakobo, ni Yakobo tata ghwa Yuda ni bhalongomunu. **3** Yuda aj'hele tata ghwa Peresi ni Sera kwa Tamari, Peresi tata ghwa Hezeroni, ni Hezeroni tata ghwa Ramu. **4** Ramu ajhele tata ghwa Aminadabu, Aminadabu tata ghwa Nashoni, ni Nashoni tata ghwa Salimoni. **5** Salimoni ajhele tata ghwa Boazi kwa Rahabu, Boazi tata ghwa Obedi kwa Ruth, Obedi tata ghwa Yese, **6** Yese ajhele tata ghwa mfalme Daudi. Daudi ajhele tata ghwa Sulemani kwa n'dala ghwa Uria. **7** Sulemani ajhele tata ghwa Rehoboamu, Rehoboamu tata ghwa Abiya, Abiya tata ghwa Asa. **8** Asa ajhele tata ghwa Yehoshafati, Yehoshafati tata ghwa Yoramu, ni Yoramu tata ghwa Uzia. **9** Uzia ajhele tata ghwa Yothamu, Yothamu tata ghwa Ahazi, Ahazi tata ghwa Hezekia. **10** Hezekia ajhele tata ghwa Manase, Manase tata ghwa Amoni ni Amoni tata ghwa Yosia. **11** Yosia ajhele tata ghwa Yekonia ni bhalongomunu bhwakati bhwa kutolibhwa kulota Babeli. **12** Ni baada jha kutolibhwa kul'ota Babeli, Yekonia ajhele tata ghwa Shatieli, Shatieli ajhele kokho munu ni Zerubabeli. **13** Zerubabeli ajhele tata ghwa Abiudi, Abiudi tata ghwa Eliakimu, ni Eliakimu tata ghwa Azori. **14** Azori ajhele tata ghwa Zadoki, Zadoki tata ghwa Akimu, Akimu tata ghwa Eliudi. **15** Eliudi ajhele tata ghwa Elieza, Elieza tata ghwa Matani ni Matani tata ghwa Yakobo. **16** Yakobo ajhele tata ghwa Yusufu n'gosi ghwa Mariamu, ambajhe kwa muene Yesu ahogoliki, j'haikutibhwa Kristu. **17** Fizazi fyoha kuh'omela Ibrahimu hadi Daudi fyaj'hele fizazi kumi na nne, kuh'omela Daudi hadi kutolibhwa kulota Babeli fizazi kumi na nne, ni kuhomela kutolibhwa kulota Babeli hadi Kristu fizazi kumi na nne. **18** Kuhogoleka kwa Yesu Kristu kwajhele namna e'j'he. Ndebhuake, Mariamu, achumbilibhu ni Yusufu, lakini kabla bhakhona kubhonana, abhonekene kujha nu luleme kwa ngofo sya Roho Mtakatifu. **19** Ngwanamunu Yusufu, aj'hele munu mwenye haki alondeghe lepi kun'haibisya hadharani. Aamuili kuleka uchumba bhwake kwa siri. **20** Bho ifikirira juu j'ha mambo agha, Malaika ghwa Bwana an'hidili mu ndoto, ajobhili, "Yusufu muana ghwa Daudi, usilili kun'tola Mariamu kama n'dalabhu, kwa ndabha luleme lwaaj'henabhu ni kwa bhuweza bhwa Roho Mtakatifu. **21** Ibetakuhogola mwana ghwa n'gosi ni ghwibeta kun'kuta lihina lyake Yesu, kwa ndabha ibetakubhaokola bhanu bhake ni dhambi syabhene." **22** Ghoha agha ghahomili kutimisibhwa k'hela kyaka nenebhu ni Bwana kwa nj'hela j'ha nabiii ajobhili, **23** "Langai, bikira ibetakukabha luleme ni kuhogola muana n'gosi, na bhibetakun'kuta lihina lyake Imanueli"— maana ghiake, "K'yara pamonga natu." **24** Yusufu aj'humuiki kuh'omela mulugono ni kubhomba kama malaika ghwa Bwana kyaan'jobhili na an'tolili kama n'dala. **25** Hata nahu agonililepi naku mpaka bho akifunguili muana n'gosi ni kunkuta lihina lyake Yesu

2 Baada jha Yesu kuhogoleka mu Bethelehem j'ha Bhuj'hahudi mu magono gha mfalme Herode, bhanu bhasomi kuh'oma mashariki gha patali bhahidili Yerusalemu bhajobhili, **2** "Aj'hendaku muene ambajhe ahogoliki Mfalme ghwa Bhayahudi? Twaj'hibhuene nyota j'hiake mashariki natu tuhidili kumwabudu." **3** Pindi Mfalme Herode bhoapeliki agha adadili sanan, ni Yerusalemu j'hioha pamonga nu muene. **4** Herode abhabhongene bhak'alo bha makuhani bhoha ni bhaalembesi bha bhanu, nu muene akabhakota, "Kristu ibetakuhogoleka ndaku?" **5** Bhan'j'hobhili, "Mu Bethelehemu j'ha Bhuj'hahudi, kwa kuj'ha efe ndo kyaj'hilembibhu ni nabii, **6** Naghwe Bethelehemu, mu nchi j'ha Yuda, n'debe lepi miongoni mwa bhalongosi bha Yuda, kwa kuj'ha kuhoma kwa bhebhe ibetakuhida mtawala j'haibetakubhadima bhanu bhangu Israeli." **7** Efyo Herode abhakutili bhala bhasomi kwa siri ni kubhakhota ndo bhwakati gani hasa litondo libhonekeghe. **8** Akabhatuma Bethelehem, akajobha, "Mlotai kwa bhuangalifu mu kandondaghe muana j'ha ahogoliki. Bhwakati pamwibeta kumbona, mundetayi habari ili nani nibhwesiayi kuhida ni kumwabudu." **9** Baada j'ha kuj'ha bhamp'heliki mfalme, bhaj'hendelili ni safuari syabhu, ni litondo lela ambalyo bhalibhwene mashariki j'habhalongolili hadi paj'haj'hemili panani pa muene pa ahogoliki. **10** Bhwakati bho bhaj'hibhuene litondo, bhahobhwaki kwa furaha m'baha munu. **11** Bhaj'hingili mu nyumba ni kumbona muana j'haahogoliki ni Mariamu ndebhuake. Bhansujudili ni kumwabudu. Bhabhopuili hazina syabho ni kumpisya zawadi sya dhahabu, bhuvumba, ni manemane. **12** K'yara abhaonyili mu ndoto bhasibhuj'hi kwa Herode, hivyo, bhabhokili kubhuj'ha mu nchi syabho kwanj'ela j'henge. **13** Baada j'ha kuj'ha bhabhokhili, malaika ghwa Bwana antokili Yusufu mu ndoto ni kujobha, "J'hinukai ntolai muana ni nyinamunu na mulotai Misri. Mubakilai okhu mpaka panibeta kubhajobhela, kwa kuj'ha Herode akandonda muana ili anj'hangamisiaghe. **14** Pakilu apu Yusufu ajhumuiki ni kuntola muana ni ndebhuake ni kukhem'belela

মার্ক

1 যীশু খ্রিস্ট রাঃআ বুগিন বার্তা রাঃআ এহব; ইনিদ ঈশ্বর রাঃআ হন। **2** জিসায় ভাবিজাগারিচ রাঃআ গ্রন্থরে চিল্কা অল মেনাঃআ, নেলেম, ইঞ ইঞাঃআ সরগ নাগাকে আমাঃআ মাড়াং মাড়াংতে কুলিয়াঞ; ইনি আমাঃআ হরাঃআ বানা দহয়ায়। **3** ডাহিরে (বৈহাড়রে) মিহুড় রাঃআ আড়াঙ আয়ুম্অ তানা, ইনি ঢানরাঃআয়ৎ আয়, আপে প্রভু রাঃআ হরাঃআ বানায় পে আয়াঃআ যত হরাঃআ সরলেপে, **4** এঙ্কা লেকাতে ডুবানিচ যোহন হাজিরেনায়, হেৎদ ডাহিদররে ডুবান য়েত কুয়ায়য় য়, হেৎদ কাই (কাই) আবুং গিডি নাতিএঞাং মনপাল্টা রাঃআ বুগিন বার্তা গাম রে তাহিনায়। **5** ইনাতে জিহুদিয়া দিসুম রিষ্কূ হেৎদ যিরুশালেম রিষ্কূ যত হড় উড়ুং হিচ্ কাতে ইনি রাঃআ হান্ডে সেনঃকু এহব কেৎআ; হেৎদ আপান আপিন কাই মানা কাতে জর্ডন গাডা রে ইনি লিয়া ডুবান তানা কু। **6** ইনি ডুবানিচ যোহন দ উট উপ রাঃআ কিচিঃ ভাগয়াঃ কেনায়, মায়াঙরে সুন্নু চুটিরাঃআ মায়াঙ কব্জা তাহিক্কেনা, হেৎদ ইনি বির স্নসরেৎ হেৎদ বিরমধু জম নুৎ কেনায়। **7** ইনিদ গাম পাস্নাৎ কেনায়, অকয়দ ইঞ হাতেৎ গাদা দাড়িয়ান, ইনিদ ইঞাঃআ তায়মতে হি তানায়; আয়াঃআ খড়ম বায়র ইকড়ুম কাতে হতর রাঃআ আইদারি ইঞাঃআ বায়াঃনা। **8** ইঞ আপেকে দাঃআ তেঞ ডুবানেৎ পেয়া মেশ্খান ইনিদ রিলামালা আত্মা তে ডুবান পেয়া। **9** ইন্তং যীশু দ গালিলি রাঃআ নসরত সরগ নাগার হাতে হিচ্ কাতে ডুবানিচ যহন হেতৎ তে ডুবান নেনায়। **10** হেৎদ ইন্তংগে দাঃআ হাতেৎ রাঃআকাপ বেত্রাঃআং এঞল কেৎ যায় রিমিল ফাড়কায়না, হেৎদ রিলামালা আত্মা পেরয়া চিন্তে আয়াঃআ চেতানরে আড়গু হিজুতানায়। **11** হেৎদ স্বরগ হাতেৎ নিয়া জাগার হিচ্ এনা, আম্পো ইঞাঃআ আপান হন, আমাঃআ হেতত্তেগে ইঞ প্রীত। **12** হেৎদ ইন্তং গে আত্মা ইনিকে ডাহিদর /পিড়িদর কুল কিয়ায়, **13** ইনা পিড়িদররে পুলি মাহা তাহি কাতেৎ বঙ্গা রাঃআ বিডারে নুরেনায়; হেৎদ বির জানয়ার কু লঃঅ তাহিলেনায় (মেনাঃইয়া), হেৎদ স্বরগ সরগ নাগা কু আয়াঃআ নেল আতেনরে তাহীন কেনাকু। **14** হেৎদ চিন্তং জিহাল রে ভরাঃআ লেন খানে যীশু গালিলেতে হিচ্ কাতেৎ ঈশ্বর রাঃআ বুগিন বার্তা গাম পাসনা কেৎআয়, **15** 'অক্ত পুরাঃআএনা, ঈশ্বর রাঃআ রাঃআজ ঠাঁইঞতে সেটেরেনা; আপে মন রুয়াড়েপে, হেৎদ বুগিন জাগাররে পাতিয়াঃপে' **16** ইনাতায়ম গালীল গাডা রাঃআ পাড়তে সেশেন সেশেন্তে এঞল কেৎ কিনায়, শিমন হেৎদ আয়াঃআ হাগা আন্দ্রিয় গাডা রে জাল কিন গিডিই তানা, চিয়া চি ইঞ কিন দ হাকু সাসাপ হড় কিন তাহীন কেনা। **17** যীশু ইঙ্কিন কে গামাৎ কিনায়, ইঞাঃআ তায়মতে হিজুবেন, আবেনকে ইঞ মান্নি সাসাব হড়ঞ বানাবেনা। **18** হেৎদ ইন্তংগে আকিনাঃআ জাল দুহাড় গিডি কাতেৎ ইনি কে কিন পাঞ্জা কিয়াঃআ। **19** ইনা তায়ম হুঁডাঙ মাড়াং দর সেএন খান সিব্দিয়া রাঃআ হন যাকোব হেৎদ আয়াঃআ হাগা যহন কে নেল নাম কেৎ কিনায়; ইঙ্কিন হঃঅ ডঙ্গারে কিন তাহীন কেনা; জাল কিন সারিয়াৎ কেনা। **20** ইনি ইন্তংগে ইঙ্কিন কে রাঃআ কেৎ কিনায় ইনাতে অকিনাঃআ অপু সিব্দিয়াকে মুনিস কু লঃঅ ডঙগা রেগে বাগি তুকা কাতেৎ আয়াঃআ তায়ম তায়মতে পাঞ্জা ইদিকিয়াঃকিন। **21** ইনা তায়ম কপ্পনাহুম সরগ নাগার তে কু বলয়না হেৎদ ইন্তংগে ইনিদ ঝিরাঃআঃমাহা রে জাহের থানতে বক্কাতে চেচেদা এ চেদেদ কুয়া। **22** ইনাতে হড় আয়াঃআ সারি চেচেদ আয়ুম তে হাহাড়ায় নাকু। চিয়াঃ চি ইনিদ দাড়িয়ান জ্ঞানী হড় লেকা ইঙ্কূ কে চেদেৎ কুকেনায় ধরম চেচেদকু লেকাদ হ্লয়। **23** ইন্তং ইঙ্কূঃআ জাহের থানরে মিত হড় তাহিলেনায়, ইনিকে বঙ্গাআত্মা নামলিঃআ; ইনিদ কিকিচ কাতে গাম কেৎ আয়, **24** এ নাসরতিয় যীশু, আমলঅ ইঞাঃ কিনাঃ সাগাই? আবেন দ কি আলেকে নাশ নাতিনাং হিচা কানাম? ইঞ সারিয়াঙ, আমদ অকয় তানাম; ঈশ্বর রাঃআ ইনি রিলা মালা হড়। **25** ইন্তং যীশু ধমকাঃআ কাতেৎ গামাঃইয়া, থিরম, হিঁইরাঃআ হাঁন্ডে হাতেৎ উঁডুংঅম। **26** এশ্খাপ্গে ইনি বঙ্গা আত্মা ইনিকে মচড়া কিচতে গাদাজোর তে কিকিচ কাতে ইনি রাঃআ ভিতির হতেন উড়ুং গিডিনায়। **27** এশ্খাপ্গে যত হড় হাহাড়ায় নাকু, এমন কি ইঙ্কূ আকু আকু গে বিতর্ক কাতে কু গাম কেৎ আ আহা! নিয়া কিনাঃআ? নিয়া চিন্তান উপমা? ইনি দাড়িয়ান লঅঃ বঙ্গা আত্মা কুকে হুকুমা কুতানায়, হেৎদ ইঙ্কূ আয়াঃআ হুকুম কু আয়ুমেৎআ। **28** ইন্তং ইনি রাঃআ বার্ত্তা তক্ষনি গোটা গালিল সরগ নাগার রাঃআ যত দর পসরাঃআএনা। **29** ইনা তায়ম যাহের থান হাতেৎ উড়ুং কাতেৎ যীশু তক্ষনি ইঙ্কূ যাকোব হেৎদ যহন লঃঅ শিমন হেৎদ আন্দ্রিয় তিকিনাঃআ অড়াঃআ রে বলয় নাকু। **30** ইন্তং সিমন রাঃআ হানার তেত রুয়ারে নুরলেনায়; হেৎদ ইঙ্কূ চেলা তক্ষনি ইনি রাঃআ রুয়া তানায় মেন্তে যীশু কেকু গামাইআ; আয়ুম কাতেৎ ইনি ঠাইঞতে সেন কাতে ইনি রাঃআ তিহি সাব কাতে বিরিৎ কিইয়া। **31** যীশু ঠাইঞতে সেন কাতে ইনি রাঃআ তিহি সাব কাতে বিরিৎ কিইয়া। ইন্তং ইনি রাঃআ রুয়া ছাড়ায় না, হেৎদ সিমন রাঃআ হানার তেত ইঙ্কূকে নেখামান কেৎ কুয়ায়য় য়। **32** ইনা তায়ম তার্সীং, বেলা ডুঁবুজ এশ্খান হড়কু যত রুয়া হড় কু কে হেৎদ বঙ্গা ভর হড় কুকে আয়াঃ হান্ডে আগুকেৎ কুয়া। **33** হেৎদ সরগ নাগার রেনকু গাদা হড় দুয়াররে হুঁডিনাকু। **34** ইনাতে ইনি নানান হুনার রোগ-আজার হড় কুকে বুগিকেৎ কুয়ায়য় য়, হেৎদ বঙ্গা ভর গাদা হড় কুকে বঙ্গা ছাড়াঃকেৎ কুয়া, হেৎদ ইঙ্কূ বঙ্গাকে জাহান জাগার কায় গাম তুকালাৎ কুয়া, চিয়া চি ইঙ্কূ দ ইনি কেকু চিহ্নাইয়া। **35** ইনা তায়ম পায়াং পুয়ুংরে, নিদা আঁগঅ গাদা মড়াংতে, বিরিৎ কাতে বাহার দর সেঃএনায়, হেৎদ নিঝুম জায়গারে সেস্কাতে বিত্তি কেৎআয়। **36** আটঃ হঃঅ শিমন হেৎদ আয়াঃআ লঅঃই কু আয়াঃআ তায়ম তায়ম তেকু পাঞ্জাঃ সেএঃনা, **37** হেৎদ আঃচকে নাম কাতে কু কুলি কিয়াঃআ, যত হড় আম্স্কেকু পাঞ্জাঃমা। **38** যীশু ইঙ্কূ কে গাম রুয়াড়েৎ কুয়া, দেলা, আবু এটাঃ এটাঃ দরবু সেনা, কাতা কাতা কুরাঃআ যত হাতু তেবু সেনা, ইঞ ইনা ঠাঁও কুরেঞ জাগরিঞ উচ্ছানেয়াঞ, চিয়াঃ চি ইনা নাতিঞ উড়ুঙ্গ কানাঞ। **39** ইনা তায়ম ইনি দ গটা গলিল দিসুম রেঙ্কূ মান্নি কুরাঃআ ঝাহের স্থান কুরে সেস্কাতে চেচেদাঃআ এমাকুতানায় হেৎদ বঙ্গা কুকে কুদা গিডিৎ কুয়া। **40** মিৎ হুলং মিয়াৎ টুন্টা বেরাঃআম হড় আয়াঃআ সামাংরে হিচ্ কাতে বিত্তি কেৎআয় হেৎদ ইকড়ুম কাতে গাম্স্কেৎআয়, যদি আমাঃআ ইচ্ছা হ্যয়া, ইঞকে সুচি দাড়িয়াঞাম। **41** ইনিদ অন্তর দায়াতে তিহি ভাড়া কাতেৎ ইনি কে জুটেত কিঃআয়, গাম্স্কেৎআ য়, ইঞাঃআ ইচ্ছা আম সুচি হ্যহম। **42** ইন্তংগে টুন্টা বেরাঃআম ইনিকে বগি কাতে সেএঃনায়, ইনি দ সুচিসুব্র নায়। **43** ইন্তং ইনিকে হুকুম এম কাতে কুল কিইঃইয়া, **44** যীশু গামা কিঃয়ায়, এঞলেম মটে মটে যাহায়কে যাহানাঃআ আলম গামা কুয়া; মেশ্খান বামড়ে রাঃআ হান্ডে সেন কাতে নিজেকে উদু গঅম, হেৎদ হড়কু রঃআ হান্ডে লুকুন্দ এম নাতিনাং হেৎদ আম বেসা কানাম মেন্তে মুসা

마태복음

1 아브라함과 다윗의 자손 예수 그리스도의 세계라 **2** 아브라함이 이삭을 낳고 이삭은 야곱을 낳고 야곱은 유다와 그의 형제를 낳고 **3** 유다는 다말에게서 베레스와 세라를 낳고, 베레스는 헤스론을 낳고, 헤스론은 람을 낳고 **4** 람은 아미나답을 낳고, 아미나답은 나손을 낳고, 나손은 살몬을 낳고 **5** 살몬은 라합에게서 보아스를 낳고, 보아스는 룻에게서 오벳을 낳고, 오벳은 이새를 낳고 **6** 이새는 다윗왕을 낳으니라 다윗은 우리야의 아내에게서 솔로몬을 낳고 **7** 솔로몬은 르호보암을 낳고, 르호보암은 아비야를 낳고, 아비야는 아사를 낳고 **8** 아사는 여호사밧을 낳고, 여호사밧은 요람을 낳고, 요람은 웃시야를 낳고 **9** 웃시야는 요담을 낳고, 요담은 아하스를 낳고, 아하스는 히스기야를 낳고 **10** 히스기야는 므낫세를 낳고, 므낫세는 아몬을 낳고, 아몬은 요시야를 낳고 **11** 바벨론으로 이거할 때에 요시야는 여고냐와 그의 형제를 낳으니라 **12** 바벨론으로 이거한 후에 여고냐는 스알디엘을 낳고, 스알디엘은 스룹바벨을 낳고 **13** 스룹바벨은 아비훗을 낳고, 아비훗은 엘리아김을 낳고, 엘리아김은 아소르를 낳고 **14** 아소르는 사독을 낳고, 사독은 아킴를 낳고, 아킴은 엘리웃을 낳고 **15** 엘리웃은 엘르아살을 낳고, 엘르아살은 맛단을 낳고, 맛단은 야곱을 낳고 **16** 야곱은 마리아의 남편 요셉을 낳았으니 마리아에게서 그리스도라 칭하는 예수가 나시니라 **17** 그런즉 모든 대수가 아브라함부터 다윗까지 열 네대요, 다윗부터 바벨론으로 이거할 때까지 열 네대요, 바벨론으로 이거한 후부터 그리스도까지 열 네대러라 **18** 예수 그리스도의 나심은 이러하니라 그 모친 마리아가 요셉과 정혼하고 동거하기 전에 성령으로 잉태된 것이 나타났더니 **19** 그 남편 요셉은 의로운 사람이라 저를 드러내지 아니하고 가만히 끊고자 하여 **20** 이 일을 생각할 때에 주의 사자가 현몽하여 가로되 `다윗의 자손 요셉아 네 아내 마리아 데려오기를 무서워 말라 저에게 잉태된 자는 성령으로 된 것이라 **21** 아들을 낳으리니 이름을 예수라 하라 이는 그가 자기 백성을 저희 죄에서 구원할 자이심이라' 하니라 **22** 이 모든 일의 된 것은 주께서 선지자로 하신 말씀을 이루려 하심이니 가라사대 **23** 보라! 처녀가 잉태하여 아들을 낳을 것이요 그 이름은 임마누엘이라 하리라 하셨으니 이를 `번역한즉 하나님이 우리와 함께 계시다'함이라 **24** 요셉이 잠을 깨어 일어나서 주의 사자의 분부대로 행하여 그 아내를 데려 왔으나 **25** 아들을 낳기까지 동침치 아니하더니 낳으매 이름을 예수라 하니라

2 헤롯왕 때에 예수께서 유대 베들레헴에서 나시매 동방으로부터 박사들이 예루살렘에 이르러 말하되 **2** `유대인의 왕으로 나신 이가 어디계시뇨? 우리가 동방에서 그의 별을 보고 그에게 경배하러 왔노라' 하니 **3** 헤롯 왕과 온 예루살렘이 듣고 소동한지라 **4** 왕이 모든 대제사장과 백성의 서기관들을 모아 `그리스도가 어디서 나겠느뇨?' 물으니 **5** 가로되 `유대 베들레헴이오니 이는 선지자로 이렇게 기록된 바 **6** 또 유대땅 베들레헴아 너는 유대 고을 중에 가장 작지 아니하도다 네게서 한 다스리는 자가 나와서 내 백성 이스라엘의 목자가 되리라 하였음이니이다' **7** 이에 헤롯이 가만히 박사들을 불러 별이 나타난 때를 자세히 묻고 **8** 베들레헴으로 보내며 이르되 `가서 아기에 대하여 자세히 알아보고 찾거든 내게 고하여 나도 가서 그에게 경배하게 하라' **9** 박사들이 왕의 말을 듣고 갈새 동방에서 보던 그 별이 문득 앞서 인도하여 가다가 아기 있는 곳 위에 머물러 섰는지라 **10** 저희가 별을 보고 가장 크게 기뻐하고 기뻐하더라 **11** 집에 들어가 아기와 그 모친 마리아의 함께 있는 것을 보고 엎드려 아기께 경배하고 보배합을 열어 황금과 유향과 몰약을 예물로 드리니라 **12** 꿈에 헤롯에게로 돌아가지 말라 지시하심을 받아 다른 길로 고국에 돌아가니라 **13** 저희가 떠난 후에 주의 사자가 요셉에게 현몽하여 가로되 `헤롯이 아기를 찾아 죽이려 하니 일어나 아기와 그의 모친을 데리고 애굽으로 피하여 내가 네게 이르기까지 거기 있으라' 하시니 **14** 요셉이 일어나서 밤에 아기와 그의 모친을 데리고 애굽으로 떠나가 **15** 헤롯이 죽기까지 거기 있었으니 이는 주께서 선지자로 말씀하신바 애굽에서 내 아들을 불렀다 함을 이루려 하심이니라 **16** 이에 헤롯이 박사들에게 속은 줄을 알고 심히 노하여 사람을 보내어 베들레헴과 그 모든 지경 안에 있는 사내아이를 박사들에게 자세히 알아 본 그 때를 표준하여 두살부터 그 아래로 다 죽이니 **17** 이에 선지자 예레미야로 말씀하신 바 **18** 라마에서 슬퍼하며 크게 통곡하는 소리가 들리니 라헬이 그 자식을 위하여 애곡하는 것이라 그가 자식이 없으므로 위로 받기를 거절하였도다 함이 이루어졌느니라 **19** 헤롯이 죽은 후에 주의 사자가 애굽에서 요셉에게 현몽하여 가로되 **20** `일어나 아기와 그 모친을 데리고 이스라엘 땅으로 가라 아기의 목숨을 찾던 자들이 죽었느니라' 하시니 **21** 요셉이 일어나 아기와 그 모친을 데리고 이스라엘 땅으로 들어오니라 **22** 그러나 아켈라오가 그 부친 헤롯을 이어 유대의 임금됨을 듣고 거기로 가기를 무서워하더니 꿈에 지시하심을 받아 갈릴리 지방으로 떠나가 **23** 나사렛이란 동네에 와서 사니 이는 선지자로 하신 말씀에

마태복음

1 아브라함과 다윗의 자손 예수 그리스도의 세계라 **2** 아브라함이 이삭을 낳고 이삭은 야곱을 낳고 야곱은 유다와 그의 형제를 낳고 **3** 유다는 다말에게서 베레스와 세라를 낳고 베레스는 헤스론을 낳고 헤스론은 람을 낳고 **4** 람은 아미나답을 낳고 아미나답은 나손을 낳고 나손은 살몬을 낳고 **5** 살몬은 라합에게서 보아스를 낳고 보아스는 룻에게서 오벳을 낳고 오벳은 이새를 낳고 **6** 이새는 다윗 왕을 낳으니라 다윗은 우리야의 아내에게서 솔로몬을 낳고 **7** 솔로몬은 르호보암을 낳고 르호보암은 아비야를 낳고 아비야는 아사를 낳고 **8** 아사는 여호사밧을 낳고 여호사밧은 요람을 낳고 요람은 웃시야를 낳고 **9** 웃시야는 요담을 낳고 요담은 아하스를 낳고 아하스는 히스기야를 낳고 **10** 히스기야는 므낫세를 낳고 므낫세는 아몬을 낳고 아몬은 요시야를 낳고 **11** 바벨론으로 이거할 때에 요시야는 여고냐와 그의 형제를 낳으니라 **12** 바벨론으로 이거한 후에 여고냐는 스알디엘을 낳고 스알디엘은 스룹바벨을 낳고 **13** 스룹바벨은 아비훗을 낳고 아비훗은 엘리아김을 낳고 엘리아김은 아소르를 낳고 **14** 아소르는 사독을 낳고 사독은 아킴을 낳고 아킴은 엘리웃을 낳고 **15** 엘리웃은 엘르아살을 낳고 엘르아살은 맛단을 낳고 맛단은 야곱을 낳고 **16** 야곱은 마리아의 남편 요셉을 낳았으니 마리아에게서 그리스도라 칭하는 예수가 나시니라 **17** 그런즉 모든 대수가 아브라함부터 다윗까지 열네 대요 다윗부터 바벨론으로 이거할 때까지 열네 대요 바벨론으로 이거한 후부터 그리스도까지 열네 대러라 **18** 예수 그리스도의 나심은 이러하니라 그 모친 마리아가 요셉과 정혼하고 동거하기 전에 성령으로 잉태된 것이 나타났더니 **19** 그 남편 요셉은 의로운 사람이라 저를 드러내지 아니하고 가만히 끊고자 하여 **20** 이 일을 생각할 때에 주의 사자가 현몽하여 가로되 다윗의 자손 요셉아 네 아내 마리아 데려오기를 무서워 말라 저에게 잉태된 자는 성령으로 된 것이라 **21** 아들을 낳으리니 이름을 예수라 하라 이는 그가 자기 백성을 저희 죄에서 구원할 자이심이라 하니라 **22** 이 모든 일의 된 것은 주께서 선지자로 하신 말씀을 이루려 하심이니 가라사대 **23** 보라 처녀가 잉태하여 아들을 낳을 것이요 그 이름은 임마누엘이라 하리라 하셨으니 이를 번역한즉 하나님이 우리와 함께 계시다 함이라 **24** 요셉이 잠을 깨어 일어나서 주의 사자의 분부대로 행하여 그 아내를 데려왔으나 **25** 아들을 낳기까지 동침치 아니하더니 낳으매 이름을 예수라 하니라

2 헤롯 왕 때에 예수께서 유대 베들레헴에서 나시매 동방으로부터 박사들이 예루살렘에 이르러 말하되 **2** 유대인의 왕으로 나신 이가 어디 계시뇨 우리가 동방에서 그의 별을 보고 그에게 경배하러 왔노라 하니 **3** 헤롯 왕과 온 예루살렘이 듣고 소동한지라 **4** 왕이 모든 대제사장과 백성의 서기관들을 모아 그리스도가 어디서 나겠느뇨 물으니 **5** 가로되 유대 베들레헴이오니 이는 선지자로 이렇게 기록된 바 **6** 또 유대 땅 베들레헴아 너는 유대 고을 중에 가장 작지 아니하도다 네게서 한 다스리는 자가 나와서 내 백성 이스라엘의 목자가 되리라 하였음이니이다 **7** 이에 헤롯이 가만히 박사들을 불러 별이 나타난 때를 자세히 묻고 **8** 베들레헴으로 보내며 이르되 가서 아기에 대하여 자세히 알아보고 찾거든 내게 고하여 나도 가서 그에게 경배하게 하라 **9** 박사들이 왕의 말을 듣고 갈새 동방에서 보던 그 별이 문득 앞서 인도하여 가다가 아기 있는 곳 위에 머물러 섰는지라 **10** 저희가 별을 보고 가장 크게 기뻐하고 기뻐하더라 **11** 집에 들어가 아기와 그 모친 마리아의 함께 있는 것을 보고 엎드려 아기께 경배하고 보배합을 열어 황금과 유향과 몰약을 예물로 드리니라 **12** 꿈에 헤롯에게로 돌아가지 말라 지시하심을 받아 다른 길로 고국에 돌아가니라 **13** 저희가 떠난 후에 주의 사자가 요셉에게 현몽하여 가로되 헤롯이 아기를 찾아 죽이려 하니 일어나 아기와 그의 모친을 데리고 애굽으로 피하여 내가 네게 이르기까지 거기 있으라 하시니 **14** 요셉이 일어나서 밤에 아기와 그의 모친을 데리고 애굽으로 떠나가 **15** 헤롯이 죽기까지 거기 있었으니 이는 주께서 선지자로 말씀하신 바 애굽에서 내 아들을 불렀다 함을 이루려 하심이니라 **16** 이에 헤롯이 박사들에게 속은 줄을 알고 심히 노하여 사람을 보내어 베들레헴과 그 모든 지경 안에 있는 사내아이를 박사들에게 자세히 알아 본 그 때를 표준하여 두 살부터 그 아래로 다 죽이니 **17** 이에 선지자 예레미야로 말씀하신 바 **18** 라마에서 슬퍼하며 크게 통곡하는 소리가 들리니 라헬이 그 자식을 위하여 애곡하는 것이라 그가 자식이 없으므로 위로 받기를 거절하였도다 함이 이루어졌느니라 **19** 헤롯이 죽은 후에 주의 사자가 애굽에서 요셉에게 현몽하여 가로되 **20** 일어나 아기와 그 모친을 데리고 이스라엘 땅으로 가라 아기의 목숨을 찾던 자들이 죽었느니라 하시니 **21** 요셉이 일어나 아기와 그 모친을 데리고 이스라엘 땅으로 들어오니라 **22** 그러나 아켈라오가 그 부친 헤롯을 이어 유대의 임금 됨을 듣고 거기로 가기를 무서워하더니 꿈에 지시하심을 받아 갈릴리 지방으로 떠나가 **23** 나사렛이란 동네에 와서 사니 이는 선지자로 하신 말씀에 나사렛 사람이라 칭하리라 하심을 이루려 함이러라

마태복음

1 아브라함과 다윗의 자손 예수 그리스도의 세계라 **2** 아브라함이 이삭을 낳고 이삭은 야곱을 낳고 야곱은 유다와 그의 형제를 낳고 **3** 유다는 다말에게서 베레스와 세라를 낳고, 베레스는 헤스론을 낳고, 헤스론은 람을 낳고 **4** 람은 아미나답을 낳고, 아미나답은 나손을 낳고, 나손은 살몬을 낳고 **5** 살몬은 라합에게서 보아스를 낳고, 보아스는 룻에게서 오벳을 낳고, 오벳은 이새를 낳고 **6** 이새는 다윗왕을 낳으니라 다윗은 우리야의 아내에게서 솔로몬을 낳고 **7** 솔로몬은 르호보암을 낳고, 르호보암은 아비야를 낳고, 아비야는 아사를 낳고 **8** 아사는 여호사밧을 낳고, 여호사밧은 요람을 낳고, 요람은 웃시야를 낳고 **9** 웃시야는 요담을 낳고, 요담은 아하스를 낳고, 아하스는 히스기야를 낳고 **10** 히스기야는 므낫세를 낳고, 므낫세는 아몬을 낳고, 아몬은 요시야를 낳고 **11** 바벨론으로 이거할 때에 요시야는 여고냐와 그의 형제를 낳으니라 **12** 바벨론으로 이거한 후에 여고냐는 스알디엘을 낳고, 스알디엘은 스룹바벨을 낳고 **13** 스룹바벨은 아비훗을 낳고, 아비훗은 엘리아김을 낳고, 엘리아김은 아소르를 낳고 **14** 아소르는 사독을 낳고, 사독은 아킴를 낳고, 아킴은 엘리웃을 낳고 **15** 엘리웃은 엘르아살을 낳고, 엘르아살은 맛단을 낳고, 맛단은 야곱을 낳고 **16** 야곱은 마리아의 남편 요셉을 낳았으니 마리아에게서 그리스도라 칭하는 예수가 나시니라 **17** 그런즉 모든 대수가 아브라함부터 다윗까지 열 네대요, 다윗부터 바벨론으로 이거할 때까지 열 네대요, 바벨론으로 이거한 후부터 그리스도까지 열 네대러라 **18** 예수 그리스도의 나심은 이러하니라 그 모친 마리아가 요셉과 정혼하고 동거하기 전에 성령으로 잉태된 것이 나타났더니 **19** 그 남편 요셉은 의로운 사람이라 저를 드러내지 아니하고 가만히 끊고자 하여 **20** 이 일을 생각할 때에 주의 사자가 현몽하여 가로되 `다윗의 자손 요셉아 네 아내 마리아 데려오기를 무서워 말라 저에게 잉태된 자는 성령으로 된 것이라 **21** 아들을 낳으리니 이름을 예수라 하라 이는 그가 자기 백성을 저희 죄에서 구원할 자이심이라' 하니라 **22** 이 모든 일의 된 것은 주께서 선지자로 하신 말씀을 이루려 하심이니 가라사대 **23** 보라! 처녀가 잉태하여 아들을 낳을 것이요 그 이름은 임마누엘이라 하리라 하셨으니 이를 `번역한즉 하나님이 우리와 함께 계시다'함이라 **24** 요셉이 잠을 깨어 일어나서 주의 사자의 분부대로 행하여 그 아내를 데려 왔으나 **25** 아들을 낳기까지 동침치 아니하더니 낳으매 이름을 예수라 하니라

2 헤롯왕 때에 예수께서 유대 베들레헴에서 나시매 동방으로부터 박사들이 예루살렘에 이르러 말하되 **2** `유대인의 왕으로 나신 이가 어디계시뇨? 우리가 동방에서 그의 별을 보고 그에게 경배하러 왔노라' 하니 **3** 헤롯 왕과 온 예루살렘이 듣고 소동한지라 **4** 왕이 모든 대제사장과 백성의 서기관들을 모아 `그리스도가 어디서 나겠느뇨?' 물으니 **5** 가로되 `유대 베들레헴이오니 이는 선지자로 이렇게 기록된 바 **6** 또 유대땅 베들레헴아 너는 유대 고을 중에 가장 작지 아니하도다 네게서 한 다스리는 자가 나와서 내 백성 이스라엘의 목자가 되리라 하였음이니이다' **7** 이에 헤롯이 가만히 박사들을 불러 별이 나타난 때를 자세히 묻고 **8** 베들레헴으로 보내며 이르되 `가서 아기에 대하여 자세히 알아보고 찾거든 내게 고하여 나도 가서 그에게 경배하게 하라' **9** 박사들이 왕의 말을 듣고 갈새 동방에서 보던 그 별이 문득 앞서 인도하여 가다가 아기 있는 곳 위에 머물러 섰는지라 **10** 저희가 별을 보고 가장 크게 기뻐하고 기뻐하더라 **11** 집에 들어가 아기와 그 모친 마리아의 함께 있는 것을 보고 엎드려 아기께 경배하고 보배합을 열어 황금과 유향과 몰약을 예물로 드리니라 **12** 꿈에 헤롯에게로 돌아가지 말라 지시하심을 받아 다른 길로 고국에 돌아가니라 **13** 저희가 떠난 후에 주의 사자가 요셉에게 현몽하여 가로되 `헤롯이 아기를 찾아 죽이려 하니 일어나 아기와 그의 모친을 데리고 애굽으로 피하여 내가 네게 이르기까지 거기 있으라' 하시니 **14** 요셉이 일어나서 밤에 아기와 그의 모친을 데리고 애굽으로 떠나가 **15** 헤롯이 죽기까지 거기 있었으니 이는 주께서 선지자로 말씀하신바 애굽에서 내 아들을 불렀다 함을 이루려 하심이니라 **16** 이에 헤롯이 박사들에게 속은 줄을 알고 심히 노하여 사람을 보내어 베들레헴과 그 모든 지경 안에 있는 사내아이를 박사들에게 자세히 알아 본 그 때를 표준하여 두살부터 그 아래로 다 죽이니 **17** 이에 선지자 예레미야로 말씀하신 바 **18** 라마에서 슬퍼하며 크게 통곡하는 소리가 들리니 라헬이 그 자식을 위하여 애곡하는 것이라 그가 자식이 없으므로 위로 받기를 거절하였도다 함이 이루어졌느니라 **19** 헤롯이 죽은 후에 주의 사자가 애굽에서 요셉에게 현몽하여 가로되 **20** `일어나 아기와 그 모친을 데리고 이스라엘 땅으로 가라 아기의 목숨을 찾던 자들이 죽었느니라' 하시니 **21** 요셉이 일어나 아기와 그 모친을 데리고 이스라엘 땅으로 들어오니라 **22** 그러나 아켈라오가 그 부친 헤롯을 이어 유대의 임금됨을 듣고 거기로 가기를 무서워하더니 꿈에 지시하심을 받아 갈릴리 지방으로 떠나가 **23** 나사렛이란 동네에 와서 사니 이는 선지자로 하신 말씀에

Matthew

1 Pa inge takin filin sou lun Jesus Christ, su tuku
ke filin tulik natul David, su ma ke filin tulik natul
Abraham. **2** Abraham el papa tumal Isaac, Isaac papa
tumal Jacob, Jacob papa tumal Judah ac tulik wial, **3**
Judah papa tumal Perez ac Zerah sel Tamar, Perez papa
tumal Hezron, Hezron papa tumal Ram, **4** Ram papa
tumal Amminadab, Amminadab papa tumal Nahshon,
Nahshon papa tumal Salmon, **5** Salmon papa tumal
Boaz sel Rahab, Boaz papa tumal Obed sel Ruth,
Obed papa tumal Jesse, **6** Jesse papa tumal David, su
tokosra. David el papa tumal Solomon sin mutan kial
Uriah, **7** Solomon papa tumal Rehoboam, Rehoboam
papa tumal Abijah, Abijah papa tumal Asa, **8** Asa papa
tumal Jehoshaphat, Jehoshaphat papa tumal Joram,
Joram papa tumal Uzziah, **9** Uzziah papa tumal Jotham,
Jotham papa tumal Ahaz, Ahaz papa tumal Hezekiah,
10 Hezekiah papa tumal Manasseh, Manasseh papa
tumal Amos, Amos papa tumal Josiah, **11** Josiah papa
tumal Jehoiachin ac tulik wial, ke pacl se mwet Israel tuh
som nu ke sruoh in acn Babylon. **12** Tukun safla sruoh
lalos in acn Babylon: Jehoiachin el papa tumal Shealtiel,
Shealtiel papa tumal Zerubbabel, **13** Zerubbabel papa
tumal Abiud, Abiud papa tumal Eliakim, Eliakim papa
tumal Azor, **14** Azor papa tumal Zadok, Zadok papa tumal
Achim, Achim papa tumal Eliud, **15** Eliud papa tumal
Eleazar, Eleazar papa tumal Matthan, Matthan papa
tumal Jacob, **16** ac Jacob papa tumal Joseph, mukul
tumal Mary su oswella Jesus, su pangpang Messiah. **17**
Ouinge fil nukewa kacl Abraham me nwe kacl David
oasr fil singoul akosr, ac kacl David me nwe ke sruoh in
Babylon oasr fil singoul akosr, ac tukun sruoh in Babylon
me nwe ke isusla lun Messiah oasr pac fil singoul akosr.
18 Pa inge luman isusla lun Jesus Christ. Mary, nina kien
Jesus, el tuh ako nu sel Joseph, tusruktu meet liki eltal
ac payukyak uh, Mary el etauk lah el pitutu ke Ngun
Mutal. **19** Joseph el sie mwet suwoswos, tusruktu el tia
lungse akmwekinyal Mary ye mutun mwet uh, ke sripa
se inge el suk elan tari sel in lukma. **20** Ke el srakna
nunku ma inge, sie lipufan lun Leum sikyang nu sel in
sie mweme ac fahk, "Joseph, fita lal David, nimet kom
sangeng in eisal Mary tuh elan mutan kiom. El pitutuyak
ke Ngun Mutal. **21** El ac fah oswela sie wen, ac kom
fah sang inel Jesus — mweyen El ac molela mwet lal
liki ma koluk lalos." **22** Ma inge nukewa sikyak tuh in
akpwayeye kas ma Leum El tuh fahkak ke oalin mwet
palu, su fahk, **23** "Sie mutan fusr su soenna etu mwet,
ac fah pitutuyak ac oswela sie wen, su ac fah pangpang
Immanuel" (kalmac pa "God El oasr yorosr"). **24** Ouinge
ke Joseph el asmakla, el eisal Mary tuh elan mutan kial,
oana ke lipufan lun Leum tuh fahk nu sel. **25** Tusruktu
wangin osun laltal in mano meet liki Mary el oswela wen
se natul ah. Ac Joseph el sang inel Jesus.

2 Jesus El tuh isusla in acn Bethlehem in Judea, ke
pacl se ma Herod el tokosra. Tia paht tukun ma inge,
kutu mwet ma yohk etu la ke itu uh elos tuku Kutulap me
nu Jerusalem, **2** ac siyuk, "Pia tulik fusr se ma isusla tuh
in tokosra lun mwet Jew uh? Kut tuh liye itu lal ke sikyak
in acn kutulap, ac kut tuku in alu nu sel." **3** Ke Tokosra
Herod el lohng ma inge, nunak lal arulana toasrla kac, ac
mwet nukewa in acn Jerusalem elos welul pac toasrla. **4**
El solani mwet tol fulat nukewa ac mwet luti ke Ma Sap
uh ac siyuk selos, "Pia acn Messiah el ac isusla we?"
5 Ac elos topuk, "In siti Bethlehem in acn Judea, tuh
pa inge ma simla sin mwet palu: **6** 'Bethlehem, in acn
Judah, Kom tia srik inmasrlon siti srisrik lun Judah; Tuh
sie mwet kol ac fah tuku liki kom Su ac fah kol mwet
luk, Israel.'" **7** Ke ma inge Herod el pangnolos su tuku
Kutulap me nu ke sie osun lukma, ac siyuk selos ke pacl
na pwaye ma itu sac sikyak ah. **8** Na el supwalosla nu
Bethlehem, ac fahk ouinge nu selos, "Komtal som, suk
tulik sacn aklohye; ac komtal fin konalak, akkalemye nu
sik tuh ngan ku in som ac wi pac alu nu sel." **9** Ke elos
lohng tari kas lal tokosra, na elos som, ac itu se na ma
elos tuh liye Kutulap ah sifil sikyak ac fahsr meet lukelos
nwe ke na el tui fin acn se ma tulik sac oan we ah. **10**
Ke elos liye itu sac, elos arulana sessesla ke engan. **11**
Elos ilyak nu in lohm uh, ac ke elos liye tulik sac yorol
Mary, nina kial, elos sikukmututntei ac alu nu sel. Elos
srukak mwe sang saok lalos ke gold, franku, ac myrrh,
ac sang nu sel. **12** Na elos folokla nu yen selos ke soko
na inkanek, mweyen God El sensenkakunulos in sie
mweme elos in tia folokla nu yorol Herod. **13** Tukun elos
som, sie lipufan lun Leum sikyang nu sel Joseph ac
fahk, "Herod el ac suk tulik sacn elan unilya. Ke ma inge,
tukakek, eis tulik sacn wi nina kial, ac kaingla nu Egypt,
ac muta we nwe ke na nga fahk kom in som." **14** Na
Joseph el tukakek, eis tulik sac wi nina kial ac som nu
Egypt in fong sac, **15** ac elos muta we nwe ke na Herod
el misa. Ma inge orek in akpwayeye ma Leum el tuh fahk
sin mwet palu me, "Nga pangonma Wen nutik Egypt
me." **16** Ke Herod el akilenak lah mwet tuku Kutulap me
elos kiapella, el arulana foloyak. El sapkin in anwukla
tulik mukul srisrik nukewa su matwa oasr ke yac luo nu
ten in Bethlehem ac acn ma oan apkuran nu we. El oru
ma inge in fal nu ke ma el lohng sin mwet ma tuh tuku nu
yorol ke sikyak lun itu sac. **17** Ouinge, kas lun mwet palu
Jeremiah akpwayeiyuk, su fahk: **18** "Sie pusra lohngyuk
in acn Ramah, Pusren tung na mwemelil. Rachel el tungi
tulik natul; El tia lungse in akwoyeyuk el, Mweyen tulik
inge elos misa." **19** Tukun Herod el misa, sie lipufan
lun Leum sikyang nu sel Joseph in sie mweme in acn
Egypt, **20** ac fahk, "Tukakek, eis tulik sacn ac nina kial
ac folokla nu in acn Israel, mweyen elos su suk in unilya
elos misa." **21** Ouinge Joseph el tukakek, eis tulik sac
ac nina kial, ac folokla nu Israel. **22** Ac ke Joseph el
lohngak lah Archelaus el aolla Herod, papa tumal, in

Mateu

1 Imbuka ya luzuvo lwa Jesu Kereste mwana wa Daafita mwana wa Abrahama. **2** Abrahama a vali nji si wa Isaka, ni Isaka isi wa Jakobo, ni Jakobo isi wa Juda ni vance. **3** Juda a vali njisi wa Perezi ni Zera cha Tama, Perezi isi wa Hezironi, ni Hezironi isi wa Ramu. **4** Ramu a vali njisi wa Amminadab, Amminadab isi wa Nahshoni, ni Nahshoni isi wa Salumoni. **5** Salumoni ivali nji si wa Boazi cha Rahaba, Boazi isi wa Obedi cha Ruti, Obedi isi wa Jesse, **6** Jesse a vali nji si wa Daafita simwine. Daafita a vali njisi Solomoni cha mwihyavwe wa Uriya. **7** Solomoni a vali nji si wa Rehoboamu, Rehoboamu isi wa Abijah, Abijah isi wa Asa. **8** Asa a vali njisi wa Josafati, Josafati isi wa Joramu, ni Joramu isi wa Uzziah. **9** Uzziya avali njisi wa Jotamu, Jotamu isi wa Ahazi, Ahazi isi wa Hezekiya. **10** Hezekiya a vali njisi wa Manasseh, Mannasseh isi wa Amoni, ni Amoni isi wa Josiyah. **11** Josiya avali njisi wa Jekoniya ni vanche he nako i vavaka luwitwe kwa Bavilona. **12** Mi kuzwa ha kuka luwiwa kwa Babilona, Jekoniya a vali njisi wa Salatiele, Salatiele a vali muzimu wa Zerubabele. **13** Zerubabele a vali njisi wa Abiudi, Abiudi isi wa Eliyakimu, ni Eliyakimu isi wa Azoro. **14** Azoro a vali njisi wa Zadoki, Zadoki isi wa Akimu, ni Akimu isi wa Eliudu. **15** Eliudi avali nji si wa Eliyazere, Eliyazere isi wa Matani, ni Matani isi wa Jakobo. **16** Jokobo avali nji si wa Josefa mwihyabwe wa Maria, kakwe Jesu na zalwa, yo sumpwa Keresite. **17** Mahasi onse ku zwa kwa Abrahama ku ya kwa Daafita a vali mahasi ena ikumi lyonke ni one, kuzwa kwa Daafita kuya ha vaka luwiwa kwa Babilona ku leta kwa Keresite avali masika ena ikumi lyonke ni one. **18** Ku zalwa kwa Jesu Keresite kuva chitahali mu nzila i chilila. Inyina, Maria, ava veelezwe kuti a seswe kwa Josefa, kono pili ni vaseni kwiza hamwina, ava waniki ha menzi mahya cha Luhuho lu Jolola. **19** Mwihyavwe, Josefa, avali mukwane yo shiyeme, kono kana a vali kusaka ku shuvulisa mwihyabve iñandaleza. Cwale cha nahana ku manisa che nkunutu ku li veereza kwaakwe naye. **20** Havali kusi nahana cezi zintu, Iñeloi lya Ireza ni lya livonisa kwali mu chiloto, liti, “Josefa, mwana wa Daafita, kanji u tiyi to hinda Maria kuva muhwenu, kakuli yo lihinditwe kwali avali ku lihindwa cha Luhuho lu Jolola. **21** Mwa zale mwana' mushisu, mi momu ulike izina lya Jesu, mukuti ka puluse vantu vakwe ku zivi zavo.” **22** Izo zonse zi va pangahali kwi zuziliza chiva wambiwa kwa Simwine cha muporofita, nati, **23** “Mu vone, mwalyango mwave ha menzi mahya, mi mwa zale mwana' shwisu, mi mu va mu sumpe izina lyakwe Imanuere”- i talusa, “Ireza wina neswe.” **24** Josefa ha vuka ku ñonzi zakwe ni ku chita ka kuya ke Iñeloi lya Simwine muli va mu laeli mi ca mu hinda kuva mwihyavwe. **25** Kono kana aba lali naye konji ha zala mwana' mushisu. Mi ava mu sumpisi izina lya Jesu.

2 Jesu hamana kuzalwa mwa Betelehema ya Judea mwi nako za simwine Heroda, vakwame valitutite vazwa kuvuzwe zuba civeza mwa Jerusalema, **2** “Wina kuhi yava zalwa simwine wa Majuda? kakuti twavona inkani yakwe kuvuzwe bwe zuva, twakeza kukumu fukamina”. **3** Simwine Heroda hazuwa catiya ahulu mane nivantu vamwa Jerusalema vonse. **4** Heroda ca supa ma Purisita vonse ni vañoli va mulao mi cava vuza nati, “Kriste uswanela kuzalilwa kuhi”? **5** Civamuco kuti Mwa Bethelehema wa Judea, kakuti muvava ñoleli va porofita, **6** Iwe, Bethelehema, mwinkanda ya Juda, kana umunini kuvayendisi va Juda, mukuzwe muyendisi yete a alise cisi ca Isilaele”. **7** Cwale Heroda ca sumpila va litutite kumbali nikuva vuza kuti inkani yavoneka inakonzi luli. **8** Cavatuma kwa Bethelehema nikuvata kuti “muyende mukasakisise ce ntokomero muhwile, cimwaka muwana, zemuniizibise name zeniyende nikamu fukamine.” **9** Havamana kuzuwa kwa simwine, civaliyendeza mi inkani ivava voni kuvuzwezuva ciyava yenda kuvusu nikuka zimaninina hewulu lye civaka mwa vali kwikere mucice. **10** Hava vona inkani civa sanga ahulu cokuhitiriza. **11** Habenjila mwinzuvo civa vona mucice nena ni Maria nyina. Civa fukama nikumu lapera. Civavungununa cifumu cavo nikumuha impo ze gauda, ni insense, ni mira. **12** Ireza cava kalimera muciloto kuti sanzi vaboli kwa Heroda, mi civavola kwi nkanda yavo cenzila ingi. **13** Hava yenda, iñiroi lye Ireza cilye zira Josefa kwi ñonzi mi cilyati, “vuke uhinde mucice niva nyina, mutirire kwa Egepita, muke kale kwateni kusikira hete nini kuwambile, kakuti Heroda mwasake mucice kuti a mwi haye.” **14** A o masiku Josefa cavuka nikuhinda muhwire niva nyina niku tilira kwa Egepita. **15** ava kekali kwa Egepita kusikira he fu lya Heroda. Ici ci be zuzilizi civa wambwa nji Ireza camu porofita, “kuzwa mwa Egepita niva sumpi mwangu wo muswisu.” **16** Cwale Heroda havona kuti vakwame va litutite vavamucengi, cavenga ahulu. avatumini vantu kuti vake haye vahwile vonse veciswisu mwa Bethelehema, mane nimucilalo conse civehaya vahwile ve zilimo zo vere kuzwa hakuzalwa kuvoza hansi, cokuya ce inako yava lakalezi kuzwa havava mu wambilili

مەتا

1 ئەمە ڕەچەڵەکی عیسای مەسیحە، کوڕی داود، کوڕی ئیبراهیم:
2 ئیبراهیم باوکی ئیسحاق بوو، ئیسحاق باوکی یاقوب بوو، یاقوب
باوکی یەهودا و براکانی بوو، **3** یەهودا باوکی پێرێز و زەرەح بوو کە
تامار دایکیان بوو، پێرێز باوکی حەسرۆن بوو، حەسرۆن باوکی ڕام
بوو، **4** ڕام باوکی عەمیناداب بوو، عەمیناداب باوکی نەحشۆن بوو،
نەحشۆن باوکی سەلمۆن بوو، **5** سەلمۆن باوکی بۆعەز بوو کە ڕاحاب
دایکی بوو، بۆعەز باوکی عوبێد بوو کە ڕائووس دایکی بوو، عوبێد
باوکی یەسا بوو، **6** یەسا باوکی داودی پاشا بوو. داود باوکی سلێمان
بوو لەو ژنەی کە پێشتر ژنی ئوریا بوو، **7** سلێمان باوکی ڕەحەبەعام
بوو، ڕەحەبەعام باوکی ئەبیا بوو، ئەبیا باوکی ئاسا بوو، **8** ئاسا باوکی
یەهۆشافات بوو، یەهۆشافات باوکی یەهۆرام بوو، یەهۆرام باوکی عوزیا
بوو، **9** عوزیا باوکی یۆتام بوو، یۆتام باوکی ئاحاز بوو، ئاحاز باوکی
حەزقیا بوو، **10** حەزقیا باوکی مەنەشە بوو، مەنەشە باوکی ئامۆن بوو،
ئامۆن باوکی یۆشیا بوو، **11** یۆشیا باوکی یەهۆیاکین و براکانی بوو، لە
کاتی ڕاپێچکردنەکە بۆ بابل. **12** لەدوای ڕاپێچکردنەکە بۆ بابل، یەهۆیاکین
باوکی شەئەلتیێل بوو، شەئەلتیێل باوکی زروبابل بوو، **13** زروبابل
باوکی ئەبیهود بوو، ئەبیهود باوکی ئەلیاقیم بوو، ئەلیاقیم باوکی ئازور بوو،
14 ئازور باوکی سادۆق بوو، سادۆق باوکی ئەکیم بوو، ئەکیم باوکی
ئەلیهود بوو، **15** ئەلیهود باوکی ئەلعازار بوو، ئەلعازار باوکی مەتان بوو،
مەتان باوکی یاقوب بوو، **16** یاقوب باوکی یوسفی مێردی مریەم بوو،
ئەوەی عیسای لێبوو، کە بە مەسیح ناودەبردرێت. **17** بەم شێوەیە
هەموو نەوەکان لە ئیبراهیمەوە هەتا داود چوارده نەوەن، لە داودەوە
هەتا ڕاپێچکردنەکە بۆ بابل چوارده نەوەن، لە ڕاپێچکردنەکەشەوە بۆ بابل
هەتا مەسیح چوارده نەوەن. **18** لەدایکبوونی عیسای مەسیح بەم
شێوەیە بوو: کاتێک مریەمی دایکی دەستگیرانی یوسف بوو، پێش
ئەوەی بگوازرێتەوە، دەرکەوت کە بەهۆی ڕۆحی پیرۆزەوە سکی
پڕبووە. **19** یوسفی دەستگیرانی کە پیاوێکی چاک بوو، نەیوێست
ئابڕووی ببات، بڕیاری دا بە نهێنی دەستی لێ هەڵبگرێت. **20** کاتێک
بیری لەم شتانە دەکردەوە، فریشتەیەکی یەزدان هاتە خەونی و پێی
فەرموو: «ئەی یوسفی نەوەی داود، مەترسە لەوەی مریەم بهێنیت،
چونکە ئەوەی ئەو سکی پێی هەیە لە ڕۆحی پیرۆزە. **21** کوڕێکی دەبێت
ناوی دەنێیت عیسا، چونکە گەلەکەی لە گوناهەکانیان ڕزگار دەکات.»
22 ئەمانە هەمووی ڕوویدا تاکو ئەوەی یەزدان لە ڕێگەی پێغەمبەرەکە
فەرموویەتی بێتە دی: **23** ﴿ئەوەتا پاکیزەیەک سکی دەبێت و کوڕێکی
دەبێت، ناوی لێ دەنێن ئیمانوێل،﴾ کە بە واتای خودا لەگەڵمانە دێت.
24 کاتێک یوسف لە خەو هەستا، ئەوەی فریشتەکەی یەزدان فەرمانی
پێدابوو ئەنجامی دا و ژنەکەی گواستەوە. **25** بەڵام هەتا کوڕەکەی
نەبوو لەگەڵی جووت نەبوو، ئینجا ناوی لێنا عیسا.

2 لەدوای لەدایکبوونی عیسا لە بێتلەحمی یەهودیا، لە سەردەمی
هێرۆدسی پاشا، هەندێک مۆغ لە ڕۆژهەڵاتەوە هاتنە تۆرشەلیم،
2 پرسیاریان: «پاشای لەدایکبووی جولەکە لەکوێیە؟ لە ڕۆژهەڵاتەوە
ئەستێرەی ئەومان بینی، هاتووین کڕنۆشی بۆ ببەین.» **3** کاتێک
هێرۆدسی پاشا ئەمەی بیست، پەشۆکا و هەموو خەڵکی تۆرشەلیم
لەگەڵی پەشۆکان. **4** هەموو کاهینانی باڵا و مامۆستایانی تەوراتی گەلی
کۆکردەوە، لێی پرسین: «مەسیح لەکوێ لە دایک دەبێت؟» **5** وەڵامیان
دایەوە: «لە بێتلەحمی یەهودیا، چونکە لە پڕۆی پێغەمبەرەکەوە ئاوا
نووسراوە: **6** «﴿بەڵام تۆ ئەی بێتلەحمی خاکی یەهودا، کەمتر
نیت لە شارۆچکەکانی دیکەی یەهودا، چونکە لە تۆوە فەرمانڕەوایەک
دەردەکەوێت، شوانایەتی گەلی ئیسرائیلم دەکات.﴾» **7** دوای ئەمە
هێرۆدس بە نهێنی مۆغەکانی بانگکرد و لەبارەی کاتی دەرکەوتنی
ئەستێرەکە لێکۆڵینەوەی لەگەڵ کردن. **8** ئینجا بۆ بێتلەحمی ناردن و
پێی گوتن: «بڕۆن و بە وردی بەدوای منداڵەکەدا بگەڕێن. کاتێک
دۆزیتانەوە هەواڵم بدەنێ، تاکو منیش بێم و کڕنۆشی بۆ ببەم.» **9** لەدوای
ئەوەی گوێیەستی پاشا بوون، ڕۆیشتن، هەمان ئەو ئەستێرەیەی کە لە
ڕۆژهەڵات بینیبوویان، پێشیان کەوت و هات و لەسەر ئەو شوێنە
ڕاوەستا کە منداڵەکەی لێبوو. **10** کاتێک ئەستێرەکەیان بینی، زۆر
شادمان بوون، **11** چوونە ماڵەکە، منداڵەکەیان لەگەڵ مریەمی دایکی
بینی، دانەوینەوە و کڕنۆشیان بۆ برد و سندوقی گەنجینەکانیان کردەوە،
زێڕ و بخوور و مورِیان بە دیاری پێشکەش کرد. **12** ئینجا خودا لە
خەوندا مۆغەکانی ئاگادار کردەوە کە نەگەڕێنەوە لای هێرۆدس،
ئەوانیش بە ڕێگایەکی دیکەدا گەڕانەوە وڵاتی خۆیان. **13** دوای
ڕۆیشتنی مۆغەکان، فریشتەیەکی یەزدان هاتە خەونی یوسف و گوتی:
«هەستە، منداڵەکە و دایکی ببە و ڕابکە بۆ میسر. لەوێ بمێنەوە هەتا
پێت دەڵێم، چونکە هێرۆدس وا بە شوێن منداڵەکەدا دەگەڕێت، بۆ
ئەوەی بیکوژێت.» **14** یوسفیش هەستا و لە شەودا منداڵەکە و دایکی
برد و بەرەو میسر ڕۆیشت، **15** هەتا مردنی هێرۆدس لەوێ مایەوە،
تاوەکو ئەوەی یەزدان لە ڕێگەی پێغەمبەرەکەوە فەرموویەتی بێتە
دی، کە دەفەرموێ: ﴿من کوڕی خۆمم لە میسر بانگ کرد.﴾
16 کاتێک هێرۆدس زانی مۆغەکان فریویان داوە، زۆر تووڕە بوو.
بەگوێرەی ئەو کاتەی لە مۆغەکانەوە لێی کۆڵیبووەوە، ناردی و هەموو
کوڕێکی تەمەن دوو ساڵ بەرەو خواری لە بێتلەحم و دەوروبەری
کوشت. **17** ئینجا ئەوەی لە ڕێگەی پێغەمبەر یەرمیا گوترابوو هاتە
دی: **18** ﴿دەنگێک لە ڕامەوە بیسترا، گریان و شیوەتێکی گەورە،
ڕاحێل بۆ منداڵەکانی دەگرییت، ڕازی نییە دڵنەوایی بکرێت، چونکە
نەماون.﴾ **19** کاتێک هێرۆدس مرد، فریشتەیەکی یەزدان لە میسر
هاتە خەونی یوسف و **20** گوتی: «هەستە، منداڵەکە و دایکی ببە و
بڕۆ بۆ خاکی ئیسرائیل، چونکە ئەوانەی دەیانوێست منداڵەکە بکوژن،
مردن.» **21** یوسفیش هەستا، منداڵەکە و دایکی برد و گەڕایەوە خاکی
ئیسرائیل. **22** بەڵام کاتێک بیستی ئەرخیلاوس لە یەهودیا لە جێی
هێرۆدسی باوکی فەرمانڕەوایە، ترسا بچێتە ئەوێ. دوای ئەوەی لە

ମାତି

୧ ଅବ୍ରାହାମ ମୀର୍‌ଏସି ଅ଼ଡ଼େ ଦାୱୁଦତି ମୀର୍‌ଏସି ଜୀସୁ କ୍ରୀସ୍ତୁତି କୂଡ଼ା । ୨ ଅବ୍ରାହାମ ମୀର୍‌ଏସି ଇସାହାକ, ଇସାହାକ ମୀର୍‌ଏସି ଜାକୁବ, ଜାକୁବ ମୀର୍‌ଏସି ଜୀହୁଦା ଇଞ୍ଜୁଁ ତାମି ତାୟିୟୁଁ, ୩ ଜୀହୁଦା ଅ଼ଡ଼େ ତାମାର ମୀର୍‌ଏସି ପେରସ ଅ଼ଡ଼େ ଜେରହ, ପେରସ ମୀର୍‌ଏସି ହେସ୍ରଣ, ହେସ୍ରଣ ମୀର୍‌ଏସି ଅରାମ, ୪ ଅରାମ ମୀର୍‌ଏସି ଅମିନାଦାବ, ଅମିନାଦାବ ମୀର୍‌ଏସି ନହସନ, ନହସନ ମୀର୍‌ଏସି ସଲମନ, ୫ ସଲମନ ଅ଼ଡ଼େ ରାହାବ୍ ମୀର୍‌ଏସି ବୟାଜ, ବୟାଜ ଅ଼ଡ଼େ ରୂତ ମୀର୍‌ଏସି ଅବେଦ, ଅବେଦ ମୀର୍‌ଏସି ଜିସି । ୬ ଜିସି ମୀର୍‌ଏସି ଦାୱୁଦ ରାଜା, ଦାୱୁଦ ଅ଼ଡ଼େ ଉରିୟ ଡକ୍ରିନି ତ଼ାଣାଟି ସଲମନ ଜାର୍ନା ଆ଼ତେସି, ୭ ସଲମନ ମୀର୍‌ଏସି ରିହବୟାମ, ରିହବୟାମ ମୀର୍‌ଏସି ଅବିୟ, ଅବିୟ ମୀର୍‌ଏସି ଅସା, ୮ ଅସା ମୀର୍‌ଏସି ଜିହସାପାଟ୍, ଜିହସାପାଟ୍ ମୀର୍‌ଏସି ଜରାମ, ଜରାମ ମୀର୍‌ଏସି ଉଜିୟ, ୯ ଉଜିୟ ମୀର୍‌ଏସି ଜତମ୍, ଜତମ୍ ମୀର୍‌ଏସି ଆହାଜ, ଆହାଜ ମୀର୍‌ଏସି ହିଜକିୟ, ୧୦ ହିଜକିୟ ମୀର୍‌ଏସି ମନସି, ମନସି ମୀର୍‌ଏସି ଆମନ, ଆମନ ମୀର୍‌ଏସି ଜସିୟ, ୧୧ ଇସ୍ରାୟେଲଇଁ ବାବିଲନ ଦ଼େସାତା ଦସାନା ଅ଼ନି ବ଼େଲାତା ଜସିୟ ମୀର୍‌କା ଜିକନିୟ ଇଞ୍ଜୁଁ ତାନି ତାୟିୟୁଁ ଜାର୍ନା ଆ଼ତେରି । ୧୨ ବାବିଲନତା ଅ଼ୱିଆ଼ତି ଜ଼େଚ ଜିକନିୟ ସଲ୍‌ଟିୟେଲ୍‌ଲଇଁ ଜାର୍ନି କିତେସି, ସଲ୍‌ଟିୟେଲ୍ ମୀର୍‌ଏସି ଜିରୁବାବେଲ, ୧୩ ଜିରୁବାବେଲ ମୀର୍‌ଏସି ଅବିହୁଦ, ଅବିହୁଦ ମୀର୍‌ଏସି ଏଲିୟାକିମ, ଏଲିୟାକିମ ମୀର୍‌ଏସି ଅସର, ୧୪ ଅସର, ମୀର୍‌ଏସି ସାଦକ, ସାଦକ ମୀର୍‌ଏସି ଆକିମ, ଆକିମ ମୀର୍‌ଏସି ଏଲିହୁଦ, ୧୫ ଏଲିହୁଦ ମୀର୍‌ଏସି ଏଲିୟାଜର, ଏଲିୟାଜର ମୀର୍‌ଏସି ମତାନ, ମତାନ ମୀର୍‌ଏସି ଜାକୁବ, ୧୬ ଜାକୁବ ମୀର୍‌ଏସି ମରିୟମନି ଡକ୍ରା ଜସେପ, ଛ ମରିୟମନି ବାଣ୍ଡିଟି ଜୀସୁ ଜାର୍ନା ଆ଼ତେସି, ଏ଼ୱାଣାଇଁ କ୍ରୀସ୍ତୁ ଇଣ୍‌ମ୍ବି ଆ଼ହିମାନେ । ୧୭ ଇଲେଆ଼ହିଁ ଅବ୍ରାହାମ ତ଼ାଣାଟିଏ ଦାୱୁଦ ପାତେକା ସ଼ଦ ଜ଼ାଣା ଆକୁୟୁଁ, ଅ଼ଡ଼େ ଦାୱୁଦ ତ଼ାଣାଟିଏ ବାବିଲନ ଅ଼ୱିଆ଼ତି ପାତେକା ସ଼ଦ ମାଣ୍‌ସି, ଇଞ୍ଜୁଁ ବାବିଲନ ଅ଼ୱିଆ଼ତି ତ଼ାଣାଟିଏ ଜୀସୁ କ୍ରୀସ୍ତୁତି ଜାର୍ନା ପାତେକା ସ଼ଦ ମାଣ୍‌ସି । ୧୮ ଜୀସୁ କ୍ରୀସ୍ତୁତି ଜାର୍ନା ଇଲେକିଁ ଆ଼ତେ । ତାମି ଇୟା ମରିୟମ ଅ଼ଡ଼େ ଜସେପ ତଲେ ବୀହା ଆ଼ହାଲି ରୀସ୍‌ପି ଆ଼ହାମାଟି ଜ଼େଚ, ଏ଼ୱି କାଲ୍‌ୱି ଆ଼ଆ ନ଼କେଏ, ଏ଼ଦି ସୁଦୁଜୀୱୁ ତଲେ ପୂରାମ୍ପାସା ଆ଼ହାମାନେ ଇଞ୍ଜୁଁ ପୁଣ୍‌ମ୍ବି ଆ଼ତେ । ୧୯ ଏତେଟିଏ ତାନି ଡକ୍ରା ଜସେପ ର଼ ଦାର୍ମୁ ଲ଼କୁ ମାଚାକି, ଇଞ୍ଜୁଁ ଏ଼ଦାଣି ଲ଼କୁ ନ଼କିତା ଦ଼ହ ଗାଟାୟି ଇଞ୍ଜୁଁ ଡ଼ହ୍‌ଆପେଏଁ ଇଞ୍ଜୁଁ ଏ଼ଦାନି ଡୁକ୍‌ହାନା ପିସାଲି ତୀରି କିତେସି । ୨୦ ସାମା ଏ଼ୱାସି ଏଲେଇଞ୍ଜୁ ତୀରିକିତି ଡ଼ାୟୁ, ମେହ୍‌ଦୁ, ମାହାପୂରୁତି ର଼ ଦୂତୁ ଏ଼ୱାଣାଇଁ ହାପାନାତା ଏଲେଇଚେସି, "ଆଡ଼େ ଦାୱୁଦ କୂଡ଼ାତି ଜସେପ, ମରିୟମନି ଡକ୍ରି କିହାଲିତାକି ଆଜାଆନି, ଏ଼ନାଆଁତାକି ଇଚିହିଁ ମାହାପୂରୁତି ସୁଦୁଜୀୱୁ ତଲେ ପୂରାମ୍ପାସା ଆ଼ହାମାନେ । ୨୧ ଏ଼ଦି ର଼ କକାଣାଇଁ ଜାର୍ନି କିନେ, ଅ଼ଡ଼େ ମୀରୁ ଏ଼ୱାଣି ଦ଼ରୁ ଜୀସୁ ଇଞ୍ଜୁଁ ଇଟାଦୁ, ଇଚିହିଁ ଏ଼ୱାସି ତାମି ଲ଼କୁଇଁ ତାମି ବାରେ ପ଼ାପୁଟି ଗେଲ୍‌ପିନେସି ।" ୨୨ ମାହାପୂରୁ ଅଣ୍‌ପୁତି ବ଼ଲୁ ୱେହ୍‌ନାରି ତ଼ାଣାଟି ପ୍ରବୁତି ଇ କାତା ଏ଼ନିକିଁ ପୂରା ଆ଼ନେ, ଇଦାଆଁତାକି ଇ ବାରେ ଆ଼ତେ, ୨୩ "ମେହ୍‌ଦୁ ର଼ ଡ଼ାଆ ମ଼ାଙ୍ଗୁ ପୂରାମ୍ପାସା ଆ଼ହାନା ର଼ କକାଣାଇଁ ଜାର୍ନି କିନେ, ଅ଼ଡ଼େ ଲ଼କୁ ଏ଼ୱାଣି ଦ଼ରୁ 'ଇମାନୁୟେଲ' ଇଟିନେରି ।" ଇ ଦ଼ରୁତି ଅର୍ତ "ମାହାପୂରୁ ମ଼ା ତଲେ ମାନେସି ।" ୨୪ ଏମ୍ବାଟିଏ ଜସେପ ଇଦାଟି ନିଦ୍ଦିତି ତ଼ାୟୁ ପ୍ରବୁତି ଦୂତୁ ଏ଼ନିକିଁ ହୁକୁମି ହୀହାମାତେସି, ଏଲେକିହିଁଏ କିତେସି, ଏ଼ୱାସି ମରିୟମଇଁ ବୀହା ଆ଼ତେସି; ୨୫ ସାମା ଏ଼ଦି କକାଣାଇଁ ଜାର୍ନି କିଆ ପାତେକା ଏ଼ଦାଣି ତଲେ କୂଡ଼ାଆତେସି, ଅ଼ଡ଼େ ଏ଼ କକାଣି ଦ଼ରୁ ଜୀସୁ ଇଟିତେରି ।

୨ ହେରଦ ରାଜା ବ଼େଲାତା ଜୀହୁଦା ଦ଼େସାତି ବେତଲିହିମ ଗାଡ଼ାତା ଜୀସୁ ଜାର୍ନାଆ଼ତି ତ଼ାୟୁ, ମେହ୍‌ଦୁ, ୱେଡ଼ା ହ଼ପୁ ୱାକିଟି ଏତରଜ଼ାଣା ସ଼ଗୁପୁନାରି ଜିରୁସାଲମତା ୱା଼ହାନା ୱେଚେରି, ୨ "ଆମିନି କକାସି ଜୀହୁଦିଙ୍ଗୁ ରାଜା ଆ଼ହାଲି ଜାର୍ନା ଆ଼ହାମାନାସି, ଏ଼ୱାସି ଆମ୍ବିୟା? ମ଼ାମୁ ୱେଡ଼ା ହ଼ପୁ ୱାକିଟି ତାନି ହୁକା ମେସାନା ଏ଼ୱାଣାଇଁ ଜହରା କିହାଲି ୱା଼ହାମାନମି ।" ୩ ଇ କାତା ୱେଞ୍ଜୁନା ହେରଦ ରାଜା ଅ଼ଡ଼େ ତାନିତଲେ ଜିରୁସାଲମତି ବାରେ ଲ଼କୁ କାବାଆ଼ହାନା ଆଜିତେରି । ୪ ଅ଼ଡ଼େ ଏ଼ୱାସି ଲ଼କୁତି କାଜା ପୂଜେରାଙ୍ଗୁ ଇଞ୍ଜୁଁ ମ଼େରା ପୁନାରାଇଁ କୂଡ଼ି କିହାନା, କ୍ରୀସ୍ତୁ ଏମ୍ବିୟା ଜାର୍ନା ଆ଼ନେସି, ଏ଼ଦାଆଁ ଏ଼ୱାରି ତ଼ାଣାଟି ପୁଞ୍ଜୁଲି ଅଣ୍‌ପିତେସି । ୫ ଏ଼ୱାରି ଏ଼ୱାଣାଇଁ ଏଲେଇଚେରି, ଜୀହୁଦା ଦ଼େସାତି ବେତଲିହିମ ଗାଡ଼ାତା ମାହାପୂରୁ ଅଣ୍‌ପୁତି ବ଼ଲୁ ୱେହ୍‌ନାରି ତ଼ାଣାଟି ଇଲେଇଞ୍ଜୁଁ ର଼ାସ୍‌କି ଆ଼ହାମାନେ; ୬ "ଏ ଜୀହୁଦା ଦ଼େସାତି ବେତଲିହିମ, ଜୀହୁଦାତି କାଜା ନ଼ାସ୍‌କା ବିତ୍ରାଟି ନୀନୁ ଉଣା ଆ଼ଏ; ଇଚିହିଁ ଆମ୍ବାଆସି ନ଼ା ଇସ୍ରାୟେଲ ଲ଼କୁଣି ପ଼ହି କିନେସି, ଏଲେତି ର଼ ସ଼ାଲୱି କିନାସି ନୀ ତ଼ାଣାଟି ୱା଼ନେସି ।" ୭ ତ଼ାୟୁ ହେରଦ ସ଼ଗୁ ପୁନାରାଇଁ ମ଼େଣେଏ ହ଼ାଟାନା, ଏ଼ ହୁକା ଏଚେଲା ତ଼ଞ୍ଜୁଆ଼ତେ ଏ଼ କାତା ଏ଼ୱାରି ତ଼ାଣାଟି ନେହିଁକିଁ ୱେଚେସି । ୮ ଇଞ୍ଜୁଁ ଏ଼ୱାସି ଏ଼ୱାରାଇଁ ବେତଲିହିମତା ପାଣ୍ଡୁନା ଏଲେଇଚେସି, "ମୀରୁ ହାଜାନା ଏ଼ କକାଣି କାତା ନେହିଁକିଁ ସିନିକିହାନା ନାଙ୍ଗେ ଜିକେଏ ୱେସ୍ତାଦୁ, ଇଚିହିଁ ନ଼ାନୁ ଜିକେଏ ହାଜାନା ଜହରା କିକାଇଁ ।" ୯ ଏଚେଟିଏ ଏ଼ୱାରି ରାଜା କାତା ୱେଞ୍ଜୁନା ହାଚେରି; ଅ଼ଡ଼େ ମେହ୍‌ଦୁ, ଏ଼ୱାରି ୱେଡ଼ା ହ଼ପୁୱାକି ଆମିନି ହୁକା ମେସାମାଚେରି, ଏ଼ଦି ଏ଼ୱାରି ନ଼କି ନ଼କିତା ହାଜାନା, ଏମ୍ବିୟା କକାସି ମାଚେସି ଏ଼ ଲାକ ହାଜାନା ନିତେ । ୧୦ ଏ଼ ହୁକା ମେସାନା ଏ଼ୱାରି ହାରେକା ରାହାଁତଲେ ରାହାଁ ଆ଼ତେରି । ୧୧ ଏ଼ୱାରି ଇଲୁ ବିତ୍ରା ହ଼ଡାନା ତାମି ଇୟା ମରିୟମ ଇଞ୍ଜୁଁ କକାଣି ତ଼ାଲୁଇଁ ମେସାନା, ଏ଼ୱାଣାଇଁ ମେଣ୍ଡାକୁତାନା ଜହରା କିତେରି, ଇଞ୍ଜୁଁ ତ଼ାମୁ

Mattheum

1 Liber generationis Jesu Christi filii David, filii Abraham. **2** Abraham genuit Isaac. Isaac autem genuit Jacob. Jacob autem genuit Judam, et fratres ejus. **3** Judas autem genuit Phares, et Zaram de Thamar. Phares autem genuit Esron. Esron autem genuit Aram. **4** Aram autem genuit Aminadab. Aminadab autem genuit Naasson. Naasson autem genuit Salmon. **5** Salmon autem genuit Booz de Rahab. Booz autem genuit Obed ex Ruth. Obed autem genuit Jesse. Jesse autem genuit David regem. **6** David autem rex genuit Salomonem ex ea quæ fuit Uriæ. **7** Salomon autem genuit Roboam. Roboam autem genuit Abiam. Abias autem genuit Asa. **8** Asa autem genuit Josophat. Josophat autem genuit Joram. Joram autem genuit Oziam. **9** Ozias autem genuit Joatham. Joatham autem genuit Achaz. Achaz autem genuit Ezechiam. **10** Ezechias autem genuit Manassen. Manasses autem genuit Amon. Amon autem genuit Josiam. **11** Josias autem genuit Jechoniam, et fratres ejus in transmigratione Babylonis. **12** Et post transmigrationem Babylonis: Jechonias genuit Salathiel. Salathiel autem genuit Zorobabel. **13** Zorobabel autem genuit Abiud. Abiud autem genuit Eliacim. Eliacim autem genuit Azor. **14** Azor autem genuit Sadoc. Sadoc autem genuit Achim. Achim autem genuit Eliud. **15** Eliud autem genuit Eleazar. Eleazar autem genuit Mathan. Mathan autem genuit Jacob. **16** Jacob autem genuit Joseph virum Mariæ, de qua natus est Jesus, qui vocatur Christus. **17** Omnes itaque generationes ab Abraham usque ad David, generationes quatuordecim: et a David usque ad transmigrationem Babylonis, generationes quatuordecim: et a transmigratione Babylonis usque ad Christum, generationes quatuordecim. **18** Christi autem generatio sic erat: cum esset desponsata mater ejus Maria Joseph, antequam convenirent inventa est in utero habens de Spiritu Sancto. **19** Joseph autem vir ejus cum esset justus, et nollet eam traducere, voluit occulte dimittere eam. **20** Hæc autem eo cogitante, ecce angelus Domini apparuit in somnis ei, dicens: Joseph, fili David, noli timere accipere Mariam conjugem tuam: quod enim in ea natum est, de Spiritu Sancto est. **21** Pariet autem filium: et vocabis nomen ejus Jesum: ipse enim salvum faciet populum suum a peccatis eorum. **22** Hoc autem totum factum est, ut adimpleretur quod dictum est a Domino per prophetam dicentem: **23** Ecce virgo in utero habebit, et pariet filium: et vocabunt nomen ejus Emmanuel, quod est interpretatum Nobiscum Deus. **24** Exsurgens autem Joseph a somno, fecit sicut præcepit ei angelus Domini, et accepit conjugem suam. **25** Et non cognoscebat eam donec peperit filium suum primogenitum: et vocavit nomen ejus Jesum.

2 Cum ergo natus esset Jesus in Bethlehem Juda in diebus Herodis regis, ecce magi ab oriente venerunt Jerosolymam, **2** dicentes: Ubi est qui natus est rex Judæorum? vidimus enim stellam ejus in oriente, et venimus adorare eum. **3** Audiens autem Herodes rex, turbatus est, et omnis Jerosolyma cum illo. **4** Et congregans omnes principes sacerdotum, et scribas populi, sciscitabatur ab eis ubi Christus nasceretur. **5** At illi dixerunt: In Bethlehem Judæ: sic enim scriptum est per prophetam: **6** [Et tu Bethlehem terra Juda, nequaquam minima es in principibus Juda: ex te enim exiet dux, qui regat populum meum Israël.] **7** Tunc Herodes clam vocatis magis diligenter didicit ab eis tempus stellæ, quæ apparuit eis: **8** et mittens illos in Bethlehem, dixit: Ite, et interrogate diligenter de puero: et cum inveneritis, renuntiate mihi, ut et ego veniens adorem eum. **9** Qui cum audissent regem, abierunt, et ecce stella, quam viderant in oriente, antecedebat eos, usque dum veniens staret supra, ubi erat puer. **10** Videntes autem stellam gavisi sunt gaudio magno valde. **11** Et intrantes domum, invenerunt puerum cum Maria matre ejus, et procidentes adoraverunt eum: et apertis thesauris suis obtulerunt ei munera, aurum, thus, et myrrham. **12** Et responso accepto in somnis ne redirent ad Herodem, per aliam viam reversi sunt in regionem suam. **13** Qui cum recessissent, ecce angelus Domini apparuit in somnis Joseph, dicens: Surge, et accipe puerum, et matrem ejus, et fuge in Ægyptum, et esto ibi usque dum dicam tibi. Futurum est enim ut Herodes quærat puerum ad perdendum eum. **14** Qui consurgens accepit puerum et matrem ejus nocte, et secessit in Ægyptum: **15** et erat ibi usque ad obitum Herodis: ut adimpleretur quod dictum est a Domino per prophetam dicentem: Ex Ægypto vocavi filium meum. **16** Tunc Herodes videns quoniam illusus esset a magis, iratus est valde, et mittens occidit omnes pueros, qui erant in Bethlehem, et in omnibus finibus ejus, a bimatu et infra secundum tempus, quod exquisierat a magis. **17** Tunc adimpletum est quod dictum est per Jeremiam prophetam dicentem: **18** [Vox in Rama audita est ploratus, et ululatus multus: Rachel plorans filios suos, et noluit consolari, quia non sunt.] **19** Defuncto autem Herode, ecce angelus

Mattheum

1 Liber generationis Iesu Christi filii David, filii Abraham. **2** Abraham genuit Isaac. Isaac autem genuit Iacob. Iacob autem genuit Iudam, et fratres eius. **3** Iudas autem genuit Phares, et Zaram de Thamar. Phares autem genuit Esron. Esron autem genuit Aram. **4** Aram autem genuit Aminadab. Aminadab autem genuit Naasson. Naasson autem genuit Salmon. **5** Salmon autem genuit Booz de Rahab. Booz autem genuit Obed ex Ruth. Obed autem genuit Iesse. **6** Iesse autem genuit David regem. David autem rex genuit Salomonem ex ea, quæ fuit Uriæ. **7** Salomon autem genuit Roboam. Roboam autem genuit Abiam. Abias autem genuit Asa. **8** Asa autem genuit Iosophat. Iosophat autem genuit Ioram. Ioram autem genuit Oziam. **9** Ozias autem genuit Ioatham. Ioatham autem genuit Achaz. Achaz autem genuit Ezechiam. **10** Ezechias autem genuit Manassen. Manasses autem genuit Amon. Amon autem genuit Iosiam. **11** Iosias autem genuit Iechoniam, et fratres eius in transmigratione Babylonis. **12** Et post transmigrationem Babylonis: Iechonias genuit Salathiel. Salathiel autem genuit Zorobabel. **13** Zorobabel autem genuit Abiud. Abiud autem genuit Eliacim. Eliacim autem genuit Azor. **14** Azor autem genuit Sadoc. Sadoc autem genuit Achim. Achim autem genuit Eliud. **15** Eliud autem genuit Eleazar. Eleazar autem genuit Mathan. Mathan autem genuit Iacob. **16** Iacob autem genuit Ioseph virum Mariæ, de qua natus est Iesus, qui vocatur Christus. **17** Omnes itaque generationes ab Abraham usque ad David, generationes quattuordecim: et a David usque ad transmigrationem Babylonis, generationes quattuordecim: et a transmigratione Bayblonis usque ad Christum, generationes quattuordecim. **18** Christi autem generatio sic erat: Cum esset desponsata mater eius Maria Ioseph, antequam convenirent, inventa est in utero habens de Spiritu Sancto. **19** Ioseph autem vir eius cum esset iustus, et nollet eam traducere: voluit occulte dimittere eam. **20** Hæc autem eo cogitante, ecce Angelus Domini apparuit in somnis ei, dicens: Ioseph fili David, noli timere accipere Mariam coniugem tuam: quod enim in ea natum est, de Spiritu Sancto est. **21** Pariet autem filium: et vocabis nomen eius IESUM: ipse enim salvum faciet populum suum a peccatis eorum. **22** Hoc autem totum factum est, ut adimpleretur quod dictum est a Domino per prophetam dicentem: **23** Ecce virgo in utero habebit, et pariet filium. Et vocabunt nomen eius Emmanuel, quod est interpretatum Nobiscum Deus. **24** Exurgens autem Ioseph a somno, fecit sicut præcepit ei Angelus Domini, et accepit coniugem suam. **25** Et non cognoscebat eam donec peperit filium suum primogenitum: et vocavit nomen eius Iesum.

2 Cum ergo natus esset Iesus in Bethlehem Iuda in diebus Herodis regis, ecce Magi ab oriente venerunt Ierosolymam, **2** dicentes: Ubi est qui natus est rex Iudæorum? vidimus enim stellam eius in oriente, et venimus adorare eum. **3** Audiens autem Herodes rex, turbatus est, et omnis Ierosolyma cum illo. **4** Et congregans omnes principes sacerdotum, et Scribas populi, sciscitabatur ab eis ubi Christus nasceretur. **5** At illi dixerunt: In Bethlehem Iudæ: Sic enim scriptum est per prophetam: **6** Et tu Bethlehem terra Iuda, nequaquam minima es in principibus Iuda: ex te enim exiet dux, qui regat populum meum Israel. **7** Tunc Herodes clam vocatis Magis diligenter didicit ab eis tempus stellæ, quæ apparuit eis: **8** et mittens illos in Bethlehem, dixit: Ite, et interrogate diligenter de puero: et cum inveneritis, renunciate mihi, ut et ego veniens adorem eum. **9** Qui cum audissent regem, abierunt. Et ecce stella, quam viderant in oriente, antecedebat eos, usque dum veniens staret supra, ubi erat puer. **10** Videntes autem stellam gavisi sunt gaudio magno valde. **11** Et intrantes domum, invenerunt puerum cum Maria matre eius, et procidentes adoraverunt eum: et apertis thesauris suis obtulerunt ei munera, aurum, thus, et myrrham. **12** Et responso accepto in somnis ne redirent ad Herodem, per aliam viam reversi sunt in regionem suam. **13** Qui cum recessissent, ecce Angelus Domini apparuit in somnis Ioseph, dicens: Surge, et accipe puerum, et matrem eius, et fuge in Ægyptum, et esto ibi usque dum dicam tibi. Futurum est enim ut Herodes quærat puerum ad perdendum eum. **14** Qui consurgens accepit puerum, et matrem eius nocte, et secessit in Ægyptum: **15** et erat ibi usque ad obitum Herodis: ut adimpleretur quod dictum est a Domino per prophetam dicentem: Ex Ægypto vocavi filium meum. **16** Tunc Herodes videns quoniam illusus esset a Magis, iratus est valde, et mittens occidit omnes pueros, qui erant in Bethlehem, et in omnibus finibus eius a bimatu et infra secundum tempus, quod exquisierat a Magis. **17** Tunc adimpletum est quod dictum est per Ieremiam prophetam dicentem: **18** Vox in Rama audita est ploratus, et ululatus multus: Rachel plorans filios suos, et noluit consolari, quia non sunt. **19** Defuncto autem Herode, ecce Angelus Domini apparuit in somnis Ioseph in Ægypto, **20**

Mattheum

1 Liber generationis Iesu Christi filii David, filii Abraham. **2** Abraham genuit Isaac. Isaac autem genuit Iacob. Iacob autem genuit Iudam, et fratres eius. **3** Iudas autem genuit Phares, et Zaram de Thamar. Phares autem genuit Esron. Esron autem genuit Aram. **4** Aram autem genuit Aminadab. Aminadab autem genuit Naasson. Naasson autem genuit Salmon. **5** Salmon autem genuit Booz de Rahab. Booz autem genuit Obed ex Ruth. Obed autem genuit Iesse. Iesse autem genuit David regem. **6** David autem rex genuit Salomonem ex ea, quæ fuit Uriæ. **7** Salomon autem genuit Roboam. Roboam autem genuit Abiam. Abias autem genuit Asa. **8** Asa autem genuit Iosophat. Iosophat autem genuit Ioram. Ioram autem genuit Oziam. **9** Ozias autem genuit Ioatham. Ioatham autem genuit Achaz. Achaz autem genuit Ezechiam. **10** Ezechias autem genuit Manassen. Manasses autem genuit Amon. Amon autem genuit Iosiam. **11** Iosias autem genuit Iechoniam, et fratres eius in transmigratione Babylonis. **12** Et post transmigrationem Babylonis: Iechonias genuit Salathiel. Salathiel autem genuit Zorobabel. **13** Zorobabel autem genuit Abiud. Abiud autem genuit Eliacim. Eliacim autem genuit Azor. **14** Azor autem genuit Sadoc. Sadoc autem genuit Achim. Achim autem genuit Eliud. **15** Eliud autem genuit Eleazar. Eleazar autem genuit Mathan. Mathan autem genuit Iacob. **16** Iacob autem genuit Ioseph virum Mariæ, de qua natus est Iesus, qui vocatur Christus. **17** Omnes itaque generationes ab Abraham usque ad David, generationes quattuordecim: et a David usque ad transmigrationem Babylonis, generationes quattuordecim: et a transmigratione Bayblonis usque ad Christum, generationes quattuordecim. **18** Christi autem generatio sic erat: Cum esset desponsata mater eius Maria Ioseph, antequam convenirent, inventa est in utero habens de Spiritu sancto. **19** Ioseph autem vir eius cum esset iustus, et nollet eam traducere: voluit occulte dimittere eam. **20** Hæc autem eo cogitante, ecce Angelus Domini apparuit in somnis ei, dicens: Ioseph fili David, noli timere accipere Mariam coniugem tuam: quod enim in ea natum est, de Spiritu sancto est. **21** pariet autem filium: et vocabis nomen eius IESUM: ipse enim salvum faciet populum suum a peccatis eorum. **22** Hoc autem totum factum est, ut adimpleretur quod dictum est a Domino per Prophetam dicentem: **23** Ecce virgo in utero habebit, et pariet filium. et vocabunt nomen eius Emmanuel, quod est interpretatum Nobiscum Deus. **24** Exurgens autem Ioseph a somno, fecit sicut præcepit ei angelus Domini, et accepit coniugem suam. **25** Et non cognoscebat eam donec peperit filium suum primogenitum: et vocavit nomen eius Iesum.

2 Cum ergo natus esset Iesus in Bethlehem Iuda in diebus Herodis regis, ecce Magi ab oriente venerunt Ierosolymam, **2** dicentes: Ubi est qui natus est rex Iudæorum? vidimus enim stellam eius in oriente, et venimus adorare eum. **3** Audiens autem Herodes rex, turbatus est, et omnis Ierosolyma cum illo. **4** Et congregans omnes principes sacerdotum, et Scribas populi, sciscitabatur ab eis ubi Christus nasceretur. **5** At illi dixerunt: In Bethlehem Iudæ: Sic enim scriptum est per Prophetam: **6** Et tu Bethlehem terra Iuda, nequaquam minima es in principibus Iuda: ex te enim exiet dux, qui regat populum meum Israel. **7** Tunc Herodes clam vocatis Magis diligenter didicit ab eis tempus stellæ, quæ apparuit eis: **8** et mittens illos in Bethlehem, dixit: Ite, et interrogate diligenter de puero: et cum inveneritis, renunciate mihi, ut et ego veniens adorem eum. **9** Qui cum audissent regem, abierunt. et ecce stella, quam viderant in oriente, antecedebat eos, usquedum veniens staret supra, ubi erat puer. **10** Videntes autem stellam gavisi sunt gaudio magno valde. **11** Et intrantes domum, invenerunt puerum cum Maria matre eius, et procidentes adoraverunt eum: et apertis thesauris suis obtulerunt ei munera, aurum, thus, et myrrham. **12** Et responso accepto in somnis ne redirent ad Herodem, per aliam viam reversi sunt in regionem suam. **13** Qui cum recessissent, ecce angelus Domini apparuit in somnis Ioseph, dicens: Surge, et accipe puerum, et matrem eius, et fuge in Ægyptum, et esto ibi usque dum dicam tibi. Futurum est enim ut Herodes quærat puerum ad perdendum eum. **14** Qui consurgens accepit puerum, et matrem eius nocte, et secessit in Ægyptum: **15** et erat ibi usque ad obitum Herodis: ut adimpleretur quod dictum est a Domino per Prophetam dicentem: Ex Ægypto vocavi filium meum. **16** Tunc Herodes videns quoniam illusus esset a Magis, iratus est valde, et mittens occidit omnes pueros, qui erant in Bethlehem, et in omnibus finibus eius a bimatu et infra secundum tempus, quod exquisierat a Magis. **17** Tunc adimpletum est quod dictum est per Ieremiam prophetam dicentem: **18** Vox in Rama audita est ploratus, et ululatus multus: Rachel plorans filios suos, et noluit consolari, quia non sunt. **19** Defuncto autem Herode, ecce angelus Domini apparuit in somnis Ioseph in Ægypto, **20**

Mattheum

1 Liber generationis Jesu Christi filii David, filii Abraham. **2** Abraham genuit Isaac. Isaac autem genuit Jacob. Jacob autem genuit Judam, et fratres ejus. **3** Judas autem genuit Phares, et Zaram de Thamar. Phares autem genuit Esron. Esron autem genuit Aram. **4** Aram autem genuit Aminadab. Aminadab autem genuit Naasson. Naasson autem genuit Salmon. **5** Salmon autem genuit Booz de Rahab. Booz autem genuit Obed ex Ruth. Obed autem genuit Jesse. Jesse autem genuit David regem. **6** David autem rex genuit Salomonem ex ea quæ fuit Uriæ. **7** Salomon autem genuit Roboam. Roboam autem genuit Abiam. Abias autem genuit Asa. **8** Asa autem genuit Josophat. Josophat autem genuit Joram. Joram autem genuit Oziam. **9** Ozias autem genuit Joatham. Joatham autem genuit Achaz. Achaz autem genuit Ezechiam. **10** Ezechias autem genuit Manassen. Manasses autem genuit Amon. Amon autem genuit Josiam. **11** Josias autem genuit Jechoniam, et fratres ejus in transmigratione Babylonis. **12** Et post transmigrationem Babylonis: Jechonias genuit Salathiel. Salathiel autem genuit Zorobabel. **13** Zorobabel autem genuit Abiud. Abiud autem genuit Eliacim. Eliacim autem genuit Azor. **14** Azor autem genuit Sadoc. Sadoc autem genuit Achim. Achim autem genuit Eliud. **15** Eliud autem genuit Eleazar. Eleazar autem genuit Mathan. Mathan autem genuit Jacob. **16** Jacob autem genuit Joseph virum Mariæ, de qua natus est Jesus, qui vocatur Christus. **17** Omnes itaque generationes ab Abraham usque ad David, generationes quatuordecim: et a David usque ad transmigrationem Babylonis, generationes quatuordecim: et a transmigratione Babylonis usque ad Christum, generationes quatuordecim. **18** Christi autem generatio sic erat: cum esset desponsata mater ejus Maria Joseph, antequam convenirent inventa est in utero habens de Spiritu Sancto. **19** Joseph autem vir ejus cum esset justus, et nollet eam traducere, voluit occulte dimittere eam. **20** Hæc autem eo cogitante, ecce angelus Domini apparuit in somnis ei, dicens: Joseph, fili David, noli timere accipere Mariam conjugem tuam: quod enim in ea natum est, de Spiritu Sancto est. **21** Pariet autem filium: et vocabis nomen ejus Jesum: ipse enim salvum faciet populum suum a peccatis eorum. **22** Hoc autem totum factum est, ut adimpleretur quod dictum est a Domino per prophetam dicentem: **23** Ecce virgo in utero habebit, et pariet filium: et vocabunt nomen ejus Emmanuel, quod est interpretatum Nobiscum Deus. **24** Exsurgens autem Joseph a somno, fecit sicut præcepit ei angelus Domini, et accepit conjugem suam. **25** Et non cognoscebat eam donec peperit filium suum primogenitum: et vocavit nomen ejus Jesum.

2 Cum ergo natus esset Jesus in Bethlehem Juda in diebus Herodis regis, ecce magi ab oriente venerunt Jerosolymam, **2** dicentes: Ubi est qui natus est rex Judæorum? vidimus enim stellam ejus in oriente, et venimus adorare eum. **3** Audiens autem Herodes rex, turbatus est, et omnis Jerosolyma cum illo. **4** Et congregans omnes principes sacerdotum, et scribas populi, sciscitabatur ab eis ubi Christus nasceretur. **5** At illi dixerunt: In Bethlehem Judæ: sic enim scriptum est per prophetam: **6** Et tu Bethlehem terra Juda, nequaquam minima es in principibus Juda: ex te enim exiet dux, qui regat populum meum Israël. **7** Tunc Herodes clam vocatis magis diligenter didicit ab eis tempus stellæ, quæ apparuit eis: **8** et mittens illos in Bethlehem, dixit: Ite, et interrogate diligenter de puero: et cum inveneritis, renuntiate mihi, ut et ego veniens adorem eum. **9** Qui cum audissent regem, abierunt, et ecce stella, quam viderant in oriente, antecedebat eos, usque dum veniens staret supra, ubi erat puer. **10** Videntes autem stellam gavisi sunt gaudio magno valde. **11** Et intrantes domum, invenerunt puerum cum Maria matre ejus, et procidentes adoraverunt eum: et apertis thesauris suis obtulerunt ei munera, aurum, thus, et myrrham. **12** Et responso accepto in somnis ne redirent ad Herodem, per aliam viam reversi sunt in regionem suam. **13** Qui cum recessissent, ecce angelus Domini apparuit in somnis Joseph, dicens: Surge, et accipe puerum, et matrem ejus, et fuge in Ægyptum, et esto ibi usque dum dicam tibi. Futurum est enim ut Herodes quærat puerum ad perdendum eum. **14** Qui consurgens accepit puerum et matrem ejus nocte, et secessit in Ægyptum: **15** et erat ibi usque ad obitum Herodis: ut adimpleretur quod dictum est a Domino per prophetam dicentem: Ex Ægypto vocavi filium meum. **16** Tunc Herodes videns quoniam illusus esset a magis, iratus est valde, et mittens occidit omnes pueros, qui erant in Bethlehem, et in omnibus finibus ejus, a bimatu et infra secundum tempus, quod exquisierat a magis. **17** Tunc adimpletum est quod dictum est per Jeremiam prophetam dicentem: **18** Vox in Rama audita est ploratus, et ululatus multus: Rachel plorans filios suos, et noluit consolari, quia non sunt. **19** Defuncto autem Herode, ecce angelus Domini apparuit in somnis Joseph in Ægypto, **20**

Mattheum

1 Liber generationis Iesu Christi filii David, filii Abraham. **2** Abraham genuit Isaac. Isaac autem genuit Iacob. Iacob autem genuit Iudam, et fratres eius. **3** Iudas autem genuit Phares, et Zaram de Thamar. Phares autem genuit Esron. Esron autem genuit Aram. **4** Aram autem genuit Aminadab. Aminadab autem genuit Naasson. Naasson autem genuit Salmon. **5** Salmon autem genuit Booz de Rahab. Booz autem genuit Obed ex Ruth. Obed autem genuit Iesse. Iesse autem genuit David regem. **6** David autem rex genuit Salomonem ex ea, quae fuit Uriae. **7** Salomon autem genuit Roboam. Roboam autem genuit Abiam. Abias autem genuit Asa. **8** Asa autem genuit Iosaphat. Iosaphat autem genuit Ioram. Ioram autem genuit Oziam. **9** Ozias autem genuit Ioatham. Ioatham autem genuit Achaz. Achaz autem genuit Ezechiam. **10** Ezechias autem genuit Manassen. Manasses autem genuit Amon. Amon autem genuit Iosiam. **11** Iosias autem genuit Iechoniam, et fratres eius in transmigratione Babylonis. **12** Et post transmigrationem Babylonis: Iechonias genuit Salathiel. Salathiel autem genuit Zorobabel. **13** Zorobabel autem genuit Abiud. Abiud autem genuit Eliachim. Eliachim autem genuit Azor. **14** Azor autem genuit Sadoc. Sadoc autem genuit Achim. Achim autem genuit Eliud. **15** Eliud autem genuit Eleazar. Eleazar autem genuit Mathan. Mathan autem genuit Iacob. **16** Iacob autem genuit Ioseph virum Mariae, de qua natus est Iesus, qui vocatur Christus. **17** Omnes itaque generationes ab Abraham usque ad David, generationes quattuordecim: et a David usque ad transmigrationem Babylonis, generationes quattuordecim: et a transmigratione Babylonis usque ad Christum, generationes quattuordecim. **18** Christi autem generatio sic erat: Cum esset desponsata mater eius Maria Ioseph, antequam convenirent, inventa est in utero habens de Spiritu sancto. **19** Ioseph autem vir eius cum esset iustus, et nollet eam traducere: voluit occulte dimittere eam. **20** Haec autem eo cogitante, ecce Angelus Domini apparuit in somnis ei, dicens: Ioseph fili David, noli timere accipere Mariam coniugem tuam: quod enim in ea natum est, de Spiritu sancto est. **21** pariet autem filium: et vocabis nomen eius IESUM: ipse enim salvum faciet populum suum a peccatis eorum. **22** Hoc autem totum factum est, ut adimpleretur quod dictum est a Domino per Prophetam dicentem: **23** Ecce virgo in utero habebit, et pariet filium: et vocabitur nomen eius Emmanuel, quod est interpretatum Nobiscum Deus. **24** Exurgens autem Ioseph a somno, fecit sicut praecepit ei angelus Domini, et accepit coniugem suam. **25** Et non cognoscebat eam donec peperit filium suum primogenitum: et vocavit nomen eius Iesum.

2 Cum ergo natus esset Iesus in Bethlehem Iuda in diebus Herodis regis, ecce Magi ab oriente venerunt Ierosolymam, **2** dicentes: Ubi est qui natus est rex Iudaeorum? vidimus enim stellam eius in oriente, et venimus adorare eum. **3** Audiens autem Herodes rex, turbatus est, et omnis Ierosolyma cum illo. **4** Et congregans omnes principes sacerdotum, et Scribas populi, sciscitabatur ab eis ubi Christus nasceretur. **5** At illi dixerunt ei: In Bethlehem Iuda: Sic enim scriptum est per Prophetam: **6** Et tu Bethlehem terra Iuda, nequaquam minima es in principibus Iuda: ex te enim exiet dux, qui regat populum meum Israel. **7** Tunc Herodes clam vocatis Magis diligenter didicit ab eis tempus stellae, quae apparuit eis: **8** et mittens illos in Bethlehem, dixit: Ite, et interrogate diligenter de puero: et cum inveneritis, renunciate mihi, ut et ego veniens adorem eum. **9** Qui cum audissent regem, abierunt. et ecce stella, quam viderant in oriente, antecedebat eos, usquedum veniens staret supra, ubi erat puer. **10** Videntes autem stellam gavisi sunt gaudio magno valde. **11** Et intrantes domum, invenerunt puerum cum Maria matre eius, et procidentes adoraverunt eum: et apertis thesauris suis obtulerunt ei munera, aurum, tus, et myrrham. **12** Et responso accepto in somnis ne redirent ad Herodem, per aliam viam reversi sunt in regionem suam. **13** Qui cum recessissent, ecce angelus Domini apparuit in somnis Ioseph, dicens: Surge, accipe puerum, et matrem eius, et fuge in Aegyptum, et esto ibi usque dum dicam tibi. Futurum est enim ut Herodes quaerat puerum ad perdendum eum. **14** Qui consurgens accepit puerum, et matrem eius nocte, et secessit in Aegyptum: **15** et erat ibi usque ad obitum Herodis: ut adimpleretur quod dictum est a Domino per Prophetam dicentem: Ex Aegypto vocavi filium meum. **16** Tunc Herodes videns quoniam illusus esset a Magis, iratus est valde, et mittens occidit omnes pueros, qui erant in Bethlehem, et in omnibus finibus eius a bimatu et infra secundum tempus, quod exquisierat a Magis. **17** Tunc adimpletum est quod dictum est per Ieremiam prophetam dicentem: **18** Vox in Rama audita est ploratus, et ululatus multus: Rachel plorans filios suos, et noluit consolari, quia non sunt. **19** Defuncto autem Herode, ecce angelus

Mattheum

1 liber generationis Iesu Christi filii David filii Abraham **2** Abraham genuit Isaac Isaac autem genuit Iacob Iacob autem genuit Iudam et fratres eius **3** Iudas autem genuit Phares et Zara de Thamar Phares autem genuit Esrom Esrom autem genuit Aram **4** Aram autem genuit Aminadab Aminadab autem genuit Naasson Naasson autem genuit Salmon **5** Salmon autem genuit Booz de Rachab Booz autem genuit Obed ex Ruth Obed autem genuit Iesse Iesse autem genuit David regem **6** David autem rex genuit Salomonem ex ea quae fuit Uriae **7** Salomon autem genuit Roboam Roboam autem genuit Abiam Abia autem genuit Asa **8** Asa autem genuit Iosaphat Iosaphat autem genuit Ioram Ioram autem genuit Oziam **9** Ozias autem genuit Ioatham Ioatham autem genuit Achaz Achaz autem genuit Ezechiam **10** Ezechias autem genuit Manassen Manasses autem genuit Amon Amon autem genuit Iosiam **11** Iosias autem genuit Iechoniam et fratres eius in transmigratione Babylonis **12** et post transmigrationem Babylonis Iechonias genuit Salathihel Salathihel autem genuit Zorobabel **13** Zorobabel autem genuit Abiud Abiud autem genuit Eliachim Eliachim autem genuit Azor **14** Azor autem genuit Saddoc Saddoc autem genuit Achim Achim autem genuit Eliud **15** Eliud autem genuit Eleazar Eleazar autem genuit Matthan Matthan autem genuit Iacob **16** Iacob autem genuit Ioseph virum Mariae de qua natus est Iesus qui vocatur Christus **17** omnes ergo generationes ab Abraham usque ad David generationes quattuordecim et a David usque ad transmigrationem Babylonis generationes quattuordecim et a transmigratione Babylonis usque ad Christum generationes quattuordecim **18** Christi autem generatio sic erat cum esset desponsata mater eius Maria Ioseph antequam convenirent inventa est in utero habens de Spiritu Sancto **19** Ioseph autem vir eius cum esset iustus et nollet eam traducere voluit occulte dimittere eam **20** haec autem eo cogitante ecce angelus Domini in somnis apparuit ei dicens Ioseph fili David noli timere accipere Mariam coniugem tuam quod enim in ea natum est de Spiritu Sancto est **21** pariet autem filium et vocabis nomen eius Iesum ipse enim salvum faciet populum suum a peccatis eorum **22** hoc autem totum factum est ut adimpleretur id quod dictum est a Domino per prophetam dicentem **23** ecce virgo in utero habebit et pariet filium et vocabunt nomen eius Emmanuhel quod est interpretatum Nobiscum Deus **24** exsurgens autem Ioseph a somno fecit sicut praecepit ei angelus Domini et accepit coniugem suam **25** et non cognoscebat eam donec peperit filium suum primogenitum et vocavit nomen eius Iesum

2 cum ergo natus esset Iesus in Bethleem Iudaeae in diebus Herodis regis ecce magi ab oriente venerunt Hierosolymam **2** dicentes ubi est qui natus est rex Iudaeorum vidimus enim stellam eius in oriente et venimus adorare eum **3** audiens autem Herodes rex turbatus est et omnis Hierosolyma cum illo **4** et congregans omnes principes sacerdotum et scribas populi sciscitabatur ab eis ubi Christus nasceretur **5** at illi dixerunt ei in Bethleem Iudaeae sic enim scriptum est per prophetam **6** et tu Bethleem terra Iuda nequaquam minima es in principibus Iuda ex te enim exiet dux qui reget populum meum Israhel **7** tunc Herodes clam vocatis magis diligenter didicit ab eis tempus stellae quae apparuit eis **8** et mittens illos in Bethleem dixit ite et interrogate diligenter de puero et cum inveneritis renuntiate mihi ut et ego veniens adorem eum **9** qui cum audissent regem abierunt et ecce stella quam viderant in oriente antecedebat eos usque dum veniens staret supra ubi erat puer **10** videntes autem stellam gavisi sunt gaudio magno valde **11** et intrantes domum invenerunt puerum cum Maria matre eius et procidentes adoraverunt eum et apertis thesauris suis obtulerunt ei munera aurum tus et murram **12** et responso accepto in somnis ne redirent ad Herodem per aliam viam reversi sunt in regionem suam **13** qui cum recessissent ecce angelus Domini apparuit in somnis Ioseph dicens surge et accipe puerum et matrem eius et fuge in Aegyptum et esto ibi usque dum dicam tibi futurum est enim ut Herodes quaerat puerum ad perdendum eum **14** qui consurgens accepit puerum et matrem eius nocte et recessit in Aegyptum **15** et erat ibi usque ad obitum Herodis ut adimpleretur quod dictum est a Domino per prophetam dicentem ex Aegypto vocavi filium meum **16** tunc Herodes videns quoniam inlusus esset a magis iratus est valde et mittens occidit omnes pueros qui erant in Bethleem et in omnibus finibus eius a bimatu et infra secundum tempus quod exquisierat a magis **17** tunc adimpletum est quod dictum est per Hieremiam prophetam dicentem **18** vox in Rama audita est ploratus et ululatus multus Rachel plorans filios suos et noluit consolari quia non sunt **19** defuncto autem Herode ecce apparuit angelus Domini in somnis Ioseph in Aegypto **20** dicens surge et accipe puerum et matrem eius et vade in terram

Mateja Evaņģelijs

1 Jēzus Kristus cilts grāmata. Jēzus bija Dāvida, Dāvids Ābrahāma dēls. **2** Ābrahāms dzemdināja Īzaku, un Īzaks dzemdināja Jēkabu, un Jēkabs dzemdināja Jūdu un viņa brāļus. **3** Un Jūda dzemdināja Vārecu un Cāru no Tamaras; un Vārecs dzemdināja Hecronu, un Hecrons dzemdināja Aramu. **4** Un Arams dzemdināja Aminadabu, un Aminadabs dzemdināja Nahšonu, un Nahšons dzemdināja Zalmanu. **5** Un Zalmans dzemdināja Boasu no Rahabas, un Boas dzemdināja Obedu no Rutes, un Obeds dzemdināja Isaju. **6** Un Isajus dzemdināja ķēniņu Dāvidu, un ķēniņš Dāvids dzemdināja Salamanu no Ūrijas sievas. **7** Un Salamans dzemdināja Rekabeamu, un Rekabeams dzemdināja Abiju, un Abija dzemdināja Asu. **8** Un Asus dzemdināja Jehošafatu, un Jehošafats dzemdināja Jehoramu, un Jehorams dzemdināja Ociju. **9** Un Ocija dzemdināja Joatamu, un Joatams dzemdināja Akacu, un Akacs dzemdināja Eceķiju. **10** Un Eceķija dzemdināja Manasu, un Manasus dzemdināja Amonu, un Amons dzemdināja Josiju. **11** Un Josija dzemdināja Jekoniju un viņa brāļus ap to aizvešanu uz Bābeli. **12** Un pēc aizvešanas uz Bābeli Jekonija dzemdināja Zalatiēli, un Zalatiēls dzemdināja Corobabeli. **13** Un Corobabels dzemdināja Abiudu, un Abiuds dzemdināja Eliaķimu, un Eliaķims dzemdināja Hacoru. **14** Un Hacors dzemdināja Cadoku, un Cadoks dzemdināja Aķimu, un Aķims dzemdināja Eliudu. **15** Un Eliuds dzemdināja Eleazaru, un Eleazars dzemdināja Mattanu, un Mattans dzemdināja Jēkabu. **16** Un Jēkabs dzemdināja Jāzepu, Marijas vīru, no kuras ir piedzimis Jēzus, kas top saukts Kristus. **17** Tad nu pavisam no Ābrahāma līdz Dāvidam ir četrpadsmit augumi; un no Dāvida līdz aizvešanai uz Bābeli ir četrpadsmit augumi; un no aizvešanas uz Bābeli līdz Kristum četrpadsmit augumi. **18** Bet Jēzus Kristus piedzimšana bija tāda: kad Marija, viņa māte, Jāzepam bija saderēta, pirms tie nāca kopā, tā atradās grūta no Svētā Gara. **19** Bet Jāzeps, viņas vīrs, taisns būdams un negribēdams tai kaunu darīt, gribēja to slepeni atstāt. **20** Bet viņam tā savā prātā domājot, redzi, Tā Kunga eņģelis sapnī parādījās sacīdams: Jāzep, tu Dāvida dēls, nebīsties, Mariju, savu sievu, ņemt pie sevis; jo kas iekš tās dzimis, tas ir no Svētā Gara. **21** Un viņa dzemdēs dēlu, un Tā vārdu tev būs saukt Jēzus; jo Viņš izpestīs Savus ļaudis no viņu grēkiem. **22** Bet viss tas ir noticis, lai piepildītos, kas runāts no Tā Kunga caur to pravieti, kas saka: **23** "Redzi, tā jumprava būs grūta un dzemdēs Dēlu, un Viņa vārdu sauks Immanuels," tas ir tulkots: "Dievs ar mums." **24** Bet Jāzeps no miega uzmodies darīja, kā viņam Tā Kunga eņģelis bija pavēlējis, un ņēma savu sievu pie sevis; **25** Un viņu neatzina, līdz kamēr viņa bija dzemdējusi savu pirmdzimto Dēlu, un nosauca Viņa vārdu Jēzus.

2 Un kad Jēzus bija dzimis Bētlemē iekš Jūdu zemes ķēniņa Hērodus laikā, redzi, tad gudri (vīri) no austruma zemes nāca uz Jeruzālemi un sacīja: **2** Kur ir Tas piedzimušais Jūdu ķēniņš? Jo mēs Viņa zvaigzni esam redzējuši austruma zemē un nākuši, Viņu pielūgt. **3** Kad ķēniņš Hērodus to dzirdēja, tad viņš izbijās un visa Jeruzāleme līdz ar viņu. **4** Un saaicinājis visus Jūdu augstos priesterus un rakstu mācītājus, viņš izklausināja no tiem, kur Kristum bija dzimt. **5** Un tie tam sacīja: "Bētlemē iekš Jūdu zemes; jo tā ir rakstīts caur to pravieti: **6** "Un tu, Bētleme Jūdu zemē, tu nebūt neesi tā mazākā starp tiem lieliem kungiem no Jūda; jo no tevis nāks Tas Valdnieks, kas valdīs pār Maniem Israēla ļaudīm."" **7** Tad Hērodus paslepen aicināja tos gudros un īsteni izklausināja no tiem to laiku, kad tā zvaigzne atspīdējusi. **8** Un viņš tos sūtīja uz Bētlemi un sacīja: ejat un izklausinājiet it labi par To Bērnu un To atraduši atsakāt man, ka arī es nāku, To pielūgt. **9** Tie nu to ķēniņu dzirdējuši aizgāja. Un redzi, tā zvaigzne, ko tie austruma zemē bija redzējuši, gāja tiem priekšā, kamēr tā nāca un apstājās virsū, kur Tas Bērns bija. **10** Un to zvaigzni ieraudzījuši, tie priecājās ar varen lielu prieku. **11** Un namā iegājuši, tie atrada To Bērnu līdz ar Mariju, Viņa māti, un pie zemes mezdamies tie Viņu pielūdza; pēc tam, savu mantu atdarījuši, tie To apdāvināja ar zeltu un vīraku un mirrēm. **12** Un Dievs tiem parādīja sapnī, lai negriežās atpakaļ pie Hērodus; un tie aizgāja pa citu ceļu uz savu zemi. **13** Bet kad tie bija aizgājuši, redzi, tad Dieva eņģelis Jāzepam parādījās sapnī un sacīja: celies un ņem To Bērnu un Viņa māti un bēdz uz Ēģiptes zemi un paliec tur, kamēr es tev sacīšu; jo Hērodus meklē To Bērnu nomaitāt. **14** Un cēlies viņš ņēma To Bērnu un Viņa māti nakts laikā un aizgāja uz Ēģiptes zemi, **15** Un palika turpat, līdz kamēr Hērodus bija miris; ka piepildītos, ko Tas Kungs caur to pravieti bija runājis, kas saka: "No Ēģiptes zemes Es Savu Dēlu esmu aicinājis." **16** Kad nu Hērodus redzēja, ka bija piekrāpts no tiem gudriem, tad viņš ļoti apskaitās un izsūtījis apkāva visus bērnus Bētlemē un pa visu Bētlemes tiesu, divus gadus vecus un vēl jaunākus, pēc tā laika, ko tas no tiem gudriem īsteni bija izklausinājis. **17** Tad piepildījās, ko pravietis Jeremija runājis sacīdams: **18** "Brēkšana

Matayo

1 Tala molongo ya mbotama ya Yesu-Klisto, mokitani ya
Davidi mpe ya Abrayami: **2** Abrayami abotaki Izaki; Izaki
abotaki Jakobi; Jakobi abotaki Yuda mpe bandeko na ye ya
mibali; **3** Yuda abotaki Peretsi mpe Zera na nzela ya Tamari,
mwasi na ye; Peretsi abotaki Etsironi; Etsironi abotaki Arami;
4 Arami abotaki Aminadabi; Aminadabi abotaki Nashoni,
mpe Nashoni abotaki Salima; **5** Salima abotaki Boazi na
nzela ya Raabi, mwasi na ye; Boazi abotaki Obedi na nzela
ya Rite, mwasi na ye; Obedi abotaki Izayi, **6** mpe Izayi
abotaki mokonzi Davidi. Davidi abotaki Salomo na nzela ya
mwasi ya Uri; **7** Salomo abotaki Roboami; Roboami abotaki
Abiya; Abiya abotaki Asa; **8** Asa abotaki Jozafati; Jozafati
abotaki Yorami; Yorami abotaki Oziasi; **9** Oziasi abotaki
Yotami; Yotami abotaki Akazi; Akazi abotaki Ezekiasi; **10**
Ezekiasi abotaki Manase; Manase abotaki Amoni; Amoni
abotaki Joziasi; **11** Joziasi abotaki Yekonia mpe bandeko na
ye ya mibali wana bana ya Isalaele bakendeki na bowumbu,
na Babiloni. **12** Sima na bana ya Isalaele kokende na
bowumbu, na Babiloni, Yekonia abotaki Shealitieli; Shealitieli
abotaki Zorobabeli; **13** Zorobabeli abotaki Abiwudi; Abiwudi
abotaki Eliakimi; Eliakimi abotaki Azori; **14** Azori abotaki
Tsadoki; Tsadoki abotaki Akimi; Akimi abotaki Eliwudi; **15**
Eliwudi abotaki Eleazari; Eleazari abotaki Matani; Matani
abotaki Jakobi; **16** Jakobi abotaki Jozefi, mobali ya Mari;
mpe Mari azalaki mama ya Yesu oyo babengaka Klisto.
17 Kobanda na Abrayami kino na Davidi, elekaki bikeke
zomi na minei; kobanda na Davidi kino na tango oyo bana
ya Isalaele bakendeki na bowumbu, na Babiloni, elekaki
lisusu bikeke zomi na minei; mpe kobanda na bowumbu,
na Babiloni, kino na Klisto, elekaki lisusu bikeke zomi na
minei. **18** Tala ndenge nini Yesu-Klisto abotamaki: Mari,
mama na Ye, azalaki mobandami ya libala na Jozefi; kasi
liboso ete bavanda ndako moko, Mari akomaki na zemi na
nguya ya Molimo Mosantu. **19** Jozefi, mobandami na ye ya
libala, azalaki moto ya sembo. Boye, lokola Jozefi alingaki
te koyokisa Mari soni na miso ya bato, azwaki mokano ya
koboya Mari na kimia. **20** Wana Jozefi azalaki kokanisa
makambo yango, anjelu na Nkolo abimelaki ye kati na ndoto
mpe alobaki na ye: « Jozefi, mokitani ya Davidi, kobanga te
kobala Mari; pamba te zemi oyo azali na yango ewuti na
Molimo Mosantu. **21** Akobota mwana mobali mpe okopesa
Ye kombo Yesu, pamba te akobikisa bato na Ye na masumu
na bango. » **22** Makambo wana nyonso esalemaki mpo na
kokokisa maloba oyo Nkolo alobaki na nzela ya mosakoli: **23**
« Elenge mwasi oyo ayebi nanu nzoto ya mibali te akokoma
na zemi mpe akobota mwana mobali, bongo bakopesa Ye
kombo Emanwele oyo elingi koloba: Nzambe elongo na biso.
» **24** Tango Jozefi alamukaki, asalaki makambo oyo anjelu
na Nkolo atindaki ye kosala mpe azwaki Mari lokola mwasi
na ye. **25** Kasi Jozefi asangisaki nzoto te na Mari kino tango
Mari abotaki mwana mobali; mpe Jozefi apesaki Ye kombo
Yesu.

2 Yesu abotamaki na Beteleemi ya Yuda, wana Erode
azalaki mokonzi. Na tango yango, bato ya mayele oyo
bawutaki na este bayaki na Yelusalemi **2** mpe batunaki:
« Mokonzi ya Bayuda oyo abotami azali wapi? Tomonaki
monzoto na Ye kobima, yango wana toyei kogumbamela
Ye. » **3** Tango mokonzi Erode ayokaki bongo, motema na
ye etungisamaki makasi elongo na Yelusalemi mobimba. **4**
Abengaki mpe asangisaki bakonzi nyonso ya Banganga-
Nzambe mpe balakisi ya Mobeko; atunaki bango: — Klisto
asengeli kobotama wapi? **5** Bazongiselaki ye: — Na
Beteleemi ya Yuda, pamba te mosakoli akoma: **6** « Bongo yo,
Beteleemi, kati na mabele ya Yuda, ozali solo moke te kati na
bingumba ya Yuda, pamba te Mokonzi oyo, lokola Mobateli
bibwele, akotambolisa bato na Ngai, Isalaele, akobima nde
kati na yo. » **7** Bongo, Erode abengaki bato ya mayele na
nkuku mpe alukaki koyeba epai na bango tango nini monzoto
ebimaki. **8** Boye, atindaki bango na Beteleemi; alobaki:
— Bokende koluka malamu mwana yango, na Beteleemi;
tango kaka bokomona ye, boyebisa ngai mpo ete ngai mpe
nakende kogumbamela ye. **9** Sima na bango koyoka maloba
ya mokonzi, bakobaki nzela na bango. Bamonaki lisusu
monzoto oyo ewutaki kobima na este: monzoto yango ezalaki
kotambola liboso na bango kino ekendeki kotelema na likolo
ya esika oyo Mwana azalaki. **10** Tango kaka bamonaki lisusu
monzoto yango, batondisamaki na esengo. **11** Bakomaki na
ndako yango, bamonaki Mwana elongo na Mari, mama na
Ye, mpe bagumbamelaki Ye; bongo bafungolaki mabenga
na bango mpe babonzelaki Ye biloko oyo lokola bakado:
wolo, malasi ya ansa mpe mire. **12** Sima na yango, Nzambe
akebisaki bango kati na ndoto ete bazonga lisusu te epai
ya Erode. Boye, bazongaki na mboka na bango na nzela
mosusu. **13** Sima na bato ya mayele kokende, anjelu na
Nkolo abimelaki Jozefi kati na ndoto mpe alobaki na ye: «
Telema, kamata Mwana elongo na mama na Ye; bokima na
Ejipito mpe bowumela kuna kino tango nakoyebisa yo lisusu
ete bozonga, pamba te Erode akoluka koboma Mwana. »
14 Jozefi atelemaki, azwaki Mwana elongo na mama na
Ye, kaka na butu wana, mpe akimaki na Ejipito **15** epai
wapi awumelaki kino na kufa ya Erode, mpo ete makambo
oyo Nkolo alobaki na nzela ya mosakoli ekokisama: « Wuta
na Ejipito, nabengaki mwana na Ngai. » **16** Tango Erode
asosolaki ete bato ya mayele bakosi ye, atombokaki makasi
mpe apesaki mitindo ete baboma bana mike nyonso ya
mibali ya mibu mibale kino na se, oyo bazalaki na Beteleemi
mpe na zingazinga na yango, kolanda tango oyo bato ya
mayele bayebisaki ye na tina na eleko oyo monzoto ebimaki.
17 Boye nde ekokisamaki makambo oyo mosakoli Jeremi
alobaki: **18** « Makelele moko eyokani na Rama, makelele ya
kolela makasi mpe ya matanga: Rasheli azali kolela bana na
ye; aboyi kobondisama, pamba te bazali lisusu na bomoi
te. » **19** Sima na kufa ya Erode, anjelu na Nkolo abimelaki
Jozefi kati na ndoto, kuna na Ejipito, **20** mpe alobaki na ye: «
Telema, kamata Mwana elongo na mama na Ye, mpe zonga
kati na mokili ya Isalaele, pamba te bato oyo bazalaki koluka
koboma Mwana basili kokufa. » **21** Jozefi atelemaki, azwaki
Mwana elongo na mama na Ye mpe akendeki na mokili ya
Isalaele. **22** Kasi tango ayokaki ete Arikelawusi akitanaki
na tata na ye, Erode, na bokonzi kati na Yuda, abangaki
kokende kuna; kasi Nzambe akebisaki Jozefi kati na ndoto,
mpe Jozefi akendeki kati na etuka ya Galile **23** epai wapi
avandaki kati na engumba Nazareti, mpo ete makambo

Jono

1 Pradžioje buvo Žodis, ir Žodis buvo pas Dievą, ir Žodis buvo Dievas. **2** Tasai buvo pradžioje pas Dievą. **3** Kiekviena visatos dalis atsirado per jį, ir be jo neatsirado nieko, kas tik yra atsiradę. **4** Jame buvo gyvybė, ir ta gyvybė buvo žmonių Šviesa. **5** Ir Šviesa nuolat šviečia tamsoje, tačiau tamsa jos nepagavo. **6** Atsirado nuo Dievo atsiųstas žmogus, vardu Jonas. **7** Tasai atėjo tam, kad būtų liudijimas, – kad liudytų apie Šviesą, idant visi per jį įtikėtų. **8** Jis nebuvo ta Šviesa, bet [buvo pasiųstas] liudyti apie tą Šviesą. **9** Tikroji Šviesa buvo [ta], kuri apšviečia kiekvieną žmogų, ateinantį į pasaulį. **10** Jis buvo pasaulyje, ir pasaulis atsirado per jį, bet pasaulis jo nepažinojo. **11** Į savo nuosavybę jis atėjo, ir savieji jo nepriėmė. **12** Bet visiems, kurie jį priėmė, tiems jis davė įgaliojimą tapti Dievo vaikais – tiems, kurie pasitiki jo vardu, **13** kurie yra pagimdyti nei iš kraujo, nei iš kūno valios, nei iš vyro valios, bet iš Dievo. **14** O tas Žodis tapo kūnu ir apsigyveno tarp mūsų – ir mes matėme jo šlovę, būtent Viengimio nuo Tėvo šlovę – pilnas malonės ir tiesos. **15** Jonas liudijo apie jį ir šaukė, sakydamas: „Šitas buvo tas, apie kurį kalbėjau [šitaip]: „Tas, kuris ateina po manęs, yra viršesnis už mane, nes jis buvo anksčiau už mane“.“ **16** Ir mes visi iš jo pilnatvės gavome ir malonę, pakeičiančią malonę, **17** nes Įstatymas buvo duotas per Mozę; malonė ir tiesa atėjo per Jėzų Kristų. **18** Dievo niekas niekada nėra matęs; viengimis Sūnus, kuris yra Tėvo užantyje, – tas [jį] apsakė. **19** Ir šitas yra Jono liudijimas, kai žydai iš Jeruzalės siuntė kunigų ir levitų jo paklausti: „Kas tu esi?“ **20** Ir jis išpažino ir neišsisukinėjo, bet išpažino: „Aš nesu Kristus.“ **21** Ir jie paklausė jo: „[Tai] kas gi? Ar tu Elijas?“O jis sako: „Nesu.“„Ar tu tas Pranašas?“Ir jis atsakė: „Ne.“ **22** Tada jie tarė jam: „Kas tu esi, kad mes galėtume duoti atsakymą tiems, kurie mus siuntė? Ką sakai apie save?“ **23** Jis tarė: „Aš [esu] dykumoje šaukiančiojo balsas: „Darykite VIEŠPAČIUI tiesų kelią“, kaip sakė pranašas Izaijas.“ **24** O atsiųstieji buvo iš fariziejų. **25** Ir jo paklausdami jie jam tarė: „Tai kodėl krikštiji, jei nesi Kristus, nei Elijas, nei tas Pranašas?“ **26** Jonas jiems atsakė, tardamas: „Aš krikštiju vandeniu, bet tarp jūsų stovi tas, kurio jūs nepažįstate. **27** Jis yra tas, kuris ateina po manęs, kuris yra viršesnis už mane, kurio apavo dirželio aš nesu vertas atrišti.“ **28** Šie dalykai įvyko Betabaroje anapus Jordano, kur Jonas krikštydavo. **29** Rytojaus dieną Jonas pamatė ateinantį pas jį Jėzų ir pasakė: „Štai Dievo Avinėlis, kuris pašalina pasaulio nuodėmę! **30** Šitas yra tas, apie kurį aš sakiau: „Po manęs ateina vyras, kuris yra viršesnis už mane, nes jis buvo anksčiau už mane.“ **31** Ir aš jo nepažinojau, bet todėl atėjau krikštydamas vandeniu, – kad jis būtų apreikštas Izraeliui.“ **32** Ir Jonas paliudijo, sakydamas: „Aš mačiau Dvasią, lyg balandį nusileidžiančią iš dangaus, ir ji pasiliko ant jo. **33** Ir aš jo nepažinojau, bet tas, kuris mane siuntė krikštyti vandeniu, man pasakė: „Ant ko pamatysi nusileidžiančią Dvasią, taip pat ant jo pasiliekančią, jis yra [tas], kuris krikštija Šventąja Dvasia.“ **34** Ir aš esu matęs ir esu liudijęs, kad šitas yra Dievo Sūnus.“ **35** Rytojaus dieną vėl stovėjo Jonas ir du iš jo mokytinių, **36** ir žiūrėdamas į einantį Jėzų jis sako: „Štai Dievo Avinėlis!“ **37** Tuodu mokytiniai girdėjo jį [tai] kalbant ir nusekė paskui Jėzų. **38** Tada Jėzus, atsigręžęs ir pamatęs juos sekančius, tarė jiems: „Ko ieškote?“O jie tarė jam: „Rabi, – (verčiant būtų pasakyta „Mokytojau“) – kur tamsta gyveni?“ **39** Jis pasakė jiems: „Ateikite ir pamatykite.“Jie atėjo ir pamatė, kur jis gyvena, ir tą dieną pasiliko pas jį. O buvo apie dešimtą valandą. **40** Vienas iš tų dviejų, kurie buvo girdėję [tai] iš Jono ir nusekę paskui [Jėzų], buvo Simono Petro brolis Andriejus. **41** Jis pirmas susiieškojo savo brolį Simoną ir jam pasakė: „Mes radome Mesiją!“(Išvertus tai reiškia „Kristų“). **42** Ir jis atvedė jį pas Jėzų, o įbedęs akis į jį Jėzus tarė: „Tu esi Simonas, Jonos sūnus. Tu būsi vadinamas Kefu.“(Verčiant [tai] yra „Petras“.) **43** Rytojaus dieną Jėzus norėjo eiti į Galilėją. Ir jis surado Pilypą ir jam tarė: „Sek paskui mane!“ **44** O Pilypas buvo iš Betsaidos, Andriejaus ir Petro miesto. **45** Pilypas surado Natanaelį ir jam pasakė: „Mes suradome tą, apie kurį rašė Mozė įstatyme, taip pat pranašai – Jėzų iš Nazareto, Juozapo sūnų.“ **46** O Natanaelis jam tarė: „Ar iš Nazareto gali būti kas gero?!“Pilypas jam sakė: „Ateik ir pasižiūrėk!“ **47** Jėzus pamatė Natanaelį, ateinantį pas jį, ir pasakė apie jį: „Štai tikras izraelitas, kuriame nėra klastos!“ **48** Natanaelis jam tarė: „Iš kur mane pažinai?“Jėzus atsakydamas tarė jam: „Prieš Pilypui pašaukiant tave, kai buvai

मत्ती

1 अब्राहम की सन्तान, दाऊद की सन्तान, अऊर यीशु मसीह
की लिखित वंशावली। **2** अब्राहम सी इसहाक पैदा भयो,
इसहाक सी याकूब, याकूब सी यहूदा अऊर ओको भाऊ पैदा
भयो, **3** यहूदा अऊर तामार सी फिरिस अऊर जोरह पैदा
भयो, फिरिस सी हिस्रोन, अऊर हिस्रोन सी एराम, **4** एराम
सी अम्मीनादाब, अम्मीनादाब सी नहशोन, अऊर नहशोन सी
सलमोन, **5** सलमोन अऊर राहब सी बोअज, बोअज अऊर रूत
सी ओबेद, अऊर ओबेद सी यिशै, **6** अऊर यिशै सी दाऊद
राजा। अऊर दाऊद सी सुलैमान वा बाई सी पैदा भयो जो पहिले
उरिय्याह की पत्नी होती, **7** सुलैमान सी रहबाम पैदा भयो,
रहबाम सी अबिय्याह, अऊर अबिय्याह सी आसा, **8** आसा सी
यहोशाफात, यहोशाफात सी योराम, अऊर योराम सी उज्जियाह
पैदा भयो, **9** अऊर उज्जियाह सी योताम, योताम सी आहाज,
अऊर आहाज सी हिजकिय्याह, **10** हिजकिय्याह सी मनश्शिह,
मनश्शिह सी आमोन, अऊर आमोन सी योशिय्याह पैदा भयो,
11 अऊर बन्दी होय क बेबीलोन जान को समय म योशिय्याह
सी यकुन्याह, अऊर ओको भाऊ पैदा भयो। **12** बन्दी बेबीलोन
पहुंचाय जान को बाद यकुन्याह सी शालतिएल पैदा भयो,
अऊर शालतिएल सी जरुब्बाबिल, **13** अऊर जरुब्बाबिल सी
अबीहूद, अबीहूद सी इल्याकीम, अऊर इल्याकीम सी अजोर,
14 अऊर अजोर सी सदोक, सदोक सी अखीम, अऊर अखीम
सी इलीहूद, **15** इलीहूद सी इलियाजार, इलियाजार सी मत्तान,
अऊर मत्तान सी याकूब, **16** याकूब सी यूसुफ पैदा भयो, जो
मरियम को पति होतो, अऊर मरियम सी यीशु पैदा भयो, जो
मसीह कहलावय हय। **17** यो तरह अब्राहम सी दाऊद तक चौदा
पीढ़ी भयी, अऊर दाऊद को समय सी बेबीलोन ख बन्दी होय
क पहुंचायो जानो तक चौदा पीढ़ी भयी, अऊर बन्दी होय क
बेबीलोन ख पहुंचायो जानो को समय सी मसीह तक चौदा पीढ़ी
भयी। **18** यीशु मसीह को जनम यो तरह सी भयो, कि जब
ओकी माय मरियम की मंगनी यूसुफ को संग भय गयी, त
उन्को एक तन होन सी पहिलेच वा पवित्र आत्मा को तरफ
सी गर्भवती पायी गयी। **19** येकोलायी ओको पति यूसुफ न
जो सच्चो होन को वजह ओख बदनाम नहीं करन की इच्छा
सी चुपचाप सी ओख छोड़ देन को बिचार करयो। **20** जब ऊ
यो बातों ख सोच रह्यो होतो त प्रभु को स्वर्गदूत ओख सपनो
म दिखायी दे क कहन लग्यो, “हे यूसुफ! दाऊद की सन्तान,
तय मरियम ख अपनी पत्नी बनानो सी मत डर, कहालीकि
जो ओको गर्भ म हय, ऊ पवित्र आत्मा को तरफ सी हय। **21**
वा बेटा ख जनम देयेंन अऊर तय ओको नाम यीशु रखजो,
कहालीकि ऊ अपनो लोगों ख उन्को पापों सी बचायेंन।” **22** यो
पूरो येकोलायी भयो कि जो वचन प्रभु न भविष्यवक्ता को द्वारा
कह्यो होतो, ऊ पूरो हो: **23** “देखो, एक कुंवारी गर्भवती होयेंन
अऊर एक बेटा ख जनम देयेंन, अऊर ओको नाम इम्मानुएल
रख्यो जायेंन,” जेको मतलब हय “परमेश्वर हमरो संग।” **24** तब
यूसुफ नींद सी जाग क प्रभु को स्वर्गदूत को आज्ञानुसार ओख
अपनो घर बिहाव कर क् लायो; **25** अऊर मरियम को जवर तब
तक नहीं गयो जब तक ओन बेटा ख जनम नहीं दियो। अऊर
यूसुफ न ओको नाम यीशु रख्यो।

2 हेरोदेस राजा को दिनो म जब यहूदिया प्रदेश को बैतलहम
गांव म यीशु को जनम भयो, त पूर्व दिशा सी कुछ जोतिषी
यरूशलेम म आय क पूछन लग्यो, **2** “यहूदियों को राजा जेको
जनम भयो हय, कित हय? कहालीकि हम्न पूर्व दिशा म ओको
तारा देख्यो हय अऊर ओख दण्डवत प्रनाम करन आयो हंय।” **3**
राजा हेरोदेस न यो सुन्यो त ऊ अऊर ओको संग पूरो यरूशलेम
घबराय गयो। **4** तब ओन लोगों को पूरो मुख्य याजकों अऊर
धर्मशास्त्रियों ख जमा कर क् उन्को सी पुच्छ्यो, “मसीह को
जनम कित होनो चाहिये?” **5** उन्न ओको सी कह्यो, “यहूदिया
प्रदेश को बैतलहम गांव म, कहालीकि भविष्यवक्ता को द्वारा
असो लिख्यो गयो हय: **6** “हे बैतलहम गांव, तय जो यहूदा को
प्रदेश म हय, तय यहूदा को अधिकारियों म कोयी सी छोटो
नहाय, कहालीकि तोरो म सी एक शासक निकलेंन जो मोरी
प्रजा इस्राएल को रखवाली करेंन।” **7** तब हेरोदेस न जोतिषियों
ख चुपचाप सी बुलाय क उन्को सी पुच्छ्यो कि तारा ठीक
कौन्सो समय दिखायी दियो होतो, **8** अऊर यो कह्य क उन्ख
बैतलहम भेज्यो, “जावो, ऊ बालक को बारे म ठीक-ठीक
मालूम करो, अऊर जब ऊ मिल जायेंन त मोख खबर देवो ताकि
मय भी आय क ओख प्रनाम करूं।” **9** हि राजा की बात सुन क
चली गयो, अऊर जो उच तारा उन्न पूर्व दिशा म देख्यो होतो ऊ
उन्को आगु आगु चलन लग्यो; अऊर जित बच्चा होतो, ऊ जागा
को ऊपर पहुंच क रूक गयो। **10** ऊ तारा ख देख क हि बहुत
खुश भयो। **11** जोतिषियों न ऊ घर म जाय क ऊ बच्चा ख
ओकी माय मरियम को संग देख्यो, अऊर झुक क बच्चा ख
नमस्कार करयो, अऊर अपनो-अपनो झोली खोल क ओख
सोना, लुबान, अऊर गन्धरस की भेंट चढ़ायो। **12** तब सपनो म
परमेश्वर सी या चेतावनी पा क कि राजा हेरोदेस को जवर फिर
नहीं लौटजो, हि दूसरी रस्ता सी अपनो देश ख चली गयो। **13**
जब हि चली गयो त, प्रभु को एक दूत न सपनो म यूसुफ ख
दिखायी दे क कह्यो, “उठ, ऊ बच्चा ख अऊर ओकी माय ख ले
क मिस्र देश ख निकल जा; अऊर जब तक मय तोरो सी नहीं
कहूं, तब तक उतच रहजो; कहालीकि हेरोदेस राजा यो बच्चा
ख ढूंढन पर हय कि ओख मरवाय डाले।” **14** तब ऊ रात मच
उठ क बच्चा अऊर ओकी माय ख ले क मिस्र ख चली गयो,
15 अऊर हेरोदेस को मरन तक उतच रह्यो। येकोलायी कि ऊ
वचन जो प्रभु न भविष्यवक्ता को द्वारा कह्यो होतो पूरो भयो:
“मय न अपनो बेटा ख मिस्र सी बुलायो।” **16** जब हेरोदेस न
यो देख्यो, कि जोतिषियों न ओको संग धोका करयो हय, तब

Matayo

1 Luno lwe lulyo lwa Yesu Kristo, omwana wa Dawudi
omwana wa Ibulayimu: **2** Ibulayimu yazaala Isaaka,
Isaaka n'azaala Yakobo, Yakobo n'azaala Yuda ne baganda
be. **3** Yuda n'azaala Pereezi ne Zeera mu Tamali,
Pereezi n'azaala Kezirooni, Kezirooni n'azaala Laamu.
4 Laamu yazaala Aminadaabu, Aminadaabu n'azaala
Nasoni, Nasoni n'azaala Salumooni. **5** Salumooni yazaala
Bowaazi mu Lakabu, Bowaazi n'azaala Obedi mu Luusi.
Obedi n'azaala Yese. **6** Yese yazaala Kabaka Dawudi.
Dawudi n'azaala Sulemaani mu eyali muka Uliya. **7**
Sulemaani yazaala Lekobowaamu, Lekobowaamu n'azaala
Abiya, Abiya n'azaala Asa. **8** Asa n'azaala Yekosafaati,
Yekosafaati n'azaala Yolaamu, Yolaamu n'azaala Uzziya.
9 Uzziya n'azaala Yosamu, Yosamu n'azaala Akazi,
Akazi n'azaala Keezeekiya. **10** Keezeekiya n'azaala
Manaase, Manaase n'azaala Amosi, Amosi n'azaala
Yosiya. **11** Yosiya n'azaala Yekoniya ne baganda be mu
kiseera eky'okutwalibwa e Babulooni. **12** Nga bamaze
okutwalibwa e Babulooni: Yekoniya n'azaala Seyalutyeri,
Seyalutyeri n'azaala Zerubbaberi. **13** Zerubbaberi n'azaala
Abiwuudi, Abiwuudi n'azaala Eriyakimu, Eriyakimu n'azaala
Azoli. **14** Azoli n'azaala Zadooki, Zadooki n'azaala
Akimu, Akimu n'azaala Eriwuudi. **15** Eriwuudi n'azaala
Eriyazaali, Eriyazaali n'azaala Mataani, Mataani n'azaala
Yakobo. **16** Yakobo n'azaala Yusufu, oyo ye bba wa
Maliyamu eyazaala Yesu ayitibwa Kristo. **17** Noolwekyo
emirembe gyonna okuva ku Ibulayimu okutuuka ku
Dawudi gyali kkumi n'ena, era okuva ku Dawudi okutuuka
ku kuwaŋŋaangusibwa e Babulooni, emirembe kkumi
n'ena, era okuva ku kuwaŋŋaangusibwa e Babulooni
okutuuka ku Kristo, nagyo emirembe kkumi n'ena. **18**
Okuzaalibwa kwa Yesu Kristo kwali bwe kuti: Maliyamu
nnyina bwe yali ng'akyayogerezebwa Yusufu, era nga
tebanaba kufumbiriganwa n'alabika ng'ali lubuto ku bwa
Mwoyo Omutukuvu. **19** Awo Yusufu eyali amwogereza,
olwokubanga yali muntu mulungi n'asalawo mu mutima
gwe okumuleka, naye ng'ayagala akikole mu kyama
aleme kukwasa Maliyamu nsonyi. **20** Naye bwe yali
ng'agalamidde ku kitanda kye ng'akyabirowoozaako, n'afuna
ekirooto; n'alaba malayika wa Mukama ng'ayimiridde w'ali,
n'amugamba nti, "Yusufu, omwana wa Dawudi, totya
kutwala Maliyamu okuba mukazi wo! Kubanga olubuto
lw'alina yalufuna ku bwa Mwoyo Mutukuvu. **21** Era
alizaala Omwana wabulenzi, olimutuuma erinnya Yesu,
(amakulu nti, 'Omulokozi') kubanga y'alirokola abantu bonna
mu bibi byabwe." **22** Bino byonna byabaawo kisobole
okutuukirira ekyayogerwa Mukama ng'ayita mu nnabbi
we ng'agamba nti, **23** "Laba omuwala atamanyi musajja
aliba olubuto, alizaala omwana wabulenzi, era aliyitibwa
Emmanweri." Amakulu gaalyo nti, "Katonda ali naffe."
24 Yusufu bwe yazuukuka, n'akola nga Malayika bwe
yamulagira, n'atwala Maliyamu okuba mukazi we. **25**
Naye Yusufu n'atamumanya okutuusa lwe yamala okuzaala
Omwana. Yusufu n'amutuuma erinnya Yesu.

2 Yesu bwe yazaalibwa mu kibuga Besirekemu eky'omu
Buyudaaya, ku mulembe gwa Kabaka Kerode, abasajja
abagezigezi, abaava ebuvanjuba ne bajja mu Yerusaalemi,
nga babuuza nti, **2** "Aliwa eyazaalibwa nga Kabaka
w'Abayudaaya? Kubanga twalaba emmunyeenye ye nga
tuli mu buvanjuba, era tuzze okumusinza." **3** Awo Kabaka
Kerode bwe yabiwulira ne bimweraliikiriza nnyo, era ne
bonna abaali mu Yerusaalemi. **4** N'ayita bakabona abakulu
bonna n'abawandiisi b'amateeka n'abeebuuzaako ekifo
Kristo gye yali agenda okuzaalibwa. **5** Ne bamuddamu
nti, "Mu Besirekemu eky'omu Buyudaaya, kyawandiikibwa
nnabbi nti, **6** "'Naawe Besirekemu ekya Yuda, toli mutono
mu balangira ba Yuda, kubanga omufuzi aliva mu ggwe,
alifuga abantu bange Isirayiri.'" **7** Awo Kerode n'atumya
Abagezigezi kyama, n'ababuuza ebiro emmunyeenye bye
yalabikiramu. **8** N'abasindika e Besirekemu ng'agamba nti,
"Mugende mubuulirize ebikwata ku mwana. Bwe mumulaba,
mukomeewo muntegeeze, nange ŋŋende musinze!" **9**
Bwe baamala okuwulira Kabaka bye yabagamba ne
bagenda. Bwe baafuluma, emmunyeenye eri gye baalaba
ebuvanjuba n'eddamu okubalabikira n'okubakulembera,
okutuusa lwe yayimirira waggulu Omwana w'ali. **10** Bwe
baalaba emmunyeenye ng'eyimiridde, essanyu lyabwe ne
libeera lingi nnyo! **11** Bwe baayingira mu nnyumba ne balaba
Omwana ne Maliyamu nnyina ne bavuunama ne basinza
Omwana. Ne basumulula ensawo zaabwe, ne bamutonera
ebirabo, zaabu, n'obubaane n'omugavu. **12** Awo bwe
baalabulibwa mu kirooto baleme kuddayo wa Kerode, bwe
batyo ne baddayo ewaabwe nga bayita mu kkubo eddala.
13 Awo abagezigezi bwe baamala okugenda, malayika
wa Mukama n'alabikira Yusufu mu kirooto n'amugamba
nti, "Golokoka oddusize Omwana ne nnyina e Misiri,
mubeere eyo okutuusa lwe ndibalagira okudda. Kubanga
Kerode ajja kunoonya Omwana ng'ayagala okumutta."
14 Ekiro ekyo n'asituka n'atwala Omwana ne nnyina e
Misiri. **15** Ne babeera eyo okutuusa Kerode bwe yafa.
Mukama kye yayogerera mu nnabbi we ne kituukirira,
bwe yagamba nti: "Nayita Omwana wange okuva mu
Misiri." **16** Kerode bwe yalaba ng'Abagezigezi banyoomye
ekiragiro kye, n'asunguwala nnyo, n'atuma abaserikale
e Besirekemu ne mu byalo byakyo batte abaana bonna
aboobulenzi ab'emyaka ebiri n'abatannagiweza, ng'asinziira
ku bbanga abagezigezi lye baali bamutegeezeza mwe
baalabira emmunyeenye. **17** Awo ekigambo nnabbi
Yeremiya kye yayogera ne kiryoka kituukirira ng'agamba nti,
18 "Eddoboozi lyawulirwa mu Laama, okukuba emiranga
n'okukungubaga okunene, nga Laakeeri akaabira abaana
be, nga tewakyali asobola kumuwooyawooya, kubanga
bonna baweddewo." **19** Kerode bwe yamala okufa malayika
wa Mukama n'alabikira Yusufu mu kirooto e Misiri, **20**
n'amugamba nti, "Golokoka ozzeeyo Omwana ne nnyina mu
Isirayiri, kubanga abaali baagala okutta Omwana bafudde."
21 Yusufu n'asitukiramu n'azzaayo Omwana ne nnyina mu
nsi ya Isirayiri. **22** Naye bwe yatuuka mu kkubo n'atya nnyo
bwe yawulira nga Alukerawo mutabani wa Kerode ye yali
alidde obwakabaka. Mukama n'amulabulira nate mu kirooto
aleme kugenda Buyudaaya, bw'atyo n'alaga e Ggaliraaya

मत्ती

1 ये यीशु मसीह रे पुर्वजा रे नाओं ए जो राजा दाऊद और
अब्राहमो रे वंशो रे थे। **2** अब्राहमो ते इसहाक ऊआ;
इसहाको ते याकूब ऊआ, याकूबो ते यहूदा और तेसरे ओर बी
बऊत पाई ऊए। **3** यहूदा री लाड़ी तामारा ते फिरिस और जोरह
ऊआ, फिरिसो ते हिस्रोन जम्मेया और हिस्रोनो ते एराम ऊआ,
4 एरामो ते अम्मीनादाब ऊआ, अम्मीनादाबो ते नहशोन ऊआ
और नहशोनो ते सलमोन ऊआ। **5** सलमोन और तेसरी लाड़ी
राहाबा ते बोअज ऊआ, बोअज और रूता ते ओबेद ऊआ और
ओबेदो ते यिशै ऊआ। **6** यिशै ते दाऊद राजा जम्मेया। दाऊदो
ते सुलेमान तेसा जवाणसा ते ऊआ, जो पईले ऊरिय्याहो री
लाड़ी थी। **7** सुलेमानो ते रहबाम ऊआ, रहबामो ते अबिय्याह
ऊआ, अबिय्याहो ते आसा ऊआ, **8** आसा ते यहोशफात
ऊआ, यहोशफातो ते योराम और योरामो ते उज्जियाह ऊआ।
9 उज्जियाहो ते योताम, योतामो ते आहाज और आहाजो ते
हिजिकिय्याह ऊआ। **10** हिजिकिय्याहो ते मनश्शिह, मनश्शिहो
ते आमोन और आमोनो ते योशिय्याह ऊआ। **11** इस्राएली लोका
खे बेबीलोनो खे बन्दी बणाई की लई जाणे ते पईले योशिय्याहो
रे पोते यकुन्याह और तेसरे पाई ऊए। **12** बन्दी ऊई की
बेबीलोनो रे पऊँछाणे ते बाद यकुन्याहो ते शालतिएल जम्मेया
और शालतिएलो रा पोता जरूब्बाबिल ऊआ। **13** जरूब्बाबिलो
ते अबीहूद, अबीहूदो ते इल्याकीम और इल्याकीमो ते अजोर
ऊआ। **14** अजोरो ते सदोक, सदोको ते अखीम और अखीमो ते
इलीहूद ऊआ। **15** इलीहूदो ते इलियाजार, इलियाजारो ते मत्तान
और मत्तानो ते याकूब ऊआ। **16** याकूबो ते यूसुफ ऊआ, जो
मरियमा रा लाड़ा था। मरियमा रे यीशु पवित्र आत्मा ते जम्मेया,
जिना खे मसीह बोलेया जाओआ। **17** अब्राहमो ते दाऊदो तक
सारिया चौदा पीढ़िया ऊईया और दाऊदो ते इस्राएलिया खे
बाबेलो तक बन्दी बणाई की पऊँछाणे तक चौदा पीढ़िया ऊईया
और बेबीलोनो तक बन्दी बणाई की पऊँछाणे ते मसीह तक
चौदा पीढ़िया ऊईया। **18** एबे यीशु मसीह रा जन्म ईंयां ऊआ,
कि जेबे तिना री आम्मा मरियमा री मंगणी यूसुफो साथे ऊई,
तेबे तिना रा ब्या ऊणे ते पईले ई मरियम पवित्र आत्मा री तरफा
ते गर्भवती ऊईगी। **19** तेबे तेसा रा ऊणे वाला लाड़ा यूसुफ जो
तर्मी था, से तेसा खे बदनाम नि करना चाओ था, तिने आपणे
मनो रे सोचेया कि मां ये चुपचाप छाडी देणी। **20** जेबे से एड़ा
सोचणे ई लगी रा था, तेबे प्रभुए रा स्वर्गदूत तेसखे सुपने रे
दिशेया और से तेसखे बोलणे लगेया, "ओ दाऊदो रे वंशो रे
यूसुफ! तूँ आपणी ऊणे वाली लाड़ी मरियमा खे आपणे कअरे
ल्याऊणे ते नि डर, कऊँकि जो तेसा रे पेटो रे बच्चा ए, से पवित्र
आत्मा रिया तरफा तेआ। **21** तेसा रे एक पाऊ जमणा, तैं तेसरा
नाओं यीशु राखणा। कऊँकि तेस आपणे लोक तिना रे पापो
ते बचाई देणे।" **22** ये सब कुछ तेबे ऊआ ताकि जो वचन
प्रभुए भविष्यबक्ता ते बुलाई राखे, सेयो पूरे ओ **23** "देखो, एक
कुआँरी गर्भवती ऊणी और तेसा रे एक पाऊ जमणा और तेसरा
नाओं इम्मानुएल ऊणा," जेतेरा मतलब ए "परमेशर आसा
साथे ए।" **24** तेबे यूसुफ सयी की उठेया और जिंयाँ ई तेसखे
परमेशरो रे स्वर्गदूते बोलेया था, तिंयाँ ई से आपणी ऊणे वाली
लाड़िया खे आपणे कअरे ली आया **25** और जदुओ तक, तेसा रे
पाऊ नि जम्मेया, तदुओ तक यूसुफ तेसा गे नि गया और तेबे
तेसा रे पाऊ जम्मेया और तिने तेसरा नाओं यीशु राखेया।

2 हेरोदेस राजे रे राज्य रे बखते जेबे यहूदिया प्रदेशो रे बैतलहम
नगरो रे यीशुए रा जन्म ऊआ, तेबे देखो, पूर्व देशो ते कई
ज्योतषी यरूशलेम नगरो रे आए और पूछणे लगे, **2** "जो
यहूदिया रा राजा जम्मी रा, से केई ए? कऊँकि आसे पूर्वो रे
तेसरा तारा देखेया जो तेसरे जन्मो रे बारे रे बताओआ और
आसे तेसगे माथा टेकणे आयी रे।" **3** ये सुणी की हेरोदेस राजा
और तेस साथे पूरा यरूशलेम कबराईगा। **4** तिने लोका रे सब
बड़े पुरोईत और शास्त्री कट्ठे कित्ते और पूछेया, "मसीह रा
जन्म केई ऊणा चाईयो?" **5** तिने सबी हेरोदेस राजे खे बोलेया,
"यहूदिया प्रदेशो रे बैतलहम नगरो रे; कऊँकि परमेशरे मीका
भविष्यबक्ते रे जरिए एई अया बोलेया रा **6** "'ओ बैतलहम, जो
यहूदा रे प्रदेशो रे, तूँ किंयाँ बी यहूदा रे अधिकारिया रे सबी ते
छोटा निया; कऊँकि तां बीचा ते एक राज करने वाला निकलना
जो मेरी प्रजा इस्राएलो रा रखवाला ऊणा।'" **7** तेबे हेरोदेसे
ज्योतषी चोरिए जे बुलाए और तिना ते पूछेया कि तारा ठीक
केस बखते दिशेया था? **8** तिने ये बोली की सेयो बैतलहमो खे
पेजे, "जाओ, और जाई की तेस बच्चे रे बारे रे ठीक-ठीक पता
करो। जेबे से मिली जाओगा, तो आईकि मांगे बताओ, ताकि
आऊँ बी आईकि तेसगे माथा टेकी सकूँ।" **9** सेयो राजे री गल्ल
सुणी की चली गे और देखो, जो तारा तिने पूर्वो रे देखेया था, से
तिना ते आगे-आगे चलणे लगेया और जेती बच्चा था, तेती जाई
की रुकी गा। **10** तेस तारे खे देखी की सेयो बऊत खुश ऊए।
11 तेबे सेयो तेस कअरो रे पऊँछे और तिने बच्चा तेसरी माए
मरियमा साथे देखेया, तेबे तिने मुंओ रे पारे लेटी की यीशुए गे
माथा टेकेया और आपणा-आपणा चोला खोलेया और सुईना,
लोबान और गन्धरसो री पेंट चढ़ाई। **12** तेबे सुपने रे तिना खे ये
आज्ञा मिली कि हेरोदेस राजे गे फेर नि जाणा, तेबे सेयो दुजिया
बाटा रिये आपणे देशो खे चली गे। **13** तिना ज्योतषिया रे चली
जाणे ते बाद परमेशरो रे एक स्वर्गदूते यूसुफो खे सुपने रे दिशणे
ते बाद बोलेया, "उठ, और एस बच्चे और एसरी माया खे लयी
की मिस्र देशो खे नठी जा और जदुओ तक आऊँ ताखे नि बोलूँ,
तदुओ तक तेथी रणा, कऊँकि हेरोदेस राजा एस बच्चे खे काणा
चाओआ और से एसखे टोलने लगी रा।" **14** तेबे से रातो-रात
उठेया और बच्चे और बच्चे री माया खे लई की मिस्र देशो खे
चली गा। **15** जदुओ तक हेरोदेस नि मरेया, तदुओ तक से तेथी
रया, ताकि जो वचन प्रभुए होशे भविष्यबक्ता ते बुलाई राखे,

Matio

1 Ny filazana ny razan' i Jesosy Kristy, zanak' i Davida zanak' i Abrahama. **2** Abrahama niteraka an' i Isaka; ary Isaka niteraka an' i Jakoba; ary Jakoba niteraka an' i Joda mirahalahy avy; **3** ary Joda niteraka an' i Fareza sy Zara tamin' i Tamara; ary Fareza niteraka an' i Hezrona; ary Hezrona niteraka an-dRama; **4** ary Rama niteraka an' i Aminadaba; ary Aminadaba niteraka an' i Nasona; ary Nasona niteraka an' i Salmona; **5** ary Salmona niteraka an' i Boaza tamin-dRahaba; ary Boaza niteraka an' i Obeda tamin-dRota; ary Obeda niteraka an' i Jese; **6** ary Jese niteraka an' i Davida mpanjaka. Ary Davida niteraka an' i Solomona tamin' ny vadin' i Oria; **7** ary Solomona niteraka an-dRehoboama; ary Rehoboama niteraka an' i Abia; ary Abia niteraka an' i Asa; **8** ary Asa niteraka an' i Josafata; ary Josafata niteraka an' i Jorama; ary Jorama niteraka an' i Ozia; **9** ary Ozia niteraka an' i Jotama; ary Jotama niteraka an' i Ahaza; ary Ahaza niteraka an' i Hezekia; **10** ary Hezekia niteraka an' i Manase; ary Manase niteraka an' i Amona; ary Amona niteraka an' i Josia; **11** ary Josia niteraka an' i Jekonia mirahalahy avy, tamin' ny nifindrana tany Babylona. **12** Ary taorian' ny nifindrana tany Babylona Jekonia dia niteraka an' i Sealtiela; ary Sealtiela niteraka an' i Zerobabela; **13** ary Zerobabela niteraka an' i Abihoda; ary Abihoda niteraka an' i Eliakima; ary Eliakima niteraka an' i Azora; **14** ary Azora niteraka an' i Zadoka; ary Zadoka niteraka an' i Akima; ary Akima niteraka an' i Elihoda; **15** ary Elihoda niteraka an' i Eleazara; ary Eleazara niteraka an' i Matana; ary Matana niteraka an i Jakoba; **16** ary Jakoba niteraka an' i Josefa, vadin' i Maria; ary Maria niteraka an' i Jesosy, Izay atao hoe Kristy. **17** Ary ny taranaka rehetra hatramin' i Abrahama ka hatramin' i Davida dia taranaka efatra ambin' ny folo; ary hatramin' i Davida ka hatramin' ny nifindrana tany Babylona dia taranaka efatra ambin' ny folo; ary hatramin' ny nifindrana tany Babylona ka hatramin' i Kristy dia taranaka efatra ambin' ny folo. **18** Ary ny nahaterahan' i Jesosy Kristy dia toy izao: Rehefa nanaiky Maria, renin' i Jesosy, ho fofombadin' i Josefa, raha tsy mbola nivady izy, dia hita fa nitoe-jaza avy tamin' ny Fanahy Masìna izy. **19** Ary Josefa vadiny, izay lehilahy marina sady tsy ta-hanala baraka azy, dia nikasa hametraka azy mangingina. **20** Fa raha mbola nisaina izany izy, indro, nisy anjelin' ny Tompo niseho taminy tamin' ny nofy ka nanao hoe: Ry Josefa, zanak' i Davida, aza matahotra hampakatra an' i Maria vadinao; fa ny Zaza ao an-kibony dia avy amin' ny Fanahy Masìna, **21** ka hiteraka Zazalahy izy, ary ny anarany hataonao hoe Jesosy; fa Izy no hamonjy ny olony ho afaka amin' ny fahotany. **22** Ary izany rehetra izany dia tonga mba hahatanteraka izay nampilazain' ny Tompo ny mpaminany hoe: **23** Indro, ny virijina hitoe-jaza ka hiteraka zazalahy; Ary ny anarany hataon' ny olona hoe Imanoela, izany hoe, raha adika: Amintsika Andriamanitra. **24** Ary Josefa, rehefa nahatsiaro tamin' ny torimasony, dia nanao araka izay nandidian' ny anjelin' ny Tompo ary ka nampakatra ny vadiny. **25** Ary tsy nahalala azy izy mandra-piterany Zazalahy; ary ny anarany nataony hoe Jesosy.

2 Ary rehefa teraka Jesosy tao Betlehema an' i Jodia, tamin' ny andron' i Heroda mpanjaka, indreo, nisy Magy avy tany atsinanana tonga tany Jerosalema ka nanao hoe: **2** Aiza Ilay teraka ho Mpanjakan' ny Jiosy? fa nahita ny kintany teny atsinanana izahay ka tonga mba hiankohoka eo anatrehany. **3** Ary nony nandre izany Heroda mpanjaka, dia nangorohoro izy mbamin' i Jerosalema rehetra. **4** Dia namory ny lohan' ny mpisorona rehetra sy ny mpanoradalàna tamin' ny vahoaka izy ka nanontany ary hoe: Aiza mba no hahaterahan' i Kristy? **5** Ary hoy ireo taminy: Ao Betlehema an' i Jodia; fa izao no voasoratry ny mpaminany: **6** Ary ianao, ry Betlehema, tanin' ny Joda, tsy dia kely indrindra ao amin' ny andrianan' ny Joda ianao tsy akory; Fa avy ao aminao no hivoahan' izay anankiray ho Mpanapaka, Ka Izy no ho Mpiandry ny Isiraely oloko. **7** Dia nampaka ny Magy mangingina Heroda ka namototra fatratra taminy izay andro nisehoan' ilay kintana. **8** Dia naniraka azy hankany Betlehema izy ka nanao hoe: Andeha, fotory tsara ny amin' ilay Zazakely; koa rehefa hitanareo Izy, dia ambarao amiko, mba hankanesako any koa hiankohoka eo anatrehany. **9** Ary rehefa nandre ny tenin' ny mpanjaka izy ireo, dia lasa; ary, indro, ilay kintana hitany teny atsinanana nialoha azy mandra-pijanony teo ambonin' izay nitoeran' ny Zazakely. **10** Ary nony nahita ny kintana izy, dia nifaly indrindra. **11** Ary rehefa tafiditra tao an-trano izy, dia nahita ny Zazakely sy Maria reniny ka niankohoka teo anatrehany; ary nony efa nosokafany ny fitehirizan-drakiny, dia nanolotra zavatra ho Azy izy, dia volamena sy zava-manitra ary miora. **12** Ary rehefa notoroan' Andriamanitra hevitra tamin' ny nofy izy tsy hiverina any amin' i Heroda, dia lalana hafa no nalehany nody ho any amin' ny fonenany. **13** Ary nony efa lasa nandeha ireo, indro, nisy anjelin' ny Tompo niseho tamin' i Josefa tamin' ny nofy ka nanan hoe: Mifohaza ianao, ka ento ny Zazakely sy ny reniny, dia mandosira any Egypta, ary mitoera any ambara-pilazako aminao; fa Heroda efa hitady ny Zazakely hovonoiny. **14** Dia nifoha izy ka nitondra ny Zazakely sy ny reniny, raha mbola alina, dia lasa nankany Egypta; **15** ary nitoetra tany izy ambara-pahafatin' i Heroda, mba hahatanteraka izay nampilazain' i Jehovah ny mpaminany hoe: Nantsoiko hiala tany Egypta ny zanako. **16** Ary nony efa fantatr' i Heroda fa voafitaky ny Magy izy, dia tezitra indrindra izy ka naniraka namono ny zazalahy rehetra hatramin' ny roa taona no ho midìna, izay tao Betlehema sy tamin' ny manodidina rehetra, araka ny andro izay nofotorany fatratra tamin' ny Magy. **17** Dia tanteraka izay nampilazaina an' i Jeremia mpaminany hoe: **18** Nisy feo re tao Rama, dia fidradradradrana sy fitomaniana fatratra; Rahely nitomany ny zanany, Ary tsy azo nampiononina izy, satria lany ritra ireny. **19** Ary rehefa maty Heroda, indro, nisy anjelin' ny Tompo niseho tamin' i Josefa tany Egypta tamin' ny nofy ka nanao hoe: **20** Mifohaza ianao, ka ento ny Zazakely sy ny reniny, dia mankanesa any amin' ny tanin' ny Isiraely; fa efa maty izay nitady ny ain' ny Zazakely. **21** Dia nifoha izy ka nitondra ny

Matio

1 **2** Nisamake Isàka t'i Abraàme naho nisamake
Iakobe t'Isàka; nisamake Iehodà naho o
roahalahi'eo t'Iakobe; **3** nisamake i Peretse naho i
Zerà amy Tamare t'Iehodà; nisamake i Hezrone t'i
Peretse, nisamake i Rame t'i Hezrone; **4** nisamake i
Aminadabe t'i Rame, nisamake i Nakhsone t'i Amina
dabe, nisamake i Salmone t'i Nakhsone. **5** Nisamake
i Boaze amy Rakhabe karapilo t'i Salmone; nisamake
i Ovede amy Rote t'i Boaze, vaho nisamake i Jesè
t'i Ovede. **6** Nisamake i Davide t'Jesè, le nisamake i
Solomone amy vali' i Oriay t'i Davide. **7** Nisamake
i Rehoboame t'i Solomona; nisamake i Abià t'i
Rehoboame; nisamake i Asà t'i Abià. **8** Nisamake i
Jehosafate t'i Asà, nisamake i Jorame t'i Jehosafate;
nisamake i Ozià t'Jorame. **9** Nisamake i Jotame t'i
Ozià; nisamake i Ahaze t'i Jotame, nisamake i Hezekià
t'i Ahaz. **10** Nisamake i Menasè t'i Hezekià; nisamake
i Amone t'i Menasè; nisamake i Josia t'i Amone. **11**
Nisamake i Jekonia miroahalahy amy faneseañe e
Babolone añey t'i Josia. **12** Ie nitampetse i faneseañe
e Babolone añey, le nisamake i Sealtiele t'i Jekonia;
nisamake i Zerobabele t'i Sealtiele; **13** nisamake
i Abihode t'i Zerobabele; nisamake i Eliakime t'i
Abihode; nisamake i Azore t'i Eliakime. **14** Nisamake
i Tsadoke t'i Azore; nisamake i Ahkime t'i Tsadoke;
nisamake i Elihode t'i Ahkime. **15** Nisamake i Ele
azare t'i Elihode; nisamake i Matane t'i Eleazare;
nisamake i Jakobe t'i Matane. **16** Nasama' i Jakobe
t'Josefe. I Josefa ty tañanjomba' i Marie, rene'
Iesoà tokaveñe ty hoe: i Mesià ndra i Norizañey.
17 Aa le tariratse folo efats' amby ty boak' amy
Abrahàme pak'amy Davide; naho tariratse folo efats'
amby ty boak' amy Davide sikal'amy faneseañe
e Babolone añey, vaho tariratse folo efats' amby
ty boak'amy faneseañe e Babolone añey pak' am'
Iesoà. **18** Zao ty nisamahañe Iesoà: ie vinorovoro' i
Josefe ty rene'e naho mbe tsy niolora'e, le tendreke
t'ie nivesatse añamy Arofo-Masiñey. **19** Ondaty
vañoñe t'i Josefe vali'ey, ie tsy te hindre-toboke
ama'e ndra ty hampiborake aze ho salareñe, ndra ty
hamahots' aze havetrake, le nisafirie'e ty hañetake
aze. **20** Ie nitsakore izay an-trok' ao, intoy ty anjely
nisodehañe ama'e ami'ty nofy, nanao ty hoe: O
Josefe, ana' i Davide, ko marimariha'o ty handrambe
i Marie vali'o amy te nampiareñe' i Arofo Masiñey i
ama'ey. **21** Hisamake ana-dahy re naho hatao'o Iesoà
ty añara'e, amy te ie ty handrombake ondatikoo
amo hakeo' iareoo. **22** Nanoeñe iaby izay hañeneke
ty nampanokira' Iehovà i mpitokiy ami'ty hoe: **23**
Inao, miareñe i somondraray naho hisama-dahy,
vaho hatao' areo Imanoela, toe Andrianañahare
Amantika, ty tahina'e. **24** Nivañoñe amy firota'ey
amy zao t'i Josefe le nanoe'e iaby i namantoha' i
anjeli' Iehovày azey vaho rinamb'e i vali'ey. **25** Fe
tsy niolora'e ampara' te nisamake i tañoloñoloña'ey
vaho nanoe'e Iesoà ty añara'e.

2 Ie toly e Betleheme e Iehodà ao t'i Iesoà,
tañ'andro' i Heroda mpanjaka, le inge totsak' e
Ierosaleme ty mpañandro maro boak' atiñanañe
añe, **2** nanao ty hoe: Aia i Mpanjaka' o Jiosio
vaho samakey? Fa tinalake'ay atiñanañe eñe ty
vasia'e, vaho pok'eo zahay an-dravoravom-piasiañe
hitalaho ama'e. **3** Ie jinanji' i Heroda mpanjaka
le nitsiborehetoke reketse ze hene mpimone'
Ierosaleme. **4** Aa le hene natonto'e o androanavi'eo,
vaho nañontanea'e he fohi' iareo ty hisamahañe
i Norizañey. **5** Hoe ty natoi' iareo: E Betleheme
Iehodà ao, ty amy pinatetse amy mpitokiy ty hoe:
6 Ihe Betleheme Iehodà, Efratà, tane' Iehodà, Inao
toe pininite'e amo fifokoa' Iehodao irehe; fe hirik'
ama'o te hionjom-bamako ty ho Mpifehe e Israele
ao. **7** Le kinanji' i Heroda i mpañandro rey naho
natola'e vaho nitsikarahe'e am'iereo i andro niboaha'
i vasiañey. **8** Nahitri'e mb'e Betleheme mb'eo iereo
ami'ty hoe: Akia, hotsohotsò i Ajaja-lahiy, ie rendre'
areo, ampahafohino ahy, fa homb'ama'e mb'eo ka
iraho hitalaho. **9** Ie nahajanjiñe i mpanjakay le
nienga; naho indroy i vasiañe niisa' iereo atiñanañe
añey niaolo iareo ampara' te nipok' amy toetsey,
nijohañe ambone' ty toe' i ajajay ey. **10** Nifale iereo
toe nirañorano an-kobay te nahaisake i vasiañey.
11 Aa ie nizilike an-traño ao le nitendreke aze
naho i Marie rene'e; naho nitongaleke aolo'e eo,
niambane ama'e, nanokake o horo' iareoo naho
nibanabana ravoravo ama'e: volamena naho mañi-
dè vaho rame. **12** Hinatahata' ty anjely ami'ty nofy
iereo, nanoro t'ie tsy hibalike mb'amy Heroda mb'eo,
aa le nimpoly mb'an-tane' iareo añe nañorike lalan-
kafa. **13** Ie añe, intoy, nisodeha amy Josefe ty Anjeli'
Iehovà, nanao ty hoe: Mitroara, rambeso i Ajajalahiy
naho i rene'e, mibioña mb'e Mitsraime añe vaho
itaveaño ampara' te tohineko, amy te paiae' i Heroda
havetrake i Ajajalahiy. **14** Aa le nendese'e i Ajajay
naho i rene'e, **15** vaho nitambatse añe ampara'
te niantantiritse t'i Heroda, hañenefañe ty nampi
saontsieñe i mpitokiy ty hoe: Boake Mitsraime añe
ty nitokavako ty Anako. **16** Ie nifohi' i Heroda ty
nanoa' i mpañandro rey, le tsy hay aia ty habose'e,
toe niojeoje an-troke, vaho linili'e te hahitrike
amo roandria'e iabio ty hanjamañe ze hene anak'
ajajalahy e Betleheme naho amparipari'e ao ze
nisamake ambane ty tao nisaontsie' i mpañandro
reiy te nisamaheñe i ajalahiy. **17** Niheneke amy zay
ty nisaontsie' i Jeremia mpitoky: **18** Jinanjiñe e Rama
ao ty fiarañanañañe; fandalañe naho fangololoihañe
mafaitse: Mirovetse o ana'eo t'i Rahelie, ntt **19**
Ie nihomake t'i Heroda, le nitoje amy Josefe e
Mitsraime ao ama' nofy ty anjeli' Iehovà **20** nanao

മത്തായി

1 അബ്രാഹാമിന്റെ പുത്രനായ ദാവീദിന്റെ പുത്രനായ യേശുക്രിസ്തുവിന്റെ വംശാവലി: **2** അബ്രാഹാം യിസ്ഹാക്കിനെ
ജനിപ്പിച്ചു; യിസ്ഹാക്ക് യാക്കോബിനെ ജനിപ്പിച്ചു; യാക്കോബ് യെഹൂദയെയും അവന്റെ സഹോദരന്മാരെയും
ജനിപ്പിച്ചു; **3** യെഹൂദാ താമാരിൽ പാരെസിനെയും സാരഹിനെയും ജനിപ്പിച്ചു; പാരെസ് ഹെസ്രോനെ ജനിപ്പിച്ചു; ഹെസ്രോൻ
ആരാമിനെ ജനിപ്പിച്ചു; **4** ആരാം അമ്മീനാദാബിനെ ജനിപ്പിച്ചു; അമ്മീനാദാബ് നഹശോനെ ജനിപ്പിച്ചു; നഹശോൻ
ശല്മോനെ ജനിപ്പിച്ചു; **5** ശല്മോൻ രാഹാബിൽ ബോവസിനെ ജനിപ്പിച്ചു; ബോവസ് രൂത്തിൽ ഓബേദിനെ ജനിപ്പിച്ചു;
ഓബേദ് യിശ്ശായിയെ ജനിപ്പിച്ചു; **6** യിശ്ശായി ദാവീദ്രാജാവിനെ ജനിപ്പിച്ചു; ദാവീദ് ഊരീയാവിന്റെ ഭാര്യയായിരുന്നവളിൽ
ശലോമോനെ ജനിപ്പിച്ചു; **7** ശലോമോൻ രെഹബ്യാമെ ജനിപ്പിച്ചു; രെഹബ്യാം അബീയാവെ ജനിപ്പിച്ചു; അബീയാവു
ആസയെ ജനിപ്പിച്ചു; **8** ആസാ യോശാഫാത്തിനെ ജനിപ്പിച്ചു; യോശാഫാത്ത് യോരാമിനെ ജനിപ്പിച്ചു; യോരാം
ഉസ്സീയാവെ ജനിപ്പിച്ചു; **9** ഉസ്സീയാവു യോഥാമിനെ ജനിപ്പിച്ചു; യോഥാം ആഹാസിനെ ജനിപ്പിച്ചു; ആഹാസ് ഹിസ്കീയാവെ
ജനിപ്പിച്ചു; **10** ഹിസ്കീയാവു മനശ്ശെയെ ജനിപ്പിച്ചു; മനശ്ശെ ആമോസിനെ ജനിപ്പിച്ചു; ആമോസ് യോശീയാവെ
ജനിപ്പിച്ചു; **11** യോശീയാവു യെഖൊന്യാവെയും അവന്റെ സഹോദരന്മാരെയും ബാബേൽപ്രവാസകാലത്തു ജനിപ്പിച്ചു. **12**
ബാബേൽപ്രവാസം കഴിഞ്ഞിട്ടു യെഖൊന്യാവു ശെയല്തീയേലിനെ ജനിപ്പിച്ചു; ശെയല്തീയേൽ സെരുബ്ബാബേലിനെ
ജനിപ്പിച്ചു; **13** സെരുബ്ബാബേൽ അബീഹൂദിനെ ജനിപ്പിച്ചു; അബീഹൂദ് എല്യാക്കീമിനെ ജനിപ്പിച്ചു; എല്യാക്കീം ആസോരിനെ
ജനിപ്പിച്ചു. **14** ആസോർ സാദോക്കിനെ ജനിപ്പിച്ചു; സാദോക്ക് ആഖീമിനെ ജനിപ്പിച്ചു; ആഖീം എലീഹൂദിനെ ജനിപ്പിച്ചു;
15 എലീഹൂദ് എലീയാസരെ ജനിപ്പിച്ചു; എലീയാസർ മത്ഥാനെ ജനിപ്പിച്ചു; മത്ഥാൻ യാക്കോബിനെ ജനിപ്പിച്ചു. **16**
യാക്കോബ് മറിയയുടെ ഭർത്താവായ യോസേഫിനെ ജനിപ്പിച്ചു. അവളിൽ നിന്നു ക്രിസ്തു എന്നു പേരുള്ള യേശു ജനിച്ചു. **17**
ഇങ്ങനെ തലമുറകൾ ആകെ അബ്രാഹാം മുതൽ ദാവീദ്വരെ പതിന്നാലും ദാവീദ്മുതൽ ബാബേൽപ്രവാസത്തോളം
പതിന്നാലും ബാബേൽപ്രവാസംമുതൽ ക്രിസ്തുവിനോളം പതിന്നാലും ആകുന്നു. **18** എന്നാൽ യേശുക്രിസ്തുവിന്റെ
ജനനം ഈവണ്ണം ആയിരുന്നു. അവന്റെ അമ്മയായ മറിയ യോസേഫിന്നു വിവാഹം നിശ്ചയിക്കപ്പെട്ടശേഷം അവർ
കൂടിവരുമ്മുമ്പെ പരിശുദ്ധാത്മാവിനാൽ ഗർഭിണിയായി എന്നു കണ്ടു. **19** അവളുടെ ഭർത്താവായ യോസേഫ്
നീതിമാനാകകൊണ്ടും അവൾക്കു ലോകാപവാദം വരുത്തുവാൻ അവന്നു മനസ്സില്ലായ്കകൊണ്ടും അവളെ ഗൂഢമായി
ഉപേക്ഷിപ്പാൻ ഭാവിച്ചു. **20** ഇങ്ങനെ നിനെച്ചിരിക്കുമ്പോൾ കർത്താവിന്റെ ദൂതൻ അവന്നു സ്വപ്നത്തിൽ പ്രത്യക്ഷനായി:
ദാവീദിന്റെ മകനായ യോസേഫേ, നിന്റെ ഭാര്യയായ മറിയയെ ചേർത്തുകൊൾവാൻ ശങ്കിക്കേണ്ടാ; അവളിൽ ഉല്പാദിതമായതു
പരിശുദ്ധാത്മാവിനാൽ ആകുന്നു. **21** അവൾ ഒരു മകനെ പ്രസവിക്കും; അവൻ തന്റെ ജനത്തെ അവരുടെ പാപങ്ങളിൽ
നിന്നു രക്ഷിപ്പാനിരിക്കകൊണ്ടു നീ അവന്നു യേശു എന്നു പേർ ഇടേണം എന്നു പറഞ്ഞു. **22** "കന്യക ഗർഭിണിയായി ഒരു
മകനെ പ്രസവിക്കും; അവന്നു ദൈവം നമ്മോടു കൂടെ എന്നർത്ഥമുള്ള ഇമ്മാനൂവേൽ എന്നു പേർ വിളിക്കും" **23** എന്നു
കർത്താവു പ്രവാചകൻ മുഖാന്തരം അരുളിച്ചെയ്തതു നിവൃത്തിയാകുവാൻ ഇതൊക്കെയും സംഭവിച്ചു. **24** യോസേഫ്
ഉറക്കം ഉണർന്നു. കർത്താവിന്റെ ദൂതൻ കല്പിച്ചതുപോലെ ചെയ്തു, ഭാര്യയെ ചേർത്തുകൊണ്ടു. **25** മകനെ പ്രസവിക്കുംവരെ
അവൻ അവളെ പരിഗ്രഹിച്ചില്ല. മകന്നു അവൻ യേശു എന്നു പേർ വിളിച്ചു.

2 ഹെരോദാരാജാവിന്റെ കാലത്തു യേശു യെഹൂദ്യയിലെ ബേത്ത്ലേഹെമിൽ ജനിച്ചശേഷം, കിഴക്കുനിന്നു വിദ്വാന്മാർ
യെരൂശലേമിൽ എത്തി: **2** യെഹൂദന്മാരുടെ രാജാവായി പിറന്നവൻ എവിടെ? ഞങ്ങൾ അവന്റെ നക്ഷത്രം കിഴക്കു
കണ്ടു അവനെ നമസ്കരിപ്പാൻ വന്നിരിക്കുന്നു എന്നു പറഞ്ഞു. **3** ഹെരോദാരാജാവു അതു കേട്ടിട്ടു അവനും യെരൂശലേം
ഒക്കെയും ഭ്രമിച്ചു, **4** ജനത്തിന്റെ മഹാപുരോഹിതന്മാരെയും ശാസ്ത്രിമാരെയും എല്ലാം കൂട്ടിവരുത്തി: ക്രിസ്തു എവിടെ
ആകുന്നു ജനിക്കുന്നതു എന്നു അവരോടു ചോദിച്ചു. **5** അവർ അവനോടു: യെഹൂദ്യയി ബേത്ത്ലേ ഹെമിൽ തന്നേ: **6**
"യെഹൂദ്യയിലെ ബേത്ത്ലേ ഹെമേ, യെഹൂദ്യപ്രഭുക്കന്മാരിൽ ഒട്ടും ചെറുതല്ല; എന്റെ ജനമായ യിസ്രായേലിനെ മേയ്പാനുള്ള
തലവൻ നിന്നിൽ നിന്നു പുറപ്പെട്ടുവരും" എന്നിങ്ങനെ പ്രവാചകൻ മുഖാന്തരം എഴുതിയിരിക്കുന്നു എന്നു പറഞ്ഞു.
7 എന്നാറെ ഹെരോദാവു വിദ്വാന്മാരെ രഹസ്യമായി വിളിച്ചു, നക്ഷത്രം വെളിവായ സമയം അവരോടു സൂക്ഷ്മമായി
ചോദിച്ചറിഞ്ഞു. **8** അവരെ ബേത്ത്ലേഹെമിലേക്കു അയച്ചു: നിങ്ങൾ ചെന്നു ശിശുവിനെക്കുറിച്ചു സൂക്ഷ്മമായി
അന്വേഷിപ്പിൻ; കണ്ടെത്തിയാൽ ഞാനും ചെന്നു അവനെ നമസ്കരിക്കേണ്ടതിന്നു, വന്നു എന്നെ അറിയിപ്പിൻ എന്നു
പറഞ്ഞു. **9** രാജാവു പറഞ്ഞതു കേട്ടു അവർ പുറപ്പെട്ടു; അവർ കിഴക്കു കണ്ട നക്ഷത്രം ശിശു ഇരിക്കുന്ന സ്ഥലത്തിന്നു
മീതെ വന്നുനില്ക്കുവോളം അവർക്കു മുമ്പായി പൊയ്ക്കൊണ്ടിരുന്നു. **10** നക്ഷത്രം കണ്ടതുകൊണ്ടു അവർ അത്യന്തം
സന്തോഷിച്ചു; **11** ആ വീട്ടിൽ ചെന്നു, ശിശുവിനെ അമ്മയായ മറിയയോടുംകൂടെ കണ്ടു, വീണു അവനെ നമസ്കരിച്ചു;
നിക്ഷേപപാത്രങ്ങളെ തുറന്നു അവന്നു പൊന്നും കുന്തുരുക്കവും മൂരും കാഴ്ചവെച്ചു. **12** ഹെരോദാവിന്റെ അടുക്കൽ
മടങ്ങിപ്പോകരുതു എന്നു സ്വപ്നത്തിൽ അരുളപ്പാടുണ്ടായിട്ടു അവർ വേറെ വഴിയായി സ്വദേശത്തേക്കു മടങ്ങിപ്പോയി. **13**
അവർ പോയശേഷം കർത്താവിന്റെ ദൂതൻ യോസേഫിന്നു സ്വപ്നത്തിൽ പ്രത്യക്ഷനായി: നീ എഴുന്നേറ്റു ശിശുവിനെയും
അമ്മയെയും കൂട്ടിക്കൊണ്ടു മിസ്രയീമിലേക്കു ഓടിപ്പോയി, ഞാൻ നിന്നോടു പറയുംവരെ അവിടെ പാർക്കുക; ഹെരോദാവു
ശിശുവിനെ നശിപ്പിക്കേണ്ടതിന്നു അവനെ അന്വേഷിപ്പാൻ ഭാവിക്കുന്നു എന്നു പറഞ്ഞു. **14** അവൻ എഴുന്നേറ്റു
ശിശുവിനെയും അമ്മയെയും രാത്രിയിൽ തന്നേ കൂട്ടിക്കൊണ്ടു പുറപ്പെട്ടു മിസ്രയീമിലേക്കു പോയി. **15** ഹെരോദാവിന്റെ
മരണത്തോളം അവൻ അവിടെ പാർത്തു: "മിസ്രയീമിൽ നിന്നു ഞാൻ എന്റെ മകനെ വിളിച്ചുവരുത്തി" എന്നു കർത്താവു
പ്രവാചകൻ മുഖാന്തരം അരുളിച്ചെയ്തതു നിവൃത്തിയാകുവാൻ സംഗതിവന്നു. **16** വിദ്വാന്മാർ തന്നെ കളിയാക്കി എന്നു
ഹെരോദാവു കണ്ടു വളരെ കോപിച്ചു, വിദ്വാന്മാരോടു ചോദിച്ചറിഞ്ഞ കാലത്തിന്നു ഒത്തവണ്ണം രണ്ടു വയസ്സും താഴെയുമുള്ള
ആൺകുട്ടികളെ ഒക്കെയും ബേത്ത്ലേ ഹെമിലും അതിന്റെ എല്ലാ അതിരുകളിലും ആളയച്ചു കൊല്ലിച്ചു. **17** "റാമയിൽ
ഒരു ശബ്ദം കേട്ടു, കരച്ചിലും വലിയ നിലവിളിയും തന്നേ; റാഹേൽ മക്കളെച്ചൊല്ലി കരഞ്ഞു; അവർ ഇല്ലായ്കയാൽ
ആശ്വാസം കൈക്കൊൾവാൻ മനസ്സില്ലാതിരുന്നു" **18** എന്നു യിരെമ്യാപ്രവാചകൻ മുഖാന്തരം അരുളിച്ചെയ്തതു അന്നു
നിവൃത്തിയായി. **19** എന്നാൽ ഹെരോദാവു കഴിഞ്ഞുപോയശേഷം കർത്താവിന്റെ ദൂതൻ മിസ്രയീമിൽ വെച്ചു യോസേഫിന്നു
സ്വപ്നത്തിൽ പ്രത്യക്ഷനായി: **20** ശിശുവിന്നു പ്രാണഹാനി വരുത്തുവാൻ നോക്കിയവർ മരിച്ചുപോയതുകൊണ്ടു നീ
എഴുന്നേറ്റു ശിശുവിനെയും അമ്മയേയും കൂട്ടിക്കൊണ്ടു യിസ്രായേൽദേശത്തേക്കു പോക എന്നു പറഞ്ഞു. **21** അവൻ
എഴുന്നേറ്റു ശിശുവിനെയും അമ്മയെയും കൂട്ടിക്കൊണ്ടു യിസ്രായേൽദേശത്തു വന്നു. **22** എന്നാൽ യെഹൂദ്യയിൽ

മത്തായി

1 അബ്രാഹാമിന്റെ പുത്രനായ ദാവീദിന്റെ പുത്രൻ യേശുക്രിസ്തുവിന്റെ വംശാവലി: **2** അബ്രാഹാമിൽനിന്ന് യിസ്ഹാക്ക്
ജനിച്ചു; യിസ്ഹാക്കിൽനിന്ന് യാക്കോബ് ജനിച്ചു; യാക്കോബിൽനിന്ന് യെഹൂദയും അദ്ദേഹത്തിന്റെ സഹോദരന്മാരും
ജനിച്ചു. **3** യെഹൂദയായിരുന്നു താമാർ പ്രസവിച്ച പാരെസിന്റെയും സേരയുടെയും പിതാവ്. പാരെസിൽനിന്ന് ഹെസ്രോം
ജനിച്ചു; ഹെസ്രോമിൽനിന്ന് ആരാം ജനിച്ചു. **4** ആരാമിൽനിന്ന് അമ്മീനാദാബും അമ്മീനാദാബിൽനിന്ന് നഹശോനും ജനിച്ചു.
നഹശോനിൽനിന്ന് സൽമോൻ ജനിച്ചു. **5** സൽമോനായിരുന്നു രാഹാബ് പ്രസവിച്ച ബോവസിന്റെ പിതാവ്. ബോവസ്-രൂത്ത്
ദമ്പതികളുടെ പുത്രനാണ് ഓബേദ്; ഓബേദിൽനിന്ന് യിശ്ശായി ജനിച്ചു. **6** യിശ്ശായിയാണ് ദാവീദുരാജാവിന്റെ പിതാവ്. ദാവീദ്
ശലോമോന്റെ പിതാവ്, ശലോമോന്റെ അമ്മ ഊരിയാവിന്റെ വിധവ (ബേത്ത്-ശേബ) ആയിരുന്നു. **7** ശലോമോനിൽനിന്ന് രെഹബ്യാം
ജനിച്ചു. രെഹബ്യാമിൽനിന്ന് അബീയാവും അബീയാവിൽനിന്ന് ആസായും ജനിച്ചു. **8** ആസായിൽനിന്ന് യോശാഫാത്ത്
ജനിച്ചു; യോശാഫാത്തിൽനിന്ന് യോരാം ജനിച്ചു; യോരാമിൽനിന്ന് ഉസ്സീയാവും ജനിച്ചു. **9** ഉസ്സീയാവിൽനിന്ന് യോഥാം ജനിച്ചു.
യോഥാമിൽനിന്ന് ആഹാസും ആഹാസിൽനിന്ന് ഹിസ്കിയാവും ജനിച്ചു. **10** ഹിസ്കിയാവ് മനശ്ശെയുടെ പിതാവ്, മനശ്ശെ
ആമോന്റെ പിതാവ്, ആമോൻ യോശിയാവിന്റെ പിതാവ്. **11** യോശിയാവിന്റെ മകൻ യെഖൊന്യാവും അയാളുടെ സഹോദരന്മാരും
ജനിച്ചത് ബാബേൽ പ്രവാസകാലഘട്ടത്തിലായിരുന്നു. **12** ബാബേൽ പ്രവാസത്തിനുശേഷം യെഖൊന്യാവിനു ജനിച്ച മകനാണ്
ശലഥീയേൽ ശലഥീയേലിൽനിന്ന് സെരൂബ്ബാബേൽ ജനിച്ചു. **13** സെരൂബ്ബാബേലിൽനിന്ന് അബീഹൂദ് ജനിച്ചു അബീഹൂദിൽനിന്ന്
എല്യാക്കീമും എല്യാക്കീമിൽനിന്ന് ആസോരും ജനിച്ചു. **14** ആസോരിൽനിന്ന് സാദോക്ക് ജനിച്ചു. സാദോക്കിൽനിന്ന് അഖീമും
അഖീമിൽനിന്ന് എലീഹൂദും ജനിച്ചു. **15** എലീഹൂദ് എലീയാസറിന്റെ പിതാവായിരുന്നു. എലീയാസറിൽനിന്ന് മത്ഥാനും
മത്ഥാനിൽനിന്ന് യാക്കോബും ജനിച്ചു. **16** യാക്കോബിന്റെ മകനായിരുന്നു മറിയയുടെ ഭർത്താവായ യോസേഫ്. ഈ മറിയയാണ്
“ക്രിസ്തു” എന്നു വിളിക്കപ്പെട്ട യേശുവിന്റെ മാതാവായിത്തീർന്നത്. **17** ഇങ്ങനെ തലമുറകൾ ആകെ, അബ്രാഹാംമുതൽ
ദാവീദുവരെ പതിന്നാലും ദാവീദുമുതൽ ബാബേൽപ്രവാസംവരെ പതിന്നാലും ബാബേൽപ്രവാസംമുതൽ ക്രിസ്തുവരെ
പതിന്നാലും ആകുന്നു. **18** യേശുക്രിസ്തുവിന്റെ ജനനം ഈ വിധമായിരുന്നു: യേശുവിന്റെ അമ്മ മറിയയും യോസേഫും
തമ്മിലുള്ള വിവാഹനിശ്ചയം കഴിഞ്ഞിരുന്നു. അവർ വിവാഹിതരാകുന്നതിനു മുമ്പേതന്നെ മറിയ പരിശുദ്ധാത്മാവിനാൽ
ഗർഭവതിയായി. **19** മറിയയുടെ നീതിനിഷ്ഠനായ ഭർത്താവ് യോസേഫ്, അവൾ ഗർഭവതിയായ വിവരം അറിഞ്ഞ്, സമൂഹമധ്യേ
അവൾ അപഹാസ്യയാകാതിരിക്കാൻ ആഗ്രഹിച്ചതുകൊണ്ട് അവളെ രഹസ്യമായി ഉപേക്ഷിക്കണമെന്നു തീരുമാനിച്ചു. **20**
അദ്ദേഹം ഈ വിഷയത്തെക്കുറിച്ചു ചിന്തിച്ചുകൊണ്ടിരിക്കെ പെട്ടെന്ന്, കർത്താവിന്റെ ദൂതൻ സ്വപ്നത്തിൽ പ്രത്യക്ഷപ്പെട്ട്,
അദ്ദേഹത്തോട്, “ദാവീദുവംശജനായ യോസേഫേ, മറിയ ഗർഭവതിയായത് പരിശുദ്ധാത്മാവിൽനിന്നാണ്. ആയതിനാൽ അവളെ
നിന്റെ ഭാര്യയായി സ്വീകരിക്കുന്നതിൽ മടിക്കേണ്ടതില്ല. **21** അവൾ ഒരു പുത്രനു ജന്മം നൽകും; ആ പുത്രന് ‘യേശു’ എന്നു
നാമകരണം ചെയ്യണം, കാരണം അവിടന്ന് തന്റെ ജനത്തെ അവരുടെ പാപങ്ങളിൽനിന്ന് രക്ഷിക്കുന്നവനാണ്” എന്നു പറഞ്ഞു.
22 “ഇതാ! കന്യക ഗർഭവതിയായി ഒരു പുത്രനു ജന്മം നൽകും; ആ പുത്രൻ ഇമ്മാനുവേൽ എന്നു വിളിക്കപ്പെടും;” ഈ വചനിനു
“ദൈവം നമ്മോടുകൂടെ” എന്നാണ് അർഥം. കർത്താവ് പ്രവാചകനിലൂടെ അരുളിച്ചെയ്തത് നിറവേറുന്നതിനാണ് ഇവയെല്ലാം
സംഭവിച്ചത്. **24** യോസേഫ് ഉറക്കമുണർന്നു; കർത്താവിന്റെ ദൂതൻ തന്നോടു കൽപ്പിച്ചതുപോലെതന്നെ തന്റെ ഭാര്യയെ സ്വീകരിച്ചു.
25 എന്നാൽ, മറിയ പുത്രന് ജന്മം നൽകുന്നതുവരെ യോസേഫ് അവളെ അറിഞ്ഞിരുന്നില്ല. അദ്ദേഹം പുത്രന് “യേശു” എന്ന് പേരിട്ടു.

2 ഹെരോദാരാജാവിന്റെ ഭരണകാലത്ത് യേശു യെഹൂദ്യയിലെ ബേത്ലഹേമിൽ ജനിച്ചതിനുശേഷം കിഴക്കുനിന്നുള്ള ജ്ഞാനികൾ
ജെറുശലേമിൽ എത്തി. **2** “യെഹൂദരുടെ രാജാവ് ഭൂജാതനായിരിക്കുന്നതെവിടെ?” എന്ന് ആരാഞ്ഞു; “ഞങ്ങൾ അദ്ദേഹത്തിന്റെ
നക്ഷത്രം പൂർവദിക്കിൽ കണ്ടു; അദ്ദേഹത്തെ പ്രണമിക്കാൻ വന്നിരിക്കുകയാണ്,” എന്നു പറഞ്ഞു. **3** ഇതു കേട്ടപ്പോൾ
ഹെരോദാരാജാവും അദ്ദേഹത്തോടൊപ്പം ജെറുശലേംനിവാസികൾ സകലരും അസ്വസ്ഥചിത്തരായി. **4** ഹെരോദാരാജാവ്
ഇസ്രായേൽജനത്തിന്റെ പുരോഹിതമുഖ്യന്മാരെയും വേദജ്ഞരെയും വിളിച്ചുകൂട്ടി, “ക്രിസ്തു എവിടെയാണു ജനിക്കുക” എന്ന്
അവരോട് ആരാഞ്ഞു. **5** “യെഹൂദ്യയിലെ ബേത്ലഹേമിൽ,” എന്ന് അവർ മറുപടി പറഞ്ഞു. **6** “‘നീയോ യൂദ്യദേശത്തിലെ
ബേത്ലഹേമേ, ചെറുതല്ലൊട്ടും നീ യൂദ്യപ്രഭുഗണത്തിൽ; നിന്നിൽനിന്നല്ലോ രാജൻ ഉദിക്കുന്നത് ഇസ്രായേൽജനതയുടെ
പരിപാലകൻതന്നെ!’ എന്നിങ്ങനെയാണല്ലോ പ്രവാചകൻ രേഖപ്പെടുത്തിയിരിക്കുന്നത്.” **7** അപ്പോൾത്തന്നെ ഹെരോദാവ്
ജ്ഞാനികളെ രഹസ്യമായി വിളിച്ച് നക്ഷത്രം പ്രത്യക്ഷമായ കൃത്യസമയം ചോദിച്ചു മനസ്സിലാക്കി. **8** അദ്ദേഹം അവരോട്, “നിങ്ങൾ
പോയി ശിശുവിനെ സസൂക്ഷ്മം അന്വേഷിക്കുക. കണ്ടെത്തിയാൽ ഉടൻതന്നെ നമ്മെ വിവരം അറിയിക്കുക, ‘നാമും ചെന്ന്
അദ്ദേഹത്തെ പ്രണമിക്കേണ്ടതാണ്’” എന്നു പറഞ്ഞ് അവരെ ബേത്ലഹേമിലേക്ക് അയച്ചു. **9** അവർ രാജകൽപ്പന കേട്ടശേഷം
പൂർവദിക്കിൽ കണ്ട നക്ഷത്രത്തെ അനുഗമിച്ച് യാത്രതുടർന്നു. നക്ഷത്രം വീണ്ടും കണ്ടപ്പോൾ അവർ ആഹ്ലാദഭരിതരായി. അവർ
കണ്ട നക്ഷത്രം ശിശു ഉണ്ടായിരുന്ന സ്ഥലത്തിനുമീതേ വന്ന് നിലകൊള്ളുംവരെ അവർക്കുമുമ്പായി പൊയ്ക്കൊണ്ടിരുന്നു.
11 അവർ വീട്ടിൽ പ്രവേശിച്ചപ്പോൾ ശിശുവിനെ, അമ്മ മറിയയോടൊപ്പം കണ്ടു; സാഷ്ടാംഗം വീണ് ശിശുവിനെ ആരാധിച്ചു.
പിന്നെ അവരുടെ ഭാണ്ഡങ്ങൾ തുറന്ന് സ്വർണം, കുന്തിരിക്കം, മീറ എന്നീ തിരുമുൽക്കാഴ്ചകൾ അർപ്പിക്കുകയും ചെയ്തു.
12 ഹെരോദാവിന്റെ അടുത്തേക്കു മടങ്ങരുതെന്ന് സ്വപ്നത്തിൽ മുന്നറിയിപ്പു ലഭിച്ചതുകൊണ്ട് അവർ മറ്റൊരു വഴിയിലൂടെ
സ്വദേശത്തേക്കു യാത്രതിരിച്ചു. **13** ജ്ഞാനികൾ യാത്രയായതിനുശേഷം, കർത്താവിന്റെ ദൂതൻ സ്വപ്നത്തിൽ പ്രത്യക്ഷനായി
യോസേഫിനോട്, “എഴുന്നേൽക്കുക! ശിശുവിനെയും അമ്മയെയുംകൂട്ടി ഈജിപ്റ്റിലേക്ക് ഓടി രക്ഷപ്പെടുക. ഹെരോദാവ്
ശിശുവിനെ കൊല്ലാൻ അന്വേഷിക്കുന്നതിനാൽ, ഞാൻ നിന്നോടു കൽപ്പിക്കുന്നതുവരെ അവിടെ താമസിക്കുക” എന്നു
പറഞ്ഞു. **14** യോസേഫ് ഉറക്കമുണർന്ന് രാത്രിയിൽത്തന്നെ ശിശുവിനെയും അമ്മയെയുംകൂട്ടി ഈജിപ്റ്റിലേക്കു യാത്രയായി; **15**
ഹെരോദാവ് നാടുനീങ്ങുന്നതുവരെ അവർ അവിടെ താമസിച്ചു. “ഈജിപ്റ്റിൽനിന്ന് ഞാൻ എന്റെ പുത്രനെ വിളിച്ചുവരുത്തി” എന്ന്
കർത്താവ് പ്രവാചകനിലൂടെ അരുളിച്ചെയ്തത് ഇങ്ങനെ നിവൃത്തിയായി. **16** ജ്ഞാനികൾ തന്നെ പരിഹസിച്ചെന്ന് ഹെരോദാവ്
മനസ്സിലാക്കിയപ്പോൾ അദ്ദേഹം രോഷാകുലനായി, ജ്ഞാനികളിൽനിന്ന് മനസ്സിലാക്കിയ സമയത്തിന് അനുസൃതമായി,
ബേത്ലഹേമിലും പരിസരപ്രദേശങ്ങളിലുമുള്ള രണ്ടുവയസ്സും അതിൽ താഴെയും പ്രായമുള്ള എല്ലാ ആൺകുട്ടികളെയും
കൊല്ലാൻ ആജ്ഞ നൽകി. **17** “രാമായിൽ ഒരു ശബ്ദം കേൾക്കുന്നു, രോദനവും അത്യുച്ചവിലാപവുംതന്നെ. റാഹേൽ തന്റെ
കുഞ്ഞുങ്ങളെച്ചൊല്ലി വിലപിക്കുന്നു. അവരിലാരും അവശേഷിക്കുന്നില്ല; സാന്ത്വനം അവൾ നിരസിക്കുന്നു,” എന്നിങ്ങനെ
യിരെമ്യപ്രവാചകനിലൂടെ ഉണ്ടായ അരുളപ്പാട് നിവൃത്തിയായി. **19** ഹെരോദാവു നാടുനീങ്ങിയപ്പോൾ, കർത്താവിന്റെ ദൂതൻ
ഈജിപ്റ്റിൽവെച്ച് സ്വപ്നത്തിൽ യോസേഫിന് പ്രത്യക്ഷനായി, **20** “എഴുന്നേൽക്കുക! ശിശുവിനെയും അമ്മയെയുംകൂട്ടി
ഇസ്രായേൽ നാട്ടിലേക്ക് മടങ്ങുക, ശിശുവിനെ വധിക്കാൻ തുനിഞ്ഞവർ മരിച്ചുപോയി” എന്നു പറഞ്ഞു. **21** യോസേഫ് എഴുന്നേറ്റ്
യേശുവിനെയും അമ്മയെയുംകൂട്ടി ഇസ്രായേലിൽ എത്തിച്ചേർന്നു. **22** എന്നാൽ, യെഹൂദ്യപ്രവിശ്യയിൽ അർക്കെലാവോസ്, തന്റെ
പിതാവ് ഹെരോദാവിന്റെ പിൻഗാമിയായി ഭരണമേറ്റിരിക്കുന്നു എന്നു കേട്ടപ്പോൾ, യോസേഫ് അവിടേക്കു പോകാൻ ഭയപ്പെട്ടു.

മത്തായി

1 അബ്രാഹാമിന്റെ പുത്രനായ ദാവീദിന്റെ പുത്രനായ യേശുക്രിസ്തുവിന്റെ വംശാവലി: **2** അബ്രാഹാം യിസ്ഹാക്കിനെ
ജനിപ്പിച്ചു; യിസ്ഹാക്ക് യാക്കോബിനെ ജനിപ്പിച്ചു; യാക്കോബ് യെഹൂദയെയും അവന്റെ സഹോദരന്മാരെയും ജനിപ്പിച്ചു;
3 യെഹൂദാ താമാരിൽ പാരെസിനെയും സാരഹിനെയും ജനിപ്പിച്ചു; പാരെസ് ഹെസ്രോനെ ജനിപ്പിച്ചു; ഹെസ്രോൻ ആരാമിനെ
ജനിപ്പിച്ചു; **4** ആരാം അമ്മീനാദാബിനെ ജനിപ്പിച്ചു; അമ്മീനാദാബ് നഹശോനെ ജനിപ്പിച്ചു; നഹശോൻ ശല്മോനെ
ജനിപ്പിച്ചു; **5** ശല്മോൻ രാഹാബിൽ ബോവസിനെ ജനിപ്പിച്ചു; ബോവസ് രൂത്തിൽ ഓബേദിനെ ജനിപ്പിച്ചു; ഓബേദ്
യിശ്ശായിയെ ജനിപ്പിച്ചു; **6** യിശ്ശായി ദാവീദ്രാജാവിനെ ജനിപ്പിച്ചു; ദാവീദ് ഊരീയാവിന്റെ ഭാര്യയായിരുന്നവളിൽ ശലോമോനെ
ജനിപ്പിച്ചു; **7** ശലോമോൻ രെഹബ്യാമെ ജനിപ്പിച്ചു; രെഹബ്യാം അബീയാവെ ജനിപ്പിച്ചു; അബീയാവു ആസയെ ജനിപ്പിച്ചു; **8**
ആസാ യോശാഫാത്തിനെ ജനിപ്പിച്ചു; യോശാഫാത്ത് യോരാമിനെ ജനിപ്പിച്ചു; യോരാം ഉസ്സീയാവെ ജനിപ്പിച്ചു; **9** ഉസ്സീയാവു
യോഥാമിനെ ജനിപ്പിച്ചു; യോഥാം ആഹാസിനെ ജനിപ്പിച്ചു; ആഹാസ് ഹിസ്കീയാവെ ജനിപ്പിച്ചു; **10** ഹിസ്കീയാവു മനശ്ശെയെ
ജനിപ്പിച്ചു; മനശ്ശെ ആമോസിനെ ജനിപ്പിച്ചു; ആമോസ് യോശീയാവെ ജനിപ്പിച്ചു; **11** യോശീയാവു യെഖൊന്യാവെയും
അവന്റെ സഹോദരന്മാരെയും ബാബേൽപ്രവാസകാലത്തു ജനിപ്പിച്ചു. **12** ബാബേൽപ്രവാസം കഴിഞ്ഞിട്ടു യെഖൊന്യാവു
ശെയല്തീയേലിനെ ജനിപ്പിച്ചു; ശെയല്തീയേൽ സെരുബ്ബാബേലിനെ ജനിപ്പിച്ചു; **13** സെരുബ്ബാബേൽ അബീഹൂദിനെ
ജനിപ്പിച്ചു; അബീഹൂദ് എല്യാക്കീമിനെ ജനിപ്പിച്ചു; എല്യാക്കീം ആസോരിനെ ജനിപ്പിച്ചു. **14** ആസോർ സാദോക്കിനെ
ജനിപ്പിച്ചു; സാദോക്ക് ആഖീമിനെ ജനിപ്പിച്ചു; ആഖീം എലീഹൂദിനെ ജനിപ്പിച്ചു; **15** എലീഹൂദ് എലീയാസരെ ജനിപ്പിച്ചു;
എലീയാസർ മത്ഥാനെ ജനിപ്പിച്ചു; മത്ഥാൻ യാക്കോബിനെ ജനിപ്പിച്ചു. **16** യാക്കോബ് മറിയയുടെ ഭർത്താവായ യോസേഫിനെ
ജനിപ്പിച്ചു. അവളിൽ നിന്നു ക്രിസ്തു എന്നു പേരുള്ള യേശു ജനിച്ചു. **17** ഇങ്ങനെ തലമുറകൾ ആകെ അബ്രാഹാം മുതൽ
ദാവീദ്വരെ പതിന്നാലും ദാവീദ്മുതൽ ബാബേൽപ്രവാസത്തോളം പതിന്നാലും ബാബേൽപ്രവാസംമുതൽ ക്രിസ്തുവിനോളം
പതിന്നാലും ആകുന്നു. **18** എന്നാൽ യേശുക്രിസ്തുവിന്റെ ജനനം ഈവണ്ണം ആയിരുന്നു. അവന്റെ അമ്മയായ മറിയ
യോസേഫിന്നു വിവാഹം നിശ്ചയിക്കപ്പെട്ടശേഷം അവർ കൂടിവരുമ്മുമ്പെ പരിശുദ്ധാത്മാവിനാൽ ഗർഭിണിയായി എന്നു
കണ്ടു. **19** അവളുടെ ഭർത്താവായ യോസേഫ് നീതിമാനാകകൊണ്ടും അവൾക്കു ലോകാപവാദം വരുത്തുവാൻ അവന്നു
മനസ്സില്ലായ്കകൊണ്ടും അവളെ ഗൂഢമായി ഉപേക്ഷിപ്പാൻ ഭാവിച്ചു. **20** ഇങ്ങനെ നിനെച്ചിരിക്കുമ്പോൾ കർത്താവിന്റെ ദൂതൻ
അവന്നു സ്വപ്നത്തിൽ പ്രത്യക്ഷനായി: ദാവീദിന്റെ മകനായ യോസേഫേ, നിന്റെ ഭാര്യയായ മറിയയെ ചേർത്തുകൊൾവാൻ
ശങ്കിക്കേണ്ടാ; അവളിൽ ഉല്പാദിതമായതു പരിശുദ്ധാത്മാവിനാൽ ആകുന്നു. **21** അവൾ ഒരു മകനെ പ്രസവിക്കും; അവൻ
തന്റെ ജനത്തെ അവരുടെ പാപങ്ങളിൽ നിന്നു രക്ഷിപ്പാനിരിക്കകൊണ്ടു നീ അവന്നു യേശു എന്നു പേർ ഇടേണം
എന്നു പറഞ്ഞു. **22** “കന്യക ഗർഭിണിയായി ഒരു മകനെ പ്രസവിക്കും; അവന്നു ദൈവം നമ്മോടു കൂടെ എന്നർത്ഥമുള്ള
ഇമ്മാനൂവേൽ എന്നു പേർ വിളിക്കും” **23** എന്നു കർത്താവു പ്രവാചകൻ മുഖാന്തരം അരുളിച്ചെയ്തതു നിവൃത്തിയാകുവാൻ
ഇതൊക്കെയും സംഭവിച്ചു. **24** യോസേഫ് ഉറക്കം ഉണർന്നു. കർത്താവിന്റെ ദൂതൻ കല്പിച്ചതുപോലെ ചെയ്തു, ഭാര്യയെ
ചേർത്തുകൊണ്ടു. **25** മകനെ പ്രസവിക്കുംവരെ അവൻ അവളെ പരിഗ്രഹിച്ചില്ല. മകന്നു അവൻ യേശു എന്നു പേർ വിളിച്ചു.

2 ഹെരോദാരാജാവിന്റെ കാലത്തു യേശു യെഹൂദ്യയിലെ ബേത്ത്ലേ ഹെമിൽ ജനിച്ചശേഷം, കിഴക്കുനിന്നു വിദ്വാന്മാർ
യെരൂശലേമിൽ എത്തി: **2** യെഹൂദന്മാരുടെ രാജാവായി പിറന്നവൻ എവിടെ? ഞങ്ങൾ അവന്റെ നക്ഷത്രം കിഴക്കു
കണ്ടു അവനെ നമസ്കരിപ്പാൻ വന്നിരിക്കുന്നു എന്നു പറഞ്ഞു. **3** ഹെരോദാരാജാവു അതു കേട്ടിട്ടു അവനും യെരൂശലേം
ഒക്കെയും ഭ്രമിച്ചു, **4** ജനത്തിന്റെ മഹാപുരോഹിതന്മാരെയും ശാസ്ത്രിമാരെയും എല്ലാം കൂട്ടിവരുത്തി: ക്രിസ്തു എവിടെ
ആകുന്നു ജനിക്കുന്നതു എന്നു അവരോടു ചോദിച്ചു. **5** അവർ അവനോടു: യെഹൂദ്യയി ബേത്ത്ലേ ഹെമിൽ തന്നേ: **6**
“യെഹൂദ്യയിലെ ബേത്ത്ലേഹെമേ, യെഹൂദ്യപ്രഭുക്കന്മാരിൽ ഒട്ടും ചെറുതല്ല; എന്റെ ജനമായ യിസ്രായേലിനെ മേയ്പാനുള്ള
തലവൻ നിന്നിൽ നിന്നു പുറപ്പെട്ടുവരും” എന്നിങ്ങനെ പ്രവാചകൻ മുഖാന്തരം എഴുതിയിരിക്കുന്നു എന്നു പറഞ്ഞു.
7 എന്നാറെ ഹെരോദാവു വിദ്വാന്മാരെ രഹസ്യമായി വിളിച്ചു, നക്ഷത്രം വെളിവായ സമയം അവരോടു സൂക്ഷ്മമായി
ചോദിച്ചറിഞ്ഞു. **8** അവരെ ബേത്ത്ലേഹെമിലേക്കു അയച്ചു: നിങ്ങൾ ചെന്നു ശിശുവിനെക്കുറിച്ചു സൂക്ഷ്മമായി
അന്വേഷിപ്പിൻ; കണ്ടെത്തിയാൽ ഞാനും ചെന്നു അവനെ നമസ്കരിക്കേണ്ടതിന്നു, വന്നു എന്നെ അറിയിപ്പിൻ എന്നു
പറഞ്ഞു. **9** രാജാവു പറഞ്ഞതു കേട്ടു അവർ പുറപ്പെട്ടു; അവർ കിഴക്കു കണ്ട നക്ഷത്രം ശിശു ഇരിക്കുന്ന സ്ഥലത്തിന്നു
മീതെ വന്നുനില്ക്കുവോളം അവക്കു മുമ്പായി പൊയ്ക്കൊണ്ടിരുന്നു. **10** നക്ഷത്രം കണ്ടതുകൊണ്ടു അവർ അത്യന്തം
സന്തോഷിച്ചു; **11** ആ വീട്ടിൽ ചെന്നു, ശിശുവിനെ അമ്മയായ മറിയയോടുംകൂടെ കണ്ടു, വീണു അവനെ നമസ്കരിച്ചു;
നിക്ഷേപപാത്രങ്ങളെ തുറന്നു അവന്നു പൊന്നും കുന്തുരുക്കവും മൂരും കാഴ്ചവെച്ചു. **12** ഹെരോദാവിന്റെ അടുക്കൽ
മടങ്ങിപ്പോകരുതു എന്നു സ്വപ്നത്തിൽ അരുളപ്പാടുണ്ടായിട്ടു അവർ വേറെ വഴിയായി സ്വദേശത്തേക്കു മടങ്ങിപ്പോയി. **13**
അവർ പോയശേഷം കർത്താവിന്റെ ദൂതൻ യോസേഫിന്നു സ്വപ്നത്തിൽ പ്രത്യക്ഷനായി: നീ എഴുന്നേറ്റു ശിശുവിനെയും
അമ്മയെയും കൂട്ടിക്കൊണ്ടു മിസ്രയീമിലേക്കു ഓടിപ്പോയി, ഞാൻ നിന്നോടു പറയുംവരെ അവിടെ പാർക്കുക; ഹെരോദാവു
ശിശുവിനെ നശിപ്പിക്കേണ്ടതിന്നു അവനെ അന്വേഷിപ്പാൻ ഭാവിക്കുന്നു എന്നു പറഞ്ഞു. **14** അവൻ എഴുന്നേറ്റു
ശിശുവിനെയും അമ്മയെയും രാത്രിയിൽ തന്നേ കൂട്ടിക്കൊണ്ടു പുറപ്പെട്ടു മിസ്രയീമിലേക്കു പോയി. **15** ഹെരോദാവിന്റെ
മരണത്തോളം അവൻ അവിടെ പാർത്തു: “മിസ്രയീമിൽ നിന്നു ഞാൻ എന്റെ മകനെ വിളിച്ചുവരുത്തി” എന്നു കർത്താവു
പ്രവാചകൻ മുഖാന്തരം അരുളിച്ചെയ്തതു നിവൃത്തിയാകുവാൻ സംഗതിവന്നു. **16** വിദ്വാന്മാർ തന്നെ കളിയാക്കി എന്നു
ഹെരോദാവു കണ്ടു വളരെ കോപിച്ചു, വിദ്വാന്മാരോടു ചോദിച്ചറിഞ്ഞ കാലത്തിന്നു ഒത്തവണ്ണം രണ്ടു വയസ്സും താഴെയുമുള്ള
ആൺകുട്ടികളെ ഒക്കെയും ബേത്ത്ലേ ഹെമിലും അതിന്റെ എല്ലാ അതിരുകളിലും ആളയച്ചു കൊല്ലിച്ചു. **17** “രാമയിൽ
ഒരു ശബ്ദം കേട്ടു, കരച്ചിലും വലിയ നിലവിളിയും തന്നേ; റാഹേൽ മക്കളെച്ചൊല്ലി കരഞ്ഞു; അവർ ഇല്ലായ്കയാൽ
ആശ്വാസം കൈക്കൊൾവാൻ മനസ്സില്ലാതിരുന്നു” **18** എന്നു യിരെമ്യാപ്രവാചകൻ മുഖാന്തരം അരുളിച്ചെയ്തതു അന്നു
നിവൃത്തിയായി. **19** എന്നാൽ ഹെരോദാവു കഴിഞ്ഞുപോയശേഷം കർത്താവിന്റെ ദൂതൻ മിസ്രയീമിൽ വെച്ചു യോസേഫിന്നു
സ്വപ്നത്തിൽ പ്രത്യക്ഷനായി: **20** ശിശുവിന്നു പ്രാണഹാനി വരുത്തുവാൻ നോക്കിയവർ മരിച്ചുപോയതുകൊണ്ടു നീ
എഴുന്നേറ്റു ശിശുവിനെയും അമ്മയേയും കൂട്ടിക്കൊണ്ടു യിസ്രായേൽദേശത്തേക്കു പോക എന്നു പറഞ്ഞു. **21** അവൻ
എഴുന്നേറ്റു ശിശുവിനെയും അമ്മയെയും കൂട്ടിക്കൊണ്ടു യിസ്രായേൽദേശത്തു വന്നു. **22** എന്നാൽ യെഹൂദ്യയിൽ

മത്തായി

൧ അബ്രാഹാമിൻറെയും ദാവീദിന്റെയും പുത്രനായി ജനിച്ച യേശുക്രിസ്തുവിന്റെ വംശാവലി: ൨ അബ്രാഹാം
യിസ്ഹാക്കിന്റെ പിതാവായിരുന്നു; യിസ്ഹാക്ക് യാക്കോബിന്റെ പിതാവായിരുന്നു; യാക്കോബ് യെഹൂദയുടേയും
അവന്റെ സഹോദരന്മാരുടെയും പിതാവായിരുന്നു; ൩ യെഹൂദാ പാരെസിനെയും സാരഹിനേയും താമാറിൽ ജനിപ്പിച്ചു;
പാരെസ് ഹെസ്രോന്റെ പിതാവായിരുന്നു; ഹെസ്രോൻ ആരാമിന്റെ പിതാവായിരുന്നു; ൪ ആരാം അമ്മീനാദാബിന്റെ
പിതാവായിരുന്നു; അമ്മീനാദാബ് നഹശോനെ ജനിപ്പിച്ചു; നഹശോൻ ശല്മോനെ ജനിപ്പിച്ചു; ൫ ശല്മോൻ രാഹാബിൽ
ബോവസിനെ ജനിപ്പിച്ചു; ബോവസ് രൂത്തിൽ ഓബേദിനെ ജനിപ്പിച്ചു; ഓബേദ് യിശ്ശായിയുടെ പിതാവായിരുന്നു; ൬
യിശ്ശായി ദാവീദ്രാജാവിന്റെ പിതാവായിരുന്നു; ദാവീദ് ഊരിയാവിന്റെ ഭാര്യയായിരുന്നവളിൽ ശലോമോനെ ജനിപ്പിച്ചു; ൭
ശലോമോൻ രെഹബ്യാമിന്റെ പിതാവായിരുന്നു; രെഹബ്യാം അബീയാവിന്റെ പിതാവായിരുന്നു; അബീയാവ് ആസായുടെ
പിതാവായിരുന്നു; ൮ ആസാ യെഹോശാഫാത്തിന്റെ പിതാവായിരുന്നു; യെഹോശാഫാത്ത് യോരാമിന്റെ പിതാവായിരുന്നു;
യോരാം ഉസ്സീയാവിന്റെ പിതാവായിരുന്നു; ൯ ഉസ്സീയാവ് യോഥാമിന്റെ പിതാവായിരുന്നു; യോഥാം ആഹാസിന്റെ
പിതാവായിരുന്നു; ആഹാസ് ഹിസ്കീയാവിന്റെ പിതാവായിരുന്നു; ൧൦ ഹിസ്കീയാവ് മനശ്ശെയുടെ പിതാവായിരുന്നു; മനശ്ശെ
ആമോസിന്റെ പിതാവായിരുന്നു; ആമോസ് യോശിയാവിന്റെ പിതാവായിരുന്നു; ൧൧ യോശീയാവ് യെഖൊന്യാവെയും
അവന്റെ സഹോദരന്മാരെയും ബാബേൽപ്രവാസകാലത്ത് ജനിപ്പിച്ചു. ൧൨ ബാബേൽപ്രവാസത്തിനുശേഷം യെഖൊന്യാവ്
ശെയല്തീയേലിന്റെ പിതാവായിരുന്നു; ശെയല്തീയേൽ സെരുബ്ബാബേലിന്റെ പിതാവായിരുന്നു; ൧൩ സെരുബ്ബാബേൽ
അബീഹൂദിന്റെ പിതാവായിരുന്നു; അബീഹൂദ് എല്യാക്കീമിന്റെ പിതാവായിരുന്നു; എല്യാക്കീം ആസോരിന്റെ പിതാവായിരുന്നു.
൧൪ ആസോർ സാദോക്കിന്റെ പിതാവായിരുന്നു; സാദോക്ക് ആഖീമിന്റെ പിതാവായിരുന്നു; ആഖീം എലീഹൂദിന്റെ
പിതാവായിരുന്നു; ൧൫ എലീഹൂദ് എലീയാസരിന്റെ പിതാവായിരുന്നു; എലീയാസർ മത്ഥാന്റെ പിതാവായിരുന്നു; മത്ഥാൻ
യാക്കോബിന്റെ പിതാവായിരുന്നു. ൧൬ യാക്കോബ് മറിയയുടെ ഭർത്താവായ യോസഫിന്റെ പിതാവായിരുന്നു. മറിയയിൽ
നിന്നു ക്രിസ്തു എന്നു പേരുള്ള യേശു ജനിച്ചു. ൧൭ ഇങ്ങനെ തലമുറകൾ ആകെ അബ്രാഹാം മുതൽ ദാവീദ്വരെ പതിനാലും
ദാവീദുമുതൽ ബാബേൽപ്രവാസത്തോളം പതിനാലും ബാബേൽ പ്രവാസം മുതൽ ക്രിസ്തുവിനോളം പതിനാലും ആകുന്നു.
൧൮ എന്നാൽ യേശുക്രിസ്തുവിന്റെ ജനനം ഇപ്രകാരം ആയിരുന്നു. അവന്റെ അമ്മയായ മറിയ യോസഫിന് വിവാഹം
നിശ്ചയിക്കപ്പെട്ടശേഷം അവർ കൂടി യോജിക്കുംമുമ്പെ പരിശുദ്ധാത്മാവിനാൽ ഗർഭംധരിച്ചു എന്നു മനസ്സിലാക്കി. ൧൯
അവളുടെ ഭർത്താവായ യോസഫ് നീതിമാനായിരുന്നതുകൊണ്ടും അവളെ പരസ്യമായി കളങ്കപ്പെടുത്തുവാൻ അവന്
മനസ്സില്ലാത്തതു കൊണ്ടും അവളുമായുള്ള വിവാഹനിശ്ചയം രഹസ്യമായി അവസാനിപ്പിക്കുവാൻ തീരുമാനിച്ചു. ൨൦ ഇങ്ങനെ
ചിന്തിച്ചിരിക്കുമ്പോൾ കർത്താവിന്റെ ദൂതൻ അവന് സ്വപ്നത്തിൽ പ്രത്യക്ഷനായി: "ദാവീദിന്റെ മകനായ യോസഫേ,
മറിയയെ ഭാര്യയായി സ്വീകരിക്കുന്ന കാര്യത്തിൽ നീ ഭയപ്പെടേണ്ടാ; അവളിൽ ഉല്പാദിതമായത് പരിശുദ്ധാത്മാവിനാൽ
ആകുന്നു. ൨൧ അവൾ ഒരു മകനെ പ്രസവിക്കും; അവൻ തന്റെ ജനത്തെ അവരുടെ പാപങ്ങളിൽ നിന്നു രക്ഷിക്കുവാനായി
വന്നിരിക്കുന്നതുകൊണ്ട് നീ അവന്റെ പേര് യേശു എന്നു വിളിക്കണം എന്നു പറഞ്ഞു". ൨൨ "കന്യക ഗർഭിണിയായി
ഒരു മകനെ പ്രസവിക്കും; അവന് ദൈവം നമ്മോടുകൂടെ എന്നർത്ഥമുള്ള ഇമ്മാനുവേൽ എന്നു പേർ വിളിക്കും" ൨൩
കർത്താവ് പ്രവാചകൻമുഖാന്തരം അരുളിച്ചെയ്ത കാര്യങ്ങൾ ഇപ്രകാരം നിവർത്തിയായി. ൨൪ യോസഫ് ഉറക്കം ഉണർന്നു.
കർത്താവിന്റെ ദൂതൻ കല്പിച്ചതുപോലെ ചെയ്തു, തന്റെ ഭാര്യയായി അവളെ സ്വീകരിച്ചു. ൨൫ എന്നിരുന്നാലും, മകനെ
പ്രസവിക്കുംവരെ അവൻ അവളുമായി ശാരീരികമായി ബന്ധപ്പെട്ടിരുന്നില്ല. മകന് അവൻ യേശു എന്നു പേർവിളിച്ചു.

൨ ഹെരോദാരാജാവിന്റെ കാലത്ത് യേശു യെഹൂദ്യയിലെ ബേത്ത്-ലേഹേമിൽ ജനിച്ചശേഷം, കിഴക്കുനിന്ന് വിദ്വാന്മാർ
യെരൂശലേമിൽ എത്തി: ൨ യെഹൂദന്മാരുടെ രാജാവായി പിറന്നവൻ എവിടെ? ഞങ്ങൾ അവന്റെ നക്ഷത്രം കിഴക്ക്
കണ്ട് അവനെ നമസ്കരിപ്പാൻ വന്നിരിക്കുന്നു എന്നു പറഞ്ഞു. ൩ ഹെരോദാരാജാവ് അത് കേട്ടിട്ട് അവനും യെരൂശലേം
ഒക്കെയും ഭ്രമിച്ചുപോയി, ൪ ഹെരോദാരാജാവ് ജനത്തിന്റെ മഹാപുരോഹിതന്മാരെയും ശാസ്ത്രിമാരെയും എല്ലാം
കൂട്ടിവരുത്തി: ക്രിസ്തു എവിടെ ആകുന്നു ജനിക്കുന്നതെന്ന് അവരോട് ചോദിച്ചു. ൫ അവർ അവനോട്: പ്രവാചകൻ
എഴുതിയിരിക്കുന്നതിൻ പ്രകാരം യെഹൂദ്യയിലെ ബേത്ത്-ലേഹേമിൽ തന്നേ. ൬ "യെഹൂദ്യയിലെ ബേത്ത്-ലേഹേമേ, യെഹൂദ്യാ
പ്രഭുക്കന്മാരിൽ നീ ഒട്ടും ചെറുതല്ല; എന്റെ ജനമായ യിസ്രായേലിനെ മേയ്ക്കുവാനുള്ള തലവൻ നിന്നിൽനിന്നു പുറപ്പെട്ടുവരും"
എന്നു പറഞ്ഞു. ൭ ഉടനെ ഹെരോദാവ് വിദ്വാന്മാരെ രഹസ്യമായി വിളിച്ചു, നക്ഷത്രം പ്രത്യക്ഷമായ സമയം അവരോട്
കൃത്യമായി ചോദിച്ചറിഞ്ഞു. ൮ അവരെ ബേത്ത്-ലേഹേമിലേക്കു അയച്ചു: നിങ്ങൾ ചെന്ന് ശിശുവിനെക്കുറിച്ച് ശ്രദ്ധയോടെ
അന്വേഷിക്കുവിൻ; കണ്ടെത്തിയാൽ ആ വാർത്ത എന്നെ അറിയിക്കുവിൻ ഞാനും വന്നു അവനെ നമസ്കരിക്കട്ടെ,
൯ രാജാവ് പറഞ്ഞത് കേട്ട് അവർ പുറപ്പെട്ടു; അവർ കിഴക്ക് കണ്ട നക്ഷത്രം ശിശു ഇരിക്കുന്ന സ്ഥലത്തിന് മീതെ
വന്നുനില്ക്കുന്നതുവരെ അവർക്ക് മുമ്പായി പൊയ്ക്കൊണ്ടിരുന്നു. ൧൦ നക്ഷത്രം കണ്ടപ്പോൾ അവർ അത്യന്തം സന്തോഷിച്ചു;
൧൧ ആ വീട്ടിൽചെന്ന്, ശിശുവിനെ അമ്മയായ മറിയയോടുകൂടെ കണ്ട്, കുമ്പിട്ട് അവനെ നമസ്കരിച്ചു; നിക്ഷേപപാത്രങ്ങളെ
തുറന്നു അവന് പൊന്നും കുന്തുരുക്കവും മൂരും അർപ്പിച്ചു. ൧൨ ഹെരോദാവിന്റെ അടുക്കൽ മടങ്ങിപ്പോകരുത് എന്നു
സ്വപ്നത്തിൽ ദൈവം അവരോട് അരുളിച്ചെയ്തിട്ട് അവർ വേറെ വഴിയായി സ്വദേശത്തേക്ക് മടങ്ങിപ്പോയി. ൧൩ അവർ
പോയശേഷം കർത്താവിന്റെ ദൂതൻ യോസഫിന് സ്വപ്നത്തിൽ പ്രത്യക്ഷനായി: നീ ''എഴുന്നേറ്റ് ശിശുവിനെയും അമ്മയെയും
കൂട്ടിക്കൊണ്ട് മിസ്രയീമിലേക്ക് ഓടിപ്പോക, ഞാൻ നിന്നോട് പറയുംവരെ അവിടെ പാർക്കുക; ഹെരോദാവ് ശിശുവിനെ
നശിപ്പിക്കേണ്ടതിന്നു അവനെ അന്വേഷിക്കുന്നു" എന്നു പറഞ്ഞു. ൧൪ ആ രാത്രിയിൽ യോസഫ് എഴുന്നേറ്റ് ശിശുവിനെയും
അമ്മയെയും കൂട്ടിക്കൊണ്ട് മിസ്രയീമിലേക്ക് പുറപ്പെട്ടു. ൧൫ ഹെരോദാവിന്റെ മരണത്തോളം അവൻ അവിടെ പാർത്തു:
"മിസ്രയീമിൽ നിന്നു ഞാൻ എന്റെ മകനെ വിളിച്ചുവരുത്തി" എന്നു കർത്താവ് പ്രവാചകൻമുഖാന്തരം അരുളിച്ചെയ്ത
പ്രവചനം നിവൃത്തിയാകുവാൻ ഇടവന്നു. ൧൬ കിഴക്കുനിന്നും വന്ന ജ്ഞാനികൾ തന്നെ കളിയാക്കി എന്നു ഹെരോദാവ്
കണ്ട് വളരെ കോപിച്ചു, അവരോട് ചോദിച്ചറിഞ്ഞ കാലത്തിന് ഒത്തവണ്ണം രണ്ടു വയസ്സും അതിൽ താഴെയുമുള്ള
ആൺകുട്ടികളെ ഒക്കെയും ബേത്ത്-ലേഹേമിലും അതിന്റെ എല്ലാ അതിരുകളിലും ആളയച്ച് കൊല്ലിച്ചു. ൧൭ "രാമയിൽ ഒരു
ശബ്ദം കേട്ട്, കരച്ചിലും വലിയ നിലവിളിയും തന്നേ; റാഹേൽ മക്കളെച്ചൊല്ലി കരഞ്ഞു; അവർ ഇല്ലായ്കയാൽ ആശ്വാസം
കൈക്കൊൾവാൻ മനസ്സില്ലാതിരുന്നു" ൧൮ യിരെമ്യാപ്രവാചകൻ മുഖാന്തരം അരുളിച്ചെയ്ത പ്രവചനം അന്ന് നിവൃത്തിയായി.
൧൯ എന്നാൽ ഹെരോദാവ് മരിച്ചു കഴിഞ്ഞശേഷം കർത്താവിന്റെ ദൂതൻ മിസ്രയീമിൽ വെച്ച് യോസഫിന് സ്വപ്നത്തിൽ
പ്രത്യക്ഷനായി: ൨൦ ശിശുവിന് പ്രാണഹാനി വരുത്തുവാൻ നോക്കിയവർ മരിച്ചുപോയതുകൊണ്ട് നീ എഴുന്നേറ്റ് ശിശുവിനെയും

Matthew

1 Isinduna thamliba asi David amadi Abraham-gi
charon suron oiriba Jisu Christtagi pari purigi
maramdani. **2** Abraham-na Isaac pok-i, Isaac-na
Jacob pok-i, Jacob-na Judah amasung mahakki
machin manaosing pok-i. **3** Aduga Judah-na Perez
amasung Zerah pok-i, amasung Tamar-na makhoigi
mamani. Aduga Perez-na Hezron pok-i, Hezron-
na Ram pok-i. **4** Aduga Ram-na Amminadab pok-i,
Amminadab-na Nahshon pok-i, Nahshon-na Salmon
pok-i. **5** Salmon-na Rahab louduna Boaz pok-i. Aduga
Boaz-na Ruth louduna Obed pok-i. Adudagi Obed-
na Jesse pok-i. **6** Jesse-na David ningthou pok-i;
aduga David-na Uriah-na louramba nupi adu louduna
Solomon pok-i. **7** Aduga Solomon-na Rehoboam pok-
i, Rehoboam-na Abijah pok-i, Abijah-na Asa pok-i.
8 Aduga Asa-na Jehoshaphat pok-i, Jehoshaphat-
na Jehoram pok-i. Jehoram-na Uzziah pok-i. **9**
Aduga Uzziah-na Jotham pok-i, Jotham-na Ahaz pok-
i, Ahaz-na Hezekiah pok-i. **10** Aduga Hezekiah-na
Manasseh pok-i, Manasseh-na Amon pok-i, Amon-
na Josiah pok-i. **11** Aduga makhoibu Babylon-
da lanpha oina puba matam aduwaida Josiah-na
Jeconiah amasung mahakki machin-manaosing pok-
i. **12** Adudagi makhoibu Babylon-da lanpha oina
pukhraba matungda, Jeconiah-na Shealtiel pok-i,
Shealtiel-na Zerubbabel pok-i. **13** Aduga Zerubbabel-
na Abiud pok-i, Abiud-na Eliakim pok-i, Eliakim-na
Azor pok-i. **14** Aduga Azor-na Zadok pok-i, Zadokna
Akim pok-i, Akim-na Eliud pok-i. **15** Aduga Eliud-na
Eleazar pok-i, Eleazar-na Matthan pok-i, Matthan-na
Jacob pok-i. **16** Aduga Jacob-na Mary-gi mapuroiba
Joseph pok-i. Mary-na Christta kouba Jisu-bu pok-i.
17 Asumna Abrahamda-gi houraga David phaobagi
miron pumnamak asi taramarini. Aduga David-tagi
houraga makhoibu Babylon-da lanpha oina pukhiba
phaoba miron taramarini. Aduga Babylon-da lanpha
oina pukhibadagi Christta pokpa phaoba adu miron
taramarini. **18** Jisu Christta asi matou asumna pokkhi.
Ibungogi mama Mary asi Joseph-ka luhongnabagi
waroinaraga, makhoi ani leiminadringeigi mamangda
mahak Thawai Asengbagi mapanna mironle haiba
khanglakle. **19** Adubu Joseph achumba chatpa
mi ama oiba maramna, Marybu miyam mangda
phongdoktuna ikai phiruk khumhanninglamde. Maram
aduna mahakna mana-manin naidana Mary-bu
thadoklage haina leplammi. **20** Aduga mahakna
asumna khallingeida, yeng-u, Mapu Ibungogi dut
amana mamangda uhanbiduna asumna hairak-i,
"He David-ki macha Joseph, Mary-bu nahakki nupi
oina loubada kiganu, Maramdi mahakna naopuriba
angang adu Thawai Asengbadagini. **21** Aduga
mahakna machanupa ama pokkani, nahakna mahakki
maming Jisu thon-gadabani. Maramdi mahakna
mahakki misingbu makhoigi paptagi kanbigani." **22**
Mapu Ibungona Tengban Mapugi wa phongdokpa
maichousinggi mapanna phongdokpikhiba wasing
adu thungnanaba pumnamak asi thoklare, **23** "Yeng-
u, leisabi asengbi amana mironduna machanupa
ama pokkani, aduga mahakki maming Immanuel
kougani, masigi wahanthokti 'Eikhoiga leiminaba
Tengban Mapu' haibani." **24** Aduga Joseph-na
tumlambadagi hougatlaga, Mapu Ibungogi dut aduna
piramba yathang adugi matung inna mahakna Mary-bu
luhongduna loure. **25** Adubu Mary-na machanupa adu
poktriba phaoba Joseph-na mahakka phidinnaramde.
Aduga mahakna angang adugi maming Jisu thonkhi.

2 Herod Ningthougi haktakta, Judea-gi Bethlehem-da
Jisu poklaba matungda, yeng-u, nongpoklomdagi
khang-heiraba misingna Jerusalem-da laktuna
hanglak-i, **2** "Jihudigi ningthou oina pokkhraba
angang adu kadaida leibage? Maramdi nongpoklomda
Ibungo mahakki thawanmichak thokpa eikhoina ure.
Aduna eikhoina Ibungobu khurumjaba lakcharibani."
3 Madu tabada Herod ningthou wakhal yamna
langtaknarammi aduga Jerusalem-da leiriba mi
pumnamaksu wakhal langtaknarammi. **4** Adudagi
mahakna athoiba purohitsing amasung Wayel
Yathanggi ojasing pumnamak kouraduna Christta
pokkadaba mapham adu kadaidano haina hanglammi.
5 Maduda makhoina mangonda khumlak-i; "Judea-gi
Bethlehem-da pokkani. Maramdi Tengban Mapugi
wa phongdokpiba maichouna asumna haikhi: **6**
'Judea-gi lamda leiba Bethlehem, nahakti Judah-gi
leingakpasinggi maraktagi hanthaba natte; maramdi
nangondagi eigi mi Israel-bu chingbigadaba leingakpa
ama thoklakkani.'" **7** Maduda Herod-na khang-heiraba
mising adubu lonna kouraduna karamba matamda
thawanmichak adu thokkhibage haibadu makhoidagi
khangdokle. **8** Adudagi mahakna makhoibu
Bethlehem-da tharaduna hairak-i, "Nakhoina chattuna,
pikliba angang adubu cheksinna thiyu; aduga
nakhoina mahakpu hek phangbaga eihaknasu laktuna
mahakpu khurumjanaba eingonda pao pirak-u."
9 Makhoina ningthougi wa adu taraba matungda
mapham adu thadoktuna chatkhre. Amasung
makhoina nongpoklomda ukhiba thawanmichak aduna
angang aduna leiriba mapham aduphaoba laktuna
leptriphaoba makhoigi mamang thaduna chatlammi.

Matiu

1 Ko te pukapuka o te whakapapa o Ihu Karaiti, tama a Rawiri, tama a Aperahama. **2** Na ko ta Aperahama ko Ihaka; ta Ihaka ko Hakopa; ta Hakopa ko Hura ratou ko ona tuakana, ko ona teina; **3** Ta Hura raua ko Tamara ko Parete raua ko Hara; ta Parete ko Heteromo; ta Heteromo ko Arame; **4** Ta Arame ko Aminarapa; ta Aminarapa ko Nahona; ta Nahona ko Haramono; **5** Ta Haramono raua ko Rahapa ko Poaha; ta Poaha raua ko Rutu ko Opere; ta Opere ko Hehe; **6** Ta Hehe ko Rawiri, ko te kingi; ta Rawiri kingi raua ko te wahine a Uria ko Horomona; **7** Ta Horomona ko Rehopoama; ta Rehopoama ko Apia; ta Apia ko Aha; **8** Ta Aha ko Iehohapata; ta Iehohapata ko Iorama; ta Iorama ko Ohiaha; **9** Ta Ohiaha ko Iotama; ta Iotama ko Ahata; ta Ahata ko Hetekia; **10** Ta Hetekia ko Manahi; ta Manahi ko Amono; ta Amono ko Hohia; **11** Ta Hohia ko Hekonia ratou ko ona teina; i te wa o te whakahekenga ki Papurona: **12** A, i muri i te whakahekenga atu ki Papurona, ka whanau ta Hekonia ko Haratiera; ta Haratiera ko Herupapera; **13** Ta Herupapera ko Apiuru; ta Apiuru ko Eriakimi; ta Eriakimi ko Atoro; **14** Ta Atoro ko Haroko; ta Haroko ko Akimi; ta Akimi ko Eriuru; **15** Ta Eriuru ko Ereatara; ta Ereatara ko Matana; ta Matana ko Hakopa; **16** Ta Hakopa ko Hohepa, ko te tahu a Meri; whanau ake ta Meri ko Ihu, e kiia nei ko te Karaiti. **17** Heoi, ko nga whakatupuranga katoa o Aperahama tae noa ki a Rawiri tekau ma wha nga whakatupuranga; o Rawiri tae noa ki te whakahekenga ki Papurona tekau ma wha nga whakatupuranga; a no te whakahekenga ki Papurona tae noa ki a te Karaiti tekau ma wha nga whakatupuranga. **18** Na ko te whanautanga tenei o Ihu Karaiti: he mea taumau a Meri, tona whaea, ma Hohepa, a i te mea kiano raua i tata noa ki a raua, ka kitea kua hapu ia i te Wairua Tapu. **19** Otira he tangata tika tana tahu, a Hohepa, a kahore ona ngakau kia whakakitea nuitia ia, ka mea kia whakarerea pukutia. **20** Otiia i a ia e hurihuri ana i enei mea, na, ka puta moemoea mai tetahi anahera a te Ariki ki a ia, ka mea, E Hohepa, e te tama a Rawiri, kaua e hopohopo ki te tango i a Meri, i tau wahine; na te Wairua Tapu hoki tona hapu. **21** A e whanau ia he tama, me hua e koe tona ingoa ko IHU: no te mea mana e whakaora tona iwi i o ratou hara. **22** Na ka oti tenei katoa, katahi ka rite ta te Ariki, i korerotia e te poropiti, i mea ai ia, **23** Na, ka hapu te wahine, ka whanau hoki he tama, a ka huaina e ratou tona ingoa ko Emanuera, ko tona whakamaoritanga tenei, Kei a tatou te Atua. **24** A ka ara ake a Hohepa i te moe, ka meatia e ia ta te anahera a te Ariki i whakahau ai ki a ia, a tango ana ia i tana wahine: **25** A kihai i mohio ki a ia, whanau noa tana tama matamua: a huaina ana e ia tona ingoa ko IHU.

2 Na, i te mea kua whanau nei a Ihu ki Peterehema o Huria, i nga ra o Kingi Herora, na, ka haere mai etahi Maki i te rawhiti ki Hiruharama, **2** Ka mea, Kei hea tenei kua whanau nei hei kingi mo nga Hurai? i kite hoki matou i tona whetu i te rawhiti, a ka tae mai nei ki te koropiko ki a ia. **3** A, no te rongonga o Kingi Herora, ka ohorere ratou ko Hiruharama katoa. **4** Na whakaminea katoatia ana e ia nga tohunga nui me nga karaipi o te iwi, a ka ui ki a ratou ki te wahi e whanau ai a te Karaiti. **5** Ka mea ratou ki a ia, Ki Peterehema o Huria: ko ta te poropiti hoki tenei i tuhituhi ai, **6** A ko koe, e Peterehema, whenua o Hura, ehara rawa i te iti rawa i roto i nga kawana o Hura: e puta mai hoki i a koe he kawana, hei hepara mo taku iwi, mo Iharaira. **7** Na, ka oti nga Maki te karanga puku e Herora, ka uia marietia ratou ki te wa i puta mai ai te whetu. **8** A unga ana ratou e ia ki Peterehema, i mea ia, Haere, rapua marietia te tamaiti; a, ka kitea, ka whakahoki mai i te korero ki ahau, kia haere ai hoki ahau ki te koropiko ki a ia. **9** Na, ka rongo ratou i ta te kingi, ka haere; na ko te whetu, i kite ai ratou i te rawhiti, e haere ana i mua i a ratou, a tae noa, tu noa ki runga ake i te takotoranga o te tamaiti. **10** A, i to ratou kitenga i te whetu, ko te tino haringa i hari ai. **11** A, ka tae ki roto ki te whare, ka kite i te tamaiti raua ko tona whaea, ko Meri, na tapapa ana ratou, koropiko ana ki a ia: a, no ka mawhera o ratou taonga, ka hoatu etahi mea ki a ia, he koura, he parakihe, he maira. **12** A i whakatupatoria ratou e te Atua, he mea moemoea, kia kaua e hoki ki a Herora; na haere ana ki to ratou kainga he ara ke. **13** A, ka riro atu ratou, na ka puta moemoea tetahi anahera a te Ariki ki a Hohepa, ka mea, E ara, tangohia te tamaiti raua ko tona whaea, e rere ki Ihipa, a hei reira koe kia korero ra ano ahau ki a koe: meake hoki rapu a Herora i te tamaiti kia wh akangaromia. **14** Na, ka ara ake ia, ka mau ki te tamaiti raua ko tona whaea i te po, a haere ana ki Ihipa: **15** A noho ana i reira, mate noa a Herora; na ka rite ta te Ariki i korerotia e te poropiti, i mea ai ia, He mea karanga naku taku tamaiti i Ihipa. **16** A, no te kitenga o Herora ka oti ia te tinihanga e nga Maki, rahi rawa tona riri, ka tono tangata, a patua iho nga tamariki katoa, nga mea e rua nei o ratou tau, me o muri iho, i Peterehema, i nga wahi katoa o reira, he mea whakarite ki te taima i uia marietia e ia ki nga Maki. **17** Katahi ka rite ta Heremaia poropiti i korero ai, i mea ai, **18** I rangona he reo ki Rama, he uhunga, he tangi, he aue nui, ko Rahera e tangi ana ki ana tamariki, a kihai i pai kia whakamarietia, no te mea kua kahore ratou. **19** A, no ka mate a Herora, na ka puta moemoea te anahera a te Ariki ki a Hohepa ki Ihipa, **20** Ka mea, Ara ake, tangohia te tamaiti raua ko tona whaea, a haere ki te whenua o Iharaira: kua mate hoki te hunga i whai kia patua te tamaiti. **21** A, ko tona aranga ake, ka mau ki te tamaiti raua ko tona whaea, ka haere ki te whenua o Iharaira. **22** Otira ka rongo ia ko Arakerauha te kingi o Huria i muri i tona matua, i a Herora, ka wehi ki te haere ki reira: otiia i whakamaharatia ia e te Atua, he mea moemoea, a haere ana ki nga wahi o Kariri; **23** A ka tae, a ka noho ki tetahi pa, ko Nahareta te ingoa; i rite ai ta nga poropiti i mea ai, Me hua ia he tangata no Nahareta.

3 Na i aua ra ka puta a Hoani Kaiiriiri, ka kauwhau i te koraha o Huria, **2** Ka mea, Ripeneta, kua tata hoki

मत्तय

१ अब्राहामाचा पुत्र दावीद याचा पुत्र जो येशू ख्रिस्त याची
वंशावळ. २ अब्राहामास इसहाक झाला, इसहाकास याकोब,
याकोबास यहूदा व त्याचे भाऊ झाले. ३ यहूदास तामारेपासून
पेरेस व जेरह झाले, पेरेसास हेस्रोन, हेस्रोनास अराम झाला. ४
अरामास अम्मीनादाब, अम्मीनादाबास नहशोन, नहशोनास सल्मोन,
५ सल्मोनास राहाबेपासून बवाज, बवाजास रूथपासून ओबेद,
ओबेदास इशाय झाला. ६ आणि इशायास दावीद राजा झाला.
उरीयाच्या पत्नीपासून दावीदास शलमोन झाला. ७ शलमोनास
रहबाम, रहबामास अबीया, अबीयास आसा झाला. ८ आसास
यहोशाफाट, यहोशाफाटास योराम आणि योरामास उज्जीया, ९
उज्जीयास योथाम, योथामास आहाज, आहाजास हिज्कीया, १०
हिज्कीयास मनश्शे, मनश्शेस आमोन, आमोनास योशीया, ११
आणि बाबेलास देशांतर झाले त्यावेळी योशीयास यखन्या व त्याचे
भाऊ झाले. १२ बाबेलास देशांतर झाल्यानंतर यखन्यास शल्तीएल
झाला, शल्तीएलास जरूब्बाबेल झाला. १३ जरूब्बाबेलास अबीहूद,
अबीहूदास एल्याकीम, एल्याकीमास अज्जुर झाला. १४ अज्जुरास
सादोक, सादोकास याखीम, याखीमास एलीहूद झाला. १५
एलीहूदास एलाजार झाला. एलाजारास मत्तान, मत्तानास याकोब,
१६ याकोबास योसेफ झाला; जो मरीयेचा पती होता जिच्यापासून
ख्रिस्त म्हटलेला येशू जन्मास आला. १७ अशाप्रकारे अब्राहामापासून
दावीदापर्यंत सर्व मिळून चौदा पिढ्या, दावीदापासून बाबेलास
देशांतर होईपर्यंत चौदा पिढ्या आणि बाबेलास देशांतर झाल्यापासून
ख्रिस्तापर्यंत चौदा पिढ्या. १८ येशू ख्रिस्ताचा जन्म याप्रकारे झाला;
त्याची आई मरीया हिची योसेफाशी मागणी झालेली होती, पण
त्यांचा सहवास होण्यापूर्वी ती पवित्र आत्म्यापासून गर्भवती झालेली
दिसून आली. १९ मरीयेचा पती योसेफ हा नीतिमान होता, परंतु
समाजामध्ये तिचा अपमान होऊ नये अशी त्याची इच्छा होती,
म्हणून त्याने गुप्तपणे तिच्यासोबतची मागणी मोडण्याचा निर्णय
घेतला. २० तो या गोष्टींविषयी विचार करीत असता त्यास स्वप्नात
प्रभूच्या दूताने दर्शन देऊन म्हटले; "योसेफा, दावीदाच्या पुत्रा, तू
मरीयेला आपली पत्नी म्हणून स्वीकार करण्यास घाबरू नकोस,
कारण जो गर्भ तिच्या पोटी राहीला आहे तो पवित्र आत्म्यापासून
आहे. २१ ती पुत्राला जन्म देईल आणि तू त्याचे नाव येशू ठेव,
तो आपल्या लोकांस त्यांच्या पापांपासून तारील." २२ प्रभूने
संदेष्ट्यांच्याद्वारे जे सांगितले होते ते परिपूर्ण व्हावे यासाठी हे
सर्व झाले, ते असे, २३ "पाहा कुमारी गर्भवती होईल व पुत्राला
जन्म देईल, आणि त्यास इम्मानुएल हे नाव देतील." या नावाचा
अर्थ, "आम्हाबरोबर देव." २४ तेव्हा झोपेतून उठल्यावर प्रभूच्या
दूताने आज्ञा दिली होती तसे योसेफाने केले, त्याने तिचा आपली
पत्नी म्हणून स्वीकार केला. २५ तरी मुलाचा जन्म होईपर्यंत त्याने
तिच्याशी सहवास ठेवला नाही; आणि त्याने त्याचे नाव येशू ठेवले.

२ हेरोद राजाच्या दिवसात यहूदीया प्रांतातील बेथलेहेम नगरात
येशूचा जन्म झाल्यानंतर, पूर्वेकडील देशातून ज्ञानी लोक
यरूशलेम शहरात येऊन विचारपूस करू लागले की, २ "यहूद्यांचा
राजा जन्मला आहे तो कोठे आहे? आम्ही पूर्वेला त्याचा तारा
पाहीला आणि त्यास नमन करावयास आलो आहोत." ३ जेव्हा
हेरोद राजाने हे ऐकले, तेव्हा तो व त्याच्याबरोबर सर्व यरूशलेम शहर
घाबरून गेले; ४ हेरोद राजाने सर्व मुख्य याजकांना व नियमशास्त्राचे
शिक्षक यांना एकत्र जमवून त्यांना विचारले की, ख्रिस्ताचा जन्म
कोठे होणार आहे? ५ ते त्यास म्हणाले, "यहूदीया प्रांतातील
बेथलेहेम नगरात, कारण संदेष्ट्यांच्याद्वारे असे लिहिलेले आहे की;
६ 'हे बेथलेहेमा, यहूदाच्या प्रांता, तू यहूदाच्या सर्व सरदारांमध्ये
कनिष्ठ आहेस असे मुळीच नाही कारण तुझ्यातून असा सरदार
निघेल जो माझ्या इस्राएल लोकांचा सांभाळ करील.'" ७ मग
हेरोद राजाने ज्ञानी लोकांस गुप्तपणे बोलावून त्यांच्यापासून तारा
नक्की कधी दिसला याची वेळ विचारून घेतली. ८ त्याने त्यांना
बेथलेहेमास पाठवताना म्हटले, "तुम्ही जाऊन त्या बालकाविषयी
बारकाईने शोध करा व तुम्हास शोध लागल्यावर मला कळवा
म्हणजे मी ही येऊन त्यास नमन करीन." ९ राजाचे हे सांगणे
ऐकून ते त्यांच्या वाटेने निघाले. जो तारा त्यांनी पूर्वेस पाहीला
होता त्याने बेथलेहेम नगरापर्यंत त्यांचे मार्गदर्शन केले आणि ज्ञानी
लोक बालकापर्यंत पोहोचेपर्यंत त्यांच्यापुढे चालला. १० तो तारा
पाहून ज्ञानी लोकांस अतिशय आनंद झाला. ११ नंतर ते त्या घरात
गेले आणि ते बालक आपली आई मरीया हिच्याजवळ असलेले
त्यांनी पाहीले व खाली वाकून त्यांनी त्यास नमन केले. त्यांनी
आपल्या द्रव्यांच्या थैल्या उघडून सोने, ऊद व गंधरस ही दाने
अर्पण केली. १२ देवाने त्यांना स्वप्नात हेरोदाकडे परत जाऊ नका,
अशी सूचना दिल्यामुळे ते दुसऱ्या मार्गाने आपल्या देशास निघून
गेले. १३ ते गेल्यावर, प्रभूचा दूत योसेफास स्वप्नात दर्शन देऊन
म्हणाला, "ऊठ, बालक व त्याची आई यांना घेऊन मिसर देशात
पळून जा आणि मी तुला सांगेपर्यंत तेथेच राहा कारण बालकाचा
घात करण्यासाठी हेरोद राजा त्याचा शोध करणार आहे." १४
त्या रात्री तो उठला आणि बालक व त्याची आई यांना घेऊन
रातोरात मिसर देशात निघून गेला. १५ तो हेरोदाच्या मरणापर्यंत
तेथे राहिला. "मी माझ्या पुत्राला मिसर देशातून बोलावले आहे."
असे जे प्रभूने संदेष्ट्याच्याद्वारे सांगितले ते पूर्ण झाले. १६ तेव्हा
ज्ञानी लोकांनी आपणाला फसवले हे पाहून हेरोद राजा अतिशय
संतापला आणि जी वेळ त्याने ज्ञानी लोकांपासून नीट विचारून
घेतली होती तिच्याप्रमाणे त्याने बेथलेहेमात व आसपासच्या सर्व
प्रदेशांत जे दोन वर्षांचे व त्याहून कमी वयाचे पुरूष बालके होते त्या
सर्वांना त्याने माणसे पाठवून त्यांच्याकडून जिवे मारले. १७ यिर्मया
संदेष्ट्याच्याद्वारे जे सांगितले होते, ते त्यासमयी पूर्ण झाले. ते असे:
१८ "रामा येथे रडणे व मोठा आकांत ह्यांचा शब्द ऐकण्यात आला,
राहेल आपल्या मुलांकरिता रडत आहे, आणि ती नाहीत म्हणून ती
सांत्वन पावेना." १९ पुढे हेरोद राजा पावल्यावर, पाहा प्रभूचा दूत
मिसर देशात योसेफास स्वप्नात दर्शन देऊन म्हणाला, २० "उठ,
बालकास व त्याच्या आईस घेऊन इस्राएल देशास जा, कारण
बालकाचा जीव घ्यावयास जे पाहत होते ते मरून गेले आहेत."
२१ तेव्हा तो उठला आणि बालकाला व त्याच्या आईला घेऊन
इस्राएल देशात आला. २२ परंतु अर्खेलाव हा आपला पिता हेरोद
याच्या जागी यहूदीया प्रांतात राज्य करीत आहे असे ऐकून तो
तेथे जाण्यास घाबरला, आणि स्वप्नात देवाने सूचना केल्यानंतर
तो गालील प्रांतास निघून गेला, २३ व नासरेथ नावाच्या गावी
जाऊन राहिला अशासाठी की, "त्याला नासोरी म्हणतील" हे जे
संदेष्ट्यांच्याद्वारे सांगितले होते ते पूर्ण व्हावे.

ମାଥିଉ

୧ ନେଆଁ ହବାଅଃତାନା ଯୀଶୁ ଖ୍ରୀଷ୍ଟଆଃ ପୁର୍ଖା ଆପୁକଆଃ
ନୁତୁମ୍‌କ ଅଲାକାନ୍ ପୁଥି, ଯୀଶୁ ଖ୍ରୀଷ୍ଟ, ଦାଉଦ୍‌ଆଃ କିଲିରେନ୍
ଆଡଃ ଦାଉଦ୍, ଆବ୍ରାହାମ୍‌ଆଃ କିଲିରେନ୍ ତାଇକେନାଏ । **୨** ଆବ୍ରାହାମ୍‌ଆଃ ହନ୍ ଇସାକ୍, ଇସାକ୍‌ଆଃ ହନ୍ ଯାକୁବ୍,
ଯାକୁବ୍‌ଆଃ ହନ୍ ଯିହୁଦା ଆଡଃ ଆୟାଃ ହାଗାକ ତାଇକେନା,
୩ ଯିହୁଦାରାଃ ହନ୍ ପେରସ୍ ଆଡଃ ସେରହ, ଇନ୍‌କିନାଃ
ଏଙ୍ଗାତେ ତାମର୍ ତାଇକେନାଏ, ପେରସ୍‌ରାଃ ହନ୍ ହେସ୍ରୋନ୍,
ହେସ୍ରୋନ୍‌ରାଃ ହନ୍ ଅରାମ୍, **୪** ଅରାମ୍‌ରାଃ ହନ୍ ଅମ୍ମୀନାଦବ୍,
ଅମ୍ମୀନାଦବ୍‌ରାଃ ହନ୍ ନହଶୋନ୍, ନହଶୋନ୍‌ରାଃ ହନ୍ ସାଲ୍‌ମନ୍,
୫ ସାଲ୍‌ମନ୍‌ରାଃ ହନ୍ ବୋୟାଜ୍, ବୋୟାଜ୍‌ରାଃ ଏଙ୍ଗାତେୟାଃ
ନୁତୁମ୍ ରାହାବ୍, ବୋୟାଜ୍‌ରାଃ ହନ୍ ଓବେଦ୍, ଓବେଦ୍‌ରାଃ
ଏଙ୍ଗାତେ ରୁତ୍, ଓବେଦ୍‌ରାଃ ହନ୍ ଯିଶି, **୬** ଯିଶିରାଃ ହନ୍ ରାଜା
ଦାଉଦ୍, ରାଜା ଦାଉଦାଃ ହନ୍ ସୁଲିମାନ୍, ସୁଲିମାନ୍‌ରାଃ ଏଙ୍ଗାତେ
ସିଦାହେତେ ଉରିୟରାଃ କୁଡ଼ି ତାଇନ୍‌କେନା, **୭** ସୁଲିମାନ୍‌ରାଃ
ହନ୍ ରିହବିୟାମ୍, ରିହବିୟାମ୍‌ରାଃ ହନ୍ ଅବିୟ, ଅବିୟରାଃ ହନ୍
ଆସା, **୮** ଆସାରାଃ ହନ୍ ଯିହୋଶାଫତ୍, ଯିହୋଶାଫତ୍‌ରାଃ
ହନ୍ ଯୋରାମ୍, ଯୋରାମ୍‌ରାଃ ହନ୍ ଉଜ୍ଜିୟ, **୯** ଉଜ୍ଜିୟରାଃ
ହନ୍ ଯୋଥାମ୍, ଯୋଥାମ୍‌ରାଃ ହନ୍ ଆହାସ୍, ଆହାସ୍‌ରାଃ ହନ୍
ହିଜକିୟ, **୧୦** ହିଜକିୟରାଃ ହନ୍ ମନଶି, ମନଶିରାଃ ହନ୍
ଆମୋନ୍, ଆମୋନ୍‌ରାଃ ହନ୍ ଯୋଶିୟ, **୧୧** ଯୋଶିୟରାଃ
ହନ୍ ଯିକନିୟ ଆଡଃ ଆୟାଃ ହାଗାକ ତାଇକେନା, ନେଆଁ
ଇସ୍ରାଏଲ୍ ହଡ଼କକେ କିରିଙ୍ଗ ଦାସିକେଦ୍‌ତେ ବାବିଲୋନ୍‌ତେ
ଇଦିକୁତାଇକେନ୍ ଦିପିଲିରାଃ କାଜିତାନାଃ । **୧୨** ବାବିଲୋନ୍‌ତେ
ତଲ୍‌ଇଦି ତାୟମ୍‌ତେ ଯିକନିୟ ଶଲ୍‌ଟିୟେଲ୍‌କେ ଜାନାମ୍‌କିୟା,
ଶଲ୍‌ଟିୟେଲ୍‌ରାଃ ହନ୍ ଜିରୁବାବେଲ୍, **୧୩** ଜିରୁବାବେଲ୍‌ରାଃ
ହନ୍ ଅବିହୁଦ୍, ଅବିହୁଦ୍‌ରାଃ ହନ୍ ଏଲିୟାକିମ୍, ଏଲିୟାକିମ୍‌ରାଃ
ହନ୍ ଆଜୋର୍, **୧୪** ଆଜୋର୍‌ରାଃ ହନ୍ ସାଦୋକ୍, ସାଦୋକ୍‌ରାଃ
ହନ୍ ଆଖିମ୍, ଆଖିମ୍‌ରାଃ ହନ୍ ଏଲିହୁଦ୍, **୧୫** ଏଲିହୁଦ୍‌ରାଃ
ହନ୍ ଏଲିୟାଜାର୍, ଏଲିୟାଜାର୍‌ରାଃ ହନ୍ ମାତ୍ତାନ୍, ମାତ୍ତାନ୍‌ରାଃ
ହନ୍ ଯାକୁବ୍, **୧୬** ଯାକୁବ୍‌ରାଃ ହନ୍ ଯୋଷେଫ୍, ଇନିଃ
ମାରିୟାମ୍‌ରାଃ କଡ଼ାତେ ତାଇକେନା, ଏନ୍ ମାରିୟାମ୍ ଯୀଶୁକେ
ଜାନାମ୍‌କିୟା, ଇନିଃକେ ମାସି ମେନ୍ତେ କାଜିୟାଃକ । **୧୭**
ନେ ଲେକାତେ ଆବ୍ରାହାମ୍‌ଏତେ ଦାଉଦ୍ ଜାକେଦ୍ ଗେଲ୍‌ଉପୁନ୍
ପିଢ଼ି, ଆଡଃ ଦାଉଦ୍‌ଏତେ ବାବିଲୋନ୍‌ତେ ତଲ୍‌ଇଦିକାଦ୍‌କ
ଜାକେଦ୍ ଗେଲ୍‌ଉପୁନ୍ ପିଢ଼ି, ଆଡଃ ବାବିଲୋନ୍‌ତେ ଇଦିକାଦ୍‌କ
ଦିପିଲିଏତେ ମାସି ଜାକେଦ୍ ଗେଲ୍‌ଉପୁନ୍ ପିଢ଼ିକ ତାଇକେନା ।
୧୮ ଯୀଶୁ ଖ୍ରୀଷ୍ଟ ନେ ଲେକାଏ ଜାନାମ୍‌ଲେନା । ଇନିୟାଃ ଏଙ୍ଗାତେ
ମାରିୟାମ୍‌କେ ଯୋଷେଫ୍ ନାଙ୍ଗ ଆସିଆକାନ୍ ତାଇକେନା ।
ମେନ୍‌ଦ ଇନିଃଲଃ ଆଣ୍‌ଦିୟାନ୍ ସିଦାରେ ଇନିଃ ପାବିତାର୍
ଆଙ୍ଗାତେ ଆବ୍‌ରାଆୟାନା ଆଡଃ ହାମ୍ଲାଲ୍‌ରୋଞା କାନାଏ ମେନ୍ତେ
ଆଟ୍‌କାର୍‌ୟାନା । **୧୯** ଇନିୟାଃ କଡ଼ା ଯୋଷେଫ୍ ମିଆଁଦ୍ ଧାର୍‌ମାନ୍
ହଡ଼ ତାଇକେନାଏ, ଏନାତେ ମାରିୟାମ୍ ବାଦ୍‌ନାମଃକାଏ ମେନ୍ତେ
ଇନିଃ କାଏ ସାନାଙ୍ଗକେଦା, ଏନାମେନ୍ତେ ଇନିଃକେ କା ଆଣ୍‌ଦିୟଃ
ନାଙ୍ଗ ଉଦୁଃକେଦାଏ । **୨୦** ମେନ୍‌ଦ ଇନିଃ ନେଆଁ ଉଦୁଃତାନ୍
ତାଇକେନ୍‌ରେ ପ୍ରାଭୁଆଃ ମିଆଁଦ୍ ଦୁଁତ୍ କୁମୁରେ ଉଦୁବେନ୍‌ୟାନା
ଆଡଃ କାଜିକିୟାଏ, "ହେ ଦାଉଦ୍‌ଆଃ ହନ୍ ଯୋଷେଫ୍, ଆମାଃ
କୁଡ଼ି ଲେକା ମାରିୟାମ୍‌କେ ଅଡ଼ାଃତେ ଇଦିନାଙ୍ଗ ଆଲମ୍ ବରଏୟା,
ଚିୟାଃଚି ଇନିୟାଃ ହାମ୍ଲାଲ୍‌ରୋଞା ପାବିତାର୍ ଆଙ୍ଗାତେ ହବାକାନା
। **୨୧** ଇନିଃ ମିଆଁଦ୍ କଡ଼ାହନ୍ ଜାନାମିଁୟାଏ, ଆଡଃ ଆମ୍
ଇନିଃକେ ଯୀଶୁ ମେନ୍ତେମ୍ ନୁତୁମିଁୟା, ଚିୟାଃଚି ଇନିଃଦ ଆୟାଃ
ହଡ଼କକେ ଆକଆଃ ପାପ୍‌ହେତେ ବାଞ୍ଛାଅକଆ ।" **୨୨** ନାବୀକଆଃ
ହରାତେ ପ୍ରାଭୁ କାଜିକାଦ୍ ନେ କାଜି ପୁରାଅଃ ନାଗେନ୍ତେ ନେ
ସବେନାଃ ହବାକାନା, **୨୩** "ମିଆଁଦ୍ ଡିଣ୍ଡାକୁଡ଼ି ହାମ୍ଲାଲ୍‌ରୋଞା
ହବାଅଃଆଏ ଆଡଃ କଡ଼ାହନ୍ ଜାନାମିଁୟାଏ, ଆଡଃ ହଡ଼କ
ଇନିଃକେ ଇମ୍ମାନୁୟେଲ୍" ମେନ୍ତେକ ନୁତୁମିଁୟା, ଏନାରେୟାଃ
ମୁଣ୍ଡିଦ, "ପାର୍‌ମେଶ୍ୱାର୍ ଆବୁଲଃରିୟା ।" **୨୪** ଏନ୍ତେ ଯୋଷେଫ୍
ଦୁତୁମ୍‌ଏତେ ବିରିଦ୍‌କେଦ୍‌ତେ, ପ୍ରାଭୁଆଃ ଦୁଁତ୍ ଆଡୁକାଇ ଲେକା
ଆୟାଃ କୁଡ଼ି ମାରିୟାମ୍‌କେ ଅଡ଼ାଃତେ ଇଦିକିୟା । **୨୫** ମେନ୍‌ଦ
ଇନିଃ ମୁଡ୍‌କୁଲ୍ କଡ଼ାହନ୍ ଆଉରି ଜାନାମିଁ ଜାକେଦ୍ ଯୋଷେଫ୍
ଇନିଃକେ କାଏ ଜୁଟିଦ୍‌କିୟା । ଆଡଃ ଯୋଷେଫ୍ ଏନ୍ ହନ୍‌କେ
ଯୀଶୁ ମେନ୍ତେ ନୁତୁମ୍‌କିଆ ।

୨ ହେରୋଦ୍ ରାଜାରାଃ ଦିପିଲିରେ ଯିହୁଦା ଦିଶୁମ୍‌ରେୟାଃ
ବେଥ୍‌ଲେହେମ୍ ସାହାର୍‌ରେ ଯୀଶୁ ଜାନାମ୍‌ୟାନ୍ ତାୟମ୍‌ତେ,
ସିଙ୍ଗିତୁରଃସାଃରେନ୍ ଚିମିନ୍ ପାଣ୍ଡିତ୍‌କ ଯୀରୁଶାଲେମ୍‌ତେକ
ହିଜୁଃୟାନା, **୨** ଆଡଃ କୁଲିକେଦାଃକ, "ଯିହୁଦୀକଆଃ ରାଜା
ହବାଅଃନିଃ ଜାନାମାକାନ୍ ହନ୍ ଅକ୍‌ତାଃରିୟା? ଆଲେଦ
ସିଙ୍ଗିତୁରଃସାଃରେ ଇନିୟାଃ ଇପିଲ୍‌କେ ନେଲ୍‌କେଦ୍‌ତେ ଇନିଃକେ
ଜହାରି ନାଗେନ୍ତେଲେ ହିଜୁଃକାନା ।" **୩** ନେଆଁ ଆୟୁମ୍‌କେଦ୍‌ତେ
ହେରୋଦ୍ ରାଜା ଆଡଃ ଇନିଃଲଃ ଗଟା ଯୀରୁଶାଲେମ୍‌ରେନ୍‌କ
ଆକ୍‌ବାକାଆୟାନା । **୪** ଆଡଃ ଇନିଃ ହଡ଼କଆଃ ସବେନ୍ ମୁଲ୍
ଯାଜାକ୍‌କ ଆଡଃ ଆଇନ୍ ଇତୁକକେ ହାକାଅ ହୁଣ୍ଡିକେଦ୍‌ତେ "ମାସି
ଚାଏ ଖ୍ରୀଷ୍ଟ, ଅକ୍‌ତାଃରେ ଜାନାମଃଆ?" ମେନ୍ତେ କୁଲିକେଦ୍‌କଆ ।
୫ ଇନ୍‌କୁ ଇନିଃକେ କାଜିରୁହାଡ଼୍‌କିୟାକ, "ଯିହୁଦା ଦିଶୁମ୍‌ରେୟାଃ
ବେଥ୍‌ଲେହେମ୍ ସାହାର୍‌ରେ," ଚିୟାଃଚି ନେଆଁକେଦ ନାବୀ
ନେ'ଲେକାଏ ଅଲାକାଦା, **୬** "'ରେ ଯିହୁଦା ଦିଶୁମ୍‌ରେୟାଃ
ବେଥ୍‌ଲେହେମ୍, ଆମ୍ ଯିହୁଦାରେୟାଃ ମାରାଙ୍ଗ ନାଗାର୍‌କଏତେ
ଜେଡାଲେକାତେ କାମ୍ ହୁଡିଙ୍ଗୟାଁ, ଚିୟାଃଚି ଆମେତେଦ ମିଆଁଦ୍
ଆଗୁଆଇ ଅଡଙ୍ଗୁଃଆଃଆଏ, ଇନିଃ ଆଇଁୟାଃ ଇସ୍ରାଏଲ୍ ହଡ଼କକେ
ହରକଆ ।'" **୭** ଏନ୍ତେ ହେରୋଦ୍, ଏନ୍ ସିଙ୍ଗିତୁରଃସାଃରେନ୍
ପାଣ୍ଡିତ୍‌କକେ ଦାନାଙ୍ଗତେ ହାକାଅକେଦ୍‌କଆ, ଆଡଃ ଏନ୍ ଇପିଲ୍

Matei

1 Sheshino ni shitabhu sha nndondonga gwa mena gwa lubheleko lwa a Yeshu Kilishitu bha ulongo gwa a Daudi, bha ulongo gwa a Bhulaimu, puyaaliji nnei. **2** A Bhulaimu gubhankwete Ishaka, a Ishaka gubhankwete Yakobho, a Yakobho gubhankwete Yuda na ashaakulugwe na ashaapwakwe, **3** a Yuda gubhankwete Peleshi naka Shela anyinabhabhonji pubhashemwaga a Tamali, a Peleshi gubhankwete Eshiloni, a Eshiloni gubhankwete Lami. **4** A Lami gubhankwete Aminadabhu. A Aminadabhu gubhankwete Nashoni, a Nashoni gubhankwete Shalomoni. **5** A Shalomoni gubhankwete Bhoashi, akwabhe Bhoashi pubhashemwaga a Laabhu, a Bhoashi gubhankwete Obhedi kwa akongobhabho a Luti, a Obhedi gubhankwete Yeshe, **6** Nabhalabho a Yeshe gubhankwete Mpalume Daudi. A Daudi gubhankwete Shelemani ku bhakongwe bhaliji akongobhabho a Ulia bhukala. **7** A Shelemani gubhankwete Leobhoamu, a Leobhoamu gubhankwete Abhiya, a Abhiya gubhankwete Ashapu, **8** A Ashapu gubhankwete Yoshepati, a Yoshepati gubhankwete Yolamu, a Yolamu gubhankwete Ushiya, **9** a Ushiya gubhankwete Yoshamu, a Yoshamu gubhankwete Ashi, a Ashi gubhankwete Eshekia, **10** a Eshekia gubhankwete Manashe, a Manashe gubhankwete Amoni, a Amoni gubhankwete Yoshiya, **11** a Yoshiya gubhankwete Yekoniya na ashaapwakwe, mobha Bhayaudi gubhapelekwenje ku Bhabhuloni. **12** Bhayaudi bhakapelekwanjeje ku Bhabhuloni, a Yekoniya gubhankwete Sheatieli, a Sheatieli gubhankwete Shelubhabheli, **13** a Shelubhabheli gubhankwete Abhiudi, a Abhiudi gubhankwete Eliakimu, a Eliakimu gubhankwete Asholi, **14** A Asholi gubhankwete Shadoki, a Shadoki gubhankwete Akimu, a Akimu gubhankwete Eliudi, **15** a Eliudi gubhankwete Eliashali, a Eliashali gubhankwete Matani, a Matani gubhankwete Yakobho, **16** a Yakobho gubhaakwete a Yoshepu bhaaliji ambujebhabho a Malia, anyinabhabho a Yeshu bhaashemwa a Kilishitu. **17** Bhai puyaliji ibheleko likumi limo na nsheshe kutandubhila a Bhulaimu mpaka a Daudi na ibheleko likumi limo na nsheshe kutandubhila a Daudi mpaka pubhapelekwenje ku utumwa ku Bhabhuloni, na ibheleko likumi limo na nsheshe kutandubhila pubhapelekwenje ku utumwa ku Bhabhuloni mpaka pubhabhelekwe a Kilishitu. **18** Kubhelekwa kwa a Yeshu Kilishitu pukwaliji nnei, a Malia anyinabhabho a Yeshu, bhali muntemela na a Yoshepu, bhakanabhe gwabhala gubhaabhweni a Malia bhali na shitumbo kwa komboywa naka Mbumu jwa Ukonjelo. **19** Pabha a Yoshepu bhashinkubha bhanguja bhakapinjileje kutokomaya ntemela gwabho, kwa nneyo gubhapinjile kwaaleka kwa nng'iyo. **20** Bhali nkuganishiya genego, nnugono malaika jwa Bhakulungwa gwabhakoposhele nng'agamii alinkuti, “A Yoshepu bha ulongo gwa a Daudi, nnajogope kwaatola a Malia bhabhe akongobhenu, pabha Mbumu jwa Ukonjelo ni abhatendile bhabhe na shitumbo. **21** Shibhakole mwana jwannume, shimunsheme lina lyakwe Yeshu, pabha jwenejo apinga tapula bhandu bhakwe na yambi yabhonji.” **22** Genego gashinkukoposhela nkupinga limalile lilobhe libhalugwile Bhakulungwa kuka nkulondola jwabho, **23** “Nng'ishana shakole shitumbo, shankole mwana jwannume, shibhanshemanje lina lyakwe Manueli,” malombolelo gakwe, “A Nnungu pamo na uwe”. **24** Kwa nneyo, a Yoshepu bhakajumusheje gubhatendile malinga shibhalugulilwe naka malaika jula, gubhaatolile a Malia kubha akongobhabho. **25** Bhakaamanyiji akongobhabho a Malia mpaka bhakankoleje mwana jwannume. Na a Yoshepu gubhanshemile lina lyakwe, Yeshu.

2 A Yeshu kubhabhelekwele ku Bheteleemu, nkowa gwa ku Yudea, mobha ga a Elode pubhaliji a mpalume, a Yeshu bhakabhelekweje, bhakwiimanyanga ndondwa gubhaikengenenje ku Yelushalemu kopoka kulikoposhela lyubha, **2** gubhabhushiyenje, “Kwali kwei mwana abhelekwe, mpalume jwa Bhayaudi? Twashinkulubhona lutondwa lwakwe lulikoposhela, putwaliji kulikoposhela lyubha na uwe tushikwiya kuntindibhalila.” **3** A Mpalume Elode bhakapilikaneje genego, gubhatengwishe na bhandu bhowe bha ku Yelushalemu. **4** Bhai, gubhaashemilenje bhakulungwanji bhaabhishila bhowe na bhaajiganya bha Shalia, gubhaabhushiyenje, “Kilishitu shabhelekwe kwei?” **5** Gubhaajangwilenje, “Ku Bheteleemu nkowa gwa ku Yudea malinga shiishite jandikwa naka nkulondola jwa a Nnungu kuti, **6** ‘Ugwe Bheteleemu uli munkowa gwa ku Yudea, Ugwe nngabha jwanshoko muilambo imanyika ya ku Yudea, Pabha kunngwako apinga koposhela kalongolele, shaabhalongolelanje bhandu bhangu Ishilaeli.’” **7** Penepo, a Elode gubhaashemilenje kuntemela bhakwimanyanga ndondwa bhala, gubhaabhushiyenje shakani pulwankoposhelenje lutondwa. **8** Kungai gubhaatumilenje ku Bheteleemu bhalinkuti, “Nnjendangane nkabhushishiyanje ukoto ngani jika jwene mwanajo. Mummonangaga kunnugulilanje

၁ အာဗြဟံနှင့်ဒါဝိဒ်မှဆင်းသက်တော်မူသော သခင်ယေရှုခရစ်၏ဆွေတော်စဉ်မျိုးတော်ဆက် စာရင်းကားဤသို့တည်း။ ၂ အာဗြဟံ၏သားသည်ဣဇာက်၊ ဣဇာက်၏သားမှာယာကုပ်၊ ယာကုပ်၏သားများကားယုဒနှင့်ညီများဖြစ်၏။– ၃ ယုဒနှင့်တာမာမှရသောသားများသည်ဖာရက် နှင့်ဇာရ၊ ဖာရက်၏သားမှာဟေဇရုံ၊ ဟေဇရုံ၏သားကားအာရံဖြစ်၏။– ၄ အာရံ၏သားသည်အမိနဒပ်၊ အမိနဒပ်၏သား မှာနာရွန်၊ နာရွန်၏သားကားစာလမုန်ဖြစ်၏။– ၅ စာလမုန်နှင့်ရာခပ်မှရသောသားသည်ဗောဇ၊ ဗောဇ နှင့်ရုသမှရသောသားမှာဩဗဒ်၊ ဩဗဒ်၏သား သည်ယေရှဲ၊ ယေရှဲ၏သားကားဒါဝိဒ်မင်းတည်း။ ၆ ဥရိယ၏ဇနီးနှင့်ဒါဝိဒ်မင်းရသောသားသည် ရှောလမုန်ဖြစ်၏။– ၇ ရှောလမုန်၏သားသည်ရောဗောင်၊ ရောဗောင်၏သား မှာအဘိယ၊ အဘိယ၏သားကားအာသဖြစ်၏။– ၈ အာသ၏သားသည်ယောရှဖတ်၊ ယောရှဖတ်၏သား မှာယဟောရံ၊ ယဟောရံ၏သားကားဩဇိဗြစ်၏။– ၉ ဩဇိဗ်၏သားသည်ယောသံ၊ ယောသံ၏သားမှာ အာခတ်၊ အာခတ်၏သားကားဟေဇကိဗြစ်၏။– ၁၀ ဟေဇကိ၏သားသည်မနာရှေ၊ မနာရှေ၏သား မှာအာမုန်၊ အာမုန်၏သားကားယောရှိဗြစ်၏။– ၁၁ ဗာဗုလုန်ပြို့သို့ ကျသရေလအမျိုးသားတို့အား ဖမ်းဆီးခေါ် ဆောင်သွားချိန်၌ ယောရှိရသော သားများကားယေခေါနိနှင့်ညီများဖြစ်ကြ၏။ ၁၂ ဗာဗုလုန်ပြို့သို့ ကျသရေလအမျိုးသားတို့ဖမ်းဆီး ခေါ် ဆောင်ခြင်းခံရပြီးနောက်၊ ယေခေါနိရသောသား သည်ရှာလသေလ၊ ရှာလသေလ၏သားမှာဇေရုဗ ဗေလဖြစ်၏။– ၁၃ ဇေရုဗဗေလ၏သားသည်အဗျုဒ်၊ အဗျုဒ်၏သားမှာ ဧလျာကိမ်၊ ဧလျာကိမ်၏သားကားအာဇော်ဖြစ်၏။– ၁၄ အာဇော်၏သားသည်ဇာဒုတ်၊ ဇာဒုတ်၏သားမှာ အာခိမ်၊ အာခိမ်၏သားကားဧလုဒ်ဖြစ်၏။– ၁၅ ဧလုဒ်၏သားသည်ဧလာဇာ၊ ဧလာဇာ၏သားမှာ မဿန်၊ မဿန်၏သားကားယာကုပ်ဖြစ်၏။– ၁၆ ယာကုပ်၏သားသည်မာရိ၏ခင်ပွန်းဖြစ်သူယောသပ် ဖြစ်၏။ မာရိကားမေရှိယဟုခေါ် ဝေါ် သမုတ်ခြင်း ခံရသောသခင်ယေရှု၏မယ်တော်တည်း။ ၁၇ သို့ ဖြစ်၍ဆွေတော်စဉ်မျိုးတော်ဆက်များမှာ အာဗြဟံမှသည်ဒါဝိဒ်မင်းတိုင်အောင်တစ်ဆယ့် လေးဆက်၊ ဒါဝိဒ်မင်းမှသည်ဗာဗုလုန်ပြို့သို့ ဖမ်းဆီးခေါ် ဆောင်ခြင်းခံရချိန် တိုင်အောင်တစ်ဆယ့်လေးဆက်၊ ဗာဗုလုန်ပြို့သို့ဖမ်းဆီး ခေါ် ဆောင်ခြင်းခံရချိန်မှသည်ခရစ်တော်ပေါ်ထွန်းရာအချိန်တိုင်အောင် တစ်ဆယ့်လေးဆက်ဖြစ်သတည်း။ ၁၈ သခင်ယေရှုခရစ်ဖွားမြင်တော်မူပုံကားဤသို့တည်း။ မယ်တော်မာရိနှင့်ယောသပ်တို့ထိမ်းမြားရန် စေ့စပ်ကြောင်းလမ်းထားပြီးနောက်၊ ပေါင်းသင်းနေထိုင် မှုမပြုရမီမာရိသည်သန့်ရှင်းသောဝိညာဉ်တော်၏တန်ခိုးအားဖြင့်ပဋိသေနန္ဓာစွဲကပ်လေ၏။– ၁၉ ယောသပ်သည်စိတ်သဘောထားမြင့်မြတ်သူဖြစ် သည်အလျောက်မာရိအားအသရေမပျက်စေ လိသဖြင့် သူနှင့်စေ့စပ်ကြောင်းလမ်းထားမှုကို တိတ်တဆိတ်ဖျက်သိမ်းရန်အကြံရှိ၏။– ၂၀ ဤသို့အကြံရှိနေစဉ်သူသည်ထာဝရဘုရား ၏ကောင်းကင်တမန်တစ်ပါးကိုအိပ်မက်ဖြင်မက်၏။ ထိုကောင်းကင်တမန်က ``ဒါဝိဒ်၏သားမြေးယောသပ်၊ သင်သည်မာရိအားဇနီးအဖြစ်သိမ်းပိုက်ရမည်ကို မကြောက်နှင့်။ အဘယ်ကြောင့်ဆိုသော်သူ၏ဝမ်းတွင် ရှိသောပဋိသေနန္ဓာကားသန့်ရှင်းသောဝိညာဉ်တော် ၏တန်ခိုးတော်အားဖြင့်ရသောပဋိသေနန္ဓာဖြစ်၏။– ၂၁ သူသည်သားယောကျ်ားကိုဖွားမြင်လိမ့်မည်။ ထို သားသည်မိမိလူမျိုးအားအပြစ်မှကယ်တင် မည့်အရှင်ဖြစ်သောကြောင့်သူ့ကိုယေရှုဟု နာမည်မှည့်ရမည်'' ဟုဆို၏။ ၂၂ ဤအမှုအရာများမှာပရောဖက်အားဖြင့် ထာဝရဘုရားပေးတော်မူခဲ့သောဗျာဒိတ် တော်အတိုင်းဖြစ်ပျက်ခြင်းပင်ဖြစ်သတည်း။– ၂၃ ဗျာဒိတ်တော်ကား ``အပျိုကညာသည်ကိုယ်ဝန် ဆောင်၍သားယောကျ်ားကိုဖွားမြင်လိမ့်မည်။ ထို သားကို‌မောနွေလ ဟုခေါ် ဝေါ် သမုတ်ကြလိမ့်မည်'' ဟူ၍ဖြစ်သတည်း။ ၂၄ သို့ ဖြစ်၍ယောသပ်သည်အိပ်ပျော်ရာမှနိုးသော အခါ ထာဝရဘုရား၏ကောင်းကင်တမန်အမိန့် ရှိခဲ့သည့်အတိုင်း မာရိအားမိမိဇနီးအဖြစ် သိမ်းပိုက်လေ၏။– ၂၅ သို့ရာတွင်သားယောကျ်ားဖွားမြင်သည်တိုင်အောင် မာရိနှင့်ပေါင်းသင်းနေထိုင်မှုကိုမပြုဘဲနေ၏။ ထိုသားကိုယေရှုဟုနာမည်မှည့်လေ၏။

၂ ဟေရုဒ်မင်း၏လက်ထက်၊ ယုဒပြည်ဗက်လင်မြို့ တွင် မယ်တော်မာရိသည်သူငယ်တော်ယေရှုကို ဖွားမြင်လေသည်။ ထိုအခါအရှေ့တိုင်းနိုင်ငံ မှပညာရှိတို့သည် ယေရုရှလင်မြို့သို့ရောက် လာပြီးလျှင်၊– ၂ ``ယခုဖွားမြင်သောယုဒရှင်ဘုရင်သည် အဘယ်မှာရှိသနည်း။ အရှေ့တိုင်းနိုင်ငံတွင် ထိုအရှင်၏ကြယ်ပေါ် ထွန်းသည်ကိုမြင်သဖြင့် ထိုအရှင်အားဖူးမြော်ပူဇော်အံ့သောဟု ငါ တို့ရောက်လာကြပါသည်'' ဟုစုံစမ်းမေးမြန်း ကြ၏။– ၃ ထိုအကြောင်းကိုကြားလျှင်ဟေရုဒ်မင်းနှင့်တကွ ယေရုရှလင်မြို့သူမြို့သားအပေါင်းတို့သည် တုန်လှုပ်ချောက်ချာ၍သွားကြကုန်၏။– ၄ ဟေရုဒ်မင်းသည်ယဇ်ပုရောဟိတ်ကြီးများနှင့် ကျမ်းတတ်ဆရာများကိုစုဝေးစေလျက် ``မေရိယ သည်အဘယ်အရပ်တွင်ဖွားမြင်လိမ့်မည်နည်း'' ဟုမေး၏။– ၅ ထိုသူတို့က ``ယုဒပြည်ဗက်လင်မြို့တွင်ဖွားမြင် ပါလိမ့်မည်။ ကျမ်းစာတော်တွင်ပရောဖက်တစ်ဦး က၊ ၆ `အို ယုဒပြည်ဗက်လင်မြို့သင်သည်ယုဒပြည်ရှိ မြို့များအနက်သိမ်ငယ်လှသောမြို့မဟုတ်၊ ငါ၏လူမျိုးတော်ဣသရေလအမျိုးသားတို့အား ရှေ့ဆောင်လမ်းပြမည့်ခေါင်းဆောင်တစ်ဦးသည် သင်၏အထဲမှပေါ် ထွန်းလိမ့်မည်' ဟုဟောကြားထားပါသည်'' ဟူ၍လျှောက်ထား ကြ၏။ ၇ ထိုအခါဟေရုဒ်မင်းသည်ပညာရှိတို့ကိုလျှို့ဝှက်စွာခေါ် ၍ ကြယ်ပေါ် ထွန်းရာအချိန်ကာလ ကိုသေချာစွာစုံစမ်းမေးမြန်းတော်မူ၏။– ၈ ထိုနောက်မင်းကြီးသည်ထိုသူတို့အား ``သင်တို့ သွား၍သူငယ်ကိုတွေ့အောင်ရှာကြပါ။ တွေ့သော အခါငါလည်းသူ့ကိုဖူးမြော်ပူဇော်နိုင်ရန် ငါ့ ထံလာ၍အကြောင်းကြားကြပါ'' ဟုမိန့်မှာ လျက်ဗက်လင်မြို့ သို့စေလွှတ်တော်မူ၏။ ၉ သို့ ဖြစ်၍ထိုသူတို့သည်ထွက်သွားကြရာသူ တို့တွေ့မြင်ခဲ့သည့်ကြယ်ကိုမြင်ပြန်သဖြင့် လွန် စွာဝမ်းမြောက်ဝမ်းသာဖြစ်ကြ၏။ ထိုကြယ်သည် လည်းသူတို့အားရှေ့ဆောင်ကာသူငယ်တော်ရှိ ရာအရပ်ပေါ် သို့ရောက်လျှင်ရပ်တန့်လေ၏။– ၁၀ သူတို့သည်အိမ်ထဲသို့ဝင်ကြရာသူငယ်တော် အား မယ်တော်နှင့်အတူတွေ့မြင်ကြ၏။ ထိုအခါ သူတို့သည်မြေပေါ် မှာပျပ်ဝပ်ရှိခိုးပြီးလျှင် ဘဏ္ဍာ ကြွတ်များကိုဖွင့်၍လှေ့ လောဗန်နှင့်မုရန်တို့ကို ပူဇော်ဆက်သကြ၏။ ၁၂ ဟေရုဒ်မင်းထံသို့မပြန်ကြရန်အိပ်မက်တွင် ဘုရား သခင်သတိပေးတော်မူသဖြင့် သူတို့သည်အခြား လမ်းဖြင့်မိမိတို့တိုင်းနိုင်ငံသို့ ပြန်သွားကြ၏။ ၁၃ ပညာရှိများထွက်ခွာသွားကြပြီးနောက်ယောသပ် သည် ထာဝရဘုရား၏ကောင်းကင်တမန်တစ်ပါး ကိုအိပ်မက်တွင်မြင်ရ၏။ ကောင်းကင်တမန်က ``ထ လော့၊ သူငယ်တော်နှင့်မယ်တော်ကိုခေါ် ၍အီဂျစ် ပြည်သို့ထွက်ပြေးလော့။ ဟေရုဒ်မင်းသည်သူငယ် တော်ကိုသတ်ရန်ရှာလိမ့်မည်။ သင်တို့အားပြန် လာရန်ငါအမိန့်မပေးမချင်းထိုအရပ်တွင် နေလော့'' ဟုဆို၏။– ၁၄ ယောသပ်သည်ထ၍သူငယ်တော်နှင့်မယ်တော်တို့ ကိုခေါ် ဆောင်ကာညဉ့်အခါ အီဂျစ်ပြည်သို့ထွက် ခွာသွားပြီးလျှင်ဟေရုဒ်မင်းကွယ်လွန်သည်တိုင် အောင်ထိုပြည်တွင်နေ၏။ ၁၅ ဤအမှုအရာကား ``ငါ့သားကိုအီဂျစ်ပြည်မှ ခေါ် ခဲ့၏'' ဟူ၍ပရောဖက်အားဖြင့်မိန့်ကြားတော် မူသောထာဝရဘုရား၏ဗျာဒိတ်တော်အတိုင်း ဖြစ်ပျက်ခြင်းပင်ဖြစ်သတည်း။ ၁၆ ဟေရုဒ်မင်းသည်မိမိအားပညာရှိတို့လှည့်စား သွားကြကြောင်းကိုသိလျှင် ပြင်းစွာအမျက်ထွက် လေ၏။ သို့ ဖြစ်၍ထိုသူတို့ထံမှစုံစမ်းသိရှိရ သည့်အတိုင်းကြယ်ပေါ် ထွန်းရာအချိန်ကာလ ကိုထောက်လျက် ဗက်လင်မြို့နှင့်အနီးပတ်ဝန်းကျင် ကျေးရွာများရှိနှစ်နှစ်အရွယ်နှင့်နှစ်နှစ်အောက် သူငယ်အပေါင်းတို့ကိုသတ်စေ၏။ ၁၇ ဤသို့လျှင်၊ ``ရာမအရပ်တွင်လွန်စွာဝမ်းနည်းပူဆွေး ငိုကြွေးမြည်တမ်းသံကိုကြားရ၏။ ရာခေလသည်မိမိ၏ကလေးများအတွက် ငိုယိုရှိနေ၏။ ကလေးတို့သေကြပြီးဖြစ်၍သူအား နှစ်သိမ့်၍မရနိုင်'' ဟူသောပရောဖက်ယေရမိ၏စကားသည်မှန် ၍လာတော့၏။ ၁၉ ဟေရုဒ်မင်းကွယ်လွန်ပြီးနောက်အီဂျစ်ပြည်တွင် ယောသပ်သည်ထာဝရဘုရား၏ကောင်းကင် တမန်တစ်ပါးကိုအိပ်မက်ဖြင်မက်၏။– ၂၀ ကောင်းကင်တမန်က ``သင်သည်ထ၍သူငယ်တော် နှင့်မယ်တော်ကိုခေါ် ဆောင်ကာဣသရေလပြည်သို့ ပြန်သွားလော့။ သူငယ်တော်ကိုသတ်လိုသူတို့သည်

၁ အာဗြဟံ နှင့် ဒါဝိဒ် တို့မှ ဆင်းသက် တော်မူသောယေရှု ခရစ် ၏ဆွေ တော်စဉ်မျိုးတော်ဆက်စာရင်း ဟူမူကား၊ ၂ အာဗြဟံ သား ဣဇာက် ။ ဣဇာက် သား ယာကုပ် ။ ယာကုပ် သား ယုဒ မှစ၍ ညီနောင် တစ်စု။ ၃ ယုဒ သည် မိမိခင်ပွန်းတာမာ တွင် မြင် သောသားဖာရက် နှင့် ဇာရ ။ ဖာရက် သား ဟေဇရုံ ။ ဟေဇရုံ သား အာရံ ။ ၄ အာရံ သား အမိနဒပ် ။ အမိနဒပ် သား နာရှုန် ။ နာရှုန် သား စာလမုန် ။ ၅ စာလမုန် သည် မိမိခင်ပွန်းရာခပ် တွင် မြင် သော သားဗောဇ ။ ဗောဇ သည် မိမိခင်ပွန်းရုသ တွင် မြင် သော သားဩဗက် ။ ဩဗက် သား ယေရှဲ ။ ယေရှဲ သား ဒါဝိဒ် မင်းကြီး တည်း။ ၆ ဒါဝိဒ် မင်းကြီးသည် ဥရိယ ၏ခင်ပွန်းဖြစ်ဘူးသော မိန်းမ တွင် မြင် သောသားရှောလမုန် ။ ၇ ရှောလမုန် သား ရောဗောင် ။ ရောဗောင် သား အဘိယ ။ အဘိယ သား အာသ ။ ၈ အာသ သား ယောရှဖတ် ။ ယောရှဖတ် သား ယဟောရံ ။ ယဟောရံ သား ဩဇိ ။ ၉ ဩဇိ သား ယောသံ ။ ယောသံ သား အာခတ် ။ အာခတ် သား ဟေဇကိ ။ ၁၀ ဟေဇကိ သား မနာရှေ ။ မနာရှေ သား အာမုန် ။ အာမုန် သား ယောရှိ ။ ၁၁ ယောရှိ သား ယောယကိမ်။ ယောယကိမ်သည် ဗာဗုလုန် မြို့သို့ နေရာပြောင်း ခါနီးတွင် မြင်သောသား ယေခေါနိ မှစ၍ ညီနောင် တစ်စုတည်း။ ၁၂ ဗာဗုလုန် မြို့သို့ နေရာပြောင်း သည့်နောက် ၊ ယေခေါနိ သား ရှာလသေလ ။ ရှာလသေလ သား ဇေရုဗဗေလ ။ ၁၃ ဇေရုဗဗေလ သား အဗျုဒ် ။ အဗျုဒ် သား ဧလျာကိမ် ။ ဧလျာကိမ် သား အာဇော် ။ ၁၄ အာဇော် သား ဇာဒုတ် ။ ဇာဒုတ် သား အာခိမ် ။ အာခိမ် သား ဧလုဒ် ။ ၁၅ ဧလုဒ် သား ဧလာဇာ ။ ဧလာဇာ သား မဿန် ။ မဿန် သား ယာကုပ် ။ ၁၆ ယာကုပ် မြင် သောသားကား၊ မာရိ ၏ ခင်ပွန်း ယောသပ် တည်း။ ထိုမာရိသည် ခရစ် ဟုခေါ် ဝေါ် သမုတ်သော ယေရှု ၏ မယ်တော် ဖြစ်၏။ ၁၇ ဤသို့ လျှင်၊ မျိုးစဉ် နွယ်ဆက်ပေါင်း ကား၊ အာဗြဟံ မှ သည် ဒါဝိဒ် တိုင်အောင် တစ်ဆယ်လေး ဆက် ၊ ဒါဝိဒ် မှ သည် ဗာဗုလုန် မြို့သို့ နေရာပြောင်း သည်တိုင်အောင် တစ်ဆယ်လေး ဆက် ၊ ဗာဗုလုန် မြို့သို့ ပြောင်း ပြီးမှသည် ခရစ်တော် တိုင်အောင် တစ်ဆယ်လေး ဆက် ဖြစ်သတည်း။ ၁၈ ယေရှု ခရစ် သည် ဘွားမြင် ခြင်းကို ခံ တော်မူသောအကြောင်းအရာဟူမူကား။ မယ်တော် မာရိ သည် ယောသပ် နှင့် ထိမ်းမြား ဆောင်နှင်း၍ မ ရှက်တင် မီတွင် သန်ရှင်း သောငါညာဉ် တော်ကြောင့် ပဋိသန္ဓေ စွဲနေ၏။ ၁၉ သူ ၏ခင်ပွန်း ယောသပ် သည် သူတော်ကောင်း ဖြစ် ၍ ၊ မာရိ အသရေ ကို မ ပျက်စေချင် သောကြောင့် တိတ်ဆိတ် စွာစွန့်ပယ် မည်ဟု အကြံရှိ ၏။ ၂၀ ထိုသို့ ကြံစည် ၍နေစဉ်တွင် အိပ်မက် ကိုမြင်ရသည်မှာ၊ ထာဝရ ဘုရား၏ကောင်းကင်တမန် သည် ထင်ရှား ၍၊ ဒါဝိဒ် အမျိုး ယောသပ် ၊ သင် ၏ခင်ပွန်း မာရိ ကို ထိန်းသိမ်း ရမည်အခွင့်ကို မ စိုးရိမ် နှင့်။ ဤပဋိသန္ဓေ သည် သန်ရှင်း သောငါညာဉ် တော်ကြောင့် ဖြစ် ၏။ ၂၁ သား ယောက်ျားကို ဘွားမြင် လိမ့်မည်။ ထိုသား သည် မိမိ လူ တို့ကိုအပြစ် မှ ကယ်ချွတ် မည်သူ ဖြစ်သောကြောင့် ၊ ယေရှု ဟူသောအမည် ဖြင့် မှည့် ရမည်ဟု ကောင်းကင်တမန်ဆို ၏။ ၂၂ ထိုအကြောင်း အရာမူကား ၊ ထာဝရ ဘုရားသည် ပရောဖက် ဖြင့် ထားတော်မူသောဗျာဒိတ် တော် ပြည့်စုံ မည် အကြောင်း တည်း ။ ၂၃ ဗျာဒိတ်တော်အချက်ဟူမူကားကြည့်ရှု လော့။ သတို့သမီး ကညာသည် ပဋိသန္ဓေ စွဲယူ ၍ သား ယောက်ျားကို ဘွားမြင် လတ့ံ၊ ထိုသား ကို ဧမာနွေလ အမည် ဖြင့် မှည့် ရကြလတံ့ဟုလာသတည်း။ ဧမာနွေလ အနက် ကား ငါ တို့နှင့်အတူ ရှိတော်မူသောဘုရားသခင် ဟု ဆိုလို သတည်း။ ၂၄ ယောသပ် သည် အိပ်ပျော် ရာမှ နိုး လျှင် ထာဝရ ဘုရား၏ကောင်းကင်တမန် မှာထား သည့်အတိုင်း ပြု ၍ မိမိ ခင်ပွန်း ကို ထိန်းသိမ်း လေ၏။ ၂၅ သို့သော်လည်း ၊ သား ဦးကို မ ဘွား မီတိုင်အောင် သံဝါသ မ ပြုဘဲနေ၏။ ထိုသား ကိုလည်း ယေရှု ဟူသောအမည် ဖြင့် မှည့် လေ၏။

၂ ယုဒ ပြည်ဗက်လင် မြို့၌ ဟေရုဒ် မင်းကြီး လက်ထက် ၊ ယေရှု သည်ဘွားမြင် ခြင်းကိုခံတော်မူပြီးမှ ၊ မာဂု ပညာရှိတို့သည် အရှေ့ပြည်က ယေရုရှလင် မြို့သို့ ရောက်လာ ကြလျှင်။ ၂ ယခု ဘွားမြင် သောယုဒ ရှင်ဘုရင် သည်၊ အဘယ်မှာ ရှိ တော်မူသနည်း။ အရှေ့ပြည်၌ သူ ၏ကြယ် ကိုငါတို့ မြင် ရသည်ဖြစ်၍ ဖူးတွေ့ ပူဇော်ခြင်းငှာရောက်လာ ပြီဟု မေးမြန်းပြောဆို ကြ၏။ ၃ ထိုစကားကိုကြား လျှင် ဟေရုဒ် မင်းကြီး သည် ယေရုရှလင် မြို့သူမြို့သားအပေါင်း တို့နှင့်တကွ စိတ်ပူပန် ခြင်းသို့ ရောက်သဖြင့် ၊ ၄ ယဇ်ပုရောဟိတ် အကြီးတို့နှင့် လူ တို့တွင် ကျမ်းပြု ဆရာရှိသမျှ တို့ကိုစုဝေး စေ၍ ခရစ်တော် ကို အဘယ် အရပ်မှာ ဘွားမြင် လိမ့်မည်နည်းဟု မေးမြန်း တော်မူ၏။ ၅ ထိုဆရာ တို့ကလည်း ၊ ပရောဖက် တစ်ဦးရေး ထားသောအချက်ဟူမူကား ၊ ၆ အိုယုဒ ပြည် ဗက်လင် မြို့၊ အစိုးရ သောယုဒ မြို့တို့တွင် သင်သည် မြို့ငယ် မြို့ယုတ်မ ဟုတ် ။ အကြောင်းမူကား ၊ ငါ ၏လူစု ဣသရေလ အမျိုးကို အုပ်စိုး ရသောသခင် သည် သင် ၏အထဲ မှာပေါ် ထွန်း လတ့ံဟု ကျမ်းလာ ရှိပါ၏။ ထို့ကြောင့်ယုဒ ပြည်ဗက်လင် မြို့၌ ခရစ်တော်ကိုဘွားမြင်ရပါမည်ဟု မင်းကြီး အား ပြန်ကြား လျှောက်ထားကြ၏။ ၇ ထိုအခါ ဟေရုဒ် မင်းကြီးသည်၊ မာဂု ပညာရှိတို့ကို မထင်မရှား ခေါ် ၍ ကြယ် ပေါ် ထွန်း သောအချိန် ကာလကို စေ့စေ့ မေးမြန်းပြီးမှ၊ ၈ သင်တို့သွား ၍ ထို သူငယ် ကိုကြိုးစား ရှာ ကြပါ။ တွေ့ လျှင် ငါ့ ထံသို့ ပြန်လာ ၍ ငါ လည်း ထိုသူငယ် ကို ဖူးတွေ့ ပူဇော်ရအောင် ကြားပြော ကြပါဟု မှာထား တော်မူလျက်၊ ဗက်လင် မြို့သို့ စေလွှတ် လေ၏။ ၉ ထိုသူ တို့သည် မင်းကြီး စကားကိုနာခံ ပြီးလျှင် ထွက်သွား ကြ၍ အရှေ့ပြည်၌ မြင် ရသောကြယ် သည် သူ တို့ ရှေ့ ကသွားသဖြင့် သူငယ် တော်ရှိ ရာအရပ် အပေါ်သို့ ရောက် ၍ တည် လျက်နေ၏။ ၁၀ ထို ကြယ် ကို မြင် ပြန်သောအခါ အလွန် ဝမ်းမြောက် ဝမ်းသာ ခြင်းရှိ၍၊ ၁၁ အိမ် သို့ ဝင် လေသော်၊ မယ်တော် မာရိ နှင့်တကွ သူငယ် တော်ကိုတွေ့မြင် လျှင် ပြပ်ဝပ် ကိုးကွယ် ၍ ၊ မိမိ တို့ ဘဏ္ဍာ ဥစ္စာတို့ကိုဖွင့် ပြီးမှ လောဗန် နှင့် မုရန် တည်းဟူသောနံ့သာမျိုးကိုလှူ၊ ရွေ့ ကိုလှူ၊ ဆက်ကပ် ပူဇော်ကြ၏။ ၁၂ နောက်မှ ဟေရုဒ် မင်းကြီးထံသို့ မ ပြန် ရမည်အကြောင်းကို အိပ်မက် တွင် ဗျာဒိတ် တော်ကိုရ၍ မိမိ တို့ ပြည် သို့ အခြား သောလမ်း ဖြင့် ပြန်သွား ကြ၏။ ၁၃ ထိုသူ တို့သွား ကြသည်နောက် ၊ ယောသပ် သည် အိပ်မက် ကိုမြင် သည်မှာ၊ ထာဝရ ဘုရား၏ကောင်းကင်တမန် သည် ထင်ရှား ၍၊ သင်ထ လော့။ မယ်တော် နှင့် သူငယ် တော်ကိုဆောင်ယူ ပြီးလျှင် ၊ အဲဂုတ္တ ပြည်သို့ ပြေး ၍၊ တစ်ဖန်ငါပြောဆို သည်တိုင်အောင် ထို ပြည်၌ နေ လော့။ ဟေရုဒ် မင်းကြီးသည် သူငယ် တော်ကို သတ် အံ့သောငှာ ရှာ လိမ့်မည်ဟုဆို လေ၏။ ၁၄ ထိုအခါ ယောသပ်သည် ထ ၍ မယ်တော် နှင့် သူငယ် တော်ကို ညဉ့် အခါနှစ်၌ ဆောင်ယူ ပြီးလျှင် အဲဂုတ္တ ပြည်သို့ ထွက်သွား ၍ ၊ ၁၅ ဟေရုဒ် မင်းကြီးအနိစ္စ ရောက်သည်တိုင်အောင် ထို ပြည်၌ နေ လေ၏။ ဤအကြောင်းအရာကား၊ ငါ့ သား ကို အဲဂုတ္တ ပြည်မှ ငါခေါ် ခဲ့ပြီဟု ထာဝရ ဘုရားသည် ပရောဖက် ဖြင့် ထား တော်မူသောဗျာဒိတ် တော် ပြည့်စုံ မည် အကြောင်းတည်း။ ၁၆ ထိုအခါ ဟေရုဒ် မင်းကြီးသည် မာဂု ပညာရှိတို့ လှည့်ဖြား သည် ကိုသိ လျှင်၊ ပြင်းစွာ အမျက်ထွက် ၍ လူ ကို စေလွှတ်သဖြင့်၊ မာဂု ပညာရှိတို့ ၌ စေ့စေ့မေးမြန်း ပြီးသောကြယ်၏အချိန် ကာလကို ထောက် ၍၊ ဗက်လင် မြို့မှစသော ကျေးလက် ရှိသမျှ တို့ ၌ နှစ် နှစ်အရွယ်မှစ၍ ထိုအရွယ်အောက် ယုတ်သော သူငယ် ယောကျ်ားအပေါင်း တို့ကို သတ် စေ၏။ ၁၇ ပရောဖက် ယေရမိ ဟော ဘူးသည်ကား၊ ၁၈ ရာမ အရပ်၌ သည်းစွာ သောညည်းတွား ငိုကြွေး၊

၁ အာဗြဟံနှင့် ဒါဝိဒ်တို့မှဆင်းသက်တော်မူသော ယေရှုခရစ်၏ ဆွေတော်စဉ်မျိုးတော်ဆက်စာရင်း ဟူမူကား။ ၂ အာဗြဟံသား ဣဇာတ်၊ ဣဇာတ်သား ယာကပ်။ ယာကုပ်သား ယုဒမှစ၍ ညီနောင်တစု။ ၃ ယုဒသည် မိမိခင်ပွန်း တာမာတွင်မြင်သော သားဖာရက်နှင့်ဇာရ။ ဖာရက်သားဟေဇရုံ။ ဟေဇရုံသား အာရံ။ ၄ အာရံသားအမိနဒပ်။ အမိနဒပ်သားနာရှုန်။ နာရှုန်သားစာလမုန်။ ၅ စာလမုန်သည် မိမိခင်ပွန်း ရာခပ်တွင်မြင်သော သားဗောဇ။ ဗောဇသည် မိမိခင်ပွန်းရုသတွင် မြင်သော သားဩဗက်။ ဩဗက်သားယေရှဲ။ ယေရှဲသား ဒါဝိဒ်မင်းကြီးတည်း။ ၆ ဒါဝိဒ်မင်းကြီးသည် ဥရိယ၏ခင်ပွန်းဖြစ်ဘူးသော မိန်းမတွင်မြင်သောသားရှောလမုန်။ ၇ ရှောလမုန်သား ရောဗောင်။ ရောဗောင်သား အဘိယ။ အဘိယာသား အာသ။ ၈ အာသသားယောရှဖတ်။ ယောရှဖတ်သား ယဟောရံ။ ယဟောရံသား ဩဇိ။ ၉ ဩဇိသားယောသံ။ ယောသံသား အာခတ်။ အာခတ်သား ဟေဇကိ။ ၁၀ ဟေဇကိသားမနာရှေ။ မနာရှေသားအာမုန်။ အာမုန်သားယောရှိ။ ၁၁ ယောရှိသား ယောယကိမ်။ ယောယကိမ်သည် ဗာဗုလုန်ပြို့သို့ နေရာပြောင်းခါနီးတွင် မြင်သောသား ယေခေါနိမ့စ၍ ညီနောင်တစုတည်း။ ၁၂ ဗာဗုလုန်ပြို့သို့ နေရာပြောင်းသည့်နောက်၊ ယေခေါနိသားရှာလသေလ။ ရှာလသေလသား ဇေရုဗဗေလ။ ၁၃ ဇေရုဗဗေလသားအဗျုဒ်။ အဗျုဒ်သား ဧလျာကိမ်။ ဧလျာကိမ်သား အာဇော်။ ၁၄ အာဇော်သား ဇာဒုတ်။ ဇာဒုတ်သား အာခိမ်။ အာခိမ်သားဧလုဒ်။ ၁၅ ဧလုဒ်သား ဧလာဇာ။ ဧလာဇာသား မဿန်။ မဿန်သား ယာကုပ်။ ၁၆ ယာကုပ်မြင်သောသားကား၊ မာရိ၏ ခင်ပွန်းယောသပ်တည်း။ ထိုမာရိသည် ခရစ်ဟုခေါ်ဝေါ် သမုတ်သော ယေရှု၏ မယ်တော်ဖြစ်၏။ ၁၇ ဤသို့လျှင်၊ မျိုးစဉ်ဆွယ်ဆက်ပေါင်းကား၊ အာဗြဟံမှသည် ဒါဝိဒ်တိုင်အောင် တဆယ်လေးဆက်၊ ဒါဝိဒ် မှသည် ဗာဗုလုန်ပြို့သို့ နေရာပြောင်းသည်တိုင်အောင် တဆယ်လေးဆက်၊ ဗာဗုလုန်ပြို့သို့ ပြောင်းပြီးမှသည် ခရစ်တော်တိုင်အောင် တဆယ်လေးဆက်ဖြစ်သတည်း။ ၁၈ ယေရှုခရစ်သည်ဘွားမြင်ခြင်းကို ခံတော်မူသောအကြောင်းအရာဟူမူကား၊ မယ်တော်မာရိသည် ယောသပ်နှင့် ထိမ်းမြားဆောင်နှင်း၍ မရက်တင်မီတွင် သန့်ရှင်းသောဝိညာဉ်တော်ကြောင့် ပဋိသန္ဓေစွဲနေ၏။ ၁၉ သူ၏ခင်ပွန်းယောသပ်သည် သူတော်ကောင်းဖြစ်၍၊ မာရိအသရေကို မပျက်စေချင်သောကြောင့် တိတ်ဆိတ်စွာစွန့်ပယ်မည်ဟု အကြံရှိ၏။ ၂၀ ထိုသို့ ကြံစည်၍နေစဉ်တွင် အိပ်မက်ကိုမြင်ရသည်မှာ၊ ထာဝရဘုရား၏ ကောင်းကင်တမန်သည် ထင်ရှား၍၊ ဒါဝိဒ်အမျိုးယောသပ်၊ သင်၏ခင်ပွန်းမာရိကို ထိန်းသိမ်းရမည်အခွင့်ကို မစိုးရိမ်နှင့်။ ဤပဋိသန္ဓေ သည် သန့်ရှင်းသောဝိညာဉ်တော်ကြောင့်ဖြစ်၏။ ၂၁ သားယောကျ်ားကို ဘွားမြင်လိမ့်မည်။ ထိုသားသည် မိမိလူတို့ကိုအပြစ်မှ ကယ်ချွတ် မည်သူဖြစ်သော ကြောင့်၊ ယေရှု ဟူသောအမည်ဖြင့် မှည့်ရမည်ဟု ကောင်းကင်တမန်ဆို၏။ ၂၂ ထိုအကြောင်းအရာမူကား၊ ထာဝရဘုရားသည် ပရောဖက်ဖြင့်ထားတော်မူသော ဗျာဒိတ်တော် ပြည့်စုံ မည် အကြောင်းအတည်း။ ၂၃ ဗျာဒိတ်တော်အချက်ဟူမူကကြည့်ရှုလော့။ သတို့သမီးကညာသည်ပဋိသန္ဓေစွဲယူ၍သားယောကျ်ားကို ဘွားမြင်လတံ့။ ထိုသားကို ဧမာနွေလအမည်ဖြင့် မှည့်ရကြလတံ့ဟုလာသတည်း။ ဧမာနွေလအနက်ကား ငါတို့နှင့်အတူ ရှိတော်မူသောဘုရားသခင်ဟု ဆိုလိုသတည်း။ ၂၄ ယောသပ်သည် အိပ်ပျော်ရာမှနိုးလျှင် ထာဝရဘုရား၏ကောင်းကင်တမန်မှာထားသည့်အတိုင်းပြု၍ မိမိခင်ပွန်းကို ထိန်းသိမ်းလေ၏။ ၂၅ သို့သော်လည်း၊ သားဦးကို မဘွားမီတိုင်အောင် သံဝါသမပြုဘဲနေ၏။ ထိုသားကိုလည်း ယေရှုဟူသော အမည်ဖြင့် မှည့်လေ၏။

၂ ယုဒပြည်ဗက်လင်မြို့၌ ဟေရုဒ်မင်းကြီးလက်ထက်၊ ယေရှုသည် ဘွားမြင်ခြင်းကိုခံတော်မူပြီးမှ၊ မာဂု ပညာရှိတို့သည် အရှေ့ပြည်က ယေရုရှလင်မြို့သို့ ရောက်လာကြလျှင်။ ၂ ယခု ဘွားမြင်သောယုဒရှင်ဘုရင်သည်၊ အဘယ်မှာရှိတော်မူသနည်း။ အရှေ့ပြည်၌ သူ၏ကြယ်ကို ငါ တို့ မြင်ရသည်ဖြစ်၍ ဖူးတွေ့မြော်ခြင်းငှါ ရောက်လာပြီဟု မေးမြန်းပြောဆိုကြ၏။ ၃ ထိုစကားကိုကြားလျှင် ဟေရုဒ်မင်းကြီးသည် ယေရုရှလင်မြို့သူမြို့သားအပေါင်းတို့နှင့်တကွ စိတ်ပူပန် ခြင်းသို့ ရောက်သဖြင့်၊ ၄ ယဇ်ပုရောဟိတ်အကြီးတို့နှင့်လူတို့တွင် ကျမ်းပြုဆရာရှိသမျှတို့ကို စုဝေးစေ၍ ခရစ်တော်ကို အဘယ် အရပ်မှာ ဘွားမြင်လိမ့်မည်နည်းဟု မေးမြန်းတော်မူ၏။ ၅ ထိုဆရာတို့ကလည်း၊ ပရောဖက်တဦး ရေးထားသောအချက်ဟူမူကား၊ ၆ အိုယုဒပြည်ဗက်လင်မြို့၊ အစိုးရသောယုဒမြို့တို့တွင်သင်သည် မြို့ငယ်မြို့ယုတ်မဟုတ်။ အကြောင်း မူကား၊ ငါ၏လူစုကြသရေလအမျိုးကို အုပ်စိုးရသောသခင်သည် သင်၏အထဲမှာပေါ်ထွန်းလတံ့ဟု ကျမ်းလာ ရှိပါ၏။ ထို့ကြောင့် ယုဒပြည်ဗက်လင်မြို့၌ ခရစ်တော်ကိုဘွားမြင်ရပါမည်ဟု မင်းကြီးအား ပြန်ကြားလျှောက် ထားကြ၏။ ၇ ထိုအခါ ဟေရုဒ်မင်းကြီးသည်၊ မာဂုပညာရှိတို့ကိုမထင်မရှားခေါ်၍ ကြယ်ပေါ် ထွန်းသောအချိန် ကာလကို စေ့စေ့မေးမြန်းပြီးမှ၊ ၈ သင်တို့သွား၍ ထိုသူငယ်ကိုကြိုးစားရှာကြပါ။ တွေ့လျှင် ငါထံသို့ ပြန်လာ၍ ငါလည်း ထိုသူငယ်ကို ဖူးတွေ့ပူဇော်ရအောင် ကြားပြောကြပါဟု မှာထားတော်မူလျက်၊ ဗက်လျင်မြို့သို့ စေလွှတ်လေ၏။ ၉ ထိုသူတို့သည် မင်းကြီးစကားကိုနာခံပြီးလျှင်ထွက်သွားကြ၍ အရှေ့ပြည်၌မြင်ရသောကြယ်သည် သူတို့ ရှေ့ကသွားသဖြင့် သူငယ်တော်ရှိရာအရပ်အပေါ် သို့ရောက်၍ တည်လျက်နေ၏။ ၁၀ ထိုကြယ်ကိုမြင်ပြန်သောအခါ အလွန်ဝမ်းမြောက်ဝမ်းသာခြင်းရှိ၍၊ ၁၁ အိမ်သို့ဝင်လေသော်၊ မယ်တော်မာရိနှင့်တကွ သူငယ်တော်ကိုတွေ့မြင်လျှင် ပြပ်ဝပ်ကိုးကွယ်၍၊ မိမိတို့ ဘဏ္ဍာဥစ္စာတို့ကိုဖွင့်ပြီးမှ လောဗန်နှင့်မုရန် တည်းဟူသောနံ့သာမျိုးကို၎င်း၊ ရွှေကို၎င်း ဆက်ကပ်ပူဇော်ကြ၏။ ၁၂ နောက်မှ ဟေရုဒ်မင်းကြီးထံသို့ မပြန်ရမည်အကြောင်းကိုအိပ်မက်တွင် ဗျာဒိတ်တော်ကိုရ၍ မိမိတို့ ပြည်သို့ အခြားသောလမ်းဖြင့်ပြန်သွားကြ၏။ ၁၃ ထိုသူတို့ သွားကြသည်နောက်၊ ယောသပ်သည်အိပ်မက်ကိုမြင်သည်မှာ၊ ထာဝရဘုရား၏ ကောင်းကင် တမန်သည်ထင်ရှား၍၊ သင်ထလော့။ မယ်တော်နှင့် သူငယ်တော်ကိုဆောင်ယူပြီးလျှင်၊ အဲဂုတ္တုပြည်သို့ပြေး၍၊ တဖန် ငါပြောဆိုသည်တိုင်အောင် ထိုပြည်၌နေလော့။ ဟေရုဒ်မင်းကြီးသည် သူငယ်တော်ကို သတ်အံ့သောဟု ရှာလိမ့်မည်ဟုဆိုလေ၏။ ၁၄ ထိုအခါ ယောသပ်သည် ထ၍ မယ်တော်နှင့်သူငယ်တော်ကို ညဉ့်အချိန်၌ ဆောင်ယူပြီးလျှင် အဲဂုတ္တုပြည်သို့ ထွက်သွား၍၊ ၁၅ ဟေရုဒ်မင်းကြီး အနိစ္စရောက်သည်တိုင်အောင် ထိုပြည်၌နေလေ၏။ ဤအကြောင်းအရာကား၊ ငါသား ကို အဲဂုတ္တုပြည်မှငါခေါ်ခဲ့ပြီဟု ထာဝရဘုရားသည် ပရောဖက်ဖြင့်ထားတော်မူသောဗျာဒိတ်တော် ပြည့်စုံမည် အကြောင်းတည်း။ ၁၆ ထိုအခါ ဟေရုဒ်မင်းကြီးသည် မာဂုပညာရှိတို့ လှည့်ဖြားသည်ကိုသိလျှင်၊ ပြင်းစွာအမျက်ထွက်၍ လူကို စေလွှတ်သဖြင့်၊ မာဂုပညာရှိတို့ ၌ စေ့စေ့မေးမြန်းပြီးသော ကြယ်၏အချိန်ကာလကိုထောက်၍၊ ဗက်လင်မြို့မှ စသော ကျေးလက်ရှိသမျှတို့ ၌ နှစ်နှစ်အရွယ်မှစ၍ ထိုအရွယ်အောက်ယုတ်သော သူငယ်ယောကျ်ားအပေါင်း တို့ကို သတ်စေ၏။ ၁၇ ပရောဖက်ယေရမိဟောဘူးသည်ကား၊ ၁၈ ရာမအရပ်၌ သည်းစွာသောညည်းတွားငိုကြွေး၊ မြည်တမ်းခြင်းအသံကိုကြားရ၍၊ ရာခေလသည် မိမိ သားတို့ မရှိသောကြောင့်ငိုရှ၍ စိတ်မပြေနိုင်ဟူသောစကားသည်

Matthew

1 Abraham laga chokra, David laga chokra, Jisu Khrista laga purbo khandan laga likhi kene rakha kitab. **2** Abraham, Isaac laga baba hoise, aru Isaac, Jacob laga baba hoise, aru Jacob, Judah aru tai laga bhai-kokai khan laga baba hoise. **3** Judah pora Perez laga baba, aru Zerah pora Tamar laga baba, Perez pora Hezron laga baba hoise, aru Hezron, Ram laga baba hoise. **4** Ram, Amminadab laga baba hoise, aru Amminadab, Nahshon laga baba hoise, aru Nahshon, Salmon laga baba hoise. **5** Salmon, Boaz laga baba hoise, etu to Rahab logot pora hoise, aru Boaz, Obed laga baba Ruth logot pora hoise, aru Obed, Jesse laga baba hoise. **6** Jesse, Raja David laga baba hoise, aru David, Solomon laga baba, Uriah laga maiki logot pora hoise. **7** Solomon pora Rehoboam laga baba hoise, aru Rehoboam pora Abijah laga baba hoise, aru Abijah pora Asa laga baba hoise. **8** Asa pora Jehoshaphat laga baba hoise, aru Jehoshaphat pora Joram laga baba hoise, aru Joram pora Uzziah laga baba hoise. **9** Uzziah pora Jotham laga baba hoise, aru Jotham pora Ahaz laga baba hoise, aru Ahaz pora Hezekiah laga baba hoise. **10** Hezekiah pora Manasseh laga baba hoise, aru Manasseh pora Amon laga baba hoise, aru Amon pora Josiah laga baba hoise. **11** Josiah pora Jechoniah aru tai laga bhai-kokai khan laga baba hoise jitia taikhan ke Babylon desh te dhurikene loi jaise. **12** Babylon te loija pichete, Jechoniah pora Shealtiel laga baba hoise, aru Shealtiel pora Zerubbabel laga baba hoise. **13** Zerubbabel pora Abiud laga baba hoise, aru Eliakim pora Azor laga baba hoise. **14** Azor pora Zadok laga baba hoise, aru Zadok pora Achim laga baba hoise, aru Achim pora Eliud laga baba hoise. **15** Eliud pora Eleazar laga baba hoise, aru Eleazar pora Matthan laga baba hoise, aru Matthan pora Jacob laga baba hoise. **16** Jacob pora Joseph laga baba hoise, jun laga maiki Mary asele, jun pora Jisu ke jonom dise, aru Khrista koi kene matise. **17** Etu karone, sob khandan Abraham pora loi kene David tak choudah khandan thakise, aru David pora loi kene jun khan ke Babylon te loi jaise aru Jisu Khrista laga jonom etu tak choudah khandan thakise. **18** Jisu Khrista laga jonom eneka pora hoise. Tai laga ama, Mary Joseph ke shadi kori bole kotha milai loise, kintu tai duijon shadi nohua age te, Pobitro Atma dwara bacha pet te bukhi ja jani jaise. **19** Kintu Joseph, tai laga mota, ekjon dharmik manu asele aru sob manu age te taike bodnam nadibo nimite, tai lukaikene taike chari bole bhabona kori loise. **20** Jitia tai eitu khan bhabi thakise, Probhu laga ekjon sorgodoth tai laga sapna te ahise, aru eneka koise, “Joseph, David laga chokra, Mary ke tumi laga maiki kori bole bhoi na koribi, kele koile juntu ekjon bacha tai laga pet te bukhikena ase etu Pobitro Atma pora ase. **21** Tai ekjon chokra bacha ke jonom dibo, aru tumi tai laga naam Jisu rakhibo, kelemane Tai he Tai laga manu khan ke taikhan laga paap pora bachai lobo.” **22** Isor pora bhabobadi khan dwara kowa kotha khan pura hobole karone eitu khan sob tineka he hoi jaise. Eneka likha ase, **23** “Huni bhi, ekjon kumari maiki pora tai laga pet te bacha bukhi bo aru ekjon chokra ke jonom dibo, aru taikhan Tai laga naam Immanuel” rakhibo- etu motlob ase, “Isor amikhan logote ase.” **24** Etu pichete Joseph ghumai thaka pora uthijaise aru ki kotha Isor laga sorgodoth pora hukum dise tai etu manise aru Mary ke tai laga maiki bonai loise. **25** Kintu tai laga maiki pora bacha jonom nohua tak, tai laga usorte janai aru tai bacha laga naam Jisu matise.

2 Jitia Herod raja thakise, etu somoite Judea desh laga Bethlehem town te Jisu jonom hoise. Aru gyaan thaka manu khan purab phale thaka desh pora jonom laga kotha huni kene Jerusalem te ahise, **2** aru eneka hudise, “Yehudi khan laga Raja hobole jonom huwa to kot te ase? Kilekoile amikhan Tai laga tara purab te dikhise, aru amikhan Taike aradhana kori bole ahise.” **3** Kintu jitia Herod raja etu hunise, tai aru tai logote Jerusalem te thaka khan sob laga mon chinta hoise. **4** Etu pichete Herod raja pora mukhyo purohit aru niyom likha manu khan ke eke logote mati kene hudise, “Khrista to kun jagate jonom hobo?” **5** Taikhan taike koise, “Judea laga Bethlehem te, kele koile etu he bhabobadi khan pora Isor kotha te likhise, **6** ‘Kintu tumi Bethlehem, Judah desh te thaka, Apnikhan Judah desh laga cholawta khan pora komti nohoi, Kilekoile apnikhan majot pora ekjon raja ulabo, Jun Ami laga Israel manu khan ke Rokhiya kori cholai loijabo.’” **7** Etu pichete, Herod pora lukaikene gyaani manu khan ke kotha korise aru tara ki homoi te ulaise etu bhal pora jani loise. **8** Etu pichete tai gyaani manu khan ke Bethlehem te eneka koi kene pathaise, “Jabi aru bhal pora etu bacha ke bisari bhi. Kitia apnikhan taike pabo, amike kobi, kele koile Moi bhi ta te jai kene Taike aradhana koribo.” **9** Raja laga kotha khan huna pichete, taikhan jai jaise, aru sabi, taikhan juntu tara purab te dikhise etu eke tara aru dikhise aru taikhan etu tara laga piche jaise. Etu tara taikhan age-age jai kene bacha thaka jaga uporte rukhi jaise. **10** Jitia taikhan tara ke dikhise, taikhan

Mathiu

1 Jisu Kristo te awah Dewid sutoom loong, marah Abraham sutoom angta loong ah arah. **2** Abraham dowa ih Dewid tuk ih arah loong te awah rah ang rumta: Abraham, Isak, Jaakob, Juda nyi soophoh loong; erah lilih Perej nyia Jera (Nyi nuh ah Tamar angta), Hejron, Ram, Aminadab, Nason, Salmon, Booj (heh nuh ah Raahab angta), Obed (heh nuh ah Ruth), Jiisi nyia luungwang Dewid. **6** Dewid dowa ih Ijirel mina loong Bebiloon ni doksoon karumta tokdi te awah ah arah loong ah ang rumta: Dewid, Solomon (heh nuh rah langla Uriah minuh angta), Rehoboom, Abijah, Asa, Jehosaphat, Jehoram, Ujiah, Jotham, Ahaj, Hejekiah, Maniseh, Amon, Josiah, Jehochin nyia heh no loong ang rumta. **12** Bebiloon ni doksoon karumta dowa ih Jisu Kristo tupta mong adi te awah rah arah loong ah ang rumta: Jehoiachin, Siiltil, Jerubabel, Abiud, Eliakim, Ajor, Jaadok, Achim, Eliud, Eliajar, Matthan, Jaakob, nyia Jisu ah Kristo et poon rumta nuh Meeri kapte wah Josep. **17** Erah ang abah, Dewid dowa ih Abraham chamchi ni mina hasong ah asih roi baji angta, eno Dewid dowa ih Bebiloon ni hamat karumta mong adi asih roi baji angta erah damdi Bebiloon ni hamat karumta dowa ih Jisu tup ra taha chamchi adi uh asih roobaji angta. **18** Jisu Kristo ah ame tupta. Heh nuh Meeri ah Josep damdi kakhat muita, enoothong maang nookmui nyuuka ngadi, Meeri suh Esa Chiiala nawa ih hemong ni heh sah ejen wok et thukta. **19** Josep ah saarookwih epun ih reete toongtang mina angta, ang abah uh heh ih Meeri asuh noksong dung nah erakri phoh eah ih thun ano; husah lam ih we paak haatmui suh taat thunta. **20** Heh ih erah thunta tok adi, Teesu ih Rangsah ah heh mangphe di dongchap ano baat thukta, “Josep, Dewid sutoom, Meeri ah an sanuh et kap suh nakcho uh. Tumeah heh suh Esa Chiiala nawa ih sakjih ang thukla. **21** Heh ih miwasah et dong tup ah, eno an ih heh men ah Jisu et men theng tumeah heh ih heh mina loong neng rangdah nawa puipang ah.” **22** Erah langla Teesu ih khowah suh baatta jengkhaap ah amiisak toom ang raaha ih ang thukla, **23** “Kateng Jaalah esiit heh sah wok ano heh sah ah miwasah ang ah, eno Imanuel et poon ah” (erah langla, “Rangte ah seng damdi”) **24** Eno Josep ah jup nawa saat ano, Rangsah ih baatta jun ih, Meeri ah kapta. **25** Ang abah uh heh sah tup ngah di Meeri damdi taroom jupta. Eno Josep ih heh men ah Jisu et menta.

2 Jisu ah Judia ni Betlehem hadaang adi tupta, eno erah tokdi Hirod ah luungwang angta. Erah tup damdam, seek di saadongko nawa mararah mina riksih jatsokte loong Jerusalem ni thok rum taha **2** eno cheng rumta, “Noodek Jehudi luungwang ih hoonte ah maradi tup ha? Seng ih saadongko ni heh reksih dong phaakta ah tupti, eno heh suh khorongngot thok hali.” **3** Eno Hirod luungwang ih erah japchaat ano, rapne ih mongsaamta, erah damdi Jerusalem mina loong anep roong mongsaam rumta. **4** Eno heh ih romwah phokhoh loong nyia Hootthe nyootte loong ah lompoon ano cheng rumta, “Kristo ah maradoh tup ah?” **5** “Judia nawa Betlehem hadaang adoh,” neng ih baat rumta. “Tumeah arah tiit ah khowah ih amet raangthiinta: **6** ‘Juda hah dowa Betlehem, an ah Juda samnuthung adoh ehin tah angko; erah dowa an noksong pante ih dong uh Ijirel dowa nga mina loong ah ban koonchaate ah.’” **7** Eno Hirod ih saadongko nawa jatwah loong ah husah lam ih ngoongthum lompoon ano riksih phangdongta saapoot ah chocheng rumta. **8** Erah dowa ih heh ih neng ah Betlehem hadaang ni kaatthuk rum ano amet baat rumta: “Kah anno noodek maradi tup ha rah naririh et jam kah an, eno chotup anno, ngah suh baat he, ngah uh heh re nah khorongngot kaat suh thunhang.” **9** Eno dokkhoomta, neng lam ni khoom rum adi, saadongko ni tup rumta reksih ah we kaptup rum ano, rapne ih roon rumta, neng suh tumthan thunghaan jih angta! Riksih ah nengngah nengngah ih ban kah ano maradi noodek tupta erah di tangchap kata. **11** Neng ah nokmong ni nopkhoom rum ano, noodek ah heh nuh Meeri damdi ang arah tup rumta, eno neng lakuh di tongrum ano khorongngot rumta. Neng ih tenroon ih hun, Phontum nyia etingtak theng phontumkaang loong ah, heh suh laknoi et dokkoh rumta. **12** Eno neng, ah neng deek ni lamhoh ko ih ngaakwang rumta, neng mangphe di Rangte ih Hirod jiinnah nak ngaak wang an ih dangdang ih baat rum kano ah. **13** Neng dokkhoom rumta lini, Rangsah ah Josep mangphe ni dongchap ano baatta, “Hirod ih noodek ah tek haat et suh jam sok ette angla. Erah thoidi dokchap an, noodek nyi soonuh ah siit uno Ijip nah hutong kah an, eno erah nawa dokkhoom suh ngah ih maang baatbaat sen ban tongruh etheng. **14** Eno Josep ah saatta, eno soonuh nyi ah siit ano, rangphe phe di Ijip ni karumta, **15** erah ni neng Hirod maang tektek ih tong karumta. Erah langla Teesu ih khowah suh mamet baatta erah jun ih amiisak angsuh re rumta, “Ngah ih nga sah ah Ijip nawa dokpoon ang.” **16** Hirod luungwang ih saadongko nawa jatwah loong ih heh mokwaan rumta ah jat ano,

UMathewu

1 Umbhalo wosendo lukaJesu Khristu indodana kaDavida, indodana ka-Abhrahama: **2** U-Abhrahama wayenguyise ka-Isaka, u-Isaka uyise kaJakhobe, uJakhobe uyise kaJuda labafowabo, **3** uJuda uyise kaPherezi loZera, unina owayenguThamari, uPherezi uyise kaHezironi, uHezironi uyise kaRamu, **4** uRamu uyise ka-Aminadabi, u-Aminadabi uyise kaNashoni, uNahishoni uyise kaSalimoni, **5** uSalimoni uyise kaBhowazi, unina owayenguRahabi, uBhowazi uyise ka-Obhedi, unina owayenguRuthe, u-Obhedi uyise kaJese, **6** uJese uyise wenkosi uDavida. UDavida wayenguyise kaSolomoni, unina owayeke waba ngumka-Uriya, **7** uSolomoni uyise kaRehobhowami, uRehobhowami uyise ka-Abhija, u-Abhija uyise ka-Asa, **8** u-Asa uyise kaJehoshafathi, uJehoshafathi uyise kaJehoramu, uJehoramu uyise ka-Uziya, **9** u-Uziya uyise kaJothamu, uJothamu uyise ka-Ahazi, u-Ahazi uyise kaHezekhiya, **10** uHezekhiya uyise kaManase, uManase uyise ka-Amoni, u-Amoni uyise kaJosiya, **11** uJosiya owayenguyise kaJekhoniya labafowabo ngesikhathi bethunjwe eBhabhiloni. **12** Emva kokuthunjwa eBhabhiloni: uJekhoniya wayenguyise kaSheyalithiyeli, uSheyalithiyeli uyise kaZerubhabheli, **13** uZerubhabheli uyise ka-Abhiyudi, u-Abhiyudi uyise ka-Eliyakhimu, u-Eliyakhimu uyise ka-Azori, **14** u-Azori uyise kaZadokhi, uZadokhi uyise ka-Akhimu, u-Akhimu uyise ka-Elihudi, **15** u-Elihudi uyise ka-Eliyazari, u-Eliyazari uyise kaMathani, uMathani uyise kaJakhobe, **16** uJakhobe uyise kaJosefa, umkaMariya, owazala uJesu obizwa ngokuthi nguKhristu. **17** Ngokunjalo-ke, kwakulezizukulwane ezilitshumi lane sezizonke kusukela ku-Abhrahama kusiya kuDavida, ezilitshumi lane kusukela kuDavida kusiya ekuthunjweni yiBhabhiloni njalo ezilitshumi lane kusukela ekuthunjweni kusiya kuKhristu. **18** UJesu Khristu wazalwa kanje: Unina uMariya wayethembise ukuthi uzakwendela kuJosefa kodwa kwathi bengakahlangani wabonakala esezithwele kwenziwe ngoMoya oNgcwele. **19** Ngoba umkakhe uJosefa wayeyindoda elungileyo emthethweni, njalo engafuni ukumyangisa ebantwini, wacabanga ukumala ngasese. **20** Uthe esekucabangile lokhu, kwafika kuye ingilosi yeNkosi ephutsheni yathi, "Josefa ndodana kaDavida, ungesabi ukuthatha uMariya ukuba abe ngumkakho ngoba lokhu akhulelwe ngakho kuvela kuMoya oNgcwele. **21** Uzabeletha indodana ozayetha ibizo uthi nguJesu ngoba uzasindisa abantu bakhe ezonweni zabo." **22** Konke lokhu kwenzakala ukuze kugcwaliseke okwatshiwo yiNkosi ngomphrofethi ukuthi: **23** "Intombi egcweleyo izakhulelwa izale indodana, bayibize ngokuthi ngu-Emanuweli" (okutsho ukuthi, "uNkulunkulu ulathi"). **24** UJosefa esevukile ebuthongweni wenza lokho ingilosi yeNkosi eyayimlaye khona, wamthatha uMariya waba ngumkakhe. **25** Kodwa kazange embathe laye waze wabeletha indodana. Wayetha ibizo wathi nguJesu.

2 UJesu esezelwe eBhethilehema laseJudiya ngesikhathi sokubusa kwenkosi uHerodi, kwafika eJerusalema iZazi zivela empumalanga, **2** zabuza zathi, "Ungaphi lowo ozalelwe ukuba yinkosi yamaJuda na? Sibone inkanyezi yakhe empumalanga ngakho size ukuzamkhonza." **3** Kwathi inkosi uHerodi isikuzwile lokhu yakhathazeka, kanye leJerusalema lonke. **4** Kwathi esebizele ndawonye abaphristi abakhulu bonke labafundisi bomthetho, wababuza ukuthi uKhristu wayezazalelwa ngaphi. **5** Baphendula bathi, "EBhethilehema laseJudiya, ngoba lokhu yikho okwalotshwa ngumphrofethi ukuthi: **6** 'Kodwa wena Bhethilehema, elizweni lakoJuda, kawumncinyane kulabo bonke ababusi bakoJuda; ngoba kuzavela umbusi kuwe, ozakuba ngumelusi wabantu bami bako-Israyeli.'" **7** UHerodi wasezibiza iZazi ngasese wadingisisa kuzo isikhathi inkanyezi eyaphuma ngaso ngqe. **8** Wabathuma eBhethilehema wathi, "Hambani liyemdinga umntwana. Lingamfumana lingazise masinyane ukuze lami ngihambe ngiyemkhonza." **9** Sezizwile okwatshiwo yinkosi, zasuka zahamba, inkanyezi leyo ezaziyibonile empumalanga yahamba phambi kwazo yaze yayakuma lapho umntwana ayekhona. **10** Zathi ziyibona inkanyezi zagcwala intokozo. **11** Zangena endlini zambona umntwana lonina uMariya, zakhothama zamkhonza. Zasezivula impahla zazo eziligugu zamkhunga ngezipho zegolide lempepha lemure. **12** Kwathi ngoba zixwayisiwe ephutsheni ukuthi zingabuyeli kuHerodi, zaqonda elizweni lakibo ngenye indlela. **13** Kwathi sezihambile, ingilosi yeNkosi yabonakala kuJosefa ngephupho. Yathi, "Vuka uthathe umntwana lonina libalekele eGibhithe. Lihlale khonale ngize ngilitshele ngoba uHerodi uzamdinga umntwana efuna ukumbulala." **14** Ngakho wavuka wathatha umntwana lonina ebusuku waya eGibhithe **15** lapho abahlala khona uHerodi waze wafa. Ngakho kwagcwaliseka lokho iNkosi eyayikutshilo ngomphrofethi ukuthi, "Indodana yami ngayikhupha eGibhithe." **16** Kwathi ukuba uHerodi ananzelele ukuthi iZazi zazimphicile wazonda kakhulu, wasekhupha umlayo wokuthi kubulawe bonke abantwana abangabafana eBhethilehema lasemangweni wonke oseduze, bonke ababeleminyaka emibili kusehla, kuhambelana lesikhathi leso ayesitshelwe yiZazi. **17** Ngakho lokho okwakutshiwo ngumphrofethi uJeremiya kwagcwaliseka ukuthi: **18** "Ilizwi lizwakala eRama, ukukhala lesililo esikhulu, uRasheli ekhalela abantwana bakhe njalo wala ukududuzwa, ngoba kabasekho." **19** UHerodi esefile, ingilosi yeNkosi yabonakala ngephupho kuJosefa eseGibhithe **20** yathi, "Sukuma uthathe umntwana lonina liye elizweni lako-Israyeli ngoba labo ababefuna ukubulala umntwana sebefile." **21** Ngakho wasukuma wathatha umntwana lonina waya elizweni lako-Israyeli. **22** Kodwa wathi ngokuzwa ukuthi u-Akhelasi wayebusa eJudiya esikhundleni sikayise uHerodi wesaba ukuya khona. Kwathi esexwayisiwe ephutsheni wahamba wayahlala eGalile, **23** edolobheni elalithiwa yiNazaretha. Ngalokho kwagcwaliseka

UMathewu

1 Ugwalo lokuzalwa kukaJesu Kristu, iNdodana
kaDavida, indodana kaAbrahama. **2** UAbrahama
wazala uIsaka; uIsaka wasezala uJakobe; uJakobe
wasezala uJuda labafowabo; **3** uJuda wasezala uFaresi
loZara kuTamari; uFaresi wasezala uEsiromu; uEsiromu
wasezala uAramu; **4** uAramu wasezala uAminadaba;
uAminadaba wasezala uNashoni; uNashoni wasezala
uSalimoni; **5** uSalimoni wasezala uBowosi kuRahabi;
uBowosi wasezala uObedi kuRuthe; uObedi wasezala
uJese; **6** uJese wasezala uDavida inkosi; uDavida
inkosi wasezala uSolomoni kowayengumkaUriya; **7**
uSolomoni wasezala uRehobhowamu; uRehobhowamu
wasezala uAbhiya; uAbhiya wasezala uAsa; **8**
uAsa wasezala uJehoshafathi; uJehoshafathi wasezala
uJoramu; uJoramu wasezala uOziya; **9** uOziya
wasezala uJothamu; uJothamu wasezala uAhazi;
uAhazi wasezala uHezekhiya; **10** uHezekhiya wasezala
uManase; uManase wasezala uAmoni; uAmoni wasezala
uJosiya; **11** uJosiya wasezala uJekoniya labafowabo
esikhathini sokuthunjelwa eBhabhiloni. **12** Kwathi emva
kokuthunjelwa eBhabhiloni uJekoniya wazala uSalatiyeli;
uSalatiyeli wasezala uZerubhabheli; **13** uZerubhabheli
wasezala uAbiyudi; uAbiyudi wasezala uEliyakhimi;
uEliyakhimi wasezala uAzori; **14** uAzori wasezala
uZadoki; uZadoki wasezala uAkimi; uAkimi wasezala
uEliyudi; **15** uEliyudi wasezala uEleyazare; uEleyazare
wasezala uMathani; uMathani wasezala uJakobe; **16**
uJakobe wasezala uJosefa indoda kaMariya, okwazalwa
kuye uJesu othiwa nguKristu. **17** Ngakho izizukulwana
zonke ezisukela kuAbrahama zisiya kuDavida
ziyizizukulwana ezilitshumi lane; lezisukela kuDavida ziye
ekuthunjelweni eBhabhiloni ziyizizukulwana ezilitshumi
lane; lezisukela ekuthunjelweni eBhabhiloni ziye
kuKristu ziyizizukulwana ezilitshumi lane. **18** Ngakho
ukuzalwa kukaJesu Kristu kwaba nje. Ngoba unina
uMariya esegane uJosefa, bengakahlangani wabonakala
eselesisu ngoMoya oNgcwele. **19** Kodwa uJosefa
indoda yakhe engolungileyo, njalo engathandi ukumthela
ihlazo, wayefuna ukumala ensitha. **20** Kwathi esanakana
lezizinto, khangela, ingilosi yeNkosi yabonakala
kuye ephutsheni, esithi: Josefa, ndodana kaDavida,
ungesabi ukumthatha uMariya umkakho; ngoba lokho
akukhulelweyo kungoMoya oNgcwele; **21** njalo uzazala
indodana, ubize ibizo layo uthi nguJesu; ngoba yena
uzasindisa abantu bakhe ezonweni zabo. **22** Konke
lokhu-ke kwenzeka ukuze kugcwaliseke okwakhulunywa
yiNkosi ngomprofethi ukuthi: **23** Khangela, intombi
izathatha isisu ibelethe indodana, njalo bazabiza ibizo layo
ngokuthi nguEmanuweli, okuyikuthi ngokuphendulelwa,
uNkulunkulu ulathi. **24** Kwathi uJosefa esephapheme
ebuthongweni wenza njengalokho ingilosi yeNkosi
imlayile, wasethatha umkakhe; **25** kodwa kazange amazi
waze wabeletha indodana yakhe eyingqabutho; wasebiza
ibizo layo wathi nguJesu.

2 Kwathi uJesu esezelwe eBhethelehema yeJudiya,
ensukwini zikaHerodi inkosi, khangela, kwafika izazi
eJerusalema zivela empumalanga, **2** zisithi: Ungaphi
ozelwe eyinkosi yamaJuda? Ngoba sibonile inkanyezi
yakhe empumalanga, njalo sesize ukumkhonza.
3 Ngakho uHerodi inkosi esezwile wakhathazeka,
leJerusalema yonke kanye laye. **4** Esebuthanisile
bonke abapristi abakhulu lababhali babantu, wabuza
kubo ukuthi uKristu uzazalelwa ngaphi. **5** Basebesithi
kuye: EBhethelehema yeJudiya; ngoba kulotshiwe
ngokunjalo ngumprofethi ukuthi: **6** Lawe, Bhethelehema,
lizwe lakoJuda, kawusuye omncinyane lakanye
phakathi kwababusi bakoJuda; ngoba kuzavela kuwe
umbusi, ozakwelusa abantu bami uIsrayeli. **7** Khona
uHerodi, esezibizile izazi ensitha, wabuzisisa kuzo
isikhathi sokubonakala kwenkanyezi. **8** Wasezithuma
eBhethelehema wathi: Hambani libuzisise ngomntwana
omncinyane; kuzakuthi nxa limtholile, libike kimi,
ukuze lami ngiye ngimkhonze. **9** Kwathi seziyizwile
inkosi zasuka zahamba; njalo khangela, inkanyezi,
ezayibona empumalanga, yahamba phambi kwazo,
yaze yafika yema phezu kwalapho usane olwalukhona.
10 Zathi ukuyibona inkanyezi zathokoza ngentokozo
enkulu kakhulu. **11** Zasezingena endlini, zabona usane
kanye loMariya unina, zawela phansi zalukhonza,
zavula impahla zazo eziligugu zalukhunga ngezipho,
igolide lempepha lemure. **12** Kwathi sezilayiwe
nguNkulunkulu ephutsheni ukuthi zingabuyeli kuHerodi,
zasuka zabuyela elizweni lakizo ngenye indlela. **13**
Kwathi sezisukile, khangela, ingilosi yeNkosi ibonakala
kuJosefa ephutsheni, isithi: Vuka uthathe usane lonina,
ubusubalekela eGibhithe, ube khona ngize ngikutshele;
ngoba uHerodi uzaludinga usane, ukuze alubulale. **14**
Wavuka-ke wathatha usane lonina ebusuku wasuka
waya eGibhithe, **15** wasehlala khona kwaze kwaba
yikufa kukaHerodi; ukuze kugcwaliswe okwakhulunywa
yiNkosi ngomprofethi isithi: Ngiyibizile indodana yami
iphume eGibhithe. **16** Kwathi uHerodi, esebonile
ukuthi uphicwe yizazi, wathukuthela kakhulu, wathuma
wabulala abantwana bonke ababeseBhethelehema
lemingceleni yayo yonke, kusukela eminyakeni emibili
langaphansi, njengesikhathi abebuzisise ngaso kuzazi.
17 Kwasekugcwaliseka okwakhulunywa nguJeremiya
umprofethi, ukuthi: **18** Kwezwakala ilizwi eRama, ukukhala
lokulila lokudabuka okukhulu, uRasheli elilela abantwana
bakhe, njalo engavumi ukududuzwa, ngoba bengasekho.
19 Kodwa kwathi esefile uHerodi, khangela, ingilosi
yeNkosi yabonakala ephutsheni kuJosefa eGibhithe,
20 isithi: Vuka uthathe umntwana omncinyane lonina,
uye elizweni lakoIsrayeli; ngoba sebefile ababedinga
umphefumulo womntwana omncinyane. **21** Wavuka-
ke wathatha umntwana omncinyane lonina wasefika

Mathayo

1 Kitabu cha lukolo lwa Yesu Kristo mwana wa
Daudi, mwana wa Ibrahimu, **2** Ibrahimu abile tate
ba Isaka, ni Isaka tate bake Yakobo, ni Yakobo tate
ba Yuda ni nuna bake. **3** Yuda abile tate ba Peresi ni
Sera kwa Tamari, Peresi tate ba Hezeroni, ni Hezeroni
tate ba Ramu. **4** Ramu abile tate ba Aminadabu,
Aminadabu tate ba Nashoni, ni Nashoni tate ba
Salimoni, **5** Salimoni abile tate ba Boazi kwa Rahabu,
Boazi tate ba Obedi kwa Ruth, Obedi tate ba Yese,
6 Yese abile tate ba mpwalume Daudi, Daudi abile
tate ba Sulemani kwa nnyumbo wa Uria. **7** Sulemani
abile tate ba Rehoboamu, Rehoboamu tate ba Abiya,
Abiya tate ba Asa. **8** Asa abile tate ba Yehishafati tate
ba Yoramu, ni Yoramu tate ba Uzia. **9** Uzia abile tate
ba Yothamu, Yothamu tate ba Ahazi, Ahazi tate ba
Hezekia. **10** Hezekia abile tate ba Manase, Manase
baba ba Amoni ni Amoni tate ba Yosia. **11** Yosia
abile tate ba Yekonia ni kaka bake wakati pabatolilwe
yenda Babeli. **12** Ni baada ya tolelwa yenda Babeli,
Yekonia abile tate ba Shatieli abile babu bake ni
Zarubabeli. **13** Zarubabeli abile tate ba Abiudi, Abiudi
tate ba Eliakimu, ni Eliakimu tate ba Azori, **14** Azori
abile tate ba Zadoki, Zadoki tate ba akimu, ni Akimu
baba ba Eliudi. **15** Eliudi abile tate ba Eliaza, Eliaza
tate ba Matani ni Matani tate ba Yakobo. **16** Yakobo
abile tate ba Yusufu nsengo wa Mariamu, ambaye
kwa Yembe Yesu abelekilwe, ywa kemwa Kristo. **17**
Ibelei yoti tangu Ibrahimu hadi Daudi yabile ibelei komi
ni ncheche, kuoma Daudi hadi kutoliwa yenda Babeli
ibelei komi ni ncheche, ni kuoma kutoliwa yenda
Babeli mpaka Kristo yabile ibelei komi ni ncheche.
18 Belekwa kwa Yesu Kristo kwabile nyonyo, Mao
bake, Mariamu, achumbilwe ni Yusufu, lakini babi
bado gonja pamope, abonekine kubi ni ndumbo kwa
uwezo ba Roho mtakatifu. **19** Nchengo bake, Yusufu,
abile mundu wa Nnongo apendi kwaa kumpeya
oni. Amweni anneka kwa siri. **20** Pabilekagawaza
kunani makowe ago, Malaika ba Ngwana ampili
mundoto, kakoya, “Yusufu mwana wa Daudi, kana
uyogope kuntola Mariamu kuba nnyumbo bako, kwa
sababu ndumbo abi nayo ni kwa uweza wa Roho
mtakatifu. **21** Alowa beleka mwana nnalome ni walowa
kunkema lina lyake Yesu, kati apala kubalopwa bandu
bake kuoma musambi zabe.” **22** Ngoti yega yapitike
kamirisha chelo sabakilwe kwa ndela ya manabii,
kakoya, **23** Lola, bikira apatola ndumbo ni beleka
mwana nnalome, ni akemwa lina lyake Imanueli
maana yake, “Nnongo pamope natwenga.” **24** Yusufu
atiyumuka kuoma mulugono ni panga kati malaika wa
Ngwana akoite nga atikumpotwa kati nnyumbo bake.
25 Palyo, agonjike kwaa nakwe mpaka paapapite
mwana wake nnalome akemilwe lina lyake Yesu.

2 Baada ta Yesu, belekwa mu Bethlehemu ya
Uyahudi plyo pa utawala ba mpwalume Herode
bandu asomi buka kubwani ya kutalu baisile
Yerusalemu kaakoya, **2** “ywabile kwaa'ko ywabelekilwe
mpwalume Ayahudi? twabweni itondwa yabile
mashariki yitu tuisi kumwabudu. **3** Palyo mpwalume
Herode payowine atiyogopa, ni Yerusalemu yote
pamope ni ywembe. **4** Herode nga akusanya
boti apendo ba makuhani ni baandishi ba bandu,
kaalokiya, “Kristo abelekwa kwako?” **5** Kaba
koya, “ku'Bethlehemu ya Ayahudi, mana nyon nga
yaandikilwe ni manabii, **6** Ni wenga Bethlehemu, mu,
nchi ya ya Yuda, nchunu kwaa nnonge ya iongozi
ba Yuda. kwa kuwa kuoma kwako wabile mtawala
ywalowa kuwachunga bandu bango ba Israeli.” **7**
Herode kabakema balo asomi kwa siri ni kabakoya
muda gani hasa itondwa ipala bonekana. **8** Abatumite
ku Bethlehemu, kakoya, “muyende mbolembole
mukalaluye muda hasa mwana ywa abelekilwe. Palyo
mwalowa m'bona, muniletei habari ili mwanja ni
nenga niweche isa ni kumwabudu.” **9** Paba myowine
mpwalume, bayei ni mwanja wabe, ni tondwa lelo
waibweni ngolo ni yatikuwalongoya mpakanpaluyemi
kunani ya mwana pabelekwile. **10** Palyo paibweni
tondwa, bapulaike muno. **11** Bajingii nnyumba ni
bamweni mwana ywa belekilwe ni Mariamu mao
bake, batikunolekea ni kunnoba. Baundwi misigo
yabe ni kumpeya zawadi ya dhahabu, uvumba ni
manemane. **12** Nnongo atikubaonya mu'ndoto kana
bapite kwa Herode, ila babuye kwa ndela yenge. **13**
Baada ya kuoma, malaika ba Ngwana ampiye Yusufu
mundoto ni kukoya,'Uluka, umpotwe mwana ni mao
bake ni m'butukie Misri. Mutame kwoo mpaka pana
mmakiya, mwanja Herode apala mwana amulage.
14 Kilo Yusufu atiyumuka ni kupotwa mwana ni mao
bake ni kabutukya Misri. **15** Atami kwoo mpaka
Herode awile. Alee litimii lelo likowe lya longei
Ngwana pitya kwa anabii, “kuoma Misri ni kemite
mwana wango.” **16** Boka po Herode pabweni asomi
batikonga, atikasirika sana. Alangi kwabulaga bana
boti alalome bababile Bethlehemu miaka ibele mpaka
pae yake kuoma muda ng'ulo wa akikishe na asomi.
17 Palyo ngalitimii likowe lya alongei mukano wa
nabii Yeremia, **18** “Lilobe lyayowinike Rmah, kilelo
sa lobola muno, Raheli kalelya bana bake, ni akani
kumpembelya, mana bawile.” **19** Herode pawile,

Mak

1 Mban ya imbir Jisas Kraisind, ndin Yakŋ Ohirand Nor. Ya hamb mbanave ahevakarimar. **2** Eŋambir han Aisaiav, wiram Yakŋ Ohirand ya injambir ahe kahind hamb mbi mbanave mpamar. Ndih wan amar. Nzi kaŋ ihind wiram ya hirandand hamb mboz injore ondari amar. Mbi mboz we nandiv empasam osarindari amar. **3** Mbi isupir wiram mah haŋ itikirim aware kandari amar. Aniŋnsar Ohirandiv empasam osarivar arar kandari amar. Ndindiv empasam impumpir ohira akŋ han omanenta sivar arar kandari amar. **4** Mach, Jonimb isupir wiram mah handih ahevakarimar. Ahevakare osa anchi han ya mbanave sikah omar. Ami mpi itimaimŋgin nzi andiŋ yambiŋ ŋazikŋiriŋgwiŋgw ŋambiahaŋ, Yakŋ Ohirav amandiŋ enta kivah han usindari amar. **5** Mach, wiram akŋ anchi akŋ isupir Judiand aiampira Jerusalemind hamb Jonind piŋ ai, mbindiŋ enta kivah simŋganj han injambir ahah kamŋgimar. Kamŋgiz mach raz, Jonimb ndiŋ yamb Jordan handih ŋazikŋiriŋgwiŋgw ŋambiahah omar. **6** Jonimb yupir hirahir osapir kamelind ndi han hiranj. Mbi oriham uŋkiruŋgir han mira ohirand upiriŋ uŋkiranj. Unsa mbikir han etameram akaraŋk antand, mbi han nanj. **7** Mach, mbi ya eŋgwe kamar. Wiram emŋga hamb ihind mapiŋ aindari amar. Ndin wiram ohira aŋkaripirnsind, mbi yan epari amar. Yan wiram imbim amar. Nzi andamesa mpirorizinŋgwi nzihanave mirupir mbikir han inimbimiñ amar. **8** Nzi andiŋ yamb imbimun ŋazikŋiriŋgwiŋgw ŋambiahajin amar. Mbip Kipir Imbir Yakŋ Ohirand han kaz ŋkai andiŋ ŋgwevondari amar. **9** Mach, haŋonaŋg Jisasiv aiampira mbikir Nasaret, isupir Galilind haŋ erere avihomar. Avihoz Jonimb ndin yamb Jordaniŋ ŋazikŋiriŋgwi ŋambiahamar. **10** Ŋambiahazand sihawarohe waz rakav kirim ŋenduwamar. Ŋenduwazand Kipir Imbir Yakŋ Ohirand hamb apa ikŋiŋgwim emamp ipindahe ndiniŋ ŋkaimar. **11** Az Yakŋ Ohirav mbikir Aiampira Ohira Ñaŋ handih ñi kamar. Nan ihind Nor amar. Nzi nandivon rin amar. Ihind mpi hamb nandiv imbirpamun ñi amar. **12** Mach, haŋonaŋg Kipir Imbir Yakŋ Ohirand hamb Jisasih ke mpimbi ŋavizuz isupir wiram mah handih omar. **13** We yuŋk undimajivam ohira ñiz ñizand Satanimb ndinih mbiŋgir eŋgwanj. Mbiŋgir eŋgwazand, Jisasiv miroyam antandmen ñizand, Yakŋ Ohirand mapiŋ akŋ hamb ndin pirasimŋganj. **14** Mach, Herotiv Jonih oram kivahiŋ ŋgame inchakariz ñizand, Jisasiv erai isupir Galilind handih ahevakarimar. Ahevakare Yakŋ Ohirand ya imbir han hiro hirai eŋgwanj. **15** Ave mbi mbanave kanj. Yuŋk Yakŋ Ohirav ŋgamimar hamb ndih ahevakari aranj. Yuŋk Yakŋ Ohirav osa anchi hanaveaŋg ŋimbiz mbikir kwiŋ ñindiramŋgi kehamb ikwim ndih ivivmbiri aranj. Ami Yakŋ Ohirand ya imbir mban njihame mpi itimai njihi aŋkaripir ŋe njihambar aranj. **16** Mach ave, Jisasiv yamb ohira ondihondih Galilind ampaŋam omar. We nde waz Saimonimb ranir Andrumen mbindiŋ añaŋan han aviziŋgwiŋgw ñimŋgimar. Mbindiŋ ntiŋ han oma ŋaŋindivam. **17** Az Jisasiv ndiŋ kamar. Ami ai yan mpehiraivar amar. Aimŋgin nzi andiŋ wiram hanave ŋimbimb han mbiramiŋ amar. **18** Aviz mach, pams haŋon ŋondirahe mbindiŋ añaŋan akŋ han erere ndin kirim mpehiromŋgimar. **19** Mach, mbi siwaŋkw siwaŋkw re waz Sebedind nor kira undimaj hamb Jemsind Jonind utiŋg unchaŋ ñihiri mbindiŋ añaŋan akŋ han omanenta siz ñimŋgimar. **20** Ñimŋgizand Jisasiv ndiŋ oreŋgimar. Oreŋgiz, mbi ŋondirahe wanir mbindiŋ Sebedih erere etomŋgimar. Sebediv mbikir wiram kira ntiŋindimen utiŋg unchaŋ ñimŋgizand, undimaj hamb ŋondirahe Jisasih kirim mpehiromŋgimar. **21** Mach, Jisasiv sezirmen aiampira Kaperneam handih omŋgimar. Omŋgiz wer Yakŋ Ohirand Yuŋk Wir Ñiñind hamb ahevakariz, Jisasiv Yakŋ Ohirand marivai oramiŋ ahevohe ya sikanj. **22** Wiram kira ya Mosesind injambir ahe sikahind kehamb, mbi njihi wiram emŋgand ŋe osa anchi han sikamŋganj. Jisasip, mbi nend. Mbi mbikirun njihiŋam ŋe wiram ensansind emamp sikanj. Handiv wiram akŋ anchi akŋ hamb Jisasind ya han njihamam ntamŋganj. **23** Mach, yuŋk emŋga haŋ Jisasiv ya sikazand wiram iti kivahinsind hamb mbindiŋ Yakŋ Ohirand marivai oramiŋ ñimar. Aviz iti kivah mbanamb aware kamar. **24** Jisas, nan wiram Nasaretind amar. Ami ariŋ uti siŋin are ain amar. Ave ariŋ miŋam kiaŋgworaŋgwi kivah siŋin are ain oh a amar. Nzi nan ndih wajin amar. Nan wiram Yakŋ Ohirav kaz aimandin hamb amar. **25** Hanave kaz, Jisasiv iti kivah mban ya aŋkaripir ke kamar. Ami ya erere wiram

मत्ती

1 दाऊदका पुत्र अब्राहामका पुत्र येशू ख्रीष्टको वंशावलीको पुस्तक । 2 अब्राहाम इसहाकका पिता थिए, र इसहाक याकूबका पिता थिए, र याकूब यहूदा र तिनका दाजुभाइहरूका पिता थिए । 3 यहूदा तामारद्वारा फारेस र जाहेरका पिता थिए, फारेस हेस्रोनका पिता, र हेस्रोन आरामका पिता थिए । 4 आराम अम्मीनादाबका पिता, अम्मीनादाब नहशोनका पिता, र नहशोन सल्मोनका पिता थिए । 5 सल्मोन राहाबद्वारा बोअजका पिता, बोअज रूथद्वारा ओबेदका पिता, ओबेद यिशैका पिता थिए, 6 यिशै दाऊद राजाका पिता थिए । दाऊद उरियाहकी पत्नीद्वारा सोलोमनका पिता थिए । 7 सोलोमन रहबामका पिता, रहबाम अबियाका पिता, अबिया आसाका पिता थिए । 8 आसा यहोशापातका पिता, यहोशापात यहोरामका पिता, र यहोराम उज्जियाहका पिता थिए । 9 उज्जियाह योतामका पिता, योताम आहाजका पिता, आहाज हिजकियाका पिता थिए । 10 हिजकिया मनश्शेका पिता, मनश्शे अमोनका पिता, अमोन योशियाहका पिता थिए । 11 बेबिलोनमा निर्वासनको समयमा योशियाह यकोनियास र तिनका दाजुभाइहरूका पिता भए । 12 र बेबिलोनमा निर्वासनपछि यकोनियास शालतिएलका पिता भए, शालतिएल यरुबाबेलका पूर्वज थिए । 13 यरुबाबेल अबिउदका पिता, अबिउद एल्याकीमका पिता, र एल्याकीम आजोरका पिता थिए । 14 आजोर सादोकका पिता, सादोक आखिमका पिता, र आखिम एलिउदका पिता थिए । 15 एलिउद एलाजारका पिता, एलाजार मत्तानका पिता, र मत्तान याकूबका पिता थिए । 16 याकूब तिनै मरियमका पति योसेफका पिता थिए, जसबाट येशू जन्मनुभयो, जसलाई ख्रीष्ट भनिन्छ । 17 अब्राहामदेखि दाऊदसम्म जम्मा पुस्ता चौध पुस्ता, दाऊददेखि बेबिलोनको निर्वासनसम्म चौध पुस्ता र बेबिलोनको निर्वासनदेखि येशू ख्रीष्टसम्म चौध पुस्ता थिए । 18 येशू ख्रीष्टको जन्म यस प्रकारले भयो । उहाँकी आमा मरियमको योसेफसँग विवाहको निम्ति मगनी भएको थियो, तर उनीहरूको सहवास हुनुभन्दा अगाडि तिनी पवित्र आत्माद्वारा गर्भवती भएकी थाहा हुन आयो । 19 तिनका पति योसेफ धर्मी मानिस थिए र उनले तिनलाई सबैका सामु शर्ममा पार्न चाहेनन् । यसैले, उनले गोप्य प्रकारले तिनीसँगको मगनीलाई रद्द गर्ने निर्णय गरे । 20 जसै उनले यी कुराहरूको बारेमा विचार गरे, सपनामा परमप्रभुका एक जना स्वर्गदूत उनको सामु देखा परे र यसो भने, “हे दाऊदका पुत्र योसेफ, मरियमलाई आफ्नी पत्नीको रूपमा स्वीकार्न नडराऊ, किनकि जो तिनको गर्भमा हुनुहुन्छ, उहाँ पवित्र आत्माद्वारा गर्भधारण हुनुभएको हो । 21 तिनले एक जना पुत्र जन्माउनेछिन् र तिमीले उहाँको नाउँ येशू राख्नेछौ, किनकि उहाँले आफ्ना मानिसहरूलाई तिनीहरूका पापबाट बचाउनुहुनेछ ।” 22 अगमवक्ताद्वारा परमप्रभुले बोल्नुभएको यस्तो भनाइ पुरा हुनलाई यी सबै भए, 23 “हेर, कन्या गर्भवती हुनेछिन् र एक जना पुत्र जन्माउनेछिन्, र तिनीहरूले उहाँको नाउँ इम्मानुएल राख्नेछन्”, जसको अर्थ हुन्छ, “परमेश्वर हामीसँग ।” 24 योसेफ निद्राबाट ब्युँझे र उनले परमप्रभुका दूतले आज्ञा गरेअनुसार गरे र उनले तिनलाई उनकी पत्नीको रूपमा स्वीकारे । 25 तर, तिनले पुत्रलाई जन्म नदिएसम्म उनले तिनीसँग शारीरिक सम्बन्ध राखेनन् । र उनले उहाँको नाउँ येशू राखे ।

2 यहूदियाको बेथलेहेममा राजा हेरोदको समयमा येशूको जन्म भएपछि पूर्वबाट ज्ञानी मानिसहरू यरूशलेममा आएर यसो भन्न लागे, 2 “यहूदीहरूका राजा भई जन्मनुभएका उहाँ कहाँ हुनुहुन्छ? हामीले उहाँको तारा पूर्वमा देख्यौं र उहाँलाई दण्डवत् गर्न आएका छौं ।” 3 जब हेरोद राजाले यो सुने, उनी र उनीसँगै सारा यरूशलेम बेचैन भए । 4 हेरोदले सबै मुख्य पुजारी र मानिसहरूका शास्त्रीहरूलाई भेला गराए, र उनले तिनीहरूलाई सोधे, “जन्मने भनिएका ख्रीष्ट कहाँ छन्?” 5 तिनीहरूले उनलाई भने, “यहूदियाको बेथलेहेममा किनकि अगमवक्ताद्वारा यस्तै लेखिएको थियो, 6 ‘र यहूदाको देशमा, ए बेथलेहम, यहूदाका शासकहरूभन्दा तँ कुनै कम छैनस्, किनकि तँबाट एक जना शासक आउनुहुनेछ जसले मेरा मानिस इस्राएलको हेरचाह गर्नुहुनेछ’ ।” 7 त्यसपछि ठिक कुन समयमा तारा देखा परेको थियो भनी सोध्न हेरोदले गुप्त रूपमा ती ज्ञानी मानिसहरूलाई बोलाए । 8 उनले तिनीहरूलाई यसो भन्दै बेथलेहेम पठाए, “जाओ र राम्रोसँग त्यस बालकलाई खोज । जब उनलाई भेट्टाउनेछौ, मलाई खबर गर ताकि म पनि गएर उनलाई दण्डवत् गर्न सकूँ ।” 9 तिनीहरूले राजाले भनेका कुरा सुनेपछि तिनीहरू आफ्नो बाटो लागे अनि तिनीहरूले पूर्वमा देखेका तारा तिनीहरूका अगि-अगि गए, र सानो बालक भएको ठाउँमा आइपुग्दा त्यो तारा त्यही ठाउँमाथि रोकियो । 10 जब तिनीहरूले त्यो तारा देखे, तिनीहरू हर्षले अति आनन्दित भए । 11 तिनीहरू घरभित्र पसे र सानो बालकलाई उहाँकी आमा मरियमको साथमा देखे । तिनीहरूले दण्डवत् गरे र उहाँको आराधना गरे । तिनीहरूले आफ्ना बहुमूल्य कुराहरू निकाले र उहाँलाई सुन, सुगन्धित धूप र मूर्रका उपहारहरू चढाए । 12 परमेश्वरले तिनीहरूलाई हेरोदकहाँ फर्की नजानू भनी सपनामा चेतावनी दिनुभयो । त्यसैले, तिनीहरू अर्के बाटो भएर आ-आफ्नै देशमा गए । 13 तिनीहरू गइसकेपछि परमप्रभुका एउटा दूत योसेफकहाँ सपनामा देखा परे र भने, “उठ, सानो बालक र उहाँकी आमालाई लिएर मिश्र देशमा भागेर जाऊ । मैले नभनेसम्म त्यहीँ बस, किनकि हेरोदले सानो बालकलाई मार्न उहाँलाई खोज्नेछ ।” 14 त्यो रात योसेफ उठे र सानो बालक र उहाँकी आमालाई लिए अनि मिश्रदेशतर्फ प्रस्थान गरे । 15 हेरोदको मृत्यु नभएसम्म उनी त्यहीँ बसे । अगमवक्ताद्वारा परमप्रभुले भन्नुभएको कुरा यसरी पुरा भयो, “मैले आफ्ना पुत्रलाई मिश्रदेशबाट बोलाएको छु ।” 16 त्यसपछि जब हेरोदले आफू ती ज्ञानी मानिसहरूबाट छलिएको कुरा थाहा पाए, उनी औधी रिसाए । ती ज्ञानी मानिसहरूबाट उनले निर्धारण गरेका समयअनुसार त्यस क्षेत्रका दुई वर्ष पुगेका र त्योभन्दा मुनिका बालकहरूलाई र बेथलेहेमका सबै पुरुष बालकलाई मानिसहरू पठाएर मार्न लगाए । 17 यसरी यर्मिया अगमवक्ताद्वारा जे भनिएको थियो, त्यो पुरा भयो, 18 “रामामा एउटा आवाज सुनियो, रोदन र ठुलो विलाप, बालकहरूका निम्ति राहेलको रोदन, र सान्त्वना तिनले इन्कार गरिन्, किनकि तिनका बालकहरू अब रहेनन् ।” 19 जब हेरोद मरे, हेर, परमप्रभुका एक जना दूत मिश्रमा योसेफकहाँ सपनामा देखा परे अनि उनलाई भने, 20 “उठ, अनि बालक र उहाँकी आमालाई लिएर इस्राएल देशमा जाऊ, किनकि जसले बालकलाई मार्न चाहेका थिए, तिनीहरू मरिसकेका छन् ।” 21 योसेफ उठे, अनि बालक र उहाँकी आमालाई लिएर इस्राएल देशमा आए । 22 तर जब यहूदियामा आफ्ना बुबा हेरोदको ठाउँमा अर्खिलाउसले शासन गरिरहेका उनले सुने, उनी त्यहाँ जान डराए । परमप्रभुले

मत्ती

1 अब्राहामका पुत्र, दावीदका पुत्र येशू ख्रीष्टको वंशावली: **2** अब्राहाम इसहाकका पिता, इसहाक याकोबका पिता, याकोब यहूदा र तिनका दाजुभाइहरूका पिता, **3** यहूदा फारेस र जेरहका पिता, तिनीहरूकी आमा तामार थिइन्। फारेस हेस्रोनका पिता, हेस्रोन आरामका पिता, **4** आराम अम्मीनादाबका पिता, अम्मीनादाब नहशोनका पिता, नहशोन सल्मोनका पिता थिए। **5** सल्मोन बोअजका पिता, तिनकी आमा राहाब थिइन्, बोअज ओबेदका पिता, तिनकी आमा रूथ थिइन्। ओबेद यिशैका पिता, **6** अनि यिशै राजा दावीदका पिता थिए। दावीद सोलोमनका पिता थिए; तिनकी आमा पहिले उरियाहकी पत्नी थिइन्, **7** सोलोमन रहबामका पिता, रहबाम अबीयाहका पिता, अबीयाह आसाका पिता, **8** आसा यहोशापातका पिता, यहोशापात यहोरामका पिता, यहोराम उज्जियाहका पिता, **9** उज्जियाह योतामका पिता, योताम आहाजका पिता, आहाज हिजकियाका पिता, **10** हिजकिया मनश्शेका पिता, मनश्शे अमोनका पिता, अमोन योशियाहका पिता, **11** अनि योशियाह येकोनिया र तिनका भाइहरूका पिता, तिनीहरू बेबिलोनमा लगिएको समयमा जन्मेका थिए। **12** बेबिलोनमा लगिएपछि: येकोनिया शालतिएलका पिता, शालतिएल यरुबाबेलका पिता, **13** यरुबाबेल अबिहूदका पिता, अबिहूद एल्याकीमका पिता, एल्याकीम आजोरका पिता, **14** आजोर सादोकका पिता, सादोक आखिमका पिता, आखिम एलिहूदका पिता, **15** एलिहूद एलाजारका पिता, एलाजार मत्तानका पिता, मत्तान याकोबका पिता, **16** अनि याकोब योसेफका पिता, जो मरियमका पति थिए। अनि मरियमले ख्रीष्ट भनिने येशूलाई जन्म दिइन्। **17** यसरी अब्राहामदेखि दावीदसम्म जम्मा चौध पुस्ता, दावीददेखि बेबिलोनमा लगिएको समयसम्म चौध पुस्ता र बेबिलोनबाट निकाला भएदेखि ख्रीष्टसम्म चौध पुस्ता छन्। **18** येशू ख्रीष्टको जन्म यसरी भयो: उहाँकी आमा मरियमको मगनी योसेफसित भएको थियो। तर तिनीहरूको विवाह हुनुभन्दा अगि नै यो थाहा भयो, कि तिनी पवित्र आत्माद्वारा गर्भवती भएकी थिइन्। **19** तिनका पति योसेफ एक धर्मी मानिस भएका हुनाले र आफू समाजमा अपमान हुन नचाहेकाले, तिनलाई सुटुक्क त्यागिदिने विचार गरे। **20** तर ती दिनहरूमा योसेफले यस्तो विचार गरेपछि प्रभुका एउटा दूतले सपनामा तिनीकहाँ देखा परेर यसो भने, "दावीदको पुत्र योसेफ, मरियमलाई तिम्री पत्नीको रूपमा घर लैजान नडराऊ। किनकि जो तिनको गर्भमा हुनुहुन्छ, उहाँ पवित्र आत्माबाट हुनुहुन्छ। **21** तिनले एउटा पुत्र जन्माउनेछिन्, र तिमीले उहाँको नाम येशू राख्नू। किनकि उहाँले आफ्ना मानिसहरूलाई तिनीहरूका पापबाट उद्धार गर्नुहुनेछ।" **22** यी कुराहरू त्यसरी नै पूरा भए, जसरी प्रभुले आफ्ना अगमवक्ताद्वारा भन्नुभएको थियो: **23** "कन्या गर्भवती हुनेछिन् र एउटा पुत्र जन्माउनेछिन्, र तिनीहरूले उहाँलाई इम्मानुएल भन्नेछन्," जसको अर्थ हो, "परमेश्वर हामीसित।" **24** योसेफ बिउँझेपछि प्रभुका दूतले तिनलाई आज्ञा दिएझैं गरे। अनि मरियमलाई पत्नीको रूपमा घरमा लगे। **25** तर तिनले पुत्र नजन्माउन्जेल तिनीसित सहवास गरेनन्। अनि तिनले उहाँको नाम येशू राखे।

2 राजा हेरोदको समयमा यहूदियाको बेथलेहेममा येशूको जन्म भएपछि पूर्वबाट ज्योतिषीहरू यरूशलेममा आए। **2** अनि सोधे, "यहूदीहरूका राजा भएर जो जन्मनुभएको छ, उहाँ कहाँ हुनुहुन्छ? हामीले पूर्वमा उहाँको तारा देख्यौं, र हामी उहाँलाई दण्डवत् गर्न आएका छौं।" **3** त्यस बेला जब राजा हेरोदले यो सुने, तिनी र यरूशलेममा भएका सबै आत्तिए। **4** अनि तिनले सबै मुख्य पुजारीहरू र व्यवस्थाका शिक्षकहरूलाई बोलाए। अनि ख्रीष्टको जन्म कहाँ हुनुपर्ने हो भनी सोधे। **5** तिनीहरूले जवाफ दिए, "यहूदियाको बेथलेहेममा, किनकि अगमवक्ताले यस बारेमा यसरी लेखेका छन्: **6** "'तर यहूदा प्रदेशमा भएको, ए बेथलेहेम, तँ कुनै किसिमले पनि यहूदाका शासकहरूमध्ये सानो छैनस्; किनकि तँबाट एक जना शासक आउनुहुनेछ, जो मेरा मानिस, इस्राएलका गोठाला हुनुहुनेछ।'" **7** तब हेरोदले ज्योतिषीहरूलाई सुटुक्क बोलाएर तारा देखा परेको ठिक समय पत्ता लगाए। **8** अनि तिनले तिनीहरूलाई बेथलेहेममा पठाएर यसो भने, "जाओ, र होसियारीसाथ बालकलाई खोज। तिमीहरूले उहाँलाई भेट्टाउनसाथ मलाई भन, र म पनि गएर उहाँलाई दण्डवत् गर्नेछु।" **9** राजाबाट यो कुरा सुनेपछि तिनीहरू आफ्नो बाटो लागे। अनि तिनीहरूले पूर्वमा देखेका त्यो तारा, तिनीहरू त्यस बालक भएको ठाउँमा नपुगुन्जेल तिनीहरूका अगि-अगि लाग्यो। **10** जब तिनीहरूले त्यो तारा देखे, तब तिनीहरू अति आनन्दित भएर रमाए। **11** घरभित्र आइपुगेपछि तिनीहरूले बालकलाई आफ्नी आमा मरियमको साथमा देखे। अनि तिनीहरूले घोप्टो परेर उहाँलाई दण्डवत् गरे। तब तिनीहरूले आफ्ना कन्तुर खोलेर उहाँलाई सुन, सुगन्धित धूप र मूर्रका भेटी चढाए। **12** त्यस रात हेरोदकहाँ नजानू भन्ने सपनामा चेतावनी पाएर तिनीहरू अर्के बाटो भएर आफ्नो देशमा फर्के। **13** अनि तिनीहरू गइसकेपछि प्रभुका एउटा दूत सपनामा योसेफकहाँ देखा परेर भने, "उठ, बालक र तिनकी आमालाई लिएर इजिप्टमा भागिहाल। मैले फेरि केही नभनुन्जेल त्यहीँ बस। किनकि हेरोदले बालकलाई मार्नका लागि खोज्नेछ।" **14** यसकारण तिनी उठे, बालक र तिनकी आमालाई लिएर राति नै इजिप्टतिर प्रस्थान गरे, **15** जहाँ तिनीहरू हेरोदको मृत्यु नहोउन्जेलसम्म रहे। अनि यसरी परमेश्वरले आफ्ना अगमवक्ताद्वारा भन्नुभएको वचन पूरा भयो: "मैले आफ्नो पुत्रलाई इजिप्टबाट बोलाएँ।" **16** जब हेरोदले आफू ज्योतिषीहरूद्वारा ठगिएको थाहा पाए, तब तिनी धेरै रिसाए। अनि ज्योतिषीहरूद्वारा ठिक पत्ता लगाइएको समयअनुसार बेथलेहेम र त्यसका सिमानामा भएका दुई वर्ष र त्यस मुनिका सबै बालकहरूलाई मार्ने आदेश दिए। **17** तब यर्मिया अगमवक्ताद्वारा भनिएको यो वचन पूरा भयो: **18** "रामामा एउटा आवाज सुनियो, रुवाइ र ठूलो विलाप, राहेल आफ्ना बालकहरूका निम्ति रोएकी, र तिनी शान्त हुन नमानेकी; किनकि तिनीहरू अब रहेनन्।" **19** हेरोदको मृत्युपछि प्रभुका एउटा दूत इजिप्टमा सपनामा योसेफकहाँ देखा परे, **20** अनि भने, "उठ, बालक र तिनकी आमालाई लिएर इस्राएलको देशमा जाऊ। किनकि बालकको प्राण लिन चाहनेहरू मरिसकेका छन्।" **21** यसैले तिनी उठे; बालक र तिनकी आमालाई साथमा लिएर इस्राएलको देशमा गए। **22** तर जब तिनले हेरोदको ठाउँमा तिनका छोरा अर्खिलाउसले यहूदियामा राज्य गर्दैछन् भन्ने सुने, तब तिनी त्यहाँ जान डराए। तब सपनामा चेतावनी पाएर तिनी गालीलको इलाकामा गए। **23** तिनी नासरत भन्ने सहरमा गएर बसे। यसरी अगमवक्ताहरूद्वारा भनिएको कुरा पूरा भयो: "उहाँ नासरी कहलाइनुहुनेछ।"

Matei

1 Chenichi ndi chitabu cha lukolo lwa Yesu Kilisitu
mweavi chiveleku cha Daudi wa chiveleku cha
Ibulahimu. **2** Ibulahimu amveliki Izaki, Izaki amveliki
Yakobo, Yakobo amveliki Yuda na valongo vaki,
3 Yuda amveliki Pelisi na Zela, nyina wavi avili
Tamali, Felikisi amveliki Heziloni, Heziloni amveliki
Lami, **4** Lami amveliki Aminadabu, Aminadabu
amveliki Nashoni, Nashoni amveliki Solomoni, **5**
Solomoni na Lahabu vamveliki Boazi, Boazi na Lutu
vamveliki Obedi, Obedi amveliki Yese, **6** mwene
Yese amveliki Nkosi Daudi. Daudi amveliki Solomoni,
nyina waki avi mdala wa Uliya, **7** Solomoni amveliki
Lehobohamu, Lehobohamu amveliki Abiya, Abiya
amveliki Asa, **8** Asa amveliki Yeoshafati, Yeoshafati
amveliki Yolamu, Yolamu amveliki Uzia, **9** Uzia
amveliki Yotamu, Yotamu amveliki Ahazi, Ahazi
amveliki Hezekia, **10** Hezekia amveliki Menasi, Menasi
amveliki Amoni, Amoni amveliki Yosia, **11** Yosia
amveliki Yekonia na valongo vaki. Lwenulo ndi lwavi
lukumbi lwa Vayawudi pavapelikwi kuluhamilu ku
Babeli. **12** Lukumbi Vayawudi pevavi kuluhamilu
ku Babeli, Yekonia amveliki Shealitieli, Shealitieli
amveliki Zelubabeli, **13** Zelubabeli amveliki Abiudi,
Abiudi amveliki Eliakimu, Eliakimu amveliki Azoli,
14 Azoli amveliki Zadoki, Zadoki amveliki Akimu,
Akimu amveliki Eliudi, **15** Eliudi amveliki Eleazali,
Eleazali amveliki Matani, Matani amveliki Yakobo.
16 Yakobo amveliki Yosefu, mngwana wa Maliya,
nyina waki Yesu mweikemiwa Kilisitu. **17** Kwavi
na viveleku kumi na mcheche kuhuma Ibulahimu
mbaka Daudi, vivelekelu kumi na mcheche kuhuma
Daudi mbaka Vayawudi pavatoliwi uvanda wa ku
Babeli, viveleku kumi na mcheche kuhuma uvanda
mbaka kuvelekewa kwa Kilisitu. **18** Chenichi ndi
cheavelekiwi Yesu Kilisitu. Maliya nyina wa Yesu,
achumbiwi na Yosefu. Nambu vakona vangatama
ngati mngwana na mdala, Maliya apatili kuvya na
ndumbu kwa makakala ga Mpungu Msopi. **19** Ndava
Yosefu mngwana wa Maliya avi mundu mbwina
palongolo ya Chapanga aganili lepi kumpela soni
pavandu ndi aholalili kumleka chamfiyu. **20** Peavi
akona iholololela lijambu lenilo, Mtumu wa kunani kwa
Chapanga amuhumali munjozi na kumjovela, “Yosefu,
mwana wa Daudi, ukotoka kuyogopa kumtola Maliya
avya mdala waku, muni ndumbu yeavinayu apatili
kwa makakala ga Mpungu Msopi. **21** Yati iveleka
mwana mgosi hinu veve yati ukumpela liina Yesu
ndava mwenuyu yati akuvasangula vandu kuhuma
kumbudila Chapanga wavi.” **22** Mambu goha ago
gahumalili muni kutimilisa malovi ga Bambu geajovili
munjila ya mlota wa Chapanga, **23** “Yuwanila! Kamwali
yati ivya na ndumbu, yati iveleka mwana mgosi,
na veve yati ukumpela liina Emanueli.” Mana yaki
“Chapanga avi pamonga na tete.” **24** Ndi Yosefu
peayumwiki mulugono akitili ngati mtumu wa kunani
kwa Chapanga cheamjovili, akamtola mdala waki na
kuhamba nayu kunyumba yaki. **25** Nambu agonili
nayu lepi mbaka Maliya peamveliki mwana mgosi,
namwene Yosefu ampeli liina Yesu.

2 Hinu Yesu avelikiwi kumuji wa Betelehemu,
mulima wa Yudea lukumbi lwa ulongosi wa
nkosi Helodi. Bahapo peamali kuvelekwa vevimanya
mambu ga ndondo kuhuma kwe lihumila lilanga
vabwelili ku Yelusalemu, **2** vakavakota vandu, “Avi
koki mwana yula, mweavelikwi kuvya Nkosi wa
Vayawudi? Tiyiweni ndondo yaki yeyahumali kwe
lihumila lilanga, na tete tibwelii kumgundamila.” **3**
Nkosi Helodi peayuwini ago, akavagaya mwene
pamonga na vandu voha vevitama pa Yelusalemu.
4 Hinu akavakemela pamonga vamteta vakulu va
Chapanga voha na vawula va Malagizu, akavakota,
“Wu, Kilisitu Msangula yati ivelekewa koki?” **5**
Vene vakamyangula, “Muji wa Betelehemu mulima
wa Yudea, ngati cheayandiki mlota wa Chapanga,
6 ‘Veve muji wa Betelehemu mulima wa Yudea,
veve katu wamdebe lepi mumiji yivaha ya Yudea,
muni kwa veve yati ihumila chilongosi, mweilongosa
vandu vangu, Isilaeli.’” **7** Hinu, Helodi avakemili
kuchiyepela vandu vala vevimanya mambu ga ndondo
avakotakisi lukumbi chakaka ndondo payavaumalili. **8**
Kangi akavatuma kuhamba ku Betelehemu avajovili,
“Muhamba mkakotakesa chamugati malovi ga mwana
uyo. Ngati mumuwene mbwela kunijovela, muni
mewawa na nene niamba kumgundamila.” **9** Vala
vevimanya mambu ga ndondo, pevamali kumyuwanila
nkosi vakahamba. Ndondo yevayiwene kwelihumila
lilanga yavalongolili yahambili kuyima panani pandu
pala peavi mwana. **10** Pavayiwene ndondo yila,
vavi na luheku neju. **11** Hinu vakayingila mugati,
vakamlola mwana pamonga na Maliya nyina mwana,
vakafugama na kumgundamila. Kangi vakawopola
tuhaku vakatola njombi na vakampela zahabu na ubani
na mahuta gegikemiwa manemane. **12** Chapanga
avabesili munjozi vakotoka kumuwuyila Helodi, ndi
vakawuya kumulima wavi munjila yingi. **13** Pavawukili
vayehe vala, mtumu wa kunani kwa Chapanga
amuhumalili Yosefu munjozi, akamjovela, “Yimuka!
Mtola mwana pamonga na nyina waki, mtilila ku Misili.

Matteus

1 Dette er forfedrene til Jesus Kristus, den lovede kongen, som var etterkommer til kong David og Abraham: **2** Abraham, Isak og Jakob var far til Juda og brødrene hans. Videre fulgte: **3** Juda og Peres, som var tvillingbror til Serah, og moren het Tamar. Så kom: Hesron, **4** Aram Amminadab, Naksjon, **5** Salmon, Boas, og moren het Rahab. Etterpå finner vi: Obed, og moren het Rut, Isai, som ble far til **6** kong David. Salomo, som var sønn til Batseba, enken etter Uria. Videre: **7** Rehabeam, Abia, Asaf, **8** Josafat, Joram, Ussia, **9** Jotam, Akas, Hiskia, **10** Manasse, Amos, **11** Josia, som var far til Jojakin og hans brødre, som ble født ved den tiden da folket ble ført bort til fangenskap i Babylon, og Jojakin. **12** Etter å ha blitt ført bort til Babylon, fulgte: Sealtiel, Serubabel, **13** Abiud, Eljakim, Asor, **14** Sadok, Akim, Eliud, **15** Eleasar, Mattan, Jakob, **16** og Josef. Josef var mannen til Maria og hun var mor til Jesus Kristus. **17** Disse personene utgjør 14 slektledd fra Abraham og fram til kong David, 14 slektledd fra kong David og fram til tiden da jødene ble ført bort til Babylon og 14 slektledd fra epoken i Babylon og fram til Jesus Kristus. **18** Da Jesus Kristus ble født, gikk det slik til: Hans mor Maria var trolovet og skulle gifte seg med Josef. Men allerede før de var gift, ble hun med barn ved Guds Hellige Ånd. **19** Josef, hennes kommende mann, så da ingen annen utvei enn å skille seg fra henne i stillhet. Han ville leve etter Guds bud, men ønsket ikke å skjemme ut Maria offentlig. **20** Mens han fortsatt grublet på hvordan han skulle løse problemet, viste en Herrens engel seg for ham i en drøm. Engelen sa:"Josef, du som er etterkommer av kong David, du skal ikke nøle med å gifte deg med Maria, for det barnet hun bærer, er blitt til ved Guds Hellige Ånd. **21** Hun skal få en sønn, og du skal kalle ham Jesus, for han skal frelse folket sitt fra syndene deres." **22** På denne måten ble det som Gud hadde forutsagt ved profeten Jesaja, til virkelighet: **23** "Lytt! Den unge jenta skal bli med barn og føde en sønn, og de skal kalle ham Immanuel, som betyr'Gud er med oss'." **24** Da Josef våknet, gjorde han som engelen hadde gitt beskjed om, og han giftet seg med Maria. **25** De hadde imidlertid ikke noe seksuelt samliv før sønnen var født. Josef ga ham navnet Jesus.

2 Jesus ble født i byen Betlehem i Judea mens kong Herodes regjerte. Etter fødselen kom noen astrologer fra Østen til Jerusalem og spurte: **2** "Hvor er jødenes konge som nylig er født? Vi har sett stjernen hans gå opp i vårt eget land og har kommet for å hylle ham." **3** Kong Herodes ble fullstendig vettskremt av spørsmålene deres, og hele Jerusalem begynte å summe av rykter. **4** Han kalte derfor sammen folkets øversteprester og de skriftlærde til et møte og spurte dem ut om hvor Messias, den lovede kongen, skulle bli født. **5** "I Betlehem i Judea", svarte de,"for Gud har sagt ved profeten Mika: **6** 'Du Betlehem i Judas land, du er slett ikke noen ubetydelig by, for en høvding skal komme fra deg, en som blir gjeter for mitt folk Israel.'" **7** Da kalte Herodes i hemmelighet astrologene til seg på nytt. Ved dette møtet lyktes det ham å få nøyaktig greie på tidspunktet da de første gangen hadde sett stjernen. Han sa til dem: **8** "Reis til Betlehem og let etter barnet. Når dere har funnet det, må dere komme tilbake og fortelle det til meg. Også jeg vil reise dit og hylle barnet." **9** Etter samtalen med kongen ga astrologene seg av sted. Den stjernen de hadde sett gå opp i sitt eget land, viste seg da på nytt for dem. Den gikk foran dem og stanset over det stedet i Betlehem der barnet var. **10** Astrologene ble glade da de fikk se stjernen. **11** De gikk inn i huset og fant barnet og moren Maria. Der falt de på kne og hyllet ham. Så tok de fram skrinene sine og ga barnet gaver. Det var gull, røkelse og myrra. **12** Men da de skulle vende tilbake til sitt eget land, reiste de ikke gjennom Jerusalem for å gi rapport til kong Herodes. Gud hadde i mellomtiden advart dem i en drøm, og derfor tok de en annen vei hjem. **13** Da astrologene hadde reist sin vei, viste en Herrens engel seg i en drøm også for Josef. Engelen sa:"Stå opp og dra som flyktning til Egypt med barnet og moren. Bli der til jeg sier i fra, for kong Herodes vil lete etter barnet og forsøke å drepe det." **14** Mens det fortsatt var natt, ga Josef seg av sted til Egypt, sammen med Maria og barnet. **15** De bodde der til kong Herodes var død. Gjennom dette ble det som Gud hadde forutsagt hos profeten Hosea, til virkelighet:"Jeg har ført sønnen min ut av Egypt." **16** Herodes ble rasende da han forsto at astrologene hadde lurt ham. Han sendte soldater til Betlehem med befaling om å drepe alle guttebarn som var to år eller yngre. Ordren gjaldt både i byen og landsbygden i nærheten. Dette hadde sin grunn i at astrologene hadde sagt at stjernen første gangen viste seg for dem to år tidligere. **17** Gjennom Herodes sin grusomme handling ble det til virkelighet som Gud hadde forutsagt ved profeten Jeremia: **18** "Ett rop ble hørt i Rama, gråt og høylytt klage. Rakel gråter over barna sine og lar seg ikke trøste, for de finnes ikke mer." **19** Da Herodes var død, viste en Herrens engel seg på nytt i en drøm

Matteus

1 Jesu Kristi, Davids sønns, Abrahams sønns
ættetavle: **2** Abraham fikk sønnen Isak; Isak fikk
sønnen Jakob; Jakob fikk Juda og hans brødre; **3**
Juda fikk sønnene Peres og Serah med Tamar; Peres
fikk sønnen Hesron; Hesron fikk sønnen Ram; **4** Ram
fikk sønnen Aminadab; Aminadab fikk sønnen Nahson;
Nahson fikk sønnen Salmon; **5** Salmon fikk sønnen
Boas med Rahab; Boas fikk sønnen Obed med Rut;
Obed fikk sønnen Isai; **6** Isai var far til kong David.
David fikk sønnen Salomo med Urias hustru; **7** Salomo
fikk sønnen Rehabeam; Rehabeam fikk sønnen Abia;
Abia fikk sønnen Asa; **8** Asa fikk sønnen Josafat;
Josafat fikk sønnen Joram; Joram fikk sønnen Ussias;
9 Ussias fikk sønnen Jotam; Jotam fikk sønnen Akas;
Akas fikk sønnen Esekias; **10** Esekias fikk sønnen
Manasse; Manasse fikk sønnen Amon; Amon fikk
sønnen Josias; **11** Josias fikk Jekonja og hans brødre
ved den tid da folket blev bortført til Babylon. **12** Efter
bortførelsen til Babylon fikk Jekonja sønnen Sealtiel;
Sealtiel fikk sønnen Serubabel; **13** Serubabel fikk
sønnen Abiud; Abiud fikk sønnen Eljakim; Eljakim fikk
sønnen Asor; **14** Asor fikk sønnen Sadok; Sadok fikk
sønnen Akim; Akim fikk sønnen Eliud; **15** Eliud fikk
sønnen Eleasar; Eleasar fikk sønnen Mattan; Mattan
fikk sønnen Jakob; **16** Jakob var far til Josef, Marias
mann, og av henne blev Jesus født, han som kalles
Kristus. **17** Således er alle ætt-leddene fra Abraham
inntil David fjorten ledd, og fra David inntil bortførelsen
til Babylon fjorten ledd, og fra bortførelsen til Babylon
inntil Kristus fjorten ledd. **18** Men med Jesu Kristi
fødsel gikk det således til: Da hans mor Maria var
trolovet med Josef, viste det sig, før de var kommet
sammen, at hun var fruktsommelig ved den Hellige
Ånd. **19** Men Josef, hennes mann, som var rettferdig
og ikke vilde føre skam over henne, vilde skille sig fra
henne i stillhet. **20** Mens han nu grundet på dette, se,
da åpenbarte Herrens engel sig for ham i en drøm og
sa: Josef, Davids sønn! frykt ikke for å ta din hustru
Maria til dig! for det som er avlet i henne, er av den
Hellige Ånd; **21** og hun skal føde en sønn, og du
skal kalle ham Jesus; for han skal frelse sitt folk fra
deres synder. **22** Men alt dette skjedde forat det skulde
opfylles som er talt av Herren ved profeten, som sier:
23 Se, en jomfru skal bli fruktsommelig og føde en
sønn, og han skal kalles Immanuel, det er utlagt: Gud
med oss. **24** Da nu Josef var våknet op av søvnen,
gjorde han som Herrens engel hadde pålagt ham, og
tok sin hustru til sig. **25** Og han holdt sig ikke til henne
før hun hadde født sin sønn, og han kalte ham Jesus.

2 Da Jesus var født i Betlehem i Judea, i kong
Herodes' dager, se, da kom nogen vismenn fra
Østerland til Jerusalem og sa: **2** Hvor er den jødenes
konge som nu er født? Vi har sett hans stjerne i
Østen og er kommet for å tilbede ham. **3** Men da
kong Herodes hørte det, blev han forferdet, og hele
Jerusalem med ham. **4** Og han sammenkalte alle
yppersteprestene og de skriftlærde blandt folket og
spurte dem hvor Messias skulde fødes. **5** De sa til
ham: I Betlehem i Judea; for så er skrevet ved profeten:
6 Og du Betlehem i Juda land, du er ingenlunde den
ringeste blandt høvdingene i Juda; for fra dig skal utgå
en høvding som skal være hyrde for mitt folk Israel.
7 Da kalte Herodes hemmelig vismennene til sig og
spurte dem nøie om tiden da stjernen hadde vist sig; **8**
og han sendte dem til Betlehem og sa: Gå og spør
nøie om barnet; og når I har funnet det, da si mig
til, forat også jeg kan komme og tilbede det! **9** Da
de hadde hørt kongens ord, drog de avsted; og se,
stjernen som de hadde sett i Østen, gikk foran dem,
inntil den kom og blev stående over det sted hvor
barnet var. **10** Og da de så stjernen, blev de over all
måte glade. **11** Og de gikk inn i huset og så barnet
med Maria, dets mor, og de falt ned og tilbad det, og
oplot sine gjemmer og bar frem gaver til det: gull og
røkelse og myrra. **12** Og da de var blitt varslet av Gud i
en drøm at de ikke skulde vende tilbake til Herodes,
drog de en annen vei bort til sitt land. **13** Men da de
hadde draget bort, se, da åpenbarer Herrens engel
sig i en drøm for Josef og sier: Stå op, ta barnet og
dets mor og fly til Egypten, og bli der inntil jeg sier
dig til! for Herodes vil søke efter barnet for å drepe
det. **14** Da stod han op og tok barnet og dets mor om
natten og drog bort til Egypten, **15** og han blev der til
Herodes' død, forat det skulde opfylles som er talt av
Herren ved profeten, som sier: Fra Egypten kalte jeg
min sønn. **16** Da Herodes nu så at han var blitt narret
av vismennene, blev han meget vred, og han sendte
bud og lot drepe alle de guttebarn som var i Betlehem
og alt landet deromkring, fra to år og derunder, efter
den tid han nøie hadde utspurt av vismennene. **17** Da
blev det opfylt som er talt ved profeten Jeremias, som
sier: **18** En røst blev hørt i Rama, gråt og stor klage;
Rakel gråt over sine barn og vilde ikke la sig trøste, for
de er ikke mere til. **19** Men da Herodes var død, se,
da åpenbarer Herrens engel sig i en drøm for Josef i
Egypten og sier: **20** Stå op, ta barnet og dets mor og
dra til Israels land! for de er døde som stod barnet efter
livet. **21** Og han stod op og tok barnet og dets mor og
kom til Israels land. **22** Men da han hørte at Arkelaus
var konge i Judea efter sin far Herodes, fryktet han for
å dra dit; men han blev varslet av Gud i en drøm og

Matteus

1 Soga um Jesus Kristus. Davids son og Abrahams son. **2** Abraham fekk sonen Isak, og Isak fekk sonen Jakob, og Jakob fekk Juda og brørne hans, **3** og Juda fekk sønerne Peres og Zerah med Tamar, og Peres fekk sonen Hesron, og Hesron fekk sonen Ram, **4** og Ram fekk sonen Amminadab, og Amminadab fekk sonen Nahson, og Nahson fekk sonen Salmon, **5** og Salmon fekk sonen Boaz med Rahab, og Boaz fekk sonen Obed med Rut, og Obed fekk sonen Isai, **6** og Isai var far åt David, kongen. David fekk sonen Salomo med kona åt Uria, **7** og Salomo fekk sonen Rehabeam, og Rehabeam fekk sonen Abia, og Abia fekk sonen Asa, **8** og Asa fekk sonen Josafat, og Josafat fekk sonen Joram, og Joram fekk sonen Uzzia, **9** og Uzzia fekk sonen Jotam, og Jotam fekk sonen Ahaz, og Ahaz fekk sonen Hizkia, **10** og Hizkia fekk sonen Manasse, og Manasse fekk sonen Amon, og Amon fekk sonen Josia, **11** og Josia fekk Jekonja og brørne hans; dei livde i den tidi då folket vart ført til Babylon. **12** Etter dei vart førde til Babylon, fekk Jekonja sonen Sealtiel, og Sealtiel fekk sonen Zerubbabel, **13** og Zerubbabel fekk sonen Abiud, og Abiud fekk sonen Eljakim, og Eljakim fekk sonen Asor, **14** og Asor fekk sonen Sadok, og Sadok fekk sonen Akim, og Akim fekk sonen Eliud, **15** og Eliud fekk sonen Eleazar, og Eleazar fekk sonen Mattan, og Mattan fekk sonen Jakob, **16** og Jakob var far åt Josef, mannen hennar Maria som fødde Jesus til verdi, han me kallar Kristus. **17** Soleis er det i alt fjortan ættleder frå Abraham til David, og fjortan ættleder frå David til Babylon-ferdi, og fjortan ættleder frå Babylon-ferdi til Kristus. **18** Då Kristus vart fødd, gjekk det soleis til: Medan mor hans, Maria, var trulova med Josef, og fyrr dei kom i hop, synte det seg at ho var med barn av den Heilage Ande. **19** Josef, festarmannen hennar, var ein rett-tenkt mann, og vilde ikkje føra skam yver henne; han sette seg fyre å skiljast med henne so stilt han kunde. **20** Men best som han hadde rådt seg til det, synte Herren engel seg for honom i draume og sagde: «Josef, Davids son, ver ikkje rædd å taka Maria, festarmøyi di, heim til deg; for det ho ber under beltet, er av den Heilage Ande. **21** Ho skal eiga ein son, og honom skal du kalla Jesus; for han skal frelsa folket sitt frå synderne deira.» **22** Men alt dette hev hendt av di det laut sannast det som Herren hev tala gjenom profeten, når han segjer: **23** «Ei møy mun barnsvon bera: Ein son ho eiga skal, og namnet han skal nemnast med, er Immanuel» - det er det same som: «Gud er med oss». **24** Då Josef vakna or svevnen, gjorde han som Herrens engel hadde sagt med honom, og flutte bruri si heim. **25** Men han kom ikkje nær henne fyrr ho hadde fenge sonen sin; honom kalla han Jesus.

2 Det var i Betlehem i Judalandet Jesus kom til verdi, i kong Herodes' dagar. Då kom det nokre vismenner frå Austerlandi til Jerusalem og sagde: **2** «Kvar er den jødekongen som nyst er fødd? Me såg stjerna hans i Austerland, og no er me komne og vil hylla honom.» **3** Då kongen, Herodes, høyrde det, vart han forfærd, og heile Jerusalem med. **4** Han kalla i hop alle dei øvste prestarne og alle skriftlærde i landet, og spurde deim kvar Messias skulde koma til verdi. **5** «I Betlehem i Judalandet, » svara dei, «for so stend det skrive hjå profeten: **6** «Du Betlehem, du Juda-bygd, av Juda-jarlarne er du visst ikkje ringaste i rang: Or deg ein fyrste skal gå fram som Israel, mitt eige folk, liksom ein hyrding gjæta skal.»» **7** Då kalla Herodes vismennerne til seg i løynd, og spurde deim ut um tidi då stjerna hadde synt seg. **8** So styrde han deim i veg til Betlehem og sagde: «Far no dit, og høyr dykk vel fyre um barnet, og når de hev funne det, so seg meg til, so eg og kann koma og hylla det!» **9** Då dei hadde høyrt på kongen, tok dei i vegen, og best det var, fekk dei sjå den same stjerna som dei hadde set i Austerland; ho for fyre deim, til ho kom uppyver der som barnet var; der vart ho standande. **10** Då vismennerne såg stjerna, vart dei so glade at dei aldri hadde vore so glade. **11** Dei gjekk inn i huset, og fann barnet hjå mori, Maria. Då fall dei på kne, og hyllte barnet. Og dei let upp skrini, sine og bar fram for det gåvor: gull og røykjelse og myrra. **12** Og Gud varsla deim i draume, at dei ikkje måtte fara attende til Herodes, og so tok dei ein annan veg heim att til landet sitt. **13** Vel dei var farne, so syner Herrens engel seg for Josef i draume og segjer: «Statt upp! Tak barnet og mori, og røm til Egyptarland, og ver der til eg segjer deg til! For Herodes kjem til å leita etter barnet og vil gjera ende på det.» **14** Då stod han upp, og same natti tok han barnet og mori og for til Egyptarland, **15** og der vart han verande til Herodes var avliden, so det skulde sannast det som Herren hev tala gjenom profeten, når han segjer: «Or Egyptarland kalla eg min son.» **16** Då Herodes såg at vismennerne hadde havt honom til narr, vart han brennande harm. Han sende ut folk og let dei drepa alle guteborn i Betlehem og heile grannelaget på tvo år og derunder, etter den tidi han hadde fenge vita av vismennerne. **17** Då vart det sanna det som Jeremia, profeten, hev tala, når han segjer: **18** «Dei høyrde ei røyst i Rama - gråt og øying stor: Rakel ho gret for borni sine, og ansa'kje trøystarord; for burte er dei, burte!» **19** Då Herodes var avliden, syner Herrens engel seg i draume for Josef i Egyptarland og segjer: **20** «Statt upp! Tak barnet

ମାଥିଉ

1 ଅବ୍ରହାମଙ୍କ ସନ୍ତାନ ଓ ଦାଉଦଙ୍କ ସନ୍ତାନ ଯୀଶୁ ଖ୍ରୀଷ୍ଟଙ୍କ ବଂଶାବଳୀ। **2** ଅବ୍ରହାମ ଇସ୍‌ହାକଙ୍କୁ ଜନ୍ମ ଦେଲେ, ଇସ୍‌ହାକ ଯାକୁବଙ୍କୁ ଜନ୍ମ ଦେଲେ, ଯାକୁବ, ଯିହୂଦା ଓ ତାହାଙ୍କ ଭାଇମାନଙ୍କୁ ଜନ୍ମ ଦେଲେ, **3** ଯିହୂଦା ତାମରଙ୍କ ଗର୍ଭରୁ ପେରସ ଓ ସେରହଙ୍କୁ ଜନ୍ମ ଦେଲେ, ପେରସ ହିଷ୍ରୋଣଙ୍କୁ ଜନ୍ମ ଦେଲେ, **4** ହିଷ୍ରୋଣ ଅରାମଙ୍କୁ ଜନ୍ମ ଦେଲେ, ଅରାମ ଅମ୍ମୀନାଦବଙ୍କୁ ଜନ୍ମ ଦେଲେ, ଅମ୍ମୀନାଦାବ ନହଶୋନଙ୍କୁ ଜନ୍ମ ଦେଲେ, ନହଶୋନ ସଲମୋନଙ୍କୁ ଜନ୍ମ ଦେଲେ, **5** ସଲମୋନ ରାହାବଙ୍କ ଗର୍ଭରୁ ବୋୟଜଙ୍କୁ ଜନ୍ମ ଦେଲେ, ବୋୟଜ ରୂତଙ୍କ ଗର୍ଭରୁ ଓବେଦଙ୍କୁ ଜନ୍ମ ଦେଲେ, ଓବେଦ ଯିଶୀଙ୍କୁ ଜନ୍ମ ଦେଲେ, **6** ଯିଶୀ ଦାଉଦ ରାଜାଙ୍କୁ ଜନ୍ମ ଦେଲେ। ଦାଉଦ ଉରୀୟଙ୍କ ଭାର୍ଯ୍ୟାଙ୍କ ଗର୍ଭରୁ ଶଲୋମନଙ୍କୁ ଜନ୍ମ ଦେଲେ, **7** ଶଲୋମନ ରିହବୀୟାମଙ୍କୁ ଜନ୍ମ ଦେଲେ, ରିହବୀୟାମ ଅବୀୟଙ୍କୁ ଜନ୍ମ ଦେଲେ, **8** ଅବୀୟ ଆସାଙ୍କୁ ଜନ୍ମ ଦେଲେ, ଆସା ଯିହୋଶାଫଟଙ୍କୁ ଜନ୍ମ ଦେଲେ, ଯିହୋଶାଫଟ ଯୋରାମଙ୍କୁ ଜନ୍ମ ଦେଲେ, ଯୋରାମ ଉଜୀୟଙ୍କୁ ଜନ୍ମ ଦେଲେ, **9** ଉଜୀୟ ଯୋଥମଙ୍କୁ ଜନ୍ମ ଦେଲେ, ଯୋଥମ ଆହସ୍‌ଙ୍କୁ ଜନ୍ମ ଦେଲେ, ଆହସ୍ ହିଜକୀୟଙ୍କୁ ଜନ୍ମ ଦେଲେ, **10** ହିଜକୀୟ ମନଃଶିଙ୍କୁ ଜନ୍ମ ଦେଲେ, ମନଃଶି ଆମୋନଙ୍କୁ ଜନ୍ମ ଦେଲେ, ଆମୋନ ଯୋଶୀୟଙ୍କୁ ଜନ୍ମ ଦେଲେ, **11** ବାବିଲକୁ ନିର୍ବାସିତ ହେବା ସମୟରେ ଯୋଶୀୟ ଯିକନୀୟ ଓ ତାହାଙ୍କ ଭାଇମାନଙ୍କୁ ଜନ୍ମ ଦେଲେ। **12** ବାବିଲକୁ ନିର୍ବାସିତ ହେବା ପରେ ଯିକନୀୟ ଶଲ୍ଟୀୟେଲଙ୍କୁ ଜନ୍ମ ଦେଲେ, ଶଲ୍‌ଟୀୟେଲ୍ ଜିରୁବାବିଲଙ୍କୁ ଜନ୍ମ ଦେଲେ, **13** ଜିରୁବାବିଲ ଅବୀହୂଦଙ୍କୁ ଜନ୍ମ ଦେଲେ, ଅବୀହୂଦ ଏଲୀୟାକିମଙ୍କୁ ଜନ୍ମ ଦେଲେ, ଏଲୀୟାକିମ ଆସୋରଙ୍କୁ ଜନ୍ମ ଦେଲ, **14** ଆସୋର ସାଦୋକଙ୍କୁ ଜନ୍ମ ଦେଲେ, ସାଦୋକ ଆଖିମଙ୍କୁ ଜନ୍ମ ଦେଲେ, ଆଖିମ ଏଲିହୂଦଙ୍କୁ ଜନ୍ମ ଦେଲେ, **15** ଏଲିହୂଦ ଏଲୀୟାଜରଙ୍କୁ ଜନ୍ମ ଦେଲେ, ଏଲୀୟାଜର ମତ୍ତାନଙ୍କୁ ଜନ୍ମ ଦେଲେ, **16** ମତ୍ତାନ ଯାକୁବଙ୍କୁ ଜନ୍ମ ଦେଲେ, ଯାକୁବ ମରୀୟମଙ୍କ ସ୍ୱାମୀ ଯୋଷେଫଙ୍କୁ ଜନ୍ମ ଦେଲେ, ଏହି ମରୀୟମଙ୍କ ଗର୍ଭରୁ ଯୀଶୁ ଜନ୍ମ ହେଲେ, ତାହାଙ୍କୁ ଖ୍ରୀଷ୍ଟ କୁହାଯାଏ। **17** ଏହି ପ୍ରକାରେ ସମସ୍ତେ ଅବ୍ରହାମଙ୍କଠାରୁ ଦାଉଦଙ୍କ ପର୍ଯ୍ୟନ୍ତ ଚଉଦ ପୁରୁଷ, ଆଉ ଦାଉଦଙ୍କ ଠାରୁ ବାବିଲ ନିର୍ବାସନ ପର୍ଯ୍ୟନ୍ତ ଚଉଦ ପୁରୁଷ, ପୁଣି, ବାବିଲ ନିର୍ବାସନଠାରୁ ଖ୍ରୀଷ୍ଟଙ୍କ ପର୍ଯ୍ୟନ୍ତ ଚଉଦ ପୁରୁଷ। **18** ଯୀଶୁ ଖ୍ରୀଷ୍ଟଙ୍କ ଜନ୍ମ ଏହି ପ୍ରକାରେ ହେଲା। ତାହାଙ୍କ ମାତା ମରୀୟମଙ୍କର ଯୋଷେଫଙ୍କ ସହିତ ବିବାହ ନିର୍ବନ୍ଧ ହେଲା ପରେ ସେମାନଙ୍କୁ ସହବାସ ପୂର୍ବେ ସେ ପବିତ୍ର ଆତ୍ମାଙ୍କ ଦ୍ୱାରା ଗର୍ଭବତୀ ହୋଇଅଛନ୍ତି ବୋଲି ଜଣାପଡ଼ିଲା। **19** ଏଥିରେ ତାହାଙ୍କ ସ୍ୱାମୀ ଯୋଷେଫ ଧାର୍ମିକ ଥିବାରୁ ଏବଂ ତାହାଙ୍କୁ ପ୍ରକାଶରେ ନିନ୍ଦାର ପାତ୍ର କରିବାକୁ ଇଚ୍ଛା ନ କରିବାରୁ ଗୋପନରେ ତାହାଙ୍କୁ ପରିତ୍ୟାଗ କରିବାକୁ ସ୍ଥିର କଲେ। **20** କିନ୍ତୁ ସେ ଏହା ମନସ୍ଥ କଲା ପରେ, ଦେଖ, ପ୍ରଭୁଙ୍କର ଜଣେ ଦୂତ ସ୍ୱପ୍ନରେ ତାହାଙ୍କୁ ଦର୍ଶନ ଦେଇ କହିଲେ, "ହେ ଦାଉଦଙ୍କ ସନ୍ତାନ ଯୋଷେଫ, ତୁମ୍ଭର ଭାର୍ଯ୍ୟା ମରୀୟମଙ୍କୁ ଗ୍ରହଣ କରିବାକୁ ଭୟ କର ନାହିଁ, କାରଣ ତାହାଙ୍କର ଗର୍ଭ ପବିତ୍ର ଆତ୍ମାଙ୍କ ଦ୍ୱାରା ହୋଇଅଛି। **21** ସେ ପୁତ୍ର ପ୍ରସବ କରିବେ, ଆଉ ତୁମ୍ଭେ ତାହାଙ୍କ ନାମ ଯୀଶୁ ଦେବ, କାରଣ ସେ ଆପଣା ଲୋକମାନଙ୍କୁ ସେମାନଙ୍କର ସମସ୍ତ ପାପରୁ ପରିତ୍ରାଣ କରିବେ।" **22** ଭାବବାଦୀଙ୍କ ଦ୍ୱାରା ପ୍ରଭୁଙ୍କ ଉକ୍ତ ଏହି ବାକ୍ୟ ଯେପରି ସଫଳ ହୁଏ, ଏଥିନିମନ୍ତେ ଏସମସ୍ତ ଘଟିଲା, **23** "ଦେଖ, ଜଣେ କନ୍ୟା ଗର୍ଭବତୀ ହୋଇ ପୁତ୍ର ପ୍ରସବ କରିବେ, ଆଉ ଲୋକେ ତାହାଙ୍କ ନାମ ଇମ୍ମାନୁଏଲ ଦେବେ," ଏହି ନାମର ଅର୍ଥ "ଆମ୍ଭମାନଙ୍କ ସହିତ ଈଶ୍ୱର।" **24** ଏଥିରେ ଯୋଷେଫ ନିଦରୁ ଉଠି ପ୍ରଭୁଙ୍କ ଦୂତ ତାହାଙ୍କୁ ଯେପରି ଆଜ୍ଞା ଦେଇଥିଲେ, ସେହିପରି କଲେ ଓ ନିଜ ଭାର୍ଯ୍ୟାଙ୍କୁ ଗ୍ରହଣ କଲେ; **25** କିନ୍ତୁ ସେ ପୁତ୍ର ପ୍ରସବ ନ କରିବା ପର୍ଯ୍ୟନ୍ତ ତାହାଙ୍କ ସହିତ ସହବାସ କଲେ ନାହିଁ, ଆଉ ସେ ପୁତ୍ରଙ୍କୁ ନାମ ଯୀଶୁ ଦେଲେ।

2 ହେରୋଦ ରାଜାଙ୍କ ସମୟରେ ଯିହୂଦିୟା ପ୍ରଦେଶର ବେଥଲିହିମରେ ଯୀଶୁଙ୍କ ଜନ୍ମ ହେବା ପରେ, ଦେଖ, ପୂର୍ବ ଦିଗରେ ଥିବା ଦେଶରୁ କେତେକ ପଣ୍ଡିତ ଯିରୂଶାଲମ ସହରକୁ ଆସି କହିଲେ, **2** "ଯିହୂଦୀମାନଙ୍କର ଯେଉଁ ରାଜା ଜନ୍ମଗ୍ରହଣ କରିଅଛନ୍ତି, ସେ କେଉଁଠାରେ? କାରଣ ଆମ୍ଭେମାନେ ପୂର୍ବ ଦିଗରେ ତାହାଙ୍କ ତାରା ଦେଖି ତାହାଙ୍କୁ ଆରାଧନା କରିବାକୁ ଆସିଅଛୁ।" **3** ଏହା ଶୁଣି ହେରୋଦ ରାଜା ଓ ତାହାଙ୍କୁ ସହିତ ସମସ୍ତ ଯିରୂଶାଲମ ନିବାସୀ ଉଦ୍‌ବିଗ୍ନ ହେଲେ; **4** ପୁଣି, ସେ ଲୋକଙ୍କର ସମସ୍ତ ପ୍ରଧାନ ଯାଜକ ଓ ଶାସ୍ତ୍ରୀଙ୍କୁ ଏକତ୍ର କରି, ଖ୍ରୀଷ୍ଟ କେଉଁଠାରେ ଜନ୍ମଗ୍ରହଣ କରିବେ, ତାହା ସେମାନଙ୍କଠାରୁ ବୁଝିବା ପାଇଁ ଚେଷ୍ଟା କଲେ। **5** ସେମାନେ ତାହାଙ୍କୁ କହିଲେ, ଯିହୂଦିୟା ପ୍ରଦେଶର ବେଥଲିହିମରେ, କାରଣ ଭାବବାଦୀଙ୍କ ଦ୍ୱାରା ଏପରି ଲେଖାଅଛି, **6** "ଆଉ ଗୋ ଯିହୂଦାଙ୍କ ପ୍ରଦେଶର ବେଥଲିହିମ, ତୁ ଯିହୂଦାର ପ୍ରଧାନ ନଗରସମୂହ ମଧ୍ୟରେ କୌଣସି ପ୍ରକାରେ କ୍ଷୁଦ୍ରତମ ନୋହୁଁ, କାରଣ ଯେ ଆମ୍ଭର ଇସ୍ରାଏଲ ଲୋକଙ୍କୁ ପ୍ରତିପାଳନ କରିବେ, ଏପରି ଜଣେ ଶାସନକର୍ତ୍ତା ତୋ'ଠାରୁ ଆସିବେ।" **7** ତାହାପରେ ହେରୋଦ ପଣ୍ଡିତମାନଙ୍କୁ ଗୋପନରେ ଡାକି, ସେହି ତାରା କେଉଁ ସମୟରେ ଦେଖାଗଲା, ଏହା ସେମାନଙ୍କଠାରୁ ଠିକ୍ ଭାବରେ ବୁଝିନେଲେ। **8** ପୁଣି, ସେ ସେମାନଙ୍କୁ ବେଥଲିହିମକୁ ପଠାଇ କହିଲେ, "ଆପଣମାନେ ଯାଇ ସେହି ଶିଶୁଙ୍କ ସମ୍ବନ୍ଧରେ ଠିକ୍ ଭାବରେ ଅନୁସନ୍ଧାନ କରନ୍ତୁ, ଆଉ ସନ୍ଧାନ ପାଇଲାକ୍ଷଣି ଆମ୍ଭକୁ ସମ୍ବାଦ ଦିଅନ୍ତୁ, ଯେପରି ଆମ୍ଭେ ମଧ୍ୟ ଯାଇ ତାହାଙ୍କୁ ପ୍ରଣାମ କରିବା।" **9** ସେଥିରେ ସେମାନେ ରାଜାଙ୍କ କଥା ଶୁଣି ଚାଲିଗଲେ; ଆଉ ଦେଖ, ସେମାନେ ପୂର୍ବଦେଶରେ ଯେଉଁ ତାରା ଦେଖିଥିଲେ, ତାହା ସେମାନଙ୍କ ଆଗେ ଆଗେ ଯାଇ, ଯେଉଁଠାରେ ଶିଶୁ ଥିଲେ, ଶେଷରେ ସେହି ସ୍ଥାନ ଉପରେ ରହିଗଲା। **10** ସେମାନେ ତାରା ଦେଖି ମହାନନ୍ଦରେ ଅତିଶୟ ଆନନ୍ଦିତ ହେଲେ, **11** ଆଉ, ଘର ଭିତରକୁ ଯାଇ ଶିଶୁଙ୍କୁ ତାହାଙ୍କ ମାତା ମରୀୟମଙ୍କ ସଙ୍ଗରେ ଦେଖି, ତାହାଙ୍କୁ ଭୂମିଷ୍ଠ ପ୍ରଣାମ କଲେ ଏବଂ ଆରାଧନା କଲେ, ପୁଣି, ଆପଣା ଆପଣା ପେଡ଼ି ଫିଟାଇ ତାହାଙ୍କୁ ସୁନା, କୁନ୍ଦୁରୁ ଓ ଗନ୍ଧରସ ଉପହାର ଦେଲେ। **12** ପରେ ହେରୋଦଙ୍କ ନିକଟକୁ ବାହୁଡ଼ି ନ ଯିବାକୁ ସ୍ୱପ୍ନରେ ସତର୍କବାଣୀ ପାଇ ସେମାନେ ଅନ୍ୟ ପଥ ଦେଇ ଆପଣା ଦେଶକୁ ଚାଲିଗଲେ। **13** ସେମାନେ ଚାଲିଯିବା ପରେ, ଦେଖ, ପ୍ରଭୁଙ୍କର ଜଣେ ଦୂତ ସ୍ୱପ୍ନରେ ଯୋଷେଫଙ୍କୁ ଦର୍ଶନ ଦେଇ କହିଲେ, "ଉଠ, ଶିଶୁ ଓ ତାହାଙ୍କ ମାତାଙ୍କୁ ନେଇ ମିସରକୁ ପଳାଅ, ପୁଣି, ଆମ୍ଭେ ତୁମ୍ଭକୁ ନ କହିବା ପର୍ଯ୍ୟନ୍ତ ସେଠାରେ ରୁହ, କାରଣ ଶିଶୁକୁ ବିନାଶ କରିବା ନିମନ୍ତେ ହେରୋଦ ତାହାଙ୍କୁ ଅନ୍ୱେଷଣ କରିବାକୁ ଉଦ୍ୟତ।" **14** ଏଥିରେ ସେ ଉଠି ରାତ୍ରିରେ ଶିଶୁ ଓ ତାହାଙ୍କୁ ମାତାଙ୍କୁ ନେଇ ମିସରକୁ ପଳାଇଗଲେ, **15** ଆଉ ହେରୋଦଙ୍କ ମରଣ ପର୍ଯ୍ୟନ୍ତ ସେଠାରେ ରହିଲେ, ଯେପରି ଭାବବାଦୀଙ୍କ ଦ୍ୱାରା ପ୍ରଭୁଙ୍କୁ ଉକ୍ତ ଏହି ବାକ୍ୟ ସଫଳ ହୁଏ, "ମିସରରୁ ଆମ୍ଭେ ଆପଣା ପୁତ୍ରଙ୍କୁ ଆହ୍ୱାନ କଲୁ।" **16** ଇତିମଧ୍ୟରେ ହେରୋଦ ପଣ୍ଡିତମାନଙ୍କୁ ଦ୍ୱାରା ଆପଣାକୁ ପ୍ରବଞ୍ଚିତ ହେବା ଦେଖି ରାଗିଗଲେ, ଆଉ ସେମାନଙ୍କୁ ନିକଟରୁ ଉତ୍ତମ ରୂପେ ଯେଉଁ ସମୟରେ ବୁଝିଥିଲେ, ତଦନୁସାରେ ଦୁଇ ବର୍ଷ ଓ ସେଥିରୁ କମ୍ ବୟସ୍କ ଯେତେ ବାଳକ ବେଥଲିହିମ ପୁଣି, ସେଥିର ସମସ୍ତ ସୀମା ମଧ୍ୟରେ ଥିଲେ, ଲୋକ ପଠାଇ ସେହି ସମସ୍ତଙ୍କୁ ବଧ କରାଇଲେ। **17** ସେତେବେଳେ ଯିରିମୀୟ ଭାବବାଦୀଙ୍କ ଦ୍ୱାରା ଉକ୍ତ ଏହି ବାକ୍ୟ ସଫଳ ହେଲା, **18** "ରାମାରେ ସ୍ୱର ଶୁଣାଗଲା, ରୋଦନ ଓ ଅତିଶୟ ବିଳାପ, ରାହେଲ ଆପଣା ସନ୍ତାନମାନଙ୍କ ନିମନ୍ତେ ରୋଦନ କରୁଥିଲେ; ଆଉ ସେମାନେ ନାହାନ୍ତି ବୋଲି ସେ ସାନ୍ତ୍ୱନାର କଥା ମାନିବାକୁ ଇଚ୍ଛା କରୁ ନ ଥିଲେ।" **19** ହେରୋଦଙ୍କ ମୃତ୍ୟୁ ପରେ, ଦେଖ, ପ୍ରଭୁଙ୍କର ଜଣେ ଦୂତ ମିସରରେ ଯୋଷେଫଙ୍କୁ ସ୍ୱପ୍ନରେ ଦର୍ଶନ ଦେଇ କହିଲେ, **20** "ଉଠ, ଶିଶୁ ଓ ତାହାଙ୍କ ମାତାଙ୍କୁ ନେଇ ଇସ୍ରାଏଲ ଦେଶକୁ ଯାଅ, କାରଣ ଯେଉଁମାନେ ଶିଶୁଙ୍କ ପ୍ରାଣ ବିନାଶ କରିବା ନିମନ୍ତେ ଚେଷ୍ଟା କରୁଥିଲେ, ସେମାନଙ୍କର ମୃତ୍ୟୁ ଘଟିଅଛି।" **21** ସେଥିରେ ସେ ଉଠି ଶିଶୁ ଓ ତାହାଙ୍କ ମାତାଙ୍କୁ ନେଇ ଇସ୍ରାଏଲ ଦେଶକୁ ଆସିଲେ। **22**

Maatewos

1 Hiddi dhaloota Yesuus Kiristoos sanyii Daawit, sanyii Abrahaam ta'e sanaa kanaa dha: **2** Abrahaam Yisihaaqin dhalche; Yisihaaq Yaaqoobin dhalche; Yaaqoob Yihuudaa fi obboloota isaa dhalche; **3** Yihuudaan Taamaar irraa Faaresii fi Zeraa dhalche; Faares Hezroonin dhalche; Hezroon Arraamin dhalche; **4** Arraam Amiinaadaabin dhalche; Abiinaadaab Nahishoonin dhalche; Nahishoon Salmoonin dhalche; **5** Salmoon Rahaab irraa Bo'eezin dhalche; Bo'eez Ruut irraa Yoobeedin dhalche; Yoobeed Isseeyin dhalche; **6** Isseey Daawit Mooticha dhalche. Daawit niitii Uuriyaa irraa Solomoonin dhalche; **7** Solomoon Rehoobo'aamin dhalche; Rehoobo'aam Abiyaa dhalche; Abiyaan Asaafin dhalche; **8** Asaaf Yehooshaafaaxin dhalche; Yehooshaafaax Yehooraamin dhalche; Yehooraam Uziyaan dhalche; **9** Uziyaan Yootaamin dhalche; Yootaam Akaazin dhalche; Akaaz Hisqiyaasin dhalche; **10** Hisqiyaas Minaasee dhalche; Minaaseen Aamoonin dhalche; Aamoon Yosiyaasin dhalche; **11** Yosiyaas bara boojuu Baabilon keessa, Yekooniyaanii fi obboloota isaa dhalche. **12** Boojuu Baabilon booddee, Yekooniyaan She'altii'eelin dhalche; She'altii'eel Zarubaabelin dhalche; **13** Zarubaabel Abiyuudin dhalche; Abiyuud Eliyaaqeemin dhalche; Eliyaaqeem Azoorin dhalche; **14** Azoor Zaadoqin dhalche; Zaadoq Akiimin dhalche; Akiim Eliyuudin dhalche; **15** Eliyuud Ele'aazaarin dhalche; Ele'aazaar Maattaanin dhalche; Maattaan Yaaqoobin dhalche; **16** Yaaqoob Yoosefin dhalche; Yoosef kunis dhirsa Maariyaam ishee Yesuus isa Kiristoos jedhamu deesse sanaa ti. **17** Egaa walumaa galatti Abrahaamii hamma Daawititti dhaloota kudha afur, Daawitii hamma boojuu Baabilonitti dhaloota kudha afur, boojuu Baabilonii hamma Kiristoosiitti dhaloota kudha afurtu ture. **18** Dhalachuun Yesuus Kiristoos akkana ture: Haati isaa Maariyaam kaadhima Yoosef turte; isheenis utuu Yoosef wajjin wal bira hin ga'in Hafuura Qulqulluudhaan ulfooftee argamte. **19** Yoosef kaadhimni ishee sunis nama qajeelaa waan tureef, dhoksaadhaan ishee dhiisuu murteesse malee uummata duratti ishee qaanessuu hin barbaanne. **20** Utuu inni waan kana yaadaa jiruu, ergamaan Gooftaa abjuu keessa itti mul'atee akkana jedheen; "Yaa Yoosef ilma Daawit, kaadhimni kee Maariyaam Hafuura Qulqulluudhaan waan ulfoofteef ishee fuudhuu hin sodaatin. **21** Isheen ilma deessi; atis maqaa isaa Yesuus jettee ni moggaafta; inni saba isaa cubbuu isaanii irraa ni fayyisaatii." **22** Kun hundinuu akka wanni Gooftaan karaa raajichaatiin dubbate sun raawwatamuuf ta'e. **23** Innis, "Kunoo, durbi tokko ni ulfoofti; ilma ni deessi; maqaa isaas Amaanu'el jedhu" jedha. Amaanu'el jechuunis, "Waaqni nu wajjin jira" jechuu dha. **24** Yoosefis hirribaa dammaqee akkuma ergamaan Gooftaa isa ajajetti Maariyaamin niitummaadhaan mana isaatti fudhate. **25** Garuu inni hamma isheen ilma deessutti ishee bira hin geenye. Maqaa isaas, "Yesuus" jedhee moggaase.

2 Bara Heroodis Mootichaa keessa, erga Yesuus magaalaa Beetlihem Yihuudaatti argamtu keessatti dhalatee booddee, beektonni ba'a biiftuutii gara Yerusaalem dhufan; **2** isaanis, "Mootiin Yihuudootaa inni dhalate sun eessa jira? Nu urjii isaa ba'a biiftuutti arginee isaaf sagaduu dhufneerra" jedhanii gaafatan. **3** Heroodis Mootichi yommuu waan kana dhaga'etti ni jeeqame; Yerusaalemis guutummaatti isa wajjin jeeqamte. **4** Innis luboota hangafootaa fi barsiistota seeraa hunda saba keessaa walitti qabee, Kiristoos eessatti akka dhalatu isaan gaafate. **5** Isaanis akkana jedhanii deebisaniif; "Beetlihem Yihuudaatti dhalata; kunis dubbii raajichi, "'Yaa Beetlihem ishee biyya Yihuudaa, ati gonkumaa bulchitoota Yihuudaatii gad miti; bulchaan saba koo Israa'elin tiksu si keessaa ni ba'aatii' jedhee barreesse sanaa dha." **7** Ergasii Heroodis beektota sana dhoksaatti waamee yeroo itti urjiin sun mul'ate isaan irraa hubate. **8** Innis, "Dhaqaatii jabeessaa mucicha barbaadaa. Yeroo argitanitti immoo akka anis dhufee isaaf sagaduuf natti himaa" jedhee Beetlihemitti isaan erge. **9** Isaanis erga waan mootichi jedhe sana dhaga'anii booddee karaa isaanii itti fufan; urjiin isaan ba'a biiftuutti argan sunis hamma iddoo mucichi ture ga'ee dhaabatutti isaan dura deeme. **10** Isaanis yeroo urjii sana arganitti akka malee gammadan. **11** Akkuma mana ol seenaniinis mucicha, haadha isaa Maariyaam wajjin argan; kufaniis sagadaniif. Qorxii isaaniis bananii kennaa warqee, ixaanaa fi qumbii dhi'eessaniif. **12** Beektonnis akka gara Heroodisitti hin deebineef waan abjuudhaan of eeggachiisni isaaniif kennameef karaa biraatiin biyya isaaniitti deebi'an. **13** Yommuu beektonni sun deemanitti, kunoo ergamaan Gooftaa abjuudhaan Yoosefitti mul'atee, "Sababii Heroodis mucicha ajjeesuu barbaaduuf ka'iitii mucichaa fi haadha isaa fudhadhuutii Gibxitti baqadhu. Hamma ani yeroo ati itti deebitu sitti himutti achuma turi" jedheen. **14** Kanaafuu Yoosef ka'ee mucichaa fi haadha isaa halkaniin fudhatee Gibxitti qajeele; **15** hamma Heroodis du'uttis achi jiraate. Kunis akka wanni Gooftaan karaa raajichaatiin, "Ani Gibxii ilma koo waameera" jedhe sun raawwatamuuf ta'e. **16** Heroodis yommuu akka beektonni sun isa gowwoomsan hubatetti akka malee aare; innis akka yeroo beektota sana irraa bareetti, ijoollee dhiiraa warra umuriin isaanii waggaa lamaa fi hammasii gad ta'e kanneen Beetlihemii fi naannoo ishee keessa jiraatan hunda nama itti ergee ficcisiise. **17** Kanaanis wanni Ermiyaas raajichi dubbate ni raawwatame. Innis akkana jedha: **18** "Sagaleen boo'ichaatii fi wawwaannaa guddaan tokko Raamaa keessaa dhaga'ame; sababii isaan hin jirreef, Raahel ijoollee isheetiif boo'aa jirti; jajjabaachuus ni didde." **19** Erga Heroodis du'ee booddee, ergamaan Gooftaa tokko Gibxitti abjuudhaan Yoosefitti mul'atee, **20** "Warri lubbuu mucichaa barbaadan waan du'aniif ka'iitii mucicha haadha isaa wajjin fudhadhuutii biyya Israa'el dhaqi" jedheen. **21** Kanaafuu Yoosef ka'ee mucichaa fi haadha isaa fudhatee biyya Israa'el dhaqe. **22** Garuu yommuu akka Arkelaawoos iddoo abbaa isaa, iddoo Heroodis Yihuudaa irratti mo'e dhaga'etti achi dhaquu sodaate; abjuudhaanis waan of eeggachiisni isaaf kennameef

ਮੱਤੀ

੧ ਯਿਸੂ ਮਸੀਹ ਦੀ ਵੰਸ਼ਾਵਲੀ, ਜਿਹੜਾ ਅਬਰਾਹਾਮ ਦੇ ਵੰਸ਼ ਵਿੱਚੋਂ ਦਾਊਦ ਦਾ ਪੁੱਤਰ ਸੀ। ੨ ਅਬਰਾਹਾਮ ਤੋਂ ਇਸਹਾਕ ਜੰਮਿਆ ਅਤੇ ਇਸਹਾਕ ਤੋਂ ਯਾਕੂਬ ਜੰਮਿਆ ਅਤੇ ਯਾਕੂਬ ਤੋਂ ਯਹੂਦਾਹ ਤੇ ਉਸ ਦੇ ਭਰਾ ਜੰਮੇ। ੩ ਯਹੂਦਾਹ ਤੋਂ ਫ਼ਰਸ ਅਤੇ ਜ਼ਰਾ ਤਾਮਾਰ ਦੀ ਕੁੱਖੋਂ ਜੰਮੇ ਅਤੇ ਫ਼ਰਸ ਤੋਂ ਹਸਰੋਨ ਜੰਮਿਆ ਅਤੇ ਹਸਰੋਨ ਤੋਂ ਰਾਮ ਜੰਮਿਆ। ੪ ਰਾਮ ਤੋਂ ਅੰਮੀਨਾਦਾਬ ਜੰਮਿਆ ਅਤੇ ਅੰਮੀਨਾਦਾਬ ਤੋਂ ਨਹਸ਼ੋਨ ਜੰਮਿਆ ਅਤੇ ਨਹਸ਼ੋਨ ਤੋਂ ਸਲਮੋਨ ਜੰਮਿਆ। ੫ ਸਲਮੋਨ ਤੋਂ ਬੋਅਜ਼ ਰਾਹਾਬ ਦੀ ਕੁੱਖੋਂ ਜੰਮਿਆ ਅਤੇ ਬੋਅਜ਼ ਤੋਂ ਓਬੇਦ ਰੂਥ ਦੀ ਕੁੱਖੋਂ ਜੰਮਿਆ ਅਤੇ ਓਬੇਦ ਤੋਂ ਯੱਸੀ ਜੰਮਿਆ। ੬ ਯੱਸੀ ਤੋਂ ਦਾਊਦ ਰਾਜਾ ਜੰਮਿਆ ਅਤੇ ਦਾਊਦ ਰਾਜਾ ਤੋਂ ਸੁਲੇਮਾਨ ਊਰੀਯਾਹ ਦੀ ਔਰਤ ਦੀ ਕੁੱਖੋਂ ਜੰਮਿਆ। ੭ ਸੁਲੇਮਾਨ ਤੋਂ ਰਹਬੁਆਮ ਜੰਮਿਆ ਅਤੇ ਰਹਬੁਆਮ ਤੋਂ ਅਬੀਯਾਹ ਜੰਮਿਆ ਅਤੇ ਅਬੀਯਾਹ ਤੋਂ ਆਸਾ ਜੰਮਿਆ। ੮ ਆਸਾ ਤੋਂ ਯਹੋਸ਼ਾਫ਼ਾਤ ਜੰਮਿਆ ਅਤੇ ਯਹੋਸ਼ਾਫ਼ਾਤ ਤੋਂ ਯੋਰਾਮ ਜੰਮਿਆ ਅਤੇ ਯੋਰਾਮ ਤੋਂ ਉੱਜ਼ੀਯਾਹ ਜੰਮਿਆ। ੯ ਉੱਜ਼ੀਯਾਹ ਤੋਂ ਯੋਥਾਮ ਜੰਮਿਆ ਅਤੇ ਯੋਥਾਮ ਤੋਂ ਆਹਾਜ਼ ਜੰਮਿਆ ਅਤੇ ਆਹਾਜ਼ ਤੋਂ ਹਿਜ਼ਕੀਯਾਹ ਜੰਮਿਆ। ੧੦ ਹਿਜ਼ਕੀਯਾਹ ਤੋਂ ਮਨੱਸ਼ਹ ਜੰਮਿਆ ਅਤੇ ਮਨੱਸ਼ਹ ਤੋਂ ਆਮੋਨ ਜੰਮਿਆ ਅਤੇ ਆਮੋਨ ਤੋਂ ਯੋਸ਼ੀਯਾਹ ਜੰਮਿਆ। ੧੧ ਯੋਸ਼ੀਯਾਹ ਤੋਂ ਯਕਾਨਯਾਹ ਅਤੇ ਉਹ ਦੇ ਭਰਾ ਬਾਬੁਲ ਵੱਲ ਜਾਣ ਦੇ ਸਮੇਂ ਜੰਮੇ। ੧੨ ਬਾਬੁਲ ਵੱਲ ਜਾਣ ਤੋਂ ਬਾਅਦ ਯਕਾਨਯਾਹ ਤੋਂ ਸ਼ਅਲਤੀਏਲ ਜੰਮਿਆ ਅਤੇ ਸ਼ਅਲਤੀਏਲ ਤੋਂ ਜ਼ਰੁੱਬਾਬਲ ਜੰਮਿਆ। ੧੩ ਜ਼ਰੁੱਬਾਬਲ ਤੋਂ ਅਬੀਹੂਦ ਜੰਮਿਆ ਅਤੇ ਅਬੀਹੂਦ ਤੋਂ ਅਲਯਾਕੀਮ ਜੰਮਿਆ ਅਤੇ ਅਲਯਾਕੀਮ ਤੋਂ ਅੱਜ਼ੋਰ ਜੰਮਿਆ। ੧੪ ਅੱਜ਼ੋਰ ਤੋਂ ਸਾਦੋਕ ਜੰਮਿਆ ਅਤੇ ਸਾਦੋਕ ਤੋਂ ਯਾਕੀਨ ਜੰਮਿਆ ਅਤੇ ਯਾਕੀਨ ਤੋਂ ਅਲੀਹੂਦ ਜੰਮਿਆ। ੧੫ ਅਲੀਹੂਦ ਤੋਂ ਅਲਾਜ਼ਾਰ ਜੰਮਿਆ ਅਤੇ ਅਲਾਜ਼ਾਰ ਤੋਂ ਮੱਥਾਨ ਜੰਮਿਆ ਅਤੇ ਮੱਥਾਨ ਤੋਂ ਯਾਕੂਬ ਜੰਮਿਆ। ੧੬ ਅਤੇ ਯਾਕੂਬ ਤੋਂ ਯੂਸੁਫ਼ ਜੰਮਿਆ। ਉਹ ਮਰਿਯਮ ਦਾ ਪਤੀ ਸੀ ਜਿਸ ਦੀ ਕੁੱਖੋਂ ਯਿਸੂ ਨੇ ਜਨਮ ਲਿਆ, ਜਿਹੜਾ ਮਸੀਹ ਅਖਵਾਉਂਦਾ ਹੈ। ੧੭ ਸੋ ਅਬਰਾਹਾਮ ਤੋਂ ਲੈ ਕੇ ਦਾਊਦ ਤੱਕ ਕੁੱਲ ਚੌਦਾਂ ਪੀੜ੍ਹੀਆਂ ਹਨ ਅਤੇ ਦਾਊਦ ਤੋਂ ਲੈ ਕੇ ਬਾਬੁਲ ਵੱਲ ਜਾਣ ਤੱਕ ਚੌਦਾਂ ਪੀੜ੍ਹੀਆਂ ਹਨ ਅਤੇ ਬਾਬੁਲ ਵੱਲ ਜਾਣ ਤੋਂ ਲੈ ਕੇ ਮਸੀਹ ਤੱਕ ਚੌਦਾਂ ਪੀੜ੍ਹੀਆਂ ਹਨ। ੧੮ ਯਿਸੂ ਮਸੀਹ ਦਾ ਜਨਮ ਇਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਹੋਇਆ, ਕਿ ਜਦ ਉਹ ਦੀ ਮਾਤਾ ਮਰਿਯਮ ਦੀ ਯੂਸੁਫ਼ ਨਾਲ ਮੰਗਣੀ ਹੋਈ ਸੀ ਤਦ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੇ ਵਿਆਹ ਹੋਣ ਤੋਂ ਪਹਿਲਾਂ ਉਹ ਪਵਿੱਤਰ ਆਤਮਾ ਤੋਂ ਗਰਭਵਤੀ ਪਾਈ ਗਈ। ੧੯ ਤਦ ਉਸ ਦੇ ਪਤੀ ਯੂਸੁਫ਼ ਨੇ, ਜਿਹੜਾ ਧਰਮੀ ਪੁਰਖ ਸੀ ਅਤੇ ਨਹੀਂ ਸੀ ਚਾਹੁੰਦਾ ਕਿ ਉਸ ਨੂੰ ਬਦਨਾਮ ਕਰੇ, ਇਹ ਸੋਚਿਆ ਕਿ ਉਹ ਨੂੰ ਚੁੱਪ-ਚਾਪ ਤਿਆਗ ਦੇਵੇ। ੨੦ ਪਰ ਜਦੋਂ ਉਹ ਇਨ੍ਹਾਂ ਗੱਲਾਂ ਦੀ ਚਿੰਤਾ ਵਿੱਚ ਪਿਆ ਸੀ ਤਾਂ ਵੇਖੋ, ਪ੍ਰਭੂ ਦੇ ਇੱਕ ਦੂਤ ਨੇ ਸੁਫ਼ਨੇ ਵਿੱਚ ਉਹ ਨੂੰ ਦਰਸ਼ਣ ਦੇ ਕੇ ਕਿਹਾ, ਹੇ ਯੂਸੁਫ਼ ਦਾਊਦ ਦੇ ਪੁੱਤਰ ਤੂੰ ਆਪਣੀ ਪਤਨੀ ਮਰਿਯਮ ਨੂੰ ਆਪਣੇ ਘਰ ਲਿਆਉਣ ਤੋਂ ਨਾ ਡਰ ਕਿਉਂਕਿ ਜਿਹੜਾ ਉਹ ਦੀ ਕੁੱਖ ਵਿੱਚ ਹੈ, ਉਹ ਪਵਿੱਤਰ ਆਤਮਾ ਤੋਂ ਹੈ। ੨੧ ਉਹ ਪੁੱਤਰ ਨੂੰ ਜਨਮ ਦੇਵੇਗੀ ਅਤੇ ਤੂੰ ਉਸ ਦਾ ਨਾਮ ਯਿਸੂ ਰੱਖੀਂ, ਕਿਉਂ ਜੋ ਉਹ ਆਪਣੇ ਲੋਕਾਂ ਨੂੰ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੇ ਪਾਪਾਂ ਤੋਂ ਛੁਟਕਾਰਾ ਦੇਵੇਗਾ। ੨੨ ਇਹ ਸਭ ਕੁਝ ਇਸ ਲਈ ਹੋਇਆ ਕਿ ਜਿਹੜੀ ਗੱਲ ਪ੍ਰਭੂ ਨੇ ਨਬੀ ਦੇ ਦੁਆਰਾ ਆਖੀ ਸੀ ਉਹ ਪੂਰੀ ਹੋਵੇ, ੨੩ ਵੇਖੋ, ਇੱਕ ਕੁਆਰੀ ਗਰਭਵਤੀ ਹੋਵੇਗੀ ਅਤੇ ਪੁੱਤਰ ਜਣੇਗੀ, ਅਤੇ ਉਹ ਉਸ ਦਾ ਨਾਮ ਇੰਮਾਨੂਏਲ ਰੱਖਣਗੇ। ਜਿਹ ਦਾ ਅਰਥ ਹੈ "ਪਰਮੇਸ਼ੁਰ ਸਾਡੇ ਨਾਲ"। ੨੪ ਫਿਰ ਯੂਸੁਫ਼ ਨੇ ਨੀਂਦ ਤੋਂ ਉੱਠ ਕੇ ਜਿਵੇਂ ਪ੍ਰਭੂ ਦੇ ਦੂਤ ਨੇ ਉਹ ਨੂੰ ਆਗਿਆ ਦਿੱਤੀ ਸੀ, ਤਿਵੇਂ ਹੀ ਕੀਤਾ ਅਤੇ ਆਪਣੀ ਪਤਨੀ ਨੂੰ ਆਪਣੇ ਘਰ ਲੈ ਆਇਆ। ੨੫ ਯੂਸੁਫ਼ ਉਸ ਦੇ ਨੇੜੇ ਨਹੀਂ ਗਿਆ, ਜਿੰਨਾਂ ਚਿਰ ਉਸ ਨੇ ਪੁੱਤਰ ਨੂੰ ਜਨਮ ਨਹੀਂ ਦਿੱਤਾ ਅਤੇ ਉਹ ਦਾ ਨਾਮ ਯਿਸੂ ਰੱਖਿਆ।

੨ ਰਾਜਾ ਹੇਰੋਦੇਸ ਦੇ ਦਿਨਾਂ ਵਿੱਚ ਯਹੂਦਿਯਾ ਦੇ ਬੈਤਲਹਮ ਵਿੱਚ, ਜਦ ਯਿਸੂ ਦਾ ਜਨਮ ਹੋਇਆ ਤਾਂ ਵੇਖੋ, ਕਈ ਵਿਦਵਾਨ ਖੋਜੀ ਪੂਰਬ ਵੱਲੋਂ ਯਰੂਸ਼ਲਮ ਵਿੱਚ ਆ ਕੇ ਪੁੱਛਣ ਲੱਗੇ, ੨ ਜਿਹੜਾ ਯਹੂਦੀਆਂ ਦਾ ਰਾਜਾ ਜੰਮਿਆ ਹੈ, ਉਹ ਕਿੱਥੇ ਹੈ? ਕਿਉਂ ਜੋ ਅਸੀਂ ਪੂਰਬ ਵੱਲ ਉਹ ਦਾ ਤਾਰਾ ਵੇਖਿਆ ਹੈ, ਅਤੇ ਉਹ ਨੂੰ ਮੱਥਾ ਟੇਕਣ ਆਏ ਹਾਂ। ੩ ਇਹ ਗੱਲ ਸੁਣ ਕੇ ਰਾਜਾ ਹੇਰੋਦੇਸ ਸਾਰੇ ਯਰੂਸ਼ਲਮ ਸਮੇਤ ਘਬਰਾ ਗਿਆ। ੪ ਅਤੇ ਉਸ ਨੇ ਸਾਰੇ ਮੁੱਖ ਜਾਜਕਾਂ ਅਤੇ ਉਪਦੇਸ਼ਕਾਂ ਨੂੰ ਇਕੱਠਿਆਂ ਕਰ ਕੇ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਪੁੱਛਿਆ ਜੋ ਮਸੀਹ ਕਿੱਥੇ ਜੰਮੇਗਾ? ੫ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਉਸ ਨੂੰ ਕਿਹਾ, ਯਹੂਦਿਯਾ ਦੇ ਬੈਤਲਹਮ ਵਿੱਚ ਕਿਉਂ ਜੋ ਨਬੀ ਦੇ ਰਾਹੀਂ ਅਜਿਹਾ ਲਿਖਿਆ ਹੋਇਆ ਹੈ ਕਿ, ੬ ਹੇ ਬੈਤਲਹਮ, ਤੂੰ ਜੋ ਯਹੂਦਾਹ ਦੇ ਦੇਸ ਵਿੱਚੋਂ ਹੈਂ, ਹਾਕਮਾਂ ਵਿੱਚੋਂ ਕਿਸੇ ਨਾਲੋਂ ਛੋਟਾ ਨਹੀਂ, ਕਿਉਂ ਜੋ ਤੇਰੇ ਵਿੱਚੋਂ ਇੱਕ ਹਾਕਮ ਨਿੱਕਲੇਗਾ ਜਿਹੜਾ ਮੇਰੀ ਪਰਜਾ ਇਸਰਾਏਲ ਦੀ ਚਰਵਾਹੀ ਕਰੇਗਾ। ੭ ਤਦ ਹੇਰੋਦੇਸ ਨੇ ਵਿਦਵਾਨ ਖੋਜੀਆਂ ਨੂੰ ਗੁਪਤ ਵਿੱਚ ਬੁਲਾ ਕੇ ਉਨ੍ਹਾਂ ਕੋਲੋਂ ਸਹੀ ਜਾਣਕਾਰੀ ਪ੍ਰਾਪਤ ਕੀਤੀ ਕਿ ਤਾਰਾ ਕਦੋਂ ਵਿਖਾਈ ਦਿੱਤਾ। ੮ ਅਤੇ ਉਸ ਨੇ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਬੈਤਲਹਮ ਵੱਲ ਇਹ ਆਖ ਕੇ ਭੇਜਿਆ ਕਿ ਜਾਓ ਅਤੇ ਧਿਆਨ ਨਾਲ ਉਸ ਬਾਲਕ ਦੀ ਖ਼ੋਜ ਕਰੋ, ਜਦ ਉਹ ਮਿਲ ਜਾਵੇ, ਤਦ ਵਾਪਸ ਆ ਕੇ ਮੈਨੂੰ ਖ਼ਬਰ ਦਿਓ ਤਾਂ ਜੋ ਮੈਂ ਵੀ ਜਾ ਕੇ ਉਹ ਨੂੰ ਮੱਥਾ ਟੇਕਾਂ। ੯ ਉਹ ਰਾਜੇ ਦੀ ਗੱਲ ਸੁਣ ਕੇ ਤੁਰ ਪਏ, ਅਤੇ ਵੇਖੋ, ਉਹ ਤਾਰਾ ਜਿਹੜਾ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਪੂਰਬ ਵੱਲ ਵੇਖਿਆ ਸੀ, ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੇ ਅੱਗੇ-ਅੱਗੇ ਚੱਲਿਆ ਅਤੇ ਉਸ ਥਾਂ ਜਾ ਟਿਕਿਆ ਜਿੱਥੇ ਉਹ ਬਾਲਕ ਸੀ। ੧੦ ਤਾਰੇ ਨੂੰ ਵੇਖ ਕੇ ਉਹ ਬਹੁਤ ਹੀ ਅਨੰਦ ਹੋਏ। ੧੧ ਅਤੇ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਉਸ ਘਰ ਵਿੱਚ ਜਾ ਕੇ ਬਾਲਕ ਨੂੰ ਉਹ ਦੀ ਮਾਤਾ ਮਰਿਯਮ ਦੇ ਨਾਲ ਵੇਖਿਆ, ਅਤੇ ਪੈਰੀਂ ਪੈ ਕੇ ਉਹ ਨੂੰ ਮੱਥਾ ਟੇਕਿਆ ਅਤੇ ਆਪਣੀਆਂ ਥੈਲੀਆਂ ਖੋਲ੍ਹ ਕੇ ਸੋਨਾ, ਲੁਬਾਣ ਅਤੇ ਗੰਧਰਸ ਦੀ ਭੇਟ ਚੜਾਈ। ੧੨ ਅਤੇ ਸੁਫ਼ਨੇ ਵਿੱਚ ਖ਼ਬਰ ਪਾ ਕੇ, ਜੋ ਉਹ ਹੇਰੋਦੇਸ ਦੇ ਕੋਲ ਫਿਰ ਨਾ ਜਾਣ, ਉਹ ਹੋਰ ਰਸਤੇ ਆਪਣੇ ਦੇਸ ਨੂੰ ਮੁੜ ਗਏ। ੧੩ ਜਦ ਉਹ ਚਲੇ ਗਏ ਤਾਂ ਵੇਖੋ, ਪ੍ਰਭੂ ਦੇ ਇੱਕ ਦੂਤ ਨੇ ਯੂਸੁਫ਼ ਨੂੰ ਸੁਫ਼ਨੇ ਵਿੱਚ ਦਰਸ਼ਨ ਦੇ ਕੇ ਆਖਿਆ, ਉੱਠ! ਬਾਲਕ ਅਤੇ ਉਹ ਦੀ ਮਾਤਾ ਨੂੰ ਲੈ ਕੇ ਮਿਸਰ ਦੇਸ ਨੂੰ ਭੱਜ ਜਾ, ਅਤੇ ਜਦੋਂ ਤੱਕ ਮੈਂ ਤੈਨੂੰ ਨਾ ਆਖਾਂ ਉੱਥੇ ਹੀ ਰਹੀਂ ਕਿਉਂ ਜੋ ਹੇਰੋਦੇਸ, ਇਸ ਬਾਲਕ ਨੂੰ ਮਾਰਨ ਲਈ ਲੱਭੇਗਾ। ੧੪ ਤਦ ਯੂਸੁਫ਼ ਉੱਠ ਕੇ ਰਾਤੋਂ ਰਾਤ ਬਾਲਕ ਅਤੇ ਉਹ ਦੀ ਮਾਤਾ ਨੂੰ ਨਾਲ ਲੈ ਕੇ ਮਿਸਰ ਵੱਲ ਤੁਰ ਪਿਆ। ੧੫ ਅਤੇ ਹੇਰੋਦੇਸ ਦੀ ਮੌਤ ਤੱਕ ਉੱਥੇ ਰਿਹਾ । ਇਸ ਲਈ ਕਿ ਜਿਹੜਾ ਬਚਨ ਪ੍ਰਭੂ ਨੇ ਨਬੀ ਦੀ ਜ਼ਬਾਨੀ ਆਖਿਆ ਸੀ ਪੂਰਾ ਹੋਵੇ ਕਿ, ਮੈਂ ਆਪਣੇ ਪੁੱਤਰ ਨੂੰ ਮਿਸਰ ਵਿੱਚੋਂ ਬੁਲਾਇਆ। ੧੬ ਜਦ ਹੇਰੋਦੇਸ ਨੇ ਵੇਖਿਆ ਕਿ ਵਿਦਵਾਨ ਖੋਜੀਆਂ ਨੇ ਮੇਰੇ ਨਾਲ ਚਲਾਕੀ ਕੀਤੀ, ਤਦ ਉਸ ਨੂੰ ਬਹੁਤ ਗੁੱਸਾ ਆਇਆ ਅਤੇ ਸਿਪਾਹੀਆਂ ਨੂੰ ਭੇਜ ਕੇ ਬੈਤਲਹਮ ਅਤੇ ਉਹ ਦੇ ਆਲੇ-ਦੁਆਲੇ ਦੇ ਸਭਨਾਂ ਬਾਲਕਾਂ ਨੂੰ ਮਰਵਾ ਦਿੱਤਾ, ਜਿਹੜੇ ਦੋ ਸਾਲਾਂ ਦੇ ਅਤੇ ਜੋ ਇਸ ਤੋਂ ਛੋਟੇ ਸਨ, ਉਸ ਸਮੇਂ ਦੇ ਅਨੁਸਾਰ ਜਿਹੜਾ ਵਿਦਵਾਨ ਖੋਜੀਆਂ ਤੋਂ ਠੀਕ ਪਤਾ ਪ੍ਰਾਪਤ ਕੀਤਾ ਸੀ। ੧੭ ਤਦ ਉਹ ਬਚਨ ਜਿਹੜਾ ਯਿਰਮਿਯਾਹ ਨਬੀ ਨੇ ਆਖਿਆ ਸੀ ਪੂਰਾ ਹੋਇਆ ਕਿ ੧੮ ਰਾਮਾਹ ਵਿੱਚ ਇੱਕ ਅਵਾਜ਼ ਸੁਣਾਈ ਦਿੱਤੀ, ਰੋਣਾ ਅਤੇ ਵੱਡਾ ਵਿਰਲਾਪ। ਰਾਖ਼ੇਲ ਆਪਣੇ ਬਾਲ ਬੱਚਿਆਂ ਨੂੰ ਰੋਂਦੀ ਹੈ, ਅਤੇ ਤਸੱਲੀ ਨਹੀਂ ਚਾਹੁੰਦੀ, ਇਸ ਲਈ ਜੋ ਉਹ ਨਹੀਂ ਹਨ। ੧੯ ਜਦ ਹੇਰੋਦੇਸ ਮਰ ਗਿਆ ਤਾਂ ਵੇਖੋ ਪ੍ਰਭੂ ਦੇ ਇੱਕ ਦੂਤ ਨੇ ਮਿਸਰ ਵਿੱਚ ਯੂਸੁਫ਼ ਨੂੰ ਸੁਫ਼ਨੇ ਵਿੱਚ ਦਰਸ਼ਣ ਦੇ ਕੇ ਆਖਿਆ, ੨੦ ਉੱਠ, ਬਾਲਕ ਅਤੇ ਉਹ ਦੀ ਮਾਤਾ ਨੂੰ ਨਾਲ ਲੈ ਕੇ ਇਸਰਾਏਲ ਦੇ ਦੇਸ ਨੂੰ ਜਾ, ਕਿਉਂਕਿ ਜਿਹੜੇ ਬਾਲਕ ਦੀ ਜਾਨ ਦੇ ਵੈਰੀ ਸਨ, ਉਹ ਮਰ ਗਏ ਹਨ। ੨੧ ਤਦ ਯੂਸੁਫ਼ ਉੱਠਿਆ, ਬਾਲਕ ਅਤੇ ਉਹ ਦੀ ਮਾਤਾ ਨੂੰ

ମାତିଉ

1 ଅବ୍ରାହାମ୍ ଆରି ଦାଉଦ୍‌ତି ଲାତ୍ରା ଜିସୁ କ୍ରିସ୍ଟ ଲାତ୍ରାର୍‌ତି
ତାରେନ୍ ପତିତ ଲେକା ଆତାତ୍‌ନ୍ନା । 2 ଅବ୍ରାହାମ୍ ମେହି
ଇସାହାକ୍; ଇସ୍‌ହାକ୍ ମେହି ଜାକୁବ୍; ଜାକୁବ୍ ମେହି ଜିହୁଦା
ଆରି ତା ଟଣ୍ଡାହିରିଂ ଜଲମ୍ କିତାନ୍, 3 ଜିହୁଦା ତାମର୍ ୱାସ୍ତିତାଂ
ପେରସ୍ ଆରି ସେରହଙ୍କ ଜଲମ୍ କିତାନ୍, ପେରସ୍ ହେସ୍ରଣ
ଜଲମ୍ କିତାନ୍; ହେସ୍ରଣ ଆରାମ୍ ଜଲମ୍ କିତାନ୍ । 4 ହିସ୍ରଣ
ମେହି ଆରାମ୍; ଆରାମ୍ ମେହି ଅମିନାଦାବ୍; ଅମିନାଦାବ୍ ମେହି
ନହସନ୍; ନହସନ୍ ମେହି ସଲମନ୍; 5 ସଲମନ୍‌ତି ମାଜି ବୟଜ
ମାଚାନ୍, ବୟଜତି ତେହି ତର୍ ରାହାବ୍, ବୟଜତି ମାଜି ଓବେଦ
ତା ତର୍ ରୁତ୍; ଓବେଦତି ମେହି ଜିସିୟ । 6 ଜିସିୟ ମେହି
ଦାଉଦ୍ ରାଜା । ଦାଉଦ୍ ମେହି ସଲମନ୍ ତେହି ଆଗେ ଉରିୟମ୍
ଡକ୍ରି ମାଚାତ୍; 7 ସଲମନ୍ ମେହି ରହବୟାମ୍; ରହବୟାମ୍
ମେହି ଅବିୟ; 8 ଅବିୟ ମେହି ଆସା; ଆସା ମେହି ଜିହସାପଟ୍;
ଜିହସାପଟ୍ ମେହି ଜରାମ୍; ଜରାମ୍ ମେହି ଉଜିୟ; 9 ଉଜିୟ
ମେହି ଜତାମ୍; ଜତାମ୍ ମେହି ଆହାଜ୍; ଆହାଜ୍ ମେହି ହିଜକିୟ;
10 ହିଜକିୟ ମେହି ମନସେହଙ୍କ ଜଲମ୍ କିତାନ୍; ମନସେହ
ମାଙ୍ଗେଙ୍କ ଜଲମ୍ କିତାନ୍, ଆମନ୍ ଜସିୟଙ୍କ ଜଲମ୍ କିତାନ୍, 11
ଆମନ୍ ମେହି ଜସିୟ; ଜସିୟ ମେହି ଜିକନିୟ ଆରି ତା ଟଣ୍ଡାହିର୍,
ବାବିଲନ୍‌ତିଂ ଦେସ୍‌ତ ଗେହ୍‌ନାକା ଆତି ସମୁତ ଜିକନିୟ ଜଲମ୍
ଆଜି ମାଚାନ୍ । 12 ବାବିଲନ୍‌ତ ଗେହ୍‌ନାକା ଆତି ପାଚେ
ଜିକନିୟତି ମେହି ସଲ୍‌ଟିୟେଲ୍ ବାବିଲନ୍‌ତ ଜଲମ୍ କିତାନ୍
। ସଲ୍‌ଟିୟେଲ୍ ମେହି ଜିରୁବାବେଲ୍; 13 ଜିରୁବାବେଲ୍ ମେହି
ଅବିହୁଦଂ; ଅବିହୁଦ ମେହି ଏଲିୟାକିମ୍; ଏଲିୟାକିମ୍ ମେହି
ଆସର୍; 14 ଆସର୍ ମେହି ସାଦକ୍; ସାଦକ ମେହି ଆକିମ୍; ଆକିମ୍
ମେହି ଏଲିହୁଦ୍; ଏଲିହୁଦ୍ ମେହି ଏଲାଜାର୍; ଏଲାଜାର୍ ମେହି
ମତାନ୍; 15 ଏଲିହୁଦ୍ ଏଲିୟାଜତିଂ ଜଲମ୍ କିନାନ୍, ଏଲିୟାଜର୍
ମତାନ୍‌ତିଂ ଜଲମ୍ କିନାନ୍ । 16 ମତାନ୍ ଜାକୁବ୍‌ତିଂ ଜଲମ୍
କିନାନ୍, ଜାକୁବ୍ ମରିୟମ୍ ଡକ୍ରାହି ଜସେପ୍‌ତିଂ ଜଲମ୍ କିନାନ୍
। ଇ ମରିୟମ୍ ପଟତାଂ ଜିସୁ ଜଲମ୍ ଆତାନ୍ । ତାଙ୍ଗେଙ୍କ କ୍ରିସ୍ଟ
ଇନ୍ୟାନାତ୍ । 17 ଇ ଲାକେ ଅବ୍ରାହାମ୍‌ତାଂ ଦାଉଦ୍ ପାତେକ୍
ଚଉଦ ଟିକ୍; ଦାଉଦର୍‌ତାଂ ବାବିଲନ୍ ଗେହ୍‌ନାକା ପାତେକ୍ ଚଉଦ
ଟିକ୍ ଆରେ ବାବିଲନ୍ ଗେହ୍‌ନାକା ତାଙ୍କ କ୍ରିସ୍ଟତି ଜଲମ୍ ପାତେକ୍
ଚଉଦ ଟିକ୍ । 18 ଇଦାଂ ଆନାତା ଜିସୁ କ୍ରିସ୍ଟତି ଜଲମ୍ ବିସ୍ରେ ।
ତା ତେହି ମରିୟମ୍ ଜସେପ୍ ଲାହାଙ୍କ ମାଲାକିୟା ଆଜି ମାଚାତ୍ ।
ମାତର୍ ହେୱାର୍ ବିବା ୱିଜୁ ୱିଜ୍‌ନି ଆଗେ ମରିୟମ୍ ପୁଚାତ୍ ଜେ
ପୁଇପୁୟା ଜିବୁନ୍ ହୁକେ ମାଙ୍ଗେଙ୍କ ଆସ୍ତାଙ୍କନା ଇଞ୍ଜି ପୁଚାତ୍ । 19
ଜସେପ୍ ସବୁ ନାଞ୍ଜିଙ୍କ ନ୍ୟାୟ୍ କାମାୟ୍ କିଜି ମାଚାନ୍ । ଲାଗିଂ
ମରିୟମ୍‌ତିଂ ମାନାୟାର୍ ଲାଜୁତାଂ ରାକ୍ୟା କିଦେଙ୍କ ଇଞ୍ଜି ଡୁଗ୍‌ଜି
ମାଲାକିତାକାଦିଂ ବାଙ୍ଗାୟ୍ କିଦେଙ୍କ ଇଞ୍ଜି ଉପାୟ୍ ପାଟି କିତାନ୍ ।
20 "ହେୱାନ୍ ଇଦାଂ ଏତ୍‌କିନିହିଙ୍କ ରୱାନ୍ ମାପ୍ତୁତି ଦୁତ୍ ତାଙ୍ଗେଙ୍କ
କେଚ୍‌କଣ୍‌ତ ଚଞ୍ଜୁୟା ଆଜି ଇଚାନ୍, ଏ ଦାଉଦ୍ ଲାତ୍ରାନି ଜସେପ୍!
ମରିୟମ୍‌ତିଂ ଡକ୍ରି ଲାକେ ଇତ୍‌ଦେଂ ପାଣ୍ଡା ଆମା, ଇନାକିଦେଂକି
ପୁଇପୁୟା ଜିବୁନ୍ ହୁକେ ମାଞ୍ଜେଙ୍କ ଆସ୍ତାଙ୍କନା । 21 ତାଙ୍କ ର ମାଜି
ଜଲମ୍ ଆନାନ୍ । ଏନ୍ ତା ତର୍ ଜିସୁ ଇଟ୍‌ନାୟ୍, ଇନାକିଦେଂକି
ହେୱାନ୍ ତା ଲଗାଂ ପାପ୍‌ତାଂ ରାକ୍ୟା କିନାନ୍ ।" 22 ମାପ୍ତୁତି
ରୱାନ୍ ବେଣ୍‌ବାକ୍‌ଣାୟ୍‌କିନାକାନ୍ ହୁକେ ଇମ୍‌ଣି ବେରଣ୍ ୱେଚ୍‌ଚି
ମାଚାନ୍, ହେଦାଂ ପୁରା ଆଦେଂ ଇଞ୍ଜି ଇ ସବୁ ଗିଟା ଆଜି ମାଚାତ୍ ।
23 "ହେ ଆଗେନିବେଣ୍ ଆନାତା, ରଞ୍ଜେଲ୍ ଜିପଲି ମାଞ୍ଜେଙ୍କଆସ୍ତି
ମାଜି ଜଲମ୍ କିନାତ୍ । ହେ ମାଜି 'ଇମାନୁୟେଲ୍' ତର୍‌ଦ ତର୍
ଆନାତ୍ । ଇମାନୁୟେଲ୍ ଅରତ୍ ଇସ୍ୱର୍ ମାହୁଦାଂ ମାନାନ୍ ।" 24
ଜସେପ୍ ହୁର୍‌କାଣ୍‌କୁ ରିଙ୍କ୍ତି ପାଚେ ହେୱାନ୍ ମାପ୍ତୁତି ଦୁତ୍ ବଲ୍
ଲାହାଙ୍କ କାମାୟ୍ କିତାନ୍ । ହେୱାନ୍ ମରିୟମ୍‌ତିଂ ବିବା କିତାନ୍
। 25 ମାତର୍ ତା ହେ ମାଜି ଜଲମ୍ ଆନି ପାତେକ୍ ତା ଲାହାଙ୍କ
ରଚେ ହୁଞ୍ଜୁୱାତାର୍ । ଜସେପ୍ ହେ ମାଜି ଜିସୁ ତର୍ ହିତାର୍ ।

2 ହେରଦ୍ ରାଜା ସମୁତ ଜିହୁଦା ରାଜିନି ବେତ୍‌ଲିହିମ୍ ଗାଡ୍‌ଦ
ଜିସୁ ଜଲମ୍ କିନାନ୍ । ଇଦାଂ ଅଲପ୍ ସମୁ ପାଚେ ୱେଡ଼ାହନି
ଦେସ୍‌ନି କେତେଜାଣ୍ ପଣ୍ଡିତାର୍ ଜିରୁସାଲମ୍‌ତ ୱାଜି ୱେନ୍‌ବାତାର୍,
2 "ଇମ୍‌ଣି କାଡ୍‌ଦେ ଜିହୁଦିର୍ ରାଜା ଆନି କାଜିଂ ଜଲମ୍ ଆତାନ୍ନା,
ହେୱାନ୍ ଇମେନ୍? ୱେଡ଼ାହନି ଦେସ୍‌ତାଂ ତା ହୁକାଙ୍କ ହୁଡ୍‌ଜି
ତାଙ୍କ ପୁଜାକିନି କାଜିଂ ଆପେଂ ୱାତାପ୍‌ନା ।" 3 ହେୱାର୍ ଇ
କାତା ୱେନ୍‌ଞ୍ଜି ରାଜା ହେରଦ୍ ଆରି ଜିରୁସାଲମ୍‌ନି ୱିଜାର୍ ବେସି
ପାଣ୍ଡା ଆତାର୍ । 4 ହେରଦ୍ ୱିଜାର୍ ମୁଡ୍ ମାପ୍ତୁହେବାକିନାକାନ୍
ଆରି ଦରମ୍ ଗୁରୁରିଂ କୁକ୍‌ତି ହେୱାରିଂ ୱେନ୍‌ବାତାନ୍, "ଇନେନ୍‌କି
ମସିୟା ଇତିସ୍ କ୍ରିସ୍ଟ ଇମେତାକେ ଜଲମ୍ ଆନାନ୍?" 5
ହେୱାର୍ ଉତର୍ ହିତାର୍, "ଜିହୁଦା ଦେସ୍‌ନି ବେତ୍‌ଲିହିମ୍‌ତ ।"
ଇ ବିସ୍ରେ ରୱାନ୍ ବେଣ୍‌ବାକ୍‌ଣାୟ୍‌କିନାକାନ୍ ଲେକିକିନାନା, 6
"ଜିହୁଦା ଦେସ୍‌ନି ବେତ୍‌ଲିହିମ୍! ଜିହୁଦାନି ମୁଡ୍ ବସ୍ତିକାଙ୍କ ବିତ୍ରେ
ଏପେଙ୍କ ହାରୁକାଦେର୍ ଆକାୟ୍, ଇନାକିଦେଂକି ନା ଇସ୍ରାଏଲ୍‌ୟର୍
ମାନାୟାରିଂ ଚାଲାୟ୍‌କିଦେଂ ଇଞ୍ଜି ମିଙ୍କ୍‌ତାଂ ରୱାନ୍ ନେତା ହଡ୍‌ନାନ୍
।" 7 ଇଦାଂ ୱେନ୍‌ଞ୍ଜି ହେରଦ୍ ୱେଡ଼ାହନି ଦେସ୍‌ନି ହେ ପଣ୍ଡିତାରିଙ୍କ
ଡୁଗ୍‌ଜି ବେଣ୍‌କିନି ସବାତ କୁକ୍‌ତି ସମାନ୍ ଇମ୍‌ଣି ସମୁତ ହେ ହୁକା
ହସି ମାଚାତ୍, ହେୱାର୍‌ତାଂ ବୁଜାଆତାର୍ । 8 ତା ପାଚେ ହେୱାରିଂ
ବେତ୍‌ଲିହିମ୍ ଗାଡ୍‌ଦ ପକ୍‌ତି ଇଚାନ୍, "ହାଲାଟ୍ ହେ କାଡ୍‌ଦେଂ
ହାର୍ କିଜି ଦାହାଟ୍ ଆରେ ତାଙ୍ଗେଙ୍କ ହୁଡ୍‌ତିସ୍ ନାଙ୍କ ୱେଚ୍‌ଚାଟ୍
ଆନ୍ ପା ହାଲ୍‌ଜି ତାଙ୍ଗେଙ୍କ ପୁଜା କିନାଙ୍କ ।" 9 ହେବେ ହେୱାର୍
ରାଜା ବେଣ୍ ୱେନ୍‌ଞ୍ଜି ହାତାର୍; ଆରେ ହୁଡ଼ା, ହେୱାର୍ ୱେଡ଼ାହଡ୍‌ନି
ଦେସ୍‌ତ ଇମ୍‌ଣି ହୁକା ହୁଡ୍‌ତାର୍, ହେଦାଂ ହେୱାର୍ ଆଗ୍‌ଦ ଆଗ୍‌ଦ
ହାଲ୍‌ଜି, ଇମେତାକେ କାଡ୍‌ଦେ ମାଚାନ୍, ପାଚେ ହେ ବାହା ଜପି
ଟେବାତାତ୍ । 10 ହେୱାର୍ ହେଦେଲିଂ ହୁଡ୍‌ଜି ବେସି ୱାରିତାଂ
ଏଚେକ୍ ଉଲ୍‌କା ଆଜି ନିଙ୍କ୍ତାର୍ ହେୱାର୍ ହେୱାରିଂ ଆଗେ ଆଗେ

متّی

۱ کتاب نسب نامه عیسی مسیح بن داود بن ابراهیم: ۲ ابراهیم
اسحاق را آورد و اسحاق یعقوب را آورد و یعقوب یهودا و برادران او
راآورد. ۳ و یهودا، فارص و زارح را از تامار آورد وفارص، حصرون
را آورد و حصرون، ارام را آورد. ۴ و ارام، عمیناداب را آورد و
عمیناداب، نحشون را آورد و نحشون، شلمون را آورد. ۵ وشلمون،
بوعز را از راحاب آورد و بوعز، عوبیدرا از راعوت آورد و عوبید، یسا
را آورد. ۶ ویسا داود پادشاه را آورد و داود پادشاه، سلیمان را از زن
اوریا آورد. ۷ و سلیمان، رحبعام را آورد و رحبعام، ابیا را آورد و ابیا،
آسا راآورد. ۸ و آسا، یهوشافاط را آورد و یهوشافاط، یورام را آورد و
یورام، عزیا را آورد. ۹ و عزیا، یوتام را آورد و یوتام، احاز را آورد و
احاز، حزقیا را آورد. ۱۰ و حزقیا، منسی را آورد ومنسی، آمون را
آورد و آمون، یوشیا را آورد. ۱۱ ویوشیا، یکنیا و برادرانش را در زمان
جلای بابل آورد. ۱۲ و بعد از جلای بابل، یکنیا، سالتیئل را آورد
و سالتیئیل، زروبابل را آورد. ۱۳ زروبابل، ابیهود را آورد و ابیهود،
ایلیقایم را آورد و ایلیقایم، عازور را آورد. ۱۴ و عازور، صادوق را
آورد و صادوق، یاکین را آورد و یاکین، ایلیهود را آورد. ۱۵ و
ایلیهود، ایلعازر را آوردو ایلعازر، متان را آورد و متان، یعقوب راآورد.
۱۶ و یعقوب، یوسف شوهر مریم راآورد که عیسی مسمی به مسیح
از او متولدشد. ۱۷ پس تمام طبقات، از ابراهیم تا داودچهارده
طبقه است، و از داود تا جلای بابل چهارده طبقه، و از جلای
بابل تا مسیح چهارده طبقه. ۱۸ اما ولادت عیسی مسیح چنین
بود که چون مادرش مریم به یوسف نامزد شده بود، قبل ازآنکه با
هم آیند، او را از روح‌القدس حامله یافتند. ۱۹ و شوهرش یوسف
چونکه مرد صالح بود ونخواست او را عبرت نماید، پس اراده نمود
او رابه پنهانی رها کند. ۲۰ اما چون او در این چیزهاتفکر می‌کرد،
ناگاه فرشته خداوند در خواب بروی ظاهر شده، گفت: «ای
یوسف پسر داود، ازگرفتن زن خویش مریم مترس، زیرا که آنچه
دروی قرار گرفته است، از روح‌القدس است، ۲۱ و اوپسری خواهد
زایید و نام او را عیسی خواهی نهاد، زیرا که او امت خویش را از
گناهانشان خواهد رهانید.» ۲۲ و این همه برای آن واقع شد
تاکلامی که خداوند به زبان نبی گفته بود، تمام گردد ۲۳ «که
اینک باکره آبستن شده پسری خواهدزایید و نام او را عمانوئیل
خواهند خواند که تفسیرش این است: خدا با ما.» ۲۴ پس چون
یوسف از خواب بیدار شد، چنانکه فرشته خداوند بدو امر کرده
بود، بعمل آورد و زن خویش را گرفت ۲۵ و تا پسر نخستین خود
رانزایید، او را نشناخت؛ و او را عیسی نام نهاد.

۲ و چون عیسی در ایام هیرودیس پادشاه دربیت لحم یهودیه
تولد یافت، ناگاه مجوسی چند از مشرق به اورشلیم آمده، گفتند:
۲ «کجاست آن مولود که پادشاه یهود است زیراکه ستاره او را
در مشرق دیده‌ایم و برای پرستش او آمده‌ایم؟» ۳ اما هیرودیس
پادشاه چون این راشنید، مضطرب شد و تمام اورشلیم با وی.
۴ پس همه روسای کهنه و کاتبان قوم را جمع کرده، ازایشان
پرسید که «مسیح کجا باید متولد شود؟» ۵ بدو گفتند: «در بیت
لحم یهودیه زیرا که از نبی چنین مکتوب است: ۶ و توای بیت
لحم، در زمین یهودا از سایر سرداران یهودا هرگز کوچکترنیستی،
زیرا که از تو پیشوایی به ظهور خواهدآمد که قوم من اسرائیل را
رعایت خواهد نمود.» ۷ آنگاه هیرودیس مجوسیان را در خلوت
خوانده، وقت ظهور ستاره را از ایشان تحقیق کرد. ۸ پس ایشان را
به بیت لحم روانه نموده، گفت: «بروید و از احوال آن طفل
بتدقیق تفحص کنید و چون یافتید مرا خبر دهید تا من نیز آمده، او
را پرستش نمایم.» ۹ چون سخن پادشاه راشنیدند، روانه شدند
که ناگاه آن ستاره‌ای که در مشرق دیده بودند، پیش روی ایشان
می‌رفت تافوق آنجایی که طفل بود رسیده، بایستاد. ۱۰ وچون
ستاره را دیدند، بی‌نهایت شاد و خوشحال گشتند ۱۱ و به خانه
درآمده، طفل را با مادرش مریم یافتند و به روی درافتاده، او را
پرستش کردند و ذخایر خود را گشوده، هدایای طلا وکندر و مر
به وی گذرانیدند. ۱۲ و چون در خواب وحی بدیشان دررسید
که به نزد هیرودیس بازگشت نکنند، پس از راه دیگر به وطن
خویش مراجعت کردند. ۱۳ و چون ایشان روانه شدند، ناگاه
فرشته خداوند در خواب به یوسف ظاهر شده، گفت: «برخیز و
طفل و مادرش را برداشته به مصر فرارکن و در آنجا باش تا به تو
خبر دهم، زیرا که هیرودیس طفل را جستجو خواهد کرد تا او
راهلاک نماید.» ۱۴ پس شبانگاه برخاسته، طفل ومادر او را
برداشته، بسوی مصر روانه شد ۱۵ و تاوفات هیرودیس در آنجا
بماند، تا کلامی که خداوند به زبان نبی گفته بود تمام گردد
که «ازمصر پسر خود را خواندم.» ۱۶ چون هیرودیس دید که
مجوسیان او را سخریه نموده‌اند، بسیارغضبناک شده، فرستاد و
جمیع اطفالی را که دربیت لحم و تمام نواحی آن بودند، از دو
ساله وکمتر موافق وقتی که از مجوسیان تحقیق نموده بود، به قتل
رسانید. ۱۸ آنگاه کلامی که به زبان ارمیای نبی گفته شده بود،
تمام شد: «آوازی دررامه شنیده شد، گریه و زاری و ماتم عظیم که
راحیل برای فرزندان خود گریه می‌کند و تسلی نمی پذیرد زیرا که
نیستند.» ۱۹ اما چون هیرودیس وفات یافت، ناگاه فرشته خداوند
در مصر به یوسف در خواب ظاهرشده، گفت: ۲۰ «برخیز و
طفل و مادرش رابرداشته، به زمین اسرائیل روانه شو زیرا آنانی که
قصد جان طفل داشتند فوت شدند.» ۲۱ پس برخاسته، طفل و

متی

1 این است شجره‌نامهٔ عیسی مسیح، پسر داوود، پسر ابراهیم.
2 ابراهیم پدر اسحاق بود، و اسحاق پدر یعقوب، و یعقوب پدر
یهودا و برادران او. **3** یهودا پدر فارص و زارح بود (مادرشان تامار
نام داشت)، فارص پدر حصرون بود، و حصرون پدر رام. **4** رام
پدر عمیناداب، عمیناداب پدر نحشون، و نحشون پدر سلمون بود.
5 سلمون پدر بوعز بود (که مادرش راحاب بود)، بوعز پدر عوبید
(که مادرش روت نام داشت)، و عوبید پدر یَسَی بود. **6** یَسَی پدر
داوودِ پادشاه بود و داوود پدر سلیمان (که مادرش قبلاً زن اوریا بود).
7 سلیمان پدر رحبعام بود، و رحبعام پدر ابیا، و ابیا پدر آسا بود.
8 آسا پدر یهوشافاط بود، یهوشافاط پدر یورام، و یورام پدر عُزیا بود.
9 عزیا پدر یوتام، یوتام پدر آحاز، و آحاز پدر حِزقِیا بود. **10** حِزقِیا پدر
مَنَسّی، منسی پدر آمون، و آمون پدر یوشیا بود. **11** یوشیا پدر یکنیا و
برادران او بود که در زمان تبعید بنی‌اسرائیل به بابِل، به دنیا آمدند.
12 بعد از تبعید به بابِل: یکنیا پدر سالتی‌ئیل و سالتی‌ئیل پدر زروبابِل
بود. **13** زروبابِل پدر اَبی‌هود بود، ابی‌هود پدر ایلیاقیم، و ایلیاقیم
پدر عازور. **14** عازور پدر صادوق، صادوق پدر یاکین، و یاکین
پدر ایلی‌هود بود. **15** ایلی‌هود پدر اِلِعازار، العازار پدر متّان، و متّان
پدر یعقوب بود. **16** یعقوب پدر یوسف، و یوسف نیز شوهر مریم
بود. از مریم، عیسی، که لقبش مسیح بود، به دنیا آمد. **17** به این
ترتیب، همهٔ آنانی که نامشان در بالا برده شد، از ابراهیم تا داوود،
چهارده نسل، و از داوود تا زمان تبعید یهودیان به بابِل، چهارده نسل،
و از زمان تبعید تا زمان مسیح نیز چهارده نسل بودند. **18** واقعهٔ
ولادت عیسی، آن مسیح موعود، چنین بود: مریم، مادر عیسی، نامزد
یوسف بود. اما پیش از آنکه ازدواج کنند، معلوم شد که مریم به‌واسطهٔ
روح‌القدس آبستن شده است. **19** یوسف، شوهر او، مرد نیک و
خداشناسی بود و نمی‌خواست او را در نظر همگان رسوا سازد، پس
تصمیم گرفت بی‌سر و صدا از او جدا شود. **20** او غرق در چنین
افکاری بود که فرشته‌ای از جانب خداوند در خواب بر او ظاهر شد و
به او گفت: «یوسف، ای پسر داوود، از ازدواج با مریم هراسان
مباش، زیرا کودکی که در رَحِم اوست از روح‌القدس است. **21** او
پسری به دنیا خواهد آورد، و تو باید نامش را عیسی بگذاری، چرا که
او قوم خود را از گناهانشان نجات خواهد بخشید.» **22** تمام اینها
اتفاق افتاد تا آنچه خداوند به‌واسطهٔ نبی خود فرموده بود، جامهٔ عمل
بپوشد که: **23** «دختری باکره آبستن شده، پسری به دنیا خواهد
آورد، و او را عمانوئیل خواهند خواند.» (عمانوئیل به زبان عبری به
معنی «خدا با ما» است.) **24** چون یوسف بیدار شد، طبق دستور
فرشتهٔ خداوند عمل کرد و مریم را به خانه‌اش آورد تا همسر او باشد؛
25 اما با او همبستر نشد تا او پسرش را به دنیا آورد؛ و یوسف او را
«عیسی» نام نهاد.

2 عیسی در دوران سلطنت هیرودیس، در شهر بیت‌لحم، در دیارِ
یهودیه، چشم به جهان گشود. در آن زمان، چند مُغ از مشرق‌زمین
به اورشلیم آمده، پرسیدند: **2** «کجاست آن نوزاد که باید پادشاه
یهود گردد؟ ما طلوعِ ستارهٔ او را در شرق دیده‌ایم و آمده‌ایم تا او را
بپرستیم.» **3** چون این خبر به گوش هیرودیسِ پادشاه رسید، او و همهٔ
مردم اورشلیم با او، مضطرب شدند. **4** او همهٔ کاهنان اعظم و
علمای دین قوم یهود را فرا خواند و از ایشان پرسید: «مسیحِ موعود
کجا باید متولد شود؟» **5** ایشان پاسخ دادند: «در بیت‌لحم یهودیه،
چرا که نبی چنین نوشته است: **6** تو ای بیت‌لحم که در سرزمین
یهودا هستی، در میان شهرهای مهم یهودا، به هیچ وجه کمترین
نیستی، زیرا از تو فرمانروایی ظهور خواهد کرد که قوم من، بنی‌اسرائیل
را رهبری خواهد نمود.» **7** آنگاه هیرودیس مُغان را به‌طور محرمانه به
حضور خود فراخواند و زمانِ دقیق ظهور ستاره را از آنان جویا شد.
8 پس ایشان را روانهٔ بیت‌لحم کرده، گفت: «بروید و به‌دقت آن
کودک را جستجو کنید. چون او را یافتید، نزد من بازگردید و مرا آگاه
سازید تا من نیز رفته، او را بپرستم.» **9** ایشان پس از شنیدن سخنان
پادشاه به راه افتادند، و ستاره‌ای که در مشرق دیده بودند، ایشان را به
بیت‌لحم هدایت کرد. آن ستاره پیشاپیش ایشان حرکت کرد تا بالای
مکانی که کودک بود، توقف کرد. **10** وقتی ایشان آن ستاره را
دیدند، از شادی در پوست خود نمی‌گنجیدند! **11** آنگاه وارد آن خانه
شدند، و کودک را با مادرش، مریم، دیدند. پس پیشانی بر خاک
نهاده، کودک را پرستش کردند. سپس صندوق‌های خود را گشوده،
هدایایی از طلا و کُندُر و مُر، به پیشگاهش تقدیم کردند. **12** چون
زمان بازگشت فرا رسید، راه دیگری را در پیش گرفتند، زیرا خدا در
خواب به آنها فرموده بود که نزد هیرودیس باز نگردند. **13** پس از رفتن
مُغان، فرشتهٔ خداوند در خواب بر یوسف ظاهر شد و گفت: «برخیز و
کودک و مادرش را برداشته، به مصر فرار کن، و همان جا بمان تا به
تو خبر دهم؛ زیرا هیرودیس در جستجوی کودک خواهد بود تا او را
به قتل برساند.» **14** او همان شب برخاست، مریم و کودک را
برداشته، رهسپار مصر شد، **15** و تا زمان مرگ هیرودیس در آنجا
ماند. پس آنچه خداوند به زبان یکی از انبیا پیشگویی کرده بود،
جامهٔ عمل پوشید که «پسر خود را از مصر فرا خواندم.» **16** چون
هیرودیس پی برد که مُغان فریبش داده‌اند، سخت به خشم آمده،
سربازانی فرستاد تا در بیت‌لحم و در آن نواحی، تمام پسران دو ساله
و کوچکتر را، مطابق زمانی که از مُغان تحقیق کرده بود، به قتل
برسانند. **17** اینچنین، آنچه از زبان ارمیای نبی گفته شده بود، جامهٔ
عمل پوشید: **18** «صدای زاری و ماتم از رامه به گوش می‌رسد.
راحیل برای فرزندانش گریه می‌کند و نمی‌خواهد تسلی‌اش بدهند، چرا
که آنها دیگر نیستند.» **19** پس از مرگ هیرودیس، فرشتهٔ خداوند در
مصر در خواب بر یوسف ظاهر شد و به او گفت: **20** «برخیز و
کودک و مادرش را بردار و به سرزمین اسرائیل بازگرد، زیرا کسانی که
قصد قتل کودک را داشتند، مرده‌اند.» **21** پس یوسف برخاست و

Matayu

1 Yesu Kristu kaweriti mwiwuka gwa Dawudi na mwiwuka gwa Aburahamu. Ayi ndo walanga ya ukowu wakuwi, **2** Aburahamu kamwiwuliti Isaka na Isaka kamwiwuliti Yakobu na Yakobu kamwiwuliti Yuda na walongu wakuwi, **3** Yuda kamwiwuliti Peresi na Zera mawu gwawu kaweriti Tamari na Peresi kamwiwuliti Hesironi na Hesironi kamwiwuliti Rami, **4** Rami kamwiwuliti Aminadabu na Aminadabu kamwiwuliti Nashoni na Nashoni kamwiwuliti Salumoni **5** na Salumoni kamwiwuliti Boazi mawu gwakuwi kaweriti Rahabu, Boazi na Rutu waweriti walera wa Obedi na Obedi kamwiwuliti Yese. **6** Na Yese kamwiwuliti Mfalumi Dawudi na Dawudi kamwiwuliti Selemani mawu gwakuwi kaweriti mdala gwa Uriya, **7** Selemani kamwiwuliti Rehobowamu na Rehobowamu kamwiwuliti Abiya na Abiya kamwiwuliti Asa. **8** Asa kamwiwuliti Yehoshafati na Yehoshafati kamwiwuliti Uziya **9** na Uziya kamwiwuliti Yosamu na Yosamu kamwiwuliti Ahazi na Ahazi kamwiwuliti Hezekiya. **10** Hezekiya kamwiwuliti Manasi na Manasi kamwiwuliti Amoni na Amoni kamwiwuliti Yosiya **11** na Yosiya kamwiwuliti Yekoniya na walongu wakuwi. Ashi shiweriti shipindi Wayawudi pawawajegiti kugenda muluhamiru Babiloni. **12** Pa Wayawudi kuwatola kugenda muluhamiru Babiloni na Yekoniya kamwiwuliti Sheatiyeli na Sheatiyeli kamwiwuliti Zerubabeli, **13** Zerubabeli kamwiwuliti Abiyudi na Abiyudi kamwiwuliti Eliyakimu na Eliyakimu kamwiwuliti Azori. **14** Azori kamwiwuliti Sadoki na Sadoki kamwiwuliti Akimu na Akimu kamwiwuliti Eliwudi. **15** Eliwudi kamwiwuliti Eleyazari na Eliyazari kamwiwuliti Matati na Matati kamwiwuliti Yakobu. **16** Yakobu kamwiwuliti Yosefu, mpalu gwa Mariya mawu gwakuwi Yesu yawamshema Kristu. **17** Su kuweriti na nyiwuku lilongu na msheshi kwanjira Aburahamu mpaka Dawudi na nyiwuku lilongu na msheshi kwanjira Dawudi mpaka Wayawudi pawawalopoliti kugenda Babiloni na nyiwuku lilongu na msheshi kwanjira pawawatoliti lopola mpaka shipindi sha Kristu. **18** Hangu ndo Yesu Kristu ntambu yakiwukiti, Mariya mawu gwakuwi Yesu kaweriti kahetitwi na Yosefu. Kumbiti pamberi pa kulikala pamuhera gambira mpalu na mdala, kawonikaniti kana yinda kwa uwezu wa Rohu Mnanagala. **19** Yosefu mpalu gwakuwi kaweriti kamfiriziya Mlungu, kafiriti ndiri kumlanguziya kwa wantu kuwera kana vidoda, Hangu kafiriti kumleka kwa bada. **20** Pakaweriti kankali kankulihola hangu, ntumintumi gwa kumpindi gwa Mtuwa kamulawira mukulota na kumgambira, "Yosefu mwana gwa Dawudi, nagutira kumtola Mariya kaweri mdala gwaku. Mana kana yinda kwa uwezu wa Rohu Mnanagala. **21** Hakamwiwuli mwana mpalu, nagwenga hagumshemi Yesu, toziya yomberi ndo hakawalopoziyi wantu kulawa muvidoda vyawu." **22** Vinu, vyoseri avi vilawira su viweri nakaka visoweru vyakatakuliti Mtuwa kupitira mbuyi gwa Mlungu, **23** "Mwali hakaweri na yinda, hakamwiwuli mwana mpalu na womberi hawamshemi litawu lyakuwi Imanuweri." Mana yakuwi, "Mlungu kapamuhera na twenga". **24** Su, Yosefu pakimkiti mumpota katenditi gambira vyakamgambiriti ulii ntumintumi gwa kumpindi gwa Mtuwa, kamtola mdala gwakuwi ukaya. **25** Kumbiti Yosefu waliwoniti ndiri na Mariya mpaka pakamwiwuliti mwana mpalu. Yosefu kamupananiti mwana litawu Yesu.

2 Yesu kiwukiti mlushi lwa Betirehemu, muliboma lya Yudeya, shipindi Herodi pakaweriti mfalumi. Kamkamu hera pakiwukiti kala, wantu wana malifa ga ntondu wiziti kulawa kwagulawa mshenji kwa kutali wasokiti Yerusalemu, **2** wakosiyiti, "Kakoshi mwana, Mfalumi gwa Wayawudi yakiwukiti? Tuyiwona ntondu yakuwi kulawa kwagulawa mshenji, na twiza kumguwira yomberi." **3** Mfalumi Herodi pakapikaniriti aga, kalisheriti, yomberi pamuhera na woseri yawalikala Yerusalemu. **4** Su kawashemiti watambika wakulu woseri pamuhera na wafunda wa Malagaliru na kuwakosiya, "Kristu Mlopoziya hakiwuki koshi?" **5** Womberi wamwankula, "Hakiwuki mlushi lwa Betirehemu, muliboma lya Yudeya. Hangu ndo ntambu yawalembiti wambuyi wa Mlungu, **6** 'Gwee Betirehemu isi ya Yuda, Gwenga gwa mdidini ndiri mulushi lumanikana lwa Yudeya, Toziya kwa gwenga hakalawili mlongoziya njira, Yakawalongoziya wantu wangu Israeli.'" **7** Su Herodi kawashemiti mubada wahenga yawalawiti kwagulawa mshenji, kawakosiyiti shipindi sheni ntondu payiwalawiriti. **8** Shakapanu kawagambiriti wagendi Betirehemu pakalonga, "Mgendi mwakaloli weri visoweru vya mwana ayu, pamvimana kala munjegeli visoweru su naneni hang'endi kumguwira." **9** Pawampikaniriti kala mfalumi, wamana ntondu walii wagenditi. Su ntondu ilii yawayiwoniti kwagulawa mshenji iwalonguleliti hata igenda kugoloka pahala palii pakaweriti mwana. **10** Pawayiwoniti ndondi ilii wanemeleriti nentu. **11** Su, wingiriti mnumba, wamwoniti mwana ulii pamuhera na Mariya mawu gwakuwi, wasuntama pasi na wamguwira. Shakapanu wavugula na kumupa mafupu gawu ga zahabu na ubani na manemane. **12** Mlungu kawabeliziiyti mumpota nawamwuyira Herodi,

Matäus

1 PUK en di kan, me Iesus Kristus, me sapwilim en Dawid, me sapwilim en Apraam, tapi sang ia. **2** Apraam me wiadar Isaak, a Isaak me wiadar Iakop, a Iakop me wiadar Iuda o ri a ol akan; **3** A Iuda me wiadar Pares i Sara ren Tamar; a Pares me wiadar Esrom, a Esrom me wiadar Aram; **4** A Aram me wiadar Aminadap, a Aminadap me wiadar Naason, a Naason me wiadar Salmon; **5** A Salmon me wiadar Poas ren Raap, a Poas me wiadar Oped ren Rud, a Oped me wiadar Iese: **6** A Iese me wiadar nanmarki Dawid, a Dawid me wiadar Salomo ren li odi en Urias; **7** A Salomo me wiadar Reapeam, a Reapeam me wiadar Apia, a Apia me wiadar Asa; **8** A Asa me wiadar Iosapat, a Iosapat me wiadar Ioram, a Ioram me wiadar Usia; **9** A Usia me wiadar Iotam, a Iotam me wiadar Aas, a Aas me wiadar Iskia; **10** A Iskia me wiadar Manase, a Manase me wiadar Amon, a Amon me wiadar Iosia; **11** A Iosia me wiadar Iekonia o ri a ol akan ni ansaun arail salilang Papilon. **12** Murin arail salidi nan Papilon Iekonia me wiadar Sealtiel, a Sealtiel me wiadar Serupapel; **13** A Serupapel me wiadar Apiud, a Apiud me wiadar Eliakim, a Eliakim me wiadar Asor; **14** A Asor me wiadar Sadok, a Sadok me wiadar Akim, a Akim me wiadar Eliud; **15** A Eliud me wiadar Eliaser, a Eliaser me wiadar Matan, a Matan me wiadar Iakop; **16** A Iakop me wiadar Iosep, me likondeki Maria, me kaipwiedi Iesus, me maraneki Kristus. **17** Di karos sang ren Apraam lei Dawid me eisokpaieu; a sang Dawid lei arail salidi nan Papilon di eisokpaieu; a sang arail salidi nan Papilon lei Kristus di eisokpaieu. **18** Nan iet duen Kristus a kotin ipwidier: Ni ansau me in a Maria kisin nin ong Iosep, a diarokadar, me a liseanekier Ngen saraui mon ara tu pena. **19** A a warok Iosep ol pung amen, ap sota men kanamenokala i, ap kupukupura, en rir muei sang i. **20** A ni a kotin madamadaue duen mepukat, kilang, tounlang en Kaun o pwara dong i ni a aliman masani: Iosep nain Dawid koe, der masak, en ale om warok Maria, pwe Ngen saraui me a lisean kidar. **21** A pan kaipwiedi seri ol amen, me koe pan ki ong mar a Iesus, pwe a pan dorela sapwilim a aramas akan sang nin dip arail. **22** Mepukat karos wiauier, pwen pwaida me lokido sang Kaun ren saukop o, me masani: **23** Kilang seripein makelekel o pan liseanda, ap kaipwiedi seri ol amen, irail ari pan ki ong mar a Imanuel; iet wewe: Kot me kotin ieiang kitail. **24** Iosep lao pirida sang a saimok, ap kapwaiadar, me tounlang en Kaun o kotin kakalik ong i o apapwali a likond. **25** A ap sota pweidi re a, lao a kaipwiedier sapwilim a meseni ol, ap kotiki ong mar a Iesus.

2 A IESUS lao ipwidier Petleem nan Iudäa ni muein nanmarki Erodes, kilang ol lolekong kai ap pwarado sang ni mas en Iang ko dong Ierusalem, kalelapok: **2** Ia Nanmarki en Sus akan, me apton ipwidier, kotikot ia? Pwe se kilanger a usu ni sap en mas en lang ap pwarado, pwen pongi i. **3** A nanmarki Erodes lao rongadar mepukat, ap landar o toun Ierusalem karos, **4** Ap kupokon pena samero lapalap karos o sounkawewe en aramas akan kainoma re'rail, wasa Kristus pan ipwidi ia. **5** Irail ari potoan ong i: Nan Petleem en Iudäa; pwe iduen a intingidi ren saukop o: **6** A koe Petleem, sap en Iuda, kaidin me tikitik nan pung en saupeidi en Iuda kan; pwe Kaun amen pan tapi sang uk, me pan kaunda nai aramas en Israel akan. **7** Erodes ap kawai pena ol lolekong kan, kalelapok mau re'rail ansau o, me usu o pwarado. **8** I ari porone ir alang Petleem masani: Komail kowei raparapaki mau seri o; a komail lao diaradar, en kaireki dong ia, pwe i en pil kola pongi i. **9** Irail lao ronger nanmarki o ap koieila. A kilang usu o, me irail kilanger nan sap en mas en lang, ti ong mo'rail, a lao udi ong wasa o, me seri pwelel kotikot ia. **10** Irail lao kilanger usu o, re ap peren kida kaualapia. **11** Irail lao pedelong ong nan im o, re ap masanier seri pwelel o in a Maria, re ap kaipokedi o pongi i, o kapwaredar arail kapwa kan, ap mairongki ong i kold, o men pomau, o mire. **12** Kot ap kotin pangoki ong irail ni arail auramen, en der purelang Erodes, re ap weidwei ni apot al purelang sap arail. **13** Irail lao samalar, kilang tounlang en Kaun amen ap pwara dong ren Iosep ni a aliman masani: Paurida, ale seri pwelel en o in a tangwei lang Äkipten o kaukauson wasa o, I lao kaire kin uk, pwe Erodes pan rapaki seri pwelel o pwen kamatala. **14** I ari kipada, aleer seri pwelel o in a ni pong, kotilang Äkipten; **15** O kaukauson ia, lao en Erodes a matala, pwen pwaida, me lokido sang Kaun o, ren saukop o me masani: Sang nan Äkipten me I ekeredo nai ol o. **16** Erodes lao mangier, me a sarokidier ol lolekong kan, ap ongiong kidar kaualap o poronelan, kamela seri ol karos, me mi Petleem o nan sap salong karos, me saunpar riau o tikitik sang, duen ansau me a kalelapok mau ren me lolekong kan. **17** I dokan a pwaidar me lokido ren saukop Ieremia me masani: **18** Ngil eu wiauier nan Rama, sangesang o maiei laud; Rael sangesangki na seri kan, a kang insenemaula, pwe irail soer mia. **19** A Erodes lao matalar, kilang tounlang en Kaun amen ap pwara dong ren Iosep nan Äkipten ni a

Matäuj

1 PUK en di kan, me Iejuj Krijtuj, me japwilim en Dawid, me japwilim en Apraam, tapi jan ia. **2** Apraam me wiadar Ijaak, a Ijaak me wiadar Iakop, a Iakop me wiadar Iuda o ri a ol akan; **3** A Iuda me wiadar Parej i Jara ren Tamar; a Parej me wiadar Ejrom, a Ejrom me wiadar Aram; **4** A Aram me wiadar Aminadap, a Aminadap me wiadar Naajon, a Naajon me wiadar Jalmon; **5** A Jalmon me wiadar Poaj ren Raap, a Poaj me wiadar Oped ren Rud, a Oped me wiadar Ieje: **6** A Ieje me wiadar nanmarki Dawid, a Dawid me wiadar Jalomo ren li odi en Uriaj; **7** A Jalomo me wiadar Reapeam, a Reapeam me wiadar Apia, a Apia me wiadar Aja; **8** A Aja me wiadar Iojapat, a Iojapat me wiadar Ioram, a Ioram me wiadar Ujia; **9** A Ujia me wiadar Iotam, a Iotam me wiadar Aaj, a Aaj me wiadar Ijkia; **10** A Ijkia me wiadar Manaje, a Manaje me wiadar Amon, a Amon me wiadar Iojia; **11** A Iojia me wiadar Iekonia o ri a ol akan ni anjaun arail jalilan Papilon. **12** Murin arail jalidi nan Papilon Iekonia me wiadar Jealtiel, a Jealtiel me wiadar Jerupapel; **13** A Jerupapel me wiadar Apiud, a Apiud me wiadar Eliakim, a Eliakim me wiadar Ajor; **14** A Ajor me wiadar Jadok, a Jadok me wiadar Akim, a Akim me wiadar Eliud; **15** A Eliud me wiadar Eliajer, a Eliajer me wiadar Matan, a Matan me wiadar Iakop; **16** A Iakop me wiadar Iojep, me likondeki Maria, me kaipwiedi Iejuj, me maraneki Krijtuj. **17** Di karoj jan ren Apraam lei Dawid me eijokpaieu; a jan Dawid lei arail jalidi nan Papilon di eijokpaieu; a jan arail jalidi nan Papilon lei Krijtuj di eijokpaieu. **18** Nan iet duen Krijtuj a kotin ipwidier: Ni anjau me in a Maria kijin nin on Iojep, a diarokadar, me a lijeanekier Nen jaraui mon ara tu pena. **19** A a warok Iojep ol pun amen, ap jota men kanamenokala i, ap kupukupura, en rir muei jan i. **20** A ni a kotin madamadaue duen mepukat, kilan, tounlan en Kaun o pwara don i ni a aliman masani: Iojep nain Dawin I koe, der majak, en ale om wurok Maria, pwe Nen jaraui me a liean kidar. **21** A pan kaipwiedi jeri ol amen, mo koe pan ki on mar a lejuj, pwe a pan dorela japwilim a aramaj akan jan nin dip arail. **22** Mepukat karoj wiauier, pwen pwaida me lokido jan Kaun ren jaukop o, me majani: **23** Kilan jeripein makelekel o pan lijeanda, ap kaipwiedi jeri ol amen, irail ari pan ki on mar almanuel; iet wewe: Kot me kotin ioian kitail. **24** Iojep lao pirida jan a jaimok, ap kapwaiadar, me tounlan on Kaun o kotin kakalik on i o apapwali a likond. **25** A ap jota pweidi re a, lao a kaipwiedier japwilim a mejeni ol, ap kotiki on mar a lejuj.

2 A IEJUJ lao ipwidier Petleem nan Iudiia ni muein nanmarki Erodej, kilan ol lolekon kei ap pwarado jan ni maj en Ian ko don Ierujalem, kalelapok: **2** Ia Nanmarki en Juj akan, me apton ipwidier, kotikot ia? Pwe je kilaner a uju ni jap en maj en lan ap pwarado, pwen poni i. **3** A nanmarki Erodej lao ronadar mepukat, ap landar o toun Ierujalem karoj, **4** Ap kupokon pena jamero lapalap karoj o jounkawewe en aramaj akan kainoma re'rail, wasa Krijtuj pan ipwidi ia. **5** Petleem en Iudaa; pwe iduen a intinidi ren jaukop o: **6** A koe Petleem, jap en Iuda, kaidin me tikitik nan pun en jaupeidi en Iuda kan; pwe Kaun amen pan tapi jan uk, me pan kaunda nai aramaj en Ijrael akan. **7** Erodej ap kawai pena ol lolekon kan, kalelapok mau re'rail anjau o, me uju o pwarado. **8** I ari porone ir alan Petleem majani: Komail kowei raparapaki mau jeri o; a komail lao diaradar, en kaireki don ia, pwe I en pil kola poni i. **9** Irail lao roner nanmarki o ap koieila. A kilan uju o, me irail kilaner nan jap en maj en lan, ti on mo'rail, a lao udi on waja o, me jeri pwelel kotikot ia. **10** Irail lao kilaner uju o, re ap peren kida kaualapia. **11** Irail lao pedelon on nan im o, re ap majanier jeri pwelel o in a Maria, re ap kaipokedi o poni i, o kapwaredar arail kapwa kan, ap maironki on i kold, o men pomau, o mire. **12** Kot ap kotin panoki on irail ni arail auramen, en der purelan Erodej, re ap weidwei ni apot al purelan jap arail. **13** Irail lao jamalar, kilan tounlan en Kaun amen ap pwara don ren Iojep ni a aliman majani: Paurida, ale jeri pwelel en o in a tanwei lan Akipten o kaukaujon waja o, I lao kaire kin uk, pwe Erodej pan rapaki jeri pwelel o pwen kamatala. **14** I ari kipada, aleer jeri pwelel o in a ni pon, kotilan Akipten; **15** O kaukaujon ia, lao en Erodej a matala, pwen pwaida, me lokido jan Kaun o, ren jaukop o me majani: Jan nan Akipten me I ekeredo nai ol o. i **16** Erodej lao manier, me a jarokidier ol lolekon kan, ap onion kidar kaualap o poronelan, kamela jeri ol karoj, me mi Petleem o nan jap jalon karoj, me jaunpar riau o tikitik jan, duen anjau me a kalelapok mau ren me lolekon kan. **17** I dokan a pwaidar me lokido ren jaukop Ieremia me majani: **18** Nil eu wiauier nan Rama, janejan o maiei laud; Rael janejanki na jeri kan, a kan injenemaula, pwe irail joer mia. **19** A Erodej lao matalar, kilan tounlan en Kaun amen ap pwara don ren Iojep nan Akipten ni a aliman, **20** Majani: Paurida ale jeri pwelel en o in a, ko won nan jap en Ijrael, pwe irail melar, me rapaki, pwen kamela jeri pwelel o.

Mateusza

1 Oto rodowód Jezusa Chrystusa, pochodzącego
z rodu króla Dawida, potomka Abrahama: **2**
Abraham był ojcem Izaaka, Izaak—ojcem Jakuba, a
Jakub—ojcem Judy i jego braci. **3** Kolejni potomkowie
Judy to: Fares i jego brat Zara (ich matką była Tamar),
Ezrom, Aram, **4** Aminadab, Naasson, Salmon, **5** Booz
(jego matką była Rachab), Jobed (jego matką była
Rut), Jesse **6** i król Dawid. Dawid był ojcem króla
Salomona (jego matką była dawna żona Uriasza),
a po nim byli: **7** Roboam, Abiasz, Asa, **8** Jozafat,
Joram, Ozjasz, **9** Joatam, Achaz, Ezechiasz, **10**
Manasses, Amos i Jozjasz. **11** Jozjasz był ojcem
Jechoniasza i jego braci (był to czas przesiedlenia
Żydów do Babilonu). **12** Potomkowie Jechoniasza
po przesiedleniu to: Salatiel, Zorobabel, **13** Abijud,
Eliakim, Azor, **14** Sadok, Achim, Eliud, **15** Eleazar,
Mattan i Jakub. **16** Jakub zaś był ojcem Józefa, męża
Marii, która urodziła Jezusa, zwanego Chrystusem.
17 Tak więc wszystkich pokoleń, od Abrahama do
Dawida, było czternaście, od Dawida do przesiedlenia
babilońskiego—czternaście, i od przesiedlenia do
Chrystusa—również czternaście. **18** Jezus Chrystus
urodził się w takich oto okolicznościach: Jego matka,
Maria, była zaręczona z Józefem. Ale zanim wspólnie
zamieszkali, za sprawą Ducha Świętego zaszła
w ciążę. **19** Józef, jej narzeczony, był prawym
człowiekiem. Postanowił zerwać zaręczyny, ale chciał
to uczynić potajemnie, by nie narażać Marii na
publiczne oskarżenia. **20** Gdy już to postanowił, we
śnie ukazał mu się anioł Pana, który rzekł: —Józefie,
potomku króla Dawida! Nie bój się ożenić z Marią,
twoją narzeczoną! Bo to Duch Święty sprawił, że
poczęła dziecko. **21** Urodzi syna, któremu nadasz
imię Jezus (czyli „Bóg zbawia”), bo to On wybawi od
grzechów swój naród. **22** Stało się tak, aby wypełniło
się to, co Pan przepowiedział przez proroka: **23**
„Oto dziewica pocznie i urodzi Syna i nazwą Go
Emmanuel” (co znaczy: „Bóg jest z nami”). **24** Gdy
Józef się obudził, zgodnie z poleceniem anioła przyjął
Marię, jako żonę, do swojego domu. **25** Nie współżył
z nią jednak aż do czasu, gdy urodziła Syna. I dał Mu
na imię Jezus.

2 Jezus urodził się w miasteczku Betlejem, w Judei,
za panowania króla Heroda. Właśnie w tym czasie
przybyli do Jerozolimy mędrcy ze Wschodu. **2** —Gdzie
znajduje się nowo narodzony Król Żydów?—pytali.
—Ujrzeliśmy u nas, na Wschodzie, Jego gwiazdę
i przybyliśmy złożyć Mu hołd. **3** Wiadomość o tym
bardzo zaniepokoiła Heroda i całą Jerozolimę. **4**
Zwołał więc wszystkich najwyższych kapłanów oraz
przywódców religijnych i pytał, gdzie ma się narodzić
Mesjasz. **5** —W Betlejem w Judei—odpowiedzieli
mu. —Bo tak napisał prorok **6** „A ty, Betlejem w
Judzie, wcale nie jesteś najgorsze wśród miast Judy,
gdyż z ciebie pochodzić będzie Władca, który będzie
pasterzem mojego ludu—Izraela”. **7** Wtedy Herod
potajemnie wezwał do siebie mędrców i dowiedział
się, kiedy ujrzeli gwiazdę. **8** Następnie skierował ich
do Betlejem mówiąc: —Idźcie i dokładnie wypytujcie o
dziecko. Gdy je znajdziecie, powiadomcie mnie, abym
i ja mógł złożyć mu hołd. **9** Po rozmowie z królem
mędrcy wyruszyli w drogę. Znowu ukazała się im
gwiazda, którą zobaczyli na Wschodzie, i prowadziła
ich. W końcu zatrzymała się nad miejscem, gdzie
znajdowało się Dziecko. **10** Widok gwiazdy napełnił ich
ogromną radością. **11** Gdy weszli do domu, zobaczyli
Dziecko i Jego matkę, Marię. Pokłonili Mu się nisko,
otworzyli szkatułki z kosztownościami i ofiarowali
Mu w darze złoto, kadzidło oraz mirrę. **12** Później
we śnie otrzymali nakaz, by nie wracać do Heroda.
Dlatego inną drogą udali się do swojego kraju. **13**
Gdy oddalili się, również Józefowi we śnie ukazał się
anioł Pana: —Wstawaj, Józefie!—powiedział. —Weź
Dziecko oraz Jego matkę i uciekaj do Egiptu. Czekaj
tam, aż dam ci znać. Herod bowiem szuka Jezusa
i chce Go zabić. **14** Jeszcze tej nocy Józef wstał i
wyruszył razem z Marią i Dzieckiem do Egiptu. **15**
Pozostał tam aż do śmierci króla Heroda—w ten
sposób miały się spełnić słowa Pana wypowiedziane
przez proroka: „Z Egiptu wezwałem mojego Syna”. **16**
Herod zorientował się, że mędrcy go zawiedli, i wpadł
w gniew. Wysłał żołnierzy, którzy w Betlejem i całej
okolicy pozabijali wszystkich chłopców do drugiego
roku życia—od mędrców bowiem wiedział, w jakim
wieku jest dziecko. **17** Tak spełniło się proroctwo
Jeremiasza: **18** „Krzyk rozlega się w Rama, słychać
tam płacz i rozpacz. To Rachel opłakuje swoje dzieci
i nie daje się pocieszyć, bo już ich nie ma”. **19**
Po śmierci Heroda anioł Pana ponownie ukazał się
we śnie Józefowi, przebywającemu w Egipcie. **20**
—Wstawaj, Józefie!—powiedział. —Weź Dziecko i
Jego matkę i ruszajcie do Izraela, bo umarli już ci,
którzy chcieli Je zabić. **21** Józef wstał, wziął Dziecko
oraz Jego matkę i wyruszył do ziemi izraelskiej. **22** W
drodze dowiedział się, że w Judei panuje Archelaos,
syn Heroda. Bał się więc tam wracać. Otrzymał jednak
we śnie kolejne polecenie i udał się do Galilei. **23**
Tam osiedlił się w Nazarecie. I znowu spełniła się

Mateusza

1 Księga o rodzie Jezusa Chrystusa, syna Dawidowego, syna Abrahamowego. **2** Abraham spłodził Izaaka, a Izaak spłodził Jakóba, a Jakób spłodził Judę, i braci jego. **3** A Juda spłodził Faresa i Zarę z Tamary, a Fares spłodził Hesrona, a Hesron spłodził Arama. **4** A Aram spłodził Aminadaba, a Aminadab spłodził Naasona, a Naason spłodził Salmona. **5** A Salmon spłodził Booza z Rachaby, a Booz spłodził Obeda z Ruty, a Obed spłodził Jessego. **6** A Jesse spłodził Dawida króla, a Dawid król spłodził Salomona z tej, która była żoną Uryjaszową. **7** A Salomon spłodził Roboama, a Roboam spłodził Abijasza, a Abijasz spłodził Azę. **8** A Aza spłodził Jozafata, a Jozafat spłodził Jorama, a Joram spłodził Ozyjasza. **9** A Ozyjasz spłodził Joatama, a Joatam spłodził Achaza, a Achaz spłodził Ezechijasza. **10** A Ezechijasz spłodził Manasesa, a Manases spłodził Amona, a Amon spłodził Jozyjasza. **11** A Jozyjasz spłodził Jechonijasza i braci jego podczas zaprowadzenia do Babilonu. **12** A po zaprowadzeniu do Babilonu Jechonijasz spłodził Salatyjela, a Salatyjel spłodził Zorobabela. **13** A Zorobabel spłodził Abijuda, a Abijud spłodził Elijakima, a Elijakim spłodził Azora. **14** A Azor spłodził Sadoka, a Sadok spłodził Achima, a Achim spłodził Elijuda. **15** A Elijud spłodził Eleazara, a Eleazar spłodził Matana, a Matan spłodził Jakóba. **16** A Jakób spłodził Józefa, męża Maryi, z której się narodził Jezus, którego zowią Chrystus. **17** A tak wszystkiego pokolenia od Abrahama aż do Dawida jest pokoleń czternaście, a od Dawida aż do zaprowadzenia do Babilonu, pokoleń czternaście, a od zaprowadzenia do Babilonu aż do Chrystusa, pokoleń czternaście. **18** A narodzenie Jezusa Chrystusa takie było: Albowiem gdy Maryja, matka jego, poślubiona była Józefowi, pierwej niżeli się zeszli, znaleziona jest brzemienną z Ducha Świętego. **19** Ale Józef, mąż jej, będąc sprawiedliwym i nie chcąc jej osławić, chciał ją potajemnie opuścić. **20** A gdy on o tem zamyślał, oto mu się Anioł Pański we śnie ukazał, mówiąc: Józefie, synu Dawidów! nie bój się przyjąć Maryi, żony twojej; albowiem, co się w niej poczęło, z Ducha Świętego jest. **21** A urodzi syna, i nazowiesz imię jego Jezus; albowiem on zbawi lud swój od grzechów ich. **22** A to się wszystko stało, aby się wypełniło, co powiedziano od Pana przez proroka, mówiącego: **23** Oto panna będzie brzemienna i porodzi syna, a nazowią imię jego Emanuel, co się wykłada: Bóg z nami. **24** Tedy Józef ocuciwszy się ze snu, uczynił, jako mu rozkazał Anioł Pański, i przyjął żonę swoję; **25** Ale jej nie uznał, aż porodziła onego syna swego pierworodnego, i nazwał imię jego Jezus.

2 A gdy się Jezus narodził w Betlehemie Judzkiem za dnia Heroda króla, oto mędrcy ze wschodu słońca przybyli do Jeruzalemu, mówiąc: **2** Gdzież jest ten, który się narodził, król żydowski? Bośmy widzieli gwiazdę jego na wschód słońca, i przyjechaliśmy, abyśmy mu się pokłonili. **3** Co gdy król Herod usłyszał, zatrwożył się, i wszystko Jeruzalem z nim. **4** Przetoż zebrawszy wszystkie przedniejsze kapłany i nauczyciele ludu, dowiadywał się od nich, gdzie by się miał Chrystus narodzić. **5** A oni mu rzekli: W Betlehemie Judzkiem: bo tak napisano przez proroka: **6** I ty Betlehemie, ziemio Judzka! żadną miarą nie jesteś najmniejsze między książęty Judzkimi; albowiem z ciebie wynijdzie wódz, który rządzić będzie lud mój Izraelski. **7** Tedy Herod wezwawszy potajemnie onych mędrców, pilnie się wywiadywał od nich o czasie, którego się gwiazda ukazała. **8** A posławszy je do Betlehemu, rzekł: Jechawszy, pilnie się wywiadujcie o tem dzieciątku; a gdy znajdziecie, oznajmijcie mi, abym i ja przyjechawszy, pokłonił mu się. **9** Oni tedy, wysłuchawszy króla, poszli; a oto ona gwiazda, którą widzieli na wschód słońca, prowadziła je, aż przyszedłszy, stanęła nad miejscem, gdzie było dzieciątko; **10** A gdy ujrzeli onę gwiazdę, uradowali się radością bardzo wielką; **11** I wszedłszy w dom, znaleźli dzieciątko z Maryją, matką jego, a upadłszy, pokłonili mu się, i otworzywszy skarby swoje, ofiarowali mu dary: złoto i kadzidło i myrrę. **12** Lecz będąc upomnieni od Boga we śnie, aby się nie wracali do Heroda, inszą drogą wrócili się do krainy swojej. **13** A gdy oni odeszli, oto Anioł Pański ukazał się we śnie Józefowi mówiąc: Wstawszy, weźmij to dzieciątko i matkę jego, a uciecz do Egiptu, a bądź tam, aż ci powiem; albowiem Herod będzie szukał dzieciątka, aby je zatracił. **14** Który wstawszy, wziął dzieciątko i matkę jego w nocy, i uszedł do Egiptu; **15** I był tam aż do śmierci Herodowej, aby się wypełniło, co powiedziano od Pana przez proroka, mówiącego: Z Egiptum wezwał syna mego. **16** Tedy Herod ujrzawszy, że był oszukany od mędrców, rozgniewał się bardzo, a posławszy pobił wszystkie dziatki, które były w Betlehemie i po wszystkich granicach jego, od dwóch lat i niżej, według czasu, o którym się był pilnie wywiedział od mędrców. **17** Tedy się wypełniło, co powiedziano przez Jeremijasza proroka, mówiącego: **18** Głos w Ramie słyszany jest, lament, i płacz, i narzekanie wielkie: Rachel płacząca synów swoich nie dała się pocieszyć, przeto, że ich nie masz. **19** A gdy umarł Herod, oto Anioł Pański ukazał się we śnie Józefowi w Egipcie, **20** Mówiąc: Wstawszy, weźmij dzieciątko i matkę jego, a idź do ziemi Izraelskiej; albowiem pomarli ci, którzy szukali duszy dziecięcej. **21** A on wstawszy, wziął do siebie dzieciątko i matkę jego, i przyszedł do ziemi Izraelskiej. **22** Lecz gdy usłyszał, iż Archelaus królował w Judzkiej

Mateusza

1 Księga rodu Jezusa Chrystusa, syna Dawida, syna Abrahama. **2** Abraham spłodził Izaaka, a Izaak spłodził Jakuba, a Jakub spłodził Judę i jego braci. **3** A Juda spłodził z Tamar Faresa i Zarę, a Fares spłodził Ezroma, a Ezrom spłodził Arama. **4** A Aram spłodził Aminadaba, a Aminadab spłodził Naasona, a Naason spłodził Salmona. **5** A Salmon spłodził z Rachab Booza, a Booz spłodził z Rut Obeda, a Obed spłodził Jessego. **6** A Jesse spłodził króla Dawida, a król Dawid spłodził Salomona z tej, która [była żoną] Uriasza. **7** A Salomon spłodził Roboama, a Roboam spłodził Abiasza, a Abiasz spłodził Azę. **8** A Aza spłodził Jozafata, a Jozafat spłodził Jorama, a Joram spłodził Ozjasza. **9** A Ozjasz spłodził Joatama, a Joatam spłodził Achaza, a Achaz spłodził Ezechiasza. **10** A Ezechiasz spłodził Manassesa, a Manasses spłodził Amona, a Amon spłodził Jozjasza. **11** A Jozjasz spłodził Jechoniasza i jego braci w czasie uprowadzenia do Babilonu. **12** A po uprowadzeniu do Babilonu Jechoniasz spłodził Salatiela, a Salatiel spłodził Zorobabela. **13** A Zorobabel spłodził Abiuda, a Abiud spłodził Eliakima, a Eliakim spłodził Azora. **14** A Azor spłodził Sadoka, a Sadok spłodził Achima, a Achim spłodził Eliuda. **15** A Eliud spłodził Eleazara, a Eleazar spłodził Matana, a Matan spłodził Jakuba. **16** A Jakub spłodził Józefa, męża Marii, z której narodził się Jezus, zwany Chrystusem. **17** Tak więc wszystkich pokoleń od Abrahama aż do Dawida [jest] czternaście; a od Dawida aż do uprowadzenia do Babilonu – pokoleń czternaście; a od uprowadzenia do Babilonu aż do Chrystusa – pokoleń czternaście. **18** A z narodzeniem Jezusa Chrystusa było tak: Gdy Maria, jego matka, została zaślubiona Józefowi, zanim się zeszli, okazało się, że jest brzemienna z Ducha Świętego. **19** Ale Józef, jej mąż, będąc sprawiedliwym i nie chcąc jej zniesławić, chciał ją potajemnie oddalić. **20** A gdy o tym rozmyślał, oto anioł Pana ukazał mu się we śnie i powiedział: Józefie, synu Dawida, nie bój się przyjąć Marii, twojej żony. To bowiem, co się w niej poczęło, jest z Ducha Świętego. **21** I urodzi syna, któremu nadasz imię Jezus. On bowiem zbawi swój lud od jego grzechów. **22** A to wszystko się stało, aby się wypełniło, co powiedział Pan przez proroka: **23** Oto dziewica będzie brzemienna i urodzi syna, któremu nadadzą imię Emmanuel, co się tłumaczy: Bóg z nami. **24** Wtedy Józef, obudziwszy się ze snu, uczynił tak, jak mu rozkazał anioł Pana, i przyjął swoją żonę. **25** Ale nie obcował z nią, dopóki nie urodziła swego pierworodnego syna, któremu nadał imię Jezus.

2 A gdy Jezus urodził się w Betlejem w Judei za dni króla Heroda, oto mędrcy ze Wschodu przybyli do Jerozolimy i pytali: **2** Gdzież jest ten król Żydów, który się urodził? Widzieliśmy bowiem jego gwiazdę na Wschodzie i przyjechaliśmy, aby oddać mu pokłon. **3** Gdy król Herod to usłyszał, przeraził się, a z nim cała Jerozolima. **4** Zebrawszy więc wszystkich naczelnych kapłanów i nauczycieli ludu, wypytywał ich, gdzie miał się urodzić Chrystus. **5** A oni mu powiedzieli: W Betlejem w Judei; bo tak jest napisane przez proroka: **6** A ty, Betlejem, ziemio Judy, wcale nie jesteś najmniejsze wśród władców Judei, z ciebie bowiem wyjdzie władca, który będzie rządził moim ludem, Izraelem. **7** Wtedy Herod wezwał potajemnie mędrców i dowiadywał się dokładnie o czas ukazania się gwiazdy. **8** A posyłając ich do Betlejem, powiedział: Jedźcie i wypytajcie się dokładnie o to dziecko, a gdy je znajdziecie, donieście mi, abym i ja pojechał i oddał mu pokłon. **9** Oni więc, wysłuchawszy króla, odeszli. A oto gwiazda, którą widzieli na Wschodzie, prowadziła ich, aż przyszła i zatrzymała się nad [miejscem], gdzie było dziecko. **10** A gdy zobaczyli gwiazdę, ogromnie się ucieszyli. **11** Kiedy weszli do domu, zobaczyli dziecko z Marią, jego matką, i upadłszy, oddali mu pokłon, potem otworzyli swoje skarby i ofiarowali mu dary: złoto, kadzidło i mirrę. **12** Lecz będąc ostrzeżeni przez Boga we śnie, aby nie wracali do Heroda, powrócili do swojej ziemi inną drogą. **13** A gdy oni odeszli, oto anioł Pana ukazał się we śnie Józefowi i powiedział: Wstań, weź dziecko oraz jego matkę i uciekaj do Egiptu, i zostań tam, aż ci powiem. Herod bowiem będzie szukał dziecka, aby je zabić. **14** Wstał więc, wziął w nocy dziecko oraz jego matkę i uciekł do Egiptu. **15** I przebywał tam aż do śmierci Heroda, aby się wypełniło, co powiedział Pan przez proroka: Z Egiptu wezwałem mego syna. **16** Wówczas Herod, widząc, że został oszukany przez mędrców, bardzo się rozgniewał i kazał zabić wszystkie dzieci, które były w Betlejem i całej okolicy, w wieku do dwóch lat, stosownie do czasu, o którym się dokładnie dowiedział od mędrców. **17** Wtedy wypełniło się to, co zostało powiedziane przez proroka Jeremiasza: **18** Słychać głos w Rama, lament, płacz i wielkie zawodzenie. Rachel opłakuje swoje dzieci i nie daje się pocieszyć, bo [już] ich nie ma. **19** A gdy Herod umarł, oto anioł Pana ukazał się we śnie Józefowi w Egipcie; **20** I powiedział: Wstań, weź dziecko oraz jego matkę i idź do ziemi izraelskiej. Umarli bowiem ci, którzy czyhali na życie dziecka. **21** Wstał więc, wziął dziecko oraz jego matkę i przybył do ziemi izraelskiej. **22** Lecz gdy usłyszał, że Archelaus króluje w Judei w miejsce Heroda, swego ojca, bał się tam iść. Ale będąc napomniany przez Boga we śnie,

Mateus

1 Livro da geração de Jesus Christo, filho de David, filho d'Abrahão. **2** Abrahão gerou a Isaac; e Isaac gerou a Jacob; e Jacob gerou a Judas e a seus irmãos; **3** E Judas gerou de Tamar a Fares e a Zara; e Fares gerou a Esrom; e Esrom gerou a Arão; **4** E Arão gerou a Aminadab; e Aminadab gerou a Naason; e Naason gerou a Salmon; **5** E Salmon gerou de Rachab a Booz, e Booz gerou de Ruth a Obed; e Obed gerou a Jessé; **6** E Jessé gerou ao rei David; e o rei David gerou a Salomão, da que foi mulher de Urias; **7** E Salomão gerou a Roboão; e Roboão gerou a Abia; e Abia gerou a Asa; **8** E Asa gerou a Josaphat; e Josaphat gerou a Jorão; e Jorão gerou a Ozias; **9** E Ozias gerou a Joathão; e Joathão gerou a Achaz; e Achaz gerou a Ezequias; **10** E Ezequias gerou a Manassés; e Manassés gerou a Amon; e Amon gerou a Josias; **11** E Josias gerou a Jechonias e a seus irmãos na deportação para a Babylonia. **12** E, depois da deportação para a Babylonia, Jechonias gerou a Salathiel; e Salathiel gerou a Zorobabel; **13** E Zorobabel gerou a Abiud; e Abiud gerou a Eliakim; e Eliakim gerou a Azor; **14** E Azor gerou a Sadoc; e Sadoc gerou a Achim; e Achim gerou a Eliud; **15** E Eliud gerou a Eleazar; e Eleazar gerou a Matthan; e Matthan gerou a Jacob; **16** E Jacob gerou a José, marido de Maria, da qual nasceu Jesus, que se chama o Christo. **17** De sorte que todas as gerações, desde Abrahão até David, são quatorze gerações; e desde David até á deportação para a Babylonia, quatorze gerações; e desde a deportação para a Babylonia até o Christo, quatorze gerações. **18** Ora o nascimento de Jesus Christo foi assim: Estando Maria, sua mãe, desposada com José, antes de se ajuntarem, achou-se gravida do Espirito Sancto. **19** Então José, seu marido, como era justo, e a não queria infamar, intentou deixal-a secretamente. **20** E, projectando elle isto, eis que n'um sonho lhe appareceu um anjo do Senhor, dizendo: José, filho de David, não temas receber a Maria tua mulher, porque o que n'ella está gerado é do Espirito Sancto; **21** E dará á luz um filho e chamarás o seu nome Jesus; porque elle salvará o seu povo dos seus peccados. **22** Tudo isto aconteceu para que se cumprisse o que foi dito da parte do Senhor, pelo propheta, que diz: **23** Eis que a virgem conceberá e dará á luz um filho, e chamal-o-hão pelo nome Emmanuel, que traduzido é: Deus comnosco. **24** E José, despertando do sonho, fez como o anjo do Senhor lhe ordenára, e recebeu a sua mulher; **25** E não a conheceu até que deu á luz o seu filho, o primogenito; e poz-lhe por nome Jesus.

2 E, tendo nascido Jesus em Bethlehem de Judéa, no tempo do rei Herodes, eis que uns magos vieram do oriente a Jerusalem, **2** Dizendo: Onde está aquelle que é nascido rei dos judeos? porque vimos a sua estrella no oriente, e viemos a adoral-o. **3** E o rei Herodes, ouvindo isto, perturbou-se, e toda Jerusalem com elle. **4** E, congregados todos os principes dos sacerdotes, e os escribas do povo, perguntou-lhes onde havia de nascer o Christo. **5** E elles lhe disseram: Em Bethlehem de Judea; porque assim está escripto pelo propheta: **6** E tu, Bethlehem, terra de Judah, de modo nenhum és a menor entre as capitaes de Judah; porque de ti sairá o Guia que ha de apascentar o meu povo de Israel. **7** Então Herodes, chamando secretamente os magos, inquiriu exactamente d'elles ácerca do tempo em que a estrella lhes apparecera. **8** E, enviando-os a Bethlehem, disse: Ide, e perguntae diligentemente pelo menino, e, quando o achardes, participae-m'o, para que tambem eu vá e o adore. **9** E, tendo elles ouvido o rei, foram-se; e eis-que a estrella, que tinham visto no oriente, ia adiante d'elles, até que, chegando, se deteve sobre o logar onde estava o menino. **10** E, vendo elles a estrella, alegraram-se muito com grande alegria. **11** E, entrando na casa, acharam o menino com Maria sua mãe, e, prostrando-se, o adoraram; e, abrindo os seus thesouros, lhe offertaram dadivas: oiro, incenso e myrrha. **12** E, sendo por divina revelação avisados em sonhos para que não voltassem para junto de Herodes, partiram para a sua terra por outro caminho. **13** E, tendo-se elles retirado, eis-que o anjo do Senhor appareceu a José em sonhos, dizendo: Levanta-te, e toma o menino e sua mãe, e foge para o Egypto, e demora-te lá até que eu te diga; porque Herodes ha de procurar o menino para o matar. **14** E, levantando-se elle, tomou o menino e sua mãe, de noite, e foi para o Egypto, **15** E esteve lá até á morte de Herodes, para que se cumprisse o que foi dito da parte do Senhor pelo propheta, que diz: Do Egypto chamei o meu Filho. **16** Então Herodes, vendo que tinha sido illudido pelos magos, irritou-se muito, e mandou matar todos os meninos que havia em Bethlehem, e em todos os seus contornos, de edade de dois annos e menos, segundo o tempo que diligentemente inquirira dos magos. **17** Então se cumpriu o que foi dito pelo propheta Jeremias, que diz: **18** Em Rama se ouviu uma voz, lamentação, choro e grande pranto: Rachel chorando os seus filhos, e não quiz ser consolada, porque já não existem. **19** Morto porém Herodes, eis que o anjo do Senhor appareceu n'um sonho a José no Egypto, **20** Dizendo: Levanta-te, e toma o menino e sua mãe, e vae para a terra d'Israel; porque já estão mortos os que procuravam a morte do menino. **21** Então elle se levantou, e tomou o menino e sua mãe, e foi para a

Mateus

1 Livro da geração de Jesus Cristo, filho de David, filho de Abraão. **2** Abraão gerou a Isaac; e Isaac gerou a Jacob; e Jacob gerou a Judas e a seus irmãos; **3** E Judas gerou de Tamar a Fares e a Zara; e Fares gerou a Esrom; e Esrom gerou a Arão; **4** E Arão gerou a Aminadab; e Aminadab gerou a Naason; e Naason gerou a Salmon; **5** E Salmon gerou de Rachab a Booz, e Booz gerou de Ruth a Obed; e Obed gerou a Jessé; **6** E Jessé gerou ao rei David; e o rei David gerou a Salomão, da que foi mulher de Urias; **7** E Salomão gerou a Roboão; e Roboão gerou a Abia; e Abia gerou a Asa; **8** E Asa gerou a Josaphat; e Josaphat gerou a Jorão; e Jorão gerou a Ozias; **9** E Ozias gerou a Joathão; e Joathão gerou a Achaz; e Achaz gerou a Ezequias; **10** E Ezequias gerou a Manassés; e Manassés gerou a Amon; e Amon gerou a Josias; **11** E Josias gerou a Jechonias e a seus irmãos na deportação para a Babilônia. **12** E, depois da deportação para a Babilônia, Jechonias gerou a Salathiel; e Salathiel gerou a Zorobabel; **13** E Zorobabel gerou a Abiud; e Abiud gerou a Eliakim; e Eliakim gerou a Azor; **14** E Azor gerou a Sadoc; e Sadoc gerou a Achim; e Achim gerou a Eliud; **15** E Eliud gerou a Eleazar; e Eleazar gerou a Matthan; e Matthan gerou a Jacob; **16** E Jacob gerou a José, marido de Maria, da qual nasceu Jesus, que se chama o Cristo. **17** De sorte que todas as gerações, desde Abraão até David, são quatorze gerações; e desde David até à deportação para a Babilônia, quatorze gerações; e desde a deportação para a Babilônia até o Cristo, quatorze gerações. **18** Ora o nascimento de Jesus Cristo foi assim: Estando Maria, sua mãe, desposada com José, antes de se ajuntarem, achou-se grávida do Espírito Santo. **19** Então José, seu marido, como era justo, e a não queria infamar, intentou deixa-la secretamente. **20** E, projetando ele isto, eis que num sonho lhe apareceu um anjo do Senhor, dizendo: José, filho de David, não temas receber a Maria tua mulher, porque o que nela está gerado é do Espírito Santo; **21** E dará à luz um filho e chamarás o seu nome Jesus; porque ele salvará o seu povo dos seus pecados. **22** Tudo isto aconteceu para que se cumprisse o que foi dito da parte do Senhor, pelo profeta, que diz: **23** Eis que a virgem conceberá e dará à luz um filho, e chama-lo-ão pelo nome Emanuel, que traduzido é: Deus conosco. **24** E José, despertando do sonho, fez como o anjo do Senhor lhe ordenara, e recebeu a sua mulher; **25** E não a conheceu até que deu à luz o seu filho, o primogênito; e pôs-lhe por nome Jesus.

2 E, tendo nascido Jesus em Belém de Judeia, no tempo do rei Herodes, eis que uns magos vieram do oriente a Jerusalém, **2** Dizendo: Onde está aquele que é nascido rei dos judeus? porque vimos a sua estrela no oriente, e viemos a adora-lo. **3** E o rei Herodes, ouvindo isto, perturbou-se, e toda Jerusalém com ele. **4** E, congregados todos os príncipes dos sacerdotes, e os escribas do povo, perguntou-lhes onde havia de nascer o Cristo. **5** E eles lhe disseram: Em Belém de Judeia; porque assim está escrito pelo profeta: **6** E tu, Belém, terra de Judá, de modo nenhum és a menor entre as capitães de Judá; porque de ti sairá o Guia que há de apascentar o meu povo de Israel. **7** Então Herodes, chamando secretamente os magos, inquiriu exatamente deles acerca do tempo em que a estrela lhes aparecera. **8** E, enviando-os a Belém, disse: Ide, e perguntai diligentemente pelo menino, e, quando o achardes, participai-mo, para que também eu vá e o adore. **9** E, tendo eles ouvido o rei, foram-se; e eis que a estrela, que tinham visto no oriente, ia adiante deles, até que, chegando, se deteve sobre o lugar onde estava o menino. **10** E, vendo eles a estrela, alegraram-se muito com grande alegria. **11** E, entrando na casa, acharam o menino com Maria sua mãe, e, prostrando-se, o adoraram; e, abrindo os seus tesouros, lhe ofertaram dádivas: ouro, incenso e mirra. **12** E, sendo por divina revelação avisados em sonhos para que não voltassem para junto de Herodes, partiram para a sua terra por outro caminho. **13** E, tendo-se eles retirado, eis que o anjo do Senhor apareceu a José em sonhos, dizendo: Levanta-te, e toma o menino e sua mãe, e foge para o Egito, e demora-te lá até que eu te diga; porque Herodes há de procurar o menino para o matar. **14** E, levantando-se ele, tomou o menino e sua mãe, de noite, e foi para o Egito, **15** E esteve lá até à morte de Herodes, para que se cumprisse o que foi dito da parte do Senhor pelo profeta, que diz: Do Egito chamei o meu Filho. **16** Então Herodes, vendo que tinha sido iludido pelos magos, irritou-se muito, e mandou matar todos os meninos que havia em Belém, e em todos os seus contornos, de idade de dois anos e menos, segundo o tempo que diligentemente inquirira dos magos. **17** Então se cumpriu o que foi dito pelo profeta Jeremias, que diz: **18** Em Rama se ouviu uma voz, lamentação, choro e grande pranto: Rachel chorando os seus filhos, e não quis ser consolada, porque já não existem. **19** Morto porém Herodes, eis que o anjo do Senhor apareceu num sonho a José no Egito, **20** Dizendo: Levanta-te, e toma o menino e sua mãe, e vai para a terra de Israel; porque já estão mortos os que procuravam a morte do menino. **21** Então ele se levantou, e tomou o menino e sua mãe, e foi para a terra de Israel. **22** E, ouvindo que Archelau reinava na

Mateus

1 Livro da geração de Jesus Cristo, filho de Davi, filho de Abraão. **2** Abraão gerou a Isaque; e Isaque gerou a Jacó; e Jacó gerou a Judá e a seus irmãos. **3** E Judá gerou de Tamar a Perez e a Zerá; e Perez gerou a Esrom, e Esrom gerou a Arão. **4** E Arão gerou a Aminadabe; e Aminadabe gerou a Naassom; e Naassom gerou a Salmom. **5** E Salmom gerou de Raabe a Boaz; e Boaz gerou de Rute a Obede; e Obede gerou a Jessé. **6** E Jessé gerou ao rei Davi; e Davi gerou Salomão da que [fora mulher] de Urias. **7** E Salomão gerou a Roboão; e Roboão gerou a Abias; e Abias gerou a Asa. **8** E Asa gerou a Josafá; e Josafá gerou a Jorão; e Jorão gerou a Uzias. **9** E Uzias gerou a Jotão; e Jotão gerou a Acaz; e Acaz gerou a Ezequias. **10** E Ezequias gerou a Manassés; e Manassés gerou a Amom; e Amom gerou a Josias. **11** E Josias gerou a Jeconias, e a seus irmãos no [tempo do] exílio babilônico. **12** E depois do exílio babilônico Jeconias gerou a Salatiel; e Salatiel gerou a Zorobabel. **13** E Zorobabel gerou a Abiúde; e Abiúde gerou a Eliaquim; e Eliaquim gerou a Azor. **14** E Azor gerou a Sadoque; e Sadoque gerou a Aquim; e Aquim gerou a Eliúde. **15** E Eliúde gerou a Eleazar; e Eleazar gerou a Matã; e Matã gerou a Jacó. **16** E Jacó gerou a José, o marido de Maria, da qual nasceu Jesus, chamado o Cristo. **17** De maneira que todas as gerações desde Abraão até Davi são catorze gerações; e desde Davi até o exílio babilônico catorze gerações; e desde o exílio babilônico até Cristo catorze gerações. **18** E o nascimento de Jesus Cristo foi assim: estando sua mãe Maria desposada com José, antes que se ajuntassem, ela foi achada grávida do Espírito Santo. **19** Então José, seu marido, sendo justo, e não querendo a expor à infâmia, pensou em deixá-la secretamente. **20** E ele, pretendendo isto, eis que um anjo do Senhor lhe apareceu em sonho, dizendo: José, filho de Davi, não temas receber Maria, tua mulher, porque o que nela está concebido é do Espírito Santo. **21** E ela dará à luz um filho, e tu chamarás seu nome Jesus; porque ele salvará seu povo de seus pecados. **22** E tudo isto aconteceu para que se cumprisse o que foi dito pelo Senhor por meio do profeta, que disse: **23** Eis que a virgem conceberá, e dará à luz um filho, e chamarão seu nome Emanuel, que traduzido é: Deus conosco. **24** E despertando José do sonho, fez como o anjo do Senhor tinha lhe mandado, e recebeu sua mulher. **25** E ele não a conheceu [intimamente], até que ela deu à luz um filho, e lhe pôs por nome JESUS.

2 E sendo Jesus já nascido em Belém da Judeia, nos dias do rei Herodes, eis que vieram uns magos do oriente a Jerusalém, **2** Dizendo: Onde está o Rei nascido dos Judeus? Porque vimos sua estrela no oriente, e viemos adorá-lo. **3** E o rei Herodes, ao ouvir [isto], ficou perturbado, e com ele toda Jerusalém. **4** E tendo reunido todos os chefes dos sacerdotes e escribas do povo, perguntou-lhes onde o Cristo havia de nascer. **5** E eles lhe disseram: Em Belém da Judeia, porque assim está escrito pelo profeta: **6** E tu Belém, terra de Judá, de maneira nenhuma és a menor entre as lideranças de Judá, porque de ti sairá o Guia que apascentará meu povo Israel. **7** Então Herodes, chamando secretamente os magos, perguntou-lhes com precisão sobre o tempo em que a estrela havia aparecido. **8** E enviando-os a Belém, disse: Ide, e investigai cuidadosamente pelo menino; e quando o achardes, avisai-me, para que também eu venha e o adore. **9** Depois de ouvirem o rei, eles foram embora. E eis que a estrela que tinham visto no oriente ia adiante deles, até que ela chegou, e ficou parada sobre onde o menino estava. **10** E eles, vendo a estrela, jubilaram muito com grande alegria. **11** E entrando na casa, acharam o menino com sua mãe Maria, e prostrando-se o adoraram. E abrindo seus tesouros, ofereceram-lhe presentes: ouro, incenso, e mirra. **12** E sendo por divina revelação avisados em sonho que não voltassem a Herodes, partiram para sua terra por outro caminho. **13** E tendo eles partido, eis que um anjo do Senhor apareceu a José em sonho, dizendo: Levanta-te, toma o menino e sua mãe, e foge para o Egito; e fica lá até que eu te diga, porque Herodes buscará o menino para o matar. **14** Então ele se despertou, tomou o menino e sua mãe de noite, e foi para o Egito; **15** E esteve lá até a morte de Herodes, para que se cumprisse o que foi dito pelo Senhor por meio do profeta, que disse: Do Egito chamei o meu Filho. **16** Então Herodes, ao ver que tinha sido enganado pelos magos, irou-se muito, e mandou matar todos os meninos em Belém e em todos os limites de sua região, [da idade] de dois anos e abaixo, conforme o tempo que tinha perguntado com precisão dos magos. **17** Então se cumpriu o que foi dito pelo profeta Jeremias, que disse: **18** Uma voz se ouviu em Ramá, choro, e grande pranto; Raquel chorava por seus filhos, e não quis ser consolada, pois já não existem. **19** Mas depois de Herodes ter morrido, eis que um anjo do Senhor apareceu no Egito a José em sonho, **20** Dizendo: Levanta-te, toma o menino e sua mãe, e vai para a terra de Israel, porque já morreram os que procuravam a morte do menino. **21** Então ele se levantou, tomou o menino e sua mãe, e veio para a terra de Israel. **22** Porém ao ouvir que Arquelau reinava na Judeia em lugar de seu pai Herodes, ele teve medo de ir para lá; mas avisado por divina revelação em sonho, foi para a região da Galileia, **23** E veio a habitar na cidade chamada Nazaré, para que se cumprisse o

Mateus

1 Este livro é o registro da genealogia de Jesus Cristo, filho de Davi, filho de Abraão: **2** Abraão gerou Isaque; Isaque gerou Jacó; Jacó gerou Judá e seus irmãos; **3** Judá gerou Perez e Zera, cuja mãe foi Tamar; Perez gerou Esrom; Esrom gerou Arão; **4** Arão gerou Aminadabe; Aminadabe gerou Naassom; Naassom gerou Salmom; **5** Salmom gerou Boaz, cuja mãe foi Raabe; Boaz gerou Obede, cuja mãe foi Rute; Obede gerou Jessé; **6** Jessé gerou o rei Davi. Davi gerou Salomão, cuja mãe tinha sido mulher de Urias; **7** Salomão gerou Roboão; Roboão gerou Abias; Abias gerou Asa; **8** Asa gerou Josafá; Josafá gerou Jorão; Jorão gerou Uzias; **9** Uzias gerou Jotão; Jotão gerou Acaz; Acaz gerou Ezequias; **10** Ezequias gerou Manassés; Manassés gerou Amom; Amom gerou Josias; **11** Josias gerou Jeconias e seus irmãos, no tempo em que houve o exílio na Babilônia. **12** Após o exílio na Babilônia, Jeconias gerou Salatiel; Salatiel gerou Zorobabel; **13** Zorobabel gerou Abiúde; Abiúde gerou Eliaquim; Eliaquim gerou Azor; **14** Azor gerou Sadoque; Sadoque gerou Aquim; Aquim gerou Eliúde; **15** Eliúde gerou Eleazar; Eleazar gerou Matã; Matã gerou Jacó; **16** E Jacó gerou José, esposo de Maria, da qual nasceu Jesus, que é chamado Messias. **17** Assim, todas as gerações, desde Abraão até Davi, são quatorze. Desde Davi até o exílio na Babilônia, quatorze. E desde o exílio na Babilônia até Cristo, quatorze gerações. **18** Foi assim que Jesus Cristo nasceu: sua mãe, Maria, estava prometida em casamento a José, mas, antes que mantivessem relações, ela ficou grávida pelo Espírito Santo. **19** Por ser José, seu noivo, um bom homem, o qual não queria expô-la à desonra pública, decidiu anular secretamente o casamento. **20** Enquanto assim pensava, um anjo do Senhor apareceu em sonho e lhe disse: "José, filho de Davi, não tenha medo de se casar com Maria, pois ela está grávida pelo Espírito Santo. **21** Ela dará à luz um filho e você deverá chamá-lo Jesus, porque ele salvará as pessoas de seus pecados." **22** (Tudo isso aconteceu para que se cumprisse o que o Senhor disse pelo profeta: **23** "A virgem ficará grávida e dará à luz um filho, a quem colocarão o nome de Emanuel", que significa "Deus conosco.") **24** José despertou e fez o que o anjo do Senhor lhe havia ordenado. **25** Ele se casou com Maria, porém não mantiveram relações até que ela desse à luz um filho, a quem deu o nome de Jesus.

2 Após Jesus nascer na cidade de Belém, na Judeia, durante o reinado de Herodes, magos, vindos do Oriente, chegaram a Jerusalém. **2** "Onde está o rei dos judeus que acaba de nascer?", perguntaram. "Nós vimos a estrela dele no Oriente e viemos adorá-lo." **3** Ao ouvir isso, o rei Herodes ficou muito preocupado, assim como toda a Jerusalém. **4** Então, Herodes reuniu todos os chefes dos sacerdotes e educadores religiosos do povo e lhes perguntou onde deveria nascer o Messias. **5** "Na cidade de Belém, na Judeia", eles responderam, "pois o profeta escreveu: **6** 'Você, Belém, da terra da Judeia, de forma alguma é a menos importante entre as principais cidades de Judá, pois será o berço do líder que guiará o meu povo de Israel.'" **7** Então, Herodes chamou os magos e os encontrou secretamente, descobrindo assim o exato momento em que a estrela aparecera. **8** Ele os enviou para Belém e disse: "Ao chegarem lá, procurem o menino. E, ao encontrá-lo, avisem-me, para que eu também possa ir adorá-lo." **9** Após ouvirem o rei, eles seguiram o seu caminho, e a estrela, que já tinham visto no Oriente, os guiou até parar exatamente acima do lugar em que a criança estava. **10** Quando viram a estrela, eles ficaram muito felizes! **11** Entraram na casa e viram o menino com a sua mãe, Maria. Eles se ajoelharam e o adoraram. Então, abriram as bolsas em que traziam seus tesouros e o presentearam com ouro, incenso e mirra. **12** Alertados por um sonho para não retornarem para junto de Herodes, eles voltaram ao seu país por um caminho diferente. **13** Após os magos terem ido embora, um anjo do Senhor apareceu em um sonho a José e lhe disse: "Levante-se, pegue a criança e sua mãe e fujam para o Egito. Fiquem lá até que eu lhe diga, pois Herodes irá procurar a criança para matá-la." **14** Então, José se levantou, pegou a criança e sua mãe e fugiu durante a noite para o Egito. **15** Eles ficaram lá até à morte de Herodes. Assim se cumpriu o que o Senhor disse pelo profeta: "Eu chamei o meu filho para retornar do Egito." **16** Quando Herodes percebeu que tinha sido enganado pelos magos, ficou muito zangado. Ele enviou homens para matar todos os meninos que tivessem dois anos de idade ou menos em Belém e nas regiões próximas. Ele se baseou no período de tempo em que os magos o tinham informado. **17** Assim se cumpriu a profecia de Jeremias: **18** "Ouviu-se o som de terrível choro e lamentação em Ramá; era Raquel chorando por seus filhos. Eles tinham morrido, e não havia quem a pudesse consolar." **19** Após a morte de Herodes, o anjo do Senhor apareceu em um sonho para José, no

Mateus

1 [Esta é] a história dos antepassados de Jesus Cristo/o Messias, descendente do [Rei] Davi e de Abraão, [de quem todos nós judeus somos descendentes]. **2** Abraão foi pai de Isaque. Isaque foi pai de Jacó. Jacó foi pai de Judá e dos irmãos [mais velhos e mais novos] de Judá. **3** Judá foi pai de Peres e de Zerá, [e a mãe deles] foi Tamar. Peres foi pai de Esrom. **4** Esrom foi pai de Arão. Arão foi pai de Aminadabe. Aminadabe foi pai de Nasom. Nasom foi pai de Salmom. **5** Salmom e sua esposa Raabe, [uma mulher gentia], foram os pais de Boaz. Boaz foi pai de Obede [e a mãe de Obede foi] Rute, [outra mulher gentia]. Obede foi pai de Jessé. **6** Jessé foi pai do Rei Davi. Davi foi pai de Salomão, [e a mãe de Salomão antes estava casada com] Urias. **7** Salomão foi pai de Roboão. Roboão foi pai de Abias. Abias foi pai de Asa. **8** Asa foi pai de Josafá. Josafá foi pai de Jorão. Jorão foi pai de Uzias. **9** Uzias foi pai de Jotão. Jotão foi pai de Acaz. Acaz foi pai de Ezequias. **10** Ezequias foi pai de Manassés. Manassés foi pai de Amom. Amom foi pai de Josias. **11** Josias foi pai de Jeconias e dos irmãos de Jeconias. Eles viviam na época em que [os babilônios levaram os israelitas para a Babilônia.] **12** Depois que os babilônios levaram os israelitas à Babilônia, Jeconias foi pai de Salatiel. Salatiel foi pai de Zorobabel. **13** Zorobabel foi pai de Abiúde. Abiúde foi pai de Eliaquim. **14** Eliaquim foi pai de Azor. Azor foi pai de Sadoque. Sadoque foi pai de Aquim. **15** Aquim foi pai de Eliúde. Eliúde foi pai de Eleazar. Eleazar foi pai de Matã. Matã foi pai de Jacó. **16** Jacó foi pai de José. José foi esposo de Maria, e Maria foi mãe de Jesus. Jesus é aquele que se chama {que nós chamamos} o Messias. **17** [Como se pode calcular, tenho agrupado] os antepassados [de Jesus assim]: houve [uma sucessão] de catorze deles desde [o tempo em que] Abraão [viveu] até [o tempo quando o Rei] Davi [viveu]. Houve [uma sucessão de] catorze deles do [tempo] de Davi até [a época quando os babilônios] levaram [os israelitas para a Babilônia]. Há uma [sucessão de] catorze deles [desde a época quando os babilônios] levaram [os israelitas embora para a Babilônia] até [a época quando] o Messias [nasceu]. **18** É esta [a história do que aconteceu logo antes] de Jesus Cristo nascer. Maria, sua mãe, era noiva de José {tinha prometido publicamente a José que ela se casaria com ele}. Antes de eles começarem a viver juntos, [EUP] [Maria] soube que estava grávida. Porém, foi o poder do Espírito Santo que fez com que ela ficasse grávida. [EUP] **19** José, [que as pessoas consideravam ser] esposo dela, era homem que obedecia aos mandamentos de Deus. [Um desses mandamentos era que os homens deviam se divorciar das mulheres que tinham agido imoralmente. Como resultado, quando José soube que Maria estava grávida, ele imaginou que ela estivesse grávida porque tivesse agido imoralmente]. Portanto, ele resolveu ––divorciar-se dela/desfazer o noivado. Mas porque ele não queria envergonhá-la publicamente, resolveu divorciar-se dela secretamente. **20** Enquanto considerava isso seriamente, foi surpreendido com um sonho no qual viu um anjo [enviado] por Deus. O anjo disse: "José, descendente do [Rei] Davi, não se preocupe pensando que [estaria fazendo errado se casasse-se] com Maria. Pelo contrário, [comece a tratá-la] como sua esposa, já que o Espírito Santo, e [não um homem], fez com que ela esteja grávida. **21** Ela dará à luz um filho. Já que é Ele que fará com que o povo dele não seja castigado como resultado de ter pecado, chame Ele de Jesus, [que significa 'o Senhor salva as pessoas']". **22** Tudo isso aconteceu como resultado daquilo que o Senhor fez um profeta [escrever há muito tempo atrás]. É isso que o profeta escreveu: **23** "Escutem, a virgem ficará grávida e dará à luz um filho. Chamarão a Ele de Emanuel". Emanuel significa "Deus está conosco". **24** Quando José se levantou do sono, ele fez o que o anjo que Deus [tinha enviado] mandou. Ele [começou a viver com Maria] como esposa dele. **25** Mas ele não teve relações sexuais com ela [EUP] até que ela deu à luz um filho. E [José] deu a Ele o nome de Jesus.

2 Jesus nasceu [na cidade] de Belém, [no distrito] da Judeia, na época [MTY] em que o [Grande] Rei Herodes [governava ali. Algum tempo] depois que Jesus nasceu, alguns homens que estudavam as estrelas e que viviam em um [país] a leste [da Judeia] foram à [cidade de] Jerusalém. **2** Perguntaram [às pessoas ali]: "Onde está aquele que nasceu [para poder ser] o rei [de vocês,] judeus? [Cremos que um rei já

Mateus

1 O livro da genealogia de Jesus Cristo, o filho de David, o filho de Abraão. **2** Abraham tornou-se o pai de Isaac. Isaac se tornou o pai de Jacob. Jacó se tornou o pai de Judá e seus irmãos. **3** Judá tornou-se o pai de Perez e Zerah por Tamar. Pérez se tornou o pai de Hezron. Hezron se tornou o pai de Ram. **4** Ram se tornou o pai de Amminadab. Amminadab se tornou o pai de Nahshon. Nahshon se tornou o pai do Salmon. **5** Salmon se tornou o pai de Boaz por Rahab. Boaz se tornou o pai de Obed por Ruth. Obed se tornou o pai de Jesse. **6** Jesse se tornou o pai do rei David. David, o rei, tornou-se o pai de Salomão por ela que havia sido a esposa de Uriah. **7** Salomão tornou-se o pai de Rehoboam. Roboão se tornou o pai de Abias. Abijah tornou-se o pai de Asa. **8** Asa tornou-se o pai de Jehoshaphat. Jehoshaphat se tornou o pai de Jorão. Jorão se tornou o pai de Uzziah. **9** Uzziah se tornou o pai de Jotham. Jotham se tornou o pai de Ahaz. Ahaz tornou-se o pai de Hezekiah. **10** Hezekiah tornou-se o pai de Manassés. Manassés se tornou o pai de Amon. Amon se tornou o pai de Josias. **11** Josias tornou-se o pai de Jeconias e seus irmãos na época do exílio na Babilônia. **12** Após o exílio para a Babilônia, Jechoniah tornou-se o pai de Shealtiel. Shealtiel se tornou o pai de Zerubbabel. **13** Zerubbabel se tornou o pai de Abiud. Abiud se tornou o pai de Eliakim. Eliakim se tornou o pai de Azor. **14** Azor se tornou o pai de Zadok. Zadok se tornou o pai de Achim. Achim se tornou o pai de Eliud. **15** Eliud se tornou o pai de Eleazar. Eleazar se tornou o pai de Matthan. Matthan se tornou o pai de Jacob. **16** Jacó tornou-se o pai de José, o marido de Maria, de quem nasceu Jesus, que é chamado de Cristo. **17** Assim, todas as gerações de Abraão a Davi são catorze gerações; de Davi ao exílio à Babilônia, catorze gerações; e do transporte para a Babilônia ao Cristo, catorze gerações. **18** Agora o nascimento de Jesus Cristo foi assim: Depois que sua mãe, Maria, foi noiva de José, antes de se unirem, ela foi encontrada grávida pelo Espírito Santo. **19** José, seu marido, sendo um homem justo, e não disposto a fazer dela um exemplo público, pretendia prendê-la em segredo. **20** Mas quando ele pensou nestas coisas, eis que um anjo do Senhor lhe apareceu num sonho, dizendo: "José, filho de Davi, não tenha medo de tomar para si Maria como sua esposa, pois o que nela é concebido é do Espírito Santo. **21** Ela deve dar à luz um filho. Dareis-lhe o nome de Jesus, pois é ele quem salvará seu povo de seus pecados". **22** Agora tudo isso aconteceu para que pudesse ser cumprido o que foi dito pelo Senhor através do profeta, dizendo **23** "Eis que a virgem deve estar com criança, e deve dar à luz um filho. Eles chamarão seu nome Immanuel". que é, sendo interpretado, "Deus conosco". **24** Joseph surgiu de seu sono, e fez como o anjo do Senhor lhe ordenou, e levou sua esposa para si; **25** e não a conhecia sexualmente até que ela deu à luz seu filho primogênito. Ele lhe deu o nome de Jesus.

2 Quando Jesus nasceu em Belém da Judéia, nos dias do rei Herodes, eis que os sábios do Oriente vieram a Jerusalém, dizendo: **2** "Onde está aquele que nasceu rei dos judeus? Pois vimos sua estrela no oriente, e viemos adorá-lo". **3** Quando o rei Herodes ouviu isso, ficou perturbado, e toda Jerusalém com ele. **4** Reunindo todos os principais sacerdotes e escribas do povo, ele lhes perguntou onde o Cristo nasceria. **5** Eles lhe disseram: "Em Belém da Judéia, pois isto está escrito através do profeta, **6** 'You Bethlehem, terra de Judá, não estão de forma alguma entre os príncipes de Judá; pois de vocês sairá um governador que pastoreará meu povo, Israel". **7** Então Herodes chamou secretamente os sábios, e aprendeu com eles exatamente a que horas a estrela apareceu. **8** Ele os enviou a Belém, e disse: "Ide e procurem diligentemente a criança pequena". Quando o tiverem encontrado, tragam-me notícias, para que eu também possa vir e adorá-lo". **9** Eles, tendo ouvido o rei, seguiram o seu caminho; e eis que a estrela, que eles viram no leste, foi adiante deles até chegar e ficou em pé onde estava a criança pequena. **10** Quando viram a estrela, regozijaram-se com uma alegria muito grande. **11** Entraram na casa e viram o menino com Maria, sua mãe, e se prostraram e o adoraram. Abrindo seus tesouros, ofereceram a ele presentes: ouro, incenso e mirra. **12** Being avisados em um sonho para não voltar a Herodes, voltaram para seu próprio país de outra forma. **13** Agora que partiram, eis que um anjo do Senhor apareceu a José em um sonho, dizendo: "Levanta-te e leva a criança pequena e sua mãe, e foge para o Egito, e fica lá até que eu te diga, pois Herodes procurará a criança pequena para destruí-lo". **14** Ele se levantou e levou a criança e sua mãe à noite e partiu para o Egito, **15** e esteve lá até a morte de Herodes, para que se cumprisse o que foi dito pelo Senhor através do profeta, dizendo: "Fora do Egito chamei meu filho". **16** Então Herodes, quando viu que era ridicularizado pelos sábios, ficou extremamente zangado, e enviou e matou todas as crianças do sexo masculino que estavam em Belém e em toda a região rural, a partir dos dois anos de idade e abaixo, de acordo com o tempo exato que tinha aprendido com os sábios. **17** Então o que foi dito por Jeremias, o profeta, foi cumprido, dizendo, **18** "Uma voz foi ouvida em Ramah, lamentação, choro e grande luto, Raquel chorando por seus filhos; ela não se sentiria confortada, porque eles não são mais". **19** Mas quando Herodes estava morto, eis que um anjo do Senhor apareceu num sonho a José no Egito, dizendo: **20** "Levanta-te e leva a criança e sua mãe, e vai para a terra de Israel, pois aqueles que procuravam a vida

Luka

1 Ka kum šćijec mulc su apukat să skriji događajur šje Dimizov u obečalit a su dogodulit ăntri noj. **2** Orikic as re svedoci dăm kap dă šje ur skris šje ur văzut šă šje svite Isus, jej ăs slugurlje alu vorba. **3** Aša šă ju mam ăngănđit dăm elši pă rănd să skruv kutotu păntru činji, glavni Teofile. **4** Aša să fij siguran šă să poc arăta šă să spuj dă ănkriđală dă vorbilje dă šje u fost ănvăcat kă ăj aje anume. **5** Ăm zăljiljelje kănd kralj Herod vladale ăm Judeja, are unu popă šje să čima Zaharija dăm svečenički rodu alu Abiji, šă mujere aluj isto are dăm pleme alu Aron. Je să čima Elizabeta. **6** Amăndoj ăs re ăm oči alu Dimizov făr dă duvină, pravedni kă jej cănje toći zapovjedurlje šă pravilurlje alu Domnu anostru. **7** Jej asre făr dă kupij, daje kă Elizabeta nu puće să ajvi kupij, šă amăndoj asre tari bătărnj. **8** Kănd una ză, Zaharija služule ka popa alu Dimizov ăm Hram, u vinjit vreme pă grupa aluj să služulaskă. **9** Dă pă običaju ăntri pop lu izabralit ku kockă să mergă ăm svetište alu Domnu să prinusulaskă miomirosur. **10** Šă ăntreg narodu aščipta afară ăm udvar šă să aruga ăm vreme dă mirosur. **11** Atunšje anđalu alu Domnu su năstămit ăm Hram alu Zahariji dădănenći pă desna parći dă žrtvenik hunđi are miomiris. **12** Zaharija kănd u văzut pă anđal tari su ănfrikušatăsă. **13** Daje anđalu ju zăs: “Nuči sprije, Zaharija! Arugală ata u fost auzătă. Mujere ata Elizabeta u ave fišjor, šă tu vi da numi Ivan. **14** Vi ave fălušăje šă slavlje šă mulc sur ăm făluša la fătala aluj. **15** Kă jăl anume u fi mari ăm oči lu Domnu anostru. Vin šă tari butură no be. Mar ăm injima alu mumăsa jăl u fi umpljet ku Duhu Svănt. **16** Mulc fišjori kari ăs Izraelci sur ăntoršji dă rănd dă la jăl ăm napoj la Domnu Dimizovu alor. **17** Jăl u meržji ăm nenće alu Domnu ka vjesniku ăm duhu šă ăm pučere alu Ilija kari are dă kănva prorok să pomirilaskă pă kupiji ku tatusurlje, să ăntorkă pă eje kari ăs nevjerni să apušji mudrost dă la heje kari ăs pravednă, să pripremalaskă narod păntru Domnu.” **18** Ali u zăs Zaharija alu anđalu Gabrijel kari stăće ăm nenče alu Dimizov: “Dă pă šje uj šči kă aje ăj anume? Tu vejs kă mes aku om bătărn šă băšăca ame ăj isto ăm aj.” **19** Anđalu ju ăntors vorba: “Numilje amnjov ăj Gabrijel šă ju mes ku Dimizov să askultă šje mu spunji, aša mes mănat să svitesk ku činji šă săc aduk Hir fălos. **20** Punji mă ureći, kănd mar nu maj ănkrizut dă vorbasta šje cam spusu, tu njimika nu vi puće sviti păn šje no su dogoduli asta šje cam spus. Vorbilje šje cam spus ur fi ăm pravă vremi.” **21** Lume aščipta afară pă Zaharija, šă să čudule šje fašji atita dobă ăm svetište. **22** Kănd u vinjit afară nu puće să svitaskă. Jăl svite ăm znakovur šă nu puće să svitaskă njimika păn šje nu ju su ave kupilu. Šă atunšje ur prišjepi kă u avut vizijă ăm svetište. **23** Kănd u završălit vreme dă služba aluj ăm Hram, Zaharija u fužjit akasă. **24** Atunšje maj dă pă zăljilje băšăca aluj u rămas gărjonă, šă nu jăšă afară šinšj lunj. Elizabeta u zăs: **25** “Domnu ăj ala kari u făkut asta aku: Dimizov su ujtat pă minji ku milă šă u lot ăndărăt rušănje dăm oči alu ominj.” **26** Šasă lunj dă kănd Elizabeta are gărjonă, Dimizov u mănat pă anđalu aluj păšći Gabrijel ăm varuš ăm Galileja kari să čamă Nazaret. **27** Jăl u vinjit la fată ăm păr kă su zaručulit ku Josip kari are potomku alu Kralju David. Je să čima Marija. **28** Gabrijel u vinjit šă u zăs: “Ănfălušešćići tu kari ješć izabralită! Domnu ăj ku činji! Blagoslovulită ješć tu ăntri mujer!” **29** Marija are uznemirenă dă pozdravu aluj šă je u ănšjirkat să să ăngănđaskă šje značalešći. **30** Anđalu ju zăs alji: “Nuc fijă frikă, Marija! Tu aj aflat la Dimizov milă. **31** Punji ureći, vi rămănje gărjonă, vi făta fišjoru šă tu ji punji numi Isus! **32** Jăl u fi mari, šă u fi čimat Fišjoru lu Hăl Maj Mari! Šă Domnu Dimizov ju da autoritet să vladalaskă ka kralju ka kum ăj predaku aluj David. **33** Šă jăl u vladalit ăm familija lu Jakov dă erikeš, šă kraljevstva aluj nu ave kraj!” **(aiōn g165)** **34** Marija u ăntribat atunšje pă anđal: “Kum poći asta fi kă ju mes fată ăm păr!” **35** Anđalu ju ăntors vorba: “Duhu Svănt u vinji pă činji, šă pučere dă Hăl Maj Mari ću astupa ku umbră. Dăm ala rănd Kupilu Svănt šje u fi fătat dă la činji u fi čimat Fišjoru alu Dimizov. **36** Punji ureči: Rođakinja asta Elizabeta ăj bătărnă šă isto u ave fišjor, kă je nu puće să ajvi majmult, ali aku ăj mar ăm šasă lunj dă kănd ăj gărjonă. **37** Kă njimika nuj nemoguće alu Dimizov!” **38** Atunšje u zăs Marija: “Da ju mă ligizesk ku asta să fjuv ropkinja alu Domnu. Lasă fijă aša kum tu zăšj.” Atunšje anđalu u fužjit dă la je. **39** Dovă tri zălji dă pă aje Marija su gătat šă u mers pă kalji, je su ăngribit ăm unu sat ăm Judeja pă đal. **40** Akulo are kasa lu Zaharija. Je u tunat ăm nontru šă su pozdravalit ku Elizabeta. **41** Kum u auzăt Elizabeta pozdravu lu Marija u sămcăt pă kupilu alji kum tari su miškat ăm injimă, šă Elizabeta are pljină ku Duhu Svănt. **42** Elizabeta tari u mužjit lu Marija: “Maj tari ješć blagoslovulită tu ăntri mujer, šă blagoslovulită ăj kupilu atov! **43** Adišje mes aša bitnă, kă tu mama lu Domnu amnjov vinji să mă posjetilaskă? **44** Kă dăm momentu šje am auzăt pozdravalala ata, kupilu amnjov tari su miškat dă fălušăjă ăm injima ame! **45** Blagoslovljenă daje kă tu aj ănkrizut kă šje Domnu cu igirit sigurno u fi!” **46**

Matei

1 Cartea nașterii lui Isus Cristos, fiul lui David, fiul lui Avraam. **2** Avraam a născut pe Isaac; și Isaac a născut pe Iacob; și Iacob a născut pe Iuda și pe frații lui; **3** Și Iuda a născut pe Fares și pe Zara din Tamar; și Fares a născut pe Esrom; și Esrom a născut pe Aram; **4** Și Aram a născut pe Aminadab; și Aminadab a născut pe Naason; și Naason a născut pe Salmon; **5** Și Salmon a născut pe Boaz din Rahab; și Boaz a născut pe Obed din Rut; și Obed a născut pe Isai; **6** Și Isai a născut pe David, împăratul; și David, împăratul, a născut pe Solomon din cea care a fost soția lui Urie; **7** Și Solomon a născut pe Roboam; și Roboam a născut pe Abia; și Abia a născut pe Asa; **8** Și Asa a născut pe Iosafat; și Iosafat a născut pe Ioram; și Ioram a născut pe Ozia; **9** Și Ozia a născut pe Ioatam; și Ioatam a născut pe Ahaz; și Ahaz a născut pe Ezechia; **10** Și Ezechia a născut pe Manase; și Manase a născut pe Amon; și Amon a născut pe Iosia; **11** Și Iosia a născut pe Iehonia și pe frații lui, pe timpul strămutării în Babilon. **12** Și după ce au fost strămutați în Babilon, Iehonia a născut pe Salatiel; și Salatiel a născut pe Zorobabel; **13** Și Zorobabel a născut pe Abiud; și Abiud a născut pe Eliachim; și Eliachim a născut pe Azor; **14** Și Azor a născut pe Sadoc; și Sadoc a născut pe Achim; și Achim a născut pe Eliud; **15** Și Eliud a născut pe Eleazar; și Eleazar a născut pe Matan; și Matan a născut pe Iacob; **16** Și Iacob a născut pe Iosif, soțul Mariei, din care a fost născut Isus, care este numit Cristos. **17** Așadar, toate generațiile de la Avraam până la David au fost paisprezece generații; și de la David până la strămutarea în Babilon au fost paisprezece generații; și de la strămutarea în Babilon până la Cristos, sunt paisprezece generații. **18** Și nașterea lui Isus Cristos a fost astfel: Pe când Maria, mama lui, era logodită cu Iosif, înainte ca să fie ei împreună, ea s-a aflat însărcinată din Duhul Sfânt. **19** Atunci Iosif, soțul ei, fiind drept și nevoind să o facă de rușine înaintea lumii, a vrut să divorțeze de ea pe ascuns. **20** Dar pe când se gândea el la acestea, iată, îngerul Domnului i s-a arătat într-un vis, spunând: Iosife, fiul lui David, nu te teme să iei la tine pe Maria, soția ta; fiindcă ce a fost conceput în ea este din Duhul Sfânt. **21** Și ea va naște un Fiu și îi vei pune numele ISUS, pentru că el va salva pe poporul său de păcatele lor. **22** Și toată aceasta s-a făcut ca să se împlinească ce fusese rostit de Domnul prin profetul, care a spus: **23** Iată, o fecioară va fi însărcinată și va naște un fiu și îi vor pune numele Emanuel, care tradus este: Dumnezeu cu noi. **24** Apoi Iosif, trezindu-se din somn, a făcut cum îi poruncise îngerul Domnului și a luat la el pe soția sa; **25** Dar nu a cunoscut-o, până după ce ea a născut pe fiul ei primul născut; și i-a pus numele ISUS.

2 Iar după ce s-a născut Isus în Betleemul Iudeii, în zilele împăratului Irod, iată, au venit niște magi din răsărit la Ierusalim, **2** Zicând: Unde este cel ce s-a născut Împărat al iudeilor? Fiindcă i-am văzut steaua în răsărit și am venit să ne închinăm lui. **3** Dar Irod, împăratul, auzind, s-a tulburat și tot Ierusalimul împreună cu el. **4** Și după ce a adunat pe toți preoții de seamă și pe scribii poporului, a căutat să afle de la ei unde trebuia să se nască Cristos. **5** Și i-au spus: În Betleemul Iudeii, fiindcă astfel este scris prin profetul: **6** Și tu, Betleeme, în țara lui Iuda, nu ești cel mai neînsemnat dintre prinții lui Iuda; fiindcă din tine va ieși un Conducător, care va conduce poporul meu Israel. **7** Atunci Irod, după ce a chemat în ascuns pe magi, a aflat de la ei în amănunțime timpul când s-a arătat steaua. **8** Și i-a trimis la Betleem, spunând: Mergeți și cercetați amănunțit despre copil; și după ce îl veți fi găsit, dați-mi de știre din nou, ca să vin și eu să mă închin lui. **9** După ce l-au auzit pe împăratul, au plecat; și iată, steaua, pe care au văzut-o în răsărit, mergea înaintea lor, până a venit și a stat deasupra locului, unde era copilul. **10** Când au văzut steaua, s-au bucurat cu nespus de mare bucurie. **11** Și când au intrat în casă, au văzut pe copil cu Maria, mama lui și s-au prosternat și i s-au închinat; și deschizându-și tezaurele, i-au oferit daruri: aur și tămâie și smirnă. **12** Și, fiind avertizați de Dumnezeu în vis să nu se întoarcă la Irod, s-au întors în țara lor pe altă cale. **13** Și după ce au plecat, iată, îngerul Domnului se arată lui Iosif în vis, spunând: Ridică-te și ia copilul și pe mama lui și fugi în Egipt și stai acolo până îți voi trimite eu vorbă; fiindcă Irod va căuta copilul, să îl nimicească. **14** După ce s-a ridicat, a luat copilul și pe mama lui în noapte și a plecat în Egipt. **15** Și a fost acolo până la moartea lui Irod; ca să se împlinească ce fusese spus de Domnul prin profetul, care a spus: Am chemat pe fiul meu din Egipt. **16** Atunci Irod, văzând că fusese batjocorit de magi, s-a înfuriat foarte tare și a trimis și a ucis pe toți copiii de la doi ani în jos, care erau în Betleem și în toate împrejurimile lui, conform timpului pe care îl aflase în amănunțime de la magi. **17** Atunci s-a împlinit ce fusese spus de către Ieremia, profetul, zicând: **18** O voce s-a auzit în Rama, tânguire și plângere și jale mare: Rahela jelindu-și copiii și refuzând să fie mângâiată, pentru că nu mai erau. **19** Dar după ce Irod a murit, iată, un înger al Domnului se arată în vis lui Iosif în Egipt, **20** Spunând: Ridică-te și ia copilul și pe mama lui și du-te în țara lui Israel; fiindcă au murit cei ce căutau să ia viața copilului. **21** Și s-a ridicat și a luat copilul și pe mama lui și a venit în țara lui Israel. **22** Dar când a

Матей

1 Картя нямулуй луй Исус Христос, фиул луй Давид, фиул луй Авраам. **2** Авраам а нэскут пе Исаак; Исаак а нэскут пе Иаков; Иаков а нэскут пе Иуда ши фраций луй; **3** Иуда а нэскут пе Фарес ши Зара, дин Тамар; Фарес а нэскут пе Есром; Есром а нэскут пе Арам; **4** Арам а нэскут пе Аминадаб; Аминадаб а нэскут пе Наасон; Наасон а нэскут пе Салмон; **5** Салмон а нэскут пе Боаз, дин Рахав; Боаз а нэскут пе Обед, дин Рут; Обед а нэскут пе Иесе; **6** Иесе а нэскут пе ымпэратул Давид. Ымпэратул Давид а нэскут пе Соломон, дин вэдува луй Урие; **7** Соломон а нэскут пе Робоам; Робоам а нэскут пе Абия; Абия а нэскут пе Аса; **8** Аса а нэскут пе Иосафат; Иосафат а нэскут пе Иорам; Иорам а нэскут пе Озия; **9** Озия а нэскут пе Иоатам; Иоатам а нэскут пе Ахаз; Ахаз а нэскут пе Езекия; **10** Езекия а нэскут пе Манасе; Манасе а нэскут пе Амон; Амон а нэскут пе Иосия; **11** Иосия а нэскут пе Иехония ши фраций луй, пе время стрэмутэрий ын Бабилон. **12** Дупэ стрэмутаря ын Бабилон, Иехония а нэскут пе Салатиел; Салатиел а нэскут пе Зоробабел; **13** Зоробабел а нэскут пе Абиуд; Абиуд а нэскут пе Елиаким; Елиаким а нэскут пе Азор; **14** Азор а нэскут пе Садок; Садок а нэскут пе Аким; Аким а нэскут пе Елиуд; **15** Елиуд а нэскут пе Елеазар; Елеазар а нэскут пе Матан; Матан а нэскут пе Иаков; **16** Иаков а нэскут пе Иосиф, бэрбатул Марией, дин каре С-а нэскут Исус, каре Се кямэ Христос. **17** Деч, де ла Авраам пынэ ла Давид, сунт пайспрезече нямурь де тоате; де ла Давид пынэ ла стрэмутаря ын Бабилон сунт пайспрезече нямурь; ши де ла стрэмутаря ын Бабилон пынэ ла Христос сунт пайспрезече нямурь. **18** Яр наштеря луй Исус Христос а фост аша: Мария, мама Луй, ера логодитэ ку Иосиф; ши, ынаинте ка сэ локуяскэ ей ымпреунэ, еа с-а афлат ынсэрчинатэ де ла Духул Сфынт. **19** Иосиф, бэрбатул ей, ера ун ом неприхэнит ши ну воя с-о факэ де рушине ынаинтя лумий, де ачея шь-а пус де гынд с-о ласе пе аскунс. **20** Дар, пе кынд се гындя ел ла ачесте лукрурь, и с-а арэтат ын вис ун ынжер ал Домнулуй ши й-а зис: „Иосифе, фиул луй Давид, ну те теме сэ ей ла тине пе Мария, невастэ-та, кэч че с-а зэмислит ын еа есте де ла Духул Сфынт. **21** Еа ва наште ун Фиу ши-Й вей пуне нумеле Исус, пентру кэ Ел ва мынтуи пе попорул Луй де пэкателе сале." **22** Тоате ачесте лукрурь с-ау ынтымплат ка сэ се ымплиняскэ че вестисе Домнул прин пророкул каре зиче: **23** „Ятэ, фечоара ва фи ынсэрчинатэ, ва наште ун Фиу ши-Й вор пуне нумеле Емануел", каре, тэлмэчит, ынсямнэ: „Думнезеу есте ку ной". **24** Кынд с-а трезит Иосиф дин сомн, а фэкут кум ый порунчисе ынжерул Домнулуй; ши а луат ла ел пе невастэ-са. **25** Дар н-а куноскут-о пынэ че еа а нэскут ун Фиу. Ши ел Й-а пус нумеле Исус.

2 Дупэ че С-а нэскут Исус ын Бетлеемул дин Иудея, ын зилеле ымпэратулуй Ирод, ятэ кэ ау венит ниште мажь дин Рэсэрит ла Иерусалим **2** ши ау ынтребат: „Унде есте Ымпэратул де курынд нэскут ал иудеилор? Фииндкэ Й-ам вэзут стяуа ын Рэсэрит ши ам венит сэ не ынкинэм Луй." **3** Кынд а аузит ымпэратул Ирод ачест лукру, с-а тулбурат мулт ши тот Иерусалимул с-а тулбурат ымпреунэ ку ел. **4** А адунат пе тоць преоций чей май де сямэ ши пе кэртурарий нородулуй ши а кэутат сэ афле де ла ей унде требуя сэ Се наскэ Христосул. **5** „Ын Бетлеемул дин Иудея", й-ау рэспунс ей, „кэч ятэ че а фост скрис прин пророкул: **6** 'Ши ту, Бетлееме, цара луй Иуда, ну ешть ничдекум чя май неынсемнатэ динтре кэпетенииле луй Иуда; кэч дин тине ва еши о Кэпетение, каре ва фи Пэсторул попорулуй Меу Исраел.'" **7** Атунч, Ирод а кемат ын аскунс пе мажь ши а афлат ынтокмай де ла ей время ын каре се арэтасе стяуа. **8** Апой й-а тримис ла Бетлеем ши ле-а зис: „Дучеци-вэ де черчетаць ку де-амэнунтул деспре Прунк ши, кынд Ыл вець гэси, даци-мь ши мие де штире, ка сэ вин ши еу сэ мэ ынкин Луй." **9** Дупэ че ау аскултат пе ымпэратул, мажий ау плекат. Ши ятэ кэ стяуа пе каре о вэзусерэ ын Рэсэрит мержа ынаинтя лор, пынэ че а венит ши с-а оприт дясупра локулуй унде ера Прункул. **10** Кынд ау вэзут ей стяуа, н-ау май путут де букурие. **11** Ау интрат ын касэ, ау вэзут Прункул ку Мария, мама Луй, с-ау арункат ку фаца ла пэмынт ши И с-ау ынкинат; апой шь-ау дескис вистерииле ши Й-ау адус дарурь: аур, тэмые ши смирнэ. **12** Ын урмэ, ау фост ынштиинцаць де Думнезеу ын вис сэ ну май дя пе ла Ирод ши с-ау ынторс ын цара лор пе ун алт друм. **13** Дупэ че ау плекат мажий, ун ынжер ал Домнулуй се аратэ ын вис луй Иосиф ши-й зиче: „Скоалэ-те, я Прункул ши пе мама Луй, фужь ын Ежипт ши рэмый аколо пынэ ыць вой спуне еу, кэч Ирод аре сэ кауте Прункул ка сэ-Л омоаре." **14** Иосиф с-а скулат, а луат Прункул ши пе мама Луй, ноаптя, ши а плекат ын Ежипт. **15** Аколо а рэмас пынэ ла моартя луй Ирод, ка сэ се ымплиняскэ че фусесе вестит де Домнул прин пророкул каре зиче: „Ам кемат пе Фиул Меу дин Ежипт." **16** Атунч, Ирод, кынд а вэзут кэ фусесе ыншелат де мажь, с-а мыниат фоарте таре ши а тримис сэ омоаре пе тоць прунчий де парте бэрбэтяскэ, де ла дой ань ын жос, каре ерау ын Бетлеем ши ын тоате ымпрежуримиле луй, потривит ку время пе каре о афласе ынтокмай де ла мажь. **17** Атунч с-а ымплинит че фусесе вестит прин пророкул Иеремия, каре зиче: **18** „Ун ципэт с-а аузит ын Рама, плынжере ши бочет мулт: Рахела ышь желя копиий ши ну воя сэ фие мынгыятэ, пентру кэ ну май ерау." **19** Дупэ че а мурит Ирод, ун ынжер ал Домнулуй се аратэ ын вис луй Иосиф, ын Ежипт, **20** ши-й зиче: „Скоалэ-те, я Прункул ши пе мама Луй ши ду-те ын цара луй Исраел, кэч ау мурит чей че кэутау сэ я вяца Прункулуй." **21** Иосиф с-а скулат, а луат Прункул ши пе мама Луй ши а венит ын цара луй Исраел. **22** Дар, кынд а аузит кэ ын Иудея ымпэрэцеште Архелау, ын локул татэлуй сэу Ирод, с-а темут сэ се дукэ аколо; ши,

Matei

1 Cartea genealogiei lui Isus Hristos, fiul lui David,
fiul lui Avraam. **2** Avraam a devenit tatăl lui Isaac.
Isaac a devenit tatăl lui Iacov. Iacov a devenit tatăl lui
Iuda și al fraților săi. **3** Iuda a devenit tatăl lui Pereț
și al lui Zerah prin Tamar. Perez a devenit tatăl lui
Hezron. Hezron a devenit tatăl lui Berbec. **4** Berbec
a devenit tatăl lui Aminadab. Amminadab a devenit
tatăl lui Nahșon. Nahșon a devenit tatăl lui Salmon. **5**
Salmon a devenit tatăl lui Boaz prin Rahab. Boaz a
devenit tatăl lui Obed prin Rut. Obed a devenit tatăl
lui Isai. **6** Isai a devenit tatăl regelui David. Regele
David a devenit tatăl lui Solomon prin cea care fusese
soția lui Urie. **7** Solomon a devenit tatăl lui Roboam.
Roboam a devenit tatăl lui Abia. Abiia a devenit tatăl
lui Asa. **8** Asa a devenit tatăl lui Iosafat. Iosafat a
devenit tatăl lui Ioram. Ioram a devenit tatăl lui Ozia.
9 Ozia a devenit tatăl lui Iotam. Iotam a devenit tatăl
lui Ahaz. Ahaz a devenit tatăl lui Ezechia. **10** Ezechia
a devenit tatăl lui Manase. Manase a devenit tatăl
lui Amon. Amon a devenit tatăl lui Iosia. **11** Iosia
a devenit tatăl lui Ieconia și al fraților săi în timpul
exilului în Babilon. **12** După exilul în Babilon, Ieconia
a devenit tatăl lui Șealtiel. Șealtiel a devenit tatăl lui
Zorobabel. **13** Zorobabel a devenit tatăl lui Abiud.
Abiud a devenit tatăl lui Eliachim. Eliachim a devenit
tatăl lui Azor. **14** Azor a devenit tatăl lui Țadoc. Țadoc
a devenit tatăl lui Achim. Achim a devenit tatăl lui
Eliud. **15** Eliud a devenit tatăl lui Eleazar. Eleazar
a devenit tatăl lui Matan. Mathan a devenit tatăl lui
Iacov. **16** Iacov a devenit tatăl lui Iosif, soțul Mariei,
din care s-a născut Isus, care se numește Hristos. **17**
Astfel, toate generațiile de la Avraam până la David
sunt de paisprezece generații; de la David până la
exilul în Babilon, paisprezece generații; și de la exilul
în Babilon până la Hristos, paisprezece generații. **18**
Iată cum a fost nașterea lui Isus Hristos: După ce
mama Lui, Maria, a fost logodită cu Iosif, înainte de a
fi împreună, a fost găsită însărcinată de Duhul Sfânt.
19 Iosif, soțul ei, care era un om drept și care nu voia
să facă din ea un exemplu public, a vrut să o renege
în secret. **20** Dar când se gândea la aceste lucruri,
iată că un înger al Domnului i s-a arătat în vis și i-a
zis: "Iosif, fiul lui David, nu te teme să iei de soție pe
Maria, căci ceea ce este conceput în ea este de la
Duhul Sfânt. **21** Ea va naște un fiu. Să-i pui numele
Isus, căci El este cel care va mântui poporul Său de
păcatele sale." **22** Și toate acestea s-au întâmplat ca
să se împlinească ce a spus Domnul prin proorocul
care a zis, **23** "Iată, fecioara va rămâne însărcinată, și
va da naștere unui fiu. Îi vor pune numele Emanuel".
care este, fiind interpretat, "Dumnezeu cu noi". **24**
Iosif s-a sculat din somn, a făcut cum îi poruncise
îngerul Domnului și a luat la el pe nevastă-sa, **25** și n-
a cunoscut-o până ce n-a născut pe fiul ei cel întâi
născut. I-a pus numele Isus.

2 Pe când se născuse Isus în Betleemul Iudeii, în
zilele împăratului Irod, iată că au venit la Ierusalim
niște înțelepți de la răsărit, care ziceau: **2** "Unde este
Cel ce S-a născut Împărat al Iudeilor? Căci am văzut
steaua Lui la răsărit și am venit să ne închinăm Lui".
3 Regele Irod, când a auzit aceasta, s-a tulburat și
tot Ierusalimul împreună cu el. **4** Adunând pe toți
preoții cei mai de seamă și pe cărturarii poporului, i-a
întrebat unde se va naște Hristosul. **5** Ei i-au răspuns:
"În Betleemul Iudeii, căci așa este scris prin profet, **6**
"Tu, Betleem, țară a lui Iuda, nu sunt cu nimic mai
prejos printre căpeteniile lui Iuda; pentru că din tine
va ieși un guvernator care va păstori poporul Meu,
Israel."" **7** Irod a chemat pe ascuns pe înțelepți și a
aflat de la ei la ce oră a apărut steaua. **8** I-a trimis la
Betleem și le-a zis: "Mergeți și căutați cu grijă pruncul.
Când îl veți găsi, aduceți-mi vestea, ca să vin și eu
să mă închin lui." **9** Ei, după ce au auzit pe rege,
au plecat; și iată că steaua pe care o văzuseră la
răsărit mergea înaintea lor, până ce a venit și s-a oprit
deasupra locului unde era pruncul. **10** Când au văzut
steaua, s-au bucurat cu bucurie nespus de mare. **11**
Au intrat în casă și au văzut Pruncul cu Maria, mama
Lui, și au căzut jos și I s-au închinat. Deschizându-
și comorile, i-au oferit daruri: aur, tămâie și smirnă.
12 Fiind avertizați în vis să nu se întoarcă la Irod, s-
au întors în țara lor pe un alt drum. **13** După ce au
plecat, iată că un înger al Domnului s-a arătat în vis
lui Iosif și i-a zis: "Scoală-te, ia Pruncul și pe mama
lui și fugi în Egipt și rămâi acolo până ce-ți voi spune,
căci Irod va căuta Pruncul ca să-l nimicească." **14** S-
a sculat, a luat noaptea pe prunc și pe mama lui și a
plecat în Egipt, **15** și a stat acolo până la moartea lui
Irod, ca să se împlinească ce spusese Domnul prin
proorocul care zicea: "Din Egipt am chemat pe fiul
Meu". **16** Atunci Irod, văzând că este batjocorit de
magi, s-a mâniat foarte tare și a trimis să ucidă pe toți
copiii de parte bărbătească din Betleem și din toată
ținutul din jur, de la doi ani în jos, după timpul exact
pe care-l aflase de la magi. **17** Atunci s-a împlinit
ceea ce fusese spus prin profetul Ieremia, care zicea
așa **18** "S-a auzit o voce în Rama, jale, plâns și jale
mare, Rahela plângând pentru copiii ei; ea nu ar fi

Luka

1 Poštovani Teofile, kašă kum šti, mulc lumje adat tot dăla jej s skrije izvješće d stvarurj karje Dimizov afukut ăn vrijamja anuastră, baš kašă kum skrije ăn Svăntă pismă. Askris aja če nuavă azăs ălja karje avizut stvarurlja d ănčipjală š karje rubja Bună vorbă. Š jo pažljivo amproučit aštja tuatje događajurlje. Jo agăndit k arfi binje tot s skriuv p răndˌ **4** aša osă fi siguran k aja če jej ta ănvăcat istina. **5** Kănd caru Herod avladit p Judeja, afost njeki pop karje s kjamă Zaharija. Jel pripadnja alu skupinej d popje karje s kima skupina alu Abije. Mujarja alu Zaharije afost isto dăn familija alu popilor. Ja s kima Elizabeta. **6** Amiždoj irja pravedni la Dimizov š uvjek askulta tot aja če Domnu azapovidit ăn zakonu alu Mojsije. **7** Ali na vut kupil daja če Elizabeta afost štjarpă, a amiždoj irja mult bătrnj. **8** Udată, Zaharija š popilje ăn skupina aluj služaštje ăn Hram. **9** Običaju alu popilor afost s arunče kocka tuată zuva kum akuljiđja činje osă utrje ăn Svetište alu Domnuluj ăn Hram š činje osă apringă tămăja. Una zuvă akuljes p Zaharija s apringă tămăja. **10** D vrijamjaja mult lumje s ruga ăn dvorišta alu Hramuluj. **11** Atunča alu Zaharija sa ukazăt anđelu alu Domnuluj. Astat p partja alu dăraptej la žrtveniku d tămăja. **12** Kănd Zaharija avizut p anđelu, jel mult sa spirjat. **13** A anđelu ja zăs: “Na vja frikă, Zaharija! Dimizov auzăt rugala ata: Elizabeta, mujarja ata, osă c fakă bijat. Š osă l kjem Ivan. **14** Osă c fije drag š t veselješt š mulcă osă s radujaskă kănd s fičja jel. **15** Kupilu alu vostru osă fije marje la intja alu Domnuluj. Jel nusă bja nič vin nič altje bjarje ljutje. Osă fije pljin d Sufljetu alu Svăntuluj još kănd fi ăn burtă. **16** Jel osă okrinjaskă p multje Izraelcurj la Domnu, Dimizov alor. **17** Isti sufljet karje ja dat snagă alu Ilije osă fije ăn bijatu alu tov s pripimaskă p narodu d vinjala alu Domnuluj. Osă okrinjaskă inimilje alu tatilje kătri kupi š nagovorjaskă p ălja karje nu skultă p Dimizov s primjaskă mudrost alu ălja karje askultă.” **18** Zaharija azăs alu anđeluj: “Kum s štiuv k s dogodjaštje aja? Š jo š mujarja amja ištjem već bătărnj.” **19** P aja anđelu ja zăs: “Jo săntˌ Gabrijel. Amvinjit dăla prijestolje alu Dimizov. P minje atrimjes la tinje s c aduk asta bună vorbă. **20** Jakă, da akuma osă rămăj mut š nusă poc s rubještj tot pănla zuvaja păndˌ s nu dogodja aja, daja če naj krizut ăn vorbilje alji mjalje, karje osă ispunjaskă d vrijamje alor.” **21** Ăn vrijamjaja narodu aštiptat p Zaharija š na razumit dăče atăta sa zabuvit ăn Svetište. **22** Kănd jel napokon aišăt, na putut nimik s lji zăkă š s lja udă. Kănd lumja avizut aja, š znakurlje karje lja dat ku mănilje, ashvatit k jel avut vizije ăn Svetište. **23** Kănd azavršăt zuvilje alu Zaharija s lukrjază kašă popa ăn Hram, sa tors akas. **24** Dăpă duavă trje zălje, mujarja aluj Elizabeta arămas grja, š činč lunj na išăt dăn kasă. Ja azăs: **25** “Aša Domnu sa pobrinit d minje š askinit rušunja dăpă minje la intja alu lumje daja če na putut s am kupi.” **26** Kănd Elizabeta irja grja šasă lunj, Dimizov atrimjes p anđelu Gabrijel ăn sat Nazaret ăn regija Galileja, **27** la djevică karje zaručită dăpă om karje s kjamă Josip. Jel irja d sămăncă alu caru David, a djevica s kima Marija. **28** Gabrijel avinjit š azăs alu je: “Zdravo! Domnu ku tinje. Dimizov ta kuljes!” **29** P aja Marija sa uznemirit š na razumit če anđelu avrut s zăkă ku pozdravula. **30** Anđelu azăs: “Na vja frikă, Marija. Tu ješt aja p karje Dimizov akuljes! **31** Jakă osă fi grja š osă fač fičor p karje osă l kjem Isusu. **32** Jel osă fije marje š osă s kjamje Bijatu alu Maj marje Dimizov. Domnu Dimizov osă idja autoritet s fije car kum Dimizov aobečit alu David, sămănca aluj. **33** Osă vladjaskă p sămănca alu Jakov zauvjek š cara aluj nikad nusă prestanjaskă.” **(aiōn g165)** **34** Marija ăntrijabă p anđelu: “Ali kum? Jo još nam fost ku omu.” **35** Anđelu Gabrijel ja zăs: “Sufljetu alu Svăntuluj osă s slubuadje p tinje š săla alu Maj marje Dimizov osă t ănviljaskă. Š daja kupilu karje l fiča osă fije svănt š osă s kjamje Bijatu alu Dimizov. **36** Jakă, Elizabeta, rođakinja ata, aša bătărnă isto duče fičor. Aja ista mujarje, d karje arubit k nu puatje s ajbje kupi, a grja je d šasă lunj. **37** K alu Dimizov nimika nuje nemoguće!” **38** Marija azăs alu Gabrijel: “Jakă, argata săntˌ alu Domnuluj. S fije kum tu zăč!” Š Gabrijel apljikat dăla ja. **39** Duavă trje zălje dăpă aja, Marija majdată apljikat ăn sat ăn djalurj alu Judeje. **40** Kănd ja ažuns, auntrat ăn kasa alu Zaharija š apozdravit p Elizabeta. **41** Kănd Elizabeta auzăt pozdravu alu Marije, kupilu ăn burtă alu Elizabetăj dăturdată mult sa miškat š Elizabeta sa napunit ku Sufljetu alu Svăntuluj. **42** Elizabeta d radost marje ăntarje astrigat: “Maj mult ješt blagoslovită d tuatje mujerj š blagoslovit je kupilu ăn burta ata! **43** Ku čaja amzaslužăt častula s m positjaskă mama alu Domnuluj alu mjov! **44** Jakă kănd auzăt pozdravu alu tov, kupilu ăn burtă dăturdată mult sa miškat d radost! **45** Blagoslovită ješt daja čaj krizut k osă s ispunjskă poruka karje ca trimjes Domnu!” **46** Atunča Marija azăs: “Inima amja adrikă p Domnu, **47** sufljetu alu mjov s radujaštje la Dimizov, Spasitelju alu mjov, **48** k p minje ma kuljes, p ponizna argata aluj! Audjec, pănd akuma tuată generacija osă zăkă k Dimizov ma blagoslovit, **49** daja če Dimizov karje arje tuată săla

Лукастар

1 Пативало Феофило, бут мануша линэ тэ стидэн и тэ запистросарэн роспхэнимос пала кода, со сас. Када роспхэндэ амэнди мануша, савэ майанглал дикхэнас вся пэстирэ якхэнца тай ашыле бутярнэ Лавэстирэ. Важ кода мэ тховдэм андо води мишто вся тэ ужанав, со сас майанглал, и екх пала авэр тэ запистросарав тути. **4** Тунчи ту полэса: кода, со ту ашундян, исин чячимос. **5** Андэ деса, кала андэ Иудея сас тхагараса Иродо, сас мануш, савэс акхарэнас Захария, андай рашая Авиястирэ стидимастар, и лэстэ сас ромни андав родо Аароноско, акхарэнас ла Елизавета. **6** Онэ лэдуй сас жужэ англав Дэл, жувэнас пав всаворо запхэнимос Раеско бидошако. **7** Лэндэ на сас бэяцэн, колэстар со Елизавета сас бибэяцэндири, и онэ лэдуй сас андэ бэрша пхурэ. **8** Екхвар авиля вряма рашаенди лэстирэ стидимастар тэ терэл бути англав Дэл. **9** Сар сас прилито машкар рашая, онэ шутэ жребиё, и прижыляпэ Захариясти тэ зажал андо храмо лэ Раеско тэ пхабарэл ладано. **10** Андэ кодья ж вряма, кала вов пхабарэлас ладано, всаворэ мануша мангэнаспэ Дэвлэс аври. **11** Тунчи вов удикхля ангелос Раестирэс, саво тэрдёлас пай право риг лэ жэртвеникоско, кай пхаболас о ладано. **12** Захария сар удикхля лэс, бари дар авиля пэр лэстэ, и вов на жангля, со тэ терэл. **13** Ангело пхэндя лэсти: — На дара, Захария! Ашундя о Дэл мангимос тиро. И ромни тири, Елизавета, бэянэла тути шаворэс, и акхарэса лэс Иоано. **14** Авэла тути баро радомос, и бут мануша авэна тэ радонпэ, кай вов бэяндиля. **15** Вов авэла баро англав Рай, на авэла тэ пэл ни мол, ни матимаско пимо и пхэрдёла Свэнто Духоса майанглал, сар вов бэяндёла. **16** Бутэн Израилёстирэ шавэн вов рисарэла палпалэ кав лэнго Рай о Дэл **17** и авэла тэ жал англав Лэстэ андо духо и зор Илиястири, кай тэ рисарэл и водя лэ дадэндирэ кай лэнди бэяцэ, и найкандунэн кав гындо чячимастирэн манушэн, кай тэ гытосарэ манушэн, кала авэла о Рай Дэл. **18** Захария пхэндя ангелости: — Сар мэ ужанава када? Мэ пхуро, тай ромни мэрни найтэрни. **19** Ангело пхэндя лэсти: — Мэ Гавриило, саво тэрдював англав Дэл, бишалдо тэ дав дума туса и тэ пхэнав тути кадва радосаво лав. **20** Акэ, ту авэса муто и на дэса дума кай кодва дес, кала када вся авэла, важ кода со ту на патяйлян мэрнэ лавэнди, савэ терэнапэ андэ пэсти вряма. **21** Андэ кадья вряма мануша ажутярэнас Захарияс и дивонаспэ, состар вов бут вряма на выжалас андав храмо. **22** Кала Захария выжыля котар, вов на дэлас дума, и мануша полинэ, со вов андо храмо варисо дикхля. Вов сикавэлас вастэнца лэнди и ашэласпэ муто. **23** А сар прожыле кола деса, кала вов терэлас рашаендири бути, тунчи рисайля пэстэ черэ. **24** Прожыля вряма, Елизавета, и ромни лэстири, ашыля пхари. Панч шон вой гарадёлас манушэндар и пхэнэлас: **25** — Акэ, со стердя манди Рай Дэл андэ кадэла деса, кала Вов обрисардя мандэ пэстирэ якха, кай тэ злэл пар мандэ о лажавимос мэрно англай мануша! **26** Кала Елизавета сас шов шон пхари, о Дэл бишалдя ангелос Гавриилос андо форо галилейско, саво акхарэлпэ Назарето, **27** кай щиёры, савя акхарэнас Мария. Вой дя лав тэ жал палав ром палав Иосифо, саво сас андав родо лэ Давидоско. **28** Ангело авиля латэ и пхэндя: — Тэ авэс бахтали! Тути дяпэ мищимос! О Рай Дэл туса! **29** Мария на жангля, со тэ пхэнэл, и гындолас, важ со вов кади пхэндя. **30** Ангело пхэндя: — На дара, Мария! Ту аракхлян мищимос кав Дэл! **31** Акэ, ту авэса пхари, и бэянэса Шавэс, и акхарэса Лэс Исусо. **32** Вов авэла баро, и Лэс акхарэна Шаво Майбарэско. Рай Дэл дэла Лэсти троно Давидоско, лэ прапапос Лэстирэс. **33** Вов по вако авэла Тхагараса англав родо Иаковоско, и тхагаримос Лэско никала на пэрэашэла тэ авэл. **(aiōn g165)** **34** Мария пхэндя ангелости: — Сар када авэла? Мэ инке на сымас палав ром! **35** Ангело пхэндя лати: — Свэнто Духо сжала пэр тутэ, и зор Майбарэско ушарэла тут, и свэнто Бэято, Саво тутэ бэяндёла, акхарэлапэ Шаво Дэвлэско. **36** Акэ Елизавета андав родо тиро, палай сави пхэнэнас, со латэ на авэна бэяцэ, подикх, вой шовто шон пхари. Андо пхуримос лако бэяндёла латэ шаво. **37** О Дэл терэла вся, со Вов закамэла. **38** Пхэндя Мария: — Мэ бутярни Рае Дэвлэстири. Мэк авэла манди, сар ту пхэндян. И ангело отжыля латар. **39** Андэ кадэла деса Мария вщиля и сыго жыля андо форо, саво сас андо плаенго тхан Иудеяко. **40** Вой зажыля андо чер кав Захария и пхэндя ла Елизаветати: — Тэ авэс бахтали! **41** Кала Елизавета ашундя лава Мариятирэ, подхукля о бэято андэ Елизавета, и пхэрдиля вой Свэнто Духоса. **42** Вой зацыписайля фартэ гласоса и пхэндя: — Тут авэна тэ лашарэн майбут аврэ жувляндар! И лашарэна тирэ Бэятос, Савэс ту пхиравэс! **43** Сости манди када, со мандэ авиля дэй мэрнэ Рае Дэвлэстири? **44** Кала мэ ашундэм, сар ту пхэндян манди, тэ авав бахтали, подхукля

Luka

1 Cenimeja Teofile, but džene lelje te pisinen oto
događaja save ule maškar amende. **2** On pisinde
ađahar sar so vaćerde amenđe okola kola taro
anglunipe dikhle adala događaja hem kola inele
sluge zako e Devlesoro lafi. **3** Ađahar hem me, palo
adava so taro anglunipe šukar ispitujinđum sa adava,
mangljum tuće sa palo redo te pisinav, **4** te šaj ove
uverime dai čače sa adava so injan sikavdo. **5** Kad
o Irod inele caro ani Judeja, nesavo manuš palo
anav Zaharija inele svešteniko e izraelconengoro, oto
redo e Avijasoro. E Zaharijasiri romni da inele oto
pleme e Aaronesoro. Lakoro anav inele Jelisaveta.
6 O Zaharija hem i Jelisaveta inele pravedna anglo
Devel, adalese so živinde palo sa o naredbe hem o
zakonja e Gospodesere. **7** Olen na ine čhave adalese
so i Jelisaveta našti ine te ačhol khamni, a soduj
džene već purandile. **8** Jekh dive kad e Zaharijasiri
grupa oto sveštenici kandlja ano Hram, tegani hem o
Zaharija ćerela ine pli buti sar svešteniko anglo Devel.
9 Ov, palo adeti e svešteniko nengoro, barbuteja inele
izabirime te đerdini ko Hram e Gospodesoro hem
te kadini. **10** Sar o Zaharija kadini ine ano Hram, sa
edobor narodo molini pe ine avri. **11** A ano Hram e
Zaharijase mothovđa pe o anđeo e Gospodesoro,
kova terdino ki desno strana oto žrtveniko kotar
kadinđa pe. **12** Kad o Zaharija dikhlja le, uznemirinđa
pe hem but darandilo. **13** A o anđeo phenđa lese:
"Ma dara, Zaharija! O Devel šunđa ti molitva. Ti romni
i Jelisaveta ka bijani će čhave, i ka de le anav Jovan.
14 Ka ove but radosno zbog leste hem but džene ka
radujinen pe so ov ka bijanđol, **15** adalese so ka ovel
baro manuš anglo Gospod. Nikad naka pijel mol hem
ništa sostar šaj te mačol pe. Ka ovel pherdo e Svetone
Duhoja pana pe dajaće ano vođi. **16** Bute Izraelconen
ka irini anglo Gospod, anglo lengoro Devel. **17** Ka
džal anglo Gospod sar glasniko ano duho hem ano
zoralipe e prorokosoro e Ilijasoro. Ka mirini e daden
lengere čhavencar hem okolen so na šunena ka irini
nakori mudrost e pravednikonengiri. Ka pripremini e
narodo te oven spremna zako e Gospodesoro aviba."
18 I o Zaharija pučlja e anđeo: "Sar me te džanav da
čače ka ovel adava so phenđan? Me injum purano
hem mli romni da beršali." **19** A o anđeo phenđa
lese: "Me injum o Gavrilo, o anđeo kova terđola anglo
Devel. Ov bičhalđa man te vaćerav tuja hem te anav
će akava šukar lafi. **20** I ače, ka ove laloro, naka šaj te
vaćere sa đi o dive kad adava ka ovel, adalese so na
verujinđan mle lafenđe save ka pherđoven ano pravo
vreme." **21** Sar o anđeo vaćeri ine e Zaharijaja, o
narodo kova adžićerđa avri čudinđa pe so o Zaharija
edobor ačhilo ano Hram. **22** A kad o Zaharija iklilo,
našti ine te vaćeri olencar. Ćerela ine nesar te mothoj
lenđe vastencar, ali ačhilo laloro. O manuša halile da
ole ine vizija ano Hram. **23** Kad pherdile o dive oti
lesiri služba ano Hram, o Zaharija irinđa pe čhere.
24 Na nakhlo but, i lesiri romni i Jelisaveta ačhili
khamni hem pandž masek na iklili avri taro čher.
Phenđa: **25** "O Gospod ćerđa te šaj ačhovav khamni.
Akana mothovđa maje pli milost hem cidinđa mli lađ
anglo manuša." **26** Kad i Jelisaveta inele šofto masek
khamni, o Devel bičhalđa ple anđeo e Gavrilo ki diz
Nazaret ani regija Galileja. **27** Adari valjanđa te legari
o lafi e Marijaće koja pana inele čhaj. Oj inele mangli
e muršese palo anav Josif, kova inele oto pleme e
carosoro e Davidesoro. **28** Kad alo o anđeo, phenđa
e Marijaće: "Radujin tut! O Gospodi tuja! Ovi but
milostivno premala tute!" **29** A i Marija but uznemirinđa
pe zbog e anđeosere lafija, i pučlja pe so šaj te
značini adava pozdrav. **30** A o anđeo phenđa laće:
"Ma dara, Marije! O Devel mothovđa će pli milost! **31**
Ače, ka ačhove khamni hem ka bijane čhave, i ka de
le anav Isus. **32** Ov ka ovel baro hem ka vičini pe
Čhavo e Najbare Devlesoro. O Devel o Gospod ka
del le o presto lesere pradadesoro e Davidesoro. **33**
Ka carujini upro pleme e Jakovesoro zauvek; zako
lesoro carstvo naka ovel kraj." **(aiōn g165)** **34** Tegani i
Marija pučlja e anđeo: "Sar šaj te ovel adava kad
me pana injum čhaj?" **35** A o anđeo phenđa laće:
"O Sveto Duho ka huljel upra tute hem o zoralipe
e Najbare Devlesoro ka učhari tut. Adalese adava
čhavo, kole ka bijane, ka ovel sveto hem ka vičini pe
Čhavo e Devlesoro. **36** Ečе, ti bibi i Jelisaveta da,
ko purane berša, ačhili khamni hem ka bijani murše.
I oj, kolaće sare džande da našti te ačhol khamni,
akanai šov masek khamni. **37** Adalese so o Devel
sa šaj te ćerel!" **38** Tegani i Marija phenđa: "Ače,
sluškinja e Gospodesiri injum. Nek ovel maje palo to
lafi." I o anđeo dželo olatar. **39** Adala dive i Marija
spreminđa pe hem siđarđa ko bregalo krajo, ki jekh
diz ani regija Judeja. **40** Kad resli adari, đerdinđa ko
čher e Zaharijasoro hem pozdravinđa e Jelisaveta.
41 I kad i Jelisaveta šunđa e Marijakoro pozdrav, o
čhavoro oti radost zorale mrdinđa olaće ano vođi, a oj
pherdili e Svetone Duhoja. **42** I bare glasoja phenđa e
Marijaće: "Najblagoslovime injan maškaro đuvlja hem
blagoslovime o čhavoro kole akhareja ano vođi! **43**
Akavai bari čast maje so tu, mle Gospodesiri daj, aljan
kora mande. **44** Adalese so, kad šunđum to pozdrav,
o čhavoro oti radost zorale mrdinđa maje ano vođi. **45**

Luka

1 Poštuime Teofile, ramov tuće zbog godova kaj but džene line te ramon okola događajurja save o Del obećisarda majsigo prekal e prorokurja, a save dogodisajle maškar amende. **2** Von godova ramosardine prema okova so majanglal phendine e očevicurja thaj sluge e Alavešće. **3** Zato vi me odlučisardem Teofile, te ramov tuće sa po redo, pošto pomno sa katar o početko istražisardem, **4** gajda aveja sigurno kaj si okova sikavipe savo primisardan pouzdano. **5** Ande vrjama kana vladilas o Judejsko caro o Irod, sas varesavo rašaj savo akhardolas Zaharije andar e Avijasko rašajesko redo. A lešći romnji sas isto andar e Aronosko pleme. Lako alav sas Jelisaveta. **6** A liduj sas pravedne anglo Del, thaj trajinas sa po zakono thaj pe okova so sas odredime anglo Gospod, bi manako. **7** A nas len čhavra, kaj e Jelisaveta našti ačhelas khamni, a liduj već phurile. **8** Jek đes kana o Zaharija služilas e Devlešće ando Hramo kaj po dužnost avilo o redo kana lešći grupa rašaja trubunas te služin, **9** prema e rašajengo običaj odabirisardine les gajda kaj čhudine e kocka te del ando Svetište e Gospodesko te kadil. **10** Pale vrjama kana kadilas pe ando Hramo, sa o them sas avri thaj molinas pe. **11** A e Zaharijašće sikadilo o anđelo e Gospodesko savo ačhelas pe desno rig e žrtvenikosko katar savo kadilas pe. **12** Kana dikhla les o Zaharije, zurale darajlo. **13** A o anđelo phendas lešće: "Na dara, Zaharija! Kaj si ašundi ćiri molitva: ćiri romnji e Jelisaveta bijanela tuće čhave thaj tu de les alav Jovan. **14** Zbog leste aveja bahtalo thaj radosno thaj e buten raduila lesko bijandipe, **15** kaj avela baro anglo Gospod. Či pijela mol niti pimo savo matarel. Pherdola e Sveto Duhosa još ando đi pire dejako. **16** Vo boldela e but Izraelconen e Gospodešće lenđe Devlešće. **17** Džala anglo Gospod sago glasniko pherdo duho thaj sila, sago o proroko Ilija. Pomirila e daden lenđe čhavenca a e nepokorne umurja boldela gajda te prihvatin o razumnost okolengo save si pravedne. Pripremila e theme pale e vrjama kana o Gospod avela." **18** A o Zaharija phendas e anđelošće: "Sar me džanava kaj godova avela čače? Kaj me sem purano thaj e romnji mungri dija ande pire purane brš." **19** A o anđelo phendas lešće: "Me sem o anđelo Gavrilo, savo ačhav anglo Del te služiv thaj bičhaldo sem te ćerav svato tusa thaj te javiv tuće akaja bahtali nevimata. **20** A akana andar godova kaj či paćajan zanemija thaj našti ćereja svato dži ko đes dok či avel e vrjama pale godova thaj mungre alava či pherdon." **21** A o them ažućarelas avri e Zaharija thaj začudisajle so gaći zadržisajlo ando svetište e Hramosko. **22** A kana napokon inljisto, našti ćerelas svato, nego e znakonenca probisarda te phenel lenđe so sas ando Hramo thaj von haćardine kaj sas les viđenje ando svetište e Hramosko. **23** Thaj kana završisajle e đesa lešće službaće ando Hramo o Zaharije đelotar ćhere. **24** A posle godola đesa, lešći romnji e Jelisaveta ačhili khamni thaj pandž čhon či inkljelas avri andar piro ćher thaj motholas: **25** "O Gospod milostivo dikhla pe mande kaj fuljardas mandar o ladžavo anglo them." **26** Kana e Jelisaveta sas khamni šov čhon, o Del bičhaldas e anđele Gavrilo ando cikno galilejsko gav savo akhardolas Nazaret, **27** ke Marija savi sas još čhej thaj sas mangli palo manuš, savo akhardolas Josif, savo sas potomko e carosko Davidosko. **28** Kana o anđelo dijas late andre phendas laće: "Raduisar tut, kaj o Del si pherdo milosti prema tute! O Gospod si tusa." **29** Pe godola alava e Marija uznemirisajli thaj počnisarda te gindil so značil godova pozdrav. **30** A o anđelo phendas laće: "Na dara Marija! Kaj o Del iskažisardas tuće piri ljubav." **31** Ake ačheja khamni thaj bijaneja čhave saves deja alav Isus. **32** Vo avela baro thaj akhardola Čhavo e Majbare Devlesko thaj o Gospod Del dela les autoriteto te vladil sago o caro David savo sas lesko prapapo. **33** Vo vladila e Jakovešće plemenova dži ko veko thaj lešće carstvošće či avela krajo. **(aiōn g165)** **34** A e Marija phendas e anđelošće: "Sar godova avela kana sem još čhej?" **35** A o anđelo phendas laće: "O Sveto Duho fuljela pe tute thaj e sila e Majbare Devlešći avela pe tute thaj zasenila tut. Zato vi okova savo bijandola avela sveto thaj akhardola o Čhavo e Devlesko. **36** Ake vi ćiri bibi e Jelisaveta, ačhili khamni ande piri purani vrjama thaj avela lat čhavo. Okoja isto manušnji pale savi phenenas kaj našti avel lat čhavra, već si šov čhon khamni. **37** Kaj, e Devlešće khanči naj nemoguće!" **38** A e Marija phendas lešće: "Ake, sluškinja sem e Gospodešći, neka avel manđe pe ćire alava." Thaj o anđelo đelotar latar. **39** Varesave đesa majposle e Marija siđardas ande gorsko krajo e Judejako. **40** Kana aresli okote dija ande Zaharijasko ćher thaj pozdravisajli e Jelisavetava. **41** Kana e Jelisaveta ašunda e Marijako pozdrav, o čhavro huklo ando lako đi, a e Jelisaveta pherdili e Sveto Duhosa. **42** Pale godova e bahtatar čhuta muj e bare glasosa: "Majblagoslovime san tu, Marijo, katar sa e manušnja thaj blagoslovime o čhavro ande ćiro đi. **43** Savi čast si man, te tu e dej mungre Gospodešći aves mande! **44** Kaj ake čim ćiro pozdrav avilo dži ke

Luka

1 Mangleja Teofile, sar so džane, but džene lije te pisin tare kova so sasa, so o Dol obećisada prekale prorokura, a ćerdilo maškar amende. **2** Pisisade amenđe kola save korkore dikhlje vadži tare anglune đivesa thaj ćerdile sluge e Devlese Lafese, **3** gija i me, mangleja Teofile, tuće pisiv sa redasa, golese so sa taro anglunipe ispitujisadem, **4** te šaj ave uverimo kaj si čačipe kova so sikade tut. **5** Kana sasa o Irod caro ani Judeja, nesavo manuš savo akhardola Zaharija sasa svešteniko tare Avijineso redo. Lesi romni sasa tari kuštik e Aaronesi thaj akhardola Jelisaveta. **6** Solduj džene sesa čačutne anglo Dol thaj živisade pale zapovestura thaj palo Zakon e Gospodeso bizo nisavo bilačhipe. **7** Al len ni sesa čhave, golese kaj i Jelisaveta naštine te ačhol khamni, a solduj džene sesa već purane. **8** Jekh đive, o Zaharija služisada e Devle ano Hram golese kaj palo dužnost sasa leso redo, **9** golese so, palo adeti e svešteniku rengo birisade le kockasa te džal ano Hram e Gospodeso te kadil. **10** Kana o Zaharija dija ano Hram te kadil, but manuša molisajle avral. **11** Tegani e Zaharijase sikadilo o anđelo e Gospodeso savo ačhilo ki desno rig taro žrtveniko e kadimaso. **12** Kana o Zaharija dikhlja le, uznemirisajlo thaj but darajlo. **13** Al o anđelo vaćarda lese: "Ma dara, Zaharije! Ćiri molitva sasa šundi. Ćiri romni i Jelisaveta ka bijanol murše thaj tu ka de le alav Jovan. **14** Tu ka ave radosno thaj baxtalo thaj but džene ka aven blagoslovime lese bijandimasa, **15** golese kaj vov ka avol baro anglo Gospod. Nikad ni ka pijol mol ni zuralo pijipe. Vov ka pherdol e Svetone Duxosa dok si ano vođi pe dako. **16** O Jovane bute Izraelcuren ka iril anglo Gospod, angle lengo Dol. **17** Vov ka džal anglo Gospod sar glasniko ano Duxo thaj ano zuralipe e prorokoso e Ilijaso. Ka miril e ile e dadenđe premale e čhave thaj ka iril kolen save ni šunen ano gođaveripe e pravednikurengo. Sa kava ka ćerol te pripremil e manušen te šaj aven spremna e Gospodese avimase." **18** O Zaharija vaćarda e anđelose: "Pale soste me gova ka džanav? Golese kaj sem purano thaj mingri romni si bute beršenđi." **19** O anđelo phenda lese: "Me sem o Gavrilo, o anđelo savo ačhol anglo Dol. Bičhaldo sem te vaćarav tuće kava lačho lafi. **20** Akh, ka ave laloro thaj ni ka vaćare dži gova đive dži kaj sa gova ni ćerdol, golese so ni pačajan ane mingre lafura save ka pherdon ano pravo vreme." **21** E manuša ađućarde e Zaharija thaj čudisajle sose gaći majisajlo ano Hram. **22** Al kana o Zaharija iklilo, naštine te vaćarol. Vov dija len znakura golese kaj sasa laloro. Gija e manuša haljarde kaj sasa le vizija ano Hram. **23** Kana nakhle e đivesa lese služimase ano Hram, o Zaharija đelo čhere. **24** Pale kala đivesa i Jelisaveta lesi romni ačhili khamni thaj ni iklili avral taro čher pandž čhon. **25** Golese i Jelisaveta vaćarda: "Gija ćerda manđe o Gospod! Ane kala đivesa sikada manđe po milost thaj uljarda mandar i ladž maškare manuša kaj ni sasa man čhave." **26** Kana i Jelisaveta sasa šovto čhon khamni, o Dol bičhalda e anđelo e Gavrilo ano Galilejsko foro o Nazaret **27** ki čhej i Marija savi sasa mangli romese e Josifese savo sasa tari kuštik e carosi e Davidesi. **28** Kana o anđelo o Gavrilo avilo late, phenda: "Av radosno, tu so arakhljan milost. O Gospod si tusa. [Blagoslovimi san maškare džuvlja!]" **29** I Marija but darajli tare lese lafura thaj dija gođi savo sasa kava pozdrav. **30** Al o anđelo o Gavrilo phenda laće: "Ma dara, Marijo! Golese kaj arakhljan milost anglo Dol. **31** Akh, ka ače khamni, ka bijane čhave thaj ka de le alav Isus. **32** Vov ka avol baro thaj ka akhardol Čhavo e Embare Devleso. O Gospod o Dol ka dol le o presto lese paradadeso e Davideso. **33** Vov ka carujil ane kuštika e Jakovese ane sa e đivesa thaj lese carstvose ni ka avol krajo." **(aiōn g165)** **34** Tegani i Marija pučlja e anđelo: "Sar ka avol gova kana sem me vadži čhej?" **35** O anđelo o Gavrilo vaćarda laće: "O Sveto Duxo ka avol pe tute thaj o zuralipe e Embare Devleso ka učharol tut. Golese kaj o čhavoro so ka bijandol ka avol sveto thaj ka akhardol Čhavo e Devleso. **36** Akh, i ćiri bibi i Jelisaveta ačhili khamni ane purane berša thaj ka bijanol murše. E manuša vaćarde kaj voj naštine te ačhol khamni, al akana si šov čhon khamni. **37** Golese kaj o Dol šaj te ćerol sa so phenol!" **38** I Marija phenda: "Ake, me sem sluškinja e Gospodesi. Nek avol manđe palo ćiro lafi!" Thaj o anđelo đelo latar. **39** Pale gola đivesa i Marija spremisajli thaj siđarda ani bregali phuv ano foro e Judejako. **40** Kana resli odori, đeli ano čher e Zaharijaso thaj pozdravisajli e Jelisavetasa. **41** Kana i Jelisaveta šunda e Marijako pozdrav, čhelda o čhavo ane lako vođi thaj i Jelisaveta pherdili Svetone Duxosa. **42** Andare sa o glaso vaćarda e Marijaće: "Emblagoslovimi san maškare sa e džuvlja thaj blagoslovimo si o čhavo ane ćiro vođi. **43** Kotar manđe kava čast kaj tu, i dej mingre Gospodesi, aviljan ke mande? **44** Golese dikh, kana šundem ćiro pozdrav, taro radost čhelda o čhavoro ane mingro vođi. **45** Blagoslovimi san tu so pačajan kaj ka pherdol kova so vaćarda tuće o Gospod!" **46** Tegani i Marija vaćarda: "Slavil mingri duša e

Aionian Bible
Proofing page
Intentionally blank

Лукастар

1 Кана бут ко манушэндар ачиле тэ зачинэ дума пала кода, со стердапэ машкар амэн, **2** и сар амэнди розпхэндэ мануша, савэ англунэ дивэндар дыкхле кода, со сля, тай терэнас бути важ Дэвлэхкэрэ Лавэ, **3** тунчи и манди, пативало Феофило, авиля пэ гындо тэ розлэпэ дэ кодэлэ, со стердапэ англунэ дивэндар, тай екх пала аврэ тэ чинэ тути, **4** соб ту тэ полэх, пэ скици исин чячюно сикляримо, саво ту прылилян. **5** Дэ кодыя вряма, кала Иродо сля тхагари дэ Иудея, джювда екх рашай, саво вджялас дэ рашаенгири группа, тев сля пхурэдэрэґа Авии. Лэ аххарэнас Захария, тай лэхкиря ромняґа сля Елизавета, манушни Ааронохкэрэ родостар. **6** Вонэ лэдуй сле дэвликунэ мануша, и лэнгоро джювимо сля бидошакоро. И вонэ джювдэ пав Дэвлэ Раехкэрэ заповеди и пав дума Дэвлэхкири. **7** Лэндэ на сля чяворэн, колэсти со Елизаветатэ на выджялас тэ авэ пхаряґа, и вонэ лэдуй сле дэ пуранэн бэршэн. **8** Екхвар поджиля вряма Захариясти рашаенца тэ лиджя бути англа Дэвлэ. **9** Сар прылито сля рашаендэ, вонэ чутэ жребии, касти тэ джя дэ храмо, тай Захариясти выпэля тэ заджя дэ храмо Раехкоро и тэ ваздэ тхув. **10** Дэ кодыя вряма, кала Захария ваздэлас тхув дэ храмо, всавэрэ мануша мангэнаспэ аври, дэ грэда. **11** Тунчи сикавдапэ Захариясти Раехкоро ангело, пав чячи риг жэртвенникостар, пэ савэ ваздэнас тхув Дэвлэсти. **12** Кала Захария удыкхля ангело, дэня пэ лэстэ дар, и затинисиля даратар лэхкоро їло. **13** Ангело пхэнда лэсти: — На дар, Захария! Шунда Дэвэл мангимо тиро, тай ромни тири, Елизавета, бэнёла тути чявэ, и дэґа лэсти лав Иоанно. **14** Тиро їло авэла бахтало баря лошатар, и Иоаннохкэрэ бэнимасти лошавэна бут мануша. **15** Авэла вов барэ манушґа англа Рае: на пэла мол и мортхали тай Свэнтонэ Фаноґа авэла пхэрдо инте тала дакэрэ їлэ. **16** Бутэн манушэн дэ Израили вов рисарэла Раестэ, лэнгэрэ Дэвлэстэ. **17** Вов джяла англа Рае, тай Ильяхкэрэ фано и зор авэна пэ лэстэ, и вов рисарэла дадэнгэрэ їлэ лэнгэрэ чярэндэ, тай накандунэн рисарэла свэнтонэ годятэ, тай лачярэла манушэн, соб тэ авэн вонэ англа Дэвлэ. **18** Захария пхэнда ангелости: — Сар манди тэ патя кадэлэсти? Мэ пхуро, тай ромни мури дэ пуранэн бэршэн. **19** Ангело пхэнда лэсти: — Мэ Гавриило, саво ачел англа Дэвлэ, тай бичалдо тэ дэдумэ туґа и тэ розпхэнэ тути пала када вса. **20** Акэ, ту авэґа лало и ни екх лав на пхэнэґа ды кодэлэ, сар вса стерэлапэ. Кодэлэсти со ту на патинян мурэ лавэсти, пав савэ стерэлапэ вса дэ пэхкири вряма. **21** А мануша дожутярэнас Захария аври тай на полэнас, сости вов на выджял храмостар скици вряма. **22** Кала вов выджиля храмостар, тунчи на сґалювда тэ выпхэнэ ни екх лав, нэ кици сикавэлас вастэнца, сар лало. Тунчи мануша полиле, со Дэвэл сикавда лэсти вари-со дэ храмо. **23** Ай кала проджиля лэхкири вряма тэ лиджя бути дэ храмо, Захария рисиля цэрэ. **24** Проджиля набут вряма, и Елизавета, ромни лэхкири, ачиля пхари тай гаравэласпэ манушэндар панч чён. **25** Тай пхэнэлас: — Со терда манца Рай? Вздыкхляпэ пэ ман! И слиля ладжявимо мандар англа манушэн! **26** Пэ шовто чён, сар Елизавета ачиля пхари, ангело Гавриило сля бичалдо Дэвлэстар дэ форо Назарето, саво ачел дэ пхув Галилея, **27** чятэ, савя акхарэнас Мария, пала савя дэне лав тэ отдэ ла пала Иосифо Давидохкэрэ родостар. **28** Ангело авиля латэ тай пхэнда: — Лошав, бахтали! Рай исин туґа! **29** Вой на полиля, со када терэлпэ тай сар тэ полэ лэхкэрэ лава. **30** Ангело пхэнда лати: — На дар, Мария! Дэвэл дэня тути бахт бари! **31** Акэ, ту авэґа пхари тай бэнёґа Чяворэ, и дэґа Лэсти Лав Исусо. **32** Вов авэла баро, тай Лэ авэна тэ акхарэ Барэдэрэхкоро Чяво. Дэвэл Рай дэла Лэсти троно, пэ савэ бэшэлас тхагари Давидо, дад Лэхкоро. **33** И авэла Вов Тхагари дэ родо Иаковохкоро, и Тхагаримо Лэхкоро никала на пэрэачела. **(aiōn g165)** **34** Мария пхучля ангелостар: — Сар откада вса авэла, кала мэ чей и муршэ на джянав? **35** Ангело пхэнда лати: — Свэнто Фано сджяла упрал пэ тут, и зор Барэдэрэхкири ушарэла тут. И кодэлэсти Свэнто, Саво бэнёлапэ, акхарэлапэ Дэвлэхкэрэ Чявэґа. **36** Акэ и Елизавета, тирэ родостар, пэ савя пхэнэнас «бичяворэнгири», шовто чён, сар ачиля пхари дэ пуранэн бэршэн. **37** Акэ, важ Дэвлэ нэнай нисо, соб Вов тэ на стерэл! **38** Тунчи Мария пхэнда: — Дэвэл — муро Хулай, мэк авэла вса, сар ту пхэндан. Тай отджиля латар ангело. **39** Проджиля набут вряма, и Мария стидэняпэ тай сигэдэр джиля дэ форо Иудеенгоро, саво ачелас машкар плаен. **40** Тай авиля дэ цэр Захариястэ и наисардапэ Елизаветаґа. **41** Кала Елизавета шунда лакэрэ лава, подхукля чяворо тала лакэрэ їлэ, и пэ Елизавета сджиля Свэнто Фано. **42** Вой ваздэня пэхкоро ґласо тай пхэнда: — Бахтали ту машкар джювлен, тай бахтало Чяворо, Савэ ту пхиравэх тала тирэ їлэ! **43** Пала со манди кадыя бахт, со авиля мандэ Мурэ Раехкири дэй?

Mateos

1 Susura ia dui soal Yesus Kristus, Atahori
fo Lamatualain helu-fuli mema' eni' a ma'
ahulun fo nae haitua nema' a. Eni, mane Daud
no ba'i Abraham tititi-nonosin. Reken mia ba'
i Abraham losa mane Daud, hambu bei-ba'i'
sanahulu haa. Bei-ba'i' naa ra tutungga nara, ta'
o ia: Abraham anan Isak, Isak anan Yakob Yakob
anan Yahuda no od'i-a'a nara, **3** Yahuda anan
Peres no Sera (sira inan, naran Tamar), Peres
anan Hesron, Hesron anan Ram, **4** Ram anan
Aminadab, Aminadab anan Nahason, Nahason
anan Salmon, **5** Salmon anan Boas (Eni inan
naran Rahab), Boas anan Obet (eni inan, naran
Rut), Obet anan Isai, **6** Isai anan Daud. Mia
Daud losa lele' atahori Isra'el ra nenenggari'
risi' Babel, hambu bei-ba'i' sanahulu haa fai,
naeni: Daud anan Soleman (eni inan naa, fe'
esa'an Uria saon). Soleman anan Rehabeam,
Rehabeam anan Abia, Abia anan Asaf, Asaf anan
Yosafat, Yosafat anan Yoram, Yoram anan Usia,
Usia anan Yotam, Yotam anan Ahas, Ahas anan
Heskia, Heskia anan Manase Manase anan Amos,
Amos anan Yosias, Yosias anan Yekonya no od'i
nara lele' ara nenenggari' mia Babel. **12** Lele'
ara nenenggari' mia Babel losa Yesus, hambu
bei-ba'i' sanahulu haa fai, naeni: Yekonya anan
Sealtiel, Sealtiel anan Serubabel, Serubabel
anan Abihut, Abihut anan Elyakim, Elyakim
anan Asor, Asor anan Sadok, Sadok anan Akim,
Akim anan Eliut, Eliut anan Eliasar, Eliasar anan
Matan, Matan anan Yakob, ma Yakob anan
Yusuf. Yusuf ia, sao Maria. Maria mana bonggi
Yesus Kristus. **17** Dad'i eni' a mia Abraham losa
Daud, hambu bei-ba'i' sanahulu haa; mia Daud
losa ara nenenggari' risi' Babel hambu bei-ba'i'
sanahulu haa; boe ma mia Babel losa bonggi
Kristus, hambu bei-ba'i' sanahulu haa boe. **18**
Maria bonggi Yesus naa, dud'uin ta'o ia: Maria
no Yusuf nenehengge-nee basa' ena. Ru'a se
nda fe'e sunggu' ra'ab'ue ona' masao' ra sa, te
tao-tao te Maria nairu mia Lamatualain Dula-d'
ale Meumaren ena. **19** Lele' Yusuf nahine, boe
ma ana nae no'e na'etu' sira ru'a se ne'eb'ue
nara. Te ana nda nau tao na'amamae' Maria sia
atahori hetar matan sa, huu ralan meumare'
. De ana nae na'etu' no neenee' a. **20** Boe ma
tetemba' sa, lele' ana fe'e du'a neu-nema, ma
nalamein. Sia meit naa, nita Lamatualain aten
mia sorga nema nafad'e nae, "Wee, Yusuf! Ho
ia, mane Daud tititi-nonosin. Afi' mumutau sao
mala Maria. Te ana' mana sia tein rala naa,
mia Lamatualain Dula-dalen. **21** Dei fo, Maria
bonggi ana tou' esa. Ho musi bab'ae naran,
Yesus, te dei fo Eni mana fee masoi-masod'
a' neu Lamatualain atahori nara mia sala-kilu
nara." **22** Dei fo dala' ia dad'i ta'o naa, huu
Lamatualain nafad'e basa eni' a lele ulu' a. Ana
pake mana ola-olan Yesaya de sura' nae, **23**
"Hei rena, o! Hambu ana feto' sa fe'e nda sao
sa, te tao-tao te mairu' ena. De ana bonggi Ana
tou' sa. Ara bab'ae naran, Imanuel." (Sia ded'ea
Ibrani, 'Imanuel' sosoan: Lamatualain na'ab'ue
no nggita.) **24** Yusuf nalamein basa, boe ma ana
fela. Ma ana tungga Lamatualain hehelu-fufulin
neu' ena. Ana ha'i nala Maria dad'i saon, **25** te
ana nda sunggu' no Maria sa losa ana bonggi.
Ana bonggi basa ma, Yusuf bab'ae ana' naa
naran, Yesus.

2 Lele' bonggi Yesus mia kambo Betlehem sia
profinsi Yudea, mane Herodes to'u parenda'.
Lele' naa, hambu atahori hira mia mamana dod'
oo' sia langgan rulu rema risi' kota Yerusalem.
Sira, atahori mana rahine mete nduu'. **2** Lele'
ara losa Yerusalem, ara ratatane reu-rema rae,
"Atahori Yahudi ra manen fo fe'e neneb'onggi'
a, sia bee, e? Hai mita nduu' sa sia langgan rulu,
mana fee tatanda' nae, bonggi E ena. Naeni
de hai ima mae be'utee neu E." **3** Lele' mane
Herodes rena o'ola nara, ma ralan liuali. Naa
de basa atahori sia Yerusalem ra o ramed'a
ta'o naa boe. **4** Basa ma, mane Herodes na'
ab'ue nala basa malangga agama Yahudi ra ro
meser agama ra, de natane se nae, "Hei mifad'e
sob'a au dei! Kristus fo, Lamatualain helu-fuli
mema' a, neneb'onggi' sia bee, e?" **5** Ma rataa
rae, "Sia kambo Betlehem, sia profinsi Yudea,
ama mane'. Huu Lamatua' mana ola-olan Mika
sura' mema' mia dalahulun ta'o ia: **6** 'We, hei
atahori Betlehem, mana sia profinsi Yudea re.
Afi' du'a mae, hei kambom naa, kambo ana' nda
na'ena sosoa-ndandaa' sa. Huu dei fo hambu
atahori moko-monaen sa mia naa nema. Dei fo
Ana dad'i manatad'a soa' neu Au atahori Isra'
el ngga ra.'" **7** Rena basa ta'o naa ma, mane
Herodes no'e nee-nee nala atahori mana mete
rahine nduu' ra. De natane se, sira rita nduu'
naa sou sia lalai a eni bees. Ma ara rafad'e e. **8**
Boe ma ana denu se Betlehem reu. Nafad'e se

От Матфея

1 Родословие Иисуса Христа, Сына Давидова, Сына Авраамова. **2** Авраам родил Исаака; Исаак родил Иакова; Иаков родил Иуду и братьев его; **3** Иуда родил Фареса и Зару от Фамари; Фарес родил Есрома; Есром родил Арама; **4** Арам родил Аминадава; Аминадав родил Наассона; Наассон родил Салмона; **5** Салмон родил Вооза от Рахавы; Вооз родил Овида от Руфи; Овид родил Иессея; **6** Иессей родил Давида царя; Давид царь родил Соломона от бывшей за Уриею; **7** Соломон родил Ровоама; Ровоам родил Авию; Авия родил Асу; **8** Аса родил Иосафата; Иосафат родил Иорама; Иорам родил Озию; **9** Озия родил Иоафама; Иоафам родил Ахаза; Ахаз родил Езекию; **10** Езекия родил Манассию; Манассия родил Амона; Амон родил Иосию; **11** Иосия родил Иоакима; Иоаким родил Иехонию и братьев его, перед переселением в Вавилон. **12** По переселении же в Вавилон Иехония родил Салафииля; Салафиил родил Зоровавеля; **13** Зоровавель родил Авиуда; Авиуд родил Елиакима; Елиаким родил Азора; **14** Азор родил Садока; Садок родил Ахима; Ахим родил Елиуда; **15** Елиуд родил Елеазара; Елеазар родил Матфана; Матфан родил Иакова; **16** Иаков родил Иосифа, мужа Марии, от Которой родился Иисус, называемый Христос. **17** Итак всех родов от Авраама до Давида четырнадцать родов; и от Давида до переселения в Вавилон четырнадцать родов; и от переселения в Вавилон до Христа четырнадцать родов. **18** Рождество Иисуса Христа было так: по обручении Матери Его Марии с Иосифом, прежде нежели сочетались они, оказалось, что Она имеет во чреве от Духа Святаго. **19** Иосиф же муж Ее, будучи праведен и не желая огласить Ее, хотел тайно отпустить Ее. **20** Но когда он помыслил это, - се, Ангел Господень явился ему во сне и сказал: Иосиф, сын Давидов! не бойся принять Марию, жену твою, ибо родившееся в Ней есть от Духа Святаго; **21** родит же Сына, и наречешь Ему имя Иисус, ибо Он спасет людей Своих от грехов их. **22** А все сие произошло, да сбудется реченное Господом через пророка, который говорит: **23** се, Дева во чреве приимет и родит Сына, и нарекут имя Ему Еммануил, что значит: с нами Бог. **24** Встав от сна, Иосиф поступил, как повелел ему Ангел Господень, и принял жену свою, **25** и не знал Ее. Как наконец Она родила Сына Своего первенца, и он нарек Ему имя Иисус.

2 Когда же Иисус родился в Вифлееме Иудейском во дни царя Ирода, пришли в Иерусалим волхвы с востока и говорят: **2** где родившийся Царь Иудейский? ибо мы видели звезду Его на востоке и пришли поклониться Ему. **3** Услышав это, Ирод царь встревожился, и весь Иерусалим с ним. **4** И, собрав всех первосвященников и книжников народных, спрашивал у них: где должно родиться Христу? **5** Они же сказали ему: в Вифлееме Иудейском, ибо так написано через пророка: **6** и ты, Вифлеем, земля Иудина, ничем не меньше воеводств Иудиных, ибо из тебя произойдет Вождь, Который упасет народ Мой, Израиля. **7** Тогда Ирод, тайно призвав волхвов, выведал от них время появления звезды **8** и, послав их в Вифлеем, сказал: пойдите, тщательно разведайте о Младенце и, когда найдете, известите меня, чтобы и мне пойти поклониться Ему. **9** Они, выслушав царя, пошли. И се, звезда, которую видели они на востоке, шла перед ними, как наконец пришла и остановилась над местом, где был Младенец. **10** Увидев же звезду, они возрадовались радостью весьма великою **11** и, войдя в дом, увидели Младенца с Мариею, Матерью Его, и, пав, поклонились Ему; и, открыв сокровища свои, принесли Ему дары: золото, ладан и смирну. **12** И, получив во сне откровение не возвращаться к Ироду, иным путем отошли в страну свою. **13** Когда же они отошли, - се, Ангел Господень является во сне Иосифу и говорит: встань, возьми Младенца и Матерь Его и беги в Египет, и будь там, доколе не скажу тебе, ибо Ирод хочет искать Младенца, чтобы погубить Его. **14** Он встал, взял Младенца и Матерь Его ночью и пошел в Египет, **15** и там был до смерти Ирода, да сбудется реченное Господом через пророка, который говорит: из Египта воззвал Я Сына Моего. **16** Тогда Ирод, увидев себя осмеянным волхвами, весьма разгневался и послал избить всех младенцев в Вифлееме и во всех пределах его, от двух лет и ниже, по времени, которое выведал от волхвов. **17** Тогда сбылось реченное через пророка Иеремию, который говорит: **18** глас в Раме слышен, плач, и рыдание, и вопль великий; Рахиль плачет о детях своих и не хочет утешиться, ибо их нет. **19** По смерти же Ирода, - се, Ангел Господень во сне является Иосифу в Египте **20** и говорит: встань, возьми Младенца и Матерь Его и иди в землю Израилеву, ибо умерли искавшие души Младенца. **21** Он встал, взял Младенца и Матерь Его и пришел в землю Израилеву. **22** Услышав же, что Архелай царствует в Иудее вместо Ирода, отца своего, убоялся туда идти; но, получив во сне откровение, пошел в пределы Галилейские **23** и, придя, поселился в городе, называемом Назарет, да сбудется реченное через пророков, что Он Назореем наречется.

Mathayo

1 Ishitabu ishashikholo isha Yesu Klisiti umwana
wa Daudi, umwana wa Ibrahimu. **2** U Ibrahimu
ahali yise wa Isaka, Uisaka ahali yise wa Yakobo, u
Yakobo ahali yise wa Yuda na bhaholo bhakwe. **3**
U Yuda ahali yise wa Peresi nu Sera hwa Tamari,
Peresi yise wa Hezeroni, u Hezeroni yise wa Ramu.
4 U Ramu ahali yise wa Aminadabu, u Aminadabu
ahali yise wa Nshoni, u Nashoni yise wa Salimoni. **5**
U Salimoni ahali yise wa Boazi hwa Rahabu, u Boazi
yise wa Obedi hwa Ruth, U Obedi yise wa Yese, **6** u
Yese ahali yise wa mfalume u Daudi. U Daudi ahali
yise wa Sulemani hwa nshi wa Uria. **7** Usulemani
ahali yise wa Rehoboamu, u Rehoboamu yise wa
Abiya, u Abiya yise wa Asa. **8** U Asa ahali yise wa
Yehoshafati, u Yehoshafati yise wa Yoramu, u Yoramu
yise wa Uzia. **9** U Uzia ahali yise wa Yothamu, u
Yothamu yise wa Ahazi, u Ahazi yise wa Hezekia.
10 U Hezekia ahali yise wa Manase, u Manase yise
wa Amoni u Amoni yise wa Yosia. **11** U Yosia ahali
yise wa Yekonia na kaka bhakwe lwebhahegwaga
abhale hu Babeli. **12** Baada ya hwegwe abhale hu
Babeli, u Yekonia ahali yise wa Shatieli, u Shatieli
ahali mwizukulu wa Zerubabeli. **13** u Zerubabeli ahali
yise wa Abiudi, u Abiudi yise wa Eliakimu, u Eliakimu
yise wa Azori. **14** U Azori ahali yise wa Zadoki,
u Zadoki yise wa Akimu u Akimu yise wa Eliudi.
15 U Eliudi ahali yise wa Elieza, u Elieza yise wa
Matani u Matani yise wa Yakobo. **16** U Yakobo ahali
yise wa Yusufu unume wa Mariamu, yehwamwene
u Yesu ahapapwilwe, yahwitwa Klisiti. **17** Impapo
zyonti afume hwa Ibrahimu hadi hwa Daudi zyahali
impapo kumi na nne, afume hwa Daudi hadi hwegwe
abhale hwa Babeli impapo kumi na nne, na afume
ahwegwe afume hu Babeli hadi hwa Klisiti impapo
kumi na nne. **18** Apapwe hwa Yesu Klisiti hwahali ishi.
Unyina wakwe u Mariamu, ahazinjiwilwe nu Yusufu,
ishi shebhasili alolane ahaloleshe aje alinivyanda hwa
mpepo umfinjile. **19** Unume wakwe u Yusufu, ahali
muntu wi lyoli zaga ahauzaga hukenyesye hubhantu.
Ahamuye ahwimilisye husili. **20** Nahasibhaga ahusu
amamba iga, uwantumi uwa ngumbhi ahamfumiiye
hunjozi, ahaga, “Yusufu mwana wa Daudi, usahogope
humweje u Mariamu unshi waho pipo ulwanda lwali
nalwo lufumiline nu Mepo umfinjile. **21** Abhapape
umwana unsahala ubhalunkwize itawa lyakwe yu
Yesu, papo anzahubhokole abhantu bhakwe ni dhambi
zyabho.” **22** Gonti gahafumiye aje nkezibhombeshe
zyezyayangwile nu gosi hwidala lya kuwa aje, **23**
“Enya, u bikira ahayibha ni vyanda ahayipapa umwana
uwishilume itawa lyakwe abhahukwizye yu Imanueli”
— imaana yakwe, “Ungulubhi ali natwi.” **24** U
Yusufu ahadamushe mutulo na bhombe ndeshe
abhantumi ngosi she bhahamuzizye na ahamwejile
unshi wakwe. **25** Hata shinisho, sagahagonile nawo
mpaka lwahapapa umwana uwishilume ahankwizya
itawa lyakwe yu Yesu.

2 Baada ya Yesu apapwe Mubethelehem iya
Huuyahudi hu nsiku izya mwene u Herode,
abhantu bhebhazizye afume humashariki iya patali
bhahafishile hu Yerusalemu bhahaga, **2** “Ali hwoshi
yapapilwe umwene wabhayahudi? Tahayilolile inzota
ya humashariki nati tinzile humpute.” **3** Umwene u
Herode la ahumvwa iga ahalalamushe ni Yerusalemu
youti peka nu mwene. **4** Uherode ahabhabhunginye
agosi bhaadimi bhonti na asimbi bha bhantu,
ahabhabhuzya, “Klisiti abhapapwe hwi?” **5** Bhamuzya,
“Hu Bethelehemu iya Huyahudi, ishi sheyahasimbilwe
na akuwa, **6** Naawe Bethelehemu, munsi iya Yuda,
siga ndodo peka na alongozi abha hu Yuda, pipo
afume huliwe abhahwinze umwene yahayibhadima
abhantu bhani abha Israeli.” **7** Isho u Herode
ahabhakwizye bhala abhazyi hu siri na hubhabhuzye
aje habhalilizyo bhuli inzota iloleshe. **8** Ahabhatuma
hu Bethelehemu, ahaga, “Bhalaji na hwenyelezye
mumwanze umwana ya papilwe. Nkemwanola
mundetele ihabari aje nani nkininze humpute.” **9**
Baada ya manye aje bhamwimvwizye umwene
bhahendeliye ashule, ni mota ila yebhahayilolile
humashariki yahabhalongoleye mpa lweyahimilila
pala pa mwanya umwana ahapapilwe pansi yakwe.
10 Lwe bhahayilola inzota bhahashiye hani. **11**
Bhahinjiye munyumba nahunole umwana yapapilwe
nu Mariamu unyina wakwe. Bhamwinamiye na
humpute. Bhahiguye ivintu vyabho nahumfumizye
izawadi zyabho izahabu nu uvumba ni manemane. **12**
U Ngulubhi ahabhasoshile mndoto aje bhasahawele
hwa Herode, kwa hiyo bhahasoguye abhale hunsi
yabho hwidala ilyinji. **13** Baada ya sogole abhantumi
bha Ngulubhi bhahamfumiye u Yusufu hunjozi
ahadamushe, “Ua, humweje umwana nu nyina wakwe
nu mwana na ahashimbiliye hu Misri. Mukhale
hunuhwo mpaka lwe nahayibha bhuzya pipo u
Herode ahumwana ili agoje. **14** Nunsiku u Yusufu
ahadamusha na humweje umwana nu nyina wakwe
ashimbilile Humisri. **15** Ahakhiye uhwo mpa u Herode
nahafwa. Izi zyahafishiye shila Ungulubhi shahayinje
ashilile hwa nkuwa, “Afume humisri inkwizizye mwana
wani.” **16** U Herode, laahalola bhansufizye na bhantu

Matthew

1 Hi ngei hih Abraham jâisuon, David jâisuon Jisua Khrista richibulngei an ni. **2** Abraham renga Rêng David tena, anuoia anghin richibulngei hah adônin mintâng ani: Abraham'n Isaac a neia, Isaac'n Jakob a neia, Jakob'n Judah le a lâibungngei a neia; hanchu Judah'n Perez le Zerah a nei ngeia, (an nu chu Tamar ani) Perez'n Hezron a neia; Hezron'n Ram a neia, Ram'n Amminadab a neia, Amminadab'n Nahshon a neia; Nahshon'n Salmon a neia; Salmon'n Boaz a neia, (a nu chu Rahab ani) Boaz'n Obed a neia, (a nu chu Ruth ani) Obed'n Jesse a neia; Jesse'n Rêng David a nei ani. **6** David zora renga Israel mipui ngei Babylon suoka intânga an om tena anuoia anghin an richibulngei hah adônin mintâng ani: David'n Uriah lômnu leh Solomon a neia; Solomon'n Rehoboam a neia; Rehoboam'n Abijah a neia; Abijah'n Asa a neia; Asa'n Jehoshaphat a neia; Jehoshaphat'n Jehoram a neia; Jehoram'n Uzziah a neia; Uzziah'n Jotham a neia; Jotham'n Ahaz a neia; Ahaz'n Hezekiah a neia; Hezekiah'n Manasseh a neia; Manasseh'n Amon a neia; Amon'n Josiah a neia; Josiah'n Jehoiachin le a lâibungngei a nei ngei ani. **12** Hanchu, Babylon suoka an intâng suonûk renga Jisua suok tena hi anuoia angin richilbulngei adônin mintâng ani: Jehoiachin'n Shealtiel a neia; Shealtiel'n Zerubbabel a neia; Zerubbabel'n Abiud a neia; Abiud'n Eliakim a neia; Eliakim'n Azor a neia; Azor'n Zadok a neia, Zadok'n Achim a neia; Achim'n Eliud a neia; Eliud'n Eleazar a neia; Eleazar'n Matthan a neia, Matthan'n Jacob a neia; Jacob'n, Joseph, Mary inneipuipu hah a neia; ha Mary renga han Jisua Messiah an ti hih ajuong inzir ani, **17** Masikin, Abraham renga David tena ruol sômleiminli ania; David renga Babylon tieng suoka an tuong ngei tena ruol sômleiminli ania; ma renga hah Messiah ânzir tena ruol sômleiminli ani. **18** Mahih Jisua Khrista ajuong inzir tie chu ani. A nu Mary hah Joseph han ava bieka, in-annei mân, Ratha Inthiengin nâi a vonga, **19** Joseph hah zoratina mi diktak ani sikin mipui rietin Mary hah mâimôkshak rang nuom maka; masikin inrûktên an inbiekna setin mâkchien rangin a mintuo ani. **20** Hima roi hah a mindon lâitakin, a ramangin Pumapa Vântîrton inkhat a kôm a juong inlâra, a kôm han, "Joseph, David jâisuon, Mary hih lômnua nei rang chi no roh. Amanu nâivong hih Ratha Inthieng renga kêng ani. **21** Amanu han Nâipasal nei a ta, male a riming Jisua ni phuo rang ani. Ama han a mingei an nunsienangei renga a sanminring ngei rang sikin," a tia. **22** Atûn hin Pumapa'n dêipu manga a lei misîr hah adikin ahong tung theina ranga hima ngei murdi hih ahong oma, **23** "Dôngmate inthienghiei hah inrâi a ta nâipasal nei atih, male a riming Immanuel phuo an tih," (ma omtie chu, "Ei kôm Pathien aom tina ani.") **24** Masikin, Joseph ânthoi lehan, Pumapa vântîrtonin a tipe anghan, Mary hah lômnûn a nei zoi. **25** Aniatachu, a nâivong hah a nei mâka chu ompui mah. Hanchu, Joseph'n a riming hah Jisua a phuo zoi ani.

2 Rêng Herod ânlal lâihan Judea rama Bethlehem khopuia Jisua ajuong inzira. Ânzirsuo, harenghan, ârsi tienga lekha inchû ngâi mivârngei senkhat nisuotieng renga Jerusalema an juonga **2** "Khotieng mo Judangei rêng ajuong inzir nâitesen hah a om? Nisuo tienga ama ârsi kin mua, ama chubaimûk rangin kin juong ani," an tia. **3** Ma roi hah Rêng Herod'n a rietin chu, a mulungjîng sabaka, Jerusalema mi murdi khom an mulung ajîng sa ani. **4** Ochaisingei le Balam minchupungei murdi munkhatin a koibûm ngeia, an kôm han, "Khotieng mo Messiah ânzir rang?" tiin a rekel ngeia. **5** Hanchu, anni han a kôm, "Judea ram Bethlehem khopuia," tiin an thuona, Dêipu'n hi anghin a lei mizieka: **6** "Judah ram sûnga Bethlehem, nangma Judah khopuilienngei lâia achîntak ni tet mak che; na sûng renga ruoipu alân zir rang ani, ki mi Israelngei ruoi rangpu hah." **7** Masikin Herod'n nisuo tienga mivârngei hah a koi ngeia, ârsi ânlang zora tak hah anni renga a man theina rangin inrûktên ântongpui ngei zoi. **8** Hanchu hi chong hih bê'n anni hah Bethlehem'a a tîr ngei: "Se ungla, nâite hah asadimin va rok ungla, nin mûn chu mi hong ril nôk roi, masikin keima khom ama chubaimûk ke se theina rangin," a tia. **9** Hanchu an mâka, male an lampuia an sea, nisuo tienga ârsi dên hah an mu nôka. Ârsi hah an mûn chu an râiasân sabaka, idôr taka râisân mo an ni zoi! Nâite omna chung ridîn aphâk mâka chu inngam loiin an moton a ruoi ngei banga. **11** Insûnga an va lûta, male a nu Mary leh nâite

মথিঃ

১ ইব্রাহীমঃ সন্তানো দাযূদ্ তস্য সন্তানো যীশুখ্রীষ্টস্তস্য পূর্ব্বপুৰুষৱংশশ্রেণী| ২ ইব্রাহীমঃ পুত্র ইস্হাক্ তস্য পুত্রো যাকূব্ তস্য পুত্রো যিহূদাস্তস্য ভ্রাতৰশ্চ| ৩ তস্মাদ্ যিহূদাতস্তামৰো গর্ভে পেৰৎ্সেৰহৌ জজ্ঞাতে, তস্য পেৰসঃ পুত্রো হিষ্রোণ্ তস্য পুত্রো ্যৰাম্| ৪ তস্য পুত্রো ্যম্মীনাদব্ তস্য পুত্রো নহশোন্ তস্য পুত্রঃ সল্মোন্| ৫ তস্মাদ্ ৰাহবো গর্ভে বোযম্ জজ্ঞে, তস্মাদ্ ৰূতো গর্ভে ওবেদ্ জজ্ঞে, তস্য পুত্রো যিশযঃ| ৬ তস্য পুত্রো দাযূদ্ ৰাজঃ তস্মাদ্ মৃতোৰিযস্য জাযাযাং সুলেমান্ জজ্ঞে| ৭ তস্য পুত্রো ৰিহবিযাম্, তস্য পুত্র্যোবিযঃ, তস্য পুত্র আসা: | ৮ তস্য সুতো যিহোশাফট্ তস্য সুতো যিহোৰাম তস্য সুত উষিযঃ| ৯ তস্য সুতো যোথম্ তস্য সুত আহম্ তস্য সুতো হিষ্কিযঃ| ১০ তস্য সুতো মিনশিঃ, তস্য সুত আমোন্ তস্য সুতো যোশিযঃ| ১১ বাবিল্নগৰে প্ররসনাৎ পূর্ব্বং স যোশিযো যিখনিযং তস্য ভ্রাতৃংশ্চ জনযামাস| ১২ ততো বাবিলি প্ররসনকালে যিখনিযঃ শল্তীযেলং জনযামাস, তস্য সুতঃ সিৰুব্বাৰিল্| ১৩ তস্য সুতো ্যবোহুদ্ তস্য সুত ইলীযাকীম্ তস্য সুত্যোসোৰ্| ১৪ অসোৰঃ সুতঃ সাদোক্ তস্য সুত আখীম্ তস্য সুত ইলীহূদ্| ১৫ তস্য সুত ইলিযাসৰ্ তস্য সুতো মত্তন্| ১৬ তস্য সুতো যাকূব্ তস্য সুতো যূষফ্ তস্য জাযা মৰিযম্; তস্য গর্ভে যীশুৰজনি, তমের খ্রীষ্টম্ (অর্থাদ্ অভিষিক্তং) ৱদন্তি| ১৭ ইত্থম্ ইব্রাহীমো দাযূদং যাৱৎ সাকল্যেন চতুর্দশপুৰুষাঃ; আ দাযূদঃ কালাদ্ বাবিলি প্ররসনকালং যাৱৎ চতুর্দশপুৰুষা ভৱন্তি| বাবিলি প্ররাসনকালাৎ খ্রীষ্টস্য কালং যাৱৎ চতুর্দশপুৰুষা ভৱন্তি| ১৮ যীশুখ্রীষ্টস্য জন্ম কথথতে| মৰিযম্ নামিকা কন্যা যূষফে ৱাগ্দত্তাসীৎ, তদা তযোঃ সঙ্গমাৎ প্রাক্ সা কন্যা পরিত্রেণাত্মনা গর্ভৱতী বভূৱ| ১৯ তত্র তস্যাঃ পতি র্যূষফ্ সৌজন্যাৎ তস্যাঃ কলঙ্গং প্রকাশযিতুম্ অনিচ্ছন্ গোপনেনে তাং পাৰিত্যক্তুং মনশ্চক্রে| ২০ স তথৈৱ ভাৱযতি, তদানীং পৰমেশ্বৰস্য দূতঃ স্বপ্নে তং দর্শনং দত্ত্বা ৰ্যাজহাৰ, হে দাযূদঃ সন্তান যূষফ্ ৎৱং নিজাং জাযাং মৰিযমম্ আদাতুং মা ভৈষীঃ| ২১ যতস্তস্যা গর্ভঃ পরিত্রাদাত্মন্যোভৱৎ, সা চ পুত্রং প্রসৰিষ্যতে, তদা ৎৱং তস্য নাম যীশুম্ (অর্থাৎ ত্রাতাৱং) কৰীষ্যসে, যস্মাৎ স নিজমনুজান্ তেষাং কলুষেভ্য উদ্ধৰিষ্যতি| ২২ ইত্থং সতি, পশ্য গর্ভৱতী কন্যা তনযং প্রসৰিষ্যতে| ইম্মানূযেল্ তদীযঞ্চ নামধেযং ভৱিষ্যতি|| ইম্মানূযেল্ অস্মাকং সঙ্গীশ্বৰইত্যর্থঃ| ২৩ ইতি যদ্ ৱচনং পূর্ব্বং ভৱিষ্যদ্বকত্রা ঈশ্বৰঃ কথাযামাস, তৎ তদানীং সিদ্ধমভৱৎ| ২৪ অনন্তৰং যূষফ্ নিদ্রাতো জাগৰিত উত্থায পৰমেশ্বৰীযদূতস্য নিদেশানুসাৱেণ নিজাং জাযাং জগ্রাহ, ২৫ কিন্তু যাৱৎ সা নিজং প্রথমসুতং অ সুষুৱে, তাৱৎ তাং নোপাগচ্ছৎ, ততঃ সুতস্য নাম যীশুং চক্রে|

২ অনন্তৰং হেৰোদ্ সংজ্ঞকে ৰাজ্ঞি ৰাজ্যং শাসতি যিহূদীযদেশস্য ৱৈৎলেহমি নগৰে যীশৌ জাতৱতি চ, কতিপযা জ্যোতির্ব্বিদঃ পূর্ব্বস্যা দিশো যিৰূশালম্নগৰং সমেত্য কথযমাসুঃ, ২ যো যিহূদীযানাং ৰাজা জাতৱান্, স কুত্রাস্তে? ৱযং পূর্ব্বস্যাং দিশি তিষ্ঠন্তস্তদীযাং তাৰকাম্ অপশ্যাম তস্মাৎ তং প্রণন্তুম্ অগমাম| ৩ তদা হেৰোদ্ ৰাজা কথামেতাং নিশম্য যিৰূশালম্নগৰস্থিতৈঃ সর্ব্বমানৱৈঃ সার্দ্ধম্ উদ্বিজ্য ৪ সর্ব্বান্ প্রধানযাজকান্ অধ্যাপকাংশ্চ সমাহূযানীয পপ্রচ্ছ, খ্রীষ্টঃ কুত্র জনিষ্যতে? ৫ তদা তে কথযামাসুঃ, যিহূদীযদেশস্য ৱৈৎলেহমি নগৰে, যতো ভৱিষ্যদ্বাদিনা ইত্থং লিখিতমাস্তে, ৬ সর্ব্বাভ্যো ৰাজধানীভ্যো যিহূদীযস্য নীৰৃতঃ| হে যীহূদীযদেশস্যে ৱৈৎলেহম্ ৎৱং ন চাৱৰা| ইস্রাযেলীযলোকান্ মে যতো যঃ পালযিষ্যতি| তাদৃগেকো মহাৰাজস্তন্মধ্য উদ্ভৱিষ্যতী|| ৭ তদানীং হেৰোদ্ ৰাজা তান্ জ্যোতির্ব্বিদো গোপনম্ আহূয সা তাৰকা কদা দৃষ্টাভৱৎ, তদ্ রিনিশ্চযামাস| ৮ অপৰং তান্ ৱৈৎলেহমং প্রহীত্য গদিতৱান্, যূযং যাত, যত্নাৎ তং শিশুম্ অন্বিষ্য তদুদ্দেশে প্রাপ্তে মহ্যং ৰার্ত্তাং দাস্যথ, ততো মযাপি গৎৱা স প্রণংস্যতে| ৯ তদানীং ৰাজ্ঞ এতাদৃশীম্ আজ্ঞাং প্রাপ্য তে প্রতস্থিৰে, ততঃ পূর্ব্বর্স্যাং দিশি স্থিতৈস্তৈ র্যা তাৰকা দৃষ্টা সা তাৰকা তেষামগ্রে গৎৱা যত্র স্থানে শিশূৰাস্তে, তস্য স্থানস্যোপৰি স্থগিতা তস্যৌ| ১০ তদ্ দৃষ্ট্বা তে মহানন্দিতা বভূৱুঃ, ১১ ততো গেহমধ্য প্রৰিশ্য তস্য মাত্রা মৰিযমা সাদ্ধং তং শিশুং নিৰীক্ষ্য দণ্ডৱদ্ ভূৎৱা প্রণেমুঃ, অপৰং স্বেষাং ঘনসম্পত্তিং মোচযিৎৱা সুরর্ণং কুন্দুৰুং গন্ধৰমঞ্চ তস্মৈ দর্শনীযং দত্তৱন্তঃ| ১২ পশ্চাদ্ হেৰোদ্ ৰাজস্য সমীপং পুনৰপি গন্তুং স্বপ্ন ঈশ্বৰেণ নিষিদ্ধাঃ সন্তো ্যন্যেন পথা তে নিজদেশং প্রতি প্রতস্থিৰে| ১৩ অনন্তৰং তেষু গতৱত্সু পৰমেশ্বৰস্য দূতো যূষফে স্বপ্নে দর্শনং দৎৱা জগাদ, ৎৱম্ উত্থায শিশুং তন্মাতৰঞ্চ গৃহীৎৱা মিসর্দেশং পলাযস্ব, অপৰং যাৱদহং তুভ্যং ৰার্ত্তাং ন কথযিষ্যামি, তাৱৎ তত্রৈর নিৱস, যতো ৰাজা হেৰোদ্ শিশুং নাশযিতুং মৃগযিষ্যতে| ১৪ তদানীং যূষফ্ উত্থায ৰজন্যাং শিশুং তন্মাতৰঞ্চ গৃহীৎৱা মিসর্দেশং প্রতি প্রতস্থে, ১৫ গৎৱা চ হেৰোদো নৃপতে র্মৰণপর্য্যন্তং তত্র দেশে ন্যুৱাস, তেন মিসর্দেশাদহং পুত্রং স্বকীযং সমুপাহূযম্| যদেতদ্বচনম্ ঈশ্বৰেণ ভৱিষ্যদ্বাদিনা কথিতং তৎ সফলমভূৎ| ১৬ অনন্তৰং হেৰোদ্ জ্যোতির্ব্বিদ্ভিৰাত্মানং প্রৰঞ্চিতং ৱিজ্ঞায ভৃশং চুকোপ; অপৰং জ্যোতির্ব্বিদ্ভ্যস্তেন ৱিনিশ্চিতং যদ্ দিনং তদ্দিনাদ্ গণযিৎৱা দ্বিতীযৱৎসৰং

মথিঃ

১ ইব্রাহীমঃ সন্তানো দাযূদ্ তস্য সন্তানো যীশুখ্রীষ্টস্তস্য পূর্ব্বপুরুষৱংশশ্রেণী| ২ ইব্রাহীমঃ পুত্র ইস্হাক্ তস্য পুত্রো যাকূব্ তস্য পুত্রো যিহূদাস্তস্য ভ্রাতরশ্চ| ৩ তস্মাদ্ যিহূদাস্তামরো গর্ভে পেরস্সেরহৌ জজ্ঞাতে, তস্য পেরসঃ পুত্রো হিষ্রোণ্ তস্য পুত্রো ৱ্রাম্| ৪ তস্য পুত্রো ৱ্যম্মীনাদব্ তস্য পুত্রো নহশোন্ তস্য পুত্রঃ সল্মোন্| ৫ তস্মাদ্ রাহবো গর্ভে বোযম্ জজ্ঞে, তস্মাদ্ রূতো গর্ভে ওবেদ্ জজ্ঞে, তস্য পুত্রো যিশযঃ| ৬ তস্য পুত্রো দাযূদ্ রাজঃ তস্মাদ্ মৃতোরিযস্য জাযাযাং সুলেমান্ জজ্ঞে| ৭ তস্য পুত্রো রিহবিযাম্, তস্য পুত্র্যোবিযঃ, তস্য পুত্র আসা: | ৮ তস্য সুতো যিহোশাফট্ তস্য সুতো যিহোরাম তস্য সুত উষিযঃ| ৯ তস্য সুতো যোথম্ তস্য সুত আহম্ তস্য সুতো হিষ্কিযঃ| ১০ তস্য সুতো মিনশিঃ, তস্য সুত আমোন্ তস্য সুতো যোশিযঃ| ১১ বাবিল্নগরে প্ররসনাৎ পূর্ব্বং স যোশিযো যিখনিযং তস্য ভ্রাতৃংশ্চ জনযামাস| ১২ ততো বাবিলি প্ররসনকালে যিখনিযঃ শল্তীযেলং জনযামাস, তস্য সুতঃ সিরুব্বাৱিল্| ১৩ তস্য সুতো ৱ্যবীহুদ্ তস্য সুত ইলীযাকীম্ তস্য সুতো্যসোর্| ১৪ অসোরঃ সুতঃ সাদোক্ তস্য সুত আখীম্ তস্য সুত ইলীহূদ্| ১৫ তস্য সুত ইলিযাসর্ তস্য সুতো মত্তন্| ১৬ তস্য সুতো যাকূব্ তস্য সুতো যূষফ্ তস্য জাযা মরিযম্; তস্য গর্ভে যীশুরজনি, তমের খ্রীষ্টম্ (অর্থাদ্ অভিষিক্তং) ৱদন্তি| ১৭ ইত্থম্ ইব্রাহীমো দাযূদং যাৱৎ সাকল্যেন চতুর্দশপুরুষাঃ; আ দাযূদঃ কালাদ্ বাবিলি প্ররসনকালং যাৱৎ চতুর্দশপুরুষা ভৱন্তি| বাবিলি প্ররাসনকালাৎ খ্রীষ্টস্য কালং যাৱৎ চতুর্দশপুরুষা ভৱন্তি| ১৮ যীশুখ্রীষ্টস্য জন্ম কথথতে| মরিযম্ নামিকা কন্যা যূষফে রাগ্দত্তাসীৎ, তদা তযোঃ সঙ্গমাৎ প্রাক্ সা কন্যা পরিত্রেণাত্মনা গর্ভৱতী বভূৱ| ১৯ তত্র তস্যাঃ পতি র্যূষফ্ সৌজন্যাৎ তস্যাঃ কলঙ্গং প্রকাশযিতুম্ অনিচ্ছন্ গোপনেনে তাং পারিত্যক্তুং মনশ্চক্রে| ২০ স তথৈৱ ভাৱযতি, তদানীং পরমেশ্বরস্য দূতঃ স্বপ্নে তং দর্শনং দত্ত্বা ৱ্যাজহার, হে দাযূদঃ সন্তান যূষফ্ ৎৱং নিজাং জাযাং মরিযমম্ আদাতুং মা ভৈষীঃ| ২১ যতস্তস্যা গর্ভঃ পৱিত্রাদাত্মন্যোভৱৎ, সা চ পুত্রং প্রসৱিষ্যতে, তদা ৎৱং তস্য নাম যীশুম্ (অর্থাৎ ত্রাতারং) করীষ্যসে, যস্মাৎ স নিজমনুজান্ তেষাং কলুষেভ্য উদ্ধরিষ্যতি| ২২ ইত্থং সতি, পশ্য গর্ভৱতী কন্যা তনযং প্রসৱিষ্যতে| ইম্মানূযেল্ তদীযঞ্চ নামধেযং ভৱিষ্যতি|| ইম্মানূযেল্ অস্মাকং সঙ্গীশ্বরইত্যর্থঃ| ২৩ ইতি যদ্ ৱচনং পূর্ব্বং ভৱিষ্যদ্বকত্রা ঈশ্বরঃ কথাযামাস, তৎ তদানীং সিদ্ধমভৱৎ| ২৪ অনন্তরং যূষফ্ নিদ্রাতো জাগরিত উত্থায পরমেশ্বরীযদূতস্য নিদেশানুসারেণ নিজাং জাযাং জগ্রাহ, ২৫ কিন্তু যাৱৎ সা নিজং প্রথমসুতং অ সুষুরে, তাৱৎ তাং নোপাগচ্ছৎ, ততঃ সুতস্য নাম যীশুং চক্রে|

২ অনন্তরং হেরোদ্ সংজ্ঞকে রাজ্ঞি রাজ্যং শাসতি যিহূদীযদেশস্য ৱৈৎলেহমি নগরে যীশৌ জাতৱতি চ, কতিপযা জ্যোতির্ব্বিদঃ পূর্ব্বস্যা দিশো যিরূশালম্নগরং সমেত্য কথযমাসুঃ, ২ যো যিহূদীযানাং রাজা জাতৱান্, স কুত্রাস্তে? ৱযং পূর্ব্বস্যাং দিশি তিষ্ঠন্তস্তদীযাং তারকাম্ অপশ্যাম তস্মাৎ তং প্রণন্তুম্ অগমাম| ৩ তদা হেরোদ্ রাজা কথামেতাং নিশম্য যিরূশালম্নগরস্থিতৈঃ সর্ব্বমানৱৈঃ সার্দ্ধম্ উদ্বিজ্য ৪ সর্ব্বান্ প্রধানযাজকান্ অধ্যাপকাংশ্চ সমাহূযানীয পপ্রচ্ছ, খ্রীষ্টঃ কুত্র জনিষ্যতে? ৫ তদা তে কথযামাসুঃ, যিহূদীযদেশস্য ৱৈৎলেহমি নগরে, যতো ভৱিষ্যদ্বাদিনা ইত্থং লিখিতমাস্তে, ৬ সর্ব্বাভ্যো রাজধানীভ্যো যিহূদীযস্য নীৱৃতঃ| হে যীহূদীযদেশস্যে ৱৈৎলেহম্ ৎৱং ন চাৱরা| ইস্রাযেলীযলোকান্ মে যতো যঃ পালযিষ্যতি| তাদৃগেকো মহারাজস্তন্মধ্য উদ্ভৱিষ্যতী|| ৭ তদানীং হেরোদ্ রাজা তান্ জ্যোতির্ব্বিদো গোপনম্ আহূয সা তারকা কদা দৃষ্টাভৱৎ, তদ্ রিনিশ্চযামাস| ৮ অপরং তান্ ৱৈৎলেহমং প্রহীত্য গদিতৱান্, যূযং যাত, যত্নাৎ তং শিশুম্ অন্ৱিষ্য তদুদ্দেশে প্রাপ্তে মহ্যং ৱার্ত্তাং দাস্যথ, ততো মযাপি গৎৱা স প্রণংস্যতে| ৯ তদানীং রাজ্ঞ এতাদৃশীম্ আজ্ঞাং প্রাপ্য তে প্রতস্থিরে, ততঃ পূর্ব্বর্স্যাং দিশি স্থিতৈস্তৈ র্যা তারকা দৃষ্টা সা তারকা তেষামগ্রে গৎৱা যত্র স্থানে শিশূরাস্তে, তস্য স্থানস্যোপরি স্থগিতা তস্যৌ| ১০ তদ্ দৃষ্ট্বা তে মহানন্দিতা বভূৱুঃ, ১১ ততো গেহমধ্য প্রৱিশ্য তস্য মাত্রা মরিযমা সাদ্ধং তং শিশুং নিরীক্ষয দণ্ডৱদ্ ভূৎৱা প্রণেমুঃ, অপরং স্ৱেষাং ঘনসম্পত্তিং মোচযিৎৱা সুৱর্ণং কুন্দুরুং গন্ধরমঞ্চ তস্মৈ দর্শনীযং দত্তৱন্তঃ| ১২ পশ্চাদ্ হেরোদ্ রাজস্য সমীপং পুনরপি গন্তুং স্বপ্ন ঈশ্বরেণ নিষিদ্ধাঃ সন্তো ৱ্যন্যেন পথা তে নিজদেশং প্রতি প্রতস্থিরে| ১৩ অনন্তরং তেষু গতৱত্সু পরমেশ্বরস্য দূতো যূষফে স্বপ্নে দর্শনং দৎৱা জগাদ, ৎৱম্ উত্থায শিশুং তন্মাতরঞ্চ গৃহীৎৱা মিসর্দেশং পলাযস্ব, অপরং যাৱদহং তুভ্যং ৱার্ত্তাং ন কথযিষ্যামি, তারৎ তত্রৈর নিৱস, যতো রাজা হেরোদ্ শিশুং নাশযিতুং মৃগযিষ্যতে| ১৪ তদানীং যূষফ্ উত্থায রজন্যাং শিশুং তন্মাতরঞ্চ গৃহীৎৱা মিসর্দেশং প্রতি প্রতস্থে, ১৫ গৎৱা চ হেরোদো নৃপতে র্মরণপর্য্যন্তং তত্র দেশে ন্যুৱাস, তেন মিসর্দেশাদহং পুত্রং স্ৱকীযং সমুপাহূযম্| যদেতদ্বচনম্ ঈশ্বরেণ ভৱিষ্যদ্বাদিনা কথিতং তৎ সফলমভূৎ| ১৬ অনন্তরং হেরোদ্ জ্যোতির্ৱিদ্ভিরাত্মানং প্ররঞ্চিতং ৱিজ্ঞায ভৃশং চুকোপ; অপরং জ্যোতির্ৱিদ্ভ্যস্তেন ৱিনিশ্চিতং যদ্ দিনং তদ্দিনাদ্ গণযিৎৱা দ্বিতীযৱৎসরং প্ররিষ্টা

1 ကၠာ်ဟီမး သန်ကာနော ဒါယူဒ် တသျ သန်ကာနော ယီဗုဒြီစုသ္တသျ ပူရွ်ပုရုဇံဗဖြေဏီ၊ **2** ကၠာ်ဟီမး ပုတြ် ကၠသ့ာက် တသျ ပုတြော ယာကူဗ် တသျ ပုတြော ယိဟူဒါသ္တသျ ဘြာတရဗ္ဘ၊ **3** တသ္မာဒ် ယိဟူဒါတသ္တာမရော ဂန္ဒေ ပေရသေရဟော် ဇ္ဇောတေ, တသျ ပေရသး ပုတြော ဟိဇြောဏ် တသျ ပုတြော 'ရာမ်၊ **4** တသျ ပုတြော 'မိနာဒဗ် တသျ ပုတြော နဟာဓောန် တသျ ပုတြး သလ္မောန်၊ **5** တသ္မာဒ် ရာဟဗော ဂန္ဒေ ဗောယမ် ဇဒ္ဓေ, တသ္မာဒ် ရူတော ဂန္ဒေ သြဗေဒ် ဇဒ္ဓေ, တသျ ပုတြော ယိဓယး၊ **6** တသျ ပုတြော ဒါယူဒ် ရာဇး တသ္မာဒ် မဇတောရိယသျ ဇာယာယာံ သုလေမာန် ဇဒ္ဓေ၊ **7** တသျ ပုတြော ရိဟဗိယာမ်, တသျ ပုတြော'ဗိယး, တသျ ပုတြ အာသာ: ၊ **8** တသျ သုတော ယိဟောဇာဖဒ္ဋ် တသျ သုတော ယိဟောရာမ တသျ သုတ ဥဓိယး၊ **9** တသျ သုတော ယောထမ် တသျ သုတ အာဟမ် တသျ သုတော ဟိဇ္ကိယး၊ **10** တသျ သုတော မိနဓိး, တသျ သုတ အာမောန် တသျ သုတော ယောဓိယး၊ **11** ဇာဗိလ္ဒဂရေ ပြဝသနာတ် ပူရွ်ံ သ ယောဓိယော ယိခနိယံ တသျ ဘြာတၖံဗ္ဘ ဇနယာမာသ၊ **12** တတော ဇာဗိလိ ပြဝသနကာလေ ယိခနိယး ဓလ္လီယေလံ ဇနယာမာသ, တသျ သုတး သိရုဗ္ဗာဝိလ်၊ **13** တသျ သုတော 'ဗောဟုဒ် တသျ သုတ ကၠလီယာကီမ် တသျ သုတော'သောရ်၊ **14** အသောရး သုတး သာဒေါက် တသျ သုတ အာခီမ် တသျ သုတ ကၠလီဟူဒ်၊ **15** တသျ သုတ ကၠလိယာသရ် တသျ သုတော မတ္တန်၊ **16** တသျ သုတော ယာကူဗ် တသျ သုတော ယူဇဖ် တသျ ဇာယာ မရိယမ်: တသျ ဂန္ဒေ ယီဗုရဇနိ, တမေဝ ခြီဗုမ် (အ‌ခ္ခာဒ် အဘိဓိက်ံ) ဝဒန္တိ၊ **17** ကၠထ္ထမ် ကၠဟြဟီမော ဒါယူဒံ ယာဝတ် သာကလ္ပေန စတုရ္ဒ္ဓဗပုရုဏး: အာ ဒါယူဒး ကာလာဒ် ဗာဗိလိ ပြဝသနကာလံ ယာဝတ် စတုရ္ဒ္ဓဗပုရုဏာ ဘဝန္တိ၊ ဗာဗိလိ ပြဝါသနကာလာတ် ခြီဗုသျ ကာလံ ယာဝတ် စတုရ္ဒ္ဓဗပုရုဏာ ဘဝန္တိ၊ **18** ယီဗုခြီဗုသျ ဇန္မ ကထ္ထတေ၊ မရိယမ် နာမိကာ ကန္နာ ယူဇဖေ ဝါဒ္ဒတ္တာသီတ်, တဒါ တယေား သဂ်မာတ် ပြာက် သာ ကန္နာ ပဝိတြောဏာတ္မနာ ဂ္ဂရ္ဘဝတီ ဗဘူဝ၊ **19** တတြ တသျား ပတိ ရ္ဖျေဖဖ် သော်ဇန္နာတ် တသျား ကလဂ်် ပြကာဓယိတုမ် အနိစ္ဆန် ဂေါပနေနေ တာံ ပါရိတျက္တုံ မနသ္ဘကြေ၊ **20** သ တထဲဝ ဘာဝယတိ, တဒါနီ် ပရမေဗ္ဘရသျ ဒူတး သွပ္နေ တံ ဒရ္ဖနံ ဒတ္တာ ဂျာဇဟာရ, ဟေ ဒါယူဒး သန်ကာန ယူဇဖ် တွံ နိဇာ် ဇာယာံ မရိယမမ် အာဒါတုံ မာ ဘဲဓီး၊ **21** ယတသ္တသျာ ဂ္ဂန္ဓး ပဝိတြာဒါတ္မနော'ဘဝတ်, သာ စ ပုတြိ် ပြသဝိဈတေ, တဒါ တွံ တသျ နာမ ယီဗုမ် (အ‌ခ္ခာတ် တြာတာရံ) ကရီဈသေ, ယသ္မာတ် သ နိဇမနုဇာန် တေဇာံ ကလုဇေဘျ ဥဒ္ဓရိဈတိ၊ **22** ကၠထ္ထံ သတိ, ပဗျ ဂ္ဂန္ဓဝတီ ကန္နာ တနယံ ပြသဝိဈတေ၊ ကၠမ္မာနုယေလ် တဒီယဗ္ဘ နာမဓေယံ ဘဝိဈတိ။ ကၠမ္မာနုယေလ် အသ္မာကံ သင်္ဂီဈရက္ကတျ္ဆး၊ **23** ကၠတိ ယဒ် ဝစနံ ပုရွ်ံ ဘဝိဈဒ္ဒကြွာ ဂ္ဂျ်ဈရး ကထာယာမာသ, တတ် တဒါနီ် သိဒ္ဓမဘဝတ်၊ **24** အနန္တရံ ယူဇဖ် နိဘြာတော ဇာဂရိတာ ဥတ္ထာယ ပရမေဗ္ဘရီယဒူတသျ နိဒေဓာနုသာရေဏ နိဇာ် ဇာယာံ ဇကြာဟ, **25** ကိန္တု ယာဝတ် သာ နိဇံ ပြထမသုတံ အ သုဓုဝေ, တာဝတ် တာံ နောပါဂစ္ဆတ်, တတး သုတသျ နာမ ယီဗုံ စကြေ၊

2 အနန္တရံ ဟေရောဒ် သံဒ္ဓကေ ရာဇ္ဒီ ရာဇျံ ဓာသတိ ယိဟူဒီယဒေဓသျ ဗဲတ္လေဟမိ နဂရေ ယီဓော် ဇာတဝတိ စ, ကတိပယာ ဇျောတိရ္ဂဏးး ပူရွ်ဝသျာ ဒိဓော ယိရူဓာလမ္မဂရံ သမေတျ ကထယမာသုး, **2** ယော ယိဟူဒီယာနာံ ရာဇာ ဇာတဝါန်, သ ကုတြာသ္တေ? ဝယံ ပူရွ်ဝသျာံ ဒိဓိ တိဇ္ဇန္တသ္တဒီယာံ တာရကာမ် အပဓျာမ တသ္မာတ် တံ ပြဏန္တျမ် အဂဓာမ၊ **3** တဒါ ဟေရောဒ် ရာဇာ ကထာမေတာံ နိဓမျ ယိရူဓာလမ္မဂရသ္ထိတေး သရွ်ဝနာဝဲး သာန္နျမ် ဥဒ္ဓိဈ **4** သရွ်ဝန် ပြဓာနယာဇကာန် အချာပကာံဗ္ဘ သဓာဟူယာနီယ ပပြ်စ္ဆ, ခြီဗုး ကုတြ ဇနိဈတေ? **5** တဒါ တေ ကထယာမာသုး, ယိဟူဒီယဒေဓသျ ဗဲတ္လေဟမိ နဂရေ, ယတော ဘဝိဈဒ္ဒါဒိနာ ဣတ္ထံ လိခိတမာသ္တေ, **6** သရွ်ာဘော်ဘျာ ရာဇဓာနီဘော်ဘျာ ယိဟူဒီယသျ နီဝဒတး၊ ဟေ ယီဟူဒီယဒေဓသျေ ဗဲတ္လေဟမ် တွံ န စာဝရာ၊ ဣသြာယေလီယလောကာန် မေ ယတော ယး ပါလယိဈတိ၊ တာဒဒဂေကော မဟာရာဇသ္မနုမျ ဥဒ္ဘဝိဈတီ။ **7** တဒါနီ် ဟေရောဒ် ရာဇာ တာန် ဇျောတိရ္ဂဝိဒေါ ဂေါပနမ် အာဟူယ သာ တာရကာ ကဒါ ဒဒ္ဓာဘဝတ်, တဒ် ဝိနိဗ္ဘယာမာသ၊ **8** အပရံ တာန် ဗဲတ္လေဟမံ ပြဟီတျ ဂဒိတဝါန်, ယူယံ ယာတ, ယတ္နာတ် တံ ဓိဗုမ်

mathiH

1 ibrAhImaH santAnO dAyUd tasya santAnO yIzukhrISTastasya pUrvvapuruSavaMzazrENI| **2** ibrAhImaH putra ishAk tasya putrO yAkUb tasya putrO yihUdAstasya bhrAtarazca| **3** tasmAd yihUdAtastAmarO garbhE pErassErahau jajnjAtE, tasya pErasaH putrO hiSrON tasya putrO 'rAm| **4** tasya putrO 'mmInAdab tasya putrO nahazOn tasya putraH salmOn| **5** tasmAd rAhabO garbhE bOyam jajnjE, tasmAd rUtO garbhE ObEd jajnjE, tasya putrO yizayaH| **6** tasya putrO dAyUd rAjaH tasmAd mRtOriyasya jAyAyAM sulEmAn jajnjE| **7** tasya putrO rihabiyAm, tasya putrO'biyaH, tasya putra AsA: | **8** tasya sutO yihOzAphaT tasya sutO yihOrAma tasya suta uSiyaH| **9** tasya sutO yOtham tasya suta Aham tasya sutO hiSkiyaH| **10** tasya sutO minaziH, tasya suta AmOn tasya sutO yOziyaH| **11** bAbilnagarE pravasanAt pUrvvaM sa yOziyO yikhaniyaM tasya bhrAtRMzca janayAmAsa| **12** tatO bAbili pravasanakAlE yikhaniyaH zaltIyElaM janayAmAsa, tasya sutaH sirubbAvil| **13** tasya sutO 'bOhud tasya suta ilIyAkIm tasya sutO'sOr| **14** asOraH sutaH sAdOk tasya suta AkhIm tasya suta ilIhUd| **15** tasya suta iliyAsar tasya sutO mattan| **16** tasya sutO yAkUb tasya sutO yUSaph tasya jAyA mariyam; tasya garbhE yIzurajani, tamEva khrISTam (arthAd abhiSiktaM) vadanti| **17** ittham ibrAhImO dAyUdaM yAvat sAkalyEna caturdazapuruSAH; A dAyUdaH kAlAd bAbili pravasanakAlaM yAvat caturdazapuruSA bhavanti| bAbili pravAsanakAlAt khrISTasya kAlaM yAvat caturdazapuruSA bhavanti| **18** yIzukhrISTasya janma kaththatE| mariyam nAmikA kanyA yUSaphE vAgdattAsIt, tadA tayOH saggamAt prAk sA kanyA pavitrENAtmanA garbhavatI babhUva| **19** tatra tasyAH pati ryUSaph saujanyAt tasyAH kalaggaM prakAzayitum anicchan gOpanEnE tAM pArityaktuM manazcakrE| **20** sa tathaiva bhAvayati, tadAnIM paramEzvarasya dUtaH svapnE taM darzanaM dattvA vyAjahAra, hE dAyUdaH santAna yUSaph tvaM nijAM jAyAM mariyamam AdAtuM mA bhaiSIH| **21** yatastasyA garbhaH pavitrAdAtmanO'bhavat, sA ca putraM prasaviSyatE, tadA tvaM tasya nAma yIzum (arthAt trAtAraM) karISyasE, yasmAt sa nijamanujAn tESAM kaluSEbhya uddhariSyati| **22** itthaM sati, pazya garbhavatI kanyA tanayaM prasaviSyatE| immAnUyEl tadIyanjca nAmadhEyaM bhaviSyati|| immAnUyEl asmAkaM saggIzvaraityarthaH| **23** iti yad vacanaM purvvaM bhaviSyadvaktrA IzvaraH kathAyAmAsa, tat tadAnIM siddhamabhavat| **24** anantaraM yUSaph nidrAtO jAgarita utthAya paramEzvarIyadUtasya nidEzAnusArENa nijAM jAyAM jagrAha, **25** kintu yAvat sA nijaM prathamasutaM a suSuvE, tAvat tAM nOpAgacchat, tataH sutasya nAma yIzuM cakrE|

2 anantaraM hErOd saMjnjakE rAjnji rAjyaM zAsati yihUdIyadEzasya baitlEhami nagarE yIzau jAtavati ca, katipayA jyOtirvvudaH pUrvvasyA dizO yirUzAlamnagaraM samEtya kathayAmAsuH, **2** yO yihUdIyAnAM rAjA jAtavAn, sa kutrAstE? vayaM pUrvvasyAM dizi tiSThantastadIyAM tArakAm apazyAma tasmAt taM praNantum agamAma| **3** tadA hErOd rAjA kathAmEtAM nizamya yirUzAlamnagarasthitaiH sarvvamAnavaiH sArddham udvijya **4** sarvvAn pradhAnayAjakAn adhyApakAMzca samAhUyAnIya papraccha, khrISTaH kutra janiSyatE? **5** tadA tE kathayAmAsuH, yihUdIyadEzasya baitlEhami nagarE, yatO bhaviSyadvAdinA itthaM likhitamAstE, **6** sarvvAbhyO rAjadhAnIbhyO yihUdIyasya nIvRtaH| hE yIhUdIyadEzasyE baitlEham tvaM na cAvarA|isrAyElIyalOkAn mE yatO yaH pAlayiSyati| tAdRgEkO mahArAjastvanmadhya udbhaviSyatI|| **7** tadAnIM hErOd rAjA tAn jyOtirvvidO gOpanam AhUya sA tArakA kadA dRSTAbhavat, tad vinizcayAmAsa| **8** aparaM tAn baitlEhamaM prahItya gaditavAn, yUyaM yAta, yatnAt taM zizum anviSya taduddEzE prAptE mahyaM vArttAM dAsyatha, tatO mayApi gatvA sa praNaMsyatE| **9** tadAnIM rAjnja EtAdRzIm AjnjAM prApya tE pratasthirE, tataH pUrvvarsyAM dizi sthitaistai ryA tArakA dRSTA sA tArakA tESAmagrE gatvA yatra sthAnE zizUrAstE, tasya sthAnasyOpari sthagitA tasyau| **10** tad dRSTvA tE mahAnanditA babhUvuH, **11** tatO gEhamadhya pravizya tasya mAtrA mariyamA sAddhaM taM zizuM nirIkSaya daNPavad bhUtvA

मथिः

1 इब्राहीमः सन्तानो दायूद् तस्य सन्तानो यीशुख्रीष्टस्तस्य पूर्व्वपुरुषवंशश्रेणी। **2** इब्राहीमः पुत्र इस्हाक् तस्य पुत्रो याकूब् तस्य पुत्रो यिहूदास्तस्य भ्रातरश्च। **3** तस्माद् यिहूदातस्तामरो गर्भे पेरस्सेरहौ जज्ञाते, तस्य पेरसः पुत्रो हिष्रोण् तस्य पुत्रो ऽराम्। **4** तस्य पुत्रो ऽम्मीनादब् तस्य पुत्रो नहशोन् तस्य पुत्रः सल्मोन्। **5** तस्माद् राहबो गर्भे बोयम् जज्ञे, तस्माद् रूतो गर्भे ओबेद् जज्ञे, तस्य पुत्रो यिशयः। **6** तस्य पुत्रो दायूद् राजः तस्माद् मृतोरियस्य जायायां सुलेमान् जज्ञे। **7** तस्य पुत्रो रिहबियाम्, तस्य पुत्रोऽबियः, तस्य पुत्र आसाः । **8** तस्य सुतो यिहोशाफट् तस्य सुतो यिहोराम तस्य सुत उषियः। **9** तस्य सुतो योथम् तस्य सुत आहम् तस्य सुतो हिष्कियः। **10** तस्य सुतो मिनशिः, तस्य सुत आमोन् तस्य सुतो योशियः। **11** बाबिल्नगरे प्रवसनात् पूर्व्वं स योशियो यिखनियं तस्य भ्रातृंश्च जनयामास। **12** ततो बाबिलि प्रवसनकाले यिखनियः शल्तीयेलं जनयामास, तस्य सुतः सिरुब्बाविल्। **13** तस्य सुतो ऽबोहुद् तस्य सुत इलीयाकीम् तस्य सुतोऽसोर्। **14** असोरः सुतः सादोक् तस्य सुत आखीम् तस्य सुत इलीहूद्। **15** तस्य सुत इलियासर् तस्य सुतो मत्तन्। **16** तस्य सुतो याकूब् तस्य सुतो यूषफ् तस्य जाया मरियम्; तस्य गर्भे यीशुरजनि, तमेव ख्रीष्टम् (अर्थाद् अभिषिक्तं) वदन्ति। **17** इत्थम् इब्राहीमो दायूदं यावत् साकल्येन चतुर्दशपुरुषाः; आ दायूदः कालाद् बाबिलि प्रवसनकालं यावत् चतुर्दशपुरुषा भवन्ति। बाबिलि प्रवासनकालात् ख्रीष्टस्य कालं यावत् चतुर्दशपुरुषा भवन्ति। **18** यीशुख्रीष्टस्य जन्म कथ्थते। मरियम् नामिका कन्या यूषफे वाग्दत्तासीत्, तदा तयोः सङ्गमात् प्राक् सा कन्या पवित्रेणात्मना गर्भवती बभूव। **19** तत्र तस्याः पति र्यूषफ् सौजन्यात् तस्याः कलङ्गं प्रकाशयितुम् अनिच्छन् गोपनेने तां पारित्यक्तुं मनश्चक्रे। **20** स तथैव भावयति, तदानीं परमेश्वरस्य दूतः स्वप्ने तं दर्शनं दत्त्वा व्याजहार, हे दायूदः सन्तान यूषफ् त्वं निजां जायां मरियमम् आदातुं मा भैषीः। **21** यतस्तस्या गर्भः पवित्रादात्मनोऽभवत्, सा च पुत्रं प्रसविष्यते, तदा त्वं तस्य नाम यीशुम् (अर्थात् त्रातारं) करीष्यसे, यस्मात् स निजमनुजान् तेषां कलुषेभ्य उद्धरिष्यति। **22** इत्थं सति, पश्य गर्भवती कन्या तनयं प्रसविष्यते। इम्मानूयेल् तदीयञ्च नामधेयं भविष्यति॥ इम्मानूयेल् अस्माकं सङ्गीश्वरइत्यर्थः। **23** इति यद् वचनं पुर्व्वं भविष्यद्वक्त्रा ईश्वरः कथायामास, तत् तदानीं सिद्धमभवत्। **24** अनन्तरं यूषफ् निद्रातो जागरित उत्थाय परमेश्वरीयदूतस्य निदेशानुसारेण निजां जायां जग्राह, **25** किन्तु यावत् सा निजं प्रथमसुतं अ सुषुवे, तावत् तां नोपागच्छत्, ततः सुतस्य नाम यीशुं चक्रे।

2 अनन्तरं हेरोद् संज्ञके राज्ञि राज्यं शासति यिहूदीयदेशस्य बैत्लेहमि नगरे यीशौ जातवति च, कतिपया ज्योतिर्व्वुदः पूर्व्वस्या दिशो यिरूशालम्नगरं समेत्य कथयमासुः, **2** यो यिहूदीयानां राजा जातवान्, स कुत्रास्ते? वयं पूर्व्वस्यां दिशि तिष्ठन्तस्तदीयां तारकाम् अपश्याम तस्मात् तं प्रणन्तुम् अागमाम। **3** तदा हेरोद् राजा कथामेतां निशम्य यिरूशालम्नगरस्थितैः सर्व्वमानवैः सार्द्धम् उद्विज्य **4** सर्व्वान् प्रधानयाजकान् अध्यापकांश्च समाहूयानीय पप्रच्छ, ख्रीष्टः कुत्र जनिष्यते? **5** तदा ते कथयामासुः, यिहूदीयदेशस्य बैत्लेहमि नगरे, यतो भविष्यद्वादिना इत्थं लिखितमास्ते, **6** सर्व्वाभ्यो राजधानीभ्यो यिहूदीयस्य नीवृतः। हे यीहूदीयदेशस्ये बैत्लेहम् त्वं न चावरा। इस्रायेलीयलोकान् मे यतो यः पालयिष्यति। तादृगेको महाराजस्त्वन्मध्य उद्भविष्यती॥ **7** तदानीं हेरोद् राजा तान् ज्योतिर्व्विदो गोपनम् आहूय सा तारका कदा दृष्टाभवत्, तद् विनिश्चयामास। **8** अपरं तान् बैत्लेहमं प्रहीत्य गदितवान्, यूयं यात, यत्नात् तं शिशुम् अन्विष्य तदुद्देशे प्राप्ते मह्यं वार्त्तां दास्यथ, ततो मयापि गत्वा स प्रणंस्यते। **9** तदानीं राज्ञ एतादृशीम् आज्ञां प्राप्य ते प्रतस्थिरे, ततः पूर्व्वस्यां दिशि स्थितैस्तै र्या तारका दृष्टा सा तारका तेषामग्रे गत्वा यत्र स्थाने शिशूरास्ते, तस्य स्थानस्योपरि स्थगिता तस्यौ। **10** तद् दृष्ट्वा ते महानन्दिता बभूवुः, **11** ततो गेहमध्य प्रविश्य तस्य मात्रा मरियमा साद्धं तं शिशुं निरीक्षय दण्डवद् भूत्वा प्रणेमुः, अपरं स्वेषां घनसम्पत्तिं मोचयित्वा सुवर्णं कुन्दुरुं गन्धरमञ्च तस्मै दर्शनीयं दत्तवन्तः। **12** पश्चाद् हेरोद् राजस्य समीपं पुनरपि गन्तुं स्वप्न ईश्वरेण निषिद्धाः सन्तो ऽन्येन पथा ते निजदेशं प्रति प्रतस्थिरे। **13** अनन्तरं तेषु गतवत्सु परमेश्वरस्य दूतो यूषफे स्वप्ने दर्शनं दत्वा जगाद, त्वम् उत्थाय शिशुं तन्मातरञ्च गृहीत्वा मिसर्देशं पलायस्व, अपरं यावदहं तुभ्यं वार्त्तां न कथयिष्यामि, तावत् तत्रैव निवस, यतो राजा हेरोद् शिशुं नाशयितुं मृगयिष्यते। **14** तदानीं यूषफ् उत्थाय रजन्यां शिशुं तन्मातरञ्च गृहीत्वा मिसर्देशं प्रति प्रतस्थे, **15** गत्वा च हेरोदो नृपते र्मरणपर्य्यन्तं तत्र देशे न्युवास, तेन मिसर्देशादहं पुत्रं स्वकीयं समुपाहूयम्। यदेतद्वचनम् ईश्वरेण भविष्यद्वादिना कथितं तत् सफलमभूत्। **16** अनन्तरं हेरोद् ज्योतिर्विद्भिरात्मानं प्रवञ्चितं विज्ञाय भृशं चुकोप; अपरं ज्योतिर्व्विद्भ्यस्तेन विनिश्चितं यद् दिनं तद्दिनाद् गणयित्वा द्वितीयवत्सरं प्रविष्टा यावन्तो बालका अस्मिन् बैत्लेहम्नगरे तत्सीममध्ये चासन्, लोकान् प्रहित्य तान् सर्व्वान् घातयामास। **17** अतः अनेकस्य विलापस्य निनादः क्रन्दनस्य च। शोकेन कृतशब्दश्च रामायां संनिशम्यते। स्वबालगणहेतोर्वै राहेल् नारी तु रोदिनी। न मन्यते प्रबोधन्तु यतस्ते नैव मन्ति हि॥ **18** यदेतद् वचनं यिरीमियनामकभविष्यद्वादिना कथितं तत् तदानीं सफलम् अभूत्। **19** तदनन्तरं हेरेदि राजनि मृते परमेश्वरस्य दूतो मिसर्देशे स्वप्ने दर्शनं दत्त्वा यूषफे कथितवान् **20** त्वम् उत्थाय शिशुं तन्मातरञ्च गृहीत्वा पुनरपीस्रायेलो देशं

મથિઃ

1 ઇબ્રાહીમઃ સન્તાનો દાયૂદ્ તસ્ય સન્તાનો યીશુખ્રીષ્ટસ્તસ્ય પૂર્વ્વપુરુષવંશશ્રેણી| **2** ઇબ્રાહીમઃ પુત્ર ઇસ્હાક્ તસ્ય પુત્રો યાકૂબ્ તસ્ય પુત્રો યિહૂદાસ્તસ્ય ભ્રાતરશ્ચ| **3** તસ્માદ્ યિહૂદાતસ્તામરો ગર્ભે પેરસ્સેરહૌ જજ્ઞાતે, તસ્ય પેરસઃ પુત્રો હિષ્રોણ્ તસ્ય પુત્રો ડરામ્| **4** તસ્ય પુત્રો ડમ્મીનાદબ્ તસ્ય પુત્રો નહશોન્ તસ્ય પુત્રઃ સલ્મોન્| **5** તસ્માદ્ રાહબો ગર્ભે બોયમ્ જજ્ઞે, તસ્માદ્ રૂતો ગર્ભે ઓબેદ્ જજ્ઞે, તસ્ય પુત્રો યિશયઃ| **6** તસ્ય પુત્રો દાયૂદ્ રાજઃ તસ્માદ્ મૃતોરિયસ્ય જાયાયાં સુલેમાન્ જજ્ઞે| **7** તસ્ય પુત્રો રિહબિયામ્, તસ્ય પુત્રોડબિયઃ, તસ્ય પુત્ર આસાઃ | **8** તસ્ય સુતો યિહોશાફટ્ તસ્ય સુતો યિહોરામ તસ્ય સુત ઉષિયઃ| **9** તસ્ય સુતો યોથમ્ તસ્ય સુત આહમ્ તસ્ય સુતો હિષ્કિયઃ| **10** તસ્ય સુતો મિનશિઃ, તસ્ય સુત આમોન્ તસ્ય સુતો યોશિયઃ| **11** બાબિલ્નગરે પ્રવસનાત્ પૂર્વ્વં સ યોશિયો યિખનિયં તસ્ય ભ્રાતૃંશ્ચ જનયામાસ| **12** તતો બાબિલિ પ્રવસનકાલે યિખનિયઃ શલ્તીયેલં જનયામાસ, તસ્ય સુતઃ સિરુબ્બાવિલ્| **13** તસ્ય સુતો ડબોહુદ્ તસ્ય સુત ઇલીયાકીમ્ તસ્ય સુતોડસોર્| **14** અસોરઃ સુતઃ સાદોક્ તસ્ય સુત આખીમ્ તસ્ય સુત ઇલીહૂદ્| **15** તસ્ય સુત ઇલિયાસર્ તસ્ય સુતો મત્તન્| **16** તસ્ય સુતો યાકૂબ્ તસ્ય સુતો યૂષફ્ તસ્ય જાયા મરિયમ્; તસ્ય ગર્ભે યીશુરજનિ, તમેવ ખ્રીષ્ટમ્ (અર્થાદ્ અભિષિક્તં) વદન્તિ| **17** ઇત્થમ્ ઇબ્રાહીમો દાયૂદં યાવત્ સાકલ્યેન ચતુર્દશપુરુષાઃ; આ દાયૂદઃ કાલાદ્ બાબિલિ પ્રવસનકાલં યાવત્ ચતુર્દશપુરુષા ભવન્તિ| બાબિલિ પ્રવાસનકાલાત્ ખ્રીષ્ટસ્ય કાલં યાવત્ ચતુર્દશપુરુષા ભવન્તિ| **18** યીશુખ્રીષ્ટસ્ય જન્મ કથ્યતે| મરિયમ્ નામિકા કન્યા યૂષફે વાગ્દત્તાસીત્, તદા તયોઃ સઙ્ગમાત્ પ્રાક્ સા કન્યા પવિત્રેણાત્મના ગર્ભવતી બભૂવ| **19** તત્ર તસ્યાઃ પતિ ર્યૂષફ્ સૌજન્યાત્ તસ્યાઃ કલઙ્કં પ્રકાશયિતુમ્ અનિચ્છન્ ગોપનેને તાં પારિત્યક્તું મનશ્ચક્રે| **20** સ તથૈવ ભાવયતિ, તદાનીં પરમેશ્વરસ્ય દૂતઃ સ્વપ્ને તં દર્શનં દત્ત્વા વ્યાજહાર, હે દાયૂદઃ સન્તાન યૂષફ્ ત્વં નિજાં જાયાં મરિયમમ્ આદાતું મા ભૈષીઃ| **21** યતસ્તસ્યા ગર્ભઃ પવિત્રાદાત્મનોડભવત્, સા ચ પુત્રં પ્રસવિષ્યતે, તદા ત્વં તસ્ય નામ યીશુમ્ (અર્થાત્ ત્રાતારં) કરીષ્યસે, યસ્માત્ સ નિજમનુજાન્ તેષાં કલુષેભ્ય ઉદ્ધરિષ્યતિ| **22** ઇત્થં સતિ, પશ્ય ગર્ભવતી કન્યા તનયં પ્રસવિષ્યતે| ઇમ્માનૂયેલ્ તદીયઞ્ચ નામધેયં ભવિષ્યતિ|| ઇમ્માનૂયેલ્ અસ્માકં સઙ્ગીશ્વરઇત્યર્થઃ| **23** ઇતિ યદ્ વચનં પુર્વ્વં ભવિષ્યદ્વક્ત્રા ઈશ્વરઃ કથાયામાસ, તત્ તદાનીં સિદ્ધમભવત્| **24** અનન્તરં યૂષફ્ નિદ્રાતો જાગરિત ઉત્થાય પરમેશ્વરીયદૂતસ્ય નિદેશાનુસારેણ નિજાં જાયાં જગ્રાહ, **25** કિન્તુ યાવત્ સા નિજં પ્રથમસુતં અ સુષુવે, તાવત્ તાં નોપાગચ્છત્, તતઃ સુતસ્ય નામ યીશું ચક્રે|

2 અનન્તરં હેરોદ્ સંજ્ઞકે રાજ્ઞિ રાજ્યં શાસતિ યિહૂદીયદેશસ્ય બૈત્લેહમિ નગરે યીશૌ જાતવતિ ચ, કતિપયા જ્યોતિર્વ્વિદઃ પૂર્વ્વસ્યા દિશો યિરૂશાલમ્નગરં સમેત્ય કથયમાસુઃ, **2** યો યિહૂદીયાનાં રાજા જાતવાન્, સ કુત્રાસ્તે? વયં પૂર્વ્વસ્યાં દિશિ તિષ્ઠન્તસ્તદીયાં તારકામ્ અપશ્યામ તસ્માત્ તં પ્રણન્તુમ્ અગમામ| **3** તદા હેરોદ્ રાજા કથામેતાં નિશમ્ય યિરૂશાલમ્નગરસ્થિતૈઃ સર્વ્વમાનવૈઃ સાર્દ્ધમ્ ઉદ્વિજ્ય **4** સર્વ્વાન્ પ્રધાનયાજકાન્ અધ્યાપકાંશ્ચ સમાહૂયાનીય પપ્રચ્છ, ખ્રીષ્ટઃ કુત્ર જનિષ્યતે? **5** તદા તે કથયામાસુઃ, યિહૂદીયદેશસ્ય બૈત્લેહમિ નગરે, યતો ભવિષ્યદ્વાદિના ઇત્થં લિખિતમાસ્તે, **6** સર્વ્વાભ્યો રાજધાનીભ્યો યિહૂદીયસ્ય નીવૃતઃ| હે યીહૂદીયદેશસ્યે બૈત્લેહમ્ ત્વં ન ચાવરા| ઇસ્રાયેલીયલોકાન્ મે યતો યઃ પાલયિષ્યતિ| તાદૃગેકો મહારાજસ્ત્વન્મધ્ય ઉદ્ભવિષ્યતી|| **7** તદાનીં હેરોદ્ રાજા તાન્ જ્યોતિર્વ્વિદો ગોપનમ્ આહૂય સા તારકા કદા દૃષ્ટાભવત્, તદ્ વિનિશ્ચયામાસ| **8** અપરં તાન્ બૈત્લેહમં પ્રહીત્ય ગદિતવાન્, યૂયં યાત, યત્નાત્ તં શિશુમ્ અન્વિષ્ય તદુદ્દેશે પ્રાપ્તે મહ્યં વાર્ત્તાં દાસ્યથ, તતો મયાપિ ગત્વા સ પ્રણંસ્યતે| **9** તદાનીં રાજ્ઞ એતાદૃશીમ્ આજ્ઞાં પ્રાપ્ય તે પ્રતસ્થિરે, તતઃ પૂર્વ્વસ્યાં દિશિ સ્થિતૈસ્તૈ ર્યા તારકા દૃષ્ટા સા તારકા તેષામગ્રે ગત્વા યત્ર સ્થાને શિશૂરાસ્તે, તસ્ય સ્થાનસ્યોપરિ સ્થગિતા તસ્થૌ| **10** તદ્ દૃષ્ટ્વા તે મહાનન્દિતા બભૂવુઃ, **11** તતો ગેહમધ્ય પ્રવિશ્ય તસ્ય માત્રા મરિયમા સાર્દ્ધં તં શિશું નિરીક્ષય દણ્ડવદ્ ભૂત્વા પ્રણેમુઃ, અપરં સ્વેષાં ધનસમ્પત્તિં મોચયિત્વા સુવર્ણં કુન્દુરું ગન્ધરમઞ્ચ તસ્મૈ દર્શનીયં દત્તવન્તઃ| **12** પશ્ચાદ્ હેરોદ્ રાજસ્ય સમીપં પુનરપિ ગન્તું સ્વપ્ન ઇશ્વરેણ નિષિદ્ધાઃ સન્તો ઽન્યેન પથા તે નિજદેશં પ્રતિ પ્રતસ્થિરે| **13** અનન્તરં તેષુ ગતવત્સુ પરમેશ્વરસ્ય દૂતો યૂષફે સ્વપ્ને દર્શનં દત્વા જગાદ, ત્વમ્ ઉત્થાય શિશું તન્માતરઞ્ચ ગૃહીત્વા મિસર્દેશં પલાયસ્વ, અપરં યાવદહં તુભ્યં વાર્ત્તાં ન કથયિષ્યામિ, તાવત્ તત્રૈવ નિવસ, યતો રાજા હેરોદ્ શિશું નાશયિતું મૃગયિષ્યતે| **14** તદાનીં યૂષફ્ ઉત્થાય રજન્યાં શિશું તન્માતરઞ્ચ ગૃહીત્વા મિસર્દેશં પ્રતિ પ્રતસ્થે, **15** ગત્વા ચ હેરોદો નૃપતે ર્મરણપર્ય્યન્તં તત્ર દેશે ન્યુવાસ, તેન મિસર્દેશાદહં પુત્રં સ્વકીયં સમુપાહૂયમ્| યદેતદ્વચનમ્ ઈશ્વરેણ ભવિષ્યદ્વાદિના કથિતં તત્ સફલમભૂત્| **16** અનન્તરં હેરોદ્ જ્યોતિર્વિદ્ભિરાત્માનં

mathiH

1 ibrAhImaH santAno dAyUd tasya santAno yIzukhrISTastasya pUrvvapuruSavaMzazreNI| **2** ibrAhImaH putra ishAk tasya putro yAkUb tasya putro yihUdAstasya bhrAtarazca| **3** tasmAd yihUdAtastAmaro garbhe perasserahau jajJAte, tasya perasaH putro hiSroN tasya putro 'rAm| **4** tasya putro 'mmInAdab tasya putro nahazon tasya putraH salmon| **5** tasmAd rAhabo garbhe boyam jajJe, tasmAd rUto garbhe obed jajJe, tasya putro yizayaH| **6** tasya putro dAyUd rAjaH tasmAd mRtoriyasya jAyAyAM sulemAn jajJe| **7** tasya putro rihabiyAm, tasya putro'biyaH, tasya putra AsA: | **8** tasya suto yihozAphaT tasya suto yihorAma tasya suta uSiyaH| **9** tasya suto yotham tasya suta Aham tasya suto hiSkiyaH| **10** tasya suto minaziH, tasya suta Amon tasya suto yoziyaH| **11** bAbilnagare pravasanAt pUrvvaM sa yoziyo yikhaniyaM tasya bhrAtRMzca janayAmAsa| **12** tato bAbili pravasanakAle yikhaniyaH zaltIyelaM janayAmAsa, tasya sutaH sirubbAvil| **13** tasya suto 'bohud tasya suta ilIyAkIm tasya suto'sor| **14** asoraH sutaH sAdok tasya suta AkhIm tasya suta ilIhUd| **15** tasya suta iliyAsar tasya suto mattan| **16** tasya suto yAkUb tasya suto yUSaph tasya jAyA mariyam; tasya garbhe yIzurajani, tameva khrISTam (arthAd abhiSiktaM) vadanti| **17** ittham ibrAhImo dAyUdaM yAvat sAkalyena caturdazapuruSAH; A dAyUdaH kAlAd bAbili pravasanakAlaM yAvat caturdazapuruSA bhavanti| bAbili pravAsanakAlAt khrISTasya kAlaM yAvat caturdazapuruSA bhavanti| **18** yIzukhrISTasya janma kaththate| mariyam nAmikA kanyA yUSaphe vAgdattAsIt, tadA tayoH saGgamAt prAk sA kanyA pavitreNAtmanA garbhavatI babhUva| **19** tatra tasyAH pati ryUSaph saujanyAt tasyAH kalaGgaM prakAzayitum anicchan gopanene tAM pArityaktuM manazcakre| **20** sa tathaiva bhAvayati, tadAnIM paramezvarasya dUtaH svapne taM darzanaM dattvA vyAjahAra, he dAyUdaH santAna yUSaph tvaM nijAM jAyAM mariyamam AdAtuM mA bhaiSIH| **21** yatastasyA garbhaH pavitrAdAtmano'bhavat, sA ca putraM prasaviSyate, tadA tvaM tasya nAma yIzum (arthAt trAtAraM) karISyase, yasmAt sa nijamanujAn teSAM kaluSebhya uddhariSyati| **22** itthaM sati, pazya garbhavatI kanyA tanayaM prasaviSyate| immAnUyel tadIyaJca nAmadheyaM bhaviSyati|| immAnUyel asmAkaM saGgIzvaraityarthaH| **23** iti yad vacanaM purvvaM bhaviSyadvaktrA IzvaraH kathAyAmAsa, tat tadAnIM siddhamabhavat| **24** anantaraM yUSaph nidrAto jAgarita utthAya paramezvarIyadUtasya nidezAnusAreNa nijAM jAyAM jagrAha, **25** kintu yAvat sA nijaM prathamasutaM a suSuve, tAvat tAM nopAgacchat, tataH sutasya nAma yIzuM cakre|

2 anantaraM herod saMjJake rAjJi rAjyaM zAsati yihUdIyadezasya baitlehami nagare yIzau jAtavati ca, katipayA jyotirvvudaH pUrvvasyA dizo yirUzAlamnagaraM sametya kathayAmAsuH, **2** yo yihUdIyAnAM rAjA jAtavAn, sa kutrAste? vayaM pUrvvasyAM dizi tiSThantastadIyAM tArakAm apazyAma tasmAt taM praNantum agamAma| **3** tadA herod rAjA kathAmetAM nizamya yirUzAlamnagarasthitaiH sarvvamAnavaiH sArddham udvijya **4** sarvvAn pradhAnayAjakAn adhyApakAMzca samAhUyAnIya papraccha, khrISTaH kutra janiSyate? **5** tadA te kathayAmAsuH, yihUdIyadezasya baitlehami nagare, yato bhaviSyadvAdinA itthaM likhitamAste, **6** sarvvAbhyo rAjadhAnIbhyo yihUdIyasya nIvRtaH| he yIhUdIyadezasye baitleham tvaM na cAvarA|isrAyelIyalokAn me yato yaH pAlayiSyati| tAdRgeko mahArAjastvanmadhya udbhaviSyatI|| **7** tadAnIM herod rAjA tAn jyotirvvido gopanam AhUya sA tArakA kadA dRSTAbhavat, tad vinizcayAmAsa| **8** aparaM tAn baitlehamaM prahItya gaditavAn, yUyaM yAta, yatnAt taM zizum anviSya taduddeze prApte mahyaM vArttAM dAsyatha, tato mayApi gatvA sa praNaMsyate| **9** tadAnIM rAjJa etAdRzIm AjJAM prApya te pratasthire, tataH pUrvvarsyAM dizi sthitaistai ryA tArakA dRSTA sA tArakA teSAmagre gatvA yatra sthAne zizurAste, tasya sthAnasyopari sthagitA tasyau| **10** tad dRSTvA te mahAnanditA babhUvuH, **11** tato gehamadhya pravizya tasya mAtrA mariyamA sAddhaM taM zizuM nirIkSaya daNDavad bhUtvA

mathiḥ

1 ibrāhīmaḥ santāno dāyūd tasya santāno yīśukhrīṣṭastasya pūrvvapuruṣavaṁśaśreṇī| **2** ibrāhīmaḥ putra ishāk tasya putro yākūb tasya putro yihūdāstasya bhrātaraśca| **3** tasmād yihūdātastāmaro garbhe perasserahau jajñāte, tasya perasaḥ putro hiṣroṇ tasya putro 'rām| **4** tasya putro 'mmīnādab tasya putro nahaśon tasya putraḥ salmon| **5** tasmād rāhabo garbhe boyam jajñe, tasmād rūto garbhe obed jajñe, tasya putro yiśayaḥ| **6** tasya putro dāyūd rājaḥ tasmād mṛtoriyasya jāyāyāṁ sulemān jajñe| **7** tasya putro rihabiyām, tasya putro'biyaḥ, tasya putra āsāḥ| **8** tasya suto yihośāphaṭ tasya suto yihorāma tasya suta uṣiyaḥ| **9** tasya suto yotham tasya suta āham tasya suto hiṣkiyaḥ| **10** tasya suto minaśiḥ, tasya suta āmon tasya suto yośiyaḥ| **11** bābilnagare pravasanāt pūrvvaṁ sa yośiyo yikhaniyaṁ tasya bhrātṛṁśca janayāmāsa| **12** tato bābili pravasanakāle yikhaniyaḥ śaltīyelaṁ janayāmāsa, tasya sutaḥ sirubbāvil| **13** tasya suto 'bohud tasya suta ilīyākīm tasya suto'sor| **14** asoraḥ sutaḥ sādok tasya suta ākhīm tasya suta ilīhūd| **15** tasya suta iliyāsar tasya suto mattan| **16** tasya suto yākūb tasya suto yūṣaph tasya jāyā mariyam; tasya garbhe yīśurajani, tameva khrīṣṭam (arthād abhiṣiktaṁ) vadanti| **17** itttham ibrāhīmo dāyūdaṁ yāvat sākalyena caturdaśapuruṣāḥ; ā dāyūdaḥ kālād bābili pravasanakālaṁ yāvat caturdaśapuruṣā bhavanti| bābili pravāsanakālāt khrīṣṭasya kālaṁ yāvat caturdaśapuruṣā bhavanti| **18** yīśukhrīṣṭasya janma kaththate| mariyam nāmikā kanyā yūṣaphe vāgdattāsīt, tadā tayoḥ saṅgamāt prāk sā kanyā pavitreṇātmanā garbhavatī babhūva| **19** tatra tasyāḥ pati ryūṣaph saujanyāt tasyāḥ kalaṅgaṁ prakāśayitum anicchan gopanene tāṁ pārityaktuṁ manaścakre| **20** sa tathaiva bhāvayati, tadānīṁ parameśvarasya dūtaḥ svapne taṁ darśanaṁ dattvā vyājahāra, he dāyūdaḥ santāna yūṣaph tvaṁ nijāṁ jāyāṁ mariyamam ādātuṁ mā bhaiṣīḥ| **21** yatastasyā garbhaḥ pavitrādātmano'bhavat, sā ca putraṁ prasaviṣyate, tadā tvaṁ tasya nāma yīśum (arthāt trātāraṁ) karīṣyase, yasmāt sa nijamanujān teṣāṁ kaluṣebhya uddhariṣyati| **22** itthaṁ sati, paśya garbhavatī kanyā tanayaṁ prasaviṣyate| immānūyel tadīyañca nāmadheyaṁ bhaviṣyati|| immānūyel asmākaṁ saṅgīśvaraityarthaḥ| **23** iti yad vacanaṁ purvvaṁ bhaviṣyadvaktrā īśvaraḥ kathāyāmāsa, tat tadānīṁ siddhamabhavat| **24** anantaraṁ yūṣaph nidrāto jāgarita utthāya parameśvarīyadūtasya nideśānusāreṇa nijāṁ jāyāṁ jagrāha, **25** kintu yāvat sā nijaṁ prathamasutaṁ a suṣuve, tāvat tāṁ nopāgacchat, tataḥ sutasya nāma yīśuṁ cakre|

2 anantaraṁ herod saṁjñake rājñi rājyaṁ śāsati yihūdīyadeśasya baitlehami nagare yīśau jātavati ca, katipayā jyotirvvudaḥ pūrvvasyā diśo yirūśālamnagaraṁ sametya kathayamāsuḥ, **2** yo yihūdīyānāṁ rājā jātavān, sa kutrāste? vayaṁ pūrvvasyāṁ diśi tiṣṭhantastadīyāṁ tārakām apaśyāma tasmāt taṁ praṇantum agamāma| **3** tadā herod rājā kathāmetāṁ niśamya yirūśālamnagarasthitaiḥ sarvvamānavaiḥ sārddham udvijya **4** sarvvān pradhānayājakān adhyāpakāṁśca samāhūyānīya papraccha, khrīṣṭaḥ kutra janiṣyate? **5** tadā te kathayāmāsuḥ, yihūdīyadeśasya baitlehami nagare, yato bhaviṣyadvādinā itthaṁ likhitamāste, **6** sarvvābhyo rājadhānībhyo yihūdīyasya nīvṛtaḥ| he yīhūdīyadeśasye baitleham tvaṁ na cāvarā|isrāyelīyalokān me yato yaḥ pālayiṣyati| tādṛgeko mahārājastvanmadhya udbhaviṣyatī|| **7** tadānīṁ herod rājā tān jyotirvvido gopanam āhūya sā tārakā kadā dṛṣṭābhavat, tad viniścayāmāsa| **8** aparaṁ tān baitlehamaṁ prahītya gaditavān, yūyaṁ yāta, yatnāt taṁ śiśum anviṣya taduddeśe prāpte mahyaṁ vārttāṁ dāsyatha, tato mayāpi gatvā sa praṇaṁsyate| **9** tadānīṁ rājña etādṛśīm ājñāṁ prāpya te pratasthire, tataḥ pūrvvarsyāṁ diśi sthitaistai ryā tārakā dṛṣṭā sā tārakā teṣāmagre gatvā yatra sthāne śiśūrāste, tasya sthānasyopari sthagitā tasyau| **10** tad dṛṣṭvā te mahānanditā babhūvuḥ, **11** tato gehamadhya praviśya tasya mātrā mariyamā sāddhaṁ taṁ śiśuṁ nirīkṣaya daṇḍavad bhūtvā praṇemuḥ, aparaṁ sveṣāṁ ghanasampattiṁ mocayitvā suvarṇaṁ kunduruṁ gandharamañca tasmai darśanīyaṁ dattavantaḥ| **12** paścād herod rājasya samīpaṁ punarapi

mathiḥ

1 ibrāhīmaḥ santānō dāyūd tasya santānō yīśukhrīṣṭastasya pūrvvapuruṣavaṁśaśrēṇīḥ| **2** ibrāhīmaḥ putra ishāk tasya putrō yākūb tasya putrō yihūdāstasya bhrātaraśca| **3** tasmād yihūdātastāmarō garbhē pērassērahau jajñātē, tasya pērasaḥ putrō hiṣrōṇ tasya putrō 'rām| **4** tasya putrō 'mmīnādab tasya putrō nahaśōn tasya putraḥ salmōn| **5** tasmād rāhabō garbhē bōyam jajñē, tasmād rūtō garbhē ōbēd jajñē, tasya putrō yiśayaḥ| **6** tasya putrō dāyūd rājaḥ tasmād mṛtōriyasya jāyāyāṁ sulēmān jajñē| **7** tasya putrō rihabiyām, tasya putrō'biyaḥ, tasya putra āsāḥ| **8** tasya sutō yihōśāphaṭ tasya sutō yihōrāma tasya suta uṣiyaḥ| **9** tasya sutō yōtham tasya suta āham tasya sutō hiṣkiyaḥ| **10** tasya sutō minaśiḥ, tasya suta āmōn tasya sutō yōśiyaḥ| **11** bābilnagarē pravasanāt pūrvvaṁ sa yōśiyō yikhaniyaṁ tasya bhrātṛṁśca janayāmāsa| **12** tatō bābili pravasanakālē yikhaniyaḥ śaltīyēlaṁ janayāmāsa, tasya sutaḥ sirubbāvil| **13** tasya sutō 'bōhud tasya suta ilīyākīm tasya sutō'sōr| **14** asōraḥ sutaḥ sādōk tasya suta ākhīm tasya suta ilīhūd| **15** tasya suta iliyāsar tasya sutō mattan| **16** tasya sutō yākūb tasya sutō yūṣaph tasya jāyā mariyam; tasya garbhē yīśurajani, tamēva khrīṣṭam (arthād abhiṣiktaṁ) vadanti| **17** itttham ibrāhīmō dāyūdaṁ yāvat sākalyēna caturdaśapuruṣāḥ; ā dāyūdaḥ kālād bābili pravasanakālaṁ yāvat caturdaśapuruṣā bhavanti| bābili pravāsanakālāt khrīṣṭasya kālaṁ yāvat caturdaśapuruṣā bhavanti| **18** yīśukhrīṣṭasya janma kaththatē| mariyam nāmikā kanyā yūṣaphē vāgdattāsīt, tadā tayōḥ saṅgamāt prāk sā kanyā pavitrēṇātmanā garbhavatī babhūva| **19** tatra tasyāḥ pati ryūṣaph saujanyāt tasyāḥ kalaṅgaṁ prakāśayitum anicchan gōpanēnē tāṁ pārityaktuṁ manaścakrē| **20** sa tathaiva bhāvayati, tadānīṁ paramēśvarasya dūtaḥ svapnē taṁ darśanaṁ dattvā vyājahāra, hē dāyūdaḥ santāna yūṣaph tvaṁ nijāṁ jāyāṁ mariyamam ādātuṁ mā bhaiṣīḥ| **21** yatastasyā garbhaḥ pavitrādātmanō'bhavat, sā ca putraṁ prasaviṣyatē, tadā tvaṁ tasya nāma yīśum (arthāt trātāraṁ) karīṣyasē, yasmāt sa nijamanujān tēṣāṁ kaluṣēbhya uddhariṣyati| **22** itthaṁ sati, paśya garbhavatī kanyā tanayaṁ prasaviṣyatē| immānūyēl tadīyañca nāmadhēyaṁ bhaviṣyati|| immānūyēl asmākaṁ saṅgīśvaṛityarthaḥ| **23** iti yad vacanaṁ purvvaṁ bhaviṣyadvaktrā īśvaraḥ kathāyāmāsa, tat tadānīṁ siddhamabhavat| **24** anantaraṁ yūṣaph nidrātō jāgarita utthāya paramēśvarīyadūtasya nidēśānusārēṇa nijāṁ jāyāṁ jagrāha, **25** kintu yāvat sā nijaṁ prathamasutaṁ a suṣuvē, tāvat tāṁ nōpāgacchat, tataḥ sutasya nāma yīśuṁ cakrē|

2 anantaraṁ hērōd saṁjñakē rājñi rājyaṁ śāsati yihūdīyadēśasya baitlēhami nagarē yīśau jātavati ca, katipayā jyōtirvvudaḥ pūrvvasyā diśō yirūśālamnagaraṁ samētya kathayamāsuḥ, **2** yō yihūdīyānāṁ rājā jātavān, sa kutrāstē? vayaṁ pūrvvasyāṁ diśi tiṣṭhantastadīyāṁ tārakām apaśyāma tasmāt taṁ praṇantum agamāma| **3** tadā hērōd rājā kathāmētāṁ niśamya yirūśālamnagarasthitaiḥ sarvvamānavaiḥ sārddham udvijya **4** sarvvān pradhānayājakān adhyāpakāṁśca samāhūyānīya papraccha, khrīṣṭaḥ kutra janiṣyatē? **5** tadā tē kathayāmāsuḥ, yihūdīyadēśasya baitlēhami nagarē, yatō bhaviṣyadvādinā itthaṁ likhitamāstē, **6** sarvvābhyō rājadhānībhyō yihūdīyasya nīvṛtaḥ| hē yīhūdīyadēśasyē baitlēham tvaṁ na cāvarā|isrāyēlīyalōkān mē yatō yaḥ pālayiṣyati| tādṛgēkō mahārājastvanmadhya udbhaviṣyatī|| **7** tadānīṁ hērōd rājā tān jyōtirvvidō gōpanam āhūya sā tārakā kadā dṛṣṭābhavat, tad viniścayāmāsa| **8** aparaṁ tān baitlēhamaṁ prahītya gaditavān, yūyaṁ yāta, yatnāt taṁ śiśum anviṣya taduddēśē prāptē mahyaṁ vārttāṁ dāsyatha, tatō mayāpi gatvā sa praṇaṁsyatē| **9** tadānīṁ rājña ētādṛśīm ājñāṁ prāpya tē pratasthirē, tataḥ pūrvvarsyāṁ diśi sthitaistai ryā tārakā dṛṣṭā sā tārakā tēṣāmagrē gatvā yatra sthānē śiśūrāstē, tasya sthānasyōpari sthagitā tasyau| **10** tad dṛṣṭvā tē mahānanditā babhūvuḥ, **11** tatō gēhamadhya praviśya tasya mātrā mariyamā sāddhaṁ taṁ śiśuṁ nirīkṣaya daṇḍavad bhūtvā praṇēmuḥ, aparaṁ svēṣāṁ ghanasampattiṁ mōcayitvā suvarṇaṁ kunduruṁ gandharamañca tasmai darśanīyaṁ dattavantaḥ| **12** paścād hērōd rājasya samīpaṁ punarapi

mathiH

1 ibrAhImaH santAno dAyUd tasya santAno yIshukhrIShTastasya pUrvvapuruShavaMshashreNI| **2** ibrAhImaH putra ishAk tasya putro yAkUb tasya putro yihUdAstasya bhrAtarashcha| **3** tasmAd yihUdAtastAmaro garbhe perasserahau jaj nAte, tasya perasaH putro hiShroN tasya putro. arAm| **4** tasya putro. ammInAdab tasya putro nahashon tasya putraH salmon| **5** tasmAd rAhabo garbhe boyam jaj ne, tasmAd rUto garbhe obed jaj ne, tasya putro yishayaH| **6** tasya putro dAyUd rAjaH tasmAd mR^itoriyasya jAyAyAM sulemAn jaj ne| **7** tasya putro rihabiyAm, tasya putro. abiyaH, tasya putra AsA: | **8** tasya suto yihoshAphaT tasya suto yihorAma tasya suta uShiyaH| **9** tasya suto yotham tasya suta Aham tasya suto hiShkiyaH| **10** tasya suto minashiH, tasya suta Amon tasya suto yoshiyaH| **11** bAbilnagare pravasanAt pUrvvaM sa yoshiyo yikhaniyaM tasya bhrAtR^iMshcha janayAmAsa| **12** tato bAbili pravasanakAle yikhaniyaH shaltIyelaM janayAmAsa, tasya sutaH sirubbAvil| **13** tasya suto. abohud tasya suta ilIyAkIm tasya suto. asor| **14** asoraH sutaH sAdok tasya suta AkhIm tasya suta ilIhUd| **15** tasya suta iliyAsar tasya suto mattan| **16** tasya suto yAkUb tasya suto yUShaph tasya jAyA mariyam; tasya garbhe yIshurajani, tameva khrIShTam (arthAd abhiShiktaM) vadanti| **17** ittham ibrAhImo dAyUdaM yAvat sAkalyena chaturdashapuruShAH; A dAyUdaH kAlAd bAbili pravasanakAlaM yAvat chaturdashapuruShA bhavanti| bAbili pravAsanakAlAt khrIShTasya kAlaM yAvat chaturdashapuruShA bhavanti| **18** yIshukhrIShTasya janma kaththate| mariyam nAmikA kanyA yUShaphe vAgdattAsIt, tadA tayoH sa NgamAt prAk sA kanyA pavitreNAtmanA garbhavatI babhUva| **19** tatra tasyAH pati ryUShaph saujanyAt tasyAH kala NgaM prakAshayitum anichChan gopanene tAM pArityaktuM manashchakre| **20** sa tathaiva bhAvayati, tadAnIM parameshvarasya dUtaH svapne taM darshanaM dattvA vyAjahAra, he dAyUdaH santAna yUShaph tvaM nijAM jAyAM mariyamam AdAtuM mA bhaiShIH| **21** yatastasyA garbhaH pavitrAdAtmano. abhavat, sA cha putraM prasaviShyate, tadA tvaM tasya nAma yIshum (arthAt trAtAraM) karIShyase, yasmAt sa nijamanujAn teShAM kaluShebhya uddhariShyati| **22** itthaM sati, pashya garbhavatI kanyA tanayaM prasaviShyate| immAnUyel tadIya ncha nAmadheyaM bhaviShyati|| immAnUyel asmAkaM sa NgIshvaraityarthaH| **23** iti yad vachanaM purvvaM bhaviShyadvaktrA IshvaraH kathAyAmAsa, tat tadAnIM siddhamabhavat| **24** anantaraM yUShaph nidrAto jAgarita utthAya parameshvarIyadUtasya nideshAnusAreNa nijAM jAyAM jagrAha, **25** kintu yAvat sA nijaM prathamasutaM a suShuve, tAvat tAM nopAgachChat, tataH sutasya nAma yIshuM chakre|

2 anantaraM herod saMj nake rAj ni rAjyaM shAsati yihUdIyadeshasya baitlehAmi nagare yIshau jAtAvati cha, katipayA jyotirvvudaH pUrvvasyA disho yirUshAlamnagaraM sametya kathayAmAsuH, **2** yo yihUdIyAnAM rAjA jAtavAn, sa kutrAste? vayaM pUrvvasyAM dishi tiShThantastadIyAM tArakAm apashyAma tasmAt taM praNantum agamAma| **3** tadA herod rAjA kathAmetAM nishamya yirUshAlamnagarasthitaiH sarvvamAnavaiH sArddham udvijya **4** sarvvAn pradhAnayAjakAn adhyApakAMshcha samAhUyAnIya paprachCha, khrIShTaH kutra janiShyate? **5** tadA te kathayAmAsuH, yihUdIyadeshasya baitlehAmi nagare, yato bhaviShyadvAdinA itthaM likhitamAste, **6** sarvvAbhyo rAjadhAnIbhyo yihUdIyasya nIvR^itaH| he yIhUdIyadeshasye baitleham tvaM na chAvarA|isrAyelIyalokAn me yato yaH pAlayiShyati| tAdR^igeko mahArAjastvanmadhya udbhaviShyatI|| **7** tadAnIM herod rAjA tAn jyotirvvido gopanam AhUya sA tArakA kadA dR^iShTAbhavat, tad vinishchayAmAsa| **8** aparaM tAn baitlehAmaM prahItya gaditavAn, yUyaM yAta, yatnAt taM shishum anviShya taduddeshe prApte mahyaM vArttAM dAsyatha, tato mayApi gatvA sa praNaMsyate| **9** tadAnIM rAj na etAdR^ishIm Aj nAM prApya te pratasthire, tataH pUrvvarsyAM dishi sthitaistai ryA

ಮಥಿಃ

1 ಇಬ್ರಾಹೀಮಃ ಸನ್ತಾನೋ ದಾಯೂದ್ ತಸ್ಯ ಸನ್ತಾನೋ ಯೀಶುಖ್ರೀಷ್ಟಸ್ತಸ್ಯ ಪೂರ್ವ್ವಪುರುಷವಂಶಶ್ರೇಣೀ| **2** ಇಬ್ರಾಹೀಮಃ
ಪುತ್ರ ಇಸ್ಹಾಕ್ ತಸ್ಯ ಪುತ್ರೋ ಯಾಕೂಬ್ ತಸ್ಯ ಪುತ್ರೋ ಯಿಹೂದಾಸ್ತಸ್ಯ ಭ್ರಾತರಶ್ಚ| **3** ತಸ್ಮಾದ್ ಯಿಹೂದಾತಸ್ತಾಮರೋ
ಗರ್ಭೇ ಪೇರಸ್ಸೇರಹೌ ಜಜ್ಞಾತೇ, ತಸ್ಯ ಪೇರಸಃ ಪುತ್ರೋ ಹಿಷ್ರೋಣ್ ತಸ್ಯ ಪುತ್ರೋ ೞರಾಮ್| **4** ತಸ್ಯ ಪುತ್ರೋ ೞಮ್ಮೀನಾದಬ್
ತಸ್ಯ ಪುತ್ರೋ ನಹಶೋನ್ ತಸ್ಯ ಪುತ್ರಃ ಸಲ್ಮೋನ್| **5** ತಸ್ಮಾದ್ ರಾಹಬೋ ಗರ್ಭೇ ಬೋಯಮ್ ಜಜ್ಞೇ, ತಸ್ಮಾದ್ ರೂತೋ
ಗರ್ಭೇ ಓಬೇದ್ ಜಜ್ಞೇ, ತಸ್ಯ ಪುತ್ರೋ ಯಿಶಯಃ| **6** ತಸ್ಯ ಪುತ್ರೋ ದಾಯೂದ್ ರಾಜಃ ತಸ್ಮಾದ್ ಮೃತೋರಿಯಸ್ಯ
ಜಾಯಾಯಾಂ ಸುಲೇಮಾನ್ ಜಜ್ಞೇ| **7** ತಸ್ಯ ಪುತ್ರೋ ರಿಹಬಿಯಾಮ್, ತಸ್ಯ ಪುತ್ರೋೞಬಿಯಃ, ತಸ್ಯ ಪುತ್ರ ಆಸಾ: | **8**
ತಸ್ಯ ಸುತೋ ಯಿಹೋಶಾಫಟ್ ತಸ್ಯ ಸುತೋ ಯಿಹೋರಾಮ ತಸ್ಯ ಸುತ ಉಷಿಯಃ| **9** ತಸ್ಯ ಸುತೋ ಯೋಥಮ್ ತಸ್ಯ
ಸುತ ಆಹಮ್ ತಸ್ಯ ಸುತೋ ಹಿಷ್ಕಿಯಃ| **10** ತಸ್ಯ ಸುತೋ ಮಿನಶಿಃ, ತಸ್ಯ ಸುತ ಆಮೋನ್ ತಸ್ಯ ಸುತೋ ಯೋಶಿಯಃ| **11**
ಬಾಬಿಲ್ನಗರೇ ಪ್ರವಸನಾತ್ ಪೂರ್ವ್ವಂ ಸ ಯೋಶಿಯೋ ಯಿಖನಿಯಂ ತಸ್ಯ ಭ್ರಾತೄಂಶ್ಚ ಜನಯಾಮಾಸ| **12** ತತೋ ಬಾಬಿಲಿ
ಪ್ರವಸನಕಾಲೇ ಯಿಖನಿಯಃ ಶಲ್ತೀಯೇಲಂ ಜನಯಾಮಾಸ, ತಸ್ಯ ಸುತಃ ಸಿರುಬ್ಬಾವಿಲ್| **13** ತಸ್ಯ ಸುತೋ ೞಬೋಹುದ್
ತಸ್ಯ ಸುತ ಇಲೀಯಾಕೀಮ್ ತಸ್ಯ ಸುತೋೞಸೋರ್| **14** ಅಸೋರಃ ಸುತಃ ಸಾದೋಕ್ ತಸ್ಯ ಸುತ ಆಖೀಮ್ ತಸ್ಯ ಸುತ
ಇಲೀಹೂದ್| **15** ತಸ್ಯ ಸುತ ಇಲಿಯಾಸರ್ ತಸ್ಯ ಸುತೋ ಮತ್ತನ್| **16** ತಸ್ಯ ಸುತೋ ಯಾಕೂಬ್ ತಸ್ಯ ಸುತೋ ಯೂಷಫ್ ತಸ್ಯ
ಜಾಯಾ ಮರಿಯಮ್; ತಸ್ಯ ಗರ್ಭೇ ಯೀಶುರಜನಿ, ತಮೇವ ಖ್ರೀಷ್ಟಮ್ (ಅರ್ಥಾದ್ ಅಭಿಷಿಕ್ತಂ) ವದನ್ತಿ| **17** ಇತ್ಥಮ್
ಇಬ್ರಾಹೀಮೋ ದಾಯೂದಂ ಯಾವತ್ ಸಾಕಲ್ಯೇನ ಚತುರ್ದಶಪುರುಷಾಃ; ಆ ದಾಯೂದಃ ಕಾಲಾದ್ ಬಾಬಿಲಿ ಪ್ರವಸನಕಾಲಂ
ಯಾವತ್ ಚತುರ್ದಶಪುರುಷಾ ಭವನ್ತಿ| ಬಾಬಿಲಿ ಪ್ರವಾಸನಕಾಲಾತ್ ಖ್ರೀಷ್ಟಸ್ಯ ಕಾಲಂ ಯಾವತ್ ಚತುರ್ದಶಪುರುಷಾ
ಭವನ್ತಿ| **18** ಯೀಶುಖ್ರೀಷ್ಟಸ್ಯ ಜನ್ಮ ಕಥ್ಯತೇ| ಮರಿಯಮ್ ನಾಮಿಕಾ ಕನ್ಯಾ ಯೂಷಫೇ ವಾಗ್ದತ್ತಾಸೀತ್, ತದಾ ತಯೋಃ
ಸಙ್ಗಮಾತ್ ಪ್ರಾಕ್ ಸಾ ಕನ್ಯಾ ಪವಿತ್ರೇಣಾತ್ಮನಾ ಗರ್ಭವತೀ ಬಭೂವ| **19** ತತ್ರ ತಸ್ಯಾಃ ಪತಿ ರ್ಯೂಷಫ್ ಸೌಜನ್ಯಾತ್
ತಸ್ಯಾಃ ಕಲಙ್ಕಂ ಪ್ರಕಾಶಯಿತುಮ್ ಅನಿಚ್ಛನ್ ಗೋಪನೇನೇ ತಾಂ ಪಾರಿತ್ಯಕ್ತುಂ ಮನಶ್ಚಕ್ರೇ| **20** ಸ ತಥೈವ ಭಾವಯತಿ,
ತದಾನೀಂ ಪರಮೇಶ್ವರಸ್ಯ ದೂತಃ ಸ್ವಪ್ನೇ ತಂ ದರ್ಶನಂ ದತ್ತ್ವಾ ವ್ಯಾಜಹಾರ, ಹೇ ದಾಯೂದಃ ಸನ್ತಾನ ಯೂಷಫ್ ತ್ವಂ
ನಿಜಾಂ ಜಾಯಾಂ ಮರಿಯಮಮ್ ಆದಾತುಂ ಮಾ ಭೈಷೀಃ| **21** ಯತಸ್ತಸ್ಯಾ ಗರ್ಭಃ ಪವಿತ್ರಾದಾತ್ಮನೋೞಭವತ್, ಸಾ ಚ
ಪುತ್ರಂ ಪ್ರಸವಿಷ್ಯತೇ, ತದಾ ತ್ವಂ ತಸ್ಯ ನಾಮ ಯೀಶುಮ್ (ಅರ್ಥಾತ್ ತ್ರಾತಾರಂ) ಕರೀಷ್ಯಸೇ, ಯಸ್ಮಾತ್ ಸ ನಿಜಮನುಜಾನ್
ತೇಷಾಂ ಕಲುಷೇಭ್ಯ ಉದ್ಧರಿಷ್ಯತಿ| **22** ಇತ್ಥಂ ಸತಿ, ಪಶ್ಯ ಗರ್ಭವತೀ ಕನ್ಯಾ ತನಯಂ ಪ್ರಸವಿಷ್ಯತೇ| ಇಮ್ಮಾನೂಯೇಲ್
ತದೀಯಞ್ಚ ನಾಮಧೇಯಂ ಭವಿಷ್ಯತಿ|| ಇಮ್ಮಾನೂಯೇಲ್ ಅಸ್ಮಾಕಂ ಸಙ್ಗೀಶ್ವರಇತ್ಯರ್ಥಃ| **23** ಇತಿ ಯದ್ ವಚನಂ ಪುರ್ವ್ವಂ
ಭವಿಷ್ಯದ್ವಕ್ತ್ರಾ ಈಶ್ವರಃ ಕಥಾಯಾಮಾಸ, ತತ್ ತದಾನೀಂ ಸಿದ್ಧಮಭವತ್| **24** ಅನನ್ತರಂ ಯೂಷಫ್ ನಿದ್ರಾತೋ ಜಾಗರಿತ
ಉತ್ಥಾಯ ಪರಮೇಶ್ವರೀಯದೂತಸ್ಯ ನಿದೇಶಾನುಸಾರೇಣ ನಿಜಾಂ ಜಾಯಾಂ ಜಗ್ರಾಹ, **25** ಕಿನ್ತು ಯಾವತ್ ಸಾ ನಿಜಂ
ಪ್ರಥಮಸುತಂ ಅ ಸುಷುವೇ, ತಾವತ್ ತಾಂ ನೋಪಾಗಚ್ಛತ್, ತತಃ ಸುತಸ್ಯ ನಾಮ ಯೀಶುಂ ಚಕ್ರೇ|

2 ಅನನ್ತರಂ ಹೇರೋದ್ ಸಂಜ್ಞಕೇ ರಾಜ್ಞಿ ರಾಜ್ಯಂ ಶಾಸತಿ ಯಿಹೂದೀಯದೇಶಸ್ಯ ಬೈತ್ಲೇಹಮಿ ನಗರೇ ಯೀಶೌ ಜಾತವತಿ
ಚ, ಕತಿಪಯಾ ಜ್ಯೋತಿರ್ವ್ವಿದಃ ಪೂರ್ವ್ವಸ್ಯಾ ದಿಶೋ ಯಿರೂಶಾಲಮ್ನಗರಂ ಸಮೇತ್ಯ ಕಥಯಮಾಸುಃ, **2** ಯೋ
ಯಿಹೂದೀಯಾನಾಂ ರಾಜಾ ಜಾತವಾನ್, ಸ ಕುತ್ರಾಸ್ತೇ? ವಯಂ ಪೂರ್ವ್ವಸ್ಯಾಂ ದಿಶಿ ತಿಷ್ಠನ್ತಸ್ತದೀಯಾಂ ತಾರಕಾಮ್ ಅಪಶ್ಯಾಮ
ತಸ್ಮಾತ್ ತಂ ಪ್ರಣನ್ತುಮ್ ಅಗಮಾಮ| **3** ತದಾ ಹೇರೋದ್ ರಾಜಾ ಕಥಾಮೇತಾಂ ನಿಶಮ್ಯ ಯಿರೂಶಾಲಮ್ನಗರಸ್ಥಿತೈಃ
ಸರ್ವ್ವಮಾನವೈಃ ಸಾರ್ದ್ಧಮ್ ಉದ್ವಿಜ್ಯ **4** ಸರ್ವ್ವಾನ್ ಪ್ರಧಾನಯಾಜಕಾನ್ ಅಧ್ಯಾಪಕಾಂಶ್ಚ ಸಮಾಹೂಯಾನೀಯ ಪಪ್ರಚ್ಛ, ಖ್ರೀಷ್ಟಃ
ಕುತ್ರ ಜನಿಷ್ಯತೇ? **5** ತದಾ ತೇ ಕಥಯಾಮಾಸುಃ, ಯಿಹೂದೀಯದೇಶಸ್ಯ ಬೈತ್ಲೇಹಮಿ ನಗರೇ, ಯತೋ ಭವಿಷ್ಯದ್ವಾದಿನಾ ಇತ್ಥಂ
ಲಿಖಿತಮಾಸ್ತೇ, **6** ಸರ್ವ್ವಾಭ್ಯೋ ರಾಜಧಾನೀಭ್ಯೋ ಯಿಹೂದೀಯಸ್ಯ ನೀವೃತಃ| ಹೇ ಯೀಹೂದೀಯದೇಶಸ್ಥೇ ಬೈತ್ಲೇಹಮ್
ತ್ವಂ ನ ಚಾವರಾ| ಇಸ್ರಾಯೇಲೀಯಲೋಕಾನ್ ಮೇ ಯತೋ ಯಃ ಪಾಲಯಿಷ್ಯತಿ| ತಾದೃಗೇಕೋ ಮಹಾರಾಜಸ್ತ್ವನ್ಮಧ್ಯ
ಉದ್ಭವಿಷ್ಯತೀ|| **7** ತದಾನೀಂ ಹೇರೋದ್ ರಾಜಾ ತಾನ್ ಜ್ಯೋತಿರ್ವ್ವಿದೋ ಗೋಪನಮ್ ಆಹೂಯ ಸಾ ತಾರಕಾ ಕದಾ

មថិ៉ះ

1 ឥព្រហីមៈ សន្តានោ ទាយូទ៑ តស្យ សន្តានោ យីឝុខ្រីមទ្ឝស្តស្យ បូវ៌្ជីបុរុមវំឝគ្រេណី ។ 2 ឥព្រហីមៈ
បុត្រ ឥស្ហាក៑ តស្យ បុត្រោ យាកូព៑ តស្យ បុត្រោ យិហូទាស្តស្យ ភ្រាតរទ្ឝ ។ 3 តស្មាទ៑
យិហូទាតស្តាមរោ ឝពប្លឹ៎ បេរេស្សេរហៅ ជជ្ញាតេ, តស្យ បេរេសៈ បុត្រោ ហាឞ្រោណ៑ តស្យ បុត្រោ
នរាម៑ ។ 4 តស្យ បុត្រោ រមឞ្ញីនាទព៑ តស្យ បុត្រោ នហាឝោន៑ តស្យ បុត្រៈ សល្មោន៑ ។ 5 តស្មាទ៑
រាហពោ ឝពប្លឹ៎ ពោយម៑ ជជ្ញេ, តស្មាទ៑ រូតោ ឝពប្លឹ៎ ឱពេទ៑ ជជ្ញេ, តស្យ បុត្រោ យិឝយៈ ។ 6 តស្យ
បុត្រោ ទាយូទ៑ រាជៈ តស្មាទ៑ មទ្ទូតោរិយស្យ ជាយាយាំ សលុមោន៑ ជជ្ញេ ។ 7 តស្យ បុត្រោ
រិហពិយាម៑, តស្យ បុត្រោនពិយៈ, តស្យ បុត្រ អាសាៈ ។ 8 តស្យ សលុតោ យិហោឝាផដ៑ តស្យ
សលុតោ យិហោរាម តស្យ សលុត ឧឞិយៈ ។ 9 តស្យ សលុតោ យោថម៑ តស្យ សលុត អាហម៑ តស្យ
សលុតោ ហាឝិឞ្កិយៈ ។ 10 តស្យ សលុតោ មនិនឝិៈ, តស្យ សលុត អាមោន៑ តស្យ សលុតោ យោឝិយៈ ។
11 ពាពិឡ្ឝរេ បព្រវសនាតិ បូវ៌្ជី ស យោឝិយោ យិខនិយំ តស្យ ភ្រាតឞ្ចំឝ្ច ជនយាមាស ។ 12
តតោ ពាពិលិ បព្រវសនកាលេ យិខនិយៈ ឝល្តីយេលំ ជនយាមាស, តស្យ សលុតៈ សរិរុព្ពាវិល៑ ។ 13 តស្យ
សលុតោ ទពោហុទ៑ តស្យ សលុត ឥលីយាកីម៑ តស្យ សលុតោនសោរ៑ ។ 14 អសោរៈ សលុតៈ សាទោក៑
តស្យ សលុត អាឞីម៑ តស្យ សលុត ឥលីហូទ៑ ។ 15 តស្យ សលុត ឥលិយាសរ៑ តស្យ សលុតោ មត្តន៑ ។ 16 តស្យ
សលុតោ យាកូព៑ តស្យ សលុតោ យូឞផ តស្យ ជាយា មរិយម៑; តស្យ ឝពប្លឹ៎ យីឝុរ្ខ្រីមទ្ឝម៑
(អតប្លឹ៎ទ៑ អភិមិក្តំ) វិទន្តិ ។ 17 ឥត្ថម៑ ឥព្រហីមោ ទាយូទំ យាវត៑ សាកល្យេន ចតុទ៌ឝបុរុឞាៈ; អាទាយូទៈ កាលាទ៑ ពាពិលិ បព្រវសនកាលំ យាវត៑ ចតុទ៌ឝបុរុឞា ភវន្តិ ។ ពាពិលិ បព្រវាសនកាលាត
ខ្រីមទ្ឝស្យ កាលំ យាវត៑ ចតុទ៌ឝបុរុឞា ភវន្តិ ។ 18 យីឝុខ្រីមទ្ឝស្យ ជន្ម កថ្យតេ ។ មរិយម៑ នាមិកា កន្យា
យូឞផេ វាគ្ទត្តសីត, តទា តយោៈ សង្គមាត៑ បព្រាកា សា កន្យា បវិត្រេណាត្មនា ឝពប្លឹ៎តី ពភូវ ។ 19
តត្រ តស្យាៈ បតិ រ្យូឞផ សហៅជន្យាតិ តស្យាៈ កលង្កំ បព្រកាឝយិតុម៑ អនិច្ឆន៑ ឝោបនេនេ តាំ
បាវិត្យក្តុំ មនឝ្ចក្រេ ។ 20 ស តថៃវ ភាវយតិ, តទានី បរមេឝ្វរស្យ ទូតៈ សឝ្ហ្ន តំ ទឝ៌នំ ទត្វា
វ្យាជហារ, ហេ ទាយូទៈ សន្តាន យូឞផ ត្វំ នពិជាំ ជាយាំ មរិយមម៑ អាទាតុំ មា ភៃមីៈ ។
21 យតស្តស្យា ឝពប្លឹ៎ បវិត្រាទាត្មនោទភវត៑, សា ច បុត្រំ បព្រសវិឞ្យតេ, តទា ត្វំ តស្យ នាម យីឝុម៑
(អតប្លឹ៎តិ តព្រាតារំ) ការិឞ្យសេ, យស្មាត៑ ស នពិជមនុជាន៑ តេឞាំ កលុឞេភ្យ ឧទ្ធរិឞ្យតិ ។ 22 ឥត្ថំ សតិ, បឝ្យ
ឝពប្លឹ៎តី កន្យា តនយំ បព្រសវិឞ្យតេ ។ ឥម្មានូយេលិ តទីយញ្ច នាមធេយំ ភវិឞ្យតិ ॥ ឥម្មានូយេលិ អស្មាកំ
សង្គីឝ្វរឥត្យតប្លឹ៎ៈ ។ 23 ឥតិ យទ៑ វចនំ បភុវ៌្ជី ភវិឞ្យទ្ក្រា ល្លង្ឝរៈ កថាយាមាស, តត៑ តទានី សពិទ្ធមភវត៑ ។
24 អនន្តរំ យូឞផ នពិទ្រាតោ ជាតរិត ឧត្ថាយ បរមេឝ្វរីយទូតស្យ នពិទេឝានុសារេណ នពិជាំ ជាយាំ
ជគ្រាហ, 25 កពិន្តុ យាវត៑ សា នពិជំ បព្រថមសុតំ អ សលុមុវេ, តាវត៑ តាំ នាបាឝច្ឆត៑, តតៈ សុតស្យ
នាម យីឝុំ ចក្រេ ។

2 អនន្តរំ ហេរោទ៑ សំជ្ញកេ រាជ្ញិ រាជ្យំ ឝាសតិ យពិហូទីយទេឝស្យ ពៃត្លេហមិ នគរេ យីឝៅ
ជាតវតិ ច, កតិបយា ជ្យោតិវ៌្ទីៈ បូវ៌្ជីស្យា ទពិឝោ យិរូឝាលម្នគរំ សមេត្យ កថយមាសុៈ,
2 យាោ យពិហូទីយានាំ រាជា ជាតវាន៑, ស កលុត្រាស្តេ? វយំ បូវ៌្ជីស្យាំ ទពិឞិ តពិម្ងន្តស្តទីយាំ
តារកាមិ អបឝ្យាម តស្មាត៑ តំ បព្រណន្តុមិ អឝមាម ។ 3 តទា ហេរោទ៑ រាជា កថាមេតាំ នពិឝម្យ
យិរូឝាលម្នគរស្ថិតៃៈ សវ៌្ជីមានវៃៈ សាទ៑ឝ្ជីមិ ឧទ្ធិជ្យ 4 សវ៌្ជីន៑ បព្រធានយាជកាន៑ អធ្យាបកាំឝ្ច
សមាហូយានីយ បប្រច្ឆ, ខ្រីមទ្ឝ កលុត្រ ជនិឞ្យតេ? 5 តទា តេ កថយាមាសុៈ, យពិហូទីយទេឝស្យ
ពៃត្លេហមិ នគរេ, យតោ ភវិឞ្យទ្ងាទិនា ឥត្ថំ លពិខិតមាស្តេ, 6 សវ៌្ជីភ្យោ រាជធានីភ្យោ យពិហូទីយស្យ

മഥിഃ

1 ഇബ്രാഹീമഃ സന്താനോ ദായൂദ് തസ്യ സന്താനോ യീശുഖ്രീഷ്ടസ്തസ്യ
പൂർവ്വപുരുഷവംശശ്രേണീ| **2** ഇബ്രാഹീമഃ പുത്ര ഇസ്ഹാക് തസ്യ പുത്രോ യാകൂബ്
തസ്യ പുത്രോ യിഹൂദാസ്തസ്യ ഭ്രാതരശ്ച| **3** തസ്മാദ് യിഹൂദാതസ്താമരോ ഗർഭേ
പേരസ്സേരഹൗ ജജ്ഞാതേ, തസ്യ പേരസഃ പുത്രോ ഹിഷ്രോൺ തസ്യ പുത്രോ ∫രാമ്| **4**
തസ്യ പുത്രോ ∫മ്മീനാദബ് തസ്യ പുത്രോ നഹശോൻ തസ്യ പുത്രഃ സൽമോൻ| **5** തസ്മാദ്
രാഹബോ ഗർഭേ ബോയമ് ജജ്ഞേ, തസ്മാദ് രൂതോ ഗർഭേ ഓബേദ് ജജ്ഞേ, തസ്യ പുത്രോ
യിശയഃ| **6** തസ്യ പുത്രോ ദായൂദ് രാജഃ തസ്മാദ് മൃതോരിയസ്യ ജായായാം സുലേമാൻ
ജജ്ഞേ| **7** തസ്യ പുത്രോ രിഹബിയാമ്, തസ്യ പുത്രോ∫ബിയഃ, തസ്യ പുത്ര ആസാ: | **8** തസ്യ
സുതോ യിഹോശാഫട് തസ്യ സുതോ യിഹോരാമ തസ്യ സുത ഉഷിയഃ| **9** തസ്യ സുതോ
യോഥമ് തസ്യ സുത ആഹമ് തസ്യ സുതോ ഹിഷ്കിയഃ| **10** തസ്യ സുതോ മിനശിഃ, തസ്യ
സുത ആമോൻ തസ്യ സുതോ യോശിയഃ| **11** ബാബിൽനഗരേ പ്രവസനാത് പൂർവ്വം സ
യോശിയോ യിഖനിയം തസ്യ ഭ്രാതൃംശ്ച ജനയാമാസ| **12** തതോ ബാബിലി പ്രവസനകാലേ
യിഖനിയഃ ശൽതീയേലം ജനയാമാസ, തസ്യ സുതഃ സിരുബ്ബാവിൽ| **13** തസ്യ സുതോ
∫ബോഹുദ് തസ്യ സുത ഇലീയാകീമ് തസ്യ സുതോ∫സോർ| **14** അസോരഃ സുതഃ സാദോക്
തസ്യ സുത ആഖീമ് തസ്യ സുത ഇലീഹൂദ്| **15** തസ്യ സുത ഇലിയാസർ തസ്യ സുതോ
മത്തൻ| **16** തസ്യ സുതോ യാകൂബ് തസ്യ സുതോ യൂഷഫ് തസ്യ ജായാ മരിയമ്; തസ്യ ഗർഭേ
യീശുരജനി, തമേവ ഖ്രീഷ്ടമ് (അർഥാദ് അഭിഷിക്തം) വദന്തി| **17** ഇത്ഥമ് ഇബ്രാഹീമോ ദായൂദം
യാവത് സാകല്യേന ചതുർദശപുരുഷാഃ; ആ ദായൂദഃ കാലാദ് ബാബിലി പ്രവസനകാലം
യാവത് ചതുർദശപുരുഷാ ഭവന്തി| ബാബിലി പ്രവാസനകാലാത് ഖ്രീഷ്ടസ്യ കാലം യാവത്
ചതുർദശപുരുഷാ ഭവന്തി| **18** യീശുഖ്രീഷ്ടസ്യ ജന്മ കഥ്ഥതേ| മരിയമ് നാമികാ കന്യാ യൂഷഫേ
വാഗത്താസീത്, തദാ തയോഃ സങ്ഗമാത് പ്രാക് സാ കന്യാ പവിത്രേണാത്മനാ ഗർഭവതീ
ബഭൂവ| **19** തത്ര തസ്യാഃ പതി ര്യൂഷഫ് സൗജന്യാത് തസ്യാഃ കലങ്ഗം പ്രകാശയിതുമ്
അനിച്ഛൻ ഗോപനേനേ താം പാരിത്യക്തും മനശ്ചക്രേ| **20** സ തഥൈവ ഭാവയതി, തദാനീം
പരമേശ്വരസ്യ ദൂതഃ സ്വപ്നേ തം ദർശനം ദത്ത്വാ വ്യാജഹാര, ഹേ ദായൂദഃ സന്താന
യൂഷഫ് ത്വം നിജാം ജായാം മരിയമമ് ആദാതും മാ ഭൈഷീഃ| **21** യതസ്തസ്യാ ഗർഭഃ
പവിത്രാദാത്മനോ∫ഭവത്, സാ ച പുത്രം പ്രസവിഷ്യതേ, തദാ ത്വം തസ്യ നാമ യീശുമ്
(അർഥാത് ത്രാതാരം) കരീഷ്യസേ, യസ്മാത് സ നിജമനുജാൻ തേഷാം കലുഷേഭ്യ
ഉദ്ധരിഷ്യതി| **22** ഇത്ഥം സതി, പശ്യ ഗർഭവതീ കന്യാ തനയം പ്രസവിഷ്യതേ| ഇമ്മാനൂയേൽ
തദീയഞ്ച നാമധേയം ഭവിഷ്യതി|| ഇമ്മാനൂയേൽ അസ്മാകം സങ്ഗീശ്വരഇത്യർഥഃ| **23** ഇതി
യദ് വചനം പുർവ്വം ഭവിഷ്യദ്വക്ത്രാ ഈശ്വരഃ കഥായാമാസ, തത് തദാനീം സിദ്ധമഭവത്| **24**
അനന്തരം യൂഷഫ് നിദ്രാതോ ജാഗരിത ഉത്ഥായ പരമേശ്വരീയദൂതസ്യ നിദേശാനുസാരേണ
നിജാം ജായാം ജഗ്രാഹ, **25** കിന്തു യാവത് സാ നിജം പ്രഥമസുതം അ സുഷുവേ, താവത് താം
നോപാഗച്ഛത്, തതഃ സുതസ്യ നാമ യീശും ചക്രേ|

2 അനന്തരം ഹേരോദ് സംജ്ഞകേ രാജ്ഞി രാജ്യം ശാസതി യിഹൂദീയദേശസ്യ
ബൈത്ലേഹമി നഗരേ യീശൗ ജാതവതി ച, കതിപയാ ജ്യോതിർവ്വിദഃ പൂർവ്വസ്യാ ദിശോ
യിരൂശാലമ്നഗരം സമേത്യ കഥയമാസുഃ, **2** യോ യിഹൂദീയാനാം രാജാ ജാതവാൻ,
സ കുത്രാസ്തേ? വയം പൂർവ്വസ്യാം ദിശി തിഷ്ഠന്തസ്തദീയാം താരകാമ് അപശ്യാമ
തസ്മാത് തം പ്രണന്തുമ് അഗമാമ| **3** തദാ ഹേരോദ് രാജാ കഥാമേതാം നിശമ്യ
യിരൂശാലമ്നഗരസ്ഥിതൈഃ സർവ്വമാനവൈഃ സാർദ്ധമ് ഉദ്വിജ്യ **4** സർവ്വാൻ പ്രധാനയാജകാൻ
അധ്യാപകാംശ്ച സമാഹൂയാനീയ പപ്രച്ഛ, ഖ്രീഷ്ടഃ കുത്ര ജനിഷ്യതേ? **5** തദാ തേ കഥയാമാസുഃ,

ମଥି୫

1 ଇବ୍ରାହୀମଃ ସନ୍ତାନୋ ଦାଯୂଦ୍ ତସ୍ୟ ସନ୍ତାନୋ ଯୀଶୁଖ୍ରୀଷ୍ଟସ୍ତସ୍ୟ ପୂର୍ୱ୍ୱପୁରୁଷାଂଶଶ୍ରେଣୀ| **2** ଇବ୍ରାହୀମଃ ପୁତ୍ର ଇସ୍ହାକ୍ ତସ୍ୟ
ପୁତ୍ରୋ ଯାକୂବ୍ ତସ୍ୟ ପୁତ୍ରୋ ଯିହୂଦାସ୍ତସ୍ୟ ଭ୍ରାତରଶ୍ଚ| **3** ତସ୍ହାଦ୍ ଯିହୂଦାତସ୍ତାମରୋ ଗର୍ଭେ ପେରସ୍ସେରହୌ ଜଜ୍ଞାତେ, ତସ୍ୟ
ପେରସଃ ପୁତ୍ରୋ ହିଷ୍ରୋଣ୍ ତସ୍ୟ ପୁତ୍ରୋ ଽରାମ୍| **4** ତସ୍ୟ ପୁତ୍ରୋ ଽମ୍ମୀନାଦବ୍ ତସ୍ୟ ପୁତ୍ରୋ ନହଶୋନ୍ ତସ୍ୟ ପୁତ୍ରଃ ସଲ୍ମୋନ୍| **5**
ତସ୍ହାଦ୍ ରାହବୋ ଗର୍ଭେ ବୋଯମ୍ ଜଜ୍ଞେ, ତସ୍ହାଦ୍ ରୂତୋ ଗର୍ଭେ ଓବେଦ୍ ଜଜ୍ଞେ, ତସ୍ୟ ପୁତ୍ରୋ ଯିଶଯଃ| **6** ତସ୍ୟ ପୁତ୍ରୋ ଦାଯୂଦ୍
ରାଜଃ ତସ୍ହାଦ୍ ମୂତୋରିଯସ୍ୟ ଜାଯାଯାଂ ସୁଲେମାନ୍ ଜଜ୍ଞେ| **7** ତସ୍ୟ ପୁତ୍ରୋ ରିହବିଯାମ୍, ତସ୍ୟ ପୁତ୍ରୋଽବିଯଃ, ତସ୍ୟ ପୁତ୍ର ଆସାଃ |
8 ତସ୍ୟ ସୁତୋ ଯିହୋଶାଫଟ୍ ତସ୍ୟ ସୁତୋ ଯିହୋରାମ ତସ୍ୟ ସୁତ ଉଷିଯଃ| **9** ତସ୍ୟ ସୁତୋ ଯୋଥମ୍ ତସ୍ୟ ସୁତ ଆହମ୍ ତସ୍ୟ
ସୁତୋ ହିଷ୍କିଯଃ| **10** ତସ୍ୟ ସୁତୋ ମିନଶିଃ, ତସ୍ୟ ସୁତ ଆମୋନ୍ ତସ୍ୟ ସୁତୋ ଯୋଶିଯଃ| **11** ବାବିଲ୍ନଗରେ ପ୍ରୱସନାତ୍ ପୂର୍ୱ୍ୱଂ ସ
ଯୋଶିଯୋ ଯିଖନିଯଂ ତସ୍ୟ ଭ୍ରାତୄଶ୍ଚ ଜନଯାମାସ| **12** ତତୋ ବାବିଲି ପ୍ରୱସନକାଲେ ଯିଖନିଯଃ ଶଲ୍ତୀଯେଲଂ ଜନଯାମାସ, ତସ୍ୟ
ସୁତଃ ସିରୁବ୍ବାୱିଲ୍| **13** ତସ୍ୟ ସୁତୋ ଽବୋହୁଦ୍ ତସ୍ୟ ସୁତ ଇଲୀଯାକୀମ୍ ତସ୍ୟ ସୁତୋଽସୋର୍| **14** ଅସୋରଃ ସୁତଃ ସାଦୋକ୍ ତସ୍ୟ
ସୁତ ଆଖୀମ୍ ତସ୍ୟ ସୁତ ଇଲୀହୂଦ୍| **15** ତସ୍ୟ ସୁତ ଇଲିଯାସର୍ ତସ୍ୟ ସୁତୋ ମତ୍ତନ୍| **16** ତସ୍ୟ ସୁତୋ ଯାକୂବ୍ ତସ୍ୟ ସୁତୋ ଯୂଷଫ୍
ତସ୍ୟ ଜାଯା ମରିଯମ୍; ତସ୍ୟ ଗର୍ଭେ ଯୀଶୁରଜନି, ତମେୱ ଖ୍ରୀଷ୍ଟମ୍ (ଅର୍ଥାତ୍ ଅଭିଷିକ୍ତଂ) ୱଦନ୍ତି| **17** ଇତ୍ଥମ୍ ଇବ୍ରାହୀମୋ ଦାଯୂଦଂ
ଯାୱତ୍ ସାକଲ୍ୟେନ ଚତୁର୍ଦଶପୁରୁଷାଃ; ଆ ଦାଯୂଦଃ କାଲାତ୍ ବାବିଲି ପ୍ରୱସନକାଲଂ ଯାୱତ୍ ଚତୁର୍ଦଶପୁରୁଷା ଭୱନ୍ତି| ବାବିଲି
ପ୍ରୱାସନକାଲାତ୍ ଖ୍ରୀଷ୍ଟସ୍ୟ କାଲଂ ଯାୱତ୍ ଚତୁର୍ଦଶପୁରୁଷା ଭୱନ୍ତି| **18** ଯୀଶୁଖ୍ରୀଷ୍ଟସ୍ୟ ଜନ୍ମ କଥ୍ୟତେ| ମରିଯମ୍ ନାମିକା କନ୍ୟା
ଯୂଷଫେ ୱାଗ୍ଦତ୍ତାସୀତ୍, ତଦା ତଯୋଃ ସଙ୍ଗମାତ୍ ପ୍ରାକ୍ ସା କନ୍ୟା ପୱିତ୍ରେଣାତ୍ମନା ଗର୍ଭୱତୀ ବଭୂୱ| **19** ତତ୍ର ତସ୍ୟାଃ ପତି ର୍ଯୂଷଫ୍
ସୌଜନ୍ୟାତ୍ ତସ୍ୟାଃ କଲଙ୍କଂ ପ୍ରକାଶଯିତୁମ୍ ଅନିଚ୍ଛନ୍ ଗୋପନେନେ ତାଂ ପାରିତ୍ୟକ୍ତୁଂ ମନଶ୍ଚକ୍ରେ| **20** ସ ତଥୈୱ ଭାୱଯତି,
ତଦାନୀଂ ପରମେଶ୍ୱରସ୍ୟ ଦୂତଃ ସ୍ୱପ୍ନେ ତଂ ଦର୍ଶନଂ ଦତ୍ତା ୱ୍ୟାଜହାର, ହେ ଦାଯୂଦଃ ସନ୍ତାନ ଯୂଷଫ୍ ତ୍ୱଂ ନିଜାଂ ଜାଯାଂ ମରିଯମମ୍
ଆଦାତୁଂ ମା ଭୈଷୀଃ| **21** ଯତସ୍ତସ୍ୟା ଗର୍ଭଃ ପୱିତ୍ରାଦାତ୍ମନୋଽଭୱତ୍, ସା ଚ ପୁତ୍ରଂ ପ୍ରସୱିଷ୍ୟତେ, ତଦା ତ୍ୱଂ ତସ୍ୟ ନାମ ଯୀଶୁମ୍
(ଅର୍ଥାତ୍ ତ୍ରାତାରଂ) କରୀଷ୍ୟସେ, ଯସ୍ମାତ୍ ସ ନିଜମନୁଜାନ୍ ତେଷାଂ କଲୁଷେଭ୍ୟ ଉଦ୍ଧରିଷ୍ୟତି| **22** ଇତ୍ଥଂ ସତି, ପଶ୍ୟ ଗର୍ଭୱତୀ କନ୍ୟା
ତନଯଂ ପ୍ରସୱିଷ୍ୟତେ| ଇମ୍ମାନୂଯେଲ୍ ତଦୀଯଞ୍ଚ ନାମଧେଯଂ ଭୱିଷ୍ୟତି|| ଇମ୍ମାନୂଯେଲ୍ ଅସ୍ମାକଂ ସଙ୍ଗୀଶ୍ୱରଇତ୍ୟର୍ଥଃ| **23** ଇତି ଯଦ୍
ୱଚନଂ ପୂର୍ୱ୍ୱଂ ଭୱିଷ୍ୟଦ୍ବକ୍ତା ଈଶ୍ୱରଃ କଥାଯାମାସ, ତତ୍ ତଦାନୀଂ ସିଦ୍ଧମଭୱତ୍| **24** ଅନନ୍ତରଂ ଯୂଷଫ୍ ନିଦ୍ରାତୋ ଜାଗରିତ ଉତ୍ଥାଯ
ପରମେଶ୍ୱରୀଯଦୂତସ୍ୟ ନିଦେଶାନୁସାରେଣ ନିଜାଂ ଜାଯାଂ ଜଗ୍ରାହ, **25** କିନ୍ତୁ ଯାୱତ୍ ସା ନିଜଂ ପ୍ରଥମସୁତଂ ଅ ସୁଷୁୱେ, ତାୱତ୍ ତାଂ
ନୋପାଗଚ୍ଛତ୍, ତତଃ ସୁତସ୍ୟ ନାମ ଯୀଶୁଂ ଚକ୍ରେ|

2 ଅନନ୍ତରଂ ହେରୋଦ୍ ସଂଜ୍ଞକେ ରାଜ୍ଞି ରାଜ୍ୟଂ ଶାସତି ଯିହୂଦୀଯଦେଶସ୍ୟ ବୈତ୍ଲେହମି ନଗରେ ଯୀଶୌ ଜାତୱତି ଚ, କତିପଯା
ଜ୍ୟୋତିର୍ୱିଦଃ ପୂର୍ୱ୍ୱସ୍ୟା ଦିଶୋ ଯିରୂଶାଲମ୍ନଗରଂ ସମେତ୍ୟ କଥଯମାସୁଃ, **2** ଯୋ ଯିହୂଦୀଯାନାଂ ରାଜା ଜାତୱାନ୍, ସ କୁତ୍ରାସ୍ତେ?
ୱଯଂ ପୂର୍ୱ୍ୱସ୍ୟାଂ ଦିଶି ତିଷ୍ଠନୁସ୍ତଦୀଯାଂ ତାରକାମ୍ ଅପଶ୍ୟାମ ତସ୍ମାତ୍ ତଂ ପ୍ରଣନ୍ତୁମ୍ ଅଗମାମ| **3** ତଦା ହେରୋଦ୍ ରାଜା କଥାମେତାଂ
ନିଶମ୍ୟ ଯିରୂଶାଲମ୍ନଗରସ୍ଥିତୈଃ ସର୍ୱ୍ୱମାନୱୈଃ ସାର୍ଦ୍ଧମ୍ ଉଦ୍ୱିଜ୍ୟ **4** ସର୍ୱ୍ୱାନ୍ ପ୍ରଧାନଯାଜକାନ୍ ଅଧ୍ୟାପକାଂଶ୍ଚ ସମାହୂଯାନୀଯ ପପ୍ରଚ୍ଛ,
ଖ୍ରୀଷ୍ଟଃ କୁତ୍ର ଜନିଷ୍ୟତେ? **5** ତଦା ତେ କଥଯାମାସୁଃ, ଯିହୂଦୀଯଦେଶସ୍ୟ ବୈତ୍ଲେହମି ନଗରେ, ଯତୋ ଭୱିଷ୍ୟଦ୍ୱାଦିନା ଇତ୍ଥଂ
ଲିଖିତମାସ୍ତେ, **6** ସର୍ୱ୍ୱାଭ୍ୟୋ ରାଜଧାନୀଭ୍ୟୋ ଯିହୂଦୀଯସ୍ୟ ନୀୱୃତଃ| ହେ ଯୀହୂଦୀଯଦେଶସ୍ୟେ ବୈତ୍ଲେହମ୍ ତ୍ୱଂ ନ ତାୱରା|
ଇସ୍ରାଯେଲୀଯଲୋକାନ୍ ମେ ଯତୋ ଯଃ ପାଲଯିଷ୍ୟତି| ତାଦୃଗେକୋ ମହାରାଜସ୍ତ୍ୱନ୍ମଧ୍ୟ ଉଦ୍ଭୱିଷ୍ୟତୀ|| **7** ତଦାନୀଂ ହେରୋଦ୍
ରାଜା ତାନ୍ ଜ୍ୟୋତିର୍ୱିଦୋ ଗୋପନମ୍ ଆହୂଯ ସା ତାରକା କଦା ଦୃଷ୍ଟାଭୱତ୍, ତଦ୍ ୱିନିଶ୍ଚଯାମାସ| **8** ଅପରଂ ତାନ୍ ବୈତ୍ଲେହମଂ
ପ୍ରହୀତ୍ୟ ଗଦିତୱାନ୍, ଯୂଯଂ ଯାତ, ଯତ୍ନାତ୍ ତଂ ଶିଶୁମ୍ ଅନ୍ୱିଷ୍ୟ ତଦୁଦ୍ଦେଶେ ପ୍ରାପ୍ତେ ମହ୍ୟଂ ୱାର୍ତ୍ତାଂ ଦାସ୍ୟଥ, ତତୋ ମଯାପି ଗତ୍ୱା ସ
ପ୍ରଣଂସ୍ୟତେ| **9** ତଦାନୀଂ ରାଜ୍ଞ ଏତାଦୃଶୀମ୍ ଆଜ୍ଞାଂ ପ୍ରାପ୍ୟ ତେ ପ୍ରତସ୍ଥିରେ, ତତଃ ପୂର୍ୱ୍ୱର୍ଯ୍ୟାଂ ଦିଶି ସ୍ଥିତୈସ୍ତୈର୍ଯ୍ୟା ତାରକା ଦୃଷ୍ଟା ସା
ତାରକା ତେଷାମଗ୍ରେ ଗତ୍ୱା ଯତ୍ର ସ୍ଥାନେ ଶିଶୂରାସ୍ତେ, ତସ୍ୟ ସ୍ଥାନସ୍ୟୋପରି ସ୍ଥଗିତା ତସ୍ଥୌ| **10** ତଦ୍ ଦୃଷ୍ଟ୍ୱା ତେ ମହାନନ୍ଦିତା ବଭୂୱୁଃ,
11 ତତୋ ଗେହମଧ୍ୟ ପ୍ରୱିଶ୍ୟ ତସ୍ୟ ମାତ୍ରା ମରିଯମା ସାର୍ଦ୍ଧଂ ତଂ ଶିଶୁଂ ନିରୀକ୍ଷ୍ୟ ଦଣ୍ଡୱଦ୍ ଭୂତ୍ୱା ପ୍ରଣେମୁଃ, ଅପରଂ ସ୍ୱେଷାଂ
ଘନସମ୍ପତ୍ତିଂ ମୋଚଯିତ୍ୱା ସୁୱର୍ଣଂ କୁନ୍ଦୁରୁଂ ଗନ୍ଧରମଞ୍ଚ ତସ୍ମୈ ଦର୍ଶନୀଯଂ ଦତ୍ତୱନ୍ତଃ| **12** ପଶ୍ଚାଦ୍ ହେରୋଦ୍ ରାଜସ୍ୟ ସମୀପଂ ପୁନରପି
ଗନ୍ତୁଂ ସ୍ୱପ୍ନ ଈଶ୍ୱରେଣ ନିଷିଦ୍ଧାଃ ସନ୍ତୋ ଽନ୍ୟେନ ପଥା ତେ ନିଜଦେଶଂ ପ୍ରତି ପ୍ରତସ୍ଥିରେ| **13** ଅନନ୍ତରଂ ତେଷୁ ଗତଷ୍ୱତ୍ସୁ ପରମେଶ୍ୱରସ୍ୟ
ଦୂତୋ ଯୂଷଫେ ସ୍ୱପ୍ନେ ଦର୍ଶନଂ ଦତ୍ତା ଜଗାଦ, ତ୍ୱମ୍ ଉତ୍ଥାଯ ଶିଶୁଂ ତନ୍ମାତରଞ୍ଚ ଗୃହୀତ୍ୱା ମିସର୍ଦେଶଂ ପଲାଯସ୍ୱ, ଅପରଂ ଯାୱଦହଂ
ତୁଭ୍ୟଂ ୱାର୍ତ୍ତାଂ ନ କଥଯିଷ୍ୟାମି, ତାୱତ୍ ତତ୍ରୈୱ ନିୱସ, ଯତୋ ରାଜା ହେରୋଦ୍ ଶିଶୁଂ ନାଶଯିତୁଂ ମୃଗଯିଷ୍ୟତେ| **14** ତଦାନୀଂ

ਮਥਿਃ

1 ਇਬ੍ਰਾਹੀਮਃ ਸਨ੍ਤਾਨੋ ਦਾਯੂਦ੍ ਤਸਜ ਸਨ੍ਤਾਨੋ ਯੀਸ਼ੁਖ੍ਰੀਸ਼੍ਟਸ੍ਤਸਜ ਪੂਰ੍ੱਵਪੁਰੁਸ਼ਵੰਸ਼੍ਰੇਣੀ। 2 ਇਬ੍ਰਾਹੀਮਃ ਪੁਤ੍ਰ ਇਸ੍ਹਾਕ੍ ਤਸਜ ਪੁਤ੍ਰੋ ਯਾਕੂਬ੍ ਤਸਜ ਪੁਤ੍ਰੋ ਯਿਹੂਦਾਸ੍ਤਸਜ ਭ੍ਰਾਤਰਸ਼੍ਚ। 3 ਤਸ੍ਮਾਦ੍ ਯਿਹੂਦਾਤਸ੍ਤਾਮਰੋ ਗਰ੍ਭੇ ਪੇਰੱਸੇਰਹੌ ਜਜ੍ਞਾਤੇ, ਤਸਜ ਪੇਰਸਃ ਪੁਤ੍ਰੋ ਹਿਸ਼੍ਰੋਣ੍ ਤਸਜ ਪੁਤ੍ਰੋ (ਅ)ਰਾਮ੍। 4 ਤਸਜ ਪੁਤ੍ਰੋ (ਅ)ੰਮੀਨਾਦਬ੍ ਤਸਜ ਪੁਤ੍ਰੋ ਨਹਸ਼ੋਨ੍ ਤਸਜ ਪੁਤ੍ਰਃ ਸਲ੍ਮੋਨ੍। 5 ਤਸ੍ਮਾਦ੍ ਰਾਹਬੋ ਗਰ੍ਭੇ ਬੋਯਮ੍ ਜਜ੍ਞੇ, ਤਸ੍ਮਾਦ੍ ਰੂਤੋ ਗਰ੍ਭੇ ਓਬੇਦ੍ ਜਜ੍ਞੇ, ਤਸਜ ਪੁਤ੍ਰੋ ਯਿਸ਼ਯਃ। 6 ਤਸਜ ਪੁਤ੍ਰੋ ਦਾਯੂਦ੍ ਰਾਜਃ ਤਸ੍ਮਾਦ੍ ਮ੍ਰੁੱਤੇਰਿਯਸਜ ਜਾਯਾਯਾਂ ਸੁਲੇਮਾਨ੍ ਜਜ੍ਞੇ। 7 ਤਸਜ ਪੁਤ੍ਰੋ ਰਿਹਬਿਯਾਮ੍, ਤਸਜ ਪੁਤ੍ਰੋ(ਅ)ਬਿਯਃ, ਤਸਜ ਪੁਤ੍ਰ ਆਸਾ: । 8 ਤਸਜ ਸੁਤੋ ਯਿਹੋਸ਼ਾਫਟ੍ ਤਸਜ ਸੁਤੋ ਯਿਹੋਰਾਮ ਤਸਜ ਸੁਤ ਉਸ਼ਿਯਃ। 9 ਤਸਜ ਸੁਤੋ ਯੋਥਮ੍ ਤਸਜ ਸੁਤ ਆਹਮ੍ ਤਸਜ ਸੁਤੋ ਹਿਸ਼੍ਕਿਯਃ। 10 ਤਸਜ ਸੁਤੋ ਮਿਨਸ਼ਿਃ, ਤਸਜ ਸੁਤ ਆਮੋਨ੍ ਤਸਜ ਸੁਤੋ ਯੋਸ਼ਿਯਃ। 11 ਬਾਬਿਲ੍ਨਗਰੇ ਪ੍ਰਵਸਨਾਤ੍ ਪੂਰ੍ੱਵੰ ਸ ਯੋਸ਼ਿਯੋ ਯਿਖਨਿਯੰ ਤਸਜ ਭ੍ਰਾਤ੍ਰੁੱਸ਼੍ਚ ਜਨਯਾਮਾਸ। 12 ਤਤੋ ਬਾਬਿਲਿ ਪ੍ਰਵਸਨਕਾਲੇ ਯਿਖਨਿਯਃ ਸ਼ਲ੍ਤੀਯੇਲੰ ਜਨਯਾਮਾਸ, ਤਸਜ ਸੁਤਃ ਸਿਰੁੱਬਾਵਿਲ੍। 13 ਤਸਜ ਸੁਤੋ (ਅ)ਬੋਹੁਦ੍ ਤਸਜ ਸੁਤ ਇਲੀਯਾਕੀਮ੍ ਤਸਜ ਸੁਤੋ(ਅ)ਸੋਰ੍। 14 ਅਸੋਰਃ ਸੁਤਃ ਸਾਦੋਕ੍ ਤਸਜ ਸੁਤ ਆਖੀਮ੍ ਤਸਜ ਸੁਤ ਇਲੀਹੁਦ੍। 15 ਤਸਜ ਸੁਤ ਇਲਿਯਾਸਰ੍ ਤਸਜ ਸੁਤੋ ਮੱਤਨ੍। 16 ਤਸਜ ਸੁਤੋ ਯਾਕੂਬ੍ ਤਸਜ ਸੁਤੋ ਯੂਸ਼ਫ੍ ਤਸਜ ਜਾਯਾ ਮਰਿਯਮ੍; ਤਸਜ ਗਰ੍ਭੇ ਯੀਸ਼ੁਰਜਨਿ, ਤਮੇਵ ਖ੍ਰੀਸ਼੍ਟਮ੍ (ਅਰ੍ਥਾਦ੍ ਅਭਿਸ਼ਿਕ੍ਤੰ) ਵਦਨ੍ਤਿ। 17 ਇੱਥਮ੍ ਇਬ੍ਰਾਹੀਮੋ ਦਾਯੂਦੰ ਯਾਵਤ੍ ਸਾਕਲ੍ਯਜੇਨ ਚਤੁਰ੍ਦਸ਼ਪੁਰੁਸ਼ਾਃ; ਆ ਦਾਯੂਦਃ ਕਾਲਾਦ੍ ਬਾਬਿਲਿ ਪ੍ਰਵਸਨਕਾਲੰ ਯਾਵਤ੍ ਚਤੁਰ੍ਦਸ਼ਪੁਰੁਸ਼ਾ ਭਵਨ੍ਤਿ। ਬਾਬਿਲਿ ਪ੍ਰਵਾਸਨਕਾਲਾਤ੍ ਖ੍ਰੀਸ਼੍ਟਸਜ ਕਾਲੰ ਯਾਵਤ੍ ਚਤੁਰ੍ਦਸ਼ਪੁਰੁਸ਼ਾ ਭਵਨ੍ਤਿ। 18 ਯੀਸ਼ੁਖ੍ਰੀਸ਼੍ਟਸਜ ਜਨ੍ਮ ਕਥ੍ਯਤੇ। ਮਰਿਯਮ੍ ਨਾਮਿਕਾ ਕਨ੍ਯਾ ਯੂਸ਼ਫੇ ਵਾਗ੍ਦੱਤਾਸੀਤ੍, ਤਦਾ ਤਯੋਃ ਸਙ੍ਗਮਾਤ੍ ਪ੍ਰਾਕ੍ ਸਾ ਕਨ੍ਯਾ ਪਵਿਤ੍ਰੇਣਾਤ੍ਮਨਾ ਗਰ੍ਭਵਤੀ ਬਭੂਵ। 19 ਤਤ੍ ਤਸ੍ਯਾਃ ਪਤਿ ਰ੍ਯੂਸ਼ਫ੍ ਸੌਜਨ੍ਯਾਤ੍ ਤਸ੍ਯਾਃ ਕਲਙ੍ਕਂ ਪ੍ਰਕਾਸ਼ਯਿਤੁਮ੍ ਅਨਿੱਛਨ੍ ਗੋਪਨੇਨੇ ਤਾਂ ਪਾਰਿਤ੍ਯਕ੍ਤੁੰ ਮਨਸ਼੍ਚਕ੍ਰੇ। 20 ਸ ਤਥੈਵ ਭਾਵਯਤਿ, ਤਦਾਨੀਂ ਪਰਮੇਸ਼੍ਵਰਸਜ ਦੂਤਃ ਸ੍ਵਪ੍ਨੇ ਤੰ ਦਰ੍ਸ਼ਨੰ ਦੱਤ੍ਵਾ ਵਜਾਜਹਾਰ, ਹੇ ਦਾਯੂਦਃ ਸਨ੍ਤਾਨ ਯੂਸ਼ਫ੍ ਤ੍ਵੰ ਨਿਜਾਂ ਜਾਯਾਂ ਮਰਿਯਮਮ੍ ਆਦਾਤ੍ਤੁੰ ਮਾ ਭੈਸ਼ੀਃ। 21 ਯਤਸ੍ਤਸਜਾ ਗਰ੍ਭਃ ਪਵਿਤ੍ਰਾਦਾਤ੍ਮਨੋ(ਅ)ਭਵਤ੍, ਸਾ ਚ ਪੁਤ੍ਰੰ ਪ੍ਰਸਵਿਸ਼੍ਯਤੇ, ਤਦਾ ਤ੍ਵੰ ਤਸਜ ਨਾਮ ਯੀਸ਼ੁਮ੍ (ਅਰ੍ਥਾਤ੍ ਤ੍ਰਾਤਾਰੰ) ਕਰੀਸ਼੍ਯਸੇ, ਯਸ੍ਮਾਤ੍ ਸ ਨਿਜਮਨੁਜਾਨ੍ ਤੇਸ਼ਾਂ ਕਲੁਸ਼ੇਭ੍ਯ ਉੱਧਰਿਸ਼੍ਯਤਿ। 22 ਇੱਥੰ ਸਤਿ, ਪਸ਼੍ਯ ਗਰ੍ਭਵਤੀ ਕਨ੍ਯਾ ਤਨਯੰ ਪ੍ਰਸਵਿਸ਼੍ਯਤੇ। ਇੰਮਾਨੂਯੇਲ੍ ਤਦੀਯਞ੍ਚ ਨਾਮਧੇਯੰ ਭਵਿਸ਼੍ਯਤਿ।। ਇੰਮਾਨੂਯੇਲ੍ ਅਸ੍ਮਾਕੰ ਸਙ੍ਗੀਸ਼੍ਵਰਇਤ੍ਯਰ੍ਥਃ। 23 ਇਤਿ ਯਦ੍ ਵਚਨੰ ਪੂਰ੍ੱਵੰ ਭਵਿਸ਼੍ਯਦ੍ਵਕ੍ਤ੍ਰਾ ਈਸ਼੍ਵਰਃ ਕਥਾਯਾਮਾਸ, ਤਤ੍ ਤਦਾਨੀਂ ਸਿੱਧਮਭਵਤ੍। 24 ਅਨਨ੍ਤਰੰ ਯੂਸ਼ਫ੍ ਨਿਦ੍ਰਾਤੋ ਜਾਗਰਿਤ ਉੱਥਾਯ ਪਰਮੇਸ਼੍ਵਰੀਯਦੂਤਸਜ ਨਿਦੇਸ਼ਾਨੁਸਾਰੇਣ ਨਿਜਾਂ ਜਾਯਾਂ ਜਗ੍ਰਾਹ, 25 ਕਿਨ੍ਤੁ ਯਾਵਤ੍ ਸਾ ਨਿਜੰ ਪ੍ਰਥਮਸੁਤੰ ਅ ਸੁਸ਼ੁਵੇ, ਤਾਵਤ੍ ਤਾਂ ਨੋਪਾਗੱਛਤ੍, ਤਤਃ ਸੁਤਸਜ ਨਾਮ ਯੀਸ਼ੁੰ ਚਕ੍ਰੇ।

2 ਅਨਨ੍ਤਰੰ ਹੇਰੋਦ੍ ਸੰਜ੍ਞਕੇ ਰਾਜ੍ਞਿ ਰਾਜਨੰ ਸ਼ਾਸਤਿ ਯਿਹੂਦੀਯਦੇਸ਼ਸਜ ਬੈਤ੍ਲੇਹਮਿ ਨਗਰੇ ਯੀਸ਼ੌ ਜਾਤਵਤਿ ਚ, ਕਤਿਪਯਾ ਜਯੋਤਿਰ੍ੱਵਿਦਃ ਪੂਰ੍ੱਵਸਜਾ ਦਿਸ਼ੋ ਯਿਰੂਸ਼ਾਲਮ੍ਨਗਰੰ ਸਮੇਤਜ ਕਥਯਮਾਸੁਃ, 2 ਯੋ ਯਿਹੂਦੀਯਾਨਾਂ ਰਾਜਾ ਜਾਤਵਾਨ੍, ਸ ਕੁਤ੍ਰਾਸ੍ਤੇ? ਵਯੰ ਪੂਰ੍ੱਵਸਜਾਂ ਦਿਸ਼ਿ ਤਿਸ਼੍ਠਨ੍ਤਸ੍ਤਦੀਯਾਂ ਤਾਰਕਾਮ੍ ਅਪਸ਼ਜਾਮ ਤਸ੍ਮਾਤ੍ ਤੰ ਪ੍ਰਣਨ੍ਤੁਮ੍ ਅਗਮਾਮ। 3 ਤਦਾ ਹੇਰੋਦ੍ ਰਾਜਾ ਕਥਾਮੇਤਾਂ ਨਿਸ਼ਮਜ ਯਿਰੂਸ਼ਾਲਮ੍ਨਗਰਸ੍ਥਿਤੈਃ ਸਰ੍ੱਵਮਾਨਵੈਃ ਸਾਰ੍ੱਧਮ੍ ਉਦ੍ਵਿਜਜ 4 ਸਰ੍ੱਵਾਨ੍ ਪ੍ਰਧਾਨਯਾਜਕਾਨ੍ ਅਧਜਾਪਕਾਂਸ਼੍ਚ ਸਮਾਹੂਯਾਨੀਯ ਪਪ੍ੱਛ, ਖ੍ਰੀਸ਼੍ਟਃ ਕੁਤ੍ਰ ਜਨਿਸ਼੍ਯਤੇ? 5 ਤਦਾ ਤੇ ਕਥਯਾਮਾਸੁਃ, ਯਿਹੂਦੀਯਦੇਸ਼ਸਜ ਬੈਤ੍ਲੇਹਮਿ ਨਗਰੇ, ਯਤੋ ਭਵਿਸ਼੍ਯਦ੍ਵਾਦਿਨਾ ਇੱਥੰ ਲਿਖਿਤਮਾਸ੍ਤੇ, 6 ਸਰ੍ੱਵਾਭ੍ਯੋ ਰਾਜਧਾਨੀਭ੍ਯੋ ਯਿਹੂਦੀਯਸਜ ਨੀਵ੍ਵ੍ਤਃ। ਹੇ ਯੀਹੂਦੀਯਦੇਸ਼ਸਜੇ ਬੈਤ੍ਲੇਹਮ੍ ਤ੍ਵੰ ਨ ਚਾਵਰਾ। ਇਸ੍ਰਾਯੇਲੀਯਲੋਕਾਨ੍ ਮੇ ਯਤੋ ਯਃ ਪਾਲਯਿਸ਼੍ਯਤਿ। ਤਾਦ੍ਰੁੱਗੇਕੋ ਮਹਾਰਾਜਸ੍ਤ੍ਵਨ੍ਮਧਯ ਉਦ੍ਭਵਿਸ਼੍ਯਤੀ।। 7 ਤਦਾਨੀਂ ਹੇਰੋਦ੍ ਰਾਜਾ ਤਾਨ੍ ਜਯੋਤਿਰ੍ੱਵਿਦੋ ਗੋਪਨਮ੍ ਆਹੂਯ ਸਾ ਤਾਰਕਾ ਕਦਾ ਦ੍ਰੁੱਸ਼੍ਟਾਭਵਤ੍, ਤਦ੍ ਵਿਨਿਸ਼੍ਚਯਾਮਾਸ। 8 ਅਪਰੰ ਤਾਨ੍ ਬੈਤ੍ਲੇਹਮੰ ਪ੍ਰਹੀਤ੍ਯ ਗਦਿਤਵਾਨ੍, ਯੂਯੰ ਯਾਤ, ਯਤ੍ਨਾਤ੍ ਤੰ ਸ਼ਿਸ਼ੁਮ੍ ਅਨ੍ਵਿਸ਼੍ਯ ਤਦੁੱਦੇਸ਼ੇ ਪ੍ਰਾਪ੍ਤੇ ਮਹਯੰ ਵਾਰ੍ੱਤਾਂ ਦਾਸਜਥ, ਤਤੋ ਮਯਾਪਿ ਗਤ੍ਵਾ ਸ ਪ੍ਰਣੰਸਜਤੇ। 9 ਤਦਾਨੀਂ ਰਾਜ੍ਞ ਏਤਾਦ੍ਰੁੱਸ਼ੀਮ੍ ਆਜ੍ਞਾਂ ਪ੍ਰਾਪਜ ਤੇ ਪ੍ਰਤਸ੍ਥਿਰੇ, ਤਤਃ ਪੂਰ੍ੱਵਰ੍ਸਜਾਂ ਦਿਸ਼ਿ ਸ੍ਥਿਤੈਸ੍ਤੈ ਰਜਾ ਤਾਰਕਾ ਦ੍ਰੁੱਸ਼੍ਟਾ ਸਾ ਤਾਰਕਾ ਤੇਸ਼ਾਮਗ੍ਰੇ ਗਤ੍ਵਾ ਯਤ੍ਰ ਸ੍ਥਾਨੇ ਸ਼ਿਸ਼ੁਰਾਸ੍ਤੇ, ਤਸਜ ਸ੍ਥਾਨਸਜੋਪਰਿ ਸ੍ਥਗਿਤਾ ਤਸਜੌ। 10 ਤਦ੍ ਦ੍ਰੁੱਸ਼੍ਟ੍ਵਾ ਤੇ ਮਹਾਨਨ੍ਦਿਤਾ ਬਭੂਵੁਃ, 11 ਤਤੋ ਗੇਹਮਧਜ ਪ੍ਰਵਿਸ਼ਜ ਤਸਜ ਮਾਤ੍ਰਾ ਮਰਿਯਮਾ ਸਾੱਧੰ ਤੰ ਸ਼ਿਸ਼ੁੰ ਨਿਰੀਕ੍ਸ਼ਯ ਦਣ੍ਡਵਦ੍ ਭੂਤ੍ਵਾ ਪ੍ਰਣੇਮੁਃ, ਅਪਰੰ ਸ੍ਵੇਸ਼ਾਂ ਘਨਸਮ੍ਪੱਤਿੰ ਮੋਚਯਿਤ੍ਵਾ ਸੁਵਰ੍ਣੰ ਕੁਨ੍ਦੁਰੁੰ ਗਨ੍ਧਰਮਞ੍ਚ ਤਸ੍ਮੈ ਦਰ੍ਸ਼ਨੀਯੰ ਦੱਤਵਨ੍ਤਃ। 12 ਪਸ਼੍ਚਾਦ੍ ਹੇਰੋਦ੍ ਰਾਜਸਜ ਸਮੀਪੰ ਪੁਨਰਪਿ ਗਨ੍ਤੁੰ ਸ੍ਵਪ੍ਨ ਈਸ਼੍ਵਰੇਣ ਨਿਸ਼ਿੱਧਾਃ ਸਨ੍ਤੋ (ਅ)ਨਯੇਨ ਪਥਾ ਤੇ ਨਿਜਦੇਸ਼ੰ ਪ੍ਰਤਿ ਪ੍ਰਤਸ੍ਥਿਰੇ। 13 ਅਨਨ੍ਤਰੰ ਤੇਸ਼ੁ ਗਤਵਤ੍ਸੁ ਪਰਮੇਸ਼੍ਵਰਸਜ ਦੂਤੋ ਯੂਸ਼ਫੇ ਸ੍ਵਪ੍ਨੇ ਦਰ੍ਸ਼ਨੰ ਦਤ੍ਵਾ ਜਗਾਦ, ਤ੍ਵਮ੍ ਉੱਥਾਯ ਸ਼ਿਸ਼ੁੰ ਤਨ੍ਮਾਤਰਞ੍ਚ ਗ੍ਰੁੱਹੀਤ੍ਵਾ

1 ඉබ්‍රාහීමඃ සන්තානෝ දායූද් තස්‍ය සන්තානෝ යීශුඛ්‍රීෂ්ටස්තස්‍ය පූර්ව්වපුරුෂවංශශ්ශ්රේණිඃ| **2** ඉබ්‍රාහීමඃ
පුත්‍ර ඉස්හාක් තස්‍ය පුත්‍රෝ යාකුබ් තස්‍ය පුත්‍රෝ යිහූදාස්තස්‍ය භ්‍රාතරශ්ච| **3** තස්මාද් යිහූදාතස්තාමරෝ
ගර්භේ පේරස්සේරහෞ ජඥාතේ, තස්‍ය පේරසඃ පුත්‍රෝ හිෂ්‍රෝණ් තස්‍ය පුත්‍රෝ (අ)රාම්| **4** තස්‍ය පුත්‍රෝ
(අ)මිනීනාදබ් තස්‍ය පුත්‍රෝ නහශෝන් තස්‍ය පුත්‍රඃ සල්මෝන්| **5** තස්මාද් රාහබෝ ගර්භේ බෝයම්
ජඥේ, තස්මාද් රූතෝ ගර්භේ ඕබේද් ජඥේ, තස්‍ය පුත්‍රෝ යිශයඃ| **6** තස්‍ය පුත්‍රෝ දායූද් රාජඃ තස්මාද්
මෘතෝරියස්‍ය ජායායාං සුලේමාන් ජඥේ| **7** තස්‍ය පුත්‍රෝ රිහබියාම්, තස්‍ය පුත්‍රෝ(අ)බියඃ, තස්‍ය පුත්‍ර
ආසඃ | **8** තස්‍ය සුතෝ යිහෝශාඵට් තස්‍ය සුතෝ යිහෝරාම තස්‍ය සුත උෂියඃ| **9** තස්‍ය සුතෝ යෝථම්
තස්‍ය සුත ආහම් තස්‍ය සුතෝ හිෂ්කියඃ| **10** තස්‍ය සුතෝ මිනශිඃ, තස්‍ය සුත ආමෝන් තස්‍ය සුතෝ
යෝශියඃ| **11** බාබිල්නගරේ ප්‍රවසනාත් පූර්ව්වං ස යෝශියෝ යිඛනියං තස්‍ය භ්‍රාතෘංශ්ච ජනයාමාස| **12**
තතෝ බාබිලි ප්‍රවසනකාලේ යිඛනියඃ ශල්තීයේලං ජනයාමාස, තස්‍ය සුතඃ සිරුබ්බාවිල්| **13** තස්‍ය සුතෝ
(අ)බෝහුද් තස්‍ය සුත ඉලීයාකිම් තස්‍ය සුතෝ(අ)සෝර්| **14** අසෝරඃ සුතඃ සාදෝක් තස්‍ය සුත ආඛීම්
තස්‍ය සුත ඉලීහූද්| **15** තස්‍ය සුත ඉලියාසර් තස්‍ය සුතෝ මත්තන්| **16** තස්‍ය සුතෝ යාකුබ් තස්‍ය සුතෝ
යූෂඵ් තස්‍ය ජායා මරියම්; තස්‍ය ගර්භේ යීශුරජනි, තමේව ඛ්‍රීෂ්ටම් (අර්ථාද් අභිෂික්තං) වදන්ති| **17** ඉත්ථම්
ඉබ්‍රාහීමෝ දායූදං යාවත් සාකල්‍යේන චතුර්දශපුරුෂාඃ; ආ දායූදඃ කාලාද් බාබිලි ප්‍රවසනකාලං යාවත්
චතුර්දශපුරුෂා භවන්ති| බාබිලි ප්‍රවාසනකාලාත් ඛ්‍රීෂ්ටස්‍ය කාලං යාවත් චතුර්දශපුරුෂා භවන්ති| **18**
යීශුඛ්‍රීෂ්ටස්‍ය ජන්ම කථංතේ| මරියම් නාමිකා කන්‍යා යූෂඵේ වාග්දත්තාසීත්, තදා තයෝඃ සඞ්ගමාත් ප්‍රාක්
සා කන්‍යා පවිත්‍රේණාත්මනා ගර්භවතී බභූව| **19** තත්‍ර තස්‍යාඃ පති රූෂඵේ සෞජන්‍යාත් තස්‍යාඃ කලඞ්කං
ප්‍රකාශයිතුම් අනිච්ඡන් ගෝපනේනේ තාං පාරිත්‍යක්තුං මනශ්චක්‍රේ| **20** ස තථෛව භාවයති, තදානීං
පරමේශ්වරස්‍ය දූතඃ ස්වප්නේ තං දර්ශනං දත්ත්වා ව්‍යාජහාර, හේ දායූදඃ සන්තාන යූෂඵේ ත්වං නිජාං
ජායාං මරියමම් ආදාතුං මා භෛෂීඃ| **21** යතස්තස්‍යා ගර්භඃ පවිත්‍රාදාත්මනෝ(අ)භවත්, සා ච පුත්‍රං
ප්‍රසවිෂ්‍යතේ, තදා ත්වං තස්‍ය නාම යීශුම් (අර්ථාත් ත්‍රාතාරං) කරිෂ්‍යසේ, යස්මාත් ස නිජමනුජාන් තේෂාං
කලුෂේභ්‍ය උද්ධරිෂ්‍යති| **22** ඉත්ථං සති, පශ්‍ය ගර්භවතී කන්‍යා තනයං ප්‍රසවිෂ්‍යතේ| ඉම්මානූයේල්
තදීයඤ්ච නාමධේයං භවිෂ්‍යති|| ඉම්මානූයේල් අස්මාකං සඞ්ගීශ්වරඉත්‍යර්ථඃ| **23** ඉති යද් වචනං
පූර්ව්වං භවිෂ්‍යද්වක්ත්‍රා ඊශ්වරඃ කථායාමාස, තත් තදානීං සිද්ධමභවත්| **24** අනන්තරං යූෂඵ් නිද්‍රාතෝ
ජාගරිත උත්ථාය පරමේශ්වරීයදූතස්‍ය නිදේශානුසාරේණ නිජාං ජායාං ජග්‍රාහ, **25** කින්තු යාවත් සා නිජං
ප්‍රථමසුතං අ සුෂුවේ, තාවත් තාං නෝපාගච්ඡත්, තතඃ සුතස්‍ය නාම යීශුං චක්‍රේ|

2 අනන්තරං හේරෝද් සංඥකේ රාඥි රාජ්‍යං ශාසති යිහූදීයදේශස්‍ය බෛත්ලේහම් නගරේ යීශෞ
ජාතවති ච, කතිපයා ජ්‍යෝතිර්ව්විදඃ පූර්ව්වස්‍යා දිශෝ යිරූශාලම්නගරං සමේත්‍ය කථයාමාසුඃ, **2** යෝ
යිහූදීයානාං රාජා ජාතවාන්, ස කුත්‍රාස්තේ? වයං පූර්ව්වස්‍යාං දිශි තිෂ්ඨන්තස්තදීයාං තාරකාම් අපශ්‍යාම
තස්මාත් තං ප්‍රණන්තුම් අගමාම| **3** තදා හේරෝද් රාජා කථාමේතාං නිශම්‍ය යිරූශාලම්නගරස්ථිතෛඃ
සර්ව්වමානවෛඃ සාර්ද්ධම් උද්විග්න **4** සර්ව්වාන් ප්‍රධානයාජකාන් අධ්‍යාපකාංශ්ච සමාහූයානීය
පප්‍රච්ඡ, ඛ්‍රීෂ්ටඃ කුත්‍ර ජනිෂ්‍යතේ? **5** තදා තේ කථයාමාසුඃ, යිහූදීයදේශස්‍ය බෛත්ලේහම් නගරේ,
යතෝ භවිෂ්‍යද්වාදිනා ඉත්ථං ලිඛිතමාස්තේ, **6** සර්ව්වාභ්‍යෝ රාජධානීභ්‍යෝ යිහූදීයස්‍ය නීවෘතඃ| හේ
යීහූදීයදේශස්‍යෝ බෛත්ලේහම් ත්වං න චාවරා| ඉස්‍රායේලීයලෝකාන් මේ යතෝ යඃ පාලයිෂ්‍යති|
තාදෘගේකෝ මහාරාජස්ත්වන්මධ්‍ය උද්භවිෂ්‍යති|| **7** තදානීං හේරෝද් රාජා තාන් ජ්‍යෝතිර්ව්විදෝ
ගෝපනම් ආහූය සා තාරකා කදා දෘෂ්ටාභවත්, තද් විනිශ්චයාමාස| **8** අපරං තාන් බෛත්ලේහමං ප්‍රහීත්‍ය
ගදිතවාන්, යූයං යාත, යත්නාත් තං ශිශුම් අන්විෂ්‍ය තදුද්දේශේ ප්‍රාප්තේ මහ්‍යං වාර්ත්තාං දාස්‍යථ,
තතෝ මයාපි ගත්වා ස ප්‍රණංස්‍යතේ| **9** තදානීං රාඥ ඒතාදෘශීම් ආඥාං ප්‍රාප්‍ය තේ ප්‍රතස්ථිරේ, තතඃ
පූර්ව්වර්ස්‍යාං දිශි ස්ථිතෛස්තෛ රයා තාරකා දෘෂ්ටා සා තාරකා තේෂාමග්‍රේ ගත්වා යත්‍ර ස්ථානේ

மதி[2]:

1 இப்[3]ராஹீம: ஸந்தாநோ தா[3]யூத்[3] தஸ்ய ஸந்தாநோ யீஸு[2]க்[2]ரீஷ்டஸ்தஸ்ய பூர்வ்வபுருஷவம்’ஸ்[2]ஸ்[2]ரேணீ| **2** இப்[3]ராஹீம: புத்ர இஸ்ஹாக் தஸ்ய புத்ரோ யாகூப்[3] தஸ்ய புத்ரோ யிஹூதா[3]ஸ்தஸ்ய ப்[4]ராதரஸ்[2]ச| **3** தஸ்மாத்[3] யிஹூதா[3]தஸ்தாமரோ க[3]ர்பே[4] பேரஸ்ஸேரஹௌ ஜஜ்ஞாதே, தஸ்ய பேரஸ: புத்ரோ ஹிஷ்ரோண் தஸ்ய புத்ரோ (அ)ராம்| **4** தஸ்ய புத்ரோ (அ)ம்மீநாத[3]ப்[3] தஸ்ய புத்ரோ நஹஸோ[2]ந் தஸ்ய புத்ர: ஸல்மோந்| **5** தஸ்மாத்[3] ராஹபோ[3] க[3]ர்பே[4] போ[3]யம் ஜஜ்ஞே, தஸ்மாத்[3] ரூதோ க[3]ர்பே[4] ஓபே[3]த்[3] ஜஜ்ஞே, தஸ்ய புத்ரோ யிஸ்[2]ய: | **6** தஸ்ய புத்ரோ தா[3]யூத்[3] ராஜ: தஸ்மாத்[3] ம்ரு’தோரியஸ்ய ஜாயாயாம்’ ஸுலேமாந் ஜஜ்ஞே| **7** தஸ்ய புத்ரோ ரிஹபி[3]யாம், தஸ்ய புத்ரோ(அ)பி[3]ய: , தஸ்ய புத்ர ஆஸா: | **8** தஸ்ய ஸுதோ யிஹோஸா[2]ப[2]ட் தஸ்ய ஸுதோ யிஹோராம தஸ்ய ஸுத உஷிய: | **9** தஸ்ய ஸுதோ யோத[2]ம் தஸ்ய ஸுத ஆஹம் தஸ்ய ஸுதோ ஹிஷ்கிய: | **10** தஸ்ய ஸுதோ மிநஸி[2]: , தஸ்ய ஸுத ஆமோந் தஸ்ய ஸுதோ யோஸி[2]ய: | **11** பா[3]பி[3]ல்நக[3]ரே ப்ரவஸநாத் பூர்வ்வம்’ ஸ யோஸி[2]யோ யிக[2]நியம்’ தஸ்ய ப்[4]ராத்ரும்”ஸ்[2]ச ஜநயாமாஸ| **12** ததோ பா[3]பி[3]லி ப்ரவஸநகாலே யிக[2]நிய: ஸ்[2]ல்தீயேலம்’ ஜநயாமாஸ, தஸ்ய ஸுத: ஸிருப்[3]பா[3]வில்| **13** தஸ்ய ஸுதோ (அ)போ[3]ஹூத்[3] தஸ்ய ஸுத இலீயாகீம் தஸ்ய ஸுதோ(அ)ஸோர்| **14** அஸோர: ஸுத: ஸாதோ[3]க் தஸ்ய ஸுத ஆகீ[2]ம் தஸ்ய ஸுத இலீஹூத்[3]| **15** தஸ்ய ஸுத இலியாஸர் தஸ்ய ஸுதோ மத்தந்| **16** தஸ்ய ஸுதோ யாகூப்[3] தஸ்ய ஸுதோ யூஷப்[2] தஸ்ய ஜாயா மரியம்; தஸ்ய க[3]ர்பே[4] யீஸு[2]ரஜநி, தமேவ க்[2]ரீஷ்டம் (அர்தா[2]த்[3] அபி[4]ஷிக்தம்’) வத[3]ந்தி| **17** இத்த[2]ம் இப்[3]ராஹீமோ தா[3]யூத[3]ம்’ யாவத் ஸாகல்யேந சதுர்த[3]ஸ்[2]புருஷா: ; ஆ தா[3]யூத[3]: காலாத்[3] பா[3]பி[3]லி ப்ரவஸநகாலம்’ யாவத் சதுர்த[3]ஸ்[2]புருஷா ப[4]வந்தி| பா[3]பி[3]லி ப்ரவாஸநகாலாத் க்[2]ரீஷ்டஸ்ய காலம்’ யாவத் சதுர்த[3]ஸ்[2]புருஷா ப[4]வந்தி| **18** யீஸு[2]க்[2]ரீஷ்டஸ்ய ஜந்ம கத்[2]த[2]தே| மரியம் நாமிகா கந்யா யூஷபே[2] வாக்[3]த[3]த்தாஸீத், ததா[3] தயோ: ஸங்க[3]மாத் ப்ராக் ஸா கந்யா பவித்ரேணாத்மநா க[3]ர்ப[4]வதீ ப[3]பூ[4]வ| **19** தத்ர தஸ்யா: பதி ர்யூஷப்[2] ஸௌஜந்யாத் தஸ்யா: கலங்க[3]ம்’ ப்ரகாஸ[2]யிதும் அநிச்ச[2]ந் கோ[3]பநேநே தாம்’ பாரித்யக்தும்’ மநஸ்[2]சக்ரே| **20** ஸ ததை[2]வ பா[4]வயதி, ததா[3]நீம்’ பரமேஸ்[2]வரஸ்ய தூ[3]த: ஸ்வப்நே தம்’ த[3]ர்ஸ்[2]நம்’ த[3]த்த்வா வ்யாஜஹார, ஹே தா[3]யூத[3]: ஸந்தாந யூஷப்[2] த்வம்’ நிஜாம்’ ஜாயாம்’ மரியமம் ஆதா[3]தும்’ மா பை[4]ஷீ: | **21** யதஸ்ததஸ்யா க[3]ர்ப[4]: பவித்ராதா[3]த்மநோ(அ)ப[4]வத், ஸா ச புத்ரம்’ ப்ரஸவிஷ்யதே, ததா[3] த்வம்’ தஸ்ய நாம யீஸு[2]ம் (அர்தா[2]த் த்ராதாரம்’) கரீஷ்யஸே, யஸ்மாத் ஸ நிஜமநுஜாந் தேஷாம்’ கலுஷேப்[4]ய உத்[3]த[4]ரிஷ்யதி| **22** இத்த[2]ம்’ ஸதி, பஸ்[2]ய க[3]ர்ப[4]வதீ கந்யா தநயம்’ ப்ரஸவிஷ்யதே| இம்மாநூயேல் ததீ[3]யஞ்ச நாமதே[4]யம்’ ப[4]விஷ்யதி|| இம்மாநூயேல் அஸ்மாகம்’ ஸங்கீ[3]ஸ்[2]வரஇத்யர்த[2]: | **23** இதி யத்[3] வசநம்’ புர்வ்வம்’ ப[4]விஷ்யத்[3]வக்த்ரா ஈஸ்[2]வர: கதா[2]யாமாஸ, தத் ததா[3]நீம்’ ஸித்[3]த[4]மப[4]வத்| **24** அநந்தரம்’ யூஷப்[2] நித்[3]ராதோ ஜாக[3]ரித உத்தா[2]ய பரமேஸ்[2]வரீயதூ[3]தஸ்ய நிதே[3]ஸா[2]நுஸாரேண நிஜாம்’ ஜாயாம்’ ஜக்[3]ராஹ, **25** கிந்து யாவத் ஸா நிஜம்’ ப்ரத[2]மஸுதம்’ அ ஸுஷுவே, தாவத் தாம்’ நோபாக[3]ச்ச[2]த், தத: ஸுதஸ்ய நாம யீஸு[2]ம்’ சக்ரே|

2 அநந்தரம்’ ஹேரோத்[3] ஸம்’ஜ்ஞகே ராஜ்ஞி ராஜ்யம்’ ஸா[2]ஸதி யிஹூதீ[3]யதே[3]ஸ்[2]ஸ்ய பை[3]த்லேஹமி நக[3]ரே யீஸௌ[2] ஜாதவதி ச, கதிபயா ஜ்யோதிர்வ்வுத[3]: பூர்வ்வஸ்யா தி[3]ஸோ[2] யிரூஸா[2]லம்நக[3]ரம்’ ஸமேத்ய கத[2]யமாஸு: , **2** யோ யிஹூதீ[3]யாநாம்’

మథిః

1 ఇబ్రాహీమః సన్తానో దాయూద్ తస్య సన్తానో యీశుఖ్రీష్టస్తస్య పూర్వ్వపురుషవంశశ్రేణీ| 2 ఇబ్రాహీమః పుత్ర
ఇస్హాక్ తస్య పుత్రో యాకూబ్ తస్య పుత్రో యిహూదాస్తస్య భ్రాతరశ్చ| 3 తస్మాద్ యిహూదాతస్తామరో గర్భే
పేరస్సేరహౌ జజ్ఞాతే, తస్య పేరసః పుత్రో హిస్రోణ్ తస్య పుత్రో ఒరామ్| 4 తస్య పుత్రో ఒమ్మీనాదబ్ తస్య పుత్రో
నహశోన్ తస్య పుత్రః సల్మోన్| 5 తస్మాద్ రాహబో గర్భే బోయమ్ జజ్ఞే, తస్మాద్ రూతో గర్భే ఓబేద్ జజ్ఞే, తస్య
పుత్రో యిశయః| 6 తస్య పుత్రో దాయూద్ రాజః తస్మాద్ మ్యుతోరియస్య జాయాయాం సులేమాన్ జజ్ఞే| 7
తస్య పుత్రో రిహబియామ్, తస్య పుత్రోఒబియః, తస్య పుత్ర ఆసాః | 8 తస్య సుతో యిహోశాఫట్ తస్య సుతో
యిహోరామ తస్య సుత ఉషియః| 9 తస్య సుతో యోథమ్ తస్య సుత ఆహమ్ తస్య సుతో హిష్కియః| 10 తస్య
సుతో మినశిః, తస్య సుత ఆమోన్ తస్య సుతో యోశియః| 11 బాబిల్నగరే ప్రవసనాత్ పూర్వ్వం స యోశియో
యిఖనియం తస్య భ్రాతృంశ్చ జనయామాస| 12 తతో బాబిలి ప్రవసనకాలే యిఖనియః శల్తీయేలం జనయామాస,
తస్య సుతః సిరుబ్బావిల్| 13 తస్య సుతో ఒబీహుద్ తస్య సుత ఇలీయాకీమ్ తస్య సుతోఒసోర్| 14 అసోరః
సుతః సాదోక్ తస్య సుత ఆఖీమ్ తస్య సుత ఇలీహూద్| 15 తస్య సుత ఇలియాసర్ తస్య సుతో మత్తన్|
16 తస్య సుతో యాకూబ్ తస్య సుతో యూషఫ్ తస్య జాయా మరియమ్; తస్య గర్భే యీశురజని, తమేవ
ఖ్రీష్టమ్ (అర్థాద్ అభిషిక్తం) వదన్తి| 17 ఇత్థమ్ ఇబ్రాహీమో దాయూదం యావత్ సాకల్యేన చతుర్దశపురుషాః; ఆ
దాయూదః కాలాద్ బాబిలి ప్రవసనకాలం యావత్ చతుర్దశపురుషా భవన్తి| బాబిలి ప్రవాసనకాలాత్ ఖ్రీష్టస్య
కాలం యావత్ చతుర్దశపురుషా భవన్తి| 18 యీశుఖ్రీష్టస్య జన్మ కథ్యతే| మరియమ్ నామికా కన్యా యూషఫే
వాగ్దత్తాసీత్, తదా తయోః సఙ్గమాత్ ప్రాక్ సా కన్యా పవిత్రేణాత్మనా గర్భవతీ బభూవ| 19 తత్ర తస్యాఃపతి
ర్యూషఫ్ సాజన్యాత్ తస్యాః కలఙ్కం ప్రకాశయితుమ్ అనిచ్ఛన్ గోపనేనే తాం పారిత్యక్తుం మనశ్చక్రే| 20 స తథైవ
భావయతి, తదానీం పరమేశ్వరస్య దూతః స్వప్నే తం దర్శనం దత్త్వా వ్యాజహార, హే దాయూదఃసన్తాన యూషఫ్
త్వం నిజాం జాయాం మరియమమ్ ఆదాతుం మా భైషీః| 21 యతస్తస్యా గర్భఃపవిత్రాదాత్మనోఒభవత్, సా చ
పుత్రం ప్రసవిష్యతే, తదా త్వం తస్య నామ యీశుమ్ (అర్థాత్ త్రాతారం) కరిష్యసే, యస్మాత్ స నిజమనుజాన్
తేషాం కలుషేభ్య ఉద్ధరిష్యతి| 22 ఇత్థం సతి, పశ్య గర్భవతీ కన్యా తనయం ప్రసవిష్యతే| ఇమ్మానూయేల్
తదీయఞ్చ నామధేయం భవిష్యతి|| ఇమ్మానూయేల్ అస్మాకం సఙ్గీశ్వరఇత్యర్థః| 23 ఇతి యద్ వచనం పూర్వ్వం
భవిష్యద్వక్తా ఈశ్వరః కథాయామాస, తత్ తదానీం సిద్ధమభవత్| 24 అనన్తరం యూషఫ్ నిద్రాతో జాగరిత
ఉత్థాయ పరమేశ్వరీయదూతస్య నిదేశానుసారేణ నిజాం జాయాం జగ్రాహ, 25 కిన్తు యావత్ సా నిజం ప్రథమసుతం
అ సుషువే, తావత్ తాం నోపాగచ్ఛత్, తతఃసుతస్య నామ యీశుం చక్రే|

2 అనన్తరం హేరోద్ సంజ్ఞకే రాజ్ఞి రాజ్యం శాసతి యిహూదీయదేశస్య బైత్లేహమి నగరే యీశౌ జాతవతి చ, కతిపయా
జ్యోతిర్వ్విదఃపూర్వ్వస్యా దిశో యిరూశాలమ్నగరం సమేత్య కథయామాసుఃు, 2 యో యిహూదీయానాం
రాజా జాతవాన్, స కుత్రాస్తే? వయం పూర్వ్వస్యాం దిశి తిష్ఠన్తస్తదీయాం తారకామ్ అపశ్యామ తస్మాత్ తం
ప్రణన్తుమ్ అగమామ| 3 తదా హేరోద్ రాజా కథామేతాం నిశమ్య యిరూశాలమ్నగరస్థితైఃసర్వ్వమానవైఃసార్ద్ధమ్
ఉద్విజ్య 4 సర్వ్వాన్ ప్రధానయాజకాన్ అధ్యాపకాంశ్చ సమాహూయానీయ పప్రచ్ఛ, ఖ్రీష్టఃకుత్ర జనిష్యతే? 5
తదా తే కథయామాసుఃు, యిహూదీయదేశస్య బైత్లేహమి నగరే, యతో భవిష్యద్వాదినా ఇత్థం లిఖితమాస్తే,
6 సర్వ్వభ్యో రాజధానీభ్యో యిహూదీయస్య నీవృతఃు| హే యిహూదీయదేశస్యో బైత్లేహమ్ త్వం న చావరా|
ఇస్రాయేలీయలోకాన్ మే యతో యఃు పాలయిష్యతి| తాదృగేకో మహారాజస్త్వన్మధ్య ఉద్భవిష్యతీ|| 7 తదానీం
హేరోద్ రాజా తాన్ జ్యోతిర్వ్విదో గోపనమ్ ఆహూయ సా తారకా కదా దృష్టాభవత్, తద్ వినిశ్చయామాస| 8
అపరం తాన్ బైత్లేహమం ప్రహిత్య గదితవాన్, యూయం యాత, యత్నాత్ తం శిశుమ్ అన్విష్య తదుద్దేశే ప్రాప్తే
మహ్యం వార్త్తాం దాస్యథ, తతో మయాపి గత్వా స ప్రణంస్యతే| 9 తదానీం రాజ్ఞ ఏతాదృశీమ్ ఆజ్ఞాం ప్రాప్య తే

มถิ:

1 อิพฺราหีม: สนฺตาโน ทายูทฺ ตสฺย สนฺตาโน ยีศุขฺรีษฺฏสฺตสฺย ปฺรวฺวปุรุษวꣳศเศฺรณีฯ **2** อิพฺราหีม: ปุตฺร อิสฺหากฺ ตสฺย ปุโตฺร ยากูพฺ ตสฺย ปุโตฺร ยิหูทาสฺตสฺย ภฺราตรศฺจฯ **3** ตสฺมาทฺ ยิหูทาตสฺตามโร ครฺเภ เปรเสฺสรเหา ชชฺญาเต, ตสฺย เปรส: ปุโตฺร หิโษฺรณ ตสฺย ปุโตฺร 'รามฺฯ **4** ตสฺย ปุโตฺร 'มฺมีนาทพฺ ตสฺย ปุโตฺร นหโศน ตสฺย ปุตฺร: สลฺโมนฺฯ **5** ตสฺมาทฺ ราหโพ ครฺเภ โพยมฺ ชชฺเญ, ตสฺมาทฺ รูโต ครฺเภ โอเพทฺ ชชฺเญ, ตสฺย ปุโตฺร ยิศย: ฯ **6** ตสฺย ปุโตฺร ทายูทฺ ราช: ตสฺมาทฺ มฺฤโตริยสฺย ชายายำ สุเลมานฺ ชชฺเญฯ **7** ตสฺย ปุโตฺร ริหพิยามฺ, ตสฺย ปุโตฺร'พิย: , ตสฺย ปุตฺร อาสา: ฯ **8** ตสฺย สุโต ยิโหศาผฏ ตสฺย สุโต ยิโหราม ตสฺย สุต อุษิย: ฯ **9** ตสฺย สุโต โยถมฺ ตสฺย สุต อาหมฺ ตสฺย สุโต หิษฺกิย: ฯ **10** ตสฺย สุโต มินศิ: , ตสฺย สุต อาโมนฺ ตสฺย สุโต โยศิย: ฯ **11** พาพิลฺนเคร ปฺรวสนาตฺ ปูรฺวฺวꣳ ส โยศิโย ยิขนิยำ ตสฺย ภฺราตฺณำศฺจ ชนยามาสฯ **12** ตโต พาพิลิ ปฺรวสนกาเล ยิขนิย: ศลฺตีเยลำ ชนยามาส, ตสฺย สุต: สิรุพฺพาวิลฺฯ **13** ตสฺย สุโต 'โพหุทฺ ตสฺย สุต อิลียากีมฺ ตสฺย สุโต'โสรฺฯ **14** อโสร: สุต: สาโทกฺ ตสฺย สุต อาขีมฺ ตสฺย สุต อิลีหูทฺฯ **15** ตสฺย สุต อิลิยาสรฺ ตสฺย สุโต มตฺตนฺฯ **16** ตสฺย สุโต ยากูพฺ ตสฺย สุโต ยูษผฺ ตสฺย ชายา มริยมฺ; ตสฺย ครฺเภ ยีศุรชนิ, ตเมว ขฺรีษฺฏมฺ (อรฺถาทฺ อภิษิกฺตำ) วทนฺติฯ **17** อิตฺถมฺ อิพฺราหีโม ทายูทำ ยาวตฺ สากเลฺยน จตุรฺทศปุรุษา: ; อา ทายูท: กาลาทฺ พาพิลิ ปฺรวสนกาลำ ยาวตฺ จตุรฺทศปุรุษา ภวนฺติฯ พาพิลิ ปฺรวาสนกาลาตฺ ขฺรีษฺฏสฺย กาลꣳ ยาวตฺ จตุรฺทศปุรุษา ภวนฺติฯ **18** ยีศุขฺรีษฺฏสฺย ชนฺม กฤถเตฯ มริยมฺ นามิกา กนฺยา ยูษเผ วาคฺทตฺตาสีตฺ, ตทา ตโย: สงฺคมาตฺ ปฺรากฺ สา กนฺยา ปวิเตฺรณาตฺมนา ครฺภวตี พภูวฯ **19** ตตฺร ตสฺยา: ปติ รฺยูษผฺ เสาชนฺยาตฺ ตสฺยา: กลงฺคำ ปฺรกาศยิตุมฺ อนิจฺฉนฺ โคปเนเน ตำ ปาริตฺยกฺตุ์ มนศฺจเกฺรฯ **20** ส ตไถว ภาวยติ, ตทานี ปรเมศฺวรสฺย ทูต: สฺวปฺเน ตं ทรฺศนำ ทตฺตฺวา วฺยาชหาร, เห ทายูท: สนฺตาน ยูษผฺ ตฺวꣳ นิชำ ชายำ มริยมมฺ อาทาตุ์ มา ไภษี: ฯ **21** ยตสฺตสฺยา ครฺภ: ปวิตฺราทาตฺมโน'ภวตฺ, สา จ ปุตฺรꣳ ปฺรสวิษฺยเต, ตทา ตฺวꣳ ตสฺย นาม ยีศุมฺ (อรฺถาตฺ ตฺราตารꣳ) กรีษฺยเส, ยสฺมาตฺ ส นิชมนุชานฺ เตษำ กลุเษภฺย อุทฺธริษฺยตีฯ **22** อิตฺถं สติ, ปศฺย ครฺภวตี กนฺยา ตนยं ปฺรสวิษฺยเตฯ อิมฺมานูเยลฺ ตทียญฺจ นามเธยं ภวิษฺยตีฯ อิมฺมานูเยลฺ อสฺมากं สงฺคีศฺวรอิตฺยรฺถ: ฯ **23** อิติ ยทฺ วจนำ ปฺรฺวฺวं ภวิษฺยทฺวกฺตฺรา อีศฺวร: กถายามาส, ตตฺ ตทานี สิทฺธมภวตฺฯ **24** อนนฺตรꣳ ยูษผฺ นิทฺราโต ชาคริต อุตฺถาย ปรเมศฺวรียทูตสฺย นิเทศานุสาเรณ นิชำ ชายำ ชคฺราห, **25** กินฺตุ ยาวตฺ สา นิชं ปฺรถมสุตं อ สุษฺเว, ตาวตฺ ตำ โนปาคจฺฉตฺ, ตต: สุตสฺย นาม ยีศุ์ จเกฺรฯ

2 อนนฺตรꣳ เหโรทฺ สံชฺญเก ราชฺญิ ราชฺยं ศาสติ ยิหูทียเทศสฺย ไพเตฺลหมิ นคเร ยีเศา ชาตวติ จ, กติปยา โชฺยติรฺวฺวฺท: ปฺรฺวฺวสฺยา ทิโศ ยิรูศาลมฺนครꣳ สเมตฺย กถยมาสุ: , **2** โย ยิหูทียานำ ราชา ชาตวานฺ, ส กุตฺราเสฺต? วยं ปฺรฺวฺวสฺยำ ทิศิ ติษฺฐนฺตสฺตทียำ ตารกามฺ อปศฺยาม ตสฺมาตฺ ตं ปฺรณนฺตุมฺ อคมามฯ **3** ตทา เหโรทฺ ราชา กถาเมตำ นิศมฺย ยิรูศาลมฺนครสฺถิไต: สรฺวฺวมานไว: สารฺทฺธมฺ อุทฺวิชฺย **4** สรฺวฺวานฺ ปฺรธานยาชกานฺ อธฺยาปกำศฺจ สมาหูยานีย ปปฺรจฺฉ, ขฺรีษฺฏ: กุตฺร ชนิษฺยเต? **5** ตทา เต กถยามาสุ: , ยิหูทียเทศสฺย ไพเตฺลหมิ นคเร, ยโต ภวิษฺยทฺวาทินา อิตฺถं ลิขิตมาเสฺต, **6** สรฺวฺวาโภฺย ราชธานีโภฺย ยิหูทียสฺย นีวฺฤต: ฯ เห ยีหูทียเทศเสฺย ไพเตฺลหมฺ ตฺวं น จาวราฯ อิสฺราเยลียโลกานฺ เม ยโต ย: ปาลยิษฺยติฯ ตาทฺฤเคโก มหาราชสฺตฺวนฺมธฺย อุทฺภวิษฺยตีฯ **7** ตทานี เหโรทฺ ราชา ตานฺ โชฺยติรฺวฺวิโท โคปนมฺ อาหูย สา ตารกา กทา ทฺฤษฺฏาภวตฺ, ตทฺ วินิศฺจยามาสฯ **8** อปรꣳ ตานฺ ไพเตฺลหมꣳ ปฺรหีตฺย คทิตวานฺ, ยูยं ยาต, ยตฺนาตฺ ตं ศิศุมฺ อนฺวิษฺย ตทฺทฺเทเศ ปฺราปฺเต มหฺยं วารฺตฺตำ ทาสฺยถ, ตโต มยาปิ คตฺวา ส ปฺรณำสฺยเตฯ **9** ตทานี ราชฺญ เอตาทฺฤศีมฺ อาชฺญำ ปฺราปฺย เต ปฺรตสฺถิเร, ตต: ปูรฺวฺวรฺสฺยำ ทิศิ สฺถิไตไสฺต รฺยา ตารกา

མཐིཿ

1 ཞེའུའྱིམཿ ཁནྡྷཏོ་ དྷཡུད་ ཀསྱ ཁནྡྷཏོ་ ཡིཏྱཀྱིཏྟཔྲསྱ ཤུཔྟཔུཏྲཱཤཾཁཏེའཀྱི། **2** ཞེའུའྱིམཿ པུཏ ཞེཤྩཱ ཀསྱ པུཏོ་ ཡཱཀྱཱཏ ཀསྱ པུཏོ་ ཡིཏྱའྱིཔྲསྱ ཀྷཏཀཙྪ། **3** ཀསྨཱད་ ཡིཏྱའྱིཔྲསྨཱཏོ་ ཁཱཏྟེ ཏེཏསྨིཏོ་ ཏཱརྟུཀྱི, ཀསྱ ཏེཏཋཿ པུཏོ་ ཀིཏྟིཏཿ ཀསྱ པུཏོ་ ཐཱཏྲསྱ། **4** ཀསྱ པུཏོ་ ཐཱཏྲཱཡཱིའྱནད ཀསྱ པུཏོ་ ནཀཤོན་ ཀསྱ པུཏཿ ཁཙྪོན། **5** ཀསྨཱད་ རྟཀཤོ་ ཁཱཏྟེ བོཡཱམ ཏཀྱི, ཀསྨཱད་ རྟུཏོ་ ཁཱཏྟེ ཙོཏེའད་ ཏཀྱི, ཀསྱ པུཏོ་ ཡིཤཱཡཿ། **6** ཀསྱ པུཏོ་ དྷཡུད་ རྟཏཿ ཀསྨཱད་ ཨིཏོརཱིཡསྱ ཏྟཡཱཡུཾ སྱཱཏེའསྨད་ ཏཀྱི། **7** ཀསྱ པུཏོ་ རེཀཤིཡཱམས, ཀསྱ པུཏོ་ཐཐིཡཿ, ཀསྱ པུཏ ཙཱཏཱ: । **8** ཀསྱ སྱཏོ་ ཡིཀྵཱཔཏ་ ཀསྱ སྱཏོ་ ཡིཀོརྟམ ཀསྱ སྱཀ ཙྱཉིཡཿ། **9** ཀསྱ སྱཏོ་ ཡོཐཨ ཀསྱ སྱཀ ཙཱཀྵ ཀསྱ སྱཏོ་ ཀིཀྵིཡཿ། **10** ཀསྱ སྱཏོ་ མིནཤིཿ, ཀསྱ སྱཀ ཙཱཀྵེད་ ཀསྱ སྱཏོ་ ཡོཤིཡཿ། **11** བྷཝིཥྱཏཱརེ པཔཨཱནྟཱ་ ཏུཤྚཱི ཥ ཡོཤིཡོ ཡིཀཏིཡཾ ཀསྱ ཀྵཱུདྡྷཱ ཧཏྱཱཔཱཙྱམཱ། **12** ཀཏོ བྷཝིཥི པཔཨཐཀྱཱལེ ཡིཀཏིཡཿ ཤཱཀྱིཡེཤཾ ཧཏྱཱཔཱཙྱམས, ཀསྱ སྱཀཿ སིཏྟཱཔཱིཡ། **13** ཀསྱ སྱཏོ་ ཐཱཏོརྟུ ཀསྱ སྱཀ ཙིཡྱིཡཱཀྱིམ ཀསྱ སྱཏོ་ཐཱཏོརེའད། **14** ཛཡོཏཿ སྱཀཿ སྱདོ་ཀ ཀསྱ སྱཀ ཙྱཉིམ ཀསྱ སྱཀ ཙིཡྱིཀྵུ། **15** ཀསྱ སྱཀ ཙིཡྱིཡྱསཏ ཀསྱ སྱཏོ་ ཨཀྟྭ། **16** ཀསྱ སྱཏོ་ ཡྱཀྱཱཌ ཀསྱ སྱཏོ་ ཡྱཱཔྱ ཀསྱ ཏྟཡྱ ཨདིཡཨ; ཀསྱ གཙྪེ ཡྱིཏྱཏཏཱི, ཀཨེཔ ཉྱིཀྵམ (ཛཀྵུ ཛཉྩིཏིཀྵྱཱ) པཏཀྟི། **17** ཙིཔྟམ ཙིཐྱཉྩིམོ་ དྱཡུདཱ ཡྱཔཏ ཐྱཀཱཛེཏ ཙཏུདཔཱཔྱཐྱཱཏཿ; ཚུ དྱཡུདཿ ཀྱཡྱད་ ཏྱདིཥི པཔཨཐཀྱཱཔཱ ཡྱཔཏ ཙཏུདཔཱཔྱཐྱཱཏ ཀྵཔཏཀྟི། ཏྱདིཥི པཔྟྲཥཐཀྱཱཡྱཏ ཉྱིཀྵམྱ གྱཱཔཱ ཡྱཔཏ ཙཏུདཔཱཔྱཐྱཱཏ ཀྵཔཏཀྟི། **18** ཡྱིཏྱཉྩིཀྵམྱ ཥཀྟ གཔྤཏེ། ཨཉིཡཨ ཏྟམིཀྱ གཀྟུ ཡྱཱཔཡེ པྤཔྟཀྟཐྱིཏ, ཀཏྟ ཀཡོཿ ཥཁཀྱཏ པཔྟྲཀྱཏ ཐྱཀྱཏ ཏྱཏཀྟཔཏྱི བཀྵཔཨ། **19** ཀཏ ཀསྱཿ པཀི ཆུཔྱཔཡ སོཇཀྟུད ཀསྱཿ ཀལཆཱཾ པཡྱཀཔཡིཀུམ ཛཞིཙྪཏེ ཙོཔཞེཏེ ཀྱཾ པཤཉིཀྱཀྱཱ ཙཱཏྟཔཡ། **20** ཐ ཀབཱཔ ཀྵཔཡཡཀི, ཀདྟནྱེ་ པཥཨེཤྭཏ ཀསྱ ཏྟཏཿ སྭཨེ ཀཾ དཔཏེ་ བཀྵ ཙྱཇཥྟུད, ཅེ དྱཡུདཿ ཁནྡྷཏ ཡྱཱཔཡ ཀྱཾ ཞིཏྱཾ ཙཱཏྟཔཡ། **21** ཡཀསྱཔྱ གཀྟཿ པཔྟིདྱདྟཀྵེཞེཤྭཔཀྱ, སྱ ཇ པུཏྱ པཐཔཔྟིཔྱཀྱ, ཀདྟ ཀྱཾ ཀསྱ ནྟམ ཡྱིཏྱཨ (ཛཀྵུ དྱཀྱཤ) ཀཀྱིཨེཀྵུ ཀྱཾ ཀཏཞེ་ བཀྵ ཙྱཇཥྟུད, ཅེ དྱཡུདཿ ཁནྡྷཏ ཡྱཱཔཡ ཀྱཾ ཞིཏྱཾ ཙཱཏྟཔཡ། ཏྱདིཥི པཔྟྲཥཐཀྱཱཔཱཙྱམཀྱ ཀྱཾ ཀཏཞེ་ བཀྵ ཙྱཇཥྟུད, ཅེ དྱཡུདཿ ཁནྡྷཏ ཡྱཱཔཡ ཀྱཾ ཞིཏྱཾ ཙཱཏྟཔཡ། **22** ཙིཔྟཱཾ ཁཀྱི, པཨ ཀཏྟཔཔྟིཔྱཀྱི། ཙིཔྟཱཾཏྟུཡེལ ནྟམ ཀྱཾ ཞིཏྱཾ ཙཱཏྟཔཡ། ཙིཔྟཱཾཏྟུཡེལ ཙཱཏྟཱཀྱ ཀཀྱིཨཱཏྲཐཿ། **23** ཙིཀི ཡད ཐཙཏེ་ ཡྱཱཾ ཆཔིཔྱཏྲཀྱཱ ཚྱིཤྭཏཿ ཀཱཔྱཡྱཔཏ, ཀཏ ཀདྟནྱེ་ སིཆྪཔཔྟིཔྱཀ། **24** ཛཀཆཀྵཾ ཡྱཱཔཡ ཀིདྟོ ཀྵཏཱཀིཤ ཙུཔྱཡ པཥཔེཤྲཏྱིཡཏྲཏུཔ ཀིདྟེ་ ཏྱཡྱཾ ཀསྱཀ, **25** ཀཱཆྪ ཡྱཔཏ སྱ ཀིཪ་ པཔཔཡཐཾ ཛ སྱཱཀྵཔྱ, ཀྱཔཏ ཀྱཾ ཙོཔྱཀཱཆྪཏ, ཀཏཿ སྱཏཔྱ ནྟམ ཡྱིཏྱཾ ཙཀྱ།

2 ཛཀཆཀྵཾ ཅེཪོད་ སཾཆྪཀ ཏྱཇྫེ་ ཀྵཎཀི ཡིཏྱདྱིཡཏེཤཔྱ ཀིཆྩེཏཔེ ཀཁཱཔཪ ཡྱིཨོ་ ཏྱཏཿ

مَتهِح

1 اِبْراهِيمَح سَنْتانو دايُودْ تَسْيَ سَنْتانو يِيشُكهْرِيشْتَسْتَسْيَ پُورْوَّپُرُشَوَشْتْرِيخِي۔ **2** اِبْراهِيمَح پُتْرَ اِسْهاکْ تَسْيَ پُتْرو يا كُوبْ تَسْيَ پُتْرو يِهُواسْتَسْيَ بهْراتَرْشْچَ۔ **3** تَسْمادْ يِهُواتَسْتامَرو گْبهے پيرَسّيرَهَو جَجْناتے، تَسْيَ پيرَسَحَ پُتْرو هِشْرونْ تَسْيَ پُتْرو رامْ۔ **4** تَسْيَ پُتْرو مّينادَبْ تَسْيَ پُتْرو نَهَشونْ تَسْيَ پُتْرَح سَلْمونْ۔ **5** تَسْمادْ راهَبو گْبهے بويَمْ تَخْنے، تَسْمادْ رُوتو گْبهے اوبيدْ تَخْنے، تَسْيَ پُتْرو يِشَيَح۔ **6** تَسْيَ پُتْرو دايُودْ راجَحْ تَسْمادْ مِرتورِيَسْيَ جايايان سُليمانْ تَخْنے۔ **7** تَسْيَ پُتْرو رِهَبِيامْ، تَسْيَ پُتْرو يِيَح، تَسْيَ پُتْرَ آسا: ۔ **8** تَسْيَ سُتو يِهوشاپهَتْ تَسْيَ سُتو يِهورامَ تَسْيَ سُتَ اُشِيَح۔ **9** تَسْيَ سُتو يوتهَمْ تَسْيَ سُتَ آهَمْ تَسْيَ سُتو هِشْكِيَح۔ **10** تَسْيَ سُتو مِنَشِح، تَسْيَ سُتَ آمونْ تَسْيَ سُتو يوشِيَح۔ **11** بابِلْگَرے پْرَوَسَناتْ پُورْوَّس يوشِيو يِكهَنِيَ تَسْيَ بهْراتِرشْچَ جَنَياماسَ۔ **12** تو بابِلِ پْرَوَسَنکالے يِكهَنِيَح شَلْتِييلَ جَنَياماسَ، تَسْيَ سُتَح سِرُبّاوِلْ۔ **13** تَسْيَ سُتو بوهُدْ تَسْيَ سُتَ اِلِياكِيمْ تَسْيَ سُتوسورْ۔ **14** اَسورَح سُتَح سادوکْ تَسْيَ سُتَ آكهِيمْ تَسْيَ سُتَ اِلِيهُودْ۔ **15** تَسْيَ سُتَ اِلِياسَرْ تَسْيَ سُتو مَتّنْ۔ **16** تَسْيَ سُتو يا كُوبْ تَسْيَ سُتو يُوشَپهْ تَسْيَ جايا مَرِيَمْ؛ تَسْيَ گْبهے يِيشُرَجَنِ، تَميَ كهْرِيشْتَمْ (اَرْتهادْ اَبهِشِكْتَ) وَدَنْتِ۔ **17** اِتّهَمْ اِبْراهِيمو دايُودَ يا وَتْ سا كَلِينَ چَتْرْدَشَپُرُشاح، آ دايُودَح كالادْ بابِلِ پْرَوَسَنکالَ يا وَتْ چَتْرْدَشَپُرُشا بهَوَنْتِ۔ بابِلِ پْرَواسَنکالاتْ كهْرِيشْتَسْيَ كالَ يا وَتْ چَتْرْدَشَپُرُشا بهَوَنْتِ۔ **18** يِيشُكهْرِيشْتَسْيَ جَنْمَ كَتهْتهَتے۔ مَرِيَمْ نامِكا كَنْيا يُوشَپهے واگْدَتّاسِيتْ، تَدا تَيح سَنگهاتْ پْراكْ سا كَنْيا پَوِتْرِيناتْمَنا گْبهَوَتِي بَبهُوَ۔ **19** تَتَرْ تَسْياح پَتِ رْيُوشَپهْ سَوجَنْياتْ تَسْياح كَلَنْگَ پْرَكاشِيتْمْ اَنْجّهَنْ گوپَنَے تاں پارِتْيَكْتُ مَنَشْچَكْرُے۔ **20** سَ تَهَيو بهاوَيَتِ، تَدانِيں پَرَميشْوَرَسْيَ دُوتَح سَوپَنے تَ دَرْشَنَ دَتّوا وْياجَهارَ، هے دايُودَح سَنْتانَ يُوشَپهْ تْوَں نِجاں جايان مَرِيَمْ آداتُ ما بهَيِشِيح۔ **21** يَتْسْتَسْيا گْبهَحَ پَوِتْرادامْنو بهَوَتْ، سا چَ پُتْرَں پْرَسَوشْيَتے، تَدا تْوَں تَسْيَ نامَ يِيشُمْ (اَرْتهاتْ تْراتارَں) كَرِيشْيَسے، يَسْماتْ سَ نِجَنُجانْ تيشاں كَلُشيبهْيَ اُدّهَرِشْيَتِ۔ **22** اِتّهَں سَتِ، پَشْيَ گْبهَوَتِي كَنْيا تَتَيں پْرَسَوشْيَتے۔ اِمّانُويِلْ تَدِيَنْچَ نامَدهيَں بهَوِشْيَتِ۔۔ اِمّانُويِلْ اَسْماكَں سَنْگَيشْوَراتَيْرْتهَح۔ **23** اِتِ يَدْ وَچَنَ پُرُوَّں بهَوِشْيَدْوَكْتْرا اِيشْوَرَح كَتهايامَاسَ، تَتْ تَدانِيں سِدّهَمبهَوَتْ۔ **24** اَنْتَرْں يُوشَپهْ نْدْراتو جاگَرِتَ اُتّهايَ پَرَميشْوَرِيدُوتَسْيَ نِدِيشانُسارِنَ نِجاں جايان جگْراهَ، **25** كِنْتُ يا وَتْ سا نِجَں پْرَتهَمَسُتَ اَ سُشُوے، تاوَتْ تاں نوپاگچّهَتْ، تَتَح سُتَسْيَ نامَ يِيشُں چَكْرُے۔

2 اَنْتَرْں هيرودْ سَجْنكے راجْنِ راجْيَ شاسَتِ يِهُودِيدَيشْيَ بَيتْلِيَمِ نگَرے يِيشَو جاتَوَتِ چَ، كَتِيَا جْيوتِرْتُّدَح پُورْوَّسْيا دِشو يِرُوشالَمْنگَرَں سَميتْيَ كَتهَيَماسُح، **2** يو يِهُودِيانان راجا جاتَوانْ، سَ كُتْراسْتے؟ وَيَں پُورْوَّسْيان دِشِ تِشْٹهَنْتَسْتَدِيان تارَكامْ اَپْشْيامَ تَسْماتْ تَ پْرَنَتْمْ اَگامَ۔ **3** تَدا هيرودْ راجا كَتهاميتان نِشَمْيَ يِرُوشالَمْنگَرَسْتهِتَح سَرْوَّمانَيَح سارْدّهَمْ اُدْوِجْيَ **4** سَرْوّانْ پْرَدهانَيَاجَكانْ اَدهْيا پَكاشْچَ سَماهُويانِيَ پَپْرَچّهَ، كهْرِيشْتَح كُتْرَ جَنِشْيَتے؟ **5** تَدا تے كَتهَياماسُح، يِهُودِيدَيشْيَ بَيتْلِيَمِ نگَرے، يَتو بهَوِشْيَدْوادِنا اِتّهَں لِكهِتَماسْتے، **6** سَرْوّابْهِيو راجْدهانِيبهْيو يِهُودِيَسْيَ نِيورِتَح۔ هے يِهُودِيدَيشْيَسِ بَيتْلِيَمْ تْوَں نَ چاوَرا۔ اِسْرايِيلِيَلوكانْ مے يَتو يَح پالَيِشْيَتِ۔ تادرِگيكو مَهاراجَسْتْوَمْدهَ اُدْبهَوِشْيَتِ۔۔ **7** تَدانِيں هيرودْ راجا تانْ جْيوتِرْوِدو گوپَيَمْ آهُوَ سا تارْكا كَدا دِرِشْٹابهَوَتْ ، تَدْ وِنِشْچَياماسَ۔ **8** اَپَرَں تانْ بَيتْلِيَمَسْ پْرَهِيتَ گَدِتَوانْ، يُويَں يا تَ، يَتْنا تْ تَ شِشُمْ اَنْوِشْيَ

mathi.h

1 ibraahiima. h santaano daayuud tasya santaano yii"sukhrii. s.tastasya puurvvapuru. sava. m"sa"sre. nii| **2** ibraahiima. h putra ishaak tasya putro yaakuub tasya putro yihuudaastasya bhraatara"sca| **3** tasmaad yihuudaatastaamaro garbhe perasserahau jaj naate, tasya perasa. h putro hi. sro. n tasya putro. araam| **4** tasya putro. ammiinaadab tasya putro naha"son tasya putra. h salmon| **5** tasmaad raahabo garbhe boyam jaj ne, tasmaad ruuto garbhe obed jaj ne, tasya putro yi"saya. h| **6** tasya putro daayuud raaja. h tasmaad m. rtoriyasya jaayaayaa. m sulemaan jaj ne| **7** tasya putro rihabiyaam, tasya putro. abiya. h, tasya putra aasaa: | **8** tasya suto yiho"saapha. t tasya suto yihoraama tasya suta u. siya. h| **9** tasya suto yotham tasya suta aaham tasya suto hi. skiya. h| **10** tasya suto mina"si. h, tasya suta aamon tasya suto yo"siya. h| **11** baabilnagare pravasanaat puurvva. m sa yo"siyo yikhaniya. m tasya bhraat. r.m"sca janayaamaasa| **12** tato baabili pravasanakaale yikhaniya. h "saltiiyela. m janayaamaasa, tasya suta. h sirubbaavil| **13** tasya suto. abohud tasya suta iliiyaakiim tasya suto. asor| **14** asora. h suta. h saadok tasya suta aakhiim tasya suta iliihuud| **15** tasya suta iliyaasar tasya suto mattan| **16** tasya suto yaakuub tasya suto yuu. saph tasya jaayaa mariyam; tasya garbhe yii"surajani, tameva khrii. s.tam (arthaad abhi. sikta. m) vadanti| **17** ittham ibraahiimo daayuuda. m yaavat saakalyena caturda"sapuru. saa. h; aa daayuuda. h kaalaad baabili pravasanakaala. m yaavat caturda"sapuru. saa bhavanti| baabili pravaasanakaalaat khrii. s.tasya kaala. m yaavat caturda"sapuru. saa bhavanti| **18** yii"sukhrii. s.tasya janma kaththate| mariyam naamikaa kanyaa yuu. saphe vaagdattaasiit, tadaa tayo. h sa"ngamaat praak saa kanyaa pavitre. naatmanaa garbhavatii babhuuva| **19** tatra tasyaa. h pati ryuu. saph saujanyaat tasyaa. h kala"nga. m prakaa"sayitum anicchan gopanene taa. m paarityaktu. m mana"scakre| **20** sa tathaiva bhaavayati, tadaanii. m parame"svarasya duuta. h svapne ta. m dar"sana. m dattvaa vyaajahaara, he daayuuda. h santaana yuu. saph tva. m nijaa. m jaayaa. m mariyamam aadaatu. m maa bhai. sii. h| **21** yatastasyaa garbha. h pavitraadaatmano. abhavat, saa ca putra. m prasavi. syate, tadaa tva. m tasya naama yii"sum (arthaat traataara. m) karii. syase, yasmaat sa nijamanujaan te. saa. m kalu. sebhya uddhari. syati| **22** ittha. m sati, pa"sya garbhavatii kanyaa tanaya. m prasavi. syate| immaanuuyel tadiiya nca naamadheya. m bhavi. syati|| immaanuuyel asmaaka. m sa"ngii"svaraityartha. h| **23** iti yad vacana. m purvva. m bhavi. syadvaktraa ii"svara. h kathaayaamaasa, tat tadaanii. m siddhamabhavat| **24** anantara. m yuu. saph nidraato jaagarita utthaaya parame"svariiyaduutasya nide"saanusaare. na nijaa. m jaayaa. m jagraaha, **25** kintu yaavat saa nija. m prathamasuta. m a su. suve, taavat taa. m nopaagacchat, tata. h sutasya naama yii"su. m cakre|

2 anantara. m herod sa. mj nake raaj ni raajya. m "saasati yihuudiiyade"sasya baitlehami nagare yii"sau jaatavati ca, katipayaa jyotirvvuda. h puurvvasyaa di"so yiruu"saalamnagara. m sametya kathayamaasu. h, **2** yo yihuudiiyaanaa. m raajaa jaatavaan, sa kutraaste? vaya. m puurvvasyaa. m di"si ti. s.thantastadiiyaa. m taarakaam apa"syaama tasmaat ta. m pra. nantum agamaama| **3** tadaa herod raajaa kathaametaa. m ni"samya yiruu"saalamnagarasthitai. h sarvvamaanavai. h saarddham udvijya **4** sarvvaan pradhaanayaajakaan adhyaapakaa. m"sca samaahuuyaaniiya papraccha, khrii. s.ta. h kutra jani. syate? **5** tadaa te kathayaamaasu. h, yihuudiiyade"sasya baitlehami nagare, yato bhavi. syadvaadinaa ittha. m likhitamaaste, **6** sarvvaabhyo raajadhaaniibhyo yihuudiiyasya niiv. rta. h| he yiihuudiiyade"sasye baitleham tva. m na caavaraa|israayeliiyalokaan me yato ya. h paalayi. syati| taad. rgeko mahaaraajastvanmadhya udbhavi. syatii|| **7** tadaanii. m herod raajaa taan jyotirvvido gopanam aahuuya saa taarakaa kadaa d. r.s. taabhavat, tad vini"scayaamaasa| **8** apara. m taan baitlehama. m prahiitya gaditavaan, yuuya. m yaata, yatnaat ta. m "si"sum anvi. sya tadudde"se praapte mahya. m vaarttaa. m daasyatha, tato mayaapi gatvaa sa pra. na. msyate| **9** tadaanii. m raaj na etaad. r"siim aaj naa. m praapya te pratasthire, tata. h puurvvarsyaa. m di"si sthitaistai ryaa taarakaa d. r.s. taa saa taarakaa te. saamagre gatvaa yatra sthaane "si"suuraaste, tasya sthaanasyopari sthagitaa tasyau| **10** tad d. r.s. tvaa te mahaananditaa babhuuvu. h, **11** tato gehamadhya pravi"sya tasya maatraa mariyamaa saaddha. m ta. m "si"su. m niriik. saya da. n.davad

Maacho

1 Maaŋ mɛŋkooŋ mɛ bɛte kini ki Jiso Krai-i: Tɛ̀ nuuŋ ŋwanɛ kini ki Mfɔŋ Daafi-i wu tɛ̀ nuuŋ ŋwanɛ kini ki Abraha-aŋ. **2** Abrahaŋ tɛ̀ nuuŋ te Adzi, Adzi nuuŋ te Yakɔ, Yakɔ nuuŋ te Judas bee bɛŋwaantee, **3** Judas nuuŋ te Pɛrɛs bɛ Dzara ɛ ni wu be tɛ̀ nuuŋ Tama. Pɛrɛs nuuŋ te Hɛsrɔŋ, Hɛsrɔŋ nuuŋ te Lam. **4** Lam nuuŋ te Aminada, Aminada nuuŋ te Nashoŋ, Nashoŋ nuuŋ te Salmɔŋ. **5** Salmɔŋ nuuŋ te Bwaas wu ni tɛ̀ nuuŋ Lahab. Bwaas nuuŋ te Obɛd wu ni tɛ̀ nuuŋ Lut. Obɛd nuuŋ te Jɛɛsi. **6** Jɛɛsi nuuŋ te Mfɔŋ Daafi. Mfɔŋ Daafi nuuŋ te Salimu wu ni tɛ̀ nuuŋ kwɛɛ Yuria. **7** Salimu nuuŋ te Lehobwam, Lehobwam nuuŋ te Abija, Abija nuuŋ te Asa. **8** Asa nuuŋ te Jehoshafat, Jehoshafat nuuŋ te Jora, Jora nuuŋ te Yusaya. **9** Yusaya nuuŋ te Jotam, Jotam nuuŋ te Ahas, Ahas nuuŋ te Hɛsɛkaya, **10** Hɛsɛkaya nuuŋ te Manasi, Manasi nuuŋ te Emɔ, Emɔ nuuŋ te Josaya. **11** Josaya nuuŋ te Jɛkonaya bee bɛŋwaantee. Bɛ tɛ̀ biɛ be nuuŋ mfi wu bɛniiŋ bɛ Babilɔŋ tɛ̀ kɔɔ bɛniiŋ bɛ Iselɛɛ be gɛɛŋ bɛ be li kwɛɛŋ wube wu Babilɔ-ɔŋ. **12** Lɛjiŋ lɛlu, si bɛ tɛ̀ kɔɔyɛ bɛniiŋ bɛ Iselɛɛ bɛ giiŋgi bɛ be Babilɔŋ lɛ, Jɛkonaya tɛ̀ nuuŋ te Shitiya, Shitiya nuuŋ te Sɛlubabɛ, **13** Sɛlubabɛ nuuŋ te Abiyut, Abiyut nuuŋ te Ɛliakiŋ, Ɛliakiŋ nuuŋ te Aso, **14** Aso nuuŋ te Sadok, Sadok nuuŋ te Akiŋ, Akiŋ nuuŋ te Ɛliyut, **15** Ɛliyut nuuŋ te Ɛliasa, Ɛliasa nuuŋ te Mataŋ, Mataŋ nuuŋ te Yakɔ. **16** Yakɔ nuuŋ te Jɔsɛ wu nyumɛ Maariya, Maariya nuuŋ wu wu tɛ̀ biɛ Jiso wu bɛ tɛ̀ teenyi le Krai Kinsofu ki Nyɔ tɛ̀ kaachɛ. **17** Bɛdɛɛni, bɛte kini ki Jiso-o kini tɛ̀ nuuŋ yoofi ntsɔ binɛɛ mbɛɛchɛ li Abrahaŋ mbɛ mbochu li Mfɔŋ Daafi-i, ki tuu ki nuuŋ tɛ yoofi ntsɔ binɛɛ mbɛɛchɛ li Mfɔŋ Daafi-i mbɛ mbochu li mfi wu bɛ tɛ̀ kɔɔyɛ bɛniiŋ bɛ Iselɛɛ bɛ giiŋgi bɛ be Babilɔŋ. Mbɛɛchɛ mfi wu bɛ tɛ̀ kɔɔyɛ bɛniiŋ bɛ Iselɛɛ mbɛ mbochu mfi wu bɛ tɛ̀ biɛ Krai nuuŋ ɛ bɛte bini bi bee nuuŋ yoofi ntsɔ binɛɛ. **18** Biɛrɔ chi Jiso Krai tɛ̀ ka lɛ dze yini-i: Ni wu Maariya tɛ̀ nuuŋ ɛ bɛ tɛ̀ koo fieeŋ le gii nuuŋ kwɛɛ Jɔsɛ. Fɛ be tɛ̀ mɛɛŋ le be se fɛ bugoo, bɛ dza bɛ ŋɛŋ le wu kɛmɔɔ fwe li buŋga bu Fiana yi Waaŋ li. **19** Si fi tɛ̀ kɛti lɛ, Jɔsɛ wu nyumi, si tɛ̀ nuuŋ wi wu tsaaŋ lɛ, tɛ̀ gii kɔŋgisi yɛ le chɔɔri wu kɛ, se beechɛ nuuŋ le gatɛ bee wu lɛjiŋ lɛjiŋ. **20** Si tɛ̀ gii mɛɛŋ beechi le fɛ lɛ, fi ka le nchindaa wu Taa tɛ̀ dza bɛ lɛ wuu lɛ kifiee li mfi wu tɛ̀ gii liiti, tee li wuu le, "Jɔsɛ, ŋwanɛ kini ki Mfɔŋ Daafi-i, kiiŋ ɔ ni chɛŋ ndzɔtsu Maariya si ni yih wa kɛ, kifɛ fwe chi nuuŋ bɛ chi chini chɛɛ chi wu kɛmɛ bɛ buŋga bu Fiana yi Waaŋ lɛ." **21** Gii biɛ ŋwaŋ wu nyuŋ bɛ nyɛ bukooŋ bwee le Jiso, kifɛ gii naa soo bɛniiŋ bee li ŋgɛ wu bibifi bi bee. **22** Biee bini bichu tɛ̀ ka le fi bɛ fi kɔchɛ si Taa tɛ̀ tee li kimfimɛ ki ntomfɔŋ we-e le, **23** "Yikɛ yɛɛŋ nɛ woo, ŋwaakwɛɛŋ wu kii yɛ nyuŋ kɛ wumu gii fwee, biɛ ŋwaŋ wu nyuŋ bɛ teeŋ wu le Imaniwe." Bukooŋ buni nuuŋ le, "Nyɔ yɛ bɛ bee." **24** Si kifiee kɛɛ laŋɛ li Jɔsɛ-ɛ lɛ, le kaaŋgi biee fɛ nɛɛ si nchindaa wu Taa bee tee li wuu lɛ. Tɛ̀ dzɔ Maariya li ni yih we, **25** se nuuŋ le, bee wu ti mɛɛŋ ki ka kɛ kintaa si kwɛɛŋ bee nyuŋ kɛ. Bee wu tɛ̀ tsiiŋ lɛ nsiiŋ gɛɛŋ bo bu Maariya tɛ̀ biɛ. Jɔsɛ se biee nyɛ bukooŋ bu ŋwaŋ wulu-u le Jiso.

2 Bɛ tɛ̀ biɛ Jiso li kitoŋ ki Bɛtɛlɛhɛŋ lɛ kimbɛ ki Judiya-a. Tɛ̀ nuuŋ li mfi wulu-u, Hɛrɔ tɛ̀ nuuŋ Mfɔŋ wu Judiya. Fi ka le bɛ bufii lɛ bamu tɛ̀ dza li kwɛɛŋ wumu-u lɛ kimbɛ ki jobɛ tɛti-i, be bɛ Jɛrosalɛŋ be biiti laa, **2** "Mfɔŋ wu Bɛjuu wu bɛ biɛ wɛ nuuŋ fɛŋ le? Tɛ biiti ni kifɛ tɛ bee tɛ ŋɛŋ fintsɔŋ fiee lɛ kimbɛ ki jobɛ tɛti-i, tɛ se bɛ le tɛ boŋ wu." **3** Le Mfɔŋ Hɛrɔ tuu woo ntoŋ wuni, shéŋ tɔŋ wu, yi tɔŋ tɛ mɔɔ bɛniiŋ bɛ Jɛrosalɛŋ bɛchu. **4** Se konchɛ bɛte muntofi bɛnɔŋa bɛnɔŋa mɔɔ bɛniiŋ bɛ tiifi bɛnchi bɛ Nyɔ-ɔ bɛchu, le be banchɛ. Se bii li bee laa fɛ bɛ tɛ̀ nuuŋ le bɛ gii bɛ biɛ Kinsofu ki Nyɔ tɛ̀ kaachɛ kɛɛ nuuŋ fɛŋ le? **5** Be tuu le, "Bɛ tɛ̀ nuuŋ le bɛ gii bɛ biɛ ki li kitoŋ ki Bɛtɛlɛhɛŋ ki nuuŋ kimbɛ ki Judiya. Fini nuuŋ si ntomfɔŋ wu Nyɔ tɛ̀ tsɛɛ le, **6** 'Wɛ wu Bɛtɛlɛhɛŋ li kwɛɛŋ wu Juda-a, Ɔ beechɛ kɛ le ɔ sendɔɔ ŋge li kwɛɛŋ wu Juda-a kɛ. Ɔ kɛɛ le wi gii naa bo li kitoŋ kini-i wu gii ni sɛki, bɛniiŋ beŋ bɛ Iselɛɛ.'" **7** Mfɔŋ Hɛrɔ se konchɛ tɛ bɛ bufii lɛ baa lɛjiŋ lɛjiŋ bii woo bujɔŋ, mfi wu fintsɔŋ filu tɛ̀ bo. **8** Le woo, biee toŋ be Bɛtɛlɛhɛŋ tee le, "Gɛnɛ yɛɛŋ nɛ bɔsɛyi nɛ gɔɔŋ ŋwaŋ wulu bujɔŋ. Ɛ nɛ gɔɔŋ nɛ ŋɛŋ wu, nɛ kaari nɛ bɛ nɛ tee mi nse ŋgɛɛŋ tɛ mboŋ wu." **9** Bɛniiŋ bɛlu woo si Mfɔŋ tee lɛ, be biee be dza ŋgɛnu wube. Le be ni be giiŋgi, be ka be ŋɛŋ fintsɔŋ fi be tɛ̀ ŋɛŋ lɛ kimbɛ ki jobɛ tɛti-i fiɛɛ si fi giiŋgi be limfwe fi doonchi be dze. Le fi gɛɛŋ fi bo fɛ ŋwaŋ wulu tɛ̀ nuuŋ, fi leŋ fe. **10** Si be tɛ̀ ŋɛŋ fintsɔŋ filu lɛ, be kɛmɛ kinɛɛtinɛ ŋge

Matthew

1 Ikkaan tettaenin rhaepeton Jesus Kristus, iiy erhaep saengi David, iwe nge David erhaep saengi Abraham. **2** Nge Abraham semaen Isaac, nge Isaac semaen Jacob, nge Jacob semaen Judah me mwaaen kkewe pwiin. **3** Nge Judah semaen Peres me Zerah (itaen ineer nge Tamar), iwe nge Peres semaen Hezron, nge Hezron semaen Ram. **4** Nge Ram semaen Amminadab, nge Amminadab semaen Nahshon, nge Nahshon semaen Salmon. **5** Nge Salmon semaen Boaz (itaen inan nge Rahab), nge Boaz semaen Obed (itaen inan nge Ruth), nge Obed semaen Jesse, **6** nge Jesse semaen king David. Nge David semaen Solomon, iwe e naini me wooan niewe pwiuniuwaen Uriah, **7** nge Solomon semaen Rehoboam, nge Rehoboam semaen Abijah, nge Abijah semaen Asa. **8** Nge Asa semaen Jehoshaphat, nge Jehoshaphat semaen Jehoram, nge Jehoram semaen Uzziah. **9** Nge Uzziah semaen Jotham, nge Jotham semaen Ahaz, nge Ahaz semaen Hezekiah. **10** Nge Hezekiah semaen Manasseh, nge Manasseh semaen Amon, nge Amon semaen Josiah. **11** Nge Josiah semaen Jehoiachin me mwaaen kkewe pwiin ikkiwe re asiiur nong noan Babylon. **12** Mwirin aar asiiur noa Babylon: Jehoiachin semaen Shealtiel, nge Shealtiel semaen Zerubbabel. **13** Zerubbabel semaen Abiud, Abiud semaen Eliakim, nge Eliakim semaen Azor. **14** Azor semaen Zadok, Zadok semaen Achim, nge Achim semaen Eliud. **15** Eliud semaen Eleazar, Eleazar semaen Matthan, nge Matthan semaen Jacob. **16** Jacob semaen Joseph iwe pwiuniuwaen Maria, niewe a nainitiw Jesus iwe re faingi pwe Kristus. **17** Seig me faawu saeren aeremas saengi Abraham ngaeni David, pwan seig me faawu saeren aeremas saengi David ngaeni oaton aar asiiur noa noan Babylon, pwan seig me faawu saeren aeremas saengi oaton we re asiiur noa Babylon ngaeni wupwutiwen Kristus. **18** Ieen wunuunun aaen Jesus Kristus wupwutiw. Maria we inan a kkefoat ngaeni Joseph, nge igiwe resaaen pwiuppwiuniuw mwo nge a pwae pwe niewe a pwoopwo reen kkemenaen Espritu Santus. **19** Nge Joseph erhai mwaaen wenewen, ese mwerhaen aessaewa Maria me weni mmweer aeremas, iwe a niunniuwaennei epwene siusaengi, nge epwe feeori rhag noan mwoanomwoan. **20** Igiwe e rhiuwen niunniuwaennei wunuunun, erhai naiun Soamwoon angkenus a pwae ngaeni noan aan ttan nge a aengaeni pwe, "Joseph we tettaenin David, wosoapw mesag oamw wopwe pwiuniuwaeni Maria, pwe iiy a pwoopwo reen kkemenaen Espritu Santus. **21** Epwene naini erhai aetemwaaen, iwe wopwe aeita ngaeni Jesus, pwe iga iiy epwe aemenewaar naiun aeremas saengi aar monofit." **22** A wen oanongaen minikkeei pwe epwe pwaeritae meeta we profeta a aepesa pwe mwaeniaei Soamwoon: **23** "Erhai aeterhooapwut epwene pwoopwo nge a naini erhai aetemwaaen, repwe aeitae ngaeni Immanuel", (wewen nge "Deus eno reerh"). **24** Iwe oatowe Joseph a mmasetae, a feeori wunuunun miniwe angkenus we naiun Soamwoon e aepesa ngaeni. Iwe a pwiuniuwaeni Maria. **25** Nge Joseph ese maiur ngaeni Maria toori aan nainitiw aetewe naiun. Iwe, Joseph a aeita aetewe pwe Jesus.

2 Iwe, Jesus a wupwutiw noan Bethlehem we aepinoamwon Judea wene mweoiun king Erotes. Ese ssiunaei mwo mwirin, nge aaemweoi mwaaen saengi faniuwaen eotiw re metefaaegini wunuunun fiiu ra itto Jerusalem. **2** Ra aeiineo pwe, "Iya iga eno king we aar re Jews ee iwe a supw? Aeiweri taetaen fiiu we aeginnen aan ittae me eotiw. Iwe aeiya itto pwe aeipwe aesirowu." **3** Oatowe king Erotes a rongorong iiy kkepas we, a toagun aenneew noa nee tipan, pwan oanongeer noa rhooan Jerusalem. **4** A faingiir oanongeer soamwooniir patere kkewe, me sinsein anniug kkewe nge a aeiineeor aere iya iga Kristus epwe wupwutiw ee. **5** Iwe nge ra iura pwe, "Epwe wupwutiw me noan Bethlehem noan Judea. Pwe ieei wunuunun miniwe profeta we e foatogi pwe: **6** 'Een Bethlehem noan faniuwaen Judah, wosoapw foakkon sessoan me neeiin taeninimwaei Judah, pwe erhai soamwoon epwe toowow saengiug, epwe nemaeni naeyi re Israel.'" **7** Iwe Erotes a faingiir rhooan emwaamw kkewe re ittiw me eotiw pwe repwe sseoiu noan mwoanomwoan. Iwe Erotes a aeiineo firhiir oaton taetaen fiiu we. **8** Mwirin nge a aefengaar noa Bethlehem nge a aetiwenig ngaeniir pwe, "Oawpwe noa giutta firhiy iiy aetena. Nge aere oawwa weri, oawwa aengaeniaei, pwe ngaang ipwe pwan noa aesirowu." **9** Mwirin aaen king we kkepas ngaeniir iwe nge ra noa. Iwe, oatowe re feffaaeraeg noa, ra pwan weri sefaaeniy fiiu we reweri mwo me eotiw, nge a gommw noa memmweer a noa iugiu noa me wooan iimw we aetewe eno ee. **10** Oatowe reweri fiiu we nge ra igin kker. **11** Iwe, ra toonong noan iimw we nge ra weri aetewe me Maria iwe inan, iwe ra foatotiw me mmwan nge ra aesirowu. Mwirin ra iseni tiw niffang kkewe aar: gold, frankincense me myrrh iwe ra fang ngaeni. **12** Iwe, Deus a kkepas ngaeniir noan aar ttan, pwe resoapw

Marcus

1 T OISEACHD soisgeul Iosa Criosda, Mac Dhe. **2** Air reir 's mar tha e sgriobhte san fhaidh Isaias: seall, cuiridh mi m' aingeal roimh do ghnuis, a reiticheas do shlighe romhad. **3** Guth neach ag eigheach san fhasach: Reitichibh slighe an Tighearna, agus dianaibh a rathadain direach. **4** Bha Eoin anns an fhasach a baisteadh, 'sa searmonachadh baisteadh an aithreachais gu mathanas pheacannan. **5** Agus chaidh duthaich Iudea uile mach ga ionnsuidh, agus muinntir Ierusalem gu leir, is bhaisteadh iad leis ann an abhuinn Iordain ag aideachadh am peacannan. **6** Agus bha Eoin air eideadh le fionnadh chamhal, is crios leathair mu mheadhon; agus dh' ith e locuist is mil fhiadhaich. Agus shearmonaich e ag radh: **7** Tha fear nas cumhachdaiche na mise tighinn as mo dheigh: neach nach airidh mise air cromadh sios is barail a bhrogan fhuasgladh. **8** Bhaist mise sibh le uisge; ach baistidh esan sibh leis an Spiorad Naomh. **9** Is thachair, gun tainig Iosa anns na laithean sin bho Nasareth Ghalile; agus bhaisteadh e le Eoin ann an abhuinn Iordan. **10** 'S air ball a direadh as an uisge, chunnaic e neamh fosgailte, 's an Spiorad mar chalman a tearnadh 'sa fantuinn air. **11** Agus thainig guth bho neamh: Is tusa mo Mhac gaolach, is mor mo thlachd dhiot. **12** Agus ghrad-ghreas an Spiorad e dhan fhasach. **13** Agus bha e san fhasach da-fhichead latha, agus da-fhichead oidhche; is bhuaireadh le Satan e; 's bha e comhla ris na h-ainmhidhean, agus bha na h-ainglean a frithealadh dha. **14** 'S an deigh do dh' Eoin a bhith air a chuir an greim, thainig Iosa do Ghalile, a searmonachadh soisgeul rioghachd Dhe, **15** 'S ag radh: Tha 'n t-am air a choimhlionadh, 's tha rioghachd Dhe aig laimh; deanaibh aithreachas, agus creidibh san t-soisgeul. **16** 'Sa gabhail ri taobh muir Ghalile, chunnaic e Simon, agus Anndra a bhrathair, a cur lion sa mhuir (oir b' iasgairean iad.), **17** Agus thuirt Iosa riutha: Thigibh leanaibh mise, agus ni mi iasgairean dhaoine dhibh. **18** Agus ghrad dh' fhag iad na lin, is lean iad e. **19** 'Sa gabhail as a sin ceum beag air adhart, chunnaic e Seumas mac Shebede agus Eoin a bhrathair, 's iad a caradh nan lion sa bhata: **20** Agus ghairm e iad san uair. 'Sa fagail an athar Sebede maille ris an luchd thuarasdail sa bhata, lean iad e. **21** Agus chaidh iad a stigh do Chapharnaum; agus air dha a dhol a stigh gun dail air na laithean sabaid dhan t-sinagog, theagaisg e iad. **22** Agus ghabh iad ioghnadh ri theagasg: oir bha e gan teagasg mar neach aig an robh cumhachd, 's chan ann mar na Sgriobhaich. **23** Agus bha san t-sinagag aca duine anns an robh spiorad neoghlan, is dh' eigh e **24** Ag radh: Ciod an comunn eadar sinn agus thusa, Iosa bho Nasareth? An tainig thu gus ar sgrios? Is aithne dhomh co thu, Aon Naomh Dhe. **25** Is mhaoith Iosa air, ag radh: Bi samhach, agus gabh a-mach as an duine. **26** 'S an spiorad neoghlan ga reubadh, 's ag eigheach le guth ard, chaidh e mach as. **27** Agus ghabh iad uile ioghnadh, ionnus gun d' fharraid iad 'nam measg fhein, ag radh: De tha so? De an teagasg ur so? oir tha e toirt orduigh le cumhachd do na spioraid neoghlan fhein, agus tha iad umhail dha. **28** 'Agus sgaoil iomradh air gun dail feadh duthaich Ghalile uile. **29** 'Sa dol a mach air ball as an t-sinagog, thainig iad maille ri Seumas is Eoin gu tigh Shimoin is Anndra. **30** Agus bha mathair-cheile Shimoin 'na laidhe ann am fiabhras; agus dh 'innis iad dha gun dail mu deidhinn. **31** Agus thainig e, 'sa breith air laimh oirre thog e i is ghrad-dh' fhag am fiabhras i, agus fhreasdail i dhaibh. **32** 'S nuair thainig am feasgar, 'sa chaidh a ghrian fodha, thug iad ga ionnsuidh iadsan uile a bha easlainteach, agus anns an robh deomhain. **33** 'S bha am baile uile air cruinneachadh aig an dorus. **34** Agus leighis e moran, a bha air an leireadh le iomadh gne ghalar, agus thilg e mach moran dheomhan, 's cha do leig e leo labhairt, a chionn 's gum b' aithne dhaibh e. **35** 'S ag eirigh ro-mhoch, 'sa dol a mach, chaidh e gu aite fas; is rinn e urnaigh an sin. **36** Agus lean Simon e, agus iadsan a bha comhla ris. **37** 'S nuair a fhuair iad e, thuirt iad ris: Tha iad uile gad shireadh. **38** Is thuirt e riutha: rachamaid dha na bailtean sa choimhearsnachd, gus an searmonaich mi an sin cuideachd: 's gur ann air son so a thainig mi. **39** 'S bha e teagasg 'nan sinagogan, 's feadh Ghalile uile, 'sa tilgeadh a-mach dheomhan. **40** Agus thainig lobhar ga ionnsuidh, a guidhe air; 'sa tuiteam air a ghluinean, thuirt e ris: Ma 's aill leat, is urrainn dhut mo ghlanadh. **41** 'Sa gabhail truais ris, shin Iosa a lamh, 'sa beantuinn dha, thuirt e ris: Is aill leam: bi glan. **42** 'S nuair thuirt e so, ghrad-dh' fhag an luibhre e, agus bha e air a ghlanadh. **43** 'S thug e sparradh cruaidh dha, agus leig e air falbh e gun dail; **44** 'S thuirt e ris: Fiach nach innis thu do neach sam bith: ach falbh, fiach thu fhein don ard-shagart, agus tairg air son do ghlanaidh na nithean a dh' orduich Maois, mar theisteanas dhaibh. **45** Ach air dhasan a dhol a mach, thoisich e ri innse, 's ri sgaoileadh an sgeoil; air chor 's nach b' urrainn dha a nis a dhol a stigh don bhaile gu follaiseach, ach dh' fhuirich e a mach ann

Mateju

1 Pleme Isusa Hrista, sina Davida Avraamova sina. **2** Avraam rodi Isaka. A Isak rodi Jakova. A Jakov rodi Judu i braæu njegovu. **3** A Juda rodi Faresa i Zaru s Tamarom. A Fares rodi Esroma. A Esrom rodi Arama. **4** A Aram rodi Aminadava. A Aminadav rodi Naasona. A Naason rodi Salmona. **5** A Salmon rodi Vooza s Rahavom. A Vooz rodi Ovida s Rutom. A Ovid rodi Jeseja. **6** A Jesej rodi Davida cara. A David car rodi Solomuna s Urijnicom. **7** A Solomun rodi Rovoama. A Rovoam rodi Aviju. A Avija rodi Asu. **8** A Asa rodi Josafata. A Josafat rodi Jorama. A Joram rodi Oziju. **9** A Ozija rodi Joatama. A Joatam rodi Ahaza. A Ahaz rodi Ezekiju. **10** A Ezekija rodi Manasiju. A Manasija rodi Amona. A Amon rodi Josiju. **11** A Josija rodi Jehoniju i braæu njegovu, u seobi Vavilonskoj. **12** A po seobi Vavilonskoj, Jehonija rodi Salatiila. A Salatiilo rodi Zorovavela. **13** A Zorovavel rodi Aviuda. A Aviud rodi Eliakima. A Eliakim rodi Azora. **14** A Azor rodi Sadoka. A Sadok rodi Ahima. A Ahim rodi Eliuda. **15** A Eliud rodi Eleazara. A Eleazar rodi Matana. A Matan rodi Jakova. **16** A Jakov rodi Josifa, muža Marije, koja rodi Isusa prozvanoga Hrista. **17** Svega dakle koljena od Avraama do Davida, koljena èetrnaest, a od Davida do seobe Vavilonske, koljena èetrnaest, a od seobe Vavilonske do Hrista, koljena èetrnaest. **18** A roðenje Isusa Hrista bilo je ovako: kad je Marija, mati njegova, bila isprošena za Josifa, a još dok se nijesu bili sastali, naðe se da je ona trudna od Duha svetoga. **19** A Josif muž njezin, buduæi pobožan, i ne hoteæi je javno sramotiti, namisli je tajno pustiti. **20** No kad on tako pomisli, a to mu se javi u snu anðeo Gospodnji govoreæi: Josife, sine Davidov! ne boj se uzeti Marije žene svoje; jer ono što se u njoj zaèelo od Duha je svetoga. **21** Pa æe roditi sina, i nadjeni mu ime Isus; jer æe on izbaviti svoj narod od grijeha njihovijeh. **22** A ovo je sve bilo da se izvrši što je Gospod kazao preko proroka koji govori: **23** Eto, djevojka æe zatrudnjeti, i rodiæe sina, i nadjenuæe mu ime Emanuilo, koje æe reæi: s nama Bog. **24** Kad se Josif probudi od sna, uèini kao što mu je zapovjedio anðeo Gospodnji, i uzme ženu svoju. **25** I ne znadijaše za nju dok ne rodi sina svojega prvenca, i nadjede mu ime Isus.

2 A kad se rodi Isus u Vitlejemu Judejskome, za vremena cara Iroda, a to doðu mudarci od istoka u Jerusalim, i kažu: **2** Gdje je car Judejski što se rodio? Jer smo vidjeli njegovu zvijezdu na istoku i došli smo da mu se poklonimo. **3** Kad to èuje car Irod, uplaši se, i sav Jerusalim s njim. **4** I sabravši sve glavare sveštenièke i književnike narodne, pitaše ih: gdje æe se roditi Hristos? **5** A oni mu rekoše: u Vitlejemu Judejskome; jer je tako prorok napisao: **6** I ti Vitlejeme, zemljo Judina! ni po èem nisi najmanji u državi Judinoj; jer æe iz tebe iziæi èelovoða koji æe pasti narod moj Izrailja. **7** Onda Irod tajno dozva mudarce, i ispitivaše ih kad se pojavila zvijezda. **8** I poslavši ih u Vitlejem, reèe: idite i raspitajte dobro za dijete, pa kad ga naðete, javite mi, da i ja idem da mu se poklonim. **9** I oni saslušavši cara, poðoše: a to i zvijezda koju su vidjeli na istoku, iðaše pred njima dok ne doðe i stade odozgo gdje bješe dijete. **10** A kad vidješe zvijezdu gdje je stala, obradovaše se veoma velikom radosti. **11** I ušavši u kuæu, vidješe dijete s Marijom materom njegovom, i padoše i pokloniše mu se; pa otvoriše dare svoje i darivaše ga: zlatom, i tamjanom, i smirnom. **12** I primivši u snu zapovijest da se ne vraæaju k Irodu, drugijem putem otidoše u svoju zemlju. **13** A pošto oni otidu, a to anðeo Gospodnji javi se Josifu u snu i kaza mu: ustani, uzmi dijete i mater njegovu pa bježi u Misir, i budi onamo dok ti ne kažem; jer æe Irod tražiti dijete da ga pogubi. **14** I on ustavši uze dijete i mater njegovu noæu i otide u Misir. **15** I bi tamo do smrti Irodove: da se izvrši što je Gospod rekao preko proroka koji govori: iz Misira dozvah sina svojega. **16** Tada Irod kad vidje da su ga mudarci prevarili, razgnjevi se vrlo i posla te pobiše svu djecu po Vitlejemu i po svoj okolini njegovoj od dvije godine i niže, po vremenu koje je dobro doznao od mudaraca. **17** Tada se zbi što je kazao prorok Jeremija govoreæi: **18** Glas u Rami èu se, plaè, i ridanje, i jaukanje mnogo: Rahila plaèe za svojom djecom, i neæe da se utješi, jer ih nema. **19** A po smrti Irodovoj, gle, anðeo Gospodnji u snu javi se Josifu u Misiru. **20** I reèe: ustani, i uzmi dijete i mater njegovu i idi u zemlju Izrailjevu; jer su izumrli koji su tražili dušu djetinju. **21** I on ustavši, uze dijete i mater njegovu, i doðe u zemlju Izrailjevu. **22** Ali èuvši da Arhelaj caruje u Judeji mjesto Iroda oca svojega, poboja se onamo iæi; nego primivši u snu zapovijest, otide u krajeve Galilejske. **23** I došavši onamo, namjesti se u gradu koji se zove Nazaret, da se zbude kao što su kazali proroci da æe se Nazareæanin nazvati.

3 U ono pak doba doðe Jovan krstitelj, i uèaše u pustinji Judejskoj. **2** I govoraše: pokajte se, jer se približi carstvo nebesko. **3** Jer je to onaj za koga je govorio prorok Isaija gdje kaže: glas onoga što vièe u pustinji: pripravite put Gospodu, i poravnite

Матеј

1 Племе Исуса Христа, сина Давида Аврамовог сина. **2** Авраам роди Исака. А Исак роди Јакова. А Јаков роди Луду и браћу његову. **3** А Јуда роди Фареса и Зару с Тамаром. А Фарес роди Есрома. А Есром роди Арама. **4** А Арам роди Аминадава. А Аминадав роди Наасона. А Наасон роди Салмона. **5** А Салмон роди Вооза с Рахавом. А Вооз роди Овида с Рутом. А Овид роди Јесеја. **6** А Јесеј роди Давида цара. А Давид цар роди Соломуна с Уријиницом. **7** А Соломун роди Ровоама. А Ровоам роди Авију. А Авија роди Асу. **8** А Аса роди Јосафата. А Јосафат роди Јорама. А Јорам роди Озију. **9** А Озија роди Јоатама. А Јоатам роди Ахаза. А Ахаз роди Езекију. **10** А Езекија роди Манасију, а Манасија роди Амона. А Амон роди Јосију. **11** А Јосија роди Јехонију и браћу његову, у сеоби вавилонској. **12** А по сеоби вавилонској, Јехонија роди Салатиила. А Салатиило роди Зоровавела. **13** А Зоровавел роди Авиуда. А Авиуд роди Елијакима. А Елијаким роди Азора. **14** А Азор роди Садока. А Садок роди Ахима. А Ахим роди Елиуда. **15** А Елиуд роди Елеазара, а Елеазар роди Матана. А Матан роди Јакова. **16** А Јаков роди Јосифа, мужа Марије, која роди Исуса прозваног Христа. **17** Свега дакле колена од Аврама до Давида, колена четрнаест, а од Давида до сеобе вавилонске, колена четрнаест, а од сеобе вавилонске до Христа, колена четрнаест. **18** А рођење Исуса Христа било је овако: кад је Марија, мати Његова, била испрошена за Јосифа, а још док се нису били састали, нађе се да је она трудна од Духа Светог. **19** А Јосиф муж њен, будући побожан и не хтевши је јавно срамотити, намисли је тајно пустити. **20** Но кад он тако помисли, а то му се јави у сну анђео Господњи говорећи: Јосифе, сине Давидов! Не бој се узети Марије жене своје; јер оно што се у њој зачело од Духа је Светог. **21** Па ће родити Сина, и надени Му име Исус; јер ће Он избавити свој народ од греха њихових. **22** А ово је све било да се изврши шта је Господ казао преко пророка који говори: **23** Ето, девојка ће затруднети, и родиће Сина, и наденуће Му име Емануило, које ће рећи: С нама Бог. **24** Кад се Јосиф пробуди од сна, учини како му је заповедио анђео Господњи, и узме жену своју. **25** И не знаше за њу док не роди Сина свог првенца, и надеде Му име Исус.

2 А кад се роди Исус у Витлејему јудејском, за времена цара Ирода, а то дођу мудраци с истока у Јерусалим, и кажу: **2** Где је цар јудејски што се родио? Јер смо видели Његову звезду на истоку и дошли смо да Му се поклонимо. **3** Кад то чује цар Ирод, уплаши се, и сав Јерусалим с њим. **4** И сабравши све главаре свештеничке и књижевнике народне, питаше их: Где ће се родити Христос? **5** А они му рекоше: У Витлејему јудејском; јер је тако пророк написао: **6** И ти Витлејеме, земљо Јудина! Ни по чем ниси најмањи у држави Јудиној; јер ће из тебе изићи човођа који ће пасти народ мој Израиља. **7** Онда Ирод тајно дозва мудраце, и испитиваше их кад се појавила звезда. **8** И пославши их у Витлејем, рече: Идите и распитајте добро за дете, па кад га нађете, јавите ми, да и ја идем да му се поклоним. **9** И они саслушавши цара, пођоше: а то и звезда коју су видели на истоку, иђаше пред њима док не дође и стаде одозго где беше дете. **10** А кад видеше звезду где је стала, обрадоваше се веома великом радости. **11** И ушавши у кућу, видеше дете с Маријом матером Његовом, и падоше и поклонише Му се; па отворише даре своје и дариваше Га: златом, и тамјаном, и смирном. **12** И примивши у сну заповест да се не враћају к Ироду, другим путем отидоше у своју земљу. **13** А пошто они отиду, а то анђео Господњи јави се Јосифу у сну и каза му: Устани, узми дете и матер Његову па бежи у Мисир, и буди онамо док ти не кажем; јер ће Ирод тражити дете да Га погуби. **14** И он уставши узе дете и матер Његову ноћу и отиде у Мисир. **15** И би тамо до смрти Иродове: да се изврши шта је Господ рекао преко пророка који говори: Из Мисира дозвах Сина свог. **16** Тада Ирод, кад виде да су га мудраци преварили, разгневи се врло и посла те побише сву децу по Витлејему и по свој околини његовој од две године и ниже, по времену које је добро дознао од мудраца. **17** Тада се зби шта је казао пророк Јеремија говорећи: **18** Глас у Рами чу се, плач, и ридање, и јаукање много: Рахила плаче за својом децом, и неће да се утеши, јер их нема. **19** А по смрти Иродовој, гле, анђео Господњи у сну јави се Јосифу у Мисиру. **20** И рече: Устани, и узми дете и матер Његову и иди у земљу Израиљеву; јер су изумрли који су тражили душу детињу. **21** И он уставши, узе дете и матер Његову, и дође у земљу Израиљеву. **22** Али чувши да Архелај царује у Јудеји место Ирода оца свог, побоја се онамо ићи; него примивши у сну заповест, отиде у крајеве галилејске. **23** И

Mathaio

1 Ba ke bagolwagolwane ba ga Jesu Keresete wa lotso lwa ga Kgosi Dafide le Aberahame: **2** Aberahame e ne e le rraagwe Isake; Isake e ne e le rraagwe Jakobe; Jak obe e ne e le rraagwe Juda le bomonnawe ba basimane. **3** Juda e ne e le rraagwe Perese le Sera (Tamare e ne e le mmaabo); Perese e ne e le rraagwe Heserone; Heserone e ne e le rraagwe Arame; **4** Arame e ne e le rraagwe Aminadabe; Aminadabe e ne e le rraagwe Nashone; Nashone e ne e le rraagwe Salemone; **5** Salemone e ne e le rraagwe Boase (Rahabe e ne e le mmaagwe); Boase e ne e le rraagwe Obede (Ruthe e ne e le mmaagwe); Obede e ne e le rraagwe Jese; **6** Jese e ne e le rraagwe Kgosi Dafide. Dafide e ne e le rraagwe Solomone (mmaagwe o ne a kile a ne a le mogatsa Uria); **7** Solomone e ne e le rraagwe Rehoboame; Rehoboame e ne e le rraagwe Abija; Abija e ne e le rraagwe Asa; **8** Asa e ne e le rraagwe Jehoshafate; Jehoshafate e ne e le rraagwe Jerame; Jerame e ne e le rraagwe Usia; **9** Usia e ne e le rraagwe Jothame; Jothame e ne e le rraagwe Ahase; Ahase e ne e le rraagwe Hesekia; **10** Hesekia e ne e le rraagwe Manase; Manase e ne e le rraagwe Amone; Amone e ne e le rraagwe Josaea; **11** Josaea e ne e le rraagwe Jokonia le bomonnawe ba basimane (ba tsetswe ka nako ya go gapelwa kwa Babelona). **12** Morago ga go gapelwa kwa Babelona: Jokonia o ne a tsala Salathiele; Salathiele e ne e le rraagwe Serubabele; **13** Serubabele e ne e le rraagwe Abiude; Abiude e ne e le rraagwe Eliakime; Eliakime e ne e le rraagwe Asore; **14** Asore e ne e le rraagwe Sadoke; Sadoke e ne e le rraagwe Akime; Akime e ne e le rraagwe Eliude; **15** Eliude e ne e le rraagwe Eleasare; Eleasare e ne e le rraagwe Mathame; Mathame e ne e le rraagwe Jakobe; **16** Jakobe e ne e le rraagwe Josefa yo e neng e le monna wa ga Marea Mma-Jesu Keresete Mesia. **17** Tse ke ditshika di le lesome le metso e le mene mo ditshikeng tse di simololang ka Aberahame go tla go fitlha mo go Kgosi Dafide; le tse di lesome le bone go simolola ka nako ya ga Kgosi Dafide go ya nakong ya go gapelwa kwa Babelona; le tse di lesome le bone go simolola ka nako eo go tla go fitlha mo go Keresete. **18** A ke mabaka a boammaaruri a a amanang le botsalo jwa ga Jesu Keresete: Marea mmaagwe, o ne a beeletswe go nyalwa ke Josefa. Mme ya re a sa ntse a le kgarebana, a ithwala ga Mowa o o boitshepo. **19** Mme Josefa mmeeledi wa gagwe ka a le mosiami, a ikaelela go senya tsholofetso ka tidimalo ka a ne a sa rate go mmaa mo mpepeneneng go mo tlhabisa ditlhong. **20** Mme ya re a sa ntse a thantse a akanya ka ga selo se, a thulamela, a lora, mme a bona moengele a eme fa go ene a mo raya a re, "Josefa, morwa Dafide, se etsaetsege go tsaya Marea jaaka mosadi wa gago ka gore ngwana yo o mo rweleng o mo ithwele ka Mowa o o Boitshepo." **21** Mme o tlaa tshola ngwana wa mosimane, mme o tlaa mo raya leina o re Jesu (Ke gore "Mmoloki"). Ka gore o tlaa golola batho ba gagwe mo dibeng tsa bone. **22** Mo go tlaa diragatsa molaetsa wa Modimo o o kileng wa anamisiwa ke baporofiti ba one, ba re, **23** "Reetsang! Kgarebana e tlaa ithwala ngwana! E tlaa tshola ngwana wa mosimane, mme o tlaa bidiwa 'Imanuele'." (Ke gore "Modimo o na le rona") fa go tlhalosiwa. **24** Erile Josefa a tsoga, a dira jaaka moengele a mo laetse, a isa Maria gae go nna mosadi wa gagwe. **25** Mme a nna a ntse a le kgarebana go fitlhelela morwawe a tsholwa mme Josefa a mo raya leina a re "Jesu."

2 Jesu o na a tsalelwa mo motseng wa Bethelehema, mo Judea metlheng ya puso ya ga Kgosi Herode. E rile ka yone nako eo balepi ba dinaledi bangwe ba goroga mo Jerusalema ba tswa mafatshing a botlhabatsatsi, mme ba botsa ba re, **2** "E fa kae Kgosi e ncha e e tsetsweng ya Bajuda? Ka gore re bonye naledi ya gagwe mo mafatshing a a kgakala a botlhabatsatsi, mme re tsile go mo obamela". **3** Kgosi Herode o ne a tshwenyega thata ka potso ya bone, le batho botlhe ba motse wa Jerusalema ba ne ba tlala khuduego. **4** A bitsa phuthego ya baeteledipele ba tumelo ya Sejuda, a ba botsa a re, "A baporofiti ba kile ba re bolelela kwa Mesia o tsalelwang teng?" **5** Mme ba mo araba ba re, "Ee, mo Bethelehema, ka gore mo ke mo moporofiti Mika o go kwadileng a re, **6** 'Wena motsana wa Bethelehema, ga o legae la Juda le le nyatsegang, gonne mo go wena go tlaa tswa molaodi yo o busang batho ba me ba Iseraele.'" **7** Hong Herode a romela molaetsa ka sephiri kwa baleping ba dinaledi, a ba kopa gore ba tle go mmona, e rile mo phuthegong e, a ba tlhotlhomisa go mmolelela nako tota e ba simolotseng go bona naledi ka yone. Mme a ba raya a re **8** "Tsamayang lo yeng kwa Bethelehema lo fete lo senke ngwana. E re lo sena go mmona lo boele kwano go nkitsise gore le nna ke tle ke ye go mo obamela." **9** E rile morago ga puisanyo e, balepi ba dinaledi ba simolola go tsamaya gape. Mme bonang! Naledi ya iponatsa gape mo go bone, e eme fa godimo ga Bethelehema.

Mateo

1 Iyi ndiyo nhoroondo yamadzitateguru aJesu
Kristu mwanakomana waDhavhidhi, mwanakomana
waAbhurahama: **2** Abhurahama aiva baba vaIsaka,
Isaka baba vaJakobho, Jakobho baba vaJudha
namadzikoma ake, navanun'una vake, **3** Judha baba
vaPerezi naZera, mai vavo vaiva Tamari, Perezi
baba vaHezironi, Hezironi baba vaRamu, **4** Ramu
baba vaAminadhabhu, Aminadhabhu baba vaNashoni,
Nashoni baba vaSarimoni, **5** Sarimoni baba vaBhoazi,
mai vake vari Rahabhi, Bhoazi baba vaObhedhi,
mai vake vari Rute, Obhedhi baba vaJese, **6** naJese
baba vamambo Dhavhidhi. Dhavhidhi aiva baba
vaSoromoni, mai vake ndivo vaimbova mukadzi waUria,
7 Soromoni baba vaRehobhoamu, Rehobhoamu baba
vaAbhija, Abhija baba vaAsa, **8** Asa baba vaJehoshafati,
Jehoshafati baba vaJoramu, Joramu baba vaUzia, **9**
Uzia baba vaJotamu, Jotamu baba vaAhazi, Ahazi
baba vaHezekia. **10** Hezekia baba vaManase, Manase
baba vaAmoni, Amoni baba vaJosia, **11** naJosia baba
vaJekonia navanun'una vake panguva yavaiva kuutapwa
muBhabhironi. **12** Vabva kuutapwa kuBhabhironi:
Jekonia aiva baba vaShearitieri, Shearitieri baba
vaZerubhabheri, **13** Zerubhabheri baba vaAbhiudhi,
Abhiudhi baba vaEriakimu, Eriakimu baba vaAzori.
14 Azori baba vaZadhoki, Zadhoki baba vaAkimu,
Akimu baba vaEriudhi, **15** Eriudhi baba vaEreazari,
Ereazari baba vaMatani, Matani baba vaJakobho. **16**
Jakobho baba vaJosefa, uyo aiva murume waMaria, uyo
akabereka Jesu, anonzi Kristu. **17** Nokudaro kwaiva
nezvizvarwa gumi nezvina pamwe chete kubvira pana
Abhurahama kusvika pana Dhavhidhi, zvizvarwa gumi
nezvina kubva pana Dhavhidhi kusvika pakutapwa
kwavo vachiendwa navo kuBhabhironi, zvizvarwa
gumi nezvina kubva pakudzoka kwavo kuutapwa
kusvika panguva yaKristu. **18** Uku ndiko kuberekwa
kwakaitwa Jesu Kristu: Maria, mai vake vainge
vatsidzirwa kuroorwa naJosefa, asi vasati vagara vose,
achiri mhandara, akaonekwa ava napamuviri nokuda
kwaMweya Mutsvene. **19** Asi nokuda kwokuti Josefa
akanga ari munhu akarurama akafunga zvokumuramba
chinyararire, asingamunyadzisi pavazhinji. **20** Asi
achiri kufunga nezvenyaya iyi, mutumwa waIshe
akauya kwaari mukurota akasvikoti, "Josefa, mwana
waDhavhidhi, usatya kutora Maria somukadzi wako
nokuti pamuviri paava napo akapabata nokuda
kwesimba raMweya Mutsvene. **21** Achava nomwana
mukomana wauchazotumidza zita rokuti Jesu nokuti
ndiye achaponesa vanhu vake kubva muzvivi zvavo."
22 Izvi zvose zvakaitika kuti zvizadzise zvakanga
zvataurwa naIshe kubudikidza nomuprofita wake
zvokuti: **23** "Mhandara ichava napamuviri, igozvara
mwana mukomana, uye vachamutumidza zita rokuti
Emanueri, zvichireva kuti, 'Mwari anesu.'" **24** Josefa
paakapepuka, akaita sezvaakanga arayirwa nomutumwa
waIshe, uye akatora Maria somukadzi wake, **25** asi haana
kusangana naye kusvikira azvara mwana mukomana.
Akamutumidza zita rokuti Jesu.

2 Mushure mokuberekwa kwaJesu muBheterehema
reJudhea munguva yaMambo Herodhi, vachenjeri
vaibva kumabvazuva vakasvika muJerusarema, **2** uye
vakabvunza vakati, "Aripiko uyo achangoberekwa
anova mambo wavaJudha? Takaona nyeredzi yake
kumabvazuva, uye tauya kuzomunamata." **3** Mambo
Herodhi akati achinzwa izvi, akatambudzika kwazvo
pamwe chete neJerusarema rose. **4** Kuzoti akokera
pamwe chete vaprista navadzidzisi vomutemo,
akavabvunza kwaizoberekerwa Kristu. **5** Vakapindura
vachiti, "MuBheterehema reJudhea nokuti izvi
ndizvo zvakanyorwa nomuprofita achiti: **6** "Asi
iwe Bheterehema, munyika yeJudhea hausi muduku
pamadzimambo ose aJudha, nokuti mauri muchabuda
mutongi uyo achava mufudzi wavanhu vangu
vaIsraeri." **7** Ipapo Herodhi akadana Vachenjeri
pakavanda akavabvunzisisa nguva chaiyo yainge
yaonekwa nyeredzi. **8** Akavatuma kuBheterehema
akati, "Endai mundotsvakisisa mwana uyu. Kana
muchinge mamuwana, mugondizivisawo kuitira kuti
neniwo ndigoenda kundomunamata." **9** Mushure
mokunge vanzwa zvainge zvataurwa naMambo,
vakapfuurira mberi norwendo rwavo, uye nyeredzi
yavakanga vaona kumabvazuva yakavatungamirira
kusvikira yandomira panzvimbo paiva nomwana. **10**
Pavakaona nyeredzi, vakafara kwazvo. **11** Vakati vasvika
pamba apa, vakaona mwana namai vake Maria, uye
vakakotamira pasi vakamunamata. Vakasunungura
pfuma yavo vakapa zvipo zvegoridhe, nezvinonhuhwira
nemura. **12** Uye vakati vayambirwa mukurota kuti
vasadzokera nokuna Herodhi, vakadzokera kwavo
neimwe nzira. **13** Zvino kuzoti vaenda, mutumwa
waShe akazviratidza kuna Josefa mukurota, akati,
"Kurumidza kutora mwana namai vake mutizire
kuIjipiti. Mugareko kusvikira ndakuudzai, nokuti
Herodhi achatsvaka mwana uyu kuti amuuraye." **14**
Saka akabva amuka ndokutora mwana namai vake usiku
akatizira kuIjipiti, **15** kwaakandogara kusvikira Herodhi
afa. Saizvozvo zvakazadziswa zvakanga zvataurwa
naShe kubudikidza nomuprofita achiti, "Ndakadana
mwanakomana wangu kubva kuIjipiti." **16** Kuzoti
Herodhi aziva kuti vachenjeri vaya vainge vamunzvenga,
akashatirwa kwazvo, ndokubva arayira kuti vana
vechikomana vose vaiva muBheterehema nomunzvimbo
yakapoteredza vaiva namakore maviri zvichidzika
vaurayiwe, maererano nenguva yaakanga audzwa
naVachenjeri. **17** Ipapo zvakarehwa kubudikidza
nomuprofita Jeremia zvakazadziswa, zvinoti: **18**
"Inzwi rakanzwikwa muRama rokuchema nokuungudza
kukuru, Rakeri achichema vana vake, uye achiramba
kunyaradzwa nokuti havachipo." **19** Mushure mokufa
kwaHerodhi, mutumwa waShe akazviratidza kuna Josefa
muIjipiti mukurota **20** akati, "Tora mwana namai
vake mudzokere kunyika yeIsraeri nokuti vaya vaida
kuuraya mwana vakafa." **21** Saka akasimuka akatora
mwana namai vake akaenda kunyika yeIsraeri. **22**
Asi paakanzwa kuti Akerasi akanga otonga muJudhea
panzvimbo yababa vake Herodhi, akatya kuendako. Akati
ayambirwa mukurota, akabva aenda kudunhu reGarirea,
23 uye akaenda akandogara muguta rainzi Nazareta.

Mateo

1 Bhuku redzinza raJesu Kristu, Mwanakomana waDhavhidhi, mwanakomana waAbhurahama. **2** Abhurahama wakabereka Isaka; Isaka ndokubereka Jakobho; Jakobho ndokubereka Judha nevanakomana vababa vake; **3** Judha ndokubereka Faresi naZara kuna Tamari; Faresi ndokubereka Esiromi; Esiromi ndokubereka Arami; **4** Arami ndokubereka Aminadhabhi; Aminadhabhi ndokubereka Naashoni; Naashoni ndokubereka Sarimoni; **5** Sarimoni ndokubereka Bhowazi kuna Rahabhi; Bhowazi ndokubereka Obhedhi kuna Rute; Obhedhi ndokubereka Jese; **6** Jese ndokubereka Dhavhidhi mambo; Dhavhidhi mambo ndokubereka Soromoni kumukadziwaiva waUria; **7** Soromoni ndokubereka Robhoami; Robhoami ndokubereka Abhiya; Abhiya ndokubereka Asa; **8** Asa ndokubereka Josafati; Josafati ndokubereka Joramu; Joramu ndokubereka Oziasi; **9** Oziasi ndokubereka Jotamu; Jotamu ndokubereka Akazi; Akazi ndokubereka Hezekia; **10** Hezekia ndokubereka Manase; Manase ndokubereka Amoni; Amoni ndokubereka Josiyasi; **11** Josiyasi ndokubereka Jekoniasi nevanakomana vamai vake nenguva yekutapirwa kuBhabhironi. **12** Zvino shure kwekutapirwa kuBhabhironi, Jekoniasi wakabereka Saratieri; Saratieri ndokubereka Zerubhabheri; **13** Zerubhabheri ndokubereka Abhiudhi; Abhiudhi ndokubereka Eriakimi; Eriakimi ndokubereka Azori; **14** Azori ndokubereka Sadhoki; Sadhoki ndokubereka Akimi; Akimi ndokubereka Eriyudhi; **15** Eriyudhi ndokubereka Eriazari; Eriazari ndokubereka Matani; Matani ndokubereka Jakobho; **16** Jakobho ndokubereka Josefa murume waMaria, kwakazvarwa kwaari Jesu, anonzi Kristu. **17** Naizvozvo mazera ese kubva kuna Abhurahama kusvikira kuna Dhavhidhi mazera gumi nemana; nekubva kuna Dhavhidhi kusvikira pakutapirwa kuBhabhironi mazera gumi nemana; nekubva pakutapirwa kuBhabhironi kusvikira kuna Kristu mazera gumi nemana. **18** Zvino kuberekwa kwaJesu Kristu kwaiva kwakadai: Nokuti mai vake Maria vakati vatsidzirwa kuroorwa naJosefa, vasati vasangana vakaonekwa vava nemimba kubva kuMweya Mutsvene. **19** Zvino Josefa murume wavo zvaakange ari wakarurama, asingadi kuvafumura, waida kuvaramba muchivande. **20** Asi zvino wakati acharangarira zvinhu izvozvi, tarira, mutumwa walshe wakaonekwa kwaari muchiroto achiti: Josefa, mwanakomana waDhavhidhi, usatya kuzvitorera Maria mukadzi wako; nokuti icho chakaumbwa maari ndecheMweya Mutsvene. **21** Uye achabereka Mwanakomana, uye uchatumidza zita rake Jesu, nokuti iye achaponesa vanhu vake pazvivi zvavo. **22** Zvino zvese izvozvi zvakaitwa kuti zvizadziswe zvakarehwa naIshe kubudikidza nemuporofita achiti: **23** Tarira, mhandara ichava nemimba, igobereka Mwanakomana, uye vachatumidza zita rake Emanueri, ndokuti kana zvichishandurwa, Mwari anesu. **24** Zvino Josefa amuka pahope akaita sezvakaraira mutumwa waIshe kwaari, akazvitorera mukadzi wake; **25** uye haana kumuziva kusvikira azvara Mwanakomana wake wedangwe; akatumidza zita rake JESU.

2 Zvino Jesu wakati aberekwa muBhetirehemu reJudhiya, pamazuva aHerodhe mambo, tarira, kwakauya vachenjeri vachibva kumabvazuva kuJerusarema, **2** vachiti: Uripi iye wakazvarwa Mambo weVaJudha? Nokuti taona nyeredzi yake kumabvazuva, tauya kuzomunamata. **3** Zvino Herodhe mambo wakati anzwa, akashushikana, neJerusarema rese naye. **4** Zvino wakati aunganidza vapristi vakuru vese nevanyori vevanhu, akabvunza kwavari kuti Kristu uchazvarirwa kupi. **5** Zvino vakati kwaari: MuBhetirehemu reJudhiya; nokuti zvakanyorwa saizvozvi nemuporofita zvichinzi: **6** Newe Bhetirehemu nyika yaJudha, hausi mudikisa kuvatongi vaJudha; nokuti kwauri kuchabuda mutungamiriri, achafudza vanhu vangu Israeri. **7** Zvino Herodhe, wakati adana vachenjeri muchivande, akabvunzisisa kwavari nguva yakaonekwa nyeredzi. **8** Akavatuma kuBhetirehemu, akati: Endai munobvunzisisa zvemucheche; kana mamuwana mundisume, kuti ini ndiuyewo ndimunamate. **9** Vakati vanzwa mambo, vakabva; zvino tarira, nyeredzi yavakaona kumabvazuva yakavatungamirira, kusvikira yasvika ikamira pamusoro pepakange pane mucheche. **10** Vakati vaona nyeredzi vakafara nemufaro mukuru kwazvo. **11** Vakati vapinda mumba, vakaona mucheche naMaria mai vake, vakawira pasi vakamunamata; zvino vakati vazarura fuma yavo, vakamupemberera nezvipo, goridhe, nezvipfungaidzo zvinonhuhwira, nemura. **12** Vakati vanyeverwa naMwari muchiroto, kuti varege kudzokera kuna Herodhe, vakabva vakaenda kunyika yavo neimwe nzira. **13** Vakati vaenda, tarira, mutumwa waIshe anoonekwa kuna Josefa muchiroto, achiti: Muka utore mucheche namai vake, utizire kuEgipita, uveko kusvikira ndichikuudza; nokuti Herodhe achatsvaka mucheche kuti amuparadze. **14** Zvino

От Матфея святое благовествование

1 Книга родства Иисуса Христа, Сына Давидова, Сына Авраамля. **2** Авраам роди Исаака. Исаак же роди Иакова. Иаков же роди Иуду и братию его. **3** Иуда же роди Фареса и Зару от Фамары. Фарес же роди Есрома. Есром же роди Арама. **4** Арам же роди Аминадава. Аминадав же роди Наассона. Наассон же роди Салмона. **5** Салмон же роди Вооза от Рахавы. Вооз же роди Овида от Руфы. Овид же роди Иессеа. **6** Иессей же роди Давида царя. Давид же царь роди Соломона от Уриины. **7** Соломон же роди Ровоама. Ровоам же роди Авию. Авиа же роди Асу. **8** Аса же роди Иосафата. Иосафат же роди Иорама. Иорам же роди Озию. **9** Озиа же роди Иоафама. Иоафам же роди Ахаза. Ахаз же роди Езекию. **10** Езекиа же роди Манассию. Манассиа же роди Амона. Амон же роди Иосию. **11** Иосиа же роди Иехонию и братию его, в преселение Вавилонское (в некиих греч.: Иосиа же роди Иоакима и братию его. Иоаким же роди Иехонию в преселение Вавилонское.). **12** По преселении же Вавилонстем, Иехониа роди Салафииля. Салафиил же роди Зоровавеля. **13** Зоровавель же роди Авиуда. Авиуд же роди Елиакима. Елиаким же роди Азора. **14** Азор же роди Садока. Садок же роди Ахима. Ахим же роди Елиуда. **15** Елиуд же роди Елеазара. Елеазар же роди Матфана. Матфан же роди Иакова. **16** Иаков же роди Иосифа, мужа Мариина, из Неяже родися Иисус, глаголемый Христос. **17** Всех же родов от Авраама до Давида родове четыренадесяте: и от Давида до преселения Вавилонскаго родове четыренадесяте: и от преселения Вавилонскаго до Христа родове четыренадесяте. **18** Иисус Христово Рождество сице бе: обрученней бо бывши Матери Его Марии Иосифови, прежде даже не снитися има, обретеся имущи во чреве от Духа Свята. **19** Иосиф же муж Ея, праведен сый и не хотя Ея обличити, восхоте тай пустити Ю. **20** Сия же ему помыслившу, се, Ангел Господень во сне явися ему, глаголя: Иосифе, сыне Давидов, не убойся прияти Мариам жены твоея: рождшеебося в Ней, от Духа есть Свята: **21** родит же Сына, и наречеши имя Ему Иисус: Той бо спасет люди Своя от грех их. **22** Сие же все бысть, да сбудется реченное от Господа пророком, глаголющим: **23** се, Дева во чреве приимет и родит Сына, и нарекут имя Ему Еммануил, еже есть сказаемо: с нами Бог. **24** Востав же Иосиф от сна, сотвори якоже повеле ему Ангел Господень, и прият жену свою, **25** и не знаяше Ея, дондеже роди Сына Своего первенца, и нарече имя Ему Иисус.

2 Иисусу же рождшуся в Вифлееме Иудейстем во дни Ирода царя, се, волсви от восток приидоша во Иерусалим, глаголюще: **2** где есть рождейся Царь Иудейский? Видехом бо звезду Его на востоце и приидохом поклонитися Ему. **3** Слышав же Ирод царь смутися, и весь Иерусалим с ним. **4** И собрав вся первосвященники и книжники людския, вопрошаше от них: где Христос раждается? **5** Они же рекоша ему: в Вифлееме Иудейстем, тако бо писано есть пророком: **6** и ты, Вифлееме, земле Иудова, ни чимже менши еси во владыках Иудовых: из тебе бо изыдет Вождь, Иже упасет люди Моя Израиля. **7** Тогда Ирод тай призва волхвы, и испытоваше от них время явльшияся звезды, **8** и послав их в Вифлеем, рече: шедше испытайте известно о Отрочати: егда же обрящете, возвестите ми, яко да и аз шед поклонюся Ему. **9** Они же послушавше царя, идоша. И се, звезда, юже видеша на востоце, идяше пред ними, дондеже пришедши ста верху, идеже бе Отроча. **10** Видевше же звезду, возрадовашася радостию велиею зело, **11** и пришедше в храмину, видеша Отроча с Мариею Материю Его, и падше поклонишася Ему: и отверзше сокровища своя, принесоша Ему дары, злато и ливан и смирну. **12** И весть приемше во сне не возвратитися ко Ироду, иным путем отидоша во страну свою. **13** Отшедшым же им, се, Ангел Господень во сне явися Иосифу, глаголя: востав поими Отроча и Матерь Его, и бежи во Египет, и буди тамо, дондеже реку ти: хощет бо Ирод искати Отрочате, да погубит Е. **14** Он же востав, поят Отроча и Матерь Его нощию, и отиде во Египет, **15** и бе тамо до умертвия Иродова: да сбудется реченное от Господа пророком, глаголющим: от Египта воззвах Сына Моего. **16** Тогда Ирод видев, яко поруган бысть от волхвов, разгневася зело и послав изби вся дети сущыя в Вифлееме и во всех пределех его, от двою лету и нижайше, по времени, еже известно испыта от волхвов. **17** Тогда сбыстся реченное Иеремием пророком, глаголющим: **18** глас в Раме слышан бысть, плачь и рыдание и вопль мног: Рахиль плачущися чад своих, и не хотяше утешитися, яко не суть. **19** Умершу же Ироду, се, Ангел Господень во сне явися Иосифу во Египте, **20** глаголя: востав поими

Matej

1 Knjiga rodu Jezusa Kristusa, Davidovega sina, Abrahamovega sina. **2** Abraham je zaplodil Izaka, in Izak je zaplodil Jakoba in Jakob je zaplodil Juda in njegove brate, **3** in Juda je s Tamaro zaplodil Pereca in Zeraha, in Perec je zaplodil Hecróna in Hecrón je zaplodil Rama, **4** in Ram je zaplodil Aminadába, in Aminadáb je zaplodil Nahšóna, in Nahšón je zaplodil Salmóna, **5** in Salmón je z Rahábo zaplodil Boaza, in Boaz je z Ruto zaplodil Obéda, in Obéd je zaplodil Jeseja, **6** in Jese je zaplodil Davida, kralja, in kralj David je zaplodil Salomona z njo, ki je bila žena Urijájeva, **7** in Salomon je zaplodil Roboáma, in Roboám je zaplodil Abíja, in Abíja je zaplodil Asá, **8** in Asá je zaplodil Józafata, in Józafat je zaplodil Joráma, in Jorám je zaplodil Uzíja, **9** in Uzíja je zaplodil Jotáma, in Jotám je zaplodil Aháza, in Aház je zaplodil Ezekíja, **10** in Ezekíja je zaplodil Manáseja, in Manáse je zaplodil Amóna, in Amón je zaplodil Jošíja, **11** in Jošíja je zaplodil Jojahína in njegove brate, približno ob času, ko so bili odpeljani v Babilon, **12** in potem ko so bili pripeljani v Babilon, je Jojahín zaplodil Šaltiéla, in Šaltiél je zaplodil Zerubabéla, **13** in Zerubabél je zaplodil Abihúda, in Abihúd je zaplodil Eljakíma, in Eljakím je zaplodil Azórja, **14** in Azór je zaplodil Cadóka, in Cadók je zaplodil Ahíma, in Ahím je zaplodil Eliúda, **15** in Eliúd je zaplodil Eleazarja, in Eleazar je zaplodil Matána, in Matán je zaplodil Jakoba, **16** in Jakob je zaplodil Jožefa, Marijinega soproga, iz katere je bil rojen Jezus, ki je bil imenovan Kristus. **17** Vseh rodov torej, od Abrahama do Davida, je štirinajst rodov, in od Davida do preselitve v Babilon je štirinajst rodov, in od preselitve v Babilon do Kristusa je štirinajst rodov. **18** Rojstvo Jezusa Kristusa je bilo torej na ta način: ravno ko je bila njegova mati Marija zaročena z Jožefom, preden sta prišla skupaj, je bila najdena z otrokom od Svetega Duha. **19** Takrat je njen soprog Jožef, ki je bil pravičen človek in ne voljan narediti jo za javen zgled, razmišljal, da jo na skrivaj odslovi. **20** Toda medtem ko je premišljeval o teh stvareh, glej, se mu je v sanjah prikazal Gospodov angel, rekoč: »Jožef, Davidov sin, ne boj se vzeti k sebi svoje žene Marije, kajti to, kar je spočeto v njej, je od Svetega Duha. **21** In rodila bo sina in njegovo ime boš imenoval JEZUS, kajti svoje ljudi bo rešil pred njihovimi grehi. **22** Vse to je bilo torej storjeno, da bi se lahko izpolnilo, kar je Gospod govoril po preroku, rekoč: **23** ›Glej, devica bo z otrokom in rodila bo sina in njegovo ime bodo imenovali Emanuel, kar je prevedeno: ›Bog z nami.‹« **24** Tedaj je Jožef, dvignjen iz spanja, storil, kakor mu je Gospodov angel zaukazal in svojo ženo vzel k sebi **25** in ni je spoznal, dokler ni rodila svojega prvorojenega sina in njegovo ime je imenoval JEZUS.

2 Ko je bil torej Jezus rojen v Betlehemu, v Judeji, v dneh kralja Heroda, glej, so od vzhoda v Jeruzalem prišli modri možje, **2** rekoč: »Kje je tisti judovski Kralj, ki je rojen? Kajti njegovo zvezdo smo videli na vzhodu in prišli smo, da ga obožujemo.« **3** Ko je kralj Herod slišal te besede, je bil zaskrbljen in z njim ves Jeruzalem. **4** In ko je zbral skupaj vse visoke duhovnike in pisarje izmed ljudstva, jih je povprašal, kje naj bi bil Kristus rojen. **5** Rekli so mu: »V judejskem Betlehemu, kajti tako je napisano po preroku: **6** ›In ti Betlehem, v deželi Judovi, nisi najmanjši med Judovimi princi, kajti iz tebe bo prišel Voditelj, ki bo vladal mojemu ljudstvu Izraelu.‹« **7** Tedaj je Herod, ko je na skrivnem poklical modre može, od njih marljivo poizvedel, kdaj se je zvezda prikazala. **8** In poslal jih je v Betlehem ter rekel: »Pojdite in marljivo iščite za mladim otrokom in ko ga boste našli, mi ponovno prinesite sporočilo, da lahko tudi jaz pridem in ga obožujem.« **9** Ko so slišali kralja, so odšli. In glej, zvezda, ki so jo videli na vzhodu, je šla pred njimi, dokler ni prišla in obstala zgoraj, kjer je bil mladi otrok. **10** Ko so zagledali zvezdo, so se razveselili s silno veliko radostjo. **11** In ko so prišli v hišo, so zagledali mladega otroka z Marijo, njegovo materjo in padli dol ter ga oboževali. In ko so odprli svoje zaklade, so mu izročili darila: zlato in kadilo in miro. **12** In od Boga v sanjah posvarjeni, da naj se ne bi vrnili k Herodu, so po drugi poti odšli v svojo lastno deželo. **13** In ko so odšli, glej, se je Jožefu v sanjah prikazal Gospodov angel, rekoč: »Vstani in vzemi mladega otroka in njegovo mater ter beži v Egipt in bodi tam, dokler ti ne prinesem besede, kajti Herod bo mladega otroka iskal, da ga pokonča.« **14** Ko je vstal, je ponoči vzel mladega otroka in njegovo mater ter odšel v Egipt **15** in tam je bil do Herodove smrti, da bi se lahko izpolnilo, kar je bilo rečeno od Gospoda po preroku, rekoč: »Iz Egipta sem poklical svojega sina.« **16** Potem je bil Herod, ko je videl, da je bil zasmehovan od modrih mož, silno ogorčen in poslal ter usmrtil vse otroke, ki so bili v Betlehemu in v vseh teh krajih, od dveh let starosti in mlajše, glede na čas, ki ga je marljivo poizvedel od modrih mož. **17** Tedaj je bilo izpolnjeno to, kar je bilo rečeno po preroku Jeremiju, rekoč: **18** ›Tam v Rami je bilo slišati glas, objokovanje in jokanje ter veliko žalovanje. Rahela je jokala za svojimi otroki, pa ne bo potolažena, ker jih ni več.‹ **19** Toda ko je bil Herod mrtev, glej, se Gospodov angel prikaže Jožefu v sanjah v Egiptu, **20** rekoč: »Vstani in vzemi mladega otroka in njegovo mater ter pojdi v Izraelovo deželo, kajti tisti, ki so mlademu otroku stregli po življenju, so mrtvi.« **21** In vstal je

Matej

1 Bukve rodú Jezusa Kristusa, sina Davidovega, sina Abrahamovega. **2** Abraham je rodil Izaka; Izak je pa rodil Jakoba; Jakob je pa rodil Juda in brate njegove. **3** Juda je pa rodil Faresa in Zara s Tamaro; Fares je pa rodil Ezroma; Ezrom je pa rodil Arama. **4** Aram je pa rodil Aminadaba; Aminadab je pa rodil Naasona; Naason je pa rodil Salmona. **5** Salmon je pa rodil Booza z Rahabo; Booz je pa rodil Obeda z Ruto; Obed je pa rodil Jeseja. **6** A Jesej je rodil Davida kralja. David kralj je pa rodil Solomona z Urijevo. **7** Solomon je pa rodil Roboama; Roboam je pa rodil Abija; Abija je pa rodil Aza. **8** Aza je pa rodil Jozafata; Jozafat je pa rodil Jorama; Joram je pa rodil Ozija. **9** Ozija je pa rodil Joatama; Joatam je pa rodil Aliaza; Aliaz je pa rodil Ezehija. **10** Ezehija je pa rodil Manaseja; Manasej je pa rodil Amona; Amon je pa rodil Jozija. **11** A Jozija je rodil Johonija in brate njegove, za selitve Babilonske. **12** Po selitvi Babilonskej pa: Jehonija je rodil Salatijela; Salatijel je pa rodil Zorobabeljna. **13** Zorobabelj je pa rodil Abijuda; Abijud je pa rodil Elijahima; Elijahim je pa rodil Azorja. **14** Azor je pa rodil Sadoka; Sadok je pa rodil Ahima; Ahim je pa rodil Elijuda. **15** Elijud je pa rodil Eleazarja; Eleazar je pa rodil Matana; Matan je pa rodil Jakoba. **16** A Jakob je rodil Jožefa moža Marije, iz ktere se je rodil Jezus, ki se imenuje Kristus. **17** Vseh rodov torej od Abrahama do Davida, štirinajst rodov; in od Davida do selitve Babilonske, štirinajst rodov; in od selitve Babilonske do Kristusa, štirinajst rodov. **18** Jezus Kristusovo rojstvo je bilo pa tako: Ko je bila namreč mati njegova Marija zaročena Jožefu, predno sta se sešla, najde se, da je noseča od svetega Duha. **19** Jožef pa mož njen, ker je bil pravičen in je ni hotel očitno sramotiti, hotel jo je skrivaj popustiti. **20** In ko je to pomislil, glej, prikaže mu se v spanji angelj Gospodov, govoreč: Jožef, sin Davidov! ne boj se vzeti Marije žene svoje; kajti kar se je v njej začelo, od Duha je svetega. **21** Rodila bo pa sina, in imenuj ime njegovo Jezus; kajti on bo odrešil ljudstvo svoje njih grehov. **22** Vse to se je pa zgodilo, da se izpolni, kar je rekel Gospod po preroku, kteri pravi: **23** "Glej, devica bo noseča, in rodila bo sina, in imenovali bodo ime njegovo Emanuel," kar se tolmači: Bog z nami. **24** Prebudivši se pa Jožef iz spanja, storí, kakor mu je angelj Gospodov ukazal, in vzeme ženo svojo. **25** In ni je poznal, dokler ni rodila sina svojega prvenca; in dá mu ime Jezus.

2 Ko se je pa Jezus v Betlehemu Judejskem rodil, v dnéh Heroda kralja, glej, pridejo od vzhoda modrijani v Jeruzalem, **2** Govoreč: Kje je kralj Judovski, ki se je rodil? Kajti videli smo zvezdo njegovo na vzhodu, pa smo prišli, da mu se poklonimo. **3** Slišavši pa to kralj Herod, prestraši se, in ves Jeruzalem ž njim. **4** In zbravši vse vélike duhovne in ljudske pismarje, povpraševal jih je, kje se ima Kristus roditi. **5** Oni mu pa rekó: V Betlehemu Judejskem; kajti tako je napisal prerok: **6** "In ti, Betlehem, zemlja Judova, nikakor nisi najmanji med knezi Judovimi; kajti iz tebe bo izšel vojvoda, kteri bo pasel narod moj Izraelski." **7** Tedaj pokliče Herod skrivaj modrijane, in pozvé od njih na tanko, kedaj se je zvezda prikazala. **8** In poslavši jih v Betlehem, reče: Pojdite in na tanko izprašajte za dete; a ko ga najdete, sporočite mi, da tudi jaz pridem in mu se poklonim. **9** Oni pa, zaslišavši kralja, odidejo. In glej, zvezda, ktero so bili videli na vzhodu, šla je pred njimi, dokler ni prišla in se ustavila nad mestom, kjer je bilo dete. **10** Ko pa ugledajo zvezdo, razveselé se z zeló velikim veseljem. **11** In pridejo v hišo, in najdejo dete z Marijo materjo njegovo; in padejo, ter mu se poklonijo; in odpró zaklade svoje, ter mu prinesó darove: zlato in kadilo in miro. **12** In opomenjeni v spanji, naj se ne vračajo k Herodu, odidejo po drugej poti v svoj kraj. **13** Ko so pa oni odpotovali, glej, prikaže se angelj Gospodov Jožefu v spanji, govoreč: Vstani in vzemi dete in mater njegovo, pa beži v Egipet, in bodi tam, dokler ti ne povem; kajti Herod bo iskal deteta, da bi ga pogubil. **14** On pa vstane in vzeme dete in mater njegovo po noči, in odide v Egipet. **15** In bil je tam do Herodove smrti; da se izpolni, kar je rekel Gospod po preroku, kteri pravi: "Iz Egipta sem poklical sina svojega." **16** Tedaj se Herod, videvši, da so ga modrijani prekanili, zeló raztogotí, ter pošlje in pomori po Betlehemu in po vseh predelih njegovih vse otročiče po dve leti in niže, po času, ki ga je na tanko pozvedel od modrijanov. **17** Tedaj se je izpolnilo, kar je rekel prerok Jeremija, govoreč: **18** "Glas se je slišal v Rami, mnogo jokú in veka in krika; Rahel je plakala za svojimi otroci, in ni se hotela utolažiti, ker jih ni." **19** Ko je pa Herod umrl, glej, prikaže se v spanji angelj Gospodov Jožefu v Egiptu, **20** Govoreč: Vstani in vzemi dete in mater njegovo, in pojdi v zemljo Izraelsko; kajti pomrli so, kteri so iskali detetove duše. **21** On pa vstane in vzeme dete in mater njegovo, in pride v zemljo Izraelsko. **22** Slišavši pa, da kraljuje v Judeji Arhelaj mesto Heroda očeta svojega, zbojí se tje iti; opomenjen pa v spanji, odide v predele Galilejske. **23** In prišedši tje, nastani se v

Mateyo

1 Uwu e mulongo wa bamashali bakulukulu ba Yesu, mushukulu wa Dafeti, uyo walikuba mushukulu wa Abulahamu. **2** Abulahamu walasema Isake, nendi Isake walasema Yakobo, Nendi Yakobo walasema Yuda ne bakwabo, **3** Yuda walasema Pelesi ne Sela muli Tamala, Pelesi walasema Hesiloni, Nendi Hesiloni walasema Lamu, **4** Lamu walasema Aminadabu, nendi Aminadabu walasema Nasoni, nendi Nasoni walasema Salumoni, **5** Salumoni walasema Bowasi muli Lahabi, nendi Bowasi walasema Obedi muli Lute, nendi Obedi walasema Jesi, **6** Jesi walasema Mwami Dafeti, nendi Dafeti walasema Solomoni mu mukashi walikuba wa Uliya. **7** Solomoni walasema Lehabyamu, nendi Lehabyamu walasema Abiya, nendi Abiya walasema Asa, **8** nendi Asa walasema Yehosafati, nendi Yehosafati walasema Yolamu, nendi Yolamu walasema Usiya, **9** Usiya walasema Yotamu, Nendi Yotamu walasema Ahazi, Nendi Ahazi walasema Hezekiya, **10** nendi Hezekiya walasema Manase, nendi Manase walasema Amoni, nendi Amoni walasema Yosiya, **11** Yosiya walasema Yekoniya ne bakwabo pacindi bana Baisilayeli mpobalikumantwa busha ku Babulo. **12** Baisilayeli mpobalamantwa busha ku Babulo, Yekoniya walasema Salatiyele nendi Salatiyele walasema Zelubabele, **13** nendi Zelubabele walasema Abiyudi, Abiyudi walasema Eliyakimu nendi Eliyakimu walasema Asolo, **14** Asolo walasema Sadoki, nendi Sadoki walasema Akimu, nendi Akimu walasema Eliyudi, **15** Nendi Eliyudi walasema Eliyasala, nendi Eliyasala walasema Matani, Matani walasema Yakobo, **16** Nendi Yakobo walasema Yosefe ibendi Maliya, uyu Maliya e walasema Yesu lakwiwangeti Klistu Mupulushi Walaiwa usa. **17** Neco, kufuma pali Abulahamu kushika pali Mwami Dafeti, palikuba misemano likumi ne ina, kayi kufuma pali Mwami Dafeti kushika pacindi bana ba Isilayeli mpobalamantwa busha kuya ku Babulo, napo palikuba misemano likumi ne ina, kayi kufuma pacindi ca kumantwa busha ku Babulo kushika pacindi ca Klistu, napo palikuba misemano likumi ne ina. **18** Lino kusemwa kwa Yesu Klistu kwalenshika munshila iyi. Pacindi Maliya banyina Yesu mpobalikuba bamamikilwa kuli Yosefe. Nomba kabatana baya kumalili, Maliya walacanika ne libunda kupitila mu ngofu ya Mushimu Uswepa. **19** Yosefe walikuba muntu walulama, nkalayanda kumusebanya pantangalala, walayeya kupwisha bubambo bwa cikwati kwakubula kwishiba bantu. **20** Kaciyeya cakwinsa mungelo wa Mwami Lesa walamubonekela muciloto ne kumwambileti, “Yosefe mwanendi Dafeti kotatina kumumanta Maliya kuba mukashobe, ili libunda ndyakute ni ngofu ya Mushimu Uswepa. **21** Nakatumbuke mwana mutuloba uyo ngoshi mukatumbe lina eti Yesu, pakwinga nakapulushe bantu bakendi ku bwipishi bwabo.” **22** Ibi byalenshika kwalikuba kukwanilisha ncalamba Mwami kumushinshimi kwambeti **23** “Mulindu nakabe ne libunda ne kutumbuka mwana mutuloba uyo eti akakwiweti Emanuele, uku ekwambeti ‘Lesa uli nenjafwe’” **24** Yosefe mpwalapunduka walensa ncalamwambila mungelo wa Mwami Lesa, walamumanta Maliya kuba mukashendi. **25** Nomba nikukabeco uliya kuya nendi kumalili sobwe mpaka panyuma pakutumbuka mwana mutuloba. Yosefe walamupa Lina eti Yesu.

2 Yesu walasemenwa mu munshi wa Betelehemu mucimpansha ca Yudeya pacindi Helode mpwalikuba mwami mu cishico. Ku Yelusalemu kwalesa bantu baiya shakwenda kwa nyenyenshi balafumina kucishi ca kucwe. **2** Mpobalashika ku Yelusalemu balikabepusheti “Inga mwana ngotwanyumfweti eshakabe Mwami wa Bayuda wasemenwa kupeyo? Afwe twalubona lunyenyenshi lwatuleshanga nkwabele kalupula kucwe, neco tulesa kumukambilila.” **3** Mwami Helode ne bantu bangi balikwikala mu Yelusalemu mpobalanyufweco, balapenga mumyoyo. **4** Neco, Helode walabunganya mwabwangu bwangu, beshimilumbo bamakulene ne beshikwiyisha Milawo ya Mose ne kubepusheti, “Anu Mupulushi Walaiwa ne Lesa nakasemenwe kupeyo ayi?” **5** Balo balambeti, “Nakasemenwe mumunshi wa Betelehemu wa kucishi ca Yudeya, pakwinga tucinsheti Mabala a Lesa alambangeti,” **6** “Obe Betelehemu wa mucishi ca Yudeya, ntobe munshi ung'ana sobwe pakati pa minshi naimbi ya Bayuda. Pakwinga mutangunishi eshakembele Baisilayeli bantu ba Lesa nakakafumine kuli njobe.” **7** Mpwalanyumfweco Helode, walabakwila pambali bantu abo kwakubula bantu nabambi kwinshiba, ne kubepushisha cindi ncobalabona lunyenyenshi ulo. **8** Neco Helode walabambileti, “Kamuyani ku Betelehemu mwenga mu mulangaule cenacena mwana uyo, mwakamucana, mukese kuno mukanjishibishe kumusena nkwabele, kwambeti nenjame nkenga kumukambilila.” **9** Panyuma pakwambilwa maswi alico ne mwami, balanyamuka. Lunyenyenshi lusa ndobalabona kucwe, lwalabatangunina ne kuya kwimana mwilu pamusena

Matayos

1 Kanu waa kitaabkii abtirsiinyada Ciise Masiix, ina Daa'uud, ina Ibraahim. **2** Ibraahim wuxuu dhalay Isxaaq, Isxaaqna wuxuu dhalay Yacquub, Yacquubna wuxuu dhalay Yahuudah iyo walaalihiis, **3** Yahuudahna wuxuu Tamar ka dhalay Feres iyo Serah, Feresna wuxuu dhalay Esroom, Esroomna wuxuu dhalay Araam, **4** Araamna wuxuu dhalay Caminadaab, Caminadaabna wuxuu dhalay Naasoon, Naasoonna wuxuu dhalay Salmoon, **5** Salmoonna wuxuu Raxab ka dhalay Bocas, Bocasna wuxuu Ruud ka dhalay Coobeed, Coobeedna wuxuu dhalay Yesay, **6** Yesayna wuxuu dhalay boqor Daa'uud. Daa'uudna wuxuu naagtii Uuriyaah qabi jiray ka dhalay Sulaymaan, **7** Sulaymaanna wuxuu dhalay Rexabcaam, Rexabcaamna wuxuu dhalay Abyaah, Abyaahna wuxuu dhalay Aasaa, **8** Aasana wuxuu dhalay Yoosafaad, Yoosafaadna wuxuu dhalay Yooraam, Yooraamna wuxuu dhalay Cusyaah, **9** Cusyaahna wuxuu dhalay Yootam, Yootamna wuxuu dhalay Axaas, Axaasna wuxuu dhalay Xisqiyaah, **10** Xisqiyaahna wuxuu dhalay Manaseh, Manasehna wuxuu dhalay Aamoon, Aamoonna wuxuu dhalay Yoosiyaah, **11** Yoosiyaahna wuxuu dhalay Yekonyaah iyo walaalihiis waagii Baabuloon loo kaxeeyey. **12** Goortii Baabuloon loo kaxeeyey dabadeed, Yekonyaah wuxuu dhalay Salaatii'eel, Salaatii'eelna wuxuu dhalay Serubaabel, **13** Serubaabelna wuxuu dhalay Abihuud, Abihuudna wuxuu dhalay Eliyaaqiim, Eliyaaqiimna wuxuu dhalay Asoor, **14** Asoorna wuxuu dhalay Saadooq, Saadooqna wuxuu dhalay Akhiim, Akhiimna wuxuu dhalay Eliyuud, **15** Eliyuudna wuxuu dhalay Elecaasaar, Elecaasaarna wuxuu dhalay Mataan, Mataanna wuxuu dhalay Yacquub, **16** Yacquubna wuxuu dhalay Yuusuf oo ahaa ninkii Maryan, tii Ciise, kan Masiix la yidhaahdo, ka dhashay. **17** Haddaba abtirsiinyada oo dhan oo Ibraahim ilaa Daa'uud waa afar iyo toban oday, Daa'uud ilaa waagii Baabuloon loo kaxeeyeyna waa afar iyo toban oday, waagii Baabuloon loo kaxeeyey ilaa Masiixana waa afar iyo toban oday. **18** Dhalashadii Ciise Masiix sidanay ahayd. Kolkii hooyadiis Maryan u doonanayd Yuusuf, intaanay isu iman, waxaa la arkay iyadoo Ruuxa Quduuskaa ka uuraysatay. **19** Ninkeedii Yuusuf wuxuu ahaa nin xaq ah oo aan doonayn inuu dadka tuso, wuxuuse doonayay inuu si qarsoon u eryo. **20** Laakiin intuu waxan ka fiirsanayay ayaa malaa'igtii Rabbigu riyo ugu muuqatay, iyadoo leh, Yuusuf ina Daa'uudow, ha ka baqin inaad naagtaada Maryan qaadatid, waayo, waxa ay uuraysatay ayaa Ruuxa Quduuskaa ka yimid. **21** Oo waxay umuli doontaa wiil, magiciisana waxaad u bixin doontaa Ciise, waayo, dadkiisa ayuu dembiyadooda ka badbaadin doonaa. **22** Waxaas oo dhan waxay u dhaceen in la arko wixii Rabbigu kaga dhex hadlay nebiga, isagoo leh, **23** Gabadh bikrad ah baa uuraysan doonta oo wiil umuli doonta, Magiciisana waxaa loo bixin doonaa, Cimmaanuu'eel; kan micnihiisu yahay, Ilaah baa inala jooga. **24** Markaasaa Yuusuf hurdadii ka kacay oo yeelay sidii malaa'igtii Rabbigu ku amartay, oo naagtiisii ayuu qaatay; **25** uma uuse tegin iyada ilaa ay wiil umushay, oo wuxuu magiciisa u baxshay Ciise.

2 Goortii Ciise ku dhashay Beytlaxamtii Yahuudiya, waagii Herodos boqorkii ahaa, waxaa Yeruusaalem bari kaga yimid niman xigmad leh iyagoo leh, **2** Xaggee buu joogaa boqorka Yuhuudda ee dhashay? Waayo, bari ayaannu xiddigtiisii ka aragnay, oo waxaannu u nimid inaannu caabudno. **3** Goortuu boqor Herodos waxan maqlay, ayuu welwelay, isaga iyo reer Yeruusaalem oo dhan. **4** Oo intuu isu ururiyey wadaaddadii sare iyo culimmadii dadka oo dhan, ayuu weyddiiyey meeshii Masiixu ku dhalan lahaa. **5** Oo waxay ku yidhaahdeen, Beytlaxamtii Yahuudiya, waayo, sidaasaa nebigii u qoray, **6** Adigu Beytlaxam, oo dhulka Yahuudah ahay, Kuma aad yaridba caaqillada Yahuudah dhexdooda, Waayo, waxaa adiga kaa soo bixi doona taliye, Kan dadkayga Israa'iil u talin doona. **7** Markaasuu Herodos nimankii xigmadda lahaa hoos ahaan ugu yeedhay, oo ka hubsaday goortay xiddigtu u muuqatay. **8** Kolkaasuu Beytlaxam cid u diray oo ku yidhi, Taga oo ilmaha aad u doondoona, oo goortaad heshaan i soo ogeysiiya si aan anna ugu tago oo u caabudo. **9** Goortay boqorkii maqleen ayay tageen, oo xiddigtii ay bari ka arkeen ayaa hor kacday ilaa ay timid oo ay kor joogsatay meeshii ilmuhu joogay, **10** oo goortay xiddigtii arkeen ayay farxad aad u weyn ku farxeen. **11** Markaasay gurigii galeen oo waxay arkeen ilmihii iyo Maryan hooyadiis, wayna dhaceen oo caabudeen isaga, oo intay khasnadahoodii fureen waxay isaga u dhiibeen hadiyado dahab iyo beeyo iyo malmal ah. **12** Markaasaa riyo loogu digay inaanay Herodos ku noqon, oo dhulkoodii ayay jid kale u mareen. **13** Goortay ka tageen, malaa'igtii Rabbiga ayaa Yuusuf riyo ugu muuqatay, iyadoo leh, Kac oo kaxee ilmaha iyo hooyadiis, oo Masar u carar oo halkaas joog ilaa aan kuu soo sheego, waayo, Herodos ayaa ilmaha dooni doona inuu dilo. **14** Wakhti habeen ah ayuu kacay, oo ilmihii iyo hooyadiis kaxeeyey, oo Masar tegey, **15** oo halkaasuu joogay ilaa dhimashadii Herodos, inay noqoto wixii Rabbigu kaga dhex hadlay nebiga, isagoo leh, Wiilkayga ayaan Masar uga yeedhay. **16** Goortuu Herodos arkay inay nimankii xigmadda lahaa ku cayaareen isagii, ayuu aad u cadhooday, oo cid buu u diray oo laayay wiilashii yaryaraa oo dhan, kuwii laba sannadood jiray iyo kuwii ka yaraa oo joogay Beytlaxam iyo meelaha u dhow oo dhan, sida wakhtigii uu nimankii xigmadda lahaa ka hubsaday. **17** Markaas waxaa noqotay wixii nebi Yeremyaah lagaga dhex hadlay, isagoo leh, **18** Cod baa Raamaah laga maqlay, Oohin iyo baroor weyn, Raaxeel oo u ooyaysa carruurteeda, Oo aan doonaynin in la qalbi qabowjiyo, waayo, ma ay joogin. **19** Laakiin goortuu Herodos dhintay, malaa'igtii Rabbiga ayaa riyo ugu muuqatay Yuusuf oo Masar jooga, iyadoo leh, **20** Kac oo kaxee ilmaha iyo hooyadiis, oo dhulka Israa'iil tag, waayo, kuwii ilmaha naftiisa doonayay waa dhinteen. **21** Markaasuu kacay oo kaxeeyey ilmihii iyo hooyadiis, oo dalkii Israa'iil tegey. **22** Laakiin goortuu maqlay in Arkhela'os meeshii aabbihiis Herodos Yahuudiya xukumayo, wuu ka baqay inuu halkaas tago. Markaase Ilaah baa riyo ugu digay, oo uu dhinacyada Galili ku leexday. **23** Wuxuuna yimid oo degay magaalada Naasared la odhan jiray si ay u noqoto wixii nebiyada lagaga hadlay, Waxaa loogu yeedhayaa Naasaraani.

San Mateo

1 Genealogía de Jesucristo, hijo de David, hijo de Abrahán: **2** Abrahán engendró a Isaac; Isaac engendró a Jacob; Jacob engendró a Judá y a sus hermanos; **3** Judá engendró a Farés y a Zara, de Tamar; Farés engendró a Esrom; Esrom engendró a Aram; **4** Aram engendró a Aminadab; Aminadab engendró a Naasón; Naasón engendró a Salmón; **5** Salmón engendró a Booz, de Racab; Booz engendró a Obed, de Rut; Obed engendró a Jesé; **6** Jesé engendró al rey David; David engendró a Salomón, de aquella (que había sido mujer) de Urías; **7** Salomón engendró a Roboam; Roboam engendró a Abía; Abía engendró a Asaf; **8** Asaf engendró a Josafat; Josafat engendró a Joram; Joram engendró a Ozías; **9** Ozías engendró a Joatam; Joatam engendró a Acaz; Acaz engendró a Ezequías; **10** Ezequías engendró a Manasés; Manasés engendró a Amón; Amón engendró a Josías; **11** Josías engendró a Jeconías y a sus hermanos, por el tiempo de la deportación a Babilonia. **12** Después de la deportación a Babilonia, Jeconías engendró a Salatiel; Salatiel engendró a Zorobabel; **13** Zorobabel engendró a Abiud; Abiud engendró a Eliaquim; Eliaquim engendró a Azor; **14** Azor engendró a Sadoc; Sadoc engendró a Aquim; Aquim engendró a Eliud; **15** Eliud engendró a Eleazar; Eleazar engendró a Matán; Matán engendró a Jacob; **16** Jacob engendró a José, el esposo de María, de la cual nació Jesús, el llamado Cristo. **17** Así que todas las generaciones son: desde Abrahán hasta David, catorce generaciones; desde David hasta la deportación a Babilonia, catorce generaciones; desde la deportación a Babilonia hasta Cristo, catorce generaciones. **18** La generación de Jesucristo fue como sigue: Desposada su madre María con José, se halló antes de vivir juntos ellos, que había concebido del Espíritu Santo. **19** José, su esposo, como era justo y no quería delatarla, se proponía despedirla en secreto. **20** Mas mientras andaba con este pensamiento, he aquí que un ángel del Señor se le apareció en sueños y le dijo: "José, hijo de David, no temas recibir a María tu esposa, porque su concepción es del Espíritu Santo. **21** Dará a luz un hijo, y le pondrás por nombre Jesús (Salvador), porque Él salvará a su pueblo de sus pecados". **22** Todo esto sucedió para que se cumpliese la palabra que había dicho el Señor por el profeta: **23** Ved ahí que la virgen concebirá y dará a luz un hijo, y le pondrán el nombre de Emmanuel, que se traduce: "Dios con nosotros". **24** Cuando despertó del sueño, hizo José como el ángel del Señor le había mandado, y recibió a su esposa. **25** Y sin que la conociera, dio ella a luz un hijo y le puso por nombre Jesús.

2 Cuando hubo nacido Jesús en Betlehem de Judea, en tiempo del rey Herodes, unos magos del Oriente llegaron a Jerusalén, **2** y preguntaron: "¿Dónde está el rey de los judíos que ha nacido? Porque hemos visto su estrella en el Oriente y venimos a adorarlo". **3** Oyendo esto, el rey Herodes se turbó y con él toda Jerusalén. **4** Y convocando a todos los principales sacerdotes y a los escribas del pueblo, se informó de ellos dónde debía nacer el Cristo. **5** Ellos le dijeron: "En Betlehem de Judea, porque así está escrito por el profeta: **6** Y tú Betlehem (del) país de Judá, no eres de ninguna manera la menor entre las principales (ciudades) de Judá, porque de ti saldrá el caudillo que apacentará a Israel mi pueblo". **7** Entonces Herodes llamó en secreto a los magos y se informó exactamente de ellos acerca del tiempo en que la estrella había aparecido. **8** Después los envió a Betlehem diciéndoles: "Id y buscad cuidadosamente al niño; y cuando lo hayáis encontrado, hacédmelo saber, para que vaya yo también a adorarlo". **9** Con estas palabras del rey, se pusieron en marcha, y he aquí que la estrella, que habían visto en el Oriente, iba delante de ellos, hasta que llegando se detuvo encima del lugar donde estaba el niño. **10** Al ver de nuevo la estrella experimentaron un gozo muy grande. **11** Entraron en la casa y vieron al niño con María su madre. Entonces, prosternándose lo adoraron; luego abrieron sus tesoros y le ofrecieron sus dones: oro, incienso y mirra. **12** Y, avisados en sueños que no volvieran a Herodes, regresaron a su país por otro camino. **13** Luego que partieron, un ángel del Señor se apareció en sueños a José y le dijo: "Levántate, toma contigo al niño y a su madre y huye a Egipto, donde permanecerás, hasta que yo te avise. Porque Herodes va a buscar al niño para matarlo." **14** Y él se levantó, tomó al niño y a su madre, de noche, y salió para Egipto, **15** y se quedó allí hasta la muerte de Herodes; para que se cumpliera lo que había dicho el Señor por el profeta: "De Egipto llamé a mi hijo." **16** Entonces Herodes, viendo que los magos lo habían burlado, se enfureció sobremanera, y mandó matar a todos los niños de Betlehem y de toda su comarca, de la edad de dos años para abajo, según el tiempo que había averiguado de los magos. **17** Entonces se cumplió la palabra dicha por el profeta Jeremías: **18** "Un clamor se hizo oír en Rama, llanto y alarido grande: Raquel llora a sus hijos y rehúsa todo consuelo, porque ellos no están más". **19** Muerto Herodes, un ángel del Señor se apareció en sueños a José en Egipto y le dijo: **20** "Levántate, toma contigo al niño y a su madre y vuelve a la tierra de Israel, porque han muerto los que buscaban la vida del niño". **21** Él se levantó, tomó consigo al niño y a su madre y entró en tierra de Israel. **22** Pero oyendo que Arquelao reinaba en Judea en el

San Mateo

1 Este libro es el registro de Jesús el Mesías, Hijo de David, Hijo de Abraham, comenzando con el linaje de su familia: **2** Abraham fue el padre de Isaac; e Isaac el padre de Jacob; y Jacob el padre de Judá y de sus hermanos; **3** y Judá fue el Padre de Fares y Zarah (su madre fue Tamar); y Fares fue el padre de Esrom; y Esrom el padre de Ram; **4** y Ram fue el padre de Aminadab; y Aminadab el padre de Nasón; y Nasón el padre de Salmón; **5** y Salmón el padre de Booz (su madre fue Rahab); y Booz el padre de Obed (su madre fue Rut); y Obed el padre de Isaí; **6** e Isaí el padre del Rey David. David fue el padre de Salomón (su madre había sido la esposa de Urías); **7** y Salomón el padre de Roboam; y Roboam el padre de Abías; y Abías el padre de Asa; **8** y Asa fue el padre de Josafat; y Josafat el padre de Joram; y Joram el padre de Uzías; **9** y Uzías fue el padre de Jotam; y Jotam el padre de Acaz; y Acaz el padre de Ezequías; **10** y Ezequías el padre de Manasés; y Manasés el padre de Amón; y Amón el padre de Josías; **11** y Josías el padre de Joaquín y de sus hermanos, durante el tiempo del exilio a Babilonia. **12** Después del exilio a Babilonia, Joacím fue el padre de Salatiel; y Salatiel el padre de Zorobabel; **13** y Zorobabel el padre de Abiud; y Abiud fue el padre de Eliaquim; y Eliaquim el padre de Azor; **14** y Azor el padre de Sadoc; y Sadoc el padre de Aquim; y Aquim el padre de Eliud; **15** y Eliud fue el padre de Eleazar; y Eleazar el padre de Matán; y Matán el padre de Jacob; **16** y Jacob fue el padre de José, quien fue el esposo de María, de quien nació Jesus, el que es llamado el Mesías. **17** Así que todas las generaciones desde Abraham hasta David suman catorce; desde David hasta el exilio de babilonia, catorce; y desde el exilio de Babilonia hasta el Mesías, catorce. **18** Así fue como ocurrió el nacimiento de Jesús el Mesías: su madre, María, estaba comprometida con José, pero antes de que durmieran juntos ella quedó embarazada por obra del Espíritu Santo. **19** José, su prometido, era un buen hombre y no quería avergonzarla públicamente, de modo que decidió romper el compromiso de manera discreta. **20** Mientras José pensaba en todo esto, un ángel del Señor se le apareció en un sueño y le dijo: "José, hijo de David, no temas casarte con María porque ella está embarazada por obra del Espíritu Santo. **21** Ella tendrá un hijo y tú le llamarás Jesús, porque él salvará a su pueblo de sus pecados". **22** Y todo esto ocurrió para cumplir lo que el Señor dijo a través del profeta: **23** "Una virgen quedará embarazada y tendrá un hijo. Y le llamarán Emanuel", que significa "Dios con nosotros". **24** José se despertó e hizo lo que el ángel del Señor le dijo que hiciera. **25** José se casó con María, pero no durmió con ella hasta después que tuvo un hijo, a quien llamó Jesús.

2 Después de que Jesús nació en Belén de Judea, durante el reinado del rey Herodes, unos hombres sabios vinieron desde el oriente hasta Jerusalén. **2** "¿Dónde está el Rey de los judíos que ha nacido?" preguntaron. "Vimos su estrella en el oriente y hemos venido a adorarlo". **3** Cuando el rey Herodes escuchó esto, se preocupó mucho, y toda Jerusalén con él. **4** Entonces Herodes llamó a todos los jefes de los sacerdotes y a los maestros religiosos del pueblo, y les preguntó dónde se suponía que nacería el Mesías. **5** "En Belén de Judea", le dijeron ellos, "pues eso fue lo que escribió el profeta: **6** 'y tu, Belén, en la tierra de Judea, no eres la menor entre las ciudades reinantes de Judea, porque de ti saldrá un gobernante que será el pastor de mi pueblo Israel'". **7** Entonces Herodes llamó a los sabios y se reunió con ellos en privado, y logró saber por medio de ellos el momento exacto en que había aparecido la estrella. **8** Los envió a Belén, diciéndoles: "cuando lleguen allí, busquen al niño, y cuando lo encuentren, háganmelo saber para yo ir a adorarlo también". **9** Después que los sabios escucharon lo que el rey iba a decirles, siguieron su camino, y la estrella que habían visto en el oriente los guió hasta que se detuvo justo sobre el lugar donde estaba el niño. **10** Cuando los sabios vieron la estrella, no pudieron contener la felicidad. **11** Entraron a la casa y vieron al niño con María, su madre. Se arrodillaron y lo adoraron. Entonces abrieron sus bolsas de tesoros y le obsequiaron regalos de oro, incienso y mirra. **12** Advertidos por un sueño de no regresar ante Herodes, se marcharon a su país tomando otro camino. **13** Después que se fueron los sabios, un ángel del Señor se le apareció a José en un sueño, y le dijo: "Levántate, toma al niño y a su madre, y huyan a Egipto. Quédense allí hasta que yo se los diga, porque Herodes va a buscar al niño para matarlo". **14** Entonces José se levantó y tomó al niño y a su madre, y partió hacia Egipto en medio de la noche. **15** Permanecieron allí hasta que Herodes murió. Esto cumplió lo que el Señor dijo a través del profeta: "De Egipto llamé a mi hijo". **16** Cuando Herodes se dio cuenta que había sido engañado por los sabios, se enojó mucho. Entonces envió hombres para que matasen a todos los niños de Belén y de las regiones cercanas que tuvieran menos de dos años de edad. Esto se basaba en el marco de tiempo que escuchó de los sabios. **17** Así se cumplió la profecía del profeta Jeremías: **18** "En Ramá se oyó una voz, llanto y gran lamento. Raquel llora por sus hijos, se niega a que la consuelen, porque están muertos". **19** Después que Herodes murió, el ángel del Señor se le apareció en un sueño a José en Egipto, y le dijo: **20** "¡Levántate! Toma al niño y a su madre y regresa a la tierra de Israel, porque los que trataban de matar al niño están muertos". **21** Entonces José se levantó y tomó al niño y a su madre, y regresó a

San Mateo

1 El libro de la genealogía de Jesucristo, hijo de David, hijo de Abraham. **2** Abraham fue el padre de Isaac. Isaac fue el padre de Jacob. Jacob fue el padre de Judá y sus hermanos. **3** Judá fue el padre de Fares y Zara por Tamar. Fares fue el padre de Esrom. Esrom fue el padre de Aram. **4** Aram fue el padre de Aminadab. Aminadab fue el padre de Naasón. Naasón fue el padre de Salmón. **5** Salmón fue el padre de Booz, de Rahab. Booz fue el padre de Obed por Rut. Obed fue el padre de Isaí. **6** Isaí fue el padre del rey David. El rey David fue padre de Salomón por la que había sido esposa de Urías. **7** Salomón fue padre de Roboam. Roboam fue padre de Abías. Abías fue el padre de Asa. **8** Asa fue el padre de Josafat. Josafat fue el padre de Joram. Joram fue el padre de Uzías. **9** Uzías fue el padre de Jotam. Jotam fue el padre de Acaz. Acaz fue el padre de Ezequías. **10** Ezequías fue padre de Manasés. Manasés fue el padre de Amón. Amón fue el padre de Josías. **11** Josías fue el padre de Jechoniah y sus hermanos en el momento del exilio a Babilonia. **12** Después del exilio a Babilonia, Jechoniah fue el padre de Salatiel. Salatiel fue el padre de Zorobabel. **13** Zorobabel fue el padre de Abiud. Abiud fue el padre de Eliaquim. Eliaquim fue el padre de Azor. **14** Azor fue el padre de Sadoc. Sadoc fue el padre de Aquim. Aquim fue el padre de Eliud. **15** Eliud fue el padre de Eleazar. Eleazar fue el padre de Matán. Matán fue el padre de Jacob. **16** Jacob fue el padre de José, el esposo de María, de quien nació Jesús, llamado Cristo. **17** Así que todas las generaciones desde Abraham hasta David son catorce generaciones; desde David hasta el exilio a Babilonia, catorce generaciones; y desde el exilio a Babilonia hasta el Cristo, catorce generaciones. **18** El nacimiento de Jesucristo fue así: Después de que su madre, María, se comprometiera con José, antes de que se juntasen, fue hallada embarazada por el Espíritu Santo. **19** José, su marido, siendo un hombre justo, y no queriendo hacer de ella un ejemplo público, pensaba repudiarla en secreto. **20** Pero cuando pensaba en estas cosas, he aquí que un ángel del Señor se le apareció en sueños, diciendo: "José, hijo de David, no temas recibir a María como esposa, porque lo que ha sido concebido en ella es del Espíritu Santo. **21** Ella dará a luz un hijo. Le pondrás el nombre de Jesús, porque es él quien salvará a su pueblo de sus pecados". **22** Todo esto ha sucedido para que se cumpla lo dicho por el Señor por medio del profeta, que dijo **23** "He aquí que la virgen quedará encinta, y dará a luz un hijo. Llamarán su nombre Emanuel". que es, interpretado, "Dios con nosotros". **24** José se levantó de su sueño e hizo lo que el ángel del Señor le había ordenado, y tomó a su mujer para sí; **25** y no la conoció sexualmente hasta que dio a luz a su hijo primogénito. Le puso el nombre de Jesús.

2 Cuando Jesús nació en Belén de Judea, en tiempos del rey Herodes, vinieron a Jerusalén unos sabios del Oriente, diciendo: **2** "¿Dónde está el que ha nacido como Rey de los judíos? Porque hemos visto su estrella en el oriente y hemos venido a adorarle". **3** Al oírlo, el rey Herodes se turbó, y toda Jerusalén con él. **4** Reuniendo a todos los jefes de los sacerdotes y a los escribas del pueblo, les preguntó dónde iba a nacer el Cristo. **5** Ellos le respondieron: "En Belén de Judea, porque así está escrito por el profeta, **6** 'Tú Belén, tierra de Judá, no eres en absoluto el menos importante entre los príncipes de Judá; porque de ti saldrá un gobernador que pastoreará a mi pueblo, Israel". **7** Entonces Herodes llamó en secreto a los sabios y se enteró por ellos de la hora exacta en que apareció la estrella. **8** Los envió a Belén y les dijo: "Id y buscad diligentemente al niño. Cuando lo hayáis encontrado, traedme la noticia, para que yo también vaya a adorarlo". **9** Ellos, habiendo oído al rey, se pusieron en camino; y he aquí que la estrella que habían visto en el oriente, iba delante de ellos hasta que llegó y se paró sobre donde estaba el niño. **10** Al ver la estrella, se alegraron mucho. **11** Entraron en la casa y vieron al niño con María, su madre, y se postraron y lo adoraron. Abriendo sus tesoros, le ofrecieron regalos: oro, incienso y mirra. **12** Al ser advertidos en sueños de que no debían volver a Herodes, regresaron a su país por otro camino. **13** Cuando se fueron, he aquí que un ángel del Señor se le apareció a José en sueños, diciendo: "Levántate y toma al niño y a su madre, y huye a Egipto, y quédate allí hasta que yo te diga, porque Herodes buscará al niño para destruirlo." **14** Se levantó, tomó al niño y a su madre de noche y se marchó a Egipto, **15** y estuvo allí hasta la muerte de Herodes, para que se cumpliera lo que había dicho el Señor por medio del profeta: "De Egipto llamé a mi hijo." **16** Entonces Herodes, cuando se vio burlado por los sabios, se enojó mucho y mandó matar a todos los niños varones que había en Belén y en toda la campiña de los alrededores, de dos años para abajo, según el tiempo exacto que había aprendido de los sabios. **17** Entonces se cumplió lo dicho por el profeta Jeremías, que dijo **18** "Se oyó una voz en Ramá, lamento, llanto y gran luto, Raquel llorando por sus hijos; no se consolaría, porque ya no existen". **19** Pero cuando Herodes murió, he aquí que un ángel del Señor se le apareció en sueños a José

San Mateo

1 Libro de la genealogía de Jesucristo, Hijo de
David, hijo de Abraham: **2** Abraham engendró
a Isaac, Isaac engendró a Jacob, Jacob engendró
a Judá y a sus hermanos, **3** Judá engendró de
Tamar a Fares y a Zara, Fares engendró a Esrom,
y Esrom engendró a Aram, **4** Aram engendró a
Aminadab, Aminadab engendró a Naasón, Naasón
engendró a Salmón, **5** Salmón engendró de Rahab
a Booz, Booz engendró de Rut a Obed, Obed
engendró a Isaí, **6** Isaí engendró al rey David, de
la [que fue esposa] de Urías. David engendró a
Salomón, **7** Salomón engendró a Roboam, Roboam
engendró a Abías, Abías engendró a Asa, **8** Asa
engendró a Josafat, Josafat engendró a Joram,
Joram engendró a Uzías, **9** Uzías engendró a
Jotam, Jotam engendró a Acaz, Acaz engendró a
Ezequías, **10** Ezequías engendró a Manasés, Manasés
engendró a Amón, Amón engendró a Josías, **11**
y Josías engendró a Jeconías y a sus hermanos
en el tiempo de la deportación babilónica. **12**
Después de la deportación babilónica, Jeconías
engendró a Salatiel, Salatiel engendró a Zorobabel,
13 Zorobabel engendró a Abiud, Abiud engendró
a Eliaquim, Eliaquim engendró a Azor, **14** Azor
engendró a Sadoc, Sadoc engendró a Aquim, Aquim
engendró a Eliud, **15** Eliud engendró a Eleazar,
Eleazar engendró a Matán, Matán engendró a
Jacob, **16** y Jacob engendró a José, el esposo de
María, de quién nació Jesús, el llamado Cristo. **17** De
manera que todas las generaciones desde Abraham
hasta David son 14 generaciones. Desde David
hasta la deportación babilónica, 14 generaciones,
y desde la deportación babilónica hasta Cristo,
14 generaciones. **18** Ahora bien, el nacimiento
de Jesucristo fue así: Estaba su madre María
comprometida con José, y antes de unirse fue
hallada embarazada del Espíritu Santo. **19** José su
esposo, quien era justo y no quería denunciarla,
estuvo dispuesto a repudiarla en secreto. **20** Al
pensar él en esto, súbitamente un ángel del Señor
se le apareció en un sueño y le dijo: José, hijo de
David, no temas recibir a María tu esposa, porque
lo engendrado en ella es del Espíritu Santo. **21**
Dará a luz un Hijo, y lo llamarás Jesús, porque
Él salvará a su pueblo de sus pecados. **22** Todo
esto sucedió para que se cumpliera lo dicho por
el Señor por medio del profeta, quien dijo: **23**
Ciertamente, la virgen quedará embarazada y dará
a luz un Hijo, y lo llamarán Emanuel, que significa:
Dios con nosotros. **24** José se levantó del sueño,
hizo como el ángel del Señor le mandó y recibió a
su esposa, **25** pero no cohabitó con ella hasta que
dio a luz un Hijo, y lo llamó Jesús.

2 Cuando nació Jesús en Belén de Judea en días del
rey Herodes, unos magos del oriente llegaron a
Jerusalén **2** y preguntaron: ¿Dónde está el Rey de
los judíos que nació? Porque vimos su estrella en
el oriente y vinimos a adorarlo. **3** Pero cuando el
rey Herodes oyó [esto] se turbó, y también toda
Jerusalén. **4** Convocó a los principales sacerdotes y
escribas del pueblo, y les preguntaba dónde iba a
nacer el Cristo. **5** Y ellos le respondieron: En Belén
de Judea, porque así está escrito por el profeta: **6**
Y tú, Belén, tierra de Judá, de ningún modo eres la
más pequeña entre los líderes de Judá, porque de
ti saldrá un Caudillo que apacentará a mi pueblo
Israel. **7** Entonces Herodes llamó en secreto a
los magos y les indagó diligentemente cuándo
apareció la estrella. **8** Los envió a Belén y [les] dijo:
Vayan, infórmense diligentemente con respecto al
Niño, y tan pronto como lo encuentren, avísenme
para que yo también vaya y lo adore. **9** Oyeron al
rey y salieron. Descubrieron que la estrella que
habían visto en el oriente iba delante de ellos y se
detuvo donde estaba el Niño. **10** Cuando vieron la
estrella se regocijaron muchísimo. **11** Al entrar
en la casa, vieron al Niño con su madre María, se
postraron y lo adoraron. Abrieron sus tesoros y
le ofrecieron regalos: oro, incienso y mirra. **12**
Se les advirtió en un sueño que no volvieran a
Herodes y regresaron a su tierra por otro camino.
13 Cuando ellos regresaron, un ángel del Señor
apareció súbitamente en un sueño a José y le
dijo: Levántate, toma al Niño y a su madre y huye
a Egipto. Permanece allá hasta que yo te diga,
porque Herodes buscará al Niño para matarlo.
14 Y él se levantó de noche, tomó al Niño y a
su madre y se fue a Egipto. **15** Permaneció allá
hasta la muerte de Herodes, para que se cumpliera
lo dicho por el Señor, por medio del profeta: De
Egipto llamé a mi Hijo. **16** Herodes, al ver que los
magos se burlaron de él, se enfureció muchísimo.
Envió soldados a matar a todos los niños menores
de dos años en Belén y sus alrededores, según el
tiempo que indagó de los magos. **17** Entonces se
cumplió lo dicho por el profeta Jeremías: **18** Una
voz fue oída en Ramá, llanto y gran lamentación:
Raquel que llora por sus hijos, y no quería ser
consolada, porque ya no existen. **19** Pero después
de la muerte de Herodes, súbitamente un ángel
del Señor apareció en un sueño a José en Egipto
20 y le dijo: Levántate, toma al Niño y a su madre,
y vé a tierra de Israel, porque murieron los que
buscaban la vida del Niño. **21** Se levantó, tomó al
Niño y a su madre, y entró en tierra de Israel. **22**

San Mateo

1 Libro de la generación de Jesu Cristo, hijo de David, hijo de Abraham. **2** Abraham engendró a Isaac; e Isaac engendró a Jacob; y Jacob engendró a Júdas, y a sus hermanos; **3** Y Júdas engendró de Tamar a Fares y a Zara; y Fares engendró a Esrom; y Esrom engendró a Aram; **4** Y Aram engendró a Aminadab; y Aminadab engendró a Naasón; y Naasón engendró a Salmón; **5** Y Salmón engendró de Raab a Booz; y Booz engendró de Rut a Obed; y Obed engendró a Jessé; **6** Y Jessé engendró al rey David; y el rey David engendró a Salomón de la que fue mujer de Urías; **7** Y Salomón engendró a Roboam; y Roboam engendró a Abia; y Abia engendró a Asa; **8** Y Asa engendró a Josafat; y Josafat engendró a Joram; y Joram engendró a Ozías; **9** Y Ozías engendró a Joatam; y Joatam engendró a Acaz; y Acaz engendró a Ezequías; **10** Y Ezequías engendró a Manasés; y Manasés engendró a Amón; y Amón engendró a Josías; **11** Y Josías engendró [a Joacim; y Joacim engendró] a Jeconías y a sus hermanos, en la transmigración de Babilonia; **12** Y después de la transmigración de Babilonia, Jeconías engendró a Salatiel; y Salatiel engendró a Zorobabel; **13** Y Zorobabel engendró a Abiud; y Abiud engendró a Eliacim; y Eliacim engendró a Azor; **14** Y Azor engendró a Sadoc; y Sadoc engendró a Akim; y Akim engendró a Eliud; **15** Y Eliud engendró a Eleazar; y Eleazar engendró a Matan; y Matan engendró a Jacob; **16** Y Jacob engendró a José marido de María, de la cual nació Jesús, el cual es llamado el Cristo. **17** De manera que todas las generaciones desde Abraham hasta David, son catorce generaciones; y desde David hasta la transmigración de Babilonia, catorce generaciones; y desde la transmigración de Babilonia hasta Cristo, catorce generaciones. **18** Y el nacimiento de Jesu Cristo fue así: Que estando María su madre desposada con José, antes que hubiesen estado juntos, se halló haber concebido del Espíritu Santo. **19** Y José su marido, como era justo, y no quisiese exponerla a la infamia, quiso dejarla secretamente. **20** Y pensando él en esto, he aquí, que el ángel del Señor le aparece en sueños, diciendo: José, hijo de David, no temas de recibir a María tu mujer; porque lo que en ella es engendrado, del Espíritu Santo es. **21** Y parirá un hijo, y llamarás su nombre Jesús: porque él salvará a su pueblo de sus pecados. **22** Todo esto aconteció para que se cumpliese lo que había hablado el Señor por el profeta, que dijo: **23** He aquí, una virgen concebirá, y parirá un hijo, y llamarán su nombre Emmanuel, que interpretado quiere decir: Dios con nosotros. **24** Y despertado José del sueño; hizo como el ángel del Señor le había mandado, y recibió a su mujer. **25** Y no la conoció hasta que parió a su Hijo primogénito; y llamó su nombre Jesús.

2 Y como fue nacido Jesús en Belén de Judea en días del rey Heródes, he aquí, que Magos vinieron del oriente a Jerusalem, **2** Diciendo: ¿Dónde está el rey de los Judíos, que ha nacido? Porque su estrella hemos visto en el oriente, y venimos a adorarle. **3** Y oyendo esto el rey Heródes se turbó, y toda Jerusalem con él. **4** Y convocados todos los príncipes de los sacerdotes, y los escribas del pueblo, les preguntó donde había de nacer el Cristo. **5** Y ellos le dijeron: En Belén de Judea; porque así está escrito por el profeta: **6** Y tú, Belén, tierra de Judá, no eres muy pequeña entre los príncipes de Judá; porque de ti saldrá el Caudillo, que apacentará a mi pueblo Israel. **7** Entonces Heródes, llamados los Magos en secreto, entendió de ellos diligentemente el tiempo del aparecimiento de la estrella. **8** Y enviándoles a Belén, dijo: Andád allá, y preguntád con diligencia por el niño; y después que le hallareis, hacédme lo saber, para que yo venga y le adore. **9** Y ellos, habiendo oído al rey, se fueron; y he aquí, que la estrella, que habían visto en el oriente, iba delante de ellos, hasta que llegando, se puso sobre donde estaba el niño. **10** Y vista la estrella, se regocijaron mucho de gran gozo. **11** Y entrando en la casa, hallaron al niño con su madre María, y postrándose, le adoraron, y abriendo sus tesoros, le ofrecieron dones, oro, e incienso, y mirra. **12** Y siendo avisados por revelación en sueños, que no volviesen a Heródes, se volvieron a su tierra por otro camino. **13** Y partidos ellos, he aquí, el ángel del Señor aparece en sueños a José, diciendo: Levántate, y toma al niño, y a su madre, y huye a Egipto, y estáte allá, hasta que yo te lo diga; porque ha de acontecer que Heródes buscará al niño para matarle. **14** Y levantándose él, tomó al niño y a su madre de noche, y se fue a Egipto; **15** Y estuvo allá hasta la muerte de Heródes, para que se cumpliese lo que había hablado el Señor por el profeta, que dijo: De Egipto llamé a mi Hijo. **16** Heródes entonces, como se vio burlado de los Magos, se enojó mucho; y envió, y mató todos los niños que había en Belén, y en todos sus términos, de edad de dos años abajo, conforme al tiempo que había entendido de los Magos. **17** Entonces se cumplió lo que fue dicho por el profeta Jeremías, que dijo: **18** Voz fue oída en Rama, lamentación, y lloro, y gemido grande: Raquel que llora sus hijos, y no quiso ser consolada, porque perecieron. **19** Mas muerto Heródes, he aquí, el ángel del Señor aparece en sueños a José en Egipto, **20** Diciendo: Levántate, y toma al niño, y a su madre, y vete a tierra de Israel; que muertos son los que procuraban la

San Mateo

1 LIBRO de la generación de Jesucristo, hijo de David, hijo de Abraham. **2** Abraham engendró á Isaac: é Isaac engendró á Jacob: y Jacob engendró á Judas y á sus hermanos: **3** Y Judas engendró de Thamar á Phares y á Zara: y Phares engendró á Esrom: y Esrom engendró á Aram: **4** Y Aram engendró á Aminadab: y Aminadab engendró á Naassón: y Naassón engendró á Salmón: **5** Y Salmón engendró de Rachâb á Booz, y Booz engendró de Ruth á Obed: y Obed engendró á Jessé: **6** Y Jessé engendró al rey David: y el rey David engendró á Salomón de la [que fué mujer] de Urías: **7** Y Salomón engendró á Roboam: y Roboam engendró á Abía: y Abía engendró á Asa: **8** Y Asa engendró á Josaphat: y Josaphat engendró á Joram: y Joram engendró á Ozías: **9** Y Ozías engendró á Joatam: y Joatam engendró á Achâz: y Achâz engendró á Ezechîas: **10** Y Ezechîas engendró á Manasés: y Manasés engendró á Amón: y Amón engendró á Josías: **11** Y Josías engendró á Jechônías y á sus hermanos, en la transmigración de Babilonia. **12** Y después de la transmigración de Babilonia, Jechônías engendró á Salathiel: y Salathiel engendró á Zorobabel: **13** Y Zorobabel engendró á Abiud: y Abiud engendró á Eliachîm: y Eliachîm engendró á Azor: **14** Y Azor engendró á Sadoc: y Sadoc engendró á Achîm: y Achîm engendró á Eliud: **15** Y Eliud engendró á Eleazar: y Eleazar engendró á Mathán: y Mathán engendró á Jacob: **16** Y Jacob engendró á José, marido de María, de la cual nació Jesús, el cual es llamado el Cristo. **17** De manera que todas las generaciones desde Abraham hasta David son catorce generaciones: y desde David hasta la transmigración de Babilonia, catorce generaciones: y desde la transmigración de Babilonia hasta Cristo, catorce generaciones. **18** Y el nacimiento de Jesucristo fué así: Que siendo María su madre desposada con José, antes que se juntasen, se halló haber concebido del Espíritu Santo. **19** Y José su marido, como era justo, y no quisiese infamarla, quiso dejarla secretamente. **20** Y pensando él en esto, he aquí el ángel del Señor le aparece en sueños, diciendo: José, hijo de David, no temas de recibir á María tu mujer, porque lo que en ella es engendrado, del Espíritu Santo es. **21** Y parirá un hijo, y llamarás su nombre JESUS, porque él salvará á su pueblo de sus pecados. **22** Todo esto aconteció para que se cumpliese lo que fué dicho por el Señor, por el profeta que dijo: **23** He aquí la virgen concebirá y parirá un hijo, y llamarás su nombre Emmanuel, que declarado, es: Con nosotros Dios. **24** Y despertando José del sueño, hizo como el ángel del Señor le había mandado, y recibió á su mujer. **25** Y no la conoció hasta que parió á su hijo primogénito: y llamó su nombre JESUS.

2 Y COMO fué nacido Jesús en Bethlehem de Judea en días del rey Herodes, he aquí unos magos vinieron del oriente á Jerusalem, **2** Diciendo: ¿Dónde está el Rey de los Judíos, que ha nacido? porque su estrella hemos visto en el oriente, y venimos á adorarle. **3** Y oyendo esto el rey Herodes, se turbó, y toda Jerusalem con él. **4** Y convocados todos los príncipes de los sacerdotes, y los escribas del pueblo, les preguntó dónde había de nacer el Cristo. **5** Y ellos le dijeron: En Bethlehem de Judea; porque así está escrito por el profeta: **6** Y tú, Bethlehem, de tierra de Judá, no eres muy pequeña entre los príncipes de Judá; porque de ti saldrá un guiador, que apacentará á mi pueblo Israel. **7** Entonces Herodes, llamando en secreto á los magos, entendió de ellos diligentemente el tiempo del aparecimiento de la estrella; **8** Y enviándolos á Bethlehem, dijo: Andad allá, y preguntad con diligencia por el niño; y después que le hallareis, hacédmelo saber, para que yo también vaya y le adore. **9** Y ellos, habiendo oído al rey, se fueron: y he aquí la estrella que habían visto en el oriente, iba delante de ellos, hasta que llegando, se puso sobre donde estaba el niño. **10** Y vista la estrella, se regocijaron con muy grande gozo. **11** Y entrando en la casa, vieron al niño con su madre María, y postrándose, le adoraron; y abriendo sus tesoros, le ofrecieron dones, oro é incienso y mirra. **12** Y siendo avisados por revelación en sueños que no volviesen á Herodes, se volvieron á su tierra por otro camino. **13** Y partidos ellos, he aquí el ángel del Señor aparece en sueños á José, diciendo: Levántate, y toma al niño y á su madre, y huye á Egipto, y estáte allá hasta que yo te lo diga; porque ha de acontecer, que Herodes buscará al niño para matarlo. **14** Y él despertando, tomó al niño y á su madre de noche, y se fué á Egipto; **15** Y estuvo allá hasta la muerte de Herodes: para que se cumpliese lo que fué dicho por el Señor, por el profeta que dijo: De Egipto llamé á mi Hijo. **16** Herodes entonces, como se vió burlado de los magos, se enojó mucho, y envió, y mató á todos los niños que había en Bethlehem y en todos sus términos, de edad de dos años abajo, conforme al tiempo que había entendido de los magos. **17** Entonces fué cumplido lo que se había dicho por el profeta Jeremías, que dijo: **18** Voz fué oída en Ramá, grande lamentación, lloro y gemido: Rachêl que llora sus hijos; y no quiso ser consolada, porque perecieron. **19** Mas muerto Herodes, he aquí el ángel del Señor aparece en sueños á José en Egipto, **20** Diciendo: Levántate, y toma al niño y á su madre, y vete á tierra de Israel; que muertos son los que procuraban la muerte del niño. **21**

San Mateo

1 LIBRO de la generacion de Jesu-Cristo, hijo de David, hijo de Abraham. **2** Abraham engendró á Isaac: é Isaac engendró á Jacob: y Jacob engendró á Júdas y á sus hermanos: **3** Y Júdas engendró de Thamar á Pháres y á Zara: y Pháres engendró á Esrom: y Esrom engendró á Aram: **4** Y Aram engendró á Aminadab: y Aminadab engendró á Naason: y Naason engendró á Salmon: **5** Y Salmon engendró de Rahab á Bóoz: y Bóoz engendró de Ruth á Obed: y Obed engendró á Jessé: **6** Y Jessé engendró al rey David: y el rey David engendró á Salomon de la [que fué mujer] de Urías: **7** Y Salomon engendró á Roboam: y Roboam engendró á Abia: y Abia engendró á Asá: **8** Y Asá engendró á Josaphat: y Josaphat engendró á Joram: y Joram engendró á Ozías: **9** Y Ozías engendró á Joatam: y Joatam engendró á Achaz: y Achaz engendró á Ezechias: **10** Y Ezechias engendró á Manasés: y Manasés engendró á Amon: y Amon engendró á Josías: **11** Y Josías engendró á Jeconías y á sus hermanos, en la trasmigracion de Babilonia: **12** Y despues de la trasmigracion de Babilonia, Jeconías engendró á Salatiel: y Salatiel engendró á Zorobabel: **13** Y Zorobabel engendró á Abiud: y Abiud engendró á Eliaquim: y Eliaquim engendró á Azor: **14** Y Azor engendró á Sadoc: y Sadoc engendró á Aquim: y Aquim engendró á Eliud: **15** Y Eliud engendró á Eleázar: y Eleázar engendró á Matan: y Matan engendró á Jacob: **16** Y Jacob engendró á José, marido de María, de la cual nació Jesus, el cual es llamado el Cristo. **17** De manera que todas las generaciones desde Abraham hasta David, [son] catorce generaciones: y desde David hasta la trasmigracion de Babilonia, catorce generaciones: y desde la trasmigracion de Babilonia hasta Cristo, catorce generaciones. **18** Y el nacimiento de Jesu-Cristo fué así: que siendo María su madre desposada con José, ántes que se juntasen, se halló haber concebido del Espíritu Santo. **19** Y José su marido, como era justo y no quisiese infamarla, quiso dejarla secretamente. **20** Y pensando él en esto, hé aquí el ángel del Señor le aparece en sueños, diciendo: José, hijo de David, no temas de recibir á María tu mujer: porque lo que en ella es engendrado, del Espíritu Santo es. **21** Y parirá Hijo, y llamarás su nombre JESUS, porque él salvará su pueblo de sus pecados. **22** Todo esto aconteció para que se cumpliese lo que fué dicho por el Señor por el profeta, que dijo: **23** Hé aquí la vírgen concebirá, y parirá hijo, y llamarás su nombre Emmanuel, que declarado es: Con nosotros Dios. **24** Y despertando José del sueño, hizo como el ángel del Señor le habia mandado, y recibió á su mujer. **25** Y no la conoció hasta que parió á su Hijo primogénito: y llamó su nombre JESUS.

2 Y COMO fué nacido Jesus en Bethlehem de Judéa en dias del rey Heródes, hé aquí unos magos vinieron del Oriente á Jerusalem, **2** Diciendo: ¿Dónde está el Rey de los Judíos, que ha nacido? porque su estrella hemos visto en el Oriente, y venimos á adorarle. **3** Y oyendo [esto] el rey Heródes, se turbó, y toda Jerusalem con él. **4** Y convocados todos los príncipes de los sacerdotes, y los escribas del pueblo, les preguntó donde habia de nacer el Cristo. **5** Y ellos le dijeron: En Bethlehem de Judéa; porque así está escrito por el profeta: **6** Y tu Bethlehem, [de] tierra de Judá, no eres muy pequeña entre los príncipes de Judá; porque de tí saldrá un Guiador, que apacentará á mi pueblo Israel. **7** Entónces Heródes, llamando en secreto á los magos, entendió de ellos diligentemente el tiempo del aparecimiento de la estrella; **8** Y enviándoles á Bethlehem, dijo: Andad allá, y preguntad con diligencia por el Niño; y despues que lo hallareis, hacédmelo saber, para que yo tambien vaya y le adore. **9** Y ellos, habiendo oido al rey, se fueron: y hé aquí la estrella que habian visto en el Oriente, iba delante de ellos, hasta que llegando, se puso sobre donde estaba el Niño. **10** Y vista la estrella, se regocijaron con muy grande gozo. **11** Y entrando en la casa, vieron el Niño con su madre María, y postrándose lo adoraron: y abriendo sus tesoros, le ofrecieron dones, oro, é incienso, y mirra. **12** Y siendo avisados por revelacion en sueños, que no volviesen á Heródes, se volvieron á su tierra por otro camino. **13** Y partidos ellos, hé aquí el ángel del Señor aparece en sueños á José diciendo: Levántate, y toma al Niño y á su madre, y huye á Egipto, y estate allá hasta que yo te [lo] diga: porque ha de acontecer, que Heró des buscara al Niño para matarlo. **14** Y él despertando, tomó al Niño y á su madre de noche, y se fué á Egipto: **15** Y estuvo allá hasta la muerte de Heródes; para que se cumpliese lo que fué dicho por el Señor por el profeta, que dijo: De Egipto llamé á mi Hijo. **16** Heródes entónces, como se vió burlado de los magos, se enojó mucho: y envió, y mató todos los niños que habia en Bethlehem, y en todos sus términos, de edad de dos añ os abajo, conforme al tiempo que habla entendido de los magos. **17** Entónces fué cumplido lo que se habia dicho por

San Mateo

1 Libro de la generación de Jesús, el Cristo, hijo de David, hijo de Abraham. **2** Abraham engendró a Isaac; e Isaac engendró a Jacob; y Jacob engendró a Judá y a sus hermanos. **3** Y Judá engendró de Tamar a Fares y a Zara; y Fares engendró a Esrom; y Esrom engendró a Aram. **4** Y Aram engendró a Aminadab; y Aminadab engendró a Naasón; y Naasón engendró a Salmón. **5** Y Salmón engendró de Rahab a Booz, y Booz engendró de Rut a Obed y Obed engendró a Jessé. **6** Y Jessé engendró al rey David; y el rey David engendró a Salomón de la que fue mujer de Urías: **7** Y Salomón engendró a Roboam; y Roboam engendró a Abías; y Abías engendró a Asa. **8** Y Asa engendró a Josafat; y Josafat engendró a Joram; y Joram engendró a Uzías. **9** Y Uzías engendró a Jotam; y Jotam engendró a Acaz; y Acaz engendró a Ezequías. **10** Y Ezequías engendró a Manasés; y Manasés engendró a Amón; y Amón engendró a Josías. **11** Y Josías engendró a Jeconías y a sus hermanos, en el tiempo de la transmigración de Babilonia. **12** Y después de la transmigración de Babilonia, Jeconías engendró a Salatiel; y Salatiel engendró a Zorobabel. **13** Y Zorobabel engendró a Abiud; y Abiud engendró a Eliaquim; y Eliaquim engendró a Azor. **14** Y Azor engendró a Sadoc; y Sadoc engendró a Aquim; y Aquim engendró a Eliud. **15** Y Eliud engendró a Eleazar; y Eleazar engendró a Matán; y Matán engendró a Jacob. **16** Y Jacob engendró a José, marido de María, de la cual nació Jesús, el cual es llamado Cristo. **17** De manera que todas las generaciones desde Abraham hasta David son catorce generaciones; y desde David hasta la transmigración de Babilonia, catorce generaciones; y desde la transmigración de Babilonia hasta el Cristo, catorce generaciones. **18** Y el nacimiento de Jesús, el Cristo, fue así: Que siendo María su madre desposada con José, antes que se juntasen, se halló que había concebido del Espíritu Santo. **19** Y José su marido, como era justo, y no queriendo infamarla, quiso dejarla secretamente. **20** Y pensando él en esto, he aquí el ángel del Señor se le aparece en sueños, diciendo: José, hijo de David, no temas de recibir a María tu mujer, porque lo que en ella es engendrado, del Espíritu Santo es. **21** Y dará a luz un hijo, y llamarás su nombre JESUS, porque él salvará a su pueblo de sus pecados. **22** Todo esto aconteció para que se cumpliese lo que fue dicho por el Señor, por el profeta que dijo: **23** He aquí una Virgen concebirá y dará a luz un hijo, y llamarás su nombre Emmanuel, que es, si lo declaras: Dios con nosotros. **24** Y siendo despertado José del sueño, hizo como el ángel del Señor le había mandado, y recibió a su mujer. **25** Y no la conoció hasta que dio a luz a su hijo Primogénito; y llamó su nombre JESUS.

2 Y cuando nació Jesús en Belén de Judea en días del rey Herodes, he aquí unos sabios vinieron del oriente a Jerusalén, **2** diciendo: ¿Dónde está el Rey de los Judíos, que ha nacido? Porque su estrella hemos visto en el oriente, y venimos a adorarle. **3** Y oyendo esto el rey Herodes, se turbó, y toda Jerusalén con él. **4** Y convocados todos los príncipes de los sacerdotes, y los escribas del pueblo, les preguntó dónde había de nacer el Cristo. **5** Y ellos le dijeron: En Belén de Judea; porque así está escrito por el profeta: **6** Y tú, Belén, de tierra de Judá, no eres muy pequeña entre los príncipes de Judá; porque de ti saldrá un Guiador, que apacentará a mi pueblo Israel. **7** Entonces Herodes, llamando en secreto a los sabios, entendió de ellos diligentemente el tiempo de la aparición de la estrella; **8** y enviándolos a Belén, dijo: Andad allá, y preguntad con diligencia por el niño; y después que le hallaréis, hacédmelo saber, para que yo también vaya y le adore. **9** Y ellos, habiendo oído al rey, se fueron; y he aquí la estrella que habían visto en el oriente, iba delante de ellos, hasta que llegando, se puso sobre donde estaba el niño. **10** Y viendo la estrella, se regocijaron con muy grande gozo. **11** Y entrando en la casa, vieron al niño con su madre María, y postrándose, le adoraron; y abriendo sus tesoros, le ofrecieron dones: oro, e incienso y mirra. **12** Y siendo avisados por revelación Divino en sueños que no volviesen a Herodes, se volvieron a su tierra por otro camino. **13** Y partidos ellos, he aquí el ángel del Señor aparece en sueños a José, diciendo: Levántate, y toma al niño y a su madre, y huye a Egipto, y permanece allá hasta que yo te lo diga; porque ha de acontecer, que Herodes buscará al niño para matarlo. **14** Y él despertando, tomó al niño y a su madre de noche, y se fue a Egipto; **15** y estuvo allá hasta la muerte de Herodes: para que se cumpliese lo que fue dicho por el Señor, por el profeta que dijo: De Egipto llamé a mi Hijo. **16** Herodes entonces, viéndose burlado de los sabios, se enojó mucho, y envió, y mató a todos los niños que había en Belén y en todos sus términos, de edad de dos años abajo, conforme al tiempo que había entendido de los sabios. **17** Entonces se cumplió lo que fue dicho por el Señor por el profeta Jeremías, que dijo: **18** Voz fue oída en Ramá, lamentación, lloro y gemido grande; Raquel que llora sus hijos, y no quiso ser consolada, porque perecieron. **19** Mas muerto Herodes, he aquí el ángel del Señor aparece en sueños a José en Egipto, **20** diciendo: Levántate, y toma al niño y a su madre, y vete a tierra de Israel; que muertos están los que procuraban la muerte del niño. **21** Entonces él se

San Mateo

1 El libro de las generaciones de Jesucristo, el hijo de David, el hijo de Abraham. **2** El hijo de Abraham fue Isaac; y el hijo de Isaac fue Jacob; y los hijos de Jacob fueron Judá y sus hermanos; **3** Y los hijos de Judá y Tamar fueron Fares y Zara; y el hijo de Fares fue Esrom; y el hijo de Esrom fue Aram; **4** Y el hijo de Aram fue Aminadab; y el hijo de Aminadab fue Naasón; y el hijo de Naasón fue Salmón; **5** Y el hijo de Salmón y Rahab fue Booz; y el hijo de Booz y Rut fue Obed; y el hijo de Obed fue Isai; **6** Y el hijo de Isaí fue David el rey; y el hijo de David fué Salomón con la que había sido mujer de Urías; **7** Y el hijo de Salomón fue Roboam; y el hijo de Roboam fue Abías; y el hijo de Abías fue Asa; **8** Y el hijo de Asa fue Josafat; y el hijo de Josafat fue Joram; y el hijo de Joram fue Uzías; **9** Y el hijo de Uzías fue Jotam; y el hijo de Jotam fue Acaz; y el hijo de Acaz fue Ezequías; **10** Y el hijo de Ezequías fue Manasés; y el hijo de Manasés fue Amón; y el hijo de Amón fue Josías; **11** Y los hijos de Josías fueron Jeconías y sus hermanos, en el tiempo de la deportación a Babilonia. **12** Y después de la deportación a Babilonia, Jeconías tuvo un hijo Salatiel; y Salatiel a Zorobabel; **13** Y Zorobabel tuvo a Abiud; y Abiud tuvo a Eliaquim; y Eliaquim a Azor; **14** Y Azor a Sadoc; y Sadoc tuvo Aquim; y Aquim tuvo a Eliud; **15** Y Eliud tuvo a Eleazar; y Eleazar a Matán; y Matán tuvo a Jacobo; **16** Y el hijo de Jacobo fue José, marido de María, que dio a luz a Jesús, llamado el Cristo. **17** De manera que todas las generaciones desde Abraham hasta David son catorce generaciones; y desde David hasta la deportación a Babilonia, catorce generaciones; y de la deportación a Babilonia a la venida de Cristo, catorce generaciones. **18** Ahora el nacimiento de Jesucristo fue de esta manera: cuando su madre, María, iba a casarse con José, antes de que se unieran, se descubrió que estaba encinta por el Espíritu Santo. **19** Y José, su esposo, siendo un hombre recto, y no deseando infamarla públicamente, tuvo la intención de dejarla en privado. **20** Pero cuando pensaba en estas cosas, un ángel del Señor vino a él en sueños, y le dijo: José, hijo de David, no temas tomar a María por esposa. porque el hijo que va a tener es del Espíritu Santo. **21** Y dará a luz un hijo; y le pondrás el nombre de Jesús; porque él dará a su pueblo la salvación de sus pecados. **22** Todo esto sucedió para que la palabra del Señor por medio del profeta se cumpliera, **23** Mira, la virgen concebirá y dará a luz un hijo, y le pondrán por nombre Emanuel, es decir, Dios con nosotros. **24** Y José hizo como el ángel del Señor le había dicho, y la tomó por esposa; **25** Y no vivieron como esposos hasta que dio a luz a su hijo primogénito; y le dio el nombre de Jesús.

2 Cuando el nacimiento de Jesús tuvo lugar en Belén de Judea, en los días del rey Herodes, llegaron hombres magos del oriente a Jerusalén, **2** Diciendo: ¿Dónde está el Rey de los Judíos, cuyo nacimiento ha tenido lugar ahora? Hemos visto su estrella en el este y hemos venido a darle culto. **3** Y cuando llegó el oído del rey Herodes, se turbó, y toda Jerusalén con él. **4** Y reunió a todos los principales sacerdotes y escribas del pueblo, preguntándoles dónde estaría el lugar de nacimiento del Cristo. **5** Y ellos le dijeron: En Belén de Judea; porque así está escrito en los escritos del profeta, **6** Y tú Belén, en la tierra de Judá, no eres la más pequeña entre los príncipes de Judá: de ti saldrá un gobernante, que apacentará a mi pueblo Israel. **7** Entonces Herodes llamó a los hombres magos en privado, y les hizo preguntas sobre a qué hora se había visto la estrella. **8** Y los envió a Belén, y dijo: Ve y asegúrate donde está el niño; y cuando lo hayas visto, déjame tener noticias de él, para que pueda venir y darle culto. **9** Y oyendo al rey, se fueron; y la estrella que vieron en el este fue delante de ellos, hasta que se detuvo sobre el lugar donde estaba el niño. **10** Y cuando vieron la estrella, se llenaron de alegría. **11** Y entraron en la casa, y vieron al niño pequeño con María, su madre; y cayendo sobre sus rostros le dieron culto; y abriendo sus tesoros le dieron ofrendas de oro, perfume y Mirra. **12** Y les fue manifestado por Dios en sueños que no debían regresar a Herodes; entonces ellos entraron a su país por otro camino. **13** Después que partieron ellos, un ángel del Señor vino a José en sueños, y le dijo: Levántate, toma al niño y a su madre, y vete a Egipto, y no vuelvas de allí hasta que yo te dé palabra; porque Herodes estará buscando al niño para matarlo. **14** Entonces tomó al niño y a su madre de noche, y se fue a Egipto; **15** Y estuvo allí hasta la muerte de Herodes; para que la palabra del Señor por medio del profeta se haga realidad, de Egipto llamé a mi hijo. **16** Entonces Herodes, cuando vio que había sido engañado por los magos, se enojó mucho; y envió y mató a todos los hijos varones en Belén y en todas las partes de alrededor, desde los dos años y menos, de acuerdo con el tiempo que le habían dicho los magos. **17** Entonces la palabra del profeta Jeremías se hizo realidad, **18** En Ramá hubo un sonido de llanto y gran tristeza, Raquel llorando por sus hijos, y ella no quiso ser consolada por su pérdida. **19** Pero cuando Herodes hubo muerto, un ángel del Señor se presentó en sueños a José en Egipto, **20** Diciendo: Levántate, toma al niño y a su madre, y vete a la tierra de Israel; porque los que estaban tratando de tomar la vida del niño pequeño han muerto. **21** Entonces él se levantó, y tomó al niño y a su madre, y vino a la tierra de Israel. **22** Pero oyendo que Arquelao gobernaba sobre Judea en lugar de su padre Herodes, temió ir allá; y avisado por Dios en sueños, se

Mathayo

1 Habari za ukoo wa Yesu Kristo mwana wa Daudi,
mwana wa Abrahamu: **2** Abrahamu akamzaa
Isaki, Isaki akamzaa Yakobo, Yakobo akawazaa Yuda
na ndugu zake, **3** Yuda akawazaa Peresi na Zera,
ambao mama yao alikuwa Tamari, Peresi akamzaa
Hesroni, Hesroni akamzaa Aramu, **4** Aramu akamzaa
Aminadabu, Aminadabu akamzaa Nashoni, Nashoni
akamzaa Salmoni, **5** Salmoni akamzaa Boazi, na
mama yake Boazi alikuwa Rahabu, Boazi akamzaa
Obedi, ambaye mama yake alikuwa Ruthu, Obedi
akamzaa Yese, **6** Yese akamzaa Daudi ambaye alikuwa
mfalme. Daudi akamzaa Solomoni, ambaye mama
yake ni yule aliyekuwa mke wa Uria. **7** Solomoni
akamzaa Rehoboamu, Rehoboamu akamzaa Abiya,
Abiya akamzaa Asa, **8** Asa akamzaa Yehoshafati,
Yehoshafati akamzaa Yoramu, Yoramu akamzaa Uzia,
9 Uzia akamzaa Yothamu, Yothamu akamzaa Ahazi,
Ahazi akamzaa Hezekia, **10** Hezekia akamzaa Manase,
Manase akamzaa Amoni, Amoni akamzaa Yosia,
11 wakati wa uhamisho wa Babeli, Yosia alimzaa
Yekonia na ndugu zake. **12** Baada ya uhamisho wa
Babeli: Yekonia alimzaa Shealtieli, Shealtieli akamzaa
Zerubabeli, **13** Zerubabeli akamzaa Abiudi, Abiudi
akamzaa Eliakimu, Eliakimu akamzaa Azori, **14** Azori
akamzaa Sadoki, Sadoki akamzaa Akimu, Akimu
akamzaa Eliudi, **15** Eliudi akamzaa Eleazari, Eleazari
akamzaa Matani, Matani akamzaa Yakobo, **16** naye
Yakobo akamzaa Yosefu ambaye alikuwa mumewe
Maria, mama yake Yesu, aitwaye Kristo. **17** Hivyo,
kulikuwepo na jumla ya vizazi kumi na vinne tangu
Abrahamu mpaka Daudi, vizazi kumi na vinne tangu
Daudi hadi wakati wa uhamisho kwenda utumwani
Babeli, na vizazi kumi na vinne tangu wakati wa
uhamisho kwenda utumwani Babeli hadi Kristo.
18 Basi Kuzaliwa kwake Yesu Kristo kulikuwa hivi:
Maria mama yake alikuwa ameposwa na Yosefu,
lakini kabla hawajakutana kimwili, Maria alionekana
kuwa na mimba kwa uweza wa Roho Mtakatifu. **19**
Kwa kuwa Yosefu, mwanaume aliyekuwa amemposa
alikuwa mtu mwadilifu, hakutaka kumwaibisha Maria
hadharani, aliazimu kumwacha kwa siri. **20** Lakini
mara alipoazimu kufanya jambo hili, malaika wa
Bwana akamtokea katika ndoto na kusema, “Yosefu
mwana wa Daudi, usiogope kumchukua Maria awe
mke wako, kwa maana mimba aliyo nayo ni kwa
uweza wa Roho Mtakatifu. **21** Naye atamzaa mwana,
nawe utamwita Jina lake Yesu, kwa maana yeye
ndiye atakayewaokoa watu wake kutoka dhambi
zao.” **22** Haya yote yalitukia ili litimie lile Bwana
alilokuwa amenena kupitia nabii, akisema: **23**
“Tazama, bikira atachukua mimba, naye atamzaa
mwana, nao watamwita Jina lake Imanueli”: maana
yake, “Mungu pamoja nasi.” **24** Yosefu alipoamka
kutoka usingizini, akafanya kama vile alivyoagizwa
na malaika wa Bwana, akamchukua Maria kuwa mke
wake. **25** Lakini hawakukutana kimwili mpaka Maria
alipojifungua mwanawe kifungua mimba akamwita
Jina lake Yesu.

2 Baada ya Yesu kuzaliwa katika mji wa Bethlehemu
huko Uyahudi, wakati wa utawala wa Mfalme
Herode, wataalamu wa mambo ya nyota kutoka
mashariki walifika Yerusalemu **2** wakiuliza, “Yuko
wapi huyo aliyezaliwa mfalme wa Wayahudi? Kwa
maana tumeona nyota yake ikitokea mashariki, nasi
tumekuja kumwabudu.” **3** Mfalme Herode aliposikia
jambo hili aliingiwa na hofu sana pamoja na watu wote
wa Yerusalemu. **4** Herode akawaita pamoja viongozi
wa makuhani na walimu wa sheria, akawauliza
ni mahali gani ambapo Kristo angezaliwa. **5** Nao
wakamwambia, “Katika Bethlehemu ya Uyahudi, kwa
maana hivyo ndivyo ilivyoandikwa na nabii: **6** “‘Nawe,
Bethlehemu, katika nchi ya Yuda, wewe si mdogo
miongoni mwa watawala wa Yuda; kwa maana kutoka
kwako atakuja mtawala atakayekuwa mchungaji wa
watu wangu Israeli.’” **7** Ndipo Herode akawaita wale
wataalamu wa nyota kwa siri na kutaka kujua kutoka
kwao uhakika kamili wa wakati ile nyota ilionekana.
8 Kisha akawatuma waende Bethlehemu akiwaambia,
“Nendeni mkamtafute kwa bidii huyo mtoto. Nanyi
mara mtakapomwona, mniletee habari ili na mimi
niweze kwenda kumwabudu.” **9** Baada ya kumsikia
mfalme, wale wataalamu wa nyota wakaenda zao,
nayo ile nyota waliyoiona mashariki ikawatangulia,
nao wakaifuata mpaka iliposimama mahali pale
alipokuwa mtoto. **10** Walipoiona ile nyota wakajawa
na furaha kubwa mno. **11** Walipoingia ndani ya
ile nyumba, wakamwona mtoto pamoja na Maria
mama yake, wakamsujudu na kumwabudu yule mtoto
Yesu. Ndipo wakafungua hazina zao, wakamtolea
zawadi za dhahabu, uvumba na manemane. **12**
Nao wakiisha kuonywa katika ndoto wasirudi kwa
Herode, wakarudi kwenda katika nchi yao kwa njia
nyingine. **13** Walipokwisha kwenda zao, malaika wa
Bwana akamtokea Yosefu katika ndoto akamwambia,
“Ondoka, mchukue mtoto na mama yake mkimbilie
Misri. Kaeni huko mpaka nitakapowaambia, kwa
maana Herode anataka kumtafuta huyu mtoto ili
amuue.” **14** Kisha Yosefu akaondoka, akamchukua
mtoto pamoja na mama yake wakati wa usiku, nao
wakaenda Misri **15** ambako walikaa mpaka Herode
alipofariki. Hili lilifanyika ili litimie lile lililonenwa
na Bwana kwa kinywa cha nabii kusema: “Nilimwita
mwanangu kutoka Misri.” **16** Herode alipong’amua
kwamba wale wataalamu wa nyota wamemshinda kwa
akili, alikasirika sana, naye akatoa amri ya kuwaua
watoto wote wa kiume wenye umri wa miaka miwili
kurudi chini katika mji wa Bethlehemu na sehemu
zote za jirani, kufuatana na ule muda alioambiwa na
wale wataalamu wa nyota. **17** Ndipo lilipotimia neno
lililonenwa na nabii Yeremia. **18** “Sauti ilisikika huko
Rama, maombolezo na kilio kikubwa, Raheli akilia
kwa ajili ya wanawe, akikataa kufarijiwa, kwa sababu

Mathayo

1 Kitabu cha ukoo wa Yesu Kristo mwana wa Daudi,
mwana wa Ibrahimu. **2** Ibrahimu alikuwa baba wa
Isaka, na Isaka baba wa Yakobo, na Yakobo baba wa
Yuda na ndugu zake. **3** Yuda alikuwa baba wa Peresi na
Sera kwa Tamari, Peresi baba wa Hezeroni, na Hezeroni
baba wa Ramu. **4** Ramu alikuwa baba wa Aminadabu,
Aminadabu baba wa Nashoni, na Nashoni baba wa
Salimoni. **5** Salimoni alikuwa baba wa Boazi kwa Rahabu,
Boazi baba wa Obedi kwa Ruth, Obedi baba wa Yese, **6**
Yese alikuwa baba wa mfalme Daudi. Daudi alikuwa baba
wa Sulemani kwa mke wa Uria. **7** Sulemani alikuwa baba
wa Rehoboamu, Rehoboamu baba wa Abiya, Abiya baba
wa Asa. **8** Asa alikuwa baba wa Yehoshafati, Yehoshafati
baba wa Yoramu, na Yoramu baba wa Uzia. **9** Uzia
alikuwa baba wa Yothamu, Yothamu baba wa Ahazi, Ahazi
baba wa Hezekia. **10** Hezekia alikuwa baba wa Manase,
Manase baba wa Amoni na Amoni baba wa Yosia. **11**
Yosia alikuwa baba wa Yekonia na kaka zake wakati wa
kuchukuliwa kwenda Babeli. **12** Na baada ya kuchukuliwa
kwenda Babeli, Yekonia alikuwa baba wa Shatieli, Shatieli
alikuwa babu yake na Zerubabeli. **13** Zerubabeli alikuwa
baba wa Abiudi, Abiudi baba wa Eliakimu, na Eliakimu
baba wa Azori. **14** Azori alikuwa baba wa Zadoki, Zadoki
baba wa Akimu, na Akimu baba wa Eliudi. **15** Eliudi
alikuwa baba wa Elieza, Elieza baba wa Matani na Matani
baba wa Yakobo. **16** Yakobo alikuwa baba wa Yusufu
mume wa Mariamu, ambaye kwa yeye Yesu alizaliwa,
aitwaye Kristo. **17** Vizazi vyote tangu Ibrahimu hadi
Daudi vilikuwa vizazi kumi na vinne, kutoka Daudi hadi
kuchukuliwa kwenda Babeli vizazi kumi na vinne, na
kutoka kuchukuliwa kwenda Babeli hadi Kristo vizazi
kumi na vinne. **18** Kuzaliwa kwa Yesu Kristo kulikuwa
kwa namna hii. Mama yake, Mariamu, alichumbiwa na
Yusufu, lakini kabla hawajakutana, alionekana kuwa na
mimba kwa uwezo wa Roho Mtakatifu. **19** Mume wake
Yusufu, alikuwa mtu mwenye haki hakutaka kumwaibisha
hadharani. Aliamua kusitisha uchumba wake naye kwa
siri. **20** Alipokuwa akifikiri juu ya mambo haya, Malaika wa
Bwana alimtokea katika ndoto, akisema," Yusufu mwana
wa Daudi, usiogope kumchukua Mariamu kama mkeo,
kwa sababu mimba aliyonayo ni kwa uweza wa Roho
Mtakatifu. **21** Atajifungua mtoto wa kiume na utamwita jina
lake Yesu, kwa maana atawaokoa watu wake na dhambi
zao." **22** Yote haya yalitokea kutimizwa kile kilichonenwa
na Bwana kwa njia ya nabii, akisema, **23** “Tazama,
bikira atachukua mimba na kuzaa mtoto wa kiume, na
watamwita jina lake Imanueli”— maana yake, “Mungu
pamoja nasi.” **24** Yusufu aliamka kutoka usingizini na
kufanya kama malaika wa Bwana alivyomwamuru na
alimchukua kama mkewe. **25** Hata hivyo, hakulala naye
mpaka alipojifungua mtoto wa kiume na alimwita jina lake
Yesu.

2 Baada ya Yesu kuzaliwa katika Bethelehem ya Uyahudi
katika siku za mfalme Herode, watu wasomi kutoka
mashariki ya mbali walifika Yerusalemu wakisema, **2** “Yuko
wapi yeye ambaye aliyezaliwa Mfalme wa Wayahudi?
Tuliiona nyota yake mashariki nasi tumekuja kumwabudu.”
3 Pindi Mfalme herode aliposikia haya alifadhaika, na
Yerusalemu yote pamoja naye. **4** Herode akawakusanya
wakuu wa makuhani wote na waandishi wa watu, naye
akawauliza, “Kristo atazaliwa wapi?” **5** Wakamwabia,
“Katika Bethelehemu ya Uyahudi, kwa kuwa hivi ndivyo
ilivyoandikwa na nabii, **6** Nawe Bethelehemu, katika nchi
ya Yuda, si mdogo miongoni mwa viongozi wa Yuda, kwa
kuwa kutoka kwako atakuja mtawala atakayewachunga
watu wangu Israeli.” **7** Hivyo Herode aliwaita wale
wasomi kwa siri na kuwauliza ni wakati gani hasa nyota
ilikuwa imeonekana. **8** Akawatuma Bethelehem, akisema,
“Nendeni kwa uangalifu mkamtafute mtoto aliyezaliwa.
Wakati mtakapomwona, nileteeni habari ili kwamba mimi
pia niweze kuja na kumwabudu.” **9** Baada ya kuwa
wamemsikia mfalme, waliendelea na safari yao, na nyota
ile waliyokuwa wameiona mashariki iliwatangulia hadi
iliposimama juu ya mahali mtoto aliyezaliwa alipokuwa. **10**
Wakati walipoiona nyota, walifurahi kwa furaha kuu mno.
11 Waliingia nyumbani na kumuona mtoto aliyezaliwa
na Mariamu mama yake. Walimsujudia na kumwabudu.
Walifungua hazina zao na kumtolea zawadi za dhahabu,
uvumba, na manemane. **12** Mungu aliwaonya katika
ndoto wasirudi kwa Herode, hivyo, waliondoka kurudi
katika nchi yao kwa njia nyingine. **13** Baada ya kuwa
wameondoka, malaika wa Bwana alimtokea Yusufu katika
ndoto na kusema, “Inuka, mchukue mtoto na mama yake
na mkimbilie Misri. Bakini huko mpaka nitakapowaambia,
kwa kuwa Herode atamtafuta mtoto ili amwangamize. **14**
Usiku huo Yusufu aliamka na kumchukua mtoto na mama
yake na kukimbilia Misri. **15** Aliishi huko hadi Herode alipo
kufa. Hii ilitimiza kile Bwana alichokuwa amenena kupitia
nabii, “Kutoka Misri nimemwita mwanangu.” **16** Kisha
Herode, alipoona kuwa amedhihakiwa na watu wasomi,
alikasirika sana. Aliagiza kuuawa kwa watoto wote wa
kiume waliokuwa Bethelehemu na wote katika eneo lile
ambao walikuwa na umri wa miaka miwili na chini yake
kulingana na wakati aliokuwa amekwisha thibitisha kabisa
kutoka kwa wale watu wasomi. **17** Ndipo lilipotimizwa lile
neno lililonenwa kwa kinywa cha nabii Yeremia, **18** “Sauti
ilisikika Ramah, kilio na maombolezo makubwa, Raheli
akiwalilia watoto wake, na alikataa kufarijiwa, kwa sababu
hawapo tena.” **19** Herode alipo kufa, tazama malaika
wa Bwana alimtokea Yusufu katika ndoto huko Misri na
kusema, **20** “Inuka mchukue mtoto na mama yake, na
mwende katika nchi ya Israeli kwa maana waliokuwa
wakitafuta uhai wa mtoto wamekufa.” **21** Yusufu aliinuka,
akamchukua mtoto pamoja na mama yake, na wakaja
katika nchi ya Israeli. **22** Lakini aliposikia kuwa Arikelau
alikuwa anatawala Yuda mahali pa baba yake Herode,
aliogopa kwenda huko. Baada ya Mungu kumuonya

Mathayo

1 Yesu Kristo alikuwa mzawa wa Daudi, mzawa
wa Abrahamu. Hii ndiyo orodha ya ukoo wake:
2 Abrahamu alimzaa Isaka, Isaka alimzaa Yakobo,
Yakobo alimzaa Yuda na ndugu zake, **3** Yuda alimzaa
Faresi na Zera (mama yao alikuwa Tamari), Faresi
alimzaa Hesroni, Hesroni alimzaa Rami, **4** Rami
alimzaa Aminadabu, Aminadabu alimzaa Nashoni,
Nashoni alimzaa Salmoni, **5** Salmoni alimzaa Boazi
(mama yake Boazi alikuwa Rahabu). Boazi na
Ruthi walikuwa wazazi wa Obedi, Obedi alimzaa
Yese, **6** naye Yese alimzaa Mfalme Daudi. Daudi
alimzaa Solomoni (mama yake Solomoni alikuwa
mke wa Uria). **7** Solomoni alimzaa Rehoboamu,
Rehoboamu alimzaa Abiya, Abiya alimzaa Asa, **8** Asa
alimzaa Yehoshafati, Yehoshafati alimzaa Yoramu,
Yoramu alimzaa Uzia, **9** Uzia alimzaa Yothamu,
Yothamu alimzaa Ahazi, Ahazi alimzaa Hezekia, **10**
Hezekia alimzaa Manase, Manase alimzaa Amoni,
Amoni alimzaa Yosia, **11** Yosia alimzaa Yekonia
na ndugu zake. Huo ulikuwa wakati Wayahudi
walipopelekwa uhamishoni Babuloni. **12** Baada ya
Wayahudi kupelekwa uhamishomi Babuloni: Yekonia
alimzaa Shealtieli, Shealtieli alimzaa Zerobabeli, **13**
Zerobabeli alimzaa Abiudi, Abiudi alimzaa Eliakimu,
Eliakimu alimzaa Azori, **14** Azori alimzaa Zadoki,
Zadoki alimzaa Akimu, Akimu alimzaa Eliudi, **15**
Eliudi alimzaa Eleazeri, Eleazeri alimzaa Mathani,
Mathani alimzaa Yakobo, **16** Yakobo alimzaa Yosefu,
aliyekuwa mume wake Maria, mama yake Yesu,
aitwaye Kristo. **17** Basi, kulikuwa na vizazi kumi na
vinne tangu Abrahamu mpaka Daudi, vizazi kumi na
vinne tangu Daudi mpaka Wayahudi walipochukuliwa
mateka Babuloni, na vizazi kumi na vinne tangu
kuchukuliwa mateka mpaka wakati wa Kristo. **18** Basi,
hivi ndivyo Yesu Kristo alivyozaliwa: Maria, mama
yake, alikuwa ameposwa na Yosefu. Lakini kabla
hawajakaa pamoja kama mume na mke, alionekana
kuwa mja mzito kwa uwezo wa Roho Mtakatifu.
19 Yosefu, mumewe, kwa vile alikuwa mwadilifu,
hakutaka kumwaibisha hadharani; hivyo alikusudia
kumwacha kwa siri. **20** Alipokuwa bado anawaza
jambo hilo, malaika wa Bwana alimtokea katika
ndoto, akamwambia, “Yosefu, mwana wa Daudi,
usiogope kumchukua Maria awe mke wako, maana
amekuwa mja mzito kwa uwezo wa Roho Mtakatifu. **21**
Atajifungua mtoto wa kiume, nawe utampa jina Yesu,
kwa kuwa yeye atawaokoa watu wake kutoka katika
dhambi zao.” **22** Basi, haya yote yalitukia ili litimie lile
neno Bwana alilosema kwa njia ya nabii: **23** “Bikira
atachukua mimba, atamzaa mtoto wa kiume, naye
ataitwa Emanueli” (maana yake, “Mungu yu pamoja
nasi”). **24** Hivyo, Yosefu alipoamka usingizini alifanya
kama malaika huyo alivyomwambia, akamchukua
mke wake nyumbani. **25** Lakini hakumjua kamwe
kimwili hata Maria alipojifungua mtoto wa kiume.
Naye Yosefu akampa jina Yesu.

2 Yesu alizaliwa mjini Bethlehemu, mkoani Yudea,
wakati Herode alipokuwa mfalme. Punde tu baada
ya kuzaliwa kwake, wataalamu wa nyota kutoka
mashariki walifika Yerusalemu, **2** wakauliza, “Yuko
wapi mtoto, Mfalme wa Wayahudi, aliyezaliwa?
Tumeiona nyota yake ilipotokea mashariki, tukaja
kumwabudu.” **3** Mfalme Herode aliposikia hayo,
alifadhaika, yeye pamoja na wakazi wote wa
Yerusalemu. **4** Basi akawaita pamoja makuhani
wakuu wote na walimu wa Sheria, akawauliza, “Kristo
atazaliwa wapi?” **5** Nao wakamjibu, “Mjini Bethlehemu,
mkoani Yudea. Ndivyo nabii alivyoandika: **6** Ewe
Bethlehemu katika nchi ya Yuda, kwa vyovyote wewe
si mdogo kabisa kati ya viongozi wa Yuda; maana
kwako atatokea kiongozi atakayewaongoza watu
wangu, Israeli.” **7** Hapo, Herode aliwaita faraghani
hao wataalamu wa nyota, akawauliza wakati hasa ile
nyota ilipowatokea. **8** Kisha akawatuma Bethlehemu
akisema, “Nendeni mkachunguze kwa makini habari
za mtoto huyo. Mkisha mpata nileteeni habari ili
nami niende nikamwabudu.” **9** Baada ya kumsikiliza
mfalme, hao wataalamu wa nyota wakaenda.
Kumbe ile nyota waliyokuwa wameiona upande wa
mashariki iliwatangulia hata ikaenda kusimama juu
ya mahali pale alipokuwa mtoto. **10** Walipoiona
hiyo nyota, walifurahi mno. **11** Basi, wakaingia
nyumbani, wakamwona yule mtoto pamoja na Maria
mama yake; wakapiga magoti, wakamsujudia. Kisha
wakafungua hazina zao, wakampa zawadi: dhahabu,
ubani na manemane. **12** Mungu aliwaonya katika
ndoto wasimrudie Herode; hivyo wakarudi makwao
kwa njia nyingine. **13** Baada ya wale wageni
kuondoka, malaika wa Bwana alimtokea Yosefu
katika ndoto, akamwambia, “Amka! Mchukue mtoto
pamoja na mama yake, mkimbilie Misri. Kaeni huko
mpaka nitakapokwambia, maana Herode anakusudia
kumwua huyu mtoto.” **14** Hivyo, Yosefu aliamka,
akamchukua mtoto pamoja na mama yake, akaondoka
usiku, akaenda Misri. **15** Akakaa huko mpaka Herode
alipokufa. Jambo hilo lilifanyika ili neno alilosema
Bwana kwa njia ya nabii litimie: “Nilimwita Mwanangu
kutoka Misri.” **16** Herode alipogundua kwamba

Matteus

1 Detta är boken af Jesu Christi börd, hvilken som är Davids son, Abrahams sons. **2** Abraham födde Isaac; Isaac födde Jacob; Jacob födde Juda, och hans bröder. **3** Juda födde Pharez och Zara, af Thamar; Pharez födde Hezrom; Hezrom födde Aram. **4** Aram födde Aminadab; Aminadab födde Nahasson; Nahasson födde Salmon. **5** Salmon födde Boas, af Rahab; Boas födde Obed, af Ruth; Obed födde Jesse. **6** Jesse födde Konung David; Konung David födde Salomon, af henne som var Urie hustru. **7** Salomon födde Roboam; Roboam födde Abia; Abia födde Asa. **8** Asa födde Josaphat; Josaphat födde Joram; Joram födde Osia. **9** Osia födde Joatham; Joatham födde Achas; Achas födde Ezechia. **10** Ezechia födde Manasse; Manasse födde Amon; Amon födde Josia. **11** Josia födde Jechonia och hans bröder, vid det Babyloniska fängelset. **12** Men efter det Babyloniska fängelset födde Jechonia Salathiel; Salathiel födde Zorobabel. **13** Zorobabel födde Abiud; Abiud födde Eliakim; Eliakim födde Asor. **14** Asor födde Zadok; Zadok födde Achim; Achim födde Eliud. **15** Eliud födde Eleazar: Eleazar födde Mattham; Mattham födde Jacob. **16** Jacob födde Joseph, Marie man, af hvilko är födder Jesus, som kallas Christus. **17** Så äro alle lederna, ifrån Abraham intill David, fjorton leder; ifrå David till det Babyloniska fängelset, ock fjorton leder; ifrå det Babyloniska fängelset intill Christum, ock fjorton leder. **18** Jesu Christi födelse gick så till: När Maria, hans moder, var trolofvad Joseph, förr än de kommo samman, fans hon vara hafvandes af den Heliga Anda. **19** Men efter Joseph var en from man, och ville icke röja henne, tänkte han hemliga öfvergifva henne. **20** När han detta tänkte, si, då uppenbarades honom i sömnen Herrans Ängel, och sade: Joseph, Davids son, räds icke taga Maria, din hustru, till dig; ty det som är afladt i henne, det är af den Heliga Anda. **21** Och hon skall föda en Son, och du skall kalla hans Namn JESUS; ty han skall frälsa sitt folk ifrå deras synder. **22** Detta är allt skedt, på det fullbordas skulle det af Herranom sagdt är genom Propheten, som sade: **23** Si, en Jungfru skall varda hafvandes, och föda en Son, och de skola kalla hans Namn EmmanuEl; det är så mycket sagdt: Gud med oss. **24** När Joseph vaknade upp af sömnen, gjorde han som Herrans Ängel hade honom befallt, och tog sina hustru till sig. **25** Och kände henne intet, tilldess hon födde sin första Son; och kallade hans Namn JESUS.

2 När Jesus var födder i BethLehem i Judiska landet, i Konung Herodis tid, si, då kommo vise män af österlanden till Jerusalem; **2** Och sade: Hvar är den nyfödde Juda Konungen? Ty vi hafve sett hans stjerno i österlanden, och äre komne att tillbedja honom. **3** När Konung Herodes det hörde, vardt han bedröfvad, och hele Jerusalems stad med honom: **4** Och lät församla alla de öfversta Presterna, och Skriftlärda ibland folket, och frågade dem hvar Christus skulle födas. **5** Och de sade honom: I BethLehem, i Judiska landet; ty det är så skrifvet genom Propheten: **6** Och du BethLehem, i Judiska landet, äst ingalunda den minste ibland Juda Förstar; ty utaf dig skall mig komma den Försten, som öfver mitt folk, Israel, en Herre vara skall. **7** Då kallade Herodes lönliga de visa männerna till sig, och besporde granneliga af dem, hvad tid stjernan syntes; **8** Och sände dem så till BethLehem, och sade: Farer dit, och bespörjer granneliga efter barnet; och när I det finnen, så säger mig det igen, att jag kan ock komma, och tillbedja honom. **9** När de hade hört Konungen, foro de åstad; och si, stjernan, som de sett hade i österlanden, gick för dem, så länge hon kom, och blef ståndandes öfver der barnet var. **10** När de sågo stjernona, vordo de ganska glade; **11** Och gingo in i huset, och funno barnet med Maria dess moder; och föllo neder och tillbådo honom, och uppläto sina håfvor, och skänkte honom guld, rökelse och myrrham. **12** Sedan fingo de uppenbarelse i sömnen, att de skulle icke komma igen till Herodes; och foro så en annan väg hem i sitt land igen. **13** När de voro bortfarne, si, då uppenbarades Herrans Ängel Joseph i sömnen, sägandes: Statt upp, och tag barnet och dess moder till dig, och fly in uti Egypti land, och blif der så länge jag säger dig till; ty det kommer dertill, att Herodes skall söka efter barnet, till att förgöra det. **14** Han stod upp, och tog barnet och dess moder, om nattena, till sig, och flydde in uti Egypti land; **15** Och blef der intill Herodis död, på det att fullbordas skulle det som sagdt var af Herranom genom Propheten, som sade: Utaf Egypten hafver jag kallat min Son. **16** När Herodes nu såg, att han var besviken af de visa män, blef han ganska vred; och sände ut, och lät slå ihjäl all svenbarn i BethLehem, och i alla dess gränsor, de som tveggeåra och der förnedan voro, efter den tiden som han hade granneliga besport af de visa män. **17** Då blef fullkomnadt det som af Jeremia Propheten sagdt var, när han sade: **18** I höjdene vardt hörd en röst, stor klagomål, gråt och mycken skrän: Rachel gråter sin barn, och vill icke låta hugsvala sig; ty det var ute med dem. **19** Men när Herodes var död, si, då uppenbarades Herrans Ängel Joseph i sömnen, i Egypti land; **20** Och sade: Statt upp, och tag barnet och dess moder till dig, och far in i Israels land; ty de äro döde, som foro efter barnets lif. **21** Han stod upp, och tog barnet och dess moder till sig, och for in uti Israels land. **22** Men när han hörde, att Archelaus var rådandes i Judiska landet, i sin faders Herodis stad, räddes han fara dit; och fick befallning af Gud i sömnen, och for in

Matteus

1 Detta är Jesu Kristi, Davids sons, Abrahams sons, släkttavla. **2** Abraham födde Isak, Isak födde Jakob, Jakob födde Judas och hans bröder; **3** Judas födde Fares och Sara med Tamar, Fares födde Esrom, Esrom födde Aram; **4** Aram födde Aminadab, Aminadab födde Naasson, Naasson födde Salmon; **5** Salmon födde Boes med Rakab, Boes födde Jobed med Rut, Jobed födde Jessai; **6** Jessai födde David, konungen, David födde Salomo med Urias' hustru; **7** Salomo födde Roboam, Roboam födde Abia. Abia födde Asaf; **8** Asaf födde Josafat, Josafat födde Joram, Joram födde Osias; **9** Osias födde Joatam, Joatam födde Akas, Akas födde Esekias; **10** Esekias födde Manasses, Manasses födde Amos, Amos födde Josias; **11** Josias födde Jekonias och hans bröder, vid den tid då folket blev bortfört i fångenskap till Babylonien. **12** Sedan folket hade blivit bortfört i fångenskap till Babylonien, födde Jekonias Salatiel, Salatiel födde Sorobabel; **13** Sorobabel födde Abiud, Abiud födde Eljakim, Eljakim födde Asor; **14** Asor födde Sadok, Sadok födde Akim, Akim födde Eliud; **15** Eliud födde Eleasar, Eleasar födde Mattan, Mattan födde Jakob; **16** Jakob födde Josef, Marias man, och av henne föddes Jesus, som kallas Kristus. **17** Så utgöra släktlederna från Abraham intill David tillsammans fjorton leder, och från David intill dess att folket blev bortfört i fångenskap till Babylonien fjorton leder, och från det att folket blev bortfört i fångenskap till Babylonien intill Kristus fjorton leder. **18** Med Jesu Kristi födelse gick det så till. Sedan Maria, hans moder, hade blivit trolovad med Josef, befanns hon, förrän de kommo tillsammans, vara havande av helig ande. **19** Nu var Josef, hennes man, en rättsinnig man och ville icke utsätta henne for vanära; därför beslöt han att hemligen skilja sig från henne. **20** Men när han hade fått detta i sinnet, se, då visade sig i drömmen en Herrens ängel för honom och sade: »Josef, Davids son, frukta icke att taga till dig Maria, din hustru; ty det som är avlat i henne är av helig ande. **21** Och hon skall föda en son, och honom skall du giva namnet Jesus, ty han skall frälsa sitt folk ifrån deras synder.» **22** Allt detta har skett, för att det skulle fullbordas, som var sagt av Herren genom profeten som sade: **23** »Se, jungfrun skall bliva havande och föda en son, och man skall giva honom namnet Emmanuel» (det betyder Gud med oss). **24** När Josef hade vaknat upp ur sömnen, gjorde han som Herrens ängel hade befallt honom och tog sin hustru till sig. **25** Och han kände henne icke, förrän hon hade fött en son; och honom gav han namnet Jesus. Jämför hebr. jeschuá, som betyder frälsning.

2 När nu Jesus var född i Betlehem i Judeen, på konung Herodes' tid, då kommo vise män från österns länder till Jerusalem **2** och sade: »Var är den nyfödde judakonungen? Vi hava nämligen sett hans stjärna i östern och hava kommit för att giva honom vår hyllning.» **3** När konung Herodes hörde detta, blev han förskräckt, och hela Jerusalem med honom. **4** Och han församlade alla överstepräster och skriftlärde bland folket och frågade dem var Messias skulle födas. **5** De svarade honom: »I Betlehem i Judeen; ty så är skrivet genom profeten: **6** 'Och du Betlehem, du judiska bygd, ingalunda är du minst bland Juda furstar, ty av dig skall utgå en furste som skall vara en herde för mitt folk Israel.'» **7** Då kallade Herodes hemligen till sig de vise männen och utfrågade dem noga om tiden då stjärnan hade visat sig. **8** Sedan lät han dem fara till Betlehem och sade: »Faren åstad och forsken noga efter barnet; och när I haven funnit det, så låten mig veta detta, för att också jag må komma och giva det min hyllning.» **9** När de hade hört konungens ord, foro de åstad; och se, stjärnan som de hade sett i östern gick framför dem, till dess att den kom över det ställe där barnet var. Där stannade den. **10** Och när de sågo stjärnan, uppfylldes de av mycket stor glädje. **11** Och de gingo in i huset och fingo se barnet med Maria, dess moder. Då föllo de ned och gåvo det sin hyllning; och de togo fram sina skatter och framburo åt det skänker: guld, rökelse och myrra. **12** Sedan fingo de, genom en uppenbarelse i drömmen, befallning att icke återvända till Herodes; och de drogo så en annan väg tillbaka till sitt land. **13** Men när de hade dragit åstad, se, då visade sig i drömmen en Herrens ängel för Josef och sade: »Stå upp och tag barnet och dess moder med dig, och fly till Egypten, och bliv kvar där, till dess jag säger dig till; ty Herodes tänker söka efter barnet för att förgöra det.» **14** Då stod han upp och tog barnet och dess moder med sig om natten, och drog bort till Egypten. **15** Där blev han kvar intill Herodes' död, för att det skulle fullbordas, som var sagt av Herren genom profeten som sade: »Ut ur Egypten kallade jag min son.» **16** När Herodes nu såg att han hade blivit gäckad av de vise männen, blev han mycket vred. Och han sände åstad och lät döda alla de gossebarn i Betlehem och hela området däromkring, som voro två år gamla och därunder, detta enligt den uppgift om tiden, som han hade fått genom att utfråga de vise männen. **17** Då fullbordades det som var sagt genom profeten Jeremias, när han sade: **18** »Ett rop hördes i Rama, gråt och mycken jämmer; det var Rakel som begrät sina barn, och hon ville icke låta trösta sig, eftersom de icke mer voro till.» **19** Men när Herodes var död, se, då visade sig i drömmen en Herrens ängel for Josef, i Egypten, **20** och sade: »Stå upp och tag barnet och dess moder med dig, och begiv dig till Israels land; ty de som traktade efter barnets liv äro nu döda.» **21** Då stod han upp och tog barnet och dess moder med sig, och kom så till Israels land. **22** Men när han hörde att Arkelaus regerade över Judeen; efter sin fader

Matteus

1 Detta är Jesu Kristi, Davids sons, Abrahams sons, släkttavla. **2** Abraham födde Isak, Isak födde Jakob, Jakob födde Judas och hans bröder; **3** Judas födde Fares och Sara med Tamar, Fares födde Esrom, Esrom födde Aram; **4** Aram födde Aminadab, Aminadab födde Naasson, Naasson födde Salmon; **5** Salmon födde Boes med Rakab, Boes födde Jobed med Rut, Jobed födde Jessai; **6** Jessai födde David, konungen, David födde Salomo med Urias' hustru; **7** Salomo födde Roboam, Roboam födde Abia. Abia födde Asaf; **8** Asaf födde Josafat, Josafat födde Joram, Joram födde Osias; **9** Osias födde Joatam, Joatam födde Akas, Akas födde Esekias; **10** Esekias födde Manasses, Manasses födde Amos, Amos födde Josias; **11** Josias födde Jekonias och hans bröder, vid den tid då folket blev bortfört i fångenskap till Babylonien. **12** Sedan folket hade blivit bortfört i fångenskap till Babylonien, födde Jekonias Salatiel, Salatiel födde Sorobabel; **13** Sorobabel födde Abiud, Abiud födde Eljakim, Eljakim födde Asor; **14** Asor födde Sadok, Sadok födde Akim, Akim födde Eliud; **15** Eliud födde Eleasar, Eleasar födde Mattan, Mattan födde Jakob; **16** Jakob födde Josef, Marias man, och av henne föddes Jesus, som kallas Kristus. **17** Så utgöra släktlederna från Abraham intill David tillsammans fjorton leder, och från David intill dess att folket blev bortfört i fångenskap till Babylonien fjorton leder, och från det att folket blev bortfört i fångenskap till Babylonien intill Kristus fjorton leder. **18** Med Jesu Kristi födelse gick det så till. Sedan Maria, hans moder, hade blivit trolovad med Josef, befanns hon, förrän de kommo tillsammans, vara havande av helig ande. **19** Nu var Josef, hennes man, en rättsinnig man och ville icke utsätta henne for vanära; därför beslöt han att hemligen skilja sig från henne. **20** Men när han hade fått detta i sinnet, se, då visade sig i drömmen en Herrens ängel för honom och sade: "Josef, Davids son, frukta icke att taga till dig Maria, din hustru; ty det som är avlat i henne är av helig ande. **21** Och hon skall föda en son, och honom skall du giva namnet Jesus, ty han skall frälsa sitt folk ifrån deras synder." **22** Allt detta har skett, för att det skulle fullbordas, som var sagt av Herren genom profeten som sade: **23** "Se, jungfrun skall bliva havande och föda en son, och man skall giva honom namnet Emmanuel" (det betyder Gud med oss). **24** När Josef hade vaknat upp ur sömnen, gjorde han som Herrens ängel hade befallt honom och tog sin hustru till sig. **25** Och han kände henne icke, förrän hon hade fött en son; och honom gav han namnet Jesus.

2 När nu Jesus var född i Betlehem i Judeen, på konung Herodes' tid, då kommo vise män från österns länder till Jerusalem **2** och sade: "Var är den nyfödde judakonungen? Vi hava nämligen sett hans stjärna i östern och hava kommit för att giva honom vår hyllning." **3** När konung Herodes hörde detta, blev han förskräckt, och hela Jerusalem med honom. **4** Och han församlade alla överstepräster och skriftlärde bland folket och frågade dem var Messias skulle födas. **5** De svarade honom: "I Betlehem i Judeen; ty så är skrivet genom profeten: **6** 'Och du Betlehem, du judiska bygd, ingalunda är du minst bland Juda furstar, ty av dig skall utgå en furste som skall vara en herde för mitt folk Israel.'" **7** Då kallade Herodes hemligen till sig de vise männen och utfrågade dem noga om tiden då stjärnan hade visat sig. **8** Sedan lät han dem fara till Betlehem och sade: "Faren åstad och forsken noga efter barnet; och när I haven funnit det, så låten mig veta detta, för att också jag må komma och giva det min hyllning." **9** När de hade hört konungens ord, foro de åstad; och se, stjärnan som de hade sett i östern gick framför dem, till dess att den kom över det ställe där barnet var. Där stannade den. **10** Och när de sågo stjärnan, uppfylldes de av mycket stor glädje. **11** Och de gingo in i huset och fingo se barnet med Maria, dess moder. Då föllo de ned och gåvo det sin hyllning; och de togo fram sina skatter och framburo åt det skänker: guld, rökelse och myrra. **12** Sedan fingo de, genom en uppenbarelse i drömmen, befallning att icke återvända till Herodes; och de drogo så en annan väg tillbaka till sitt land. **13** Men när de hade dragit åstad, se, då visade sig i drömmen en Herrens ängel för Josef och sade: "Stå upp och tag barnet och dess moder med dig, och fly till Egypten, och bliv kvar där, till dess jag säger dig till; ty Herodes tänker söka efter barnet för att förgöra det." **14** Då stod han upp och tog barnet och dess moder med sig om natten, och drog bort till Egypten. **15** Där blev han kvar intill Herodes' död, för att det skulle fullbordas, som var sagt av Herren genom profeten som sade: "Ut ur Egypten kallade jag min son." **16** När Herodes nu såg att han hade blivit gäckad av de vise männen, blev han mycket vred. Och han sände åstad och lät döda alla de gossebarn i Betlehem och hela området däromkring, som voro två år gamla och därunder, detta enligt den uppgift om tiden, som han hade fått genom att utfråga de vise männen. **17** Då fullbordades det som var sagt genom profeten Jeremias, när han sade: **18** "Ett rop hördes i Rama, gråt och mycken jämmer; det var Rakel som begrät sina barn, och hon ville icke låta trösta sig, eftersom de icke mer voro till." **19** Men när Herodes var död, se, då visade sig i drömmen en Herrens ängel for Josef, i Egypten, **20** och sade: "Stå upp och tag barnet och dess moder med dig, och begiv dig till Israels land; ty de som traktade efter barnets liv äro nu döda." **21** Då stod han upp och tog barnet och dess moder med sig, och kom så till Israels land. **22** Men när han hörde att Arkelaus regerade över Judeen; efter sin fader

Mateo

1 Ang aklat ng lahi ni Jesucristo, na anak ni David, na anak ni Abraham. **2** Naging anak ni Abraham si Isaac; at naging anak ni Isaac si Jacob; at naging anak ni Jacob si Juda at ang kaniyang mga kapatid; **3** At naging anak ni Juda kay Tamar si Fares at si Zara; at naging anak ni Fares si Esrom; at naging anak ni Esrom si Aram; **4** At naging anak ni Aram si Aminadab; at naging anak ni Aminadab si Naason; at naging anak ni Naason si Salmon; **5** At naging anak ni Salmon kay Rahab si Booz; at naging anak ni Booz kay Rut si Obed; at naging anak ni Obed si Jesse. **6** At naging anak ni Jesse ang haring si David; at naging anak ni David si Salomon, doon sa naging asawa ni Urias; **7** At naging anak ni Salomon si Reboam; at naging anak ni Reboam si Abias; at naging anak ni Abias si Asa; **8** At naging anak ni Asa si Josafat; at naging anak ni Josafat si Joram; at naging anak ni Joram si Ozias; **9** At naging anak ni Ozias si Joatam; at naging anak ni Joatam si Acaz; at naging anak ni Acaz si Ezequias; **10** At naging anak ni Ezequias si Manases; at naging anak ni Manases si Amon; at naging anak ni Amon si Josias; **11** At naging anak ni Josias si Jeconias at ang kaniyang mga kapatid, nang panahon ng pagkadalang-bihag sa Babilonia. **12** At pagkatapos nang pagkadalangbihag sa Babilonia, ay naging anak ni Jeconias si Salatiel; at naging anak ni Salatiel si Zorobabel; **13** At naging anak ni Zorobabel si Abiud; at naging anak ni Abiud si Eliaquim; at naging anak ni Eliaquim si Azor; **14** At naging anak ni Azor si Sadoc; at naging anak ni Sadoc si Aquim; at naging anak ni Aquim si Eliud; **15** At naging anak ni Eliud si Eleazar; at naging anak ni Eleazar si Matan; at naging anak ni Matan si Jacob; **16** At naging anak ni Jacob si Jose asawa ni Maria, na siyang nanganak kay Jesus, na siyang tinatawag na Cristo. **17** Sa makatuwid ang lahat ng mga salit-saling lahi buhat kay Abraham hanggang kay David ay labingapat na salit-saling lahi; at buhat kay David hanggang sa pagdalang-bihag sa Babilonia ay labingapat na sali't-saling lahi; at buhat sa pagkadalang-bihag sa Babilonia hanggang kay Cristo ay labingapat na sali't-saling lahi. **18** Ang pagkapanganak nga kay Jesucristo ay ganito: Nang si Maria na kaniyang ina ay magaasawa kay Jose, bago sila magsama ay nasumpungang siya'y nagdadalang-tao sa pamamagitan ng Espiritu Santo. **19** At si Jose na kaniyang asawa, palibhasa'y lalaking matuwid, at ayaw na ihayag sa madla ang kaniyang kapurihan, ay nagpasiyang hiwalayan siya ng lihim. **20** Datapuwa't samantalang pinagiisip niya ito, narito, ang isang anghel ng Panginoon ay napakita sa kaniya sa panaginip, na nagsasabi: Jose, anak ni David, huwag kang mangamba sa pagtanggap kay Maria na iyong asawa: sapagka't ang kaniyang dinadalang-tao ay sa Espiritu Santo. **21** At siya'y manganganak ng isang lalake; at ang pangalang itatawag mo sa kaniya'y JESUS; sapagka't ililigtas niya ang kaniyang bayan sa kanilang mga kasalanan. **22** At nangyari nga ang lahat ng ito, upang maganap ang sinalita ng Panginoon sa pamamagitan ng propeta, na nagsasabi, **23** Narito, ang dalaga'y magdadalang-tao at manganganak ng isang lalake, At ang pangalang itatawag nila sa kaniya ay Emmanuel; na kung liliwanagin, ay sumasa atin ang Dios. **24** At nagbangon si Jose sa kaniyang pagkakatulog, at ginawa niya ang ayon sa ipinagutos sa kaniya ng anghel ng Panginoon, at tinanggap ang kaniyang asawa; **25** At hindi nakilala siya hanggang sa maipanganak ang isang lalake: at tinawag niya ang kaniyang pangalang JESUS.

2 Nang ipanganak nga si Jesus sa Bet-lehem ng Judea sa mga kaarawan ng haring si Herodes, narito, ang mga Pantas na lalake ay nagsidating sa Jerusalem mula sa silanganan, na nagsisipagsabi, **2** Saan naroon ang ipinanganak na hari ng mga Judio? sapagka't aming nakita ang kaniyang bituin sa silanganan, at naparito kami upang siya'y sambahin. **3** Nang marinig ito ng haring si Herodes, ay nagulumihanan siya, at pati ng buong Jerusalem. **4** At pagkatipon sa lahat ng mga pangulong saserdote at mga eskriba ng bayan, ay siniyasat niya sa kanila kung saan kaya ipanganganak ang Cristo. **5** At sinabi nila sa kaniya, sa Bet-lehem ng Judea: sapagka't ganito ang pagkasulat ng propeta, **6** At ikaw Bet-lehem, na lupa ng Juda, Sa anomang paraan ay hindi ikaw ang pinakamaliit sa mga pangulong bayan ng Juda: Sapagka't mula sa iyo'y lalabas ang isang gobernador, Na siyang magiging pastor ng aking bayang Israel. **7** Nang magkagayo'y tinawag ni Herodes ng lihim ang mga Pantas na lalake, at kaniyang siniyasat ng buong ingat sa kanila ang panahong isinilang ng bituin. **8** At pinayaon niya sila sa Bet-lehem, at sinabi, Kayo'y magsiparoon at ipagtanong ng buong ingat ang tungkol sa sanggol; at pagkasumpong ninyo sa kaniya, ay ipagbigay-alam ninyo sa akin, upang ako nama'y makaparoon at siya'y aking sambahin. **9** At sila, pagkarinig sa hari ay nagsiyaon ng kanilang lakad; at narito, ang bituing kanilang nakita sa silanganan, ay nanguna sa kanila hanggang sa sumapit at tumigil sa tapat ng kinaroroonan ng sanggol. **10** At nang makita nila ang bituin, ay nangagalak sila ng di kawasang galak. **11** At nagsipasok sila sa bahay, at nangakita nila ang sanggol na kasama ng kaniyang inang si Maria; at nangagpatirapa sila at nangagsisamba sa kaniya; at pagkabukas nila ng kanilang mga kayamanan ay inihandog nila sa kaniya ang mga alay, na ginto at kamangyan at mira. **12** At palibhasa'y pinagsabihan sila ng Dios sa panaginip na huwag silang mangagbalik kay Herodes, ay nangagsiuwi sila sa kanilang sariling lupain sa ibang daan. **13** Nang mangakaalis nga sila, narito, ang isang anghel ng Panginoon ay napakita kay Jose sa panaginip, na nagsasabi, Magbangon ka at dalhin mo ang sanggol at ang kaniyang ina, at tumakas ka hanggang sa Egipto, at dumoon ka hanggang sa sabihin ko sa iyo: sapagka't hahanapin ni Herodes ang sanggol upang siya'y puksain. **14** At siya'y nagbangon at dinala ang sanggol at ang ina nito sa kinagabihan, at napasa Egipto; **15** At dumoon hanggang sa pagkamatay ni Herodes: upang maganap ang sinabi ng Panginoon sa pamamagitan ng propeta, na nagsasabi, Mula sa Egipto ay tinawag ko ang aking anak. **16** Nang magkagayon, nang mapansin ni Herodes na siya'y pinaglaruan ng mga Pantas na lalake, ay nagalit na mainam, at nagutos, at ipinapatay ang lahat ng mga sanggol na lalake na nangasa Bet-lehem, at sa buong palibotlibot noon, mula sa gulang na dalawang taon hanggang sa pababa, alinsunod sa panahon ng kaniyang maingat na pagkasiyasat sa mga Pantas na lalake. **17** Nang magkagayo'y naganap ang sinalita sa pamamagitan ng propeta Jeremias, na nagsasabi, **18** Isang tinig ay narinig sa Rama, Pananangis at kalagimlagim na iyak, Tinatangisan ni Raquel ang kaniyang mga anak; At ayaw na siyang maaliw, sapagka't sila'y wala na. **19** Nguni't pagkamatay ni Herodes, narito, ang isang anghel ng Panginoon ay napakita sa panaginip kay Jose sa Egipto,

Mateo

1 Ito ang aklat ng talaan ng angkan ni Jesu-Cristo na anak
ni David na anak ni Abraham. **2** Si Abraham ang ama ni
Isaac at si Isaac ang ama ni Jacob, at si Jacob ang ama ni
Juda at ng mga kapatid niya. **3** Si Juda ang ama ni Fares at
Zara kay Tamar, si Fares ang ama ni Esrom at si Esrom ang
ama ni Aram. **4** Si Aram ang ama ni Aminadab, si Aminadab
ang ama ni Naason, si Naason ang ama ni Salmon. **5** Si
Salmon ang ama ni Boaz kay Rahab, si Boaz ang ama ni
Obed kay Ruth, si Obed ang ama ni Jesse, **6** Si Jesse ang
ama ni David na hari, si David ang ama ni Solomon sa asawa
ni Urias. **7** Si Solomon ang ama ni Rehoboam, si Rehoboam
ang ama ni Abias, si Abias ang ama ni Asa. **8** Si Asa ang ama
ni Josafat, si Josafat ang ama ni Joram, si Joram ang ama ni
Ozias. **9** Si Ozias ang ama ni Jotam, si Jotam ang ama ni
Acaz, si Acaz ang ama ni Ezequias. **10** Si Ezequias ang ama
ni Manases, si Manases ang ama ni Amon, at si Amon ang
ama ni Josias. **11** Si Josias ang ama ni Jeconias at ng mga
kapatid niya noong panahon ng pagpapatapon sa Babilonia.
12 Pagkatapos ng pagpapatapon sa Babilonia, anak naman ni
Jeconias si Salatiel, si Salatiel ay ninuno ni Zerubabel. **13** Si
Zerubabel ang ama ni Abiud, si Abiud ang ama ni Eliakim, at
si Eliakim ang ama ni Azor. **14** Si Azor ang ama ni Sadok, si
Sadok ang ama ni Aquim, at si Aquim ang ama ni Eliud. **15** Si
Eliud ang ama ni Eliasar, si Eliasar ang ama ni Matan, at
si Matan ang ama ni Jacob. **16** Si Jacob ang ama ni Jose
na asawa ni Maria na nagsilang kay Jesus, na tinatawag na
Cristo. **17** Lahat ng salinlahi mula kay Abraham hanggang kay
David ay labing-apat na salinlahi, mula kay David hanggang
sa pagkakatapon sa Babilonia ay labing-apat na salinlahi,
mula sa pagpapatapon sa Babilonia hanggang kay Cristo ay
labing-apat na salinlahi. **18** Naganap ang kapanganakan ni
Jesu-Cristo sa ganitong kapamaraanan. Si Maria na kaniyang
ina ay naipagkasundong maikasal kay Jose. Ngunit bago
pa man sila magsama, nalamang nagdadalang tao siya sa
pamamagitan ng Banal na Espiritu. **19** Si Jose na asawa
niya ay isang matuwid na tao, ngunit ayaw niyang mapahiya
si Maria sa mga tao. Kaya palihim niyang tinapos ang
kasunduan niyang magpakasal sa kaniya. **20** Habang iniisip
ni Jose ang mga bagay na ito, nagpakita sa kaniya ang isang
anghel ng Panginoon sa panaginip at sinabi, "Jose, anak ni
David, huwag kang matakot na pakasalan si Maria dahil ang
kaniyang pinagbubuntis ay sa Banal na Espiritu. **21** Isisilang
niya ang isang anak na lalaki at papangalanan mo siyang
Jesus, sapagkat ililigtas niya ang kaniyang mga tao mula sa
mga kasalanan nila." **22** Nangyari ang lahat ng ito upang
matupad ang mga sinabi ng Panginoon sa pamamagitan ng
propeta, na nagsasabi, **23** "Masdan ito, magdadalang tao ang
isang birhen at magsisilang ng isang lalaki at tatawagin nilang
Emmanuel"— na nangangahulugang, "kasama natin ang
Diyos." **24** Nagising si Jose mula sa kaniyang pagkakatulog
at ginawa niya ang iniutos ng anghel ng Panginoon sa kaniya
at kinuha niya si Maria bilang asawa niya. **25** Gayunpaman,
hindi niya ito sinipingan hanggang sa isinilang niya ang anak
na lalaki. At tinawag niya ang kaniyang pangalan na Jesus.

2 Pagkatapos maipanganak si Jesus sa Bethlehem ng
Judea sa mga araw ni Haring Herodes, dumating sa
Jerusalem ang mga pantas na kalalakihan mula sa silangan
na nagsasabi, **2** "Nasaan siyang ipinanganak na Hari ng
mga Judio? Nakita namin ang bituin niya sa silangan kaya
pumarito kami upang sumamba sa kaniya." **3** Nang marinig ito
ni haring Herodes, nabagabag siya at ang buong Jerusalem
na kasama niya. **4** At tinipon ni Herodes ang lahat ng mga
punong pari at mga eskriba ng mga tao, at tinanong niya ang
mga ito, "Saan ipapanganak ang Cristo?" **5** Sinabi nila sa
kaniya, "Sa Bethlehem ng Judea, sapagkat ito ang isinulat
ng propeta, **6** 'At ikaw, Bethlehem, sa lupain ng Judah, ay
hindi pinakahamak sa mga pinuno ng Judah, sapagkat sayo
magmumula ang isang pinuno na magpapastol sa aking
mga taong Israelita.'" **7** At lihim na ipinatawag ni Herodes
ang mga pantas na kalalakihan upang tanungin kung ano
ang tiyak na oras na nagpakita ang bituin. **8** Pinapunta
niya ang mga ito sa Bethlehem at sinabing, "Humayo kayo
at hanaping mabuti ang bata. Kung nahanap ninyo siya,
ipaalam ninyo sa akin upang makapunta at makasamba din
ako sa kaniya." **9** Pagkatapos nilang makinig sa hari, sila
ay tumuloy sa kanilang lakbayin, at pinangunahan sila ng
bituwin na kanilang nakita mula sa silangan hanggang sa
ito ay tumigil kung nasaan naroroon ang bata. **10** Nang
nakita nila ang bituin, sila ay nagalak nang may labis na
kagalakan. **11** Sila ay pumunta sa bahay at kanilang nakita
ang bata kasama ng kaniyang inang si Maria. Yumukod sila
at sumamba sa kaniya. Binuksan nila ang kanilang mga
kayamanan at inihandog nila ang kanilang mga kaloob na
ginto, kamanyang, at mira. **12** Binalaan sila ng Diyos sa
panaginip na huwag nang bumalik kay Herodes, kaya umiba
sila ng daan pauwi sa kanilang bayan. **13** Pagkatapos nilang
umalis, isang anghel ng Panginoon ang nagpakita kay Jose
sa panaginip at sinabi, "Bumangon ka, dalhin mo ang bata
at ang kaniyang ina at tumakas kayo patungong Egipto.
Manatili kayo doon hanggang sa sasabihin ko, sapagkat
hahanapin ni Herodes ang bata upang patayin siya". **14**
Sa gabing iyon, bumangon si Jose at kinuha ang bata at
ang kaniyang ina at umalis patungong Egipto. **15** Nanatili
siya roon hanggang sa pagkamatay si Herodes. Tinupad
nito ang sinabi ng Panginoon sa pamamagitan ng propeta,
"Mula sa Egipto tinawag ko ang aking anak." **16** Nang nakita
ni Herodes na kinutya siya ng mga pantas na kalalakihan,
siya ay nagalit nang labis. Nagsugo siya at ipinapatay ang
lahat ng mga batang lalaking naroon sa Bethlehem at sa
buong rehiyon, ang mga may dalawang taong gulang pababa
ayon sa tiyak na panahong nalaman niya mula sa mga
pantas. **17** At natupad nga ang sinabi sa pamamagitan ng
propeta na si Jeremias, **18** "Isang tinig ang narinig sa Ramah,
pananangis at labis na pagdadalamhati, umiiyak si Raquel
para sa kaniyang mga anak at ayaw niyang paaliw sapagkat
sila ay wala na." **19** Nang si Herodes ay namatay, masdan ito,
nagpakita sa isang panaginip ang isang anghel ng Panginoon
kay Jose sa Egipto at sinabi, **20** "Bumangon ka at kunin mo
ang bata at ang kaniyang ina at pumunta kayo sa lupain ng
Israel, sapagkat ang mga naghahangad sa buhay ng bata
ay patay na." **21** Bumangon si Jose at kinuha ang bata at
ang kaniyang ina at tumungo sila sa lupain ng Israel. **22**
Ngunit nang mabalitaan niya na si Arquelao na ang naghahari
sa Judea kapalit ng kaniyang ama na si Herodes, natakot
siyang pumunta roon. Pagkatapos siyang balaan ng Diyos
sa panaginip, umalis siya patungo sa rehiyon ng Galilea **23**
at pumunta siya at nanirahan sa lungsod na tinatawag na
Nazaret. Natupad kung ano ang sinabi sa pamamagitan ng
mga propeta na siya ay tatawaging Nazareno.

Metiu

1 Si Abraham gvlo linv Dabid gv husi Jisu Kristo gv nwdwv. **2** Abraham lokv naalaila Dvbv Dabid lobv soogv nwdw ha lvkpvpv: Abraham Isaak gv abuv, Isaak Jakob gv abuv, Jakob Juda gvla ninyigv boru vdwgv abuv. Okv Tamar gvlokv bvngnam Perej gvla Jera gv abuv Juda. Okv Perej Hejron gv abuv, okv Hejron Ram gv abuv. Ram Amminadab gv abuv, Amminadab Naason gv abuv, Naason Salmon gv abuv. Salmon gv kuunyilo hv Boaj, hv Rahab gvlokv bvngnam v, okv Boaj gv kuunyilo ngv Obed, hv Rut gvlokv, okv Obed gv kuunyilo ngv Jesse okv Jesse gv kuunyilo ngv Dvbv Dabid. **6** Dabid lokv naalaila Israel nyi vdwa Bebilon lo nyirabv naakunam lobv soogv nwdw vdwa lvkpvpv: Okv Jesse Dvbv Dabid gv abuv, Dvbv Dabid gv kuunyilo ngv Solomon (Ninyigv anv ngv Uriah gv nywng ngv), Solomon Rehoboam gv abuv, Rehoboam Abija gv abuv, Abija Asa gv abuv. Asa Jehosapat gv abuv, Jehosapat Jehoram gv abuv, Jehoram Ujjiah gv abuv. Ujjiah Jotam gv abuv, Jotam Ahaj gv abuv, Ahaj Hejekiah gv abuv. Hejekiah Mannasse gv abuv, Mannasse Amon gv abuv, Amon Josia gv abuv. Okv Josia Jehoiachin gvla ninyigv boru vdwgv abuv, so si Bebilon lo nyirabv rila doodw ngvku. **12** Bebilon lo nyirabv rila dooro koching lokv naalaikula Jisunyi bvngdw lobv soogv nwdw ha lvkpvpv: Jehoiachin Sealtiel gv abuv, Sealtiel Jerubbabel gv abuv. Jerubbabel Abiud gv abuv, Abiud Eliakim gv abuv, Eliakim Ajor gv abuv. Ajor, Jadok gv abuv, Jadok Akim gv abuv, Akim Eliud gv abuv. Eliud Eliajar gv abuv, Eliajar Matan gv abuv, Matan Jakob gv abuv. Okv Jakob, Kristo vla minam Jisunyi bvngnv Meri gv nyilu Josep gv abuv. **17** Vbvrikunamv Abraham lokv Dabid lobv singtam vring gola api go, okv Dabid lokv Bebilon lo nyirabv rila doonam lobv vring gola api singtam go okv hokv naalaikula Jisu Kristonyi bvngnam lobv singtam vring gola api gobv ritoku. **18** Jisu Kristonyi svbvching mooku so dwrwboklin toku. Ninyigv anv Merinyi Josep gvlo minggag jitoku, vbvritola bunyiv nywng nyilubv rila dooba sutv madvbv hv Darwknv Dow lokv anga go dootvdu vla chinsu toku. **19** Josep tarwkbaknv nyi go, vkvlvgabv Merinyi nyi vdwgv kaagialo hinying momare mvngla, mingak minsu nama atubongv kayu dukubv rungtoku. **20** Ho lvkwngbv ninyigv vbv mvngdung rilo, Ahtu gv nyidogindung ako yumalo aala ninyia mintoku, "Josep, Dabid gv husi, Merinyi no gv nywngbv naase nga busu mabvka. Ninyigv kuugvnam v Darwknv Dow lokv gvdunv. **21** Nw kuunyilo ako bvngri, okv no hum Jisu vla amin minre—ogulvgavbolo hv ninyigv nyi vdwa bunugv rimur loka ringlin reku." **22** Vjak so mvnwng si ridu Pwknvyarnv gv kvvlo nyijwk vdwlo minam dvdv nga jvjv bv rilin modubv. **23** "Darwknv nyijar gunv kuu gvla, okv kuunyilo gubv bvngre, okv ninyia Immanuel vla minre" (So minam si, "Pwknvyarnv ngonugv rikulo reming gvduku," vnam v). **24** Vkvlvgabv vdwlo Josep gudung tokudw nw nyidogindung gv ninyia ritokv vla mingkubv nw Merinyi nywngbv naatoku. **25** Vbvritola nw Meri gv kuunyilo nga bvngtv madv yika nw Merinyi doogvkargv matoku. Okv Josep ninyia Jisu vla amin mintoku.

2 Judia mookugv Betlehem banggu lo Jisunyi bvngtoku, Herod gv Dvbv bv rila doori hoka. Vbvridanam gula doonyi chaagu mooku lokv nyido takar a chinv nyi mego Jerusalem lo aatoku **2** okv tvvkato, "Jius vdwgv Dvbv bv rijinv vmi anga nga ogolo bvngpv? Ngonu ninyigv takar a chaagu kiambv chaalin nama kaala ninyia kumdujodubv aapvnv." **3** Vdwlo Dvbv Herod sum tvvpa tokudw, hv achialvbv mvngru toku, okv Jerusalem gv nyi mvnwng ngvka. **4** Nw Nyibu Butvnv mvnwngnga okv pvbv tamsarnv vdwa gokkum tola bunua tvvkato, "Ogolodw Kristonyi dwrwboklin jikuv?" **5** "Judia mookugv Betlehem lo," bunu mirwkto. "Vkvlvgavbolo nyijwk vdwv svbv lvkpvpv: **6** 'Judah mookugv kvdw Betlehem a, no Judah mookugv pamtv mvnwng lokv miang nvgobv ribwng kumare; noogv lokv rigv nvgo linre, hv ngoogv Israel nyi vdwa rigvre.'" **7** Vkvlvgabv Herod chaagu lokv kaalwknv nyi vdwa kvba doosi kolo goklwk toku okv bunugv lokv chintoku takar v dw tvrwk lo boklin pvnvnyi vla. **8** Vbvrikunamv nw bunua svbv gaam mingv rikula Betlehem lo vngmu toku: "Vngnyika okv anga nga alvbv makar laka, okv vdwlo nonu mapa ridw, ngaaka chimu labv, ngo ka vngla ninyia kumdujodubv." **9** Okv vkvlvgabv bunu vngrap toku, okv bunugv lamtvlo bunu doonyi chaagu kiamgv takar kaanam anga lvkodv kaapa toku. Vdwlo bunu um kaapa tokudw, bunu achialvbv mvngpu laku, bunu achialv himpu punya toku! Hv bunua vngcho-vngcho gvla anga gv dooku lo vnglwk gvtoku. **11** Bunu naam arwnglo aatoku, okv vdwlo bunu vmi anga nga anv Meri nga lvkobv doodubv kaato kudw, bunu lvbwng ngv kumpvla gublwk dvla ninyia kumtojotoku. Bunugv amin gvnamv ain go, nampunv tvli go, okv nampunv amokayok jungnv guka naalinla ninyia jitoku. **12** Vbvrikunamv bunu akusunv lamtvbv vngla bunugv mooku lo vngkurla vngtoku, ogulvgavbolo Pwknvyarnv bunua yumalo gamrwto Herod gv dookubv vngpit kumabvkv vla mintoku. **13** Bunugv vngyuro kochingbv,

மத்தேயு

1 இயேசுகிறிஸ்துவின் வம்சவரலாறு; இவர் ஆபிரகாமின் வம்சத்தானாகிய தாவீதின் வம்சத்தினராவார். **2** ஆபிரகாம் ஈசாக்கின்
தகப்பன், ஈசாக்கு யாக்கோபின் தகப்பன், யாக்கோபு யூதாவுக்கும் அவன் சகோதரர்களுக்கும் தகப்பன், **3** யூதா பாரேஸுக்கும்
சாராவுக்கும் தகப்பன், அவர்களின் தாய் தாமார், பாரேஸ் எஸ்ரோமுக்குத் தகப்பன், எஸ்ரோம் ஆராமுக்குத் தகப்பன், **4** ஆராம்
அம்மினதாபின் தகப்பன், அம்மினதாப் நகசோனின் தகப்பன், நகசோன் சல்மோனின் தகப்பன், **5** சல்மோன் போவாஸின் தகப்பன்,
போவாஸினுடைய தாய் ராகாப், போவாஸ் ஓபேத்தின் தகப்பன், ஓபேத்தினுடைய தாய் ரூத், ஓபேத் ஈசாயின் தகப்பன், **6** ஈசாய் தாவீது
அரசனுக்குத் தகப்பன். தாவீது சாலொமோனுக்குத் தகப்பன், இவனது தாய் உரியாவின் மனைவியாயிருந்தவள். **7** சாலொமோன்
ரெகொபெயாமுக்குத் தகப்பன், ரெகொபெயாம் அபியாவுக்குத் தகப்பன், அபியா ஆசாவுக்குத் தகப்பன், **8** ஆசா யோசபாத்தின்
தகப்பன், யோசபாத் யோராமுக்குத் தகப்பன், யோராம் உசியாவின் தகப்பன், **9** உசியா யோதாமின் தகப்பன், யோதாம் ஆகாஸின்
தகப்பன், ஆகாஸ் எசேக்கியாவின் தகப்பன், **10** எசேக்கியா மனாசேயின் தகப்பன், மனாசே ஆமோனின் தகப்பன், ஆமோன்
யோசியாவின் தகப்பன், **11** யோசியா எகோனியாவுக்கும் அவன் சகோதரர்களுக்கும் தகப்பன். அக்காலத்தில் யூதர்கள் பாபிலோனுக்கு
நாடுகடத்தப்பட்டார்கள். **12** பாபிலோனுக்கு நாடுகடத்தப்பட்டபின்: எகோனியா சலாத்தியேலுக்குத் தகப்பனானான், சலாத்தியேல்
செருபாபேலுக்குத் தகப்பன், **13** செருபாபேல் அபியூதுக்குத் தகப்பன், அபியூத் எலியாக்கீமுக்குத் தகப்பன், எலியாக்கீம் ஆசோருக்குத்
தகப்பன், **14** ஆசோர் சாதோக்கிற்குத் தகப்பன், சாதோக் ஆகீமிற்குத் தகப்பன், ஆகீம் எலியூத்திற்குத் தகப்பன், **15** எலியூத்
எலெயாசாருக்குத் தகப்பன், எலெயாசார் மாத்தானுக்குத் தகப்பன், மாத்தான் யாக்கோபுக்குத் தகப்பன், **16** யாக்கோபு யோசேப்புக்குத்
தகப்பன், யோசேப்பு மரியாளின் கணவன், மரியாளிடம் கிறிஸ்து எனப்படுகிற இயேசு பிறந்தார். **17** இவ்வாறு ஆபிரகாமிலிருந்து
தாவீதுவரை பதினான்கு தலைமுறைகளும், தாவீதிலிருந்து பாபிலோனுக்கு நாடுகடத்தப்படும்வரை பதினான்கு தலைமுறைகளும்,
பாபிலோனுக்கு நாடுகடத்தப்பட்டதில் இருந்து கிறிஸ்துவரை பதினான்கு தலைமுறைகளும் இருந்தன. **18** இயேசுகிறிஸ்துவின்
பிறப்பு இவ்வாறு நிகழ்ந்தது: இயேசுவின் தாய் மரியாள் யோசேப்பைத் திருமணம் செய்வதற்கென நிச்சயிக்கப்பட்டிருந்தாள்.
ஆனால் அவர்கள் ஒன்றுசேர்ந்து வாழும் முன்பே அவள் பரிசுத்த ஆவியினால் கருவுற்றிருந்தது தெரியவந்தது. **19** அவளது
கணவன் யோசேப்பு ஒரு நீதிமானாயிருந்தான். எனவே அவளை மக்கள் முன்பு வெளிப்படையாக அவமானப்படுத்த விரும்பாமல்,
திருமண ஒப்பந்தத்தை இரகசியமாக முறித்துவிட நினைத்தான். **20** யோசேப்பு இவ்வாறு சிந்தித்துக் கொண்டிருந்தபோது, கர்த்தரின்
தூதன் அவனுக்குக் கனவில் தோன்றி, "தாவீதின் மகனாகிய யோசேப்பே, நீ மரியாளை உனது மனைவியாக சேர்த்துக்கொள்ளத்
தயங்காதே, ஏனெனில் அவள் பரிசுத்த ஆவியாலேயே கருவுற்றிருக்கிறாள். **21** அவள் ஒரு மகனைப் பெறுவாள்; நீ அவருக்கு,
'இயேசு' என்று பெயரிட வேண்டும். ஏனெனில் அவர் தமது மக்களை அவர்களுடைய பாவங்களிலிருந்து இரட்சிப்பார்" என்றான். **22**
கர்த்தர் தமது இறைவாக்கினன் மூலமாகச் சொல்லியிருந்தது நிறைவேறவே இவை நடந்தன: **23** "ஒரு கன்னிப்பெண் கர்ப்பவதியாகி
ஒரு மகனைப் பெறுவாள். அவரை இம்மானுயேல் என அழைப்பார்கள்." இம்மானுயேல் என்பதன் அர்த்தம், "இறைவன் நம்மோடு
இருக்கிறார்" என்பதே. **24** யோசேப்பு நித்திரையை விட்டெழுந்ததும், கர்த்தரின் தூதன் தனக்குக் கட்டளையிட்டபடியே, மரியாளைத்
தனது மனைவியாக வீட்டிற்குக் கூட்டிச்சென்றான். **25** ஆனால் அவள் ஒரு மகனைப் பெற்றெடுக்கும்வரை யோசேப்பு அவளுடன்
சேரவில்லை. யோசேப்பு அவருக்கு இயேசு என்று பெயரிட்டான்.

2 யூதேயாவிலுள்ள பெத்லகேமில் இயேசு பிறந்தபின், ஏரோது அரசனாக இருந்தபொழுது, கிழக்கிலிருந்து அறிஞர்கள் எருசலேமுக்கு
வந்தார்கள். **2** அவர்கள், "யூதருக்கு அரசனாகப் பிறந்தவர் எங்கே இருக்கிறார்? நாங்கள் அவருடைய நட்சத்திரத்தைக்
கிழக்கிலே கண்டோம். அவரை வழிபட வந்திருக்கிறோம்" என்றார்கள். **3** ஏரோது அரசன் இதைக் கேட்டபோது, அவனும்
அவனோடுகூட எருசலேம் மக்கள் எல்லோரும் கலக்கமடைந்தார்கள். **4** அப்பொழுது அவன் எல்லா தலைமை ஆசாரியர்களையும்,
மோசேயின் சட்ட ஆசிரியர்களையும் ஒன்றுகூட்டி, "கிறிஸ்து எங்கே பிறப்பார்?" எனக் கேட்டான். **5** அவர்களோ, "யூதேயாவிலுள்ள
பெத்லகேமில்" என்றார்கள், "ஏனெனில் இறைவாக்கினன் எழுதியிருப்பது இதுவே: **6** "'யூதேயா நாட்டிலுள்ள பெத்லகேமே,
யூதாவை ஆளுபவர்களில் நீ அற்பமானவனல்ல; ஏனெனில், உன்னிலிருந்து ஆளுநர் ஒருவர் வருவார். அவர் எனது மக்களான
இஸ்ரயேலுக்கு மேய்ப்பராயிருப்பார்,'" என பதிலளித்தார்கள். **7** அதற்குப் பின்பு ஏரோது அறிஞர்களை இரகசியமாய் அழைத்து,
நட்சத்திரம் தோன்றிய சரியான நேரத்தை குறித்து அவர்களிடம் கவனமாய்க் கேட்டு அறிந்துகொண்டான். **8** ஏரோது அவர்களிடம்,
"நீங்கள் போய் கவனமாய் விசாரித்து குழந்தையைத் தேடுங்கள். அவரைக் கண்டதும், நானும் போய் அவரை வழிபடும்படி,
உடனே எனக்கும் அறிவியுங்கள்" என்று சொல்லி, அவர்களைப் பெத்லகேமுக்கு அனுப்பினான். **9** அரசன் கூறியதைக் கேட்டபின்,
அவர்கள் தங்கள் வழியே சென்றார்கள். அவர்கள் கிழக்கிலே கண்ட நட்சத்திரம், அவர்களுக்கு முன்னாகச் சென்றது. அது
குழந்தை இருக்கும் இடம்வரை வந்து, அதற்கு மேலாக நின்றது. **10** அவர்கள் நட்சத்திரத்தைக் கண்டபோது, மிகுந்த மகிழ்ச்சி
அடைந்தார்கள். **11** அவர்கள் வீட்டிற்குள் நுழைந்து, குழந்தை அதன் தாயாகிய மரியாளுடன் இருக்கக் கண்டு, தரையில் விழுந்து
அவரை வழிபட்டார்கள். பின்பு தங்கள் திரவியப் பெட்டியைத் திறந்து தங்கம், நறுமணத்தூள் மற்றும் வெள்ளைப்போளம்
ஆகியவற்றைப் பிள்ளைக்குக் காணிக்கையாகக் கொடுத்தார்கள். **12** அதற்குப் பின்பு ஏரோதிடம் திரும்பிச் செல்லக்கூடாது என
அவர்கள் கனவில் எச்சரிக்கப்பட்டிருந்ததால், தங்கள் நாட்டிற்கு வேறு வழியாய்த் திரும்பிச் சென்றார்கள். **13** அறிஞர்கள் திரும்பிச்
சென்றபின் கர்த்தரின் தூதன் ஒருவன் யோசேப்புக்குக் கனவில் தோன்றி, "எழுந்திரு! குழந்தையையும் தாயையும் கூட்டிக்கொண்டு,
எகிப்திற்குத் தப்பிப்போ. நான் உனக்குச் சொல்லும்வரை அங்கேயே தங்கியிரு, ஏனெனில் ஏரோது குழந்தையைக் கொல்வதற்காக
வகைதேடுகிறான்" என்று சொன்னான். **14** உடனே யோசேப்பு எழுந்திருந்து, குழந்தையையும் அதின் தாயையும் கூட்டிக்கொண்டு
இரவு நேரத்தில் எகிப்திற்குப் புறப்பட்டுச் சென்றான்; **15** அவன் ஏரோது இறக்கும்வரை அங்கேயே இருந்தான். இவ்வாறு கர்த்தர் தனது
இறைவாக்கினன் மூலம், "எகிப்திலிருந்து நான் என் மகனை அழைத்தேன்" என்று கூறியிருந்தது நிறைவேறியது. **16** ஏரோது தான்
அறிஞர்களால் ஏமாற்றப்பட்டதை அறிந்தபொழுது, கடுங்கோபம் கொண்டான். அதனால் அவன் தான் அறிஞர்களிடம் கேட்டறிந்த
காலத்தின்படி, பெத்லகேமிலும் அதன் சுற்றுப்புறங்களிலும் உள்ள இரண்டு வயதிற்குட்பட்ட எல்லா ஆண் குழந்தைகளையும்
கொலைசெய்தான். **17** அப்பொழுது இறைவாக்கினன் எரேமியா மூலமாகக் கூறப்பட்டது நிறைவேறியது: **18** "ராமாவிலே ஒரு குரல்
கேட்கிறது, அழுகையும் பெரும் புலம்பலும் கேட்கின்றன, ராகேல் தன் பிள்ளைகளுக்காக அழுகிறாள். அவர்களை இழந்ததினால்,
ஆறுதல் பெற மறுக்கிறாள்." **19** ஏரோது இறந்தபின், கர்த்தருடைய தூதன் எகிப்தில் யோசேப்புக்குக் கனவில் தோன்றி, **20**
"எழுந்திரு, குழந்தையையும் அதின் தாயையும் கூட்டிக்கொண்டு, இஸ்ரயேல் நாட்டுக்குப் போ; குழந்தையின் உயிரையெடுக்கத்
தேடினவர்கள் இறந்துவிட்டார்கள்" என்றான். **21** எனவே அவன் குழந்தையையும் அதின் தாயையும் கூட்டிக்கொண்டு, இஸ்ரயேல்
நாட்டிற்குச் சென்றான். **22** ஆனால் அர்கெலாயு தனது தகப்பனான ஏரோதுவின் இடத்தில், யூதேயாவில் ஆட்சி செய்வதை யோசேப்பு
கேள்விப்பட்டபோது, அங்கே போகப் பயந்தான். அப்பொழுது யோசேப்பு கனவிலே எச்சரிக்கப்பட்டபடியால் அப்பகுதியைவிட்டு
கலிலேயா மாவட்டத்திற்குப் போனான். **23** அங்கு நாசரேத் எனப்படும் ஊருக்குச் சென்று அங்கே குடியிருந்தான். எனவே, "இயேசு
நசரேயன் என அழைக்கப்படுவார்" என இறைவாக்கினர்மூலம் சொல்லப்பட்டது இவ்வாறு நிறைவேறியது.

மத்தேயு

க ஆபிரகாமின் மகனாகிய தாவீதின் குமாரனான இயேசுகிறிஸ்துவின் வம்சவரலாறு: **உ** ஆபிரகாம் ஈசாக்கைப் பெற்றான்; ஈசாக்கு யாக்கோபைப் பெற்றான்; யாக்கோபு யூதாவையும் அவனுடைய சகோதரர்களையும் பெற்றான்; **ங** யூதா பாரேசையும் சாராவையும் தாமாரினிடத்தில் பெற்றான்; பாரேஸ் எஸ்ரோமைப் பெற்றான்; எஸ்ரோம் ஆராமைப் பெற்றான்; **ச** ஆராம் அம்மினதாபைப் பெற்றான்; அம்மினதாப் நகசோனைப் பெற்றான்; நகசோன் சல்மோனைப் பெற்றான்; **ஞ** சல்மோன் போவாசை ராகாபினிடத்தில் பெற்றான்; போவாஸ் ஓபேத்தை ரூத்தினிடத்தில் பெற்றான்; ஓபேத் ஈசாயைப் பெற்றான்; **�simple** ஈசாய் தாவீது ராஜாவைப் பெற்றான்; தாவீது ராஜா உரியாவின் மனைவியாக இருந்தவளிடத்தில் சாலொமோனைப் பெற்றான்; **எ** சாலொமோன் ரெகொபெயாமைப் பெற்றான்; ரெகொபெயாம் அபியாவைப் பெற்றான்; அபியா ஆசாவைப் பெற்றான்; **அ** ஆசா யோசபாத்தைப் பெற்றான்; யோசபாத் யோராமைப் பெற்றான்; யோராம் உசியாவைப் பெற்றான்; **கூ** உசியா யோதாமைப் பெற்றான்; யோதாம் ஆகாஸைப் பெற்றான்; ஆகாஸ் எசேக்கியாவைப் பெற்றான்; **க0** எசேக்கியா மனாசேயைப் பெற்றான்; மனாசே ஆமோனைப் பெற்றான்; ஆமோன் யோசியாவைப் பெற்றான்; **கக** பாபிலோனுக்குச் சிறைப்பட்டுப் போகும்காலத்தில், யோசியா எகொனியாவையும் அவனுடைய சகோதரர்களையும் பெற்றான். **கஉ** பாபிலோனுக்குச் சிறைப்பட்டுப் போனபின்பு, எகொனியா சலாத்தியேலைப் பெற்றான்; சலாத்தியேல் செருபாபேலைப் பெற்றான்; **கங** செருபாபேல் அபியூதைப் பெற்றான்; அபியூத் எலியாக்கீமைப் பெற்றான்; எலியாக்கீம் ஆசோரைப் பெற்றான்; **கச** ஆசோர் சாதோக்கைப் பெற்றான்; சாதோக்கு ஆகீமைப் பெற்றான்; ஆகீம் எலியூதைப் பெற்றான்; **கடு** எலியூத் எலெயாசாரைப் பெற்றான்; எலெயாசார் மாத்தானைப் பெற்றான்; மாத்தான் யாக்கோபைப் பெற்றான்; **கசூ** யாக்கோபு மரியாளுடைய புருஷனாகிய யோசேப்பைப் பெற்றான்; மரியாளிடத்தில் கிறிஸ்து எனப்படுகிற இயேசு பிறந்தார். **கள** இவ்விதமாக உண்டான தலைமுறைகளெல்லாம் ஆபிரகாம்முதல் தாவீதுவரைக்கும் பதினாலு தலைமுறைகளும்; தாவீதுமுதல் பாபிலோனுக்குச் சிறைப்பட்டுப்போன காலம்வரைக்கும் பதினாலு தலைமுறைகளும்; பாபிலோனுக்குச் சிறைப்பட்டுப்போன காலம்முதல் கிறிஸ்துவரைக்கும் பதினான்கு தலைமுறைகளாகும். **கஅ** இயேசு கிறிஸ்துவினுடைய பிறப்பின் விபரமாவது: அவருடைய தாயாகிய மரியாள் யோசேப்புக்கு நியமிக்கப்பட்டிருக்கும்போது, அவர்கள் இணைவதற்குமுன்பே, அவள் பரிசுத்த ஆவியானவராலே கர்ப்பவதியானாள் என்று காணப்பட்டது. **கக** அவள் கணவனாகிய யோசேப்பு நீதிமானாக இருந்து, அவளை அவமானப்படுத்த விருப்பமில்லாமல், இரகசியமாக அவளை விவாகரத்துசெய்ய யோசனையாக இருந்தான். **உ0** அவன் இப்படி நினைத்துக்கொண்டு இருக்கும்போது, கர்த்தருடைய தூதன் கனவில் அவனுக்குக் காணப்பட்டு: "தாவீதின் குமாரனாகிய யோசேப்பே, உன் மனைவியாகிய மரியாளைச் சேர்த்துக்கொள்ள பயப்படாதே; அவளிடத்தில் கருவுற்றிருக்கிறது பரிசுத்த ஆவியானவரால் உண்டானது. **உக** அவள் ஒரு மகனைப் பெறுவாள், அவருக்கு இயேசு என்று பெயரிடுவாயாக; ஏனென்றால், அவர் தமது மக்களின் பாவங்களை நீக்கி அவர்களை இரட்சிப்பார்" என்றான். **உஉ** தீர்க்கதரிசியின் மூலமாகக் கர்த்தரால் உரைக்கப்பட்டது நிறைவேறும்படி இதெல்லாம் நடந்தது. **உங** அவன்: "இதோ, ஒரு கன்னிகை கர்ப்பவதியாகி ஒரு மகனைப் பெறுவாள்; அவருக்கு இம்மானுவேல் என்று பெயரிடுவார்கள்" என்று சொன்னான். இம்மானுவேல் என்பதற்கு தேவன் நம்மோடு இருக்கிறார் என்று அர்த்தம். **உச** யோசேப்பு தூக்கம் தெளிந்து எழுந்து, கர்த்தருடைய தூதன் தனக்குக் கட்டளையிட்டபடியே தன் மனைவியைச் சேர்த்துக்கொண்டு; **உடு** அவள் தன் முதற்பேறான மகனைப் பெற்றெடுக்கும் வரை அவளோடு இணையாமலிருந்து, அவருக்கு இயேசு என்று பெயரிட்டான்.

உ ஏரோது ராஜாவின் நாட்களில் யூதேயாவிலுள்ள பெத்லகேமிலே இயேசு பிறந்தபொழுது, கிழக்கிலிருந்து சாஸ்திரிகள் எருசலேமுக்கு வந்து, **உ** "யூதர்களுக்கு ராஜாவாகப் பிறந்திருக்கிறவர் எங்கே? கிழக்கிலே அவருடைய நட்சத்திரத்தைக் கண்டு, அவரைத் தொழுதுகொள்ள வந்தோம்" என்றார்கள். **ங** ஏரோதுராஜா அதைக் கேட்டபொழுது, அவனும் அவனோடுகூட எருசலேம் நகரத்தார் அனைவரும் கலங்கினார்கள். **ச** அவன் பிரதான ஆசாரியர்கள், மக்களின் வேதபண்டிதர்கள் எல்லோரையும் கூடிவரச்செய்து: "கிறிஸ்துவானவர் எங்கே பிறப்பாரென்று" அவர்களிடத்தில் விசாரித்தான். **டு** அதற்கு அவர்கள்: "யூதேயாவிலுள்ள பெத்லகேமிலே பிறப்பார்; அது ஏனென்றால்: **சூ** யூதேயா நாட்டிலுள்ள பெத்லகேமே, யூதாவின் பிரபுக்களில் நீ சிறியதல்ல; என் மக்களாகிய இஸ்ரவேலை ஆளும் பிரபு உன்னிடத்திலிருந்து புறப்படுவார் என்று, தீர்க்கதரிசியினால் எழுதப்பட்டிருக்கிறது" என்றார்கள். **எ** அப்பொழுது ஏரோது, சாஸ்திரிகளை இரகசியமாக அழைத்து, நட்சத்திரம் காணப்பட்ட காலத்தைக்குறித்து அவர்களிடத்தில் திட்டமாக விசாரித்து: **அ** நீங்கள் போய், பிள்ளையைக்குறித்துத் திட்டமாக விசாரியுங்கள்; நீங்கள் பிள்ளையைக் கண்டபின்பு, நானும் வந்து பிள்ளையைப் பணிந்துகொள்ளும்படி எனக்கு அறிவியுங்கள் என்று சொல்லி, அவர்களை பெத்லகேமுக்கு அனுப்பினான். **கூ** ராஜா சொன்னதை அவர்கள் கேட்டுப் போகும்போது, அவர்கள் கிழக்கிலே கண்ட நட்சத்திரம் பிள்ளை இருந்த இடத்திற்குமேல் வந்து நிற்கும்வரைக்கும் அவர்களுக்குமுன் சென்றது. **க0** அவர்கள் அந்த நட்சத்திரத்தைக் கண்டபோது, மிகுந்த ஆனந்த சந்தோஷமடைந்தார்கள். **கக** அவர்கள் அந்த வீட்டிற்குள் பிரவேசித்து, பிள்ளையையும் அதின் தாயாகிய மரியாளையும் கண்டு, சாஷ்டாங்கமாக விழுந்து பிள்ளையைப் பணிந்துகொண்டு, தங்களுடைய பொக்கிஷங்களைத் திறந்து, பொன்னையும் தூபவர்க்கத்தையும் வெள்ளைப்போளத்தையும் காணிக்கையாக வைத்தார்கள். **கஉ** பின்பு, அவர்கள் ஏரோதினிடத்திற்குத் திரும்பிப் போகவேண்டாம் என்று கனவில் தேவனால் எச்சரிக்கப்பட்டு, வேறுவழியாகத் தங்களுடைய நாட்டிற்குத் திரும்பிப்போனார்கள். **கங** அவர்கள் போனபின்பு, கர்த்தருடைய தூதன் கனவில் யோசேப்புக்குத் தோன்றி: ஏரோது பிள்ளையைக் கொலைசெய்யத் தேடுவான்; ஆதலால் நீ எழுந்து, பிள்ளையையும், தாயையும் கூட்டிக்கொண்டு எகிப்துக்கு ஓடிப்போய், நான் உனக்குச் சொல்லும்வரைக்கும் அங்கே இரு என்றான். **கச** அவன் எழுந்து, இரவிலே பிள்ளையையும், தாயையும் கூட்டிக்கொண்டு, எகிப்துக்குப் புறப்பட்டுப்போய், **கடு** ஏரோது மரிக்கும்வரைக்கும் அங்கே இருந்தான். "எகிப்திலிருந்து என்னுடைய குமாரனை வரவழைத்தேன்" என்று தீர்க்கதரிசியின் மூலமாகக் கர்த்தரால் சொல்லப்பட்டது நிறைவேறும்படி இப்படி நடந்தது. **கசூ** அப்பொழுது ஏரோது தான் சாஸ்திரிகளால் ஏமாற்றப்பட்டதைக் கண்டு, மிகுந்த கோபமடைந்து, ஆட்களை அனுப்பி, தான் சாஸ்திரிகளிடத்தில் திட்டமாக விசாரித்த காலத்தின்படியே, பெத்லகேமிலும் அதின் எல்லா எல்லைகளிலுமிருந்த இரண்டு வயதுக்குட்பட்ட எல்லா ஆண் பிள்ளைகளையும் கொலைசெய்தான். **கள** "புலம்பலும் அழுகையும் மிகுந்த துக்கங்கொண்டாடலுமாகிய கூக்குரல் ராமாவிலே கேட்கப்பட்டது; ராகேல் தன் பிள்ளைகளுக்காக அழுது, அவைகள் இல்லாதபடியால் ஆறுதலடையாமல் இருக்கிறாள்" என்று, **கஅ** எரேமியா தீர்க்கதரிசியினால் சொல்லப்பட்டது அப்பொழுது நிறைவேறியது. **கக** ஏரோது மரித்தபின்பு, கர்த்தருடைய தூதன் எகிப்திலே யோசேப்புக்குக் கனவில் தோன்றி: **உ0** "நீ எழுந்து, பிள்ளையையும், தாயையும் கூட்டிக்கொண்டு, இஸ்ரவேல் தேசத்திற்குப் போ; பிள்ளையின் உயிரையெடுக்கத் தேடினவர்கள் மரித்துப்போனார்கள்" என்றான். **உக** அவன் எழுந்து பிள்ளையையும், தாயையும் கூட்டிக்கொண்டு இஸ்ரவேல் தேசத்திற்கு வந்தான். **உஉ** ஆனாலும், அர்கெலாயு தன் தகப்பனாகிய ஏரோதின் பட்டத்திற்கு வந்து, யூதேயாவில் அரசாளுகிறான் என்று கேள்விப்பட்டு, அங்கே போகப் பயந்தான். அப்பொழுது, அவன் கனவில் தேவனால் எச்சரிக்கப்பட்டு, கலிலேயா நாட்டின்

మత్తయి

౧ అబ్రాహాము వంశం వాడైన దావీదు వంశం వాడు యేసు క్రీస్తు
వంశావళి. **౨** అబ్రాహాము కొడుకు ఇస్సాకు, ఇస్సాకు కొడుకు
యాకోబు, యాకోబు కొడుకులు యూదా, అతని సోదరులు. **౩**
యూదాకు తామారు ద్వారా పుట్టిన కొడుకులు పెరెసు, జెరహు.
పెరెసు కొడుకు ఎస్రోము. ఎస్రోము కొడుకు ఆరాము. **౪** ఆరాము
కొడుకు అమ్మీనాదాబు. అమ్మీనాదాబు కొడుకు నయస్సోను.
నయస్సోను కొడుకు శల్మాను. **౫** శల్మానుకు రాహాబు ద్వారా
పుట్టిన వాడు బోయజు. బోయజుకు రూతు ద్వారా పుట్టిన వాడు
ఓబేదు. ఓబేదు కొడుకు యెష్షయి. **౬** యెష్షయి కొడుకు దావీదు.
గతంలో ఊరియాకు భార్యగా ఉన్న ఆమె ద్వారా దావీదుకు
పుట్టిన వాడు సొలొమోను. **౭** సొలొమోను కొడుకు రెహబాము.
రెహబాము కొడుకు అబీయా. అబీయా కొడుకు ఆసా. **౮** ఆసా
కొడుకు యెహోషాపాతు. యెహోషాపాతు కొడుకు యెహోరాము.
యెహోరాము కొడుకు ఉజ్జీయా. **౯** ఉజ్జీయా కొడుకు యోతాము.
యోతాము కొడుకు ఆహాజు. ఆహాజు కొడుకు హిజ్కియా. **౧౦**
హిజ్కియా కొడుకు మనష్షే. మనష్షే కొడుకు ఆమోను. ఆమోను
కొడుకు యోషీయా. **౧౧** యోషీయా కొడుకులు యెకొన్యా,
అతని సోదరులు. వీరి కాలంలో యూదులను బబులోను చెరలోకి
తీసుకుపోయారు. **౧౨** బబులోనుకు వెళ్ళిన తరువాత యూదుల
వంశావళి. యెకొన్యా కొడుకు షయల్తీయేలు. షయల్తీయేలు
కొడుకు జెరుబ్బాబెలు. **౧౩** జెరుబ్బాబెలు కొడుకు అబీహూదు.
అబీహూదు కొడుకు ఎల్యాకీము. ఎల్యాకీము కొడుకు అజోరు.
౧౪ అజోరు కొడుకు సాదోకు. సాదోకు కొడుకు ఆకీము. ఆకీము
కొడుకు ఎలీహూదు. **౧౫** ఎలీహూదు కొడుకు ఎలియాజరు.
ఎలియాజరు కొడుకు మత్తాను. మత్తాను కొడుకు యాకోబు. **౧౬**
యాకోబు కొడుకు యోసేపు. యోసేపు మరియ భర్త. ఆమె ద్వారా
క్రీస్తు అనే పేరు గల యేసు పుట్టాడు. **౧౭** ఈ విధంగా అబ్రాహాము
నుంచి దావీదు వరకూ మొత్తం పద్నాలుగు తరాలు. దావీదు నుంచి
యూదులు బబులోను చెరలోకి వెళ్ళిన కాలం వరకూ పద్నాలుగు
తరాలు. బబులోను చెరలోకి వెళ్ళిన కాలం నుంచి క్రీస్తు వరకూ
పద్నాలుగు తరాలు. **౧౮** యేసు క్రీస్తు పుట్టుక వివరం. ఆయన తల్లి
మరియకు యోసేపుతో ప్రదానం అయింది కానీ వారు ఏకం కాక
ముందే ఆమె పరిశుద్ధాత్మ వలన గర్భం ధరించింది. **౧౯** ఆమె భర్త
యోసేపు నీతిపరుడు. అందువల్ల అతడు ఆమెను బహిరంగంగా
అవమానపరచకుండా రహస్యంగా వదిలేద్దామనుకున్నాడు. **౨౦**
అతడు ఈ విషయాల గురించి ఆలోచిస్తూ ఉండగా, ప్రభువు
దూత అతనికి కలలో కనిపించి, "దావీదు కుమారా, యోసేపు,
మరియను నీ భార్యగా స్వీకరించడానికి భయపడవద్దు. ఎందుకంటే
ఆమె గర్భధారణ పరిశుద్ధాత్మ మూలంగా కలిగింది. **౨౧** ఆమె ఒక
కుమారుణ్ణి కంటుంది. తన ప్రజలను వారి పాపాల నుంచి ఆయనే
రక్షిస్తాడు కాబట్టి ఆయనకు యేసు అనే పేరు పెడతావు" అన్నాడు.
౨౨ "'కన్య గర్భవతి అయి కొడుకును కంటుంది. ఆయనకు
'దేవుడు మనతో ఉన్నాడు' అని అర్థమిచ్చే 'ఇమ్మానుయేలు' అనే
పేరు పెడతారు" అని ప్రభువు తన ప్రవక్త ద్వారా పలికించిన మాట
నెరవేరాలని ఇదంతా జరిగింది. **౨౪** యోసేపు నిద్ర లేచి, ప్రభువు
దూత తనకు ఆజ్ఞాపించిన ప్రకారం మరియను తన భార్యగా
స్వీకరించాడు. **౨౫** అయితే ఆమె కొడుకును కనే వరకూ అతనికి
ఆమెతో ఎలాటి లైంగిక సంబంధమూ లేదు. యోసేపు ఆయనకు
యేసు అనే పేరు పెట్టాడు.

౨ హేరోదు రాజు పరిపాలించే రోజుల్లో యూదయ ప్రాంతంలోని
బేత్లెహేము అనే ఊరిలో యేసు పుట్టిన తరువాత తూర్పు
దేశాల నుండి జ్ఞానులు కొందరు యెరూషలేముకు వచ్చి, **౨**
"యూదుల రాజుగా జన్మించినవాడు ఎక్కడ ఉన్నాడు? తూర్పున
మేము ఆయన నక్షత్రాన్ని చూశాం. ఆయనను ఆరాధించడానికి
వచ్చాం" అన్నారు. **౩** హేరోదు రాజు ఈ సంగతి విని అతడూ
అతనితో పాటు యెరూషలేము వారంతా కంగారుపడ్డారు. **౪**
కాబట్టి రాజు ప్రజల ప్రధాన యాజకులను, ధర్మశాస్త్రజ్ఞులను అందరినీ
పిలిపించి, "క్రీస్తు ఎక్కడ పుట్టవలసి ఉంది?" అని వారిని అడిగాడు.
౫ అందుకు వారు, "యూదయ ప్రాంతంలోని బేత్లెహేములోనే.
ఎందుకంటే, **౬** 'యూదయ ప్రాంతపు బేత్లెహేము గ్రామమా! యూదా
ప్రముఖ పట్టణాలలో నువ్వు దేనికీ తీసిపోవు. నా ఇశ్రాయేలు
ప్రజలను కాపరిగా పాలించేవాడు నీలోనే పుడతాడు' అని ప్రవక్తలు
రాశారు" అని చెప్పారు. **౭** అప్పుడు హేరోదు ఆ జ్ఞానులను
రహస్యంగా పిలిపించి, ఆ నక్షత్రం కనిపించిన కచ్చితమైన సమయం
వారి ద్వారా తెలుసుకున్నాడు. **౮** తరవాత వారిని బేత్లెహేముకు
పంపుతూ, "మీరు వెళ్ళి, ఆ బిడ్డ కోసం జాగ్రత్తగా వెదకండి. మీరు
ఆయనను కనుగొన్నాక నాకు చెప్పండి. అప్పుడు నేనూ వచ్చి
ఆయనను ఆరాధిస్తాను" అని చెప్పాడు. **౯** వారు రాజు మాట
విని బయలుదేరి వెళ్తుంటే, తూర్పున వారికి కనిపించిన నక్షత్రం
వారి ముందు వెళుతూ ఆ బిడ్డ ఉన్న స్థలంపైన ఆగింది. **౧౦** ఆ
నక్షత్రం చూసి, వారు అత్యధికంగా ఆనందించారు. **౧౧** ఇంట్లోకి
వెళ్ళి బిడ్డనూ ఆయన తల్లి మరియనూ చూసి సాష్టాంగపడి
ఆరాధించారు. తమ పెట్టెలు విప్పి బంగారం, సాంబ్రాణి, బోళం
కానుకలుగా ఆయనకు బహూకరించారు. **౧౨** హేరోదు దగ్గరికి
తిరిగి వెళ్ళవద్దని దేవుడు వారిని కలలో హెచ్చరించినందువల్ల
వారు వేరే దారిన తమ స్వదేశం వెళ్ళిపోయారు. **౧౩** వారు వెళ్ళిన
తరువాత ప్రభువు దూత యోసేపుకు కలలో కనిపించి, "లేచి
బాలుణ్ణీ, తల్లినీ తీసుకుని ఐగుప్తుకు పారిపో. నేను నీకు మళ్ళీ
చెప్పే వరకూ అక్కడే ఉండు. ఎందుకంటే హేరోదు ఈ బాలుణ్ణి
చంపాలని వెదకబోతున్నాడు" అని అతనితో చెప్పాడు. **౧౪**
యోసేపు లేచి, రాత్రి వేళ బాలుణ్ణీ తల్లినీ తీసుకుని ఐగుప్తుకు
తరలిపోయాడు. **౧౫** హేరోదు చనిపోయే వరకూ అక్కడే
ఉండిపోయాడు. 'ఐగుప్తు నుంచి నా కుమారుణ్ణి పిలిచాను' అని
ప్రవక్త ద్వారా ప్రభువు చెప్పిన మాట ఇలా నెరవేరింది. **౧౬** ఆ
జ్ఞానులు తనను మోసగించారని హేరోదు గ్రహించి కోపంతో
మండిపడ్డాడు. తాను జ్ఞానుల నుండి తెలుసుకున్న కాలం ప్రకారం
బేత్లెహేములో, దాని పరిసర గ్రామాలన్నిటిలో రెండేళ్ళు, అంతకు
తక్కువ వయస్సు ఉన్న మగపిల్లలందరినీ చంపించాడు. **౧౭**
"ఏడుపు, రోదనలతో రమాలో ఒక స్వరం వినబడింది. రాహేలు
తన పిల్లల కోసం ఏడుస్తూ ఉంది. వారిని కోల్పోయి ఓదార్పు
పొందలేక ఉంది" అని దేవుడు యిర్మీయా ప్రవక్త ద్వారా పలికించిన
మాటలు ఇలా నెరవేరాయి. **౧౮** హేరోదు చనిపోయిన తరువాత
ప్రభువు దూత ఐగుప్తులో యోసేపుకు కలలో కనబడి, **౧౯** "లేచి,
బాలుణ్ణీ తల్లినీ తీసుకుని ఇశ్రాయేలు దేశానికి వెళ్ళు. బాలుడి
ప్రాణం తీయాలని చూసేవారు చనిపోయారు" అని చెప్పాడు.
౨౦ అప్పుడు యోసేపు లేచి పిల్లవాణ్ణీ తల్లినీ ఇశ్రాయేలు దేశానికి
తీసుకు వచ్చాడు. **౨౧** అయితే అర్కెలా తన తండ్రి హేరోదు
స్థానంలో యూదయ ప్రాంతాన్ని పాలిస్తున్నాడని విని, అక్కడికి
వెళ్ళడానికి యోసేపు భయపడ్డాడు. దేవుడు అతన్ని కలలో
హెచ్చరించగా గలిలయ ప్రాంతానికి వెళ్ళి, **౨౩** నజరేతు అనే

Mātiu

1 Ko e tohi ʻoe tupuʻanga ʻo Sisu Kalaisi, ko e ʻAlo
ʻo Tevita, ko e ʻAlo ʻo ʻEpalahame. **2** Naʻe tupu ʻia
ʻEpalahame ʻa ʻAisake; pea tupu ʻia ʻAisake ʻa Sēkope;
pea tupu ʻia Sēkope ʻa Siuta mo hono kāinga; **3** Pea
tupu ʻia Siuta ʻa Felesi mo Sala ʻia Tema; pea tupu ʻia
Felesi ʻa ʻEsilome; pea tupu ʻia ʻEsilome ʻa ʻElame; **4** Pea
tupu ʻia ʻElame ʻa ʻAminatape; pea tupu ʻia ʻAminatape ʻa
Naasoni; pea tupu ʻia Naasoni ʻa Salimone; **5** Pea tupu ʻia
Salimone ʻa Poasi ʻia Lehapi; pea tupu ʻia Poasi ʻa ʻOpeti
ʻia Lute; pea tupu ʻia ʻOpeti ʻa Sese; **6** Pea tupu ʻia Sese ʻa
Tevita ko e tuʻi; pea tupu ʻia Tevita ko e tuʻi ʻa Solomone,
ʻiate ia [naʻe mali] mo ʻUlia; **7** Pea tupu ʻia Solomone
ʻa Lopoame; pea tupu ʻia Lopoame ʻa ʻApaia; pea tupu
ʻia ʻApaia ʻa ʻEsa; **8** Pea tupu ʻia ʻEsa ʻa Siosafate; pea
tupu ʻia Siosafate ʻa Siolame; pea tupu ʻia Siolame ʻa
ʻUsaia; **9** Pea tupu ʻia ʻUsaia ʻa Siotame; pea tupu ʻia
Siotame ʻa ʻEhasi; pea tupu ʻia ʻEhasi ʻa Hesekaia; **10**
Pea tupu ʻia Hesekaia ʻa Manase; pea tupu ʻia Manase ʻa
ʻEmone; pea tupu ʻia ʻEmone ʻa Siosaia; **11** Pea tupu ʻia
Siosaia ʻa Sekonaia mo hono kāinga, ʻo feʻunga mo e
kuonga naʻe fetuku ai ʻakinautolu ki Papilone: **12** Pea
hili hono fetuku ʻakinautolu ki Papilone, pea tupu ʻia
Sekonaia ʻa Saletili; pea tupu ʻia Saletili ʻa Solopēpeli; **13**
Pea tupu ʻia Solopēpeli ʻa ʻApaiuta; pea tupu ʻia ʻApaiuta
ʻa ʻElaiakimi; pea tupu ʻia ʻElaiakimi ʻa ʻEsoa; **14** Pea tupu
ʻia ʻEsoa ʻa Sētoki; pea tupu ʻia Sētoki ʻa ʻAkemi; pea tupu
ʻia ʻAkemi ʻa ʻElaiuti; **15** Pea tupu ʻia ʻElaiuti ʻa ʻEliesa;
pea tupu ʻia ʻEliesa ʻa Matani; pea tupu ʻia Matani ʻa
Sēkope; **16** Pea tupu ʻia Sēkope ʻa Siosefa ko e husepāniti
ʻo Mele, ʻaia ne ne fāʻeleʻi ʻa Sisu, ʻoku ui ko Kalaisi. **17**
Pea ko e toʻutangata kotoa pē meia ʻEpalahame ʻo aʻu kia
Tevita ko e toʻutangata ʻe hongofulu ma fā; pea meia
Tevita ʻo aʻu ki he fetuku ki Papilone ko e toʻutangata ʻe
hongofulu ma fā; pea mei he fetuku ki Papilone ʻo aʻu
ki he Kalaisi ko e toʻutangata ʻe hongofulu ma fā. **18**
Pea naʻe pehē ʻae ʻaloʻi ʻo Sisu Kalaisi: Kuo fakanofo ʻene
faʻē ko Mele kia Siosefa, pea teʻeki ai te na feʻiloaki, kae
ʻiloange, kuo feitama ia ʻi he Laumālie Māʻoniʻoni. **19** Pea
ko Siosefa ko hono husepāniti, ko e tangata angatonu,
pea naʻe ʻikai ʻi hono loto ke talaki fakahā ia, ka naʻa ne
tokanga ke tukuange fakafufū pe ia. **20** Kae lolotonga
ʻene fifili ki he ngaahi meʻa ni, ʻiloange, kuo hā mai kiate
ia ha ʻāngelo ʻae ʻEiki ʻi he misi, ʻo ne pehē, "Siosefa, foha
ʻo Tevita, ʻoua te ke manavahē ke maʻu ʻa Mele ko ho
uaifi: he ko ia kuo fakatupu ʻiate ia ʻoku mei he Laumālie
Māʻoniʻoni. **21** Pea te ne fāʻeleʻi ʻae tama, pea te ke
ui hono huafa, ko SISU: ko ia ia te ne fakamoʻui hono
kakai mei heʻenau ngaahi angahala." **22** Pea naʻe fai ʻeni
kotoa pē koeʻuhi ke fakamoʻoni ʻaia naʻe folofolaʻaki ʻe
he ʻEiki ʻi he palōfita, ʻo pehē, **23** "Vakai, ʻe feitama ʻae
tāupoʻou, pea ʻe fāʻeleʻi ʻae tama, pea ʻe ui hono huafa, ko
ʻImanuela:" ko hono ʻuhinga "Ko e ʻOtua ʻiate kitautolu."
24 Pea kuo tuʻu hake ʻa Siosefa mei he mohe, pea fai ʻe ia
ʻo hangē ko e fekau ʻae ʻāngelo ʻae ʻEiki kiate ia, ʻo ne
ʻomi ʻa hono uaifi: **25** Ka naʻe ʻikai te na feʻiloaki kaeʻoua
ke ʻaloʻi ʻe ia ʻa ʻene ʻuluaki tama: pea ne ui hono huafa
ko SISU.

2 Pea kuo ʻaloʻi ʻa Sisu ʻi Petelihema ʻi Siutea, ʻi he
ngaahi ʻaho ʻo Helota ko e tuʻi, vakai, naʻe haʻu ʻae
kau tangata poto mei he potu hahake ki Selūsalema, **2** ʻO
pehē, "ʻOku ʻi fē ia ʻaia kuo ʻaloʻi ko e Tuʻi ʻoe kakai Siu?
He kuo mau mamata ʻi he potu hahake ki hono fetuʻu,
pea kuo mau haʻu ke hū kiate ia." **3** Pea kuo fanongo ai ʻa
Helota ko e tuʻi, naʻe puputuʻu ia, mo Selūsalema kotoa
pē mo ia. **4** Pea kuo fakakātoa ʻe ia ʻae kau taulaʻeiki lahi
kotoa pē mo e kau tangata tohi ʻoe kakai, naʻe fakapapau
ia meiate kinautolu pe ʻaloʻi ʻi fē ʻae Kalaisi. **5** Pea nau
pehēange kiate ia, "ʻI Petelihema ʻi Siutea: he ʻoku pehē
hono tohi he palōfita. **6** ʻKo Koe Petelihema, ʻi he fonua
ʻo Siuta, ʻoku ʻikai ʻaupito ko e siʻi hifo Koe ʻi he ngaahi
ʻEiki ʻo Siuta: koeʻuhi ʻe haʻu meiate Koe ha Pule, ʻaia
te ne puleʻi hoku kakai ko ʻIsileli." **7** Pea toki fekau
fakafufū ʻe Helota ke haʻu ʻae kau tangata poto, pea
fehuʻi fakapapau kiate kinautolu pe naʻe hā mai ʻanefē
ʻae fetuʻu. **8** Pea ne fekau ʻakinautolu ki Petelihema,
ʻo ne pehē, "Mou ʻalu ʻo kumi lahi ki he tamasiʻi, pea
ka mou ka ʻilo ia, mou fakahā mai kiate au, koeʻuhi ke
u ʻalu atu ʻo hū foki kiate ia." **9** Pea kuo nau fanongo
ki he tuʻi, pea nau ʻalu; pea vakai, ko e fetuʻu naʻa nau
mamata ai ʻi he potu hahake, naʻe ʻalu muʻomuʻa ʻiate
kinautolu, ʻo aʻu ki he potu naʻe ʻi ai ʻae tamasiʻi pea tuʻu
mei ai ʻi ʻolunga. **10** Pea ʻi heʻenau mamata ki he fetuʻu,
naʻa nau fiefia ʻi he fiefia lahi ʻaupito. **11** Pea ʻi heʻenau
hū ki he fale, naʻa nau mamata ki he tamasiʻi naʻe ʻi
heʻene faʻē ko Mele, mo nau fakatōmapeʻe ʻo hū kiate
ia; pea kuo nau vete ʻenau koloa, naʻa nau ʻoatu kiate
ia ʻae ngaahi meʻaʻofa; ko e koula, mo e laipeno, mo e
mula. **12** Pea ʻi he valokia ʻakinautolu ʻe he ʻOtua ʻi he
misi, ke ʻoua te nau toe ʻalu kia Helota, naʻa nau ʻalu ki
honau fonua ʻi ha hala kehe. **13** Pea kuo ʻalu ʻakinautolu,
ʻiloange, kuo hā mai ha ʻāngelo ʻae ʻEiki kia Siosefa ʻi
he misi, ʻo ne pehē, "Tuʻu hake ʻo ʻave ʻae tamasiʻi mo
ʻene faʻē, pea ke holataki ʻi ki ʻIsipite, pea ke nofo ai ke
ʻoua ke u fakahā kiate koe: koeʻuhi ʻe kumi ʻe Helota ʻae
tamasiʻi ke tāmateʻi ia." **14** Pea tuʻu hake ia, ʻo ne ʻave
ʻae tamasiʻi mo ʻene faʻē ʻi he pō, ʻo ʻalu ki ʻIsipite: **15** Pea
naʻe ʻi ai ia ʻo aʻu ki he mate ʻa Helota: ke fakamoʻoni ʻaia
naʻe folofolaʻaki ʻe he ʻEiki ʻi he palōfita, ʻo pehē, "Kuo u
ui mai hoku foha mei ʻIsipite." **16** Pea kuo toki ʻilo ʻe
Helota kuo kākaaʻi ia ʻe he kau tangata poto, pea ʻita
lahi ʻaupito, mo ne fekau atu ki Petelihema mo e ngaahi
potu ofi ki ai, ke tāmateʻi ʻae tamaiki tangata kotoa pē,
ngata ʻi he ua taʻu ʻo ʻenau lahi ʻo fai ki mui; ʻo fakatatau
ki he ʻaho naʻa ne fehuʻi fakapapau ai ki he kau tangata
poto. **17** Pea naʻe toki fakamoʻoni ʻaia naʻe lea ʻaki ʻe he
palōfita ko Selemaia, ʻo pehē, **18** "Naʻe ongoʻi ʻi Lama
ʻae leʻo, ko e lāunga, mo e tangi, mo e tangilāulau, ko
e tēngihia ʻe Lesieli ʻene fānau, pea ʻikai te ne tali ʻae
fiemālie, koeʻuhi kuo ʻikai ʻakinautolu." **19** Ka kuo mate
ʻa Helota, pea vakai, naʻe hā mai ha ʻāngelo ʻae ʻEiki kia
Siosefa ʻi he misi ʻi ʻIsipite, **20** ʻO ne pehē, "Tuʻu hake,
pea ʻave ʻae tamasiʻi mo ʻene faʻē, pea ʻalu ki he fonua ʻo
ʻIsileli; he kuo mate ʻakinautolu naʻe kumi ki he moʻui
ʻae tamasiʻi." **21** Pea tuʻu hake ia ʻo ʻave ʻae tamasiʻi mo
ʻene faʻē, pea haʻu ki he fonua ʻo ʻIsileli. **22** Ka ʻi heʻene
fanongo ʻoku pule ʻa ʻAkileosi ʻi Siutea ko e fetongi ʻo
ʻene tamai ko Helota, naʻe manavahē ia ke ʻalu ki ai: pea
ʻi he valoki ia ʻe he ʻOtua ʻi he misi, naʻa ne afe ki he
ngaahi potu ʻo Kaleli: **23** Pea haʻu ia ʻo nofo ʻi he kolo ko

Matta

1 İbrıhımaaşina, Davudaaşina eyxhena I'sa Masixhna nasıl: **2** İbrıhımıke I'saq' g'arı. I'saq'ıke Yaaq'ub g'arı. Yaaq'ubukeb Yahudiy mang'un çocar g'abı. **3** Yahudukeb Tamaree vuxuyn Peresiy Zarax g'avayle. Peresıker Xetsron g'arayle. Xetsronuker Ram g'arayle. **4** Ramıker Amminadav g'arayle. Amminadavıker Naxşon g'arayle. Naxşonıker Salmon g'arayle. **5** Salmonıker Raxavee uxuna Boaz g'arayle. Boazıker Rutee uxuna Oved g'arayle. Ovedıker Yessey g'arayle. **6** Yesseyker paççah Davud g'arayle. Davuduker Uriyeyne xhunaşşee uxuna Sıleyman g'arayle. **7** Sıleymanıke Rexavam g'arayle. Rexavamıke Aviya g'arayle. Aviyadıker Asaf g'arayle. **8** Asafıker Yehoşafat g'arayle. Yehoşafatıke Yehoram g'arayle. Yehoramıker Uzziya g'arayle. **9** Uzziyeker Yotam g'arayle. Yotamıker Axaz g'arayle. Axazıker Xizqiya g'arayle. **10** Xizqiyeker Menaşşe g'arayle. Menaşşeyker Amos g'arayle. Amosuker Yoşiya g'arayle. **11** İzrailin millet Baabil eyhene ölkeeqa g'e'eşşemee, Yoşiyayke Yekonyayiy mang'un çocar g'avayle. **12** Baabileençe qabıyle qiyğa, Yekonyayke Şealtiel g'arayle. Şealtieliker Zorubbabil g'arayle. **13** Zorubbabiliker Avihud g'arayle. Avihuduker Elyaqim g'arayle. Elyaqimıker Azor g'arayle. **14** Azoruker Tsadok g'arayle. Tsadokuker Axim g'arayle. Aximiker Elihud g'arayle. **15** Elihuduker Eleazar g'arayle. Eleazarıker Mattan g'arayle. Mattanıker Yaaq'ub g'arayle. **16** Yaaq'ubuke Mayramna adamiy Yusuf g'arayle. Mayrameeyir I'sa, insanaaşe Masixhva eyhena uxoxa. **17** Gırgıda İbrıhımılee Davudulqameen nasılbı qədəqqəxhee yits'ıyoq'ab vooxhe, Davudulee Baabilqa g'e'epşesmeen nasılbıd qədəqqəxhee yits'ıyoq'ab vooxhe, Baabilqa g'eepşiyled Masixhılqameen nasılbı qədəqqəxheeyid yits'ıyoq'abcab nasıl vooxhe. **18** I'sa Masixhın yedike ıxhay inəxüd ıxha: mang'una yed Mayram Yusufne doyulyniy qey'ı. Manbışe davatbı ha'assecad, məng'ı'n vuxhne yixhay aq'valqa qığeç'e. Məng'ee uxasın Uşax Muq'addasne Rı'hı'ke eyxhe. **19** Yusuf qorkuna insan eyxhe, Mayram insanaaşine k'ane tesser hidee'esva, mang'us mana dyugulenra galerç'es yikkiykan. **20** Mang'vee man kar ək'leeqa k'eççumee, mang'us nik'ek Rəbbin malaaik dyagu eyhen: – Davudaaşda dix Yusuf! Mayram hee'es qıməyq'ən, məng'ı'ne vuxhnedın Uşax Muq'addasne Rı'hı'ken vodun. **21** Mayramee Dix uxas, ğu Mang'un do I'sa (Rəbbee g'attixhan ha'a) gixhxhe, Mang'vee Cun millet manbışde bınahbışike g'attixhan ha'as. **22** İn gırgın kar, Rəbbine mizele yuşan ha'ane peyğambaree otk'unin xhinne eyxhe: **23** «Haane, içiy vuxhne ayxu sa Dix uxas, Doyud İmmanuel gixhxhes». (İmmanuel «Allah şaka vornava» eyhen vodun.) **24** Yusuf muğur qıxhamee, mang'vee Rəbbine malaaikee uvhuyn xhinne ha'a: Mayramıke cus xhunaşşe hee'e. **25** Mayramee Dix uxasmee, Yusuf məng'ı'ka g'ılexha deş. Məng'ee uxuyne Uşaxın doyud, Yusufee I'sa giyxhe.

2 I'sa Hirodee paççahiyvalla haa'ane gahıl, Yahudeyayne Bet-Lexem eyhene şaharee yedike ıxha. I'sa yedike ıxhamee, şargılee İyerusalimqa geed ats'alynan insanar abı, **2** maane insanaaşike qiyghanan: – Nyaaxha Yahudeeşda həşde yedike ıxhana paççah? Şak'le şargıle Mang'una xəne g'avcu, Mang'us k'yoozaras abı. **3** Man g'ayxhımee, paççah Hirodiy İyerusalimeedın millet nyaqame ixhesın axva. **4** Hirodee cusqa gırgın kaahinaaşin ç'ak'ınbıyiy Q'aanunun mə'əllimar sav'u qiyghanan: – Nyaane Masixh yedike ixhes? **5** Manbışe eyhen: – Yahudeyayne Bet-Lexemne şaharee. Məxüd peyğambaree otk'un: **6** «Yahudeyayne cigabışeena Bet-Lexem, Ğu Yahudeyayne ç'ak'ıne şaharbışda nekke k'ınna deş vob. Yiğne arğançe Yizde milletıs İzrailis Çoban, Xərna qığeç'es». **7** Manke Hirodee geed ats'an insanar cusqa dyugulenba qopt'ul, manbışike xəne qığevç'una qopkuna gah qiviyghan. **8** Mang'vee manbı Bet-Lexemqa g'uxoolemee, eyhen: – Hapk'ın mane Uşaxne hək'ee yugda ats'axhxhe. Aveykımeeyir, zas xabar g'axuvle, zınar arı Mang'us k'yozaras. **9** Manbışe paççahee uvhuynçil k'ırı gyaqqı yəqqı'lqa gyabak'a. Mane gahıl şargıle g'avcuyne xəneynıb manbışik'le yəq haagva vuxha. Mana xəne apk'ın, Uşaxnane cigayne oo ulyoozar. **10** Geed ats'ane insanaaşik'le xəne g'avcu, geeb şadebaxhenbı. **11** Manbı xaaqa ik'eepç'ı, Uşaxiy mang'una yed Mayram g'avcu, Uşaxne ögiyl gugaybışil gyuv'ur ç'iyelqamee k'yoozaranbı. Qiyğad co adıyn xazinanan balagbı aaqı, Mang'us k'ınəəğə, yugun evanan gıranın gətraniy gıranın ətirbı hele. **12** Manbışik'le nik'ek Hirodusqa nyaggah sivmiyk'alva g'acuva, manbı menne yəqqı'ncab cone ölkeeqa siviyk'al. **13** Geed ats'an insanar apk'ınmee, Yusuf nik'enang'a mang'usqa Rəbbin malaaik adı eyhen: – Oza qıxhe, Uşaxiy cuna yedir alyart'u zaara Misirqa hixvee. Hirodıs Uşax t'abal hı'ı gik'asıd ıkkan, mançil-allar zı vak'le eyhesmee maa'ar axve. **14** Mane xəmdecar Yusufee Uşaxiy cuna yed alyapt'ı Misirqa ayk'an. **15** Goone Hirod qik'asmee, manbı ma'ab aaxva. Məxüd Rəbbine mizele yuşan ha'ane peyğambaree otk'unin xhinne eyxhe: «Zı Yizda Dix Misirğançe

Matta

1 İbrahim'in ve Davud'un soyundan gelen
İsa Mesih'in soy kaydı şöyledir: **2** İbrahim,
İshak'ın babasıydı. İshak, Yakub'un babasıydı.
Yakub, Yahuda ve kardeşlerinin babasıydı. **3**
Yahuda, Tamar'dan doğan Peres ve Zerah'ın
babasıydı. Peres, Hesron'un babasıydı. Hesron,
Ram'ın babasıydı. **4** Ram, Amminadav'ın
babasıydı. Amminadav, Nahşon'un babasıydı.
Nahşon, Salmon'un babasıydı. **5** Salmon,
Rahav tarafından Boaz'ın babasıydı. Boaz, Rut
tarafından Oved'in babasıydı. Oved, İşay'ın
babasıydı. **6** İşay, Kral Davud'un babasıydı.
Davud, Uriya'nın karısından doğan Süleyman'ın
babasıydı. **7** Süleyman, Rehavam'ın babasıydı.
Rehavam, Aviya'nın babasıydı. Aviya, Asa'nın
babasıydı. **8** Asa, Yehoşafat'ın babasıydı.
Yehoşafat, Yehoram'ın babasıydı. Yehoram,
Uzziya'nın babasıydı. **9** Uzziya, Yotam'ın
babasıydı. Yotam, Ahaz'ın babasıydı. Ahaz,
Hizkiya'nın babasıydı. **10** Hizkiya, Manaşe'nin
babasıydı. Manaşe, Amon'un babasıydı. Amon,
Yoşiya'nın babasıydı. **11** Yoşiya, Yekonya
ve kardeşlerinin babasıydı. Bunlar, İsrail
halkının Babil'e sürüldüğü zaman doğdular. **12**
Yekonya, halk Babil'e sürüldükten sonra doğan
Şealtiyel'in babasıydı. Şealtiyel, Zerubbabil'in
babasıydı. **13** Zerubbabil, Avihud'un babasıydı.
Avihud, Elyakim'in babasıydı. Elyakim, Azor'un
babasıydı. **14** Azor, Sadok'un babasıydı. Sadok,
Ahim'in babasıydı. Ahim, Elihud'un babasıydı.
15 Elihud, Elazar'ın babasıydı. Elazar, Mattan'ın
babasıydı. Mattan, Yakub'un babasıydı. **16** Yakub,
Meryem'in kocası olan Yusuf'un babasıydı.
Meryem'den Mesih diye bilinen İsa doğdu.
17 Böylece İbrahim'den Davud'a kadar on
dört kuşak, Davud'dan İsrail halkının Babil'e
sürüldüğü zamana kadar da on dört kuşak
vardır. Halkın Babil'e sürüldüğü zamandan
Mesih'e kadar yine on dört kuşak vardır. **18**
İsa Mesih'in doğması şöyle oldu: O'nun annesi
Meryem, Yusuf'la nişanlıydı. Onlar birleşmeden
önce Meryem'in Kutsal Ruh'tan gebe olduğu
anlaşıldı. **19** Meryem'in nişanlısı Yusuf iyi bir
adamdı. Meryem'i halkın gözünde rezil etmek
istemedi. Bunun için nişanı sessizce bozmak
niyetindeydi. **20** Yusuf tam bunu düşünürken,
Rabbin bir meleği ona rüyada göründü. Ona,
"Ey Davud oğlu Yusuf" dedi. "Meryem'i
karın olarak yanına almaktan korkma. Çünkü
ondaki bebek Kutsal Ruh'tandır. **21** O bir oğul
doğuracak. Adını İsa koyacaksın. Çünkü halkını
günahlarından O kurtaracak." **22** Bütün bunlar,
Rabbin peygamber aracılığıyla söylediği şu söz
yerine gelsin diye oldu: **23** "İşte bakire kız
gebe kalacak, bir oğul doğuracak. O'nun adını
İmmanuel koyacaksınız." İmmanuel, "Allah
bizimle" demektir. **24** Yusuf uykudan kalkınca,
Rabbin meleğinin ona buyurduğu gibi yaptı.
Meryem'i karısı olarak yanına aldı. **25** Ama
Meryem oğlunu doğurana kadar Yusuf onunla
birleşmedi. Çocuğun adını İsa koydu.

2 İsa, Kral Hirodes'in zamanında, Yahudiye'deki
Beytlehem kasabasında doğdu. Bundan sonra
yıldızbilimciler doğudan Yeruşalim şehrine
geldiler. **2** Şunu sordular: "Yahudilerin Kralı
olarak doğan çocuk nerede? Çünkü onun
yıldızının yükseldiğini gördük ve yere kapanarak
ona saygı göstermeye geldik." **3** Bunu işitince,
Kral Hirodes ve onunla birlikte bütün Yeruşalim
halkı telaşa düştü. **4** Kral bütün başrahipleri
ve halkın Tevrat uzmanlarını bir araya topladı.
Onlardan Mesih'in nerede doğacağını öğrenmek
istedi. **5** Krala şunu söylediler: "Yahudiye'deki
Beytlehem kasabasında. Çünkü peygamber
aracılığıyla şöyle yazılmıştır: **6** 'Sen, Yahuda
topraklarında bulunan Beytlehem, Yahuda
liderleri arasında en önemsiz kasaba değilsin.
Çünkü halkım İsrailoğullarını güdecek lider
senden çıkacak.'" **7** Ondan sonra Hirodes
gizlice yıldızbilimcileri çağırdı. Yıldızın onlara
tam olarak ne zaman göründüğünü sordu. **8**
Sonra onları Beytlehem'e gönderirken şunları
söyledi: "Oraya varınca çocuğu dikkatle arayın.
Bulduktan sonra bana haber yollayın. Ben de
gelip yere kapanarak ona saygı göstereyim." **9**
Yıldızbilimcileri kralı dinledikten sonra yola
çıktılar. Yükselişini gördükleri aynı yıldız
onların önünden gitti. En sonunda çocuğun
bulunduğu evin üstünde durdu. **10** Yıldızı
görünce olağanüstü büyük bir sevinç duydular.
11 Eve girip çocuğu ve annesi Meryem'i
gördüler. Yere kapanıp çocuğa saygı gösterdiler.
Sandıklarını açıp O'na hediyeler verdiler.
Bunlar altın ve günnük ile mür denen değerli
kokulardı. **12** Allah onları bir rüyada Hirodes'in
yanına dönmemeleri için uyardı. Bu sebeple
memleketlerine başka yoldan döndüler. **13**
Yıldızbilimciler gittikten sonra, Rabbin bir

Mateo

1 Yesu Kristo a ofi Ɔhene Dawid ne Abraham
abusua mu no mpanyimfo din na edidi so yi:
2 Abraham ba ne Isak, Isak ba ne Yakob; Yakob
nso mma ne Yuda ne ne nuanom. **3** Yuda mma
ne Peres ne Sera. Wɔn na ne Tamar. Peres ba ne
Hesron na Hesron nso ba ne Ram. **4** Ram woo
Aminadab, Aminadab woo Nahson, Nahson nso
woo Salmon. **5** Salmon ne ne yere Rahab woo
Boas, Boas ne ne yere Rut woo Obed, Obed nso
woo Yisai. **6** Yisai ba ne Ɔhene Dawid. Dawid
ba ne Salomo. Dawid ne Batseba a na anka ɔyɛ
Uria yere no na wɔwoo Salomo. **7** Salomo woo
Rehoboam, Rehoboam woo Abia, Abia woo Asa. **8**
Asa woo Yehosafat, Yehosafat woo Yoram, Yoram
nso woo Usia **9** Usia ba ne Yotam, Yotam ba ne
Ahas: Ahas ba ne Hiskia. **10** Hiskia ba ne Manase,
Manase ba ne Amon, Amon nso ba ne Yosia. **11**
Yosia woo Yekonia ne ne nuanom. Wɔwoo wɔn
bere a na Yudafo te nnommum mu wɔ Babilon no.
12 Wɔn a wofi Babilon nnommum mu bae no akyi
awo ntoatoaso ni: Yekonia woo Sealtiel, Sealtiel
woo Serubabel. **13** Serubabel woo Abihud, Abihud
woo Eliakim, Eliakim nso woo Asor. **14** Asor ba ne
Sadok, Sadok ba ne Akim, Akim ba ne Elihud. **15**
Elihud ba ne Eleasar, Eleasar ba ne Matan. Matan
nso ba ne Yakob, **16** Yakob woo Yosef a ɔwaree
Maria no. Saa Maria yi na ɔwoo Yesu Kristo. **17**
Awo ntoatoaso a efi Abraham so de besi Ɔhene
Dawid so yɛ dunan. Efi Ɔhene Dawid so de besi
bere a wɔfaa ɔman no nnommum kɔɔ Babilon
no nso awo ntoatoaso yɛ dunan saa ara. Saa ara
nso na efi bere a wotu fii Babilon san baa wɔn
man mu bio no de besi Kristo awo so nso yɛ awo
ntoatoaso dunan. **18** Sɛnea Yesu Kristo awo ho
nsɛm te ni: Wɔde ne na Maria maa Yosef sɛ ɔnware
no, nanso ansa na wobehyia mu sɛ awarefo no,
ohuu sɛ wanyinsɛn; nea efi Honhom Kronkron.
19 Ɛbaa saa no, ne kunu Yosef a odi ne ho ni no
ampɛ sɛ obegu Maria anim ase nti ɔyɛɛ n'adwene
sɛ obegyaa no aware wɔ kokoa mu. **20** Bere a asɛm
no ayɛ Yosef dadwen no, Awurade bɔfo beyii ne ho
adi kyerɛɛ no wɔ dae mu. Ɔbɔfo no kae se, "Yosef,
Dawid ba, nsuro sɛ wobɛfa Maria sɛ wo yere efisɛ
ne nyinsɛn no fi Honhom Kronkron. **21** Ɔbɛwo
ɔbarima na woato no din Yesu, ase ne Agyenkwa,
efisɛ ɔno na obegye ne nkurɔfo nkwa afi wɔn bɔne
mu." **22** Eyi nyinaa baa mu de hyɛɛ nea Awurade
nam odiyifo no so kae no ma se: **23** "Ɔbabun no
benyinsɛn, na wawo ɔbabarima, na wɔato no din
Immanuel" a ase ne sɛ, "Onyankopɔn ne yɛn wɔ
hɔ." **24** Bere a Yosef nyan no, ɔyɛɛ sɛnea ɔbɔfo no
hyɛɛ no sɛ ɔnyɛ no. Enti ɔkɔfaa Maria baa ne fi ma
ɔbɛyɛɛ ne yere. **25** Nanso Yosef ne Maria anhyia da
kosii sɛ Maria woo ɔbabarima maa Yosef too ne
din "Yesu."

2 Bere a Ɔhene Herode di ade no na wɔwoo Yesu
wɔ Betlehem a ɛwɔ Yudea. **2** Saa bere no ara mu
na anyansafo bi fi apuei baa Yerusalem bebisae se,
"Ɛhe na Yudafo hene a wɔawo no no wɔ? Yehuu
ne nsoromma wɔ apuei nohɔ, nti na yɛaba sɛ
yɛrebɛsom no." **3** Ɔhene Herode tee saa asɛm yi
no, ɛhaw ɔne Yerusalemfo nyinaa adwene yiye. **4**
Ɔhene Herode frɛɛ ɔman no mu asɔfo mpanyin ne
Kyerɛwsɛm no akyerɛkyerɛfo behyiae. Obisaa wɔn
se, "Ɛhefa na wɔbɛwo Kristo no?" **5** Wobuaa no se,
"Betlehem a ɛwɔ Yudea. Na eyi ne nea odiyifo no
kae: **6** "'Ao kurow Betlehem, wo a woyɛ otitiriw
wɔ Yudaman mu, wo mu na meyi nea obedi me
man Israel anim ahwɛ wɔn so.'" **7** Ɔhene Herode
frɛɛ anyansafo no kokoa mu bisaa wɔn bere pɔtee
a wohuu nsoromma no. Ɔtoaa so ka kyerɛɛ wɔn
se, **8** "Monkɔ Betlehem nkɔhwehwɛ abofra no.
Sɛ muhu no a, mommɛka nkyerɛ me, na me nso
menkɔsom no bi." **9** Anyansafo no tiee ɔhene no
asɛm no wiei no, wɔkɔe. Wɔrekɔ no, nsoromma a
wohuu wɔ apuei no san yii ne ho adi bio kyerɛɛ
wɔn. Edii wɔn anim kosii faako a wɔawo abofra
no wɔ Betlehem hɔ. **10** Bere a wohuu nsoromma
no, wɔn ani gyee mmoroso. **11** Woduu ofi a abofra
no ne ne na Maria wɔ mu no, wɔkotow sɔree no.
Wɔde wɔn akyɛde a ɛyɛ sikakɔkɔɔ, aduhuam ne
kurobow yɛɛ no ayɛ. **12** Onyankopɔn soo wɔn dae
bɔɔ wɔn kɔkɔ se wɔnnsan nkɔ Herode nkyɛn bio
wɔ Yerusalem. Enti wɔfaa ɔkwan foforo so kɔɔ wɔn
kurom. **13** Anyansafo no kɔ akyi no, Awurade bɔfo
soo Yosef dae se, "Sɔre fa abofra no ne ne na na
monkɔ Misraim nkɔtena hɔ nkosi sɛ mɛkyerɛ mo
bere a mobɛsan aba. Efisɛ Ɔhene Herode rehwehwɛ
abofra no akum no." **14** Anadwo no ara Yosef faa
abofra no ne Maria sii mu kɔɔ Misraim, **15** ma
wɔtenaa hɔ kosii sɛ Ɔhene Herode wui. Eyi na ɛmaa
nea Awurade nam odiyifo no so kae se, "Mafrɛ
me Ba afi Misraim" no baa mu. **16** Herode huu sɛ
anyansafo no adaadaa no no, ne bo fuw mmoroso.
Ɔsomaa n'asraafo se wɔnkɔ Betlehem ne nkurow a
atwa ho ahyia no nyinaa mu nkokunkum nkokoaa
mmarimaa kosi wɔn a wɔadi mfe abien so, sɛnea
anyansafo no bere a wɔkae sɛ wɔwoo abofra no wɔ
mu no kyerɛ no. **17** Nea wɔnam odiyifo Yeremia so
kae no baa mu se, **18** "Wɔte nne bi wɔ Rama. Ɛyɛ
osu ne agyaadwo; Rahel resu ne mma; na ɔmpɛ sɛ
wɔkyekye ne werɛ, efisɛ wɔnte ase bio." **19** Herode
wu akyi no, Awurade bɔfo yii ne ho adi kyerɛɛ
Yosef wɔ dae mu wɔ Misraim ka kyerɛɛ no se, **20**
"Sɔre na fa abofra no ne ne na kɔ Israel asase so,

Mateo

1 Yesu Kristo a ɔfiri Ɔhene Dawid ne Abraham
abusua mu no mpanimfoɔ din na ɛdidi soɔ yi:
2 Abraham ba ne Isak, Isak ba ne Yakob; Yakob
nso mma ne Yuda ne ne nuanom. **3** Yuda mma
ne Peres ne Sera. Wɔn maame ne Tamar. Peres ba
ne Hesron ɛnna Hesron nso ba ne Ram. **4** Ram
woo Aminadab; Aminadab woo Nahson; Nahson
nso woo Salmon. **5** Salmon ne ne yere Rahab woo
Boas; Boas ne ne yere Rut woo Obed; Obed nso
woo Yisai. **6** Yisai ba ne Ɔhene Dawid. Dawid ba ne
Salomo. Dawid ne Batseba a na anka ɔyɛ Uria yere
no na wɔwoo Salomo. **7** Salomo woo Rehoboam;
Rehoboam woo Abia; Abia woo Asa. **8** Asa woo
Yehosafat; Yehosafat woo Yoram, Yoram nso woo
Usia **9** Usia ba ne Yotam; Yotam ba ne Ahas: Ahas
ba ne Hiskia. **10** Hiskia ba ne Manase, Manase ba
ne Amon; Amon nso ba ne Yosia. **11** Yosia woo
Yekonia ne ne nuanom. Wɔwoo wɔn ɛberɛ a na
Yudafoɔ te nnommum mu wɔ Babilon no. **12** Wɔn a
wɔfiri Babilon nnommum mu baeɛ no akyi awoɔ
ntoatoasoɔ nie: Yekonia woo Sealtiel; Sealtiel woo
Serubabel. **13** Serubabel woo Abihud; Abihud woo
Eliakim; Eliakim nso woo Asor. **14** Asor ba ne Sadok;
Sadok ba ne Akim; Akim ba ne Elihud. **15** Elihud
ba ne Eleasa; Eleasa ba ne Matan. Matan nso ba ne
Yakob; **16** Yakob woo Yosef a ɔwaree Maria no. Saa
Maria yi na ɔwoo Yesu Kristo. **17** Awoɔ ntoatoasoɔ a
ɛfiri Abraham so de bɛsi Ɔhene Dawid so yɛ dunan.
Ɛfiri Ɔhene Dawid so de bɛsi ɛberɛ a wɔfaa ɔman no
nnommum kɔɔ Babilon no nso awoɔ ntoatoasoɔ yɛ
dunan saa ara. Saa ara nso na ɛfiri ɛberɛ a wɔtu
firii Babilon sane baa wɔn ɔman mu bio no de bɛsi
Kristo awoɔ so nso yɛ awoɔ ntoatoasoɔ dunan. **18**
Sɛdeɛ Yesu Kristo awoɔ ho nsɛm teɛ nie: Wɔde ne
maame Maria maa Yosef sɛ ɔnware no, nanso ansa
na wɔbɛhyiam sɛ awarefoɔ no, ɔhunuu sɛ wanyinsɛn
deɛ ɛfiri Honhom Kronkron. **19** Ɛbaa saa no, ne
kunu Yosef a ɔdi ne ho ni no ampɛ sɛ ɔbɛgu Maria
anim ase enti, ɔyɛɛ n'adwene sɛ ɔbɛgyaa no awadeɛ
kɔkoam. **20** Ɛberɛ a asɛm no ayɛ Yosef dadwene
no, Awurade ɔbɔfoɔ bɛyii ne ho adi kyerɛɛ no daeɛ
mu. Ɔbɔfoɔ no ka kyerɛɛ no sɛ, "Yosef, Dawid aseni,
nnyae Maria awadeɛ ɛfiri sɛ, ne nyinsɛn no firi
Honhom Kronkron. **21** Ɔbɛwo ɔbarima na wɔato
no edin Yesu, aseɛ ne Agyenkwa, ɛfiri sɛ, ɔno na
ɔbɛgye ne nkurɔfoɔ nkwa afiri wɔn bɔne mu." **22** Yei
nyinaa baa mu de hyɛɛ deɛ Awurade nam odiyifoɔ
no so kaeɛ no ma sɛ: **23** "Ɔbaabunu no bɛnyinsɛn,
na wawo ɔbabarima, na wɔato no edin Immanuel" a
aseɛ ne sɛ, "Onyankopɔn ne yɛn wɔ hɔ." **24** Ɛberɛ a
Yosef nyaneeɛ no, ɔyɛɛ sɛdeɛ ɔbɔfoɔ no hyɛɛ no sɛ
ɔnyɛ no. Enti ɔkɔfaa Maria baa ne fie ma ɔbɛyɛɛ ne
yere. **25** Yosef ne Maria anhyia da kɔsii sɛ Maria
woo ɔbabarima maa Yosef too ne din "Yesu."

2 Ɛberɛ a Ɔhene Herode di adeɛ no na wɔwoo Yesu
wɔ Betlehem a ɛwɔ Yudea. **2** Saa ɛberɛ no ara
mu na anyansafoɔ bi firi apueeɛ baa Yerusalem
bɛbisaa sɛ, "Ɛhe na Yudafoɔ ɔhene a wɔawo no no
wɔ? Yɛhunuu ne nsoromma wɔ apueeɛ nohoa enti
na yɛaba sɛ yɛrebɛsom no." **3** Ɔhene Herode tee
saa asɛm yi no, ɛhaa n'adwene yie. Saa ara nso na
ɛhaa Yerusalemfoɔ nyinaa adwene. **4** Ɔhene Herode
frɛɛ ɔman no mu asɔfoɔ mpanin ne Atwerɛsɛm no
akyerɛkyerɛfoɔ bɛhyiaeɛ. Ɔbisaa wɔn sɛ, "Ɛhefa na
wɔbɛwo Kristo no?" **5** Wɔbuaa no sɛ, "Betlehem
a ɛwɔ Yudea. Na yei ne deɛ odiyifoɔ no kaeɛ: **6**
"'Ao kuro Betlehem, wo a wonyɛ akumaa wɔ Yuda
asafohene mu, wo mu na mɛyi deɛ ɔbɛdi me ɔman
Israel anim afiri.'" **7** Ɔhene Herode frɛɛ anyansafoɔ
no kɔkoam bisaa wɔn ɛberɛ pɔtee a wɔhunuu
nsoromma no. Ɔtoaa so ka kyerɛɛ wɔn sɛ, **8** "Monkɔ
Betlehem nkɔhwehwɛ abɔfra no. Sɛ mohunu no a,
mommɛka nkyerɛ me, na me nso menkɔsom no
bi." **9** Anyansafoɔ no tiee ɔhene no asɛm no wieeɛ
no, wɔkɔeɛ. Wɔrekɔ no, nsoromma a wɔhunuu
wɔ apueeɛ no sane yii ne ho adi bio kyerɛɛ wɔn.
Ɛdii wɔn anim kɔsii beaeɛ a wɔawo abɔfra no wɔ
Betlehem hɔ. **10** Ɛberɛ a wɔhunuu nsoromma no no,
wɔn ani gyee mmoroso. **11** Wɔduruu efie a abɔfra
no ne ne maame Maria wɔ no, wɔkoto sɔree no.
Wɔde wɔn akyɛdeɛ a ɛyɛ sikakɔkɔɔ, aduhwam ne
kurobo yɛɛ no ayɛ. **12** Onyankopɔn soo wɔn daeɛ
bɔɔ wɔn kɔkɔ sɛ wɔnnsane nkɔ Herode nkyɛn bio
wɔ Yerusalem. Enti wɔfaa ɛkwan foforɔ so kɔɔ wɔn
kurom. **13** Anyansafoɔ no kɔeɛ akyiri no, Awurade
ɔbɔfoɔ soo Yosef daeɛ sɛ, "Sɔre fa abɔfra no ne
ne maame na monkɔ Misraim nkɔtena hɔ nkɔsi sɛ
mɛkyerɛ mo ɛberɛ a mobɛsane aba. Ɛfiri sɛ, Ɔhene
Herode rehwehwɛ abɔfra no akum no." **14** Anadwo
no ara, Yosef faa abɔfra no ne Maria siim kɔɔ
Misraim, **15** na wɔtenaa hɔ kɔsii sɛ Ɔhene Herode
wuiɛ. Yei na ɛmaa deɛ Awurade nam odiyifoɔ no so
kaeɛ sɛ, "Mafrɛ me Ba afiri Misraim" no baa mu. **16**
Herode hunuu sɛ anyansafoɔ no adaadaa no no,
ne bo fuu mmoroso. Ɔsomaa n'asraafoɔ sɛ wɔnkɔ
Betlehem ne nkuro a atwa ho ahyia no nyinaa
mu nkɔkunkum mmadoma mmarimaa kɔsi wɔn a
wɔadi mfeɛ mmienu so, sɛdeɛ anyansafoɔ no ɛberɛ
a wɔkaa sɛ wɔwoo abɔfra no wɔ mu no kyerɛ no. **17**
Deɛ wɔnam odiyifoɔ Yeremia so kaeɛ no baa mu sɛ,
18 "Wɔte nne bi wɔ Rama. Ɛyɛ osu ne agyaadwoɔ;
Rahel resu ne mma; na ɔmpɛ sɛ wɔkyekyere ne
werɛ, ɛfiri sɛ, wɔnte ase bio". **19** Herode wuiɛ akyiri
no, Awurade ɔbɔfoɔ yii ne ho adi kyerɛɛ Yosef wɔ
daeɛ mu wɔ Misraim ka kyerɛɛ no sɛ, **20** "Sɔre na
fa abɔfra no ne ne maame kɔ Israel asase so, ɛfiri
sɛ, wɔn a wɔpɛɛ sɛ wɔkum abɔfra no awuwu." **21**

Від Матвія

1 Книга родоводу Ісуса Христа, сина Давида,
сина Авраама: **2** Авраам був батьком
Ісаака, Ісаак був батьком Якова, Яків був
батьком Юди та його братів, **3** Юда був
батьком Фареса та Зари від Тамари, Фарес був
батьком Есрома, Есром був батьком Арама,
4 Арам був батьком Аммінадава, Аммінадав
був батьком Наасона, Наасон був батьком
Салмона, **5** Салмон був батьком Воаза від
Рахав, Воаз був батьком Овіда від Рут, Овід
був батьком Єссея, **6** Єссей був батьком
Царя Давида. Давид був батьком Соломона
від Урієвої [вдови], **7** Соломон був батьком
Ровоама, Ровоам був батьком Авії, Авія був
батьком Аси, **8** Аса був батьком Йосафата,
Йосафат був батьком Йорама, Йорам був
батьком Осії, **9** Осія був батьком Йотама,
Йотам був батьком Ахаза, Ахаз був батьком
Езекії, **10** Езекія був батьком Манасії, Манасія
був батьком Амоса, Амос був батьком Йосії,
11 Йосія був батьком Єхонії та його братів
під час переселення у Вавилон. **12** Після
переселення у Вавилон Єхонія був батьком
Салатиїла, Салатиїл був батьком Зоровавеля,
13 Зоровавель був батьком Авіюда, Авіюд
був батьком Еліакима, Еліаким був батьком
Азора, **14** Азор був батьком Садока, Садок був
батьком Ахіма, Ахім був батьком Еліюда,
15 Еліюд був батьком Елеазара, Елеазар був
батьком Маттана, Маттан був батьком Якова,
16 Яків був батьком Йосифа, чоловіка Марії,
від якої народився Ісус, названий Христом.
17 Отже, від Авраама до Давида всього
було чотирнадцять поколінь, від Давида
до переселення у Вавилон – чотирнадцять
поколінь і від переселення у Вавилон
до Христа – чотирнадцять поколінь. **18**
Народження Ісуса Христа відбулося так:
Марія, Його мати, була заручена з Йосифом.
Перед їхнім одруженням виявилося, що
вона вагітна від Святого Духа. **19** Але
Йосиф, її чоловік, був праведним і, не
бажаючи зганьбити Марію, вирішив таємно
відпустити її. **20** Коли ж він про це думав,
з'явився йому уві сні ангел Господній та
сказав: «Йосифе, сину Давида, не бійся взяти
Марію, дружину свою, бо зачате в ній –
від Духа Святого. **21** Вона народить Сина,
і ти назвеш Його Ісус, бо Він спасатиме
народ Свій від його гріхів». **22** Усе це
сталося, щоби сповнилось сказане Господом
через пророка: **23** «Ось діва завагітніє
й народить Сина, і дадуть Йому ім'я
Еммануїл», що перекладається «З нами Бог».
24 Прокинувшись від сну, Йосиф зробив так,
як звелів йому ангел Господній, і взяв Марію
за дружину. **25** Але не знав її, поки вона не
народила Сина свого первонародженого, і
він дав Йому ім'я Ісус.

2 Коли за днів царя Ірода у Віфлеємі
юдейському народився Ісус, до Єрусалима
прийшли мудреці зі Сходу **2** й спитали:
«Де Цар юдеїв, Який народився? Бо ми
бачили Його зірку на Сході й прийшли
поклонитися Йому». **3** Почувши про це, Цар
Ірод занепокоївся, а з ним і весь Єрусалим.
4 Він покликав усіх первосвященників і
книжників народу та запитав їх, де мав
народитися Христос. **5** Вони відповіли йому:
«У Віфлеємі в Юдеї, бо ось як написано
пророком: **6** „І ти, Віфлеєме, земле Юдина,
нічим не менший серед володінь Юдиних,
бо з тебе вийде Володар, Який буде пасти
народ Мій, Ізраїль“». **7** Тоді Ірод таємно
покликав мудреців та довідався в них про
час, коли з'явилася зірка. **8** І, надіславши
їх до Віфлеєма, сказав: «Ідіть та добре
розвідайте про Дитя, а коли знайдете, то
сповістіть мене, щоб я також прийшов та
поклонився Йому». **9** Вислухавши царя, вони
пішли. І ось зірка, яку бачили на сході,
ішла перед ними, доки не зупинилася над
місцем, де було Дитя. **10** Побачивши зірку,
вони дуже зраділи. **11** Коли увійшли в дім,
побачили Дитя з Марією, Його матір'ю,
і, впавши ниць, вони поклонилися Йому;
потім відкрили свої скарбниці й піднесли
Йому дари: золото, ладан та смирну. **12**
І, отримавши застереження уві сні, щоб
не верталися до Ірода, вони повернулися
іншою дорогою до своєї країни. **13** Коли ж
вони пішли, ангел Господній з'явився уві сні
Йосифові й сказав: «Встань, візьми Дитя та
Його матір і втікай до Єгипту. Залишайся
там, доки я не скажу, бо Ірод шукатиме Дитя,
щоб убити Його». **14** Йосиф піднявся вночі,
узяв Дитя та Його матір і пішов до Єгипту.
15 Він залишався там до смерті Ірода, щоб

Від Матвія

1 Книга родоводу Ісуса Христа, сина Давидового, сина Авраамового. **2** Авраам породив Ісаака; а Ісаак породив Якова; а Яков породив Юду та братів його; **3** а Юда породив Фареса та Зару від Тамари; а Фарес породив Єсрома; а Єсром породив Арама; **4** а Арам породив Аминадава; а Аминадав породив Насона; а Насон породив Салмона; **5** а Салмон породив Вооза від Рахави; а Вооз породив Овида від Рути; а Овид породив Єссея; **6** а Єссей породив Давида царя; а Давид цар породив Соломона від Урієвої; **7** а Соломон породив Ровоама; а Ровоам породив Авію; а Авія породив Асу; **8** а Аса породив Йосафата; а Йосафат породив Йорама; а Йорам породив Озію; **9** а Озія породив Йоатама; а Йоатам породив Ахаза; а Ахаз породив Єзекію; **10** а Єзекія породив Манассію; а Манассія породив Амона; а Амон породив Йосію; **11** а Йосія породив Єхонію та братів його, під час переселення у Вавилон; **12** а після того, як переселено їх у Вавилон, Єхонія породив Салатиїла, а Салатиїл породив Зоровавеля; **13** а Зоровавель породив Авіюда; а Авіюд породив Єліякима; а Єліяким породив Азора; **14** а Азор породив Садока; а Садок породив Ахима; а Ахим породив Єліюда; **15** а Єліюд породив Єліазара; а Єліазар породив Маттана; а Маттан породив Якова; **16** а Яков породив Йосифа, чоловіка Мариїного, що від неї родився Ісус, на прізвище Христос. **17** То всіх родів од Авраама до Давида чотирнайцять родів; а від Давида до переселення у Вавилон чотирнайцять родів; і від переселення у Вавилон до Христа чотирнайцять родів. **18** Різд во ж Ісуса Христа стало ся так. Скоро Його матїр Марию заручено Йосифові, перш ніж вони зійшли ся, постережено, що вона мала в утробі від сьвятого Духа. **19** Йосиф же, чоловік її, будучи праведний, і не хотячи ославити її, хотїв був потай відпустити її. **20** Та як він про се думав, аж ось явився йому вві снї ангел Господень, глаголючи: Йосифе, сину Давидів, не бій ся взяти до себе Марию, жінку твою; бо що в нїй зачалось, те від сьвятого Духа. **21** І вродить вона сина, і даси йому імя Ісус; бо він спасе людей своїх од гріхів їх. **22** Усе ж се стало ся, щоб справдилось, що промовив Господь через пророка, глаголючи: **23** Ось дїва мати ме в утробі, і вродить сина, і дадуть йому імя Емануїл, що перекладом є: З нами Бог. **24** Прокинувшись тодї Йосиф од сна, зробив так, як ангел Господень повелїв йому, й узяв до себе жінку свою; **25** і не знав її, аж поки вона вродила сина свого перворідня, і дав йому імя Ісус.

2 Як же народивсь Ісус у Витлеємі Юдейському за царя Ірода, прийшли мудрцї зі сходу в Єрусалим, **2** говорячи: Де нарожденний цар Жидівський? бачили бо ми зорю його на сході, й прийшли поклонитись йому. **3** Почувши ж цар Ірод, стрівожив ся, і ввесь Єрусалим із ним. **4** І, зібравши всїх архиєреїв і письменників людських, допитував ся в них, де Христу родити ся. **5** Вони ж казали йому: В Витлеємі Юдейському, бо ось як написано в пророка: **6** І ти, Витлеєме, земле Юдина, нїчим не гірша єси між князями Юдиними; бо з тебе прийде гетьман, що старшинувати ме над народом моїм Ізраїлем. **7** Закликавши тодї Ірод тайкома мудрцїв, пильно в них випитував, якого часу показалась зоря. **8** І послав їх у Витлеєм, і каже: Йдїть та розпитайтесь пильно про те хлопятко; а як знайдете, принесїть менї звістку, щоб і менї пійти поклонитись йому. **9** Вони ж, вислухавши царя, вийшли; коли се зоря, що бачили на сході, йде поперед них, поки прийшла та й стала зверху, де було хлопятко. **10** Побачивши ж вони зорю, зрадїли вельми великою радостю. **11** І, ввійшовши в господу, знайшли хлопятко з Мариею, матїрю його, й, припавши, поклонились йому; й, відкривши скарби свої, піднесли йому дари: золото, ладан і миро. **12** І, бувши остережені вві снї, не вертатись до Ірода, вернулись в свою землю иншим шляхом. **13** Як же вони вийшли, ось ангел Господень являєть ся Йосифові вві снї, глаголючи: Встань, візьми хлопятко й матїр його, та втїкай в Єгипет, і перебудь там, поки сповіщу тебе; бо Ірод шукати ме хлопятка, щоб убити його. **14** Він же, вставши, взяв хлопятко й матїр його в ночі, та й пійшов у Єгипет. **15** І пробував там аж до смерти Іродової, щоб справдилось, що сказав Господь через пророка, глаголючи: Із Єгипту покликав я сина мого. **16** Бачивши тодї Ірод, що мудрцї насьміялись із него, розлютував ся вельми, та й послав повбивати всїх дїтей у Витлеємі й у всїх границях його, од двох років і меньше, по тому часу, що про него він пильно довідував ся в мудрцїв. **17** Тодї справдилось, що промовив Єремія пророк, глаголючи: **18** Чути в Рамі голосїннє і плач і тяжке нарiканнє: Рахиля плаче по дїтях своїх, і не дає розважати себе, бо їх нема вже. **19** Як же вмер Ірод, ось являєть

Від Матвія

1 Книга родоводу Ісуса Христа, сина Давидового, сина Авраамового. **2** Авраам породив Ісаака; а Ісаак породив Якова; а Яков породив Юду та братів його; **3** а Юда породив Фареса та Зару від Тамари; а Фарес породив Єсрома; а Єсром породив Арама; **4** а Арам породив Аминадава; а Амннадав породив Насона; а Насон погодив Салмона; **5** а Салмон породив Вооза від Рахави; а Вооз породив Овида від Рути; а Овид породив Єссея; **6** а Єссей породив Давида царя; а Давид цар породив Соломона від Урієвої; **7** а Соломон породив Ровоама; а Ровоам породив Авію; а Авія породив Асу; **8** а Аса породив Йосафата; а Йосафат породив Йорама; а Йорам породив Озію; **9** а Озія породив Йоатама; а Йоатам породив Ахаза; а Ахаз породив Єзекію; **10** а Єзекія породив Манассію, а Манассія породив Амона; а Амон породив Йосію; **11** а Йосія породив Єхонію та братів його, під час переселення у Вавилон; **12** а після того, як переселено їх у Вавидон, Єхонія породив Салатиїла, а Салатиїл породив Зоровавеля; **13** а Заровавель породив Авіюда; а Авіюд породив Єліякима; а бліяким породив Азора; **14** а Азор породив Садока; а Садок породив Ахима; а Ахим породив Єліюда; **15** а Єліюд породив Єліазара; а Єліазар породив Маттана; а Маттан породив Якова; **16** а Яков породив Йосифа, чоловіка Мариїного, що від неї родився Ісус, на прізвище Христос. **17** То всіх родів од Авраама до Давида чотирнайцять родів; а від Давида до переселення у Вавилон чотирнайцять родів; і від переселення у Вавилон до Христа чотирнайцять родів. **18** Різдво ж Ісуса Христа стало ся так. Скоро Його матїр Марию заручено Иосифові, перш ніж вони зійшли ся, постережено, що вона мала в утробі від сьвятого Духа. **19** Йосиф же, чоловік її, будучи праведний, і не хотячи ославити її, хотїв був потай відпустити її. **20** Та як він про се думав, аж ось явивсь йому вві снї ангел Господень, глаголючи: Йосифе, сину Давидів, не бій ся взяти до себе Марию, жінку твою; бо що в ній зачалось, те від сьвятого Духа. **21** І вродить вона сина, і даси йому імя Ісус; бо він спасе людей своїх од гріхів їх. **22** Усе ж се стало ся, щоб справдилось, що промовив Господь через пророка, глаголючи: **23** Ось дїва матиме в утробі, і вродить сина, і дадуть йому імя Емануїл, що перекладом є: З нами Бог. **24** Прокинувшись тоді Йосиф од сна, зробив так, як ангел Господень повелїв йому, й узяв до себе жінку свою; **25** і не знав її, аж поки вона вродила сина свого перворідня, і дав йому імя Ісус.

2 Як же народивсь Ісус у Витлеємі Юдейському за царя Ірода, прийшли мудрці зі сходу в Єрусалим, **2** говорячи: Де нарожденний цар Жидівський? бачили бо ми зорю його на сході, й прийшли поклонитись йому. **3** Почувши ж цар Ірод, стрівожив ся, і ввесь Єрусалим із ним. **4** І, зібравши всіх архиєреїв і письменників людських, допитував ся в них, де Христу родити ся. **5** Вони ж казали йому: В Витлеємі Юдейському, бо ось як написано в пророка: **6** І ти, Витлееме, земле Юдина, нїчим не гірша єси між князями Юдиними; бо з тебе прийде гетьман, що страшинувати ме над народом моїм Ізраїлем. **7** Закликавши тоді Ірод тайкома мудрців, пильно в них випитував, якого часу показалась зоря. **8** І послав їх у Витлеєм, і каже: Йдїть та розпитайтесь пильно про те хлопятко; а як знайдете, принесіть менї звістку, щоб і мені пійти поклонитись йому. **9** Вони ж, вислухавши царя, вийшли; коли се зоря, що бачили на сході, йде поперед них, поки прийшла та й стала зверху, де було хлопятко. **10** Побачивши ж вони зорю, зрадїли вельми великою радостю. **11** І, ввійшовши в господу, знайшли хлопятко з Мариєю, матїрю його, й, припавши, поклонились йому; й, відкривши скарби свої, піднесли йому дари: золото, ладан і миро. **12** І, бувши остережені вві снї, не вертатись до Ірода, вернулись в свою землю иншим шляхом. **13** Як же вони вийшли, ось ангел Господень являєть ся Йосифові вві снї, глаголючи: Встань, візьми хлопятко й матїр його, та втїкай в Єгипет, і перебудь там, поки сповіщу тебе; бо Ірод шукати ме хлопятка, щоб убити його. **14** Він же, вставши, взяв хлопятко й матїр його в ночі, та й пійшов у Єгипет. **15** І пробував там аж до смерти Іродової, щоб справдилось, що сказав Господь через пророка, глаголючи: Із Єгипту покликав я сина мого. **16** Бачивши тоді Ірод, що мудрці насьміялись із него, розлютував ся вельми, та й послав повбивати всїх дїтей у Витлеємі й у всїх гряницях його, од двох років і меньще, по тому часу, що про него він пильно довідував ся в мудрців. **17** Тоді справдилось, що промовив Єремія пророк, глаголючи: **18** Чути в Рамі голосїннє і плач і тяжке нарiканнє: Рахила плаче по дітях своїх, і не дає розважати себе, бо їх нема вже. **19** Як же вмер Ірод, ось являєть ся ангел Господень уві снї Йосифу в Єгиптї, **20** глаголючи: Устань, та візьми хлопятко й матїр його, та йди в землю Ізраїлеву: бо ті померли, що шукали душі хлопятка. **21** І

Від Матвія

1 Книга родово́ду Ісуса Христа, Сина Давидового, Сина Авраамового: **2** Авраа́м породив Ісака, а Ісак породив Якова, а Яків породив Юду й братів його. **3** Юда ж породив Фаре́са та За́ру від Тама́ри. Фаре́с же породив Есро́ма, а Есро́м породив Арама. **4** А Ара́м породив Амінадава, Амінада́в же породив Наассона, а Наассо́н породив Салмона. **5** Салмо́н же породив Вооза від Раха́ви, а Вооз породив Йовіда від Рути, Йовід же породив Єссея. **6** А Єссе́й породив царя Давида, Давид же породив Соломона від Урі́євої. **7** Соломо́н же породив Ровоама, а Ровоа́м породив Авію, а Ави́я породив Асафа. **8** Аса́ф же породив Йосафата, а Йосафа́т породив Йорама, Йора́м же породив Озію. **9** Озі́я ж породив Йоатама, а Йоата́м породив Ахаза, Аха́з же породив Єзекію. **10** А Єзеки́я породив Манасію, Манасі́я ж породив Амоса, а Амо́с породив Йосію. **11** Йоси́я ж породив Йоякима, Йоякима́ породи́в Єхонію й братів його за вавилонського пересе́лення. **12** А по вавилонськім пересе́ленні Єхо́нія породив Салатіїля, а Салатіїль породив Зорова́беля. **13** Зорова́бель же породив Авіюда, а Авію́д породив Еліякима, а Еліяки́м породив Азора. **14** Азо́р же породив Садока, а Садо́к породив Ахіма, а Ахі́м породив Еліюда. **15** Елію́д же породив Елеазара, а Елеаза́р породив Маттана, а Матта́н породив Якова. **16** А Яків породив Йо́сипа, мужа Марі́ї, що з неї родився Ісу́с, зва́ний Христо́с. **17** А всіх поколінь від Авраама аж до Давида — чотирна́дцять поколінь, і від Давида аж до вавилонського пересе́лення — чотирна́дцять поколінь, і від вавилонського пересе́лення до Христа — поколінь чотирна́дцять. **18** Наро́дження ж Ісуса Христа сталося так. Коли Його матір Марію заручено з Йо́сипом, то перш, ніж зійшлися вони, ви́явилося, що вона має в утро́бі від Духа Святого. **19** А Йо́сип, муж її, бувши праведний, і не бажавши осла́вити її, хотів тайкома́ відпустити її. **20** Коли ж він те поду́мав, ось з'явився йому а́нгол Господній у сні, промовляючи: „Йо́сипе, сину Давидів, не бійся прийняти Марію, дружи́ну свою, бо зача́те в ній — то від Духа Святого. **21** І вона вродить Сина, ти ж даси Йому йме́ння Ісус, бо спасе Він людей Своїх від їхніх гріхів. **22** А все оце сталось, щоб збуло́ся ска́зане пророком від Господа, який провіщає: **23** „Ось діва в утробі зачне́, і Сина породить, і назвуть Йому Йме́ння Еммануїл“, що в перекладі є: З нами Бог“. **24** Як прокинувся ж Йо́сип зо сну, то зробив, як звелів йому ангол Господній, — і прийняв він дружи́ну свою. **25** І не знав він її, аж Сина свого первородженого вона породила, а він дав Йому йме́ння Ісу́с.

2 Коли ж народився Ісус у Вифлеємі Юдейськім, за днів царя І́рода, то ось мудреці прибули́ до Єрусалиму зо сходу, **2** і питали: „Де́ наро́джений Цар Юдейський? Бо на сході ми бачили зо́рю Його́, і прибули́ поклонитись Йому“. **3** І, як зачув це цар І́род, занепоко́ївся, і з ним увесь Єрусалим. **4** І, зібравши всіх первосвящеників і книжників лю́дських, він випитував у них, де́ має Христос народитись? **5** Вони ж відказали йому́: „У Вифлеємі Юдейськім, бо в пророка написано так: **6** „І ти, Вифлее́ме, земле Юдина, не менший нічим між осадами Юдиними, бо з тебе з'я́виться Вождь, що буде Він па́сти наро́д Мій ізраїльський“. **7** Тоді Ірод покликав таємно отих мудреців, і докладно випи́тував їх про час, коли з'явилась зоря́. **8** І він відіслав їх до Вифлеєму, говорячи: „Ідіть, і пильно розвідайтеся про Дитя́тко; а як зна́йдете, сповістіть мене, щоб і я міг піти й поклонитись Йому́“. **9** Вони ж царя вислухали й відійшли. І ось зоря́, що на сході вони її бачили, ішла перед ними, аж прийшла й стала зве́рху, де Дитя́тко було́. **10** А бачивши зо́рю, вони надзвичайно зраділи. **11** І, ввійшовши до дому, знайшли там Дитятко з Марією, Його матір'ю. І вони впали ницьма, і вклонились Йому́. І, відчини́вши скарбниці свої, піднесли Йому свої да́ри: золото, ладан та смирну. **12** А ві сні остережені, щоб не верта́тись до Ірода, відійшли вони іншим шляхо́м до своєї землі. **13** Як вони ж відійшли, ось ангол Господній з'явивсь у сні Йо́сипові та й сказав: „Уставай, візьми Дитя́тко та матір Його, і втікай до Єгипту, і там зоставайся, аж поки скажу́ тобі, бо Дитя́тка шукатиме Ірод, щоб Його́ погубити“. **14** І він устав, узяв Дитятко та матір Його вночі, та й пішов до Єгипту. **15** І він там зоставався аж до смерти Іродової, щоб збуло́ся сказане від Господа пророком, який провіщає: „Із Єгипту покликав Я Сина Свого́“. **16** Спостеріг тоді Ірод, що ті мудреці насміялися з нього, та й розгнівався дуже, і послав повбивати в Вифлеємі й по всій тій околиці всіх дітей від двох років і менше, за ча́сом, що його в мудреців він був ви́питав. **17** Тоді спра́вдилось те, що сказав Єремі́я пророк, промовляючи: **18** „Чути голос у Рамі, плач і рида́ння та голосі́ння велике: Рахиль плаче за ді́тьми своїми, і не дається розважити себе, бо нема їх “. **19** Коли ж Ірод умер, ось ангол Господній з'явився в Єгипті ві сні Йо́сипові, та й промовив: **20** „Уставай, візьми Дитя́тко та матір Його́, та йди в землю Ізраїлеву, бо вимерли ті, хто шука́в душу Дитини“. **21** І він

मत्ती

1 ईसा मसीह इबने दाऊद इबने इब्राहीम का नसबनामा। **2** इब्राहीम से
इज़्हाक़ पैदा हुआ, और इज़्हाक़ से याक़ूब पैदा हुआ, और या'क़ूब
से यहूदा और उस के भाई पैदा हुए; **3** और यहूदा से फ़ारस और ज़ारह
तमर से पैदा हुए, और फ़ारस से हसरोंन पैदा हुआ, और हसरोंन से राम
पैदा हुआ; **4** और राम से अम्मीनदाब पैदा हुआ, और अम्मीनदाब से
नह्सोन पैदा हुआ, और नह्सोन से सलमोन पैदा हुआ; **5** और सलमोन
से बो'अज़ राहब से पैदा हुआ, और बो'अज़ से ओबेद रूत से पैदा
हुआ, और ओबेद से यस्सी पैदा हुआ; **6** और यस्सी से दाऊद बादशाह
पैदा हुआ। और दाऊद से सुलैमान उस 'औरत से पैदा हुआ जो पहले
ऊरिय्याह की बीवी थी; **7** और सुलैमान से रहुब'आम पैदा हुआ, और
रहुब'आम से अबिय्याह पैदा हुआ, और अबिय्याह से आसा पैदा हुआ;
8 और आसा से यहूसफ़त पैदा हुआ, और यहूसफ़त से यूराम पैदा हुआ,
और यूराम से उज़्ज़ियाह पैदा हुआ; **9** उज़्ज़ियाह से यूताम पैदा हुआ,
और यूताम से आख़ज़ पैदा हुआ, और आख़ज़ से हिज़क़ियाह पैदा
हुआ; **10** और हिज़क़ियाह से मनस्सी पैदा हुआ, और मनस्सी से
अमून पैदा हुआ, और अमून से यूसियाह पैदा हुआ; **11** और गिरफ़्तार
होकर बाबुल जाने के ज़माने में यूसियाह से यकुनियाह और उस के
भाई पैदा हुए; **12** और गिरफ़्तार होकर बाबुल जाने के बाद यकुनियाह
से सियालतीएल पैदा हुआ, और सियालतीएल से ज़रुब्बाबुल पैदा
हुआ। **13** और ज़रुब्बाबुल से अबीहूद पैदा हुआ, और अबीहूद से
इलियाक़ीम पैदा हुआ, और इलियाक़ीम से आज़ोर पैदा हुआ; **14** और
आज़ोर से सदोक़ पैदा हुआ, और सदोक़ से अख़ीम पैदा हुआ, और
अख़ीम से इलीहूद पैदा हुआ; **15** और इलीहूद से इलीअज़र पैदा हुआ,
और अलीअज़र से मत्तान पैदा हुआ, और मत्तान से याक़ूब पैदा हुआ;
16 और याक़ूब से यूसुफ़ पैदा हुआ, ये उस मरियम का शौहर था जिस
से ईसा पैदा हुआ, जो मसीह कहलाता है। **17** पस सब पुश्तें इब्राहीम से
दाऊद तक चौदह पुश्तें हुईं, और दाऊद से लेकर गिरफ़्तार होकर
बाबुल जाने तक चौदह पुश्तें, और गिरफ़्तार होकर बाबुल जाने से
लेकर मसीह तक चौदह पुश्तें हुईं। **18** अब ईसा मसीह की पैदाइश इस
तरह हुई कि जब उस की माँ मरियम की मंगनी यूसुफ़ के साथ हो गई:
तो उन के एक साथ होने से पहले वो रूह — उल क़ुद्स की क़ुदरत से
हामिला पाई गई। **19** पस उस के शौहर यूसुफ़ ने जो रास्तबाज़ था,
और उसे बदनाम नहीं करना चाहता था। उसे चुपके से छोड़ देने का
इरादा किया। **20** वो ये बातें सोच ही रहा था, कि ख़ुदावन्द के फ़रिश्ते
ने उसे ख़्वाब में दिखाई देकर कहा, ऐ यूसुफ़ "इबने दाऊद अपनी
बीवी मरियम को अपने यहाँ ले आने से न डर; क्यूँकि जो उस के पेट
में है, वो रूह — उल — क़ुद्स की क़ुदरत से है। **21** उस के बेटा होगा
और तू उस का नाम ईसा रखना, क्यूँकि वह अपने लोगों को उन के
गुनाहों से नजात देगा।" **22** यह सब कुछ इस लिए हुआ कि जो
ख़ुदावन्द ने नबी के ज़रिए कहा था, वो पूरा हो कि। **23** "देखो एक
कुँवारी हामिला होगी। और बेटा जनेंगी और उस का नाम इम्मानुएल
रखेंगे," जिसका मतलब है — ख़ुदा हमारे साथ। **24** पस यूसुफ़ ने
नींद से जाग कर वैसा ही किया जैसा ख़ुदावन्द के फ़रिश्ते ने उसे हुक्म
दिया था, और अपनी बीवी को अपने यहाँ ले गया। **25** और उस को
न जाना जब तक उस के बेटा न हुआ और उस का नाम ईसा रख्खा।

2 जब ईसा हेरोदेस बादशाह के ज़माने में यहूदिया के बैत — लहम में
पैदा हुआ। तो देखो कई मजूसी पूरब से येरूशलेम में ये कहते हुए
आए। **2** "यहूदियों का बादशाह जो पैदा हुआ है, वो कहाँ है? क्यूँकि
पूरब में उस का सितारा देखकर हम उसे सज्दा करने आए हैं।" **3** यह
सुन कर हेरोदेस बादशाह और उस के साथ येरूशलेम के सब लोग
घबरा गए। **4** और उस ने क़ौम के सब सरदार काहिनों और आलिमों
को जमा करके उन से पूछा, "मसीह की पैदाइश कहाँ होनी चाहिए?"
5 उन्हों ने उस से कहा, यहूदिया के बैत-लहम में, क्यूँकि नबी के
ज़रिए यूँ लिखा गया है कि, **6** "ऐ बैत-लहम, यहूदिया के 'इलाक़े तू
यहूदाह के हाकिमों में हरगिज़ सब से छोटा नहीं। क्यूँकि तुझ में से
एक सरदार निकलेगा जो मेरी क़ौम इस्राईल की निगहबानी करेगा।"
7 इस पर हेरोदेस ने मजूसियों को चुपके से बुला कर उन से मालूम
किया कि वह सितारा किस वक़्त दिखाई दिया था। **8** और उन्हें ये कह
कर "बैतलहम भेजा कि जा कर उस बच्चे के बारे में ठीक — ठीक
मालूम करो और जब वो मिले तो मुझे ख़बर दो ताकि मैं भी आ कर
उसे सिज्दा करूँ।" **9** वो बादशाह की बात सुनकर रवाना हुए और
देखो, जो सितारा उन्होंने पूरब में देखा था; वो उनके आगे — आगे
चला; यहाँ तक कि उस जगह के ऊपर जाकर ठहर गया जहाँ वो
बच्चा था। **10** वो सितारे को देख कर निहायत ख़ुश हुए। **11** और उस
घर में पहुँचकर बच्चे को उस की माँ मरियम के पास देखा; और
उसके आगे गिर कर सिज्दा किया। और अपने डिब्बे खोल कर सोना,
और लुबान और मुर उसको नज़्र किया। **12** और हेरोदेस के पास फिर
न जाने की हिदायत ख़्वाब में पाकर दूसरी राह से अपने मुल्क को
रवाना हुए। **13** जब वो रवाना हो गए तो देखो ख़ुदावन्द के फ़रिश्ते ने
यूसुफ़ को ख़्वाब में दिखाई देकर कहा, "उठ बच्चे और उस की माँ
को साथ लेकर मिस्र को भाग जा: और जब तक कि मैं तुझ से न कहूँ
वहीं रहना; क्यूँकि हेरोदेस इस बच्चे को तलाश करने को है, ताकि
इसे हलाक करे।" **14** पस वो उठा और रात के वक़्त बच्चे और उस
की माँ को साथ ले कर मिस्र के लिए रवाना हो गया। **15** और हेरोदेस
के मरने तक वहीं रहा ताकि जो ख़ुदावन्द ने नबी के ज़रिए कहा था,
वो पूरा हो "कि मिस्र से मैंने अपने बेटे को बुलाया।" **16** जब हेरोदेस
ने देखा कि मजूसियों ने मेरे साथ हँसी की तो निहायत ग़ुस्सा हुआ और
आदमी भेजकर बैतलहम और उसकी सब सरहदों के अन्दर के उन
सब लड़कों को क़त्ल करवा दिया जो दो — दो बरस के या इस
से छोटे थे, उस वक़्त के हिसाब से जो उसने मजूसियों से तहक़ीक़
की थी। **17** उस वक़्त वो बात पूरी हुई जो यर्मियाह नबी के ज़रिए
कही गई थी। **18** "रामा में आवाज़ सुनाई दी, रोना और बड़ा मातम।
राख़िल अपने बच्चे को रो रही है और तसल्ली क़बूल नहीं करती,
इसलिए कि वो नहीं हैं।" **19** जब हेरोदेस मर गया, तो देखो ख़ुदावन्द
के फ़रिश्ते ने मिस्र में यूसुफ़ को ख़्वाब में दिखाई देकर कहा कि। **20**
उठ इस बच्चे और इसकी माँ को लेकर इस्राईल के मुल्क में चला जा,
क्यूँकि जो बच्चे की जान लेने वाले थे वो मर गए **21** पस वो उठा और
बच्चे और उस की माँ को ले कर मुल्क — ए — इस्राईल में लौट

ماتتا

1 بۇ ئىبراھىمنىڭ ئوغلى ۋە داۋۇتنىڭ ئوغلى بولغان ئەيسا مەسىھنىڭ نەسەبنامە كىتابىدۇر: ـ **2** ئىبراھىمدىن ئىسھاق تۇرەلدى، ئىسھاقتىن ياقۇپ تۇرەلدى، ياقۇپ يەھۇدا ۋە ئۇنىڭ ئاكا-ئۆكىلىرىنىڭ ئاتىسى بولدى؛ **3** يەھۇدادىن تامار ئارقىلىق پەرەز ۋە زەراھ تۇرەلدى، پەرەزدىن ھەزرون تۇرەلدى، ھەزروندىن رام تۇرەلدى، **4** رامدىن ئاممىناداب تۇرەلدى، ئاممىنادابدىن ناھشون تۇرەلدى، ناھشوندىن سالمون تۇرەلدى، **5** سالموندىن راھاب ئارقىلىق بوئاز تۇرەلدى، بوئازدىن رۇت ئارقىلىق ئوبەد تۇرەلدى، ئوبەدتىن يەسسە تۇرەلدى، **6** يەسسەدىن داۋۇت پادىشاھ تۇرەلدى. داۋۇتتىن ئۇرىيانىڭ ئايالى ئارقىلىق سۇلايمان تۇرەلدى، **7** سۇلايماندىن رەھوبوئام تۇرەلدى، رەھوبوئامدىن ئابىيا تۇرەلدى، ئابىيادىن ئاسا تۇرەلدى، **8** ئاسادىن يەھوشافات تۇرەلدى، يەھوشافاتتىن يەھورام تۇرەلدى، يەھورامدىن ئۇززىيا تۇرەلدى، **9** ئۇززىيادىن يوتام تۇرەلدى، يوتامدىن ئاھاز تۇرەلدى، ئاھازدىن ھەزەكىيا تۇرەلدى، **10** ھەزەكىيادىن ماناسسەھ تۇرەلدى، ماناسسەھدىن ئامون تۇرەلدى، ئاموندىن يوشىيا تۇرەلدى؛ **11** بابىلغا سۈرگۈن قىلنغاندا يوشىيادىن يەكونياھ ۋە ئۇنىڭ ئاكا-ئۆكىلىرى تۇرەلدى. **12** بابىلغا سۈرگۈن بولغاندىن كېيىن، يەكونياھدىن شېئالتىئەل تۇرەلدى، شېئالتىئەلدىن زەرۇببابەل تۇرەلدى، **13** زەرۇببابەلدىن ئابىھۇد تۇرەلدى، ئابىھۇددىن ئېلىئاقىم تۇرەلدى، ئېلىئاقىمدىن ئازور تۇرەلدى، **14** ئازوردىن زادوك تۇرەلدى، زادوكتىن ئاقىم تۇرەلدى، ئاقىمدىن ئەلىھۇد تۇرەلدى، **15** ئەلىھۇدتىن ئەلئازار تۇرەلدى، ئەلئازاردىن ماتتان تۇرەلدى، ماتتاندىن ياقۇپ تۇرەلدى، **16** ياقۇپتىن مەريەمنىڭ ئېرى بولغان يۈسۈپ تۇرەلدى؛ مەريەم ئارقىلىق مەسىھ ئاتالغان ئەيسا تۇغۇلدى. **17** شۇنداق بولۇپ، ئىبراھىمدىن داۋۇتقىچە بولغان ئارلىقتا جەمئىي ئون تۆت ئەۋلاد بولغان؛ داۋۇتتىن بابىلغا سۈرگۈن قىلىنغىچە جەمئىي ئون تۆت ئەۋلاد بولغان؛ ۋە بابىلغا سۈرگۈن قىلىنىشتىن مەسىھ كەلگۈچە جەمئىي ئون تۆت ئەۋلاد بولغان. **18** ئەيسا مەسىھنىڭ دۇنياغا كېلىشى مۇنداق بولدى: ـ ئۇنىڭ ئانىسى مەريەم يۈسۈپكە ياتلىق بولۇشقا ۋەدە قىلىنغاندى؛ لېكىن تېخى نىكاھ قىلنمايلا، ئۇنىڭ مۇقەددەس روھتىن ھامىلدار بولغانلىقى مەلۇم بولدى. **19** لېكىن ئۇنىڭ [بولغۇسى] ئېرى يۈسۈپ، دۈرۈس كىشى بولۇپ، ئۇنى جەمئىيەت ئالدىدا خىجالەتكە قالدۇرۇشنى خالىماي، ئۇنىڭدىن ئاستىرتىن ئاجرىشىپ كېتىشنى نىيەت قىلدى. **20** ئەمما ئۇ مۇشۇ ئىشلارنى ئويلاپ يۈرگىنىدە، مانا پەرۋەردىگارنىڭ بىر پەرىشتىسى ئۇنىڭ چۈشىدە كۆرۈنۈپ ئۇنىڭغا: ـ ئەي داۋۇتنىڭ ئوغلى يۈسۈپ، ئايالىڭ مەريەمنى ئۆز ئەمرىگە ئېلىشتىن قورقما؛ چۈنكى ئۇنىڭدا بولغان ھامىلە مۇقەددەس روھتىن كەلگەن. **21** ئۇ بىر ئوغۇل تۇغىدۇ، سەن ئۇنىڭ ئىسمىنى ئەيسا دەپ قويغىن؛ چۈنكى ئۇ ئۆز خەلقىنى گۇناھلىرىدىن قۇتقۇزىدۇ» ـ دېدى. **22** مانا بۇلارنىڭ ھەممىسى پەرۋەردىگارنىڭ پەيغەمبەر ئارقىلىق دېگەنلىرىنىڭ ئەمەلگە ئاشۇرۇلۇش ئۈچۈن بولغان، دېمەك: ـ **23** «پاك قىز ھامىلدار بولۇپ بىر ئوغۇل تۇغىدۇ، ئۇلار ئۇنىڭ ئىسمىنى ئىممانۇئىل (مەنىسى «خۇدا بىز بىلەن بىللە») دەپ ئاتايدۇ». **24** يۈسۈپ ئويغىنىپ، پەرۋەردىگارنىڭ شۇ پەرىشتىسىنىڭ دېگىنى بويىچە قىلىپ، مەريەمنى ئەمرىگە ئالدى. **25** لېكىن مەريەم بوشانغۇچە ئۇ ئۇنىڭغا يېقىنلاشمىدى. بۇ مەريەمنىڭ ئۇنجىسى ئىدى؛ يۈسۈپ ئۇنىڭغا ئەيسا دەپ ئىسم قويدى.

2 ئەيسا ھېرود پادىشاھ ھۆكۈم سۈرگەن كۈنلەردە يەھۇدىيە ئۇلكىسىنىڭ بەيت-لەھەم يېزىسىدا دۇنياغا كەلگەندىن كېيىن، مانا بەزى دانىشمەنلەر مەشرىقتىن يېرۇسالېمغا يېتىپ كېلىپ، پۇقرالاردىن: **2** يەھۇدىيلارنىڭ [يېڭىدىن] تۇغۇلغان پادىشاھى قەيەردە؟ چۈنكى biz ئۇنىڭ يۇلتۇزىنىڭ كۆتۈرۈلگەنلىكىنى كۆردۇق. شۇڭا، ئۇنىڭغا سەجدە قىلغىلى كەلدۇق، ـ دېيىشتى. **3** بۇنى ئاڭلىغان ھېرود پادىشاھ، شۇنىڭدەك پۈتكۈل يېرۇسالېم خەلقىمۇ ئالاقزادىلىككە چۈشتى. **4** ئۇ پۈتكۈل باش كاھىنلار ۋە خەلقنىڭ تەۋرات ئۇستازلىرىنى چاقىرىپ، ئۇلاردىن «مەسىھ قەيەردە تۇغۇلۇشى كېرەك؟» ـ دەپ سورىدى. **5** ئۇلار: «يەھۇدىيەدىكى بەيت-لەھەم يېزىسىدا بولۇشى كېرەك، ـ چۈنكى پەيغەمبەر ئارقىلىق شۇنداق پۈتۈلگەن: ـ **6** «ئى يەھۇدىيە زېمىنىدىكى بەيت-لەھەم، خەلقىڭ يەھۇدىيە يېتەكچىلىرىنىڭ ئارىسىدا ئەڭ كىچىكى بولمايدۇ؛ چۈنكى سەندىن بىر يېتەكچى چىقىدۇ، ئۇ خەلقىم ئىسرائىللارنىڭ باققۇچىسى بولىدۇ» ـ دېيىشتى. **7** بۇنىڭ بىلەن، ھېرود دانىشمەنلەرنى مەخپىي چاقىرتىپ، يۇلتۇزنىڭ قاچان پەيدا بولغانلىقىنى سۈرۈشتۈرۈپ بىلۋالدى. **8** ئاندىن: «بېرىپ بالىنى سۈرۈشتە قىلىپ تېپىڭلار. تاپقان ھامان قايتىپ ماڭا خەۋەر قىلىڭلار، مەنمۇ ئۇنىڭ ئالدىغا بېرىپ سەجدە قىلىپ كېلەي» ـ دەپ، ئۇلارنى بەيت-لەھەمگە يولغا سالدى. **9** دانىشمەنلەر پادىشاھنىڭ سۆزىنى ئاڭلاپ يولغا چىقتى؛ ۋە مانا، ئۇلار شەرقتە كۆرگەن ھىلىقى يۇلتۇز ئۇلارنىڭ ئالدىدا يول بولدىلا ماكانى ۋە بالا ئۇرغان يەرگە كېلىپ توختىدى. **10** ئۇلار ھىلىقى يۇلتۇزنى كۆرگىنىدىن ئىنتايىن قاتتىق شادلىنىشتى **11** ھەم ئۆيگە كىرىپ، بالىنى ئانىسى مەريەم بىلەن كۆرۈپ، يەرگە يېقىلىپ ئۇنىڭغا سەجدە قىلىشتى. ئاندىن، خەزىنىلىرىنى ئېچىپ، ئالتۇن، مەستىكى، مۇرمەكەكى قاتارلىق سوۋغاتلارنى سۇنۇشتى. **12** ئۇلارغا چۈشىدە ھېرودنىڭ يېنىغا بارماسلىق توغرىسىدىكى ۋەھىي كەلگەنلىكى ئۈچۈن، ئۇلار باشقا يول بىلەن تۆز يۇرتىغا قايتىشتى. **13** ئۇلار يولغا كەتكەندىن كېيىن، پەرۋەردىگارنىڭ بىر پەرىشتىسى يۈسۈپنىڭ چۈشىدە كۆرۈنۈپ: ئورنۇڭدىن تۇر! بالا ۋە ئانىسى ئىككىسىنى ئېلىپ مىسىرغا قاچ. مەن ساڭا ئۇقتۇرغۇچە ئۇ يەردە تۇرغىن. چۈنكى ھېرود بالىنى يوقىتىشقا ئىزدەپ كېلىدۇ ـ دېدى. **14** شۇنىڭ بىلەن ئۇ ئورنىدىن تۇرۇپ، شۇ كېچىلا بالا ۋە ئانىسى ئىككىسىنى ئېلىپ مىسىرغا قاراپ يولغا چىقتى. **15** ئۇ ھېرود ئۆلگۈچە شۇ يەردە تۇردى. شۇنداق بولدىكى، پەرۋەردىگارنىڭ پەيغەمبەر ئارقىلىق ئالدىن ئېيتقان: «ئوغلۇمنى مىسىردىن مەن چاقىردىم» دېگەن سۆزى ئەمەلگە ئاشۇرۇلدى. **16** ھېرود بولسا دانىشمەنلەردىن ئالدانغانلىقىنى بىلىپ، قاتتىق غەزەپلەندى. ئۇ دانىشمەنلەردىن بېتلەملىكان ۋاقىتقا ئاساسەن، ئادەملەرنى ئەۋەتىپ بەيت-لەھەم يېزىسى ۋە ئەتراپىدىكى ئىككى ياش ۋە ئۇنىڭدىن تۆۋەن ياشتىكى ئوغۇل بالىلارنىڭ ھەممىسىنى ئۆلتۈرگۈزدى. **17** شۇ چاغدا يەرەمىيا پەيغەمبەر ئارقىلىق ئېيتىلغان مۇنۇ سۆز ئەمەلگە ئاشۇرۇلدى: ـ **18** «راماھ شەھىرىدە بىر سادا، ئاچچىق يىغا-زارلىق يېغانى ئاڭلىنار، بۇ راھىلەنىڭ بالىلىرى ئۈچۈن كۆرۈگەن ئاھ-زارلىرى؛ بالىلىرىنىڭ يوق قىلىۋېتىلگىنى تۈپەيلىدىن، تەسەللىنى قوبۇل قىلماي يېغان كۆرۈرىدۇ». **19** ئەمدى ھېرود ئۆلگەندىن كېيىن، خۇداۋەنىڭ بىر پەرىشتىسى مىسىردا تۇرغان يۈسۈپنىڭ چۈشىدە كۆرۈنۈپ ئۇنىڭغا: ـ **20** ئورنۇڭدىن تۇر! بالا ۋە ئانىسىنى ئېلىپ ئىسرائىل زېمىنىغا قايت! چۈنكى بالىنىڭ جېنىنى ئالماقچى بولغانلار ئۆلدى، ـ دېدى. **21** بۇنىڭ بىلەن يۈسۈپ ئورنىدىن تۇرۇپ بالا ۋە ئانىسىنى ئېلىپ ئىسرائىل زېمىنىغا قايتتى. **22** ئۇ تاخىلاۋاتقىنىڭ ئاتىسى ھېرود پادىشاھنىڭ ئورنىغا تەختكە ئولتۇرۇپ يەھۇدىيە ئۇلكىسىگە ھۆكۈمرانلىق قىلىۋاتقىنىدىن خەۋەر تېپىپ، ئۇ يەرگە قايتىشتىن قورقتى؛ ۋە چۈشىدە ئۇنىڭغا بىر ۋەھىي كېلىپ، گالىلىيە زېمىنىغا بېرىپ، **23** ناسارەت دەپ ئاتىلىدىغان بىر يېزىدا ئولتۇراقلاشتى. شۇنىڭ بىلەن پەيغەمبەرلەر ئارقىلىق: «ئۇ ناسارەتلىك دەپ ئاتىلىدۇ» دېيىلگىنى ئەمەلگە ئاشۇرۇلدى.

Матта

1 Бу Ибраһимниң оғли вә Давутниң оғли болған Әйса Мәсиһниң нәсәбнамә китавидур: — **2** Ибраһимдин Исһақ төрәлди, Исһақтин Яқуп төрәлди, Яқуп Йәһуда вә униң ака-укилириниң атиси болди; **3** Йәһудадин Тамар арқилиқ Пәрәз вә Зәраһ төрәлди; Пәрәздин Һәзрон төрәлди, Һәзрондин Рам төрәлди, **4** Рамдин Амминадаб төрәлди, Амминадабдин Наһшон төрәлди, Наһшондин Салмон төрәлди, **5** Салмондин Раһаб арқилиқ Боаз төрәлди, Боаздин Рут арқилиқ Обәд төрәлди, Обәдтин Йәссә төрәлди, **6** Йәссәдин Давут падиша төрәлди. Давуттин Урияниң аяли арқилиқ Сулайман төрәлди, **7** Сулаймандин Рәһобоам төрәлди, Рәһобоамдин Абия төрәлди, Абиядин Аса төрәлди, **8** Асадин Йәһошафат төрәлди, Йәһошафаттин Йәһорам төрәлди, Йәһорамдин Уззия төрәлди, **9** Уззиядин Йотам төрәлди, Йотамдин Аһаз төрәлди, Аһаздин Һәзәкия төрәлди, **10** Һәзәкиядин Манассәһ төрәлди, Манассәһдин Амон төрәлди, Амондин Йошия төрәлди; **11** Бабилға сүргүн қилинғанда Йошиядин Йәконияһ вә униң ака-укилири төрәлди. **12** Бабилға сүргүн болғандин кейин, Йәконияһдин Шеалтиәл төрәлди, Шеалтиәлдин Зәруббабәл төрәлди, **13** Зәруббабәлдин Абиһуд төрәлди, Абиһуддин Елиақим төрәлди, Елиақимдин Азор төрәлди, **14** Азордин Задок төрәлди, Задоктин Ақим төрәлди, Ақимдин Әлиһуд төрәлди, **15** Әлиһудтин Әлиазар төрәлди, Әлиазардин Маттан төрәлди, Маттандин Яқуп төрәлди, **16** Яқуптин Мәрйәмниң ери болған Йүсүп төрәлди; Мәрйәм арқилиқ Мәсиһ аталған Әйса туғулди. **17** Шундақ болуп, Ибраһимдин Давутқичә болған арилиқта җәмий он төрт әвлат болған; Давуттин Бабилға сүргүн қилинғичә җәмий он төрт әвлат болған; вә Бабилға сүргүн қилиништин Мәсиһ кәлгичә җәмий он төрт әвлат болған. **18** Әйса Мәсиһниң дуниядә келиши мундақ болди: — Униң аниси Мәрйәм Йүсүпкә ятлиқ болушқа вәдә қилинған еди; лекин техи никаһ қилинмайла, униң Муқәддәс Роһтин һамилдар болғанлиғи мәлум болди. **19** Лекин униң [болғуси] ери Йүсүп, дурус киши болуп, уни җәмийәт алдида хиҗаләткә қалдурушни халимай, униңдин астиртин аҗришип кетишни нийәт қилди. **20** Амма у мошу ишларни ойлап жүргинидә, мана Пәрвәрдигарниң бир пәриштиси униң чүшидә көрүнүп униңға: — Әй Давутниң оғли Йүсүп, аялиң Мәрйәмни өз әмриңгә елиштин қорқма; чүнки униңда болған һамилә Муқәддәс Роһтин кәлгән. **21** У бир оғул туғиду, сән униң исмини Әйса дәп қойғин; чүнки у өз хәлқини гуналиридин қутқузиду» — деди. **22** Мана буларниң һәммиси Пәрвәрдигарниң пәйғәмбәр арқилиқ дегәнлириниң әмәлгә ашурулуш үчүн болған, демәк: — **23** «Пак қиз һамилдар болуп бир оғул туғиду; улар униң исмини Иммануел (мәниси «Худа биз билән биллә») дәп атайду». **24** Йүсүп ойғинип, Пәрвәрдигарниң шу пәриштисиниң дегини бойичә қилип, Мәрйәмни әмригә алди. **25** Лекин Мәрйәм бошанғичә у униңға йеқинлашмиди. Бу Мәрйәмниң тунҗиси еди; Йүсүп униңға Әйса дәп исим қойди.

2 Әйса Һерод падиша һөкүм сүргән күнләрдә Йәһудийә өлкисиниң Бәйт-Ләһәм йезисида дунияға кәлгәндин кейин, мана бәзи данишмәнләр мәшриқтин Йерусалимға йетип келип, пухралардин: **2** Йәһудийларниң [йеңидин] туғулған падишаси қәйәрдә? Чүнки биз униң юлтузиниң көтирилгәнлигини көрдуқ. Шуңа, униңға сәҗдә қилғили кәлдуқ, — дейишти. **3** Буни аңлиған Һерод падиша, шуниңдәк пүтküл Йерусалим хәлқиму алақзадиликкә чүшти. **4** У пүткүл баш каһинлар вә хәлиқниң Тәврат устазлирини чақирип, улардин «Мәсиһ қәйәрдә туғулуши керәк?» — дәп сориди. **5** Улар: «Йәһудийәдики Бәйт-Ләһәм йезисида болуши керәк, — чүнки пәйғәмбәр арқилиқ шундақ пүтүлгән: — **6** «И Йәһудийә зиминидики Бәйт-Ләһәм, Хәлқиң Йәһудийә йетәкчилириниң арисида әң кичиги болмайду; Чүнки сәндин бир йетәкчи чиқиду, У хәлқим Исраилларниң баққучиси болиду» — дейишти. **7** Буниң билән, Һерод данишмәләрни мәхпий чақиртип, юлтузниң қачан пәйда болғанлиғини сүрүштүрүп биливалди. **8** Андин: «Берип балини сүрүштә қилип тепиңлар. Тапқан һаман қайтип маңа хәвәр қиliңлар, мәнму униң алдиға берип сәҗдә қилип келәй» — дәп, уларни Бәйт-Ләһәмгә йолға салди. **9** Данишмәнләр падишаниң сөзини аңлап йолға чиқти; вә мана, улар шәриқтә көргән һелиқи юлтуз уларниң алдида йол башлап маңди вә бала турған йәргә келип тохтиди. **10** Улар һелиқи юлтузни көргинидин интайин қаттиқ шатлиништи **11** һәм өйгә кирип, балини аниси Мәрйәм билән көрүп, йәргә жиқилип униңға сәҗдә қилишти. Андин, ғәзнилирини ечип, алтун, мәстики, мурмәкки қатарлиқ соғатларни сунушти. **12** Уларға чүшидә Һеродниң йениға бармаслиқ тоғрисидики вәһий кәлгәнлиги үчүн, улар башқа йол билән өз жутиға қайтишти. **13** Улар йолға кәткәндин кейин, Пәрвәрдигарниң бир пәриштиси Йүсүпниң чүшидә көрүнүп: Орнуңдин тур! Бала вә аниси иккисини елип Мисирға қач. Мән саңа уқтурғичә у йәрдә турғин. Чүнки Һерод балини йоқитишқа издәп келиду — деди. **14** Шуниң билән у орнидин туруп, шу кечила бала вә аниси иккисини елип Мисирға қарап йолға чиқти. **15** У Һерод өлгичә шу йәрдә турди. Шундақ болдики, Пәрвәрдигарниң пәйғәмбәр арқилиқ алдин-ала ейтқан: «Оғлумни Мисирдин Мән чақирдим» дегән сөзи әмәлгә ашурулди. **16** Һерод болса данишмәнләрдин алданғанлиғини билип, қаттиқ ғәзәпләнди. У данишмәнләрдин ениқлиған вақитқа асасән, адәмләрни әвәтип Бәйт-Ләһәм йезиси вә әтрапидики икки яш вә униңдин төвән яштики оғул балиларниң һәммисини өлтүргүзди. **17** Шу чағда Йәрәмия пәйғәмбәр арқилиқ ейтилған муну сөз әмәлгә ашурулди: — **18** «Рамаһ шәһиридә бир сада, Аччиқ жиға-зериниң пиғани аңлинар, Бу Раһиләниң балилири үчүн көтәргән аһ-зарлири; Балилириниң йоқ қиливетилгини түпәйлидин, Тәсәллини қобул қилмай пиған көтириду». **19** Әнди Һерод өлгәндин кейин, Худаниң бир пәриштиси Мисирда турған Йүсүпниң чүшидә көрүнүп униңға: — **20** Орнуңдин тур! Бала вә анисини елип Исраил зиминиға қайт! Чүнки балиниң җенини алмақчи болғанлар өлди, — деди. **21** Буниң билән Йүсүп орнидин туруп бала вә анисини елип Исраил зиминиға қайтти. **22** У Архелаусниң атиси Һерод падишаниң орниға тәхткә олтирип Йәһудийә өлкисигә һөкүмранлиқ қиливатқинидин хәвәр тепип, у йәргә қайтиштин қорқти; вә чүшидә униңға бир вәһий келип, Галилийә зиминиға берип, **23** Насарәт дәп атилидиған бир йезида олтирақлашти. Шуниң

Matta

1 Bu Ibrahimning oghli we Dawutning oghli bolghan
Eysa Mesihning nesebname kitabidur: — **2** Ibrahimdin
Ishaq töreldi, Ishaqtin Yaqup töreldi, Yaqup Yehuda we
uning aka-ukilirining atisi boldi; **3** Yehudadin Tamar
arqiliq Perez we Zerah töreldi; Perezdin Hezron töreldi,
Hezrondin Ram töreldi, **4** Ramdin Amminadab töreldi,
Amminadabdin Nahshon töreldi, Nahshondin Salmon
töreldi, **5** Salmondin Rahab arqiliq Boaz töreldi, Boazdin
Rut arqiliq Obed töreldi, Obedtin Yesse töreldi, **6**
Yessedin Dawut padishah töreldi. Dawuttin Uriyaning
ayali arqiliq Sulayman töreldi, **7** Sulaymandin Rehaboam
töreldi, Rehaboamdin Abiya töreldi, Abiyadin Asa töreldi,
8 Asadin Yehoshafat töreldi, Yehoshafattin Yehoram
töreldi, Yehoramdin Uzziya töreldi, **9** Uzziyadin Yotam
töreldi, Yotamdin Ahaz töreldi, Ahazdin Hezekiya töreldi,
10 Hezekiyadin Manasseh töreldi, Manassehdin Amon
töreldi, Amondin Yoshiya töreldi; **11** Babilgha sürgün
qilin'ghanda Yoshiyadin Yekoniyah we uning aka-
ukiliri töreldi. **12** Babilgha sürgün bolghandin kéyin,
Yekoniyahdin Shéaltiel töreldi, Shéaltieldin Zerubbabel
töreldi, **13** Zerubbabeldin Abihud töreldi, Abihuddin
Éliaqim töreldi, Éliaqimdin Azor töreldi, **14** Azordin Zadok
töreldi, Zadoktin Aqim töreldi, Aqimdin Elihud töreldi,
15 Elihudtin Eliazar töreldi, Eliazardin Mattan töreldi,
Mattandin Yaqup töreldi, **16** Yaquptin Meryemning
éri bolghan Yüsüp töreldi; Meryem arqiliq Mesih
atalghan Eysa tughuldi. **17** Shundaq bolup, Ibrahimdin
Dawutqiche bolghan ariliqta jemiy on töt ewlad bolghan;
Dawuttin Babilgha sürgün qilin'ghiche jemiy on töt
ewlad bolghan; we Babilgha sürgün qilinishtin Mesih
kelgüche jemiy on töt ewlad bolghan. **18** Eysa Mesihning
dunyagha kélishi mundaq boldi: — Uning anisi Meryem
Yüsüpke yatliq bolushqa wede qilin'ghanidi; lékin téxi
nikah qilinmayla, uning Muqeddes Rohtin hamilidar
bolghanliqi melum boldi. **19** Lékin uning [bolghusi] éri
Yüsüp, durus kishi bolup, uni jemiyet aldida xijaletke
qaldurushni xalimay, uningdin astirtin ajriship kétishni
niyet qildi. **20** Emma u mushu ishlarni oylap yürginide,
mana Perwerdigarning bir perishtisi uning chüshide
körünüp uninggha: — Ey Dawutning oghli Yüsüp, ayaling
Meryemni öz emringge élishtin qorqma; chünki uningda
bolghan hamile Muqeddes Rohtin kelgen. **21** U bir
oghul tughidu, sen uning ismini Eysa dep qoyghin;
chünki u öz xelqini gunahliridin qutquzidu» — dédi. **22**
Mana bularning hemmisi Perwerdigarning peyghember
arqiliq dégenlirining emelge ashurulush üchün bolghan,
démek: — **23** «Pak qiz hamilidar bolup bir oghul
tughidu; ular uning ismini Immanuél (menisi «Xuda
biz bilen bille») dep ataydu». **24** Yüsüp oyghinip,
Perwerdigarning shu perishtisining dégini boyiche qilip,
Meryemni emrige aldi. **25** Lékin Meryem boshan'ghuche
u uninggha yéqinlashmidi. Bu Meryemning tunjisi idi;
Yüsüp uninggha Eysa dep isim qoydi.

2 Eysa Hérod padishah höküm sürgen künlerde
Yehudiye ölkisining Beyt-Lehem yézisida dunyagha
kelgendin kéyin, mana bezi danishmenler meshriqtin
Yérusalémgha yétip kélip, puqralardin: **2** Yehudiylarning
[yéngidin] tughulghan padishahi qeyerde? Chünki biz
uning yultuzining kötürülgenlikini körduq. Shunga,
uninggha sejde qilghili kelduq, — déyishti. **3** Buni
anglighan Hérod padishah, shuningdek pütkül Yérusalém
xelqimu alaqzadilikke chüshti. **4** U pütkül bash kahinlar
we xelqning Tewrat ustazlirini chaqirip, ulardin «Mesih
qeyerde tughulushi kérek?» — dep soridi. **5** Ular:
«Yehudiyediki Beyt-Lehem yézisida bolushi kérek, —
chünki peyghember arqiliq shundaq pütülgen: — **6**
«I Yehudiye zéminidiki Beyt-Lehem, Xelqing Yehudiye
yétekchilirining arisida eng kichiki bolmaydu; Chünki
sendin bir yétekchi chiqidu, U xelqim Israillarning
baqquchisi bolidu» — déyishti. **7** Buning bilen, Hérod
danishmelerni mexpiy chaqirtip, yultuzning qachan
peyda bolghanliqini sürüshtürüp biliwaldi. **8** Andin:
«Bérip balini sürüshte qilip tépinglar. Tapqan haman
qaytip manga xewer qilinglar, menmu uning aldigha
bérip sejde qilip kéley» — dep, ularni Beyt-Lehemge
yolgha saldi. **9** Danishmenler padishahning sözini anglap
yolgha chiqti; we mana, ular sherqte körgen héliqi yultuz
ularning aldida yol bashlap mangdi we bala turghan yerge
kélip toxtidi. **10** Ular héliqi yultuzni körginidin intayin
qattiq shadlinishti **11** hem öyge kirip, balini anisi Meryem
bilen körüp, yerge yiqilip uninggha sejde qilishti. Andin,
xezinilirini échip, altun, mestiki, murmekki qatarliq
sowghatlarni sunushti. **12** Ulargha chüshide Hérodning
yénigha barmasliq toghrisidiki wehiy kelgenliki üchün,
ular bashqa yol bilen öz yurtigha qaytishti. **13** Ular
yolgha ketkendin kéyin, Perwerdigarning bir perishtisi
Yüsüpning chüshide körünüp: Ornungdin tur! Bala
we anisi ikkisini élip Misirgha qach. Men sanga
uqturghuche u yerde turghin. Chünki Hérod balini
yoqitishqa izdep kélidu — dédi. **14** Shuning bilen u
ornidin turup, shu kéchila bala we anisi ikkisini élip
Misirgha qarap yolgha chiqti. **15** U Hérod ölgüche
shu yerde turdi. Shundaq boldiki, Perwerdigarning
peyghember arqiliq aldin éytqan: «Oghlumni Misirdin
Men chaqirdim» dégen sözi emelge ashuruldi. **16**
Hérod bolsa danishmenlerdin aldan'ghanliqini bilip,
qattiq ghezeplendi. U danishmenlerdin éniqlighan
waqitqa asasen, ademlerni ewetip Beyt-Lehem yézisi
we etrapidiki ikki yash we uningdin töwen yashtiki
oghul balilarning hemmisini öltürguzdi. **17** Shu chaghda
Yeremiya peyghember arqiliq éytilghan munu söz emelge
ashuruldi: — **18** «Ramah shehiride bir sada, Achchiq
yigha-zarning pighani anglinar, Bu Rahilening baliliri
üchün kötürgen ah-zarliri; Balilirining yoq qiliwétilgini
tüpeylidin, Tesellini qobul qilmay pighan kötüridu».
19 Emdi Hérod ölgendin kéyin, Xudaning bir perishtisi
Misirda turghan Yüsüpning chüshide körünüp uninggha:
— **20** Ornungdin tur! Bala we anisini élip Israil zéminigha
qayt! Chünki balining jénini almaqchi bolghanlar öldi, —
dédi. **21** Buning bilen Yüsüp ornidin turup bala we anisini
élip Israil zéminigha qaytti. **22** U Arxélausning atisi
Hérod padishahning ornigha textke olturup Yehudiye
ölkisige hökümranliq qiliwatqinidin xewer tépip, u yerge
qaytishtin qorqti; we chüshide uninggha bir wehiy kélip,
Galiliye zéminigha bérip, **23** Nasaret dep atilidighan
bir yézida olturaqlashti. Shuning bilen peyghemberler
arqiliq: «U Nasaretlik dep atilidu» déyilgini emelge
ashuruldi.

Matta

1 Bu Ibrahimning ooɣli wə Dawutning ooɣli bolɣan Əysa Məsihɲing nəsəbnamə kitabidur: — **2** Ibrahimdin Isḥak tərəldi, Isḥaktin Yakup tərəldi, Yakup Yəhuda wə uning aka-ukilirining atisi boldi; **3** Yəhudadin Tamar arkilik Pərəz wə Zərah tərəldi; Pərəzdin Ḥəzron tərəldi, Ḥəzrondin Ram tərəldi, **4** Ramdin Amminadab tərəldi, Amminadabdin Naḥxon tərəldi, Naḥxondin Salmon tərəldi, **5** Salmondin Raḥab arkilik Boaz tərəldi, Boazdin Rut arkilik Obəd tərəldi, Obədtin Yəssə tərəldi, **6** Yəssədin Dawut padixah tərəldi. Dawuttin Uriyaning ayali arkilik Sulayman tərəldi, **7** Sulaymandin Rəḥoboam tərəldi, Rəḥoboamdin Abiya tərəldi, Abiyadin Asa tərəldi, **8** Asadin Yəhoxafat tərəldi, Yəhoxafattin Yəhoram tərəldi, Yəhoramdin Uzziya tərəldi, **9** Uzziyadin Yotam tərəldi, Yotamdin Aḥaz tərəldi, Aḥazdin Ḥəzəkiya tərəldi, **10** Ḥəzəkiyadin Manassəḥ tərəldi, Manassəḥdin Amon tərəldi, Amondin Yoxiya tərəldi; **11** Babilɣa sürgün kilinɣanda Yoxiyadin Yəkoniyaḥ wə uning aka-ukiliri tərəldi. **12** Babilɣa sürgün bolɣandin keyin, Yəkoniyaḥdin Xealtiəl tərəldi, Xealtiəldin Zərubbabəl tərəldi, **13** Zərubbabəldin Abiḥud tərəldi, Abiḥuddin Eliakim tərəldi, Eliakimdin Azor tərəldi, **14** Azordin Zadok tərəldi, Zadoktin Akim tərəldi, Akimdin Əliḥud tərəldi, **15** Əliḥudtin Əliazar tərəldi, Əliazardin Mattan tərəldi, Mattandin Yakup tərəldi, **16** Yakuptin Məryəmning eri bolɣan Yüsüp tərəldi; Məryəm arkilik Məsih ataloɣan Əysa tuɣuldi. **17** Xundak bolup, Ibrahimdin Dawutkiqə bolɣan arilikta jəmiy on tət əwlad bolɣan; Dawuttin Babilɣa sürgün kilinɣiqə jəmiy on tət əwlad bolɣan; wə Babilɣa sürgün kilinixtin Məsih kəlgüqə jəmiy on tət əwlad bolɣan. **18** Əysa Məsiḥning dunyaɣa kelixi mundak boldi: — Uning anisi Məryəm Yüsüpkə yatlik boluxka wədə kilinɣanidi; lekin tehi nikah kilinmayla, uning Mukəddəs Roḥtin ḥamilidar bolɣanliki məlum boldi. **19** Lekin uning [bolɣusi] eri Yüsüp, durus kixi bolup, uni jəmiyət aldida hijalətkə kalduruxni halimay, uningdin astirtin ajrixip ketixni niyət kildi. **20** Əmma u muxu ixlarni oylap yürginidə, mana Pərwərdigarning bir pərixtisi uning qüxidə kərünüp uningɣa: — Əy Dawutning ooɣli Yüsüp, ayaling Məryəmni əz əmringgə elixtin ḳorḳma; qünki uningda bolɣan ḥamilə Mukəddəs Roḥtin kəlgən. **21** U bir ooɣul tuɣidu, sən uning ismini Əysa dəp ḳoyɣin; qünki u əz həlkini gunahliridin ḳutḳuzidu» — dedi. **22** Mana bularning ḥəmmisi Pərwərdigarning pəyɣəmbər arkilik degənlirining əməlgə axurulux üqün bolɣan, demək: — **23** «Pak kiz ḥamilidar bolup bir ooɣul tuɣidu; ular uning ismini Immanuel (mənisi «Huda biz bilən billə») dəp ataydu». **24** Yüsüp oyɣinip, Pərwərdigarning xu pərixtisining degini boyiqə kilip, Məryəmni əmrigə aldi. **25** Lekin Məryəm boxanɣuqə u uningɣa yekinlaxmidi. Bu Məryəmning tunjisi idi; Yüsüp uningɣa Əysa dəp isim ḳoydi.

2 Əysa Ḥerod padixah ḥeküm sürgən künlərdə Yəhudiyə əlkisining Bəyt-Ləḥəm yezisida dunyaɣa kəlgəndin keyin, mana bəzi danixmənlər məxrikтin Yerusalemɣa yetip kelip, puḳralardin: **2** Yəhudiylarning [yengidin] tuɣuloɣan padixaḥi ḳəyərdə? Qünki biz uning yultuzining kətürülgənlikini kərduḳ. Xunga, uningɣa səjdə kiloɣili kəlduḳ, — deyixti. **3** Buni angliɣan Ḥerod padixah, xuningdək pütkül Yerusalem həlkimu alakzadilikkə qüxti. **4** U pütkül bax kahinlar wə həlkning Təwrat ustazlirini qakirip, ulardin «Məsih ḳəyərdə tuɣuluxi kerək?» — dəp soridi. **5** Ular: «Yəhudiyədiki Bəyt-Ləḥəm yezisida boluxi kerək, — qünki pəyɣəmbər arkilik xundak pütülgən: — **6** «I Yəhudiyə zeminidiki Bəyt-Ləḥəm, Həlking Yəhudiyə yetəkqilirining arisida əng kiqiki bolmaydu; Qünki səndin bir yetəkqi qikidu, U həlkim Israillarning bakḳuqisi bolidu» — deyixti. **7** Buning bilən, Ḥerod danixmələrni məhpiy qakirtip, yultuzning ḳaqan pəyda bolɣanlikini sürüxtürüp biliwaldi. **8** Andin: «Berip balini sürüxtə kilip tepinglar. Tapḳan ḥaman ḳaytip manga həwər kilinglar, mənmu uning aldioɣa berip səjdə kilip kelәy» — dəp, ularni Bəyt-Ləḥəmgə yoloɣa saldi. **9** Danixmənlər padixaḥning səzini anglap yoloɣa qikti; wə mana, ular xərktə kərgən ḥeliki yultuz ularning aldida yol baxlap mangdi wə bala turoɣan yərgə kelip tohtidi. **10** Ular ḥeliki yultuzni kərginidin intayin ḳattik xadlinixti **11** ḥəm өygə kirip, balini anisi Məryəm bilən kərüp, yərgə yikilip uningɣa səjdə kilixti. Andin, həzinilirini eqip, altun, məstiki, murməkki ḳatarlik sowoɣatlarni sunuxti. **12** Ularoɣa qüxidə Ḥerodning yenioɣa barmaslik tooɣrisidiki wəḥiy kəlgənliki üqün, ular baxḳa yol bilən əz yurtioɣa ḳaytixti. **13** Ular yoloɣa kətkəndin keyin, Pərwərdigarning bir pərixtisi Yüsüpning qüxidə kərünüp: Ornungdin tur! Bala wə anisi ikkisini elip Misiroɣa ḳaq. Mən sanga ukturoɣuqə u yərdə turoɣin. Qünki Ḥerod balini yokitixka izdəp kelidu — dedi. **14** Xuning bilən u ornidin turup, xu keqila bala wə anisi ikkisini elip Misiroɣa ḳarap yoloɣa qikti. **15** U Ḥerod өlgüqə xu yərdə turdi. Xundak boldiki, Pərwərdigarning pəyɣəmbər arkilik aldin eytkan: «Ooɣlumni Misirdin Mən qakirdim» degən səzi əməlgə axuruldi. **16** Ḥerod bolsa danixmənlərdin aldanoɣanlikini bilip, ḳattik oɣəzəplәndi. U danixmənlərdin enikliɣan wakitka asasən, adəmlərni əwətip Bəyt-Ləḥəm yezisi wə ətrapidiki ikki yax wə uningdin təwən yaxtiki ooɣul balilarning ḥəmmisini eltürguzdi. **17** Xu qaɣda Yərəmiya pəyɣəmbər arkilik eytiloɣan munu səz əməlgə axuruldi: — **18** «Ramaḥ xəḥiridə bir sada, Aqqik yioɣa-zarning pioɣani anglinar, Bu Raḥilәning baliliri üqün kətürgən aḥ-zarliri; Balilirining yok kiliwetilgini tüpəylidin, Təsəllini ḳobul kilmay pioɣan kətüridu». **19** Əmdi Ḥerod өlgəndin keyin, Hudaning bir pərixtisi Misirda turoɣan Yüsüpning qüxidə kərünüp uningɣa: — **20** Ornungdin tur! Bala wə anisini elip Israil zemiɲioɣa ḳayt! Qünki balining jenini almakqi boloɣanlar өldi, — dedi. **21** Buning bilən Yüsüp ornidin turup bala wə anisini elip Israil zemiɲioɣa ḳaytti. **22** U Arhelausning atisi Ḥerod padixaḥning orniɲioɣa təhtkə olturup Yəhudiyə əlkisigə ḥəkümranlik kiliwatkinidin həwər tepip, u yərgə ḳaytixtin ḳorkti; wə qüxidə uningɣa bir wəḥiy kelip, Galiliyə zemiɲioɣa berip, **23** Nasarət dəp atilidioɣan bir yezida olturaklaxti. Xuning bilən pəyɣəmbərlər arkilik: «U Nasarətlik dəp atilidu» deyilgini əməlgə axuruldi.

Ma-thi-ơ

1 Đây là gia phả của Chúa Giê-xu, Đấng Mết-si-a,
theo dòng dõi Đa-vít và Áp-ra-ham: **2** Áp-ra-ham
sinh Y-sác. Y-sác sinh Gia-cốp. Gia-cốp sinh Giu-đa
và các con. **3** Giu-đa sinh Pha-rê và Xa-ra (tên mẹ là
Ta-ma). Pha-rê sinh Hết-rôm. Hết-rôm sinh A-ram. **4**
A-ram sinh A-mi-na-đáp. A-mi-na-đáp sinh Na-ách-
son. Na-ách-son sinh Sanh-môn. **5** Sanh-môn cưới
Ra-háp, sinh Bô-ô. Bô-ô cưới Ru-tơ, sinh Ô-bết. Ô-bết
sinh Gie-sê. **6** Gie-sê sinh Vua Đa-vít. Đa-vít sinh Sa-
lô-môn (mẹ là Bết-sê-ba, là bà góa U-ri). **7** Sa-lô-môn
sinh Rô-bô-am. Rô-bô-am sinh A-bi-gia. A-bi-gia sinh
A-sa. **8** A-sa sinh Giô-sa-phát. Giô-sa-phát sinh Giô-
ram. Giô-ram sinh Ô-xia. **9** Ô-xia sinh Giô-tham. Giô-
tham sinh A-cha. A-cha sinh Ê-xê-chia. **10** Ê-xê-chia
sinh Ma-na-se. Ma-na-se sinh A-môn. A-môn sinh
Giô-si-a. **11** Giô-si-a sinh Giê-cô-nia và các con trước
khi người Do Thái bị lưu đày qua Ba-by-lôn. **12** Sau
khi bị lưu đày: Giê-cô-nia sinh Sa-la-thi-ên. Sa-la-
thi-ên sinh Xô-rô-ba-bên. **13** Xô-rô-ba-bên sinh A-bi-
út. A-bi-út sinh Ê-li-a-kim. Ê-li-a-kim sinh A-xô. **14**
A-xô sinh Xa-đốc. Xa-đốc sinh A-kim. A-kim sinh
Ê-li-út. **15** Ê-li-út sinh Ê-lê-a-sa. Ê-lê-a-sa sinh Ma-
than. Ma-than sinh Gia-cốp. **16** Gia-cốp sinh Giô-sép,
chồng Ma-ri. Ma-ri sinh Chúa Giê-xu là Đấng Mết-
si-a. **17** Vậy, từ Áp-ra-ham đến Đa-vít có mười bốn
thế hệ, từ Đa-vít đến thời kỳ lưu đày ở Ba-by-lôn có
mười bốn thế hệ, và từ thời kỳ lưu đày ở Ba-by-lôn
đến Đấng Mết-si-a cũng có mười bốn thế hệ. **18** Sự
giáng sinh của Chúa Giê-xu, Đấng Mết-si-a diễn tiến
như sau: Mẹ Ngài, cô Ma-ri, đã đính hôn với Giô-sép.
Nhưng trước khi cưới, lúc còn là trinh nữ, cô chịu
thai do quyền năng của Chúa Thánh Linh. **19** Giô-
sép, vị hôn phu của Ma-ri là một người ngay lành,
quyết định kín đáo từ hôn, vì không nỡ để cô bị sỉ
nhục công khai. **20** Đang suy tính việc ấy, Giô-sép
bỗng thấy một thiên sứ của Chúa đến với ông trong
giấc mộng: "Giô-sép, con của Đa-vít. Đừng ngại cưới
Ma-ri làm vợ. Vì cô ấy chịu thai do Chúa Thánh Linh.
21 Cô ấy sẽ sinh con trai, và ngươi hãy đặt tên là Giê-
xu, vì Ngài sẽ cứu dân Ngài khỏi tội lỗi." **22** Việc xảy
ra đúng như lời Chúa đã phán bảo các nhà tiên tri
loan báo: **23** "Này! Một trinh nữ sẽ chịu thai! Người
sẽ sinh hạ một Con trai, họ sẽ gọi Ngài là Em-ma-nu-
ên, nghĩa là 'Đức Chúa Trời ở với chúng ta.'" **24** Giô-
sép tỉnh dậy, ông làm theo lệnh thiên sứ của Chúa,
cưới Ma-ri làm vợ. **25** Nhưng ông không ăn ở với cô
ấy cho đến khi cô sinh con trai, và Giô-sép đặt tên là
Giê-xu.

2 Chúa Giê-xu giáng sinh tại làng Bết-lê-hem, xứ
Giu-đê, vào đời Vua Hê-rốt. Lúc ấy, có mấy nhà
bác học từ Đông phương đến thủ đô Giê-ru-sa-lem,
hỏi: **2** "Vua người Do Thái mới ra đời hiện ở đâu?
Chúng tôi đã thấy ngôi sao Ngài mọc lên nên tìm
đến thờ phượng Ngài." **3** Được tin ấy, Vua Hê-rốt rất
lo ngại; dân chúng tại Giê-ru-sa-lem cũng xôn xao. **4**
Vua liền triệu tập các trưởng tế và các thầy thông
giáo vào triều chất vấn: "Các tiên tri thời xưa có
nói Đấng Mết-si-a sẽ sinh tại đâu không?" **5** Họ đáp:
"Muôn tâu, tại làng Bết-lê-hem, xứ Giu-đê vì có nhà
tiên tri đã viết: **6** 'Bết-lê-hem tại xứ Giu-đê không
còn là một làng quê tầm thường. Đã thành trú quán
Thiên Vương, là Người chăn giữ, dẫn đường Ít-ra-
ên, dân Ta.'" **7** Vua Hê-rốt gọi riêng các nhà bác học,
hỏi cho biết đích xác ngày giờ họ nhìn thấy ngôi sao
xuất hiện. **8** Rồi vua nói với họ: "Hãy đến Bết-lê-
hem và cẩn thận tìm Ấu Chúa. Khi tìm được, hãy trở
về đây nói cho ta biết, để ta cũng đến thờ phượng
Ngài!" **9** Các nhà bác học tiếp tục lên đường. Ngôi
sao họ đã thấy bên Đông phương, hướng dẫn họ đến
Bết-lê-hem tận nơi Con Trẻ ở. **10** Thấy lại ngôi sao,
họ mừng rỡ vô cùng. **11** Họ vào nhà, thấy Con Trẻ
và mẹ Ngài, là Ma-ri, họ quỳ xuống thờ lạy Ngài,
rồi dâng hiến vàng, trầm hương, và nhựa thơm. **12**
Sau đó, qua giấc mộng, Đức Chúa Trời dặn họ không
được trở lại gặp Hê-rốt, nên họ đi đường khác để trở
về. **13** Sau khi các nhà bác học đã đi, một thiên sứ
của Chúa hiện ra với Giô-sép trong giấc chiêm bao:
"Dậy đi! Ngươi hãy đem Con Trẻ và mẹ Ngài lánh
qua Ai Cập. Ở đó cho đến khi ta báo tin sẽ trở về, vì
Hê-rốt đang tìm giết Con Trẻ." **14** Đêm đó, Giô-sép
sang Ai Cập với Con Trẻ và Ma-ri, mẹ Ngài, **15** rồi họ
ngụ tại đó cho đến ngày Hê-rốt qua đời. Việc xảy
ra đúng như lời Chúa phán qua nhà tiên tri: "Ta đã
gọi Con Ta ra khỏi Ai Cập." **16** Khi biết mình đã bị
các nhà bác học đánh lừa, Hê-rốt vô cùng giận dữ.
Vua ra lệnh giết tất cả các con trai từ hai tuổi trở
lại tại Bết-lê-hem và vùng phụ cận, vì theo lời khai
của các nhà bác học, ngôi sao ấy xuất hiện đã hai
năm. **17** Việc xảy ra đúng như lời Đức Chúa Trời
phán qua Tiên tri Giê-rê-mi: **18** "Tại Ra-ma có tiếng
kêu la đau buồn— Tiếng Ra-chên than khóc đàn con,
chẳng bao giờ tìm được an ủi, vì chúng đã khuất
bóng nghìn thu." **19** Khi Hê-rốt qua đời, một thiên
sứ của Chúa hiện ra với Giô-sép trong giấc mộng tại
Ai Cập. **20** "Hãy đem Con Trẻ và mẹ Ngài về Ít-ra-ên,
vì những người tìm giết Con Trẻ đã chết." **21** Vậy
Giô-sép đưa Con Trẻ và mẹ Ngài trở về Ít-ra-ên. **22**
Nhưng nghe tin A-khê-lâu, con Hê-rốt lên ngôi làm
vua xứ Giu-đê, Giô-sép lo ngại không dám về đó.
Được Chúa chỉ dẫn trong mộng, Giô-sép đến vùng
Ga-li-lê, **23** ở tại thành Na-xa-rét. Mọi việc diễn tiến
đúng như lời tiên tri trong Thánh kinh: "Ngài sẽ
được gọi là người Na-xa-rét."

Ma-thi-ơ

1 Gia phổ Đức Chúa Jêsus Christ, con cháu Đa-vít
và con cháu Áp-ra-ham. **2** Áp-ra-ham sanh Y-sác;
Y-sác sanh Gia-cốp; Gia-cốp sanh Giu-đa và anh em
người. **3** Giu-đa bởi Tha-ma sanh Pha-rê và Xa-ra.
Pha-rê sanh Ếch-rôm; Ếch-rôm sanh A-ram; **4** A-ram
sanh A-mi-na-đáp; A-mi-na-đáp sanh Na-ách-son; Na-
ách-son sanh Sanh-môn. **5** Sanh-môn bởi Ra-háp sanh
Bô-ô. Bô-ô bởi Ru-tơ sanh Ô-bết. Ô-bết sanh Gie-sê; **6**
Gie-sê sanh vua Đa-vít. Đa-vít bởi vợ của U-ri sanh Sa-
lô-môn. **7** Sa-lô-môn sanh Rô-bô-am; Rô-bô-am sanh
A-bi-gia; A-bi-gia sanh A-sa; **8** A-sa sanh Giô-sa-phát;
Giô-sa-phát sanh Giô-ram; Giô-ram sanh Ô-xia. **9** Ô-
xia sanh Giô-tam; Giô-tam sanh A-cha; A-cha sanh Ê-
xê-chia. **10** Ê-xê-chia sanh Ma-na-sê; Ma-na-sê sanh
A-môn; A-môn sanh Giô-si-a. **11** Giô-si-a đang khi bị
đày qua nước Ba-by-lôn sanh Giê-chô-nia và anh em
người. **12** Khi đã bị đày qua nước Ba-by-lôn, thì Giê-
chô-nia sanh Sa-la-thi-ên; Sa-la-thi-ên sanh Xô-rô-ba-
bên; **13** Xô-rô-ba-bên sanh A-bi-út; A-bi-út sanh Ê-li-
a-kim; Ê-li-a-kim sanh A-xô. **14** A-xô sanh Sa-đốc; Sa-
đốc sanh A-chim; A-chim sanh Ê-li-út; **15** Ê-li-út sanh
Ê-lê-a-xa; Ê-lê-a-xa sanh Ma-than; Ma-than sanh Gia-
cốp; **16** Gia-cốp sanh Giô-sép là chồng Ma-ri; Ma-ri là
người sanh Đức Chúa Jêsus, gọi là Christ. **17** Như vậy,
từ Áp-ra-ham cho đến Đa-vít, hết thảy cho mười bốn
đời; từ Đa-vít cho đến khi bị đày qua nước Ba-by-lôn,
cũng có mười bốn đời; và từ khi bị đày qua nước Ba-
by-lôn cho đến Đấng Christ, lại cũng có mười bốn đời.
18 Vả, sự giáng sinh của Đức Chúa Jêsus Christ đã xảy
ra như vầy: Khi Ma-ri, mẹ Ngài, đã hứa gả cho Giô-
sép, song chưa ăn ở cùng nhau, thì người đã chịu thai
bởi Đức Thánh Linh. **19** Giô-sép chồng người, là người
có nghĩa, chẳng muốn cho người mang xấu, bèn toan
đem để nhẹm. **20** Song đang ngẫm nghĩ về việc ấy, thì
thiên sứ của Chúa hiện đến cùng Giô-sép trong giấc
chiêm bao, mà phán rằng: Hỡi Giô-sép, con cháu Đa-
vít, ngươi chớ ngại lấy Ma-ri làm vợ, vì con mà người
chịu thai đó là bởi Đức Thánh Linh. **21** Người sẽ sanh
một trai, ngươi khá đặt tên là Jêsus, vì chính con trai
ấy sẽ cứu dân mình ra khỏi tội. **22** Mọi việc đã xảy ra
như vậy, để cho ứng nghiệm lM-i Chúa đã dùng đấng
tiên tri mà phán rằng: **23** Nầy, một gái đồng trinh sẽ
chịu thai, và sanh một con trai, Rồi người ta sẽ đặt
tên con trai đó là Em-ma-nu-ên; nghĩa là: Đức Chúa
Trời ở cùng chúng ta. **24** Khi Giô-sép thức dậy rồi, thì
làm y như lời thiên sứ của Chúa đã dặn, mà đem vợ
về với mình; **25** song không hề ăn ở với cho đến khi
người sanh một trai, thì đặt tên là Jêsus.

2 Khi Đức Chúa Jêsus đã sanh tại thành Bết-lê-hem,
xứ Giu-đê, đang đời vua Hê-rốt, có mấy thầy bác sĩ
ở đông phương đến thành Giê-ru-sa-lem, **2** mà hỏi
rằng: Vua dân Giu-đa mới sanh tại đâu? Vì chúng ta
đã thấy ngôi sao Ngài bên đông phương, nên đến
đặng thờ lạy Ngài. **3** Nghe tin ấy, vua Hê-rốt cùng
cả thành Giê-ru-sa-lem đều bối rối. **4** Vua bèn nhóm
các thầy tế lễ cả và các thầy thông giáo trong dân lại
mà tra hỏi rằng Đấng Christ phải sanh tại đâu. **5** Tâu
rằng: Tại Bết-lê-hem, xứ Giu-đê; vì có lời của đấng
tiên tri chép như vầy: **6** Hỡi Bết-lê-hem, đất Giu-đa!
Thật ngươi chẳng kém gì các thành lớn của xứ Giu-
đa đâu, Vì từ ngươi sẽ ra một tướng, Là Đấng chăn
dân Y-sơ-ra-ên, tức dân ta. **7** Vua Hê-rốt bèn vời mấy
thầy bác sĩ cách kín nhiệm, mà hỏi kỹ càng và ngôi
sao đã hiện ra khi nào. **8** Rồi vua sai mấy thầy đó đến
thành Bết-lê-hem, và dặn rằng: Các ngươi hãy đi, hỏi
thăm cho chắc về tích con trẻ đó; khi tìm được rồi,
hãy cho ta biết, đặng ta cũng đến mà thờ lạy Ngài. **9**
Mấy thầy nghe vua phán xong, liền đi. Kìa, ngôi sao
mà họ đã thấy bên đông phương, đi trước mặt cho
đến chừng ngay trên chỗ con trẻ ở mới dừng lại. **10**
Mấy thầy thấy ngôi sao, mừng rỡ quá bội. **11** Khi vào
đến nhà, thấy con trẻ cùng Ma-ri, mẹ Ngài, thì sấp
mình xuống mà thờ lạy Ngài; rồi bày của quí ra, dâng
cho Ngài những lễ vật, là vàng, nhũ hương, và một
dược. **12** Kế đó, trong giấc chiêm bao, mấy thầy được
Đức Chúa Trời mách bảo đừng trở lại nơi vua Hê-rốt;
nên họ đi đường khác mà về xứ mình. **13** Sau khi mấy
thầy đó đi rồi, có một thiên sứ của Chúa hiện đến
cùng Giô-sép trong chiêm bao, mà truyền rằng: Hãy
chờ dậy, đem con trẻ và mẹ Ngài trốn qua nước Ê-díp-
tô, rồi cứ ở đó cho tới chừng nào ta bảo ngươi; vì vua
Hê-rốt sẽ kiếm con trẻ ấy mà giết. **14** Giô-sép bèn chờ
dậy, đem con trẻ và mẹ Ngài đang ban đêm lánh qua
nước Ê-díp-tô. **15** Người ở đó cho tới khi vua Hê-rốt
băng, hầu cho ứng nghiệm lời Chúa đã dùng đấng tiên
tri mà phán rằng: Ta đã gọi Con ta ra khỏi nước Ê-díp-
tô. **16** Vua Hê-rốt thấy mình đã bị mấy thầy bác sĩ
đánh lừa, thì tức giận quá, bèn sai giết hết thảy con
trai từ hai tuổi sấp xuống ở thành Bết-lê-hem và cả
hạt, theo đúng ngày tháng mà mấy thầy bác sĩ đã cho
vua biết. **17** Vậy là ứng nghiệm lời đấng tiên tri Giê-
rê-mi đã nói rằng: **18** Người ta có nghe tiếng kêu la,
phàn nàn, than khóc trong thành Ra-ma: Ấy là Ra-
chen khóc các con mình, mà không chịu yên ủi, vì
chúng nó không còn nữa. **19** Nhưng sau khi vua Hê-
rốt băng, có một thiên sứ của Chúa hiện đến cùng
Giô-sép trong chiêm bao, tại nước Ê-díp-tô, mà truyền
rằng: **20** Hãy chờ dậy, đem con trẻ và mẹ Ngài trở về
xứ Y-sơ-ra-ên, vì những kẻ muốn giết con trẻ đã chết
rồi. **21** Giô-sép bèn chờ dậy, đem con trẻ và mẹ Ngài
trở về xứ Y-sơ-ra-ên. **22** Song khi nghe vua A-chê-la -
u nối ngôi vua cha là Hê-rốt mà trị vì tại xứ Giu-đê,
thì Giô-sép sợ, không dám về; và bởi đã được Đức
Chúa Trời mách bảo trong chiêm bao, nên người vào
xứ Ga-li-lê, **23** ở trong một thành kia tên là Na-xa-rét.

Ma-thi-ơ

1 Gia phổ Đức Chúa Jêsus Christ, con cháu Đa-vít và
con cháu Aùp-ra-ham. **2** Aùp-ra-ham sanh Y-sác;
Y-sác sanh Gia-cốp; Gia-cốp sanh Giu-đa và anh em
người. **3** Giu-đa bởi Tha-ma sanh Pha-rê và Xa-ra.
Pha-rê sanh Eách-rôm; Eách-rôm sanh A-ram; **4** A-ram
sanh A-mi-na-đáp; A-mi-na-đáp sanh Na-ách-son; Na-
ách-son sanh Sanh-môn. **5** Sanh-môn bởi Ra-háp sanh
Bô-ô. Bô-ô bởi Ru-tơ sanh Ô-bết. Ô-bết sanh Gie-sê; **6**
Gie-sê sanh vua Đa-vít. Đa-vít bởi vợ của U-ri sanh Sa-
lô-môn. **7** Sa-lô-môn sanh Rô-bô-am; Rô-bô-am sanh
A-bi-gia; A-bi-gia sanh A-sa; **8** A-sa sanh Giô-sa-phát;
Giô-sa-phát sanh Giô-ram; Giô-ram sanh Ô-xia. **9** Ô-
xia sanh Giô-tam; Giô-tam sanh A-cha; A-cha sanh Ê-
xê-chia. **10** Ê-xê-chia sanh Ma-na-sê; Ma-na-sê sanh
A-môn; A-môn sanh Giô-si-a. **11** Giô-si-a đang khi bị
đày qua nước Ba-by-lôn sanh Giê-chô-nia và anh em
người. **12** Khi đã bị đày qua nước Ba-by-lôn, thì Giê-
chô-nia sanh Sa-la-thi-ên; Sa-la-thi-ên sanh Xô-rô-ba-
bên; **13** Xô-rô-ba-bên sanh A-bi-út; A-bi-út sanh Ê-li-
a-kim; Ê-li-a-kim sanh A-xô. **14** A-xô sanh Sa-đốc; Sa-
đốc sanh A-chim; A-chim sanh Ê-li-út; **15** Ê-li-út sanh
Ê-lê-a-xa; Ê-lê-a-xa sanh Ma-than; Ma-than sanh Gia-
cốp; **16** Gia-cốp sanh Giô-sép là chồng Ma-ri; Ma-ri là
người sanh Đức Chúa Jêsus, gọi là Christ. **17** Như vậy,
từ Aùp-ra-ham cho đến Đa-vít, hết thảy có mười bốn
đời; từ Đa-vít cho đến khi bị đày qua nước Ba-by-lôn,
cũng có mười bốn đời; và từ khi bị đày qua nước Ba-
by-lôn cho đến Đấng Christ, lại cũng có mười bốn đời.
18 Vả, sự giáng sinh của Đức Chúa Jêsus Christ đã xảy
ra như vầy: Khi Ma-ri, mẹ Ngài, đã hứa gả cho Giô-
sép, song chưa ăn ở cùng nhau, thì người đã chịu thai
bởi Đức Thánh Linh. **19** Giô-sép chồng người, là người
có nghĩa, chẳng muốn cho người mang xấu, bèn toan
đem để nhẹm. **20** Song đang ngẫm nghĩ về việc ấy, thì
thiên sứ của Chúa hiện đến cùng Giô-sép trong giấc
chiêm bao, mà phán rằng: Hỡi Giô-sép, con cháu Đa-
vít, ngươi chớ ngại lấy Ma-ri làm vợ, vì con mà người
chịu thai đó là bởi Đức Thánh Linh. **21** Người sẽ sanh
một trai, ngươi khá đặt tên là Jêsus, vì chính con trai
ấy sẽ cứu dân mình ra khỏi tội. **22** Mọi việc đã xảy ra
như vậy, để cho ứng nghiệm lời Chúa đã dùng đấng
tiên tri mà phán rằng: **23** Nầy, một gái đồng trinh sẽ
chịu thai, và sanh một con trai, Rồi người ta sẽ đặt
tên con trai đó là Em-ma-nu-ên; nghĩa là: Đức Chúa
Trời ở cùng chúng ta. **24** Khi Giô-sép thức dậy rồi, thì
làm y như lời thiên sứ của Chúa đã dặn, mà đem vợ
về với mình; **25** song không hề ăn ở với cho đến khi
người sanh một trai, thì đặt tên là Jêsus.

2 Khi Đức Chúa Jêsus đã sanh tại thành Bết-lê-hem,
xứ Giu-đê, đang đời vua Hê-rốt, có mấy thầy bác sĩ
ở đông phương đến thành Giê-ru-sa-lem, **2** mà hỏi
rằng: Vua dân Giu-đa mới sanh tại đâu? Vì chúng ta
đã thấy ngôi sao Ngài bên đông phương, nên đến
đặng thờ lạy Ngài. **3** Nghe tin ấy, vua Hê-rốt cùng
cả thành Giê-ru-sa-lem đều bối rối. **4** Vua bèn nhóm
các thầy tế lễ cả và các thầy thông giáo trong dân lại
mà tra hỏi rằng Đấng Christ phải sanh tại đâu. **5** Tâu
rằng: Tại Bết-lê-hem, xứ Giu-đê; vì có lời của đấng
tiên tri chép như vầy: **6** Hỡi Bết-lê-hem, đất Giu-đa!
Thật ngươi chẳng phải kém gì các thành lớn của xứ
Giu-đa đâu, Vì từ ngươi sẽ ra một tướng, Là Đấng
chăn dân Y-sơ-ra-ên, tức dân ta. **7** Vua Hê-rốt bèn vời
mấy thầy bác sĩ cách kín nhiệm, mà hỏi kỹ càng về
ngôi sao đã hiện ra khi nào. **8** Rồi vua sai mấy thầy đó
đến thành Bết-lê-hem, và dặn rằng: Các ngươi hãy đi,
hỏi thăm cho chắc về tích con trẻ đó; khi tìm được
rồi, hãy cho ta biết, đặng ta cũng đến mà thờ lạy Ngài.
9 Mấy thầy nghe vua phán xong, liền đi. Kìa, ngôi sao
mà họ đã thấy bên đông phương, đi trước mặt cho
đến chừng ngay trên chỗ con trẻ ở mới dừng lại. **10**
Mấy thầy thấy ngôi sao, mừng rỡ quá bội. **11** Khi vào
đến nhà, thấy con trẻ cùng Ma-ri, mẹ Ngài, thì sấp
mình xuống mà thờ lạy Ngài; rồi bày của quí ra, dâng
cho Ngài những lễ vật, là vàng, nhũ hương, và một
dược. **12** Kế đó, trong giấc chiêm bao, mấy thầy được
Đức Chúa Trời mách bảo đừng trở lại nơi vua Hê-rốt;
nên họ đi đường khác mà về xứ mình. **13** Sau khi mấy
thầy đó đi rồi, có một thiên sứ của Chúa hiện đến
cùng Giô-sép trong chiêm bao, mà truyền rằng: Hãy
chờ dậy, đem con trẻ và mẹ Ngài trốn qua nước Ê-díp-
tô, rồi cứ ở đó cho tới chừng nào ta bảo ngươi; vì vua
Hê-rốt sẽ kiếm con trẻ ấy mà giết. **14** Giô-sép bèn chờ
dậy, đem con trẻ và mẹ Ngài đang ban đêm lánh qua
nước Ê-díp-tô. **15** Người ở đó cho tới khi vua Hê-rốt
băng, hầu cho ứng nghiệm lời Chúa đã dùng đấng tiên
tri mà phán rằng: Ta đã gọi Con ta ra khỏi nước Ê-díp-
tô. **16** Vua Hê-rốt thấy mình đã bị mấy thầy bác sĩ
đánh lừa, thì tức giận quá, bèn sai giết hết thảy con
trai từ hai tuổi sấp xuống ở thành Bết-lê-hem và cả
hạt, theo đúng ngày tháng mà mấy thầy bác sĩ đã cho
vua biết. **17** Vậy là ứng nghiệm lời đấng tiên tri Giê-
rê-mi đã nói rằng: **18** Người ta có nghe tiếng kêu la,
phàn nàn, than khóc trong thành Ra-ma: Aáy là Ra-
chen khóc các con mình, mà không chịu yên ủi, vì
chúng nó không còn nữa. **19** Nhưng sau khi vua Hê-
rốt băng, có một thiên sứ của Chúa hiện đến cùng
Giô-sép trong chiêm bao, tại nước Ê-díp-tô, mà truyền
rằng: **20** Hãy chờ dậy, đem con trẻ và mẹ Ngài trở về
xứ Y-sơ-ra-ên, vì những kẻ muốn giết con trẻ đã chết
rồi. **21** Giô-sép bèn chờ dậy, đem con trẻ và mẹ Ngài
trở về xứ Y-sơ-ra-ên. **22** Song khi nghe vua A-chê-la-u
nối ngôi vua cha là Hê-rốt mà trị vì tại xứ Giu-đê, thì
Giô-sép sợ, không dám về; và bởi đã được Đức Chúa
Trời mách bảo trong chiêm bao, nên người vào xứ Ga-

Mataayi

1 Agha ghe matavua agha kikoko kya Yesu kilisite umhuma mu kisina kya ntwa uDavidi, ikisina kya Abulahimu. **2** Uabulahamu akampaapa uIsaka, uIsaka akampaapa una uYakovo, UYakovo akampaapa uYuuda na vanine. **3** UYuuda akampaapa uPelesi nu Sela mwa Tamali, uPelesi akampaapa uHesiloni, Hesiloni akampaapa uAlamu. **4** UAlamu akampaapa UAminadabu, uAminadabu akampaapa uNasoni, uNasoni akampaapa uSalimoni. **5** USalimoni akampaapa uBohasi mwa Lahavu, UBohasi akampaapa UObedi mwa Luti, uObedi akampaapa uYese, **6** ghwope UYese akampaapa Untwa UDavidi. UDavidi akampaapa uSolomoni mwa mukijuuva juno alyale n'dala ghwa Ulia. **7** USolomoi akampaapa uLehoboamu, ULehoboamu akampaapa uAbia, uAbia akampaapa uAsa. **8** uAsa akampaapa uYehoshafati, UYehoshafati akampaapa uYolamu, uYolamu akampaapa uUsia. **9** UUsia akampaapa uYotamu, uYotamu akampaapa uAhasi, UAhasi akampaapa uUhesekia. **10** uHEsekia akampaapa uMnase, uManase akampaapa uAmoni, ghwope uAmoni akampaapa uYosia. **11** uYosia akampaapa uYekonia na vanine unsiki ghuno aVaisilaeli ye vatwalilue ku vuhesia, ku Babeli. **12** Ye vatwalilue ku vuhesia ku Babeli, uYekonia akampaapa uSalatieli, uSalatieli akampaapal uSelubabeli. **13** uSelubabeli akampaapa uAbihudi, uAbihudi akampaapa uEliakimu, uEliakimu akampaapa uAsoli. **14** uAsoli akampaapa uSadoki, uSadoki akampaapa uAkimu, uAkimu akampaapa uEliudi. **15** uEliudi akampaapa uElieseli, uElieseli akampaapa uMatani, ghwope uMatani akampaapa uYakovo. **16** uYkovo akampaapa Yosefu umughoosi ghwa Maliya. UMaliya ghwe juno akampapile uYesu juno ghwe Kilisite. **17** Lino, kuhuma kwa Abulahamu kufika kwa ntwa uDavidi kwefilyale ifisina kijigho na fine. Kange, kuhuma pa Davidi kufila unsiki ghuno aVaisilaeli vitwalua ku vuhesia ku Babeli, kwefilyale ifisina ifingi kijigho n a fine. Kange, kuhuma unsiki ghuno vitwalua ku Babeli kuhanga kufika unsiki ye iholua uKilisite, kwefilyale ifisina ifingi kijigho na fine. **18** Kuholua kwa Yesu Kilisite kulyale ndiiki. Unguna jonop ilitavua lyake ghwe Maliya, alyalimilue nu Yosefu. Neke ye akyale kutolua alyavoniike kuuti ali nu vukunue ku ngufu sa Mhepo uMwimike. **19** Ulwakuva uYosefu juno alyamulimiile uMaliya alyale mugholofu pamaso gha Nguluve, naakalondagha kuuti ankosie isoni uMaliya. Pe akalamula pikumuleka kisyefu. **20** Ye alamwile uluo, unyamhola ghwa mtwa uNguluve akam'bonekela mu njosi, akam'buula akati, “Ghwe Yosefu, ghwe mhuma mu kisina ikya ntwa uDavidi, uleke pikwoghopa pikuntoola uMaliya, uLwakuva uvukunue vuno ali navwo, apelilue mu ngufu sa Mhepo uMwimike. **21** Neke ipaapa umwana un'diimi, ukumpeela ilitavua ili Yesu, ulwakuva ilikuvapokagha avaanhu vaake mu nyivi saave.” **22** Sooni isio siliyavombiike enendikio kukwilanisia ilisio lino uMutwa alyajovile kukilila um'bili ghwake kuuti, “ **23** Lolagha! Umhinja juno naammanyile umughoosi, iiva nu vukunue, ipaapa umwana un'diimi! pe vikumpeela umwana ujuo ilitavua ili Manueli.” Umuluvo ghwa litavua ilio kwekuti, “UNguluve ali palikimo nusue.” **24** Yosefu akasisimuka, akavomba ndavule unyamhola ghwa Mutwa vule am'bulile, akantoola uMaliya kuuva n'dala ghwake. **25** Looli naakaghelile kughona naghwo kuhanga usinki ghuno uMaliya ipaapa umwana un'diimi. Pe uYosefu akampeela umwana ujuo ilitavua ili Yesu.

2 UYesu alyaholilue mu likaaja ilya Betelehemu, mu kighavo ikya yUdea, unsiki ghuno alyatemile umtwa uHelode. UYesu ye aholilue, avakaguzi va nhondue kuhuma kuvudibulo vakafika mu likaaja ilya Yelusalemu, **2** vakava viposi viiti, “Ali kuughi juno aholilue, uNtwa ghwa Vayahudi? Tujaghile inhondue jino jihufia kuholua kwa mwene jihumile kuvudibulo, fye nambe twisile kukumwimika. **3** Untwa uHelode ye apuliike isio, akapumuka mu mwojo ghwake. Nava vaanhu vooni ava mu likaaja ilya Yelusalemu voope vakapumuka. **4** Pepano akakong'hania avavaha va vatekesi vooni palikimo na vavulanisi va ndaghilo akavaposisi akati, “Ukilisite iholua kuughi?” **5** Aveene vakamwamula vakati, “Iholua mu likaaja ilya Betelehemu, mu kighavo ikya Yudea. Tukagwile isio ulwakuava se sino alyalembile um'bili kuuti, **6** Na juuve ghwe likaaja lya a betelehemu, ghwe juno uli mu kighavo ikya Yudea, Nuli n'debe, mu makaaja agha mu Yudea! Ulwakuva mulyuve mwe muno ihuma umulongosi, juno iiva n'diimi ghwa vaanhu vango aVaisilaeli.” **7** Pe uhelode akavakemeela ku vusyefu avakaguzi vala ava nhondue, kuuti vam'buule vunono unsinki ghuno vajaghile inhondue jila. **8** Pe akavasuug'ha ku Betelehemu, akavavuula akati, “Lutagha, muposelesie vunofu vwimila umwana ujuo. Mungamwalghe, mwisaghe ng'haning'haani mumbuule, neke na juune nilute kuskumwimika.” **9** Avakagusi vala ava nhondue ye vapuliike amasio gha ntwa, vakavuuka viluta. Lolagha, inhondue jila jino vakajaghile kuvudibulo, jikavalongolela, voope vakava vikujivingilila kuhanga jikafika na kukwima

Matthew

1 Tala buididi kikhulu ki Yesu Klisto, muana wu
Davidi, muana wu Abalahami: **2** Abalahami
wubuta Isaki, Isaki wubuta Yakobi, Yakobi
wubuta Yuda ayi bakhomba bandi. **3** Yuda ayi
nketo andi Tamali babuta Falesi ayi Zala; Falesi
wubuta Heseloni, Heseloni wubuta Alami. **4**
Alami wubuta Aminadabi; Aminadabi wubuta
Nasoni; Nasoni wubuta Salimoni. **5** Salimoni
ayi nketo andi Lahabi babuta Bowazi; Bowazi
ayi nketo andi Luti babuta Obedi; **6** Obedi
wubuta Isayi; Izayi wubuta ntinu Davidi; ntinu
Davidi wubuta Salomo mu nketo wuba wu
Uli. **7** Solomo wubuta Lobowami; Lobohami
wubuta Abia; Abia wubuta Asa. **8** Asa wubuta
Zozafati; Zozafati wubuta Zolami bosi Zolami
wubuta Oziasi; **9** Oziasi wubuta Yotami; Yotami
wubuta Akazi; bosi Akazi wubuta Ezekiasi. **10**
Ezekiasi wubuta Manase; Manase wubuta Amoni
bosi Amoni wubuta Zoziasi. **11** Zoziasi wubuta
Yekonia ayi bakhomba bandi; bawu babutuka bu
banata bana ba Iseli mu buvika ku tsi Babiloni.
12 Buvika bu bumana ku Babiloni, Yekonia
wubuta Salatieli; Salatieli wubuta Zolobabeli.
13 Zolobabeli wubuta Abuidi; Abuidi wubuta
Eliakimi; Eliakimi wubuta Azoli. **14** Azoli wubuta
Sadoki; Sadoki wubuta Akimi; Akimi wubuta
Eliudi. **15** Eliudi wubuta Eleyazali; Eleyazali
wubuta Matani; Matani wubuta Yakobi. **16** Bosi
Yakobi wubuta Zozefi wuba bakala di Maliya,
ngudi yi Yesu wuba tedila Klisto. **17** Diawu
zitsungi zioso tona Abalahami nate Davidi zidi
kumi zitsungi ziya. Tona Davidi nate thangu
bana ba Iseli bayenda mu buvika ku Babiloni;
vaba kumi zitsungi ziya; bosi tona thangu
buvika nate Klisto vaba kumi zitsungi ziya.
18 Tala phila yibutukila Yesu Klisto: Maliya
ngudi andi; niandi wuba nketo wuzolo kuelo
kuidi Zozefi. Buna katudidi ko va nzo dikuela
Maliya wubaka buemba vayi mu Pheve Yinlongo
kabakila buemba beni. **19** Zozefi, bakala diodi
dizola kuela Maliya, wuba mutu wusonga,
wumanga kuandi kumfuisa tsoni va meso ma
batu; wubaka lukanu lu kumbotula mu kitsueki.
20 Bu kaba ku tsi mayindu mu diambu di mambu
beni; buna mbasi yi Pfumu yimmonikina mu
ndozi, yinkamba: —A Zozefi, muana Davidi!
Bika mona boma mu kuela nketo aku Maliya
bila buemba buidi yandi mu Pheve Yinlongo
kabakidi buawu. **21** Wela buta muana wubakala,
dizina wela kumbieka Yesu: bila niandi wela
kula batu bandi mu masumu mawu. **22** Mambu
moso mama mavangama mu diambu di dedikisa
mambu makamba Pfumu kuidi mbikudi ti: **23**
Luwa, ndumba yikambu zaba bakala yela ba
mu buemba, yela buta muana wubakala, dizina
bela kuntedilanga Emanueli, bu dinsundula:
“Nzambi widi yeto!” **24** Zozefi bu kakotuka,
wuvanga mambu moso mbasi yi Pfumu kantuma
ayi wubonga Maliya mu ba nketo andi. **25** Vayi
Zozefi kasia zaba nitu yi nketo andi Maliya ko
nate kabuta muana wubakala, ayi wumvana
dizina Yesu.

2 Yesu ku Betelemi kabutukila, divula didi mu
tsi yi Yuda, mu thangu ntinu Elode. Yesu
bu kabutuka, banduenga, batu beti longuka
zimbuetete batotukila ku ndambu Esite, bayiza
totuka ku Yeluzalemi, bayuvula: **2** —A kuevi
kuidi Ntinu Bayuda, wowo butukidi e? Bila
tumueni mbuetete'andi thama ku ndambu Esite,
diawu tuizidi muingi tumbuongimina. **3** Ntinu
Elode bu kawa mambu momo, mayindu mandi
mayama mu diambu di kiuvu kioki bayuvula,
niandi ayi basi Yeluzalemi baba ku tsi mayindu.
4 Elode wutumisa bapfumu boso ba banganga
zi Nzambi ayi minlongi mi Mina, wuba yuvula
kani kuevi Mesiya kela butukila. **5** Bamvutudila:
—Wela butukila ku Betelemi didi mu tsi yi Yuda
bila mbikudi wusonika: **6** A ngeyo Betelemi,
divula didi mu tsi Yuda, Kadi sia ti ngeyo lutidi
keva mu minyadi mioso mi Yuda, bila mu ngeyo
muela totukila Pfumu; niandi wela ba nsungi
wu batu bama, Iseli. **7** Buna Elode wutumisa mu
kitsueki banduenga ayi wuba yuvula thangu
mbi yitotuka mbuetete. **8** Bosi wuba tuma ku
Betelemi, ayi wuba kamba: —Yendanu kuna ayi
lutomba buzabila bumboti mambu madi mu
muana beni. Beno kummona buna luiza khambi
muingi mamvama ndienda mbuongimina. **9**
Buna bamana wa ntinu, bayenda kuawu. Buela
zimbukila mbuetete yoyi batuama mona ku
Esite yi buela bamonikina, yawu yiba tuaminina
ku ntuala mu nzila nate yiyenda telama va
yilu buangu kiba muana. **10** Khini yiwombo
yiba yawu buna bamona mbuetete. **11** Bakota
muna nzo, bamona muana ayi ngudi andi
Maliya, batumbu fukama vaba muana, beka
ku mbuongimina. Bosi banianguna zitsaku zi
banata, muba makaba ma bavana muana: nolo,

Matthew

1 Ìwé ìran Jesu Kristi, ẹni tí í ṣe ọmọ Dafidi, ọmọ Abrahamu: **2** Abrahamu ni baba Isaaki; Isaaki ni baba Jakọbu; Jakọbu ni baba Juda àti àwọn arákùnrin rẹ̀, **3** Juda ni baba Peresi àti Sera, Tamari sì ni ìyá rẹ̀, Peresi ni baba Hesroni: Hesroni ni baba Ramu; **4** Ramu ni baba Amminadabu; Amminadabu ni baba Nahiṣoni; Nahiṣoni ni baba Salmoni; **5** Salmoni ni baba Boasi, Rahabu sí ni ìyá rẹ̀; Boasi ni baba Obedi, Rutu sí ni ìyá rẹ̀; Obedi sì ni baba Jese; **6** Jese ni baba Dafidi ọba. Dafidi ni baba Solomoni, ẹni tí ìyá rẹ̀ jẹ́ aya Uriah tẹ́lẹ̀ rí. **7** Solomoni ni baba Rehoboamu, Rehoboamu ni baba Abijah, Abijah ni baba Asa, **8** Asa ni baba Jehoṣafati; Jehoṣafati ni baba Jehoramu; Jehoramu ni baba Ussiah; **9** Ussiah ni baba Jotamu; Jotamu ni baba Ahaṣi; Ahaṣi ni baba Hesekiah; **10** Hesekiah ni baba Manase; Manase ni baba Amoni; Amoni ni baba Josiah; **11** Josiah sì ni baba Jekoniah àti àwọn arákùnrin rẹ̀ ní àkókò ìkólọ sí Babeli. **12** Lẹ́yìn ìkólọ sí Babeli: Jekoniah ni baba Ṣealitieli; Ṣealitieli ni baba Serubbabeli; **13** Serubbabeli ni baba Abihudi; Abihudi ni baba Eliakimu; Eliakimu ni baba Asori; **14** Asori ni baba Sadoku; Sadoku ni baba Akimu; Akimu ni baba Elihudi; **15** Elihudi ni baba Eleasari; Eleasari ni baba Mattani; Mattani ni baba Jakọbu; **16** Jakọbu ni baba Joṣẹfu, ẹni tí ń ṣe ọkọ Maria, ìyá Jesu, ẹni tí í ṣe Kristi. **17** Bẹ́ẹ̀ ni gbogbo wọ́n jẹ́ ìran mẹ́rìnlá láti orí Abrahamu dé orí Dafidi, ìran mẹ́rìnlá á láti orí Dafidi títí dé ìkólọ sí Babeli, àti ìran mẹ́rìnlá láti ìkólọ títí dé orí Kristi. **18** Bí a ṣe bí Jesu Kristi nìyí, ní àkókò ti àdéhùn ìgbéyàwó ti parí láàrín Maria ìyá rẹ̀ àti Joṣẹfu, ṣùgbọ́n kí wọn tó pàdé, a rí i ó lóyún láti ọwọ́ Ẹ̀mí Mímọ́. **19** Nítorí Joṣẹfu ọkọ rẹ̀ tí í ṣe olóòtítọ́ ènìyàn kò fẹ́ dójútì í ní gbangba, ó ní èrò láti kọ ọ́ sílẹ̀ ní ìkọ̀kọ̀. **20** Ṣùgbọ́n nígbà tí ó ro èrò yìí tán, angẹli Olúwa yọ sí i ní ojú àlá, ó wí pé, "Joṣẹfu, ọmọ Dafidi, má fòyà láti fi Maria ṣe aya rẹ, nítorí oyún tí ó wà nínú rẹ̀ láti ọwọ́ Ẹ̀mí Mímọ́ ni. **21** Òun yóò sì bí ọmọkùnrin, ìwọ yóò sì pe orúkọ rẹ̀ ní Jesu, nítorí òun ni yóò gba àwọn ènìyàn rẹ̀ là kúrò nínú ẹ̀ṣẹ̀ wọn." **22** Gbogbo nǹkan wọ̀nyí sì ṣẹ láti mú ọ̀rọ̀ Olúwa ṣẹ èyí tí a sọ láti ẹnu wòlíì rẹ̀ wá pé: **23** "Wúńdíá kan yóò lóyún, yóò sì bí ọmọkùnrin kan, yóò sì pe orúkọ rẹ̀ ní Emmanueli," (èyí tí ó túmọ̀ sí "Ọlọ́run wà pẹ̀lú wa"). **24** Nígbà tí Joṣẹfu jí lójú oorun rẹ̀, òun ṣe gẹ́gẹ́ bí angẹli Olúwa ti pàṣẹ fún un. Ó mú Maria wá sílé rẹ̀ ní aya. **25** Ṣùgbọ́n òun kò mọ ọ́n títí tí ó fi bí ọmọkùnrin, òun sì sọ orúkọ rẹ̀ ní Jesu.

2 Lẹ́yìn ìgbà tí a bí Jesu ní Bẹtilẹhẹmu ti Judea, ni àkókò ọba Herodu, àwọn amòye ti ìlà-oòrùn wá sí Jerusalẹmu. **2** Wọ́n si béèrè pé, "Níbo ni ẹni náà tí a bí tí í ṣe ọba àwọn Júù wà? Àwa ti rí ìràwọ̀ rẹ̀ ní ìlà-oòrùn, a sì wá láti foríbalẹ̀ fún un." **3** Nígbà tí ọba Herodu sì gbọ́ èyí, ìdàámú bá a àti gbogbo àwọn ara Jerusalẹmu pẹ̀lú rẹ̀. **4** Nígbà tí ó sì pe àwọn olórí àlùfáà àti àwọn olùkọ́ òfin jọ, ó bi wọ́n léèrè níbi ti a ó gbé bí Kristi? **5** Wọ́n sì wí pé, "Ní Bẹtilẹhẹmu ti Judea, èyí ni ohun tí wòlíì ti kọ ìwé rẹ̀ pé, **6** "'Ṣùgbọ́n ìwọ Bẹtilẹhẹmu, ní ilẹ̀ Judea, ìwọ kò kéré jù láàrín àwọn ọmọ-aládé Juda; nítorí láti inú rẹ ni Baálẹ̀ kan yóò ti jáde, ẹni ti yóò ṣe ìtọ́jú Israẹli, àwọn ènìyàn mi.'" **7** Nígbà náà ni Herodu ọba pe àwọn amòye náà sí ìkọ̀kọ̀, ó sì wádìí ni ọwọ́ wọn, àkókò náà gan an tí wọ́n kọ́kọ́ rí ìràwọ̀. **8** Ó sì rán wọn lọ sí Bẹtilẹhẹmu, ó sì wí pé, "Ẹ lọ ṣe ìwádìí fínní fínní ní ti ọmọ náà tí a bí. Lẹ́yìn tí ẹ bá sì rí i, ẹ padà wá sọ fún mi, kí èmi náà le lọ foríbalẹ̀ fún un." **9** Nígbà tí wọ́n sì gbọ́ ọ̀rọ̀ ọba, wọ́n mú ọ̀nà wọn pọ̀n, sì wò ó, ìràwọ̀ tí wọ́n ti rí láti ìhà ìlà-oòrùn wá, ó ṣáájú wọn, títí tí ó fi dúró lókè ibi tí ọmọ náà gbé wà. **10** Nígbà tí wọ́n sì rí ìràwọ̀ náà, ayọ̀ kún ọkàn wọn. **11** Bí wọ́n tí wọ inú ilé náà, wọn rí ọmọ ọwọ́ náà pẹ̀lú Maria ìyá rẹ̀, wọ́n wólẹ̀, wọ́n foríbalẹ̀ fún un. Nígbà náà ni wọ́n tú ìṣúra wọn, wọ́n sì ta Jesu lọ́rẹ: wúrà, tùràrí àti òjìá. **12** Nítorí pé Ọlọ́run ti kìlọ̀ fún wọn ní ojú àlá pé kí wọ́n má ṣe padà tọ Herodu lọ mọ́, wọ́n gba ọ̀nà mìíràn lọ sí ìlú wọn. **13** Nígbà tí wọn ti lọ, angẹli Olúwa fi ara hàn Joṣẹfu ní ojú àlá pé, "Dìde, gbé ọmọ ọwọ́ náà àti ìyá rẹ̀, kí ó sì sálọ sí Ejibiti. Dúró níbẹ̀ títí tí èmi yóò fi sọ fún ọ, nítorí Herodu yóò wá ọ̀nà láti pa ọmọ ọwọ́ náà." **14** Nígbà náà ni ó sì dìde, ó mú ọmọ ọwọ́ náà àti ìyá rẹ̀ ní òru, ó sì lọ sí Ejibiti, **15** ó sì wà níbẹ̀ títí tí Herodu fi kú. Èyí jẹ́ ìmúṣẹ àsọtẹ́lẹ̀ ohun tí Olúwa sọ láti ẹnu wòlíì pé, "Mo pe ọmọ mi jáde láti Ejibiti wá." **16** Nígbà tí Herodu rí í pé àwọn amòye náà ti tan òun jẹ, ó bínú gidigidi, ó sì pàṣẹ kí a pa gbogbo àwọn ọmọkùnrin tí ó wà ní Bẹtilẹhẹmu àti ní ẹkùn rẹ̀ láti àwọn ọmọ ọdún méjì sílẹ̀ gẹ́gẹ́ bi àkókò tí ó ti fi ẹ̀ṣọ́ ẹ̀ṣọ́ béèrè lọ́wọ́ àwọn amòye náà. **17** Nígbà náà ni èyí tí a ti sọtẹ́lẹ̀ láti ẹnu wòlíì Jeremiah wá ṣẹ pé: **18** "A gbọ́ ohùn kan ní Rama, ohùn réré ẹkún àti ọ̀fọ̀ ńlá, Rakeli ń sọkún àwọn ọmọ rẹ̀. Ó kọ̀ láti gbìpẹ̀ nítorí àwọn ọmọ rẹ̀ kò sí mọ́." **19** Lẹ́yìn ikú Herodu, angẹli Olúwa fi ara hàn Joṣẹfu lójú àlá ní Ejibiti **20** Ó sì wí fún un pé, "Dìde gbé ọmọ ọwọ́ náà àti ìyá rẹ̀ padà sí ilẹ̀ Israẹli, nítorí àwọn tí ń wá ẹ̀mí ọmọ ọwọ́ náà láti pa ti kú." **21** Nítorí náà, o sì dìde, ó gbé ọmọ ọwọ́ náà àti ìyá rẹ̀ ó sì wá sí ilẹ̀ Israẹli. **22** Ṣùgbọ́n